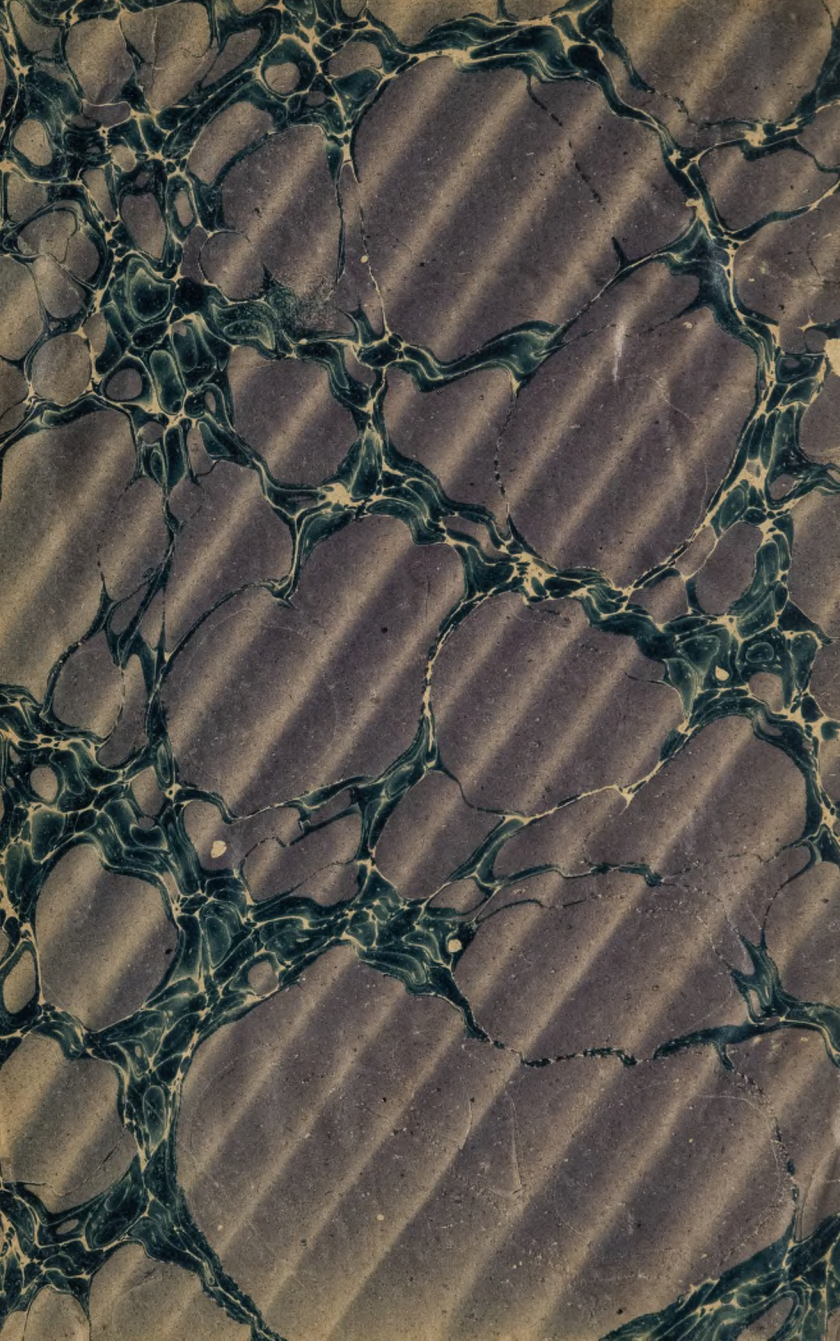








ED 178  
STRABONIS

1053

G E O G R A P H I C A

RECOGNOVIT



AUGUSTUS MEINEKE

VOLUMEN TERTIUM



24  
LIPSIAE

SUMPTIBUS ET TYPIS B. G. TEUBNERI

MDCCCLXVI.



104



# PRAEFATIO

Pergo in indicanda lectionis discrepantia a textu Kramerii:

816, 10. αἰρέσεις 16. τέτρασιν 817, 14. συστέλλει] Hoc fort. delendum 19. Ἀδραμυττίου 818, 6. post Λεκτὸν excidit comma 7. ἡ ante Ἡρα add. 10. post ὀρθῶς add. ea quae in marginem reiecit 28. ἔπειτα] Addendum videtur ἐπὶ τὰ 27. καὶ τὸν Ἐπίστροφον add. post Μύνητα 822, 9. μὲν delendum videtur 26. καθάπερ [ἐπὶ πόρους] ὁ Ἐπτάπορος? 823, 7. Σιδηρὴν 21. ἡ om. 30. καὶ add. ante Καλλισθένης 824, 4. ὁμώνυμον] Malim ἐπώνυμον 5. Πυκᾶτην] Fort. Πακτύην 6. λιθία 9. κατὰ τὸ μέγεθος ib. ἐξηλείφθη 825, 1. Αἶνον 22. 23. ἐκκειμένη] Praestat opinor ἐκκειμένης 826, 12. Λαρίσση 827, 4. ὅτι ἡ πάλαι — ὁ τόπος] Fort. ὅτι [Περικώτη] Παλαιπερικώτη μετωνομάσθη, omissis ὁ τόπος 15. Ἀρίσβα] Rectius fort. Ἀρισβα 828, 6. ἀρίστη] Fort. κρατίστη 829, 2. τόποις] Fort. λόγοις 830, 29. τελείως 831, 25. Ἀντιγονίας 832, 15. † μάντι pro βίαν τε ib. ἐνδεκαταίους 833, 6. γνωριμώτατα 834, 2. λίμνη] Fort. λιμὴν 3. Πτελεός? 20. Ἐλεοῦσσα 836, 12. Ἀντιγονίαν 16. τούτους om. 23. μεταλαμβάνεσθαι 838, 2. † ἀπέοικε 10. εἰς add. post εἰ 23. τὸ om. 24. νῦν προστιθεῖς pro συμπροστιθεῖς ib. πρόσχωμα 839, 6. Ἀλεξανδρινὴν Ἑστιάαν 15. ἀπὸ om. 840, 4. εἰς μονομαχίαν 25. Παχητίω 841, 3. οὔτε 19. αἰπὴν. \* εἵπερ \* βουλὴ καὶ μύθοισι [καὶ ἡπεροπηίδι τέχνῃ. [πέρ]θετο δὲ 23. post γούνασιν add. quae in marg. posui 842, 1. εἶθ' † ἰκετεύοντες τε φρένας 13. Σιδηρὴν 843, 19. διάδοσιν 845, 9. μὲν Αἰνέας 14. δ' ἡ pro δὴ 24. Τέννη] Malim Τέννην 29. τῆς . . . . αἰᾶς 30. Χρῦσα et hic et in sqq. 846, 2. ὁ Ξυπτεῶν 848, 25. Πολυμήδιον 849, 16. δ' om. 17. Περπερήνη 27. Πολίχνης 854, 19. ὥς τε 855, 1. μέντοι νῦν 856, 8. Λυδοῖς τοῖς πρότερον 15. οὖν] Malim γοῦν ib. ἐστὶ pro ἐτι 857, 8. οὐδὲ 17. εὐθὺ 27. σμίνδιοι 858, 11. καὶ om. 859, 24. Ἐλεοῦσαν 860, 11. Αἰγᾶν 12. Ἀκτᾶν καὶ Ἀρχᾶν 18. Αἰγᾶ 19. κεκλήσθαι] Fort. add. δοκεῖ 861, 24. οὐδ' ὥς] Fort. οὐδ' ὀρθῶς 862, 8. ἐν τῇ μεταξὺ 16. Παλαμηδίου 863, 1. Εὐριπον 4. τριηρικὸς] τριῆρει καὶ ἐν 14. παλαίσταν 17. τῶν μνημονευμένων? 864, 1. αὐτὴν 5. Μάρκον] Fort. Μάρκον 15. Ἐρεσσός 18. Ἐρεσσοῦ 865, 4. ὁ om. 18. ἐν αὐτῇ] Fort. ἐν

ἀκτῇ 25. Πόρδαλιν 26. Σαπέροδην 867, 9. ἐπὶ om. 871,  
 14. φυλάσσοντας 27. ἐννακισχίλια 873, 27. τε [ὁ] Μηνοδότου  
 υἱὸς καὶ [τῆς] Ἀδοβογίωνος, [ὅς] τοῦ 28. γένους ἦν, [ἦν] καὶ  
 875, 9. ὡς εἴρηται om. 13. Φωκαίαν 16. ὡς εἴρηται add. post  
 πεδιά 876, 3. τῷ] οὕτως 19. 20. πεντηκοντακέφαλον 879,  
 21. οὐδ' ἡμῖν 31. Πελτινὸν 32. ἔχον τὰς πολίχνας 880, 3.  
 Τπερβάλλουσι 4. κατὰ τὸ τοῦ 7. Ἰεράπολις 27. 28. εἴτε πάν-  
 των 881, 2 et 7. Ἰεράπολιν 8. οὖν om. 11. Κίβυρα 882,  
 3 et 18. Κιβυράται 884, 7. Φιλώτας 13. Φωκαίαν 15. ἐπα-  
 γόμενος 24. Συμωναῖοι κατέκταν om. indicata unius versus lacuna  
 29. πόλῃος ἐν Σμύρνῃ 31. Πριῶν 885, 1. Πριῶνος 6. τῆς  
 νῦν πόλεως 15. ἡμεῖς αἰπύ \* τε \* Πύλον 13. καθάπερ — 20.  
 Αἰολίδα] Haec recte suspectat Kramerus 17. ἐράτην 18. κείθεν †  
 δ' Ἀσθήεντος 19. Σμύρναν 886, 27. τινὰ] Τήνιοι Koenius ad  
 Gregorium Cor. p. 492. 887, 26. ὕψει 888, 20. Φιλώτας 23.  
 κρέσσων 889, 23. Μελάμφυλος 25. ἀποικίσαντος 30. οἶον  
 Χίον καὶ Λέσβον καὶ Κῶ add. post οἶνους 890, 5. οὖν om.  
 6. εὐδαιμονεῖ? 8. καθάπερ πον καὶ Μένανδρος ἔφη add. post  
 γάλα 891, 24. κλαίω 892, 26. πυγαλγέας] Libri πυγαλλίας vel  
 πυγαλίας, quod correxit Lobeckius 894, 24. Χειροκράτους 895,  
 3. κρήνη 23. προσχώσεις 896, 5. μηδεῖς 10. Ἀρτεμίδωρος  
 καὶ om. 28. μαντεῖον ἦν ποτε παλαιὸν 897, 3. ἐρινεὸς † ὅς-  
 σους ὀλύνθους 898, 24. 25. ἀποικία 899, 2. πρόσβορον  
 900, 5. Κυβελία 12. ἐννακισίων 31. μετὰ 901, 4. ἐς 31.  
 στορεννύντες 903, 16. Δελφῶν] Fortasse Αἰολέων 17 — 21.  
 περὶ — ἀδμῆς] Haec fort. ex margine addita sunt 19. Κορωνίς?  
 904, 1. 2. εὐτυχῆσαντος πολὺν χρόνον † τῷ δ' ἐξῆς ἔτει Μιλη-  
 σίους 7. κλαίειν θάσσαν 15. καθεστηκὸς 16. Σίμων 20.  
 τῷ om. 26. ἐξῆρε] Fortasse ἐπῆρε, propter sensus ambiguitatem  
 26. 27. ἔτι μάλιστα] Scripsi ὅτι μάλιστα. Fort. ἔτι μᾶλλον 29. ἱε-  
 ρώμενον 905, 9. ἐκβάλλουσί γε 14. Μνουσίων 906, 24. δὴ  
 καὶ τοὺς 29. ἐγκαλοῦντες 907, 8. τῶν τοσοῦτων 10. ἀπαλη-  
 λιμμένοι 14. Τρωῶλον] Fort. κατὰ Τρωῶλον ib. πρὸς τὸν νότον  
 19. Ἀσίω 28. Κοσκινία 909, 5. Φοῖνιξ] Imo Φοῖνιξ 6. Ἐλε-  
 οῦσσα 19. lacunae signa om. 910, 2. ταύτη. ἐπ' ἄκρω δὲ φρού-  
 ριον ὁμώνυμον τῷ ὄρει Φοῖνιξ 3. Ἐλεοῦσσα 4. τέτρασι 911,  
 3. δ' ὅμως] Fortasse δέ πως 4. σιταρχεῖται] Imo σιταρχεῖται 6.  
 ὀφωναζόμενοι] Fortasse ὀφωναζομένων 912, 11. θείω] Fortasse  
 φθόνω 12. ζῶων] Fortasse διζῶν 913, 6. Ρόδον 23. ἐννα-  
 κισίων 31. Γυμνησίας Βαλεαρίδας 914, 15. φιλοσοφίας 21.  
 γὰρ pro δὲ 31. Ἐλεοῦντος 915, 24. Ζεφύρα 26. lacunam om.  
 Fort. θανμαστόν supplendum 32. Ἀρχόννησος 916, 22. 23.  
 ἐπελθόντος — ὑπέμεινεν post Ἀλικαρνασσὸν 21. 917, 6. τῆς Κῶας  
 23. ἱερὸν add. post μεστὸν 28. προσταχθέντος] Fort. ἐπιτα-  
 χθέντος 919, 8. Χαλκήτωρ 10. αὐτοῦ] Malim αὐτῶν 12. λι-  
 θίαν 21. Ὅσογῶ 22. Λαβρανδηρῶν et Λάβρανδα 920, 28.



*Λαβίηρον* 921, 29. *Κατόνας* 922, 3. *μὲν* fort. *delendum* 26.  
*δεῦτε* 924, 14. *πως* 15. *οὐδ'* 17. *ὀλίγον* 925, 18. *καὶ*  
*ταύτη μὲν ἐπεστὶν* 928, 13. *Τελμησσός et Τελμησσίς* 24. *ὁμώ-*  
*νυμος]* *ὁμογενής an ὁμόγονος?* 26. *οἱ* pro *τὸ* 30. *τὸν* 829,  
23. *δὲ καὶ αἱ* 29. *Φασήλις et sic constanter* 930, 2. *τὰ om.*  
931, 13. *σταδίους* pro *Σύλλιον* 932, 7. *προσβόρων* 11. *ὦν*  
*ib.* *πρόσβορον* 934, 8. *ποταμός* pro *πόλις* 11. *Πλατανιστός*  
18. *σταδίων. ἐν τούτῳ δ'* 24. *ἐννακοσίους* 27. *διανομία ἐξή-*  
*κοντα* 32. *δ' om.* 935, 11. *εἰς Ῥώμην]* Aut haec *delenda sunt*,  
aut cum *Kramero* ἐν *Ῥώμης* scribendum 937, 9. *Καλυνιάδων*  
939, 6. *δὴ* 9. *ταχὺ* 28. *lac. om.* 30. *τάλλά τ'* 940, 8.  
*Βοηθοῦ* 941, 15. 16. *τὸννομα* 942, 19. *Φιλώτας* 27. *Αἰ-*  
*γαῖαι]* Rectius fort. *Αἰγαίαι* 943, 8. *Μόψον ἐστία* 9. *καὶ ante*  
*πύλαι om.* 948, 21. *ἐν τῶν om.* 949, 26. *Σειληνοῦ]* Operarum  
error pro *Σιληνοῦ* 950, 29. *προκείμενα* 951, 5. *ἐννακοσίον*  
30. *ταύτας* 952, 4. *lac. om.* 9. *ἄκρα om.* 17. *ἡμόνος* 19.  
*δι' εἰαρινῶν* 20. *ξεφύρων* 21. *οὕτε ξεφύρω* 31. *Ἰεροκηπὶς*  
957, 16. *Ῥδρακας* 29. *αὐτῷ μαίαν]* Fortasse *αὐτόμαιαν* 30. *καὶ*  
*τὰ ἐξῆς fortasse delenda* 959, 20. *δ' om.* 960, 22. *ἂν τι]* Malim  
*ἂν πον* 961, 8. *δι' αὐτοῦ τοῦ πεδίου* 962, 18. *ὀκτανισχιλίων*  
*ib.* *Αἰθιοπίαν]* Adde *πλάτος δὲ πεντανισχιλίων* cum *Bernhardo*  
*Eratosth.* p. 97. 26. *εἴκοσι* 968, 6. *μήτ'* 11. *γε]* Malim δὲ  
969, 20. *μορφαῖς]* Fortasse *ὀρμαῖς* 30. *οὕτω πεπεισμένως* 974,  
8. *τρυβλίον* 977, 24. *καὶ γάρ]* Fortasse *καὶ τοι* 978, 14. *μεγέ-*  
*θους* *ib.* 21. *εἴκοσι* 982, 11. *πράως* 22. *ἔχει* 983, 4. *οὖν*  
*ib.* 8. *τιθασσῶν* 10. *εὐτιθασσεύτους* 15. *δ' om.* Sed fortasse  
*omnia haec οὗτος — ἐλέφαντα in marginem reiicienda sunt* 984, 19.  
*γένοιτο]* Fort. *γίνονται* 985, 20. *δ' om.* 986, 25. *δ' om.*  
987, 25. *τῆς στρατιάς* 988, 2. *χρωμένοις]* Fort. *χρωμένων* 13.  
*οὐδ'* 17. *γυμνάσιον* 991, 24. *κωδωνοφορεῖσθαι]* Fort. *κωδω-*  
*νοκροτεῖσθαι* 993, 31. *ἐσθῆτος φλοιῶν δενδρείων]* Fort. *ἐσθη-*  
*τοὺς φλοῖω δενδρεῖω* 995, 32. *εἴρηται καὶ ἄλλοις ταῦτα]* Haec  
fortasse *delenda* 997, 23. *διαφέρει* 999, 1. *οἷστοὺς* 18. *λιθίαν*  
1000, 23. *ἀπὸ* 1001, 11. *τιθασσοὶ* 14. *τιθασσευμένων*  
1003, 6. *γυμνὸν ἐπαληθιμμένον* 1004, 10. *πίτσουσι* 1005,  
15. *χειροῦμένον et προϊόντα* 30. *ὅμως* 1007, 1. *ἡῖόνα* 1009,  
25. *Ἀριανὴν* 1011, 30. *ἐκπλέοντας· ἀνακαλεῖν δὲ* 1012, 30.  
*πυκνόρρωγα et μεγάλόρρωγα* 1013, 29. *δισχιλίων* 1014, 17.  
*δὴ καὶ κτίσμα* 27. *τε* 1016, 1. *καὶ pro κατὰ* 1019, 18.  
*ἀλεαίνεσθαι* 20. *τὴν add. ante γῆν* 1021, 31. *γάρ ἐστὶ τὸ*  
1022, 10 et 11. *Ὁμανοῦ* 1023, 14. *μάξα* 17. *σφενδοноοῦντες*  
21. *ἄλλων τῶν om.* 1024, 4. *ἀνθινός* 5. *ἢ ἀνθινὸν* *ib.*  
*ἀνθινὸν* 6. *καὶ ante διπλοῦς add.* 9. *δὲ om.* 11. *καὶ om.*  
23. 24. *Πολύκριτος* 1026, 28. *Χαζηνή* 1027, 26. *Σαρδανα-*  
*πάλον* 31. 32. *μεταξὺ ἔχονσα τὸν Ἀνκον* 1028, 25. *ὀγδοή-*  
*κοντα* 29. *ὥς* 1030, 8. *τῇ om.* 12. *Βαβυλωνία* 15. *οὐ κα-*

ταδέχονται 24. Κιθήνα 1032, 23. δὲ om. 1035, 12. τριακο-  
 σάχρα. In Vindiciis Strab. p. 232, 2. operarum errore impressum est  
 τριακοντοσιάχουν 1036, 7. † πνιγέντα 24. aster. om. 1037,  
 13. ἐσπέραν καὶ om. 1038, 3. ὕστερον 1040, 15. μεταξὺ τοῦ  
 Εὐφράτου 1041, 24. Σάταλνα] Fort. Σάταλα 31. Μεσοποταμία]  
 Fort. ποταμία 1042, 3. γαγγῆτιν 29. γὰρ pro δὲ 1043, 26.  
 lac. om. 1044, 5. Ἀρσανίου] Malim Ἀρσανείου 18. τῷ Αἰγυ-  
 πτιακῷ πελάγει 1045, 26. Ἀντιγονίας. Quod scripsi Ἀντιγονείας  
 ubique restitutum oportuit, idem de similibus nominibus dictum volo  
 1046, 4. μικρῶ 1047, 21. ἰερὸν om. 1049, 26. Κεκύλιος  
 1051, 10. Σιδόνος et hic et in seqq. constanter 1053, 2. ἐς  
 1054, 5. Κλίμαξ 1056, 15. Σιδόνιοι et hic et in seqq. 1060,  
 30. καὶ ante Ἱεροσολύμων om. 1061, 1. εἰσὶν 4. Φιλαδελφίαν  
 1063, 14. προσήκει 29. † ὠροσκόποι 1065, 14. μέχρις  
 1066, 20. πίσεως 28. αἶ om. 32. † θάλατταν 1067, 3. Τα-  
 ριχίαις 8. Ἡρώδη pro Τρκανῶ 1068, 15. ἐξ Ἀμόζων, τοῦ τῆς  
 Καρμανίας 1069, 4. τὴν ib. τὰς οἰκίας, αἷς, ἐπειδὴ λεπίδες  
 1070, 2. ἀμπώτισιν et γιγνόμενα 11. Δωράκτα 25. Μαικηνὴ  
 1071, 8. ἧτις ἐστὶ πρὸς τῷ Νείλῳ μυχὸς 1072, 16. ταῦτα δὲ  
 καὶ 25. Ἀναξικράτη 1076, 3. ἀναπλάσσειν 8. ὑπὸ] Fort. ἀπὸ  
 14. οὔστοις 1078, 23. ἀμπώτισιν 1079, 5. πανοικί 1080,  
 26. εἰσὶ [δὲ] καὶ 1081, 6. οὔτε 1082, 16. ὥς om. 20. δὲ  
 γυναικες 1083, 12. δὲ] Operarum error τε 13. δὲ add. post δια-  
 γρυνπροῦσι 1084, 7. δὲ 9. Ναβαταία 12. ἐληΐζοντο 1085,  
 12. τὰ παλαιὰ 1088, 26. λιθίαν 1091, 21. ἐνναταῖος 1094,  
 8. καθάπερ — ἐμβλητότεροι] Haec fort. in marginem reicienda 15 et  
 17. Σιδονίων et Σιδόνιοι 1096, 12 et 26. τι om. 1097, 2.  
 ἐπὶ 1098, 15. ἐργαζομένους 22. καὶ ἔξ om. 1101, 9. κειρά  
 et ψυχομένη 1103, 3. ὑποβαλλόμενος] Ita corrige operarum erro-  
 rem 23. ἐπ' αὐτῇ 1104, 16. πλωιζομένων pro πλοῖζομένων,  
 sic enim volebam 1107, 2. οὖν om. 1108, 23. Καيسάριον  
 1109, 2. Σαράπιον 15. 16. ἄλλαι] Fort. καλῆαι 1112, 24.  
 ἔθους] Fort. ἥθους 1114, 22. Λιβυκὸν] Fort. βύμιον 1117, 10.  
 τῶν [μὲν] ἐν 1120, 20. νιτρίαι] Fort. νιτρεῖαι et mox Νιτρεώτης  
 30. δὴ ante διότι fort. add. 1122, 22. Φακνούσης 1126, 16.  
 Σαράπιον 1127, 3. μιᾶς om. 4. σύριγξ 5. ἐστὶ pro ἐπὶ 8.  
 δαπάνης] Fort. ἀπὸ δαπάνης 1130, 11. μήτε τὴν 19. ἢ μὲν  
 [γὰρ] ἀλμυρίς 1131, 14. ἐφ' ἐνός] Fort. ἀφ' ἐνός 25. μεγάλῳ]  
 Fort. μέγα τῷ 1132, 4. post τε add. καὶ Θεοδοσίας 17. προ-  
 χοῖδιόν 1134, 10. † ὁλόλιθον 1135, 3. διοσημειῶν 19. 20.  
 τοῦτον δ' ἐνδοθεν εἶναι . . . . οὐχ ὥσπερ 22. 23. ὥς καὶ — Κρο-  
 νίων] Haec fort. delenda 1136, 2. εὐγενείας] Fort. διογενείας vel  
 θεογενείας 1138, 25. † θήκαις 1139, 10. μέχρις 1141, 9.  
 ἡ om. 16. θυναί 29. φοίνιξ 1142, 29. οὔτε] Malim οὐδὲ  
 1143, 1. γοῦν] Malim γὰρ 1146, 8. καὶ ὅρη συχνὰ 1147, 22.  
 κεραμίαις 1148, 32. διάφορος] Non opus videtur ut διάτορος scri-



batur 1149, 8. καθαρῶν 1150, 5. ἀθρόον 9. καὶ add. ante περὶ 26. τὰς pro τοὺς 1154, 20. † καλεῖται] Hoc fort. non tentandum, si ἄκραν illam per excellentiam μεγάλην ἄκραν vocatam esse statuere licet 1155, 30. Μαυρουσίους 1156, 10. 11. κατεσκαμμένας 1158, 2. lac. om. 1159, 17. Ἦν δὲ 1160, 29. 30. ἐν τῷ αὐτῷ 1161, 10. καὶ add. ante στάσεις 1163, 5. κρεωφάγους 1164, 7. om. lac. Excidisse videtur εἴτα ἄκρα 1165, 6. διάγραμμα τὸ [ἐπὶ] Λοκρῶν. Fort. διάγραμ' ἀπὸ Λοκρῶν 7. Κίρνη (Κίρνη?) om. 1167, 11. Τριτωνιάδα 18. καὶ τὸν Χελωνάταν om. 1168, 2. Ἀπολλωνιάς 1169, 6. Ἀννικερίαν 27. † Ἀρδανίξις 29. τρισχιλίων 32. Πλύνος.

De aliis locis in Vindiciis dictum est, in quo libro quas proposui coniecturas, non omnes in his variatae lectionis indicibus commemorandas duxi. nonnulla, a me ipso dudum reiecta, consulto omisi.

Berolini d. 30. mens. Ianuarii a. MDCCCLIII.

Augustus Meineke.

### A d d e n d a

Vol. I p. VIII, 31. post Epit. adde: καὶ βοσκημάτων ἀφθονία παντοίων καὶ κννηγεσίων

P. 9, 1. προσήκει] Libri προσῆκε. cf. p. 12, 3. ἡμῖν δὲ προσήκει, ubi item libri προσῆκε (nisi quod A ei habet super ε) ut p. 16, 17. et 490, 25. quorum locorum primo Spengel προσήκει

P. 52. in margine inferiore adde haec: 28. εὐτυχίας ante εὐτεχνίας

P. 191, 3. Σέξτος] BCb Σέξστος, non A, qui Σέξστος habet p. 258 et 268. Cas. Hanc scripturam confirmant tituli, in quibus Σέξστος frequentius quam Σέξτος scribi constat, at Σέξτος idem A cum ceteris libris exhibet p. 161 et 243. Cas. denique p. 178. pro Σέξτια codd. habent Σέκτια et p. 180. Σεκέτιος pro Σέξτιος

P. 384. ἢ πάντας ἀποθάνειν] V. Lobeckium ad Phryn. p. 751.





Μέχρι μὲν δεῦρο ἀφωρίσθω τὰ περὶ τῆς Φρυγίας· C.581

1

ἐπανιόντες δὲ πάλιν ἐπὶ τὴν Προποντίδα καὶ τὴν ἑφε-  
ξῆς τῷ Αἰσὴπῳ παραλίαν τὴν αὐτὴν τῆς περιοδείας  
5 τάξιν ἀποδώσομεν. ἔστι δὲ Τρωὰς πρώτη τῆς παρα-  
λίας ταύτης, ἣς τὸ πολυθρύλητον καίπερ ἐν ἑρειπίοις  
καὶ ἐν ἐρημίᾳ λειπομένης ὅμως πολυλογίαν οὐ τὴν τυ-  
χοῦσαν παρέχει τῇ γραφῇ. πρὸς τοῦτο δὲ συγγνώμης  
δεῖ καὶ παρακλήσεως, ὅπως τὴν αἰτίαν τοῦ μήκους μὴ  
10 ἡμῖν μᾶλλον ἀνάπτωσιν οἱ ἐντυγχάνοντες ἢ τοῖς σφό-  
δρα ποθοῦσι τὴν τῶν ἐνδόξων καὶ παλαιῶν γνῶσιν·  
προσλαμβάνει δὲ τῷ μήκει καὶ τὸ πλῆθος τῶν ἐποικη-  
σάντων τὴν χώραν Ἑλλήνων τε καὶ βαρβάρων, καὶ οἱ  
συγγραφεῖς οὐχὶ τὰ αὐτὰ γράφοντες περὶ τῶν αὐτῶν  
15 οὐδὲ σαφῶς πάντα· ὧν ἐν τοῖς πρώτοις ἔστιν Ὅμηρος  
εἰκάξειν περὶ τῶν πλείστων παρέχων. δεῖ δὲ καὶ τὰ  
τούτου διαιτᾶν καὶ τὰ τῶν ἄλλων ὑπογράψαντας πρό-  
τερον ἐν κεφαλαίῳ τὴν τῶν τόπων φύσιν.

Ἀπὸ δὲ τῆς Κυζικηνῆς καὶ τῶν περὶ Αἰσῆπον τό- 2  
20 πων καὶ Γράνικον μέχρι Ἀβύδου καὶ Σηστοῦ τὴν τῆς  
Προποντίδος παραλίαν εἶναι συμβαίνει, ἀπὸ δὲ Ἀβύδου  
μέχρι Λεκτοῦ τὰ περὶ Ἴλιον καὶ Τένεδον καὶ Ἀλεξάν-  
δρειαν τὴν Τρωάδα· πάντων δὲ τούτων ὑπέρκειται ἡ  
Ἰδὴ τὸ ὅρος μέχρι Λεκτοῦ καθήκουσα· ἀπὸ Λεκτοῦ δὲ  
25 μέχρι Καῖκου ποταμοῦ καὶ τῶν Κανῶν λεγομένων ἔστι  
τὰ περὶ Ἀσσον καὶ Ἀδραμύττιον καὶ Ἀταρνέα καὶ Πι-  
τάνην καὶ τὸν Ἑλαϊτικὸν κόλπον· οἷς πᾶσιν ἀντιπα-  
ρήκει ἡ τῶν Λεσβίων νῆσος· εἰδ' ἐξῆς τὰ περὶ Κύμην· C.582

μέχρι Ἑρμου καὶ Φωκαίας, ἥπερ ἀρχὴ μὲν τῆς Ἰωνίας ἐστὶ πέρας δὲ τῆς Αἰολίδος. τοιούτων δὲ τῶν τόπων ὄντων ὁ μὲν ποιητὴς ἀπὸ τῶν περὶ Αἴσηπον τόπων καὶ τῶν περὶ τὴν νῦν Κυζικηνὴν χώραν ὑπαγορεύει μάλιστα τοὺς Τρωᾶς ἄρξαι μέχρι τοῦ Καϊκού ποταμοῦ 5 διηρημένους κατὰ δυναστείας εἰς ὅκτω μερίδας ἢ καὶ ἐννέα· τὸ δὲ τῶν ἄλλων ἐπικούρων πλῆθος ἐν τοῖς συμμαχοῖς διαριθμεῖται.

- 3 Οἱ δ' ὕστερον τοὺς ὄρους οὐ τοὺς αὐτοὺς λέγουσι καὶ τοῖς ὀνόμασι χρῶνται διηλλαγμένως, διαιρέσεις 10 νέμοντες πλείους. μάλιστα δὲ αἱ τῶν Ἑλλήνων ἀποικίαι παρεσχήκασιν λόγον· ἦττον μὲν ἢ Ἰωνικὴ (πλείονι γὰρ διέστηκε τῆς Τρωάδος), ἢ δὲ τῶν Αἰολέων παντάπασιν· καθ' ὅλην γὰρ ἐσκεδάσθη ἀπὸ τῆς Κυζικηνῆς μέχρι τοῦ Καϊκού καὶ ἐπέλαβεν ἔτι πλεόν, τὴν μεταξὺ τοῦ 15 Καϊκού καὶ τοῦ Ἑρμου ποταμοῦ. τέτταρσι γὰρ δὴ γε-νεαῖς πρεσβυτέραν φασὶ τὴν Αἰολικὴν ἀποικίαν τῆς Ἰωνικῆς, διατριβάς δὲ λαβεῖν καὶ χρόνους μακροτέρους. Ὁρέστην μὲν γὰρ ἄρξαι τοῦ στόλου, τούτου δ' ἐν Ἀρ-καδίᾳ τελευτήσαντος τὸν βίον διαδέξασθαι τὸν υἱὸν 20 αὐτοῦ Πενθίλον, καὶ προελθεῖν μέχρι Θωράκης ἐξή-κοντα ἔτεσι τῶν Τρωικῶν ὕστερον, ὑπ' αὐτὴν τὴν τῶν Ἡρακλειδῶν εἰς Πελοπόννησον κάθοδον· εἶτ' Ἀρ-χέλαον υἱὸν ἐκείνου περαιῶσαι τὸν Αἰολικὸν στόλον εἰς τὴν νῦν Κυζικηνὴν τὴν περὶ τὸ Δασκύλιον· Γραῦν 25 δὲ τὸν υἱὸν τούτου τὸν νεώτατον προελθόντα μέχρι τοῦ Γρανίκου ποταμοῦ καὶ παρεσκευασμένον ἄμεινον περαιῶσαι τὸ πλεόν τῆς στρατιᾶς εἰς Λέσβον καὶ κατα-σχεῖν αὐτήν· Κλεΰην δὲ τὸν Δώρου καὶ Μαλαόν, καὶ αὐτοὺς ἀπογόνους ὄντας Ἀγαμέμνονος, συναγαγεῖν 30 μὲν τὴν στρατιὰν κατὰ τὸν αὐτὸν χρόνον καθ' ὃν καὶ Πενθίλος, ἀλλὰ τὸν μὲν τοῦ Πενθίλου στόλον φθῆναι



περαιωθέντα ἐκ τῆς Θωράκης εἰς τὴν Ἀσίαν, τούτους δὲ περὶ τὴν Λοκρίδα καὶ τὸ Φοικίον ὄρος διατρίψαι πολὺν χρόνον, ὕστερον δὲ διαβάντας κτίσαι τὴν Κύμην τὴν Φοικωνίδα κληθεῖσαν ἀπὸ τοῦ Λοκρικοῦ ὄρους.

- 5 Τῶν Αἰολέων τοίνυν καθ' ὅλην σκεδασθέντων 4 τὴν χώραν, ἣν ἔφαμεν ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ λέγεσθαι Τρωικήν, οἱ ὕστερον οἱ μὲν πᾶσαν Αἰολίδα προσαγορεύουσιν οἱ δὲ μέρος, καὶ Τροίαν οἱ μὲν ὅλην οἱ δὲ μέρος αὐτῆς, οὐδὲν ὅλως ἀλλήλοις ὁμολογοῦντες. εὐθὺς γὰρ 10 ἐπὶ τῶν κατὰ τὴν Προποντίδα τόπων ὁ μὲν Ὅμηρος ἀπὸ Αἰσηίου τὴν ἀρχὴν ποιεῖται τῆς Τρωάδος, Εὐδοξος δὲ ἀπὸ Πριάπου καὶ Ἀρτάκης τοῦ ἐν τῇ Κυζικηνῶν νήσῳ χωρίου ἀνταίροντος τῷ Πριάπῳ, συστέλλων ἐπ' ἑλαττον τοὺς ὄρους, Δαμάστις δ' ἐτι μᾶλλον συστέλλει 15 ἀπὸ Παρίου· καὶ γὰρ οὗτος μὲν ἕως Λεκτοῦ προάγει, ἄλλοι δ' ἄλλως· Χάρων δ' ὁ Δαμψακηνὸς τριακοσίους ἄλλους ἀφαιρεῖ σταδίους, ἀπὸ Πρακτίου ἀρχόμενος (τοσοῦτοι γὰρ εἰσιν ἀπὸ Παρίου εἰς Πράκτιον), ἕως μέντοι Ἀτραμυτιίου πρόεισι· Σκύλαξ δὲ ὁ Καρυαν- 20 δεὺς ἀπὸ Ἀβύδου ἀρχεται· ὁμοίως δὲ τὴν Αἰολίδα Ἐφορος μὲν λέγει ἀπὸ Ἀβύδου μέχρι Κύμης, ἄλλοι δ' ἄλλως.

- Τοπογραφεῖ δὲ κάλλιστα τὴν ὄντως λεγομένην 5 Τροίαν ἢ τῆς Ἰδης θέσις, ὄρους ὑψηλοῦ βλέποντος 25 πρὸς δύσιν καὶ τὴν ταύτη θάλατταν, μικρὰ δ' ἐπιστρέφοντος καὶ πρὸς ἄρκτον καὶ τὴν ταύτη παραλίαν. ἔστι δὲ αὕτη μὲν τῆς Προποντίδος ἀπὸ τῶν περὶ Ἀβυδον στενῶν ἐπὶ τὸν Αἰσηιον καὶ τὴν Κυζικηνήν· ἢ δ' ἐσπερία θάλαττα ὅ τε Ἑλλήσποντός ἐστιν ὁ ἔξω καὶ τὸ Αἰ- 30 γαῖον πέλαγος. πολλοὺς δ' ἔχουσα πρόποδας ἢ Ἰδη καὶ σκολοπενδρώδης οὕσα τὸ σχῆμα ἐσχάτοις ἀφορίζεται τούτοις, τῷ τε περὶ τὴν Ζέλειαν ἀκρωτηρίῳ καὶ τῷ

καλουμένῳ Λεκτῷ, τῷ μὲν τελευτῶντι εἰς τὴν μεσό-  
 γαιαν μικρὸν ὑπὲρ τῆς Κυζικηνῆς (καὶ δὴ καὶ ἔστι νῦν  
 ἡ Ζέλεια τῶν Κυζικηνῶν). τὸ δὲ Λεκτὸν εἰς τὸ πέλα-  
 γος καθήκει τὸ Αἰγαῖον ἐν παράπλῳ κείμενον τοῖς ἐκ  
 Τενέδου πλέουσιν εἰς Λέσβον. „Ἰδὴν δ' ἵκανον πολυ- 5  
 „πίδακα μητέρα θηρῶν, Λεκτὸν ὅθι πρῶτον λιπέτην  
 „ἄλλα“ Ὑπνος καὶ Ἥρα, τοῖς οὖσιν οἰκείως τοῦ ποιητοῦ  
 φράζοντος τὸ Λεκτὸν· καὶ γὰρ ὅτι τῆς Ἰδῆς ἐστὶ τὸ  
 Λεκτὸν καὶ διότι πρώτη ἀπόβασις ἐκ θαλάττης αὕτη  
 τοῖς ἐπὶ τὴν Ἰδὴν ἀνιοῦσιν, εἴρηκεν ὀρθῶς. 10

Τοὺς δὴ πρόποδας τοὺς ἐσχάτους ἐφ' ἐκάτερα φρά-  
 ζων οὕτως τὸ Λεκτὸν καὶ τὴν Ζέλειαν, οἰκείως τούτων  
 ἀκρώρειαν ἀφορίζει Γάργαρον, ἄκρον λέγων· καὶ γὰρ  
 καὶ νῦν Γάργαρον ἐν τοῖς ἄνω μέρεσι τῆς Ἰδῆς δείκνυ-  
 ται τόπος, ἀφ' οὗ τὰ νῦν Γάργαρα πόλις Αἰολική. ἐντὸς 15  
 μὲν οὖν τῆς Ζελείας καὶ τοῦ Λεκτοῦ πρῶτά ἐστιν ἀπὸ  
 τῆς Προποντίδος ἀρξαμένοις [τὰ] μέχρι τῶν κατ' Ἀβυ-  
 δον στενῶν, εἰτ' ἔξω τῆς Προποντίδος τὰ μέχρι Λεκτοῦ.

C.584

6

Κάμψαντι δὲ τὸ Λεκτὸν ἀναχεῖται κόλπος μέγας,  
 ὃν ἡ Ἰδὴ ποιεῖ πρὸς τὴν ἡπειρον ἀποχωροῦσα ἀπὸ τοῦ 20  
 Λεκτοῦ, καὶ αἱ Κάναι, τὸ ἐκ θατέρου μέρους ἀντικεί-  
 μενον ἀκρωτήριον τῷ Λεκτῷ· καλοῦσι δ' οἱ μὲν Ἰδαῖον  
 κόλπον, οἱ δ' Ἀδραμυττηνόν. ἐν τούτῳ δὲ αἱ τῶν Αἰο-  
 λέων πόλεις μέχρι τῶν ἐκβολῶν τοῦ Ἑρμου, καθάπερ  
 εἰρήκαμεν. εἴρηται δὲ ἐν τοῖς ἔμπροσθεν, ὅτι τοῖς ἐκ 25  
 Βυζαντίου πλέουσι πρὸς νότον ἐπ' εὐθείας ἐστὶν ὁ  
 πλοῦς, πρῶτον ἐπὶ Σηστὸν καὶ Ἀβυδον διὰ μέσης τῆς  
 Προποντίδος, ἔπειτα \* τῆς παραλίας τῆς Ἀσίας μέχρι

10. post ὀρθῶς: καὶ τὸ πολυπίδακον· εὐνδροτάτον γὰρ κατὰ  
 ταῦτα μάλιστα τὸ ὄρος. δηλοῖ δὲ τὸ πλῆθος τῶν ποταμῶν „ὅσσοι  
 ἀπ' Ἰδαίων ὀρέων ἄλαδε προρέουσι, Ῥῆσός θ' Ἐπτάπορος τε“  
 καὶ οἱ ἑξῆς, οὓς ἐκεῖνος εἴρηκε καὶ ἡμῖν νυνὶ πάρεστιν ὀρεῶν.



Καρίας. ταύτην δὴ φυλάττοντας χρὴ τὴν ὑπόθεσιν ἀκούειν τῶν ἐξῆς, καὶ λέγωμεν κόλπους τινὰς ἐν τῇ παραλίᾳ, τὰς τε ἄκρας δεῖ νοεῖν τὰς ποιούσας αὐτοὺς ἐπὶ τῆς αὐτῆς γραμμῆς κειμένας ὥσπερ τινὸς με-  
3 σημβρινῆς.

Ἐκ δὴ τῶν ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ λεγομένων εἰκάζουσιν 7 οἱ φροντίσαντες περὶ τούτων πλέον τι, πᾶσαν τὴν παραλίαν ταύτην ὑπὸ τοῖς Τρωσὶ γεγονέναι, διηρημένην μὲν εἰς δυναστείας ἑννέα, ὑπὸ δὲ τῷ Πριάμῳ τεταγμέ-  
10 νην κατὰ τὸν Ἰλιακὸν πόλεμον καὶ λεγομένην Τροίαν· δῆλον δὲ ἐκ τῶν κατὰ μέρος. οἱ γὰρ περὶ τὸν Ἀχιλλέα τειχῆρεις ὁρῶντες τοὺς Ἰλιάας κατ' ἀρχάς, ἔξω ποι-  
εῖσθαι τὸν πόλεμον ἐπεχείρησαν καὶ περιόοντες ἀφαι-  
ρεῖσθαι τὰ κύκλῳ „δῶδεκα δὴ σὺν νηυσὶ πόλεις ἀλά-  
15 „παξ' ἀνθρώπων, πεξὸς δ' ἑνδεκά φημι κατὰ Τροίην ἐρίβωλον.“ Τροίαν γὰρ λέγει τὴν πεπορθημένην ἥπει-  
ρον· πεπόρθηται δὲ σὺν ἄλλοις τόποις καὶ τὰ ἀντικείμενα τῇ Λέσβῳ τὰ περὶ Θήβην καὶ Αὐρνησσὸν καὶ Πή-  
δασον τὴν τῶν Δελέγων καὶ ἔτι ἡ τοῦ Εὐρύπυλου τοῦ  
20 Τηλέφου παιδός „ἀλλ' οἶον τὸν Τηλεφίδην κατενή-  
„ρατο χαλκῷ“ ὁ Νεοπτόλεμος „ἦρω Εὐρύπυλον.“ ταῦ-  
τα δὴ πεπορθησθαι λέγει καὶ αὐτὴν τὴν Λέσβον „ὅτε  
„Λέσβον ἐνκτιμένην ἔλεν αὐτός.“ καὶ „πέρσε δὲ Αὐρ-  
„νησσὸν καὶ Πήδασον.“ καὶ „Αὐρνησσὸν διαπορθή-  
25 „σας καὶ τείχεα Θήβης.“

Ἐκ μὲν Αὐρνησσοῦ ἡ Βρισηὶς ἐάλω „τὴν ἐκ Αὐρ-  
„νησσοῦ ἐξέειλετο.“ ἥς ἐν τῇ ἀλώσει τὸν Μύνητα πε-  
σεῖν φησιν, ὡς ἡ Βρισηὶς θρηνοῦσα τὸν Πάτροκλον  
δηλοῖ „οὐδὲ μὲν οὐδέ μ' ἔασκες, ὅτ' ἄνδρ' ἐμὸν ὦκὺς  
30 „Ἀχιλλεὺς ἐκτεινεν, πέρσεν δὲ πόλιν θείοιο Μύνητος,

C.585, „κλαίειν.“ ἐμφαίνει γὰρ τὴν *Λυρνησδὸν* λέγων „πόλιν  
 θείοιο Μύνητος,“ ὡς ἂν δυναστευομένην ὑπ’ αὐτοῦ,  
 καὶ ἐνταῦθα πεσεῖν αὐτὸν μαχόμενον. ἐκ δὲ τῆς Θή-  
 βης ἡ Χρυσῆς ἐλήφθη „ᾧχόμεθ’ ἐς Θήβην ἱερὴν πόλιν  
 „*Ἡετίωνος*.“ ἐκ δὲ τῶν ἀχθέντων ἐκεῖθεν φησὶν εἶναι 5  
 τὴν Χρυσήϊδα. „*Ἀνδρομάχη* θυγάτηρ *μεγαλήτορος Ἡε-  
 „τίωνος, Ἡετίων*, ὃς ἔναιεν ὑπὸ Πλάκῳ ὑληέσση, Θήβῃ  
 „ὑποπλακίῃ, *Κιλίκεσσ’* ἄνδρεςσιν ἀνάσσω.“ δευτέρᾳ  
 οὖν αὕτη δυναστεία Τρωικὴ μετὰ τὴν ὑπὸ Μύνητι. οἰ-  
 κείως δὲ τούτοις καὶ τὸ ὑπὸ τῆς *Ἀνδρομάχης* λεχθέν οὐ- 10  
 τως „*Ἔκτορ*, ἐγὼ δύστηνος· ἢ ἄρα γεινόμεθ’ αἰσὴ ἀμ-  
 „φότεροι, σὺ μὲν ἐν Τροίῃ *Πριάμου* ἐνὶ οἴκῳ, αὐτὰρ  
 „ἐγὼ Θήβῃσιν,“ οὐκ οἴονται δεῖν ἐξ εὐθείας ἀκούειν,  
 ἀλλὰ καθ’ ὑπερβατόν „ἀμφότεροι ἐν Τροίῃ, σὺ μὲν  
 „*Πριάμου* ἐνὶ οἴκῳ, αὐτὰρ ἐγὼ Θήβῃσι.“ τρίτῃ δ’ ἐστὶν 15  
 ἡ τῶν *Λελέγων*, καὶ αὕτη Τρωικὴ, „*Ἀλτew*, ὃς *Λελέ-  
 γεσσι* φιλοπτολέμοισιν ἀνάσσει.“ οὗ τῇ θυγατρὶ συνελ-  
 θὼν *Πριάμος* γεννᾷ τὸν *Λυκάονα* καὶ *Πολύδωρον*. καὶ  
 μὴν οἱ γε ὑπὸ τῷ *Ἔκτορι* ἐν τῷ καταλόγῳ ταττόμενοι  
 λέγονται Τρῶες „*Τρῶσὶ* μὲν ἡγεμόνευε μέγας κορυθαί- 20  
 ολος *Ἔκτωρ*.“ εἶθ’ οἱ ὑπὸ τῷ *Αἰνείᾳ* „*Δαρδανίων* αὐτ’  
 „ἦρχεν ἐὺς πάϊς *Ἀγχίσαι*“ καὶ οὗτοι Τρῶες· φησὶ γοῦν  
 „*Αἰνεία*, Τρῶων βουληφόρε.“ εἶθ’ οἱ ὑπὸ *Πανδάρῳ*  
*Λύκιοι*, οὓς καὶ αὐτοὺς καλεῖ Τρῶας· „οἱ δὲ *Ζέλειαν*  
 „ἔναιον ὑπαὶ πόδα νεάτου *Ἰδης*, *Ἀφνειοί*, πίνοντες 25  
 „ὔδωρ μέλαν *Αἰσῆποι*ο, Τρῶες· τῶν αὐτ’ ἦρχε *Λυκάο-  
 „νος* ἀγλαὸς υἱός, *Πάνδαρος*.“ ἔκτῃ δ’ αὕτη δυναστεία.  
 καὶ μὴν οἱ γε μεταξὺ τοῦ *Αἰσῆπου* καὶ *Ἀβύδου* Τρῶες·  
 ὑπὸ μὲν γὰρ τῷ *Ἀσίῳ* ἐστὶ τὰ περὶ *Ἀβυδον* „οἱ δ’ ἄρα  
 „*Περικώτην* καὶ *Πράκτιον* ἀμφενέμοντο, καὶ *Σηστὸν* 30

13. post ἀκούειν: σὺ μὲν ἐν Τροίῃ, αὐτὰρ ἐγὼ Θήβῃσιν ἢ  
 Θήβῃθεν



„καὶ Ἄβυδον ἔχον καὶ διὰν Ἀρίσβην, τῶν αὖθ' Ἑρτακί-  
 „δης ἦρχ' Ἄσιος.“ ἀλλ' ἐν Ἀβύδῳ μὲν υἱὸς τοῦ Πριά-  
 μου διέτριβεν, ἵππους νέμων, πατρῶας δηλονότι „ἀλλ'  
 „υἱὸν Πριάμοιο νόθον βάλε Δημοκόωντα, ὅς οἱ Ἀβυδό-  
 5 „θεν ἦλθε παρ' ἵππων ὠκειάων.“ ἐν δὲ Περκώτῃ υἱὸς C.586  
 Ἴκετάονος ἐβουνόμει οὐκ ἀλλοτρίας οὐδ' οὗτος βοῦς  
 „πρωτόν δ' Ἴκεταονίδην ἐνένιπεν, ἵφθιμον Μελά-  
 „νιππον· ὁ δ' ὄφρα μὲν εἰλίποδας βοῦς βόσκ' ἐν Περ-  
 „κώτῃ.“ ὥστε καὶ αὕτη ἂν εἴη Τρωᾶς καὶ ἡ ἐφεξῆς  
 10 ἕως Ἀδραστείας· ἦρχον γὰρ αὐτῆς „υἷε δὴ Μερσος  
 „Περκωσίου.“ πάντες μὲν δὴ Τρωᾶς οἱ ἀπὸ Ἀβύδου  
 μέχρ' Ἀδραστείας, δίχα μέντοι διηρημένοι, οἱ μὲν ὑπὸ  
 τῷ Ἀσίῳ οἱ δ' ὑπὸ τοῖς Μερσπίδαϊς· καθάπερ καὶ ἡ  
 τῶν Κιλικίων διττή, ἡ μὲν Θηβαϊκὴ ἡ δὲ Ἀυρηνησίδις·  
 15 ἐν αὐτῇ δ' ἂν λεχθεῖη ἡ ὑπὸ Εὐρυπύλῳ ἐφεξῆς οὖσα  
 τῇ Ἀυρηνησίδι. ὅτι δὲ τούτων ἀπάντων ἦρχεν ὁ Πριά-  
 μος οἱ τοῦ Ἀχιλλέως λόγοι πρὸς τὸν Πριάμον σαφῶς  
 ἐμφανίζουσι „καὶ σε, γέρον, τὸ πρὶν μὲν ἀκούομεν ὅλ-  
 „βιον εἶναι, ὅσσον Ἀέσβος ἄνω Μάκαρος πόλις ἐν-  
 20 „τὸς ἔργει, καὶ Φρυγίῃ καθύπερθε καὶ Ἑλλήσποντος  
 „ἀπείρων.“

Τότε μὲν οὖν τοιαῦτα ὑπῆρχεν, ὕστερον δὲ ἦκο- 8  
 λούθησαν μεταβολαὶ παντοῖαι. τὰ μὲν γὰρ περὶ Κύζι-  
 κον Φρύγες ἐπώκησαν ἕως Πρακτίου, τὰ δὲ περὶ Ἄβυ-  
 25 δον Θρᾶκες· ἔτι δὲ πρότερον τούτων ἀμφοῖν Βέβρονκες  
 καὶ Δρύορες· τὰ δ' ἐξῆς Τρῆρες, καὶ οὗτοι Θρᾶκες·  
 τὸ δὲ Θήβης πεδίον Λυδοί, οἱ τότε Μήρονες, καὶ Μυ-  
 σῶν οἱ περιγεγόμενοι τῶν ὑπὸ Τηλέφῳ πρότερον καὶ  
 Τεύθραντι. οὕτω δὴ τοῦ ποιητοῦ τὴν Αἰολίδα καὶ τὴν  
 30 Τροίαν εἰς ἓν συντιθέντος, καὶ τῶν Αἰολέων τὴν ἀπὸ  
 τοῦ Ἑρμοῦ πᾶσαν μέχρ' ἰσχυρὰς κατὰ Κύζικον παραλίας  
 κατασχόντων καὶ πόλεις κτισάντων, οὐδ' ἂν ἡμεῖς ἀτό-

πως περιοδεύσαιμεν, εἰς ταὐτὸ συντιθέντες τὴν τε Αἰολίδα νῦν ἰδίως λεγομένην τὴν ἀπὸ τοῦ Ἑρμοῦ μέχρι Δεκτοῦ καὶ τὴν ἐφεξῆς μέχρι τοῦ Αἰσῆπου. ἐν γὰρ τοῖς καθ' ἕκαστα διακρινοῦμεν πάλιν, παρατιθέντες ἅμα τοῖς νῦν οὖσι τὰ ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ καὶ τῶν ἄλλων λε- 5 γόμενα.

9 Ἔστιν οὖν μετὰ τὴν τῶν Κυζικηνῶν πόλιν καὶ τὸν Αἰσῆπον ἀρχὴ τῆς Τρωάδος καθ' Ὅμηρον. λέγει δ' ἐκεῖνος μὲν οὕτω περὶ αὐτῆς „οἱ δὲ Ζέλειαν ἔναιον ὑπαὶ „πόδα νείατον Ἰδης Ἀφνειοί, πίνοντες ὕδωρ μέλαν 10 „Αἰσῆποιο, Τρωῆς· τῶν αὖθ' ἦρχε Λυκάονος ἀγλαὸς „υἱός, Πάνδαρος.“ τούτους δὲ ἐκάλει καὶ Λυκίους· C.587 Ἀφνειοὺς δὲ ἀπὸ τῆς Ἀφνίτιδος νομίζουσι λίμνης· καὶ γὰρ οὕτω καλεῖται ἡ Δασκυλίτις.

10 Ἡ μὲν δὴ Ζέλεια ἐν τῇ παρωρείᾳ τῇ ὑστάτῃ τῆς 15 Ἰδης ἔστιν, ἀπέχουσα Κυζίκου μὲν σταδίους ἐνενηήκοντα καὶ ἑκατόν, τῆς δ' ἐγγυτάτῃ θαλάττης καθ' ἣν ἐκδίδωσιν Αἰσῆπος ὅσον ὀγδοήκοντα. ἐπιμερίζει δὲ συνεχῶς τὰ κατὰ τὴν μετὰ τὸν Αἰσῆπον „οἱ δ' Ἀδρῆ- „στειάν τ' εἶχον καὶ δῆμον Ἀπαισοῦ, καὶ Πιτύαν εἶχον 20 „καὶ Τηρείης ὄρος αἰπύ, τῶν ἥρχ' Ἀδρηστός τε καὶ Ἀμ- „φιος λινοθώρηξ, υἱε δ' ὡς Μέροπος Περκωσίον.“ ταῦτα δὲ τὰ χωρία τῇ Ζελεῖᾳ μὲν ὑποπέπτωκεν, ἔχουσι δὲ Κυζικηνοὶ τε καὶ Πριαπηνοὶ μέχρι καὶ τῆς παραλίας. περὶ μὲν οὖν τὴν Ζέλειαν ὁ Τάρσιος ἔστι ποταμός, εἰκο- 25 σιν ἔχων διαβάσεις τῇ αὐτῇ ὁδῷ, καθάπερ ὁ Ἐπτάπορος, ὃν φησὶν ὁ ποιητής.

11 Ὑπὲρ δὲ τῆς ἐκβολῆς τοῦ Αἰσῆπου σχεδὸν τι....

27. post ποιητής: ὁ δ' ἐκ Νικομηδείας εἰς Νίκαιαν τέτταρας καὶ εἴκοσι, πολλοὺς δὲ καὶ ὁ ἐκ Φολόης εἰς τὴν Ἠλείαν. .... Σιγόρθων πέντε καὶ εἴκοσι, πολλοὺς δὲ καὶ ὁ ἐκ Κοσκινίων εἰς Ἀλάβανδα, πέντε δὲ καὶ ἑβδομήκοντα ὁ ἐκ Τυάνων εἰς Σόλους διὰ τοῦ Ταύρου.



σταδίοις κολωνὸς ἔστιν, ἐφ' ᾧ τάφος δαίκνυται Μέννο-  
 νος τοῦ Τιθωνοῦ· πλησίον δ' ἔστι καὶ ἡ Μέννονος κώ-  
 μη. τοῦ δὲ Αἰσῆπου καὶ τοῦ Πριάπου μεταξὺ ὁ Γράνικος  
 ῥεῖ τὰ πολλὰ δι' Ἀδραστείας πεδίου, ἐφ' ᾧ Ἀλέξαν-  
 5 δρος τοὺς Δαρείου σατράπας ἀνὰ κράτος ἐνίκησε συμ-  
 βαλὼν, καὶ πᾶσαν τὴν ἐντὸς τοῦ Ταύρου καὶ τοῦ Εὐ-  
 φράτου παρέλαβεν. ἐπὶ δὲ Γρανίκῳ πόλις ἦν Σιδήνη  
 χώραν ἔχουσα πολλὴν ὁμώνυμον, κατέσπασται δὲ νῦν.  
 ἐν δὲ τῇ μεθορία τῆς Κυζικηνῆς καὶ τῆς Πριαπηνῆς  
 10 ἔστι τὰ Ἀρπάγια τόπος, ἐξ οὗ τὸν Γαννυμήδην μυθεύ-  
 ουσιν ἠρπάχθαι· ἄλλοι δὲ περὶ Δαρδάνιον ἄκραν πλη-  
 σίον Δαρδάνον.

Πριάπος δ' ἔστι πόλις ἐπὶ θαλάττῃ καὶ λιμνῇ· 12  
 κτίσμα δ' οἱ μὲν Μιλησίων φασίν, οἵπερ καὶ Ἄβυδον  
 15 καὶ Προκόννησον συνώκισαν κατὰ τὸν αὐτὸν καιρὸν,  
 οἱ δὲ Κυζικηνῶν· ἐπώνυμος δ' ἔστι τοῦ Πριάπου τι-  
 μωμένου παρ' αὐτοῖς, εἰτ' ἐξ Ὀρνεῶν τῶν περὶ Κόριν-  
 θον μετενηνεγμένου τοῦ ἱεροῦ, εἴτε τῷ λέγεσθαι Διο-  
 νύσου καὶ νύμφης τὸν θεὸν ὁρμησάντων ἐπὶ τὸ τιμᾶν  
 20 αὐτὸν τῶν ἀνθρώπων, ἐπειδὴ σφόδρα εὐάμπελός ἐστιν  
 ἡ χώρα καὶ αὕτη καὶ [ἡ] ἐφεξῆς ὁμορος, ἥ τε τῶν Παρια-  
 νῶν καὶ ἡ τῶν Ααμψακηνῶν· ὁ γοῦν Ξέρξης τῷ Θεμι-  
 στοκλεῖ εἰς οἶνον ἔδωκε τὴν Αάμψακον. ἀπεδείχθη δὲ  
 θεὸς οὗτος ὑπὸ τῶν νεωτέρων· οὐδὲ γὰρ Ἡσίοδος οἶδε  
 25 Πριάπον, ἀλλ' ἔοικε τοῖς Ἀττικοῖς Ὀρθάνῃ καὶ Κονι-C.588  
 σάλῃ καὶ Τύχωνι καὶ τοῖς τοιούτοις.

Ἐκαλεῖτο δ' ἡ χώρα αὕτη Ἀδράστεια καὶ Ἀδρα- 13  
 στείας πεδίου, κατὰ ἔθος τι οὕτω λεγόντων τὸ αὐτὸ  
 χωρίον διττῶς, ὥς καὶ Θήβην καὶ Θήβης πεδίου, καὶ  
 30 Μυγδονίαν καὶ Μυγδονίας πεδίου. φησὶ δὲ Καλλιθέ-

νης ἀπὸ Ἀδράστου βασιλέως, ὃς πρῶτος Νεμέσεως ἱερὸν ἰδρύσατο, καλεῖσθαι Ἀδράστειαν. ἡ μὲν οὖν πόλις μεταξὺ Πριάπου καὶ Παρίου, ἔχουσα ὑποκείμενον πεδῖον ὁμώνυμον, ἐν ᾧ καὶ μαντεῖον ἦν Ἀπόλλωνος Ἀκταίου καὶ Ἀρτέμιδος κατὰ τὴν \* Πυκάτην· εἰς δὲ 5 Πάριον μετηνέχθη πᾶσα ἡ κατασκευὴ καὶ λιθεῖα κατασπασθέντος τοῦ ἱεροῦ, καὶ ὠκοδομήθη ἐν τῷ Παρίῳ βωμὸς, Ἑρμοκρέοντος ἔργον, πολλῆς μνήμης ἄξιον κατὰ τε μέγεθος καὶ κάλλος· τὸ δὲ μαντεῖον ἐξελείφθη, καθάπερ καὶ τὸ ἐν Ζελεΐᾳ. ἐνταῦθα μὲν οὖν οὐδὲν ἱε- 10 ρὸν Ἀδραστείας δείκνυται, οὐδὲ δὴ Νεμέσεως, περὶ δὲ Κύζικον ἔστιν Ἀδραστείας ἱερὸν. Ἀντίμαχος δ' οὕτω φησὶν „ἔστι δέ τις Νέμεσις μεγάλη θεὸς, ἣ τάδε πάντα „πρὸς μακάρων ἔλαχεν· βωμὸν δὲ οἱ εἶσατο πρῶτος „Ἀδρηστος, ποταμοῖο παρὰ ῥόον Αἰσήποιο, ἐνθα τε- 15 τίμηται τε καὶ Ἀδρήστεια καλεῖται.“

- 14 Ἔστι δὲ καὶ τὸ Πάριον πόλις ἐπὶ θαλάττῃ, λιμένα ἔχουσα μείζω τῆς Πριάπου καὶ ὑψημὴν γε ἐκ ταύτης· θεραπεύοντες γὰρ οἱ Παριανοὶ τοὺς Ἀτταλικοὺς ὑφ' οἷς ἐτέτακτο ἡ Πριαπηνή, πολλὴν αὐτῆς ἀπετέμοντο 20 ἐπιτρεπόντων ἐκείνων. ἐνταῦθα μυθεύουσι τοὺς Ὀφιογενεῖς συγγένειάν τινα ἔχειν πρὸς τοὺς ὄφεις· φασὶ δ' αὐτῶν τοὺς ἄρρενας τοῖς ἐχεοδήκτοις ἄκος εἶναι συν-εχῶς ἐφαπτομένους ὥσπερ τοὺς ἐπώδους, πρῶτον μὲν τὸ πελῖωμα εἰς ἑαυτοὺς μεταφέροντας, εἶτα καὶ τὴν 25 φλεγμονὴν παύοντας καὶ τὸν πόνον. μυθεύουσι δὲ τὸν ἀρχηγέτην τοῦ γένους ἥρωά τινα ἐξ ὄφεως μεταβαλεῖν· τάχα δὲ τῶν Φύλλων τις ἦν τῶν Λιβυκῶν, εἰς δὲ τὸ γένος διέτεινεν ἡ δύναμις μέχρι ποσοῦ. κτίσμα δ' ἔστι τὸ Πάριον Μιλησίων καὶ Ἑρυθραίων καὶ Παρίων. 30

- 15 Πιτύα δ' ἔστιν ἐν Πιτυοῦντι τῆς Παριανῆς ὑπερ-κείμενον ἔχουσα πιτυῶδες ὄρος· μεταξὺ δὲ κεῖται Πα-



ρίου καὶ Πριάπου κατὰ Λίνον χωρίον ἐπὶ θαλάττῃ, ὅπου οἱ Λινούσιοι κοχλῖαι ἄριστοι τῶν πάντων ἀλί-  
σκονται.

Ἐν δὲ τῷ παράπλῳ τῷ ἀπὸ Παρίου εἰς Πριάπον ἡ 16  
5 τε παλαιὰ Προκόννησός ἐστι καὶ ἡ νῦν Προκόννησος,  
πόλιν ἔχουσα καὶ μέταλλον μέγα λευκοῦ λίθου σφόδρα  
ἐπαινούμενον· τὰ γοῦν κάλλιστα τῶν ταύτῃ πόλεων  
ἔργα, ἐν δὲ τοῖς πρῶτα τὰ ἐν Κυζίκῳ ταύτης ἐστὶ τῆς C.589  
λίθου. ἐντεῦθεν ἐστὶν Ἀριστεάς ὁ ποιητὴς τῶν Ἀριμα-  
10 σπείων καλουμένων ἐπῶν, ἀνὴρ γόης εἴ τις ἄλλος.

Τὸ δὲ Τηρείης ὄρος οἱ μὲν τὰ ἐν Πειρωσσῷ ὄρη 17  
φασὶν ἃ ἔχουσιν οἱ Κυζικηνοὶ τῇ Ζελεῖᾳ προσεχῇ, ἐν  
οἷς βασιλικὴ θήρα κατεσκεύαστο τοῖς Λυδοῖς, καὶ Πέρ-  
σαις ὕστερον· οἱ δ' ἀπὸ τετταράκοντα σταδίων Λαμ-  
15 ψάκου δεικνύουσι λόφον, ἐφ' ᾧ μητρὸς θεῶν ἱερὸν  
ἐστὶν ἄγιον Τηρείης ἐπικαλούμενον.

Καὶ ἡ Λάμψακος δ' ἐπὶ θαλάττῃ πόλις ἐστὶν εὐλί- 18  
μενος καὶ ἀξιόλογος, συμμένουσα καλῶς, ὥσπερ καὶ ἡ  
Ἄβυδος· διέχει δ' αὐτῆς ὅσον ἐβδομήκοντα καὶ ἑκατὸν  
20 σταδίους· ἐκαλεῖτο δὲ πρότερον Πιτυοῦσσα, καθάπερ  
καὶ τὴν Χίον φασὶν· ἐν δὲ τῇ περαιᾷ τῆς Χερρονήσου  
πολίχνιον ἐστὶ Καλλίπολις· κεῖται δ' ἐπ' ἀκτῆς ἐκκει-  
μένη πολὺ πρὸς τὴν Ἀσίαν κατὰ τὴν Λαμψακηνῶν πό-  
λιν, ὥστε τὸ διάστημα μὴ πλέον εἶναι τετταράκοντα  
25 σταδίων.

Ἐν δὲ τῷ μεταξὺ Λαμψάκου καὶ Παρίου Παισὸς 19  
ἦν πόλις καὶ ποταμός· κατέσπασται δ' ἡ πόλις, οἱ δὲ  
Παισηνοὶ μετόκησαν εἰς Λάμψακον, Μιλησίων ὄντες  
ἄποικοι καὶ αὐτοί, καθάπερ καὶ οἱ Λαμψακηνοί. ὁ δὲ  
30 ποιητὴς εἶρηκεν ἀμφοτέρως, καὶ προσθεὶς τὴν πρῶ-  
την συλλαβὴν „καὶ δῆμον Ἀπαισοῦ,“ καὶ ἀφελὼν „ὅς  
„ὅ' ἐνὶ Παισῶ ναιῖε πολυκτῆμων“ καὶ ὁ ποταμὸς νῦν

οὕτω καλεῖται. Μιλησίων δ' εἰσὶ καὶ αἱ Κολωναὶ αἱ  
 ὑπὲρ Λαμψάκου ἐν τῇ μεσογαίᾳ τῆς Λαμψακηνῆς· ἄλ-  
 λαι δ' εἰσὶν ἐπὶ τῇ ἐκτὸς Ἑλλησποντίᾳ θαλάττῃ, Ἰλίου  
 διέχουσai σταδίους τετταράκοντα πρὸς τοῖς ἑκατόν· ἐξ  
 ὧν τὸν Κύκνον φασίν. Ἀναξιμένης δὲ καὶ ἐν τῇ Ἑρυ- 5  
 θραίᾳ φησὶ λέγεσθαι Κολωνὰς καὶ ἐν τῇ Φωκίδι καὶ ἐν  
 Θετταλίᾳ· ἐν δὲ τῇ Παριανῇ ἔστιν Ἰλιοκολώνη. ἐν δὲ  
 τῇ Λαμψακηνῇ τόπος εὐάμπελος Γεργίθιον· ἦν δὲ καὶ  
 πόλις Γέργιθα ἐκ τῶν ἐν τῇ Κυμαίᾳ Γεργίθων· ἦν γὰρ  
 κάκει πόλις πληθυντικῶς καὶ θηλυκῶς λεγομένη αἱ 10  
 Γέργιθες, ὅθεν περ ὁ Γεργίθιος ἦν Κεφάλων· καὶ νῦν  
 ἔτι δείκνυται τόπος ἐν τῇ Κυμαίᾳ Γεργίθιον πρὸς Λα-  
 ρίσῃ. ἐκ Παρίου μὲν οὖν ὁ γλωσσογράφος κληθεὶς  
 ἦν Νεοπτόλεμος μνήμης ἄξιος, ἐκ Λαμψάκου δὲ Χά-  
 ρων τε ὁ συγγραφεὺς καὶ Ἀδείμαντος καὶ Ἀναξιμένης 15  
 ὁ ῥήτωρ καὶ Μητρόδωρος ὁ τοῦ Ἐπικούρου ἐταῖρος·  
 καὶ αὐτὸς δ' Ἐπίκουρος τρόπον τινὰ Λαμψακηνὸς  
 ὑπῆρξε, διατρέψας ἐν Λαμψάκῳ καὶ φίλοις χρησάμενος  
 τοῖς ἀρίστοις τῶν ἐν τῇ πόλει ταύτῃ, τοῖς περὶ Ἴδομε-  
 C.590 νέα καὶ Λεοντέα. ἐντεῦθεν δὲ μετήνεγκεν Ἀγρίππας 20  
 τὸν πεπτωκότα λέοντα, Λυσίππου ἔργον· ἀνέθηκε δὲ  
 ἐν τῷ ἄλσει τῷ μεταξὺ τῆς λίμνης καὶ τοῦ εὐρίπου.

20 Μετὰ δὲ Λάμψακον ἔστιν Ἀβυδος καὶ τὰ μεταξὺ  
 χωρία, περὶ ὧν οὕτως εἴρηκε συλλαβὼν ὁ ποιητὴς καὶ  
 τὴν Λαμψακηνὴν καὶ τῆς Παριανῆς τινα (οὕτω γὰρ 25  
 ἦσαν αὐταὶ αἱ πόλεις κατὰ τὰ Τρωικά) „οἱ δ' ἄρα Πε-  
 „κώτην καὶ Πράκτιον ἀμφενέμοντο, καὶ Σηστὸν καὶ  
 „Ἀβυδον ἔχον καὶ δῖαν Ἀρίσβην· τῶν αὐτῶν Ἵρτακίδης  
 „ἦρχ' Ἀσιος“ φησὶν „ὃν Ἀρίσβηθεν φέρον ἵπποι αἰ-  
 „θωνες μεγάλοι ποταμοῦ ἄπο Σελλήεντος.“ οὕτω δ' εἰ- 30  
 πὼν ἔοικε τὸ βασίλειον ἀποφαίνειν τοῦ Ἀσίου τὴν Ἀρί-  
 σβην, ὅθεν ἦκειν αὐτόν φησιν „ὃν Ἀρίσβηθεν φέρον



„ἵπποι ποταμοῦ ἄπο Σελλήεντος.“ οὕτω δ' ἀφανῆ τὰ χωρία ταῦτά ἐστιν ὥστε οὐδ' ὁμολογοῦσι περὶ αὐτῶν οἱ ἱστοροῦντες, πλὴν ὅτι περὶ Ἀβυδον καὶ Λάμψακόν ἐστι καὶ Πάριον, καὶ ὅτι \* ἡ πάλαι Περκώτη μετωνο-  
5 μάσθη ὁ τόπος.

Τῶν δὲ ποταμῶν τὸν μὲν Σελλήεντά φησιν ὁ ποι- 21  
ητῆς πρὸς τῇ Ἀρίσβῃ ρεῖν, εἶπερ ὁ Ἄσιος Ἀρίσβηθέν τε ἦκε καὶ ποταμοῦ ἄπο Σελλήεντος· ὁ δὲ Πράκτιος ποταμὸς μὲν ἐστι, πόλις δ' οὐχ εὐρίσκεται, ὥς τινες  
10 ἐνόμισαν· ρεῖ δὲ καὶ οὗτος μεταξὺ Ἀβύδου καὶ Λαμψάκου· τὸ οὖν „καὶ Πράκτιον ἀμφενέμοντο“ οὕτω δεκτέον ὥς περὶ ποταμοῦ, καθάπερ κἀκεῖνα „οἱ τ' ἄρα „παρ ποταμὸν Κηφισὸν διὸν ἔναιον,“ καὶ „ἀμφὶ τε „Παρθένιον ποταμὸν κλυτὰ ἔργ' ἐνέμοντο.“ ἦν δὲ καὶ  
15 ἐν Λέσβῳ πόλις Ἀρίσβα, ἣς τὴν χώραν ἔχουσι Μηθυμναῖοι· ἐστι δὲ καὶ ποταμὸς Ἀρισβος ἐν Θράκῃ, ὥσπερ εἴρηται, καὶ τούτου πλησίον οἱ Κεβρήνιοι Θραῖκες. πολλὰ δ' ὁμωνυμῖαι Θραξὶ καὶ Τρωσίν, οἷον Σκαιοὶ Θραῖ-  
κές τινες καὶ Σκαιὸς ποταμὸς καὶ Σκαιὸν τεῖχος καὶ ἐν  
20 Τροίᾳ Σκαιαὶ πύλαι· Ξάνθιοι Θραῖκες, Ξάνθος ποταμὸς ἐν Τροίᾳ· Ἀρισβος ὁ ἐμβάλλων εἰς τὸν Ἐβρον, Ἀρίσβῃ ἐν Τροίᾳ· Ῥῆσος ποταμὸς ἐν Τροίᾳ, Ῥῆσος δὲ καὶ ὁ βασιλεὺς τῶν Θρακῶν. ἐστι δὲ καὶ τῷ Ἀσίῳ ὁμώ-  
25 νυμος ἕτερος παρὰ τῷ ποιητῇ Ἄσιος „ὃς μήτρως ἦν „Ἐκτορος ἱπποδάμοιο, αὐτοκασίγνητος Ἐκάβης, υἱὸς „δὲ Δύμαντος, ὃς Φρυγίην ναίεσκε ῥοῆς ἐπὶ Σαγγα-  
„ρίοιο.“

Ἀβυδος δὲ Μιλησίων ἐστὶ κτίσμα ἐπιτρέψαντος 22  
Γύγου τοῦ Αὐδῶν βασιλέως· ἦν γὰρ ἐπ' ἐκείνῳ τὰ  
30 χωρία καὶ ἡ Τρωὰς ἅπασα, ὀνομάζεται δὲ καὶ ἀκρωτή-  
ριόν τι πρὸς Δαρδάνῳ Γύγας· ἐπικεῖται δὲ τῷ στόματι C. 591  
τῆς Προποντίδος καὶ τοῦ Ἑλλησπόντου, διέχει δὲ τὸ

ἴσον Λαμψάκου καὶ Ἰλίου, σταδίους περὶ ἑβδομήκοντα καὶ ἑκατόν. ἔνταῦθα δ' ἔστι τὸ ἑπταστάδιον ὅπερ ἔξενξε Ξέρξης, τὸ διορίζον τὴν Εὐρώπην καὶ τὴν Ἀσίαν. καλεῖται δ' ἡ ἄκρα τῆς Εὐρώπης Χερρόνησος διὰ τὸ σχῆμα, ἡ ποιοῦσα τὰ στενὰ τὰ κατὰ τὸ ζεῦγμα· ἀντίκειται δὲ τὸ ζεῦγμα τῇ Ἀβύδῳ. Σηστός δὲ ἀρίστη τῶν ἐν Χερρονήσῳ πόλεων· διὰ δὲ τὴν γειτοσύνην ὑπὸ τῷ αὐτῷ ἡγεμόνι καὶ αὕτη ἐτέτακτο, οὕτω ταῖς ἡπείροις διορίζοντων τῶν τότε τὰς ἡγεμονίας. ἡ μὲν οὖν Ἀβυδος καὶ ἡ Σηστός διέχουσιν ἀλλήλων τριάκοντά που σταδίους 10 ἓκ λιμένος εἰς λιμένα, τὸ δὲ ζεῦγμά ἐστι μικρὸν ἀπὸ τῶν πόλεων παραλλάξαντι ἔξ' Ἀβύδου μὲν ὡς ἐπὶ τὴν Προποντίδα, ἓκ δὲ Σηστοῦ εἰς τοῦναντίον· ὀνομάζεται δὲ πρὸς τῇ Σηστῷ τόπος Ἀποβάθρα, καθ' ὃν ἐξεύγνυτο ἡ σχεδία. ἔστι δὲ ἡ Σηστός ἐνδοτέρω κατὰ τὴν 15 Προποντίδα ὑπερδέξις τοῦ ῥοῦ τοῦ ἔξ' αὐτῆς· διὸ καὶ εὐπετέστερον ἓκ τῆς Σηστοῦ διαίρουσι παραλεξάμενοι μικρὸν ἐπὶ τὸν τῆς Ἡροῦς πύργον, κάκειθεν ἀφιέντες τὰ πλοῖα συμπράττοντος τοῦ ῥοῦ πρὸς τὴν περαιώσιν· τοῖς δ' ἔξ' Ἀβύδου περαιουμένοις παραλεκτέον ἐστὶν 20 εἰς τὰναντία ὀκτώ που σταδίους ἐπὶ πύργον τινὰ κατ' ἀντικρὺ τῆς Σηστοῦ, ἔπειτα διαίρειν πλάγιον καὶ μὴ τελέως ἐναντίον ἔχουσι τὸν ῥοῦν. ὥκουν δὲ τὴν Ἀβυδον μετὰ τὰ Τρωικὰ Θωᾶκες, εἶτα Μιλήσιοι. τῶν δὲ πόλεων ἐμπρησθεισῶν ὑπὸ Δαρείου τοῦ Ξέρξου πα- 25 ρὸς τῶν κατὰ τὴν Προποντίδα, ἐκοινώνησε καὶ ἡ Ἀβυδος τῆς αὐτῆς συμφορᾶς· ἐνέπρησε δὲ πυθόμενος μετὰ τὴν ἀπὸ τῶν Σκυθῶν ἐπάνοδον τοὺς νομάδας παρασκευάζεσθαι διαβαίνειν ἐπ' αὐτὸν κατὰ τιμωρίαν ὧν ἔπαθον, δεδιὼς μὴ αἱ πόλεις πορθμεῖα παράσχοιεν 30 τῇ στρατιᾷ. συνέβη δὲ πρὸς ταῖς ἄλλαις μεταβολαῖς καὶ τῷ χρόνῳ καὶ τοῦτο αἴτιον τῆς συγχύσεως τῶν



τόπων. περὶ δὲ Σηστοῦ καὶ τῆς ὅλης Χερρονήσου προ-  
 είπομεν ἐν τοῖς περὶ τῆς Θωράκης τόποις. φησὶ δὲ τὴν  
 Σηστόν Θεόπομπος βραχεῖαν μὲν εὐερκῇ δέ, καὶ σκέ-  
 λει διπλέθρῳ συνάπτειν πρὸς τὸν λιμένα, καὶ διὰ ταῦτ'  
 5 οὖν καὶ διὰ τὸν ῥοῦν κυρίαν εἶναι τῶν παρόδων.

Ἐπέρκειται δὲ τῆς τῶν Ἀβυδηνῶν χώρας ἐν τῇ 23  
 Τρωάδι τὰ Ἄστυρα, ἃ νῦν μὲν Ἀβυδηνῶν ἔστι, κατε-  
 σκαμμένη πόλις, πρότερον δὲ ἦν καθ' αὐτά, χρυσεία  
 ἔχοντα ἃ νῦν σπάνιά ἐστιν, ἐξαναλωμένα, καθάπερ τὰ  
 10 ἐν τῷ Τρωάδῳ τὰ περὶ τὸν Πακτωλόν. ἀπὸ Ἀβύδου δ'  
 ἐπὶ Αἰσηπον περὶ ἑπτακοσίους φασὶ σταδίους, εὐθυ-  
 πλοία δὲ ἐλάττους.

Ἐξω δὲ Ἀβύδου τὰ περὶ τὸ Ἴλιον ἔστι, τὰ τε παρὰ C.592  
 24 λια ἕως Λεκτοῦ καὶ τὰ ἐν τῷ Τρωικῷ πεδίῳ καὶ τὰ πα-  
 15 ρώρεια τῆς Ἰδῆς τὰ ὑπὸ τῷ Αἰνείᾳ. διττῶς δὲ ταῦτ'  
 ὀνομάζει ὁ ποιητής, τοτὲ μὲν οὕτω λέγων, „Δαρδανίων  
 „αὐτ' ἦρχεν ἐὺς πάις Ἀγχίσαο,“ Δαρδανίους καλῶν,  
 τοτὲ δὲ Δαρδάνους „Τρῶες καὶ Λύκιοι καὶ Δάρδανοι  
 „ἀγχιμαχηταί.“ εἰκὸς δ' ἐνταῦθα ἰδρῦσθαι τὸ παλαιὸν  
 20 τὴν λεγομένην ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ Δαρδανίαν „Δάρδα-  
 „νον αὐτὸν πρῶτον τέκετο νεφεληγερέτα Ζεὺς, κτίσσε δὲ  
 „Δαρδανίην.“ νῦν μὲν γὰρ οὐδ' ἔχνος πόλεως σώζε-  
 ται αὐτόθι.

Εἰκάζει δὲ Πλάτων μετὰ τοὺς κατακλυσμοὺς τρία 25  
 25 πολιτείας εἶδη συνίστασθαι· πρῶτον μὲν τὸ ἐπὶ τὰς  
 ἀκρωρείας ἀπλοῦν τι καὶ ἄγριον, δεδιότων τὰ ὕδατα  
 ἐπιπολάζοντα ἀκμὴν ἐν τοῖς πεδίοις· δεύτερον δὲ τὸ  
 ἐν ταῖς ὑπωρείαις, θαρρούντων ἤδη κατὰ μικρόν, ἅτε  
 δὴ καὶ τῶν πεδίων ἀρχομένων ἀναψύχεσθαι· τρίτον  
 30 δὲ τὸ ἐν τοῖς πεδίοις. λέγοι δ' ἂν τις καὶ τέταρτον καὶ  
 πέμπτον ἴσως καὶ πλείω, ὕστατον δὲ τὸ ἐν τῇ παραλίᾳ  
 καὶ ἐν ταῖς νήσοις, λελυμένου παντὸς τοῦ τοιούτου φό-

βου. τὸ γὰρ μᾶλλον καὶ ἥττον θαρρεῖν πλησιάζειν τῇ  
 θαλάττῃ πλείους ἂν ὑπογράφοι διαφορὰς πολιτειῶν  
 καὶ ἡθῶν, καθάπερ τῶν ἀπλῶν τε καὶ τῶν ἀγροίων  
 \* ἔτι πως ἐπὶ τὸ ἡμέτερον τῶν δευτέρων ὑποβεβηκότων.  
 ἔστι δέ τις διαφορὰ καὶ παρὰ τούτοις τῶν ἀγροίκων 5  
 καὶ μεσαγροίκων καὶ πολιτικῶν· ἀφ' ὧν ἤδη καὶ ἐπὶ  
 τὸ ἀστεῖον καὶ ἄριστον ἡθὸς ἐτελεύτησεν ἡ τῶν ὀνο-  
 μάτων κατ' ὀλίγον μετάληψις, κατὰ τὴν τῶν ἡθῶν ἐπὶ  
 τὸ κρεῖττον μετάστασιν, παρὰ τὰς τῶν τόπων καὶ τῶν  
 βίων μεταβολάς. ταύτας δὲ τὰς διαφορὰς ὑπογράφειν 10  
 φησὶ τὸν ποιητὴν ὁ Πλάτων, τῆς μὲν πρώτης πολιτείας  
 παράδειγμα τιθέντα τὸν τῶν Κυκλώπων βίον, αὐτο-  
 φνεῖς νεμομένων καρπούς καὶ τὰς ἀκρωρείας κατεχόν-  
 των ἐν σπηλαίοις τισίν· „ἀλλὰ τά γ' ἄσπαρτα καὶ ἀνή-  
 ροτα πάντα φύονται,“ φησὶν, αὐτοῖς· „τοῖσιν δ' οὐκ 15  
 „ἀγοραὶ βουλευφόροι, οὔτε θέμιστες· ἀλλ' οἳ γ' ὑψη-  
 „λῶν ὀρέων ναίουσι κάρηνα ἐν σπέσσι γλαφυροῖσι,  
 „θεμιστεύει δὲ ἕκαστος παίδων ἡδ' ἀλόχων.“ τοῦ δὲ  
 δευτέρου τὸν ἐπὶ τοῦ Δαρδάνου „κτίσσε δὲ Δαρδα-  
 C.593 „νίην, ἐπεὶ οὐπω Ἴλιος ἱρή ἐν πεδίῳ πεπόλιστο, πόλις 20  
 „μερόπων ἀνθρώπων, ἀλλ' ἔθ' ὑπωρείας ᾤκεον πο-  
 „λυπιδάκου Ἰδης.“ τοῦ δὲ τρίτου ἐπὶ τοῦ Ἴλου τὸν ἐν  
 τοῖς πεδίοις. τοῦτον γὰρ παραδιδόασιν τοῦ Ἰλίου κτί-  
 στην, ἀφ' οὗ καὶ τὴν ἐπωνυμίαν λαβεῖν τὴν πόλιν· εἰ-  
 κὸς δὲ καὶ διὰ τοῦτο ἐν μέσῳ τῷ πεδίῳ τεθάρθαι αὐ- 25  
 τόν, ὅτι πρῶτος ἐθάρρησεν ἐν τοῖς πεδίοις θέσθαι τὴν  
 κατοικίαν „οἳ δὲ παρ' Ἴλου σῆμα παλαιοῦ Δαρδανίδαο  
 „μέσσον καὶ πεδίου παρ' ἐρινεὸν ἐσσεύοντο.“ οὐδ'  
 οὗτος δὲ τελέως ἐθάρρησεν· οὐ γὰρ ἐνταῦθα ἵδρυσε  
 τὴν πόλιν ὅπου νῦν ἔστιν, ἀλλὰ σχεδὸν τι τριάκοντα 30  
 σταδίους ἀνωτέρω πρὸς ἔω καὶ πρὸς τὴν Ἰδην καὶ τὴν  
 Δαρδανίαν κατὰ τὴν νῦν καλουμένην Ἰλιέων κώμην.



- οἱ δὲ νῦν Ἰλιεῖς φιλοδοξοῦντες καὶ θέλοντες εἶναι ταύ-  
την τὴν παλαιὰν παρεσχήκασιν λόγον τοῖς ἐκ τῆς Ὀμή-  
ρου ποιήσεως τεκμαιρομένοις· οὐ γὰρ ἔοικεν αὕτη εἶ-  
ναι ἢ καθ' Ὀμηρον. καὶ ἄλλοι δὲ ἱστοροῦσι πλείους  
5 μεταβεβληκέναι τόπους τὴν πόλιν, ὅστατα δ' ἐνταῦθα  
συμμεῖναι κατὰ Κροῖσον μάλιστα. τὰς δὲ τοιαύτας με-  
ταβάσεις εἰς τὰ κάτω μέρη τὰς τότε συμβαινούσας  
ὑπολαμβάνω καὶ βίων καὶ πολιτειῶν ὑπογράφειν δια-  
φοράς. ἀλλὰ ταῦτα μὲν καὶ ἄλλοτε ἐπισκεπτέον.
- 10 Τὴν δὲ τῶν Ἰλιέων πόλιν τῶν νῦν τέως μὲν κώμην 26  
εἶναι φασι τὸ ἱερὸν ἔχουσιν τῆς Ἀθηνᾶς μικρὸν καὶ  
εὐτελές, Ἀλέξανδρον δὲ ἀναβάντα μετὰ τὴν ἐπὶ Γρανί-  
κῃ νίκην ἀναθήμασί τε κοσμήσαι τὸ ἱερὸν καὶ προσαγο-  
ρεῦσαι πόλιν καὶ οἰκοδομίαις ἀναλαβεῖν προστάξει τοῖς  
15 ἐπιμεληταῖς ἐλευθέραν τε κρῖναι καὶ ἄφορον· ὅστερον  
δὲ μετὰ τὴν κατάλυσιν τῶν Περσῶν ἐπιστολὴν κατα-  
πέμψαι φιλάνθρωπον, ὑπισχνούμενον πόλιν τε ποιῆσαι  
μεγάλην καὶ ἱερὸν ἐπισημότατον καὶ ἀγῶνα ἀποδείξειν  
ἱερόν. μετὰ δὲ τὴν ἐκείνου τελευτὴν Αὐσίμαχος μάλιστα  
20 τῆς πόλεως ἐπεμελήθη καὶ νεῶν κατεσκεύασε καὶ τεῖχος  
περιεβάλετο ὅσον τετταράκοντα σταδίων, συνώκισέ τε  
εἰς αὐτὴν τὰς κύκλῳ πόλεις ἀρχαίας ἤδη κεκακωμένας,  
ὅτε καὶ Ἀλεξανδρείας ἤδη ἐπεμελήθη, συνωκισμένης  
μὲν ἤδη ὑπ' Ἀντιγόνου καὶ προσηγορευμένης Ἀντιγο-  
25 νείας, μεταβαλούσης δὲ τοῦνομα· ἔδοξε γὰρ εὐσεβὲς  
εἶναι τοὺς Ἀλέξανδρον διαδεξαμένους ἐκείνου πρότε-  
ρον κτίζειν ἐπωνύμους πόλεις, εἰδ' ἑαυτῶν· καὶ δὴ  
καὶ συνέμεινε καὶ αὐξήσιν ἔσχε, νῦν δὲ καὶ Ῥωμαίων  
ἀποικίαν δέδεκται καὶ ἔστι τῶν ἐλλογίμων πόλεων. C.594
- 30 Καὶ τὸ Ἴλιον δ' ὃ νῦν ἔστι κωμόπολις τις ἦν, ὅτε 27  
πρῶτον Ῥωμαῖοι τῆς Ἀσίας ἐπέβησαν καὶ ἐξέβαλον  
Ἀντίοχον τὸν μέγαν ἐκ τῆς ἐντὸς τοῦ Ταύρου. φησὶ

γοῦν Δημήτριος ὁ Σκήψιος, μειράκιον ἐπιδημήσας εἰς  
 τὴν πόλιν κατ' ἐκείνους τοὺς καιροὺς, οὕτως ὀλιγω-  
 ρημένην ἰδεῖν τὴν κατοικίαν ὥστε μηδὲ κεραμωτάς  
 ἔχειν τὰς στέγας· Ἡγησιάνναξ δὲ τοὺς Γαλάτας περαι-  
 ωθέντας ἐκ τῆς Εὐρώπης ἀναβῆναι μὲν εἰς τὴν πόλιν 5  
 δεομένους ἐρύματος, παρὰ χρῆμα δ' ἐκλιπεῖν διὰ τὸ  
 ἀτείχιστον· ὕστερον δ' ἐπανόρθωσιν ἔσχε πολὺ ἦν. εἴτ'  
 ἐκάνκωσαν αὐτὴν πάλιν οἱ μετὰ Φιμβρίου Ῥωμαῖοι λα-  
 βόντες ἐκ πολιορκίας ἐν τῷ Μιθριδατικῷ πολέμῳ.  
 συνεπέμφθη δὲ ὁ Φιμβρίας ὑπάτωρ Ὑαλερίῳ Φλάκκῳ 10  
 ταμίας προχειρισθέντι ἐπὶ τὸν Μιθριδάτην· καταστα-  
 σιάσας δὲ καὶ ἀνελὼν τὸν ὑπάτον κατὰ Βιθυνίαν αὐ-  
 τὸς κατεστάθη κύριος τῆς στρατιᾶς, καὶ προσελθὼν εἰς  
 Ἴλιον, οὐ δεχομένων αὐτὸν τῶν Ἰλιέων ὥς ληστήν,  
 βίαν τε προσφέρει καὶ δεκαταίους αἰρεῖ· κανχωμένου 15  
 δ' ὅτι ἦν Ἀγαμέμνων πόλιν δεκάτῳ ἔτει μόλις εἴλε  
 τὸν χιλιόναυτον στόλον ἔχων καὶ τὴν σύμπασαν Ἑλλάδα  
 συστρατεύουσαν, ταύτην αὐτὸς δεκάτῃ ἡμέρᾳ χειρώ-  
 σαιτο, εἶπέ τις τῶν Ἰλιέων „οὐ γὰρ ἦν Ἐκτωρ ὁ ὑπερ-  
 „μαχὼν τῆς πόλεως.“ τοῦτον μὲν οὖν ἐπελθὼν Σὺλ- 20  
 λας κατέλυσε, καὶ τὸν Μιθριδάτην κατὰ συμβάσεις εἰς  
 τὴν οἰκίαν ἀπέπεμψε, τοὺς δ' Ἰλιέας παρεμυθίσαιτο  
 πολλοῖς ἐπανορθώμασι. καθ' ἡμᾶς μέντοι Καῖσαρ ὁ  
 θεὸς πολὺν πλεόν αὐτῶν προϋνόησε ζηλώσας ἅμα καὶ  
 Ἀλέξανδρον· ἐκεῖνος γὰρ κατὰ συγγενείας ἀνανέωσιν 25  
 ὥρμησε προνοεῖν αὐτῶν, ἅμα καὶ φιλόμηρος ὢν· φέ-  
 ρεται γοῦν τις διόρθωσις τῆς Ὀμήρου ποιήσεως, ἣ ἐκ  
 τοῦ νάρθηκος λεγομένη, τοῦ Ἀλεξάνδρου μετὰ τῶν  
 περὶ Καλλισθένη καὶ Ἀνάξαρχον ἐπελθόντος καὶ ση-  
 μειωσαμένου τινά, ἔπειτα καταθέντος εἰς νάρθηκα ὃν 30  
 ἤϊρεν ἐν τῇ Περσικῇ γάξῃ πολυτελῶς κατεσκευασμέ-  
 νον. κατὰ τε δὴ τὸν τοῦ ποιητοῦ ζῆλον καὶ κατὰ τὴν



συγγένειαν τὴν ἀπὸ τῶν Αἰακιδῶν τῶν ἐν Μολοττοῖς βασιλευσάντων, παρ' οἷς καὶ τὴν Ἀνδρομάχην ἴστο-  
 ροῦσι βασιλεῦσαι τὴν Ἑκτορος γενομένην γυναῖκα,  
 ἐφιλοφρονεῖτο πρὸς τοὺς Ἰλιέας ὁ Ἀλέξανδρος· ὁ δὲ  
 5 Καῖσαρ καὶ φιλαλέξανδρος ὦν καὶ τῆς πρὸς τοὺς Ἰλιέας  
 συγγενείας γνωριμώτερα ἔχων τεκμήρια, ἐπερρώσθη  
 πρὸς τὴν εὐεργεσίαν νεανικῶς· γνωριμώτερα δέ, πρῶ-  
 του μὲν ὅτι Ῥωμαῖος, οἱ δὲ Ῥωμαῖοι τὸν Αἰνείαν ἀρχή-C.595  
 γέτην ἡγοῦνται, ἔπειτα ὅτι Ἰούλιος ἀπὸ Ἰούλου τινὸς  
 10 τῶν προγόνων· ἐκεῖνος δ' ἀπὸ Ἰούλου τὴν προσωνυ-  
 μίαν ἔσχε ταύτην, τῶν ἀπογόνων εἰς ὧν τῶν ἀπὸ Αἰ-  
 νείου. χώραν τε δὴ προσένειμεν αὐτοῖς καὶ τὴν ἐλευ-  
 θερίαν καὶ τὴν ἀλειτουργησίαν αὐτοῖς συνεφύλαξε καὶ  
 μέχρι νῦν συμμένουσιν ἐν τούτοις. ὅτι δ' οὐκ ἐνταῦθα  
 15 ἴδρυνται τὸ παλαιὸν Ἴλιον καθ' Ὅμηρον σκοποῦσιν, ἐκ  
 τῶν τοιῶνδε τεκμαίρονται. πρότερον δὲ ὑπογραπτέον  
 τοὺς τόπους ἀπὸ τῆς παραλίας ἀρξαμένους ἀφ' ἧσπερ  
 ἐλίπομεν.

Ἔστι τοίνυν μετ' Ἀβυδον ἡ τε Δαρδανὶς ἄκρα, ἥς 28  
 20 μικρὸν πρότερον ἐμνήσθημεν, καὶ ἡ πόλις ἡ Δάρδανος,  
 διέχουσα τῆς Ἀβύδου ἑβδομήκοντα σταδίους. μεταξύ τε  
 ὁ Ῥοδῖος ἐκπίπτει ποταμός, καθ' ὃν ἐν τῇ Χερρονήσῳ τὸ  
 Κυνὸς σῆμά ἐστιν, ὃ φασιν Ἑκάβης εἶναι τάφον· οἱ  
 δὲ τὸν Ῥοδῖον εἰς τὸν Αἴσηπον ἐμβάλλειν φασίν· εἰς δ'  
 25 ἐστὶ τῶν ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ λεγομένων καὶ οὗτος, „Ῥῆσός  
 „δ' Ἐπτάπορός τε Κάρησός τε Ῥοδῖος τε.“ ἡ δὲ Δάρ-  
 δανος κτίσμα ἀρχαῖον, οὕτω δ' εὐκαταφρόνητον ὥστε  
 πολλάκις οἱ βασιλεῖς οἱ μὲν μετῴκιζον αὐτὴν εἰς Ἀβυ-  
 δον οἱ δὲ ἀνῴκιζον πάλιν εἰς τὸ ἀρχαῖον κτίσμα. ἐν-  
 30 ταῦθα δὲ συνῆλθον Σύλλας τε Κορνήλιος ὁ τῶν Ῥω-  
 μαίων ἡγεμὼν καὶ Μιθριδάτης ὁ κληθεὶς Εὐπάτωρ, καὶ  
 συνέβησαν πρὸς ἀλλήλους ἐπὶ καταλύσει τοῦ πολέμου.

- 29 Πλησίον δ' ἐστὶ τὸ Ὀφρύνιον, ἐφ' ᾧ τὸ τοῦ Ἑκτο-  
ρος ἄλσος ἐν περιφανεῖ τόπῳ· καὶ ἐφεξῆς \* λίμνη  
Πτελεώς.
- 30 Εἴτα Ῥοίτειον πόλις ἐπὶ λόφῳ κειμένη καὶ τῷ Ῥοι-  
τεῖῳ συνεχρῆς ἡὼν ἀλιτενής, ἐφ' ἣ μνημα καὶ ἱερὸν 5  
Αἰάντος καὶ ἀνδριάς, ὃν ἄραντος Ἀντωνίου κομισθέν-  
τα εἰς Αἴγυπτον ἀπέδωκε τοῖς Ῥοιτειεῦσι πάλιν, κα-  
θάπερ καὶ ἄλλοις [ἄλλους], ὁ Σεβαστὸς Καῖσαρ. τὰ  
γὰρ κάλλιστα ἀναθήματα ἐκ τῶν ἐπιφανεστάτων ἱε-  
ρῶν ὁ μὲν ἦρε τῇ Αἰγυπτίᾳ χαριζόμενος, ὁ δὲ θεοῖς 10  
ἀπέδωκε.
- 31 Μετὰ δὲ τὸ Ῥοίτειον ἔστι τὸ Σίγειον, κατεσπα-  
σμένη πόλις, καὶ τὸ ναύσταθμον καὶ ὁ Ἀχαιῶν λιμὴν  
καὶ τὸ Ἀχαϊκὸν στρατόπεδον καὶ ἡ στομαλίμνη καλου-  
μένη καὶ αἱ τοῦ Σκαμάνδρου ἐκβολαί. συμπεσόντες 15  
γὰρ ὁ τε Σιμόεις καὶ ὁ Σκάμανδρος ἐν τῷ πεδίῳ πολ-  
λὴν καταφέρουντες ἰλὺν προσχοῦσι τὴν παραλίαν καὶ  
τυφλὸν στόμα τε καὶ λιμνοθαλάττας καὶ ἔλη ποιοῦσι.  
κατὰ δὲ τὴν Σιγειαῖδα ἄκραν ἐστὶν ἐν τῇ Χερρονήσῳ τὸ  
Πρωτεσιλάειον καὶ ἡ Ἐλαιοῦσσα, περὶ ὧν εἰρήκαμεν 20  
ἐν τοῖς Θρακίοις.
- 32 Ἔστι δὲ τὸ μῆκος τῆς παραλίας ταύτης ἀπὸ τοῦ  
Ῥοιτείου μέχρι Σιγείου καὶ τοῦ Ἀχιλλέως μνημάτος  
C.596 εὐθυπλοούντων ἐξήκοντα σταδίων· ὑποπέπτωκε δὲ  
τῷ Ἰλίῳ πᾶσα, τῷ μὲν νῦν κατὰ τὸν Ἀχαιῶν λιμένα 25  
ὅσον δώδεκα σταδίους διέχουσα, τῷ δὲ προτέρῳ τρι-  
άκοντα ἄλλοις σταδίοις ἀνωτέρῳ κατὰ τὸ πρὸς τὴν  
Ἰδην μέρος. τοῦ μὲν οὖν Ἀχιλλέως καὶ ἱερὸν ἐστὶ καὶ  
μνημα πρὸς τῷ Σιγείῳ, Πατρόκλου δὲ καὶ Ἀντιλόχου  
μνηματα, καὶ ἐναγίζουσιν οἱ Ἰλιεῖς πᾶσι καὶ τούτοις 30

---

5. ante ἐφ' ἣ: Αἰάντειον



καὶ τῷ Αἴαντι. Ἡρακλέα δ' οὐ τιμῶσιν αἰτιώμενοι τὴν  
 ὑπ' αὐτοῦ πόρῃσιν. ἀλλ' ἐκεῖνος μὲν, φαίη τις ἄν,  
 οὕτως ἐπόρῃσεν ὥστ' ἀπολιπεῖν τοῖς ὕστερον ἐκπορ-  
 5 θήσουσι κεκακωμένην μὲν, πόλιν δέ· διὸ καὶ οὕτως εἵ-  
 „ἄγυιάς.“ ἡ γὰρ κηρεία λειπανδρία τίς ἐστίν, οὐκ ἀφα-  
 νισμὸς τέλειος· οὗτοι δ' ἠφάνισαν τελέως, οἷς ἐναγί-  
 ζειν ἀξιοῦσι καὶ τιμᾶν ὡς θεούς· εἰ μὴ τοῦτ' αἰτιά-  
 σαιτο διότι οὗτοι μὲν δίκαιον πόλεμον ἐξήνεγκαν,  
 10 ἐκεῖνος δὲ ἄδικον „ἔνεχ' ἵππων Λαομέδοντος.“ πρὸς  
 τοῦτο δὲ πάλιν ἀντιτίθεται μῦθος· οὐ γὰρ ἔνεκα ἵπ-  
 πων, ἀλλὰ μισθοῦ ὑπὲρ τῆς Ἡσιόνης καὶ τοῦ κήτους.  
 ἀλλ' ἐάσωμεν ταῦτα· εἰς γὰρ μύθων ἀνασκευὰς ἐκπί-  
 15 πτει· τάχα δὲ λανθάνουσί τινες ἡμᾶς αἰτίαι πιστότε-  
 ραι δι' ἃς τοῖς Ἰλιεῦσιν ἐπῆλθε τοὺς μὲν τιμᾶν τοὺς δὲ  
 μῆ. ἔοικε δὲ ὁ ποιητὴς μικρὰν ἀποφαίνειν τὴν πόλιν  
 ἐν τῷ περὶ Ἡρακλέους λόγῳ, εἶπερ „ἔξ οἷς σὺν νηυσὶ  
 „καὶ ἀνδράσι παυροτέροισιν Ἰλίου ἐξαλάπαξε πόλιν.“  
 καὶ φαίνεται ὁ Πρίαμος τῷ τοιούτῳ λόγῳ μέγας ἐκ μι-  
 20 κροῦ γεγονὼς καὶ βασιλεὺς βασιλέων, ὡς ἔφαμεν. μι-  
 κρὸν δὲ προελθοῦσιν ἀπὸ τῆς παραλίας ταύτης ἐστὶ τὸ  
 Ἀχαῖον ἥδη τῆς Τενεδίων περαίας ὑπάρχον.

Τοιούτων δὲ τῶν ἐπὶ τῇ θαλάττῃ τόπων ὄντων 33  
 ὑπέρεκειται τούτων τὸ Τρωικὸν πεδῖον μέχρι τῆς Ἰδης  
 25 ἀνῆκον ἐπὶ πολλοὺς σταδίους κατὰ τὸ πρὸς ἕω μέρος.  
 τούτου δ' ἡ μὲν παρῳρειὸς ἐστὶ στενὴ, τῇ μὲν ἐπὶ τὴν  
 μεσημβρίαν τεταμένη μέχρι τῶν κατὰ Σκῆψιν τόπων,  
 τῇ δ' ἐπὶ τὰς ἄρκτους μέχρι τῶν κατὰ Ζέλειαν Ἀνκίων.  
 ταύτην δ' ὁ ποιητὴς ὑπ' Αἰνεΐα τάττει καὶ τοῖς Ἀντη-  
 30 νορίδαις, καλεῖ δὲ Λαρδανίαν. ὑπὸ δὲ ταύτῃ Κεβρη-  
 νία, πεδιάς ἢ πλείστη, παράλληλός πως τῇ Λαρδανίᾳ·  
 ἣν δὲ καὶ πόλις ποτὲ Κεβρόνη. ὑπονοεῖ δ' ὁ Δημήτριος

μέχρι δεῦρο διατείνειν τὴν περὶ τὸ Ἴλιον χώραν τὴν ὑπὸ τῷ Ἑκτορι, ἀνέκουσιν ἀπὸ τοῦ ναυστάθμου μέχρι Κεβρηνίας· τάφον τε γὰρ Ἀλεξάνδρου δεικνυσθαί φησιν αὐτόθι καὶ Οἰνώνης, ἣν ἱστοροῦσι γυναῖκα γενεῖναι τοῦ Ἀλεξάνδρου πρὶν Ἑλένην ἀρπάσαι· λέγειν 5 τε τὸν ποιητὴν „Κεβριόνην νόθον υἱὸν ἀγακλῆος Πρι-  
 C.597 „άμοιο,“ ὃν εἰκὸς εἶναι ἐπώνυμον τῆς χώρας ἢ καὶ πόλεως, ὅπερ πιθανώτερον· τὴν δὲ Κεβρηνίαν διήκειν μέχρι τῆς Σκηψίας, ὅριον δ' εἶναι τὸν Σκάμανδρον μέσον αὐτῶν ῥέοντα· ἔχθραν δ' αἰεὶ καὶ πόλεμον εἶναι 10 τοῖς τε Κεβρηνοῖς καὶ τοῖς Σκηψίοις, ἕως Ἀντίγονος αὐτοὺς συνῶκισεν εἰς τὴν τότε μὲν Ἀντιγόνοιαν νῦν δὲ Ἀλεξάνδρειαν· τοὺς μὲν οὖν Κεβρηνίεας συμμεῖναι τοῖς ἄλλοις ἐν τῇ Ἀλεξανδρείᾳ, τοὺς δὲ Σκηψίους ἐπανελθεῖν εἰς τὴν οἰκίαν ἐπιτρέψαντος Λυσιμάχου. 15

34 Ἀπὸ δὲ τῆς κατὰ [τούτους] τοὺς τόπους Ἰδαίας ὄρεινῆς δύο φησὶν ἀγκῶνας ἐκτείνεσθαι πρὸς θάλατταν, τὸν μὲν εὐθὺ Ροιτείου τὸν δὲ Σιγείου, ποιοῦντας ἐξ ἀμφοῖν γραμμὴν ἡμικυκλιώδη· τελευτᾶν δ' ἐν τῷ πεδίῳ, τοσοῦτον ἀπέχοντας τῆς θαλάττης ὅσον τὸ νῦν 20 Ἴλιον. τοῦτο μὲν δὴ μεταξὺ τῆς τελευτῆς τῶν λεχθέντων ἀγκῶνων εἶναι, τὸ δὲ παλαιὸν κτίσμα μεταξὺ τῆς ἀρχῆς· ἀπολαμβάνεσθαι δ' ἐντὸς τό τε Σιμοείσιον πεδίου δι' οὗ ὁ Σιμόεις φέρεται, καὶ τὸ Σκαμάνδριον δι' οὗ Σκάμανδρος ῥεῖ. τοῦτο δὲ καὶ ἰδίως Τρωικὸν λέγε- 25 ται, καὶ τοὺς πλείστους ἀγκῶνας ὁ ποιητὴς ἐνταῦθα ἀποδίδωσι· πλατύτερον γὰρ ἐστὶ, καὶ τοὺς ὀνομαζομένους τόπους ἐνταῦθα δεικνυμένους ὁρῶμεν, τὸν ἔρινεόν, τὸν τοῦ Αἰδυνήτου τάφον, τὴν Βατίειαν, τὸ τοῦ Ἴλου σῆμα. οἱ δὲ ποταμοὶ ὅ τε Σκάμανδρος καὶ ὁ 30 Σιμόεις, ὁ μὲν τῷ Σιγείῳ πλησιάσας ὁ δὲ τῷ Ροιτείῳ, μικρὸν ἔμπροσθεν τοῦ νῦν Ἰλίου συμβάλλουσιν, εἴτ'



ἐπὶ τὸ Σίγειον ἐκδιδόασιν καὶ ποιοῦσιν τὴν στομαλίμνην  
καλουμένην. διείργει δ' ἑκάτερον τῶν λεχθέντων πε-  
δίων ἀπὸ θατέρου μέγας τις αὐχὴν τῶν εἰρημένων  
ἀγκῶνων ἐπ' εὐθείας, ἀπὸ τοῦ νῦν Ἰλίου τὴν ἀρχὴν  
5 ἔχων συμφυῆς αὐτῷ, τεινόμενος δ' ἕως τῆς Κεβρη-  
νίας καὶ ἀποτελῶν τὸ ἑγράμμα πρὸς τοὺς ἐκατέρωθεν  
ἀγκῶνας.

Ὑπὲρ δὲ τούτου μικρὸν ἢ τῶν Ἰλιέων κώμη ἐστίν, 35  
ἐν ᾗ νομίζεται τὸ παλαιὸν Ἴλιον ἰδρῦσθαι πρότερον,  
10 τριάκοντα σταδίους διέχον ἀπὸ τῆς νῦν πόλεως. ὑπὲρ  
δὲ τῆς Ἰλιέων κώμης δέκα σταδίοις ἐστὶν ἡ Καλλικο-  
λῶνη, λόφος τις, παρ' ὃν ὁ Σιμόεις ῥεῖ πενταστάδιον  
διέχων· γίνεται οὖν εὖλογον πρῶτον μὲν τὸ ἐπὶ τοῦ  
"Αῤεος, ὧρτο δ' "Αῤης ἐτέρωθεν ἐρεμνῇ λαίλαπι ἴσος,  
15 „ὃξὺ κατ' ἀκροτάτης πόλιος Τρώεσσι κελεύων, ἄλλοτε  
„παρ Σιμόεντι θέων ἐπὶ Καλλικολώνῃ.“ τῆς γὰρ μά- C.598  
χης ἐπὶ τῷ Σκαμανδρίῳ πεδίῳ συντελουμένης πιθα-  
νῶς ἂν ὁ "Αῤης ἄλλοτε μὲν τὴν ἐγκέλευσιν ἀπὸ τῆς  
ἀκροπόλεως ποιοῖτο, ἄλλοτε δ' ἐκ τῶν πλησίων τόπων  
20 τοῦ τε Σιμόεντος καὶ τῆς Καλλικολώνης, μέχρι οὗ εἰκὸς  
καὶ τὴν μάχην παρατετάσθαι· τετταράκοντα δὲ στα-  
δίους διεχούσης τῆς Καλλικολώνης ἀπὸ τοῦ νῦν Ἰλίου,  
τί χρήσιμον ἐπὶ τοσοῦτον μεταλαμβάνεσθαι τοὺς τό-  
πους ἐφ' ὅσον ἡ διάταξις οὐ διέτεινε; τό τε „πρὸς Θύμ-  
25 „βρης δ' ἔλαχον Λύκιοι“ οἰκειότερόν ἐστι τῷ παλαιῷ  
κτίσματι· πλησίον γὰρ ἐστὶ τὸ πεδίον ἢ Θύμβρα καὶ ὁ  
δι' αὐτοῦ ῥέων ποταμὸς Θύμβριος, ἐμβάλλων εἰς τὸν  
Σκάμανδρον κατὰ τὸ Θυμβραίου Ἀπόλλωνος ἱερὸν,  
τοῦ δὲ νῦν Ἰλίου καὶ πεντήκοντα σταδίους διέχει. ὅ τε  
30 ἔρινεός, τραχύς τις τόπος καὶ ἔρινεώδης, τῷ μὲν ἀρ-  
χαίῳ κτίσματι ὑποπέπτωκεν, ὥστε τὸ „λαὸν δὲ στήσων  
„παρ' ἔρινεόν, ἐνθα μάλιστα ἄμβατός ἐστι πόλις καὶ

„ἐπίδρομον ἔπλετο τεῖχος“ οἰκείως ἂν λέγοι ἡ Ἀνδρομάχη· τῆς δὲ νῦν πόλεως πάμπολυ ἀφῆστηκε· καὶ ὁ φηγὸς δὲ μικρὸν κατωτέρω ἐστὶ τοῦ ἔρινεοῦ, ἐφ’ οὗ φησιν ὁ Ἀχιλλεύς „ὄφρα δ’ ἐγὼ μετ’ Ἀχαιοῖσιν πολέμιζον, οὐκ ἐθέλεσκε μάχην ἀπὸ τείχεος ὀρνύμεν Ἐκτωρ, ἀλλ’ 5  
„ὅσον ἐς Σκαιάς τε πύλας καὶ φηγὸν ἵκανεν.“

- 36 Καὶ μὴν τό γε ναύσταθμον τὸ νῦν ἔτι λεγόμενον πλησίον οὕτως ἐστὶ τῆς νῦν πόλεως, ὥστε θαυμάζειν εἰκότως ἂν τινα τῶν μὲν τῆς ἀπονοίας τῶν δὲ τοῦναντίον τῆς ἀψυχίας· ἀπονοίας μὲν, εἰ τοσοῦτον χρόνον 10 ἀτείχιστον αὐτὸ εἶχον, πλησίον οὔσης τῆς πόλεως καὶ τοσοῦτου πλήθους τοῦ τ’ ἐν αὐτῇ καὶ τοῦ ἐπικουρικοῦ· νεωστὶ γὰρ γεγονέναι φησὶ τὸ τεῖχος (ἢ οὐδ’ ἐγένετο, ὁ δὲ πλάσας ποιητὴς ἠφάνισεν, ὡς Ἀριστοτέλης φησὶν)· ἀψυχίας δέ, εἰ γενομένου τοῦ τείχους ἐτειχομάχουν καὶ 15 εἰσέπεσον εἰς αὐτὸ τὸ ναύσταθμον καὶ προσεμάχοντο ταῖς ναυσίν, ἀτείχιστον δὲ ἔχοντες οὐκ ἐθάρρουν προσιόντες πολιορκεῖν μικροῦ τοῦ διαστήματος ὄντος· ἐστὶ γὰρ τὸ ναύσταθμον πρὸς Σιγείῳ, πλησίον δὲ καὶ ὁ Σκάμανδρος ἐκδίδωσι διέχων τοῦ Ἰλίου σταδίους εἴκο- 20 σιν. εἰ δὲ φῆσει τις τὸν νῦν λεγόμενον Ἀχαιῶν λιμένα εἶναι τὸ ναύσταθμον, ἐγγυτέρω τινὰ λέξει τόπον ὅσον δώδεκα σταδίους διεστῶτα τῆς πόλεως, [τὸ] ἐπὶ θαλάττῃ πεδίου συμπροστιθείς ... διότι τοῦτο πᾶν πρό- 25 χωμα τῶν ποταμῶν ἐστὶ τὸ πρὸ τῆς πόλεως ἐπὶ θαλάττῃ πεδίου, ὥστε εἰ δωδεκαστάδιόν ἐστι νῦν τὸ με- C.599ταξὺ, τότε καὶ τῷ ἡμίσει ἔλαττον ὑπῆρχε· καὶ ἡ διήγησις δ’ ἢ πρὸς τὸν Εὐμαῖον ὑπὸ τοῦ Ὀδυσσεύς διασκευασθεῖσα μέγα ἐμφαίνει τὸ διάστημα τὸ μέχρι τῆς πόλεως ἀπὸ τοῦ ναυστάθμου „ὥς ὅθ’ ὑπὸ Τροίῃ λό- 30 „χον ἤγομεν.“ φησὶ γὰρ ὑποβάς „λίην γὰρ νηῶν ἐκάς „ἤλθομεν.“ ἐπὶ τε τὴν κατασκοπὴν πέμπονται γνω-



σόμενοι, πότερον μενούσι παρὰ νηυσὶν ἀπόπροθεν  
 πολὺν ἀπεσπασμένοι τοῦ οἰκείου τείχους „ἢ πόλινδε  
 „ἂψ ἀναχωρήσουσι.“ καὶ ὁ Πολυδάμας „ἀμφὶ μάλα  
 „φράζεσθε, φίλοι· κέλομαι γὰρ ἔγωγε ἄστυδε νῦν ἰέ-  
 5 „ναι“ φησὶν „ἐκὰς δ' ἀπὸ τείχεός εἰμεν.“ παρατίθησι  
 δ' ὁ Δημήτριος καὶ τὴν Ἀλεξανδρίνην Ἑστίαιαν μάρ-  
 τυρα, τὴν συγγράψασαν περὶ τῆς Ὀμήρου Ἰλιάδος,  
 πυνθανομένην εἰ περὶ τὴν νῦν πόλιν ὁ πόλεμος συν-  
 ἔστη, καὶ ... τὸ Τρωικὸν πεδίον, ὃ μεταξὺ τῆς πόλεως  
 10 καὶ τῆς θαλάττης ὁ ποιητὴς φράζει· τὸ μὲν γὰρ πρὸ  
 τῆς νῦν πόλεως ὀρώμενον πρόχωμα εἶναι τῶν ποτα-  
 μῶν ὕστερον γεγονός. ὃς τε Πολίτης „ὃς Τρώων σκο- 37  
 „πὸς ἵξε ποδωκείῃσι πεποιθώς, τύμβῳ ἐπ' ἀκροτάτῳ  
 „Αἰδυνήταο γέροντος,“ μάταιος ἦν. καὶ γὰρ εἰ ἐπ'  
 15 ἀκροτάτῳ, ὅμως [ἀπὸ] πολὺν ἂν μείζονος ὕψους τῆς  
 ἀκροπόλεως ἐσκόπευεν ἐξ ἴσου σχεδόν τι διαστήματος,  
 μὴ θεόμενος μηδὲν τῆς ποδωκείας τοῦ ἀσφαλοῦς χά-  
 ριν· πέντε γὰρ διέχει σταδίους ὁ νῦν δεικνύμενος τοῦ  
 Αἰδυνήτου τάφος κατὰ τὴν εἰς Ἀλεξάνδρειαν ὁδόν. οὐδ'  
 20 ἢ τοῦ Ἑκτορος δὲ περιδρομὴ ἢ περὶ τὴν πόλιν ἔχει τι  
 εὐλογον· οὐ γὰρ ἐστὶ περιδρομος ἢ νῦν διὰ τὴν συν-  
 εχὴν θάχιν· ἢ δὲ παλαιὰ ἔχει περιδρομήν.

Οὐδὲν δ' ἵχνος σώζεται τῆς ἀρχαίας πόλεως. εἰ- 38  
 κότεως· ἅτε γὰρ ἐκπεπορθημένων τῶν κύκλῳ πόλεων,  
 25 οὐ τελέως δὲ κατεσπασμένων, ταύτης δ' ἐκ βάρθρων  
 ἀνατετραμμένης, οἱ λίθοι πάντες εἰς τὴν ἐκείνων ἀνά-  
 ληψιν μετηνέχθησαν. Ἀρχαίανακτα γοῦν φασὶ τὸν Μι-  
 τυληναῖον ἐκ τῶν ἐκεῖθεν λίθων τὸ Σίγειον τειχίσαι.  
 τοῦτο δὲ κατέσχον μὲν Ἀθηναῖοι Φρύγωνα τὸν Ὀλυμ-  
 30 πιονίκην πέμψαντες, Λεσβίων ἐπιδικαζομένων σχεδόν  
 τι τῆς συμπάσης Τρωάδος· ὧν δὴ καὶ κτίσματά εἰσιν  
 αἱ πλεῖσται τῶν κατοικιῶν, αἱ μὲν συμμένουσαι καὶ

C.600 νῦν αἱ δ' ἠφ'ανισμέναι. Πιττακὸς δ' ὁ Μιτυληναῖος, εἰς τῶν ἑπτὰ σοφῶν λεγομένων, πλεύσας ἐπὶ τὸν Φρύνωνα στρατηγὸν διεπολέμει τέως διατιθεὶς καὶ πάσχων κακῶς, ὕστερον δ' ἐκ μονομαχίας, προκαλεσαμένου τοῦ Φρύνωνος, ἀλιευτικὴν ἀναλαβὼν σκευὴν συνέ- 5 δραμε, καὶ τῷ μὲν ἀμφιβλήστροφω περιέβαλε τῇ τριαινῇ δὲ καὶ τῷ ξιφιδίῳ ἔπειρε καὶ ἀνείλε. μένοντος δ' ἔτι τοῦ πολέμου Περίανδρος διαιτητὴς αἰρεθεὶς ὑπὸ ἀμφοῖν ἔλυσε τὸν πόλεμον.

39 Τίμαιον δὲ ψεύσασθαί φησιν ὁ Δημήτριος Ἰστο-  
ροῦντα ἐκ τῶν λίθων τῶν ἐξ Ἰλίου Περίανδρον ἐπιτει-  
χίσαι τὸ Ἀχίλλειον τοῖς Ἀθηναίοις, βοηθοῦντα τοῖς  
περὶ Πιττακόν· ἐπιτειχισθῆναι μὲν γὰρ ὑπὸ τῶν Μι-  
τυληναίων τὸν τόπον τοῦτον τῷ Σίγειῳ, οὐ μὲν ἐκ λί-  
θων τοιούτων οὐδ' ὑπὸ τοῦ Περίανδρου. πῶς γὰρ ἂν 15  
αἰρεθῆναι διαιτητὴν τὸν προσπολεμοῦντα; Ἀχίλλειον  
δ' ἔστιν ὁ τόπος ἐν ᾧ τὸ Ἀχιλλέως μνημα, κατοικία μι-  
κρά. κατέσκαπται δὲ καὶ τὸ Σίγειον ὑπὸ τῶν Ἰλιέων  
ἀπειθοῦν· ὑπ' ἐκείνοις γὰρ ἦν ὕστερον ἡ παραλία  
πᾶσα ἡ μέχρι Δαρδάνου, καὶ νῦν ὑπ' ἐκείνοις ἔστί. τὸ 20  
δὲ παλαιὸν ὑπὸ τοῖς Αἰολεῦσιν ἦν τὰ πλεῖστα, ὥστε  
Ἐφορος οὐκ ὀκνεῖ πᾶσαν τὴν ἀπὸ Ἀβύδου μέχρι Κύ-  
μης καλεῖν Αἰολίδα. Θουκυδίδης δὲ φησιν ἀφαιρεθῆ-  
ναι τὴν Τροίαν ὑπὸ Ἀθηναίων τοὺς Μιτυληναίους ἐν  
τῷ Πελοποννησιακῷ πολέμῳ τῷ Παχητείῳ.

40 Λέγουσι δ' οἱ νῦν Ἰλιεῖς καὶ τοῦτο ὥς οὐδὲ τελέως  
ἠφ'ανίσθαι συνέβαινε τὴν πόλιν κατὰ τὴν ἄλωσιν ὑπὸ

4. post κακῶς: ὅτε καὶ Ἀλκαῖος φησιν ὁ ποιητής, ἑαυτὸν ἐν  
τινι ἀγῶνι κακῶς φερόμενον τὰ ὅπλα θίψαντα φυγεῖν· λέγει δὲ  
πρὸς τινα κήρυκα κελεύσας ἀγγεῖλαι τοῖς ἐν οἴκῳ „Ἀλκαῖος σόος  
Ἄρει ἔντα δ' \* οὐκ ἐκτὸν ἀλητορὶν ἐς Γλαυκωποῦ ἱερὸν ἀνεκρέ-  
μασαν Ἀττικοί“



τῶν Ἀχαιῶν, οὐδ' ἐξελείφθη οὐδέποτε. αἱ γοῦν Λο-  
 κρίδες παρθένοι μικρὸν ὕστερον ἄρξάμεναι ἐπέμποντο  
 κατ' ἔτος· καὶ ταῦτα δ' οὐχ Ὀμηρικά· οὐδὲ γὰρ τῆς  
 Κασάνδρας φθορὰν οἶδεν Ὀμηρος, ἀλλ' ὅτι μὲν παρ-  
 5 θένος ἦν ὑπ' ἐκεῖνον τὸν χρόνον λέγει „πέφνε γὰρ  
 „Ὀθρουονῆα, Καβησόθεν ἐνδον ἐόντα, ὅς ῥα νέον πτο-  
 „λέμοιο μετὰ κλέος εἰληλούθει. ἦτε δὲ Πριάμοιο θυ-  
 „γατρῶν εἶδος ἀρίστην, Κασσάνδρην, ἀνάεδνον.“ βίας  
 δὲ οὐδὲ μέμνηται, οὐδ' ὅτι ἡ φθορὰ τοῦ Αἴαντος ἐν τῇ  
 10 ναυαγίᾳ κατὰ μῆνιν Ἀθηνᾶς συνέβη ἢ κατὰ τοιαύτην  
 αἰτίαν, ἀλλ' ἀπεχθανόμενον μὲν τῇ Ἀθηνᾷ κατὰ τὸ C.601  
 κοινὸν εἶρηκεν (ἀπάντων γὰρ εἰς τὸ ἱερὸν ἀσεβησάν-  
 των ἅπασιν ἐμήνιεν), ἀπολέσθαι δὲ ὑπὸ Ποσειδῶνος  
 μεγαλορρημονήσαντα· τὰς δὲ Λοκρίδας πεμφθῆναι  
 15 Περσῶν ἤδη κρατούντων συνέβη.

Οὕτω μὲν δὴ λέγουσιν οἱ Ἴλιεῖς, Ὀμηρος δὲ ρητῶς 41  
 τὸν ἀφανισμόν τῆς πόλεως εἶρηκεν „ἔσσεται ἡμᾶρ ὅταν  
 „ποτ' ὀλώλῃ Ἴλιος ἱρή.“ „ἦ γὰρ καὶ Πριάμοιο πόλιν  
 „διεπέρσαμεν αἰπήν.“ „πέρθετο δὲ Πριάμοιο πόλις δε-  
 20 „κάτω ἐνιαυτῷ.“ καὶ τὰ τοιαῦτα δὲ τοῦ αὐτοῦ τίθεν-  
 ται τεκμήρια, οἷον ὅτι τῆς Ἀθηνᾶς τὸ ξόανον νῦν μὲν  
 ἐσθηκὸς ὁράται, Ὀμηρος δὲ καθήμενον ἐμφαίνει· πέ-  
 πλον γὰρ κελεύει „θεῖναι Ἀθηναίης ἐπὶ γούνασιν.“  
 βέλτιον γὰρ οὕτως ἢ ὥς τινὲς δέχονται ἀντὶ τοῦ „παρὰ  
 25 „τοῖς γόνασι θεῖναι“ παρατιθέντες τὸ „ἦ δ' ἦσται ἐπ'  
 „ἑσχάρῃ ἐν πυρὸς ἀνγῇ“ ἀντὶ τοῦ „παρ' ἑσχάρῃ.“ τίς  
 γὰρ ἂν νοηθεῖν πέπλου ἀνάθεσις παρὰ τοῖς γόνασι;  
 καὶ οἱ τὴν προσωδίαν δὲ διαστρέφοντες, „γουνάσιν“  
 ὥς θυνιάσιν, ὁποτέρως ἂν δέξωνται, ἀπεραντολογου-

19. post αἰπήν: βουλῇ καὶ μυσιοῖσι 23. post γούνασιν: ὥς  
 καὶ „μὴ ποτε γούνασιν οἷσιν ἐφέξεσθαι φίλον υἱόν.

σιν, εἴθ' ἵκει[εἰας ἐρμην]εύοντες [εἴ]τε φρένας. πολλὰ δὲ τῶν ἀρχαίων τῆς Ἀθηνᾶς ξοάνων καθήμενα δείκνυται, καθάπερ ἐν Φωκαίᾳ Μασσαλία Ῥώμῃ Χίῳ ἄλλαις πλείοσιν. ὁμολογοῦσι δὲ καὶ οἱ νεώτεροι τὸν ἀφανισμόν τῆς πόλεως, ὧν ἔστι καὶ Λυκοῦργος ὁ ῥήτωρ· 5 μνησθεὶς γὰρ τῆς Ἰλιέων πόλεως φησί, „τίς οὐκ ἀκήκοεν, ὥς ἅπαξ ὑπὸ τῶν Ἑλλήνων κατεσκάφθη, αἰκητον οὕσαν;“

42 Εἰκάζουσι δὲ τοὺς ὕστερον ἀνακτίσαι διανοομένους οἰωνίσασθαι τὸν τόπον ἐκεῖνον, εἴτε διὰ τὰς συμ- 10 φορὰς εἴτε καὶ καταρασάμενου τοῦ Ἀγαμέμνονος κατὰ παλαιὸν ἔθος, καθάπερ καὶ ὁ Κροῖσος ἐξελὼν τὴν Σιδήνην, εἰς ἣν ὁ τύραννος κατέφυγε Γλανκίας, ἀρὰς ἔθετο κατὰ τῶν τειχιούντων πάλιν τὸν τόπον. ἐκείνου μὲν οὖν ἀποστῆναι τοῦ χωρίου, ἕτερον δὲ τειχίσαι. 15 πρῶτοι μὲν οὖν Ἀστυπαλαιεῖς οἱ τὸ Ῥοίτειον κατασχόντες συνώκισαν πρὸς τῷ Σιμόεντι Πόλιον, ὃ νῦν καλεῖται Πόλισμα, οὐκ ἐν εὐερκεῖ τόπῳ· διὸ κατεσπάσθη ταχέως. ἐπὶ δὲ τῶν Λυδῶν ἡ νῦν ἐκτίσθη κατοικία καὶ τὸ ἱερόν· οὐ μὲν πόλις γε ἦν, ἀλλὰ πολλοῖς χρόνοις 20 ὕστερον καὶ κατ' ὀλίγον, ὥς εἴρηται, τὴν αὐξήσιν ἔσχεν. Ἑλλάνικος δὲ χαριζόμενος τοῖς Ἰλιεῦσιν, οἷος ἐκείνου θυμός, συνηγορεῖ τὸ τὴν αὐτὴν εἶναι πόλιν τὴν νῦν τῇ τότε. τὴν δὲ χώραν ἀφανισθείσης τῆς πόλεως οἱ τὸ Σίγειον καὶ τὸ Ῥοίτειον ἔχοντες διενείμαντο 25 καὶ τῶν ἄλλων ὥς ἕκαστοι τῶν πλησιοχώρων, ἀπέδωσαν δ' ἀνοικισθείσης.

43 Πολυπίδακον δὲ τὴν Ἰδην ἰδίως οἰονται λέγεσθαι διὰ τὸ πλῆθος τῶν ἐξ αὐτῆς ρεόντων ποταμῶν καθ' ἃ μάλιστα ἡ Λαρδανικὴ ὑποπέπτωκεν αὐτῇ καὶ μέχρι 30 Σκήψεως καὶ τὰ περὶ Ἴλιον. ἔμπειρος δ' ὢν τῶν τόπων ὥς ἂν ἐπιχώριος ἀνὴρ ὁ Δημήτριος τοτὲ μὲν οὕτως



λέγει περὶ αὐτῶν „ἔστι γὰρ λόφος τις τῆς Ἰδης Κότυ-  
 „λος· ὑπέρεκείται δ' οὗτος ἑκατόν πον καὶ εἴκοσι στα-  
 „δίους Σκήψεως, ἐξ οὗ ὃ τε Σκάμανδρος ῥεῖ καὶ ὁ Γρά-  
 „νικος καὶ Αἰσηπος, οἱ μὲν πρὸς ἄρκτον καὶ τὴν Προ-  
 5 „ποντίδα ἐκ πλειόνων πηγῶν συλλειβόμενοι, ὁ δὲ  
 „Σκάμανδρος ἐπὶ δύοσιν ἐκ μιᾶς πηγῆς· πᾶσαι δ' ἁλ-  
 „λήλαις πλησιάζουσιν ἐν εἴκοσι σταδίων περιεχόμεναι  
 „διαστήματι· πλείστον δ' ἀφέστηκεν ἀπὸ τῆς ἀρχῆς τὸ  
 „τοῦ Αἰσηποῦ τέλος, σχεδόν τι καὶ πεντακοσίους σταδί-  
 10 „ους. παρέχει δὲ λόγον πῶς φησὶν ὁ ποιητής „κρουνὴ  
 „δ' ἱκανον καλιρρόω, ἐνθα δὲ πηγαὶ δοιαὶ ἀναΐσσουνσι  
 „Σκαμάνδρου δινήμεντος· ἡ μὲν γὰρ θ' ὕδατι λιαρῶ  
 „ῥεῖ,“ ὃ ἔστι θερμῷ· ἐπιφέρει δὲ „ἀμφὶ δὲ καπνὸς  
 „γίγνεται ἐξ αὐτῆς ὥσεί πυρός. ἡ δ' ἑτέρα θέρει προ-  
 15 „ῥεῖ εἰκυῖα χαλάξῃ ἢ χιόνι ψυχρῇ.“ „οὔτε γὰρ θερμὰ  
 „νῦν ἐν τῷ τόπῳ εὐρίσκεται, οὔθ' ἡ τοῦ Σκαμάνδρου  
 „πηγὴ ἐνταῦθα ἀλλ' ἐν τῷ ὄρει, καὶ μία, ἀλλ' οὐ δύο.  
 „τὰ μὲν οὖν θερμὰ ἐκλελειφθαι εἰκός, τὸ δὲ ψυχρὸν  
 „κατὰ διάδυσιν ὑπεκρέον ἐκ τοῦ Σκαμάνδρου κατὰ  
 20 „τοῦτ' ἀνατέλλειν τὸ χωρίον, ἢ καὶ διὰ τὸ πλησίον εἶ-  
 „ναι τοῦ Σκαμάνδρου καὶ τοῦτο τὸ ὕδωρ λέγεσθαι τοῦ  
 „Σκαμάνδρου πηγὴν· οὕτω γὰρ λέγονται πλείους πη-  
 „γαὶ τοῦ αὐτοῦ ποταμοῦ. συμπίπτει δ' εἰς αὐτὸν ὁ Ἄν- 44  
 „διρος ἀπὸ τῆς Καρησηνῆς, ὁρεινῆς τινος πολλαῖς κώ-  
 25 „μαις συνοικουμένης καὶ γεωργομένης καλῶς, παρα-  
 „κειμένης τῇ Δαρδανικῇ μέχρι τῶν περὶ Ζέλειαν καὶ  
 „Πιτύειαν τόπων· ὠνομάσθαι δὲ τὴν χώραν φασὶν  
 „ἀπὸ τοῦ Καρήσου ποταμοῦ, ὃν ὠνόμακεν ὁ ποιητής  
 „Ρῆσός θ' Ἐπτάπορος τε Κάρησός τε Ῥοδῖός τε· τὴν  
 30 „δὲ πόλιν κατεσπᾶσθαι τὴν ὁμώνυμον τῷ ποταμῷ.“

Πάλιν δ' οὕτως φησὶν „ὁ μὲν Ῥῆσος ποταμὸς νῦν  
 „καλεῖται Ῥοείτης, εἰ μὴ ἄρα ὁ εἰς τὸν Γράνικον ἐμ-

„βάλλων Ῥῆσός ἐστιν. Ἐπτάπορος δέ, ὃν καὶ Πολύπο-  
 C.603 „ρον λέγουσιν, ἐπτάκις διαβαινόμενος ἐκ τῶν περὶ τὴν  
 „καλὴν πεύκην χωρίων ἐπὶ Μελαινὰς κώμην ἰοῦσι καὶ  
 „τὸ Ἀσκληπίειον, ἴδρυμα Λυσιμάχου. περὶ δὲ τῆς κα-  
 „λῆς πεύκης Ἀτταλὸς ὁ πρῶτος βασιλεύσας οὕτως γρά- 5  
 „φει· τὴν μὲν περιμέτρον εἶναι φησι ποδῶν τεττάρων  
 „καὶ εἴκοσι, τὸ δὲ ὕψος ἀπὸ μὲν ῥίξης ἀνιέναι ἐπὶ ἐξή-  
 „κοντα καὶ ἐπτά πόδας, εἴτ' εἰς τρία σχιζομένην ἴσον  
 „ἀλλήλων διέχοντα, εἴτα πάλιν συναγομένην εἰς μίαν  
 „κορυφὴν, ἀποτελοῦσαν τὸ πᾶν ὕψος δυεῖν πλέθρων 10  
 „καὶ πεντεκαίδεκα πηχῶν. Ἀδραμυττίου δὲ διέχει πρὸς  
 „ἄρκτον ἑκατὸν καὶ ὀγδοήκοντα σταδίους. Κάρησος  
 „δ' ἀπὸ Μαλοῦντος ῥεῖ, τόπου τινὸς κειμένου μεταξὺ  
 „Παλαισκήψεως καὶ Ἀχαιίου τῆς Τενεδίων περαιᾶς·  
 „ἐμβάλλει δὲ εἰς τὸν Αἴσηπον. Ῥοδῖος δὲ ἀπὸ Κλεαν- 15  
 „θρίας καὶ Γόρδου, ἃ διέχει τῆς καλῆς πεύκης ἐξήκοντα  
 45 „σταδίους· ἐμβάλλει δ' εἰς τὸν Αἴνιον. τοῦ δ' αὐλῶ-  
 „νος τοῦ περὶ τὸν Αἴσηπον ἐν ἀριστερᾷ τῆς ῥύσεως αὐ-  
 „τοῦ πρῶτον ἔστι Πολίχνα τειχῆρες χωρίον, εἴθ' ἡ Πα-  
 „λαισκήψις, εἴτ' Ἀλαζόνιον.“ τοῦτ' ἤδη πεπλασμένον 20  
 „πρὸς τὴν τῶν Ἀλιζάνων ὑπόθεσιν, περὶ ᾧν εἰρήκαμεν.  
 „εἴτα Κάρησος ἐρήμη καὶ ἡ Καρησηνὴ καὶ ὁμώνυμος  
 „ποταμός, ποιῶν καὶ αὐτὸς αὐλῶνα ἀξιόλογον, ἐλάττω  
 „δὲ τοῦ περὶ τὸν Αἴσηπον. τὰ δ' ἐξῆς ἤδη τὰ τῆς Ζε-  
 „λειᾶς ἐστὶ πεδιά καὶ ὄροπέδια καλῶς γεωρογούμενα· 25  
 „ἐν δεξιᾷ δὲ τοῦ Αἰσήπου μεταξὺ Πολίχνας τε καὶ Πα-  
 „λαισκήψεως ἡ Νέα κώμη καὶ Ἀργυρία.“ καὶ τοῦτο πᾶ-  
 „λιν πλάσμα πρὸς τὴν αὐτὴν ὑπόθεσιν, ὅπως σωθεῖη  
 „τὸ „ὅθεν ἀργύρου ἐστὶ γενέθλη.“ ἢ οὖν Ἀλύβη ποῦ ἢ  
 Ἀλόπη ἢ ὅπως βούλονται παρονομάζειν; ἐχρῆν γὰρ καὶ 30



τοῦτο πλάσαι παρατριψαμένους τὸ μέτωπον, καὶ μὴ χω-  
 λὸν ἔαν καὶ ἔτοιμον πρὸς ἔλεγχον ἅπαξ ἥδη ἀποτετολ-  
 μηκότας. ταῦτα μὲν οὖν ἐνστασιν ἔχει τοιαύτην, τᾶλλα  
 δὲ ὑπολαμβάνομεν, ἢ τὰ γε πλείστα, δεῖν προσέχειν  
 5 ὥς ἀνδρὶ ἐμπείρῳ καὶ ἐντοπίῳ, φροντίσαντί τε τοσοῦ-  
 τον περὶ τούτων ὥστε τριάκοντα βίβλους συγγράφαι  
 στίχων ἐξήγησιν μικρῷ πλειόνων ἐξήκοντα, τοῦ κατα-  
 λόγου τῶν Τρώων. φησὶ δ' οὖν τὴν Παλαισκήψιν τῆς  
 μὲν Νέας διέχειν πεντήκοντα σταδίου, τοῦ δὲ ποταμοῦ  
 10 τοῦ Αἰσθήπου τριάκοντα· ἀπὸ δὲ τῆς Παλαισκήψεως  
 ταύτης διατεῖναι τὴν ὁμωνυμίαν καὶ εἰς ἄλλους πλείους  
 τόπους. ἐπάνιμεν δὲ ἐπὶ τὴν παραλίαν ὅθεν περ ἀπελί-  
 πομεν.

Ἔστι δὲ μετὰ τὴν Σιγειαῖδα ἄκραν καὶ τὸ Ἀχίλ-<sup>C.604</sup>  
 15 λειον ἢ Τενεδίων περαία τὸ Ἀχαιῖον καὶ αὐτὴ ἢ Τένε-<sup>46</sup>  
 δος, οὐ πλείους τῶν τετταράκοντα σταδίων διέχουσα  
 τῆς ἡπείρου· ἔχει δὲ τὴν περίμετρον ὅσον ὀγδοήκοντα  
 σταδίων καὶ πόλιν Αἰολίδα καὶ λιμένας δύο καὶ ἱερὸν  
 τοῦ Σμινθέως Ἀπόλλωνος, καθάπερ καὶ ὁ ποιητῆς  
 20 μαρτυρεῖ, Τενέδοιό τε ἱφί ἀνάσσεις, Σμινθεῦ.“ περὶ-  
 κείται δ' αὐτῇ νησία πλείω, καὶ δὴ καὶ δύο ἃ καλοῦσι  
 Καλύδνας, κειμένας κατὰ τὸν ἐπὶ Λεκτὸν πλοῦν· καὶ  
 αὐτὴν δὲ τὴν Τένεδον Κάλυδναν τινὲς εἶπον, ἄλλοι  
 δὲ Λεύκοφρον. μυθεύουσι δ' ἐν αὐτῇ τὰ περὶ τὸν Τέν-  
 25 νη ἀφ' οὗ καὶ τοῦνομα τῇ νήσῳ, καὶ τὰ περὶ τὸν Κύ-  
 κνον, Θρᾶκα τὸ γένος, πατέρα δ', ὥς τινες, τοῦ Τέν-  
 νου, βασιλέα δὲ Κολωνῶν.

Ἦν δὲ τῷ Ἀχαιίῳ συνεχὴς ἢ τε Λάρισα καὶ Κολω-<sup>47</sup>  
 ναί, τῆς [Τενεδίων περ]αίας οὔσαι πρότερον, καὶ ἡ νῦν  
 30 Χρῦσα, ἐφ' ὅσους τινὸς πετρώδους ὑπὲρ τῆς θαλάτ-  
 της ἰδρυμένη, καὶ ἡ Ἀμαξιτὸς ἢ τῷ Λεκτῷ ὑποκει-  
 μένη συνεχὴς· νῦν δ' ἡ Ἀλεξάνδρεια συνεχὴς ἐστὶ τῷ

Ἀχαιῶν· τὰ δὲ πολίσματα ἐκεῖνα συνθικισμένα τυγχάνει, καθάπερ καὶ ἄλλα πλείω τῶν φρουρίων, εἰς τὴν Ἀλεξάνδρειαν, ὧν καὶ Κεβρόνη καὶ Νεανδρία ἐστὶ καὶ τὴν χώραν ἔχουσιν ἐκεῖνοι· ὁ δὲ τόπος ἐν ᾧ νῦν κεῖται ἡ Ἀλεξάνδρεια Σιγία ἐκαλεῖτο.

5

48

Ἐν δὲ τῇ Χρύσῃ ταύτῃ καὶ τὸ τοῦ Σμινθέως Ἀπόλλωνός ἐστιν ἱερόν, καὶ τὸ σύμβολον τὸ τὴν ἐτυμότητα τοῦ ὀνόματος σῶζον, ὁ μῦς, ὑπόκειται τῷ ποδὶ τοῦ ξοάνου· Σκόπα δ' ἐστὶν ἔργα τοῦ Παρίου· συνοικειοῦσι δὲ καὶ τὴν ἱστορίαν εἴτε μῦθον τούτῳ τῷ τόπῳ τὴν περὶ 10 τῶν μυῶν. τοῖς γὰρ ἐκ τῆς Κρήτης ἀφικμένοις Τεύκροις (οὓς πρῶτος παρέδωκε Καλλῆνος ὁ τῆς ἐλεγκείας ποιητής, ἠκολούθησαν δὲ πολλοί) χρησμὸς ἦν, αὐτόθι ποιήσασθαι τὴν μονὴν ὅπου ἂν οἱ γηγενεῖς αὐτοῖς ἐπιθῶνται· συμβῆναι δὲ τοῦτ' αὐτοῖς φασι περὶ Ἀμαξι- 15 τόν· νύκτωρ γὰρ πολὺ πλῆθος ἀρουραίων μυῶν ἔξανθῆσαν διαφαγεῖν ὅσα σκύτινα τῶν τε ὀπλων καὶ τῶν χρηστηρίων· τοὺς δὲ αὐτόθι μέναι· τούτους δὲ καὶ τὴν Ἰδην ἀπὸ τῆς ἐν Κρήτῃ προσονομάσαι. Ἡρακλείδης δ' ὁ Ποντικὸς πληθύοντάς φησι τοὺς μύας περὶ τὸ ἱερόν 20 νομισθῆναι τε ἱεροὺς καὶ τὸ ξοάνον οὕτω κατασκευασθῆναι βεβηκὸς ἐπὶ τῷ μῦτι. ἄλλοι δ' ἐκ τῆς Ἀττικῆς ἀφῖχθαί τινα Τεῦκρόν φασιν ἐκ δήμου Τρώων, ὃς νῦν οἱ Ξυπετεῶνες λέγεται, Τεῦκρους δὲ μηδένας ἐλθεῖν ἐκ τῆς Κρήτης. τῆς δὲ πρὸς τοὺς Ἀττικοὺς ἐπιπλοκῆς τῶν 25 Τρώων τιθέασι σημεῖον καὶ τὸ παρ' ἀμφοτέροις Ἐριχθόνιον τινα γενέσθαι τῶν ἀρχηγετῶν. λέγουσι μὲν οὖν οὕτως οἱ νεώτεροι, τοῖς δ' Ὀμήρου μᾶλλον ἔπεσι C.605 συμφωνεῖ τὰ ἐν τῷ Θήβης πεδίῳ καὶ τῇ αὐτόθι Χρύσῃ ἰδουμένη ποτὲ δεικνύμενα ἱχνη, περὶ ὧν αὐτίκα ἔροῦ- 30 μεν. πολλαχοῦ δ' ἐστὶ τὸ τοῦ Σμινθέως ὄνομα· καὶ γὰρ περὶ αὐτὴν τὴν Ἀμαξιτὸν χωρὶς τοῦ κατὰ τὸ ἱερόν



Σμινθίου δύο τόποι καλοῦνται Σμίνθια· καὶ ἄλλοι δ' ἐν τῇ πλησίον Λαρισαίᾳ· καὶ ἐν τῇ Παριανῇ δ' ἔστι χωρίον τὰ Σμίνθια καλούμενον, καὶ ἐν Ῥόδῳ καὶ ἐν Αἰνδῳ, καὶ ἄλλοθι δὲ πολλαχοῦ· καλοῦσι δὲ νῦν τὸ ἱε-  
 5 ρὸν Σμίνθιον. χωρὶς γοῦν καὶ τὸ Ἀλήσιον πεδῖον οὐ μέγα ἐντὸς τοῦ Λεκτοῦ καὶ τὸ Τραγασαῖον ἀλοπήγιον αὐτόματον τοῖς ἐτησίαις πηγνύμενον πρὸς Ἀμαξιτῶ.  
 ἐπὶ δὲ τῷ Λεκτῷ βωμὸς τῶν δώδεκα θεῶν δείκνυται, καλοῦσι δ' Ἀγαμέμνονος Ἱδρυμα· ἐν ἐπόψει δὲ τῷ Ἰλίῳ  
 10 ἔστι τὰ χωρία ταῦτα, ὥς ἐν διακοσίοις σταδίοις ἢ μικρῶ πλείοσιν· ὥς δ' αὐτως καὶ τὰ περὶ Ἄβυδον ἐκ θατέρου μέρους, μικρὸν δ' ὅμως ἐγγυτέρω ἢ Ἄβυδος.

Κάμψαντι δὲ τὸ Λεκτὸν ἐλλογιμώταται πόλεις τῶν 49  
 Αἰολέων καὶ ὁ Ἀδραμυττηνὸς κόλπος ἐκδέχεται, ἐν ᾧ  
 15 τοὺς πλείους τῶν Δελέγων κατοικίζων ὁ ποιητῆς φαί-  
 νεται καὶ τοὺς Κίλικας διττοὺς ὄντας. ἐνταῦθα δὲ καὶ ὁ τῶν Μιτυληναίων ἐστὶν αἰγιαλός, κώμας τινὰς ἔχων τῶν κατὰ τὴν ἡπειρον τῶν Μιτυληναίων. τὸν δὲ αὐτὸν κόλπον καὶ Ἰδαῖον λέγουσιν· ἡ γὰρ ἀπὸ τοῦ Λεκτοῦ  
 20 ῥάχης ἀνατείνουσα πρὸς τὴν Ἰδὴν ὑπέρεκείται τῶν πρώ-  
 των τοῦ κόλπου μερῶν, ἐν οἷς πρῶτον τοὺς Δέλεγας ἱδρυμένους ὁ ποιητῆς πεποίηκεν.

Εἰρηται δὲ περὶ αὐτῶν καὶ πρότερον· καὶ νῦν δὲ 50  
 προσληπτέον ὅτι Πήδασόν τινα λέγει πόλιν αὐτῶν ὑπὸ  
 25 Ἀλτῇ τεταγμένην, Ἀλτεω, ὃς Δελέγεσσι φιλοπτολέμοι-  
 „σιν ἀνάσσει, Πήδασον αἰπήεσσαν ἔχων ἐπὶ Σατνιό-  
 „εντι.“ καὶ νῦν ὁ τόπος δείκνυται τῆς πόλεως ἔρημος.  
 γράφουσι δὲ τινες οὐκ εὖ „ὑπὸ Σατνιόεντι,“ ὥς ὑπὸ  
 ὄρει Σατνιόεντι κειμένης τῆς πόλεως· οὐδὲν δ' ἔστιν  
 30 ὅρος ἐνταῦθα Σατνιόεις προσαγορευόμενον, ἀλλὰ πο-  
 ταμὸς ἐφ' ᾧ ἱδρύται ἡ πόλις· νῦν δ' ἔστιν ἐρήμη. ὀνο-

μάξει δὲ τὸν ποταμὸν ὁ ποιητής· „Σάτνιον οὐτασέ  
 „δουρὶ Οἶνοπίδην, ὃν ἄρα νύμφη τέκε Νηὶς ἀμύμων  
 „Οἶνοπι βουκολέοντι παρ' ὄχθαις Σατνιόεντος“ καὶ πά-  
 C.606 λιν „ναῖε δὲ Σατνιόεντος ἐνρρεῖταιο παρ' ὄχθαις Πήδα-  
 „σον αἰπεινήν.“ \* Σατνιόεντα δ' ὕστερον εἶπον, οἱ δὲ 5  
 Σαφνιόεντα· ἔστι δὲ χεῖμαρρος μέγας· ἄξιον δὲ μνή-  
 μης πεποιήκεν ὀνομάζων ὁ ποιητής αὐτόν. οὔτοι δ' οἱ  
 τόποι συνεχεῖς εἰσι τῇ Δαρδανίᾳ καὶ τῇ Σκηψίᾳ, ὥσπερ  
 ἄλλη τις Δαρδανία, ταπεινότερα δέ.  
 51 Ἀσσίων δ' ἔστι νῦν καὶ Γαργαρέων ἕως τῆς κατὰ 10  
 Λέσβον θαλάττης περιεχόμενα τῇ τε Ἀντανδριά καὶ τῇ  
 Κεβρηνίῳ καὶ Νεανδριέων καὶ Ἀμαξιτέων. τῆς μὲν  
 γὰρ Ἀμαξιτοῦ Νεανδριεῖς ὑπέρκεινται, καὶ αὐτοὶ ὄν-  
 τες ἐντὸς Λεκτοῦ, μεσογειότεροι δὲ καὶ πλησιαίτεροι  
 τῷ Ἰλίῳ· διέχουσι γὰρ ἑκατὸν καὶ τριάκοντα σταδίους. 15  
 τούτων δὲ καθύπερθε Κεβρήνιοι, τούτων δὲ Δαρ-  
 δάνιοι μέχρι Παλαισκήψεως καὶ αὐτῆς τῆς Σκήψεως.  
 τὴν δὲ Ἀντανδρον Ἀλκαῖος μὲν καλεῖ Λελέγων πόλιν  
 „πρῶτα μὲν Ἀντανδρος Λελέγων πόλις.“ ὁ δὲ Σκή-  
 ψιος ἐν ταῖς παρακειμέναις τίθησιν, ὥστ' ἐκπίπτει ἂν 20  
 εἰς τὴν τῶν Κιλίκων· οὔτοι γὰρ εἰσι συνεχεῖς τοῖς Λέ-  
 λεξι μᾶλλον πως τὸ νότιον πλευρὸν τῆς Ἰδῆς ἀφορίζ-  
 οντες· ταπεινοὶ δ' ὅμως καὶ οὔτοι καὶ τῇ παραλίᾳ συν-  
 ἄπτοντες μᾶλλον τῇ κατὰ Ἀδραμύττιον. μετὰ γὰρ τὸ  
 Λεκτὸν τὸ Πολυμήδειον ἔστι χωρίον τι ἐν τετταράκον- 25  
 τα σταδίοις, εἴτ' ἐν ὀγδοήκοντα Ἀσσος μικρὸν ὑπὲρ  
 τῆς θαλάττης, εἴτ' ἐν ἑκατὸν καὶ τετταράκοντα Γάρ-  
 γαρα· κεῖται δὲ τὰ Γάργαρα ἐπ' ἄκρας ποιούσης τὸν  
 ἰδίως Ἀδραμυττηνὸν καλούμενον κόλπον. λέγεται γὰρ  
 καὶ πᾶσα ἡ ἀπὸ Λεκτοῦ μέχρι Κανῶν παραλία τῷ 30

1. post Σάτνιον: γὰρ



αὐτῷ τούτῳ ὀνόματι, ἐν ᾧ καὶ ὁ Ἑλαϊτικὸς περιλαμβάνεται· ἰδίως μέντοι τοῦτον φασὶν Ἀδραμυττηνόν, τὸν κλειόμενον ὑπὸ ταύτης τε τῆς ἄκρας ἐφ' ἣ τὰ Γάργαρα, καὶ τῆς Πυρραῖς ἄκρας προσαγορευομένης ἐφ' ἣ καὶ 5 ἀφροδίσιον ἴδρυνται. πλάτος δὲ τοῦ στόματός ἐστιν ἀπὸ τῆς ἄκρας ἐπὶ τὴν ἄκραν διάστημα ἑκατὸν καὶ εἰκοσι σταδίων. ἐντὸς δὲ ἣ τε Ἄντανδρός ἐστιν ὑπερκείμενον ἔχουσα ὄρος ὃ καλοῦσιν Ἀλεξάνδρειαν, ὅπου τὰς θεὰς κριθῆναί φασιν ὑπὸ τοῦ Πάριδος, καὶ ὁ Ἀσπανεύς τὸ 10 ὑλοτόμιον τῆς Ἰδαίας ὕλης· ἐνταῦθα γὰρ διατίθενται κατάγοντες τοῖς δεομένοις. εἴτ' Ἀστυρα, κώμη καὶ ἄλσος τῆς Ἀστυρηνῆς Ἀρτέμιδος ἁγίον. πλησίον δ' εὐθύς τὸ Ἀδραμύττιον, Ἀθηναίων ἄποικος πόλις ἔχουσα καὶ λιμένα καὶ ναύσταθμον· ἔξω δὲ τοῦ κόλπου καὶ τῆς Πυρ- 5 ραῖς ἄκρας ἣ τε Κισθῆνη ἐστὶ πόλις ἔρημος ἔχουσα λιμένα. ὑπὲρ αὐτῆς δ' ἐν τῇ μεσογαίᾳ τό τε τοῦ χαλκοῦ C. 607 μέταλλον καὶ Περπερηνὴ καὶ Τράριον καὶ ἄλλαι τοιαῦται κατοικίαι. ἐν δὲ τῇ παραλίᾳ τῇ ἐφεξῆς αἱ τῶν Μιτυληναίων κῶμαι Κορυφαντίς τε καὶ Ἡράκλεια, καὶ 10 μετὰ ταῦτα Ἄντεια, εἴτ' Ἀταρνεὺς καὶ Πιτάνη καὶ αἱ τοῦ Καΐκου ἐκβολαί· ταῦτα δ' ἤδη τοῦ Ἑλαϊτῶν κόλπου· καὶ ἐστὶν ἐν τῇ περαίᾳ ἣ Ἑλαία καὶ ὁ λοιπὸς μέχρι Κανῶν κόλπος. λέγωμεν δὲ ἀναλαμβάνοντες περὶ τῶν καθ' ἕκαστα πάλιν, εἴ τι παραλείπεται μνήνης ἄξιον, καὶ 15 πρῶτον περὶ τῆς Σκῆψεως.

Ἔστι δ' ἣ μὲν Παλαίσκηψις ἐπάνω Κεβρῆνος κατὰ 52 τὸ μετεωρότατον τῆς Ἰδης ἐγγὺς Πολίχνας· ἐκαλεῖτο δὲ τότε Σκῆψις, εἴτ' ἄλλως εἴτ' ἀπὸ τοῦ περισκεπτου εἶναι τὸν τόπον, εἰ δεῖ τὰ παρὰ τοῖς βαρβάροις ἐν τῷ 10 τότε ὀνόματα ταῖς Ἑλληνικαῖς ἐτυμολογεῖσθαι φωναῖς· ὕστερον δὲ κατωτέρω σταδίοις ἐξήκοντα εἰς τὴν νῦν Σκῆψιν μετρωκίσθησαν ὑπὸ Σκαμανδρίου τε τοῦ Ἐκτο-

ρος καὶ Ἀσκανίου τοῦ Αἰνείου παιδός· καὶ δύο γένη ταῦτα βασιλεῦσαι πολὺν χρόνον ἐν τῇ Σκῆψει λέγεται· μετὰ ταῦτα δ' εἰς ὀλιγαρχίαν μετέστησαν, εἴτα Μιλήσιοι συνεπολιτεύθησαν αὐτοῖς καὶ δημοκρατικῶς ὦκουν· οἱ δ' ἀπὸ τοῦ γένους οὐδὲν ἤττον ἐκαλοῦντο βασιλεῖς, ἔχοντές τινας τιμάς· εἴτ' εἰς τὴν Ἀλεξάνδρειαν συνεπόλισε τοὺς Σκηψίους Ἀντίγονος, εἴτ' ἀπέλυσε Αὐσίμαχος, καὶ ἐπανῆλθον εἰς τὴν οἰκίαν.

53 Οἶται δ' ὁ Σκῆψιος καὶ βασίλειον τοῦ Αἰνείου γεγονέναι τὴν Σκῆψιν, μέσσην οὖσαν τῆς τε ὑπὸ τῷ Αἰ- 10  
νεῖα καὶ Αὐρνησοῦ, εἰς ἣν φυγεῖν εἴρηται διωκόμενος ὑπὸ τοῦ Ἀχιλλέως· φησὶ γοῦν ὁ Ἀχιλλεύς, „ἢ οὐ μέμνη, „ὅτε πέρ σε βοῶν ἄπο μοῦνον ἔοντα σεῦα κατ' Ἰδαίων „ὁρέων ταχέεσσι πόδεσσι, κείθεν δ' ἐς Αὐρνησὸν „ὑπέκφυγες· αὐτὰρ ἐγὼ τὴν πέρσα, μεθορμηθεῖς.“ οὐχ 15  
ὁμολογεῖ δὲ τῷ περὶ τῶν ἀρχηγετῶν τῆς Σκῆψεως λόγῳ τῷ λεχθέντι νῦν τὰ περὶ τοῦ Αἰνείου θρυλούμενα. περιγενέσθαι γὰρ δὴ τοῦτόν φασιν ἐκ τοῦ πολέμου διὰ τὴν πρὸς Πριάμον δυσμένειαν „ἀεὶ γὰρ Πριάμῳ ἐπε- „μήνιε δίῳ, οὔνεκ' ἄρ' ἐσθλὸν ἔοντα μετ' ἀνδράσιν οὐ 20  
„τι τίεσκε,“ τοὺς δὲ συνάρχοντας Ἀντηνορίδας καὶ αὐτὸν τὸν Ἀντήνορα διὰ τὴν Μενελάου παρ' αὐτῷ ξε-  
C.608νίαν. Σοφοκλῆς γοῦν ἐν τῇ ἀλώσει τοῦ Ἰλίου παρδα-  
λέαν φησὶ πρὸ τῆς θύρας τοῦ Ἀντήνορος προτεθῆναι σύμβολον τοῦ ἀπόρθητον ἑαθῆναι τὴν οἰκίαν. τὸν μὲν 2  
οὖν Ἀντήνορα καὶ τοὺς παῖδας μετὰ τῶν περιγενομέ-  
νων Ἐνετῶν εἰς τὴν Θράκην περισθῆναι ἀκκέϊθεν διαπεσεῖν εἰς τὴν λεγομένην κατὰ τὸν Ἀδριάν Ἐνετι-  
κὴν, τὸν δὲ Αἰνεῖαν μετ' Ἀρχίου τοῦ πατρὸς καὶ τοῦ  
παιδὸς Ἀσκανίου λαὸν ἀθροίσαντα πλεῦσαι· καὶ οἱ μὲν 3  
οἰκῆσαι περὶ τὸν Μακεδονικὸν Ὀλυμπον φασιν, οἱ δὲ  
περὶ Μαντίνειαν τῆς Ἀρκαδίας κτίσαι Καπύας, ἀπὸ 3



Κάπυος θέμενον τοῦνομα τῷ πολίσματι, οἱ δ' εἰς Αἰ-  
 γεσταν κατὰραι τῆς Σικελίας σὺν Ἑλύμῳ Τρωὶ καὶ  
 Ἑρυνκα καὶ Αἰλύβαιον κατασχεῖν, καὶ ποταμοὺς περὶ  
 Αἰγεσταν προσαγορεύσαι Σκάμανδρον καὶ Σιμόεντα·  
 5 ἔνθεν δ' εἰς τὴν Λατίνην ἐλθόντα μείναι κατὰ τι λό-  
 γιον τὸ κελεῦον μένειν ὅπου ἂν τὴν τράπεζαν κατα-  
 φάγη· συμβῆναι δὲ τῆς Λατίνης περὶ τὸ Λακίνιον τοῦ-  
 το, ἄρτου μεγάλου τεθέντος ἀντὶ τραπέξης κατὰ ἀπο-  
 ρίαν καὶ ἅμα ἀναλωθέντος τοῖς ἐπ' αὐτῷ κρέασιν. Ὀμη-  
 10 ρος μέντοι συνηγορεῖν οὐδετέροις ἔοικεν, οὐδὲ τοῖς  
 περὶ τῶν ἀρχηγετῶν τῆς Σκήψεως λεχθεῖσιν· ἐμφαί-  
 νει γὰρ μεμενηκότα τὸν Αἰνείαν ἐν τῇ Τροίᾳ καὶ δια-  
 δεδεγμένον τὴν ἀρχὴν καὶ παραδεδωκότα παισὶ παί-  
 δων τὴν διαδοχὴν αὐτῆς, ἡφανισμένου τοῦ τῶν Πρια-  
 15 μιδῶν γένους· „ἤδη γὰρ Πριάμου γενεὴν ἤχθηρε Κρο-  
 „νίων. νῦν δὲ δὴ Αἰνείας βίη Τρώεσσιν ἀνάξει καὶ παί-  
 „δων παῖδες, τοί κεν μετόπισθε γένωνται.“ οὕτω δ'  
 οὐδ' ἡ τοῦ Σκαμανδρίου διαδοχὴ σώζοιτ' ἂν. πολὺ δὲ  
 μᾶλλον τοῖς ἑτέροις διαφωνεῖ τοῖς μέχρι καὶ Ἰταλίας  
 20 αὐτοῦ τὴν πλάνην λέγουσι καὶ αὐτόθι ποιοῦσι τὴν κα-  
 ταστροφὴν τοῦ βίου. τινὲς δὲ γράφουσιν „Αἰνείας γέ-  
 „νος πάντεσσιν ἀνάξει, καὶ παῖδες παίδων,“ τοὺς Ῥω-  
 μαίους λέγοντες.

Ἐκ δὲ τῆς Σκήψεως οἱ τε Σωκρατικοὶ γερόνασιν 54  
 25 Ἐραστος καὶ Κορίσκος καὶ ὁ τοῦ Κορίσκου υἱὸς Νη-  
 λεύς, ἀνὴρ καὶ Ἀριστοτέλους ἡκροαμένος καὶ Θεο-  
 φράστου, διαδεδεγμένος δὲ τὴν βιβλιοθήκην τοῦ Θεο-  
 φράστου, ἐν ἣ ἦν καὶ ἡ τοῦ Ἀριστοτέλους· ὁ γοῦν  
 Ἀριστοτέλης τὴν ἑαυτοῦ Θεοφράστῳ παρέδωκεν, ὥπερ  
 30 καὶ τὴν σχολὴν ἀπέλιπε, πρῶτος ὧν ἴσμεν συναγαγὼν  
 βιβλία καὶ διδάξας τοὺς ἐν Αἰγύπτῳ βασιλέας βιβλιο-  
 θήκης σύνταξιν. Θεόφραστος δὲ Νηλεῖ παρέδωκεν· ὁ C.609

δ' εἰς Σκῆψιν κομίσας τοῖς μετ' αὐτὸν παρέδωκεν, ἰδι-  
 ωταῖς ἀνθρώποις, οἱ κατὰκλειστα εἶχον τὰ βιβλία οὐδ'  
 ἐπιμελῶς κείμενα· ἐπειδὴ δὲ ἤσθοντο τὴν σπουδὴν  
 τῶν Ἀτταλικῶν βασιλέων ὑφ' οἷς ἦν ἡ πόλις, ζητούν-  
 των βιβλία εἰς τὴν κατασκευὴν τῆς ἐν Περγάμῳ βι- 5  
 βλιοθήκης, κατὰ γῆς ἔκρυψαν ἐν διώρυγί τι· ὑπὸ δὲ  
 νοτίας καὶ σπητῶν κακωθέντα ὅψε ποτε ἀπέδοντο οἱ ἀπὸ  
 τοῦ γένους Ἀπελλικῶντι τῷ Τηίῳ πολλῶν ἀργυρίων  
 τὰ τε Ἀριστοτέλους καὶ τὰ τοῦ Θεοφράστου βιβλία·  
 ἦν δὲ ὁ Ἀπελλικῶν φιλόβιβλος μᾶλλον ἢ φιλόσοφος· 10  
 διὸ καὶ ζητῶν ἐπανόρθωσιν τῶν διαβρωμάτων εἰς ἀν-  
 τίγραφα καινὰ μετήνεγκε τὴν γραφὴν ἀναπληρῶν οὐκ  
 εὖ, καὶ ἐξέδωκεν ἀμαρτάδων πλήρη τὰ βιβλία. συνέβη  
 δὲ τοῖς ἐκ τῶν περιπάτων τοῖς μὲν πάλαι τοῖς μετὰ Θε-  
 όφραστον οὐκ ἔχουσιν ὅλως τὰ βιβλία πλὴν ὀλίγων, 15  
 καὶ μάλιστα τῶν ἑξωτερικῶν, μηδὲν ἔχειν φιλοσοφεῖν  
 πραγματικῶς, ἀλλὰ θέσεις ληκνθίζειν· τοῖς δ' ὅστε-  
 ρον, ἀφ' οὗ τὰ βιβλία ταῦτα προῆλθεν, ἄμεινον μὲν  
 ἐκείνων φιλοσοφεῖν καὶ ἀριστοτελίζειν, ἀναγκάζεσθαι  
 μέντοι τὰ πολλὰ εἰκότα λέγειν διὰ τὸ πλῆθος τῶν ἀμαρ- 20  
 τιῶν. πολὺ δὲ εἰς τοῦτο καὶ ἡ Ρώμη προσελάβετο· εὐ-  
 θὺς γὰρ μετὰ τὴν Ἀπελλικῶντος τελευτὴν Σύλλας ἦρε  
 τὴν Ἀπελλικῶντος βιβλιοθήκην ὃ τὰς Ἀθήνας ἐλὼν,  
 δεῦρο δὲ κομισθεῖσαν Τυραννίων τε ὁ γραμματικὸς  
 διεχειρίσατο φιλαριστοτέλης ὦν, θεραπεύσας τὸν ἐπὶ 25  
 τῆς βιβλιοθήκης, καὶ βιβλιοπῶλαι τινες γραφεῦσι  
 φαύλοις χρώμενοι καὶ οὐκ ἀντιβάλλοντες, ὅπερ καὶ ἐπὶ  
 τῶν ἄλλων συμβαίνει τῶν εἰς πρᾶσιν γραφομένων βι-  
 βλίων καὶ ἐνθάδε καὶ ἐν Ἀλεξανδρείᾳ. περὶ μὲν οὖν  
 τούτων ἀπόχρη.

55 Ἐκ δὲ τῆς Σκῆψεως καὶ ὁ Δημήτριος ἔστιν οὗ με-  
 μνήμεθα πολλάκις, ὁ τὸν Τρωικὸν διάκοσμον ἐξηγη-



σάμενος γραμματικός, κατὰ τὸν αὐτὸν χρόνον γεγο-  
 νως Κράτητι καὶ Ἀριστάρχῳ· καὶ μετὰ τοῦτον Μητρό-  
 δωρος, ἀνὴρ ἐκ τοῦ φιλοσόφου μεταβεβληκὼς ἐπὶ τὸν  
 πολιτικὸν βίον καὶ δητορεύων τὸ πλεόν ἐν τοῖς συγ-  
 5 γράμμασιν· ἐχρήσατο δὲ φράσεώς τινι χαρακτηρίαι καί-  
 νῳ καὶ κατεπλήξατο πολλούς· διὰ δὲ τὴν δόξαν ἐν Χαλ-  
 κηδόνι γάμου λαμπροῦ πένης ὣν ἔτυχε καὶ ἐχορημάτιζε  
 Χαλκηδόνιος· Μιθριδάτην δὲ θεραπεύσας τὸν Εὐπά-  
 10 τορα συναπῆρεν εἰς τὸν Πόντον ἐκείνῳ μετὰ τῆς γυ-  
 ναικὸς καὶ ἐτιμήθη διαφερόντως, ταχθεὶς ἐπὶ τῆς δι-  
 καιοδοσίας, ἅφ' ἧς οὐκ ἦν τῷ κριθέντι ἀναβολὴ τῆς C.610  
 δίκης ἐπὶ τὸν βασιλέα. οὐ μέντοι διηυτύχησεν, ἀλλ'  
 ἐμπεσὼν εἰς ἔχθραν ἀδικωτέρων ἀνθρώπων ἀπέστη  
 τοῦ βασιλέως κατὰ τὴν πρὸς Τιγράνην τὸν Ἀρμένιον  
 15 πρεσβείαν· ὁ δ' ἄκοντα ἀνέπεμψεν αὐτὸν τῷ Εὐπά-  
 τορι, φεύγοντι ἤδη τὴν προγονικὴν, κατὰ δὲ τὴν ὁδὸν  
 κατέστρεψε τὸν βίον εἰθ' ὑπὸ τοῦ βασιλέως εἰθ' ὑπὸ  
 νοσον· λέγεται γὰρ ἀμφοτέρω. περὶ μὲν τῶν Σκηψίων  
 ταῦτα.

20 Μετὰ δὲ Σκῆψιν Ἀνδειρα καὶ Πιονίαι καὶ ἡ Γαρ- 56  
 γαρίς. ἔστι δὲ λίθος περὶ τὰ Ἀνδειρα, ὃς καιόμενος σί-  
 δηρος γίνεται· εἶτα μετὰ γῆς τινος καμινευθεὶς ἀπο-  
 στάζει ψευδάργυρον, ἣ προσλαβοῦσα χαλκὸν τὸ κα-  
 λούμενον γίνεται κρᾶμα, ὃ τινες ὀρείχαλκον καλοῦσι·  
 25 γίνεται δὲ ψευδάργυρος καὶ περὶ τὸν Τρωῶλον. ταῦτα  
 δ' ἔστι τὰ χωρία, ἃ οἱ Λέλεγες κατεῖχον· ὥς δ' αὐτως  
 καὶ τὰ περὶ Ἀσσον.

Ἔστι δὲ ἡ Ἀσσος ἐρυμνὴ καὶ εὐτειχὴς, ἀπὸ θαλάττης 57  
 καὶ τοῦ λιμένος ὀρθίαν καὶ μακρὰν ἀνάβασιν ἔχουσα,  
 30 ὥστ' ἐπ' αὐτῆς οἰκείως εἰρηῇσθαι δοκεῖ τὸ τοῦ Στρατονί-  
 κου τοῦ κιθαριστοῦ, Ἀσσον ἴθ', ὥς κεν θᾶσσον ὀλέ-  
 „θρου πείραθ' ἴκηαι.“ ὁ δὲ λιμὴν χώματι κατεσκεύα-

σται μεγάλῳ. ἐντεῦθεν ἦν Κλεάνθης, ὁ στωικὸς φιλόσο-  
 φος, ὁ διαδεξάμενος τὴν Ζήνωνος τοῦ Κιτιέως σχολήν,  
 καταλιπὼν δὲ Χρυσίππῳ τῷ Σολεῖ· ἐνταῦθα δὲ καὶ Ἀρι-  
 στοτέλης διέτριψε διὰ τὴν πρὸς Ἑρμείαν τὸν τύραννον  
 κηδείαν. ἦν δὲ Ἑρμείας εὐνοῦχος, τραπεζίτου τινὸς οἰ- 5  
 κέτης· γενόμενος δ' Ἀθήνησιν ἠκροάσατο καὶ Πλάτω-  
 νος καὶ Ἀριστοτέλους· ἐπανελθὼν δὲ τῷ δεσπότῃ συνε-  
 τυράννησε, πρῶτον ἐπιθεμένῳ τοῖς περὶ Ἀταρνέα καὶ  
 Ἄσσον χωρίοις· ἔπειτα διεδέξατο ἐκείνον καὶ μετεπέμ-  
 ψατο τὸν τε Ἀριστοτέλην καὶ Ξενοκράτην καὶ ἐπεμελή- 10  
 θη αὐτῶν, τῷ δ' Ἀριστοτέλει καὶ θυγατέρα ἀδελφοῦ  
 συνώκισε. Μέννων δ' ὁ Ῥόδιος ὑπηρετῶν τότε τοῖς  
 Πέρσαις καὶ στρατηγῶν, προσποιησάμενος φιλίαν καλεῖ  
 πρὸς ἑαυτὸν ξενίας τε ἅμα καὶ πραγμάτων προσποιη-  
 τῶν χάριν, συλλαβὼν δ' ἀνέπεμψεν ὥς τὸν βασιλέα, 15  
 καὶ κεί κρεμασθεὶς ἀπώλετο· οἱ φιλόσοφοι δ' ἐσώθησαν  
 φεύγοντες τὰ χωρία ἃ οἱ Πέρσαι κατέσχον.

58 Φησὶ δὲ Μυρσίλος Μηθυμναίων κτίσμα εἶναι τὴν  
 Ἄσσον, Ἑλλάνικόν τε καὶ Αἰολίδα φησὶν, ὥσπερ καὶ  
 τὰ Γάργαρα καὶ ἡ Λαμπωνία Αἰολέων. Ἀσσίων γάρ 20  
 C.611 ἐστὶ κτίσμα τὰ Γάργαρα, οὐκ εὖ συνοικούμενα· ἐποί-  
 κους γὰρ οἱ βασιλεῖς εἰσήγαγον ἐκ Μιλητουπόλεως  
 ἐρημώσαντες ἐκείνην, ὥστε ἡμιβαρβάρους γενέσθαι  
 φησὶ Δημήτριος αὐτοὺς ὁ Σκήψιος ἀντὶ Αἰολέων. καθ'  
 Ὀμηρον μέντοι ταῦτα πάντα ἦν Λελέγων, οὓς τινὲς 25  
 μὲν Κᾶρας ἀποφαίνουσιν, Ὀμηρος δὲ χωρίζει „πρὸς  
 „μὲν ἄλὸς Κᾶρες καὶ Παῖονες ἀγκυλότοξοι καὶ Λέλεγες  
 „καὶ Κανέωνες.“ ἕτεροι μὲν τοίνυν τῶν Καρῶν ὑπῆρ-  
 ξαν, ὧκουν δὲ μεταξὺ τῶν ὑπὸ τῷ Αἰνεία καὶ τῶν κα-  
 λουμένων ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ Κιλίκων· ἐκπορθηθέντες 30  
 δὲ ὑπὸ τοῦ Ἀχιλλέως μετέστησαν εἰς τὴν Καρίαν, καὶ  
 κατέσχον τὰ περὶ τὴν νῦν Ἀλικαρναδὸν χωρία.



Ἡ μὲν τοίνυν ἐκλειφθεῖσα ὑπ' αὐτῶν πόλις Πή- 59  
 δασος οὐκέτ' ἐστίν, ἐν δὲ τῇ μεσογαίᾳ τῶν Ἀλικαρνα-  
 σέων τὰ Πήδασα ὑπ' αὐτῶν ὀνομασθέντα ἦν πόλις,  
 καὶ νῦν ἡ χώρα Πηδασίς λέγεται. φασὶ δ' ἐν αὐτῇ καὶ  
 5 ὁκτὼ πόλεις ὥκίσθαι ὑπὸ τῶν Δελέγων πρότερον εὐ-  
 ανδρησάντων, ὥστε καὶ τῆς Καρίας κατασχεῖν τῆς μέ-  
 χρι Μύνδου καὶ Βαργυλίων, καὶ τῆς Πισιδίας ἀποτε-  
 μέσθαι πολλήν. ὕστερον δ' ἅμα τοῖς Καρσὶ στρατευό-  
 μενοι κατεμερίσθησαν εἰς ὅλην τὴν Ἑλλάδα καὶ ἡφα-  
 10 νίσθη τὸ γένος, τῶν δ' ὁκτὼ πόλεων τὰς ἑξ Μάυσωλος  
 εἰς μίαν τὴν Ἀλικαρνασὸν συνήγαγεν, ὡς Καλλισθέ-  
 νης ἱστορεῖ. Συνάγγελα δὲ καὶ Μύνδον διεφύλαξε.  
 τοῖς δὲ Πηδασεῦσι τούτοις φησὶν Ἡρόδοτος ὅτε μέλλοι  
 τι ἀνεπιτήδειον ἔσεσθαι καὶ τοῖς περιοίκοις, τὴν ἰέρειαν  
 15 τῆς Ἀθηνᾶς πώγωνα ἰσχεῖν· τρεῖς δὲ συμβῆναι τοῦτο  
 αὐτοῖς. Πήδασον δὲ καὶ ἐν τῇ νῦν Στρατονικέων πο-  
 λίχνιόν ἐστιν. ἐν ὅλῃ δὲ Καρίᾳ καὶ ἐν Μιλήτῳ Δελέ-  
 γων τάφοι καὶ ἐρύματα καὶ ἱχνη κατοικιῶν δείκνυνται.

Μετὰ δὲ τοὺς Δελέγας τὴν ἑξῆς παραλίαν ὥκουν 60  
 20 Κίλικες καδ' Ὀμηρον, ἣν νῦν ἔχουσιν Ἀδραμυττηνοί  
 τε καὶ Ἀταρνεῖται καὶ Πιταναῖοι μέχρι τῆς ἐκβολῆς τοῦ  
 Καϊκίου. διήρηντο δ' εἰς δύο δυναστείας οἱ Κίλικες,  
 καθάπερ εἶπομεν, τὴν τε ὑπὸ τῷ Ἡετίωνι καὶ τὴν ὑπὸ  
 Μύνητι. τοῦ μὲν οὖν Ἡετίωνος λέγει πόλιν Θήβην 61  
 25 „ὥχόμεθ' ἐς Θήβην ἱερὴν πόλιν Ἡετίωνος.“ τούτου  
 δὲ καὶ τὴν Χρυῶσαν [τὴν ἔχουσιν] τὸ ἱερὸν τοῦ Σμιν-  
 θέως Ἀπόλλωνος ἐμφαίνει, εἶπερ ἡ Χρυσή τις ἐκ τῆς  
 Θήβης ἐάλω „ὥχόμεθα“ γάρ, φησὶν, „ἐς Θήβην· τὴν  
 „δὲ διεπράθομέν τε καὶ ἤγομεν ἐνθάδε πάντα. καὶ τὰ C.612  
 30 „μὲν εὖ δάσσαντο μετὰ σφίσι [νῆες Ἀχαιῶν], ἐκ δ'  
 „ἔλον Ἀτρεΐδῃ Χρυσήϊδα.“ τοῦ δὲ Μύνητος τὴν Λυρ-  
 νησσόν· ἐπειδὴ „Λυρνησσὸν διαπορθήσας καὶ τείχεα

„Θήβης“ τόν τε Μύνητα καὶ τὸν Ἐπίστροφον ἀνεῖλεν Ἀχιλλεύς, ὥστε ὅταν φῇ ἡ Βοιωτὴς „οὐδέ μ' ἔασκες, „ὅτ' ἄνδρ' ἐμὸν ὠκύς Ἀχιλλεύς ἔκτεινεν, πέρσεν δὲ „πόλιν θείοιο Μύνητος,“ οὐ τὴν Θήβην λέγει ἄν (αὕτη γὰρ Ἡετίωνος) ἀλλὰ τὴν Λυρνησσόν· ἀμφοτέ- 5  
ραι δ' ἦσαν ἐν τῷ κληθέντι μετὰ ταῦτα Θήβης πεδίῳ, ὃ διὰ τὴν ἀρετὴν περιμάχητον γενέσθαι φασὶ Μυσοῖς μὲν καὶ Λυδοῖς τὸ πρότερον, τοῖς δ' Ἑλλήσιν ὕστερον τοῖς ἐποικήσασιν ἐκ τῆς Αἰολίδος καὶ τῆς Λέσβου. ἔχουσι δὲ νῦν Ἀδραμυττηνοὶ τὸ πλεόν· ἐνταῦθα γὰρ 10  
καὶ ἡ Θήβη καὶ ἡ Λυρνησσός, ἐρυμνὸν χωρίον· ἔρημοι δ' ἀμφοτέραι· διέχουσι δὲ Ἀδραμυττίου σταδίους ἡ μὲν ἐξήκοντα ἡ δὲ ὀγδοήκοντα καὶ ὀκτὼ ἐπὶ θάτερα.

62 Ἐν δὲ τῇ Ἀδραμυττηνῇ ἔστι καὶ ἡ Χρῦσα καὶ ἡ Κίλλα· πλησίον οὖν τῆς Θήβης ἔτι νῦν Κίλλα τις τό- 15  
πος λέγεται, ἐν ᾧ Κιλλαίου Ἀπόλλωνος ἔστιν ἱερόν· παραρρεῖ δ' αὐτῷ ἐξ Ἰδης φερόμενος ὁ Κίλλαιος ποταμός· ταῦτα δ' ἔστι κατὰ τὴν Ἀντανδρίαν· καὶ τὸ ἐν Λέσβῳ δὲ Κίλλαιον ἀπὸ ταύτης τῆς Κίλλης ὠνόμασται· ἔστι δὲ καὶ Κίλλαιον ὄρος μεταξὺ Παργάρων καὶ Ἀν- 20  
τάνδρου. φησὶ δὲ Δάης ὁ Κολωναεύς ἐν Κολωναῖς ἰδρυθῆναι πρῶτον ὑπὸ τῶν ἐκ τῆς Ἑλλάδος πλεῦσάντων Αἰολέων τὸ τοῦ Κιλλαίου Ἀπόλλωνος ἱερόν· καὶ ἐν Χρῦσῃ δὲ λέγουσι Κίλλαιον Ἀπόλλωνα ἰδρυῖσθαι, ἄδηλον εἴτε τὸν αὐτὸν τῷ Σμινθεὶ εἶθ' ἕτερον. 25

63 Ἡ δὲ Χρῦσα ἐπὶ θαλάττῃ πολίχνην ἦν ἔχον λιμένα, πλησίον δὲ ὑπέρεκειται ἡ Θήβη· ἐνταῦθα δ' ἦν καὶ τὸ ἱερόν τοῦ Σμινθέως Ἀπόλλωνος καὶ ἡ Χρυσή· ἡρόμωται δὲ νῦν τὸ χωρίον τελέως· εἰς δὲ τὴν νῦν Χρῦσαν τὴν κατὰ Ἀμαξιτὸν μεθίδρυνται τὸ ἱερόν, τῶν 30  
Κιλικῶν τῶν μὲν εἰς τὴν Παμφυλίαν ἐκπεσόντων τῶν δὲ εἰς Ἀμαξιτόν. οἱ δ' ἀπειρότεροι τῶν παλαιῶν ἱστο-



ριῶν ἐνταῦθα τὸν Χρύσην καὶ τὴν Χρυσηίδα γερονέ-  
 ναι φασὶ καὶ τὸν Ὅμηρον τούτου τοῦ τόπου μεμνη-  
 σθαι. ἀλλ' οὔτε λιμὴν ἔστιν ἐνταῦθα, ἐκεῖνος δὲ φη-  
 σιν „οἱ δ' ὅτε δὴ λιμένος πολυβενθέος ἐντὸς ἵκοντο,“  
 5 οὔτ' ἐπὶ θαλάττῃ τὸ ἱερόν ἔστιν, ἐκεῖνος δ' ἐπὶ θα-  
 λάττῃ ποιεῖ τὸ ἱερόν „ἐκ δὲ Χρυσῆς νηὸς βῆ ποντο-  
 „πόροιο· τὴν μὲν ἔπειτ' ἐπὶ βωμὸν ἄγων πολύμητιςC.613  
 „Ὀδυσσεὺς πατρὶ φίλῳ ἐν χερσὶ τίθει,“ οὔτε Θήβης  
 πλησίον, ἐκεῖνος δὲ πλησίον· ἐκεῖθεν γοῦν ἀλοῦσσαν  
 10 λέγει τὴν Χρυσηίδα. ἀλλ' οὐδὲ Κίλλα τόπος οὐδεὶς ἐν  
 τῇ Ἀλεξανδρέων χώρα δείκνυται, οὐδὲ Κιλλαίου Ἀπόλ-  
 λωνος ἱερόν· ὁ ποιητὴς δὲ συζεύγνυσιν „ὅς Χρύσην  
 ἀμφιβέβηκας Κίλλαν τε ζαθέην.“ ἐν δὲ τῷ Θήβης πε-  
 δῶν δείκνυται πλησίον· ὃ τε πλοῦς ἀπὸ μὲν τῆς Κιλι-  
 15 κίου Χρύσης ἐπὶ τὸ ναύσταθμον ἑπτακοσίων που στα-  
 δίων ἔστιν ἡμερήσιός πως, ὅσον φαίνεται πλεύσας ὁ  
 Ὀδυσσεύς. ἐκβὰς γὰρ εὐθύς παρίστησι τὴν θυσίαν τῷ  
 θεῷ καὶ τῆς ἐσπέρας ἐπιλαβούσης μένει αὐτόθι, πρῶτὴ  
 δὲ ἀποπλεῖ· ἀπὸ δὲ Ἀμαξιτοῦ τὸ τρίτον μόλις τοῦ λε-  
 20 χθέντος διαστήματός ἔστιν, ὥστε παρῇν τῷ Ὀδυσσεὶ  
 αὐθημερὸν ἀναπλεῖν ἐπὶ τὸ ναύσταθμον τελέσαντι τὴν  
 θυσίαν. ἔστι δὲ καὶ Κίλλου μνημα περὶ τὸ ἱερόν τοῦ  
 Κιλλαίου Ἀπόλλωνος, χῶμα μέγα· ἡνίοχον δὲ τοῦτον  
 Πέλοπός φασιν ἡγησάμενον τῶν τόπων, ἀφ' οὗ ἴσως  
 25 ἢ Κιλικία ἢ ἔμπαλιν.

Τὰ οὖν περὶ τοὺς Τεύκρους καὶ τοὺς μύας, ἀφ' 64  
 ὧν ὁ Σμινθεύς, ἐπειδὴ σμίνθοι οἱ μύες, δεῦρο μετ-  
 ενεκτέον. παραμυθοῦνται δὲ τὴν ἀπὸ μικρῶν ἐπὶ κλη-  
 σιν τοιούτοις τισί· καὶ γὰρ ἀπὸ τῶν παρνώπων, οὓς οἱ  
 30 Οἰταῖοι κόρνοπας λέγουσι, κορνωπίωνα τιμᾶσθαι παρ'  
 ἐκείνοις Ἡρακλέα ἀπαλλαγῆς ἀκρίδων χάριν· ἱποκτό-  
 νου δὲ παρ' Ἐρυθραίοις τοῖς τὸν Μίμαντα οἰκοῦσιν,

ὅτι φθαρτικὸς τῶν ἀμπελοφάγων ἰπῶν· καὶ δὴ παρ' ἐκείνοις μόνοις τῶν Ἑρυθραίων τὸ θηρίον τοῦτο μὴ γίνεσθαι. Ῥόδιοι δὲ ἐρυθρίβιον Ἀπόλλωνος ἔχουσιν ἐν τῇ χώρᾳ ἱερὸν, τὴν ἐρυσίβην καλοῦντες ἐρυθίβην· παρ' Αἰολεῦσι δὲ τοῖς ἐν Ἀσίᾳ μείς τις καλεῖται πορνο- 5 πίων, οὕτω τοὺς πάρνοπας καλούντων Βοιωτῶν, καὶ θυσία συντελεῖται πορνοπίωνι Ἀπόλλωνι.

65 Μυσία μὲν οὖν ἔστιν ἡ περὶ τὸ Ἀδραμύτιον· ἦν δέ ποτε ὑπὸ Λυδοῖς, καὶ νῦν πύλαι Λύδαι καλοῦνται ἐν Ἀδραμυτιῷ, Λυδῶν (ὥς φασι) τὴν πόλιν ἐκτικό- 10 των. Μυσίας δὲ [καὶ] Ἀστύρα τὴν πλησίον κώμην φασίν. ἦν δὲ πολίχνη ποτέ, ἐν ἣ τὸ τῆς Ἀστυρηνῆς Ἀρτέμιδος ἱερὸν ἐν ἄλσει, προστατούμενον μετὰ ἀριστείας ὑπ' Ἀντανδρίων, οἷς μᾶλλον γειννᾷ· διέχει δὲ τῆς παλαιᾶς Χρύσης εἴκοσι σταδίους, καὶ αὐτῆς ἐν ἄλσει 15 τὸ ἱερὸν ἐχούσης. αὐτοῦ δὲ καὶ ὁ Ἀχιλλεὺς χάραξ· ἐν C.614 δὲ τῇ μεσογαίᾳ ἀπὸ πεντήκοντα σταδίων ἔστιν ἡ Θήβη ἔρημος, ἦν φησιν ὁ ποιητής „ὑπὸ Πλάκῳ ὑληέσση.“ οὔτε δὲ Πλάκος ἢ Πλάξ ἐκεῖ τι λέγεται, οὔθ' ὕλη ὑπέρε- 20 κείται καίτοι πρὸς τῇ Ἰδῇ. Ἀστύρων δ' ἡ Θήβη διέχει εἰς ἑβδομήκοντα σταδίους, Ἀνδείρων δὲ ἐξήκοντα. πάντα δὲ ταῦτά ἐστι τὰ ὀνόματα τόπων ἐρήμων ἢ φαύλως οἰκουμένων ἢ ποταμῶν χειμάρρων· τεθρύλη- 25 ται δὲ διὰ τὰς παλαιὰς ἱστορίας.

66 Πόλεις δ' εἰσὶν ἀξιόλογοι Ἄσσος τε καὶ Ἀδραμύ- 25 τιον. ἡτύχησε δὲ τὸ Ἀδραμύτιον ἐν τῷ Μιθριδατικῷ πολέμῳ· τὴν γὰρ βουλὴν ἀπέσφαξε τῶν πολιτῶν Διόδωρος στρατηγὸς χαριζόμενος τῷ βασιλεῖ, προσποιούμενος δ' ἅμα τῶν τε ἐξ Ἀκαδημίας φιλοσόφων εἶναι καὶ δίκας λέγειν καὶ σοφιστεύειν τὰ δητορικά· καὶ δὴ 30 καὶ συναπῆρεν εἰς τὸν Πόντον τῷ βασιλεῖ· καταλυθέντος δὲ τοῦ βασιλέως ἔτισε δίκας τοῖς ἀδικηθεῖσιν·



ἐγκλημάτων γὰρ ἐπενεχθέντων ἅμα πολλῶν, ἀπεκαρ-  
 τέρησεν αἰσχροῦς οὐ φέρων τὴν δυσφημίαν ἐν τῇ ἡμε-  
 τέρᾳ πόλει. ἀνὴρ δὲ Ἀδραμυττηνὸς ῥήτωρ ἐπιφανὴς  
 γεγένηται Ξενοκλῆς, τοῦ μὲν Ἀσιανοῦ χαρακτῆρος,  
 5 ἀγωνιστῆς δὲ εἰ τις ἄλλος καὶ εἰρηκῶς ὑπὲρ τῆς Ἀσίας  
 ἐπὶ τῆς συγκλήτου καθ' ὃν καιρὸν αἰτίαν εἶχε Μιθρι-  
 δατισμοῦ.

Πρὸς δὲ τοῖς Ἀστύροις λίμνη καλεῖται Σάπρα 67  
 βαραθρώδης εἰς ῥαχιώδη τῆς θαλάττης αἰγιαλὸν τὸ  
 10 ἔκρηγμα ἔχουσα. ὑπὸ δὲ τοῖς Ἀνδείροις ἱερὸν ἔστι μη-  
 τρὸς θεῶν Ἀνδειρηνῆς ἁγίου καὶ ἄντρον ὑπόνομον  
 μέχρι Παλαιᾶς. ἔστι δ' ἡ Παλαιὰ κατοικία τις οὕτω  
 καλουμένη, διέχουσα τῶν Ἀνδείρων ἑκατὸν καὶ τριά-  
 κοντα σταδίους· ἐδειξε δὲ τὴν ὑπονομὴν χίμαρος ἐμ-  
 15 πεσὼν εἰς τὸ στόμα καὶ ἀνευρεθεὶς τῇ ὑστεραίᾳ κατὰ  
 Ἀνδειρα ὑπὸ τοῦ ποιμένου κατὰ τύχην ἐπὶ θυσίαν  
 ἦκοντος. Ἀταρνεὺς δ' ἔστι τὸ τοῦ Ἑρμεῖου τυραννεῖον,  
 εἶτα Πιτάνη πόλις Αἰολικὴ, δύο ἔχουσα λιμένας, καὶ  
 ὁ παραρρέων αὐτὴν ποταμὸς Εὐήνος, ἐξ οὗ τὸ ὕδρα-  
 20 γωγεῖον πεποιήται τοῖς Ἀδραμυττηνοῖς. ἐκ δὲ τῆς Πι-  
 τάνης ἔστιν Ἀρκεσίλαος ὁ ἐκ τῆς Ἀκαδημίας, Ζήνωνος  
 τοῦ Κιτιέως συσχολαστῆς παρὰ Πολέμωνι. καλεῖται δὲ  
 καὶ ἐν τῇ Πιτάνῃ τις τόπος ἐπὶ θαλάττῃ Ἀταρνεὺς ὑπὸ  
 τῇ Πιτάνῃ κατὰ τὴν καλουμένην νῆσον Ἐλαιουῖσαν.  
 25 φασὶ δ' ἐν τῇ Πιτάνῃ τὰς πλίνθους ἐπιπολάζειν ἐν τοῖς  
 ὕδασι, καθάπερ καὶ ἐν τῇ Τυρρηνίᾳ νησὶς πέπονθε·  
 κουφοτέρα γὰρ ἡ γῆ τοῦ ἐπισόγκου ὕδατός ἐστιν ὥστ'  
 ἐποχεῖσθαι. ἐν Ἰβηρίᾳ δὲ φησιν ἰδεῖν Ποσειδῶνιος ἕκ-  
 τινος γῆς ἀργιλώδους, ἣ τὰ ἀργυρώματα ἐκμάττεται, C.615  
 30 πλίνθους πηγνυμένας καὶ ἐπιπλεύσας. μετὰ δὲ τὴν  
 Πιτάνην ὁ Κάικος εἰς τὸν Ἐλαῖτην καλούμενον κόλ-  
 πον ἐν τριάκοντα σταδίοις ἐκδίδωσιν. ἐν δὲ τῷ πέραν

τοῦ Καΐκου δώδεκα διέχουσα τοῦ ποταμοῦ σταδίους  
Ἑλαία πόλις Αἰολικὴ καὶ αὕτη, Περγαμηνῶν ἐπίνειον,  
ἑκατὸν καὶ εἴκοσι σταδίους διέχουσα τοῦ Περγάμου.

68 Εἴτ' ἐν ἑκατὸν σταδίοις ἡ Κάνη, τὸ ἀνταῖρον ἀ-  
κρωτήριον τῷ Λεκτῷ καὶ ποιοῦν τὸν Ἀδραμυττηνὸν 5  
κόλπον, οὗ μέρος καὶ ὁ Ἑλαϊτικὸς ἐστὶ. Κάναι δὲ πο-  
λίχνιον Λοκρῶν τῶν ἐκ Κύνου κατὰ τὰ ἄκρα τῆς Λέ-  
σβου τὰ νοτιώτατα κείμενον ἐν τῇ Καναίᾳ· αὕτη δὲ μέ-  
χρι τῶν Ἀργινουσσῶν διήκει καὶ τῆς ὑπερκειμένης  
ἄκρας, ἣν Αἰγὰ τινες ὀνομάζουσιν ὁμωνύμως τῷ ζῳῷ. 10  
δεῖ δὲ μακρῶς τὴν δευτέραν συλλαβὴν ἐκφέρειν Αἰγάν,  
ὡς ἀκτὰν καὶ ἀρχάν· οὕτω γὰρ καὶ τὸ ὄρος ὅλον ὠνο-  
μάζετο, ὃ νῦν Κάνην καὶ Κάνας λέγουσι. κύκλῳ δὲ  
περὶ τὸ ὄρος πρὸς νότον μὲν καὶ δύσειν ἡ θάλαττα,  
πρὸς ἑω δὲ τὸ Καΐκου πεδῖον ὑπόκειται, πρὸς ἄρκτον 15  
δὲ ἡ Ἑλαῖτις· αὐτὸ δὲ καθ' αὐτὸ ἱκανῶς συνέσταλται,  
προσνεύει δὲ ἐπὶ τὸ Αἰγαῖον πέλαγος, ὅθεν αὐτῷ καὶ  
τοῦνομα· ὕστερον δὲ αὐτὸ τὸ ἀκρωτήριον Αἰγὰ \* κε-  
κλήσθαι, τὸ δὲ λοιπὸν Κάνη καὶ Κάναι.

69 Μεταξὺ δὲ Ἑλαίας τε καὶ Πιτάνης καὶ Ἀταρνέως 20  
καὶ Περγάμου Τευθρανία ἐστὶ, διέχουσα οὐδεμιᾶς αὐ-  
τῶν ὑπὲρ ἑβδομήκοντα σταδίους ἐντὸς τοῦ Καΐκου, καὶ  
ὁ Τεύθρας Κιλικῶν καὶ Μυσῶν ἰστόρηται βασιλεύς.  
Εὐριπίδης δ' ὑπὸ Ἀλέου φησὶ τοῦ τῆς Αὔγης πατρὸς  
εἰς λάρνακα τὴν Αὔγην κατατεθεῖσαν ἅμα τῷ παιδί 25  
Τηλέφῳ καταποντωθῆναι, φωράσαντος τὴν ἐξ Ἡρα-  
κλέους φθοράν· Ἀθηνᾶς δὲ προνοίᾳ τὴν λάρνακα πε-  
ραιωθεῖσαν ἐκπεσεῖν εἰς τὸ στόμα τοῦ Καΐκου, τὸν δὲ  
Τεύθραντα ἀναλαβόντα τὰ σώματα τῇ μὲν ὡς γαμετῇ  
χρησασθαι τῷ δ' ὡς ἑαυτοῦ παιδί. τοῦτο μὲν οὖν μὴ- 30



θος, ἄλλην δέ τινα δεῖ γεγονέναι συντυχίαν, δι' ἣν ἡ τοῦ Ἀρκάδος θυγάτηρ τῷ Μυσῶν βασιλεῖ συνήλθε καὶ ὁ ἐξ αὐτῆς διεδέξατο τὴν ἐκείνου βασιλείαν. πεπίστευται δ' οὖν ὅτι καὶ ὁ Τεύθρας καὶ ὁ Τήλεφος ἐβασίλευσαν τῆς χώρας τῆς περὶ τὴν Τευθρανίαν καὶ τὸν Κάικον, ὁ δὲ ποιητὴς ἐπὶ τοσοῦτον μέμνηται μόνον τῆς ἱστορίας ταύτης „ἀλλ' οἶον τὸν Τηλεφίδην κατενήρατο „χαλκῷ ἦρω Εὐρύπυλον, πολλοὶ δ' ἄμφ' αὐτὸν ἑταῖροι Κήτειοι κτείνοντο γυναιῶν εἵνεκα δώρων,“ αἰ-C.616  
 10 νιγμα τιθεὶς ἡμῖν μᾶλλον ἢ λέγων τι σαφές. οὔτε γὰρ τοὺς Κητείους ἴσμεν οὔστινας δέξασθαι δεῖ, οὔτε τὸ „γυναιῶν εἵνεκα δώρων.“ ἀλλὰ καὶ οἱ γραμματικοὶ μυθάρια παραβάλλοντες εὐρεσιλογοῦσι μᾶλλον ἢ λύουσι τὰ ζητούμενα.

15 Ἐάσθω δὴ ταῦτα, ἐκεῖνο δ' ὅπερ ἐστὶ μᾶλλον ἐν 70 φανερωῶ λαβόντες λέγωμεν, ὅτι ἐν τοῖς περὶ τὸν Κάικον τόποις φαίνεται βεβασιλευκῶς καθ' Ὅμηρον ὁ Εὐρύπυλος, ὥστ' ἴσως καὶ τῶν Κιλικίων τι μέρος ἦν ὑπ' αὐτῷ, καὶ οὐ δύο δυναστεῖαι μόνον ἀλλὰ καὶ τρεῖς ὑπῆρ-  
 20 ξαν ἐν αὐτοῖς. τῷ δὲ λόγῳ τούτῳ συνηγορεῖ τὸ ἐν τῇ Ἐλαϊτιδι χειμαρρῶδες ποτάμιον δείκνυσθαι Κήτειον· ἐμπίπτει δ' οὗτος εἰς ἄλλον ὅμοιον, εἰτ' ἄλλον, καταστρέφουσι δὲ εἰς τὸν Κάικον· ὁ δὲ Κάικος οὐκ ἀπὸ τῆς Ἰδης ῥεῖ, καθάπερ εἶρηκε Βακχυλίδης, \* οὔθ' ὥς  
 25 Εὐριπίδης τὸν Μαρσύαν φησί „τὰς διωνομασμένας „ναῖειν Κελαινὰς ἐσχάτοις Ἰδης τόποις.“ πολὺ γὰρ τῆς Ἰδης ἄπωθεν αἱ Κελαιναί, πολὺ δὲ καὶ αἱ τοῦ Καῖκου πηγαί· δείκνυνται γὰρ ἐν πεδίῳ. Τήμνον δ' ἔστιν ὄρος ὃ διορίζει τοῦτό τε καὶ τὸ καλούμενον Ἀπίας πε-  
 30 θίδιον, ὃ ὑπέρεκκεται ἐν τῇ μεσογαίᾳ τοῦ Θήβης πεδίου· ῥεῖ δ' ἐκ τοῦ Τήμνου ποταμὸς Μύσιος ἐμβάλλων εἰς τὸν Κάικον ὑπὸ ταῖς πηγαῖς αὐτοῦ, ἀφ' οὗ δέχονται

τινες εἰπεῖν Αἰσχύλον κατὰ τὴν εἰσβολὴν τοῦ ἐν Μυρμιδόσι προλόγου „ὦ Κάλικε Μύσιαί τ' ἐπιρροαί.“ ἐγγὺς δὲ τῶν πηγῶν κώμη Γέργιθα ἔστιν, εἰς ἣν μετῴκισεν Ἀτταλος τοὺς ἐν τῇ Τρωάδι τὸ χωρίον ἐξελὼν.

2 Ἐπεὶ δὲ τῇ παραλίᾳ τῇ ἀπὸ Λεκτοῦ μέχρι Κανῶν 5 ἀντιπαρατέταται νῆσος ἡ Λέσβος λόγου ἀξία πλείστου, περὶκεῖται δὲ αὐτῇ καὶ νησία τὰ μὲν ἔξωθεν τὰ δὲ καὶ ἐντὸς μεταξὺ αὐτῆς τε καὶ τῆς ἡπείρου, καιρὸς ἤδη περὶ τούτων εἰπεῖν· καὶ γὰρ ταῦτά ἐστιν Αἰολικά, σχεδὸν δέ τι καὶ μητρόπολις ἡ Λέσβος ὑπάρχει τῶν 10 Αἰολικῶν πόλεων. ἀρκτέον δ' ἀφ' ὧν περ καὶ τὴν παραλίαν ἐπήλθομεν τὴν κατ' αὐτήν.

2 Ἀπὸ Λεκτοῦ τοίνυν ἐπὶ Ἀσσον πλέουσιν ἀρχὴ τῆς 15 Λεσβίας ἐστὶ κατὰ Σίγριον τὸ πρὸς ἄρκτον αὐτῆς ἄκρον. ἐνταῦθα δέ πον καὶ Μήθυμνα πόλις Λεσβίων ἐστὶν 15 ἀπὸ ἐξήκοντα σταδίων τῆς ἐκ Πολυμηδείου πρὸς τὴν Ἀσσον παραλίας. οὔσης δὲ τῆς περιμέτρου σταδίων χιλίων ἑκατὸν ἦν ἡ σύμπασα ἐκπληροῖ νῆσος, τὰ καθ' ἕκαστα οὕτως ἔχει· ἀπὸ Μηθύμνης εἰς Μαλίαν τὸ νοτιώτατον ἄκρον ἐν δεξιᾷ ἔχουσι τὴν νῆσον, καθ' ὃ 20 αὶ Κάναι μάλιστα ἀντίκεινται τῇ νήσῳ καὶ συναπαρτί- C.617 ζουσι, στάδιοί εἰσι τριακόσιοι τετταράκοντα· ἐντεῦ- 25θεν δ' ἐπὶ Σίγριον, ὅπερ ἐστὶ τῆς νήσου τὸ μῆκος, πεντακόσιοι ἐξήκοντα· εἰτ' ἐπὶ τὴν Μήθυμναν διακό- σιοι δέκα. Μιτυλήνη δὲ κεῖται μεταξὺ Μηθύμνης καὶ 25 τῆς Μαλίας ἡ μερίστη πόλις, διέχουσα τῆς Μαλίας ἑβδομήκοντα σταδίους, τῶν δὲ Κανῶν ἑκατὸν εἴκοσιν, ὅσους καὶ τῶν Ἀργινουσῶν, αἱ τρεῖς μὲν εἰσιν οὐ με- γάλοι νῆσοι, πλησιάζουσι δὲ τῇ ἡπείρῳ, παρακείμε- ναι ταῖς Κάναις. ἐν δὲ τῷ μεταξὺ Μιτυλήνης καὶ τῆς 30 Μηθύμνης κατὰ κώμην τῆς Μηθυμναίας καλουμένην Αἰγειρον στενωπάτη ἐστὶν ἡ νῆσος, ὑπέρβασιν ἔχουσα



εἰς τὸν Πυρραίων εὐρίπον σταδίων εἴκοσιν. ἴδρυνται δ' ἡ Πύρρα ἐν τῷ ἐσπερίῳ πλευρῷ τῆς Λέσβου, διέχουσα τῆς Μαλλίας ἑκατόν. ἔχει δ' ἡ Μιτυλήνη λιμένας δύο, ὧν ὁ νότιος κλειστὸς τριηρικὸς ναυσὶ πεντήκοντα, 5 ὁ δὲ βόρειος μέγας καὶ βαθύς, χώματι σκεπαζόμενος· πρόκειται δ' ἀμφοῖν νησίον μέρος τῆς πόλεως ἔχον αὐτόθι συνοικούμενον· κατεσκευάζεται δὲ τοῖς πᾶσι καλῶς.

Ἄνδρας δ' ἔσχεν ἐνδόξους τὸ παλαιὸν μὲν Πιτ- 3  
 10 τὰκόν, ἓνα τῶν ἑπτὰ σοφῶν, καὶ τὸν ποιητὴν Ἀλκαῖον καὶ τὸν ἀδελφὸν Ἀντιμενίδαν, ὃν φησιν Ἀλκαῖος Βαβυλωνίοις συμμαχοῦντα τελέσαι μέγαν ἄθλον καὶ ἐκ πόνων αὐτοὺς ῥύσασθαι κτείναντα „ἄνδρα μαχαίταν „βασιληίων παλάσταν (ὥς φησιν) ἀπολείποντα μόνον 15 „μίαν παχέων ἀπὸ πέμπων.“ συνήκμασε δὲ τούτοις καὶ ἡ Σαπφώ, θαυμαστὸν τι χρῆμα· οὐ γὰρ ἴσμεν ἐν τῷ τοσοῦτῳ χρόνῳ τῷ μνημονευομένῳ φανείσαντινα γυναιῖκα ἐνάμιλλον οὐδὲ κατὰ μικρὸν ἐκείνῃ ποιήσεως χάριν. ἐτυραννήθη δὲ ἡ πόλις κατὰ τοὺς χρόνους τού- 20 τους ὑπὸ πλειόνων διὰ τὰς διχοστασίας, καὶ τὰ στασιωτικὰ καλούμενα τοῦ Ἀλκαίου ποιήματα περὶ τούτων ἐστίν· ἐν δὲ τοῖς τυράννοις καὶ ὁ Πιττακὸς ἐγένετο. Ἀλκαῖος μὲν οὖν ὁμοίως ἐλοιδορεῖτο καὶ τούτῳ καὶ τοῖς ἄλλοις, Μυρσίλῳ καὶ Μελάγχρῳ καὶ τοῖς Κλεανα- 25 κτίδαις καὶ ἄλλοις τισίν, οὐδ' αὐτὸς καθαρεύων τῶν τοιούτων νεωτερισμῶν. Πιττακὸς δ' εἰς μὲν τὴν τῶν δυναστειῶν κατάλυσιν ἐχρήσατο τῇ μοναρχίᾳ καὶ αὐ- τός, καταλύσας δὲ ἀπέδωκε τὴν αὐτονομίαν τῇ πόλει. ὕστερον δ' ἐγένετο χρόνοις πολλοῖς Διοφάνης ὁ ῥή- 30 τωρ, καθ' ἡμᾶς δὲ Ποτάμων καὶ Λεσβοκλῆς καὶ Κριναγόρας καὶ ὁ συγγραφεὺς Θεοφάνης. οὗτος δὲ καὶ πολιτικὸς ἀνὴρ ὑπῆρξε καὶ Πομπηίῳ τῷ Μάγνῳ κα-

τέστη φίλος μάλιστα διὰ τὴν ἀρετὴν ταύτην, καὶ πά-  
 σας συγκατώρθωσεν αὐτῷ τὰς πράξεις, ἀφ' ὧν τὴν τε  
 πατρίδα ἐκόσμησε τὰ μὲν δι' ἐκείνου τὰ δὲ δι' ἑαυτοῦ,  
 C.618 καὶ ἑαυτὸν πάντων τῶν Ἑλλήνων ἐπιφανέστατον ἀνέ-  
 δειξεν· υἱὸν τε ἀπέλιπε Μάρκον Πομπήιον, ὃν τῆς 5  
 Ἀσίας ἐπίτροπον κατέστησέ ποτε Καῖσαρ ὁ Σεβαστός,  
 καὶ νῦν ἐν τοῖς πρώτοις ἐξετάζεται τῶν Τιβερίου φί-  
 λων. Ἀθηναῖοι δ' ἐκινδύνευσαν μὲν ἀνηκέστῳ φόρῳ  
 περιπεσεῖν ψηφισάμενοι Μιτυληναίους ἡβηδὸν ἀπο-  
 σφαγῆναι, μετέγνωσαν δὲ καὶ ἔφθη μιᾷ θάττον ἡμέρᾳ 10  
 τὸ ψήφισμα ἀφιγμένον ὥς τοὺς στρατηγούς πρὶν ἢ  
 προᾶξαι τὸ προσταχθέν.

4 Ἡ δὲ Πύρρα κατέστραπται, τὸ δὲ προάστειον οἰ-  
 κεῖται καὶ ἔχει λιμένα, ὅθεν εἰς Μιτυλήνην ὑπέρβασις  
 σταδίων ὀγδοήκοντα· εἴτ' Ἐρεσος ἔστι μετὰ τὴν Πύρ-15  
 ραν· ἴδρυνται δ' ἐπὶ λόφον καθήκει τε ἐπὶ θάλατταν·  
 εἴτ' ἐπὶ τὸ Σίγριον ἐντεῦθεν στάδιοι εἰκοσιοκτώ· ἐξ  
 Ἐρέσου δ' ἦσαν Θεόφραστος τε καὶ Φανίας οἱ ἐκ τῶν  
 περιπάτων φιλόσοφοι, Ἀριστοτέλους γινώριμοι. Τύρ-  
 ταμος δ' ἐκαλεῖτο ἔμπροσθεν ὁ Θεόφραστος, μετωνό-20  
 μασε δ' αὐτὸν Ἀριστοτέλης Θεόφραστον, ἅμα μὲν  
 φεύγων τὴν τοῦ προτέρου ὀνόματος κακοφωνίαν, ἅμα  
 δὲ τὸν τῆς φράσεως αὐτοῦ ζῆλον ἐπισημαινόμενος·  
 ἅπαντας μὲν γὰρ λογίους ἐποίησε τοὺς μαθητὰς Ἀρι-  
 στοτέλης, λογιώτατον δὲ Θεόφραστον. Ἀντισσα δ' 25  
 ἐφεξῆς ἔστι τῷ Σιγρίῳ πόλις ἔχουσα λιμένα, ἔπειτα  
 Μήθυμνα· ἐντεῦθεν δ' ἦν Ἀρίων ὁ ἐπὶ τῷ δελφῖνι  
 μυθενόμενος ὑπὸ τῶν περὶ Ἡρόδοτον εἰς Ταίναρον  
 σωθῆναι, καταποντωθεὶς ὑπὸ τῶν ληστών· οὗτος μὲν  
 οὖν κιθαρωδός· καὶ Τέρπανδρον δὲ τῆς αὐτῆς μουσι-30  
 κῆς τεχνίτην γεγονέναι φασὶ καὶ τῆς αὐτῆς νήσου, τὸν  
 πρῶτον ἀντὶ τῆς τετραχόρδου λύρας ἑπταχόρδῳ χρη-



σάμενον, καθάπερ καὶ ἐν τοῖς ἀναφερομένοις ἔπεσιν  
εἰς αὐτὸν λέγεται „σοὶ δ' ἡμεῖς τετράγηρυν ἀποστρέ-  
„ψαντες ἀοιδὴν ἑπτατόνῳ φόρμιγγι νέους κελαδήσο-  
„μεν ὕμνους.“ καὶ Ἑλλάνικος δὲ Λέσβιος ὁ συγγρα-  
5 φεὺς καὶ Καλλίας ὁ τὴν Σαπφῶ καὶ τὸν Ἀλκαῖον ἐξη-  
γησάμενος.

Κατὰ δὲ τὸν πορθμὸν τὸν μεταξὺ τῆς Ἀσίας καὶ 5  
τῆς Λέσβου νησία ἐστὶ περὶ εἴκοσιν, ὥς δὲ Τιμοσθένης  
φησί, τετταράκοντα· καλοῦνται δ' Ἑκατόννησοι συν-  
10 θέτως, ὥς Πελοπόννησος, κατὰ ἔθος τι τοῦ ὕψους γράμμα-  
τος πλεονάζοντος ἐν τοῖς τοιούτοις, ὥς Μυόννησος καὶ  
Προκόννησος λέγεται καὶ Ἀλόννησος, ὥστε Ἑκατόν-  
νησοὶ εἰσιν, οἷον Ἀπολλωνόννησοι. Ἑκατος γὰρ ὁ  
Ἀπόλλων· παρὰ πᾶσαν γὰρ δὴ τὴν παραλλίαν ταύτην  
15 ὁ Ἀπόλλων ἐκτετίμηται μέχρι Τενέδου, Σμινθεὺς ἢ  
Κιλλαῖος καλούμενος ἢ Γρυνεὺς ἢ τινα ἄλλην ἐπωνυ-  
μίαν ἔχων. πλησίον δὲ τούτων ἐστὶ καὶ ἡ Πορδοσελή-  
νη, πόλιν ὁμώνυμον ἔχουσα ἐν \* αὐτῇ· καὶ πρὸ τῆς C.619  
πόλεως ταύτης ἄλλη νῆσος\* πόλις μείζων αὐτῆς, καὶ πό-  
20 λης ὁμώνυμος ἔρημος, ἱερὸν ἅγιον ἔχουσα Ἀπόλλωνος.

Τὰς δὲ δυσφημίας τῶν ὀνομάτων φεύγοντές τι- 6  
νες ἐνταῦθα μὲν Πορδοσελήνην δεῖν λέγειν φασί, τὸ δ'  
Ἀσπορδηνὸν ὄρος τὸ περὶ Πέργαμον, τραχὺ καὶ λυπρὸν  
ὄν, Ἀσπορηνόν, καὶ τὸ ἱερὸν τὸ ἐνταῦθα τῆς μητρὸς  
25 τῶν Θεῶν Ἀσπορηνῆς. τί οὖν φήσομεν τὴν πόρδαλιν  
καὶ τὸν σαπέρδην καὶ τὸν Περδίκκαν καὶ τὸ Σιμωνί-  
δου „σὺν πορδακοῖσιν ἐκπεσόντες εἵμασιν“ ἀντὶ τοῦ  
διαβρόχοις, καὶ ἐν τῇ ἀρχαίᾳ πον κωμωδία „πορδακὸν  
„τὸ χωρίον“ τὸ λιμνάζον;

30 Διέχει δ' ἡ Λέσβος τὸ ἴσον ἀπὸ τῆς Τενέδου καὶ  
Λήμνου καὶ Χίου σχεδόν τι τῶν πεντακοσίων ἐνδο-  
τέρῳ σταδίων.

**3** Τοιαύτης δὲ τῆς πρὸς τοὺς Τρῶας οἰκειότητος  
 ὑπαρχούσης τοῖς τε Λέλεξι καὶ τοῖς Κίλιξι, ζητοῦσιν  
 αἰτίαν δι' ἣν οὐ συγκαταλέγονται καὶ οὗτοι ἐν τῷ κατα-  
 λόγῳ. εἰκὸς δὲ διὰ τὴν τῶν ἡγεμόνων διαφθοράν καὶ  
 τὴν τῶν πόλεων ἐκπόρθησιν ὀλίγους ὑπολειφθέντας 5  
 τοὺς Κίλικας ὑπὸ τῷ Ἑκτορι τάττεσθαι· ὃ τε γὰρ Ἡε-  
 τίων καὶ οἱ παῖδες αὐτοῦ λέγονται πρὸ τοῦ καταλόγου  
 διαφθαρεῖναι „ἦτοι μὲν πατέρ' ἀμὸν ἀπέκτανε δῖος  
 „Ἀχιλλεύς, ἐκ δὲ πόλιν πέρσεν Κιλίκων, Θήβην ὑψί-  
 „πυλον.“ „οἳ δέ μοι ἐπτά κασίγνητοι ἔσαν ἐν μεγάροι- 10  
 „σιν, οἱ μὲν πάντες ἰῶ κίον ἡματι Ἄιδος εἶσω· πάν-  
 „τας γὰρ κατέπεφνε ποδάρκης δῖος Ἀχιλλεύς.“ ὥς δ'  
 αὕτως καὶ οἱ ὑπὸ Μύνητι τοὺς τε ἡγεμόνας ἀποβεβλή-  
 κασι καὶ τὴν πόλιν „καδδὲ Μύνητ' ἔβαλεν καὶ Ἐπί-  
 „στροφον, πέρσεν δὲ πόλιν θείοιο Μύνητος.“ τοὺς δὲ 15  
 Λέλεγας τοῖς μὲν ἀγῶσι παρόντας ποιεῖ, ὅταν οὕτω  
 λέγῃ „πρὸς μὲν ἀλὸς Κᾶρες καὶ Παῖονες ἀγκυλότοξοι  
 „καὶ Λέλεγες καὶ Καύκωνες,“ καὶ πάλιν „Σάτνιον  
 „οὔτασε δουρὶ Οἶνοπίδην, ὃν ἄρα νύμφη τέκε Νηῖς  
 „ἀμύμων Οἶνοπι βουκολέοντι παρ' ὄχθας Σατνιόεν- 20  
 „τος.“ οὐ γὰρ οὕτως ἐξελελοίπεσαν τελέως ὥστε μὴ  
 καὶ καθ' αὐτοὺς ἔχειν τι σύστημα, ἅτε τοῦ βασιλέως  
 αὐτῶν ἔτι περιόντος „Ἄλτεω, ὃς Λελέγεσσι φιλοπτο-  
 „λέμοισιν ἀνάσσει,“ καὶ τῆς πόλεως οὐ τελέως ἡφανε-  
 σμένης· ἐπιφέρει γὰρ „Πήδασον αἰπήεσσαν ἔχων ἐπὶ 25  
 C.620 „Σατνιόεντι.“ ἐν μέντοι τῷ καταλόγῳ παραλέλοιπεν  
 αὐτούς, οὐχ ἱκανὸν ἡγούμενος τὸ σύστημα ὥστ' ἐν  
 καταλόγῳ τάττεσθαι, ἢ καὶ ὑπὸ τῷ Ἑκτορι καὶ τού-  
 τους συγκαταλέγων οὕτως ὄντας οἰκείους. ὃ γὰρ Λυ-  
 κᾶων φησὶν ἀδελφὸς ὢν Ἑκτορος „μινυνθάδιον δέ με 30



„μήτηρ γείνατο Λαοθόη, θυγάτηρ Ἄλταο γέροντος,  
 „Ἄλτεω, ὃς Δελέγεσσι φιλοπολέμοισιν ἀνάσσει.“  
 ταῦτα μὲν οὖν τοιαύτην τινὰ ἔχει τὴν εἰκοτολογίαν.

Εἰκοτολογεῖν δ' ἔστι καὶ εἴ τις τὸν ἀκριβῆ ζητεῖ 2  
 5 κατὰ τὸν ποιητὴν ὅρον μέχρι τίνος οἱ Κίλικες διέτει-  
 νον καὶ οἱ Πελασγοὶ καὶ ἔτι οἱ μεταξὺ τούτων Κήτειοι  
 λεγόμενοι οἱ ὑπὸ τῷ Εὐρυπύλῳ. περὶ μὲν οὖν τῶν Κι-  
 λίκων καὶ τῶν ὑπ' Εὐρυπύλῳ τὰ ἐνόντα εἴρηται, καὶ  
 διότι [ἐπὶ] τὰ περὶ τὸν Κάικον μάλιστα περατοῦνται.  
 10 τοὺς δὲ Πελασγοὺς εὖλογον τούτοις ἐφεξῆς τιθέναι  
 ἔκ τε τῶν ὑφ' Ὀμήρου λεγομένων καὶ ἐκ τῆς ἄλλης  
 ἱστορίας. ὁ μὲν γὰρ οὕτω φησὶν „Ἰππόθοος δ' ἄγε  
 „φῦλα Πελασγῶν ἐγχεσιμῶρων, τῶν οἱ Λάρισαν ἐρι-  
 „βῶλακα ναιετάασκον· τῶν ἥρχ' Ἰππόθοός τε Πύ-  
 15 „λαιός τ' ὄζος Ἄρῃος, νῆε δὲ δύο Λήθιοιο Πελασγοῦ Τευ-  
 „ταμίδαο.“ ἐξ ᾧν πληθὸς τε ἐμφαίνει ἀξιόλογον τὸ  
 τῶν Πελασγῶν (οὐ γὰρ φῦλον, ἀλλὰ φῦλα ἔφη) καὶ  
 τὴν οἰκῆσιν ἐν Λαρίσῃ φράζει. πολλαὶ μὲν οὖν αἱ Λά-  
 ρισαι, δεῖ δὲ τῶν ἐγγύς τινα δέξασθαι, μάλιστα δ' ἂν  
 20 τὴν περὶ Κύμην ὑπολάβοι τις ὀρθῶς· τριῶν γὰρ οὐ-  
 σῶν ἡ μὲν καθ' Ἀμαξιτὸν ἐν ὅψει τελέως ἐστὶ τῷ Ἰλίῳ,  
 καὶ ἐγγὺς σφόδρα ἐν διακοσίοις πον σταδίοις, ὥστ'  
 οὐκ ἂν λέγοιτο πιθανῶς ὁ Ἰππόθοος πεσεῖν ἐν τῷ ὑπὲρ  
 Πατρόκλου ἀγῶνι „τῇλ' ἀπὸ Λαρίσης,“ ταύτης γε,  
 25 ἀλλὰ μᾶλλον τῆς περὶ Κύμην· χίλιοι γὰρ πον στάδιοι  
 μεταξὺ· τρίτη δ' ἐστὶ Λάρισα κώμη τῆς Ἐφεσίας ἐν  
 τῷ Καῦστρίῳ πεδίῳ, ἣν φασι πόλιν ὑπάρχειν πρότε-  
 ρον, ἔχουσαν καὶ ἱερὸν Ἀπόλλωνος Λαρισηνοῦ, πλη-  
 σιάζουσαν τῷ Τρωάῳ μᾶλλον ἢ τῇ Ἐφέσῳ· ταύτης  
 30 γὰρ ἐκάτὸν καὶ ὀγδοήκοντα διέχει σταδίους, ὥστε ὑπὸ  
 τοῖς Μήοσιν ἂν τις τάττοι ταύτην. Ἐφέσιοι δ' αὐξή-  
 θέντες ὕστερον πολλὴν τῆς τῶν Μηόνων, οὓς νῦν

Λυδοὺς φαμέν, ἀπετέμοντο, ὥστ' οὐδ' αὐτὴ ἂν ἡ τῶν Πελασγῶν Λάρισα εἴη, ἀλλ' ἐκείνη μᾶλλον. καὶ γὰρ τῆς μὲν ἐν τῇ Καῦστριανῇ Λαρίσῃ οὐδὲν ἔχομεν τεκμήριον ἰσχυρὸν ὥς ἢ ἥδη τότε· οὐδὲ γὰρ τῆς Ἐφέσου.

C.621 τῆς δὲ περὶ τὴν Κύμην μαρτύριόν ἐστι πᾶσα ἡ Αἰολικὴ ἱστορία μικρὸν ὕστερον τῶν Τρωικῶν γενομένη.

3 Φασὶ γὰρ τοὺς ἐκ τοῦ Φρικίου τοῦ ὑπὲρ Θερμοπυλῶν Λοκρικοῦ ὄρους ὀρμηθέντας κατὰ μὲν εἰς τὸν τόπον ὅπου νῦν ἡ Κύμη ἐστί, καταλαβόντας δὲ τοὺς Πελασγοὺς κεκακωμένους ὑπὸ τοῦ Τρωικοῦ πολέμου, 10 κατέχοντας δ' ὅμως ἔτι τὴν Λάρισαν διέχουσαν τῆς Κύμης ὅσον ἐβδομήκοντα σταδίους, ἐπιτειχίσαι αὐτοῖς τὸ νῦν ἐτι λεγόμενον Νέον τεῖχος ἀπὸ τριάκοντα σταδίων τῆς Λαρίσῃς, ἐλόντας δὲ κτίσαι τὴν Κύμην καὶ τοὺς περιγενομένους ἀνθρώπους ἐκείσε ἀνοικίσαι. 15 ἀπὸ δὲ τοῦ Λοκρικοῦ ὄρους τὴν τε Κύμην Φρικωνίδα καλοῦσιν, ὁμοίως δὲ καὶ τὴν Λάρισαν· ἐρήμη δ' ἐστὶ νῦν. ὅτι δ' οἱ Πελασγοὶ μέγα ἦν ἔθνος, καὶ ἐκ τῆς ἄλλης ἱστορίας οὕτως ἐκμαρτυρεῖσθαι φασι. Μενεκράτης γοῦν ὁ Ἐλαίτης ἐν τοῖς περὶ κτίσεων φησὶ τὴν 20 παραλίαν τὴν νῦν Ἰωνικὴν πᾶσαν ἀπὸ Μυκάλης ἀρξαμένην ὑπὸ Πελασγῶν οἰκείσθαι πρότερον καὶ τὰς πλησίον νήσους. Λέσβιοι δ' ὑπὸ Πυλαίῳ τετάχθαι λέγουσι σφᾶς τῷ ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ λεγομένῳ τῶν Πελασγῶν ἄρχοντι, ἀφ' οὗ καὶ τὸ παρ' αὐτοῖς ὄρος ἔτι 2 Πύλαιον καλεῖσθαι. καὶ Χίοι δὲ οἰκιστὰς ἑαυτῶν Πελασγοὺς φασι τοὺς ἐκ τῆς Θετταλίας. πολὺπλανον δὲ καὶ ταχὺ τὸ ἔθνος πρὸς ἀπαναστάσεις, ἠϋξήθη τε ἐπὶ πολὺ καὶ ἀθρόαν ἔλαβε τὴν ἐκλειψιν καὶ μάλιστα κατὰ τὴν τῶν Αἰολέων καὶ τῶν Ἰώνων περαιοῦσιν εἰς τὴν 3 Ἀσίαν.

4 Ἴδιον δέ τι τοῖς Λαρισαίοις συνέβη τοῖς τε Καῦ-



στριανοῖς καὶ τοῖς Φρικωνεῦσι καὶ τρίτοις τοῖς ἐν Θε-  
 ταλίᾳ· ἅπαντες γὰρ ποταμόχωστον τὴν χώραν ἔσχον  
 οἱ μὲν ὑπὸ τοῦ Καῦστρου, οἱ δ' ὑπὸ τοῦ Ἑρμου, οἱ δ'  
 ὑπὸ τοῦ Πηνειοῦ. ἐν δὲ τῇ Φρικωνίδι Λαρίσῃ τετιμῇ-  
 5 σθαι λέγεται Πιάσος, ὃν φασιν ἄρχοντα Πελασγῶν  
 ἐρασθῆναι τῆς θυγατρὸς Λαρίσης, βιασάμενον δ' αὐ-  
 τὴν τίσαι τῆς ὕβρεως δίκην· ἐγκύψαντα γὰρ εἰς πίθον  
 οἴνου καταμαθοῦσαν τῶν σκελῶν λαβομένην ἐξῆραι  
 καὶ καθεῖναι αὐτὸν εἰς τὸν πίθον. τὰ μὲν οὖν ἀρχαῖα  
 10 τοιαῦτα.

Ταῖς δὲ νῦν Αἰολικαῖς πόλεσιν ἔτι καὶ τὰς Αἰγὰς 5  
 προσληπτέον καὶ τὴν Τῆμνον, ὅθεν ἦν Ἑρμαγόρας ὁ  
 τὰς ῥητορικὰς τέχνας συγγράψας· ἴδρυνται δ' αἱ πό-  
 λεις αὗται κατὰ τὴν ὀρεινὴν τὴν ὑπερκειμένην τῆς τε  
 15 Κυμαίας καὶ τῆς Φωκαέων καὶ Σμυρναίων γῆς, παρ'  
 ἣν ὁ Ἑρμος ρεῖ. οὐκ ἄπωθεν δὲ τούτων τῶν πόλεων  
 οὐδ' ἡ Μαγνησία ἐστὶν ἡ ὑπὸ Σιπύλῳ, ἐλευθέρα πόλις  
 ὑπὸ Ῥωμαίων κεκριμένη. καὶ ταύτην δ' ἐκάκωσαν οἱ  
 νεωστὶ γενόμενοι σεισμοί. εἰς δὲ τάναντία τὰ ἐπὶ τὸν C.622  
 20 Κάικον νεύοντα ἀπὸ Λαρίσης μὲν διαβάντι τὸν Ἑρμον  
 εἰς Κύμην ἑβδομήκοντα στάδιοι, ἐντεῦθεν δ' εἰς Μύ-  
 ριναν τετταράκοντα στάδιοι, τὸ δ' ἴσον ἐντεῦθεν εἰς  
 Γρύνιον κακεῖθεν εἰς Ἑλαίαν· ὥς δ' Ἀρτεμίδωρος,  
 ἀπὸ τῆς Κύμης εἰσὶν Ἄδαι, εἰτ' ἄκρα μετὰ τετταρά-  
 25 κοντα σταδίους ἦν καλοῦσιν Ὑδραν, ἡ ποιοῦσα τὸν  
 κόλπον τὸν Ἑλαϊτικὸν πρὸς τὴν ἀπεναντίον ἄκραν  
 Ἀρματοῦντα. τοῦ μὲν οὖν στόματος τὸ πλάτος περὶ  
 ὀγδοήκοντα σταδίους ἐστίν, ἐγκολπίζοντι δὲ Μύρινα  
 ἐν ἐξήκοντα σταδίοις, Αἰολὶς πόλις ἔχουσα λιμένα, εἰτ'  
 30 Ἀχαιῶν λιμὴν, ὅπου οἱ βωμοὶ τῶν δώδεκα θεῶν, εἴτα  
 πολίχνιον Μυριναίων Γρύνιον καὶ ἱερὸν Ἀπόλλωνος  
 καὶ μαντεῖον ἀρχαῖον καὶ νεὸς πολυτελὲς λίθου λευ-

κοῦ, στάδιοι δ' ἐπ' αὐτὴν τετταράκοντα· εἴθ' ἑβδομή-  
κοντα εἰς Ἑλαίαν, λιμένα ἔχουσαν καὶ ναύσταθμον  
τῶν Ἀιταλικῶν βασιλέων, Μενεσθέως κτίσμα καὶ τῶν  
σὺν αὐτῷ Ἀθηναίων τῶν συστρατευσάντων ἐπὶ Ἴλιον.  
τὰ δ' ἐξῆς εἴρηται τὰ περὶ Πιτάνην καὶ Ἀταρνεά καὶ 5  
τὰλλα τὰ ταύτη.

6 Μεγίστη δέ ἐστι τῶν Αἰολικῶν καὶ ἀρίστη Κύμη  
καὶ σχεδὸν μητρόπολις αὕτη τε καὶ ἡ Λέσβος τῶν ἄλ-  
λων πόλεων περὶ τριάκοντά που τὸν ἀριθμὸν, ὧν  
ἐκκλεοίπασιν οὐκ ὀλίγαι. σκώπεται δ' εἰς ἀναισθη- 10  
σίαν ἡ Κύμη κατὰ τοιαύτην τινά, ὥς φασιν ἔνιοι,  
δόξαν, ὅτι τριακοσίοις ἔτεσιν ὕστερον τῆς κτίσεως  
ἀπέδοντο τοῦ λιμένος τὰ τέλη, πρότερον δ' οὐκ ἔκαρ-  
πουτο τὴν πρόσοδον ταύτην ὁ δῆμος· κατέσχευεν οὖν  
δόξα ὥς ὁψὲ ἡσθημένων ὅτι ἐπὶ θαλάττῃ πόλιν οἱ- 15  
κοῖεν. ἐστὶ δὲ καὶ ἄλλος λόγος, ὅτι δανεισάμενοι χρή-  
ματα δημοσίᾳ τὰς στοὰς ὑπέθεντο, εἰτ' οὐκ ἀποδι-  
δόντες κατὰ τὴν ὠρισμένην ἡμέραν εἴργοντο τῶν  
περιπάτων· ὅτε μέντοι ὄμβρος εἶη, κατ' αἰδῶ τινα  
κηρύττοιεν οἱ δανεισταί, κελεύοντες ὑπὸ τὰς στοὰς 20  
ὑπέρχεσθαι· τοῦ δὲ κήρυκος οὕτω φθεργγομένου „ὑπὸ  
τὰς στοὰς ὑπέλθετε,“ ἐκπεσεῖν λόγον ὥς Κυμαίων οὐκ  
αἰσθανομένων ὥς ἐν τοῖς ὄμβροις ὑπὸ τὰς στοὰς  
ὑπελθετέον, ἂν μὴ σημάνῃ τις αὐτοῖς διὰ κηρύγματος.  
ἀνὴρ δ' ἄξιος μνήμης ἐκ τῆσδε τῆς πόλεως ἀναντι- 25  
λέκτως μὲν ἐστὶν Ἐφορος, τῶν Ἰσοκράτους γνωρίμων  
τοῦ ῥήτορος, ὁ τὴν ἱστορίαν συγγράψας καὶ τὰ περὶ  
τῶν εὐρημάτων· καὶ ἔτι πρότερος τούτου Ἡσίοδος ὁ  
ποιητής· αὐτὸς γὰρ εἴρηκεν ὅτι ὁ πατὴρ αὐτοῦ Δίος  
μετόκησεν εἰς Βοιωτοὺς Κύμην Αἰολίδα προλιπὼν 30  
„νάσσατο δ' ἄγχ' Ἐλικῶνος οἰζυρῇ ἐνὶ κώμῃ Ἀσκηρ,  
C.623, χεῖμα κακῇ, θέρει ἀργαλή, οὐδέ ποτ' ἐσθλῇ.“ Ὀμη-



ρος δ' οὐχ ὁμολογουμένως· πολλοὶ γὰρ ἀμφισβητοῦσιν αὐτοῦ. τὸ δ' ὄνομα ἀπὸ Ἀμαζόνος τῇ πόλει τεθεῖσθαι, καθάπερ καὶ τῇ Μυρίνῃ ἀπὸ τῆς ἐν τῷ Τρωικῷ πεδίῳ κειμένης ὑπὸ τῇ Βατιείᾳ, τὴν ἦτοι ἄνδρες Βατίειαν  
 5 „κικλήσκουσιν, ἀθάνατοι δέ τε σῆμα πολυσκάρθμοιο „Μυρίνης.“

Σκώπεται δὲ καὶ ὁ Ἔφορος, διότι τῆς πατρίδος ἔργα οὐκ ἔχων φράζειν ἐν τῇ διατριμῇ τῶν ἄλλων πράξεων, οὐ μὴν οὐδ' ἀμνημόνευτον αὐτὴν εἶναι θέ-  
 10 λων, οὕτως ἐπιφωνεῖ „κατὰ δὲ τὸν αὐτὸν καιρὸν Κυ- „μαῖοι τὰς ἡσυχίας ἤγον.“

Ἐπεὶ δὲ διεληλύθαμεν τὴν Τρωικὴν ἄμα καὶ τὴν Αἰολικὴν παραλίαν, ἐφεξῆς ἂν εἴη τὴν μεσόγαίαν ἐπι-  
 δραμεῖν μέχρι τοῦ Ταύρου, φυλάττοντας τὴν αὐτὴν  
 15 τῆς ἐφόδου τάξιν.

Ἐχει δὲ τινα ἡγεμονίαν πρὸς τοὺς τόπους τούτους 4  
 τὸ Πέργαμον, ἐπιφανὴς πόλις καὶ πολὺν συνευτυχή-  
 σασα χρόνον τοῖς Ἀτταλικοῖς βασιλεῦσι· καὶ δὴ καὶ  
 ἐντεῦθεν ἀρκτέον τῆς ἐξῆς περιοδείας, καὶ πρῶτον  
 20 περὶ τῶν βασιλέων ὁπόθεν ὠρμήθησαν καὶ εἰς ἃ κατέ-  
 στρεψαν ἐν βραχέσι δηλωτέον. ἦν μὲν δὴ τὸ Πέργα-  
 μον Λυσιμάχου γαζοφυλάκιον τοῦ Ἀγαθοκλέους, ἐνὸς  
 τῶν Ἀλεξάνδρου διαδόχων, αὐτὴν τὴν ἄκραν τοῦ  
 ὄρους συνοικουμένην ἔχον· ἔστι δὲ στροβιλοειδὲς τὸ  
 25 ὄρος εἰς ὁξεῖαν κορυφὴν ἀπολήγον. ἐπεπίστευτο δὲ  
 τὴν φυλακὴν τοῦ ἐρύματος τούτου καὶ τῶν χρημάτων  
 (ἦν δὲ τάλαντα ἐνακισχίλια) Φιλέταιρος, ἀνὴρ Τιανός,  
 θλιβίας ἐκ παιδός· συνέβη γὰρ ἐν τινι ταφῇ θείας οὐ-  
 σης καὶ πολλῶν παρόντων ἀποληφθεῖσαν ἐν τῷ ὄχλῳ  
 30 τὴν κομίζουσαν τροφὸν τὸν Φιλέταιρον ἔτι νήπιον  
 συνθλιβῆναι μέχρι τοσοῦδε ὥστε πηρωθῆναι τὸν παῖ-  
 δα. ἦν μὲν δὴ εὐνοῦχος, τραφεὶς δὲ καλῶς ἐφάνη τῆς

πίστεως ταύτης ἄξιος. τέως μὲν οὖν εὖνους διέμεινε  
 τῷ Λυσιμάχῳ, διενεχθεὶς δὲ πρὸς Ἀρσινόην τὴν γυ-  
 ναῖκα αὐτοῦ διαβάλλουσιν αὐτὸν ἀπέστησε τὸ χωρίον  
 καὶ πρὸς τοὺς καιροὺς ἐπολιτεύετο ὁρῶν ἐπιτηδείους  
 πρὸς νεωτερισμόν· ὃς τε γὰρ Λυσίμαχος κακοῖς οἰκείοις 5  
 περιπεσὼν ἠναγκάσθη τὸν υἱὸν ἀνελεῖν Ἀγαθοκλέα,  
 Σέλευκός τε ἐπελθὼν ὁ Νικάτωρ ἐκείνόν τε κατέλυσε  
 καὶ αὐτὸς κατελύθη δολοφονηθεὶς ὑπὸ Πτολεμαίου  
 τοῦ Κεραννοῦ. τοιούτων δὲ θορύβων ὄντων διεγένετο  
 μένων ἐπὶ τοῦ ἐρύματος ὁ εὐνοῦχος, καὶ πολιτευόμε- 10  
 νος δι' ὑποσχέσεων καὶ τῆς ἄλλης θεραπείας αἰεὶ πρὸς  
 τὸν ἰσχύοντα καὶ ἐγγὺς παρόντα· διετέλεσε γοῦν ἔτη  
 εἴκοσι κύριος ὢν τοῦ φρουρίου καὶ τῶν χρημάτων.

C.624

2

Ἦσαν δ' αὐτῷ δύο ἀδελφοί, πρεσβύτερος μὲν Εὐ-  
 μένης νεώτερος δ' Ἀτταλος· ἐκ μὲν οὖν τοῦ Εὐμένους 15  
 ἐγένετο ὁμώνυμος τῷ πατρὶ Εὐμένης, ὅσπερ καὶ διε-  
 δέξατο τὸ Πέργαμον, καὶ ἦν ἤδη δυνάστης τῶν κύκλῳ  
 χωρίων ὥστε καὶ περὶ Σάρδεις ἐνίκησε μάχῃ συμβα-  
 λὼν Ἀντίοχον τὸν Σελεύκου· δύο δὲ καὶ εἴκοσιν ἄρξας  
 ἔτη τελευτᾷ τὸν βίον. ἐκ δὲ Ἀττάλου καὶ Ἀντιοχίδος 20  
 τῆς Ἀχαιοῦ γεγονώς Ἀτταλος διεδέξατο τὴν ἀρχήν,  
 καὶ ἀνηγορεύθη βασιλεὺς πρῶτος νικήσας Γαλάτας  
 μάχῃ μεγάλη. οὗτος δὲ καὶ Ῥωμαίοις κατέστη φίλος καὶ  
 συνεπολέμησε πρὸς Φίλιππον μετὰ τοῦ Ῥοδίων ναυτι-  
 κοῦ· γηραιὸς δὲ ἐτελεύτα βασιλεύσας ἔτη τρία καὶ τετ- 25  
 τάρακοντα, κατέλιπε δὲ τέτταρας υἱοὺς ἐξ Ἀπολλωνί-  
 δος Κυζικηνῆς γυναικός, Εὐμένην Ἀτταλον Φιλέταιρον  
 Ἀθηναίον. οἱ μὲν οὖν νεώτεροι διετέλεσαν ἰδιῶται,  
 τῶν δ' ἄλλων ὁ πρεσβύτερος Εὐμένης ἐβασίλευσε·  
 συνεπολέμησε δὲ οὗτος Ῥωμαίοις πρὸς τε Ἀντίοχον 30  
 τὸν μέγαν καὶ πρὸς Περσέα, καὶ ἔλαβε παρὰ τῶν Ῥω-  
 μαίων ἅπασαν τὴν ὑπ' Ἀντιόχῳ τὴν ἐντὸς τοῦ Ταύρου.



πρότερον δ' ἦν τὰ περὶ Πέργαμον οὐ πολλὰ χωρία  
 μέχρι τῆς θαλάττης τῆς κατὰ τὸν Ἐλαῖτην κόλπον καὶ  
 τὸν Ἀδραμυττηνόν. κατεσκεύασε δ' οὗτος τὴν πόλιν  
 καὶ τὸ Νικηφόριον ἄλσει κατεφύτευσε, καὶ ἀναθήματα  
 5 καὶ βιβλιοθήκας καὶ τὴν ἐπὶ τοσόνδε κατοικίαν τοῦ  
 Περγάμου τὴν νῦν οὖσαν ἐκεῖνος προσεφιλοκάλησε·  
 βασιλεύσας [δὲ] ἔτη τετταράκοντα καὶ ἑννέα ἀπέλιπεν  
 υἱῶ τὴν ἀρχὴν Ἀττάλῳ, γεγονότι ἐκ Στρατονίκης τῆς  
 Ἀριαράθου θυγατρὸς τοῦ Καππαδόκων βασιλέως. ἐπί-  
 10 τροπον δὲ κατέστησε καὶ τοῦ παιδὸς νέου τελέως ὄντος  
 καὶ τῆς ἀρχῆς τὸν ἀδελφὸν Ἀτταλον. ἐν δὲ κατ' εἰκοσιν  
 ἔτη βασιλεύσας γέρων οὗτος τελευτᾷ κατορθώσας  
 πολλά· καὶ γὰρ Δημήτριον τὸν Σελεύκου συγκατεπο-  
 λέμησεν Ἀλεξάνδρῳ τῷ Ἀντιόχου καὶ συνεμάχησε Ῥω-  
 15 μαίοις ἐπὶ τὸν Ψευδοφίλιππον, ἐχειρώσατο δὲ καὶ  
 Διήγγυλιν τὸν Καινῶν βασιλέα στρατεύσας εἰς τὴν  
 Θράκην, ἀνείλε δὲ καὶ Προυσίαν ἐπισυστήσας αὐτῷ  
 Νικομήδῃ τὸν υἱόν, κατέλιπε δὲ τὴν ἀρχὴν τῷ ἐπιτρο-  
 πευθέντι Ἀττάλῳ· βασιλεύσας δὲ οὗτος ἔτη πέντε καὶ  
 20 κληθεὶς Φιλομήτωρ ἐτελεύτα νόσῳ τὸν βίον, κατέλιπε  
 δὲ κληρονόμους Ῥωμαίους· οἱ δ' ἐπαρχίαν ἀπέδειξαν  
 τὴν χώραν Ἀσίαν προσαγορεύσαντες ὁμώνυμον τῇ  
 ἡπείρῳ. παραρρεῖ δ' ὁ Κάικος τὸ Πέργαμον, διὰ τοῦ  
 Καϊκου πεδίου προσαγορευομένου σφόδρα εὐδαίμονα  
 25 γῆν διεξιὼν σχεδὸν δέ τι καὶ τὴν ἀρίστην τῆς Μυσίας.  
 Ἄνδρες δ' ἐγένοντο ἐλλόγιμοι κατ' ἡμᾶς Περγα-  
 3 μηνοὶ Μιθριδάτης τε Μηνοδότου υἱὸς καὶ Ἀδοβο-  
 γιωνίδος τοῦ τετραρχικοῦ τῶν Γαλατῶν γένους, ἦν καὶ  
 παλλακεῦσαι τῷ βασιλεῖ Μιθριδάτῃ φασίν· ὅθεν καὶ  
 30 τοῦνομα τῷ παιδί θέσθαι τοὺς ἐπιτηδείους προσποιη-  
 σαμένους ἐκ τοῦ βασιλέως αὐτὸν γεγονέναι. οὗτος  
 γοῦν Καίσαρι τῷ θεῷ γενόμενος φίλος εἰς τοσόνδε

προῆλθε τιμῆς ὥστε καὶ τετράρχης ἀπεδείχθη [ἀπὸ] τοῦ μητροῦ γένους καὶ βασιλεὺς ἄλλων τε καὶ τοῦ Βοσπόρου· κατελύθη δ' ὑπὸ Ἀσάνδρου τοῦ καὶ Φαρνάκην ἀνελόντος τὸν βασιλέα καὶ κατασχόντος τὸν Βόσπορον. οὗτός τε δὴ ὀνόματος ἡξίωται μεγάλου, 5 καὶ Ἀπολλόδωρος ὁ ῥήτωρ ὁ τὰς τέχνας συγγράψας καὶ τὴν Ἀπολλοδώρειον αἵρεσιν παραγαγών, ἥτις ποτ' ἐστὶ· πολλὰ γὰρ ἐπεκράτει, μείζονα δὲ ἢ καθ' ἡμᾶς ἔχοντα τὴν κρίσιν, ὧν ἔστι καὶ ἡ Ἀπολλοδώρειος αἵρεσις καὶ ἡ Θεοδώρειος. μάλιστα δὲ ἐξῆρε τὸν Ἀπολλό- 10 δωρον ἡ τοῦ Καίσαρος φιλία τοῦ Σεβαστοῦ, διδάσκαλον τῶν λόγων γενόμενον· μαθητὴν δ' ἔσχεν ἀξιόλογον Διονύσιον τὸν ἐπικληθέντα Ἀττικόν, πολίτην αὐτοῦ· καὶ γὰρ σοφιστὴς ἦν ἱκανὸς καὶ συγγραφεὺς καὶ λογογράφος.

15

4 Προϊόντι δ' ἀπὸ τοῦ πεδίου καὶ τῆς πόλεως ἐπὶ μὲν τὰ πρὸς ἑω μέρη πόλις ἐστὶν Ἀπολλωνία, μετεώροις ἐπικειμένη τόποις· ἐπὶ δὲ τὸν νότον ὄρεινὴ ράχις ἐστίν, ἣν ὑπερβάσι καὶ βαδίζουσιν ἐπὶ Σάρδεων πόλις ἐστὶν ἐν ἀριστερᾷ Θυάτειρα, κατοικία Μακεδόνων, ἣν 20 Μυσῶν ἐσχάτην τινὲς φασίν. ἐν δεξιᾷ δ' Ἀπολλωνίς, διέχουσα Περγάμου τριακοσίους σταδίους, τοὺς δὲ ἴσους καὶ τῶν Σάρδεων· ἐπώνυμος δ' ἐστὶ τῆς Κυζικηνῆς Ἀπολλωνίδος· εἴτ' ἐκδέχεται τὸ Ἑρμου πεδίου καὶ Σάρδεις· τὰ δὲ προσάρκτια τῷ Περγάμῳ τὰ πλεῖ- 25 στα ὑπὸ Μυσῶν ἔχεται τὰ ἐν δεξιᾷ τῶν Ἀβαιτιῶν λεγομένων, οἷς συνάπτει ἡ Ἐπικτήτος μέχρι Βιθυνίας.

5 Αἱ δὲ Σάρδεις πόλις ἐστὶ μεγάλη, νεωτέρα μὲν τῶν Τρωικῶν ἀρχαία δ' ὅμως, ἄκραν ἔχουσα εὐερκῇ· βασίλειον δ' ὑπῆρξε τῶν Λυδῶν, οὓς ὁ ποιητὴς καλεῖ 30 Μήονας οἱ δ' ὕστερον Μαίονας, οἱ μὲν τοὺς αὐτοὺς τοῖς Λυδοῖς οἱ δ' ἐτέρους ἀποφαίνοντες· τοὺς δ' αὐ-



τοὺς ἄμεινόν ἐστι λέγειν. ὑπέρκειται δὲ τῶν Σάρδεων  
 ὁ Τρωῶλος, εὐδαιμον ὄρος, ἐν τῇ ἀκρωρείᾳ σκοπὴν  
 ἔχον, ἐξέδραν λευκοῦ λίθου, Περσῶν ἔργον, ἀφ' οὗ  
 κατοπτεύεται τὰ κύκλῳ πεδία καὶ μάλιστα τὸ Καῦ-  
 5 στριανόν· περιιοικοῦσι δὲ Λυδοὶ καὶ Μυσοὶ καὶ Μακε-  
 δόνες. ῥεῖ δ' ὁ Πακτωλὸς ἀπὸ τοῦ Τρωῶλου, καταφέρων  
 τὸ παλαιὸν ψῆγμα χρυσοῦ πολὺ, ἀφ' οὗ τὸν Κροίσου λε- C.626  
 γόμενον πλοῦτον καὶ τῶν προγόνων αὐτοῦ διονομα-  
 σθῆναί φασι· νῦν δ' ἐκκλέλοιπε τὸ ψῆγμα, ὥς εἴρηται.  
 10 καταφέρεται δ' ὁ Πακτωλὸς εἰς τὸν Ἑρμον, εἰς ὃν καὶ ὁ  
 Ἰλλος ἐμβάλλει, Φρύγιος νυνὶ καλούμενος· συμπεσόν-  
 τες δ' οἱ τρεῖς καὶ ἄλλοι ἀσημότεροι σὺν αὐτοῖς εἰς τὴν  
 κατὰ Φώκαιαν ἐκδιδόασι θάλατταν, ὥς Ἡρόδοτός φη-  
 σιν. ἄρχεται δ' ἐκ Μυσίας ὁ Ἑρμος, ἐξ ὅρους ἱεροῦ τῆς  
 15 Δινδυμήνης, καὶ διὰ τῆς Κατακεκαυμένης εἰς τὴν  
 Σαρδιανὴν φέρεται καὶ τὰ συνεχῇ πεδία μέχρι τῆς θα-  
 λάττης. ὑπόκειται δὲ τῇ πόλει τό τε Σαρδιανὸν πεδίου  
 καὶ τὸ τοῦ Κύρου καὶ τὸ τοῦ Ἑρμου καὶ τὸ Καῦστρια-  
 νόν, συνεχῇ τε ὄντα καὶ πάντων ἄριστα πεδίων. ἐν δὲ  
 20 σταδίοις τετταράκοντα ἀπὸ τῆς πόλεως ἔστιν ἡ Γυγαία  
 μὲν ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ λεγομένη [λίμνη], Κολόη δ' ὕστε-  
 ρον μετονομασθεῖσα, ὅπου τὸ ἱερὸν τῆς Κολοηνῆς  
 Ἀρτέμιδος μεγάλην ἀγιστείαν ἔχον. φασὶ δ' ἐνταῦθα  
 χορεύειν τοὺς καλάθους κατὰ τὰς ἐορτάς, οὐκ οἶδ'  
 25 ὅπως ποτὲ παραδοξολογοῦντες μᾶλλον ἢ ἀληθεύοντες.  
 Κειμένων δ' οὕτω πως τῶν ἐπῶν παρ' Ὀμήρῳ 6  
 „Μήσοιν αὖ Μέσθλης τε καὶ Ἀντιφος ἡγησάσθην, υἱε  
 „Ταλαιμένεος, τῷ Γυγαίῃ τέκε λίμνη, οἱ καὶ Μήονας  
 „ἦγον ὑπὸ Τρωῶλῳ γεγαῶτας,“ προσγράφουσί τινες  
 30 τοῦτο τέταρτον ἔπος „Τρωῶλῳ ὑπὸ νιφρόεντι, Ἰδης ἐν  
 „πίονι δῆμῳ.“ οὐδεμία δ' εὐρίσκεται Ἰδῆ ἐν τοῖς Λυ-  
 δοῖς. οἱ δὲ καὶ τὸν Τυχίον ἐνθένδε ποιοῦσιν ὅν φησιν

ὁ ποιητής „σκυτοτόμων ὃχ' ἄριστος Ὑδρ' ἐνι.“ προστι-  
 θέασι δὲ καὶ διότι δρυμώδης ὁ τόπος καὶ κεραυνόβολος,  
 καὶ ὅτι ἐνταῦθα οἱ Ἄριμοι· καὶ γὰρ τῷ „εἰν' Ἀρίμοις,  
 „ὅθι φασὶ Τυφῶος ἔμμεναι εὐνάς“ ἐπεισφέρουσι  
 „χῶρῳ ἐνὶ δρυόεντι, Ὑδρ' ἐν πίονι δήμῳ.“ ἄλλοι δ' 5  
 ἐν Κιλικίᾳ, τινὲς δ' ἐν Συρίᾳ πλάττουσι τὸν μῦθον  
 τοῦτον, οἱ δ' ἐν Πιθηκούσσαις, οἱ καὶ τοὺς πιθήκους  
 φασὶ παρὰ τοῖς Τυρρηνοῖς ἀρίμους καλεῖσθαι· οἱ δὲ  
 τὰς Σάρδεϊς Ὑδρ' ὀνομάζουσιν, οἱ δὲ τὴν ἀκρόπολιν  
 αὐτῆς. πιθανωτάτους δ' ὁ Σκήψιος ἡγεῖται τοὺς ἐν τῇ 10  
 Κατακεκαυμένη τῆς Μυσίας τοὺς Ἀρίμους τιθέντας.  
 Πίνδαρος δὲ συνοικεῖοι τοῖς ἐν τῇ Κιλικίᾳ τὰ ἐν Πιθη-  
 κούσσαις, ἅπερ ἔστι πρὸ τῆς Κυμαίας, καὶ τὰ ἐν Σικε-  
 λίᾳ· καὶ γὰρ τῇ Αἰτνῇ φησὶν ὑποκεῖσθαι τὸν Τυφῶνα  
 „τόν ποτε Κιλικίον θρέψεν πολυώνυμον ἄντρον· νῦν 15  
 C.627 „γε μὰν ταί θ' ὑπὲρ Κύμας ἀλιερκέες ὄχθαι Σικελία τ'  
 „αὐτοῦ πιέζει στέρνα λαχναέντα.“ καὶ πάλιν „κείνῳ  
 „μὲν Αἰτνα δεσμὸς ὑπερφιάλος ἀμφίκειται.“ καὶ πάλιν  
 „ἀλλ' οἷος ἄπλατον κεράϊζε θεῶν Τυφῶνα πεντηκον-  
 „τακάρανον ἀνάγκᾳ Ζεὺς πατὴρ ἐν' Ἀρίμοις ποτέ.“ οἱ 20  
 δὲ τοὺς Σύρους Ἀρίμους δέχονται, οὓς νῦν Ἀραμαίους  
 λέγουσι, τοὺς δὲ Κίλικας τοὺς ἐν Τροίᾳ μεταναστάντας  
 εἰς Συρίαν ἀνθρωπισμένους ἀποτεμέσθαι παρὰ τῶν Σύ-  
 ρων τὴν νῦν λεγομένην Κιλικίαν. Καλλισθένης δ' ἐγ-  
 γὺς τοῦ Καλυκάδου καὶ τῆς Σαρπηδόνος ἄκρας παρ' 25  
 αὐτὸ τὸ Κωρύκιον ἄντρον εἶναι τοὺς Ἀρίμους, ἀφ' ὧν  
 τὰ ἐγγὺς ὄρη λέγεσθαι Ἄριμα.

7 Περὶκειται δὲ τῇ λίμνῃ τῇ Κολόῃ τὰ μνήματα τῶν  
 βασιλέων· πρὸς δὲ ταῖς Σάρδεσιν ἔστι τὸ τοῦ Ἀλυσίου  
 ἐπὶ κορηπίδος ὑψηλῆς χῶμα μέγα, ἐργασθέν, ὥς φησιν 3  
 Ἡρόδοτος, ὑπὸ τοῦ πλήθους τῆς πόλεως, οὗ τὸ πλεῖστον  
 ἔργον αἱ παιδίσκαι συνετέλεσαν· λέγει δ' ἐκεῖνος καὶ



πορνεύεσθαι πάσας· τινὲς δὲ καὶ πόρνης μνημα λέγουσι  
τὸν τάφον. χειροποίητον δὲ τὴν λίμνην ἔνιοι ἱστοροῦσι  
τὴν Κολόην πρὸς τὰς ἐκδοχὰς τῶν πλημμυρίδων, αἱ  
συμβαίνουνσι τῶν ποταμῶν πληρουμένων. Ὑπαιπα δὲ  
5 πόλις ἐστὶ καταβαίνουσιν ἀπὸ τοῦ Τρωῶλου πρὸς τὸ  
τοῦ Καῦστρου πεδίου.

Φησὶ δὲ Καλλισθένης ἀλῶναι τὰς Σάρδεις ὑπὸ 8  
Κιμμερίων πρῶτον, εἰδ' ὑπὸ Τρηῶν καὶ Λυκίων,  
ὅπερ καὶ Καλλῖνον δηλοῦν τὸν τῆς ἐλεγείας ποιητὴν,  
10 ὕστατα δὲ τὴν ἐπὶ Κύρου καὶ Κροίσου γενέσθαι ἄλω-  
σιν. λέγοντος δὲ τοῦ Καλλίνου τὴν ἔφοδον τῶν Κιμ-  
μερίων ἐπὶ τοὺς Ἑσιονῆας γεγενῆσθαι καθ' ἣν αἱ Σάρ-  
δεις ἐάλωσαν, εἰκάζουσιν οἱ περὶ τὸν Σκήψιον ἱαστὶ  
λέγεσθαι Ἑσιονεῖς τοὺς Ἀσιονεῖς· „τάχα γὰρ ἡ Μηο-  
15 „νία“ φησὶν „Ἀσία ἐλέγετο, καθ' ὃ καὶ Ὅμηρος εἴρη-  
κεν „Ἀσίῳ ἐν λειμῶνι Καῦστρου ἀμφὶ ῥέεθρα.“  
ἀναληφθεῖσα δ' ἀξιολόγως ὕστερον διὰ τὴν ἀρετὴν τῆς  
χώρας ἡ πόλις καὶ οὐδεμιᾶς λειπομένη τῶν ἀστυγειτό-  
νων, νεωστὶ ὑπὸ σεισμῶν ἀπέβαλε πολλὴν τῆς κατοι-  
20 κίας. ἡ δὲ τοῦ Τιβερίου πρόνοια τοῦ καθ' ἡμᾶς ἡγε-  
μόνος καὶ ταύτην καὶ τῶν ἄλλων συχνὰς ἀνέλαβε ταῖς  
εὐεργεσίαις, ὅσαι περὶ τὸν αὐτὸν καιρὸν ἐκοινώνησαν  
τοῦ αὐτοῦ πάθους.

Ἄνδρες δ' ἀξιόλογοι γεγόνασι τοῦ αὐτοῦ γένους 9  
25 Διόδωροι δύο οἱ ῥήτορες, ὧν ὁ πρεσβύτερος ἐκαλεῖτο C.628  
Ζωνᾶς, ἀνὴρ πολλοὺς ἀγῶνας ἡγωνισμένος ὑπὲρ τῆς  
Ἀσίας, κατὰ δὲ τὴν Μιθριδάτου τοῦ βασιλέως ἔφοδον  
αἰτίαν ἐσχηκὼς ὡς ἀφιστὰς παρ' αὐτοῦ τὰς πόλεις ἀπε-  
λύσατο τὰς διαβολὰς ἀπολογησάμενος· τοῦ δὲ νεωτέ-  
30 ρου φίλου ἡμῖν γενομένου καὶ ἱστορικὰ συγγράμματα  
ἔστι καὶ μέλη καὶ ἄλλα ποιήματα τὴν ἀρχαίαν γραφὴν

ἐπιφαίνονται ἱκανῶς. Ξάνθος δὲ ὁ παλαιὸς συγγραφεὺς  
 Λυδοὺς μὲν λέγεται, εἰ δὲ ἐκ Σάρδεων οὐκ ἴσμεν.

10 Μετὰ δὲ Λυδοὺς εἰσιν οἱ Μυσοὶ καὶ πόλις Φιλαδέλ-  
 φεια σεισμῶν πλήρης. οὐ γὰρ διαλείπουσιν οἱ τοῖχοι  
 διστάμενοι καὶ ἄλλοτ' ἄλλο μέρος τῆς πόλεως κακο- 5  
 παθοῦν· οἰκοῦσιν οὖν ὀλίγοι διὰ τοῦτο τὴν πόλιν, οἱ  
 δὲ πολλοὶ καταβιοῦσιν ἐν τῇ χώρᾳ γεωργοῦντες, ἔχοντες  
 εὐδαίμονα γῆν· ἀλλὰ καὶ τῶν ὀλίγων θαυμάζειν ἔστιν  
 ὅτι οὕτω φιλοχωροῦσιν, ἐπισφαλεῖς τὰς οἰκήσεις ἔχον-  
 τες· ἔτι δ' ἂν τις μᾶλλον θαυμάσειε τῶν κτισάντων 10  
 αὐτήν.

11 Μετὰ δὲ ταῦτ' ἔστιν ἡ Κατακεκαυμένη λεγομένη  
 χώρα μῆκος μὲν καὶ πεντακοσίων σταδίων πλάτος δὲ  
 τετρακοσίων, εἴτε Μυσίαν χορὴ καλεῖν εἴτε Μηονίαν  
 (λέγεται γὰρ ἀμφοτέρως), ἅπασα ἄδενδρος πλὴν ἀμ- 15  
 πέλου τῆς τὸν Κατακεκαυμένην φερούσης οἶνον οὐ-  
 δενὸς τῶν ἐλλογίμων ἀρετῇ λειπόμενον. ἔστι δὲ ἡ ἐπι-  
 φάνεια τεφρώδης τῶν πεδίων, ἡ δ' ὄρεινὴ καὶ πετρώ-  
 δης μέλαινα ὥς ἂν ἐξ ἐπικαύσεως. εἰκάξουσι μὲν οὖν  
 τινες ἐκ κεραινοβολιῶν καὶ πρηστήρων συμβῆναι τοῦ- 20  
 το, καὶ οὐκ ὀκνοῦσι τὰ περὶ τὸν Τυφῶνα ἐνταῦθα μυ-  
 θολογεῖν. Ξάνθος δὲ καὶ Ἀριμοῦν τινα λέγει τῶν τό-  
 πων τούτων βασιλέα. οὐκ εὖλογον δὲ ὑπὸ τοιούτων πα-  
 θῶν τὴν τοσαύτην χώραν ἐμπρησθῆναι ἀθρόως, ἀλλὰ  
 μᾶλλον ὑπὸ γηγενοῦς πυρός, ἐκλιπεῖν δὲ νῦν τὰς πε- 25  
 γὰς· δείκνυνται δὲ καὶ βόθροι τρεῖς, οὓς φύσας κα-  
 λοῦσιν, ὅσον τετταράκοντα ἀλλήλων διεστῶτες στα-  
 δίους· ὑπέρχονται δὲ λόφοι τραχεῖς, οὓς εἰκὸς ἐκ τῶν  
 ἀναφυσθηθέντων σεσωρεῦσθαι μύδρων. τὸ δ' εὐάμπε-  
 λον τὴν τοιαύτην ὑπάρχειν γῆν, λάβοι τις ἂν καὶ ἐκ 30  
 τῆς Καταναΐας τῆς χωσθείσης τῇ σποδῷ καὶ νῦν ἀπο-  
 διδούσης οἶνον δαψιλῇ καὶ καλόν. ἀστεῖζόμενοι δέ τινες



εἰκότως πυριγενῇ τὸν Διόνυσον λέγεσθαι φασιν, ἐκ τῶν τοιούτων χωρίων τεκμαιρόμενοι.

Τὰ δ' ἐξῆς ἐπὶ τὰ νότια μέρη τοῖς τόποις τούτοις 12  
ἐμπλοπὰς ἔχει μέχρι πρὸς τὸν Ταῦρον, ὥστε καὶ τὰ  
5 Φρύγια καὶ τὰ Κάρικα καὶ τὰ Λύδια καὶ ἔτι τὰ τῶν  
Μυσῶν δυσδιάκριτα εἶναι παραπίπτοντα εἰς ἄλληλα· C.629  
εἰς δὲ τὴν σύγχυσιν ταύτην οὐ μικρὰ συλλαμβάνει τὸ  
τοὺς Ῥωμαίους μὴ κατὰ φύλα διελεῖν αὐτούς, ἀλλὰ  
ἕτερον τρόπον διατάξαι τὰς διοικήσεις, ἐν αἷς τὰς ἀγο-  
0 ραίους ποιοῦνται καὶ τὰς δικαιοδοσίας. ὁ μὲν γε Τρω-  
λος ἱκανῶς συνῆκται καὶ περιγραφὴν ἔχει μετρίαν ἐν  
αὐτοῖς ἀφοριζόμενος τοῖς Λυδίοις μέρεσιν, ἡ δὲ Μεσω-  
γίς εἰς τὸ ἀντικείμενον μέρος διατείνει μέχρι Μυκάλης  
ἀπὸ Κελαινῶν ἀρξάμενον, ὥς φησι Θεόπομπος, ὥστε  
5 τὰ μὲν αὐτοῦ Φρύγες κατέχουσι τὰ πρὸς ταῖς Κελαι-  
ναῖς καὶ τῇ Ἀπαμείᾳ, τὰ δὲ Μυσοὶ καὶ Λυδοί, τὰ δὲ  
Κᾶρες καὶ Ἴωνες. οὕτω δὲ καὶ οἱ ποταμοὶ καὶ μάλιστα  
ὁ Μαίανδρος τὰ μὲν διορίζοντες τῶν ἔθνων, δι' ὧν δὲ  
μέσοι φερόμενοι δύσληπτον ποιοῦσι τὰκριβές· καὶ περὶ  
10 τῶν πεδίων δὲ τῶν ἐφ' ἑκάτερα τῆς τε ὀρεινῆς καὶ τῆς  
ποταμίας ὁ αὐτὸς λόγος. οὐδ' ἡμῖν ἴσως ἐπὶ τοσοῦτον  
φροντιστέον ὥς ἀναγκαῖον χωρομετροῦσιν, ἀλλὰ το-  
σοῦτον μόνον ὑπογραπτέον ὅσον καὶ οἱ πρὸ ἡμῶν πα-  
ραδεδώκασι.

15 Τῷ δὲ Καῦστριανῷ πεδίῳ μεταξὺ πίπτουσι τῆς τε 13  
Μεσωγίδος καὶ τοῦ Τρωάλου συνεχές ἐστι πρὸς ἑω τὸ  
Κιλβιανὸν πεδίου πολύ τε καὶ συνοικούμενον εὖ καὶ  
χώραν ἔχον σπουδαίαν· εἴτα τὸ Ὑρκάνιον πεδίου, Περ-  
σῶν ἐπονομασάντων καὶ ἐποίκους ἀγαγόντων ἐκεῖθεν  
10 (ὁμοίως δὲ καὶ τὸ Κύρου πεδίου Πέρσαι κατωνόμασαν).  
εἴτα τὸ Πελτηνὸν πεδίου, ἥδη Φρύγιον, καὶ τὸ Κιλ-  
λάνιον καὶ τὸ Ταβήνόν, ἔχοντα πολίχνας μίσοφρου-

γίους ἐχούσας τι καὶ Πισιδικόν, ἀφ' ὧν αὐτὰ κατωνομάσθη.

- 14 Ὑπερβαλοῦσι δὲ τὴν Μεσσηνίδα τὴν μεταξὺ Κάρων τε καὶ τῆς Νυσαῖδος, ἣ ἐστὶ χώρα κατὰ τὰ τοῦ Μαιάνδρου πέραν μέχρι τῆς Κιβυράτιδος καὶ τῆς Κα- 5  
βαλίδος, πόλεις εἰσὶ πρὸς μὲν τῇ Μεσσηνίδι καταντικρὺ Λαοδικείας Ἰερὰ πόλεις, ὅπου τὰ θερμὰ ὕδατα καὶ τὸ Πλουτάνιον, ἅμφω παραδοξολογίαν τινὰ ἔχοντα· τὸ μὲν γὰρ ὕδωρ οὕτω ῥαδίως εἰς πῶρον μεταβάλλει πηττόμενον ὥστ' ὀχετοὺς ἐπάγοντες φραγμοὺς ἀπεργάζονται μονολίθους, τὸ δὲ Πλουτάνιον ὑπ' ὀφρύϊ μικρᾷ τῆς ὑπερκειμένης ὀρεινῆς στόμιόν ἐστι σύμμετρον ὅσον ἀνθρώπου δέξασθαι δυνάμενον, βεβᾶθνυται δ' ἐπὶ πολὺ· πρόκειται δὲ τούτου δρυφάκτωμα τετράγωνον ὅσον ἡμιπλέθρου τὴν περίμετρον· τοῦτο δὲ πλήρες 1  
ἐστὶν ὀμιχλώδους παχείας ἀχλύος ὥστε μόγις τοῦδαφος καθορᾶν. τοῖς μὲν οὖν κύκλῳ πλησιάζουσι πρὸς τὸν δρυφάκτον ἄλυπός ἐστιν ὁ ἀήρ, καθαρεύων ἐκείνης τῆς ἀχλύος ἐν ταῖς νηνεμίαις· συμμένει γὰρ ἐντὸς τοῦ C.630 περιβόλου· τῷ δ' εἰσὼ παριόντι ζῶν θάνατος παρα- 2  
χρήμα ἀπαντᾷ· ταῦροι γοῦν εἰσαχθέντες πίπτουσι καὶ ἐξέλκονται νεκροί, ἡμεῖς δὲ στρουθία ἐπέμψαμεν καὶ ἐπεσεν εὐθὺς ἐκπνεύσαντα· οἱ δ' ἀπόκοποι Γάλλοι παρίασιν ἀπαθεῖς, ὥστε καὶ μέχρι τοῦ στομίου πλησιάζειν καὶ ἐγκύπτειν καὶ καταδύνειν μέχρι ποσοῦ συνέ- 2  
χοντας ὡς ἐπὶ τὸ πολὺ τὸ πνεῦμα· ἐωρῶμεν γὰρ ἐκ τῆς ὄψεως ὡς ἂν πνιγώδους τινὸς πάθους ἔμφασιν, εἴτ' ἐπὶ πάντων [τῶν] οὕτω πεπηρωμένων \* τοῦτο εἴτε μό-  
νων τῶν περὶ τὸ ἱερόν, καὶ εἴτε θείᾳ προνοίᾳ, καθάπερ ἐπὶ τῶν ἐνθουσιασμῶν εἰκός, εἴτε ἀντιδότοις τισὶ δυνάμεσι τούτου συμβαίνοντος. τὸ δὲ τῆς ἀπολιθώσεως καὶ ἐπὶ τῶν ἐν Λαοδικείᾳ ποταμῶν φασὶ συμβαίνειν



καίπερ ὄντων ποτίμων. ἔστι δὲ καὶ πρὸς βαφὴν ἐρίων  
θαυμαστῶς σύμμετρον τὸ κατὰ τὴν Ἰερὰν πόλιν ὕδωρ,  
ὥστε τὰ ἐκ τῶν ριζῶν βαπτόμενα ἐνάμιλλα εἶναι τοῖς  
ἐκ τῆς κόκκου καὶ τοῖς ἀλουργέσιν· οὕτω δ' ἔστιν  
5 ἄφθονον τὸ πλῆθος τοῦ ὕδατος ὥστε ἡ πόλις μεστὴ  
τῶν αὐτομάτων βαλανείων ἐστί.

Μετὰ δὲ τὴν Ἰερὰν πόλιν τὰ πέραν τοῦ Μαιάν- 15  
δρου. τὰ μὲν οὖν περὶ Λαοδίκειαν καὶ Ἀφροδισιάδα  
καὶ τὰ μέχρι Καρούρων εἴρηται· τὰ δ' ἐξῆς ἐστί τὰ μὲν  
0 πρὸς δύσιν ἡ τῶν Ἀντιοχέων πόλις τῶν ἐπὶ Μαιάνδρῳ;  
τῆς Καρίας ἥδη· τὰ δὲ πρὸς νότον ἡ Κιβύρα ἐστὶν ἡ  
μεγάλη καὶ ἡ Σίνδα καὶ ἡ Καβαλὶς μέχρι τοῦ Ταύρου  
καὶ τῆς Λυκίας. ἡ μὲν οὖν Ἀντιόχεια μετρία πόλις ἐστὶν  
ἐπ' αὐτῷ κειμένη τῷ Μαιάνδρῳ κατὰ τὸ πρὸς τῇ Φρυ-  
5 γίᾳ μέρος, ἐπέξενκται δὲ γέφυρα· χώραν δ' ἔχει πολλὴν  
ἐφ' ἐκάτερα τοῦ ποταμοῦ πᾶσαν εὐδαίμονα, πλείστην  
δὲ φέρει τὴν καλουμένην Ἀντιοχικὴν ἰσχάδα· τὴν δὲ  
αὐτὴν καὶ τρίφυλλον ὀνομάζουσιν· εὖσειστος δὲ καὶ  
οὗτός ἐστιν ὁ τόπος. σοφιστῆς δὲ παρὰ τούτοις ἐνδοξος  
0 γεγέννηται Διοτρέφης, οὗ διήκουσεν Ἐβρέας ὁ καθ'  
ἡμᾶς γενόμενος μέγιστος ρήτωρ.

Σολύμους δ' εἶναι φασὶ τοὺς Καβαλεῖς· τῆς γοῦν 16  
Τερμησέων ἄκρας ὁ ὑπερκείμενος λόφος καλεῖται Σό-  
λυμος, καὶ αὐτοὶ δὲ οἱ Τερμησσεῖς Σόλυμοι καλοῦνται.  
5 πλησίον δ' ἐστὶ καὶ ὁ Βελλεροφόντου χάραξ καὶ ὁ Πει-  
σάνδρου τάφος τοῦ υἱοῦ [αὐτοῦ] πεσόντος ἐν τῇ πρὸς  
Σολύμους μάχῃ. ταῦτα δὲ καὶ τοῖς ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ  
λεγομένοις ὁμολογεῖται· περὶ μὲν γὰρ τοῦ Βελλερο-  
φόντου φησὶν οὕτως „δεύτερον αὖ Σολύμοισι μαχέσ-  
30 „σατο κυδαλίμοισι.“ περὶ δὲ τοῦ παιδὸς αὐτοῦ „Πεί-C.631  
„σανδρον δὲ οἱ υἱὸν Ἀρης ἄτος πολέμοιο μαρνάμενον  
„Σολύμοισι κατέκτανεν.“ ἡ δὲ Τερμησσός ἐστί Πισι-

δικη πόλις ἢ μάλιστα καὶ ἔγγιστα ὑπερκειμένη τῆς Κιβύρας.

- 17 Λέγονται δὲ ἀπόγονοι *Λυδῶν* οἱ *Κιβυράται* τῶν κατασχόντων τὴν *Καβαλίδα*. ὕστερον δὲ *Πισιδῶν* τῶν ὁμόρων ἐποικησάντων καὶ μετακτισάντων εἰς ἕτερον 5 τόπον εὐερέεστατον ἐν κύκλῳ σταδίων περὶ ἑκατόν. ἠϋξήθη δὲ διὰ τὴν εὐνομίαν, καὶ αἱ κῶμαι παρεξέτειναν ἀπὸ *Πισιδίας* καὶ τῆς ὁμόρου *Μιλνάδος* ἕως *Λυκίας* καὶ τῆς *Ροδίων* περαίας· προσγενομένων δὲ τριῶν πόλεων ὁμόρων, *Βουβῶνος* *Βαλβούρων* *Οἰνοάνδων*, τετράπο- 10 λισ τὸ σύστημα ἐκλήθη, μίαν ἐκάστης ψῆφον ἐχούσης, δύο δὲ τῆς *Κιβύρας*. ἔστελλε γὰρ αὕτη πεζῶν μὲν πρεῖς μυριάδας ἱππέας δὲ δισχιλίους· ἐτυραννεῖτο δ' αἰεὶ, σωφρόνως δ' ὅμως· ἐπὶ *Μοαγέτου* δ' ἡ τυραννὶς τέλος ἔσχε, καταλύσαντος αὐτὴν *Μουρηνᾶ* καὶ *Λυκίοις* προσ- 15 ορίσαντος τὰ *Βάλβουρα* καὶ τὴν *Βουβῶνα*. οὐδὲν δ' ἦττον ἐν ταῖς μεγίσταις ἐξετάζεται διοικήσεσι τῆς *Ἀσίας* ἢ *Κιβυρατικῆς*. τέτταρσι δὲ γλώτταις ἐχρῶντο οἱ *Κιβυράται*, τῇ *Πισιδικῇ* τῇ *Σολύμων* τῇ *Ἑλληνίδι* τῇ *Λυδῶν*. . . . δὲ οὐδ' ἔχρος ἐστὶν ἐν *Λυδίᾳ*. ἴδιον δ' ἐστὶν 20 ἐν *Κιβύρᾳ* τὸ τὸν σίδηρον τορεύεσθαι ῥαδίως. *Μιλύα* δ' ἐστὶν ἡ ἀπὸ τῶν κατὰ *Τερμησδὸν* στενωπῶν καὶ τῆς εἰς τὸ ἐντὸς τοῦ *Ταύρου* ὑπερθέσεως δι' αὐτῶν ἐπὶ *Ἰσινδα* παρατείνουσα ὀρεινὴ μέχρι *Σαραλασσοῦ* καὶ τῆς *Ἀπαμέων* χώρας.

25

C.632

Λοιπὸν δ' ἐστὶν εἰπεῖν περὶ *Ἰώνων* καὶ *Καρῶν* καὶ τῆς ἔξω τοῦ *Ταύρου* παραλίας, ἣν ἔχουσι *Λύκιοί* τε 30 καὶ *Πάμφυλοι* καὶ *Κίλικες*. οὕτω γὰρ ἂν ἔχοι τέλος ἡ πᾶσα τῆς *χερσονήσου* περιήγησις, ἥς ἰσθμὸν ἔφαμεν



τὴν ὑπέρβασιν τὴν ἐκ τῆς Ποντικῆς θαλάττης ἐπὶ τὴν Ἰσσην.

Ἔστι δὲ τῆς Ἰωνίας ὁ μὲν περίπλους ὁ παρὰ γῆν 2  
σταδίων πού τρισχιλίων τετρακοσίων τριάκοντα διὰ  
5 τοὺς κόλπους καὶ διὰ τὸ χερρονησίειν ἐπὶ πλεῖον τὴν  
χώραν, τὸ δ' ἐπ' εὐθείας μῆκος οὐ πολὺ. αὐτὸ οὖν τὸ  
ἔξ' Ἐφέσου μέχρι Σμύρνης ὁδὸς μὲν ἐστὶν ἐπ' εὐθείας  
τριακόσιοι εἴκοσι στάδιοι· εἰς γὰρ Μητρόπολιν ἑκατὸν  
καὶ εἴκοσι στάδιοι, οἱ λοιποὶ δὲ εἰς Σμύρναν· περι-  
10 πλους δὲ μικρὸν ἀπολείπων τῶν δισχιλίων καὶ διακο-  
σίων. ἔστι δ' οὖν ἀπὸ τοῦ Ποσειδίου τοῦ Μιλησίων  
καὶ τῶν Καρικῶν ὄρων μέχρι Φωκαίας καὶ τοῦ Ἑρμου  
τὸ πέρας τῆς Ἰωνικῆς παραλίας.

Ταύτης δὲ φησι Φερεκύδης Μίλητον μὲν καὶ Μυ- 3  
15 οὔντα καὶ τὰ περὶ Μυκάλην καὶ Ἐφεσον Κᾶρας ἔχειν  
πρότερον, τὴν δ' ἐξῆς παραλίαν μέχρι Φωκαίας καὶ  
Χίον καὶ Σάμον, ἧς Ἀγκαῖος ἦρχε, Δέλεγας· ἐκβληθῆ-  
ναι δ' ἀμφοτέρους ὑπὸ τῶν Ἰώνων καὶ εἰς τὰ λοιπὰ  
μέρη τῆς Καρίας ἐκπεσεῖν. ἄρξαι δὲ φησιν Ἀνδροκλον  
20 τῆς τῶν Ἰώνων ἀποικίας, ὕστερον τῆς Αἰολικῆς, υἱὸν  
γνήσιον Κόδρου τοῦ Ἀθηναίων βασιλέως, γενέσθαι δὲ  
τοῦτον Ἐφέσου κτίστην. διόπερ τὸ βασίλειον τῶν Ἰών-C.633  
ων ἐκεῖ συστήναί φασι, καὶ ἔτι νῦν οἱ ἐκ τοῦ γένους  
ὀνομάζονται βασιλεῖς ἔχοντές τινας τιμὰς, προεδρίαν  
25 τε ἐν ἀγῶσι καὶ πορφύραν ἐπίσημον τοῦ βασιλικοῦ γέ-  
νους, σκίπωνα ἀντὶ σκήπτρου, καὶ τὰ ἱερὰ τῆς Ἐλευσι-  
νίας Δήμητρος. καὶ Μίλητον δ' ἐκτίσεν Νηλεὺς ἐκ  
Πύλου τὸ γένος ὦν· οἳ τε Μεσσήνιοι καὶ οἱ Πύλιοι  
συγγενεῖάν τινα προσποιοῦνται, καθ' ἣν καὶ Μεσσή-  
30 νιον τὸν Νέστορα οἱ νεώτεροί φασι ποιηταί, καὶ τοῖς  
περὶ Μέλανθον τὸν Κόδρου πατέρα πολλοὺς καὶ τῶν  
Πυλίων συνεξᾶραί φασιν εἰς τὰς Ἀθήνας· τοῦτον δὲ

πάντα τὸν λαὸν μετὰ τῶν Ἰωνῶν κοινῇ στείλαι τὴν ἀποικίαν· τοῦ δὲ Νηλέως ἐπὶ τῷ Ποσειδίῳ βωμὸς ἵδρυμα δείκνυται. Κυδρῆλος δὲ νόθος υἱὸς Κόδρου Μυοῦντα κτίζει· Ἀνδρόπομπος δὲ Λέβεδον καταλαβόμενος τόπον τινα Ἄρτιν· Κολοφῶνα δ' Ἀνδραίμων 5 Πύλιος, ὡς φησι καὶ Μίμνερμος ἐν Ναννοῖ· Πριήνην δ' Αἴπυτος ὁ Νηλέως, εἰθ' ὕστερον Φιλωτᾶς ἐκ Θηβῶν λαὸν ἀγαγών· Τέω δὲ Ἀθάμας μὲν πρότερον, διόπερ Ἀθαμαντίδα καλεῖ αὐτὴν Ἀνακρέων, κατὰ δὲ τὴν Ἰωνικὴν ἀποικίαν Ναῦκλος υἱὸς Κόδρου νόθος, καὶ μετὰ 10 τοῦτον Ἀποικὸς καὶ Δάμασος Ἀθηναῖοι καὶ Γέρης ἐκ Βοιωτῶν· Ἐρυθρὰς δὲ Κνωπὸς, καὶ οὗτος υἱὸς Κόδρου νόθος· Φώκαιαν δ' οἱ μετὰ Φιλογένους Ἀθηναῖοι· Κλαζομενὰς δὲ Πάραλος· Χίον δὲ Ἐγέρτιος, σύμμικτον ἐπαγαγόμενος πληθὺς· Σάμον δὲ Τεμβρίων, εἰθ' ὕστε- 15 ρον Προκλῆς.

- 4 Αὗται μὲν δώδεκα Ἰωνικαὶ πόλεις, προσελήφθη δὲ χρόνοις ὕστερον καὶ Σμύρνα εἰς τὸ Ἰωνικὸν ἐναγαγόντων Ἐφεσίων· ἦσαν γὰρ αὐτοῖς σύνοικοι τὸ παλαιόν, ἥνίκα καὶ Σμύρνα ἐκαλεῖτο ἡ Ἐφεσος· καὶ Καλ- 20 λινός που οὕτως ὠνόμακεν αὐτήν, Σμυρναίους τοὺς Ἐφεσίους καλῶν ἐν τῷ πρὸς τὸν Δία λόγῳ „Σμυρναίους δ' ἐλέησον“ καὶ πάλιν „μνησαί δ' εἰκοτέ τοι „μηρία καλὰ βοῶν [Σμυρναῖοι κατέκησαν].“ Σμύρνα δ' ἦν Ἀμαζὼν ἡ κατασχοῦσα τὴν Ἐφεσον, ἀφ' ἧς τοῦ- 25 νομα καὶ τοῖς ἀνθρώποις καὶ τῇ πόλει, ὡς καὶ ἀπὸ Σισυρβης Σισυρβίται τινὲς τῶν Ἐφεσίων ἐλέγοντο· καὶ τόπος δὲ τις τῆς Ἐφέσου Σμύρνα ἐκαλεῖτο, ὡς δημοῖ Ἰππῶναξ „ὥκει δ' ὀπισθε τῆς πόλιος ἐνὶ Σμύρνη με- „ταξὺ Τρηχείης τε καὶ Λεπρῆς ἀκτῆς.“ ἐκαλεῖτο γὰρ 30 Λεπρὴ μὲν ἀκτὴ ὁ πρὸς τὸν ὕπερκειμένος τῆς νῦν πόλεως, ἔχων μέρος τοῦ τείχους αὐτῆς· τὰ γοῦν ὀπισθεν



τοῦ προηῶνος κτήματα ἔτι νυνὶ λέγεται ἐν τῇ Ὀπισθο-C 634  
 λεπρία· Τραχεῖα δ' ἐκαλεῖτο ἡ περὶ τὸν Κορησδὸν πα-  
 ρώρειος. ἡ δὲ πόλις ἦν τὸ παλαιὸν περὶ τὸ Ἀθήναιον  
 · τὸ νῦν ἔξω τῆς πόλεως ὃν κατὰ τὴν καλουμένην Ὑπέ-  
 5 λαιον, ὥστε ἡ Σμύρνα ἦν κατὰ τὸ νῦν γυμνάσιον ὅπι-  
 σθεν μὲν τῆς τότε πόλεως, μεταξὺ δὲ Τρηχέης τε καὶ  
 Λεπρῆς ἀκτῆς. ἀπελθόντες δὲ παρὰ τῶν Ἐφεσίων οἱ  
 Σμυρναῖοι στρατεύουσιν ἐπὶ τὸν τόπον, ἐν ᾧ νῦν ἔστιν  
 ἡ Σμύρνα, Λελέγων κατεχόντων· ἐκβαλόντες δ' αὖ-  
 10 τοὺς ἐκτίσαν τὴν παλαιὰν Σμύρναν διέχουσαν τῆς νῦν  
 περὶ εἴκοσι σταδίους. ὕστερον δὲ ὑπὸ Αἰολέων ἐκπε-  
 σόντες κατέφυγον εἰς Κολοφῶνα, καὶ μετὰ τῶν ἐν-  
 θένδε ἐπιόντες τὴν σφετέραν ἀπέλαβον· καθάπερ καὶ  
 Μίμνερος ἐν τῇ Ναννοῖ φράζει μνησθεὶς τῆς Σμύρνης  
 15 ὅτι περιμάχητος αἰεὶ „ἡμεῖς δηῦτε Πύλον Νηλήιον  
 „ἄστν λιπόντες ἱμερτὴν Ἀσίην νηυσὶν ἀφικόμεθα· ἐς  
 „δ' ἐρατὴν Κολοφῶνα βίην ὑπέροπλον ἔχοντες ἐξό-  
 „μεθ' ἀργαλέης ὕβριος ἡγεμόνες. κεῖθεν δ' \*ἀστήεν-  
 „τος ἀπορνούμενοι ποταμοῖο θεῶν βουλῇ Σμύρνην εἵ-  
 20 „λομεν Αἰολίδα.“ ταῦτα μὲν περὶ τούτων· ἐφοδευτέον  
 δὲ πάλιν τὰ καθ' ἕκαστα, τὴν ἀρχὴν ἀπὸ τῶν ἡγεμονι-  
 κωτέρων τόπων ποιησαμένους, ἐφ' ὧν περ καὶ πρῶτον  
 αἱ κτίσεις ἐγένοντο, λέγω δὲ τῶν περὶ Μίλητον καὶ  
 Ἐφεσον· αὗται γὰρ ἄρισται πόλεις καὶ ἐνδοξόταται.  
 25 Μετὰ δὲ τὸ Ποσειδίου τὸ Μιλησίων ἐξῆς ἔστι τὸ 5  
 μαντεῖον τοῦ Αἰδυμέως Ἀπόλλωνος τὸ ἐν Βραγχίδαῖς  
 ἀναβάντι ὅσον ὀκτωκαίδεκα σταδίους· ἐνεπρήσθη δ'  
 ὑπὸ Ξέρξου, καθάπερ καὶ τὰ ἄλλα ἱερὰ πλὴν τοῦ ἐν  
 Ἐφέσῳ· οἱ δὲ Βραγχίδαὶ τοὺς θησαυροὺς τοῦ θεοῦ  
 30 παραδόντες τῷ Πέρσῃ φεύγοντι συναπῆραν τοῦ μη  
 τίσαι δίκας τῆς ἱεροσυλίας καὶ τῆς προδοσίας. ὕστερον  
 δ' οἱ Μιλήσιοι μέγιστον νεῶν τῶν πάντων κατεσκεύα-

σαν, διέμεινε δὲ χωρὶς ὀροφῆς διὰ τὸ μέγεθος· κώμης γοῦν κατοικίαν ὁ τοῦ σηκοῦ περιβόλος δέδεκται καὶ ἄλσος ἐντός τε καὶ ἐκτὸς πολυτελές· ἄλλοι δὲ σηκοὶ τὸ μαντεῖον καὶ τὰ ἱερὰ συνέχουσιν· ἐνταῦθα δὲ μυθεύεται τὰ περὶ τὸν Βράγχον καὶ τὸν ἔρωτα τοῦ Ἀπόλλω- 5 νος· κεκόσμηται δ' ἀναθήμασι τῶν ἀρχαίων τεχνῶν πολυτελέστατα· ἐντεῦθεν δ' ἐπὶ τὴν πόλιν οὐ πολλὴ ὁδὸς ἐστὶν οὐδὲ πλοῦς.

6 Φησὶ δ' Ἐφορος τὸ πρῶτον κτίσμα εἶναι Κρητικόν, ὑπὲρ τῆς θαλάττης τειχεισμένον, ὅπου νῦν ἡ 10 πάλαι Μίλητος ἔστι, Σαρπηδόνοιο ἐκ Μιλήτου τῆς Κρητικῆς ἀγαγόντος οἰκήτορας καὶ θεμένου τοῦνομα τῇ C.635 πόλει τῆς ἐκεῖ πόλεως ἐπάνυμον, κατεχόντων πρότερον Αελέγων τὸν τόπον· τοὺς δὲ περὶ Νηλέα ὕστερον τὴν νῦν τειχίσαι πόλιν· ἔχει δὲ τέτταρας λιμένας ἡ νῦν, ὧν 15 ἓνα καὶ στόλῳ ἱκανόν· πολλὰ δὲ τῆς πόλεως ἔργα ταύτης, μέριστον δὲ τὸ πλῆθος τῶν ἀποικιῶν· ὃ τε γὰρ Εὐξείνιος πόντος ὑπὸ τούτων συνώκισται πᾶς καὶ ἡ Προποντὶς καὶ ἄλλοι πλείους τόποι· Ἀναξιμένης γοῦν ὁ Λαμψακηνὸς οὕτω φησὶν ὅτι καὶ Ἰκαρον τὴν νῆσον 20 καὶ Λέρον Μιλήσιοι συνώκισαν καὶ περὶ Ἑλλήσποντον ἐν μὲν τῇ Χερσονήσῳ Λίμνας, ἐν δὲ τῇ Ἀσίᾳ Ἀβυδὸν Ἀρισβαν Παισόν, ἐν δὲ τῇ Κυζικηνῶν νήσῳ Ἀρτάκην Κύζικον, ἐν δὲ τῇ μεσογαίᾳ τῆς Τρωάδος Σκῆψιν· ἡμεῖς δ' ἐν τοῖς καθ' ἕκαστα λέγομεν καὶ τὰς ἄλλας τὰς 25 ὑπὸ τούτου παραλελειμμένας.

Οὕλιον δ' Ἀπόλλωνα καλοῦσί τινα καὶ Μιλήσιοι καὶ Δῆλιοι, οἷον ὑγιαστικὸν καὶ παιωνικόν· τὸ γὰρ οὕλειν ὑγιαίνειν, ἀφ' οὗ καὶ τὸ οὐλή καὶ τό „οὐλέ τε „καὶ μέγα χαῖρε.“ ἰατρικὸς γὰρ ὁ Ἀπόλλων· καὶ ἡ Ἀρ- 30 τεμις ἀπὸ τοῦ ἀρτεμέας ποιεῖν· καὶ ὁ Ἥλιος δὲ καὶ ἡ Σελήνη συνοικιοῦνται τούτοις, ὅτι τῆς περὶ τοὺς ἀέρας



εὐκρασίας αἵτιοι· καὶ τὰ λοιμικὰ δὲ πάθη καὶ τοὺς αὐτομάτους θανάτους τούτοις ἀνάπτουσι τοῖς θεοῖς.

Ἄνδρες δ' ἄξιοι μνήμης ἐρένοντο ἐν τῇ Μιλήτῳ 7  
Θαλῆς τε εἰς τῶν ἐπὶ σοφῶν, ὁ πρῶτος φυσιολογίας  
5 ἄρξας ἐν τοῖς Ἑλλήσι καὶ μαθηματικῆς, καὶ ὁ τούτου  
μαθητὴς Ἀναξίμανδρος καὶ ὁ τούτου πάλιν Ἀναξιμέ-  
νης, ἔτι δ' Ἐκαταῖος ὁ τὴν ἱστορίαν συντάξας, καθ'  
ἡμᾶς δὲ Αἰσχίνης ὁ ῥήτωρ, ὃς ἐν φυγῇ διετέλεσε, παρ-  
ρησιασάμενος πέρα τοῦ μετρίου πρὸς Πομπήιον Μά-  
10 γνον. ἡτύχησε δ' ἡ πόλις ἀποκλείσασα Ἀλέξανδρον  
καὶ βία ληφθεῖσα, καθάπερ καὶ Ἀλικαρνασός· ἔτι δὲ  
πρότερον ὑπὸ Περσῶν· καὶ φησί γε Καλλισθένης ὑπ'  
Ἀθηναίων χιλίαις δραγμαῖς ζημιωθῆναι Φρύνιχον τὸν  
τραγικόν, διότι δρᾶμα ἐποίησε Μιλήτου ἄλωσιν ὑπὸ  
15 Λαρείου.

Πρόκειται δ' ἡ Λάδη νῆσος πλησίον καὶ τὰ περὶ  
τὰς Τραγαίας νησὶα ὑφόρους ἔχοντα λησταῖς. ἐξῆς δ' 8  
ἔστιν ὁ Λατμικὸς κόλπος, ἐν ᾧ Ἡράκλεια ἡ ὑπὸ Λάτμω  
λεγομένη, πολίχνιον ὑφορμον ἔχον· ἐκαλεῖτο δὲ πρό-  
20 τερον Λάτμος ὁμωνύμως τῷ ὑπερκειμένῳ ὄρει, ὅπερ  
Ἐκαταῖος μὲν ἐμφαίνει τὸ αὐτὸ εἶναι νομίζων τῷ ὑπὸ  
τοῦ ποιητοῦ Φθειρῶν ὄρει λεγομένῳ (ὕπερ γὰρ τῆς  
Λάτμου φησὶ τὸ Φθειρῶν ὄρος κεῖσθαι), τινὲς δὲ τὸ  
Γρίον φασίν, ὥς ἂν παράλληλον τῷ Λάτμῳ ἀνῆκον  
25 ἀπὸ τῆς Μιλησίας πρὸς ἕω διὰ τῆς Καρίας μέχρι Εὐ-  
C.636 ρώμου καὶ Χαλκητόρων· ὑπέρεκειται δὲ ταύτης ἐν ὄψει.  
μικρὸν δ' ἄπωθεν διαβάντι ποταμίσκον πρὸς τῷ Λάτμῳ  
δείκνυται τάφος Ἐνδυμίωνος ἐν τινὶ σπηλαίῳ· εἶτα  
ἀφ' Ἡρακλείας ἐπὶ Πύρραν πολίχνην πλουῖς ἑκατόν  
30 πον σταδίων. μικρὸν δὲ πλεον τὸ ἀπὸ Μιλήτου εἰς 9  
Ἡράκλειαν ἐγκολπίζοντι, εὐθυπλοία δ' εἰς Πύρραν ἐκ  
Μιλήτου τριάκοντα· τοσαύτην ἔχει μακροπορίαν ὁ

παρὰ γῆν πλοῦς. ἀνάγκη δ' ἐπὶ τῶν ἐνδόξων τόπων ὑπομένειν τὸ περισκελὲς τῆς τοιαύτης γεωγραφίας.

- 10 Ἐκ δὲ Πύρρας ἐπὶ τὴν ἐκβολὴν τοῦ Μαιάνδρου πεντήκοντα· τεναγώδης δ' ὁ τόπος καὶ ἐλώδης· ἀνα-  
πλεύσαντι δ' ὑπηρετικοῖς σκάφεσι τριάκοντα σταδίους 5  
πόλις Μυοῦς, μία τῶν Ἰάδων τῶν δώδεκα, ἣ νῦν δι'  
ὀλιγανδρίαν Μιλησίοις συμπεπόλισται. ταύτην ὅψον  
λέγεται Θεμιστοκλεῖ δοῦναι Ξέρξης, ἄρτον δὲ Μαγνη-  
σίαν, οἶνον δὲ Λάμψακον.

- 11 Ἐνθεν ἐν σταδίοις τέτταρσι κώμη Καρικὴ Θυμ- 10  
βρία, παρ' ἣν ἄορνόν ἐστι σπήλαιον ἱερὸν, Χαρώνιον  
λεγόμενον, ὀλεθρίους ἔχον ἀποφοράς. ὑπέρεκειται δὲ  
Μαγνησία ἢ πρὸς Μαιάνδρῳ, Μαγνήτων ἀποικία τῶν  
ἐν Θετταλίᾳ καὶ Κρητῶν, περὶ ἧς ἀντίκα ἐροῦμεν.

- 12 Μετὰ δὲ τὰς ἐκβολὰς τοῦ Μαιάνδρου ὁ κατὰ 15  
Πριήνην ἐστὶν αἰγιαλός· ὑπὲρ αὐτοῦ δ' ἡ Πριήνη καὶ  
Μυκάλη τὸ ὄρος εὐθηρον καὶ εὐδενδρον. ἐπίκειται δὲ  
τῇ Σαμίᾳ καὶ ποιεῖ πρὸς αὐτὴν ἐπέκεινα τῆς Τρωγιλίου  
καλουμένης ἄκρας ὅσον ἐπταστάδιον πορθμόν. λέγεται  
δ' ὑπὸ τινων ἡ Πριήνη Κάδμη, ἐπειδὴ Φιλωτᾶς ὁ ἐπι- 20  
κτίσας αὐτὴν Βοιωτίας ὑπῆρχεν· ἐκ Πριήνης δ' ἦν Βίας  
εἰς τῶν ἐπτά σοφῶν, περὶ οὗ φησιν οὕτως Ἰππῶναξ  
„καὶ δικάσασθαι Βίαντος τοῦ Πριηνέως κρέσσον.“

- 13 Τῆς δὲ Τρωγιλίου πρόκειται νησίον ὁμώνυμον·  
ἐντεῦθεν δὲ τὸ ἐγγυτάτω διάρμα ἐστὶν ἐπὶ Σούνιον 25  
σταδίων χιλίων ἑξακοσίων, κατ' ἀρχὰς μὲν Σάμον ἐν  
δεξιᾷ ἔχοντι καὶ Ἰκαρίαν καὶ Κορσίας, τοὺς δὲ Μελαν-  
τίους σκοπέλους ἐξ εὐωνύμων, τὸ λοιπὸν δὲ διὰ μέσων  
τῶν Κυκλάδων νήσων. καὶ αὐτὴ δ' ἡ Τρωγίλιος ἄκρα  
πρόπους τις τῆς Μυκάλης ἐστί. τῇ Μυκάλῃ δ' ὄρος 30  
ἄλλο πρόσκειται τῆς Ἐφεσίας Πακτύης· καὶ ἡ Μεσσηνίς  
δὲ εἰς αὐτὴν καταστρέφει.



Ἀπὸ δὲ τῆς Τρωγιλίου στάδιοι τετταράκοντα εἰς 14  
 τὴν Σάμον· βλέπει δὲ πρὸς νότον καὶ αὐτὴ καὶ ὁ λιμὴν  
 ἔχων ναύσταθμον. ἔστι δ' αὐτῆς ἐν ἐπιπέδῳ τὸ πλεον C.637  
 ὑπὸ τῆς θαλάττης κλυζόμενον, μέρος δέ τι καὶ εἰς τὸ  
 5 ὄρος ἀνέχει τὸ ὑπερκείμενον. ἐν δεξιᾷ μὲν οὖν προσ-  
 πλέουσι πρὸς τὴν πόλιν ἔστι τὸ Ποσειδίου ἄκρα ἢ  
 ποιοῦσα πρὸς τὴν Μυκάλην τὸν ἐπταστάδιον πορθμόν,  
 ἔχει δὲ νεῶν Ποσειδῶνος· πρόκειται δ' αὐτοῦ νησίδιον  
 ἢ Ναρθηκίς· ἐπ' ἀριστερᾷ δὲ τὸ προάστειον τὸ πρὸς  
 10 τῷ Ἡραίῳ καὶ ὁ Ἰμβρασος ποταμὸς καὶ τὸ Ἡραῖον, ἀρ-  
 χαῖον ἱερὸν καὶ νεῶς μέγας, ὃς νῦν πινακοθήκη ἐστί·  
 χωρὶς δὲ τοῦ πλήθους τῶν ἐνταῦθα κειμένων πινάκων  
 ἄλλαι πινακοθήκαι καὶ ναῖσκοι τινές εἰσι πλήρεις τῶν  
 ἀρχαίων τεχνῶν· τό τε ὕπαιθρον ὁμοίως μεστὸν ἀν-  
 15 δριάντων ἐστὶ τῶν ἀρίστων· ὧν τρία Μύρωνος ἔργα  
 κολοσσικὰ ἰδρυμένα ἐπὶ μιᾷ βάσεως, ἃ ἦρε μὲν Ἀντώ-  
 νιος ἀνέθηκε δὲ πάλιν ὁ Σεβαστὸς Καῖσαρ εἰς τὴν αὐ-  
 τὴν βάσιν τὰ δύο, τὴν Ἀθηναίαν καὶ τὸν Ἡρακλέα, τὸν  
 δὲ Δία εἰς τὸ Καπετώλιον μετήνεγκε κατασκευάσας  
 20 αὐτῷ ναῖσκον.

Περίπλους δ' ἐστὶ τῆς Σαμίων νήσου σταδίων 15  
 ἑξακοσίων. ἐκαλεῖτο δὲ Παρθενία πρότερον οἰκούντων  
 Καρῶν, εἴτα Ἀνθεμοῦς, εἴτα Μελάμφυλλος, εἴτα Σά-  
 μος, εἴτ' ἀπὸ τινος ἐπιχωρίου ἥρωος εἴτ' ἐξ Ἰθάκης καὶ  
 25 Κεφαλληνίας ἀποικήσαντος. καλεῖται μὲν οὖν καὶ ἄκρα  
 τις Ἀμπελος βλέπουσά πως πρὸς τὸ τῆς Ἰκαρίας Δρέπα-  
 νον, ἀλλὰ καὶ τὸ ὄρος ἅπαν ὃ ποιεῖ τὴν ὅλην νήσον ὀρει-  
 νὴν ὁμωνύμως λέγεται· ἔστι δ' οὐκ εὖοινος, καίπερ εὖ-  
 οινουσῶν τῶν κύκλῳ νήσων, καὶ τῆς ἡπείρου σχεδόν τι  
 30 τῆς προσεχοῦς πάσης τοὺς ἀρίστους ἐκφερούσης οἶνους·

καὶ μὴν καὶ ὁ Ἐφέσιος καὶ Μητροπολίτης ἀγαθοί, ἢ τε Μεσσηνίς καὶ ὁ Τμῶλος καὶ ἡ Κατακεκαυμένη καὶ Κνίδος καὶ Σμύρνα καὶ ἄλλοι ἀσημότεροι τόποι διαφόρως χρηστοινοῦσιν ἢ πρὸς ἀπόλαυσιν ἢ πρὸς διαίτας ἰατρικάς. περὶ μὲν [οὖν] οἶνους οὐ πᾶν εὐτυχεῖ Σάμος, τὰ δ' ἄλλα εὐδαίμων, ὥς δηλὸν ἔκ τε τοῦ περιμάχητον γενέσθαι καὶ ἔκ τοῦ τοὺς ἐπαινοῦντας μὴ ὀκνεῖν ἐφαρμόττειν αὐτῇ τὴν λέγουσαν παροιμίαν ὅτι φέρει καὶ ὀρνίθων γάλα. τοῦτο δὲ καὶ τῶν τυραννίδων αἴτιον αὐτῇ κατέστη καὶ τῆς πρὸς Ἀθηναίους ἔχθρας. 10

16 Αἱ μὲν οὖν τυραννίδες ἤκμασαν κατὰ Πολυκράτη μάλιστα καὶ τὸν ἀδελφὸν αὐτοῦ Συλοσῶντα· ἦν δ' ὁ μὲν καὶ τύχη καὶ δυνάμει λαμπρὸς ὥστε καὶ θαλαττο-  
C.638κρατῆσαι· τῆς δ' εὐτυχίας αὐτοῦ σημεῖον τιθέασιν ὅτι ῥίψαντος εἰς τὴν θάλατταν ἐπίτηδες τὸν δακτύλιον λί-  
θου καὶ γλύμματος πολυτελοῦς, ἀνῆνεγκε μικρὸν ὕστερον τῶν ἀλίων τις τὸν καταπιόντα ἰχθὺν αὐτόν· ἀνατμηθέντος δ' εὐρέθη ὁ δακτύλιος· πυθόμενον δὲ τοῦτο τὸν Αἰγυπτίων βασιλέα φασὶ μαντικῶς πως ἀποφθέγγασθαι ὥς ἐν βραχεὶ καταστρέψει τὸν βίον εἰς 20 οὐκ εὐτυχὲς τέλος ὁ τοσοῦτον ἐξηρμένος ταῖς εὐπραγίαις· καὶ δὴ καὶ συμβῆναι τοῦτο· ληφθέντα γὰρ ἔξ ἀπάτης ὑπὸ τοῦ σατράπου τῶν Περσῶν κρεμασθῆναι. τούτῳ συνεβίωσεν Ἀνακρέων ὁ μελοποιός· καὶ δὴ καὶ πᾶσα ἡ ποίησις πλήρης ἐστὶ τῆς περὶ αὐτοῦ μνήμης. 25 ἐπὶ τούτου δὲ καὶ Πυθαγόραν ἱστοροῦσιν ἰδόντα φουμένην τὴν τυραννίδα ἐκλιπεῖν τὴν πόλιν καὶ ἀπελθεῖν εἰς Αἴγυπτον καὶ Βαβυλῶνα φιλομαθείας χάριν· ἐπανιόντα δ' ἐκεῖθεν, ὁρῶντα ἔτι συμμένουσαν τὴν τυ-

9. post γάλα: καθάπερ πον καὶ Μένανδρος ἔφη.



ραννίδα, πλεύσαντα εἰς Ἰταλίαν ἐκεῖ διατελέσαι τὸν βίον. περὶ Πολυκράτους μὲν ταῦτα.

Συλοσῶν δ' ἀπελείφθη μὲν ἰδιώτης ὑπὸ τοῦ ἀδελ- 17  
φοῦ, Δαρείῳ δὲ τῷ Ὑστάσπεω χαρισάμενος ἐσθῆτα, ἥς  
5 ἐπεθύμησεν ἐκείνος φοροῦντα ἰδῶν, οὐπω δ' ἐβασί-  
λευε τότε, βασιλεύσαντος ἀντέλαβε δῶρον τὴν τυραν-  
νίδα. πικρῶς δ' ἤρξεν, ὥστε καὶ ἐλειπάνδρησεν ἡ πό-  
λις· καὶ ἐκείθεν ἐκπεσεῖν συνέβη τὴν παροιμίαν „ἐκheti  
„Συλοσῶντος εὐρυχωρίη.“

10 Ἀθηναῖοι δὲ πρότερον μὲν πέμψαντες στρατηγὸν 18  
Περικλέα καὶ σὺν αὐτῷ Σοφοκλέα τὸν ποιητὴν πολιορ-  
κία κακῶς διέθηκαν ἀπειθοῦντας τοὺς Σαμίους, ὥστε-  
ρον δὲ καὶ κληρούχους ἐπεμψαν δισχιλίους ἐξ ἑαυτῶν,  
ὧν ἦν καὶ Νεοκλῆς ὁ Ἐπικούρου τοῦ φιλοσόφου πα-  
15 τήρ, γραμματοδιδάσκαλος, ὡς φασι· καὶ δὴ καὶ τρα-  
φῆναί φασιν ἐνθάδε καὶ ἐν Τέῳ καὶ ἐφηβεῦσαι Ἀθή-  
νησι· γενέσθαι δ' αὐτῷ συνέφηβον Μένανδρον τὸν  
κωμικόν· Σάμιος δ' ἦν καὶ Κρεώφυλος, ὃν φασι δεξά-  
μενον ξενία ποτὲ Ὅμηρον λαβεῖν δῶρον τὴν ἐπιγραφὴν  
20 τοῦ ποιήματος ὃ καλοῦσιν Οἰχαλίας ἄλωσιν. Καλλιμα-  
χος δὲ τὸνναντίον ἐμφαίνει δι' ἐπιγράμματός τινος, ὡς  
ἐκείνου μὲν ποιήσαντος λεγομένου δ' Ὁμήρου διὰ τὴν  
λεγομένην ξενίαν „τοῦ Σαμίου πόνος εἰμί, δόμῳ ποτὲ  
„θεῖον Ὅμηρον δεξαμένον· κλείω δ' Εὐρυτον ὅσσ'  
25 „ἐπαθεν, καὶ ξανθὴν Ἰόλειαν· Ὁμήρειον δὲ καλεῦμαι  
„γράμμα· Κρεωφύλῳ, Ζεῦ φίλε, τοῦτο μέγα.“ τινὲς C.639  
δὲ διδάσκαλον Ὁμήρου τοῦτόν φασιν, οἱ δ' οὐ τοῦτον  
ἀλλ' Ἀριστέαν τὸν Προκοννήσιον.

Παράκειται δὲ τῇ Σάμῳ νῆσος Ἰκαρία ἀφ' ἥς τὸ 19  
30 Ἰκάριον πέλαγος. αὕτη δ' ἐπάννυμός ἐστιν Ἰκάρου παι-  
δὸς τοῦ Δαιδάλου, ὃν φασι τῷ πατρὶ κοινωνήσαντα  
τῆς φυγῆς, ἥνίκα ἀμφοτέρω περὶ πτερωθέντες ἀπῆραν ἐκ

Κρήτης, πεσεῖν ἐνθάδε μὴ κρατήσαντα τοῦ δρόμου· μετεωρισθέντι γὰρ πρὸς τὸν ἥλιον ἐπὶ πλέον περι-  
 ρυῆναι τὰ πτερὰ τακέντος τοῦ κηροῦ. τριακοσίων δ'  
 ἐστὶ τὴν περίμετρον σταδίων ἡ νῆσος ἅπασα καὶ ἀλί-  
 μενος πλὴν ὑφόρων, ὧν ὁ κάλλιστος Ἴστοι λέγονται· 5  
 ἄκρα δ' ἐστὶν ἀνατείνουσα πρὸς ξέφυρον. ἐστὶ δὲ καὶ  
 Ἀρτέμιδος ἱερὸν καλούμενον Ταυροπόλιον ἐν τῇ νήσῳ  
 καὶ πολισμάτιον Οἰνότη, καὶ ἄλλο Δράκανον ὁμώνυμον  
 τῇ ἄκρᾳ ἐφ' ἣ ἴδρυνται, πρόσδορμον ἔχον· ἡ δὲ ἄκρα  
 διέχει τῆς Σαμίων ἄκρας τῆς Κανθαρίου καλουμένης 10  
 ὀγδοήκοντα σταδίους, ὅπερ ἐστὶν ἐλάχιστον διάστημα τὸ  
 μεταξύ. νυνὶ μέντοι λειπανδροῦσαν Σάμιοι νέμονται  
 τὰ πολλὰ βοσκημάτων χάριν.

- 20 Μετὰ δὲ τὸν Σάμιον πορθμὸν τὸν πρὸς Μυκάλῃ  
 πλέουσιν εἰς Ἐφεσον ἐν δεξιᾷ ἐστὶν ἡ Ἐφεσίων παρα- 15  
 λία· μέρος δέ τι ἔχουσιν αὐτῆς καὶ οἱ Σάμιοι. πρῶτον  
 δ' ἐστὶν ἐν τῇ παραλίᾳ τὸ Πανιώνιον τρισὶ σταδίοις  
 ὑπερκείμενον τῆς θαλάττης, ὅπου τὰ Πανιώνια, κοινὴ  
 πανήγυρις τῶν Ἰώνων, συντελεῖται τῷ Ἑλικωνίῳ Πο-  
 σειδῶνι καὶ Θυσίᾳ· ἱερῶνται δὲ Προηνεῖς· εἴρηται δὲ 20  
 περὶ αὐτῶν ἐν τοῖς Πελοποννησιακοῖς. εἴτα Νεάπολις,  
 ἡ πρότερον μὲν ἦν Ἐφεσίων νῦν δὲ Σαμίων διαλλαξα-  
 μένων πρὸς τὸ Μαραθήσιον, τὸ ἐγγυτέρω πρὸς τὸ  
 Ἀπώτερον· εἴτα Πύγελα πολίχνιον, ἱερὸν ἔχον Ἀρτέμι-  
 δος Μουνυχίας, ἴδρυμα Ἀγαμέμνονος, οἰκούμενον ὑπὸ 25  
 μέρους τῶν ἐκείνου λαῶν· πυγαλγίας γάρ τινος καὶ  
 γενέσθαι καὶ κληθῆναι, κάμνοντας δ' ὑπὸ τοῦ πάθους  
 καταμεῖναι, καὶ τυχεῖν οἰκείου τοῦδε τοῦ ὀνόματος τὸν  
 τόπον. εἴτα λιμὴν Πάνορμος καλούμενος ἔχων ἱερὸν  
 τῆς Ἐφεσίας Ἀρτέμιδος· εἰδ' ἡ πόλις. ἐν δὲ τῇ αὐτῇ 30  
 παραλίᾳ μικρὸν ὑπὲρ τῆς θαλάττης ἐστὶ καὶ ἡ Ὀρτυγία,  
 διαπρεπὲς ἄλσος παντοδαπῆς ὕλης, κυπαρίττου δὲ τῆς



πλείστης. διαρρεῖ δὲ ὁ Κέγχριος ποταμός, οὗ φασι  
 νύσασθαι τὴν Αἰτῶ μετὰ τὰς ὠδίνους. ἐνταῦθα γὰρ  
 μυθεύουσι τὴν λοχεῖαν καὶ τὴν τροφὸν τὴν Ὀρτυρίαν  
 καὶ τὸ ἄδυτον ἐν ᾧ ἡ λοχεῖα, καὶ τὴν πλησίον ἐλαίαν, ἥ  
 5 πρῶτον ἐπαναπαύσασθαι φασι τὴν θεὸν ἀπολυθεῖσαν  
 τῶν ὠδίνων. ὑπέρεκται δὲ τοῦ ἄλλους ὄρος ὁ Σολ-  
 μισός, ὅπου στάντας φασι τοὺς Κουρήτας τῷ ψόφῳ  
 τῶν ὅπλων ἐκπληῆσαι τὴν Ἥραν ζηλοτύπως ἐφεδρεύου-  
 σαν, καὶ λαθεῖν συμπράξαντας τὴν λοχεῖαν τῇ Αἰτῶ.  
 10 ὄντων δ' ἐν τῷ τόπῳ πλειόνων ναῶν, τῶν μὲν ἀρχαίων  
 τῶν δ' ὕστερον γενομένων, ἐν μὲν τοῖς ἀρχαίοις ἀρχαῖά  
 ἐστὶ ξόανα, ἐν δὲ τοῖς ὕστερον Σκόπα ἔργα· ἡ μὲν Αἰτῶ  
 σκηπτρον ἔχουσα, ἡ δ' Ὀρτυρία παρέστηκεν ἑκατέρᾳ  
 τῇ χειρὶ παιδίον ἔχουσα. πανήγυρις δ' ἐνταῦθα συντε-  
 15 λεῖται κατ' ἔτος, ἔθει δέ τιμι οἱ νέοι φιλοκαλοῦσι μάλι-  
 στα περὶ τὰς ἐνταῦθα εὐωχίας λαμπρυνόμενοι· τότε  
 δὲ καὶ τῶν Κουρήτων ἀρχεῖον συνάγει συμπόσια καὶ  
 τινὰς μυστικὰς θυσίας ἐπιτελεῖ.

Τὴν δὲ πόλιν ὥκουν μὲν Κᾶρές τε καὶ Λέλεγες, 21  
 20 ἐκβαλὼν δ' ὁ Ἄνδροκλος τοὺς πλείστους ὥκισεν ἐκ  
 τῶν συνελθόντων αὐτῷ περὶ τὸ Ἀθήναιον καὶ τὴν  
 Τπέλαιον, προσπεριλαβὼν καὶ τῆς περὶ τὸν Κορησ-  
 σὸν παρωρείας. μέχρι μὲν δὴ τῶν κατὰ Κροῖσον οὕ-  
 τως ὥκειτο, ὕστερον δ' ἀπὸ τῆς παρωρείου καταβάν-  
 25 τες περὶ τὸ νῦν ἱερὸν ὥκησαν μέχρι Ἀλεξάνδρου. Αὐ-  
 σίμαχος δὲ τὴν νῦν πόλιν τειχίσας, ἀηδῶς τῶν ἀνθρώ-  
 πων μεθισταμένων, τηρήσας καταρράκτην ὄμβρον  
 συνήργησε καὶ αὐτὸς καὶ τοὺς ῥινοῦχους ἐνέφραξεν  
 ὥστε κατακλύσαι τὴν πόλιν· οἱ δὲ μετέστησαν ἄσμενοι.  
 30 ἐκάλεσε δ' Ἀρσινόην ἀπὸ τῆς γυναικὸς τὴν πόλιν, ἐπε-  
 κράτησε μέντοι τὸ ἀρχαῖον ὄνομα. ἦν δὲ γερουσία κα-

ταγραφομένη, τούτοις δὲ συνήεσαν οἱ ἐπὶ κλητοὶ καλούμενοι καὶ διώκουν πάντα.

22 Τὸν δὲ νεῶν τῆς Ἀρτεμίδος πρῶτος μὲν Χερσίφρων ἡρχιτεκτόνησεν, εἶτ' ἄλλος ἐποίησε μείζω· ὥς δὲ τοῦτον Ἡρόστρατός τις ἐνέπρησεν, ἄλλον ἀμείνω κα- 5 τεσκεύασαν συνενέγκαντες τὸν τῶν γυναικῶν κόσμον καὶ τὰς ἰδίας οὐσίας, διαθέμενοι δὲ καὶ τοὺς προτέρους κίονας· τούτων δὲ μαρτύριά ἐστι τὰ γενηθέντα τότε ψηφίσματα, ἅπερ ἀγνοοῦντά φησιν ὁ Ἀρτεμίδωρος τὸν Ταυρομενίτην Τίμαιον καὶ ἄλλως βάσκανον ὄντα καὶ 10 συκοφάντην (διὸ καὶ Ἐπιτίμαιον κληθῆναι) λέγειν ὥς ἐκ τῶν Περσικῶν παρακαταθηκῶν ἐποίησαντο τοῦ ἱεροῦ τὴν ἐπισκευήν· οὔτε δὲ ὑπάρξει παρακαταθήκας τότε, εἴ τε ὑπῆρξαν, συνεμπεπρηῆσθαι τῷ ναῷ· μετὰ δὲ τὴν ἔμπρησιν τῆς ὀροφῆς ἡφανισμένης, ἐν ὑπαίθρῳ 15 τῷ σηκῷ τίνα ἂν ἐθελῆσαι παρακαταθήκην κειμένην ἔχειν; Ἀλέξανδρον δὲ τοῖς Ἐφεσίοις ὑποσχέσθαι τὰ C.641 γεγενημένα καὶ τὰ μέλλοντα ἀναλώματα, ἐφ' ᾧ τε τὴν ἐπιγραφὴν αὐτὸν ἔχειν, τοὺς δὲ μὴ ἐθελῆσαι, πολὺ μᾶλλον οὐκ ἂν ἐθελήσαντας ἐξ ἱεροσυλίας καὶ ἀποστε- 20 ρήσεως φιλοδοξεῖν· ἐπαινεῖ τε τὸν εἰπόντα τῶν Ἐφεσίων πρὸς τὸν βασιλέα, ὥς οὐ πρόποι θεῷ θεοῖς ἀνάθηματα κατασκευάζειν.

23 Μετὰ δὲ τὴν τοῦ νεῶ συντέλειαν, ὃν φησιν εἶναι Δεινοκράτους ἔργον (τοῦ δ' αὐτοῦ καὶ τὴν Ἀλεξαν- 25 δρείας κτίσιν· τὸν δ' αὐτὸν ὑποσχέσθαι Ἀλεξάνδρῳ τὸν Ἀθῶ διασκευάσειν εἰς αὐτόν, ὥσανεὶ ἐκ πρόχου τινὸς εἰς φιάλην καταχέοντα σπονδῇν, ποιήσοντα πόλεις δύο, τὴν μὲν ἐκ δεξιῶν τοῦ ὄρους τὴν δ' ἐν ἀριστερᾷ, ἀπὸ δὲ τῆς ἐτέρας εἰς τὴν ἐτέραν ῥέοντα ποτα- 30 μόν), μετὰ δ' οὖν τὸν νεῶν τὸ τῶν ἄλλων ἀναθημάτων πλῆθος εὐρέσθαι τῇ ἐκτιμήσει τῶν δημιουργῶν, τὸν



δὲ δὴ βωμὸν εἶναι τῶν Πραξιτέλους ἔργων ἅπαντα  
 σχεδόν τι πλήρη. ἡμῖν δ' ἐδείκνυτο καὶ τῶν Θράσωνος  
 τινα, οὗπερ καὶ τὸ Ἐκατήσιόν ἐστι καὶ ἡ κηρίνη Πηνε-  
 λόπη καὶ ἡ πρεσβυτίς ἡ Εὐρύκλεια. ἱερέας δ' εὐνοῦ-  
 5 χους εἶχον οὓς ἐκάλουν Μεγαβύζους, καὶ ἀλλαχόθεν  
 μετιόντες αἰεί τινας ἀξιούς τῆς τοιαύτης προστασίας,  
 καὶ ἦγον ἐν τιμῇ μεγάλη· συνιεῖσθαι δὲ τούτοις ἐχρῆν  
 παρθένους. νυνὶ δὲ τὰ μὲν φυλάττεται τῶν νομίμων  
 τὰ δ' ἥττον, ἄσυλον δὲ μένει τὸ ἱερόν καὶ νῦν καὶ πρό-  
 10 τερον· τῆς δ' ἀσυλίας τοὺς ὄρους ἀλλαγῆναι συνέβη  
 πολλάκις, Ἀλεξάνδρου μὲν ἐπὶ στάδιον ἐκτείναντος,  
 Μιθριδάτου δὲ τόξευμα ἀφέντος ἀπὸ τῆς γωνίας τοῦ  
 κεράμου καὶ δόξαντος ὑπερβαλέσθαι μικρὰ τὸ στάδιον,  
 Ἀντωνίου δὲ διπλασιάσαντος τοῦτο καὶ συμπεριλα-  
 15 βόντος τῇ ἀσυλίᾳ μέρος τι τῆς πόλεως· ἐφάνη δὲ τοῦτο  
 βλαβερόν καὶ ἐπὶ τοῖς κακούργοις ποιοῦν τὴν πόλιν,  
 ὥστ' ἠκύρωσεν ὁ Σεβαστὸς Καῖσαρ.

Ἔχει δ' ἡ πόλις καὶ νεώρια καὶ λιμένα· βραχύστο- 24  
 μον δ' ἐποίησαν οἱ ἀρχιτέκτονες, συνεξαπατηθέντες  
 20 τῷ κελεύσαντι βασιλεῖ. οὗτος δ' ἦν Ἀτταλος ὁ φιλά-  
 δελφος· οἰήθεις γὰρ οὗτος βαθὺν τὸν εἰσπλοῦν ὀλκάσι  
 μέγαις ἔσεσθαι καὶ αὐτὸν τὸν λιμένα τεναγῶδη ὄντα  
 πρότερον διὰ τὰς ἐκ τοῦ Καῦστρου προχώσεις, εἰς πα-  
 ραβληθῇ χῶμα τῷ στόματι πλατεῖ τελέως ὄντι, ἐκέλευσε  
 25 γενέσθαι τὸ χῶμα. συνέβη δὲ τοῦναντίον· ἐντὸς γὰρ  
 ἡ χοῦς εἰργομένη τεναγίζειν μᾶλλον ἐποίησε τὸν λιμένα  
 σύμπαντα μέχρι τοῦ στόματος· πρότερον δ' ἱκανῶς αἱ  
 πλημμυρίδες καὶ ἡ παλίρροια τοῦ πελάγους ἀφήρει  
 τὴν χοῦν καὶ ἀνέσπα πρὸς τὸ ἐκτός. ὁ μὲν οὖν λιμὴν  
 30 τοιοῦτος· ἡ δὲ πόλις τῇ πρὸς τὰ ἄλλα εὐκαιρίᾳ τῶν τό-  
 πων αὔξεται καθ' ἐκάστην ἡμέραν, ἐμπόριον οὖσα μέ-  
 γιστον τῶν κατὰ τὴν Ἀσίαν τὴν ἐντὸς τοῦ Ταύρου.

C.642

- 25 Ἄνδρες δ' ἀξιόλογοι γερόνασιν ἐν αὐτῇ τῶν μὲν παλαιῶν Ἡράκλειτός τε ὁ σκοτεινὸς καλούμενος καὶ Ἑρμόδωρος, περὶ οὗ ὁ αὐτὸς οὗτός φησιν „ἄξιον Ἐφεσίοις ἡβηδὸν ἀπάγξασθαι, οἵτινες Ἑρμόδωρον ἄνδρα „ἑαυτῶν ὀνήιστον ἐξέβαλον, πάντες ἡμέων μηδὲ εἰς 5 „ὀνήιστος ἔστω, εἰ δὲ μή, ἄλλη τε καὶ μετ' ἄλλων.“ δοκεῖ δ' οὗτος ὁ ἀνὴρ νόμους τινας Ῥωμαίοις συγγράψαι. καὶ Ἰππῶναξ δ' ἐστὶν ὁ ποιητὴς ἐξ Ἐφέσου καὶ Παρράσιος ὁ ζωγράφος καὶ Ἀπελλῆς, τῶν δὲ νεωτέρων [Ἀρτεμίδωρος καὶ] Ἀλέξανδρος ῥήτωρ ὁ Λύχνος προσαγορευ- 10 θείς, ὃς καὶ ἐπολιτεύσατο καὶ συνέγραψεν ἱστορίαν καὶ ἔπη κατέλιπεν, ἐν οἷς τὰ τε οὐράνια διατίθεται καὶ τὰς ἡπείρους γεωγραφεῖ, καθ' ἑκάστην ἐκδοὺςποίημα.
- 26 Μετὰ δὲ τὴν ἐκβολὴν τοῦ Καῦστρου λίμνη ἐστὶν ἐκ τοῦ πελάγους ἀναχεομένη (καλεῖται δὲ Σελινουσία) 15 καὶ ἐφεξῆς ἄλλη σύρρους αὐτῇ μεγάλας ἔχουσαι προσόδους, ἃς οἱ βασιλεῖς μὲν ἱερὰς οὔσας ἀφείλοντο τὴν θεόν, Ῥωμαῖοι δ' ἀπέδωκαν· πάλιν δ' οἱ δημοσιῶναι βιασάμενοι περιέστησαν εἰς ἑαυτοὺς τὰ τέλη, πρεσβεύσας δὲ ὁ Ἀρτεμίδωρος, ὥς φησι, τὰς τε λίμνας ἀπέλαβε 2 τῇ θεῷ καὶ τὴν Ἡρακλεῶτιν ἀφισταμένην ἐξενίκησε κριθεῖς ἐν Ῥώμῃ· ἀντὶ δὲ τούτων εἰκόνα χρυσοῦν ἀνέστησεν ἡ πόλις ἐν τῷ ἱερῷ. τῆς δὲ λίμνης ἐν τῷ κοιλοτάτῳ βασιλέως ἐστὶν ἱερὸν· φασὶ δ' Ἀγαμέμνονος ἵδρυμα.
- 27 Εἰτα τὸ Γαλλήσιον ὄρος καὶ ἡ Κολοφῶν πόλις Ἰωνικὴ καὶ τὸ πρὸ αὐτῆς ἄλσος τοῦ Κλαρίου Ἀπόλλωνος, ἐν ᾧ καὶ μαντεῖόν ἐστι παλαιόν. λέγεται δὲ Κάλχας ὁ μάντις μετ' Ἀμφιλόχου τοῦ Ἀμφιαράου κατὰ τὴν ἐκ 3 Τροίας ἐπάνοδον πεξῇ δεῦρο ἀφικέσθαι, περιτυχὼν δ' ἑαυτοῦ κρείττονι μάντει κατὰ τὴν Κλάρου, Μόψῳ τῷ Μαντοῦς τῆς Τειρεσίου θυγατρὸς, διὰ λύπην ἀποθα- 4



νεῖν. Ἡσίοδος μὲν οὖν οὕτω πως διασκευάζει τὸν μῦ-  
 θον· προτείνει γάρ τι τοιοῦτο τῷ Μόψῳ τὸν Κάλχαντα  
 „θαῦμά μ' ἔχει κατὰ θυμόν, ὅσους ἐρινειὸς ὀλύνθους  
 „οὗτος ἔχει μικρὸς περ ἑών· εἰποῖς ἂν ἀριθμόν;“ τὸν  
 5 δ' ἀποκρίνασθαι „μῦριοί εἰσιν ἀριθμόν, ἀτὰρ μέτρον  
 „γε μέδιμνος· εἰς δὲ περισσεύει, τὸν ἐπενθέμεν οὐ κε  
 „δύναιο. ὥς φάτο· καὶ σφιν ἀριθμὸς ἐτήτυμος εἶδετο  
 „μέτρον. καὶ τότε δὴ Κάλχανθ' \* ὕπνος θανάτοιο κά-  
 „λυψε.“ Φερεκύδης δὲ φησιν ὅτι προβαλεῖν ἔγκυνον C.643  
 10 τὸν Κάλχαντα πόσους ἔχει χοίρους, τὸν δ' εἰπεῖν ὅτι  
 τρεῖς, ὧν ἓνα θῆλυν· ἀληθεύσαντος δ' ἀποθανεῖν ὑπὸ  
 λύπης. οἱ δὲ τὸν μὲν Κάλχαντα προβαλεῖν τὴν ὕν φασι  
 τὸν δὲ ἐρινεόν, καὶ τὸν μὲν εἰπεῖν τὰληθὲς τὸν δὲ μή,  
 ἀποθανεῖν δὲ ὑπὸ λύπης καὶ κατὰ τι λόγιον. λέγει δ'  
 15 αὐτὸ Σοφοκλῆς ἐν Ἑλένης ἀπαιτήσῃ ὡς εἰμαρμένον  
 εἶη ἀποθανεῖν, ὅταν κρείττονι ἑαυτοῦ μάντει περιτύχῃ·  
 οὗτος δὲ καὶ εἰς Κιλικίαν μεταφέρει τὴν ἔριν καὶ τὸν  
 θάνατον τοῦ Κάλχαντος. τὰ μὲν παλαιὰ τοιαῦτα.

Ἐκτίσαντο δὲ ποτε καὶ ναυτικὴν ἀξιόλογον δύνα- 28  
 20 μιν Κολοφώνιοι καὶ ἱππικὴν, ἐν ἣ τοσοῦτον διέφερον  
 τῶν ἄλλων ὥσθ', ὅπου ποτὲ ἐν τοῖς δυσκαταλύτοις  
 πολέμοις τὸ ἱππικὸν τῶν Κολοφωνίων ἐπικουρήσειε,  
 λύεσθαι τὸν πόλεμον· ἀφ' οὗ καὶ τὴν παροιμίαν ἐκδο-  
 θῆναι τὴν λέγουσαν „τὸν Κολοφῶνα ἐπέθηκεν“ ὅταν  
 25 τέλος ἐπιτεθῇ βέβαιον τῷ πράγματι. ἄνδρες δ' ἐγέ-  
 νοντο Κολοφώνιοι τῶν μνημονευομένων Μίμνερος  
 αὐλητῆς ἅμα καὶ ποιητῆς ἐλεγείας, καὶ Ξενοφάνης ὁ  
 φυσικός, ὁ τοὺς τίλλους ποιήσας διὰ ποιημάτων· λέγει  
 δὲ Πίνδαρος καὶ Πολύμναστόν τινα τῶν περὶ τὴν μου-  
 30 σικὴν ἐλλογίμων „φθέγμα μὲν πάγκοινον ἔγνωκας  
 „Πολυμνάστου Κολοφωνίου ἀνδρός.“ καὶ Ὅμηρον δὲ  
 τινες ἐντεῦθεν εἶναί φασιν.

Εὐθυπλοία μὲν οὖν ἑβδομήκοντα στάδιοι εἰσιν ἐξ  
 29 Ἐφέσου, ἐγκολπίζονται δὲ ἑκατὸν καὶ εἴκοσι. μετὰ δὲ  
 Κολοφῶνα ὄρος Κοράκιον καὶ νησίον ἱερὸν Ἀρτέμιδος,  
 εἰς ὃ διανηχομένης τίκτειν τὰς ἐλάφους πεπιστεύκασιν.  
 εἶτα Λέβεδος διέχουσα Κολοφῶνος ἑκατὸν καὶ εἴκοσιν· 5  
 ἔνταῦθα τῶν περὶ τὸν Διόνυσον τεχνιτῶν ἡ σύνοδος  
 καὶ κατοικία τῶν ἐν Ἰωνίᾳ μέχρι Ἑλλησπόντου, ἐν ἧ  
 πανήγυρις τε καὶ ἀγῶνες κατ' ἔτος συντελοῦνται τῷ  
 Διονύσῳ. ἐν Τέῳ δὲ ὥκουν πρότερον τῇ ἐφεξῆς πόλει  
 τῶν Ἰώνων, ἐμπεσοῦσης δὲ στάσεως εἰς Ἐφεσον κατέ- 10  
 φυγον· Ἀττάλου δ' εἰς Μυόννησον αὐτοὺς καταστή-  
 σαντος μεταξὺ Τέῳ καὶ Λεβέδου, πρεσβεύονται Τήιοι  
 δεόμενοι Ῥωμαίων μὴ περιδεῖν ἐπιτειχιζομένην σφίσι  
 τὴν Μυόννησον, οἱ δὲ μετέστησαν εἰς Λεβέδον δεξαμέ-  
 νων τῶν Λεβεδίων ἀσμένως διὰ τὴν κατέχουσαν αὐ- 15  
 τοὺς ὀλιγανδρίαν. καὶ Τέως δὲ Λεβέδου διέχει ἑκατὸν  
 εἴκοσι, μεταξὺ δὲ νῆσος Ἀσπῖς, οἱ δ' Ἀρκόννησον κα-  
 λοῦσι· καὶ ἡ Μυόννησος δὲ ἐφ' ὕψους χερρονησίζον-  
 τος κατοικεῖται.

C.644

30

Καὶ ἡ Τέως δὲ ἐπὶ χερρονήσῳ ἵδρυνται λιμένα 20  
 ἔχουσα· ἐνθενδ' ἐστὶν Ἀνακρέων ὁ μελοποιός, ἐφ' οὗ  
 Τήιοι τὴν πόλιν ἐκλιπόντες εἰς Ἀβδηρα ἀπώκησαν  
 Θρακίαν πόλιν, οὐ φέροντες τὴν τῶν Περσῶν ὕβριν,  
 ἀφ' οὗ καὶ τοῦτ' εἴρηται, „Αβδηρα καλὴ Τηίων ἀποι-  
 „κίη.“ πάλιν δ' ἐπανῆλθόν τινες αὐτῶν χρόνῳ ὅσπερ 2  
 ρον· εἴρηται δὲ καὶ περὶ Ἀπελλικῶντος ὅτι Τήιος ἦν  
 κάκεινος· γέγονε δὲ καὶ συγγραφεὺς Ἐκαταῖος ἐκ τῆς  
 αὐτῆς πόλεως. ἔστι καὶ ἄλλος λιμὴν ὁ πρόσβορος ἀπὸ  
 τριάκοντα σταδίων τῆς πόλεως Γερραῖδαι.

31

Εἶτα Χαλκιδεῖς [καὶ] ὁ τῆς χερρονήσου ἰσθμός τῆς 3  
 Τηίων καὶ Ἐρυθραίων· ἐντὸς μὲν οὖν τοῦ ἰσθμοῦ οἰ-  
 κοῦσιν οὗτοι, ἐπ' αὐτῷ δὲ τῷ ἰσθμῷ Τήιοι καὶ Κλαζο-



μένιοι· τὸ μὲν γὰρ νότιον τοῦ ἰσθμοῦ πλευρὸν ἔχουσι  
 Τήιοι τοὺς Χαλκιδέας, τὸ δὲ πρόσβορον Κλαζομένιοι,  
 καθ' ὃ συνάπτουσι τῇ Ἐρυθραίᾳ. κεῖται δ' Ὑπόκρημνος  
 ὁ τόπος ἐπὶ τῇ ἀρχῇ τοῦ ἰσθμοῦ, ἐντὸς μὲν ἀπολαμβά-  
 5 νων τὴν Ἐρυθραίαν ἐκτὸς δὲ τὴν τῶν Κλαζομενίων.  
 ὑπέρεκειται δὲ τῶν Χαλκιδέων ἄλσος καθιερωμένον  
 Ἀλεξάνδρῳ τῷ Φιλίππου, καὶ ἀγῶν ὑπὸ τοῦ κοινοῦ  
 τῶν Ἰώνων Ἀλεξάνδρεια καταγγέλλεται, συντελούμε-  
 νος ἐνταῦθα. ἡ δ' ὑπέρβασις τοῦ ἰσθμοῦ τοῦ ἀπὸ τοῦ  
 10 Ἀλεξανδρείου καὶ τῶν Χαλκιδέων μέχρι τοῦ Ὑποκρή-  
 μνου πεντήκοντά εἰσι στάδιοι, ὁ δὲ περίπλους πλείους  
 ἢ χίλιοι. κατὰ μέσον δέ που τὸν περίπλου αἱ Ἐρυθραί,  
 πόλις Ἰωνικὴ λιμένα ἔχουσα καὶ νησιδας προκειμένας  
 τέτταρας Ἴππους καλουμένας.

15 Πρὶν δ' ἐλθεῖν ἐπὶ τὰς Ἐρυθράς, πρῶτον μὲν Ἐραι 32  
 πολίχνιον ἔστι Τηίων· εἴτα Κώρυκος ὄρος ὑψηλὸν καὶ  
 λιμὴν ὑπ' αὐτῷ Κασύστης καὶ ἄλλος Ἐρυθρᾶς λιμὴν  
 καλούμενος καὶ ἐφεξῆς πλείους ἕτεροι. φασὶ δὲ τὸν  
 παράπλου τοῦ Κωρύκου πάντα ληστήριον ὑπάρχειν  
 20 τῶν Κωρυκαίων καλουμένων, εὐρομένων τρόπον και-  
 νὸν τῆς ἐπιβουλῆς τῶν πλοῦζομένων· κατεσπαρμένους  
 γὰρ ἐν τοῖς λιμέσι τοῖς καθορμιζομένοις ἐμπόροις προσ-  
 φοιτᾶν καὶ ὠτακουστέιν τί φέροιεν καὶ ποῦ πλείοιεν,  
 εἴτα συνελθόντας ἀναχθεῖσι τοῖς ἀνθρώποις ἐπιτίθε-  
 25 σθαι καὶ καθαρπάξειν· ἀφ' οὗ δὴ πάντα τὸν πολυ-  
 πράγμονα καὶ κατακούειν ἐπιχειροῦντα τῶν λάθρα  
 καὶ ἐν ἀπορρήτῳ διαλεγομένων Κωρυκαῖον καλοῦμεν,  
 καὶ ἐν παροιμίᾳ φασὶν „τοῦ δ' ἄρ' ὁ Κωρυκαῖος ἡκροά-  
 „ξετο,“ ὅταν δοκῇ τις πράττειν δι' ἀπορρήτων ἢ λα-  
 30 λεῖν, μὴ λανθάνῃ δὲ διὰ τοὺς κατασκοποῦντας καὶ φι-  
 λοπένυστοῦντας τὰ μὴ προσήκοντα.

Μετὰ δὲ Κώρυκον Ἀλόννησος νησίον· εἴτα τὸ 33

C.645 Ἀργεῖνον, ἄκρα τῆς Ἐρυθραίας πλησιάζουσα μάλιστα τῷ Χίῳ Ποσειδίῳ ποιοῦντι πορθμὸν ὅσον ἐξήκοντα σταδίων. μεταξὺ δὲ τῶν Ἐρυθρῶν καὶ τοῦ Ὑποκρήμνου Μίμας ἐστὶν ὄρος ὑψηλὸν εὐθηρον πολύδενδρον· εἶτα κώμη Κυβέλεια καὶ ἄκρα Μέλαινα καλουμένη μύ- 5 λων ἔχουσα λατόμιον.

34 Ἐκ δ' Ἐρυθρῶν Σίβυλλά ἐστίν, ἐνθους καὶ μαντική γυνὴ τῶν ἀρχαίων τις· κατ' Ἀλέξανδρον δὲ ἄλλη ἦν τὸν αὐτὸν τρόπον μαντική, καλουμένη Ἀθηναῖς, ἐκ τῆς αὐτῆς πόλεως· καὶ καθ' ἡμᾶς Ἡρακλείδης Ἡροφί- 10 λειος ἰατρὸς συσχολαστὴς Ἀπολλωνίου τοῦ Μυός.

35 Ἡ δὲ Χίος τὸν μὲν περιπλουν ἐστὶ σταδίων ἑνακοσίῳ παρὰ γῆν φερομένῳ, πόλιν δ' ἔχει εὐλίμενον καὶ ναύσταθμον ναυσὶν ὀγδοήκοντα. ἐν δὲ τῷ περιπλῶ δεξιᾷ τὴν νῆσον ἔχοντι ἀπὸ τῆς πόλεως πρῶτον μὲν 15 ἐστὶ τὸ Ποσειδίου, εἶτα Φάναι λιμὴν βαθύς, καὶ νεῶς Ἀπόλλωνος καὶ ἄλσος φοινίκων· εἶτα Νότιον ὕφορμος αἰγιαλός· εἶτα \* Λαῖους, καὶ οὗτος ὕφορμος αἰγιαλός, ὅθεν εἰς τὴν πόλιν ἐξήκοντα σταδίων ἰσθμός· περί- 20 πλους δὲ τριακοσίων ἐξήκοντα ὃν ἐπήλθομεν. εἶτα 20 Μέλαινα ἄκρα, καθ' ἣν τὰ Ψύρα νήσος ἀπὸ πεντήκοντα σταδίων τῆς ἁκρας, ὑψηλή, πόλιν ὁμώνυμον ἔχουσα· κύκλος δὲ τῆς νήσου τετταράκοντα στάδιοι. εἰδ' ἡ Ἀριουσία χώρα τραχεῖα καὶ ἀλίμενος σταδίων ὅσον τριάκοντα, οἶνον ἄριστον φέρουσα τῶν Ἑλληνι- 25 κῶν. εἶτα τὸ Πελιναῖον ὄρος ὑψηλότετον τῶν ἐν τῇ νήσῳ. ἔχει δ' ἡ νήσος καὶ λατόμιον μαρμάρου λίθου. ἄνδρες δὲ Χῖοι γερόνασιν ἐλλόγιμοι Ἴων τε ὁ τραγικὸς καὶ Θεόπομπος ὁ συγγραφεὺς καὶ Θεόκριτος ὁ σοφιστής· οὗτοι δὲ καὶ ἀντεπολιτεύσαντο ἀλλήλοις. ἀμ- 30 φισβητοῦσι δὲ καὶ Ὀμήρου Χῖοι, μαρτύριον μέγα τοὺς Ὀμηρίδας καλουμένους ἀπὸ τοῦ ἐκείνου γένους προ-



χειριζόμενοι, ᾧν καὶ Πίνδαρος μέμνηται „ὄθεν περ  
 „καὶ Ὀμηρίδαι ραπτῶν ἐπέων τὰ πόλλ' αἰοιοί.“ ἐκέ-  
 κτηντο δὲ καὶ ναυτικόν ποτε Χῖοι, καὶ ἀνθήπτοντο τῆς  
 κατὰ θάλατταν ἀρχῆς καὶ ἐλευθερίας. ἐκ Χίου δ' εἰς  
 5 Λέσβον νότῳ τετρακόσιοί που στάδιοι.

Ἐκ δὲ τοῦ Ὑποκρήμνου Χύτριόν ἐστι τόπος, ὅπου 36  
 πρότερον ἴδρυντο Κλαζομεναί· εἰθ' ἡ νῦν πόλις νησία  
 ἔχουσα προκειμένα ὀκτὼ γεωργοῦμενα· Κλαζομένιος  
 δ' ἦν ἀνὴρ ἐπιφανὴς Ἀναξαγόρας ὁ φυσικός, Ἀναξιμέ-  
 10 νους ὁμιλητὴς τοῦ Μιλησίου· διήκουσαν δὲ τούτου  
 Ἀρχέλαος ὁ φυσικός καὶ Εὐριπίδης ὁ ποιητής. εἰθ'  
 ἱερὸν Ἀπόλλωνος καὶ θερμὰ ὕδατα καὶ ὁ Συμυρναίων  
 κόλπος καὶ ἡ πόλις.

Ἐξῆς δὲ ἄλλος κόλπος, ἐν ᾧ ἡ παλαιὰ Σμύρνα ἀπὸ <sup>C.646</sup>  
 15 εἴκοσι σταδίων τῆς νῦν. Αὐδῶν δὲ κατασπασάντων  
 τὴν Σμύρναν περὶ τετρακόσια ἔτη διετελέσεν οἰκου-  
 μένη καμηδόν· εἰτα ἀνήγειρεν αὐτὴν Ἀντίγονος, καὶ  
 μετὰ ταῦτα Λυσίμαχος, καὶ νῦν ἐστι καλλίστη τῶν πα-  
 σῶν, μέρος μὲν τι ἔχουσα ἐπ' ὄρει τετειχισμένον, τὸ δὲ  
 20 πλεόν ἐν πεδίῳ πρὸς τῷ λιμένι καὶ πρὸς τῷ μητροφῷ  
 καὶ πρὸς γυμνασίῳ. ἔστι δ' ἡ ὀρυμοτομία διάφορος ἐπ'  
 εὐθειῶν εἰς δύναμιν καὶ αἱ ὁδοὶ λιθόστρωτοι στοαὶ τε  
 μεγάλαι τετράγωνοι, ἐπίπεδοί τε καὶ ὑπερῶοι· ἔστι δὲ  
 καὶ βιβλιοθήκη καὶ τὸ Ὀμήρειον, στοὰ τετράγωνος,  
 25 ἔχουσα νεῶν Ὀμήρου καὶ ξόανον· μεταποιοῦνται γὰρ  
 καὶ οὗτοι διαφερόντως τοῦ ποιητοῦ, καὶ δὴ καὶ νόμι-  
 σμά τι χαλκοῦν παρ' αὐτοῖς Ὀμήρειον λέγεται. ῥεῖ δὲ  
 πλησίον τοῦ τείχους ὁ Μέλης ποταμός. ἔστι δὲ πρὸς τῇ  
 ἄλλῃ κατασκευῇ τῆς πόλεως καὶ λιμὴν κλειστός. ἐν δ'  
 30 ἐλάττωμα τῶν ἀρχιτεκτόνων οὐ μικρόν, ὅτι τὰς ὁδοὺς  
 στορνύντες ὑπορρύσεις οὐκ ἔδωκαν αὐταῖς, ἀλλ' ἐπι-  
 πολάζει τὰ σκύβαλα καὶ μάλιστα ἐν τοῖς ὄμβροις ἐπ-

αφιεμένων τῶν ἀποσκευῶν. ἐνταῦθα Δολοβέλλας Τρεβόνιον ἐκπολιορκήσας ἀνείλεν, ἓνα τῶν δολοφονησάντων Καίσαρα τὸν θεόν, καὶ τῆς πόλεως παρῆλυσεν πολλὰ μέρη.

- 38 Μετὰ δὲ Σμύρναν αἱ Λεῦκαι πολίχνην, ὃ ἀπέδτη-  
 σεν Ἀριστόνικος μετὰ τὴν Ἀττάλου τοῦ φιλομήτορος  
 τελευτήν, δοκῶν τοῦ γένους εἶναι τοῦ τῶν βασιλέων  
 καὶ διανοούμενος εἰς ἑαυτὸν ποιεῖσθαι τὴν ἀρχήν· ἐν-  
 τεῦθεν μὲν οὖν ἐξέπεσεν ἡττηθεὶς ναυμαχίᾳ περὶ τὴν  
 Κυμαίαν ὑπὸ Ἐφεσίων, εἰς δὲ τὴν μεσόγαιαν ἀνιών 10  
 ἦθροισε διὰ ταχέων πλῆθος ἀπόρων τε ἀνθρώπων καὶ  
 δούλων ἐπ' ἐλευθερίᾳ κατακεκλημένων, οὓς Ἡλιοπο-  
 λίτας ἐκάλεσε. πρῶτον μὲν οὖν παρεισέπεσεν εἰς Θυά-  
 τειρα, εἰτ' Ἀπολλωνίδα ἔσχεν, εἰτ' ἄλλων ἐφίετο φρου-  
 ρίων· οὐ πολὺν δὲ διεγένετο χρόνον, ἀλλ' εὐθύς αἶτε 15  
 πόλεις ἔπεμψαν πλῆθος, καὶ Νικομήδης ὁ Βιθυνὸς  
 ἐπεκουήρησε καὶ οἱ τῶν Καππαδόκων βασιλεῖς. ἔπειτα  
 πρέσβεις Ῥωμαίων πέντε ἦκον, καὶ μετὰ ταῦτα στρατιὰ  
 καὶ ὕπατος Πόπλιος Κράσσος, καὶ μετὰ ταῦτα Μάρκος  
 Περπέρνας, ὃς καὶ κατέλυσεν τὸν πόλεμον ζωγρίᾳ λαβὼν 20  
 τὸν Ἀριστόνικον καὶ ἀναπέμψας εἰς Ῥώμην. ἐκεῖνος  
 μὲν οὖν ἐν τῷ δεσμωτηρίῳ κατέστρεψε τὸν βίον, Περ-  
 πέρναν δὲ νόσος διέφθειρε, Κράσσος δὲ περὶ Λεύκας  
 ἐπιθεμένων τινῶν ἔπεσεν ἐν μάχῃ. Μάνιος δ' Ἀκύλ-  
 λιος ἐπελθὼν ὕπατος μετὰ δέκα πρεσβευτῶν διέταξε 25  
 τὴν ἐπαρχίαν εἰς τὸ νῦν ἔτι συμμένον τῆς πολιτείας  
 σχῆμα.

- 0.647 Μετὰ δὲ Λεύκας Φώκαια ἐν κόλπῳ· περὶ δὲ ταύ-  
 της εἰρήκαμεν ἐν τῷ περὶ Μασσαλίας λόγῳ. εἰθ' οἱ  
 ὄροι τῶν Ἰωνῶν καὶ τῶν Αἰολέων· εἰρηται δὲ καὶ περὶ 30  
 τούτων. ἐν δὲ τῇ μεσογαίᾳ τῆς Ἰωνικῆς παραλίας λοιπά  
 ἔστι τὰ περὶ τὴν ὁδὸν τὴν ἐξ Ἐφέσου μέχρι Ἀντιοχείας



καὶ τοῦ Μαιάνδρου. ἔστι δὲ καὶ τὰ χωρία ταῦτα Λυδοῖς καὶ Καρσὶν ἐπίμικτα καὶ τοῖς Ἑλλήσι.

Πρώτη δ' ἐστὶν ἐξ Ἐφέσου Μαγνησία πόλις Αἰο- 39  
λῖς, λεγομένη δὲ ἐπὶ Μαιάνδρῳ· πλησίον γὰρ αὐτοῦ  
5 ἴδρυνται· πολὺ δὲ πλησιαίτερον ὁ Αἰθαῖος ἐμβάλλων  
εἰς τὸν Μαιάνδρον, τὴν δ' ἀρχὴν ἔχων ἀπὸ Πακτύου  
τοῦ τῶν Ἐφεσίων ὄρους· ἕτερος δ' ἐστὶ Αἰθαῖος ὁ ἐν  
Γορτύνῃ καὶ ὁ περὶ Τρίκην, ἐφ' ᾧ ὁ Ἀσκληπιὸς γεν-  
νηθῆναι λέγεται, καὶ ἔτι ἐν τοῖς Ἐσπερίταις Λίβυσι.  
10 κεῖται δ' ἐν πεδίῳ πρὸς ὄρει καλουμένῳ Θώρακι ἡ πό-  
λις, ἐφ' ᾧ σταυρωθῆναί φασι Δαφίταν τὸν γραμματι-  
κὸν λουδορήσαντα τοὺς βασιλέας διὰ διστίχου „πορ-  
„φύρεοι μώλωπες, ἀπορρινήματα γάξης Λυσιμάχου,  
„Αὐδῶν ἄρχετε καὶ Φρυγίης.“ καὶ λόγιον δ' ἐκπεσεῖν  
15 αὐτῷ λέγεται φυλάττεσθαι τὸν Θώρακα.

Δοκοῦσι δ' εἶναι Μάγνητες \* Δελφῶν ἀπόγονοι 40  
τῶν ἐποικησάντων τὰ Δίδυμα ὄρη ἐν Θετταλίᾳ, περὶ  
ᾧ φησιν Ἡσίοδος „ἢ οἷη Διδύμους ἱερὸς ναίου-  
„σα \* κολωνούς, Δωτίῳ ἐν πεδίῳ πολυβότρουος ἄντ'  
20 „Ἀμύροιο, νίψατο Βοιβιάδος λίμνης πόδα παρθένος  
„ἁδμής.“

Ἐνταῦθα δ' ἦν καὶ τὸ τῆς Δινδυμήνης ἱερὸν μη-  
τρὸς Θεῶν· ἱεράσασθαι δ' αὐτοῦ τὴν Θεμιστοκλέους  
γυναῖκα, οἱ δὲ θυγατέρα παραδιδόασιν· νῦν δ' οὐκ ἔστι  
25 τὸ ἱερὸν διὰ τὸ τὴν πόλιν εἰς ἄλλον μετῴκισθαι τόπον·  
ἐν δὲ τῇ νῦν πόλει τὸ τῆς Λευκοφρυγῆνης ἱερὸν ἔστιν  
Ἀρτέμιδος, ὃ τῷ μὲν μεγέθει τοῦ ναοῦ καὶ τῷ πλήθει  
τῶν ἀναθημάτων λείπεται τοῦ ἐν Ἐφέσῳ, τῇ δ' εὐ-  
ρουθμίᾳ καὶ τῇ τέχνῃ τῇ περὶ τὴν κατασκευὴν τοῦ ση-  
30 κοῦ πολὺ διαφέρει· καὶ τῷ μεγέθει ὑπεραίρει πάντας  
τοὺς ἐν Ἀσίᾳ πλὴν θυεῖν, τοῦ ἐν Ἐφέσῳ καὶ τοῦ ἐν Δι-  
δύμοις. καὶ τὸ παλαιὸν δὲ συνέβη τοῖς Μάγνησιν ὑπὸ

Τρηρῶν ἄρδην ἀναιρεθῆναι, Κιμμερικοῦ ἔθνους, εὐ-  
 τυχήσαντας πολὺν χρόνον, τὸ δ' ἐξῆς τοὺς Ἐφεσίους  
 κατασχεῖν τὸν τόπον. Καλλῖνος μὲν οὖν ὥς εὐτυχούν-  
 των ἔτι τῶν Μαγνήτων μέμνηται καὶ κατορθούντων  
 ἐν τῷ πρὸς τοὺς Ἐφεσίους πολέμῳ, Ἀρχίλοχος δὲ ἤδη 5  
 φαίνεται γνωρίζων τὴν γενομένην αὐτοῖς συμφορὰν  
 „κλαίει \* θάσων οὐ τὰ Μαγνήτων κακά.“ ἐξ οὗ καὶ  
 C.648[αὐ]τὸν νεώτερον εἶναι τοῦ Καλλίνου τεκμαίρεσθαι  
 πάρεστιν. ἄλλης δὲ τινος ἐφόδου τῶν Κιμμερίων μέ-  
 μνηται πρεσβυτέρας ὁ Καλλῖνος ἐπ' αὐτῇ „νῦν δ' ἐπὶ 10  
 „Κιμμερίων στρατὸς ἔρχεται ὀβριμοεργῶν,“ ἐν ᾗ τὴν  
 Σάρδεων ἄλωσιν δηλοῖ.

- 41 Ἄνδρες δ' ἐγένοντο γνώριμοι Μάγνητες Ἠγησίας  
 τε ὁ ῥήτωρ, ὃς ἤρξε μάλιστα τοῦ Ἀσιανοῦ λεγομένου  
 ξήλου παραφθείρας τὸ καθεστὼς ἔθος τὸ Ἀττικόν, καὶ 15  
 Σίμος ὁ μελοποιὸς παραφθείρας καὶ αὐτὸς τὴν τῶν  
 προτέρων μελοποιῶν ἀγωγὴν καὶ τὴν σιμωδίαν εἰσα-  
 γαγών (καθάπερ ἔτι μᾶλλον λυσιφδοὶ καὶ μαγρδοί),  
 καὶ Κλεόμαχος ὁ πύκτης, ὃς εἰς ἔρωτα ἐμπεσὼν κιναί-  
 δου τινὸς καὶ παιδίσκης ὑπὸ [τῷ] κιναίδῳ τρεφομένης 20  
 ἀπεμιμήσατο τὴν ἀγωγὴν τῶν παρὰ τοῖς κιναίδοις  
 διαλέκτων καὶ τῆς ἡθοποιίας· ἤρξε δὲ Σωτάδης μὲν  
 πρῶτος τοῦ κιναιδολογεῖν, ἔπειτα Ἀλέξανδρος ὁ Αἰτω-  
 λός· ἀλλ' οὗτοι μὲν ἐν ψιλῷ λόγῳ, μετὰ μέλους δὲ Αὐ-  
 σις, καὶ ἔτι πρότερος τούτου ὁ Σίμος. Ἀναξήνορα δὲ 25  
 τὸν κιθαρωδὸν ἐξῆρε μὲν καὶ τὰ θεάτρα, ἀλλ' ὅτι μά-  
 λιστα Ἀντώνιος, ὃς γε καὶ τεττάρων πόλεων ἀπέδειξε  
 φορολόγον στρατιώτας αὐτῷ συστήσας. καὶ ἡ πατρίς  
 δ' ἱκανῶς αὐτὸν ἠΐξῃσε πορφύραν ἐνδύσασα λερωμέ-  
 νου τοῦ σωσιπόλιδος Διός, καθάπερ καὶ ἡ γραπτὴ εἰ- 30  
 κὼν ἐμφανίζει ἢ ἐν τῇ ἀγορᾷ. ἔστι δὲ καὶ χαλκῇ εἰκὼν  
 ἐν τῷ θεάτρῳ ἐπιγραφὴν ἔχουσα „ἦτοι μὲν τόδε καλὸν



„ἀκουέμεν ἐστὶν ἀοιδοῦ τοιοῦδ’, οἷος ὅδ’ ἐστί, θεοῖς  
 „ἐναλίγκιος αὐδῇ.“ οὐ στοχασάμενος δὲ ὁ ἐπιγράψας τὸ  
 τελευταῖον γράμμα τοῦ δευτέρου ἔπους παρέλιπε τοῦ  
 πλάτους τῆς βάσεως μὴ συνεξαρκουῦντος, ὥστε τῆς πό-  
 5 λεως ἀμαθίαν καταγινώσκειν παρέσχε διὰ τὴν ἀμφι-  
 βολίαν τὴν περὶ τὴν γραφὴν, εἴτε τὴν ὀνομαστικὴν  
 δέχοιτο πτωσίαν τῆς ἐσχάτης προσηγορίας εἴτε τὴν δο-  
 τικὴν· πολλοὶ γὰρ χωρὶς τοῦ ι γράφουσι τὰς δοτικὰς,  
 καὶ ἐκβάλλουσι δὲ τὸ ἔθος φυσικὴν αἰτίαν οὐκ ἔχον.

- 10 Μετὰ δὲ Μαγνησίαν ἢ ἐπὶ Τράλλεις ἐστὶν ὁδὸς ἐν 42  
 ἀριστερᾷ μὲν τὴν Μεσσηνίδα ἔχουσιν, ἐν αὐτῇ δὲ τῇ  
 ὁδῷ καὶ ἐν δεξιᾷ τὸ Μαιάνδρου πεδίον, Αὐδῶν ἅμα  
 καὶ Καρῶν νεμομένων καὶ Ἰώνων Μιλησίων τε καὶ  
 Μυησίων, ἔτι δὲ Αἰολέων τῶν ἐν Μαγνησίᾳ· ὁ δ’ αὐ-  
 15 τὸς τρόπος τῆς τοποθεσίας καὶ μέχρι Νύσης καὶ Ἀν-  
 τιοχείας. Ἰδρυται δ’ ἡ μὲν τῶν Τραλλιανῶν πόλις ἐπὶ  
 τραπεζίου τινὸς ἄκραν ἔχοντος ἐρυμνῆν· καὶ τὰ κύκλω  
 δ’ ἱκανῶς εὐερκῇ· συνοικεῖται δὲ καλῶς εἰ τις ἄλληC.649  
 τῶν κατὰ τὴν Ἀσίαν ὑπὸ εὐπόρων ἀνθρώπων, καὶ αἰ-  
 20 τινες ἐξ αὐτῆς εἰσιν οἱ πρωτεύοντες κατὰ τὴν ἐπαρχίαν,  
 οὓς Ἀσιάρχας καλοῦσιν· ὧν Πυθόδωρός τε ἦν, ἀνὴρ  
 Νυσαεὺς τὸ ἐξ ἀρχῆς, ἐκεῖσε δὲ μεταβεβηκὼς διὰ τὴν  
 ἐπιφάνειαν καὶ ἐν τῇ πρὸς Πομπήιον φιλίᾳ διαπρέπων  
 μετ’ ὀλίγων· περιεβέβλητο δὲ καὶ οὐσίαν βασιλικὴν  
 25 πλειόνων ἢ δισχιλίων ταλάντων, ἣν ὑπὸ Καίσαρος τοῦ  
 θεοῦ πρᾶθεισαν διὰ τὴν πρὸς Πομπήιον φιλίαν ἐξωνη-  
 σάμενος οὐχ ἥττω τοῖς παισὶ κατέλιπε· τούτου δ’ ἐστὶ  
 θυγάτηρ Πυθόδωρος ἡ νῦν βασιλεύουσα ἐν τῷ Πόντῳ,  
 περὶ ἧς εἰρήκαμεν. οὗτός [τε] δὴ καθ’ ἡμᾶς ἤκμασε καὶ  
 30 Μηνόδωρος, ἀνὴρ λόγιος καὶ ἄλλως σεμνὸς καὶ βαρὺς,  
 ἔχων τὴν ἱερωσύνην τοῦ Διὸς τοῦ \* Λαρισαίου· κατε-  
 στασιάσθη δ’ ὑπὸ τῶν Δομετίου τοῦ Ἀηνοβάρβου φί-

λων, καὶ ἀνεῖλεν αὐτὸν ἐκεῖνος ὡς ἀφιστάντα τὸ ναυ-  
 τικόν, πιστεύσας τοῖς ἐνδειξαμένοις. ἐγένοντο δὲ καὶ  
 ῥήτορες ἐπιφανεῖς Διονυσοκλῆς τε καὶ μετὰ ταῦτα Δά-  
 μαστος ὁ σκόμβρος. κτίσμα δὲ φασιν εἶναι τὰς Τράλλεις  
 Ἀργείων καὶ τινων Θρακῶν Τραλλίων, ἀφ' ὧν τοῦ- 5  
 νομα. τυραννηθῆναι δ' ὀλίγον συνέπεσε χρόνον τὴν  
 πόλιν ὑπὸ τῶν Κρατίππου παίδων κατὰ τὰ Μιθρι-  
 δατικά.

- 43 Νῦσα δ' ἴδρυται πρὸς τῇ Μεσωγίδι τὸ πλέον τῷ  
 ὄρει προσανακεκλιμένη, ἔστι δ' ὥσπερ δίπολις· διαιρεῖ 10  
 γὰρ αὐτὴν χαράδρα τις ποιοῦσα φάραγγα, ἥς τὸ μὲν  
 γέφυραν ἐπικειμένην ἔχει συνάπτουσαν τὰς δύο πό-  
 λεις, τὸ δ' ἀμφιθεάτρῳ κεκόσμηται κρυπτὴν ἔχοντι  
 τὴν ὑπόρρυσιν τῶν χαραδρωδῶν ὑδάτων· τῷ δὲ θεά-  
 τρῳ δύο ἄκραι, ὧν τῇ μὲν ὑπόκειται τὸ γυμνάσιον τῶν 15  
 νέων, τῇ δ' ἄγορά καὶ τὸ γεροντικόν· πρὸς δὲ νότον  
 ὑποπέπτωκε τῇ πόλει τὸ πεδίον, καθάπερ καὶ ταῖς  
 Τράλλεσιν.

- 44 Ἐν δὲ τῇ ὁδῷ τῇ μεταξὺ τῶν Τράλλεων καὶ τῆς  
 Νύσης κώμη τῶν Νυσαέων ἐστὶν οὐκ ἄπωθεν τῆς πό- 20  
 λεως Ἀχάρακα, ἐν ἣ τὸ Πλουτώνιον ἔχον καὶ ἄλσος  
 πολυτελὲς καὶ νεῶν Πλούτωνός τε καὶ Κόρης, καὶ τὸ  
 Χαρώνιον ἄντρον ὑπερκείμενον τοῦ ἄλσους θανμα-  
 στὸν τῇ φύσει· λέγουσι γὰρ δὴ τοὺς νοσώδεις καὶ προσ-  
 ἔχοντας ταῖς πῶν θεῶν τούτων θεραπείαις φοιτᾶν 25  
 ἐκεῖσε καὶ διαιτᾶσθαι ἐν τῇ κώμῃ πλησίον τοῦ ἄντρον  
 παρὰ τοῖς ἐμπείροις τῶν ἱερέων, οἳ ἐγκοιμῶνται τε  
 ὑπὲρ αὐτῶν καὶ διατάττουσιν ἐκ τῶν ὀνείρων τὰς θε-  
 ραπείας. οὗτοι δ' εἰσὶ καὶ οἱ ἐπικαλοῦντες τὴν τῶν  
 θεῶν ἰατρείαν· ἄγουσι δὲ πολλάκις εἰς τὸ ἄντρον καὶ 30



ιδρύουσι μένοντας καθ' ἡσυχίαν ἐκεῖ καθάπερ ἐν φω-  
 λεῷ σιτίων χωρὶς ἐπὶ πλείους ἡμέρας. ἔστι δ' ὅτε καὶ C.650  
 ἰδίους ἐνυπνίοις οἱ νοσηλευόμενοι προσέχουσι, μυστα-  
 γωγοῖς δ' ὅμως καὶ συμβούλοις ἐκείνοις χρωῶνται ὥς ἂν  
 5 ἱερεῦσι· τοῖς δ' ἄλλοις ἄδυτός ἐστιν ὁ τόπος καὶ ὀλέ-  
 θριος. πανήγυρις δ' ἐν τοῖς Ἀχαράκοις συντελεῖται  
 κατ' ἔτος, καὶ τότε μάλιστα ὁρᾷν ἔστι καὶ ἀκούειν περὶ  
 τῶν νοσούντων τοὺς πανηγυρίζοντας· τότε δὲ καὶ περὶ  
 τὴν μεσημβρίαν ὑπολαβόντες ταῦρον οἱ ἐκ τοῦ γυμνα-  
 10 σίου νέοι καὶ ἔφηβοι γυμνοὶ λίπ' ἀλληλιμμένοι μετὰ  
 σπουδῆς ἀνακομίζουσιν εἰς τὸ ἄντρον· ἀφεθεὶς δὲ μι-  
 κρὸν προελθὼν πίπτει καὶ ἔκπνους γίνεται.

Ἀπὸ δὲ τριάκοντα σταδίων τῆς Νύσης ὑπερβάσι 45

\* Τρωῶλον τὸ ὄρος τὴν Μεσσηνίαν ἐπὶ τὰ πρὸς νότον  
 15 μέρη καλεῖται τόπος Λειμῶν, εἰς ὃν ἐξοδεύουσι πανη-  
 γυριοῦντες Νυσσεῖς καὶ οἱ κύκλῳ πάντες· οὐ πόρρω  
 δὲ τούτου στόμιόν ἐστιν ἱερὸν τῶν αὐτῶν θεῶν, ὃ φασὶ  
 καθήκειν μέχρι τῶν Ἀχαράκων. τοῦτον δὲ τὸν λει-  
 μῶνα ὀνομάζειν τὸν ποιητὴν φασιν ὅταν φῇ „Ἀσίῳ ἐν  
 20 „λειμῶνι,“ δεικνύντες Καῦστρίου καὶ Ἀσίου τινὸς  
 ἡρώων καὶ τὸν Κάυστρον πλησίον ἀπορρέοντα.

Ἰστοροῦσι δὲ τρεῖς ἀδελφοὺς, Ἀθυμβρόν τε καὶ 46  
 Ἀθύμβραδον καὶ Ὑδρηλον, ἐλθόντας ἐκ Λακεδαιμόνος  
 τὰς ἐπωνύμους ἑαυτῶν κτίσαι πόλεις, λειπανδρῆσαι δ'  
 25 ὕστερον, ἐξ ἐκείνων δὲ συνοικισθῆναι τὴν Νῦσαν·  
 καὶ νῦν Ἀθυμβρον ἀρχηγέτην νομίζουσιν οἱ Νυσσεῖς.

Περίκεινται δὲ ἀξιόλογοι κατοικίαι πέραν τοῦ 47  
 Μαιάνδρου, Κοσκίνια καὶ Ὀρθωσία· ἐντὸς δὲ Βορίουλα  
 Μάσταυρα Ἀχάρακα καὶ ὑπὲρ τῆς πόλεως ἐν τῷ ὄρει  
 30 τὰ Ἀρομα, ὅθεν ἄριστος Μεσσηνίτης οἶνος ὁ Ἀρομεύς.

48 Ἄνδρες δὲ γερόνασιν ἐνδοξοὶ Νυσαεῖς Ἀπολλώ-  
νιος τε ὁ στωικὸς φιλόσοφος τῶν Παναϊτίου γνωρίμων  
ἄριστος, καὶ Μενεκράτης Ἀριστάρχου μαθητής, καὶ  
Ἀριστόδημος ἐκείνου υἱός, οὗ διηκούσαμεν ἡμεῖς ἐσχα-  
τόγηρῳ νέοι παντελῶς ἐν τῇ Νύσῃ· καὶ Σώστρατος δὲ 5  
ὁ ἀδελφὸς τοῦ Ἀριστοδήμου καὶ ἄλλος Ἀριστόδημος  
ἀνεψιὸς αὐτοῦ ὁ παιδεύσας Μάγνον Πομπήιον ἀξιό-  
λογοι γερόνασι γραμματικοί· ὁ δ' ἡμέτερος καὶ ἐρρη-  
τόρευε καὶ ἐν τῇ Ῥόδῳ καὶ ἐν τῇ πατρίδι δύο σχολὰς  
συνεῖχε, πρῶτὴ μὲν τὴν ῥητορικὴν δειλῆς δὲ τὴν γραμ- 10  
ματικὴν σχολήν· ἐν δὲ τῇ Ῥώμῃ τῶν Μάγνου παίδων  
ἐπιστατῶν ἠρκεῖτο τῇ γραμματικῇ σχολῇ.

2 Τὰ δὲ πέραν ἤδη τοῦ Μαιάνδρου τὰ λειπόμενα  
C.651 τῆς περιοδείας πάντ' ἐστὶ Καρικά, οὐκέτι τοῖς Ἀνδοῖς  
ἐπιμεμιγμένων ἐνταῦθα τῶν Καρῶν ἄλλ' ἤδη καθ' 15  
αὐτοὺς ὄντων, πλὴν εἴ τι Μιλήσιοι καὶ Μνούσιοι τῆς  
παραλίας ἀποτέμνεται. ἀρχὴ μὲν οὖν τῆς Καρίας  
ἐστὶν ἡ τῶν Ῥοδίων περαία πρὸς θαλάττης, τέλος δὲ τὸ  
Ποσειδίου τῶν Μιλησίων, ἐν δὲ τῇ μεσογαίᾳ τὰ ἄκρα  
τοῦ Ταύρου μέχρι Μαιάνδρου. λέγουσι γὰρ ἀρχὴν 20  
εἶναι τοῦ Ταύρου τὰ ὑπερκεείμενα ὄρη τῶν Χελιδονίων  
καλουμένων νήσων, αἵπερ ἐν μεθορίῳ τῆς Παμφυλίας  
καὶ τῆς Λυκίας πρόκεινται· ἐντεῦθεν γὰρ ἐξαίρεται  
πρὸς ὕψος ὁ Ταῦρος· τὸ δ' ἀληθὲς καὶ τὴν Λυκίαν  
ἅπασαν ὄρεινὴ ῥάχισ τοῦ Ταύρου διείργει πρὸς τὰ 25  
ἐκτὸς καὶ τὸ νότιον μέρος ἀπὸ τῶν Κιβυρατικῶν μέχρι  
τῆς περαίας τῶν Ῥοδίων. ἀνταῦθα δ' ἐστὶ συνεχῆς  
ὄρεινὴ, πολὺ μέντοι ταπεινότερα καὶ οὐκέτι τοῦ Ταύ-  
ρου νομίζεται, οὐδὲ τὰ μὲν ἐκτὸς αὐτοῦ τὰ δ' ἐντός, διὰ  
τὸ σποράδας εἶναι τὰς ἐξοχὰς καὶ τὰς εἰσοχὰς ἐπίσης 30  
\* τε πλάτος καὶ μῆκος τῆς χώρας ἀπάσης καὶ μηδὲν  
ἔχειν ὅμοιον διατειχίσματι. ἔστι δ' ἅπας μὲν ὁ περί-



πλους κατακολπίζοντι σταδίων τετρακισχιλίων ἑνακο-  
σίων, αὐτὸς δὲ ὁ τῆς περαίας τῶν Ῥοδίων ἐγγὺς χιλίων  
καὶ πεντακοσίων.

Ἀρχὴ δὲ τὰ Δαίδαλα τῆς Ῥοδίας χωρίον, πέρας δὲ 2  
5 τὸ καλούμενον ὄρος Φοίνιξ, καὶ τοῦτο τῆς Ῥοδίας.  
πρόκειται δ' Ἐλαιούσσα νῆσος διέχουσα τῆς Ῥόδου  
σταδίους ἑκατὸν εἴκοσι. μεταξὺ δὲ πρῶτον μὲν ἀπὸ  
Δαιδάλων πλέουσιν ἐπὶ τὴν δύσιν ἐπ' εὐθείας τῇ ἐκ  
Κιλικίας καὶ Παμφυλίας καὶ Λυκίας παραλίᾳ κόλπος  
10 ἔστιν εὐλίμενος Γλαῦκος καλούμενος, εἶτα τὸ Ἀρτεμί-  
σιον ἄκρα καὶ ἱερόν, εἶτα τὸ Δητῶν ἄλσος· ὑπὲρ αὐ-  
τοῦ δὲ καὶ τῆς θαλάττης ἐν ἐξήκοντα σταδίοις Κάλυνδα  
πόλις· εἶτα Καῦνος καὶ ποταμὸς πλησίον Κάλβις βα-  
θὺς ἔχων εἰσαγωγὴν, καὶ μεταξὺ Πίσιλις.  
15 Ἔχει δ' ἡ πόλις νεώρια καὶ λιμένα κλειστόν· ὑπὲρ 3  
κεῖται δὲ τῆς πόλεως ἐν ὕψει φρούριον Ἰμβρος. τῆς δὲ  
χώρας εὐδαίμονος οὔσης ἡ πόλις τοῦ θέρους ὁμολο-  
γεῖται παρὰ πάντων εἶναι δυσάερος καὶ τοῦ μετο-  
πώρου . . . διὰ τὰ καύματα καὶ τὴν ἀφθονίαν τῶν  
20 ὥραίων· καὶ δὴ καὶ τὰ τοιαῦτα διηγημάτια θρυλεῖται,  
ὅτι Στρατόνικος ὁ κιθαριστὴς ἰδὼν \* ἐπιμελῶς χλω-  
ροὺς τοὺς Καυνίους, τοῦτ' εἶναι ἔφη τὸ τοῦ ποιητοῦ  
„οἷα περ φύλλων γενεή, τοιήδε καὶ ἀνδρῶν.“ μεμφο-  
μένων δὲ ὡς σκώπτοιο αὐτῷ ἡ πόλις ὡς νοσερά „ἐγώ“  
25 ἔφη „ταύτην θαρρήσαιμ' ἂν λέγειν νοσεράν, ὅπου καὶ  
„οἱ νεκροὶ περιπατοῦσιν;“ ἀπέστησαν δέ ποτε Καύ-C.652  
νιοι τῶν Ῥοδίων· κριθέντες δ' ἐπὶ τῶν Ῥωμαίων ἀπε-  
λήφθησαν πάλιν· καὶ ἔστι λόγος Μόλωνος κατὰ Καυ-  
νίων. φασὶ δ' αὐτοὺς ὁμογλώττους μὲν εἶναι τοῖς  
30 Καρσίν, ἀφίχθαι δ' ἐκ Κρήτης καὶ χρῆσθαι νόμοις  
ιδίοις.

Ἐξῆς δὲ Φύσκος πολίχνη λιμένα ἔχουσα καὶ ἄλσος 4

Λητῶν· εἶτα Λώρυμα παραλία τραχεῖα, καὶ ὄρος ὑψηλότετον τῶν ταύτῃ (ἐπ' ἄκρῳ δὲ φρούριον ὁμώνυμον τῷ ὄρει) Φοῖνιξ· πρόκειται δ' ἡ Ἐλαιουῖσσα νήσος ἐν τέτταρσι σταδίοις κύκλον ἔχουσα ὅσον ὀκτωστάδιον.

- 5 Ἡ δὲ τῶν Ῥοδίων πόλις κεῖται μὲν ἐπὶ τοῦ ἑωθινοῦ 5  
 ἀκρωτηρίου, λιμέσι δὲ καὶ ὁδοῖς καὶ τείχεσι καὶ τῇ ἄλλῃ  
 κατασκευῇ τοσοῦτον διαφέρει τῶν ἄλλων ὥστ' οὐκ ἔχο-  
 μεν εἰπεῖν ἑτέραν ἄλλ' οὐδὲ ἀρίστον, μή τί γε κρείττω  
 ταύτης τῆς πόλεως. θαυμαστή δὲ καὶ ἡ εὐνομία καὶ ἡ  
 ἐπιμέλεια πρὸς τε τὴν ἄλλην πολιτείαν καὶ τὴν περὶ τὰ 10  
 ναυτικά, ἀφ' ἧς ἐθαλαττοκράτησε πολὺν χρόνον καὶ τὰ  
 ληστήρια καθεῖλε καὶ Ῥωμαίοις ἐγένετο φίλη καὶ τῶν  
 βασιλέων τοῖς φιλορωμαίοις τε καὶ φιλέλλησιν· ἀφ'  
 ὧν αὐτόνομός τε διετέλεσε καὶ πολλοῖς ἀναθημάσιν  
 ἐκοσμήθη, ἃ κεῖται τὰ μὲν πλεῖστα ἐν τῷ Διονυσίῳ 15  
 καὶ τῷ γυμνασίῳ, ἄλλα δ' ἐν ἄλλοις τόποις. ἄριστα δὲ  
 ὅ τε τοῦ Ἥλιου κολοσσός, ὃν φησιν ὁ ποιήσας τὸ ἱαμ-  
 βεῖον ὅτι „ἐπτάκις δέκα Χάρης ἐποίει πηχέων ὁ Αἰν-  
 „διος.“ κεῖται δὲ νῦν ὑπὸ σεισμοῦ πεσὼν περικλα-  
 σθεὶς ἀπὸ τῶν γονάτων· οὐκ ἀνέστησαν δ' αὐτὸν κατὰ 20  
 τι λόγιον. τοῦτό τε δὴ τῶν ἀναθημάτων κράτιστον  
 (τῶν γοῦν ἐπτὰ θεαμάτων ὁμολογεῖται) καὶ αἱ τοῦ  
 Πρωτογένους γραφαί, ὅ τε Ἰάλυσος καὶ ὁ Σάτυρος πα-  
 ρεστῶς στύλῳ, ἐπὶ δὲ τῷ στύλῳ πέριξ ἐφειστήκει,  
 πρὸς ὃν οὕτως ἐκεκίνησαν ὥς ἔοικεν οἱ ἄνθρωποι 25  
 νεωστὶ ἀνακειμένου τοῦ πίνακος, ὥστ' ἐκείνον ἐθαύ-  
 μαζον, ὁ δὲ Σάτυρος παρεωρᾶτο καίτοι σφόδρα κα-  
 ταρθωμένος· ἐξέπληττον δ' ἔτι μᾶλλον οἱ περδικο-  
 τρόφοι κομίζοντες τοὺς τιθασοὺς καὶ τιθέντες καταν-  
 τικρὺ· ἐφθέγγοντο γὰρ πρὸς τὴν γραφὴν οἱ πέρδικες 30  
 καὶ ὠχλαγώγουν. ὁρῶν δὲ ὁ Πρωτογένης τὸ ἔργον πά-  
 ρεργον γεγρονὸς ἐδεήθη τῶν τοῦ τεμένους προεστώτων



ἐπιτρέψαι παρελθόντα ἐξαλεῖψαι τὸν ὄρνιν καὶ ἐποίησε.  
 δημοκηδεῖς δ' εἰσὶν οἱ Ῥόδιοι καίπερ οὐ δημοκρατού-  
 μενοι, συνέχειν δ' ὅμως βουλόμενοι τὸ τῶν πενήτων  
 πληθος. σιταρχεῖται δὴ ὁ δῆμος καὶ οἱ εὐποροὶ τοὺς C.653  
 5 ἐνδεεῖς ὑπολαμβάνουσιν ἔθει τινὶ πατρίῳ, λειτουργίαι  
 τέ τινές εἰσιν\* ὁψωνιαζόμενοι, ὥσθ' ἅμα τὸν τε πένητα  
 ἔχειν τὴν διατροφὴν καὶ τὴν πόλιν τῶν χρεῶν μὴ κα-  
 θυστερεῖν καὶ μάλιστα πρὸς τὰς ναυστολίας. τῶν δὲ  
 ναυστάθμων τινὰ καὶ κρυπτὰ ἦν καὶ ἀπόρρητα τοῖς  
 10 πολλοῖς, τῷ δὲ κατοπτεύσαντι ἢ παρελθόντι εἴσω θά-  
 νατος ὥριστο ἢ ζημία. κἀνταῦθα δὲ ὥσπερ ἐν Μασσα-  
 λία καὶ Κυζίκῳ τὰ περὶ τοὺς ἀρχιτέκτονας καὶ τὰς ὀρ-  
 γανοποιίας καὶ θησαυροὺς ὀπλων τε καὶ τῶν ἄλλων  
 ἐσπούδασται διαφερόντως, καὶ ἔτι γε τῶν παρ' ἄλλοις  
 15 μᾶλλον.

Δωριεῖς δ' εἰσὶν ὥσπερ καὶ Ἀλικαρνασεῖς καὶ Κνί- 6  
 διοὶ καὶ Κῳοί. οἱ γὰρ Δωριεῖς οἱ τὰ Μέγαρα κτίσαντες  
 μετὰ τὴν Κόδρου τελευτὴν οἱ μὲν ἔμειναν αὐτόθι, οἱ  
 δὲ σὺν Ἀλθαίμεινι τῷ Ἀργεῖῳ τῆς εἰς Κρήτην ἀποικίας  
 20 ἐκοινώνησαν, οἱ δ' εἰς τὴν Ῥόδον καὶ τὰς λεχθεῖσας  
 ἀρτίως πόλεις ἐμερίσθησαν. ταῦτα δὲ νεώτερα τῶν ὑφ'  
 Ὅμηρου λεγομένων ἐστί· Κνίδος μὲν γὰρ καὶ Ἀλικαρ-  
 νασὸς οὐδ' ἦν πω, Ῥόδος δ' ἦν καὶ Κῳς, ἀλλ' ὠκεῖτο  
 ὑφ' Ἡρακλειδῶν. Τληπόλεμος μὲν οὖν ἀνδρωθεῖς  
 25 „αὐτίκα πατρὸς ἑοῖο φίλον μήτρωα κατέκτα ἥδη γη-  
 „ράσκοντα, Δικύμνιον. αἶψα δὲ νῆας ἔπηξε, πολὺν δ'  
 „ὄγε λαὸν ἀγείρας βῆ φεύγων.“ εἰτά φησιν „εἰς Ῥόδον  
 „ἔξεν ἀλώμενος,“ „τριχθὰ δὲ ὤκηθεν καταφυλαδόν.“  
 καὶ τὰς πόλεις ὀνομάζει τὰς τότε „Λίνδον Ἰηλυσὸν τε  
 30 „καὶ ἀργινόεντα Κάμειρον,“ τῆς Ῥοδίων πόλεως οὕτω  
 συνφωτισμένης. οὐδαμοῦ δὲ ἐνταῦθα Δωριέας ὀνομά-  
 ζει, ἀλλ' εἰ ἄρα Αἰολέας ἐμφαίνει καὶ Βοιωτούς, εἴπερ

ἐκεῖ ἡ κατοικία τοῦ Ἡρακλέους καὶ τοῦ Λικυμνίου· εἰ δ' ὥσπερ καὶ ἄλλοι φασίν, ἐξ Ἄργους καὶ Τίρυνθος ἀπῆρεν ὁ Τληπόλεμος, οὐδ' οὕτω Δωρικὴ γίνεται ἡ ἐκεῖθεν ἀποικία· πρὸ γὰρ τῆς Ἡρακλειδῶν καθόδου γεγένηται. καὶ τῶν Κῶων δὲ „Φείδιππός τε καὶ Ἄντι- 5 „φος ἡγησάσθην, Θεσσαλοῦ νῆε δ' ὡς Ἡρακλείδαο ἀνα- „κτος,“ καὶ οὗτοι τὸ Αἰολικὸν μᾶλλον ἢ τὸ Δωρικὸν γένος ἐμφαίνοντες.

7 Ἐκαλεῖτο δ' ἡ Ῥόδος πρότερον Ὀφιοῦσσα καὶ Στα-  
δία, εἶτα Τελχινὺς ἀπὸ τῶν οἰκησάντων Τελχίνων τὴν 10  
C.654 νῆσον, οὗς οἱ μὲν βασκανοὺς φασὶ καὶ γόητας \* θείῳ  
καταρρέοντας τὸ τῆς Στυγὸς ὕδωρ ζῶων τε καὶ φυτῶν  
ὀλέθρου χάριν, οἱ δὲ τέχναις διαφέροντας τοῦναντίον  
ὑπὸ τῶν ἀντιτέχνων βασκανθῆναι καὶ τῆς δυσφημίας  
τυχεῖν ταύτης, ἐλθεῖν δ' ἐκ Κρήτης εἰς Κύπρον πρῶ- 15  
τον, εἴτ' εἰς Ῥόδον, πρῶτους δ' ἐργάσασθαι σίδηρόν  
τε καὶ χαλκόν, καὶ δὴ καὶ τὴν ἄρπην τῷ Κρόνῳ δη-  
μιουργῆσαι. εἴρηται μὲν οὖν καὶ πρότερον περὶ αὐτῶν,  
ἀλλὰ ποιεῖ τὸ πολύμυθον ἀναλαμβάνειν πάλιν ἀνα-  
πληροῦντας εἴ τι παρελίπομεν. 20

8 Μετὰ δὲ τοὺς Τελχίνας οἱ Ἡλιάδαι μυθεύονται  
κατασχεῖν τὴν νῆσον, ὧν ἑνὸς Κερκάρου καὶ Κυδίπ-  
πης γενέσθαι παῖδας τοὺς τὰς πόλεις κτίσαντας ἐπω-  
νύμους αὐτῶν „Λίνδον Ἰηλυσὸν τε καὶ Ἀργινόεντα  
„Κάμειρον.“ ἔνιοι δὲ τὸν Τληπόλεμον κτίσαι φασί, 25  
θέσθαι δὲ τὰ ὀνόματα ὁμωνύμως τῶν Δαναοῦ θυγα-  
τέρων τισίν.

9 Ἡ δὲ νῦν πόλις ἐκτίσθη κατὰ τὰ Πελοποννησιακὰ  
ὑπὸ τοῦ αὐτοῦ ἀρχιτέκτονος, ὥς φασιν, ὑφ' οὗ καὶ ὁ  
Πειραιεύς· οὐ συμμένει δ' ὁ Πειραιεύς, κακωθεὶς ὑπὸ 30  
τε Λακεδαιμονίων πρότερον τῶν τὰ σκέλη καθελόντων  
καὶ ὑπὸ Σύλλα τοῦ Ῥωμαίων ἡγεμόνος.



Ἰστοροῦσι δὲ καὶ ταῦτα περὶ τῶν Ῥοδίων, ὅτι οὐ 10  
μόνον ἀφ' οὗ χρόνου συνώκισαν τὴν νῦν πόλιν εὐτύ-  
χουν κατὰ θάλατταν, ἀλλὰ καὶ πρὸ τῆς Ὀλυμπικῆς θέ-  
σεως συχνοῖς ἔτεσιν ἔπλεον πόρρω τῆς οἰκείας ἐπὶ σω-  
5 τηρίᾳ τῶν ἀνθρώπων· ἀφ' οὗ καὶ μέχρι Ἰβηρίας ἔπλευ-  
σαν, καὶ κεῖ μὲν τὴν Ῥόδην ἔκτισαν ἣν ὕστερον Μασσα-  
λιῶται κατέσχον, ἐν δὲ τοῖς Ὀπικοῖς τὴν Παρθενόπην,  
ἐν δὲ Δαννίοις μετὰ Κρώνων Ἑλπίας. τινὲς δὲ μετὰ τὴν  
ἐκ Τροίας ἄφοδον τὰς Γυμνησίας νήσους ὑπ' αὐτῶν  
10 κτισθῆναι λέγουσιν, ὧν τὴν μείζω φησὶ Τίμαιος με-  
γίστην εἶναι μετὰ τὰς ἑπτὰ, Σαρδὼ Σικελίαν Κύπρον  
Κρήτην Εὐβοίαν Κύρνον Λέσβον, οὐ τὰ ληθῆ λέγων·  
πολὺ γὰρ ἄλλαι μείζους. τινὲς δὲ τῶν Ῥοδίων καὶ περὶ  
Σύβαριν ὥκησαν κατὰ τὴν Χωνίαν. ἔοικε δὲ καὶ ὁ  
15 ποιητὴς μαρτυρεῖν τὴν ἐκ παλαιοῦ παροῦσαν τοῖς Ῥο-  
δίοις εὐδαιμονίαν εὐθύς ἀπὸ τῆς πρώτης κτίσεως τῶν  
τριῶν πόλεων „τριχθὰ δὲ ὥκηθεν καταφυλαδόν, ἡδ'  
„ἐφίληθεν ἐκ Διός, ὅστε θεοῖσι καὶ ἀνθρώποισιν ἀνάσ-  
„σει, καὶ σφιν θεσπέσιον πλοῦτον κατέχευε Κρονίων.“  
20 οἱ δ' εἰς μῦθον ἀνήγαγον τὸ ἔπος καὶ χρυσὸν ὑσθῆναι C. 655  
φασιν ἐν τῇ νήσῳ κατὰ τὴν Ἀθηνᾶς γένεσιν ἐκ τῆς κε-  
φαλῆς τοῦ Διός, ὡς εἶρηκε Πίνδαρος. ἡ δὲ νῆσος  
κύκλον ἔχει σταδίων ἑνακοσίων εἴκοσιν.

Ἔστι δὲ πρώτη μὲν Αἰνδος ἀπὸ τῆς πόλεως πλέου- 11  
25 σιν ἐν δεξιᾷ ἔχουσι τὴν νῆσον, πόλις ἐπὶ ὄρους ἰδρυ-  
μένη, πολὺ πρὸς μεσημβρίαν ἀνατείνουσα καὶ πρὸς  
Ἀλεξάνδρειαν μάλιστα· ἱερὸν δέ ἐστιν Ἀθηνᾶς Αἰνδίας  
αὐτόθι ἐπιφανὲς τῶν Δαναΐδων ἱδρυμα. πρότερον  
μὲν οὖν καθ' αὐτοὺς ἐπολιτεύοντο οἱ Αἰνδιοι, καθάπερ

13. post μείζους: φασὶ δὲ τοὺς γυμνήτας ὑπὸ Φοινίκων βα-  
λεαρίδας λέγεσθαι, διότι τὰς Γυμνασίας Βαλαρίδας λεχθῆναι.

καὶ Καμειρεῖς καὶ Ἰαλύσιοι, μετὰ ταῦτα δὲ συνῆλθον ἅπαντες εἰς τὴν Ῥόδον. ἐντεῦθεν δ' ἐστὶν εἰς τῶν ἑπτὰ σοφῶν Κλεόβουλος.

- 12 Μετὰ δὲ Λίνδον Ἰξία χωρίον καὶ Μνασύριον· εἶθ' ὁ Ἀτάβυρις, ὅρος τῶν ἐνταῦθα ὑψηλότατον, ἱερὸν 5 Διὸς Ἀταβυρίου· εἶτα Κάμειρος· εἶτ' Ἰαλυσὸς κώμη, καὶ ὑπὲρ αὐτὴν ἀκρόπολις ἐστὶν Ὀχύρωμα καλουμένη· εἶθ' ἡ τῶν Ῥοδίων πόλις ἐν ὀγδοήκοντά που σταδίοις. μεταξὺ δ' ἐστὶ τὸ Θεάντειον ἀκτὴ τις, ἧς μάλιστα πρό- 10 κεινται αἱ Σποράδες αἱ περὶ τὴν Χαλκίαν, ὧν ἐμνή- σθημεν πρότερον.

- 13 Ἄνδρες δ' ἐγένοντο μνήμης ἄξιοι πολλοὶ στρατηλάται τε καὶ ἀθληταί, ὧν εἰσὶ καὶ οἱ Παναϊτίου τοῦ φιλοσόφου πρόγονοι· τῶν δὲ πολιτικῶν καὶ τῶν περὶ λόγους καὶ φιλοσοφίαν ὅ τε Παναίτιος αὐτὸς καὶ Στρα- 15 τοκλῆς καὶ Ἀνδρόνικος ὁ ἐκ τῶν περιπάτων καὶ Λεωνίδης ὁ στωικός, ἔτι δὲ πρότερον Πραξιφάνης καὶ Ἰερώνυμος καὶ Εὐδημος. Ποσειδώνιος δ' ἐπολιτεύσατο μὲν ἐν Ῥόδῳ καὶ ἐσοφίστευσεν, ἣν δ' Ἀπαμεὺς ἐκ τῆς Συρίας, καθάπερ καὶ Ἀπολλώνιος ὁ μαλακὸς καὶ Μό- 20 λων, ἧσαν δὲ Ἀλαβανδεῖς, Μενεκλέους μαθηταὶ τοῦ ῥήτορος. ἐπεδήμησε δὲ πρότερον Ἀπολλώνιος, ὃς δ' ἦκεν ὁ Μόλων, καὶ ἔφη πρὸς αὐτὸν ἐκεῖνος „ὄψὲ μο- „λῶν“ ἀντὶ τοῦ ἐλθῶν· καὶ Πείσανδρος δ' ὁ τὴν Ἡρά- κλειαν γράψας ποιητῆς Ῥόδιος, καὶ Σιμμίας ὁ γραμμα- 25 τικὸς καὶ Ἀριστοκλῆς ὁ καθ' ἡμᾶς· Διονύσιος δὲ ὁ Θραξ καὶ Ἀπολλώνιος ὁ τοὺς Ἀργοναύτας ποιήσας Ἀλεξανδρεῖς μὲν, ἐκαλοῦντο δὲ Ῥόδιοι. περὶ μὲν Ῥόδου ἀποχρώντως εἴρηται.

- 14 Πάλιν δὲ τῆς Καρικῆς παραλίας τῆς μετὰ τὴν 30 Ῥόδον ἀπὸ Ἐλαιούντος καὶ τῶν Λωρύνων καμπτήρ τις ἐπὶ τὰς ἄρκτους ἐστί, καὶ λοιπὸν ἐπ' εὐθείας ὁ πλοῦς



μέχρι τῆς Προποντίδος, ὥς ἂν μεσημβρινήν τινα ποιῶν γραμμὴν ὅσον πεντακισχιλίων σταδίων ἢ μικρὸν ἀπολείπουσαν. ἐνταῦθα δ' ἐστὶν ἡ λοιπὴ τῆς Καρίας καὶ Ἰωνες καὶ Αἰολεῖς καὶ Τροία καὶ τὰ περὶ Κύζικον καὶ 5 Βυζάντιον.

Μετὰ δ' οὖν τὰ Λώρυμα τὸ Κυνὸς σῆμα ἔστι καὶ C.656

Σύμη νῆσος. εἶτα Κνίδος δύο λιμένας ἔχουσα, ὧν τὸν 15 ἕτερον κλειστὸν τριηρικὸν καὶ ναύσταθμον ναυσὶν εἰκοσι. πρόκειται δὲ νῆσος ἑπταστάδιός πως τὴν περι-  
10 μετρον ὑψηλὴ θεατροειδὴς συναπτομένη χώμασι πρὸς τὴν ἡπειρον καὶ ποιοῦσα δίπολιν τρόπον τινὰ τὴν Κνίδον· πολὺ γὰρ αὐτῆς μέρος οἰκεῖ τὴν νῆσον σκεπάζουσιν ἀμφοτέρους τοὺς λιμένας. κατ' αὐτὴν δ' ἔστιν ἡ Νίσυρος πελαγία. ἄνδρες δ' ἀξιόλογοι Κνίδιοι  
15 πρῶτον μὲν Εὐδοξος ὁ μαθηματικὸς τῶν Πλάτωνος ἐταίρων, εἶτ' Ἀγαθαρχίδης ὁ ἐκ τῶν περιπάτων, ἀνὴρ συγγραφεύς, καθ' ἡμᾶς δὲ Θεόπομπος, ὁ Καίσαρος τοῦ θεοῦ φίλος τῶν μέγα δυναμένων, καὶ υἱὸς Ἀρτεμίδωρος. ἐντεῦθεν δὲ καὶ Κτησίας ὁ ἰατρεύσας μὲν  
20 Ἀρταξέρξη, συγγράψας δὲ τὰ Ἀσσυρικὰ καὶ τὰ Περσικά. εἶτα μετὰ Κνίδον Κέραμος καὶ Βάργασα πολίχνη ὑπὲρ θαλάττης.

Εἰθ' Ἀλικαρνασός, τὸ βασίλειον τῶν τῆς Καρίας 16 δυναστῶν, Ζεφυρία καλουμένη πρότερον. ἐνταῦθα δ'  
25 ἐστὶν ὅτε τοῦ Μανσώλου τάφος, [ἐν] τῶν ἐπὶ θεαμάτων, .... ἔργον, ὅπερ Ἀρτεμισία τῷ ἀνδρὶ κατεσκεύασε, καὶ ἡ Σαλμακίς κρήνη, διαβεβλημένη οὐκ οἶδ' ὁπόθεν ὥς μαλακίζουσα τοὺς πiónτας ἀπ' αὐτῆς. ἔοικε δ' ἡ τρυφή τῶν ἀνθρώπων αἰτιασθαι τοὺς ἀέρας ἢ τὰ ὕδατα·  
30 τρυφῆς δ' αἷτια οὐ ταῦτα, ἀλλὰ πλοῦτος καὶ ἡ περὶ τὰς διαίτας ἀκολασία. ἔχει δ' ἀκρόπολιν ἡ Ἀλικαρνασός· πρόκειται δ' αὐτῆς ἡ Ἀρκόνησος. οἰκισταὶ δ' αὐ-

τῆς ἐγένοντο ἄλλοι τε καὶ Ἄνθης μετὰ Τροιξηνίων. ἄνδρες δὲ γερόνασιν ἐξ αὐτῆς Ἡρόδοτός τε ὁ συγγραφεύς, ὃν ὕστερον Θούριον ἐκάλεσαν διὰ τὸ κοινωνῆσαι τῆς εἰς Θουρίους ἀποικίας, καὶ Ἡράκλειτος ὁ ποιητῆς ὁ Καλλιμάχου ἐταῖρος, καὶ καθ' ἡμᾶς Διονύσιος ὁ 5 συγγραφεύς.

- 17 Ἐπταισε δὲ καὶ αὕτη ἡ πόλις βίᾳ ληφθεῖσα ὑπὸ Ἀλεξάνδρου. Ἐκατόμνω γὰρ τοῦ Καρῶν βασιλέως ἦσαν υἱοὶ τρεῖς, Μαύσωλος καὶ Ἰδριεὺς καὶ Πιζώδαρος, καὶ θυγατέρες δύο, ὧν τῇ πρεσβυτέρᾳ Ἀρτεμισίᾳ Μαύ- 10 σωλος συνώκησεν ὁ πρεσβύτατος τῶν ἀδελφῶν, ὁ δὲ δεύτερος Ἰδριεὺς Ἄδα τῇ ἑτέρᾳ ἀδελφῇ· ἐβασίλευσε δὲ Μαύσωλος· τελευτῶν δ' αἵτεκνος τὴν ἀρχὴν κατέλιπε τῇ γυναικί, ὑφ' ἧς αὐτῷ κατεσκευάσθη ὁ λεχθεὶς τάφος· φθίσει δ' ἀποθανούσης διὰ πένθος τοῦ ἀνδρὸς 15 Ἰδριεὺς ἤρξε· καὶ τοῦτον ἡ γυνὴ Ἄδα διεδέξατο νόσῳ τελευτήσαντα· ἐξέβαλε δὲ ταύτην Πιζώδαρος, ὁ λοιπὸς C.657 τῶν Ἐκατόμνω παίδων· περσίσας δὲ μεταπέμπεται σατράπην ἐπὶ κοινωνίᾳ τῆς ἀρχῆς· ἀπελθόντος δ' ἐκ τοῦ ζῆν καὶ τούτου κατεῖχεν ὁ σατράπης τὴν Ἀλικαρ- 20 νασὸν ἔχων Ἄδαν γυναῖκα, ἣτις θυγάτηρ ἦν Πιζωδάρου ἐξ Ἀφηνίδος Καππαδοκίσης γυναικός. ἐπελθόντος δὲ Ἀλεξάνδρου πολιορκίαν ὑπέμεινεν, ἡ δὲ τοῦ Ἐκατόμνω θυγάτηρ Ἄδα, ἣν ὁ Πιζώδαρος ἐξέβαλεν, ἰκετεύει τὸν Ἀλέξανδρον καὶ πείθει κατάγειν αὐτὴν εἰς 25 τὴν ἀφαιρεθεῖσαν βασιλείαν ὑποσχομένη ἐπὶ τὰ ἀφεστῶτα συμπράξειν αὐτῷ· τοὺς γὰρ ἔχοντας οἰκείους ὑπάρχειν αὐτῇ· παρεδίδου δὲ καὶ τὰ Ἄλινδα, ἐν ᾧ διέτριβεν αὐτή· ἐπαινέσας δὲ καὶ βασίλισσαν ἀναδείξας, ἀλούσης τῆς πόλεως πλὴν τῆς ἄκρας (διπτὴ δ' 30 ἦν), ἐκείνη πολιορκεῖν ἔδωκεν· ἐάλω δὲ ὀλίγῳ ὕστερον



καὶ ἡ ἄκρα, πρὸς ὀργὴν ἤδη καὶ ἀπέχθειαν τῆς πολιορκίας γενομένης.

Ἐξῆς δ' ἐστὶν ἄκρα Τερμέριον Μυνδίων, καθ' ἣν 18 ἀντίκειται τῆς Κῷας ἄκρα Σκανδαρία διέχουσα τῆς 5 ἡπείρου σταδίους τετταράκοντα· ἔστι δὲ καὶ χωρίον Τέρμερον ὑπὲρ τῆς ἁκρας.

Ἡ δὲ τῶν Κῷων πόλις ἐκαλεῖτο τὸ παλαιὸν Ἀστν- 19 πάλαια, καὶ ὤκειτο ἐν ἄλλῳ τόπῳ ὁμοίως ἐπὶ θαλάττῃ· ἔπειτα διὰ στάσιν μετώκησαν εἰς τὴν νῦν πόλιν περὶ 10 τὸ Σκανδάριον, καὶ μετωνόμασαν Κῶν ὁμωνύμως τῇ νήσῳ. ἡ μὲν οὖν πόλις οὐ μεγάλη, κάλλιστα δὲ πασῶν συνωκισμένη καὶ ιδέσθαι τοῖς καταπλέουσιν ἡδίστη. τῆς δὲ νήσου τὸ μέγεθος ὅσον πεντακοσίων σταδίων καὶ πεντήκοντα· εὐκαρπος δὲ πᾶσα, οἴνῳ δὲ καὶ ἀρίστη, 15 καθάπερ Χίος καὶ Λέσβος· ἔχει δὲ πρὸς νότον μὲν ἄκραν τὸν Λακητῆρα (ἀφ' οὗ ἐξήκοντα εἰς Νίσυρον), πρὸς δὲ τῷ Λακητῆρι χωρίον Ἀλίσαρνα, ἀπὸ δύσεως δὲ τὸ Δρέκανον καὶ κώμην καλουμένην Στομαλίμνην· τοῦτο μὲν οὖν ὅσον διακοσίους τῆς πόλεως διέχει στα- 20 δίους· ὁ δὲ Λακητῆρ προσλαμβάνει πέντε καὶ τριάκοντα τῷ μήκει τοῦ πλοῦ. ἐν δὲ τῷ προαστείῳ τὸ Ἀσκληπιεῖον ἔστι, σφόδρα ἐνδοξον καὶ πολλῶν ἀναθημάτων μεστόν, ἐν οἷς ἐστὶ καὶ ὁ Ἀπελλοῦ Ἀντίγονος. ἦν δὲ καὶ ἡ ἀναδυομένη Ἀφροδίτη, ἣ νῦν ἀνάκειται τῷ 25 θεῷ Καῖσαρι ἐν Ῥώμῃ, τοῦ Σεβαστοῦ ἀναθέντος τῷ πατρὶ τὴν ἀρχηγέτιν τοῦ γένους αὐτοῦ· φασὶ δὲ τοῖς Κῷοις ἀντὶ τῆς γραφῆς ἑκατὸν ταλάντων ἄφεσιν γενέσθαι τοῦ προσταχθέντος φόρου. φασὶ δ' Ἴπποκράτην μάλιστα ἐκ τῶν ἐνταῦθα ἀνακειμένων θεραπειῶν γυ- 30 μνάσασθαι τὰ περὶ τὰς διαίτας· οὗτός τε δὴ ἐστὶ τῶν ἐνδόξων Κῷος ἀνὴρ καὶ Σῖμος ὁ ἰατρός, Φιλητᾶς τε ποιητῆς ἅμα καὶ κριτικός, καὶ καθ' ἡμᾶς Νικίας ὁ καὶ C.658

τυραννήσας Κρών, καὶ Ἀρίστων ὁ ἀκροασάμενος τοῦ περιπατητικοῦ καὶ κληρονομήσας ἐκείνον· ἦν δὲ καὶ Θεόμνηστος ὁ ψάλτης ἐν ὀνόματι, ὃς καὶ ἀντεπολιτεύσατο τῷ Νικίᾳ.

- 20 Ἐν δὲ τῇ παραλίᾳ τῆς ἡπείρου κατὰ τὴν Μυνδίαν 5  
Ἀστυπάλαιά ἐστιν ἄκρα καὶ Ζεφύριον· εἴτ' εὐθύς ἡ Μύνδος λιμένα ἔχουσα, καὶ μετὰ ταύτην Βαργύλια, καὶ αὕτη πόλις· ἐν δὲ τῷ μεταξὺ Καρύανδα λιμὴν καὶ νῆσος ὁμώνυμος, ἣν ὥκουν Καρυανδεῖς. ἐντεῦθεν δ' ἦν καὶ Σκύλαξ ὁ παλαιὸς συγγραφεύς. πλησίον δ' ἐστὶ 10  
τῶν Βαργυλίων τὸ τῆς Ἀρτέμιδος ἱερὸν τῆς Κινδυάδος, ὃ πεπιστεύκασι \* περιύεσθαι· ἦν δὲ ποτε καὶ χωρίον Κινδύη. ἐκ δὲ τῶν Βαργυλίων ἀνὴρ ἐλλόγιμος ἦν ὁ Ἐπικούρειος Πρώταρχος, ὁ Δημητρίου καθηγνησάμενος τοῦ Λάκωνος προσαγορευθέντος. 15

- 21 Εἴτ' Ἰασὸς ἐπὶ νήσῳ κεῖται προσκειμένη τῇ ἡπεί-  
ρῳ· ἔχει δὲ λιμένα, καὶ τὸ πλεῖστον τοῦ βίου τοῖς ἐν-  
θάδε ἐκ θαλάττης· εὖοψι γὰρ χώραν τ' ἔχει παρά-  
λυπρον. καὶ δὴ καὶ διηγήματα τοιαῦτα πλάττουσιν  
εἰς αὐτήν· κιθαρωδοῦ γὰρ ἐπιδεικνυμένου τέως μὲν 20  
ἀκροᾶσθαι πάντας· ὥς δ' ὁ κώδων ὁ κατὰ τὴν ὀψοπω-  
λίαν ἐψόφησε, καταλιπόντας ἀπελθεῖν ἐπὶ τὸ ὄψον  
πλὴν ἐνὸς δυσκώφου· τὸν οὖν κιθαρωδὸν προσιόντα  
εἰπεῖν ὅτι „ὦ ἄνθρωπε πολλὴν σοι χάριν οἶδα τῆς πρὸς  
„με τιμῆς καὶ φιλομουσίας· οἱ μὲν γὰρ ἄλλοι ἅμα τῷ 25  
„κώδωνος ἀκοῦσαι ἀπιόντες οἴχονται.“ ὁ δὲ „τί λέ-  
„γεις;“ ἔφη „ἤδη γὰρ ὁ κώδων ἐψόφηκεν;“ εἰπόντος  
δὲ „εὖ σοι εἶη“ ἔφη καὶ ἀναστὰς ἀπῆλθε καὶ αὐτός.  
ἐντεῦθεν δ' ἦν ὁ διαλεκτικὸς Διόδωρος ὁ Κρόνος  
προσαγορευθεὶς, κατ' ἀρχὰς μὲν ψευδῶς· Ἀπολλώνιος 30

9. post ὁμώνυμος: ταύτη



γὰρ ἐκαλεῖτο ὁ Κρόνος, ὁ ἐπιστατήσας ἐκείνου· μετήνεγκαν δ' ἐπ' αὐτὸν διὰ τὴν ἀδοξίαν τοῦ κατ' ἀλήθειαν Κρόνου.

Μετὰ δ' Ἰασὸν τὸ τῶν Μιλησίων Ποσειδίου ἐστιν. 22  
 5 ἐν δὲ τῇ μεσογαίᾳ τρεῖς εἰσι πόλεις ἀξιόλογοι, Μύλασα Στρατονίκεια Ἀλάβανδα· αἱ δὲ ἄλλαι περιπόλιοι τούτων ἢ τῶν παραλίων, ὧν εἰσιν Ἀμυζῶν Ἡράκλεια Εὐρωμος Χαλκήτορες· τούτων μὲν οὖν ἐλάττων λόγος. τὰ δὲ Μύλασα ἴδρυται ἐν πεδίῳ σφόδρα εὐδαίμονι· 23  
 10 ὑπέρεκειται δὲ κατὰ κορυφὴν ὄρος αὐτοῦ, λατόμιον λευκοῦ λίθου κάλλιστον ἔχον· τοῦτο μὲν οὖν ὄφελός ἐστιν οὐ μικρόν, τὴν λιθείαν πρὸς τὰς οἰκοδομίας ἄφθονον καὶ ἐγγύθεν ἔχον καὶ μάλιστα πρὸς τὰς τῶν ἱερῶν καὶ τῶν ἄλλων δημοσίων ἔργων κατασκευάς·  
 15 τοιγάρτοι στοαῖς τε καὶ ναοῖς εἴ τις ἄλλη κεκόσμηται C.659 παγκάλως. θαυμάζειν δ' ἐστὶ τῶν ὑποβαλόντων οὕτως ἀλόγως τὸ κτίσμα ὀρθίῳ καὶ ὑπερδεξίῳ κρημνῷ· καὶ δὴ τῶν ἡγεμόνων τις εἰπεῖν λέγεται θαυμάσας τὸ πρᾶγμα „ταύτην γάρ“ ἔφη „τὴν πόλιν ὁ κτίσας, εἰ μὴ  
 20 „ἐφοβεῖτο, ἂρ' οὐδ' ἡσχύνετο;“ ἔχουσι δ' οἱ Μυλασεῖς ἱερὰ δύο τοῦ Διός, τοῦ τε Ὀσογῶα καλουμένου καὶ Λαβραυνδηνοῦ, τὸ μὲν ἐν τῇ πόλει, τὰ δὲ Λάβρανδα κώμῃ ἐστὶν ἐν τῷ ὄρει κατὰ τὴν ὑπερθεσιν τὴν ἐξ Ἀλαβάνδων εἰς τὰ Μύλασα ἄπωθεν τῆς πόλεως· ἐν-  
 25 ταῦθα νεῶς ἐστὶν ἀρχαῖος καὶ ξόανον Διὸς Στρατίου· τιμᾶται δὲ ὑπὸ τῶν κύκλῳ καὶ ὑπὸ τῶν Μυλασέων, ὁδός τε ἔστρωται σχεδόν τι καὶ ἐξήκοντα σταδίων μέχρι τῆς πόλεως ἱερὰ καλουμένη, δι' ἧς πομποστολεῖται τὰ ἱερὰ· ἱερῶνται δ' οἱ ἐπιφανέστατοι τῶν πολιτῶν ἀεὶ  
 30 διὰ βίου. ταῦτα μὲν οὖν ἴδια τῆς πόλεως. τρίτον δ' ἐστὶν ἱερὸν τοῦ Καρίου Διὸς κοινὸν ἀπάντων Καρῶν, οὗ μέτεστι καὶ Λυδοῖς καὶ Μυσοῖς ὡς ἀδελφοῖς. ἴστο-

ρεῖται δὲ κώμη ὑπάρξει τὸ παλαιόν, πατρὶς δὲ καὶ βασιλείον τῶν Καρῶν τῶν περὶ τὸν Ἑκατόμνω· πλησιάζει δὲ μάλιστα τῇ κατὰ Φύσκον θαλάττῃ ἢ πόλιν, καὶ τοῦτ' ἐστὶν αὐτοῖς ἐπίνειον.

- 24 Ἀξιολόγους δ' ἔσχεν ἄνδρας καθ' ἡμᾶς τὰ Μύ-  
 λασα, ῥήτοράς τε ἅμα καὶ δημαγωγούς τῆς πόλεως,  
 Εὐθύδημόν τε καὶ Ὑβρέαν. ὁ μὲν οὖν Εὐθύδημος ἐκ  
 προγόνων παραλαβὼν οὐσίαν τε μεγάλην καὶ δόξαν,  
 προσθεὶς καὶ τὴν δεινότητα, οὐκ ἐν τῇ πατρίδι μόνον  
 μέγας ἦν ἀλλὰ καὶ ἐν τῇ Ἀσίᾳ τῆς πρώτης ἡξιοῦτο τι- 10  
 μῆς· Ὑβρέα δ' ὁ πατήρ, ὥς αὐτὸς διηγεῖτο ἐν τῇ σχολῇ  
 καὶ παρὰ τῶν πολιτῶν ὡμολόγητο, ἡμίονον κατέλιπε  
 ξυλοφοροῦντα καὶ ἡμιονηγόν· διοικούμενος δ' ὑπὸ  
 τούτων ὀλίγον χρόνον, Διοτρέφους τοῦ Ἀντιοχέως  
 ἀκροασάμενος ἐπανῆλθε καὶ τῷ ἀγορανομίῳ παρέδω- 15  
 κεν αὐτόν· ἐνταῦθα δὲ κυλινδηθεὶς καὶ χρηματισάμε-  
 νος μικρὰ ὥρμησεν ἐπὶ τὸ πολιτεύεσθαι καὶ τοῖς ἀγο-  
 ραίοις συνακολουθεῖν, ταχὺ δὲ αὐξήσιν ἔσχε καὶ ἐθαν-  
 μάσθη ἔτι μὲν καὶ Εὐθύδημου ζῶντος, ἀλλὰ τελευτή-  
 σαντος μάλιστα, κύριος γενόμενος τῆς πόλεως. ζῶν δ' 20  
 ἐπεκράτει πολὺ ἐκείνος, δυνατὸς ὢν ἅμα καὶ χρήσιμος  
 τῇ πόλει, ὥστ' εἰ καὶ τι τυραννικὸν προσῆν, τοῦτ'  
 ἀπελύετο τῷ παρακολουθεῖν τὸ χρήσιμον. ἐπαινοῦσι  
 γοῦν τοῦτο τοῦ Ὑβρέου ὅπερ δημηγορῶν ἐπὶ τελευτῆς  
 εἶπεν „Εὐθύδημε, κακὸν εἴ τῆς πόλεως ἀναγκαῖον· 25  
 „οὔτε γὰρ μετὰ σοῦ δυνάμεθα ζῆν οὔτ' ἄνευ σοῦ.“

C.660 αὐξήθεις οὖν ἐπὶ πολὺ καὶ δόξας καὶ πολίτης ἀγαθὸς  
 εἶναι καὶ ῥήτωρ ἔπαισεν ἐν τῇ πρὸς Λαβινηνὸν ἀντι-  
 πολιτείᾳ. οἱ μὲν γὰρ ἄλλοι μεθ' ὅπλων ἐπιόντι καὶ  
 Παρθικῆς συμμαχίας, ἥδη τῶν Παρθυαίων τὴν Ἀσίαν 30



ἐχόντων, εἶξαν ἅτε ἄοπλοι καὶ εἰρηνικοί· Ζήνων δ' ὁ  
 Λαοδικεὺς καὶ Ὑβρέας οὐκ εἶξαν, ἀμφοτέροι ῥήτορες,  
 ἀλλὰ ἀπέστησαν τὰς ἑαυτῶν πόλεις· ὁ δ' Ὑβρέας καὶ  
 προσπαρώξυνε φωνῇ τινι μειράκιον εὐερέθιστον καὶ  
 5 ἀνοίας πλήρης. ἐκείνου γὰρ ἀνειπόντος ἑαυτὸν Παρ-  
 θικὸν αὐτοκράτορα „οὐκοῦν“ ἔφη „κἀγὼ λέγω ἑμαν-  
 τὸν Καρικὸν αὐτοκράτορα.“ ἐκ τούτου δὲ ἐπὶ τὴν πό-  
 λιν ὥρμησε τάγματα ἔχων ἥδη συντεταγμένα Ῥωμαίων  
 τῶν ἐν τῇ Ἀσίᾳ· αὐτὸν μὲν οὖν οὐ κατέλαβε παραχω-  
 10 ρήσαντα εἰς Ῥόδον, τὴν δ' οἰκίαν αὐτοῦ διελυμήνατο  
 πολυτελεῖς ἔχουσιν κατασκευὰς καὶ διήρπασεν· ὥς δ'  
 αὐτῶς καὶ τὴν πόλιν ὅλην ἐκάκωσεν. ἐκλιπόντος δ'  
 ἐκείνου τὴν Ἀσίαν ἐπανῆλθε καὶ ἀνέλαβεν ἑαυτὸν τε  
 καὶ τὴν πόλιν. περὶ μὲν οὖν Μυλάσων ταῦτα.

15 Στρατονίκεια δ' ἐστὶ κατοικία Μακεδόνων· ἐκο- 25  
 σμήθη δὲ καὶ αὕτη κατασκευαῖς πολυτελέσιν ὑπὸ τῶν  
 βασιλέων. ἔστι δ' ἐν τῇ χώρᾳ τῶν Στρατονικέων δύο  
 ἱερά, ἐν μὲν Λαγίνοις τὸ τῆς Ἑκάτης ἐπιφανέστατον  
 πανηγύρεις μεγάλας συνάγον κατ' ἐνιαυτόν, ἐγγὺς δὲ  
 20 τῆς πόλεως τὸ τοῦ Χρυσαιορέως Διὸς κοινὸν ἀπάντων  
 Καρῶν, εἰς ὃ συνίασι θύσοντές τε καὶ βουλευσόμενοι  
 περὶ τῶν κοινῶν· καλεῖται δὲ τὸ σύστημα αὐτῶν Χρυ-  
 σαορέων, συνεστηκὸς ἐκ κωμῶν· οἱ δὲ πλείστας παρε-  
 χόμενοι κώμας προέχουσι τῇ ψήφῳ, καθάπερ Κερα-  
 25 μιῆται· καὶ Στρατονικεῖς δὲ τοῦ συστήματος μετέχου-  
 σιν οὐκ ὄντες τοῦ Καρικοῦ γένους, ἀλλ' ὅτι κώμας  
 ἔχουσι τοῦ Χρυσαιορικοῦ συστήματος. κἀνταῦθα δ'  
 ἀνὴρ ἀξιόλογος γεγένηται ῥήτωρ Μένιππος κατὰ τοὺς  
 πατέρας ἡμῶν Κοτοκᾶς ἐπικαλούμενος, ὃν μάλιστα  
 30 ἐπαινεῖ τῶν κατὰ τὴν Ἀσίαν ῥητόρων ὧν ἡκροάσατο  
 Κικέρων, ὧς φησιν ἐν τινι γραφῇ αὐτὸς συγκρίνων  
 Ξενοκλεῖ καὶ τοῖς κατ' ἐκείνον ἀκμάζουσιν. ἔστι δὲ καὶ

ἄλλη Στρατονίκεια ἢ πρὸς τῷ Ταύρῳ καλουμένη, πολίχνιον προσκείμενον τῷ ὄρει.

26 Ἀλάβανδα δὲ καὶ αὐτὴ μὲν ὑπόκειται λόφοις δυσι συγκειμένοις οὕτως ὥστ' ὅψιν παρέχεσθαι κανθήλιον κατεστρωμένου. καὶ δὴ καὶ ὁ μαλακὸς Ἀπολλώνιος 5 σκώπτων τὴν πόλιν εἰς τε ταῦτα καὶ εἰς τὸ τῶν σκορπίων πληθὺς, ἔφη αὐτὴν εἶναι σκορπίων κανθήλιον κατεστρωμένον· μεστὴ δ' ἐστὶ καὶ αὕτη καὶ ἡ τῶν Μυλασέων πόλις τῶν θηρίων τούτων καὶ ἡ μεταξὺ

C.661 πᾶσα ὄρεινῇ. τρυφητῶν δ' ἐστὶν ἀνθρώπων καὶ καρυ- 10 ριστῶν ἔχουσα ψαλτρίας πολλὰς. ἄνδρες δ' ἐγένοντο λόγου ἄξιοι δύο ῥήτορες ἀδελφοὶ Ἀλαβανδεῖς, Μενεκλῆς τε οὗ ἐμνήσθημεν μικρὸν ἐπάνω καὶ Ἰεροκλῆς, καὶ οἱ μετοικήσαντες εἰς τὴν Ῥόδον ὃ τε Ἀπολλώνιος καὶ ὁ Μόλων. 15

καρυ 27 Πολλῶν δὲ λόγων εἰρημένων περὶ Καρῶν ὁ μάλισθ' ὁμολογούμενός ἐστιν οὗτος ὅτι οἱ Κᾶρες ὑπὸ Μίνῳ ἐτάττοντο, τότε Ἀέλεγες καλούμενοι, καὶ τὰς νήσους ὥκουν· εἰτ' ἠπειρῶται γενόμενοι πολλὴν τῆς παραλίας καὶ τῆς μεσογαίας κατέσχον τοὺς προκατέ- 20 χοντας ἀφελόμενοι· καὶ οὗτοι δ' ἦσαν οἱ πλείους Ἀέλεγες καὶ Πελασγοί· πάλιν δὲ τούτους ἀφείλοντο μέρος οἱ Ἕλληνες, Ἰωνές τε καὶ Δωριεῖς. τοῦ δὲ περὶ τὰ στρατιωτικὰ ζήλου τὰ τε ὅχανα ποιοῦνται τεκμήρια καὶ τὰ ἐπίσημα καὶ τοὺς λόφους· ἅπαντα γὰρ λέγεται 25 Καρικὰ. Ἀνακρέων μὲν γε φησὶν „διὰ δηῦτε καρι- „κοεργέος ὀχάνου χεῖρα τιθέμεναι,“ ὁ δ' Ἀλκαῖος „λόφον τε σείων Καρικόν.“

28 Τοῦ ποιητοῦ δ' εἰρηκότος οὕτωςί „Μάσθλης αὖ „Καρῶν ἠγήσατο βαρβαροφώνων,“ οὐκ ἔχει λόγον 30 πῶς τοσαῦτα εἰδὼς ἔθνη βάρβαρα μόνους εἶρηκε βαρβαροφώνους τοὺς Κᾶρας, βαρβάρους δ' οὐδένας· οὗτ'



οὖν Θουκυδίδης ὀρθῶς· οὐδὲ γὰρ λέγεσθαι φησι βαρ-  
 βάρους διὰ τὸ μηδὲ Ἑλληνάς πω ἀντίπαλον εἰς ἐν  
 ὄνομα ἀποκεκρίσθαι· τό τε γὰρ μηδὲ Ἑλληνάς πω ψευ-  
 δος αὐτὸς ὁ ποιητῆς ἀπελέγχει, ἀνδρός, τοῦ κλέος εὐρύ  
 5 „καθ' Ἑλλάδα καὶ μέσον Ἄργος.“ καὶ πάλιν „εἴτ' ἐθέ-  
 „λεις τραφθῆναι ἀν' Ἑλλάδα καὶ μέσον Ἄργος.“ μὴ  
 λεγομένων τε βαρβάρων πῶς ἐμελλεν εὖ λεχθήσεσθαι  
 τὸ βαρβαροφώνων; οὔτε δὴ οὗτος εὖ οὔτ' Ἀπολλόδω-  
 ρος ὁ γραμματικός, ὅτι τῷ κοινῷ ὀνόματι ιδίως καὶ  
 10 λοιδόρως ἔχωντο οἱ Ἕλληνες κατὰ τῶν Καρῶν, καὶ  
 μάλιστα οἱ Ἴωνες μισοῦντες αὐτοὺς διὰ τὴν ἐχθραν  
 καὶ τὰς συνεχεῖς στρατείας· ἐχοῖν γὰρ οὕτως βαρβά-  
 ρους ὀνομάζειν. ἡμεῖς δὲ ζητοῦμεν διὰ τί βαρβαροφώ-  
 νους καλεῖ, βαρβάρους δ' οὐδ' ἅπαξ. „ὅτι“ φησί „τὸ  
 15 „πληθυντικὸν εἰς τὸ μέτρον οὐκ ἐμπίπτει, διὰ τοῦτ' οὐκ  
 „εἶρηκε βαρβάρους.“ ἀλλ' αὕτη μὲν ἡ πτώσις οὐκ ἐμπί-  
 πτει, ἡ δ' ὀρθὴ οὐ διαφέρει τῆς Δάρδανοι „Τρῶες καὶ C.662  
 „Ἀνίκιοι καὶ Δάρδανοι.“ τοιοῦτον δὲ καὶ τό „οἷοι Τρώιοι  
 ἵπποι.“ οὐδέ γε ὅτι τραχυτάτῃ ἢ γλωττα τῶν Καρῶν·  
 20 οὐ γὰρ ἐστὶν ἀλλὰ καὶ πλεῖστα Ἑλληνικὰ ὀνόματα ἔχει  
 καταμειγμένα, ὥς φησι Φίλιππος ὁ τὰ Καρικὰ γράψας.  
 οἶμαι δὲ τὸ βάρβαρον κατ' ἀρχὰς ἐκπεφωνῆσθαι οὕτως  
 κατ' ὀνοματοποιίαν ἐπὶ τῶν δυσεκφόρως καὶ σκλη-  
 ρῶς καὶ τραχέως λαλούντων, ὥς τὸ βατταρίζειν καὶ  
 25 τραυλίζειν καὶ ψελλίζειν. εὐφυνέστατοι γὰρ ἐσμεν  
 τὰς φωνὰς ταῖς ὁμοίαις φωναῖς κατονομάζειν διὰ τὸ  
 ὁμογενές· ἥ δὴ καὶ πλεονάζουσιν ἐνταῦθα αἱ ὀνομα-  
 τοποιίαι, οἷον τὸ κελαρύζειν καὶ κλαγγὴ δὲ καὶ φό-  
 φος καὶ βοή καὶ κρότος, ὧν τὰ πλεῖστα ἤδη καὶ  
 30 κυρίως ἐκφέρεται· πάντων δὴ τῶν παχυστομούντων  
 οὕτως βαρβάρων λεγομένων, ἐφάνη τὰ τῶν ἀλλοεθνῶν  
 στόματα τοιαῦτα, λέγω δὲ τὰ τῶν μὴ Ἑλλήνων. ἐκείνους

οὖν ἰδίως ἐκάλεσαν βαρβάρους, ἐν ἀρχαῖς μὲν κατὰ τὸ  
 λοῖδορον, ὥς ἂν παχυστόμους ἢ τραχυστόμους, εἴτα  
 κατεχρησάμεθα ὥς ἐθνικῶ κοινῶ ὀνόματι ἀντιδιαι-  
 ροῦντες πρὸς τοὺς Ἑλληνας. καὶ γὰρ δὴ τῇ πολλῇ συν-  
 ηθείᾳ καὶ ἐπιπλοκῇ τῶν βαρβάρων οὐκέτι ἐφαίνεται 5  
 κατὰ παχυστομίαν καὶ ἀφυῖαν τινὰ τῶν φωνητηρίων  
 ὀργάνων τοῦτο συμβαῖνον, ἀλλὰ κατὰ τὰς τῶν διαλέ-  
 κτων ιδιότητας. ἄλλη δέ τις ἐν τῇ ἡμετέρᾳ διαλέκτῳ  
 ἀνεφάνη κακοστομία καὶ οἶον βαρβαροστομία, εἴ τις  
 ἐλληνίζων μὴ κατορθοίῃ, ἀλλ' οὕτω λέγοι τὰ ὀνόματα 10  
 ὥς οἱ βάρβαροι οἱ εἰσαγόμενοι εἰς τὸν ἐλληνισμόν οὐκ  
 ἰσχύοντες ἀρτιστομεῖν, ὥς οὐδ' ἡμεῖς ἐν ταῖς ἐκείνων  
 διαλέκτοις. τοῦτο δὲ μάλιστα συνέβη τοῖς Καρσί· τῶν  
 γὰρ ἄλλων οὐτ' ἐπιπλεκομένων πω σφόδρα τοῖς Ἑλλη-  
 σιν, οὐτ' ἐπιχειρούντων ἐλληνικῶς ζῆν ἢ μανθάνειν 15  
 τὴν ἡμετέραν διάλεκτον, πλὴν εἴ τινες σπάνιοι καὶ  
 κατὰ τύχην ἐπεμίχθησαν καὶ κατ' ἄνδρα ὀλίγοις τῶν  
 Ἑλλήνων τισίν· οὗτοι δὲ καθ' ὅλην ἐπλανήθησαν τὴν  
 Ἑλλάδα μισθοῦ στρατεύοντες. ἤδη οὖν τὸ βαρβαρό-  
 φωνον ἐπ' ἐκείνων πυκνὸν ἦν ἀπὸ τῆς εἰς τὴν Ἑλλάδα 20  
 αὐτῶν στρατείας· καὶ μετὰ ταῦτα ἐπεπόλασε πολὺ  
 μᾶλλον, ἀφ' οὗ τὰς τε νήσους μετὰ τῶν Ἑλλήνων ᾤκη-  
 σαν, ἀκκεῖθεν εἰς τὴν Ἀσίαν ἐκπεσόντες οὐδ' ἐνταῦθα  
 χωρὶς Ἑλλήνων οἰκεῖν ἠδύναντο, ἐπιδιαβάντων τῶν  
 C.663<sup>3</sup> Ἰωνῶν καὶ τῶν Δωριέων. ἀπὸ δὲ τῆς αὐτῆς αἰτίας καὶ 25  
 τὸ βαρβαρίζειν λέγεται· καὶ γὰρ τοῦτο ἐπὶ τῶν κακῶς  
 ἐλληνιζόντων εἰώθαμεν λέγειν, οὐκ ἐπὶ τῶν καριστὶ  
 λαλούντων. οὕτως οὖν καὶ τὸ βαρβαροφωνεῖν καὶ τοὺς  
 βαρβαροφώνους δεκτέον τοὺς κακῶς ἐλληνιζοντας·  
 ἀπὸ δὲ τοῦ καρίζειν καὶ τὸ βαρβαρίζειν μετήνεγκαν εἰς 30  
 τὰς περὶ ἐλληνισμοῦ τέχνας καὶ τὸ σολοικίζειν, εἴτ' ἀπὸ  
 Σόλων εἴτ' ἄλλως τοῦ ὀνόματος τούτου πεπλασμένου.



Φησὶ δὲ Ἀρτεμίδωρος ἀπὸ Φύσκου τῆς Ῥοδίων πε- 29  
 ραίας ἰοῦσιν εἰς Ἑφεσον μέχρι μὲν Λαγίνων ὀκτακο-  
 σίους εἶναι καὶ πεντήκοντα σταδίου, ἐντεῦθεν δ' εἰς  
 Ἀλάβανδα πεντήκοντα ἄλλους καὶ διακοσίους, εἰς δὲ  
 5 Τράλλεις ἑκατὸν ἐξήκοντα· ἀλλ' ἢ εἰς Τράλλεις ἐστὶ δια-  
 βάντι τὸν Μαίανδρον κατὰ μέσσην που τὴν ὁδὸν ὅπου τῆς  
 Καρίας οἱ ὅροι· γίνονται δ' οἱ πάντες ἀπὸ Φύσκου ἐπὶ  
 τὸν Μαίανδρον κατὰ τὴν εἰς Ἑφεσον ὁδὸν χίλιοι ἑκατὸν  
 ὀγδοήκοντα. πάλιν ἀπὸ τοῦ Μαίανδρου τῆς Ἰωνίας  
 10 ἐφεξῆς μῆκος ἐπιόντι κατὰ τὴν αὐτὴν ὁδὸν ἀπὸ μὲν τοῦ  
 ποταμοῦ εἰς Τράλλεις ὀγδοήκοντα, εἴτ' εἰς Μαγνησίαν  
 ἑκατὸν τετταράκοντα, εἰς Ἑφεσον δ' ἑκατὸν εἴκοσιν, εἰς  
 δὲ Σμύρναν τριακόσιοι εἴκοσιν, εἰς δὲ Φώκαιαν καὶ τοὺς  
 ὅρους τῆς Ἰωνίας ἐλάττους τῶν διακοσίων, ὥστε τὸ ἐπ'  
 15 εὐθείας μῆκος τῆς Ἰωνίας εἴη ἂν κατ' αὐτὸν μικρῷ  
 πλεόν τῶν ὀκτακοσίων. ἐπεὶ δὲ κοινὴ τις ὁδὸς τέτριπται  
 ἅπασιν τοῖς ἐπὶ τὰς ἀνατολὰς ὁδοιποροῦσιν ἐξ Ἑφέσου,  
 καὶ ταύτην ἔπεισιν. ἐπὶ μὲν τὰ Κάρουρα τῆς Καρίας  
 ὅριον πρὸς τὴν Φρυγίαν διὰ Μαγνησίας καὶ Τραλλέων  
 20 Νύσης Ἀντιοχείας ὁδὸς ἐπτακοσίων καὶ τετταράκοντα  
 σταδίων· ἐντεῦθεν δὲ ἡ Φρυγία διὰ Λαοδικείας καὶ  
 Ἀπαμείας καὶ Μητροπόλεως καὶ \* Χελιδονίων· ἐπὶ μὲν  
 οὖν τὴν ἀρχὴν τῆς Παρωρείου, τοὺς Ὀλμους, στάδιοι  
 περὶ ἑνακοσίους καὶ εἴκοσιν ἐκ τῶν Καρούρων· ἐπὶ δὲ  
 25 τὸ πρὸς τῇ Λυκαονίᾳ πέρας τῆς Παρωρείου τὸ Τυ-  
 ριαῖον διὰ Φιλομηλίου μικρῷ πλείους τῶν πεντακο-  
 σίων, εἴθ' ἢ Λυκαονία μέχρι Κοροπασσοῦ διὰ Λαοδι-  
 κείας τῆς κατακεκαυμένης ὀκτακόσιοι τετταράκοντα,  
 ἐκ δὲ Κοροπασσοῦ τῆς Λυκαονίας εἰς Γαρσαύρα, πο-  
 30 λύχνιον τῆς Καππαδοκίας ἐπὶ τῶν ὁρῶν αὐτῆς ἰδρυμέ-  
 νον, ἑκατὸν εἴκοσιν· ἐντεῦθεν δ' εἰς Μάξακα τὴν μη-  
 τρώπολιν τῶν Καππαδόκων διὰ Σοάνδου καὶ Σαδα-

κόρων ἑξακόσιοι ὀγδοήκοντα· ἐντεῦθεν δ' ἐπὶ τὸν  
 Εὐφράτην μέχρι Τομίσων χωρίου τῆς Σωφηνῆς διὰ  
 Ἡορῶν πολίχνης χίλιοι τετρακόσιοι τετταράκοντα. τὰ  
 δ' ἐπ' εὐθείας τούτοις μέχρι τῆς Ἰνδικῆς τὰ αὐτὰ κεῖται  
 καὶ παρὰ τῷ Ἀρτεμιδώρῳ ἄπερ καὶ παρὰ τῷ Ἐρατο- 5  
 σθένει. λέγει δὲ καὶ Πολύβιος περὶ τῶν ἐκεῖ μάλιστα  
 C.664δεῖν πιστεύειν ἐκείνῳ. ἄρχεται δὲ ἀπὸ Σαμοσάτων τῆς  
 Κομμαγηνῆς, ἣ πρὸς τῇ διαβάσει καὶ τῷ Ζεύγματι κεῖ-  
 ται· εἰς δὲ Σαμόσατα ἀπὸ τῶν ὄρων τῆς Καππαδοκίας  
 τῶν περὶ Τόμισα ὑπερθέντι τὸν Ταῦρον σταδίους εἰ- 10  
 ρηκε τετρακοσίους καὶ πεντήκοντα.

**3** Μετὰ δὲ τὴν Ῥοδίῳν περαιάν ἥς ὄριον τὰ Δαίδαλα  
 ἐφεξῆς πλέουσι πρὸς ἀνίσχοντα ἥλιον ἢ Λυκία κεῖται  
 μέχρι Παμφυλίας, εἰθ' ἢ Παμφυλία μέχρι Κιλικίων τῶν  
 τραχέων, εἰθ' ἢ τούτων μέχρι τῶν ἄλλων Κιλικίων τῶν 15  
 περὶ τὸν Ἰσικὸν κόλπον· ταῦτα δ' ἐστὶ μέρη μὲν τῆς  
 χειρρονήσου, ἥς τὸν ἰσθμὸν ἔφαμεν τὴν ἀπὸ Ἰσσοῦ  
 ὁδὸν μέχρι Ἀμισοῦ ἢ Σινώπης, ὥς τινες, ἐκτὸς δὲ τοῦ  
 Ταύρου ἐν στενῇ παραλίᾳ τῇ ἀπὸ Λυκίας μέχρι τῶν  
 περὶ Σόλους τόπων, τὴν νῦν Πομπηόπολιν· ἔπειτα 20  
 ἤδη εἰς πεδία ἀναπέπταται ἢ κατὰ τὸν Ἰσικὸν κόλπον  
 παραλία ἀπὸ Σόλων καὶ Ταρσοῦ ἀρξαμένη. ταύτην  
 οὖν ἐπελθοῦσιν ὁ πᾶς περὶ τῆς χειρρονήσου λόγος ἐσται  
 περιωδευμένος· εἶτα μεταβησόμεθα ἐπὶ τὰ ἄλλα μέρη  
 τῆς Ἀσίας τὰ ἐκτὸς τοῦ Ταύρου. τελευταῖα δ' ἐκθήσο- 25  
 μεν τὰ περὶ τὴν Λιβύην.

**2** Μετὰ τοίνυν Δαίδαλα τὰ τῶν Ῥοδίῳν ὄρος ἐστὶ  
 τῆς Λυκίας ὁμώνυμον αὐτοῖς Δαίδαλα, ἀφ' οὗ λαμβά-  
 νει τὴν ἀρχὴν ὁ παράπλους ἅπας ὁ Λυκιακός, σταδίων  
 μὲν ὡς χιλίων ἑπτακοσίων εἴκοσι, τραχὺς δὲ καὶ χαλε- 30  
 πός, ἀλλ' εὐλίμενος σφόδρα καὶ ὑπὸ ἀνθρώπων συν-  
 οικούμενος σωφρόνων· ἐπεὶ ἢ γε τῆς χώρας φύσις



παραπλησία καὶ τοῖς Παμφύλοις ἐστὶ καὶ τοῖς Τρα-  
χειώταις Κίλιξιν· ἄλλ' ἐκεῖνοι μὲν ὀρμητηρίοις ἐχρή-  
σαντο τοῖς τόποις πρὸς τὰ ληστήρια, αὐτοὶ πειρατεύον-  
τες ἢ τοῖς πειραταῖς λαφυροπώλια καὶ ναύσταθμα πα-  
5 ρέχοντες· ἐν Σίδῃ γοῦν πόλει τῆς Παμφυλίας τὰ ναυ-  
πήγια συνίστατο τοῖς Κίλιξιν, ὑπὸ κήρυκά τε ἐπώλουν  
ἐκεῖ τοὺς ἀλόντας ἐλευθέρους ὁμολογοῦντες· Λύκιοι  
δ' οὕτω πολιτικῶς καὶ σωφρόνως ζῶντες διετέλεσαν  
ὥστ' ἐκείνων διὰ τὰς εὐτυχίας θαλαττοκρατησάντων  
10 μέχρι τῆς Ἰταλίας ὅμως ὑπ' οὐδενὸς ἐξήρθησαν αἰσχροῦ  
κέρδους, ἀλλ' ἔμειναν ἐν τῇ πατρίᾳ διοικήσει τοῦ Λυ-  
κιακοῦ συστήματος.

Εἰσὶ δὲ τρεῖς καὶ εἴκοσι πόλεις αἱ τῆς ψήφου μετέ- 3  
χουσαι· συνέρχονται δὲ ἐξ ἐκάστης πόλεως εἰς κοινὸν  
15 συνέδριον, ἣν ἂν δοκιμάσωσι πόλιν ἐλόμενοι· τῶν δὲ  
πόλεων αἱ μέγισται μὲν τριῶν ψήφων ἐστὶν ἐκάστη  
κυρία, αἱ δὲ μέσαι δυεῖν, αἱ δ' ἄλλαι μιᾶς· ἀνὰ λόγον C.665  
δὲ καὶ τὰς εἰσφορὰς εἰσφέρουσι καὶ τὰς ἄλλας λειτουρ-  
γίας. Ἐξ δὲ τὰς μεγίστας ἔφη ὁ Ἀρτεμίδωρος, Ξάνθου  
20 Πάταρα Πίναρα Ὀλυμπον Μύρα Τλαῶν κατὰ τὴν  
[ὑπέρ]θεσιν τὴν εἰς Κιβύραν κειμένην. ἐν δὲ τῷ συνε-  
δρίῳ πρῶτον μὲν Λυκιάρχης αἰρεῖται, εἴτ' ἄλλαι ἀρχαὶ  
αἱ τοῦ συστήματος· δικαστήριά τε ἀποδείκνυνται κοινῇ·  
καὶ περὶ πολέμου δὲ καὶ εἰρήνης καὶ συμμαχίας ἐβου-  
25 λεύοντο πρότερον, νῦν δ' οὐκ εἰκός, ἀλλ' ἐπὶ τοῖς Ῥω-  
μαίοις ταῦτ' ἀνάγκη κεῖσθαι, πλὴν εἰ ἐκείνων ἐπι-  
τρεψάντων, ἢ ὑπὲρ αὐτῶν εἴη χρήσιμον· ὁμοίως δὲ  
καὶ δικασταὶ καὶ ἄρχοντες ἀνὰ λόγον ταῖς ψήφοις ἐξ  
ἐκάστης προχειρίζονται πόλεως. οὕτω δ' εὐνομουμέ-  
30 νοις αὐτοῖς συνέβη παρὰ Ῥωμαίοις ἐλευθέροις διατε-  
λέσαι τὰ πάτρια νέμουνσι, τοὺς δὲ ληστὰς ἐπιδεῖν ἄρδην  
ἠφανισμένους, πρότερον μὲν ὑπὸ Σερκιλίου τοῦ Ἰσαυ-

ρικοῦ, καθ' ὃν χρόνον καὶ τὰ Ἰσαυρά ἐκεῖνος καθεῖλεν, ὕστερον δὲ Πομπηίου τοῦ Μάγνου, πλείω τῶν χιλίων καὶ τριακοσίων σκαφῶν ἐμπρήσαντος τὰς δὲ κατοικίας ἐκκόψαντος, τῶν δὲ περιγενομένων ἀνθρώπων ἐν ταῖς μάχαις τοὺς μὲν καταγαρόντος εἰς Σόλους, ἣν ἐκεῖνος 5 Πομπηιόπολιν ὠνόμασε, τοὺς δ' εἰς Λύμην λειπανδρήσασαν, ἣν νυνὶ Ῥωμαίων ἀποικία νέμεται. οἱ ποιηταὶ δὲ μάλιστα οἱ τραγικοὶ συγγέοντες τὰ ἔθνη, καθάπερ τοὺς Τρῶας καὶ τοὺς Μυσοὺς καὶ τοὺς Λυδοὺς Φρύγας προσαγορεύουσιν, οὕτω καὶ τοὺς Λυκίους 10 Κᾶρας.

4 Μετὰ δ' οὖν τὰ Λαίδαλα τὸ τῶν Λυκίων ὄρος πλησίον ἐστὶ Τελεμησσὸς πολίχνη Λυκίων, καὶ Τελεμησσίς ἄκρα λιμένα ἔχουσα. ἔλαβε δὲ τὸ χωρίον τοῦτο παρὰ Ῥωμαίων Εὐμένης ἐν τῷ Ἀντιοχικῷ πολέμῳ, κα- 15 ταλυθείσης δὲ τῆς βασιλείας ἀπέλαβον πάλιν οἱ Λύκιοι.

5 Εἰδ' ἐξῆς ὁ Ἀντίκρατος, ὄρθιον ὄρος, ἐφ' ᾧ Καρμυλησσὸς χωρίον ἐν φάραγγι ὤκημένον, καὶ μετὰ τοῦτον ὁ Κράτος, ἔχων ἄκρας ὀκτὼ καὶ πόλιν ὁμώνυμον. περὶ ταῦτα μυθεύεται τὰ ὄρη τὰ περὶ τῆς Χιμαίρας· 20 ἔστι δ' οὐκ ἄπωθεν καὶ ἡ Χίμαιρα φάραγξ τις ἀπὸ τοῦ αἰγριαλοῦ ἀνατείνουσα. ὑπόκειται δὲ τῷ Κράτῳ Πίναρα ἐν μεσογαίᾳ, τῶν μεγίστων οὖσα πόλεων ἐν τῇ Λυκίᾳ. ἐνταῦθα δὲ Πάνδαρος τιμᾶται, τυχὸν ἴσως \* ὁμώνυμος τῷ Τρωικῷ· καὶ γὰρ τοῦτον ἐκ Λυκίας φασίν. 25

6 Εἰδ' ὁ Ξάνθος ποταμός, ὃν Σίρβιν ἐκάλουν τὸ πρότερον· ἀναπλεύσαντι δ' ὑπηρετικοῖς δέκα σταδίους τὸ Αἰτῶον ἔστιν· ὑπὲρ δὲ τοῦ ἱεροῦ προελθόντι ἐξή- C.666κοντα ἡ πόλις ἡ τῶν Ξανθίων ἐστὶ μεγίστη τῶν ἐν Λυκίᾳ. μετὰ δὲ τὴν Ξάνθον Πάταρα, καὶ αὕτη μεγάλη 30

25. post Τρωικῷ: ὡς καὶ Πανδαρέου κόρη χλωρῆς ἀηδών.



πόλις λιμένα ἔχουσα καὶ ἱερὰ Ἀπόλλωνος, κτίσμα Πα-  
τάρου. Πτολεμαῖος δ' ὁ φιλάδελφος ἐπισκευάσας Ἀρ-  
σινόην ἐκάλεσε τὴν ἐν Λυκίᾳ, ἐπεκράτησε δὲ τὸ ἐξ ἀρ-  
χῆς ὄνομα.

5 Εἴτα Μύρα ἐν εἴκοσι σταδίοις ὑπὲρ τῆς θαλάττης 7  
ἐπὶ μετεώρου λόφου. εἴθ' ἡ ἐκβολὴ τοῦ Λιμύρου πο-  
ταμοῦ καὶ ἀνιόντι περὶ σταδίους εἴκοσι τὰ Λίμυρα πο-  
λίχνη. μεταξὺ δ' ἐν τῷ λεχθέντι παράπλῳ νησία πολλὰ  
καὶ λιμένες, ὧν καὶ Μερίστη νῆσος καὶ πόλις ὁμώνυ-  
10 μος, \* ἡ Κισθήνη. ἐν δὲ τῇ μεσογαίᾳ χωρία Φελλὸς καὶ  
Ἀντίφελλος καὶ ἡ Χίμαιρα, ἧς ἐμνήσθημεν ἐπάνω.

Εἴθ' Ἱερὰ ἄκρα καὶ αἱ Χελιδόνιαι τρεῖς νῆσοι 8  
τραχεῖαι, πάρισοι τὸ μέγεθος, ὅσον πέντε σταδίοις ἀλ-  
λήλων διέχουσαι· τῆς δὲ γῆς ἀφεςτάσιν ἑξαστάδιον·  
15 μία δ' αὐτῶν καὶ πρόσορμον ἔχει. ἐντεῦθεν νομίζουσιν  
οἱ πολλοὶ τὴν ἀρχὴν λαμβάνειν τὸν Ταῦρον διὰ τε τὴν  
ἄκραν ὑψηλὴν οὖσαν καὶ καθήκουσαν ἀπὸ τῶν Πισι-  
δικῶν ὄρεων τῶν ὑπερκειμένων τῆς Παμφυλίας καὶ διὰ  
τὰς προκειμένας νήσους ἐχούσας ἐπιφανές τι σημεῖον  
20 ἐν τῇ θαλάττῃ κρασπέδου δίκην. τὸ δ' ἀληθὲς ἀπὸ τῆς  
Ῥοδίων περαιᾶς ἐπὶ τὰ πρὸς Πισιδίαν μέρη συνεχῆς  
ἐστὶν ἡ ὄρεινή, καλεῖται δὲ καὶ αὕτη Ταῦρος. δοκοῦσι  
δὲ αἱ Χελιδόνιαι κατὰ Κάνωβόν πως πίπτειν· τὸ δὲ  
διάγραμμα λέγεται τετρακισχιλίων σταδίων. ἀπὸ δὲ τῆς  
25 Ἱερᾶς ἄκρας ἐπὶ τὴν Ὀλβίαν λείπονται στάδιοι τριακό-  
σιοι ἐξήκοντα ἐπτά· ἐν τούτοις δ' ἐστὶν ἡ τε Κράμ-  
βουσα καὶ Ὀλυμπος πόλις μεγάλη καὶ ὄρος ὁμώνυμον,  
ὃ καὶ Φοινικοῦς καλεῖται· εἴτα Κώρυκος ὁ αἰγιαλός.

Εἴτα Φάσηλις τρεῖς ἔχουσα λιμένας, πόλις ἀξιόλο- 9  
30 γος καὶ λίμνη. ὑπέρεκειται δ' αὐτῆς τὰ Σόλυμα ὄρος  
καὶ Τερμησσὸς Πισιδικὴ πόλις, ἐπικειμένη τοῖς στενοῖς  
δι' ὧν ὑπερβάσις ἐστὶν εἰς τὴν Μιλυάδα. καὶ ὁ Ἀλέξαν-

δρος διὰ τοῦτο ἐξείλεν αὐτὴν ἀνοῖξαι βουλόμενος τὰ στενά. περὶ Φασήλιδα δ' ἐστὶ τὰ κατὰ θάλατταν στενά, δι' ὧν Ἀλέξανδρος παρήγαγε τὴν στρατιάν. ἔστι δ' ὄρος Κλίμαξ καλούμενον, ἐπίκειται δὲ τῷ Παμφυλίῳ πελάγει, στενὴν ἀπολείπον πάροδον ἐπὶ τῷ αἰγιαλῷ 5 ταῖς μὲν νηνεμίαις γυμνουμένην ὥστε εἶναι βάσιμον τοῖς ὁδεύουσι, πλημμύροντος δὲ τοῦ πελάγους ὑπὸ τῶν κυμάτων καλυπτομένην ἐπὶ πολὺ· ἡ μὲν οὖν διὰ τοῦ ὄρους ὑπέρβασις περίοδον ἔχει καὶ προσάντης ἐστί, τῷ δ' αἰγιαλῷ χρῶνται κατὰ τὰς εὐδίας. ὁ δὲ Ἀλέξανδρος 10 εἰς χειμέριον ἔμπεσὼν καιρὸν καὶ τὸ πλέον ἐπιτρέπων C.667 τῇ τύχῃ πρὶν ἀνεῖναι τὸ κῦμα ὥρμησε, καὶ ὅλην τὴν ἡμέραν ἐν ὕδατι γενέσθαι τὴν πορείαν συνέβη μέχρι ὀμφαλοῦ βαπτιζομένων. ἔστι μὲν οὖν καὶ αὕτη ἡ πόλις Λυκιακὴ ἐπὶ τῶν ὄρων ἰδρυμένη τῶν πρὸς Παμφυλίαν, 15 τοῦ δὲ κοινοῦ τῶν Λυκίων οὐ μετέχει, καθ' αὐτὴν δὲ συνέσθηκεν.

10 Ὁ μὲν οὖν ποιητὴς ἑτέρους τῶν Λυκίων ποιεῖ τοὺς Σολύμους· ὑπὸ γὰρ τοῦ τῶν Λυκίων βασιλέως πεμφθεὶς ὁ Βελλεροφόντης ἐπὶ δεύτερον τοῦτον ἄθλον 20 „Σολύμοισι μαχέσσατο κυδαλίμοισιν.“ οἱ δὲ τοὺς Λυκίους πρότερον καλεῖσθαι Σολύμους φάσκοντες, ὕστερον δὲ Τερμίλας ἀπὸ τῶν ἐκ Κρήτης συγκατελθόντων τῷ Σαρπηδόνι, μετὰ δὲ ταῦτα Λυκίους ἀπὸ Λύκου τοῦ Πανδίωνος, ὃν ἐκπεσόντα τῆς οἰκείας ἐδέξατο Σαρπη- 25 δὼν ἐπὶ μέρει τῆς ἀρχῆς, οὐχ ὁμολογούμενα λέγουσιν Ὅμηρῳ· βελτίους δ' οἱ φάσκοντες λέγεσθαι Σολύμους ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ τοὺς νῦν Μιλύας προσαγορευομένους, περὶ ὧν εἰρήκαμεν.

11 Μετὰ Φασήλιδα δ' ἐστὶν ἡ Ὀλβία, τῆς Παμφυλίας 30 ἀρχή, μέγα ἔρυμα, καὶ μετὰ ταύτην ὁ Καταράκτης λεγόμενος ἀφ' ὑψηλῆς πέτρας καταράττων ποταμὸς πο-



λὺς καὶ χειμαρρῶδης ὥστε πόρρωθεν ἀκούεσθαι τὸν ψόφον. εἶτα πόλις Ἀττάλεια, ἐπώνυμος τοῦ κτίσαντος Φιλαδέλφου καὶ οἰκίσαντος εἰς Κώρυνκον, πολίχνην ὁμορον, ἄλλην κατοικίαν καὶ μείζω περίβολον περι-  
 5 θέντος. φασὶ δ' ἐν τῷ μεταξὺ Φασήλιδος καὶ Ἀτταλείας δεικνυσθαι Θήβην τε καὶ Ἀνρνησόν, ἐκπεσόντων ἐκ τοῦ Θήβης πεδίου τῶν Τρωικῶν Κιλικίων εἰς τὴν Παμφυλίαν ἐκ μέρους, ὡς εἶρηκε Καλλισθένης.

Εἰθ' ὁ Κέστρος ποταμός, ὃν ἀναπλεύσαντι στα- 2  
 10 δίους ἐξήκοντα Πέργη πόλις καὶ πλησίον ἐπὶ μετεώρου τόπου τὸ τῆς Περγαίας Ἀρτέμιδος ἱερὸν, ἐν ᾧ πανήγυρις κατ' ἔτος συντελεῖται. εἰθ' ὑπὲρ τῆς θαλάττης ὅσον τετταράκοντα Σύλλιον πόλις ἐστὶν ὑψηλὴ τοῖς ἐκ Πέργης ἔποπτος· εἶτα λίμνη εὐμεγέθης Καπρία καὶ  
 15 μετὰ ταῦτα ὁ Εὐρύρμεδων ποταμός, ὃν ἀναπλεύσαντι ἐξήκοντα σταδίους Ἀσπενδος πόλις εὐανδροῦσα ἰκανῶς, Ἀργείων κτίσμα· ὑπέρεκται δὲ ταύτης Πετνηλίσσος· εἰτ' ἄλλος ποταμός καὶ νησία προκείμενα πολλά· εἶτα Σίδη Κυμαίων ἄποικος· ἔχει δ' Ἀθηναῖς  
 20 ἱερὸν. πλησίον δ' ἐστὶ καὶ ἡ Κιβυρατῶν παραλία τῶν μικρῶν· εἰθ' ὁ Μέλας ποταμός καὶ ὕφορμος· εἶτα Πτολεμαῖς πόλις· καὶ μετὰ ταῦθ' οἱ ὄροι τῆς Παμφυλίας καὶ τὸ Κορακήσιον, ἀρχὴ τῆς τραχείας Κιλικίας. ὁ δὲ παράπλους ἅπας ὁ Παμφύλιος στάδιοί εἰσιν ἑξα-  
 25 κόσιοι τεσσαράκοντα.

Φησὶ δ' Ἡρόδοτος τοὺς Παμφύλους τῶν μετὰ <sup>C.668</sup>  
 Ἀμφιλόχου καὶ Κάλχαντος εἶναι λαῶν μιγάδων τινῶν <sup>3</sup>  
 ἐκ Τροίας συνακολουθησάντων· τοὺς μὲν δὴ πολλοὺς ἐνθάδε καταμεῖναι, τινὰς δὲ σκεδασθῆναι πολλαχοῦ τῆς  
 30 γῆς. Καλλῆνος δὲ τὸν μὲν Κάλχαντα ἐν Κλάρῳ τελευτῆσαι τὸν βίον φησί, τοὺς δὲ λαοὺς μετὰ Μόψου τὸν Ταῦρον ὑπερθέντας τοὺς μὲν ἐν Παμφυλίᾳ μεῖναι

τοὺς δ' ἐν Κιλικίᾳ μερισθῆναι καὶ Συρίᾳ μέχρι καὶ Φοινίκης.

5 Τῆς Κιλικίας δὲ τῆς ἔξω τοῦ Ταύρου ἡ μὲν λέγεται τραχεῖα ἡ δὲ πεδιάς· τραχεῖα μὲν, ἥς ἡ παραλία στενὴ ἐστὶ καὶ οὐδὲν ἢ σπανίως ἔχει τι χωρίον ἐπίπεδον, καὶ 5 ἔτι ἥς ὑπέρκειται ὁ Ταῦρος οἰκούμενος κακῶς μέχρι καὶ τῶν προσβόρων πλευρῶν τῶν περὶ Ἰσαυρα καὶ τοὺς Ὀμοναδέας μέχρι τῆς Πισιδίας· καλεῖται δ' ἡ αὐτὴ καὶ Τραχειῶτις καὶ οἱ ἐνοικοῦντες Τραχειῶται· πεδιάς δ' ἡ ἀπὸ Σόλων καὶ Ταρσοῦ μέχρι Ἰσσοῦ, καὶ 10 ἔτι ἥς ὑπέρκεινται κατὰ τὸ πρόσβορον τοῦ Ταύρου πλευρὸν Καππάδοκες· αὕτη γὰρ ἡ χώρα τὸ πλέον πεδίων εὐπορεῖ καὶ χώρας ἀγαθῆς. ἐπεὶ δὲ τούτων τὰ μὲν ἐστὶν ἐντὸς τοῦ Ταύρου τὰ δ' ἐκτός, περὶ μὲν τῶν ἐντὸς εἴρηται, περὶ δὲ τῶν ἐκτὸς λέγωμεν ἀπὸ τῶν 15 Τραχειωτῶν ἀρξάμενοι.

2 Πρῶτον τοίνυν ἐστὶ τῶν Κιλικίων φρούριον τὸ Κορακῆσιον ἰδρυμένον ἐπὶ πέτρας ἀπορρῶγος, ᾧ ἐχρήσατο Διόδотος ὁ Τρύφων προσαγορευθεὶς ὁρμητηρίῳ καθ' ὃν καιρὸν ἀπέστησε τὴν Συρίαν τῶν βασιλέων 20 καὶ διεπολέμει πρὸς ἐκείνους, τότε μὲν κατορθῶν τότε δὲ πταίων. τοῦτον μὲν οὖν Ἀντίοχος ὁ Δημητρίου κατακλείσας εἰς τι χωρίον ἠνάγκασε διεργάσασθαι τὸ σῶμα· τοῖς δὲ Κίλιξιν ἀρχὴν τοῦ τὰ πειρατικά συνίστασθαι Τρύφων αἷτιος κατέστη καὶ ἡ τῶν βασιλέων 25 οὐδένεια τῶν τότε ἐκ διαδοχῆς ἐπιστατούντων τῆς Συρίας ἅμα καὶ τῆς Κιλικίας· τῷ γὰρ ἐκείνου νεωτερισμῷ συνενεωτέρισαν καὶ ἄλλοι, διχοστατοῦντές τε ἀδελφοὶ πρὸς ἀλλήλους ὑποχείριον ἐποιοῦν τὴν χώραν τοῖς ἐπιτιθεμένοις. ἡ δὲ τῶν ἀνδραπόδων ἑξαγωγὴ 30 προὔκαλεῖτο μάλιστα εἰς τὰς κακουργίας ἐπικερδεστάτης γενομένη· καὶ γὰρ ἠλίσκοντο ῥαδίως, καὶ τὸ ἐμπόριον



οὐ παντελῶς ἄπωθεν ἦν μέγα καὶ πολυχρήματον, ἡ  
 Ἀῆλος, δυναμένη μυριάδας ἀνδραπόδων αὐθημερόν  
 καὶ δέξασθαι καὶ ἀποπέμψαι, ὥστε καὶ παροιμίαν γενέ-  
 σθαι διὰ τοῦτο „ἔμπορε, κατάπλευσον, ἐξελοῦ, πάντα  
 5 „πέπραται.“ αἴτιον δ' ὅτι πλούσιοι γενόμενοι Ῥωμαῖοι  
 μετὰ τὴν Καρχηδόνας καὶ Κορίνθου κατασκαφὴν οἰκε-  
 τείαις ἐχρῶντο πολλαῖς· ὁρῶντες δὲ τὴν εὐπέτειαν οἱ C.669  
 λησται ταύτην ἐξήνθησαν ἀθρόως, αὐτοὶ καὶ ληζόμενοι  
 καὶ σωματεμποροῦντες. συνήρουν δ' εἰς ταῦτα καὶ  
 10 οἱ τῆς Κύπρου καὶ οἱ τῆς Αἰγύπτου βασιλεῖς ἐχθροὶ  
 τοῖς Σύροις ὄντες· οὐδ' οἱ Ῥόδιοι δὲ φίλοι ἦσαν αὐτοῖς  
 ὥστ' οὐδὲν ἐβοήθουν· ἅμα δὲ καὶ οἱ λησται προσποιού-  
 μενοι σωματεμπορεῖν ἄλυτον τὴν κακουργίαν εἶχον.  
 ἀλλ' οὐδὲ Ῥωμαῖοί πω τοσοῦτον ἐφρόντιζον τῶν ἔξω  
 15 τοῦ Ταύρου, ἀλλ' ἐπεμψαν μὲν καὶ Σκιπίωνα τὸν Αἰ-  
 μιλιανὸν ἐπισκεψόμενον τὰ ἔθνη καὶ τὰς πόλεις καὶ  
 πάλιν ἄλλους τινάς, ἐγνώσαν δὲ κακία τῶν ἀρχόντων  
 συμβαῖνον τοῦτο, εἰ καὶ τὴν κατὰ γένος διαδοχὴν τὴν  
 ἀπὸ Σελεύκου τοῦ Νικάτορος αὐτοὶ κεκυρωκότες  
 20 ἡδοῦντο ἀφαιρεῖσθαι. τοῦτο δὲ συμβὰν τῆς μὲν χώρας  
 ἐποίησε κυρίους Παρθυαίους, οἱ τὰ πέραν τοῦ Εὐφρά-  
 του κατέσχον, τὸ τελευταῖον δὲ καὶ Ἀρμενίους, οἱ καὶ  
 τὴν ἐκτὸς τοῦ Ταύρου προσέλαβον μέχρι καὶ Φοινίκης,  
 καὶ τοὺς βασιλέας κατέλυσαν εἰς δύναμιν καὶ τὸ γένος  
 25 αὐτῶν σύμπαν, τὴν δὲ θάλατταν τοῖς Κίλιξι παρέδω-  
 καν. εἴτ' αὐξηθέντας ἠναγκάσθησαν καταλύειν Ῥω-  
 μαῖοι πολέμῳ καὶ μετὰ στρατιᾷς οὓς αὐξομένους οὐκ  
 ἐκώλυσαν. ὀλιγωρίαν μὲν οὖν αὐτῶν χαλεπὸν κα-  
 ταγνώσθαι· πρὸς ἑτέροις δὲ ὄντες τοῖς ἐγγυτέρῳ καὶ  
 30 κατὰ χεῖρα μᾶλλον οὐχ οἰοί τε ἦσαν τὰ ἄπωτέρῳ σκο-  
 πεῖν. ταῦτα μὲν οὖν ἔδοξεν ἡμῖν ἐν παρεκβάσει διὰ  
 βραχέων εἰπεῖν.

3 Μετὰ δὲ τὸ Κορακήσιον \* Ἀρσινόη πόλις, εἶδ' Ἀμαξία ἐπὶ βουνοῦ κατοικία τις ὕφορμον ἔχουσα, ὅπου κατάγεται ἡ ναυπηγήσιμος ὕλη. κέδρος δ' ἐστὶν ἡ πλείστη, καὶ δοκεῖ ταῦτα τὰ μέρη πλεονεκτεῖν τῇ τοιαύτῃ ξυλείᾳ· καὶ διὰ τοῦτ' Ἀντώνιος Κλεοπάτρα τὰ 5 χωρία ταῦτα προσένειμεν ἐπιτήδεια ὄντα πρὸς τὰς τῶν στόλων κατασκευάς. εἶτα Λαέρτης φρουρίον ἐπὶ λόφου μαστοειδοῦς ὕφορμον ἔχον· εἶτα Σελινούς πόλις· εἶτα Κράγος πέτρα περὶ κρημνος πρὸς θαλάττῃ· εἶτα Χαράδρους ἔρυμα καὶ αὐτὸ ὕφορμον ἔχον (ὑπερκεῖται δ' 10 ὄρος Ἀνδρικός) καὶ παράπλους τραχὺς Πλατανιστῆς καλούμενος· εἶτ' Ἀνεμούριον ἄκρα καθ' ἣν ἡ ἥπειρος ἐγγυτάτῳ τῆς Κυπρίας ἐστὶν ἐπὶ Κρομμύου ἄκραν ἐν διάρματι σταδίων τριακοσίων πεντήκοντα. εἰς μὲν οὖν τὸ Ἀνεμούριον ἀπὸ τῶν ὄρων τῆς Παμφυλίας ὁ Κιλί- 15 κιος παράπλους σταδίων ἐστὶν ὀκτακοσίων εἴκοσι, λοιπὸς δ' ἐστὶ μέχρι Σόλων ὅσον πεντακοσίων παράπλους C.670 σταδίων. τούτου δ' ἐστὶ Νάγιδος πρώτη μετὰ τὸ Ἀνεμούριον πόλις· εἶτ' Ἀρσινόη πρόσφορμον ἔχουσα· εἶτα τόπος Μελανία καὶ Κελένδερις πόλις λιμένα ἔχουσα. 20 τινὲς δὲ ταύτην ἀρχὴν τίθενται τῆς Κιλικίας, οὐ τὸ Κορακήσιον, ὧν ἐστὶ καὶ ὁ Ἀρτεμίδωρος· καὶ φησιν ἀπὸ μὲν τοῦ Πηλουσιακοῦ στόματος εἶναι τρισχιλίους ἑξακοσίους σταδίους εἰς Ὀρθωσίαν, ἐπὶ δὲ τὸν Ὀρόντην ποταμὸν χίλια ἑκατὸν τριάκοντα, ἐπὶ δὲ τὰς πύλας ἐξῆς 25 πεντακόσια εἰκοσιπέντε, ἐπὶ δὲ τοὺς ὄρους τῶν Κιλικίων χίλια ἑνακόσια εἴκοσιν.

4 Εἶδ' Ὀλμοι, ὅπου πρότερον ὦκουν οἱ νῦν Σελευκεῖς, κτισθείσης δ' ἐπὶ τῷ Καλυκάδνῳ τῆς Σελευκείας ἐκεῖ μετρωκίσθησαν. εὐθύς γάρ ἐστὶν ἡ τοῦ Καλυ- 30 κάδνου ἐκβολὴ κάμψαντι ἡὸνα ποιοῦσαν ἄκραν ἣ καλεῖται Σαρπηδών. πλησίον δ' ἐστὶ τοῦ Καλυκάδνου



καὶ τὸ Ζεφύριον καὶ αὕτη ἄκρα· ἔχει δὲ ὁ ποταμὸς ἀνάπλουν εἰς τὴν Σελεύκειαν πόλιν εὖ συνοικουμένην καὶ πολὺ ἀφεστῶσαν τοῦ Κιλικίου καὶ Παμφυλίου τρόπου. ἐνταῦθα ἐγένοντο καθ' ἡμᾶς ἄνδρες ἀξιόλογοι  
 5 τῶν ἐκ τοῦ περιπάτου φιλοσόφων Ἀθηναῖός τε καὶ Ξέναρχος, ὧν ὁ μὲν Ἀθηναῖος καὶ ἐπολιτεύσατο καὶ ἐδημαγωγῶν ἤρουν τινὰ ἐν τῇ πατρίδι, εἴτ' ἐμπεσὼν εἰς τὴν Μουρῆνα φιλίαν ἐκείνῳ συνεάλω φεύγων φω-  
 10 ραθείσης τῆς κατὰ Καίσαρος τοῦ Σεβαστοῦ συσταθεί-  
 σης ἐπιβουλῆς· ἀναίτιος δὲ φανεὶς ἀφείθη ὑπὸ Καίσα-  
 ρος. ὥς δ' ἐπανιόντα \* εἰς Ῥώμην ἡσπάζοντο καὶ ἐπνυ-  
 θάνοντο οἱ πρῶτοι ἐντυγχάνοντες, τὸ Εὐριπίδου ἔφη  
 „ἦκω νεκρῶν κευθμῶνα καὶ σκότου πύλας λιπών.“  
 ὀλίγον δ' ἐπιβιὺς χρόνον ἐν συμπτώσει τῆς οἰκίας ἐν  
 15 ἧ ὥκει διεφθάρη νύκτωρ γενομένη, Ξέναρχος δέ, οὗ  
 ἡκροασάμεθα ἡμεῖς, ἐν οἴκῳ μὲν οὐ πολὺ διέτριψεν,  
 ἐν Ἀλεξανδρείᾳ δὲ καὶ Ἀθήνῃσι καὶ τὸ τελευταῖον ἐν  
 Ῥώμῃ, τὸν παιδευτικὸν βίον ἐλόμενος· χρησάμενος δὲ  
 καὶ τῇ Ἀρείου φιλίᾳ καὶ μετὰ ταῦτα τῇ Καίσαρος τοῦ  
 20 Σεβαστοῦ διετέλεσε μέχρι γήρως ἐν τιμῇ ἀγόμενος·  
 μικρὸν δὲ πρὸ τῆς τελευτῆς πηρωθεὶς τὴν ὄψιν κα-  
 τέστρεψε νόσῳ τὸν βίον.

Μετὰ δὲ τὸν Καλύκαδνον ἡ Ποικίλη λεγομένη 5  
 πέτρα κλίμακα ἔχουσα λατομητὴν ἐπὶ Σελεύκειαν  
 25 ἄγουσαν. εἴτ' Ἀνεμούριον ἄκρα ὁμώνυμος τῇ προτέρᾳ,  
 καὶ Κράμβουσα νῆσος καὶ Κώρυκος ἄκρα, ὑπὲρ ἧς ἐν  
 εἴκοσι σταδίοις ἐστὶ τὸ Κωρύκιον ἄντρον, ἐν ᾧ ἡ ἀρίστη  
 κρόκος φύεται. ἔστι δὲ κοιλὰς μεγάλη κυκλοτερὴς  
 ἔχουσα περικειμένην ὄφρ' οὖν πετρώδη πανταχόθεν ἰκα-  
 30 νῶς ὑψηλὴν· καταβάντι δ' εἰς αὐτὴν ἀνώμαλόν ἐστιν  
 ἔδαφος καὶ τὸ πολὺ πετρώδες, μεστὸν δὲ τῆς θαμνώ-  
 δους ὕλης ἀειθαλοῦς τε καὶ ἡμέρου· παρέσπαρται δὲ

καὶ τὰ ἐδάφη τὰ φέροντα τὴν κρόκον. ἔστι δὲ καὶ ἄν-  
τρον αὐτόθι ἔχον πηγὴν μεγάλην ποταμὸν ἐξεῖδαν  
καθαροῦ τε καὶ διαφανοῦς ὕδατος, εὐθὺς καταπίπτοντα  
ὑπὸ γῆς· ἐνεχθεὶς δ' ἀφανὴς ἔξεισιν εἰς τὴν θάλατταν·  
καλοῦσι δὲ πικρὸν ὕδωρ.

- 6 Εἰδ' ἡ Ἐλαιοῦσσα νῆσος μετὰ τὴν Κώρυκον,  
προσκειμένη τῇ ἡπείρῳ, ἣν συνώκισεν Ἀρχέλαος καὶ  
κατεσκευάσατο βασίλειον λαβὼν τὴν Τραχειῶτιν Κι-  
λικίαν ὅλην πλὴν Σελευκείας, καθ' ὃν τρόπον καὶ  
Ἀμύντας πρότερον εἶχε καὶ ἔτι πρότερον Κλεοπάτρα. 1  
εὐφροῦς γὰρ ὄντος τοῦ τόπου πρὸς τὰ ληστήρια καὶ  
κατὰ γῆν καὶ κατὰ θάλατταν (κατὰ γῆν μὲν διὰ τὸ μέ-  
γεθος τῶν ὄρων καὶ τῶν ὑπερκειμένων ἐθνῶν, πεδιά  
καὶ γεώργια ἐχόντων μεγάλα καὶ εὐκατατρόχαστα,  
κατὰ θάλατταν δὲ διὰ τὴν εὐπορίαν τῆς τε ναυπηγησί- 1  
μου ὕλης καὶ τῶν λιμένων καὶ ἐρυμάτων καὶ ὑποδυ-  
τηρίων), ἐδόκει πρὸς ἅπαν τὸ τοιοῦτο βασιλεύεσθαι  
μᾶλλον τοὺς τόπους ἢ ὑπὸ τοῖς Ῥωμαίοις ἡγεμόσιν  
εἶναι τοῖς ἐπὶ τὰς κρίσεις πεμπομένοις, οἳ μὴτ' αἰεὶ πα-  
ρεῖναι ἔμελλον μήτε μεθ' ὅπλων. οὕτω μὲν Ἀρχέλαος 2  
ἔλαβε πρὸς τῇ Καππαδοκίᾳ τὴν τραχείαν Κιλικίαν.  
εἰσὶ δ' ὄροι ταύτης μεταξὺ Σόλων τε καὶ Ἐλαιούσσης  
ὁ Λάμος ποταμὸς καὶ κόμη ὁμώνυμος.

- 7 Κατὰ δὲ τὰς ἀκρωρείας τοῦ Ταύρου τὸ Ζηνικέτου  
πειρατήριον ἔστιν ὁ Ὀλυμπος ὄρος τε καὶ φρούριον 2  
ὁμώνυμον, ἀφ' οὗ κατοπτεύεται πᾶσα Ἀνκία καὶ Παμ-  
φυλία καὶ Πισιδία καὶ Μιlynάς· ἄλόντος δὲ τοῦ ὄρους  
[ὑπὸ] τοῦ Ἰσαυρικοῦ, ἐνέπρησεν ἑαυτὸν πανοίκιον.  
τούτου δ' ἦν καὶ ὁ Κώρυκος καὶ ἡ Φάσηλις καὶ πολλὰ  
τῶν Παμφύλων χωρία· πάντα δ' εἶλεν ὁ Ἰσαυρικός. 3

- 8 Μετὰ δὲ Λάμον Σόλοι πόλις ἀξιόλογος, τῆς ἄλλης  
Κιλικίας ἀρχὴ τῆς περὶ τὸν Ἰσόν, Ἀχαιῶν καὶ Ῥοδίων



κτίσμα τῶν ἐκ Αἰνδου· εἰς ταύτην λειπανδρήσασαν Πομπήιος Μάγνος κατώκισε τοὺς περιγενομένους τῶν πειρατῶν, οὓς μάλιστα ἔγνω σωτηρίας καὶ προνοίας τινὸς ἀξίους, καὶ μετωνόμασε Πομπηιόπολιν. γεγόνασι δ' ἄνδρες ἐνθένδε τῶν ὀνομαστῶν Χρύσιππός τε ὁ στωικὸς φιλόσοφος πατρὸς ὧν Ταρσέως ἐκεῖθεν μετοικήσαντος, καὶ Φιλήμων ὁ κωμικὸς ποιητής, καὶ Ἄρατος ὁ τὰ φαινόμενα συγγράψας ἐν ἔπεσιν.

Εἵτα Ζεφύριον ὁμώνυμον τῷ πρὸς Καλύδνῳ· εἴτ' 9  
 Ὁ Ἀρχιάλη μικρὸν ὑπὲρ τῆς θαλάττης, κτίσμα Σαρδαναπάλλου, φησὶν Ἀριστόβουλος· ἐνταῦθα δ' εἶναι C.672  
 μνημα τοῦ Σαρδαναπάλλου καὶ τύπον λίθινον συμβάλλοντα τοὺς τῆς δεξιᾶς χειρὸς δακτύλους ὥς ἂν ἀποκροτοῦντα, καὶ ἐπιγραφὴν εἶναι Ἀσσυρίοις γράμμασι τοιάνδε, „Σαρδανάπαλλος ὁ Ἀνακυνδαράξεω παῖς „Ἀρχιάλην καὶ Ταρσὸν ἔδωκεν ἡμέρη μιῇ. ἔσθιε πῖνε „παῖξε, ὥς τᾶλλα τούτου θύκ ἄξια,“ τοῦ ἀποκροτήματος. μέμνηται δὲ καὶ Χοιρίλος τούτων· καὶ δὴ καὶ περιφέρεται τὰ ἔπη ταυτί „ταῦτ' ἔχω, ὅσσ' ἔφαγον καὶ 20 „ἀφύβρισα, καὶ μετ' ἔρωτος τέρπν' ἔπαθον, τὰ δὲ „πολλὰ καὶ ὄλβια κεῖνα λέλειπται.“

Ὑπέρκειται δὲ τὰ Κύνδα τῆς Ἀρχιάλης ἔρουμα, ᾧ 10  
 ἐχρήσαντό ποτε οἱ Μακεδόνες γαζοφυλακίῳ· ἦρε δὲ τὰ χρήματα Εὐμένης ἀποστάς Ἀντιγόνου. ἔτι δ' ὕπερ- 25  
 θεν τούτου τε καὶ τῶν Σόλων ὀρεινὴ ἔστιν, ἐν ἣ Ὀλβη πόλις Διὸς ἱερὸν ἔχουσα, Αἴαντος ἱδρυμα τοῦ Τεύκρου· καὶ ὁ ἱερεὺς δυνάστης ἐγένετο τῆς Τραχειώτιδος· εἴτ' ἐπέθεντο τῇ χώρᾳ τύραννοι πολλοί, καὶ συνέστη τὰ ληστήρια. μετὰ δὲ τὴν τούτων κατάλυσιν ἐφ' ἡμῶν 30  
 ἤδη τὴν τοῦ Τεύκρου δυναστείαν ταύτην ἐκάλουν, τὴν δ' αὐτὴν καὶ ἱερωσύνην· καὶ οἱ πλεῖστοί γε τῶν ἱερασαμένων ὠνομάζοντο Τεῦκροὶ ἢ Αἴαντες. εἰσιούσα δὲ

Ἄβα κατ' ἐπιγαμίαν εἰς τὸν οἶκον τοῦτον, ἡ Ζηνοφά-  
 νους θυγάτηρ ἑνὸς τῶν τυράννων, αὐτὴ κατέσχε τὴν  
 ἀρχὴν προλαβόντος τοῦ πατρὸς ἐν ἐπιτρόπου σχήματι·  
 ὕστερον δὲ καὶ Ἀντώνιος καὶ Κλεοπάτρα κατεχαρί-  
 σαντο ἐκείνῃ θεραπεύαις ἐκλιπαρηθέντες· ἔπειθ' ἡ μὲν 5  
 κατελύθη τοῖς δ' ἀπὸ τοῦ γένους διέμεινεν ἡ ἀρχή.  
 μετὰ δὲ τὴν Ἀρχιάλην αἱ τοῦ Κύδνου ἐκβολαὶ κατὰ τὸ  
 Ῥῆγμα καλούμενον. ἔστι δὲ λιμνάζων τόπος ἔχων καὶ  
 παλαιὰ νεώρια, εἰς ὃν ἐκπίπτει ὁ Κύδνος ὁ διαρρέων  
 μέσῃ τὴν Ταρσὸν τὰς ἀρχὰς ἔχων ἀπὸ τοῦ ὑπερκει- 10  
 μένου τῆς πόλεως Ταύρου· καὶ ἔστιν ἐπίνειον ἡ λίμνη  
 τῆς Ταρσοῦ.

C. 673

11

Μέχρι μὲν δὴ δεῦρο ἡ παραλία πᾶσα ἀπὸ τῆς Ῥο-  
 δίας περαιᾶς ἀρξαμένη πρὸς ἰσημερινὰς ἀνατολὰς ἀπὸ  
 τῶν ὁμωνύμων ἐκτείνεται δύοσεων, εἰτ' ἐπὶ τὴν χειμε- 15  
 ρινὴν ἀνατολὴν ἐπιστρέφει μέχρι Ἰσσοῦ, κἀντεῦθεν  
 ἤδη καμπὴν λαμβάνει πρὸς νότον μέχρι Φοινίκης, τὸ  
 δὲ λοιπὸν πρὸς δύσιν μέχρι στηλῶν τελευτᾷ. τὸ μὲν  
 οὖν ἀληθὲς ὁ ἰσθμὸς τῆς περιωδευμένης χειρρονήσου  
 οὗτός ἐστιν ὁ ἀπὸ Ταρσοῦ καὶ τῆς ἐκβολῆς τοῦ Κύδνου 20  
 μέχρι Ἀμισοῦ· τὸ γὰρ ἐλάχιστον ἐξ Ἀμισοῦ διάστημα  
 ἐπὶ τοὺς Κιλίκων ὄρους τοῦτ' ἔστιν· ἐντεῦθεν δὲ ἑκα-  
 τὸν εἴκοσιν εἰσιν εἰς Ταρσὸν στάδιοι, κἀκεῖθεν οὐ  
 πλείους ἐπὶ τὴν ἐκβολὴν τοῦ Κύδνου. καὶ μὴν ἐπὶ γε  
 Ἰσσὸν καὶ τὴν κατ' αὐτὴν θάλατταν οὔτ' ἄλλη ὁδὸς 25  
 συντομωτέρα ἐστὶν ἐξ Ἀμισοῦ τῆς διὰ Ταρσοῦ, οὔτ' ἐκ  
 Ταρσοῦ ἐπὶ Ἰσσὸν ἐγγυτέρω ἐστὶν ἢ ἐπὶ Κύδνον, ὥστε  
 δῆλον ὅτι ταῖς μὲν ἀληθείαις οὗτος ἂν εἴῃ ὁ ἰσθμὸς,  
 λέγεται δ' ὅμως ὁ μέχρι τοῦ Ἰσσυκοῦ κόλπον, παρα-  
 κλεπτόντων διὰ τὸ σημειῶδες. διὰ δὲ τοῦτ' αὐτὸ καὶ 30  
 τὴν ἐκ τῆς Ῥοδίας γραμμὴν, ἣν μέχρι τοῦ Κύδνου κα-  
 τηγάγομεν, τὴν αὐτὴν ἀποφαίνομεν τῇ μέχρι Ἰσσοῦ,



οὐδὲν παρὰ τοῦτο ποιούμενοι, καὶ τὸν Ταῦρόν φαμεν διήκειν ἐπ' εὐθείας τῇδε τῇ γραμμῇ μέχρι τῆς Ἰνδικῆς.

Ἡ δὲ Ταρσὸς κεῖται μὲν ἐν πεδίῳ κτίσμα δ' ἐστὶ 12  
τῶν μετὰ Τριπτολέμου πλανηθέντων Ἀργείων κατὰ  
5 ζήτησιν Ἰοῦς· διαρρεῖ δ' αὐτὴν μέσσην ὁ Κύνδος παρ'  
αὐτὸ τὸ γυμνάσιον τῶν νέων· ἅτε δὲ τῆς πηγῆς οὐ  
πολὺ ἄπωθεν οὔσης, καὶ τοῦ ρεῖθρου διὰ φάραγγος  
βαθείας ἰόντος, εἴτ' εὐθύς εἰς τὴν πόλιν ἐκπίπτουτος,  
ψυχρόν τε καὶ τραχὺ τὸ ρεῦμά ἐστιν, ὅθεν καὶ τοῖς πα-  
10 χυνευροῦσι \* ῥοιζομένοις καὶ κτήνεσι καὶ ἀνθρώποις  
ἐπικουρεῖ.

Τοσαύτη δὲ τοῖς ἐνθάδε ἀνθρώποις σπουδὴ πρὸς 13  
τε φιλοσοφίαν καὶ τὴν ἄλλην παιδείαν ἐγκύκλιον ἅπα-  
σαν γέρονεν ὥσθ' ὑπερβέβληνται καὶ Ἀθήνας καὶ  
15 Ἀλεξάνδρειαν καὶ εἴ τινα ἄλλον τόπον δυνατὸν εἰπεῖν,  
ἐν ᾧ σχολαὶ καὶ διατριβαὶ φιλοσόφων γεγόνασιν· δια-  
φέρει δὲ τοσοῦτον ὅτι ἐνταῦθα μὲν οἱ φιλομαθοῦντες  
ἐπιχώριοι πάντες εἰσὶ, ξένοι δ' οὐκ ἐπιδημοῦσι ῥαδίως·  
οὐδ' αὐτοὶ οὗτοι μένουσιν αὐτόθι, ἀλλὰ καὶ τελειοῦνται  
20 ἐκδημήσαντες καὶ τελειωθέντες ξενιτεύουσιν ἡδέως,  
κατέρχονται δ' ὀλίγοι. ταῖς δ' ἄλλαις πόλεσιν ἅς ἀρ-  
τίως εἶπον πλὴν Ἀλεξανδρείας συμβαίνει τὰναντία·  
φοιτῶσι γὰρ εἰς αὐτάς πολλοὶ καὶ διατρίβουσιν αὐτόθι C.674  
ἄσμενοι, τῶν δ' ἐπιχωρίων οὐ πολλοὺς οὔτ' ἂν ἔξω  
25 φοιτῶντας ἴδοις κατὰ φιλομάθειαν, οὔτ' αὐτόθι περὶ  
τοῦτο σπουδάζοντας· Ἀλεξανδρεῦσι δ' ἀμφοτέρω συμ-  
βαίνει· καὶ γὰρ δέχονται πολλοὺς τῶν ξένων καὶ ἐκ-  
πέμπουσιν τῶν ἰδίων οὐκ ὀλίγους . . . . καὶ εἰσὶ σχολαὶ  
παρ' αὐτοῖς παντοδαπαὶ τῶν περὶ λόγους τεχνῶν, καὶ  
30 τᾶλλα δ' εὐανδρεῖ καὶ πλεῖστον δύναται τὸν τῆς μη-  
τροπόλεως ἐπέχουσα λόγον.

Ἄνδρες δ' ἐξ αὐτῆς γεγόνασιν τῶν μὲν στωικῶν 14

Ἀντίπατρός τε καὶ Ἀρχέδημος καὶ Νέστωρ, ἔτι δ' Ἀθηνόδωροι δύο, ὧν ὁ μὲν Κορδυλίων καλούμενος συνεβίωσε Μάρκῳ Κάτωνι καὶ ἐτελεύτα παρ' ἐκείνῳ, ὁ δὲ τοῦ Σάνδωνος, ὃν καὶ Κανανίτην φασὶν ἀπὸ κώμης τινός, Καίσαρος καθηγήσατο καὶ τιμῆς ἔτυχε μεγάλης, 5 κατιῶν τε εἰς τὴν πατρίδα ἥδη γηραιὸς κατέλυσε τὴν καθεστῶσαν πολιτείαν κακῶς φερομένην ὑπὸ τε ἄλλων καὶ Βοήθου, κακοῦ μὲν ποιητοῦ κακοῦ δὲ πολίτου, δημοκοπίαις ἰσχύσαντος τὸ πλεόν. ἐπῆρε δ' αὐτὸν καὶ Ἀντώνιος κατ' ἀρχὰς ἀποδεξάμενος τὸ γραφέν εἰς τὴν 10 ἐν Φιλίπποις νίκην ἔπος, καὶ ἔτι μᾶλλον ἢ εὐχέρεια ἢ ἐπιπολάζουσα παρὰ τοῖς Ταρσεῦσιν ὥστ' ἀπαύστως σχεδιάζειν παρὰ χρῆμα πρὸς τὴν δεδομένην ὑπόθεσιν· καὶ δὴ καὶ γυμνασιαρχίαν ὑποσχόμενος Ταρσεῦσι τοῦτον ἀντὶ γυμνασιάρχου κατέστησε, καὶ τὰ ἀναλώματα 15 ἐπίστευσεν αὐτῷ. ἐφωράθη δὲ νοσφισάμενος τὰ τε ἄλλα καὶ τοῦλαιον· ἐλεγχόμενος δ' ὑπὸ τῶν κατηγορῶν ἐπὶ τοῦ Ἀντωνίου παρητεῖτο τὴν ὀργήν, σὺν ἄλλοις καὶ ταῦτα λέγων ὅτι „ὥσπερ Ὀμηρος ἐξύμνησεν „Ἀχιλλέα καὶ Ἀγαμέμνονα καὶ Ὀδυσσεά, οὕτως ἐγὼ 20 „σέ· οὐ δίκαιος οὖν εἰμι εἰς τοιαύτας ἄγασθαι διαβο- „λὰς ἐπὶ σοῦ.“ παραλαβὼν οὖν ὁ κατήγορος τὸν λόγον „ἀλλ' Ὀμηρος μὲν“ ἔφη, „ἔλαιον Ἀγαμέμνονος οὐκ „ἐκλεψεν, ἀλλ' οὐδὲ Ἀχιλλέως, σὺ δέ· ὥστε δώσεις „δίκην.“ διακρουσάμενος δ' οὖν θεραπείαις τισὶ τὴν 25 ὀργὴν οὐδὲν ἤττον διετέλεσιν ἄγων καὶ φέρων τὴν πόλιν μέχρι τῆς καταστροφῆς τοῦ Ἀντωνίου. τοιαύτην δὲ τὴν πόλιν καταλαβὼν ὁ Ἀθηνόδωρος τέως μὲν ἐπεχείρει λόγῳ μετὰγειν καὶ κείνῳ καὶ τοὺς συστασιώτας· ὥς δ' οὐκ ἀπείχοντο ὕβρεως οὐδεμιᾶς, ἐχρήσατο τῇ 30 δοθείσῃ ὑπὸ τοῦ Καίσαρος ἐξουσίᾳ καὶ ἐξέβαλεν αὐτοὺς καταγνοὺς φυγὴν. οἱ δὲ πρῶτον μὲν κατετοιχογράφη-



σαν αὐτοῦ τοιαῦτα „ἔργα νέων, βουλαὶ δὲ μέσων, C.675  
 „πορδαὶ δὲ γερόντων.“ ἐπεὶ δ' ἐκεῖνος ἐν παιδιᾷς μέρει  
 δεξιόμενος ἐκέλευσε παρεπιγράψαι „βρουνται δὲ γερόν-  
 „των,“ καταφρονήσας τις τοῦ ἐπεικουῦς εὐλυτον τὸ  
 5 κοιλίδιον ἔχων προσέρρανε πολὺ τῇ θύρᾳ καὶ τῷ τοίχῳ  
 νύκτωρ παριὼν τὴν οἰκίαν· ὁ δὲ τῆς στάσεως κατηγο-  
 ρῶν ἐν ἐκκλησίᾳ „τὴν νόσον τῆς πόλεως“ ἔφη „καὶ  
 „τὴν καχεξίαν πολλαχόθεν σκοπεῖν ἔξεστι, καὶ δὴ καὶ  
 „ἐκ τῶν διαχωρημάτων.“ οὗτοι μὲν στωικοὶ ἄνδρες·  
 10 ἀκαδημαῖκός δὲ Νέστωρ ὁ κατ' ἡμᾶς, ὁ Μαρκέλλου  
 καθηγησάμενος τοῦ Ὀκτασίας παιδός, τῆς Καίσαρος  
 ἀδελφῆς. καὶ οὗτος δὲ προέστη τῆς πολιτείας διαδεξά-  
 μενος τὸν Ἀθηνόδωρον, καὶ διετέλεσε τιμώμενος παρὰ  
 τε τοῖς ἡγεμόσι καὶ ἐν τῇ πόλει.

15 Τῶν δ' ἄλλων φιλοσόφων „οὓς κεν ἐν γνοίην καὶ 15  
 „τ' οὖνομα μυθησαίμην,“ Πλουτιάδης τε ἐγένετο καὶ  
 Διογένης τῶν περιπολιζόντων καὶ σχολὰς διατιθεμέ-  
 νων εὐφυῶς· ὁ δὲ Διογένης καὶ ποιήματα ὥσπερ ἀπε-  
 φοίβαζε τεθείσης ὑποθέσεως, τραγικὰ ὥς ἐπὶ πολὺ·  
 20 γραμματικοὶ δὲ ὧν καὶ συγγράμματα ἔστιν, Ἀρτεμί-  
 δωρός τε καὶ Διόδωρος· ποιητῆς δὲ τραγωδίας ἄριστος  
 τῶν τῆς Πλειάδος καταριθμουμένων Διονυσίδης. μά-  
 λιστα δ' ἡ Ῥώμη δύναται διδάσκειν τὸ πλῆθος τῶν ἐκ  
 τῆσδε τῆς πόλεως φιλολόγων· Ταρσέων γὰρ καὶ Ἀλε-  
 25 ξανδρέων ἐστὶ μεστή. τοιαύτη μὲν ἡ Ταρσός.

Μετὰ δὲ τὸν Κύδνον ὁ Πύραμος ἐκ τῆς Καταονίας 16  
 ῥέων, οὗπερ καὶ πρότερον ἐμνήσθημεν· φησὶ δ' Ἀρ-  
 τεμίδωρος ἐντεῦθεν εἰς Σόλους εὐθυπλοία σταδίου  
 εἶναι πεντακοσίους. πλησίον δὲ καὶ Μαλλὸς ἐφ' ὕψους  
 30 κειμένη, κτίσμα Ἀμφιλόχου καὶ Μόφου τοῦ Ἀπόλλω-  
 νος καὶ Μαντοῦς, περὶ ὧν πολλὰ μυθολογεῖται· καὶ  
 δὴ καὶ ἡμεῖς ἐμνήσθημεν αὐτῶν ἐν τοῖς περὶ Κάλχαν-

τος λόγοις καὶ τῆς ἔριδος ἣν ἤρισαν περὶ τῆς μαντικῆς ὅ τε Κάλχας καὶ ὁ Μόψος· ταύτην τε γὰρ τὴν ἔριν μεταφέρουσιν ἔνιοι, καθάπερ καὶ Σοφοκλῆς, εἰς τὴν Κιλικίαν, καλέσας ἐκεῖνος αὐτὴν Παμφυλίαν τραγικῶς, καθάπερ καὶ τὴν Λυκίαν Καρίαν καὶ τὴν Τροίαν καὶ 5 Λυδίαν Φρυγίαν· καὶ τὸν θάνατον δὲ τοῦ Κάλχαντος ἐνταῦθα παραδιδόασιν ἄλλοι τε καὶ Σοφοκλῆς. οὐ μόνον δὲ τὴν περὶ τῆς μαντικῆς ἔριν μεμυθεύκασιν ἀλλὰ καὶ τῆς ἀρχῆς. τὸν γὰρ Μόψον φασὶ καὶ τὸν Ἀμφίλο- C.676 χον ἐκ Τροίας ἐλθόντας κτίσαι Μαλλόν· εἴτ' Ἀμφίλο- 10 χον εἰς Ἄργος ἀπελθεῖν, δυσαρεστήσαντα δὲ τοῖς ἐκεῖ πάλιν ἀναστρέφαι δεῦρο, ἀποκλειόμενον δὲ τῆς κοινω- νίας συμβαλεῖν εἰς μονομαχίαν πρὸς τὸν Μόψον, πε- σόντας δ' ἀμφοτέρους ταφῆναι μὴ ἐν ἐπόψει ἀλλήλοις· καὶ νῦν οἱ τάφοι δείκνυνται περὶ Μάγαρσα τοῦ Πυ- 15 ράμου πλησίον. ἐντεῦθεν δ' ἦν Κράτης ὁ γραμματικός, οὗ φησι γενέσθαι μαθητὴς Παναίτιος.

17 Ὑπέρκειται δὲ τῆς παραλίας ταύτης Ἀλήιον πε- δίον, δι' οὗ Φιλωτᾶς διήγαγεν Ἀλεξάνδρῳ τὴν ἵππον, ἐκείνου τὴν φάλαγγα ἀγαρόντος ἐκ τῶν Σόλων διὰ τῆς 20 παραλίας καὶ τῆς Μαλλώτιδος ἐπὶ τε Ἰσδὸν καὶ τὰς Δαρείου δυνάμεις. φασὶ δὲ καὶ ἐναγίσαι τῷ Ἀμφιλόχῳ τὸν Ἀλέξανδρον διὰ τὴν ἐξ Ἄργους συγγένειαν. Ἡσίο- dos δ' ἐν Σόλοις ὑπὸ Ἀπόλλωνος ἀναιρεθῆναι τὸν Ἀμφιλόχον φησιν, οἱ δὲ περὶ τὸ Ἀλήιον πεδίον, οἱ δ' 25 ἐν Συρίᾳ, ἀπὸ τοῦ Ἀληίου ἀπιόντα διὰ τὴν ἔριν.

18 Μετὰ δὲ Μαλλὸν Αἰγαῖαι πολίχνιον ὕφορμον ἔχον· εἴτ' Ἀμανίδες πύλαι ὕφορμον ἔχουσαι, εἰς ἃς τελευτᾷ τὸ Ἀμανὸν ὄρος ἀπὸ τοῦ Ταύρου καθήκον, ὃ τῆς Κιλικίας ὑπέρκειται κατὰ τὸ πρὸς ἕω μέρος, αἰ 30 μὲν ὑπὸ πλειόνων δυναστευόμενον τυράννων ἐχόντων ἐρύματα· καθ' ἡμᾶς δὲ κατέστη κύριος πάντων ἀνὴρ



ἀξιόλογος καὶ βασιλεὺς ὑπὸ Ῥωμαίων ὠνομάσθη διὰ τὰς ἀνδραγαθίας Ταρκονδίμοτος, καὶ τὴν διαδοχὴν τοῖς μετ' αὐτὸν παρέδωκε.

Μετὰ δὲ Αἰγαίας Ἰσδὸς πολίχνην ὕφορμον ἔχον 19  
5 καὶ ποταμὸς Πίναρος. ἐνταῦθα ὁ ἄγων συνέπεσεν Ἀλεξάνδρῳ καὶ Δαρείῳ· καὶ ὁ κόλπος εἴρηται Ἰσσι-  
κός· ἐν αὐτῷ δὲ πόλις Ῥωσὸς καὶ Μυρίανδρος πόλις  
καὶ Ἀλεξάνδρεια καὶ Νικόπολις καὶ Μοφουεστία καὶ  
[αἰ] πύλαι λεγόμεναι, ὄριον Κιλικίων τε καὶ Σύρων. ἐν  
10 δὲ τῇ Κιλικίᾳ ἐστὶ καὶ τὸ τῆς Σαρπηδονίας Ἀρτέμιδος  
ἱερὸν καὶ μαντεῖον, τοὺς δὲ χρησμοὺς ἐνθεοὶ προθεσπί-  
ζουσιν.

Μετὰ δὲ τὴν Κιλικίαν πρώτη πόλις ἐστὶ τῶν Σύ- 20  
ρων Σελεύκεια ἢ ἐν Πιερίᾳ, καὶ πλησίον Ὀρόντης ἐκ-  
15 δίδωσι ποταμός. ἐστὶ δ' ἀπὸ Σελευκείας εἰς Σόλους  
ἐπ' εὐθείας πλοῦς ὀλίγον ἀπολείπων τῶν χιλίων στα-  
δίων.

Τῶν δ' ἐν Τροίᾳ Κιλικίων ὧν Ὅμηρος μέμνηται 21  
πολὺ διεστώτων ἀπὸ τῶν ἔξω τοῦ Ταύρου Κιλικίων,  
20 οἱ μὲν ἀποφαίνουσιν ἀρχηγέτας τοὺς ἐν τῇ Τροίᾳ τού-  
των καὶ δεικνύουσί τινας τόπους κἀνταῦθα, ὥσπερ ἐν  
τῇ Παμφυλίᾳ Θήβην καὶ Λυρνησσόν, οἱ δ' ἔμπαλιν  
καὶ Ἀλήϊόν τι πεδίου κἀκεῖ δεικνύουσι. περιωδευμέ-  
νων δὲ καὶ τῶν ἔξω τοῦ Ταύρου μερῶν τῆς προειρημέ-  
25 νης χερσονήσου, προσθετέον ἐστὶ καὶ ταῦτα.

Ὁ γὰρ Ἀπολλόδωρος ἐν τοῖς περὶ νεῶν ἐτι καὶ C.677  
τοιαῦτα λέγει· τοὺς γὰρ ἐκ τῆς Ἀσίας ἐπικούρους τῶν 22  
Τρώων ἅπαντας καταριθμείσθαι φησὶν ὑπὸ τοῦ ποιη-  
τοῦ τῆς χερσονήσου κατοίκους ὄντας, ἧς ὁ στενωτάτος  
30 ἰσθμός ἐστὶ τὸ μεταξὺ τοῦ κατὰ Σινώπην μυχοῦ καὶ  
Ἰσσοῦ· „αἱ δ' ἐκτὸς πλευραὶ“ φησί „τριγωνοειδοῦς  
„οὔσης, εἰσὶ μὲν ἄνισοι, παρήκουσι δὲ ἢ μὲν ἀπὸ Κιλι-

„κίας ἐπὶ Χελιδονίας, ἡ δ' ἐνθένδε ἐπὶ τὸ στόμα τοῦ  
 „Εὐξείνου, ἡ δ' ἐπὶ Σινώπην πάλιν ἐνθένδε.“ τὸ μὲν  
 οὖν μόνους τοὺς ἐν τῇ χειρρονήσῳ διὰ τῶν αὐτῶν  
 ἐλέγχοιτ' ἂν ψεῦδος ὃν δι' ὧν ἡλέγξαμεν πρότερον  
 μὴ μόνους τοὺς ἐντὸς Ἄλνυος. οἱ γὰρ περὶ Φαρνακίαν 5  
 τόποι ἐν οἷς τοὺς Ἀλιζώνους ἔφαμεν, ὥσπερ ἔξω τοῦ  
 Ἄλνυος εἰσιν, οὕτω καὶ ἔξω τοῦ ἱσθμοῦ, εἶπερ καὶ τῶν  
 στενωπῶν τῶν μεταξὺ Σινώπης καὶ Ἰσσοῦ, καὶ οὐ τούτων  
 γε μόνων ἀλλὰ καὶ τῶν κατ' ἀλήθειαν στενωπῶν τῶν  
 μεταξὺ Ἀμισοῦ τε καὶ Ἰσσοῦ· οὐδὲ γὰρ ἐκεῖνος ὀρθῶς 10  
 ἀφώρισται τὸν ἱσθμόν καὶ τὰ κατ' αὐτὸν στενά, ἐκεῖνα  
 ἀντὶ τούτων τιθεῖς. πάντων δ' εὐηθέστατον τὸ τὴν  
 χειρρόνησον τριγωνοειδῇ φήσαντα τρεῖς ἀποφήνασθαι  
 τὰς ἔξω πλευράς· ὁ γὰρ τὰς ἔξω λέγων πλευράς ἔοικεν  
 ὑπεξαίρουμένῳ τὴν κατὰ τὰ στενά, ὥς καὶ ταύτην οὐ- 15  
 σαν πλευράν, οὐκ ἔξω δὲ οὐδ' ἐπὶ θαλάττῃ. εἰ μὲν  
 τοίνυν τὰ στενὰ ταῦτα οὕτως ἦν συνηγμένα ὥστε μι-  
 κρὸν ἀπολείπειν τοῦ συνάπτειν \* ἐπ' ἀλλήλαις τὴν τε  
 ἐπὶ Ἰσσοῦ καὶ τὴν ἐπὶ Σινώπην πίπτουσιν πλευράν,  
 συνεχώρει ἂν τριγωνοειδῇ λέγεσθαι τὴν χειρρόνησον· 20  
 νῦν δέ γε τρισχιλίους σταδίους ἀπολειπόντων μεταξὺ  
 τῶν ὑπ' αὐτοῦ λεγομένων στενωπῶν, ἀμαθία τὸ λέγειν  
 τριγωνοειδὲς τὸ τοιοῦτον τετράπλευρον, οὐδὲ χωρο-  
 γραφικόν. ὁ δὲ καὶ χωρογραφίαν ἐξέδωκεν ἐν κωμικῷ  
 μέτρῳ γῆς περίοδον ἐπιγράψας. μένει δ' ἡ αὐτὴ ἀμα- 25  
 θία καὶ εἰς τοῦλάχιστον καταγάρῃ διάστημα τις τὸν  
 ἱσθμόν, ὅσον εἰρήκασιν οἱ πλεῖστον ψευδάμενοι τὸ  
 ἡμισυ τοῦ παντός, ὅσον εἰρηκε καὶ Ἀρτεμίδωρος, χι-  
 λίους καὶ πεντακοσίους σταδίους· οὐδὲ γὰρ τοῦτο συν-  
 αγωγὴν πω τριγωνοειδοῦς ποιεῖ σχήματος. ἀλλ' οὐδὲ 30  
 τὰς πλευράς ὀρθῶς διήρηται τὰς ἔξω τὴν ἀπὸ Ἰσσοῦ  
 μέχρι Χελιδονίων εἰπών· λοιπὴ γὰρ ἐστὶν ὅλη ἐπ' εὐ-



θείας ἢ Λυκιακὴ παραλία ταύτῃ, καὶ ἡ τῶν Ῥοδίων πε-  
ραία μέχρι Φύσκου· ἐντεῦθεν δὲ καμπὴν λαβοῦσα ἡ  
ἡπειρος ἄρχεται τὴν δευτέραν καὶ δυσμικὴν ποιεῖν  
πλευρὰν ἄχρι Προποντίδος καὶ Βυζαντίου.

5 Φήσαντος δὲ τοῦ Ἐφόρου διότι τὴν χερσόνησον <sup>0.678</sup>  
κατοικεῖ ταύτην ἐκκαίδεκα γένῃ, τρία μὲν Ἑλληνικὰ <sup>23</sup>  
τὰ δὲ λοιπὰ βάρβαρα χωρὶς τῶν μιγάδων, ἐπὶ θαλάττῃ  
μὲν Κίλικες καὶ Πάμφυλοι καὶ Λύκιοι καὶ Βιθυνοὶ καὶ  
Παφλαγόνες καὶ Μαριανδυνοὶ καὶ Τρωῆς καὶ Κᾶρες,  
10 Πισίδαι δὲ καὶ Μυσοὶ καὶ Χάλυβες καὶ Φρύγες καὶ  
Μιλύαι ἐν τῇ μεσογαίᾳ, διαιτῶν ταῦτα ὁ Ἀπολλόδα-  
ρος ἑπτακαίδεκατόν φησιν εἶναι τὸ τῶν Γαλατῶν, ὃ  
νεώτερόν ἐστι τοῦ Ἐφόρου, τῶν δ' εἰρημένων τὰ μὲν  
Ἑλληνικὰ μήπω κατὰ τὰ Τρωικὰ κατρωκίσθαι, τὰ δὲ  
15 βάρβαρα πολλὴν ἔχειν σύγχυσιν διὰ τὸν χρόνον· κα-  
ταλέγεσθαι δ' ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ τό τε τῶν Τρώων καὶ  
τῶν νῦν ὀνομαζομένων Παφλαγόνων καὶ Μυσῶν καὶ  
Φρυγῶν καὶ Καρῶν καὶ Λυκίων, Μήονάς [τε] ἀντὶ  
Λυδῶν καὶ ἄλλους ἀγνώτας, οἷον Ἀλιζῶνας καὶ Καύ-  
20 κωνας· ἐκτὸς δὲ τοῦ καταλόγου Κητεῖους τε καὶ Σο-  
λύμους καὶ Κίλικας τοὺς ἐκ Θήβης πεδίου καὶ Λέλεγας·  
Παμφύλους δὲ καὶ Βιθυνοὺς καὶ Μαριανδυνοὺς καὶ  
Πισίδας καὶ Χάλυβας καὶ Μιλύας καὶ Καππάδοκας  
μηδ' ὠνομάσθαι, τοὺς μὲν διὰ τὸ μηδέπω τοὺς τόπους  
25 κατρωκικέναι τούτους, τοὺς δὲ διὰ τὸ ἑτέροις γένεσι  
περιέχεσθαι, ὥς Ἰδριεῖς μὲν καὶ Τερμίλαι Καρσί, Δο-  
λίονες δὲ καὶ Βέρβυκες Φρυγί.

Φαίνεται δ' οὔτε τοῦ Ἐφόρου τὴν ἀπόφασιν διαι- <sup>24</sup>  
τῶν ἱκανῶς τά τε τοῦ ποιητοῦ ταράττων καὶ καταψευ-  
30 δόμενος. Ἐφόρου τε γὰρ τοῦτο πρῶτον ἀπαιτεῖν  
ἐχρῆν, τί δὴ τοὺς Χάλυβας τίθησιν ἐντὸς τῆς χερσονή-  
σου τοσοῦτον ἀφεστῶτας καὶ Σινώπης καὶ Ἀμισοῦ

πρὸς ἑώ; οἱ γὰρ λέγοντες τὸν ἰσθμὸν τῆς χειρρονήσου  
 ταύτης τὴν ἀπὸ Ἰσσοῦ γραμμὴν ἐπὶ τὸν Εὐξείνιον, ὥς  
 ἂν μεσημβρινὴν τινα τιθέασι ταύτην, [ἦν] οἱ μὲν εἶναι  
 νομίζουσι τὴν ἐπὶ Σινώπης οἱ δὲ τὴν ἐπ' Ἀμισοῦ, ἐπὶ  
 δὲ τῶν Χαλύβων οὐδεὶς· λοξὴ γάρ ἐστι τελέως. ὁ γὰρ 5  
 δὴ διὰ Χαλύβων μεσημβρινὸς διὰ τῆς μικρᾶς Ἀρμενίας  
 γράφοιτ' ἂν καὶ τοῦ Εὐφράτου τὴν Καππαδοκίαν ὅλην  
 ἐντὸς ἀπολαμβάνων καὶ τὴν Κομμαγηνὴν καὶ τὸν  
 Ἀμανὸν καὶ τὸν Ἰσικὸν κόλπον. εἰ δ' οὖν καὶ τὴν  
 λοξὴν γραμμὴν ὀρίζειν τὸν ἰσθμὸν συγχωρήσαιμεν, 10  
 τὰ πλεῖστά γε τούτων καὶ μάλιστα ἡ Καππαδοκία ἐν-  
 τὸς ἀπολαμβάνοιτ' ἂν καὶ ὁ νῦν ἰδίως λεγόμενος Πόν-  
 τος τῆς Καππαδοκίας μέρος ὦν τὸ πρὸς τῷ Εὐξείνῳ,  
 ὥστ' εἰ τοὺς Χάλυβας τῆς χειρρονήσου θετέον μέρος,  
 πολὺ μᾶλλον τοὺς Κατάοντας καὶ Καππάδοκας ἀμφο- 15  
 τέρους καὶ Λυκάοντας δέ, οὓς καὶ αὐτοὺς παρήκε. διὰ  
 τί δ' ἐν τοῖς μεσογαίοις ἔταξε τοὺς Χάλυβας, οὓς ὁ  
 C.679 ποιητὴς Ἀλιζῶνας ἐκάλεσεν, ὥσπερ καὶ ἡμεῖς ἀπεδεί-  
 ξαμεν; ἄμεινον γὰρ ἦν διελεῖν καὶ τοὺς μὲν ἐπὶ τῇ θα-  
 λάττῃ φάναι τοὺς δὲ ἐν τῇ μεσογαίᾳ· ὅπερ καὶ ἐπὶ τῆς 20  
 Καππαδοκίας ποιητέον καὶ τῆς Κιλικίας. ὁ δὲ τὴν μὲν  
 οὐδ' ὠνόμακε, τοὺς Κίλικας δὲ τοὺς ἐπὶ τῇ θαλάττῃ  
 μόνον εἶρηκεν. οἱ οὖν ἐπ' Ἀντιπάτρῳ τῷ Δερβήτῃ καὶ  
 οἱ Ὀμοναδεῖς καὶ ἄλλοι πλείους οἱ συνάπτοντες τοῖς  
 Πισίδαις, „οὐκ ἴσασι θάλατταν ἀνέρες, οὐδέ θ' 25  
 „ἄλεσσι μεμιγμένον εἶδαρ ἔδουσι“ τίνα λάβωσι τάξιν;  
 ἀλλ' οὐδὲ Λυδοὺς οὐδὲ Μήονας εἶρηκεν, εἴτε δύο εἶθ'  
 οἱ αὐτοὶ εἰσι, καὶ εἴτε καθ' ἑαυτοὺς εἴτ' ἐν ἑτέρῳ γένει  
 περιεχομένους. οὕτω γὰρ ἐπίσημον ἔθνος οὐκ ἀπο-  
 κρύψαι δυνατόν, ὅ τε μὴ λέγων περὶ αὐτοῦ μηδὲν οὐκ 30  
 ἂν δόξειε παραλιπεῖν τι τῶν κυριωτάτων;



παρὰ τοὺς λεχθέντας τόπους ἢ ὠνομάσθαι ὑπ' αὐτοῦ  
 ἢ παραλελειφθαι ἄλλους οὓς ἀποδώσομεν τοῖς μιγάσιν,  
 οὐδέ γε αὐτῶν τινας τούτων ὧν ἢ εἶπεν ἢ παρέλιπε.  
 καὶ γὰρ εἰ κατεμίχθησαν, ἀλλ' ἡ ἐπικράτεια πεποίηκεν  
 5 ἢ Ἑλληνας ἢ βαρβάρους· τρίτον δὲ γένος οὐδὲν ἴσμεν  
 τὸ μικτόν.

Πῶς δὲ τρία γένη τῶν Ἑλλήνων ἐστὶ τὰ τὴν χερσό- 26  
 νησον οἰκοῦντα; εἰ γάρ, ὅτι τὸ παλαιὸν οἱ αὐτοὶ ἦσαν  
 Ἴωνες καὶ Ἀθηναῖοι, λεγέσθωσαν καὶ οἱ Ἀωριεῖς καὶ οἱ  
 10 Αἰολεῖς οἱ αὐτοί, ὥστε δύο ἔθνη γίνοιτ' ἄν· εἰ δὲ διαι-  
 ρετέον κατὰ τὰ ὕστερα ἔθνη, καθάπερ καὶ τὰς διαλέ-  
 κτους, τέτταρα ἂν εἴη καὶ τὰ ἔθνη, καθάπερ καὶ αἱ  
 διάλεκτοι. οἰκοῦσι δὲ τὴν χερρόνησον ταύτην, καὶ μά-  
 λιστα κατὰ τὸν τοῦ Ἐφόρου διορισμόν, οὐκ Ἴωνες μό-  
 15 νον ἀλλὰ καὶ Ἀθηναῖοι, καθάπερ ἐν τοῖς καθ' ἕκαστα  
 δεδήλωται. τοιαῦτα μὲν δὴ πρὸς τὸν Ἐφορον διαπορεῖν  
 ἄξιον· Ἀπολλόδωρος δὲ τούτων μὲν ἐφρόντισεν οὐδέν,  
 τοῖς δὲ ἑκκαίδεκα ἔθνεσι προστίθησιν ἑπτακαιδέκατον,  
 τὸ τῶν Γαλατῶν, ἄλλως μὲν χρήσιμον λεχθῆναι, πρὸς  
 20 δὲ τὴν δίαίταν τῶν ὑπὸ τοῦ Ἐφόρου λεγομένων ἢ πα-  
 ραλειπομένων οὐ δέον· εἴρηκε δὲ τὴν αἰτίαν αὐτός, ὅτι  
 ταῦτα πάντα νεώτερα τῆς ἐκείνου ἡλικίας.

Μεταβὰς δ' ἐπὶ τὸν ποιητὴν τοῦτο μὲν ὁρθῶς 27  
 λέγει, διότι πολλὴ σύγχυσις γεγένηται τῶν βαρβάρων  
 25 ἔθνων ἀπὸ τῶν Τρωικῶν εἰς τὰ νῦν διὰ τὰς μεταπτώ-  
 σεις· καὶ γὰρ προσγέγονέ τινα καὶ ἐλλέλοιπε καὶ διέ-  
 σπασται καὶ συνηκται εἰς ἓν. οὐκ εὖ δὲ τὴν αἰτίαν  
 διττὴν ἀποφαίνει δι' ἣν οὐ μέμνηται τινων ὁ ποιητής·  
 ἢ τῷ μήπω τότε οἰκεῖσθαι ὑπὸ τοῦ ἔθνους τούτου, ἢ C.680  
 30 τῷ ἐν ἑτέρῳ γένει περιέχεσθαι. τὴν γὰρ Καππαδοκίαν  
 οὐκ εἴρηκεν, οὐδὲ τὴν Καταονίαν, ὥς δ' αὐτως τὴν  
 Λυκαονίαν, δι' οὐδέτερον τούτων· οὐ γὰρ ἔχομεν

τοιαύτην ἱστορίαν ἐπ' αὐτῶν οὐδεμίαν. γελοῖόν τε τὸ τοὺς Καππάδοκας καὶ Λυκάονας διὰ τί μὲν Ὅμηρος παρέλιπε φροντίσαι καὶ ἀπολογήσασθαι, διὰ τί δ' Ἐφορος παρῆλθε παρελθεῖν καὶ αὐτόν, καὶ ταῦτα παρὰθέμενον πρὸς αὐτὸ τοῦτο τὴν ἀπόφασιν τάνδρος, 5 πρὸς τὸ ἐξετάσαι καὶ διαιτῆσαι· καὶ διότι μὲν Μήονας ἀντὶ Λυδῶν Ὅμηρος εἶπε διδάξαι, ὅτι δ' οὔτε Λυδοὺς οὔτε Μήονας εἶρηκεν Ἐφορος μὴ ἐπισημῆνασθαι.

28 Φήσας δὲ ἀγνώτων τινῶν μεμνησθαι τὸν ποιητὴν, Καύκωνας μὲν ὀρθῶς λέγει καὶ Σολύμους καὶ Κητειούς 10 καὶ Λέλεγας καὶ Κίλικας τοὺς ἐκ Θήβης πεδίου, τοὺς δ' Ἀλιζῶνας αὐτὸς πλάττει, μᾶλλον δ' οἱ πρῶτοι τοὺς Ἀλιζῶνας ἀγνοήσαντες τίνες εἰσί, καὶ μεταγράφοντες πλεοναχῶς καὶ πλάττοντες τὴν τοῦ ἀργύρου γενέθλην καὶ ἄλλα πολλὰ μέταλλα, ἐκλελειμμένα ἅπαντα. πρὸς 15 ταύτην δὲ τὴν φιλοτιμίαν κἀκείνας συνήγαγον τὰς ἱστορίας, ἃς ὁ Σκήψιος τίθησι παρὰ Καλλισθένους λαβὼν καὶ ἄλλων τινῶν, οὐ καθαρυνόντων τῆς περὶ τῶν Ἀλιζῶνων ψευδοδοξίας· ὥς ὁ μὲν Ταντάλου πλοῦτος καὶ τῶν Πελοπιδῶν ἀπὸ τῶν περὶ Φρυγίαν 20 καὶ Σίπυλον μετὰλλων ἐγένετο· ὁ δὲ Κάδμου [ἐκ τῶν] περὶ Θράκην καὶ τὸ Παγγαῖον ὄρος· ὁ δὲ Πριάμου ἐκ τῶν ἐν Ἀστυροῖς περὶ Ἀβυδὸν χρυσείων, ὧν καὶ νῦν ἔτι μικρὰ λείπεται· πολλὴ δ' ἡ ἐκβολὴ καὶ τὰ ὀρύγματα σημεῖα τῆς πάλαι μεταλλείας· ὁ δὲ Μίδου ἐκ τῶν περὶ 25 τὸ Βέρμιον ὄρος· ὁ δὲ Γύγου καὶ Ἀλυάττου καὶ Κροίσου ἀπὸ τῶν ἐν Λυδίᾳ . . . \* τῆς μεταξὺ Ἀταρνεῶς τε καὶ Περγάμου πολίχνη ἐρήμη ἐκμεμεταλλευμένα ἔχουσα τὰ χωρία.

29 Ἔτι καὶ ταῦτα μέμψαιτο ἂν τις τοῦ Ἀπολλοδώρου, 30 ὅτι τῶν νεωτέρων καινοτομοούντων πολλὰ παρὰ τὰς Ὀμηρικὰς ἀποφάσεις, εἰωθὼς ταῦτ' ἐλέγχειν ἐπὶ πλεόν,



ἐνταῦθα οὐκ ὀλιγόρηκε μόνον, ἀλλὰ καὶ τάναντία εἰς  
 ἐν συνάγει τὰ μὴ ὥσαύτως λεγόμενα. ὁ μὲν γὰρ Ξάν-  
 θος ὁ Λυδὸς μετὰ τὰ Τρωικὰ φησιν ἐλθεῖν τοὺς Φρύ-  
 γας ἐκ τῆς Εὐρώπης καὶ τῶν ἀριστερῶν τοῦ Πόντου,  
 5 ἄραγεῖν δ' αὐτοὺς Σκαμάνδριον ἐκ Βερεκύντων καὶ  
 Ἀσκανίας. ἐπιλέγει δὲ τούτοις ὁ Ἀπολλόδωρος, ὅτι  
 τῆς Ἀσκανίας ταύτης μνημονεύει καὶ Ὅμηρος ἥς ὁ  
 Ξάνθος „Φόρκυς δὲ Φρύγας ἤγε καὶ Ἀσκάnios θεοει-  
 „δῆς τῇλ' ἐξ Ἀσκανίης.“ ἀλλ' εἰ οὕτως ἔχει, ἡ μὲν με- C.681  
 10 τανάστασις ὕστερον ἂν εἴη τῶν Τρωικῶν γεγονυῖα, ἐν  
 δὲ τοῖς Τρωικοῖς τὸ λεγόμενον ὑπὸ τοῦ ποιητοῦ ἐπι-  
 κουρικὸν ἦκεν ἐκ τῆς περαίας ἐκ τῶν Βερεκύντων καὶ  
 τῆς Ἀσκανίας. τίνες οὖν Φρύγες ἦσαν „οἳ ῥα τότ'  
 „ἔστρατόωντο παρ' ὄχθας Σαγγαρίοιο,“ ὅτε ὁ Πρία-  
 15 μος „ἐπίκουρος ἐὼν μετὰ τοῖσιν ἐλέγμην“ φησί; πῶς  
 δὲ ἐκ μὲν Βερεκύντων μετεπέμπετο Φρύγας ὁ Πρίαμος,  
 πρὸς οὓς οὐδὲν ἦν αὐτῷ συμβόλαιον, τοὺς δ' ὁμόρους  
 καὶ οἷς αὐτὸς πρότερον ἐπεκούρησε παρέλιπεν; οὕτω  
 δὲ περὶ τῶν Φρυγῶν εἰπὼν ἐπιφέρει καὶ τὰ περὶ τῶν  
 20 Μυσῶν οὐχ ὁμολογούμενα τούτοις· λέγεσθαι γὰρ φησι  
 καὶ τῆς Μυσίας κώμην Ἀσκανίαν περὶ λίμνην ὁμῶν-  
 μον, ἐξ ἧς καὶ τὸν Ἀσκάνιον ποταμὸν ῥεῖν, οὗ μνημο-  
 νεύει καὶ Εὐφορίων „Μυσοῖο παρ' ὕδασιν Ἀσκα-  
 „νίοιο.“ καὶ ὁ Αἰτωλὸς Ἀλέξανδρος „οἳ καὶ ἐπ' Ἀσκα-  
 25 „νίῳ δώματ' ἔχουσι ῥόφ, λίμνης Ἀσκανίης ἐπὶ χεῖλεσιν·  
 „ἐνθα Δολίων υἱὸς Σειληνοῦ νάσσατο καὶ Μελίης.“  
 καλοῦσι δέ, φησί, Δολιονίδα καὶ Μυσίαν τὴν περὶ Κύ-  
 ζικον ἰόντι εἰς Μιλητούπολιν. εἰ οὖν οὕτως ἔχει ταῦτα,  
 καὶ ἐκμαρτυρεῖται ὑπὸ τῶν δεικνυμένων νῦν καὶ ὑπὸ  
 30 τῶν ποιητῶν, τί ἐκώλυε τὸν Ὅμηρον ταύτης μεμνη-  
 σθαι τῆς Ἀσκανίας, ἀλλὰ μὴ τῆς ὑπὸ Ξάνθου λεγομέ-

νης; εἴρηται δὲ καὶ πρότερον περὶ τούτων ἐν τῷ περὶ  
Μυσῶν καὶ Φρυγῶν λόγῳ, ὥστε ἐχέτω πέρας.

6 Λοιπὸν δὲ τὴν πρὸς νότου παρακειμένην τῇ χερ-  
ρουήσῳ ταύτῃ περιοδεῦσαι νῆσον τὴν Κύπρον. εἴρη-  
ται δ' ὅτι ἡ περιεχομένη θάλαττα ὑπὸ τῆς Αἰγύπτου 5  
καὶ Φοινίκης καὶ Συρίας καὶ τῆς λοιπῆς παραλίας μέχρι  
τῆς Ῥοδίας σύνθετός πῶς ἐστὶν ἕκ τε τοῦ Αἰγυπτίου  
πελάγους καὶ τοῦ Παμφυλίου καὶ τοῦ κατὰ τὸν Ἰσσι-  
κὸν κόλπον. ἐν δὲ ταύτῃ ἐστὶν ἡ Κύπρος, τὰ μὲν προσ-  
άρκτια μέρη συνάπτουτα ἔχουσα τῇ Τραχείᾳ Κιλικίᾳ, 10  
καθ' ἃ δὴ καὶ προσεχεστάτῃ τῇ ἡπείρῳ ἐστί, τὰ δὲ ἑῷα  
τῷ Ἰσσικῷ κόλπῳ, τὰ δ' ἐσπέρια τῷ Παμφυλίῳ κλυζό-  
μενα πελάγει, τὰ δὲ νότια τῷ Αἰγυπτίῳ. τοῦτο μὲν  
οὖν σύρρουν ἐστὶν ἀπὸ τῆς ἐσπέρας τῷ Λιβυκῷ καὶ τῷ  
Καρπαθίῳ πελάγει, ἀπὸ δὲ τῶν νοτίων καὶ τῶν ἑῳων 15  
μερῶν ἡ τε Αἰγυπτὸς ἐστὶ καὶ ἡ ἐφεξῆς παραλία μέχρι  
Σελευκείας τε καὶ Ἰσσοῦ, πρὸς ἄρκτον δ' ἡ τε Κύπρος  
καὶ τὸ Παμφύλιον πέλαγος. τοῦτο δὲ ἀπὸ μὲν τῶν  
ἄρκτων περιέχεται τοῖς τε ἄκροις τῆς Τραχείας Κιλι-  
κίας καὶ τῆς Παμφυλίας καὶ Λυκίας μέχρι τῆς Ῥοδίας, 20  
ἀπὸ δὲ τῆς δύσεως τῇ Ῥοδίῳ νήσῳ, ἀπὸ δὲ τῆς ἀνα-  
C.682τολῆς τῇ Κύπρῳ τῇ κατὰ Πάφον καὶ τὸν Ἀκάμαντα,  
ἀπὸ δὲ τῆς μεσημβρίας σύρρουν ἐστὶ τῷ Αἰγυπτίῳ  
πελάγει.

2 Ἔστι δ' ὁ μὲν κύκλος τῆς Κύπρου σταδίων τρισχι- 25  
λίων καὶ τετρακοσίων εἴκοσι κατακολπίζοντι· μῆκος  
δὲ ἀπὸ Κλειδῶν ἐπὶ τὸν Ἀκάμαντα πεξῇ σταδίων χι-  
λίων τετρακοσίων ὁδεύοντι ἀπ' ἀνατολῆς ἐπὶ δύσιν.  
εἰσὶ δὲ αἱ μὲν Κλειδες νησιά δύο προσκειμένα τῇ Κύ-  
πρῳ κατὰ τὰ ἑωθινὰ μέρη τῆς νήσου, τὰ διέχοντα τοῦ 30  
Πυράμου σταδίους ἑπτακοσίους· ὁ δ' Ἀκάμας ἐστὶν  
ἄκρα δύο μαστοὺς ἔχουσα καὶ ὕλην πολλήν, κείμενος



- μὲν ἐπὶ τῶν ἐσπερίων τῆς νήσου μερῶν, ἀνατείνων δὲ  
 πρὸς ἄρκτους, ἐγγυτάτω μὲν πρὸς Σελινοῦντα τῆς  
 Τραχείας Κιλικίας ἐν διάρματι χιλίων σταδίων, πρὸς  
 Σίδην δὲ τῆς Παμφυλίας χιλίων καὶ ἑξακοσίων, πρὸς  
 5 δὲ Χελιδονίας χιλίων ἑνακοσίων. ἔστι δὲ ἑτερόμηκες  
 τὸ ὅλον τῆς νήσου σχῆμα, καὶ πον καὶ ἰσθμοὺς ποιεῖ  
 κατὰ τὰς τὸ πλάτος διοριζούσας πλευράς· ἔχει δὲ καὶ  
 τὰ καθ' ἕκαστα ὡς ἐν βραχέσιν εἰπεῖν οὕτως, ἀρξα-  
 μένοις ἀπὸ τοῦ προσεχεστάτου σημείου τῇ ἡπείρῳ.
- 10 Ἐφαιμεν δὲ πον κατὰ τὸ Ἀνεμούριον ἄκραν τῆς 3  
 Τραχείας Κιλικίας ἀντικεῖσθαι τὸ τῶν Κυπρίων ἀκρω-  
 τήριον τὴν Κρομμύου ἄκραν ἐν τριάκοσίοις καὶ πεν-  
 τήκοντα σταδίοις· ἐντεῦθεν δ' ἤδη δεξιὰν τὴν νῆσον  
 ἔχουσιν, ἐν ἀριστερᾷ δὲ τὴν ἡπειρον, πρὸς ἄρκτον ὃ
- 15 πλοῦς ἐστι καὶ πρὸς ἑω καὶ πρὸς τὰς Κλεῖδας εὐθυπλοία  
 σταδίων ἑπτακοσίων. ἐν δὲ τῷ μεταξὺ Λάπαθός τέ ἐστι  
 πόλις ὕφορμον ἔχουσα καὶ νεώρια, Λακώνων κτίσμα  
 καὶ Πραξάνδρου, καθ' ἣν ἡ Νάγιδος· εἴτ' Ἀφροδίσιον,  
 καθ' ὃ στενὴ ἡ νῆσος· εἰς γὰρ Σαλαμῖνα ὑπέρβασις
- 20 σταδίων ἑβδομήκοντα· εἴτ' Ἀχαιῶν ἀκτὴ, ὅπου Τεῦ-  
 κρος προσωρμίσθη πρῶτον ὃ κτίσας Σαλαμῖνα τὴν ἐν  
 Κύπρῳ, ἐκβληθεὶς, ὡς φασιν, ὑπὸ τοῦ πατρὸς Τελα-  
 μῶνος· εἴτα Καρπασία πόλις λιμένα ἔχουσα, κεῖται δὲ  
 κατὰ τὴν ἄκραν τὴν Σαρπηδόνα· ἐκ δὲ τῆς Καρπασίας
- 25 ὑπέρβασις ἐστὶν ἰσθμοῦ τριάκοντα σταδίων πρὸς τὰς  
 νήσους τὰς Καρπασίας καὶ τὸ νότιον πέλαγος· εἴτ'  
 ἄκρα καὶ ὄρος· ἡ δ' ἀκρώρεια καλεῖται Ὀλυμπος,  
 ἔχουσα Ἀφροδίτης Ἀκραίας ναόν, ἄδυτον γυναιξὶ καὶ  
 ἀόρατον. πρόκεινται δὲ πλησίον αἱ Κλεῖδες καὶ ἄλλαι δὲ
- 30 πλείους, εἰδ' αἱ Καρπασίαι νῆσοι, καὶ μετὰ ταῦτα ἡ  
 Σαλαμίς, ὅθεν ἦν Ἀριστος ὁ συγγραφεύς· εἴτ' Ἀρσι-  
 νόη πόλις καὶ λιμὴν· εἴτ' ἄλλος λιμὴν Λεύκολλα· εἴτ'

ἄκρα Πηδάλιον, ἧς ὑπέρκειται λόφος τραχὺς ὑψηλὸς  
 τραπεξοειδής, ἱερὸς Ἀφροδίτης, εἰς ὃν ἀπὸ Κλειδῶν  
 στάδιοι ἑξακόσιοι ὀγδοήκοντα· εἶτα κολπώδης καὶ  
 τραχὺς παράπλους ὁ πλείων εἰς Κίτιον . . . ἔχει δὲ λι-  
 μένα κλειστόν· ἐντεῦθεν ἐστὶ Ζήνων τε ὁ τῆς στωικῆς 5  
 C.683αἱρέσεως ἀρχηγέτης καὶ Ἀπολλώνιος ἰατρός· ἐντεῦθεν  
 εἰς Βηρυτὸν στάδιοι χίλιοι πεντακόσιοι. εἶτ' Ἀμαθοῦς  
 πόλις καὶ μετὰξὺ πολίχνη Παλαιὰ καλουμένη, καὶ ὄρος  
 μαστοειδὲς Ὀλυμπος· εἶτα Κουριάς [ἄκρα] χερρונה-  
 σῶδης, εἰς ἣν ἀπὸ Θρόνων στάδιοι ἑπτακόσιοι. εἶτα 10  
 πόλις Κούριον ὄρμον ἔχουσα, Ἀργείων κτίσμα. ἤδη  
 οὖν πάρεστι σκοπεῖν τὴν ῥαθυμίαν τοῦ ποιήσαντος τὸ  
 ἔλεγεῖον τοῦτο οὗ ἡ ἀρχὴ „ἰρὰ τῷ Φοίβῳ, πολλὸν διὰ  
 „κῦμα θέουσαι, ἦλθομεν αἱ ταχινὰ τόξα φνεῖν ἔλα-  
 „φοι,“ εἶθ' Ἡδύλος ἐστὶν εἶθ' ὅστισοῦν· φησὶ μὲν 15  
 γὰρ ὀρμηθῆναι τὰς ἐλάφους Κωρυνκίης ἀπὸ δειράδος,  
 ἐκ δὲ Κιλίσσης ἡόνος εἰς ἀκτὰς διανήξασθαι Κουριά-  
 δας, καὶ ἐπιφθέγγεται διότι „μυρίον ἀνδράσι θαῦμα  
 „νοεῖν πάρα, πῶς ἀνόδευτον χεῦμα δι' εἰαρινῷ ἑδρά-  
 „μομεν ζεφύρῳ.“ ἀπὸ γὰρ Κωρύκου περίπλους μὲν 20  
 ἐστὶν εἰς Κουριάδα ἀκτὴν, οὐ ζεφύρῳ δὲ οὔτε ἐν δεξιᾷ  
 ἔχοντι τὴν νῆσον οὔτ' ἐν ἀριστερᾷ, διάρμα δ' οὐδέν.  
 ἀρχὴ δ' οὖν τοῦ δυσμικοῦ παράπλου τὸ Κούριον τοῦ  
 βλέποντος πρὸς Ῥόδον, καὶ εὐθύς ἐστὶν ἄκρα ἀφ' ἧς  
 ῥίπτουσι τοὺς ἀψαμένους τοῦ βωμοῦ τοῦ Ἀπόλλωνος· 25  
 εἶτα Τρήτα καὶ Βοόσουρα καὶ Παλαίπαφος, ὅσον ἐν  
 δέκα σταδίοις ὑπὲρ τῆς θαλάττης ἰδρυμένη, ὑφορμον  
 ἔχουσα καὶ ἱερὸν ἀρχαῖον τῆς Παφίας Ἀφροδίτης· εἶτ'  
 ἄκρα Ζεφυρία πρόσορμον ἔχουσα, καὶ ἄλλη Ἀρσινόη  
 ὁμοίως πρόσορμον ἔχουσα καὶ ἱερὸν καὶ ἄσος· μικρὸν 30  
 δ' ἀπὸ τῆς θαλάττης καὶ ἡ Ἱεροκηπία. εἶθ' ἡ Πάφος,  
 κτίσμα Ἀγαπήνορος καὶ λιμένα ἔχουσα καὶ ἱερὰ εὖ



κατεσκευασμένα· διέχει δὲ πεζῇ σταδίους ἐξήκοντα τῆς Παλαιπάφου, καὶ πανηγυρίζουσι διὰ τῆς ὁδοῦ ταύτης κατ' ἔτος ἐπὶ τὴν Παλαίπαφον ἄνδρες ὁμοῦ γυναιξὶν συνιόντες καὶ ἐκ τῶν ἄλλων πόλεων. φασὶ δ' εἰς Ἀλεξάνδρειάν τινες ἐκ Πάφου σταδίους εἶναι τρισχιλίους ἑξακοσίους. εἶθ' ὁ Ἀκάμας ἐστὶ μετὰ Πάφον· εἶτα πρὸς ἑὼ μετὰ τὸν Ἀκάμαντα πλοῦς εἰς Ἀρσινόην πόλιν καὶ τὸ τοῦ Διὸς ἄλσος· εἶτα Σόλιοι πόλις λιμένα ἔχουσα καὶ ποταμὸν καὶ ἱερὸν Ἀφροδίτης καὶ Ἰσίδος· κτίσμα

10 δ' ἐστὶ Φαλήρου καὶ Ἀκάμαντος Ἀθηναίων· οἱ δ' ἐνοικοῦντες Σόλιοι καλοῦνται. ἐντεῦθεν ἦν Στασάνωρ τῶν Ἀλεξάνδρου ἐταίρων, ἀνὴρ ἡγεμονίας ἡξιωμένος· ὑπέρεκτεται δ' ἐν μεσογαίᾳ Λιμενία πόλις· εἶθ' ἡ Κρομμύου ἄκρα.

15 Τί δὲ δεῖ τῶν ποιητῶν θαυμάζειν, καὶ μάλιστα 4 τῶν τοιούτων οἷς ἡ πᾶσα περὶ τὴν φράσιν ἐστὶ σπουδῇ, τὰ τοῦ Δαμάστου συγκρίνοντας, ὅστις τῆς νήσου τὸ C.684 μῆκος ἀπὸ τῶν ἄρκτων πρὸς μεσημβρίαν ἀποδίδωσιν, ἀπὸ Ἱεροκηπίας, ὥς φησιν, εἰς Κλεῖδας; οὐδὲ ὁ Ἑρατοσθένης εὖ· αἰτιώμενος γὰρ τοῦτον οὐκ ἀπ' ἄρκτων φησὶν εἶναι τὴν Ἱεροκηπίαν, ἀλλ' ἀπὸ νότου· οὐδὲ γὰρ ἀπὸ νότου, ἀλλ' ἀπὸ δύσεως, εἶπερ ἐν τῇ δυσμικῇ πλευρᾷ κεῖται, ἐν ἣ καὶ ἡ Πάφος καὶ ὁ Ἀκάμας.

Διὰκειται μὲν οὕτως ἡ Κύπρος τῇ θέσει. κατ' 5 25 ἄρετὴν δ' οὐδεμιᾶς τῶν νήσων λείπεται· καὶ γὰρ εὖοινός ἐστι καὶ εὐέλαιος σίτω τε αὐτάρκει χρῆται· μέταλλά τε χαλκοῦ ἐστὶν ἄφθονα τὰ ἐν Ταμασσῶ, ἐν οἷς τὸ χαλκανθὲς γίνεται καὶ ὁ ἰὸς τοῦ χαλκοῦ, πρὸς τὰς ἰατρικὰς δυνάμεις χρήσιμα. φησὶ δ' Ἑρατοσθένης τὸ παλαιὸν ὑλομανούντων τῶν πεδίων ὥστε κατέχεσθαι 30 δρυμοῖς καὶ μὴ γεωργεῖσθαι, μικρὰ μὲν ἐπωφελεῖν πρὸς τοῦτο τὰ μέταλλα δενδροτομούντων πρὸς τὴν καῦσιν

τοῦ χαλκοῦ καὶ τοῦ ἀργύρου, προσγενέσθαι δὲ καὶ τὴν ναυπηγίαν τῶν στόλων ἥδη πλεομένης ἀδεῶς τῆς θαλάττης καὶ μετὰ δυνάμεων· ὥς δ' οὐκ ἐξενίκων, ἐπιτρέψαι τοῖς βουλομένοις καὶ δυναμένοις ἐκκόπτειν καὶ ἔχειν ιδιόκτητον καὶ ἀτελῇ τὴν διακαθαρθεῖσαν γῆν. 5

6 Πρότερον μὲν οὖν κατὰ πόλεις ἐτυραννοῦντο οἱ Κύπριοι, ἀφ' οὗ δ' οἱ Πτολεμαῖοι βασιλεῖς κύριοι τῆς Αἰγύπτου κατέστησαν, εἰς ἐκείνους καὶ ἡ Κύπρος περιέστη συμπραττόντων πολλάκις καὶ τῶν Ῥωμαίων. ἐπεὶ δ' ὁ τελευταῖος ἄρξας Πτολεμαῖος, ἀδελφὸς τοῦ Κλεοπάτρας 10 πατρὸς τῆς καθ' ἡμᾶς βασιλίσσης, ἔδοξε πλημμελὲς τε εἶναι καὶ ἀχάριστος εἰς τοὺς εὐεργέτας, ἐκείνος μὲν κατελύθη, Ῥωμαῖοι δὲ κατέσχον τὴν νῆσον, καὶ γέγονε στρατηγικὴ ἐπαρχία καθ' αὐτήν. μάλιστα δ' αἴτιος τοῦ ὀλέθρου κατέστη τῷ βασιλεῖ Πόπλιος Κλαύδιος Ποῦλ- 15 χερ· ἐμπεσὼν γὰρ εἰς τὰ ληστήρια, τῶν Κιλικίων ἀκμαζόντων τότε, λῦτρον αἰτούμενος ἐπέστειλε τῷ βασιλεῖ δεόμενος πέμψαι καὶ ρύσασθαι αὐτόν· ὁ δ' ἔπεμψε μὲν μικρὸν δὲ τελείως ὥστε καὶ τοὺς ληστὰς αἰδεσθῆναι λαβεῖν ἀλλὰ ἀναπέμψαι πάλιν, τὸν δ' ἄνευ λύτρων 20 ἀπολῦσαι. σωθεὶς δ' ἐκείνος ἀπεμνημόνευσεν ἀμφοτέροις τὴν χάριν, καὶ γενόμενος δήμαρχος ἰσχυσε τοσοῦτον ὥστε ἐπέμφθη Μάρκος Κάτων ἀφαιρησόμενος τὴν Κύπρον τὸν κατέχοντα. ἐκείνος μὲν οὖν ἐφθη διαχειρισάμενος αὐτόν, Κάτων δ' ἐπελθὼν παρέλαβε τὴν 25

C.685 Κύπρον καὶ τὴν βασιλικὴν οὐσίαν διέθετο καὶ τὰ χρήματα εἰς τὸ δημόσιον ταμιεῖον τῶν Ῥωμαίων ἐκόμισεν· ἐξ ἐκείνου δ' ἐγένετο ἐπαρχία ἡ νῆσος καθάπερ καὶ νῦν ἐστι στρατηγική· ὀλίγον δὲ χρόνον τὸν μεταξὺ Ἀντώνιος Κλεοπάτρα καὶ τῇ ἀδελφῇ αὐτῆς Ἀρσινόῃ 30 παρέδωκε, καταλυθέντος δὲ ἐκείνου συγκατελύθησαν καὶ αἱ διατάξεις αὐτοῦ πάσαι.



Τὰ περιλειπόμενα τῆς Ἀσίας ἐστὶ τὰ ἐκτὸς τοῦ 1  
 5 Ταύρου, πλὴν Κιλικίας καὶ Παμφυλίας καὶ Λυκίας, τὰ  
 ἀπὸ τῆς Ἰνδικῆς μέχρι Νείλου μεταξὺ τοῦ Ταύρου καὶ  
 τῆς ἕξω θαλάττης τῆς νοτίου κείμενα. μετὰ δὲ τὴν  
 Ἀσίαν ἡ Λιβύη ἐστὶ, περὶ ἧς ἐροῦμεν ὕστερον, νῦν δ'  
 ἀπὸ τῆς Ἰνδικῆς ἀρκτέον· πρώτη γὰρ ἔκκεται πρὸς  
 10 ταῖς ἀνατολαῖς καὶ μεγίστη.

Αἰεὶ δ' εὐγνωμόνως ἀκούειν περὶ αὐτῆς· καὶ γὰρ 2  
 ἀπωτάτῳ ἐστί, καὶ οὐ πολλοὶ τῶν ἡμετέρων κατώπτευ-  
 σαν αὐτήν· οἱ δὲ καὶ ἰδόντες μέρη τινὰ εἶδον, τὰ δὲ  
 πλείω λέγουσιν ἐξ ἀκοῆς· καὶ ἃ εἶδον δὲ ἐν παρόδῳ στρα-  
 15 τιωτικῇ καὶ δρόμῳ κατέμαθον· διόπερ οὐδὲ τὰ αὐτὰ  
 περὶ τῶν αὐτῶν ἐξαγγέλλουσι, καὶ ταῦτα συγγράψαντες  
 ὥς ἂν πεφροντισμένως ἐξητασμένα, τινὲς δ' αὐτῶν καὶ  
 συστρατεύσαντες ἀλλήλοις καὶ συνεπιδημήσαντες, κα-  
 θάπερ οἱ Ἀλεξάνδρῳ συγκαταστρεψάμενοι τὴν Ἀσίαν·  
 20 ἀλλ' ἕκαστος ἑκάστῳ τὰναντία λέγει πολλάκις. ὅπου  
 δὲ καὶ περὶ τῶν ὀραθέντων οὕτω διαφέρονται, τί δεῖ  
 νομίζειν περὶ τῶν ἐξ ἀκοῆς;

Καὶ μὴν οὐδ' οἱ πολλοῖς χρόνοις ὕστερον συγ- 3  
 γράψαντές τι περὶ τούτων, οὐδ' οἱ νῦν πλείοντες ἐκεῖσε,  
 25 ἀποφαίνονται τι ἀκριβές. Ἀπολλόδωρος γοῦν ὁ τὰ  
 Παρθικὰ ποιήσας, μεμνημένος καὶ τῶν τὴν Βακτρια-C. 68  
 νὴν ἀποστησάντων Ἑλλήνων παρὰ τῶν Συριακῶν βα-  
 σιλέων τῶν ἀπὸ Σελεύκου τοῦ Νικάτορος, φησὶ μὲν  
 αὐτοὺς ἀυξηθέντας ἐπιθέσθαι καὶ τῇ Ἰνδικῇ· οὐδὲν  
 30 δὲ προσανακαλύπτει \* τῶν πρότερον ἐγνωσμένων, ἀλλὰ

καὶ ἐναντιολογεῖ πλείω τῆς Ἰνδικῆς ἐκείνους ἢ Μακεδό-  
 νας καταστρέψασθαι λέγων· Εὐκρατίδαν γοῦν πόλεις  
 χιλίας ὕφ' ἑαυτῷ ἔχειν· ἐκεῖνοι δέ γε αὐτὰ τὰ μεταξὺ  
 ἔθνη τοῦ τε Ὑδάσπου καὶ τοῦ Ὑπάνιος τὸν ἀριθμὸν  
 ἑννέα, πόλεις τε σχεῖν πεντακισχιλίας, ὧν μηδεμίαν 5  
 εἶναι Κῶ τῆς Μεροπίδος ἐλάττω· ταύτην δὲ πᾶσαν  
 τὴν χώραν καταστρεφάμενον Ἀλεξάνδρον παραδοῦναι  
 Πῶρον.

4 Καὶ οἱ νῦν δὲ ἐξ Αἰγύπτου πλείοντες ἐμπορικοὶ  
 τῷ Νεῖλῳ καὶ τῷ Ἀραβίῳ κόλπῳ μέχρι τῆς Ἰνδικῆς 10  
 σπάνιοι μὲν καὶ περιπεπλευκάσι μέχρι τοῦ Γάγγου,  
 καὶ οὗτοι δ' ἰδιῶται καὶ οὐδὲν πρὸς ἱστορίαν τῶν τό-  
 πων χρήσιμοι. κἀκεῖθεν δὲ ἀφ' ἑνὸς τόπου καὶ παρ'  
 ἑνὸς βασιλέως, Πανδίωνος κατ' ἄλλους Πῶρου, ἦκεν  
 ὡς Καίσαρα τὸν Σεβαστὸν δῶρα καὶ πρεσβεῖα καὶ ὁ 15  
 κατακαύσας ἑαυτὸν Ἀθήνησι σοφιστῆς Ἰνδός, καθάπερ  
 καὶ ὁ Κάλανος Ἀλεξάνδρῳ τὴν τοιαύτην θῆαν ἐπι-  
 δειξάμενος.

5 Εἰ τοίνυν ταῦτ' ἀφείς τις τὴν πρὸ τῆς Ἀλεξάνδρου  
 στρατείας ἐπιβλέποι μνήμην, πολὺ ἂν εὖροι τούτων 20  
 τυφλότερα. Ἀλεξάνδρον μὲν οὖν πιστεύειν τοῖς τοιού-  
 τοις εἰκόσ, τετυφωμένον ταῖς τοσαύταις εὐτυχίαις. φησὶ  
 γοῦν Νέαρχος φιλονεικῆσαι αὐτὸν διὰ τῆς Γεδρωσίας  
 ἀγαγεῖν τὴν στρατιάν, πεπυσμένον διότι καὶ Σεμίραμις  
 ἐστράτευσεν ἐπὶ Ἰνδοὺς καὶ Κῦρος· ἀλλ' ἢ μὲν ἀνέ- 25  
 στρεψε φεύγουσα μετὰ εἴκοσιν ἀνθρώπων, ἐκεῖνος δὲ  
 μεθ' ἑπτά· ὡς σεμνὸν τὸ ἐκείνων τοσαῦτα παθόντων  
 αὐτὸν καὶ στρατόπεδον διασῶσαι μετὰ νίκης διὰ τῶν  
 αὐτῶν ἐθνῶν τε καὶ τόπων.

6 Ἐκεῖνος μὲν δὴ ἐπίστευσεν· ἡμῖν δὲ τίς ἂν δικαία 30  
 γένοιτο πίστις περὶ τῶν Ἰνδικῶν ἐκ τῆς τοιαύτης στρα-  
 τείας τοῦ Κύρου ἢ τῆς Σεμιράμιδος; συναποφαίνεται



δέ πως καὶ Μεγασθένης τῷ λόγῳ τούτῳ κελεύων ἀπ-  
 στεῖν ταῖς ἀρχαίαις περὶ Ἰνδῶν ἱστορίαις· οὔτε γὰρ  
 παρ' Ἰνδῶν ἔξω σταλῆναι ποτε στρατιάν, οὔτ' ἐπελθεῖν  
 ἔξωθεν καὶ κρατῆσαι πλὴν τῆς μεθ' Ἡρακλέους καὶ  
 5 Διονύσου καὶ τῆς νῦν μετὰ Μακεδόνων. καίτοι Σέ-  
 σωστριν μὲν τὸν Αἰγύπτιον καὶ Τεάρχωνα τὸν Αἰθίοπα  
 ἕως Εὐρώπης προελθεῖν, Ναβοκοδρόσορον δὲ τὸν παρὰ C.687  
 Χαλδαίοις εὐδοκιμήσαντα Ἡρακλέους μᾶλλον καὶ ἕως  
 Στηλῶν ἐλάσαι. μέχρι μὲν δὴ δεῦρο καὶ Τεάρχωνα  
 10 ἀφικέσθαι, ἐκεῖνον δὲ καὶ ἐκ τῆς Ἰβηρίας εἰς τὴν Θρά-  
 κην καὶ τὸν Πόντον ἀγαγεῖν τὴν στρατιάν· Ἰδάνθυρ-  
 σον δὲ τὸν Σκύθην ἐπιδραμεῖν τῆς Ἀσίας μέχρι Αἰγύ-  
 πτου· τῆς δὲ Ἰνδικῆς μηδένα τούτων ἄψασθαι· καὶ  
 Σεμίραμιν δ' ἀποθανεῖν πρὸ τῆς ἐπιχειρήσεως· Πέρ-  
 15 σας δὲ μισθοφόρους μὲν ἐκ τῆς Ἰνδικῆς μεταπέμψασθαι  
 Ὑδράκας, ἐκεῖ δὲ μὴ στρατεῦσαι, ἀλλ' ἐγγὺς ἐλθεῖν  
 μόνον ἥνίκα Κῦρος ἤλαυνεν ἐπὶ Μασσαγέτας.

Καὶ τὰ περὶ Ἡρακλέους δὲ καὶ Διονύσου Μεγασθέ- 7  
 νης μὲν μετ' ὀλίγων πιστὰ ἡγεῖται, τῶν δ' ἄλλων οἱ πλεί-  
 20 ονς, ὧν ἐστὶ καὶ Ἐρατοσθένης, ἄπιστα καὶ μυθώδη,  
 καθάπερ καὶ τὰ παρὰ τοῖς Ἑλλήσιν. ὁ μὲν γὰρ ἐν ταῖς  
 Βάγκαις ταῖς Εὐριπίδου Διόνυσος τοιαῦτα νεανιεύεται  
 „λιπὼν δὲ Ἀνδῶν τὰς πολυχρύσους γύας Φρυγῶν τε  
 „Περσῶν θ' ἡλιοβλήτους πλάκας Βάκτριά τε τεῖχῃ τὴν  
 25 „τε δύσχειμον χθόνα Μήδων ἐπῆλθον Ἀραβίαν τ' εὐ-  
 „δαίμονα Ἀσίαν τε πᾶσαν.“ παρὰ Σοφοκλεῖ δέ τίς ἐστι  
 τὴν Νῦσαν καθυμνῶν ὥς τὸ Διονύσῳ καθιερωμένου  
 ὄρος, „ὅθεν κατεῖδον τὴν βεβακχωμένην βροτοῖσι κλει-  
 „νὴν Νῦσαν, ἣν ὁ βούκερως Ἰακχος \* αὐτῷ μαῖαν ἡδί-  
 30 „στην νέμει, ὅπου τίς ὄρνις οὐχὶ κλαγγάνει,“ καὶ τὰ ἐξῆς.

30. post ἐξῆς: καὶ μνηροτραφῆς δὲ λέγεται·

καὶ ὁ ποιητὴς περὶ Λυκούργου τοῦ Ἡδωνοῦ φησιν οὕτως „ὅς ποτε μαινομένοιο Διωνύσοιο τιθήνας σεύε „κατ' ἡγάθειον Νυσήιον.“ τοιαῦτα μὲν τὰ περὶ Διονύσου. περὶ δὲ Ἡρακλέους οἱ μὲν ἐπὶ τὰναντία μόνον μέχρι τῶν ἐσπερίων περάτων ἱστοροῦσιν, οἱ δ' ἐφ' ἐκάτερα. 5

8 Ἐκ δὲ τῶν τοιούτων Νυσαίους δὴ τινὰς ἔθνος προσωνόμασαν καὶ πόλιν παρ' αὐτοῖς Νῦσαν Διονύσου κτίσμα, καὶ ὄρος τὸ ὑπὲρ τῆς πόλεως Μηρόν, αἰτιασάμενοι καὶ τὸν αὐτόθι κισσὸν καὶ ἄμπελον, οὐδὲ ταύτην τελεσίκαρπον· ἀπορρεῖ γὰρ ὁ βότρυς πρὶν 10 περκάσαι διὰ τοὺς ὄμβρους τοὺς ἄδην· Διονύσου δ' ἀπογόνους τοὺς Συδράκας ἀπὸ τῆς ἀμπέλου τῆς παρ' αὐτοῖς καὶ τῶν πολυτελῶν ἐξόδων, βακχικῶς τὰς τε C.688 ἐκστρατείας ποιουμένων τῶν βασιλέων καὶ τὰς ἄλλας ἐξόδους μετὰ τυμπανισμοῦ καὶ εὐανθοῦς στολῆς· ὅπερ 15 ἐπιπολάζει καὶ παρὰ τοῖς ἄλλοις Ἰνδοῖς. Ἄορνον δὲ τινὰ πέτραν, ἧς τὰς ῥίζας ὁ Ἰνδὸς ὑπορρεῖ πλησίον τῶν πηγῶν, Ἀλεξάνδρου κατὰ μίαν προσβολὴν ἐλόντος, σεμνύνοντες ἔφασαν τὸν Ἡρακλέα πρὶς μὲν προσβαλεῖν τῇ πέτρᾳ ταύτῃ τρεῖς δ' ἀποκρουσθῆναι. τῶν δὲ 20 κοινωνησάντων αὐτῷ τῆς στρατείας ἀπογόνους εἶναι τοὺς Σίβας, σύμβολα τοῦ γένους σώζοντας τό τε δορὰς ἀμπέχεσθαι, καθάπερ τὸν Ἡρακλέα, καὶ τὸ σκυταληφορεῖν καὶ ἐπικεκαῦσθαι βουσί καὶ ἡμιόνοις ῥόπαλον. βεβαιοῦνται δὲ τὸν μῦθον τοῦτον καὶ ἐκ τῶν περὶ τὸν 25 Κάνκασον καὶ τὸν Προμηθέα· καὶ γὰρ ταῦτα μετενηνόχασιν ἐκ τοῦ Πόντου δεῦρο ἀπὸ μικρᾶς προφάσεως, ἰδόντες σπήλαιον ἐν τοῖς Παροπαμισάδαις ἱερὸν· τοῦτο γὰρ ἀνεδείξαντο Προμηθέως δεσμωτήριον, καὶ δεῦρο ἀφιγμένον τὸν Ἡρακλέα ἐπὶ τὴν ἐλευθέρωσιν τοῦ 30 Προμηθέως, καὶ τοῦτον εἶναι τὸν Κάνκασον ὃν Ἕλληνες Προμηθέως δεσμωτήριον ἀπέφηναν.



9 Ὅτι δ' ἐστὶ πλάσματα ταῦτα τῶν κολακευόντων  
 Ἀλέξανδρον πρῶτον μὲν ἐκ τοῦ μὴ ὁμολογεῖν ἀλλή-  
 λους τοὺς συγγραφέας δῆλον, ἀλλὰ τοὺς μὲν λέγειν  
 τοὺς δὲ μὴδ' ἀπλῶς μεμνησθαι· οὐ γὰρ εἰκὸς τὰ οὗ-  
 15 τως ἔνδοξα καὶ τύφου πλήρη μὴ πεπύσθαι, ἢ πεπύ-  
 σθαι μὲν μὴ ἄξια δὲ μνήμης ὑπολαβεῖν, καὶ ταῦτα  
 τοὺς πιστοτάτους αὐτῶν· ἔπειτα ἐκ τοῦ μὴδὲ τοὺς με-  
 ταξύ, δι' ὧν ἐχρῆν τὴν ἐς Ἰνδοὺς ἀφίξιν γενέσθαι  
 τοῖς περὶ τὸν Διόνυσον καὶ τὸν Ἡρακλέα, μὴδὲν ἔχειν  
 10 τεκμήριον δεικνύναι τῆς ἐκείνων ὁδοῦ διὰ τῆς σφετέ-  
 ρας γῆς. καὶ ἡ τοῦ Ἡρακλέους δὲ στολὴ ἡ τοιαύτη πολὺ  
 νεωτέρα τῆς Τρωικῆς μνήμης ἐστί, πλάσμα τῶν τὴν  
 Ἡράκλειαν ποιησάντων, εἴτε Πείσανδρος ἦν εἴτ' ἄλ-  
 λος τις· τὰ δ' ἀρχαῖα ξόανα οὐχ οὕτω διεσκεύασται.  
 15 Ὡς ἐν τοῖς τοιούτοις οὖν ἀποδέχεσθαι δεῖ πᾶν τὸ 10  
 ἐγγυτάτω πίστεως. ἐποίησάμεθα δ' ἡμεῖς καὶ ἐν τοῖς  
 πρῶτοις λόγοις τοῖς περὶ γεωγραφίας δίαίταν ἦν δυνα-  
 τὸν ἦν περὶ τούτων, καὶ νῦν ἐκείνοις τε ἐξ ἐτοίμου  
 χρησόμεθα καὶ ἕτερα προσθήσομεν, ὅσων ἂν δεῖν δόξη  
 20 πρὸς τὴν σαφήνειαν. μάλιστα δ' ἐκ τῆς διαίτης ἐδόκει  
 τῆς τότε πιστότατα εἶναι τὰ ὑπὸ τοῦ Ἑρατοσθένους ἐν  
 τῷ τρίτῳ τῶν γεωγραφικῶν ἐκτεθέντα κεφαλαιωδῶς  
 περὶ τῆς τότε νομιζομένης Ἰνδικῆς, ἥνικα Ἀλέξανδρος  
 ἐπῆλθε· καὶ ἦν ὁ Ἰνδὸς ὅριον ταύτης τε καὶ τῆς Ἀρια-  
 25 νῆς ἣν ἐφεξῆς πρὸς τῇ ἐσπέρᾳ κειμένην Πέρσαι κα- C.689  
 τεῖχον· ὕστερον γὰρ δὴ καὶ τῆς Ἀριανῆς πολλὴν ἔσχον  
 οἱ Ἰνδοὶ λαβόντες παρὰ τῶν Μακεδόνων. ἔστι δὲ τοι-  
 αῦτα ἃ λέγει ὁ Ἑρατοσθένης.

Τὴν Ἰνδικὴν περιώρικεν ἀπὸ μὲν τῶν ἄρκτων 11  
 30 τοῦ Ταύρου τὰ ἔσχατα ἀπὸ τῆς Ἀριανῆς μέχρι τῆς  
 ἐφ' ἃς θαλάττης, ἅπερ οἱ ἐπιχώριοι κατὰ μέρος Παρο-  
 πάμισόν τε καὶ Ἡμωδὸν καὶ Ἴμαον καὶ ἄλλα ὀνομάζου-

σι, Μακεδόνες δὲ Καύκασον· ἀπὸ δὲ τῆς ἐσπέρας ὁ  
 Ἰνδὸς ποταμός· τὸ δὲ νότιον καὶ τὸ προσεῶν πλευ-  
 ρόν, πολὺ μείζω τῶν ἐτέρων ὄντα, προπέπτωκεν εἰς  
 τὸ Ἀτλαντικὸν πέλαγος, καὶ γίνεται ῥομβοειδὲς τὸ τῆς  
 χώρας σχῆμα τῶν μειζόνων πλευρῶν ἑκατέρου πλεο- 5  
 νεκτοῦντος παρὰ τὸ ἀπεναντίον πλευρὸν καὶ τρισχί-  
 λίοις σταδίοις, ὅσων ἐστὶ τὸ κοινὸν ἄκρον τῆς τε ἑωθι-  
 νῆς παραλίας καὶ τῆς μεσημβρινῆς, ἔξω προπεπτωκὸς  
 ἐξ ἰσῆς ἐφ' ἑκάτερον παρὰ τὴν ἄλλην ἥονα. τῆς μὲν  
 οὖν ἐσπερίου πλευρᾶς ἀπὸ τῶν Καυκασίων ὁρῶν ἐπὶ 10  
 τὴν νότιον θάλατταν στάδιοι μάλιστα λέγονται μύριοι  
 τρισχίλιοι παρὰ τὸν Ἰνδὸν ποταμὸν μέχρι τῶν ἐκβολῶν  
 αὐτοῦ, ὥστ' ἀπεναντίον ἢ ἑωθινῇ προσλαβοῦσα τοὺς  
 τῆς ἄκρας τρισχιλίους ἔσται μυρίων καὶ ἑξακισχιλίων  
 σταδίων. τοῦτο μὲν οὖν πλάτος τῆς χώρας τό τ' ἐλά- 15  
 χιστον καὶ τὸ μέγιστον. μῆκος δὲ τὸ ἀπὸ τῆς ἐσπέρας  
 ἐπὶ τὴν ἑῶ· τούτου δὲ τὸ μὲν μέχρι Παλιβόθρων ἔχει  
 τις ἂν βεβαιότερως εἰπεῖν· καταμεμέτρηται γὰρ σχοι-  
 νίοις καὶ ἔστιν ὁδὸς βασιλικὴ σταδίων μυρίων· τὰ δ'  
 ἐπέκεινα στοχασμῷ λαμβάνεται διὰ τῶν ἀνάπλων τῶν 20  
 ἐκ θαλάττης διὰ τοῦ Γάγγου ποταμοῦ μέχρι Παλιβό-  
 θρων· εἴη δ' ἂν τι σταδίων ἑξακισχιλίων. ἔσται δὲ τὸ  
 πᾶν ἢ βραχύτατον μυρίων ἑξακισχιλίων, ὥς ἔκ τε τῆς  
 ἀναγραφῆς τῶν σταθμῶν τῆς πεπιστευμένης μάλιστα  
 λαβεῖν Ἑρατοσθένους φησί, καὶ ὁ Μεγασθένης οὕτω 25  
 συναποφαίνεται, Πατροκλῆς δὲ χιλίοις ἔλαττον φησί.  
 τούτῳ δὴ πάλιν τῷ διαστήματι προστεθὲν τὸ τῆς ἄκρας  
 διάστημα τὸ προπίπτον ἐπὶ πλεόν πρὸς τὰς ἀνατολάς,  
 οἱ τρισχίλιοι στάδιοι ποιήσουσι τὸ μέγιστον μῆκος·  
 ἔστι δὲ τοῦτο τὸ ἀπὸ τῶν ἐκβολῶν τοῦ Ἰνδοῦ ποταμοῦ 30



παρὰ τὴν ἑξῆς ἡὺνα μέχρι τῆς λεχθείσης ἄκρας καὶ τῶν ἀνατολικῶν αὐτῆς τερμόνων· οἰκοῦσι δ' ἐνταῦθα οἱ Κωνιακοὶ καλούμενοι.

Ἐκ δὲ τούτων πάρεστιν ὁρᾶν ὅσον διαφέρουσιν 12  
 5 αἱ τῶν ἄλλων ἀποφάσεις, Κτησίον μὲν οὐκ ἐλάττω  
 τῆς ἄλλης Ἀσίας τὴν Ἰνδικὴν λέγοντος, Ὀνησικρίτου  
 δὲ τρίτου μέρους τῆς οἰκουμένης, Νεάρχου δὲ μηνῶν  
 ὁδὸν τεττάρων τὴν διὰ τοῦ πεδίου, Μεγασθένους δὲ C.690  
 καὶ Δημάχου μετριασάντων μᾶλλον· ὑπὲρ γὰρ δις μυ-  
 10 ρίους τιθέασι σταδίους τὸ ἀπὸ τῆς νοτίου θαλάττης  
 ἐπὶ τὸν Καύκασον, Δημάχος δ' ὑπὲρ τοὺς τρις μυρί-  
 ους κατ' ἐνίους τόπους· πρὸς οὓς ἐν τοῖς πρώτοις λό-  
 γοις εἴρηται, νῦν δὲ τοσοῦτον εἰπεῖν ἱκανόν, ὅτι καὶ  
 ταῦτα συνηγορεῖ τοῖς αἰτουμένοις συγγνώμην, ἕάν τι  
 15 περὶ τῶν Ἰνδικῶν λέγοντες μὴ διςχυρίζωνται.

Ἄπασα δ' ἐστὶ κατάρρυτος ποταμοῖς ἡ Ἰνδική, 13  
 τοῖς μὲν εἰς δύο τοὺς μεγίστους συρρηγνυμένοις τὸν  
 τε Ἰνδὸν καὶ τὸν Γάγγην, τοῖς δὲ κατ' ἰδία στόματα  
 ἐκδιδοῦσιν εἰς τὴν θάλατταν· ἅπαντες δ' ἀπὸ τοῦ  
 20 Κανκάσου τὴν ἀρχὴν ἔχουσι καὶ φέρονται μὲν ἐπὶ τὴν  
 μεσημβριαντὸ πρῶτον, εἰθ' οἱ μὲν μένουσιν ἐπὶ τῆς αὐ-  
 τῆς φορᾶς καὶ μάλιστα οἱ εἰς τὸν Ἰνδὸν συμβάλλοντες,  
 οἱ δ' ἐπιστρέφονται πρὸς ἑω, καθάπερ καὶ ὁ Γάγγης  
 ποταμός. οὗτος μὲν οὖν καταβάς ἐκ τῆς ὀρεινῆς, ἐπει-  
 25 δὲν ἄψεται τῶν πεδίων ἐπιστρέψας πρὸς ἑω καὶ ὄνεις  
 παρὰ τὰ Παλίβοθρα μεγίστην πόλιν πρόεισιν ἐπὶ τὴν  
 ταύτην θάλατταν καὶ μίαν ἐκβολὴν ποιεῖται, μέγιστος  
 ὢν τῶν κατὰ τὴν Ἰνδικὴν ποταμῶν· ὁ δὲ Ἰνδὸς δυσὶ  
 στόμασιν εἰς τὴν μεσημβρινὴν ἐκπίπτει θάλατταν, ἐμ-  
 30 περιλαμβάνων τὴν Παταληνὴν καλουμένην χώραν  
 παραπλησίαν τῷ κατ' Αἴγυπτον Δέλτα. ἐκ δὲ τῆς ἀνα-  
 θυμιάσεως τῶν τοσούτων ποταμῶν καὶ ἐκ τῶν ἐτησι-

ων, ὡς Ἑρατοσθένης φησί, βρέχεται τοῖς θερινοῖς ὕμ-  
 βροις ἢ Ἰνδικῇ, καὶ λιμνάζει τὰ πεδία· ἐν μὲν οὖν τού-  
 τοις τοῖς ὕμβροις λίνον σπείρεται καὶ κέγχρος, πρὸς  
 τούτοις σήσαμον ὄρουσα βόσμορον· τοῖς δὲ χειμερινοῖς  
 καιροῖς πυροὶ κριθαὶ ὄσπρια καὶ ἄλλοι καρποὶ ἐδώδι- 5  
 μοι, ὧν ἡμεῖς ἄπειροι. σχεδὸν δέ τι τοῖς ἐν Αἰθιοπία  
 καὶ κατ' Αἴγυπτον ... τὰ αὐτὰ φύεται καὶ ἐν τῇ Ἰνδικῇ,  
 καὶ τῶν ἐν τοῖς ποταμοῖς πλὴν ἵππου ποταμίῳ τὰ  
 ἄλλα φέρουσι καὶ οἱ Ἰνδικοί· Ὀνησίκριτος δὲ καὶ τοὺς  
 ἵππους γίνεσθαι φησι. τῶν δ' ἀνθρώπων οἱ μὲν με- 10  
 σημβρινοὶ τοῖς Αἰθιοπῖν εἰσιν ὅμοιοι κατὰ τὴν χοιραν,  
 κατὰ δὲ τὴν ὄψιν καὶ τὴν τρίχωσιν τοῖς ἄλλοις (οὐδὲ  
 γὰρ οὐλοτριχοῦσι διὰ τὴν ὑγρότητα τοῦ ἄερος), οἱ δὲ  
 βόρειοι τοῖς Αἰγυπτίοις.

- 14 Τὴν δὲ Ταπροβάνην πελαγίαν εἶναί φασι νῆσον 15  
 ἀπέχουσαν τῶν νοτιωτάτων τῆς Ἰνδικῆς τῶν κατὰ τοὺς  
 Κωνιακοὺς πρὸς μεσημβρίαν ἡμερῶν ἑπτὰ πλοῦν, μῆ-  
 κος μὲν ὡς πεντακισχιλίων σταδίων ἐπὶ τὴν Αἰθιοπίαν  
 ἔχειν δὲ καὶ ἐλέφαντας.

Τοιαῦται μὲν αἱ τοῦ Ἑρατοσθένους ἀποφάσεις. 20  
 προστεθεῖσαι δὲ καὶ αἱ τῶν ἄλλων, εἰ πού τι προσα-  
 C.691 κριβοῦσιν, εἰδοποιήσουσι τὴν γραφὴν. οἶον περὶ τῆς  
 15 Ταπροβάνης Ὀνησίκριτός φησι μέγεθος μὲν εἶναι  
 πεντακισχιλίων σταδίων, οὐ διορίσας μῆκος οὐδὲ πλά-  
 τος, διέχειν δὲ τῆς ἡπείρου πλοῦν ἡμερῶν εἴκοσιν· 25  
 ἀλλὰ κακοπλοεῖν τὰς ναῦς, φαύλως μὲν ἰστιοπεποη-  
 μένας κατεσκευασμένας δὲ ἀμφοτέρωθεν [πρώραις]  
 ἐγκοιλίων μητρῶν χωρίς. εἶναι δὲ καὶ ἄλλας νήσους  
 αὐτῆς μεταξὺ καὶ τῆς Ἰνδικῆς, νοτιωτάτην δ' ἐκεί-  
 νην. κήτη δ' ἀμφίβια περὶ αὐτὴν γίνεσθαι, τὰ μὲν 30  
 βουσι τὰ δ' ἵπποις τὰ δ' ἄλλοις χερσαίοις ἐοικότα.

- 16 Νέαρχος δὲ περὶ τῆς ἐκ τῶν ποταμῶν ἐπιχοῆς πα-



ραδείγματα φέρει τὰ τοιαῦτα, ὅτι καὶ τὸ Ἑρμου καὶ  
 Καῦστρου πεδίον καὶ Μαιάνδρου καὶ Καϊκου παρα-  
 πλησίως εἴρηται διὰ [τὸ] τὴν ἐπιφορευμένην τοῖς πε-  
 δίοις χοῦν αὔξειν αὐτά, μᾶλλον δὲ γεννᾶν, ἐκ τῶν  
 5 ὁρῶν καταφερομένην, ὅση εὐγεως καὶ μαλακή· κατα-  
 φέρειν δὲ τοὺς ποταμούς, ὥστε τούτων ὡς ἂν γεννή-  
 ματα ὑπάρχειν τὰ πεδία· καὶ εὖ λέγεσθαι ὅτι τούτων  
 ἐστὶ τὰ πεδία. τοῦτο δὲ ταῦτόν ἐστι τῷ ὑπὸ τοῦ Ἡρο-  
 δότου λεχθέντι ἐπὶ τοῦ Νείλου καὶ τῆς ἐπ' αὐτῷ γῆς  
 10 ὅτι ἐκείνου δῶρόν ἐστι· διὰ τοῦτο δ' ὁρθῶς καὶ ὁμώ-  
 νυμον τῇ Αἰγύπτῳ φησὶ λεχθῆναι τὸν Νεῖλον ὁ Νέ-  
 αρχος.

Ἀριστόβουλος δὲ μόνα καὶ ὕεσθαι καὶ νίφεσθαι 17  
 τὰ ὄρη καὶ τὰς ὑπωρείας φησί, τὰ πεδία δὲ καὶ ὄμβρων  
 15 ὁμοίως ἀπηλλάχθαι καὶ νιφετῶν, ἐπικλύζεσθαι δὲ μό-  
 νον κατὰ τὰς ἀναβάσεις τῶν ποταμῶν· νίφεσθαι μὲν  
 οὖν τὰ ὄρη κατὰ χειμῶνα, τοῦ δὲ ἔαρος ἀρχομένου καὶ  
 τοὺς ὄμβρους ἐνάρχεσθαι καὶ αἰεὶ καὶ μᾶλλον λαμβά-  
 νειν ἐπίδοσιν· τοῖς δ' ἐτησίαις καὶ ἀδιαλείπτως νύ-  
 20 κτωρ καὶ μεθ' ἡμέραν ἐκχεῖσθαι καὶ λάβρους ἕως ἐπι-  
 τολῆς ἀρκτούρου· ἐκ τε δὴ τῶν χιόνων καὶ τῶν ὑετῶν  
 πληρουμένους [ποταμοὺς] ποτίζειν τὰ πεδία. κατανοη-  
 θῆναι δὲ ταῦτα καὶ ὑφ' ἑαυτοῦ καὶ ὑπὸ τῶν ἄλλων φη-  
 σίν, ὥρμηκότες μὲν εἰς τὴν Ἰνδικὴν ἀπὸ Παροπαμι-  
 25 σαδῶν, μετὰ δὲ δυσμὰς πληιάδων, καὶ διατριψάντων  
 κατὰ τὴν ὀρεινὴν ἔν τε τῇ Ὑπασίων καὶ τῇ Ἀσσακα-  
 νοῦ γῇ τὸν χειμῶνα, τοῦ δ' ἔαρος ἀρχομένου καταβε-  
 βηκότες εἰς τὰ πεδία καὶ πόλιν Τάξιλα εὐμεγέθη, ἐν-  
 τεῦθεν δ' ἐπὶ Ὑδάσπην καὶ τὴν Πῶρον χώραν· τοῦ  
 30 μὲν οὖν χειμῶνος ὕδωρ οὐκ ἰδεῖν ἀλλὰ χιόνας μόνον·  
 ἐν δὲ τοῖς Ταξίλοις πρῶτον ὑσθῆναι, καὶ ἐπειδὴ κατα-  
 βᾶσιν ἐπὶ τὸν Ὑδάσπην καὶ νικήσασιν Πῶρον ὁδὸς ἦν

ἐπὶ τὸν Ὑπανιν πρὸς ἕω κἀκεῖθεν ἐπὶ τὸν Ὑδάσπην  
 πάλιν, ὕεσθαι συνεχῶς καὶ μάλιστα τοῖς ἐτησίαις,  
 ἐπιτείλαντος δὲ ἀρκτοῦρου γενέσθαι παῦλαν· διατρί-  
 ψαντας δὲ περὶ τὴν ναυπηγίαν ἐπὶ τῷ Ὑδάσπῃ καὶ  
 C.692 πλεῖν ἀρξαμένους πρὸ δύσεως πληιάδος οὐ πολλαῖς 5  
 ἡμέραις, καὶ τὸ φθινόπωρον πᾶν καὶ τὸν χειμῶνα καὶ  
 τὸ ἐπιὸν ἔαρ καὶ θέρος ἐν τῷ κατάπλῳ πραγματευθέν-  
 τας ἐλθεῖν εἰς τὴν Παταληνὴν περὶ κυνὸς ἐπιτολήν·  
 δέκα μὲν δὴ τοῦ κατάπλου γενέσθαι μῆνας, οὐδαμοῦ  
 δ' ὕετῶν αἰσθῆσθαι οὐδ' ὅτε ἐπήκμασαν οἱ ἐτησίαι, 10  
 τῶν δὲ ποταμῶν πληρουμένων τὰ πεδία κλύζεσθαι·  
 τὴν δὲ θάλατταν ἄπλουν εἶναι τῶν ἀνέμων ἀντιπνεόν-  
 των, ἀπογαίας δὲ μηδεμιᾶς πνοῆς ἐκδεξαμένης.

18 Τοῦτο μὲν οὖν αὐτὸ καὶ ὁ Νέαρχος λέγει, περὶ δὲ  
 τῶν θερινῶν ὄμβρων οὐχ ὁμολογεῖ, ἀλλὰ φησιν ὕε- 15  
 σθαι τὰ πεδία θέρους, χειμῶνος δ' ἄνομβρα εἶναι.  
 λέγουσι δ' ἀμφοτέροι καὶ τὰς ἀναβάσεις τῶν ποταμῶν.  
 ὁ μὲν γε Νέαρχος τοῦ Ἀκεσίνου πλησίον στρατοπεδεύ-  
 οντάς φησιν ἀναγκασθῆναι μεταλαβεῖν τόπον ἄλλον  
 ὑπερδῆξιον κατὰ τὴν ἀνάβασιν, γενέσθαι δὲ τοῦτο 20  
 κατὰ θερινὰς τροπὰς. ὁ δ' Ἀριστόβουλος καὶ μέτρα  
 τῆς ἀναβάσεως ἐκτίθεται τετταράκοντα πήχεις, ὧν  
 τοὺς μὲν εἴκοσιν ὑπὲρ τὸ προὔπαρχον βάθος πληροῦν  
 μέχρι χείλους τὸ ρεῖθρον, τοῖς δ' εἴκοσιν ὑπέρχυσιν  
 εἶναι εἰς τὰ πεδία. ὁμολογοῦσι δὲ καὶ διότι συμβαίνει 25  
 νησιζεῖν τὰς πόλεις ἐπάνω χωμάτων ἰδρυμένας, κα-  
 θάπερ καὶ ἐν Αἰγύπτῳ καὶ Αἰθιοπία· μετὰ δὲ ἀρκτοῦ-  
 ρον παύεσθαι τὴν πλήμμυραν ἀποβαίνοντος τοῦ ὕδα-  
 τος· ἔτι δ' ἡμίψυκτον σπείρεσθαι τὴν γῆν ὑπὸ τοῦ  
 τυχόντος ὀρύκτου χαραχθεῖσαν, καὶ ὅμως φύεσθαι 30  
 τὸν καρπὸν τέλειον καὶ καλόν. τὴν δ' ὄρυξάν φησιν ὁ  
 Ἀριστόβουλος ἐστάναι ἐν ὕδατι κλειστῷ, πρασιὰς δ'



εἶναι τὰς ἐχούσας αὐτήν· ὕψος δὲ τοῦ φυτοῦ τετρά-  
 πηχυν πολύσταχύν τε καὶ πολύκαρπον· θερίζεσθαι δὲ  
 περὶ δύοσιν πληιάδος καὶ πτίσσεσθαι ὥς τὰς ξειάς· φύ-  
 εσθαι δὲ καὶ ἐν τῇ Βακτριανῇ καὶ Βαβυλωνίᾳ καὶ Σου-  
 5 σίδι· καὶ ἡ κάτω δὲ Συρία φύει. Μέγιλλος δὲ τὴν ὄρυ-  
 ζαν σπείρεσθαι μὲν πρὸ τῶν ὄμβρων φησὶν, ἀρδείας  
 δὲ καὶ φυτείας [μὴ] δεῖσθαι ἀπὸ τῶν κλειστῶν ποτιζο-  
 μένην ὑδάτων. περὶ δὲ τοῦ βοσμόρου φησὶν Ὀνησί-  
 κριτος διότι σῖτός ἐστι μικρότερος τοῦ πυροῦ, γενναῖ-  
 10 ται δ' ἐν ταῖς μεσοποταμίαις, φρύγεται δ' ἐπὶ ἀλοη-  
 θῇ, προομνύντων μὴ ἀποίσειν ἄπυρον ἐκ τῆς ἄλω τοῦ  
 μὴ ἐξάγεσθαι σπέρμα.

Τὴν δ' ὁμοιότητα τῆς χώρας ταύτης πρὸς τε τὴν 19  
 Αἴγυπτον καὶ τὴν Αἰθιοπίαν καὶ πάλιν τὴν ἐναντιό-  
 15 τητα παραθεῖς ὁ Ἀριστόβουλος, διότι τῷ Νείλῳ μὲν  
 ἐκ τῶν νοτίων ὄμβρων ἐστὶν ἡ πλήρωσις τοῖς Ἰνδικοῖς  
 δὲ ποταμοῖς ἀπὸ τῶν ἀρκτικῶν, ζητεῖ πῶς οἱ μεταξὺ C.693  
 τόποι οὐ κατομβροῦνται· οὔτε γὰρ ἡ Θηβαῖς μέχρι  
 Συήνης καὶ τῶν ἐγγὺς Μερόης οὔτε τῆς Ἰνδικῆς τὰ  
 20 ἀπὸ τῆς Παταληνῆς μέχρι τοῦ Ὑδάσπου· τὴν δ' ὑπὲρ  
 ταῦτα τὰ μέρη χώραν ἐν ἣ καὶ ὄμβροι καὶ νιφετοί, πα-  
 ραπλησίως ἔφη γεωργεῖσθαι τῇ ἄλλῃ τῇ ἔξω τῆς Ἰνδι-  
 κῆς χώρας· ποτίζεσθαι γὰρ ἐκ τῶν ὄμβρων καὶ χιόνων.  
 εἰκὸς δ' οἷς εἴρηκεν οὗτος καὶ εὐσειστον εἶναι τὴν  
 25 γῆν, χαυνουμένην ὑπὸ τῆς πολλῆς ὑγρασίας καὶ ἐκρήγ-  
 ματα λαμβάνουσαν ὥστε καὶ ρεῖθρα ποταμῶν ἀλλάτ-  
 τεσθαι. πεμφθεὶς γοῦν ἐπὶ τινα χρεῖαν ἰδεῖν φησιν  
 ἐρημωθείσαν χώραν πλειόνων ἢ χιλίων πόλεων σὺν  
 κώμαις, ἐκλιπόντος τοῦ Ἰνδοῦ τὸ οἰκεῖον ρεῖθρον ἐκ-  
 30 τραπομένου δ' εἰς τὸ ἕτερον ἐν ἀριστερᾷ κοιλότερον

πολύ, καὶ οἶον καταρράξαντος, ὥς τὴν ἀπολειφθεῖσαν ἐν δεξιᾷ χώραν μηκέτι ποτίξεσθαι ταῖς ὑπερχύσεσι, μετεωροτέραν οὖσαν οὐ τοῦ ρείθρου τοῦ καινοῦ μόνον ἀλλὰ καὶ τῶν ὑπερχύσεων.

- 20 Ταῖς δὲ τῶν ποταμῶν πληρώσεσι καὶ τῷ τοὺς 5 ἀπογαίους μὴ πνεῖν ὁμολογεῖ καὶ τὸ λεχθὲν ὑπὸ τοῦ Ὀνησικριτοῦ· τεναγώδη γάρ φησιν εἶναι τὴν παραλίαν καὶ μάλιστα κατὰ τὰ στόματα τῶν ποταμῶν, διὰ τε τὴν χοῦν καὶ τὰς πλημμυρίδας καὶ τὴν τῶν πελαγίων ἀνέμων ἐπικράτειαν. Μεγασθένης δὲ τὴν εὐδαί- 10 μονίαν τῆς Ἰνδικῆς ἐπισημαίνεται τῷ δίκαρπον εἶναι καὶ δίφορον· καθάπερ καὶ Ἐρατοσθένης ἔφη, τὸν μὲν εἰπὼν σπόρον χειμερινὸν τὸν δὲ θερινόν, καὶ ὄμβρον ὁμοίως· οὐδὲν γὰρ ἔτος εὐρίσκεσθαί φησι πρὸς ἀμφοτέρους καιροὺς ἄνομβρον· ὥστ' εὐετηρίαν ἐκ τούτου 15 συμβαίνειν ἀφόρου μηδέποτε τῆς γῆς οὕσης· τοὺς τε ξυλίνους καρποὺς γεννᾶσθαι πολλοὺς καὶ τὰς ῥίζας τῶν φυτῶν καὶ μάλιστα τῶν μεγάλων καλάμων, γλυκείας καὶ φύσει καὶ ἐψήσει χλιανομένου τοῦ ὕδατος τοῖς ἡλίοις τοῦ τ' ἐκπίπτοντος ἐκ Διὸς καὶ τοῦ ποτα- 20 μίου. τρόπον δὴ τινα λέγειν βούλεται διότι ἡ παρὰ τοῖς ἄλλοις λεγομένη πέψις καὶ καρπῶν καὶ χυμῶν παρ' ἐκείνοις ἔψησίς ἐστι, καὶ κατεργάζεται τοσοῦτον εἰς εὐστομίαν ὅσον καὶ ἡ διὰ πυρός· διὸ καὶ τοὺς κλάδους φησὶν εὐκαμπεῖς εἶναι τῶν δένδρων ἐξ ὧν οἱ τρο- 25 χοί· ἐκ δὲ τῆς αὐτῆς αἰτίας ἐνίοις καὶ ἐπανθεῖν ἔριον. ἐκ τούτου δὲ Νέαρχός φησι τὰς εὐητριούς ὑφαίνεσθαι σινδόνας, τοὺς δὲ Μακεδόνας ἀντὶ κναφάλλων αὐτοῖς χρῆσθαι καὶ τοῖς σάγμασι σάγης· τοιαῦτα δὲ καὶ τὰ C.694 Σηρικὰ ἐκ τινων φλοιῶν ξαινομένης βύσσου. εἰρηκε 30 δὲ καὶ περὶ τῶν καλάμων ὅτι ποιοῦσι μέλι μελισσῶν μὴ οὐσῶν· καὶ γὰρ δένδρον εἶναι καρποφόρον, ἐκ δὲ



τοῦ καρποῦ συντίθεσθαι μέλι, τοὺς δὲ φαγόντας ὥμοῦ  
τοῦ καρποῦ μεθύειν.

Πολλὰ γάρ δὴ δένδρα παράδοξα ἢ Ἰνδικῇ τρέφει, 21  
ὧν ἔστι καὶ τὸ κάτω νεύοντας ἔχον τοὺς κλάδους τὰ δὲ  
5 φύλλα ἀσπίδος οὐκ ἐλάττω. Ὀνησίκριτος δὲ καὶ περι-  
εργότερον τὰ ἐν τῇ Μουσικανοῦ διεξιῶν, ἃ φησι νο-  
τιώτατα εἶναι τῆς Ἰνδικῆς, διηγεῖται μεγάλα δένδρα  
τινά, ὧν τοὺς κλάδους αὐξηθέντας ἐπὶ πῆχεις καὶ δώ-  
δεκα, ἔπειτα τὴν λοιπὴν αὐξήσιν καταφερῇ λαμβάνειν  
10 ὥς ἂν κατακαμπτομένους, ἕως ἂν ἄψωνται τῆς γῆς·  
ἔπειτα κατὰ γῆς διαδοθέντας ῥιζοῦσθαι ὁμοίως ταῖς  
κατώρυσιν, εἰτ' ἀναδοθέντας στελεχοῦσθαι· ἐξ οὗ πάλιν  
ὁμοίως τῇ αὐξήσει κατακαμψθέντας ἄλλην κατώ-  
ρυγα ποιεῖν, εἰτ' ἄλλην, καὶ οὕτως ἐφεξῆς, ὥστ' ἀφ'  
15 ἑνὸς δένδρου σκιάδιον γίνεσθαι μακρὸν πολυστύλῳ  
σκηνηῇ ὅμοιον. λέγει δὲ καὶ μεγέθη δένδρων ὥστε πέντε  
ἀνθρώποις δυσπερίληπτα εἶναι τὰ στελέχη. κατὰ δὲ  
τὸν Ἀκесίνην καὶ τὴν συμβολὴν τὴν πρὸς Ἰάρωτιν  
καὶ Ἀριστόβουλος εἶρηκε περὶ τῶν κατακαμπτομένους  
20 ἔχόντων τοὺς κλάδους καὶ περὶ τοῦ μεγέθους ὥσθ' ὑφ'  
ἐνὶ δένδρῳ μεσημβρίζειν σκιαζομένους ἑπτάς πεντή-  
κοντα· οὗτος δὲ τετρακοσίους. λέγει δὲ ὁ Ἀριστόβου-  
λος καὶ ἄλλο δένδρον οὐ μέγα, λοιποὺς ἔχον ὡς ὁ κύα-  
μος δεκαδακτύλους τὸ μῆκος πλήρεις μέλιτος, τοὺς δὲ  
25 φαγόντας οὐ ῥαδίως σώζεσθαι. ἅπαντας δ' ὑπερβέ-  
βληνται περὶ τοῦ μεγέθους τῶν δένδρων οἱ φήσαντες  
ἑωρᾶσθαι πέραν τοῦ Ἰαρωτίδος δένδρον ποιοῦν σκιὰν  
ταῖς μεσημβρίαις πενταστάδιον. καὶ τῶν ἐριοφόρων  
δένδρων φησὶν οὗτος τὸ ἄνθος ἔχειν πυρῆνα· ἔξαιρε-

θέντος δὲ τούτου ξαίνεσθαι τὸ λοιπὸν ὁμοίως ταῖς ἐρέαις.

22 Ἐν δὲ τῇ Μουσικανοῦ καὶ σῖτον ἀντοφυῇ λέγει πυρρῷ παραπλήσιον καὶ ἄμπελον, ὥστ' οἰνοφορεῖν τῶν ἄλλων ἄοινον λεγόντων τὴν Ἰνδικήν· ὥστε μηδ' αὐ- 5 λὸν εἶναι κατὰ τὸν Ἀνάχαρσιν μηδ' ἄλλο τῶν μουσικῶν ὀργάνων μηδὲν πλήν κυμβάλων καὶ τυμπάνων καὶ κροτάλων ἃ τοὺς θαυματοποιοὺς κεκτῆσθαι. καὶ πολυφάρμακον δὲ καὶ πολύρριζον τῶν τε σωτηρίων καὶ τῶν ἐναντίων, ὥσπερ καὶ πολυχρώματον, καὶ οὗτος 10 εἴρηκε καὶ ἄλλοι γε· προστίθῃσι δ' οὗτος ὅτι καὶ νόμος εἶη τὸν ἀνευρόντα τι τῶν ὀλεθρίων, ἐὰν μὴ προσανεύρῃ καὶ τὸ ἄκος αὐτοῦ, θανατοῦσθαι· ἀνευρόντα

C.695 δὲ τιμῆς τυγχάνειν παρὰ τοῖς βασιλεῦσιν. ἔχειν δὲ καὶ κιννάμωμον καὶ νάρδον καὶ τὰ ἄλλα ἀρώματα τὴν νό- 15 τιον γῆν τὴν Ἰνδικήν ὁμοίως ὥσπερ τὴν Ἀραβίαν καὶ τὴν Αἰθιοπίαν ἔχουσάν τι ἐμφερὲς ἐκείναις κατὰ τοὺς ἡλίους· διαφέρειν δὲ τῷ πλεονασμῷ τῶν ὑδάτων ὥστ' ἐνικμον εἶναι τὸν ἀέρα καὶ τροφιμώτερον παρὰ τοῦτο καὶ γόνιμον μᾶλλον, ὥς δ' αὖτως καὶ τὴν γῆν καὶ τὸ 20 ὕδωρ, ἥ δὴ καὶ μείζω τὰ τε χερσαῖα τῶν ζώων καὶ τὰ καθ' ὕδατος τὰ ἐν Ἰνδοῖς τῶν παρ' ἄλλοις εὐρίσκεσθαι. καὶ τὸν Νεῖλον δ' εἶναι γόνιμον μᾶλλον ἐτέρων καὶ μεγαλοφυῇ γεννᾶν καὶ τᾶλλα καὶ τὰ ἀμφίβια, τὰς τε γυναῖκας ἔσθ' ὅτε καὶ τετράδυμα τίκτειν τὰς Αἰγυ- 25 πτίας· Ἀριστοτέλης δὲ τινα καὶ ἐπτάδυμα ἱστορεῖ τετοκέναι, καὶ αὐτὸς πολύγονον καλῶν τὸν Νεῖλον καὶ τρόφιμον διὰ τὴν ἐκ τῶν ἡλίων μετρίαν ἔψησιν αὐτὸ καταλειπόντων τὸ τρόφιμον τὸ δὲ περιττὸν ἐκθυμίωντων.

30

23 Ἀπὸ δὲ τῆς αὐτῆς αἰτίας καὶ τοῦτο συμβαίνειν εἰ-  
κὸς ὅπερ φησὶν οὗτος, ὅτι τῷ ἡμίσει πυρὶ ἔψει τὸ τοῦ



Νείλου ὕδωρ ἢ τὰ ἄλλα. ὅσῳ δέ γε φησὶ τὸ μὲν τοῦ  
 Νείλου ὕδωρ δι' εὐθείας ἔπεισι πολλὴν χώραν καὶ στε-  
 νὴν καὶ μεταβάλλει πολλὰ κλίματα καὶ πολλοὺς ἄερας,  
 τὰ δ' Ἰνδικὰ ρεύματα ἐς πεδία ἀναχεῖται μείζω καὶ  
 5 πλατύτερα ἐνδιατρίβοντα πολὺν χρόνον τοῖς αὐτοῖς  
 κλίμασι, τοσῶδε ἐκεῖνα τούτου τροφιμώτερα, διότι  
 καὶ τὰ κήτη μείζω τε καὶ πλείω· καὶ ἐκ τῶν νεφῶν δὲ  
 ἐφθὸν ἤδη χεῖσθαι τὸ ὕδωρ.

Τοῦτο δ' οἱ μὲν περὶ Ἀριστόβουλον οὐκ ἂν συγ- 24  
 10 χωροῦεν οἱ φάσκοντες μὴ ὕεσθαι τὰ πεδία. Ὀνησικρι-  
 τῷ δὲ δοκεῖ τόδε τὸ ὕδωρ αἴτιον εἶναι τῶν ἐν τοῖς ζώ-  
 οῖς ἰδιωμάτων, καὶ φέρει σημεῖον τὸ καὶ τὰς χροάς τῶν  
 πινόντων βοσκημάτων ξενικῶν ἀλλάττεσθαι πρὸς τὸ  
 ἐπιχώριον. τοῦτο μὲν οὖν εὖ, οὐκ ἐτι δὲ καὶ [τὸ] τοῦ  
 15 μέλανας εἶναι καὶ οὐλότριχας τοὺς Αἰθίοπας ἐν ψιλοῖς  
 τοῖς ὕδασι τὴν αἰτίαν τιθέναι, μέμφεσθαι δὲ τὸν Θεο-  
 δέκτην εἰς αὐτὸν τὸν ἥλιον ἀναφέροντα τὸ αἴτιον, ὅς  
 φησιν οὕτως „οἷς ἀγχιτέρμων ἥλιος διφρηλατῶν σκο-  
 „τεινὸν ἄνθος ἐξέχρωσε λιγνύος εἰς σῶματ' ἀνδρῶν,  
 20 „καὶ συνέστρεψεν κόμας μορφαῖς ἀνανξήτοισι συν-  
 „τήξας πυρός.“ ἔχοι δ' ἂν τινα λόγον· φησὶ γὰρ μήτε  
 ἐγγυτέρω τοῖς Αἰθίοσιν εἶναι τὸν ἥλιον ἢ τοῖς ἄλλοις,  
 ἀλλὰ μᾶλλον κατὰ κάθετον εἶναι, καὶ διὰ τοῦτο ἐπικαί-  
 εσθαι πλέον, ὥστ' οὐκ εὖ λέγεσθαι ἀγχιτέρμονα αὐ-  
 25 τοῖς τὸν ἥλιον ἴσον πάντων διέχοντα· μήτε τὸ θάλλπος  
 εἶναι τοῦ τοιούτου πάθους αἴτιον· μηδὲ γὰρ τοῖς ἐν C.696  
 γαστρί, ὧν οὐχ ἄπτεται ἥλιος. βελτίους δὲ οἱ τὸν ἥλιον  
 αἰτιώμενοι καὶ τὴν ἐξ αὐτοῦ ἐπίκαισιν κατ' ἐπίλειψιν  
 σφοδρὰν τῆς ἐπιπολῆς ἰκμάδος· καθ' ὃ καὶ τοὺς Ἰν-  
 30 δοὺς μὴ οὐλότριχεῖν φάμεν, μηδ' οὕτως ἀπεφεισμέ-  
 νως ἐπικεκαῦσθαι τὴν χροάν, ὅτι ὑγροῦ κοινωνοῦσιν  
 ἄερος. ἐν δὲ τῇ γαστρὶ ἤδη κατὰ σπερματικὴν διάδοσιν

τοιαῦτα γίνεται οἷα τὰ γεννῶντα· καὶ γὰρ πάθη συ-  
 γενικὰ οὕτω λέγεται καὶ ἄλλαι ὁμοιότητες. καὶ τὸ πάν-  
 των δ' ἴσον ἀπέχειν τὸν ἥλιον πρὸς αἰσθησιν λέγεται,  
 οὐ πρὸς λόγον· καὶ πρὸς αἰσθησιν, οὐχ ὥς ἔτυχεν ἀλλ'  
 ὥς φαμεν σημείου λόγον ἔχειν τὴν γῆν πρὸς τὴν τοῦ 5  
 ἡλίου σφαῖραν· ἐπεὶ πρὸς γε τὴν τοιαύτην αἰσθησιν  
 καθ' ἣν θάλλπους ἀντιλαμβανόμεθα, ἐγγύθεν μὲν  
 μᾶλλον πόρρωθεν δὲ ἦττον, οὐκ ἴσον· οὕτω δ' ἀρχι-  
 τέκμων ὁ ἥλιος λέγεται τοῖς Αἰθίοψιν, οὐχ ὥς Ὀνησι-  
 κρίτῳ δέδοκται.

10

25 Καὶ τοῦτο δὲ τῶν ὁμολογουμένων ἐστὶ καὶ τῶν  
 σωζόντων τὴν πρὸς τὴν Αἴγυπτον ὁμοιότητα καὶ τὴν  
 Αἰθιοπίαν, ὅτι τῶν πεδίων ὅσα μὴ ἐπὶ κλυστα, ἄκαρπά  
 ἐστὶ διὰ τὴν ἀνυδρίαν. Νέαρχος δὲ τὸ ζητούμενον  
 πρότερον ἐπὶ τοῦ Νείλου πόθεν ἢ πλήρωσις αὐτοῦ, δι-15  
 δάσκειν ἔφη τοὺς Ἰνδικοὺς ποταμοὺς ὅτι ἐκ τῶν θερι-  
 νῶν ὄμβρων συμβαίνει· Ἀλέξανδρον δ' ἐν μὲν τῷ  
 Ὑδάσπῃ κροκοδείλους ἰδόντα, ἐν δὲ τῷ Ἀκεσίνῃ κυά-  
 μους Αἰγυπτίους, εὐρηκέναι δόξαι τὰς τοῦ Νείλου πη-  
 γάς, καὶ παρασκευάζεσθαι στόλον εἰς τὴν Αἴγυπτον 20  
 ὥς τῷ ποταμῷ τούτῳ μέχρ' ἐκεῖσε πλευσόμενον· μι-  
 κρὸν δ' ὕστερον γινῶναι διότι οὐ δύναται ὁ ἥλπισε·  
 „μέσσω γὰρ μεγάλοι ποταμοὶ καὶ δεινὰ ῥέεθρα, Ὡκεα-  
 „νὸς μὲν πρῶτον,“ εἰς ὃν ἐκδιδόασιν οἱ Ἰνδικοὶ πάντες  
 ποταμοί, ἔπειτα ἡ Ἀριανὴ καὶ ὁ Περσικὸς κόλπος καὶ 25  
 ὁ Ἀράβιος καὶ αὐτὴ ἡ Ἀραβία καὶ ἡ Τρωγλοδυτικὴ.  
 τὰ μὲν οὖν περὶ τῶν ἀνέμων καὶ τῶν ὄμβρων τοιαῦτα  
 λέγεται καὶ τῆς πληρώσεως τῶν ποταμῶν καὶ τῆς ἐπι-  
 κλύσεως τῶν πεδίων.

26 Δεῖ δὲ καὶ τὰ καθ' ἕκαστα περὶ τῶν ποταμῶν εἰ-30  
 πεῖν ὅσα πρὸς τὴν γεωγραφίαν χρήσιμα καὶ ὅσων  
 ἱστορίαν παρειλήφαμεν. ἄλλως τε γὰρ οἱ ποταμοὶ φυ-



σικοί τινες ὄροι καὶ μεγεθῶν καὶ σχημάτων τῆς χώρας  
 ὄντες ἐπιτηδειότητα πολλὴν παρέχουσι πρὸς ὅλην τὴν  
 νῦν ὑπόθεσιν. ὁ δὲ Νεῖλος καὶ οἱ κατὰ τὴν Ἰνδικὴν C.697  
 πλεονέκτημά τι ἔχουσι παρὰ τοὺς ἄλλους διὰ τὸ τὴν  
 5 χώραν ἀοίκητον εἶναι χωρὶς αὐτῶν, πλωτὴν ἅμα καὶ  
 γεωργήσιμον οὖσαν, καὶ μὴτ' ἐφοδεύεσθαι δυναμένην  
 ἄλλως μὴτ' οἰκεῖσθαι τὸ παράπαν. τοὺς μὲν οὖν εἰς  
 τὸν Ἰνδὸν καταφερομένους ἱστοροῦμεν τοὺς ἀξίους  
 μνήμης καὶ τὰς χώρας, δι' ὧν ἡ φορὰ, τῶν δ' ἄλλων  
 10 ἐστὶν ἄγνοια πλείων ἢ γυνῶσις. Ἀλέξανδρος γὰρ ὁ μά-  
 λιστα ταῦτ' ἀνακαλύψας κατ' ἀρχὰς μὲν, ἡνίκα οἱ Δα-  
 ρεῖον δολοφονήσαντες ὥρμησαν ἐπὶ τὴν τῆς Βακτρια-  
 νῆς ἀπόστασιν, ἔγνω προουργαίτατον ὃν διώκειν καὶ  
 καταλύειν ἐκείνους. ἦκε μὲν οὖν τῆς Ἰνδικῆς πλησίον  
 15 δι' Ἀριανῶν, ἀφελὶς δ' αὐτὴν ἐν δεξιᾷ ὑπερέβη τὸν  
 Παροπάμισον εἰς τὰ προσάρκτια μέρη καὶ τὴν Βακτρι-  
 ανήν· καταστρεψάμενος δὲ τὰκεῖ πάντα ὅσα ἦν ὑπὸ  
 Πέρσαις καὶ ἔτι πλείω, τότε ἤδη καὶ τῆς Ἰνδικῆς ὠρέ-  
 χθη, λεγόντων μὲν περὶ αὐτῆς πολλῶν οὐ σαφῶς δέ.  
 20 ἀνέστρεψε δ' οὖν ὑπερθεῖς τὰ αὐτὰ ὄρη κατ' ἄλλας  
 ὁδοὺς ἐπιτομωτέρας ἐν ἀριστερᾷ ἔχων τὴν Ἰνδικήν,  
 εἴτ' ἐπέστρεψεν εὐθύς ἐπ' αὐτὴν καὶ τοὺς ὄρους τοὺς  
 ἐσπερίους αὐτῆς καὶ τὸν Κώφην ποταμὸν καὶ τὸν Χο-  
 άσπην, ὃς εἰς τὸν Κώφην ἐμβάλλει ποταμὸν κατὰ  
 25 Πλημύριον πόλιν, ὅνεις παρὰ \* Γώρουδι ἄλλην πόλιν,  
 καὶ διεξιὼν τὴν τε Βανδοβηνήν καὶ τὴν Γανδαρῆτιν.  
 ἐπυνθάνετο δ' οἰκήσιμον εἶναι μάλιστα καὶ εὐκαρπον  
 τὴν ὀρεινὴν καὶ προσάρκτιον· τὴν δὲ νότιον τὴν μὲν  
 ἄνυδρον τὴν δὲ ποταμόκλυστον καὶ τελέως ἔκπυρον,  
 30 θηρίοις τε μᾶλλον ἢ ἀνθρώποις σύμμετρον. ὥρμησεν

οὖν τὴν ἐπαινουμένην κατακτᾶσθαι πρότερον, ἅμα καὶ τοὺς ποταμοὺς εὐπερατοτέρους νομίσας τῶν πηγῶν πλησίον, οὓς ἀναγκαῖον ἦν διαβαίνειν, ἐπικαρσίους ὄντας καὶ τέμνοντας ἦν ἐπήγει γῆν. ἅμα δὲ καὶ ἤκουσεν εἰς ἓν πλείους συνιόντας ῥεῖν, καὶ τοῦτ' αἰεὶ<sup>5</sup> καὶ μᾶλλον συμβαῖνον ὅσῳ πλεῖον εἰς τὸ πρόσθεν προῖοιεν, ὥστ' εἶναι δυσπερατοτέραν, καὶ ταῦτα ἐν πλοίων ἀπορία. δεδιὼς οὖν τοῦτο διέβη τὸν Κώφην, καὶ κατεστρέφετο τὴν ὀρεινὴν ὅση ἐτέτραπτο πρὸς ἑω.

27 Ἦν δὲ μετὰ τὸν Κώφην ὁ Ἰνδός, εἰθ' ὁ Ὑδάσπης, 10  
εἰθ' ὁ Ἀκεσίνης καὶ ὁ Ὑάρωτις, ὕστατος δ' ὁ Ὑπανις.  
περαιτέρω γὰρ προελθεῖν ἐκωλύθη, τοῦτο μὲν μαν-  
τείοις τισὶ προσέχων τοῦτο δ' ὑπὸ τῆς στρατιᾶς ἀπη-  
γορευκυίας ἤδη πρὸς τοὺς πόρους ἀναγκασθεῖς· μά-  
λιστα δ' ἐκ τῶν ὑδάτων ἔκαμνον συνεχῶς ὑόμενοι. 15  
ταῦτ' οὖν ἐγένετο γνώριμα ἡμῖν τῶν ἑωθινῶν τῆς Ἰν-  
C.698δικῆς μερῶν, ὅσα ἐντὸς τοῦ Ὑπάνιος, καὶ εἰ τινα προσ-  
ιστόρησαν οἱ μετ' ἐκείνον περαιτέρω τοῦ Ὑπάνιος  
προελθόντες μέχρι τοῦ Γάγγου καὶ Παλιβόθρων. μετὰ  
μὲν οὖν τὸν Κώφην ὁ Ἰνδὸς ῥεῖ· τὰ δὲ μεταξὺ τούτων 20  
τῶν δυεῖν ποταμῶν ἔχουσιν Ἀστακηνοί τε καὶ Μασια-  
νοὶ καὶ Νυσάιοι καὶ Ὑπάσιοι· εἰθ' ἡ Ἀσσακανοῦ, ὅπου  
Μασόγα πόλις, τὸ βασίλειον τῆς χώρας. ἤδη δὲ πρὸς  
τῷ Ἰνδῷ πάλιν ἄλλη πόλις Πευκολαῖτις, πρὸς ἣν  
ξεῦγμα γενηθὲν ἐπεραίωσε τὴν στρατιάν.

28 Μεταξὺ δὲ τοῦ Ἰνδοῦ καὶ τοῦ Ὑδάσπου Τάξιλα 25  
ἔστι πόλις μεγάλη καὶ εὐνομοτάτη, καὶ ἡ περικειμένη  
χώρα συχνὴ καὶ σφόδρα εὐδαίμων, ἤδη συνάπτουσα  
καὶ τοῖς πεδίοις. ἐδέξαντό τε δὴ φιλανθρωπῶπως τὸν  
Ἀλέξανδρον οἱ ἄνθρωποι καὶ ὁ βασιλεὺς αὐτῶν Ταξι- 30  
λης· ἔτυχόν τε πλειόνων ἢ αὐτοὶ παρέσχον, ὥστε φθο-  
νεῖν τοὺς Μακεδόνας καὶ λέγειν ὡς οὐκ εἶχεν, ὡς ἔοι-



κεν, Ἀλέξανδρος οὓς εὐεργετήσῃ πρὶν ἢ διέβῃ τὸν Ἰν-  
 δόν. φασὶ δ' εἶναί τινες τὴν χώραν ταύτην Αἰγύπτου  
 μείζονα. ὑπὲρ δὲ ταύτης ἐν τοῖς ὄρεσιν ἡ τοῦ Ἀβισά-  
 ρου χώρα, παρ' ᾧ δύο δράκοντας ἀπήγγελλον οἱ παρ'  
 5 αὐτοῦ πρέσβεις τρέφεσθαι, τὸν μὲν ὀγδοήκοντα πη-  
 χῶν τὸν δὲ τετταράκοντα πρὸς τοῖς ἑκατόν, ὥς εἴρη-  
 κεν Ὀνησίκριτος, ὃν οὐκ Ἀλεξάνδρου μᾶλλον ἢ τῶν  
 παραδόξων ἀρχικυβερνήτην προσεῖποι τις ἄν. πάντες  
 μὲν γὰρ οἱ περὶ Ἀλέξανδρον τὸ θαυμαστὸν ἀντὶ τᾶλη-  
 10 θοῦς ἀπεδέχοντο μᾶλλον, ὑπερβάλλεσθαι δὲ δοκεῖ  
 τοὺς τοσούτους ἐκείνος τῇ τερατολογίᾳ· λέγει δ' οὖν  
 τινα καὶ πιθανὰ καὶ μνήμης ἄξια ὥστε καὶ ἀπιστοῦντα  
 μὴ παρελθεῖν αὐτά. περὶ δ' οὖν τῶν δρακόντων καὶ  
 ἄλλοι λέγουσιν ὅτι ἐν τοῖς Ἡμωδοῖς ὄρεσι θηρεύουσι  
 15 καὶ τρέφουσιν ἐν σπηλαίοις.

Μεταξὺ δὲ τοῦ Ὑδάσπου καὶ τοῦ Ἀκεσίνου ἢ τε 29  
 τοῦ Πῶρου ἐστί, πολλὴ καὶ ἀγαθὴ, σχεδόν τι καὶ τρι-  
 ακοσίων πόλεων, καὶ ἡ πρὸς τοῖς Ἡμωδοῖς ὄρεσιν ὕλη,  
 ἐξ ἧς Ἀλέξανδρος κατήγαγε τῷ Ὑδάσπῃ κόψας ἐλάτην  
 20 τε πολλὴν καὶ πεύκην καὶ κέδρον καὶ ἄλλα παντοῖα  
 στελέχη ναυπηγήσιμα, ἐξ ὧν στόλον κατεσκευάσατο  
 ἐπὶ τῷ Ὑδάσπῃ πρὸς ταῖς ἐκτισμέναις ὑπ' αὐτοῦ πόλε-  
 σιν ἐφ' ἐκάτερα τοῦ ποταμοῦ, ὅπου τὸν Πῶρον ἐνίκα  
 διαβάς· ὧν τὴν μὲν Βουκεφαλίαν ὠνόμασεν ἀπὸ τοῦ  
 25 πεσόντος ἵππου κατὰ τὴν μάχην τὴν πρὸς τὸν Πῶρον  
 (ἐκαλεῖτο δὲ Βουκεφάλας ἀπὸ τοῦ πλάτους τοῦ μετώ-  
 που· πολεμιστῆς δ' ἦν ἀγαθός, καὶ αἰεὶ τούτῳ ἐκέ- C.699  
 χρητο κατὰ τοὺς ἀγῶνας), τὴν δὲ Νίκαιαν ἀπὸ τῆς νί-  
 κης ἐκάλεσεν. ἐν δὲ τῇ λεχθείσῃ ὕλῃ καὶ τὸ τῶν κερ-  
 30 κοπιθήκων διηγοῦνται πλῆθος ὑπερβάλλον καὶ τὸ μέ-  
 γεθος ὁμοίως· ὥστε τοὺς Μακεδόνας ποτὲ ἰδόντας ἐν  
 τισιν ἀκρολοφίαις ψιλαῖς ἐστῶτας ἐν τάξει κατὰ μέτω-

πον πολλοὺς (καὶ γὰρ ἀνθρωποποιούστατον εἶναι το  
 ζῶον, οὐχ ἥττον τῶν ἐλεφάντων) στρατοπέδου λαβεῖν  
 φαντασίαν καὶ ὁρμῆσαι μὲν ἐπ' αὐτοὺς ὡς πολεμίους,  
 μαθόντας δὲ παρὰ Ταξίλου συνόντος τότε τῷ βασιλεῖ  
 τὴν ἀλήθειαν πᾶσαι. ἡ δὲ θήρα τοῦ ζώου διττή· 5  
 μιμητικὸν δὲ καὶ ἐπὶ τὰ δένδρα ἀναφενκτικόν· οἱ οὖν  
 θηρεύοντες, ἐπ' αὐτὸν ἰδῶσιν ἐπὶ δένδρων ἰδρυμένον, ἐν  
 ὄψει θέντες τρύβλιον ὕδωρ ἔχον τοὺς ἑαυτῶν ὀφθαλ-  
 μοὺς ἐναλείφουσιν ἐξ αὐτοῦ· εἴτ' ἀντὶ τοῦ ὕδατος ἱξοῦ  
 τρύβλιον θέντες ἀπίασι καὶ λοχῶσι πόρρωθεν· ἐπ' αὐτὸν 10  
 δὲ καταπηδῆσαν τὸ θηρίον ἐγχρίσεται τοῦ ἱξοῦ, \* κα-  
 ταμύσαντος δ' ἀποληφθῇ τὰ βλέφαρα, ἐπιόντες ζω-  
 γροῦσιν. εἷς μὲν οὖν τρόπος οὗτος, ἄλλος δέ· ὑποδυ-  
 σάμενοι θυλάκους ὡς ἀναξυρίδας ἀπίασιν, ἄλλους κα-  
 ταλιπόντες δασεῖς τὰ ἐντὸς κεχρισμένους ἱξῶ· ἐνδύν- 15  
 τας δὲ εἰς αὐτοὺς ῥαδίως αἰροῦσι.

30 Καὶ τὴν Κάθαιαν δέ τινες [καὶ] τὴν Σωπείδους,  
 τῶν νομαρχῶν τινος, κατὰ τήνδε τὴν μεσοποταμίαν  
 τιθέασιν· ἄλλοι δὲ καὶ τοῦ Ἀκεσίνου πέραν καὶ τοῦ  
 Ἐρωτίδος, ὁμορον τῇ Πώρου τοῦ ἐτέρου, ὅς ἦν ἀνε- 20  
 ψιὸς τοῦ ὑπ' Ἀλεξάνδρου ἀλόντος· καλοῦσι δὲ Γαν-  
 δαρίδα τὴν ὑπὸ τούτῳ χώραν. ἐν δὲ τῇ Καθαίᾳ καινό-  
 τατον ἱστορεῖται τὸ περὶ τοῦ κάλλους ὅτι τιμᾶται δια-  
 φερόντως, ὡς ἵππων καὶ κυνῶν· βασιλέα τε γὰρ τὸν  
 κάλλιστον αἰρεῖσθαι φησιν Ὀνησίκριτος, γενόμενόν 25  
 τε παιδίον μετὰ δίμηνον κρίνεσθαι δημοσίᾳ πότερον  
 ἔχει τὴν ἐννομον μορφὴν καὶ τοῦ ζῆν ἀξίαν ἢ οὐ, κρι-  
 θέντα δ' ὑπὸ τοῦ ἀποδειχθέντος ἄρχοντος ζῆν ἢ θαν-  
 νατοῦσθαι· βάπτεσθαι τε πολλοῖς εὐανθεστάτοις χρώ-  
 μασι τοὺς πώγωνας αὐτοῦ τούτου χάριν καλλωπιζο- 30  
 μένους· τοῦτο δὲ καὶ ἄλλους ποιεῖν ἐπιμελῶς συχνοὺς  
 τῶν Ἰνδῶν (καὶ γὰρ δὴ φέρειν τὴν χώραν χροᾶς θαν-



μαστάς) καὶ θριξὶ καὶ ἐσθῆσι· τοὺς δ' ἀνθρώπους τὰ  
 ἄλλα μὲν εὐτελεῖς εἶναι φιλοκόσμους δέ. ἴδιον δὲ τῶν  
 Καθαίων καὶ τοῦτο ἱστορεῖται τὸ αἰρεῖσθαι νυμφίον  
 καὶ νύμφην ἀλλήλους καὶ τὸ συγκατακαίεσθαι τεθνεῶ-  
 5 σι τοῖς ἀνδράσι τὰς γυναῖκας κατὰ τοιαύτην αἰτίαν,  
 ὅτι ἐρῶσαί ποτε τῶν νέων ἀφίσταντο τῶν ἀνδρῶν ἤC.700  
 φαρμακεύοιεν αὐτούς· νόμον οὖν θέσθαι τοῦτον ὥς  
 πανσομένης τῆς φαρμακείας· οὐ πιθανῶς μὲν οὖν ὁ  
 νόμος οὐδ' ἡ αἰτία λέγεται. φασὶ δ' ἐν τῇ Σωπείδους  
 0 χώρᾳ ὀρυκτῶν ἀλῶν ὄρος εἶναι ἀρκεῖν δυνάμενον ὅλην  
 τῇ Ἰνδικῇ· καὶ χρυσεῖα δὲ καὶ ἀργυρεῖα οὐ πολὺ ἄπω-  
 θεν ἐν ἄλλοις ὄρεσιν ἱστορεῖται καλὰ, ὥς ἐδήλωσε  
 Γόργος ὁ μεταλλευτής. οἱ δ' Ἰνδοὶ μεταλλείας καὶ χω-  
 νείας ἀπείρως ἔχοντες οὐδ' ὧν εὐποροῦσιν ἴσασιν, ἀλλ'  
 5 ἀπλουστέρον μεταχειρίζονται τὸ πρᾶγμα.

Ἐν δὲ τῇ Σωπείδους καὶ τὰς τῶν κυνῶν ἀρετὰς 31  
 διηγοῦνται θαυμαστάς· λαβεῖν γοῦν τὸν Ἀλέξανδρον  
 παρὰ τοῦ Σωπείδους κύνας πεντήκοντα καὶ ἑκατόν·  
 διαπείρας δὲ χάριν λέοντι προσαφέντας δύο, κρατου-  
 20 μένων αὐτῶν, δύο ἄλλους ἐπαφεῖναι· τότε δ' ἤδη κα-  
 θεστώτων εἰς ἀντίπαλα τὸν μὲν Σωπείδην κελεῦσαι  
 τῶν κυνῶν ἓνα ἀποσπᾶν τοῦ σκέλους τινὰ λαβόμενον,  
 ἔαν δὲ μὴ ὑπακούῃ ἀποτεμεῖν· τὸν Ἀλέξανδρον δὲ κατ'  
 ἀρχὰς μὲν οὐ συγχωρεῖν ἀποτεμεῖν φειδόμενον τοῦ  
 25 κυνός, εἰπόντος δ' ὅτι τέτταρας ἀντιδώσω σοι, συγχω-  
 ρῆσαι καὶ τὸν κύνα περιδεῖν ἀποτμηθέντα τὸ σκέλος  
 βραδείᾳ τομῇ πρὶν ἀνεῖναι τὸ δῆγμα.

Ἡ μὲν οὖν μέχρι τοῦ Ὑδάσπου ὁδὸς τὸ πλεόν ἦν 32  
 ἐπὶ μεσημβρίαν, ἡ δ' ἐνθένδε πρὸς ἑὸ μάλλον μέχρι  
 30 τοῦ Ὑπάνιος, ἅπασα δὲ τῆς ὑπωρείας μάλλον ἢ τῶν  
 πεδίων ἐχομένη. ὁ δ' οὖν Ἀλέξανδρος ἀπὸ τοῦ Ὑπά-  
 νιος ἀναστρέψας ἐπὶ τὸν Ὑδάσπην καὶ τὸν ναύσταθμον

ἡρτικρότει τὸν στόλον, εἴτ' ἐπλει τῷ Ὑδάσπῃ. πάντες δ' οἱ λεχθέντες ποταμοὶ συμβάλλουσιν εἰς ἓνα τὸν Ἰνδόν, ὕστατος δ' ὁ Ὑπανις· πεντεκαίδεκα δὲ τοὺς σύμπαντας συρρεῖν φασὶ τοὺς γε ἀξιολόγους· πληρωθεὶς δ' ἐκ πάντων ὥστε καὶ ἐφ' ἑκατὸν σταδίους, ὥς οἱ μὴ 5 μετριάζοντές φασιν, εὐρύνεσθαι κατὰ τινὰς τόπους, ὥς δ' οἱ μετριώτεροι, πεντήκοντα τὸ πλεῖστον ἐλάχιστον δὲ ἐπτὰ, ἔπειτα δυσὶ στόμασιν εἰς τὴν νοτίαν ἐκδίδωσι θάλατταν καὶ τὴν Παταληνὴν προσαγορευομένην ποιεῖ νῆσον. ταύτην δ' ἔσχε τὴν διάνοιαν Ἀλέξαν- 10 δρος, ἀφείς τὰ πρὸς ἕω μέρη πρῶτον μὲν διὰ τὸ κωλυθῆναι διαβῆναι τὸν Ὑπανιν, ἔπειτα καὶ ψευδῇ καταμαθὼν τῇ πείρᾳ τὸν προκατέχοντα λόγον ὥς ἐκπυρα εἶη καὶ θηρίοις μᾶλλον οἰκήσιμα τὰ ἐν τοῖς πεδίοις ἢ 15 ἀνθρωπείῳ γένει· διόπερ ὥρμησεν ἐπὶ ταῦτα ἀφείς 15 ἐκεῖνα, ὥστε καὶ ἐγνώσθη ταῦτα ἀντ' ἐκείνων ἐπὶ πλέον.

33 Ἡ μὲν οὖν μεταξὺ τοῦ Ὑπάνιος καὶ τοῦ Ὑδάσπου C.701 λέγεται ἑννέα ἔχειν ἔθνη, πόλεις δὲ εἰς πεντακισχιλίας οὐκ ἐλάττους Κῶ τῆς Μεροπίδος· δοκεῖ δὲ πρὸς ὑπερ- 20 βολὴν εἰρησθαι τὸ πλῆθος· ἡ δὲ μεταξὺ τοῦ Ἰνδοῦ καὶ τοῦ Ὑδάσπου εἴρηται σχεδόν τι ὑφ' ὧν οἰκεῖται τῶν ἀξίων μνήμης. κάτω δ' ἐξῆς εἰσιν οἳ τε Σίβαι λεγόμενοι, περὶ ὧν καὶ πρότερον ἐμνήσθημεν, καὶ Μαλλοὶ καὶ Συδράκαι μεγάλα ἔθνη· καὶ Μαλλοὶ μὲν παρ' οἷς 25 ἀποθανεῖν ἐκινδύνευσεν Ἀλέξανδρος τρωθεὶς ἐν ἀλώσει πολίχνης τινός, Συδράκαι δὲ οὓς τοῦ Διονύσου συγγενεῖς ἔφαμεν μεμυθεῦσθαι. πρὸς αὐτῇ δ' ἦδη τῇ Παταληνῇ τὴν τε τοῦ Μουσικανοῦ λέγουσι καὶ τὴν Σάβου, τὰ Σινδόμανα, καὶ ἔτι τὴν Πορτικανοῦ καὶ ἄλ- 30

8. post ἐπτὰ: καὶ πολλὰ ἔθνη καὶ πόλεις εἰςὶ περίεξ



λων ὧν ἐκράτησεν ἀπάντων Ἀλέξανδρος, τὴν τοῦ Ἰνδοῦ  
 παροικούντων ποταμίαν, ὑστάτης δὲ τῆς Παταληνῆς  
 ἦν ὁ Ἰνδὸς ποιεῖ σχισθεὶς εἰς δύο προχοάς. Ἀριστόβου-  
 λος μὲν οὖν εἰς χιλίους σταδίους διέχειν ἀλλήλων φησὶν  
 5 αὐτάς, Νέαρχος δ' ὀκτακοσίους προστίθησιν, Ὀνησί-  
 κριτος δὲ τὴν πλευρὰν ἐκάστην τῆς ἀπολαμβανομένης  
 νῆσου τριγώνου τὸ σχῆμα δισχιλίω, τοῦ δὲ ποταμοῦ  
 τὸ πλάτος καθ' ὃ σχίζεται εἰς τὰ στόματα ὅσον διακο-  
 σίων· καλεῖ δὲ τὴν νῆσον Δέλτα καὶ φησιν ἴσην εἶναι  
 10 τοῦ κατ' Αἴγυπτον Δέλτα, οὐκ ἀληθὲς τοῦτο λέγων.  
 τὸ γὰρ κατ' Αἴγυπτον Δέλτα χιλίων καὶ τριακοσίων  
 λέγεται σταδίων ἔχειν τὴν βάσιν, τὰς δὲ πλευρὰς ἐκα-  
 τέραν ἐλάττω τῆς βάσεως. ἐν δὲ τῇ Παταληνῇ πόλις  
 ἐστὶν ἀξιόλογος τὰ Πάταλα, ἀφ' ἧς καὶ ἡ νῆσος κα-  
 15 λεῖται.

Φησὶ δ' Ὀνησίκριτος τὴν πλείστην παραλίαν τὴν 34  
 ταύτῃ πολὺ τὸ τεναγῶδες ἔχειν καὶ μάλιστα κατὰ τὰ  
 στόματα τῶν ποταμῶν διὰ τε τὴν χοῦν καὶ τὰς πλημ-  
 μυρίδας καὶ τὸ μὴ πνεῖν ἀπογαίους ἀλλ' ὑπὸ τῶν πε-  
 20 λαγίων ἀνέμων κατέχεσθαι τούτους τοὺς τόπους τὸ  
 πλεόν. λέγει δὲ καὶ περὶ τῆς Μουσικανοῦ χώρας ἐπὶ  
 πλεόν ἐγκωμιάζων αὐτήν, ὧν τινα κοινὰ καὶ ἄλλοις  
 Ἰνδοῖς ἱστόρηται, ὥς τὸ μακρόβιον ὥστε καὶ τριάκοντα  
 ἐπὶ τοῖς ἑκατὸν προσλαμβάνειν (καὶ γὰρ τοὺς Σῆρας  
 25 ἔτι τούτων μακροβιωτέρους τινὲς φασί) καὶ τὸ λιτόβιον  
 καὶ τὸ ὑγιεινόν, καίπερ τῆς χώρας ἀφθονίαν ἀπάντων  
 ἐχούσης. ἴδιον δὲ τὸ συσσίτιά τινα Λακωνικὰ αὐτοῖς  
 εἶναι δημοσίᾳ σιτουμένων ὅσα δ' ἐκ θήρας ἐχόντων,  
 καὶ τὸ χρυσῶ μὴ χρῆσθαι μηδ' ἀργύρῳ μετὰλλων ὄν-  
 30 των, καὶ τὸ ἀντὶ δούλων τοῖς ἐν ἀκμῇ χρῆσθαι νέοις,  
 ὥς Κρητὲς μὲν τοῖς Ἀφαιμιώταις Λάκωνες δὲ τοῖς Εἰ-  
 λωσι· μὴ ἀκριβοῦν δὲ τὰς ἐπιστήμας πλὴν ἰατρικῆς.

ἐπὶ τινων γὰρ κακουργίαν εἶναι τὴν ἐπὶ πλεον ἄσκησιν,  
 C.702οῖον ἐπὶ τῆς πολεμικῆς καὶ τῶν ὁμοίων· δίκην δὲ μὴ  
 εἶναι πλὴν φόνου καὶ ὕβρεως· οὐκ ἐπ' αὐτῷ γὰρ τὸ  
 μὴ παθεῖν ταῦτα, τὰ δ' ἐν τοῖς συμβολαίοις ἐπ' αὐτῷ  
 ἐκάστω, ὥστε ἀνέχεσθαι δεῖ εἰάν τις παραβῇ τὴν πίστιν, 5  
 ἀλλὰ καὶ προσέχειν ὅτῳ πιστευτέον, καὶ μὴ δικῶν πλη-  
 ροῦν τὴν πόλιν.

Ταῦτα μὲν οἱ μετ' Ἀλεξάνδρου στρατεύσαντες λέ-  
 35 γουσιν. ἐκδέδοται δὲ τις καὶ Κρατεροῦ πρὸς τὴν μη-  
 τέρα Ἀριστοπάτρην ἐπιστολὴν πολλὰ τε ἄλλα παράδοξα 10  
 φράζουσα καὶ οὐχ ὁμολογοῦσα οὐδενὶ καὶ δὴ καὶ τὸ  
 μέχρι τοῦ Γάγγου προσελθεῖν τὸν Ἀλέξανδρον· αὐτὸς  
 τέ φησιν ἰδεῖν τὸν ποταμὸν καὶ \* κήτη τὰ ἐπ' αὐτῷ καὶ  
 μέγεθος καὶ πλάτους καὶ βάθους πόρρω πίστεως μᾶλ-  
 λον ἢ ἐγγύς. ὅτι μὲν γὰρ μέγιστος τῶν μνημονευομέ- 15  
 νων κατὰ τὰς τρεῖς ἡπείρους καὶ μετ' αὐτὸν ὁ Ἰνδός,  
 τρίτος δὲ καὶ τέταρτος ὁ Ἰστρος καὶ ὁ Νεῖλος, ἱκανῶς  
 συμφωνεῖται· τὰ καθ' ἕκαστα δ' ἄλλοι ἄλλως περὶ  
 αὐτοῦ λέγουσιν, οἱ μὲν τριάκοντα σταδίων τοῦλάχιστον  
 πλάτος οἱ δὲ καὶ τριῶν, Μεγασθένης δέ, ὅταν ἦ μέτριος, 20  
 καὶ εἰς ἑκατὸν εὐρύνεσθαι, βάθος δὲ εἴκοσιν ὀργυιῶν  
 τοῦλάχιστον.

36 Ἐπὶ δὲ τῇ συμβολῇ τούτου τε καὶ τοῦ ἄλλου ποτα-  
 μοῦ [Ἐρανοβοά] τὰ Παλίβοθρα ἰδρῦσθαι σταδίων  
 ὀγδοήκοντα τὸ μῆκος πλάτος δὲ πεντεκαίδεκα ἐν πα- 25  
 ραλληλογράμμῳ σχήματι, ξύλινον περίβολον ἔχουσαν  
 κατατετρημένον ὥστε διὰ τῶν ὁπῶν τοξεύειν· προ-  
 κεῖσθαι δὲ καὶ τάφρον φυλακῆς τε χάριν καὶ ὑποδοχῆς  
 τῶν ἐκ τῆς πόλεως ἀπορροιῶν. τὸ δ' ἔθνος ἐν ᾧ ἡ πό-  
 λιν αὕτη καλεῖσθαι Πρασίους, διαφορώτατον τῶν πάν- 30  
 των· τὸν δὲ βασιλεύοντα ἐπώνυμον δεῖν τῆς πόλεως  
 εἶναι, Παλίβοθρον καλούμενον πρὸς τῷ ἰδίῳ τῷ ἐκ γε-



νετῆς ὀνόματι, καθάπερ τὸν Σανδρόκοιτον, πρὸς ὃν ἦκεν ὁ Μεγασθένης πεμφθεὶς. τοιοῦτο δὲ καὶ τὸ παρὰ τοῖς Παρθυαίοις· Ἀρσάκαι γὰρ καλοῦνται πάντες, ἰδίᾳ δὲ ὁ μὲν Ὀρώδης ὁ δὲ Φραάτης ὁ δ' ἄλλο τι.

- 5 Ἀρίστη δ' ὁμολογεῖται πᾶσα ἡ τοῦ Ὑπάνιος πέ- 37  
ραν· οὐκ ἀκριβοῦνται δέ, ἀλλὰ διὰ τὴν ἄγνοιαν καὶ  
τὸν ἐκτοπισμὸν λέγεται πάντ' ἐπὶ τὸ μείζον ἢ τὸ τερα-  
τωδέστερον· οἷα τὰ τῶν χρυσωρύχων μυρμήκων καὶ  
ἄλλων θηρίων τε καὶ ἀνθρώπων ἰδιομόρφων καὶ δυ-  
10 νάμεσί τιςιν ἐξηλλαγμένων, ὥς τοὺς Σήρας μακρο-  
βίους φασὶ πέρα καὶ διακοσίων ἐτῶν παρατείνοντας.  
λέγουσι δὲ καὶ ἀριστοκρατικὴν τινα σύνταξιν πολιτείας  
αὐτόθι ἐκ πεντακισχιλίων βουλευτῶν συνεστῶσαν, ὧν  
ἕκαστον παρέχεσθαι τῷ κοινῷ ἐλέφαντα. καὶ τίγρεις δ' C. 703  
15 ἐν τοῖς Πρασίοις φησὶν ὁ Μεγασθένης μεγίστους γίνε-  
σθαι, σχεδὸν δέ τι καὶ διπλασίους λεόντων, δυνατοὺς  
δὲ ὥστε τῶν ἡμέρων τινὰ ἀγόμενον ὑπὸ τεττάρων τῷ  
ὀπισθίῳ σκέλει δραξάμενον ἡμιόνου βιάσασθαι καὶ  
ἐλκύσαι πρὸς ἑαυτόν. κερκοπιθήκους δὲ μείζους τῶν  
20 μεγίστων κυνῶν, λευκοὺς πλὴν τοῦ προσώπου, τοῦτο  
δ' εἶναι μέλαν, παρ' ἄλλοις δ' ἀνάπαλιν· τὰς δὲ κέρ-  
κους μείζους δυεῖν πηχέων· ἡμερωτάτους δὲ καὶ οὐ  
κακοήθεις περὶ ἐπιθέσεις καὶ κλοπάς· λίθους δ' ὀρύτ-  
τεσθαι λιβανόχρους γλυκυτέρους σύκων ἢ μέλιτος.  
25 ἀλλαχοῦ δὲ διπήχεις ὄφεις ὑμενοπτέρους ὥσπερ αἱ  
νυκτερίδες· καὶ τούτους δὲ νύκτωρ πέτεσθαι, στα-  
λαγμοὺς ἀφιέντας οὖρων, τοὺς δὲ ἰδρώτων, διασήπον-  
τας τὸν χροῶτα τοῦ μὴ φυλαξαμένου· καὶ σκορπίους εἶ-  
ναι πτηνοὺς, ὑπερβάλλοντας μεγέθεσι· φύεσθαι δὲ  
30 καὶ ἔβενον· εἶναι δὲ καὶ κύνας ἀκλίμους, οὐ πρότερον  
μεθιέντας τὸ δηχθὲν πρὶν εἰς τοὺς ῥώθωνας ὕδωρ  
καταχυθῆναι· ἐνίους δ' ὑπὸ προθυμίας ἐν τῷ δήγματι

διαστρέφεσθαι τοὺς ὀφθαλμούς, τοῖς δὲ καὶ ἐκπίπτειν, κατασχεθῆναι δὲ καὶ λέοντα ὑπὸ κυνὸς καὶ ταῦρον, τὸν δὲ ταῦρον καὶ ἀποθανεῖν κρατούμενον τοῦ ὀύγγχους πρότερον ἢ ἀφεθῆναι.

- 38 Ἐν δὲ τῇ ὀρεινῇ Σίλαν ποταμὸν εἶναι ᾧ μὴδὲν 5 ἐπιπλεῖ· Δημόκριτον μὲν οὖν ἀπιστεῖν ἅτε πολλὴν τῆς Ἀσίας πεπλανημένον· καὶ Ἀριστοτέλης δὲ ἀπιστεῖ, καίπερ ἁέρων ὄντων λεπτῶν οἷς οὐδὲν ἐποχεῖται πτηνόν· ἔτι δὲ τῶν ἀναφερομένων ἀτμῶν ἐπισπαστικοί τινές εἰσι πρὸς ἑαυτοὺς καὶ οἷον ῥοφητικοὶ τοῦ ὑπερ- 10 πετοῦς, ὥς τὸ ἤλεκτρον τοῦ ἀχύρου καὶ ἡ σιδηροῖτις τοῦ σιδήρου· τάχα δὲ καὶ καθ' ὕδατος τοιαῦταί τινες εἶεν ἂν δυνάμεις. ταῦτα μὲν οὖν φυσιολογίας ἔχεται τιнос καὶ τῆς περὶ τῶν ὀχουμένων πραγματείας, ὥστε ἐν ἐκείνοις ἐπισκεπτέον· νυνὶ δ' ἔτι καὶ ταῦτα προσλη- 15 πτέον καὶ ὅσα ἄλλα τῆς γεωγραφίας ἐγγυτέρω.

- 39 Φησὶ δὴ τὸ τῶν Ἰνδῶν πλῆθος εἰς ἑπτὰ μέρη διη- ρῆσθαι, καὶ πρῶτους μὲν τοὺς φιλοσόφους εἶναι κατὰ τιμὴν, ἐλαχίστους δὲ κατ' ἀριθμόν· χρῆσθαι δ' αὐτοῖς ἰδίᾳ μὲν ἐκάστῳ τοὺς θύοντας ἢ τοὺς ἐναγίζοντας, 20 κοινῇ δὲ τοὺς βασιλέας κατὰ τὴν μεγάλην λεγομένην σύνοδον, καθ' ἣν τοῦ νέου ἔτους ἅπαντες οἱ φιλόσοφοι τῷ βασιλεῖ συνελθόντες ἐπὶ θύρας ὅτι ἂν αὐτῶν ἕκαστος συντάξῃ τῶν χρησίμων ἢ τηρήσῃ πρὸς εὐετηρίαν καρπῶν τε καὶ ζώων καὶ περὶ πολιτείας, προσφέρει 25 τοῦτ' εἰς τὸ μέσον· ὃς δ' ἂν τρεῖς ἐψευσμένος ἁλῶ, νό- C.704μος ἐστὶ σιγᾶν διὰ βίου· τὸν δὲ κατορθώσαντα ἄφο- ρον καὶ ἀτελῆ κρίνουσι.

- 40 Δεύτερον δὲ μέρος εἶναι τὸ τῶν γεωργῶν, οἳ πλεῖ- στοί τε εἰσι καὶ ἐπιεικέστατοι ἀστρατεία καὶ ἀδεία τοῦ 30 ἐργάζεσθαι, πόλει μὴ προσιδόντες μὴδ' ἄλλῃ χρεία μὴδ' ὀχλήσει κοινῇ· πολλάκις γοῦν ἐν τῷ αὐτῷ χρόνῳ καὶ



τόπῳ τοῖς μὲν παρατετάχθαι συμβαίνει καὶ διακινδυνεύειν πρὸς τοὺς πολεμίους, οἱ δ' ἄρουσιν ἢ σκάπτουσιν ἀκινδύνως, προμάχους ἔχοντες ἐκείνους. ἔστι δ' ἡ χώρα βασιλικὴ πᾶσα· μισθοῦ δ' αὐτὴν ἐπὶ τετάρταις 5 ἐργάζονται τῶν καρπῶν.

Τρίτον τὸ τῶν ποιμένων καὶ θηρευτῶν, οἷς μόνοις 41 ἔξεστι θηρεύειν καὶ θρεμματοτροφεῖν ὧνιὰ τε παρέχειν καὶ μισθοῦ ζεύγη· ἀντὶ δὲ τοῦ τὴν γῆν ἐλευθεροῦν θηρίων καὶ τῶν σπερμολόγων ὀρνέων μετροῦνται 10 παρὰ τοῦ βασιλέως σῖτον, πλάνητα καὶ σκηνίτην νεμόμενοι βίον. Ἴππον δὲ καὶ ἐλέφαντα τρέφειν οὐκ ἔξεστιν ἰδιώτῃ· βασιλικὸν δ' ἐκάτερον νενόμισται τὸ κτῆμα, καὶ εἰσὶν αὐτῶν ἐπιμεληταί.

Θήρα δὲ τῶν θηρίων τούτων τοιάδε. χωρίον ψιλὸν 42 15 ὅσον τεττάρων ἢ πέντε σταδίων τάφρῳ περιχαράξαντες βαθεῖα γεφυροῦσι τὴν εἵσοδον στενωπάτῃ γεφύρῃ· εἴτ' εἰσαφιαῖσι θηλείας τὰς ἡμερωτάτας τρεῖς ἢ τέτταρας, αὐτοὶ δ' ἐν καλυβίοις κρυπτοῖς ὑποκάθηνται λοχῶντες· ἡμέρας μὲν οὖν οὐ προσίασιν οἱ ἄγριοι, νύκτωρ δ' ἐφ' ἓνα ποιοῦνται τὴν εἵσοδον· εἰσιόντων δὲ 20 κλείουσι τὴν εἵσοδον λάθρᾳ, εἴτα τῶν ἡμέρων ἀθλητῶν τοὺς ἀλκιμωτάτους εἰσάγοντες διαμάχονται πρὸς αὐτούς, ἅμα καὶ λιμῶ καταπονοῦντες· ἤδη δὲ καμνόντων οἱ εὐθαρσέστατοι τῶν ἡνιόχων λάθρᾳ καταβαί- 25 νοντες ὑποδύνουσιν· ἕκαστος τῇ γαστρὶ τοῦ οἰκείου ὀχήματος· ὀρμώμενος δ' ἐνθένδε ὑποδύνει τῷ ἀγρίῳ καὶ σύμποδα δεσμεῖ· γενομένου δὲ τούτου κελεύουσι τοῖς τιθασοῖς τύπτειν τοὺς συμποδισθέντας ἕως ἄν πέσωσιν εἰς τὴν γῆν, πεσόντων δ' ὠμοβοῶνσι ἱμάσι 30 προσλαμβάνονται τοὺς ἀνχένας αὐτῶν πρὸς τοὺς τῶν τιθασῶν· ἵνα δὲ μὴ σειόμενοι τοὺς ἀναβαίνειν ἐπ' αὐτοὺς ἐπιχειροῦντας ἀποσείοιντο, τοῖς τραχήλοις αὐτῶν

ἐμβάλλονται κύκλῳ τομάς καὶ κατ' αὐτάς τοὺς ἱμάντας περιτιθέασιν ὥσθ' ὑπ' ἀλγηδόνων εἶκειν τοῖς δεσμοῖς καὶ ἡσυχάζειν· τῶν δ' ἀλόντων ἀπολέξαντες τοὺς πρεσβυτέρους ἢ νεωτέρους τῆς χρείας τοὺς λοιποὺς ἀπαγούσιν εἰς τοὺς σταθμούς, δῆσαντες δὲ τοὺς μὲν πόδας 5 πρὸς ἀλλήλους τοὺς δὲ αὐχένας πρὸς κίονα εὖ πεπηγότα, δαμάζουσι λιμῶ· ἔπειτα χλόῃ καλάμου καὶ πόας ἀναλαμβάνουσι· μετὰ δὲ ταῦτα πειθαρχεῖν διδάσκουσι, τοὺς μὲν διὰ λόγου τοὺς δὲ μελισμῶ τινι καὶ τυμπανισμῶ κηλοῦντες· σπάνιοι δ' οἱ δυστιθάσεντοι· φύσει 10 γὰρ διάκεινται πράως καὶ ἡμέρως, ὥστ' ἐγγυὺς εἶναι λογικῶ ζῶν· οἱ δὲ καὶ ἐξαίμους τοὺς ἡνιόχους ἐν τοῖς ἀγῶσι πεσόντας ἀνελόμενοι σώζουσιν ἐκ τῆς μάχης, τοὺς δὲ ὑποδύντας μεταξὺ τῶν προσθίων ποδῶν ὑπερμαχόμενοι διέσωσαν· τῶν δὲ χορτοφόρων καὶ διδασκά- 15 λων εἴ τινα παρὰ θυμὸν ἀπέκτειναν, οὕτως ἐπιποθοῦσιν ὥσθ' ὑπ' ἀνίας ἀπέχεσθαι τροφῆς, ἔστι δ' ὅτε καὶ ἀποκαρτερεῖν.

43 Βιβάζονται δὲ καὶ τίκτουσιν ὥς ἵπποι τοῦ ἔαρος μάλιστα· καιρὸς δ' ἐστὶ τῷ μὲν ἄρρενι, ἐπειδὰν οἷστρω 20 κατέχηται καὶ ἀγριαίνῃ· τότε δὴ καὶ λίπους τι διὰ τῆς ἀναπνοῆς ἀνίησιν, ἣν ἴσχει παρὰ τοὺς κροτάφους· ταῖς δὲ θηλείαις, ὅταν ὁ αὐτὸς οὗτος πόρος ἀνεργῶς τυγχάνῃ. κύνουσι δὲ τοὺς μὲν πλείστους ὀκτωκαίδεκα μῆνας ἐλαχίστους δ' ἑκκαίδεκα· τρέφει δ' ἡ μήτηρ ἕξ ἔτη· 25 ζῶσι δ' ὅσον μακροβιώτατοι ἄνθρωποι οἱ πολλοί, τινὲς δὲ καὶ ἐπὶ διακόσια διατείνουσιν ἔτη· πολύνοσοι δὲ καὶ δυσίατοι· ἄκος δὲ πρὸς ὀφθαλμίαν μὲν βόειον γάλα προσκλυζόμενον, τοῖς πλείστοις δὲ τῶν νοσημάτων ὁ μέλας οἶνος πινόμενος, τραύμασι δὲ ποτὸν μὲν βούτυ- 30 ρον (ἐξάγει γὰρ τὰ σιδήρια), τὰ δ' ἔλλη σαρκὶν ὑεταῖς πυριῶσιν. Ὀνησίκριτος δὲ καὶ ἕως τριακοσίων ἐτῶν



ζῆν φησι, σπάνιον δὲ καὶ ἕως πεντακοσίων, κρατίστους  
 δ' εἶναι περὶ τὰ διακόσια ἔτη, κνύσκεσθαι δὲ δεκαετίαν.  
 μείζους δὲ τῶν Λιβυκῶν καὶ ἑρρωμενεστέρους ἐκείνους  
 τε εἶρηκε καὶ ἄλλοι· ταῖς γοῦν προβοσκίσιν ἐπάλλξεις  
 5 καθαιρεῖν καὶ δένδρα ἀνασπᾶν πρόρριζα διανισταμέ-  
 νους εἰς τοὺς ὀπισθίους πόδας. Νέαρχος δὲ καὶ ποδά-  
 γρας ἐν ταῖς θήραις τίθεσθαι κατὰ τινὰς συνδρομούς  
 φησί, συνελαύνεσθαι δ' ὑπὸ τῶν τιθασῶν τοὺς ἀγρίους  
 εἰς ταύτας, κρειπτόνων ὄντων καὶ ἡνιοχουμένων. οὐ-  
 10 τως δ' εὐτιθασεύτους εἶναι, ὥστε καὶ λιθάζειν ἐπὶ σκο-  
 πὸν μανθάνειν καὶ ὄπλοις χρῆσθαι νεῖν τε κάλλιστα·  
 μέγιστόν τε νομίζεσθαι κτῆμα ἐλεφάντων ἄρμα· ἄγε-  
 σθαι δ' ὑπὸ ζυγὸν \* καὶ καμήλους· γυναιῖκα δ' εὐδο-  
 κιμεῖν εἰ λάβοι παρὰ ἑραστοῦ δῶρον ἐλέφαντα. οὗτος  
 15 [δ'] ὁ λόγος οὐχ ὁμολογεῖ τῷ φήσαντι μόνων βασιλέων  
 εἶναι κτῆμα ἵππον καὶ ἐλέφαντα.

Τῶν δὲ μυρμήκων τῶν χρυσωρύχων δέρματα ἰδεῖν 44  
 φησιν οὗτος παρδαλέαις ὅμοια. Μεγασθένης δὲ περὶ  
 τῶν μυρμήκων οὕτω φησὶν ὅτι ἐν Δέρδαις, ἔθνει με- C.706  
 20 γάλῳ τῶν προσεφώνων καὶ ὀρεινῶν Ἰνδῶν, ὀροπέδιον  
 εἶη τρισχιλίων πῶς τὸν κύκλον σταδίων· ὑποκειμένων  
 δὲ τούτῳ χρυσωρυχείων οἱ μεταλλεύοντες εἶεν μύρμη-  
 κες, θηρία ἄλωπέκων οὐκ ἐλάττω, τάχος ὑπερφύες  
 ἔχοντα καὶ ζῶντα ἀπὸ θήρας· ὀρύττει δὲ χειμῶνι τὴν  
 25 γῆν, σωρεύει τε πρὸς τοῖς στομίοις, καθάπερ οἱ ἀσφά-  
 λακες· ψῆγμα δ' ἐστὶ χρυσοῦ μικρᾶς ἐψήσεως δεόμε-  
 νον· τοῦθ' ὑποζυγίοις μετίασιν οἱ πλησιόχωροι λά-  
 θρα· φανερώς γὰρ διαμάχονται καὶ διώκουσι φεύγον-  
 τας, καταλαβόντες δὲ διαχρῶνται καὶ αὐτοὺς καὶ τὰ  
 30 ὑποζύγια. πρὸς δὲ τὸ λαθεῖν κρέα θήρεια προτιθέασι  
 κατὰ μέρη· περισπασθέντων δ' ἀναιροῦνται τὸ ψῆγμα

καὶ τοῦ τυχόντος τοῖς ἐμπόροις ἀργὸν διατίθενται, χω-  
νεύειν οὐκ εἰδότες.

- 45 Ἐπεὶ δ' ἐν τῷ περὶ τῶν θηρευτῶν λόγῳ καὶ περὶ  
τῶν θηρίων ἐμνήσθημεν ὧν τε Μεγασθένης εἶπε καὶ  
ἄλλοι, προσθετέον καὶ ταῦτα. ὁ μὲν γὰρ Νέαρχος τὸ 5  
τῶν ἐρπετῶν θαυμάζει πλῆθος καὶ τὴν κακίαν· ἀνα-  
φρεύειν γὰρ ἐκ τῶν πεδίων εἰς τὰς κατοικίας τὰς δια-  
λανθανούσας ἐν ταῖς ἐπικλύσεσι καὶ πληροῦν τοὺς οἴ-  
κους· διὰ δὲ τοῦτο καὶ ὑψηλὰς ποιεῖσθαι τὰς κλίνας,  
ἔστι δ' ὅτε καὶ ἐξοικίξεσθαι πλεονασάντων· εἰ δὲ μὴ 10  
τὸ πολὺ τοῦ πλῆθους ὑπὸ τῶν ὑδάτων διεφθείρετο,  
κἂν ἐρημωθῆναι τὴν χώραν. καὶ τὴν μικρότητα δ' αὐ-  
τῶν εἶναι χαλεπὴν καὶ τὴν ὑπερβολὴν τοῦ μεγέθους,  
τὴν μὲν διὰ τὸ δυσφύλακτον τὴν δὲ δι' ἰσχύν, ὅπου  
καὶ ἐκκαιδεκαπήχεις ἐχίδνας ὀραῖσθαι· ἐπωδοὺς δὲ πε- 15  
ριφοιτᾶν ἰᾶσθαι πεπιστευμένους, καὶ εἶναι σχεδόν τι  
μόνην ταύτην ἰατρικὴν· μὴδὲ γὰρ νόσους εἶναι πολλὰς  
διὰ τὴν λιτότητα τῆς διαίτης καὶ τὴν αἰοινίαν· εἰ δὲ γέ-  
νοιτο, ἰᾶσθαι τοὺς σοφιστάς. Ἀριστόβουλος δὲ τῶν  
θρυλουμένων μεγεθῶν οὐδὲν ἰδεῖν φησιν, ἐχίδναν δὲ 20  
μόνον ἐννέα πηχῶν καὶ σπιθαμῆς. καὶ ἡμεῖς δ' ἐν Αἰ-  
γύπτῳ κομισθεῖσαν ἐκεῖθεν τηλικαύτην πῶς εἶδομεν.  
ἔχεις δὲ πολλοὺς φησι πολὺν ἐλάττους καὶ ἀσπίδας,  
σκορπίους δὲ μεγάλους. οὐδὲν δὲ τούτων οὕτως ὀχλεῖν  
ὥς τὰ λεπτὰ ὀφείδια οὐ μείζω σπιθαμιαίων· εὗρίσκε- 25  
σθαι γὰρ ἐν σκηναῖς, ἐν σκεύεσιν, ἐν θριγγοῖς ἐγκε-  
κρυμμένα· τοὺς δὲ πληγέντας αἰμορροεῖν ἐκ παντὸς  
πόρου μετὰ ἐπωδυνίας, ἔπειτα ἀποθνήσκειν, εἰ μὴ  
βοηθήσει τις εὐθύς· τὴν δὲ βοήθειαν ῥαδίαν εἶναι διὰ  
C.707 τὴν ἀρετὴν τῶν Ἰνδικῶν ριζῶν καὶ φαρμάκων. κρο- 30  
κοδείλους τε οὔτε πολλοὺς οὔτε βλαπτικοὺς ἀνθρώ-  
πων ἐν τῷ Ἰνδῷ φησιν εὗρίσκεσθαι, καὶ τὰ ἄλλα δὲ



ζῶα τὰ πλεῖστα τὰ αὐτὰ ἅπερ ἐν τῷ Νείλῳ γεννᾶσθαι  
 πλὴν ἵππου ποταμίου· Ὀνησίκριτος δὲ καὶ τοῦτόν φησι  
 γεννᾶσθαι. τῶν δ' ἐκ θαλάττης φησὶν ὁ Ἀριστόβουλος  
 εἰς μὲν τὸν Νεῖλον ἀνατρέχειν μηδὲν ἔξω θρίσσης καὶ  
 5 κεστρέως καὶ δελφίνος διὰ τοὺς κροκοδείλους, ἐν δὲ τῷ  
 Ἰνδῷ πλῆθος· τῶν δὲ καρίδων τὰς μὲν μικρὰς μέχρι  
 \* ὄρους ἀναθεῖν, τὰς δὲ μεγάλας μέχρι τῶν συμβολῶν  
 τοῦ τε Ἰνδοῦ καὶ τοῦ Ἀκεσίνου. περὶ μὲν οὖν τῶν θη-  
 ρίων τοσαῦτα λέγεται· ἐπανιόντες δ' ἐπὶ τὸν Μεγα-  
 0 σθένη λέγωμεν τὰ ἐξῆς ὧν ἀπελίπομεν.

Μετὰ γὰρ τοὺς θηρευτὰς καὶ τοὺς ποιμένους τέ- 46  
 ταρτόν φησιν εἶναι μέρος τοὺς ἐργαζομένους τὰς τέχνας  
 καὶ τοὺς καπηλικοὺς καὶ οἷς ἀπὸ τοῦ σώματος ἡ ἐργα-  
 σία· ὧν οἱ μὲν φόρον τελοῦσι καὶ λειτουργίας παρέ-  
 15 χονται τακτάς, τοῖς δ' ὀπλοποιοῖς καὶ ναυπηγοῖς μισθοὶ  
 καὶ τροφαὶ παρὰ βασιλέως ἔκκεινται· μόνῳ γὰρ ἐργά-  
 ζονται· παρέχει δὲ τὰ μὲν ὅπλα τοῖς στρατιώταις ὁ  
 στρατοφύλαξ, τὰς δὲ ναῦς μισθοῦ τοῖς πλέουσιν ὁ  
 ναύαρχος καὶ τοῖς ἐμπόροις.

20 Πέμπτον [δ'] ἐστὶ τὸ τῶν πολεμιστῶν, οἷς τὸν ἄλλον 47  
 χρόνον ἐν σχολῇ καὶ πότοις ὁ βίος ἐστὶν ἐκ τοῦ βασιλι-  
 κοῦ διαιτωμένοις, ὥστε τὰς ἐξόδους ὅταν ἡ χρεῖα τα-  
 χέως ποιεῖσθαι, πλὴν τῶν σωμαμάτων μηδὲν ἄλλο κομί-  
 ζοντας παρ' ἑαυτῶν.

25 Ἐκτοὶ δ' εἰσὶν οἱ ἔφοροι· τούτοις δ' ἐποπτεύειν 48  
 δέδοται τὰ πραττόμενα καὶ ἀναγγέλλειν λάθρα τῷ βα-  
 σιλεῖ συννεργοὺς ποιουμένοις τὰς ἐταίρας, τοῖς μὲν ἐν  
 τῇ πόλει τὰς ἐν τῇ πόλει τοῖς δὲ ἐν στρατοπέδῳ τὰς αὐ-  
 τόθι· καθίστανται δ' οἱ ἄριστοι καὶ πιστότατοι.

30 Ἐβδομοὶ δ' οἱ σύμβουλοι καὶ σύνοδοι τοῦ βασι- 49  
 λέως, ἐξ ὧν τὰ ἀρχεῖα καὶ δικαστήρια καὶ ἡ διοίκησις  
 τῶν ὅλων. οὐκ ἐστὶ δ' οὔτε γαμεῖν ἐξ ἄλλου γένους

οὗτ' ἐπιτήδευμα οὗτ' ἐργασίαν μεταλαμβάνειν ἄλλην  
ἐξ ἄλλης, οὐδὲ πλείους μεταχειρίζεσθαι τὸν αὐτὸν πλὴν  
εἰ τῶν φιλοσόφων τις εἴη· ἐᾶσθαι γὰρ τοῦτον δι'  
ἀρετήν.

50 Τῶν δ' ἀρχόντων οἱ μὲν εἰσιν ἀγορανόμοι οἱ δ' ἄστυνόμοι οἱ δ' ἐπὶ τῶν στρατιωτῶν· ὧν οἱ μὲν ποτα-  
μοὺς ἐξεργάζονται καὶ ἀναμετροῦσι τὴν γῆν ὡς ἐν Αἴ-  
γύπτῳ, καὶ τὰς κλειστάς διώρυγας, ἀφ' ὧν εἰς τὰς ὀχε-  
τείας ταμιεύεται τὸ ὕδωρ, ἐπισκοποῦσιν ὅπως ἐξ ἴσης  
C.708 πᾶσιν ἢ τῶν ὑδάτων παρείη χρήσις. οἱ δ' αὐτοὶ καὶ 10  
τῶν θηρευτῶν ἐπιμελοῦνται καὶ τιμῆς καὶ κολάσεώς  
εἰσι κύριοι τοῖς ἐπαξίοις· καὶ φορολογοῦσι δὲ καὶ τὰς  
τέχνας τὰς περὶ τὴν γῆν ἐπιβλέπουσιν ὑλοτόμων τε-  
κτόνων χαλκίων μεταλλευτῶν· ὁδοποιοῦσι δὲ καὶ κατὰ  
δέκα στάδια στήλην τιθέασιν τὰς ἐκτροπὰς καὶ τὰ δια- 15  
στήματα δηλοῦσαν.

51 Οἱ δ' ἄστυνόμοι εἰς ἑξ πεντάδας διήρηνται· καὶ  
οἱ μὲν τὰ δημιουργικὰ σκοποῦσιν οἱ δὲ ξενοδοχοῦσιν·  
καὶ γὰρ καταγωγὰς νέμουνσι καὶ τοῖς βίοις παρακολου-  
θοῦσι παρέδρους δόντες, καὶ προπέμπουσιν ἢ αὐτοὺς 20  
ἢ τὰ χρήματα τῶν ἀποθανόντων, νοσοῦντων τε ἐπιμε-  
λοῦνται καὶ ἀποθανόντας θάπτουσι. τρίτοι δ' εἰσιν οἱ  
τὰς γενέσεις καὶ θανάτους ἐξετάζουσι πότε καὶ πῶς,  
τῶν τε φόρων χάριν καὶ ὅπως μὴ ἀφανεῖς εἶεν αἱ κρείτ-  
τους καὶ χείρους γοναὶ καὶ θάνατοι. τέταρτοι [δ'] οἱ περὶ 25  
τὰς καπηλείας καὶ μεταβολάς, οἷς μέτρων μέλει καὶ τῶν  
ῥαίων, ὅπως ἀπὸ συσσήμου πωλοῖτο. οὐκ ἔστι δὲ  
πλείω τὸν αὐτὸν μεταβάλλεσθαι πλὴν εἰ διττοὺς ὑπο-  
τελοῖη φόρους. πέμπτοι δ' οἱ προεστῶτες τῶν δημιουρ-  
γουμένων καὶ πωλοῦντες ταῦτ' ἀπὸ συσσήμου, χωρὶς 30  
μὲν τὰ καινὰ χωρὶς δὲ τὰ παλαιά· τῷ μιν γινύντι δὲ ζη-  
μία. ἕκτοι δὲ καὶ ὕστατοι οἱ τὰς δεκάτας ἐκλέγοντες



τῶν πωλουμένων· θάνατος δὲ τῷ κλέψαντι τὸ τέλος.  
 ἰδίᾳ μὲν ἕκαστοι ταῦτα, κοινῇ δ' ἐπιμελοῦνται τῶν τε  
 ἰδίων καὶ τῶν πολιτικῶν καὶ τῆς τῶν δημοσίων ἐπι-  
 σκευῆς, τευχῶν τε καὶ ἀγορᾶς καὶ λιμένων καὶ ἱερῶν.

5 Μετὰ δὲ τοὺς ἀστυνόμους τρίτη ἐστὶ συναρχία ἡ 52  
 περὶ τὰ στρατιωτικά, καὶ αὕτη ταῖς πεντάσιν ἐξαχῇ  
 διωρισμένη· ὧν τὴν μὲν μετὰ τοῦ ναυάρχου τάττουσι  
 τὴν δὲ μετὰ τοῦ ἐπὶ τῶν βοῦκῶν ζευγῶν, δι' ὧν ὄργανα  
 κομίζεται καὶ τροφή αὐτοῖς τε καὶ κτήνεσι καὶ τὰ ἄλλα  
 0 τὰ χρήσιμα τῇ στρατιᾷ. οὗτοι δὲ καὶ τοὺς διακόνους  
 παρέχουσι, τυμπανιστάς, κωδωνοφόρους, ἔτι δὲ καὶ  
 ἵπποκόμους καὶ μηχανοποιούς καὶ τοὺς τούτων ὑπη-  
 ρέτας· ἐκπέμπουσί τε πρὸς κώδωνα τοὺς χορτολόγους,  
 τιμῇ καὶ κολάσει τὸ τάχος κατασκευαζόμενοι καὶ τὴν  
 15 ἀσφάλειαν. τρίτοι δὲ εἰσιν οἱ τῶν πεζῶν ἐπιμελούμενοι·  
 τέταρτοι δ' οἱ τῶν ἵππων· πέμπτοι δ' ἄρμάτων· ἕκτοι  
 δὲ ἐλεφάντων· βασιλικοὶ τε σταθμοὶ καὶ ἵπποις καὶ  
 θηρίοις, βασιλικὸν δὲ καὶ ὄπλοφυλάκιον· παραδίδωσι C.709  
 γὰρ ὁ στρατιώτης τὴν τε σκευὴν εἰς τὸ ὄπλοφυλάκιον  
 20 καὶ τὸν ἵππον εἰς τὸν ἵππωνα καὶ τὸ θηρίον ὁμοίως·  
 χρῶνται δ' ἀχαλινώτοις· τὰ δ' ἄρματα ἐν ταῖς ὁδοῖς  
 βόες ἔλκουσιν, οἱ δὲ ἵπποι ἀπὸ φορβειᾶς ἄγονται τοῦ  
 μὴ παρεμπίπρασθαι τὰ σκέλη, μηδὲ τὸ πρόθυμον αὐ-  
 τῶν τὸ ὑπὸ τοῖς ἄρμασιν ἀμβλύνεσθαι. δύο δ' εἰσιν ἐπὶ  
 25 τῷ ἄρματι παραβάται πρὸς τῷ ἡνιόχῳ· ὁ δὲ τοῦ ἐλέφαν-  
 τος ἡνιόχος τέταρτος, τρεῖς δ' οἱ ἀπ' αὐτοῦ τοξεύοντες.

Εὐτελεῖς δὲ κατὰ τὴν δίαιταν Ἴνδοι πάντες, μᾶλ- 53  
 λον δ' ἐν ταῖς στρατείαις· οὐδ' ὄχλῳ περιττῷ χαίρουσι,  
 διόπερ εὐκοσμοῦσι. πλείστη δ' ἐκεχειρία περὶ τὰς κλο-  
 30 πὰς· γενόμενος γοῦν ἐν τῷ Σανδροκόττου στρατοπέδῳ  
 φησὶν ὁ Μεγασθένης, τετταράκοντα μυριάδων πλή-  
 θους ἰδρυμένου μηδεμίαν ἡμέραν ἰδεῖν ἀνηνεγμένα

κλέμματα πλειόνων ἢ διακοσίων δραχμῶν ἄξια, ἀγράφοις καὶ ταῦτα νόμοις χρωμένοις. οὐδὲ γὰρ γράμματα εἰδέναι αὐτούς, ἀλλ' ἀπὸ μνήμης ἕκαστα διοικεῖσθαι· εὐπραγεῖν δ' ὅμως διὰ τὴν ἀπλότητα καὶ τὴν εὐτέλειαν· οἶνόν τε γὰρ οὐ πίνειν ἀλλ' ἐν θυσίαις μόνον, πίνειν 5 δ' ἀπ' ὀρύξης ἀντὶ κριθίνων συντιθέντας· καὶ σιτία δὲ τὸ πλεόν ὄρουσαν εἶναι ῥοφητὴν. καὶ ἐν τοῖς νόμοις δὲ καὶ συμβολαίοις τὴν ἀπλότητα ἐλέγχεσθαι ἐκ τοῦ μὴ πολυδίκους εἶναι· οὔτε γὰρ ὑποθήκης οὔτε παρακαταθήκης εἶναι δίκας, οὐδὲ μαρτύρων οὐδὲ σφραγίδων 10 αὐτοῖς δεῖν, ἀλλὰ πιστεύειν παραβαλλομένους· καὶ τὰ οἴκοι δὲ τὸ πλεόν ἀφρουρεῖν. ταῦτα μὲν δὴ σωφρονικά, τᾶλλα δ' οὐκ ἂν τις ἀποδέξαιτο, τὸ μόνους διαιτᾶσθαι ἀεὶ καὶ τὸ μὴ μίαν εἶναι πᾶσιν ὥραν κοινὴν δείπνου τε καὶ ἀρίστου, ἀλλ' ὅπως ἐκάστῳ φίλον· πρὸς γὰρ τὸν 15 κοινωνικὸν καὶ τὸν πολιτικὸν βίον ἐκείνως κρεῖττον.

54 Γυμνασίων δὲ μάλιστα τρῖψιν δοκιμάζουσι καὶ ἄλλως καὶ διὰ σκυταλίδων ἐβενίνων λείων ἑξομαλίζονται τὰ σώματα. λιταὶ δὲ καὶ αἱ ταφαὶ καὶ μικρὰ χώματα· ὑπεναντίως δὲ τῇ ἄλλῃ λιτότητι κοσμοῦνται· χρυσο- 20 φοροῦσι γὰρ καὶ διαλίθῳ κόσμῳ χρωῦνται σινδόνας τε φοροῦσιν εὐανθεῖς, καὶ σκιάδια αὐτοῖς ἔπεται· τὸ γὰρ κάλλος τιμῶντες ἀσκοῦσιν ὅσα καλλωπίζει τὴν ὄψιν· ἀλήθειάν τε ὁμοίως καὶ ἀρετὴν ἀποδέχονται, διόπερ οὐδὲ τῇ ἡλικίᾳ τῶν γερόντων προνομίαν διδόασιν ἂν 25 μὴ καὶ τῷ φρονεῖν πλεονεκτῶσι. πολλὰς δὲ γαμοῦσιν ὠνητάς παρὰ τῶν γονέων, λαμβάνουσί τε ἀντιδιδόντες ξεῦγος βοῶν, ὧν τὰς μὲν εὐπειθείας χάριν τὰς δ' ἄλλας ἡδονῆς καὶ πολυτεκνίας· εἰ δὲ μὴ σωφρονεῖν ἀναγκά-

C.710σαιεν, πορνεύειν ἔξεστι. θύει δὲ οὐδεὶς ἐστεφανωμένος 30 οὐδὲ θυμιᾷ οὐδὲ σπένδει, οὐδὲ σφάττουσι τὸ ἱερεῖον ἀλλὰ πνίγουσιν, ἵνα μὴ λελωβημένον ἀλλ' ὀλόκληρον



διδῶται τῷ θεῷ· ψευδομαρτυρίας δ' ὁ ἄλoυς ἀκρωτη-  
 ριάζεται, ὃ τε πηρώσας οὐ τὰ αὐτὰ μόνον ἀντιπάσχει  
 ἀλλὰ καὶ χειροκοπεῖται· ἐὰν δὲ καὶ τεχνίτου χεῖρα ἢ  
 ὀφθαλμὸν ἀφέλῃται, θανατοῦται. δούλοις δὲ οὗτος  
 5 μὲν φησι μηδένα Ἰνδῶν χρῆσθαι, Ὀνησίκριτος δὲ τῶν  
 ἐν τῇ Μουσικανοῦ τοῦτ' ἰδίου ἀποφαίνει καὶ ὡς κατόρ-  
 θωμά γε· καθάπερ καὶ ἄλλα πολλὰ λέγει τῆς χώρας  
 ταύτης κατορθώματα ὡς εὐνομωτάτης.

Τῷ βασιλεῖ δ' ἡ μὲν τοῦ σώματος θεραπεία διὰ 55  
 10 γυναικῶν ἐστίν, ὠνητῶν καὶ αὐτῶν παρὰ τῶν πατέρων·  
 ἔξω δὲ τῶν θυρῶν οἱ σωματοφύλακες καὶ τὸ λοιπὸν  
 στρατιωτικόν· μεθύοντα δὲ κτείνασα γυνὴ βασιλέα  
 γέρας ἔχει συνεῖναι τῷ ἐκείνῳ διαδεξαμένῳ· διαδέχον-  
 ται δ' οἱ παῖδες· οὐδ' ὑπνοῖ μεθ' ἡμέραν ὁ βασιλεύς·  
 15 καὶ νύκτωρ δὲ καθ' ὥραν ἀναγκάζεται τὴν κοίτην ἀλ-  
 λάττειν διὰ τὰς ἐπιβουλάς. τῶν τε μὴ κατὰ πόλεμον  
 ἐξόδων μία μὲν ἐστίν ἡ ἐπὶ τὰς κρίσεις, ἐν αἷς διημε-  
 ρεύει διακούων οὐδὲν ἥττον κἄν ὥρα γένηται τῆς τοῦ  
 σώματος θεραπείας· αὕτη δ' ἐστίν ἡ διὰ τῶν σκυτα-  
 20 λίδων τριῖσις· ἅμα γὰρ καὶ διακούει καὶ τριβέται τετ-  
 τάρων περιστάντων τριβέων· ἑτέρα δ' ἐστίν ἡ ἐπὶ τὰς  
 θυσίας ἐξόδος· τρίτη δ' ἐπὶ θήραν βακχική τις κύκλω  
 γυναικῶν περιεχυμένων, ἔξωθεν δὲ τῶν δορυφόρων·  
 παρεσχοίνισται δ' ἡ ὁδός, τῷ δὲ παρελθόντι ἐντὸς μέχρι  
 25 γυναικῶν θάνατος· προηγοῦνται δὲ τυμπανισταὶ καὶ  
 κωδωνοφόροι· κυνηγετεῖ δ' ἐν μὲν τοῖς περιφράγμασιν  
 ἀπὸ βήματος τοξεύων (παρεστᾶσι δ' ἔνοπλοι δύο ἢ  
 τρεῖς γυναικες), ἐν δὲ ταῖς ἀφράκτοις θήραις ἀπ' ἐλέ-  
 φαντος· αἱ δὲ γυναικες αἱ μὲν ἐφ' ἄρμάτων, αἱ δ' ἐφ'  
 30 ἵππων αἱ δὲ καὶ ἐπ' ἐλεφάντων, ὡς καὶ συστρατεύου-  
 σιν, ἡσκημένοι παντὶ ὄπλῳ.

Ἐχει μὲν οὖν καὶ ταῦτα πολλὴν ἀήθειαν πρὸς τὰ 56

παρ' ἡμῖν, ἔτι μέντοι μᾶλλον τὰ τοιάδε. φησὶ γὰρ τοὺς  
 τὸν Καύκασον οἰκοῦντας ἐν τῷ φανερωῷ γυναιξὶ μίσγε-  
 σθαι καὶ σαρκοφαγεῖν τὰ τῶν συγγενῶν σώματα· πε-  
 τροκυλιστὰς δ' εἶναι κερκοπιθήκους, οἳ λίθους κατα-  
 κυλίουσι κρημνοβατοῦντες ἐπὶ τοὺς διώκοντας· τὰ τε 5  
 παρ' ἡμῖν ἡμερα ζῶα τὰ πλείστα παρ' ἐκείνοις ἄγρια  
 εἶναι· ἵππους τε λέγει μονοκέρωτας ἐλαφοκράνους·  
 καλάμους δέ, μῆκος μὲν τριάκοντα ὀργυιῶν τοὺς ὀρ-  
 C.711 θίους, τοὺς δὲ χαμαικλινεῖς πεντήκοντα, πάχος δὲ  
 ὥστε τὴν διάμετρον τοῖς μὲν εἶναι τρίπηχυν τοῖς δὲ 10  
 διπλασίαν.

57 Ὑπερεκπίπτων δ' ἐπὶ τὸ μυθῶδες πεντασπιθά-  
 μους ἀνθρώπους λέγει καὶ τρισπιθάμους, ὧν τινὰς  
 ἀμύκτηρας, ἀναπνοὰς ἔχοντας μόνον δύο ὑπὲρ τοῦ  
 στόματος· πρὸς δὲ τοὺς τρισπιθάμους πόλεμον εἶναι 15  
 ταῖς γεράνοις (ὃν καὶ Ὀμηρον δηλοῦν) καὶ τοῖς πέρ-  
 διξιν, οὓς χηνομεγέθεις εἶναι· τούτους δ' ἐκλέγειν αὐ-  
 τῶν τὰ ῥᾶ καὶ φθείρειν· ἐκεῖ γὰρ ῥοτοκεῖν τὰς γερά-  
 νους· διόπερ μηδαμοῦ μὴτ' ῥᾶ εὐρίσκεσθαι γεράνων,  
 μὴτ' οὖν νεόττια· πλειστάκις δ' ἐκπίπτειν γέρανον 20  
 χαλκῇν ἔχουσαν ἀκίδα ἀπὸ τῶν ἐκείθεν πληγμάτων.  
 ὅμοια δὲ καὶ τὰ περὶ τῶν ἐνωτοκοιτῶν καὶ τῶν ἀγρίων  
 ἀνθρώπων καὶ ἄλλων τερατωδῶν. τοὺς μὲν οὖν ἀγρίους  
 μὴ κοιμισθῆναι παρὰ Σανδρόκοττον· ἀποκαρτερεῖν  
 γάρ· ἔχειν δὲ τὰς μὲν πτέρυγας πρόσθεν, τοὺς δὲ ταρ- 25  
 соὺς ὀπίσθεν καὶ τοὺς δακτύλους. ἀστόμους δὲ τινὰς  
 ἀχθῆναι ἡμέρους ἀνθρώπους· οἰκεῖν δὲ περὶ τὰς πηγὰς  
 τοῦ Γάγγου, τρέφεσθαι δ' ἀτμοῖς ὀπτῶν κρεῶν καὶ  
 καρπῶν καὶ ἀνθέων ὀσμαῖς, ἀντὶ τῶν στομάτων ἔχον-  
 τας ἀναπνοὰς, χαλεπαίνειν δὲ τοῖς δυσώδεσι, καὶ διὰ 30  
 τοῦτο περιγίνεσθαι μόλις καὶ μάλιστα ἐν στρατοπέδῳ.  
 περὶ δὲ τῶν ἄλλων διηγείσθαι τοὺς φιλοσόφους, ὧκύ-



ποδάς τε ἱστοροῦντας ἵππων μᾶλλον ἀπιόντας, ἐνω-  
τοκοίτας τε ποδήρη τὰ ὦτα ἔχοντας ὥς ἐγκαθεύ-  
δειν, ἰσχυροὺς δ' ὥστ' ἀνασπᾶν δένδρα καὶ ῥήτ-  
τειν νευράν, μονομμάτων τε ἄλλους ὦτα μὲν ἔχοντας  
κυνὸς ἐν μέσῳ δὲ τῷ μετώπῳ τὸν ὀφθαλμόν, ὀρθοχαί-  
τας, λασίους τὰ στήθη· τοὺς δὲ ἀμύκτηρας εἶναι παμ-  
φάγους ὁμοφάγους ὀλιγοχρονίους πρὸ γήρως θνή-  
σκοντας· τοῦ δὲ στόματος τὸ ἄνω προχειλότερον εἶναι  
πολύ. περὶ δὲ τῶν χιλιετῶν Ὑπερβορέων τὰ αὐτὰ λέγει  
0 Σιμωνίδη καὶ Πινδάρῳ καὶ ἄλλοις μυθολόγοις. μῦθος  
δὲ καὶ τὸ ὑπὸ Τιμαγένους λεχθὲν ὅτι χαλκὸς ὕιοιτο  
σταλαγμοῖς χαλκοῖς καὶ σύροιο. ἐγγυτέρῳ δὲ πίστεως  
φησιν ὁ Μεγασθένης ὅτι οἱ ποταμοὶ καταφέροιεν ψῆγ-  
μα χρυσοῦ καὶ ἀπ' αὐτοῦ φόρος ἀπάγοιτο τῷ βασιλεῖ.  
5 τοῦτο γὰρ καὶ ἐν Ἰβηρίᾳ συμβαίνει.

Περὶ δὲ τῶν φιλοσόφων λέγων τοὺς μὲν ὀρεινοὺς 58  
αὐτῶν φησὶν ὑμνητὰς εἶναι τοῦ Διονύσου, δεικνύν-  
τας τεκμήρια τὴν ἀγρίαν ἄμπελον παρὰ μόνοις φρυμέ-  
νην καὶ κитτὸν καὶ δάφνην καὶ μυρρίνην καὶ πύξον  
20 καὶ ἄλλα τῶν αἰιθαλῶν, ὧν μηδὲν εἶναι πέραν Εὐ-  
φράτου πλήν ἐν παραδείσοις σπάνια καὶ μετὰ πολλῆς  
ἐπιμελείας σωζόμενα. Διονυσιακὸν δὲ καὶ τὸ σινδονο-  
C.712 φορεῖν καὶ τὸ μιτροῦσθαι καὶ μυροῦσθαι καὶ βάπτε-  
σθαι ἄνθινα καὶ τοὺς βασιλέας κωδωνοφορεῖσθαι καὶ  
25 τυμπανίζεισθαι κατὰ τὰς ἐξόδους. τοὺς δὲ πεδιασίους  
τὸν Ἡρακλέα τιμᾶν. ταῦτα μὲν οὖν μυθώδη καὶ ὑπὸ  
πολλῶν ἐλεγχόμενα, καὶ μάλιστα [τὰ] περὶ τῆς ἀμπέλου  
καὶ τοῦ οἴνου· πέραν γὰρ τοῦ Εὐφράτου καὶ τῆς Ἀρ-  
μενίας ἐστὶ πολλή καὶ ἡ Μεσοποταμία ὅλη καὶ ἡ Μη-  
30 δία ἐξῆς μέχρι καὶ Περσίδος καὶ Καρμανίας· τούτων

δὲ τῶν ἐθνῶν ἑκάστου πολὺ μέρος εὐάμπελον καὶ εὖ-  
οινον λέγεται.

59 Ἄλλην δὲ διαίρεσιν ποιεῖται \* περὶ τῶν φιλοσό-  
φων, δύο γένη φάσκων, ὧν τοὺς μὲν Βραχυμᾶνας κα-  
λεῖ τοὺς δὲ Γαρμᾶνας. τοὺς μὲν οὖν Βραχυμᾶνας εὐδο- 5  
κιμεῖν [μᾶλλον]· μᾶλλον γὰρ καὶ ὁμολογεῖν ἐν τοῖς  
δόγμασιν· ἥδη δ' εὐθύς καὶ κυομένους ἔχειν ἐπιμελη-  
τὰς λογίους ἄνδρας, οὓς προσιόντας λόγῳ μὲν ἐπάδειν  
δοκεῖν καὶ τὴν μητέρα καὶ τὸν κυόμενον εἰς εὐτεκνίαν,  
τὸ δ' ἀληθὲς σωφρονικὰς τινὰς παραινέσεις καὶ ὑπο- 10  
θήκας διδόναι· τὰς δ' ἥδιστα ἀκροωμένας μάλιστα  
εὐτέκνους εἶναι νομίζεσθαι. μετὰ δὲ τὴν γένεσιν ἄλ-  
λους καὶ ἄλλους διαδέχεσθαι τὴν ἐπιμέλειαν, αἰετὶ τῆς  
μειζονος ἡλικίας χαριεστέρων τυγχανούσης διδασκά-  
λων. διατρίβειν δὲ τοὺς φιλοσόφους ἐν ἄλσει πρὸ τῆς 15  
πόλεως ὑπὸ περιβόλῳ συμμέτρῳ, λιτῶς ζῶντας ἐν στι-  
βάσι καὶ δοραῖς, ἀπεχομένους ἐμψύχων καὶ ἀφροδι-  
σίων, ἀκροωμένους λόγων σπουδαίων, μεταδιδόντας  
καὶ τοῖς ἐθέλουσι· τὸν δ' ἀκροώμενον οὔτε λαλῆσαι  
θέμις οὔτε χρεῖμασθαι ἀλλ' οὔδὲ πτύσαι, ἢ ἐκβάλ- 20  
λεσθαι τῆς συνουσίας τὴν ἡμέραν ἐκείνην ὥς ἀκολα-  
σταίνοντα. ἔτη δ' ἑπτὰ καὶ τριάκοντα οὕτως ζήσαντα  
ἀναχωρεῖν εἰς τὴν ἑαυτοῦ κτῆσιν ἑκάστου καὶ ζῆν ἀδε-  
ῶς καὶ ἀνειμένως μᾶλλον, σιנדονοφοροῦντα καὶ χρυ-  
σοφοροῦντα μετρίως ἐν τοῖς ὥσι καὶ ταῖς χερσί, προσ- 25  
φερόμενον σάρκας τῶν μὴ πρὸς τὴν χρεῖαν συνεργῶν  
ζώων, δοριμέων καὶ ἀρτυτῶν ἀπεχόμενον· γαμεῖν δ'  
ὅτι πλείστας εἰς πολυτεκνίαν· ἐκ πολλῶν γὰρ καὶ τὰ  
σπουδαῖα πλείω γίνεσθαι ἄν, ἀδουλοῦσί τε τὴν ἐκ τέ-  
κνων ὑπηρεσίαν ἐγγυτάτῳ οὔσαν πλείω δεῖν παρα- 30  
σκευάζεσθαι. ταῖς δὲ γυναιξὶ ταῖς γαμεταῖς μὴ συμφι-  
λοσοφεῖν τοὺς Βραχυμᾶνας, εἰ μὲν μοχθηραὶ γένοιοντο,



ἵνα μή τι τῶν οὐ θεμιτῶν ἐκφέροιεν εἰς τοὺς βεβήλους  
 εἰ δὲ σπουδαῖαι, μὴ καταλείποιεν αὐτούς. οὐδένα γὰρ  
 ἡδονῆς καὶ πόνου καταφρονοῦντα, ὥς δ' αὕτως ζωῆς  
 καὶ θανάτου, ἐθέλειν ὑφ' ἑτέρῳ εἶναι· τοιοῦτον δ' εἶ-  
 5 ναι τὸν σπουδαῖον καὶ τὴν σπουδαίαν. πλείστους δ' C.713  
 αὐτοῖς εἶναι λόγους περὶ τοῦ θανάτου· νομίζειν γὰρ  
 δὴ τὸν μὲν ἐνθάδε βίον ὥς ἂν ἀκμὴν κυομένων εἶναι,  
 τὸν δὲ θάνατον γένεσιν εἰς τὸν ὄντως βίον καὶ τὸν εὐ-  
 δαίμονα τοῖς φιλοσοφήσασιν· διὸ τῇ ἀσκήσει πλείστη  
 10 χρῆσθαι πρὸς τὸ ἐτοιμοθάνατον· ἀγαθὸν δὲ ἢ κακὸν  
 μὴδὲν εἶναι τῶν συμβαινόντων ἀνθρώποις· οὐ γὰρ  
 ἂν τοῖς αὐτοῖς τοὺς μὲν ἄχθεσθαι τοὺς δὲ χαίρειν ἐν-  
 πνιῶδεις ὑπολήψεις ἔχοντας, καὶ τοὺς αὐτοὺς τοῖς αὐ-  
 τοῖς τοτὲ μὲν ἄχθεσθαι τοτὲ δ' αὖ χαίρειν μεταβαλλο-  
 15 μένους. τὰ δὲ περὶ φύσιν τὰ μὲν εὐήθειαν ἐμφαίνειν  
 φησὶν· ἐν ἔργοις γὰρ αὐτοὺς κρείττους ἢ λόγοις εἶναι,  
 διὰ μύθων τὰ πολλὰ πιστουμένους· περὶ πολλῶν δὲ  
 τοῖς Ἑλλήσιν ὁμοδοξεῖν· ὅτι γὰρ γεννητὸς ὁ κόσμος καὶ  
 φθαρτὸς λέγειν κἀκείνους, καὶ ὅτι σφαιροειδῆς ὁ τε  
 20 διοικῶν αὐτὸν καὶ ποιῶν θεὸς δι' ὅλου διαπεφοίτηκεν  
 αὐτοῦ· ἀρχαὶ δὲ τῶν μὲν συμπάντων ἑτεραι, τῆς δὲ  
 κοσμοποιίας τὸ ὕδωρ· πρὸς δὲ τοῖς τέτταρσι στοιχεί-  
 οισ πέμπτη τις ἐστὶ φύσις, ἐξ ἧς ὁ οὐρανὸς καὶ τὰ  
 ἄστρον· γῆ δ' ἐν μέσῳ ἵδρυται τοῦ παντός· καὶ περὶ  
 25 σπέρματος δὲ καὶ ψυχῆς ὅμοια λέγεται καὶ ἄλλα πλείω·  
 παραπλέκουσι δὲ καὶ μύθους, ὥσπερ καὶ Πλάτων περὶ  
 τε ἀφθαρσίας ψυχῆς καὶ τῶν καθ' ἄδου κρίσεων καὶ  
 ἄλλα τοιαῦτα. περὶ μὲν τῶν Βραχμάνων ταῦτα λέγει.

Τοὺς δὲ Γαρμᾶνας τοὺς μὲν ἐντιμοτάτους ὑλοβί- 60  
 30 οὺς φησὶν ὀνομάζεσθαι, ζῶντας ἐν ταῖς ὕλαις ἀπὸ  
 φύλλων καὶ καρπῶν ἀγρίων, \* ἐσθῆτος φλοιῶν δεν-  
 δρεῶν, ἀφροδισίων χωρὶς καὶ οἴνου· τοῖς δὲ βασιλεῦσι

συνεῖναι, δι' ἀγγέλων πυνθανομένοις περὶ τῶν αἰτίων  
 καὶ δι' ἐκείνων θεραπεύουσι καὶ λιτανεύουσι τὸ θεῖον.  
 μετὰ δὲ τοὺς ὑλοβίους δευτερεύειν κατὰ τιμὴν τοὺς  
 ἰατρικοὺς καὶ ὡς περὶ τὸν ἄνθρωπον φιλοσόφους, λι-  
 τοὺς μὲν μὴ ἀγραύλους δέ, ὀρύξῃ καὶ ἀλφίτοις τρεφο- 5  
 μένους, ἃ παρέχειν αὐτοῖς πάντα τὸν αἰτηθέντα καὶ  
 ὑποδεξάμενον ξενία· δύνασθαι δὲ καὶ πολυγόνους  
 ποιεῖν καὶ ἄρρενογόνους καὶ θηλυγόνους διὰ φαρμα-  
 κεντικῆς· τὴν δὲ ἰατρείαν διὰ σιτίων τὸ πλέον, οὐ διὰ  
 φαρμάκων ἐπιτελεῖσθαι· τῶν φαρμάκων δὲ μάλιστα 10  
 εὐδοκιμεῖν τὰ ἐπίχριστα καὶ τὰ καταπλάσματα, τὰ ἄλλα  
 δὲ κακουργίας πολὺ μετέχειν. ἀσκεῖν δὲ καὶ τούτους  
 κἀκείνους καρτερίαν τὴν τε ἐν πόνοις καὶ τὴν ἐν ταῖς  
 ἐπιμοναῖς, ὥστ' ἐφ' ἐνὸς σχήματος ἀκίνητον διατελέ-  
 σαι τὴν ἡμέραν ὅλην. ἄλλους δ' εἶναι τοὺς μὲν μαντι- 15  
 κοὺς καὶ ἐπωδοὺς καὶ τῶν περὶ τοὺς κατοικομένους  
 C.714 λόγων καὶ νομίμων ἐμπείρους, ἐπαιτοῦντας κατὰ κώ-  
 μας καὶ πόλεις, τοὺς δὲ χαριεστέρους μὲν τούτων καὶ  
 ἀστειοτέρους, οὐδ' αὐτοὺς δὲ ἀπεχομένους τῶν καθ'  
 ἄδην θρυλουμένων ὅσα δοκεῖ πρὸς εὐσέβειαν καὶ ὅσι- 20  
 ὀτητα· συμφιλοσοφεῖν δ' ἐνίοις καὶ γυναικας ἀπεχο-  
 μένας καὶ αὐτὰς ἀφροδισίων.

61 Ἀριστόβουλος δὲ τῶν ἐν Ταξίλοις σοφιστῶν ἰδεῖν  
 δύο φησί, Βραχυᾶνας ἀμφοτέρους, τὸν μὲν πρεσβύ-  
 τερον ἐξυρηνμένον τὸν δὲ νεώτερον κομήτην, ἀμφοτέ- 25  
 ροις δ' ἀκολουθεῖν μαθητάς· τὸν μὲν οὖν ἄλλον χρό-  
 νον κατ' ἀγορὰν διατρίβειν, τιμωμένους ἀντὶ συμβού-  
 λων, ἐξουσίαν ἔχοντας ὅ τι βούλονται τῶν ὠνίων φέ-  
 ρεσθαι δωρεάν· ὅτῳ δ' ἂν προσίωσι, καταχεῖν αὐτῶν  
 τοῦ σησαμίνου λίπους ὥστε καὶ κατὰ τῶν ὀμμάτων 30



δεῖν· τοῦ τε μέλιτος πολλοῦ προκειμένου καὶ τοῦ ση-  
 σάμου μάζας ποιουμένους τρέφεσθαι δωρεάν· παρερ-  
 χομένους δὲ καὶ πρὸς τὴν Ἀλεξάνδρου τράπεζαν, πα-  
 ραστάντας δειπνεῖν [καὶ] καρτερίαν διδάσκειν, παρα-  
 5 χωροῦντας εἰς τινα τόπον πλησίον, ὅπου τὸν μὲν  
 πρεσβύτερον πεσόντα ὑπτιον ἀνέχεσθαι τῶν ἡλίων  
 καὶ τῶν ὄμβρων (ἤδη γὰρ ὕειν ἀρχομένου τοῦ ἔαρος),  
 τὸν δ' ἐστάναι μονοσκελῇ ξύλον ἐπηρμένον ἀμφοτέ-  
 ραῖς ταῖς χερσὶν ὅσον τρίπηχυν, κάμνοντος δὲ τοῦ σκέ-  
 10 λους ἐπὶ θάτερον μεταφέρειν τὴν βάσιν καὶ διατελεῖν  
 οὕτως τὴν ἡμέραν ὅλην· φανῆναι δ' ἐγκρατέστερον  
 μακροῦ τὸν νεώτερον· συνακολουθήσαντα γὰρ μικρὰ  
 τῷ βασιλεῖ ταχὺ ἀναστρέψαι πάλιν ἐπ' οἴκου, μετιόν-  
 τος τε αὐτὸν κελεῦσθαι ἥκειν εἰς τοὺς βούλεται τυγχάνειν·  
 15 τὸν δὲ συναπαῖραι μέχρι τέλους καὶ μεταμφιάσασθαι  
 καὶ μεταθέσθαι τὴν δίαιταν συνόντα τῷ βασιλεῖ· ἐπι-  
 τιμώμενον δ' ὑπὸ τινων λέγειν ὥς ἐκπληρώσειε τὰ  
 τετταράκοντα ἔτη τῆς ἀσκήσεως, ἃ ὑπέσχετο, Ἀλέξαν-  
 δρον δὲ τοῖς παισὶν αὐτοῦ δοῦναι δωρεάν.

20 Τῶν δ' ἐν Ταξιλοῖς νομίμων καινὰ καὶ ἀήθη λέ- 62  
 γει τό τε τοὺς μὴ δυναμένους ἐκδιδόναι τὰς παῖδας  
 ὑπὸ πενίας προάγειν εἰς ἀγορὰν ἐν ἀκμῇ τῆς ὥρας, κό-  
 χλῳ τε καὶ τυμπάνοις οἷσπερ καὶ τὸ πολεμικὸν σημαί-  
 νουσιν ὄχλου προσκληθέντος, τῷ δὲ προσελθόντι τὰ  
 25 ὀπίσθια πρῶτον ἀνασύρεσθαι μέχρι τῶν ὤμων εἴτα  
 τὰ πρόσθεν, ἀρέσασαν δὲ καὶ συμπεισθεῖσαν ἐφ' οἷς  
 ἂν δοκῇ συνοικεῖν· καὶ τὸ γυνὴ ῥίπτεσθαι τὸν τετε-  
 λευτηκότα. τὸ δὲ πλείους ἔχειν γυναικας κοινὸν καὶ  
 ἄλλων. παρὰ τισι δ' ἀκούειν φησὶ καὶ συγκατακαιο-  
 30 μένας τὰς γυναῖκας τοῖς ἀνδράσιν ἀσμένους, τὰς δὲ μὴ  
 ὑπομενούσας ἀδοξεῖν. εἴρηται καὶ ἄλλοις ταῦτα.

Ὀνησίκριτος δὲ πεμφθῆναί φησιν αὐτὸς διαλεξό- 63

C.715 μενος τοῖς σοφισταῖς τούτοις· ἀκούειν γὰρ τὸν Ἀλέ-  
ξανδρον ὥς γυμνοὶ διατελοῖεν καὶ καρτερίας ἐπιμε-  
λοῦντο οἱ ἄνθρωποι ἐν τιμῇ τε ἄγουντο πλείστη, παρ'  
ἄλλους δὲ μὴ βαδίζοιεν κληθέντες, ἀλλὰ κελεύοιεν  
ἐκείνους φοιτᾶν παρ' αὐτούς, εἰ τοῦ μετασχεῖν ἐθέ- 5  
λοισιν τῶν πραττομένων ἢ λεγομένων ὑπ' αὐτῶν· τοι-  
ούτων δὲ ὄντων, ἐπειδὴ οὔτε αὐτῷ πρέπειν ἐδόκει  
παρ' ἐκείνους φοιτᾶν οὔτε ἐκείνους βιάζεσθαι παρὰ  
τὰ πάτρια ποιεῖν τι ἄκοντας, αὐτὸς ἔφη πεμφθῆναι.  
καταλαβεῖν δὲ ἄνδρας πεντεκαίδεκα ἀπὸ σταδίων εἰ- 10  
κοσι τῆς πόλεως, ἄλλον ἐν ἄλλῳ σχήματι ἐστῶτα ἢ κα-  
θήμενον ἢ κείμενον γυμνὸν ἀκίνητον ἕως ἐσπέρας,  
εἴτ' ἀπερχόμενον εἰς τὴν πόλιν· χαλεπώτατον δ' εἶναι  
τὸ τὸν ἥλιον ὑπομεῖναι οὕτω θερμὸν ὥστε τῶν ἄλλων  
μηδένα ὑπομένειν γυμνοῖς ἐπιβῆναι τοῖς ποσὶ τῆς γῆς 15  
ῥαδίως κατὰ μεσημβρίαν.

64 Διαλεχθῆναι δ' ἐνὶ τούτων Καλάνῳ, ὃν καὶ συν-  
ακολουθῆσαι τῷ βασιλεῖ μέχρι Περσίδος καὶ ἀποθα-  
νεῖν τῷ πατρίῳ νόμῳ τεθέντα ἐπὶ πυρκαϊάν· τότε δ'  
ἐπὶ λίθων τυχεῖν κείμενον. προσιών οὖν καὶ προσα- 20  
γορεύσας εἰπεῖν ἔφη, διότι πεμφθεὶς παρὰ τοῦ βασι-  
λέως ἀκροασόμενος τῆς σοφίας αὐτῶν καὶ ἀπαγγελῶν  
πρὸς αὐτόν· εἰ οὖν μηδεὶς εἴη φθόνος, ἔτοιμος εἴη  
μετασχεῖν τῆς ἀκροάσεως. ἰδόντα δ' ἐκείνον χλαμύδα  
καὶ καυσίαν φοροῦντα καὶ κρηπίδα, καταγελάσας 25  
„τὸ παλαιόν“ φάναι „πάντ' ἦν ἀλφίτων καὶ ἀλεύρων  
„πλήρη καθάπερ νῦν κόνεως· καὶ κρῆναι δ' ἔρρεον  
„αἱ μὲν ὕδατος γάλακτος δ' ἄλλαι καὶ ὁμοίως μέλιτος,  
„αἱ δ' οἶνου τινὲς δ' ἐλαίου· ὑπὸ πλησμονῆς δ' οἱ ἄν-  
„θρωποι καὶ τρυφῆς εἰς ὕβριν ἐξέπεσον. Ζεὺς δὲ μι- 30  
„σήσας τὴν κατάστασιν ἠφάνισε πάντα καὶ διὰ πόνου  
„τὸν βίον ἀπέδειξε· σωφροσύνης δὲ καὶ τῆς ἄλλης



„ἀρετῆς παρελθούσης εἰς μέσον πάλιν εὐπορία τῶν  
 „ἀγαθῶν ὑπῆρξεν· ἐγγὺς δ' ἐστὶν ἤδη νυνὶ κόρου καὶ  
 „ὑβρεως τὸ πρᾶγμα, κινδυνεύει τε ἀφανισμὸς τῶν  
 „ὄντων γενέσθαι.“ ταῦτα εἰπόντα κελεύειν, εἰ βού-  
 5 λοιτο ἀκροάσασθαι, καταθέμενον τὴν σκευὴν γυμνὸν  
 ἐπὶ τῶν αὐτῶν λίθων κείμενον μετέχειν τῶν λόγων.  
 ἀπορουμένου δὲ αὐτοῦ, Μάνδανιν ὅσπερ ἦν πρεσβύ-  
 10 τος καὶ σοφώτατος αὐτῶν, τὸν μὲν ἐπιπληῆσαι ὡς  
 ὑβριστήν, καὶ ταῦτα ὑβρεως κατηγορήσαντα, αὐτὸν  
 0 δὲ προσκαλέσασθαι καὶ εἰπεῖν ὡς τὸν μὲν βασιλέα ἐπαι-  
 νοίῃ, διότι ἀρχὴν τοσαύτην διοικῶν ἐπιθυμοίῃ σο-  
 φίας· μόνον γὰρ ἴδοι αὐτὸν ἐν ὅπλοις φιλοσοφοῦντα·  
 ὠφελιμώτατον δ' εἴη τῶν ἀπάντων, εἰ οἱ τοιοῦτοι  
 φρονοῖεν οἷς πάρεστι δύνამις τοὺς μὲν ἐκουσίους 0.716  
 15 πείθειν σωφρονεῖν τοὺς δ' ἀκουσίους ἀναγκάζειν·  
 αὐτῷ δὲ συγγνώμῃ εἴη, εἰ δι' ἐρμηνέων τριῶν διαλε-  
 γόμενος πλὴν φωνῆς μηδὲν συνιέντων πλέον ἢ οἱ  
 πολλοί, μηδὲν ἰσχύσει τῆς ὠφελείας ἐπίδειξιν ποιή-  
 20 σασθαι· ὅμοιον γὰρ ὡς ἂν εἰ διὰ βορβόρου καθαρὸν  
 20 ἀξιοῖ τις ὕδωρ ῥεῖν.

Τὰ γοῦν λεχθέντα εἰς τοῦτ' ἔφη συντείνειν ὡς 65  
 εἴη λόγος ἄριστος, ὃς ἡδονὴν καὶ λύπην ψυχῆς ἀφαι-  
 ρήσεται· καὶ ὅτι λύπη καὶ πόνος διαφέροι· τὸ μὲν γὰρ  
 πολέμιον τὸ δὲ φίλιον αὐτοῖς τά γε σώματα ἀσκοῦσι  
 25 πρὸς πόνον, ἵν' αἰ γινῶμαι ῥωννύοιντο, ἀφ' ὧν καὶ  
 στάσεις παύοιεν καὶ σύμβουλοι πᾶσιν ἀγαθῶν παρεῖεν  
 καὶ κοινῇ καὶ ἰδίᾳ· καὶ δὴ καὶ Ταξίλῃ νῦν συμβουλευέ-  
 σειε δέχεσθαι τὸν Ἀλέξανδρον· κρεῖττω μὲν γὰρ αὐτοῦ  
 δεξάμενον εὖ πείσεσθαι, χεῖρω δὲ εὖ διαθήσειν. ταῦτ'  
 30 εἰπόντα ἐξερέσθαι εἰ καὶ ἐν τοῖς Ἑλλησι λόγοι τοιοῦτοι  
 λέγοντο, εἰπόντος δ' ὅτι καὶ Πυθαγόρας τοιαῦτα λέ-  
 γοι κελεύοι τε ἐμψύχων ἀπέχεσθαι, καὶ Σωκράτης καὶ

Διογένης οὐ καὶ αὐτὸς ἀκροάσαιοτο, ἀποκρίνασθαι ὅτι  
 τᾶλλα μὲν νομίζοι φρονίμως αὐτοῖς δοκεῖν, ἐν δ' ἄμαρ-  
 τάνειν νόμον πρὸ τῆς φύσεως τιθεμένους· οὐ γὰρ [ἂν]  
 αἰσχύνεσθαι γυμνοὺς ὥσπερ αὐτὸν διάγειν ἀπὸ λιτῶν  
 ζῶντας· καὶ γὰρ οἰκίαν ἀρίστην εἶναι ἥτις ἂν ἐπισκευ-  
 ῆς ἐλαχίστης δέηται· ἔφη δ' αὐτοὺς καὶ τῶν περὶ φύ-  
 σιν πολλὰ ἐξετάσαι καὶ προσημασιῶν, ὄμβρων ἀνέμων  
 νόσων· ἀπιόντας δ' εἰς τὴν πόλιν κατὰ τὰς ἀγορὰς  
 σκεδάννυσθαι· ὅτῳ δ' ἂν κομίζοντι σῦκα ἢ βότρυς  
 παρατύχωσι, λαμβάνειν δωρεὰν παρέχοντος· εἰ δ' 1  
 ἔλαιον εἴη, καταχεῖσθαι αὐτῶν καὶ ἀλείφεσθαι· ἅπα-  
 σαν δὲ πλουσίαν οἰκίαν ἀνεῖσθαι αὐτοῖς μέχρι γυναι-  
 κωνίτιδος, εἰσιόντας δὲ δεῖπνον κοινωνεῖν καὶ λόγων.  
 αἰσχιστον δ' αὐτοῖς νομίζεσθαι νόσον σωματικὴν· τὸν  
 δ' ὑπονοήσαντα καθ' αὐτοῦ τοῦτο, ἐξάγειν ἑαυτὸν διὰ 1  
 πυρὸς νήσαντα πυρὰν, ὑπαλειψάμενον δὲ καὶ καθί-  
 σαντα ἐπὶ τὴν πυρὰν ὑφάψαι κελεύειν, ἀκίνητον δὲ  
 καίεσθαι.

- 66 Νέαρχος δὲ περὶ τῶν σοφιστῶν οὕτω λέγει· τοὺς  
 μὲν Βραχυᾶνας πολιτεύεσθαι καὶ παρακολουθεῖν τοῖς 20  
 βασιλεῦσι συμβούλους, τοὺς δ' ἄλλους σκοπεῖν τὰ περὶ  
 τὴν φύσιν, τούτων δ' εἶναι καὶ Κάλανον· συμφιλο-  
 σοφεῖν δ' αὐτοῖς καὶ γυναικας, τὰς δὲ διαίτας ἀπάντων  
 σκληράς. περὶ δὲ τῶν κατὰ τοὺς ἄλλους νομίμων τοι-  
 αῦτα ἀποφαίνεται· τοὺς μὲν νόμους ἀγράφους εἶναι, 25  
 τοὺς μὲν κοινούς τοὺς δ' ἰδίους, ἀήθειαν ἔχοντας πρὸς  
 C.717 τοὺς τῶν ἄλλων, οἷον τὸ τὰς παρθένους ἄθλον παρὰ  
 τισι προκεῖσθαι τῷ πυγμῇ νικῆσαντι ὥστ' ἀπροίκους  
 σύνεῖναι· παρ' ἄλλοις δὲ κατὰ συγγένειαν κοινῇ τοὺς  
 καρποὺς ἐργασαμένους, ἐπὶ ἀν συγκομίσωσιν, αἰρεσθαι 30  
 φορτίον ἕκαστον εἰς διατροφήν τοῦ ἔτους, τὸν δ' ἄλ-  
 λον ἐμπιπράναι τοῦ ἔχειν εἰσαυθις ἐργάζεσθαι καὶ μὴ



ἀργὸν εἶναι. ὀπλισμὸν δ' εἶναι τόξον καὶ οἰστοὺς τρι-  
πήχεις, ἢ σαύνιον, καὶ πέλτην καὶ μάχαιραν πλατεῖαν  
τρίπηχυν· ἀντὶ δὲ χαλινῶν φιμοῖς χρῆσθαι κημῶν μι-  
κρὸν διαφέρουσιν· ἥλοις δὲ τὰ χεῖλη διαπεπάρθαι.

5 Τὴν δὲ φιλοτεχνίαν τῶν Ἰνδῶν ἐμφανίζων σπόγ- 67  
γους φησὶν ἰδόντας παρὰ τοῖς Μακεδόσι μιμήσασθαι,  
τρίχας καὶ σχοινία λεπτὰ καὶ ἄρπεδόνας διαρράψαντας  
εἰς ἔρια, καὶ μετὰ τὸ πιλῆσαι τὰ μὲν ἐξελκύσαντας τὰ  
δὲ βάψαντας χροιαῖς· στλεγγιδοποιούς τε καὶ ληκνυθο-  
10 ποιούς ταχὺ γενέσθαι πολλούς· ἐπιστολὰς δὲ γράφειν  
ἐν σινδόσι λίαν κεκροτημέναις, τῶν ἄλλων γραμμασιν  
αὐτοὺς μὴ χρῆσθαι φασκεύων· χαλκῷ δὲ χρῆσθαι χυ-  
τῷ, τῷ δ' ἐλατῷ μὴ· τὴν δ' αἰτίαν οὐκ εἶπε, καίτοι  
τὴν ἀτοπίαν εἰπὼν τὴν παρακολουθοῦσαν, ὅτι θραύ-  
15 εται κεράμου δίκην τὰ σκεύη πεσόντα. τῶν δὲ περὶ  
τῆς Ἰνδικῆς λεγομένων καὶ τοῦτ' ἐστίν, ὅτι ἀντὶ τοῦ  
προσκυνεῖν προσεύχεσθαι τοῖς βασιλεῦσι καὶ πᾶσι τοῖς  
ἐν ἐξουσίᾳ καὶ ὑπεροχῇ νόμος. φέρει δὲ καὶ λιθείαν  
ἢ χώρα πολυτελῇ κρυστάλλων καὶ ἀνθράκων παντοί-  
20 ων, καθάπερ τῶν μαργαριτῶν.

Τῆς δ' ἀνομολογίας τῶν συγγραφέων ἔστω παρά- 68  
δειγμα καὶ ὁ περὶ τοῦ Καλάνου λόγος· ὅτι μὲν γὰρ συν-  
ῆλθεν Ἀλεξάνδρῳ καὶ ἀπέθανεν ἐκὼν παρ' αὐτῷ διὰ  
πυρὸς ὁμολογοῦσι· τὸν δὲ τρόπον οὐ τὸν αὐτόν φα-  
25 σιν οὐδὲ κατὰ τὰς αὐτὰς αἰτίας, ἀλλ' οἱ μὲν οὕτως εἰ-  
ρήκασιν· συνακολουθῆσαι γὰρ ὥς ἐγκωμιαστὴν τοῦ  
βασιλέως ἔξω τῶν τῆς Ἰνδικῆς ὄρων παρὰ τὸ κοινὸν  
ἔθος τῶν ἐκεῖ φιλοσόφων· ἐκείνους γὰρ τοῖς αὐτόθι  
συνεῖναι βασιλεῦσιν ὑφηγουμένους τὰ περὶ τοὺς θεοὺς,  
30 ὥς τοὺς μάγους τοῖς Πέρσαις. ἐν Πασαργάδαις δὲ νο-  
σήσαντα, τότε πρῶτον αὐτῷ νόσου γενομένης, ἔξαγα-  
γεῖν ἑαυτόν, ἄγοντα ἔτος ἑβδομηκοστὸν καὶ τρίτον,

μὴ προσέχοντα ταῖς τοῦ βασιλέως δεήσεσι· γενομένης  
 δὲ πυρᾶς καὶ τεθείσης ἐπ' αὐτῆς χρυσῆς κλίνης, κατα-  
 κλιθέντα εἰς αὐτήν, ἐγκαλυψάμενον ἐμπρησθῆναι·  
 οἱ δὲ ξύλινον οἶκον γενέσθαι, φυλλάδος δ' ἐμπλησθέν-  
 τος καὶ ἐπὶ τῆς στέγης πυρᾶς γενομένης ἐγκλεισθέντα, 5  
 ὥσπερ ἐκέλευσε, μετὰ τὴν πόμπην μεθ' ἧς ἦκε, ῥίψαντα  
 C.718 ἑαυτὸν ὡς ἂν δοκὸν συνεμπρησθῆναι τῷ οἴκῳ. Με-  
 γασθένης δ' ἐν τοῖς μὲν φιλοσόφοις οὐκ εἶναι δόγμα  
 φησὶν ἑαυτοὺς ἐξάγειν· τοὺς δὲ ποιοῦντας τοῦτο νε-  
 ανικοὺς κρίνεσθαι, τοὺς μὲν σκληροὺς τῇ φύσει φερο- 10  
 μένους ἐπὶ πληγὴν ἢ κρημνόν, τοὺς δ' ἀπόνους ἐπὶ  
 βυθόν, τοὺς δὲ πολυπόνους ἀπαγχομένους, τοὺς δὲ  
 πυρῶδεις εἰς πῦρ ὠθουμένους· οἷος ἦν καὶ ὁ Κάλανος,  
 ἀκόλαστος ἄνθρωπος καὶ ταῖς Ἀλεξάνδρου τραπέζαις  
 δεδουλωμένος· τοῦτον μὲν οὖν ψέγεσθαι, τὸν δὲ 15  
 Μάνθανιν ἐπαινέσθαι, ὅς τῶν τοῦ Ἀλεξάνδρου ἀγγέ-  
 λων καλούντων πρὸς τὸν Διὸς υἱὸν πειθομένῳ τε δῶ-  
 ρα ἔσεσθαι ὑπισχνουμένων ἀπειθοῦντι δὲ κόλασιν  
 μήτ' ἐκείνου φαίη Διὸς υἱὸν ὃν γε ἄρχειν μηδὲ πολλο-  
 στοῦ μέρους τῆς γῆς, μήτε αὐτῷ δεῖν τῶν παρ' ἐκεί- 20  
 νου δωρεῶν ὧν οὐδεὶς κόρος, μήτε δὲ ἀπειλῆς εἶναι  
 φόβον ᾧ ζῶντι μὲν ἀρκοῦσα εἴη τροφὸς ἡ Ἰνδική, ἀπο-  
 θανὼν δὲ ἀπαλλάξαιτο τῆς τετροχωμένης ὑπὸ γήρως  
 σαρκός, μεταστὰς εἰς βελτίῳ καὶ καθαρώτερον βίον·  
 ὥστ' ἐπαινέσαι τὸν Ἀλέξανδρον καὶ συγχωρῆσαι. 25

69 Λέγεται δὲ καὶ ταῦτα παρὰ τῶν συγγραφέων, ὅτι  
 σέβονται μὲν τὸν ὄμβριον Δία Ἴνδοι καὶ τὸν Γάγγην  
 ποταμὸν καὶ τοὺς ἐγχωρίους δαίμονας. ὅταν δὲ βασι-  
 λεὺς λούῃ τὴν τρίχα, μεγάλην ἐορτὴν ἄγουσι καὶ με-  
 γάλα δῶρα πέμπουσι τὸν ἑαυτοῦ πλουτοῦ ἕκαστος ἐπι- 3  
 δεικνύμενος κατὰ ἄμιλλαν. τῶν τε μυρμηκῶν τινὰς  
 καὶ πτερωτοὺς λέγουσι τῶν χρυσορύχων· ψήγματά



τε χρυσοῦ καταφέρειν τοὺς ποταμούς, καθάπερ τοὺς Ἰβηρικούς· ἐν δὲ ταῖς κατὰ τὰς ἑορτὰς πομπαῖς πολλοὶ μὲν ἐλέφαντες πέμπονται χρυσοῦ κεκοσμημένοι καὶ ἀργύρῳ, πολλὰ δὲ τέθριππα καὶ βοῦκὰ ξεύγη· εἰθ' ἡ στρατιὰ κεκοσμημένη· καὶ χρυσώματα δὲ τῶν μεγάλων λεβήτων καὶ κρατήρων ὀργυιαίων· καὶ τοῦ Ἰνδικοῦ χαλκοῦ τράπεζαί τε καὶ θρόνοι καὶ ἐκπώματα καὶ λουτήρες, λιθοκόλλητα τὰ πλεῖστα σμαράγδοις καὶ βηρύλλοις καὶ ἄνθραξιν Ἰνδικοῖς· καὶ ἐσθῆς δὲ ποικίλη χρυσόπαστος, καὶ βόνασοι καὶ παρδάλεις καὶ λέοντες τιθασοὶ καὶ τῶν ποικίλων ὀρνέων καὶ εὐφθόγγων πλήθος. ὁ δὲ Κλείταρχός φησιν ἀμάξας τετρακύκλους, δένδρα κομιζούσας τῶν μεγαλοφύλλων, ἐξ ὧν ἀπήρτηται γένη τετιθασευμένων ὀρνέων, ὧν εὐφωνότατον μὲν εἶρηκε τὸν ὠρίωνα, λαμπρότατον δὲ κατὰ τὴν ὄψιν καὶ πλείστην ἔχοντα ποικιλίαν τὸν καλούμενον κατρεά· τὴν γὰρ ιδεάν ταῷ μάλιστα ἐγγίξειν. τὴν δὲ λοιπὴν εἰκονογραφίαν παρ' ἐκείνου ληπτέον.

Φιλοσόφους τε τοῖς Βραχμᾶσιν ἀντιδιαίρουσιν 70  
 20 Πράμνας, ἐριστικούς τινας καὶ ἐλεγκτικούς· τοὺς δὲ C.719  
 Βραχμᾶνας φυσιολογίαν καὶ ἀστρονομίαν ἀσκεῖν, γε-  
 λωμένους ὑπ' ἐκείνων ὥς ἀλαζόνας καὶ ἀνοήτους.  
 τούτων δὲ τοὺς μὲν ὀρεινοὺς καλεῖσθαι τοὺς δὲ γυμνή-  
 25 τας τοὺς δὲ πολιτικούς καὶ προσχωρίους· τοὺς μὲν ὀρει-  
 νοὺς δοραῖς ἐλάφων χρῆσθαι, πῆρας δ' ἔχειν ὄϊων καὶ  
 φαρμάκων μεστάς, προσποιουμένους ἰατρικὴν μετὰ  
 γοητείας καὶ ἐπωδῶν καὶ περιάπτων. τοὺς δὲ γυμνήτας  
 κατὰ τοῦνομα γυμνοὺς διαξῆν, ὑπαιθρίους τὸ πλεόν,  
 καρτερίαν ἀσκοῦντας ἣν ἔφαμεν πρότερον μέχρι ἐπτά  
 30 [ἑτῶν] καὶ τριάκοντα· γυναῖκας δὲ συνεῖναι μὴ μιγνυ-  
 μένας αὐτοῖς· τούτους δὲ θαυμάζεσθαι διαφερόν-  
 τως. τοὺς δὲ πολιτικούς σινδονίτας κατὰ πόλιν ζῆν ἢ 71

καὶ κατ' ἄγρους, καθημένους νεβρίδας ἢ δορκάδων  
δοράς· ὥς δ' εἶπεν, Ἰνδοὺς ἐσθῆτι λευκῇ χρησθαι  
καὶ σινδόσι λευκαῖς καὶ καρπάσοις, ὑπεναντίως τοῖς  
εἰποῦσιν εὐανθέστατα αὐτοὺς ἀμπέχεσθαι φορήματα·  
κομᾶν δὲ καὶ πωγωνοτροφεῖν πάντας, ἀναπλεομέ- 5  
νους δὲ μιτροῦσθαι τὰς κόμας.

- 72 Ἀρτεμίδωρος δὲ τὸν Γάγγην φησὶν ἐκ τῶν Ἡω-  
δῶν ὁρῶν καταφερόμενον πρὸς νότον, ἐπειδὴν κατὰ  
τὴν Γάγγην γένηται πόλιν, ἐπιστρέφειν πρὸς ἑὸν μέγρι  
Παλιβόθρων καὶ τῆς εἰς τὴν θάλατταν ἐκβολῆς· τῶν 10  
δὲ συρρεόντων εἰς αὐτὸν \* Οἰδάνην τινὰ καλεῖ· τρέ-  
φειν δὲ καὶ κροκοδείλους καὶ δελφῖνας· λέγει δὲ καὶ  
ἄλλα τινά, συγκεχυμένως δὲ καὶ ἀργῶς, ὧν οὐ φρον-  
τιστέον· προσθεῖη δ' ἂν τις τούτοις καὶ τὰ παρὰ τοῦ  
Δαμασκηνοῦ Νικολάου.

15

- 73 Φησὶ γὰρ οὗτος ἐν Ἀντιοχείᾳ τῇ ἐπὶ Δάφνῃ πα-  
ρατυχεῖν τοῖς Ἰνδῶν πρέσβεσιν ἀφιγμένοις παρὰ Καί-  
σαρα τὸν Σεβαστόν· οὓς ἐκ μὲν τῆς ἐπιστολῆς πλείους  
δηλοῦσθαι, σωθῆναι δὲ τρεῖς μόνους, οὓς ἰδεῖν φησι,  
τούς δ' ἄλλους ὑπὸ μήκους τῶν ὁδῶν διαφθαρεῖναι τὸ 20  
πλέον· τὴν δ' ἐπιστολὴν ἐλληνίζειν ἐν διφθέρα γε-  
γραμμένην, δηλοῦσαν ὅτι Πῶρος εἶη ὁ γράψας, ἑξα-  
κοσίων δὲ ἄρχων βασιλέων ὅμως περὶ πολλοῦ ποιοῖτο  
φίλος εἶναι Καίσαρι, καὶ ἔτοιμος εἶη διόδόν τε παρέ-  
χειν ὅπῃ βούλεται καὶ συμπράττειν ὅσα καλῶς ἔχει. 25  
ταῦτα μὲν ἔφη λέγειν τὴν ἐπιστολὴν, τὰ δὲ κοι-  
σθέντα δῶρα προσενεγκεῖν ὁκτὼ οἰκέτας γυμνοῦς, ἐν  
περιζώμασι καταπεπασμένους ἀρώμασιν· εἶναι δὲ τὰ  
δῶρα τὸν τε ἐρμῆν, ἀπὸ τῶν ὤμων ἀφηρημένον ἐκ  
νηπίου τοὺς βραχίονας, ὃν καὶ ἡμεῖς εἶδομεν, καὶ ἐχί- 30  
δνας μεγάλας καὶ ὄφιν πηχῶν δέκα καὶ χελώνην ποτα-  
μίαν τρίπηχυν πέρικτά τε μείζω γυπός· συνῆν δέ, ὥς



φησι, καὶ ὁ Ἀθήνησι κατακαύσας ἑαυτόν· ποιεῖν δὲ C.720  
 τοῦτο τοὺς μὲν ἐπὶ κακοπραγία ζητοῦντας ἀπαλλαγὴν  
 τῶν παρόντων, τοὺς δ' ἐπ' εὐπραγία, καθάπερ τοῦ-  
 5 τόν· ἅπαντα γὰρ κατὰ γνώμην πράξαντα μέχρι νῦν  
 ἀπιέναι δεῖν, μή τι τῶν ἀβουλήτων χρονίζοντι συμπέ-  
 σοι· καὶ δὴ καὶ γελῶντα ἀλέσθαι γυμνὸν λίπ' ἀλη-  
 λιμμένον ἐν περιζώματι ἐπὶ τὴν πυράν· ἐπιγεγράφθαι  
 δὲ τῷ τάφῳ „Ζαρμανοχηγὰς Ἰνδὸς ἀπὸ Βαργόσης κατὰ  
 „τὰ πάτρια Ἰνδῶν ἔθνη ἑαυτὸν ἀπαθανατίσας κεῖται.“  
 10 Μετὰ δὲ τὴν Ἰνδικὴν ἔστιν ἡ Ἀριανή, μερὶς πρώτη 2  
 τῆς ὑπὸ Πέρσαις τῆς μετὰ τὸν Ἰνδὸν ποταμὸν καὶ  
 τῶν ἄνω σατραπειῶν τῶν ἐκτὸς τοῦ Ταύρου, τὰ μὲν  
 νότια καὶ τὰ ἀρκτικά μέρη τῇ αὐτῇ θαλάττῃ καὶ τοῖς  
 αὐτοῖς ὄρεσιν ἀφοριζομένη οἷσπερ καὶ ἡ Ἰνδική, καὶ  
 15 τῷ αὐτῷ ποταμῷ τῷ Ἰνδῷ, μέσον ἔχουσα αὐτὸν ἑαυ-  
 τῆς τε καὶ τῆς Ἰνδικῆς, ἐντεῦθεν δὲ πρὸς τὴν ἑσπέραν  
 ἐκτεινομένη μέχρι τῆς ἀπὸ Κασπίων πυλῶν εἰς Καρ-  
 μανίαν γραφομένης γραμμῆς, ὥστε εἶναι τετράπλευ-  
 ρον τὸ σχῆμα. τὸ μὲν οὖν νότιον πλευρὸν ἀπὸ τῶν  
 20 ἐκβολῶν ἄρχεται τοῦ Ἰνδοῦ καὶ τῆς Παταληνῆς, τε-  
 λευτᾷ δὲ πρὸς Καρμανίαν καὶ τοῦ Περσικοῦ κόλπου  
 τὸ στόμα, ἄκραν ἔχον ἐκκειμένην ἱκανῶς πρὸς νότον·  
 εἶτα εἰς τὸν κόλπον λαμβάνει καμπὴν ὡς ἐπὶ τὴν Περ-  
 σίδα. οἰκοῦσι δὲ Ἀρβιες πρῶτον, ὁμώνυμοι τῷ πο-  
 25 ταμῷ Ἀρβει τῷ ὀρίζοντι αὐτοὺς ἀπὸ τῶν ἐξῆς Ὠριτῶν,  
 ὅσον χιλίων σταδίων ἔχοντες παραλίαν, ὡς φησι Νέ-  
 αρχος· Ἰνδῶν δ' ἔστι μερὶς καὶ αὕτη. εἴτ' Ὠρίται ἔθνος  
 αὐτόνομον· τούτων δ' ὁ παράπλους χιλίων ὀκτακο-  
 σίων, ὁ δὲ τῶν ἐξῆς Ἰχθυοφάγων ἑπτακισχίλιοι τετρα-  
 30 κόσιοι, ὁ δὲ τῶν Καρμανίων τρισχίλιοι ἑπτακόσιοι μέ-  
 χρι Περσίδος· ὥσθ' οἱ σύμπαντες μύριοι τρισχίλιοι  
 ἐννακόσιοι.

2 Ἀλιτενὴς δ' ἐστὶν ἡ τῶν Ἰχθυοφάγων καὶ ἄδεν-  
 δρος ἡ πλείστη [πλήν] φοινίκων καὶ ἀκάνθης τινὸς καὶ  
 μυρίκης· καὶ ὑδάτων δὲ καὶ τροφῆς ἡμέρου σπάνις·  
 τοῖς δ' ἰχθύσι χρωῶνται καὶ αὐτοὶ καὶ θρέμματα καὶ  
 τοῖς ὀμβρίοις ὕδασι καὶ ὀρυκτοῖς· καὶ τὰ κρέα δὲ τῶν 5  
 θρεμμάτων ἰχθύων προσβάλλει· οἰκήσεις δὲ ποιοῦν-  
 ται τοῖς ὀστέοις τῶν κητῶν χρωόμενοι καὶ κόγχαις  
 ὀστρέων τὸ πλεόν, δοκοῖς μὲν ταῖς πλευραῖς καὶ ὑπερ-  
 εἵσμασι, θυρώμασι δὲ ταῖς σιαγόσιν· οἱ σπόνδυλοι δ'  
 αὐτοῖς εἰσὶν ὄλμοι, ἐν οἷς πτίπτουσιν τοὺς ἰχθύας ἐν 10  
 ἡλίῳ κατοπτήσαντες, εἰτ' ἀρτοποιοῦνται σίτου μικρὰ  
 C.721 καταμίξαντες· καὶ γὰρ μύλοι αὐτοῖς εἰσι, σιδήρου μὴ  
 ὄντος· καὶ τοῦτο μὲν ἦττον θαυμαστόν· καὶ γὰρ ἄλλο-  
 θεν ἐνέγκασθαι δυνατόν· ἀλλὰ πῶς ἐπικόπτουσιν  
 ἀποτριβέντα; λίθοις μέντοι φασίν, οἷς καὶ τὰ βέλη 15  
 καὶ τὰ ἀκοντίσματα πεπυρακτωμένα ἀποξύνουσι· τοὺς  
 δ' ἰχθύας τοὺς μὲν ἐν κλιβάνοις κατοπτῶσι, τοὺς δὲ  
 πλείστους ὠμοφαγοῦσι· περιβάλλονται δὲ δικτύοις  
 φλοιοῦ φοινικίνου.

3 Ὑπέρκειται δὲ τούτων ἡ Γεδρωσία, τῆς μὲν Ἰνδι- 20  
 κῆς ἦττον ἔμπυρος τῆς δ' ἄλλης Ἀσίας μᾶλλον, καὶ  
 τοῖς καρποῖς καὶ τοῖς ὕδασιν ἐνδεὲς πλήν θέρους, οὐ  
 πολὺ ἀμείνων τῆς τῶν Ἰχθυοφάγων· ἀρωματοφόρος  
 δὲ νάρδου μάλιστα καὶ σμύρνης, ὥστε τὴν Ἀλεξάν-  
 δρου στρατιὰν ὀδεύουσιν ἀντὶ ὀρόφου καὶ στρωμάτων 25  
 τούτοις χρῆσθαι, εὐωδιαζομένην ἅμα καὶ ὑγιεινότε-  
 ρον τὸν ἀέρα ἔχουσιν παρὰ τοῦτο· γενέσθαι δ' αὐ-  
 τοῖς θέρους τὴν ἐκ τῆς Ἰνδικῆς ἀφοδὸν ἐπίτηδες συν-  
 ἔβη· τότε γὰρ ὀμβροὺς ἔχειν τὴν Γεδρωσίαν καὶ  
 τοὺς ποταμοὺς πληροῦσθαι καὶ τὰ ὕδρεϊα, χειμῶνος 30



δ' ἐπιλείπειν· πίπτειν δὲ τοὺς ὄμβρους ἐν τοῖς ἄνω  
 μέρεσι τοῖς προσαρκτίοις καὶ ἐγγὺς τῶν ὄρων· πλη-  
 ρουμένων δὲ τῶν ποταμῶν καὶ τὰ πεδία τὰ πλησιά-  
 ζοντα τῇ θαλάττῃ ποτίζεσθαι καὶ ὑδρεῖων εὐπορεῖν.  
 5 προέπεμψε δ' εἰς τὴν ἔρημον μεταλλευτὰς τῶν ὑδρεῖων  
 ὁ βασιλεὺς καὶ τοὺς ναύσταθμα αὐτῷ καὶ τῷ στόλῳ  
 κατασκευάσοντας.

Τριχῇ γὰρ διελὼν τὰς δυνάμεις, τῇ μὲν αὐτὸς 4  
 ὤρμησε διὰ τῆς Γεδρωσίας, ἀφιστάμενος τῆς θαλάτ-  
 10 τος τὸ πλεῖστον πεντακοσίους σταδίους, ἵν' ἅμα καὶ  
 τῷ ναυτικῷ τὴν παραλίαν ἐπιτηδεῖαν παρασκευάζοι,  
 πολλάκις δὲ καὶ συνάπτων τῇ θαλάττῃ καίπερ ἀπό-  
 ρους καὶ τραχείας ἐχούσῃ τὰς ἀκτὰς· τὴν δὲ προέ-  
 πεμψε μετὰ Κρατεροῦ διὰ τῆς μεσογαίας, ἅμα χειρου-  
 15 μένου τε τὴν Ἀριανὴν καὶ προϊόντος ἐπὶ τοὺς αὐτοὺς  
 τόπους ἐφ' οὓς Ἀλέξανδρος τὴν πορείαν εἶχε· τὸ δὲ  
 ναυτικὸν Νεάρχῳ καὶ Ὀνησικρίτῳ τῷ ἀρχικυβερνήτῃ  
 παραδοὺς ἐκέλευσεν οἰκείας στάσεως ἐπιλαμβανο-  
 μένους ἐπακολουθεῖν καὶ ἀντιπαραπλεῖν αὐτοῦ τῇ  
 20 πορείᾳ.

Καὶ δὴ καὶ φησιν ὁ Νεάρχος, ἥδη τοῦ βασιλέως 5  
 τελούντος τὴν ὁδόν, αὐτὸς μετοπώρου κατὰ πλειάδος  
 ἐπιτολὴν ἐσπερίαν ἄρξασθαι τοῦ πλοῦ, μήπω μὲν τῶν  
 πνευμάτων οἰκείων ὄντων, τῶν δὲ βαρβάρων ἐπιχει-  
 25 ρούντων αὐτοῖς καὶ ἐξελαυνόντων· καταθαρρῆσαι  
 γὰρ ἀπελθόντος τοῦ βασιλέως καὶ ἐλευθεριάσαι. Κρα-  
 τερὸς δ' ἀπὸ τοῦ Ὑδάσπου ἀρξάμενος δι' Ἀραχωτῶν  
 ἦει καὶ Δραγγῶν εἰς Καρμανίαν. πολλὰ δ' ἑταλαιπώ-  
 ρει ὁ Ἀλέξανδρος καθ' ὅλην τὴν ὁδὸν διὰ λυπρᾶς C.722  
 30 ἰῶν· πόρρωθεν δ' ὁμοίως ἐπεχορηγεῖτο μικρὰ καὶ  
 σπάνια ὥστε λιμώττειν τὸ στράτευμα· καὶ τὰ ὑποζύ-  
 για ἐπέλιπε, καὶ τὰ σκεύη κατελείπετο ἐν ταῖς ὁδοῖς

καὶ τοῖς στρατοπέδοις· ἀπὸ δὲ τῶν φοινίκων ἦν ἡ σω-  
τηρία τοῦ τε καρποῦ καὶ τοῦ ἐγκεφάλου. φασὶ δὲ φι-  
λονεικῆσαι τὸν Ἀλέξανδρον καίπερ εἰδότα τὰς ἀπο-  
ρίας πρὸς τὴν κατέχουσαν δόξαν, ὥς Σεμίραμις μὲν  
ἐξ Ἰνδῶν φεύγουσα σωθείη μετὰ ἀνδρῶν ὥς εἴκοσι, 5  
Κῦρος δὲ ἑπτὰ, εἰ δύναιτο αὐτὸς τοσοῦτο στράτευμα  
διασῶσαι διὰ τῆς αὐτῆς χώρας, νικῶν καὶ ταῦτα.

6 Πρὸς δὲ τῇ ἀπορίᾳ χαλεπὸν ἦν καὶ τὸ καῦμα καὶ  
τὸ βάθος τῆς ψάμμου καὶ ἡ θερμότης, ἔστι δ' ὅπου  
καὶ θῖνες ὑψηλοὶ ὥστε πρὸς τῷ δυσχερῶς ἀναφέρειν 10  
τὰ σκέλη καθάπερ ἐκ βυθοῦ καὶ ἀναβάσεις εἶναι καὶ  
καταβάσεις· ἀνάγκη δ' ἦν καὶ σταθμοὺς ποιεῖσθαι μα-  
κροὺς διὰ τὰ ὕδρεϊα διακοσίων καὶ τετρακοσίων στα-  
δίων, ἔστι δ' ὅτε καὶ ἑξακοσίων, νυκτοποροῦντας τὸ  
πλέον. πόρρω δὲ τῶν ὕδρεϊων ἐστρατοπεδεύοντο ἐν 15  
τριάκοντα σταδίοις πολλάκις τοῦ μὴ ἐμπορεῖσθαι κατὰ  
δίψος· πολλοὶ γὰρ ἐμπίπτοντες σὺν ὅπλοις ἔπινον ὥς  
ἂν ὑποβρύχιοι, φυσώμενοι δ' ἐπέπλεον ἐκπεπνευκό-  
τες καὶ τὰ ὕδρεϊα βραχέα ὄντα διέφθειρον· οἱ δ' ἐν τῷ  
ἡλίῳ κατὰ μέσην τὴν ὁδὸν ἀπηγορευκότες ἔκειντο ὑπὸ 20  
δίψους· ἔπειτα τρομώδεις μετὰ παλμοῦ χειρῶν καὶ  
σκελῶν ἔθνησκον παραπλησίως ὥς ἂν [ὑπὸ] ῥίγους  
καὶ φρίκης ἐχόμενοι. συνέβαινε δὲ τισι καὶ ἐκτραπο-  
μένοις τὴν ὁδὸν καταδαρθεῖν κρατουμένοις ὑπὸ ὕπνου  
καὶ κόπου, ὥστερήσαντες δ' οἱ μὲν ἀπώλοντο πλάνη 25  
τῶν ὁδῶν καὶ ὑπὸ ἀπορίας ἀπάντων καὶ καύματος,  
οἱ δ' ἐσώθησαν πολλὰ ταλαιπωρήσαντες· πολλὰ δὲ  
κατέκλυσε καὶ τῶν σωμάτων καὶ τῶν χρηστηρίων ἐπι-  
πεσὼν χειμάρρους νύκτωρ· καὶ τῆς βασιλικῆς δὲ κα-  
τασκευῆς ἐξηλείφθη πολλή· καὶ τῶν καθοδηγῶν δὲ 30  
κατ' ἄγνοιαν πολὺ εἰς τὴν μεσόγαιαν ἐκτραπομένων  
ὥστε μηκέτι ὁρᾶν τὴν θάλατταν, συνεῖς ὁ βασιλεὺς



ἑξαυτῆς ὥρμησε ζητήσων τὴν ἡόνα, καὶ ἐπειδὴ εὗρε καὶ ὀρύξας εἶδεν ὕδωρ πότιμον, μεταπέμπεται τὸ στρατόπεδον, καὶ λοιπὸν μέχρι ἡμερῶν ἑπτὰ πλησίον ἦει τῆς ἡόνος εὐπορῶν ὕδρείας· ἔπειτ' αὖθις εἰς τὴν με-  
 5 σόγαιαν ἀνεχώρησεν.

Ἦν δέ τι ὅμοιον τῇ δάφνῃ φυτόν, οὗ τὸ γευσάμε- 7  
 νον τῶν ὑποζυγίων ἀπέθνησκε μετὰ ἐπιληψίας καὶ ἀφροῦ· ἄκανθα δὲ τοὺς καρποὺς ἐπὶ γῆς κεχυμένη, καθάπερ οἱ σίκυοι, πλήρης ἦν ὀποῦ· τούτου δὲ ῥανί-C.723  
 10 δες εἰς ὀφθαλμὸν ἐμπεσοῦσαι πᾶν ἀπετύφλουν ζῶον· οἳ τε ὥμοι φοίνικες ἔπνιγον πολλούς· ἦν δὲ κίνδυνος καὶ ἀπὸ τῶν ὄψεων· ἐν γὰρ τοῖς θισὶν ἐπεφύκει βο-  
 τάνη, ταύτῃ δ' ὑποδεδυκότες ἐλάνθανον τοὺς δὲ πλη-  
 γέντας ἀπέκτεινον· ἐν δὲ τοῖς Ὠρίταις τὰ τοξεύματα  
 15 χρίεσθαι θανασίμοις φαρμάκοις ἔφασαν, ξύλινα ὄντα καὶ πεφυρακτωμένα· τρωθέντα δὲ Πτολεμαῖον κινδυ-  
 νεύειν· ἐν ὕπνῳ δὲ παραστάντα τινὰ τῷ Ἀλεξάνδρῳ δεῖξαι ῥίζαν αὐτόπρεμνον, ἣν κελεῦσαι τρίβοντα ἐπι-  
 τιθέναι τῷ τρωθέντι· ἐκ δὲ τοῦ ὕπνου γενόμενον,  
 20 μεμνημένον τῆς ὄψεως εὐρεῖν ζητοῦντα τὴν ῥίζαν πολ-  
 λὴν πεφυκυῖαν καὶ χρησασθαι καὶ αὐτὸν καὶ τοὺς ἄλ-  
 λους· ἰδόντας δὲ τοὺς βαρβάρους εὐρημένον τὸ ἀλέξημα ὑπηκόους γενέσθαι τῷ βασιλεῖ· εἰκὸς δὲ τινα μηνῦσαι  
 τῶν εἰδότων, τὸ δὲ μυθῶδες προσετέθη κολακείας  
 25 χάριν· ἐλθὼν δ' εἰς τὸ βασίλειον τῶν Γεδρωσίων ἐξη-  
 κοσταῖος ἀπὸ Ὠρῶν, διαναπαύσας τὰ πλήθη μικρόν,  
 ἀπῆρεν εἰς τὴν Καρμανίαν.

Τὸ μὲν δὴ νότιον τῆς Ἀριανῆς πλευρὸν τοιαύτην 8  
 τινὰ ἔχει τὴν τῆς παραλίας διάθесιν καὶ τῆς ὑπερκει-  
 30 μένης πλησίον γῆς τῆς τῶν Γεδρωσίων καὶ Ὠριτῶν.  
 πολλή δ' ἐστὶ καὶ εἰς τὴν μεσόγαιαν ἀνέχουσα καὶ ἡ  
 Γεδρωσία μέχρι τοῦ συνάψαι Δράγγαις τε καὶ Ἀραχω-

τοῖς καὶ Παροπαμισάδαις, περὶ ὧν Ἑρατοσθένης οὕτως  
 εἶρηκεν· οὐ γὰρ ἔχομέν τι λέγειν βέλτιον περὶ αὐτῶν.  
 ὀρίζεσθαι μὲν γὰρ φησι τὴν Ἀριανὴν ἐκ μὲν τῶν πρὸς  
 ἑω τῷ Ἰνδῷ, πρὸς νότον δὲ τῇ μεγάλῃ θαλάττῃ, πρὸς  
 ἄρκτον δὲ τῷ Παροπαμισῷ καὶ τοῖς ἐξῆς ὄρεσι μέχρι 5  
 Κασπίων πυλῶν, τὰ δὲ πρὸς ἐσπέραν τοῖς αὐτοῖς ὄροις  
 οἷς ἡ μὲν Παρθυηνὴ πρὸς Μηδίαν ἡ δὲ Καρμανία  
 πρὸς τὴν Περσίδα διώρισται· πλά-  
 τος δὲ τῆς χώρας τὸ τοῦ Ἰνδοῦ μῆκος τὸ ἀπὸ τοῦ Πα-  
 ροπαμισοῦ μέχρι τῶν ἐκβολῶν μυρία καὶ δισχίλιοι 10  
 στάδιοι (οἱ δὲ τρισχιλίους φασί)· μῆκος δὲ ἀπὸ Κα-  
 σπίων πυλῶν, ὡς ἐν τοῖς Ἀσιατικοῖς σταθμοῖς ἀναγέ-  
 γραπται, διττόν· μέχρι μὲν Ἀλεξανδρείας τῆς ἐν Ἀρίοις  
 ἀπὸ Κασπίων πυλῶν διὰ τῆς Παρθυαίας μία καὶ ἡ  
 αὐτὴ ὁδός· εἰθ' ἡ μὲν ἐπ' εὐθείας διὰ τῆς Βακτριανῆς 15  
 καὶ τῆς ὑπερβάσεως τοῦ ὄρους εἰς Ὀρτόσπανα ἐπὶ τὴν  
 ἐκ Βάκτρων τρίοδον ἣτις ἐστὶν ἐν τοῖς Παροπαμισά-  
 δαις· ἡ δ' ἐκτρέπεται μικρὸν ἀπὸ τῆς Ἀρίας πρὸς νό-  
 τον εἰς Προφθασίαν τῆς Δραγγιανῆς· εἶτα πάλιν ἡ  
 λοιπὴ μέχρι τῶν ὄρων τῆς Ἰνδικῆς καὶ τοῦ Ἰνδοῦ· ὥστε 20  
 μακροτέρα ἐστὶν αὕτη ἢ διὰ τῶν Δραγγῶν καὶ Ἀραχω-  
 τῶν, σταδίων μυρίων πεντακισχιλίων τριακοσίων ἢ  
 C.724 πᾶσα· εἰ δὴ τις ἀφέλοι τοὺς χιλίους τριακοσίους, ἔχοι  
 ἂν τὸ λοιπὸν τὸ ἐπ' εὐθείας μῆκος τῆς χώρας, μυρίων  
 καὶ τετρακισχιλίων· οὐ πολὺ γὰρ ἔλαττον [τὸ] τῆς πα- 25  
 ραλίας, καὶ παραύξωσί τινες αὐτὸ πρὸς τοῖς μυρίοις  
 τὴν Καρμανίαν ἑξακισχιλίων τιθέντες· ἡ γὰρ σὺν τοῖς  
 κόλποις φανοῦνται τιθέντες ἢ σὺν τῇ ἐντὸς τοῦ Περ-  
 σικοῦ κόλπου παραλίᾳ τῇ Καρμανικῇ· ἐπεκτείνεται δὲ  
 τοῦνομα τῆς Ἀριανῆς μέχρι μέρους τινὸς καὶ Περσῶν 30  
 καὶ Μήδων καὶ ἔτι τῶν πρὸς ἄρκτον Βακτριῶν καὶ  
 Σογδιανῶν· εἰσι γὰρ πῶς καὶ ὁμόγλωττοι παρὰ μικρόν.



Ἡ δὲ τάξις τῶν ἐθνῶν τοιαύτη· παρὰ μὲν τὸν Ἰν- 9  
 δὸν οἱ Παροπαμισάδαι, ὧν ὑπέγκειται ὁ Παροπαμισδὸς  
 ὄρος, εἴτ' Ἀραχωτοὶ πρὸς νότον, εἴτ' ἐφεξῆς πρὸς νότον  
 Γεδρωσηνοὶ σὺν τοῖς ἄλλοις τοῖς τὴν παραλίαν ἔχου-  
 5 σιν· ἅπασι δὲ παρὰ τὰ πλάτη τῶν χωρίων παράκειται  
 ὁ Ἰνδός. \*τούτων δ' ἐκ μέρους τῶν παρὰ τὸν Ἰνδὸν  
 ἔχουσιν τινα Ἰνδοὶ πρότερον ὄντα Περσῶν, ἃ ἀφείλετο  
 μὲν ὁ Ἀλέξανδρος τῶν Ἀριανῶν καὶ κατοικίας ἰδίας  
 συνεστήσατο, ἔδωκε δὲ Σέλευκος ὁ Νικάτωρ Σανδρο-  
 10 κόττω, συνθήμενος ἐπιγαμίαν καὶ ἀντιλαβὼν ἐλέφαν-  
 τας πεντακοσίους. τοῖς Παροπαμισάδαις δὲ παράκειν-  
 ται πρὸς τὴν ἐσπέραν Ἀριοι, τοῖς δὲ Ἀραχωτοῖς Δράγ-  
 γαι καὶ τοῖς Γεδρωσίοις· οἱ δ' Ἀριοι τοῖς Δράγγαις ἅμα  
 καὶ πρὸς ἄρκτον παράκεινται καὶ πρὸς ἐσπέραν, ἐγκυ-  
 15 κλούμενοι μικρά πῶς· ἡ δὲ Βακτριανὴ τῇ τε Ἀρίᾳ πρὸς  
 ἄρκτον παράκειται καὶ τοῖς Παροπαμισάδαις, δι' ὧν περ  
 Ἀλέξανδρος ὑπερέβαλε τὸν Κανύκασον ἐλαύνων τὴν  
 ἐπὶ Βάκτρων· πρὸς ἐσπέραν δὲ ἐφεξῆς εἰσι τοῖς Ἀρίοις  
 Παρθυαῖοι καὶ τὰ περὶ τὰς Κασπίους πύλας· πρὸς νό-  
 20 τον δὲ τούτοις ἡ ἔρημος τῆς Καρμανίας, εἴθ' ἡ λοιπὴ  
 Καρμανία καὶ Γεδρωσία.

Γνοίη δ' ἂν τις τὰ περὶ τὴν λεχθεῖσαν ὄρεινὴν ἔτι 10  
 μᾶλλον προσιστορήσας τὴν ὁδὸν ἣ ἔχρησατο διώκων  
 τοὺς περὶ Βησσὸν ὡς ἐπὶ Βάκτρων Ἀλέξανδρος ἐκ τῆς  
 25 Παρθυηνῆς· εἰς γὰρ τὴν Ἀρίαν ἦκεν, εἴτ' εἰς Δράγ-  
 γας, ὅπου Φιλώταν ἀνείλε τὸν Παρμενίωνος υἱὸν φω-  
 ράσας ἐπιβουλήν· ἔπεμψε δὲ καὶ εἰς Ἐκβάτανα τοὺς  
 καὶ τὸν πατέρα αὐτοῦ ἀνελούντας ὡς κοινωνὸν τῆς  
 ἐπιβουλῆς· φασὶ δ' αὐτοὺς ἐπὶ δρομάδων καμῆλων  
 30 ὁδὸν ἡμερῶν τριάκοντα ἢ καὶ τετταράκοντα ἐνδεκα-  
 ταίους διανύσαι καὶ τελευτῆσαι τὴν προᾶξιν. οἱ δὲ  
 Δράγγαι περσίζοντες τᾶλλα κατὰ τὸν βίον οἴνου σπα-

νίζουσι, γίνεται δὲ παρ' αὐτοῖς καττίτερος. εἴτ' ἐκ  
 Δραγγῶν ἐπὶ τε τοὺς Εὐεργέτας ἤκεν, οὓς ὁ Κῦρος  
 οὕτως ὠνόμασε, καὶ τοὺς Ἀραχωτούς, εἴτα διὰ τῶν  
 C.725 Παροπαμισαδῶν ὑπὸ πλειάδος δύσιν· ἔστι δ' ὄρεινή  
 καὶ κεχιονοβόλητο τότε ὥστε χαλεπῶς ὠδεύετο· πυκναὶ 5  
 μέντοι κῶμαι δεχόμεναι πάντων εὐποροὶ πλὴν ἐλαίου  
 παρεμυθοῦντο τὰς δυσκολίας· εἶχόν τε ἐν ἀριστερᾷ  
 τὰς ἀκρωρείας. ἔστι δὲ τὰ μεσημβρινὰ μὲν τοῦ ὄρους  
 τοῦ Παροπαμισοῦ Ἰνδικά τε καὶ Ἀριανά· τὰ δὲ προσ-  
 ἀρκτια τὰ μὲν πρὸς ἐσπέραν Βάκτρια . . . . . τοῖς Βακ- 10  
 τριοῖς βαρβάρων. διαχειμάσας δ' αὐτόθι ὑπερδέξιον  
 ἔχων τὴν Ἰνδικὴν καὶ πόλιν κτίσας ὑπερήκρισεν εἰς  
 τὴν Βακτριανὴν διὰ ψιλῶν ὁδῶν πλὴν τερμίνθου θα-  
 μνώδους ὀλίγης, ἀπορούμενος καὶ τροφῆς ὥστε ταῖς  
 τῶν κτηνῶν σαρκὶ χρῆσθαι, καὶ ταύταις ὠμαῖς διὰ τὴν 15  
 ἀξυλίαν· πρὸς δὲ τὴν ὠμοσιτίαν πεπτικὸν ἦν αὐτοῖς  
 τὸ σίλφιον πολὺ πεφυκός. πεντεκαϊδεκαταῖος δὲ ἀπὸ  
 τῆς κτισθείσης πόλεως καὶ τῶν χειμαδίων ἤκεν εἰς  
 Ἀδραψα, πόλιν τῆς Βακτριανῆς.

- 11 Περὶ ταῦτα δὲ που τὰ μέρη τῆς ὁμόρου τῇ Ἰνδικῇ 20  
 καὶ τὴν Χααρηνὴν εἶναι συμβαίνει· ἔστι δὲ τῶν ὑπὸ  
 τοῖς Παρθυαίοις αὕτη προσεχεστέρα τῇ Ἰνδικῇ· διέχει  
 δὲ τῆς \* Ἀριανῆς δι' Ἀραχωτῶν καὶ τῆς λεχθείσης ὄρει-  
 νῆς σταδίους μυρίους \* ἑνακισχιλίους. ταύτην δὲ τὴν  
 χώραν διεξιὼν Κρατερός καταστρεφόμενος ἅμα τοὺς 25  
 ἀπειθοῦντας ἦει συμμῖξαι τὴν ταχίστην σπεύδων τῷ  
 βασιλεῖ· καὶ δὴ περὶ τοὺς αὐτοὺς χρόνους σχεδόν τι  
 συνέδραμον εἰς τὴν Καρμανίαν αἱ πεξαὶ δυνάμεις ἀμ-  
 φότεραι· καὶ μικρὸν ὕστερον οἱ περὶ Νέαρχον εἰσέπλεον  
 εἰς τὸν Περσικὸν κόλπον, πολλὰ τάλαιπωρήσαντες διὰ 30  
 τὴν ἄλλην καὶ τὴν τάλαιπωρίαν καὶ τὰ μεγέθη τῶν  
 κητῶν.



Εἰκὸς μὲν οὖν πρὸς ὑπερβολὴν ἡδουλεσχηκέναι 12  
πολλὰ τοὺς πλεύσαντας, ὅμως δ' οὖν εἰρήκασι παρα-  
δηλοῦντες ἅμα καὶ τὸ παραστὰν αὐτοῖς πάθος, διότι  
προσδοκία μᾶλλον ἢ κίνδυνος ὑπῆρχε τοῖς ἀληθέσι. τὸ  
5 δὲ μάλιστα ταράττον φουσητήρων μεγέθη ῥοῦν ἀπερ-  
γαζομένων μέγαν ἀθρόον καὶ ἀχλὺν ἐκ τῶν ἀναφυση-  
μάτων, ὥστε τὰ πρὸ ποδῶν μέρη μὴ ὀρᾶσθαι· ἐπεὶ δ'  
οἱ καθηγεμόνες τοῦ πλοῦ, δεδιότων ταῦτα τῶν ἀνθρώ-  
πων τὴν δ' αἰτίαν οὐχ ὀρώντων, ἐμήνυσαν ὅτι θηρία  
10 εἴη, τάχα δ' ἀπαλλάττοιο σάλπιγγος ἀκούσαντα καὶ  
κρότου, ἐκ τούτου Νέαρχος ταῖς ναυσὶν ἐπῆγε μὲν τὸ  
ῥόθιον καθ' ἅπερ ἐκώλυον, καὶ ἅμα ταῖς σάλπιγγιν  
ἐφόβει, τὰ δὲ θηρία ἔδυνεν· εἴτ' ἀνεφαίνετο κατὰ  
πρύμναν ὥστε ναυμαχίας ἀγωνίαν παρεῖχεν, ἀλλ' αὐ-  
15 τίκα ἀφίστατο.

Λέγουσι μὲν οὖν καὶ οἱ νῦν πλείοντες εἰς Ἴνδους 13  
μεγέθη θηρίων καὶ ἐπιφανείας, ἀλλ' οὔτε ἀθρόων οὔτ'  
ἐπιφερομένων πολλάκις, ἀλλ' ἀποσοβηθέντα τῇ κραυγῇ  
καὶ τῇ σάλπιγγι ἀπαλλάττεσθαι. φασὶ δ' αὐτὰ μὲν μὴ C. 726  
20 πλησιάζειν τῇ γῇ, τὰ δ' ὅσα διαλυθέντων ψιλωθέντα  
ἐκκυμαίνεσθαι ῥαδίως καὶ χορηγεῖν τὴν λεχθεῖσαν  
ῥῆσιν τοῖς ἰχθυοφάγοις περὶ τὰς καλυβοποιίας. μέγε-  
θος δὲ τῶν κητῶν φησὶν ὁ Νέαρχος τριῶν καὶ εἴκοσιν  
ὀργυιῶν. πιστευθὲν τι δὲ ἱκανῶς ὑπὸ τῶν ἐν τῷ στόλῳ  
25 φησὶν ὁ Νέαρχος ἐξελέγξαι ψεῦδος ὄν, ὥς εἴη τις ἐν τῷ  
πόρῳ νῆσος ἢ ἀφανίζοι τοὺς προσορμισθέντας· κέρ-  
κουρον γάρ τινα πλείοντα, ἐπειδὴ κατὰ τὴν νῆσον ταύ-  
την ἐγερόνει, μηκέτι ὀραθῆναι· πεμφθέντας δέ τινας  
ἐπὶ τὴν ζήτησιν ἐκβῆναι μὲν μὴ θαρρεῖν εἰς τὴν νῆσον,  
30 \* ἐκπλέοντας δ' ἀνακαλεῖν κραυγῇ τοὺς ἀνθρώπους,  
μηδενὸς δ' ὑπακούοντος ἐπανελεῖν. ἀπάντων δ' αἰ-  
τιωμένων τὴν νῆσον αὐτὸς ἔφη πλεῦσαι καὶ προσορ-

μισθoὶς ἐκβῆναι μετὰ μέρους τῶν συμπλευσάντων καὶ περιελθεῖν τὴν νῆσον· ὥς δ' οὐδὲν εὗρισκεν ἵχνος τῶν ζητουμένων, ἀπογνόντα ἐπανελθεῖν καὶ διδάξαι τοὺς ἀνθρώπους ὥς ἡ μὲν νῆσος ψευδῇ τὴν αἰτίαν ἔχοι (καὶ γὰρ αὐτῷ καὶ τοῖς συνεκβαῖσιν ὁ αὐτὸς ὑπάρ- 5 ξαι [ἂν] φθόρος), ἄλλος δέ τις τῷ κερκούρω τρόπος τοῦ ἀφανισμοῦ συμβαίη, μυρίων ὄντων δυνατῶν.

- 14 Ἡ δὲ Καρμανία τελευταία μὲν ἐστὶ τῆς ἀπὸ τοῦ Ἰνδοῦ παραλίας, ἀρκτικωτέρα δ' ἐστὶ πολὺ τῆς τοῦ Ἰνδοῦ ἐκβολῆς· τὸ μέντοι πρῶτον αὐτῆς ἄκρον ἐκκεῖται 10 πρὸς νότον εἰς τὴν μεγάλην θάλατταν, ποιήσασα δὲ τὸ στόμα τοῦ Περσικοῦ κόλπου πρὸς τὴν ἀπὸ τῆς εὐδαίμονος Ἀραβίας ἄκραν ἐν ἀπόψει οὖσαν, κάμπτεται πρὸς τὸν Περσικὸν κόλπον ἕως ἂν συνάψῃ τῇ Περ- 15 σίδι· πολλή δὲ κἂν τῇ μεσογαίᾳ ἐστὶν ἐκτεινομένη μεταξὺ τῆς Γεδρωσίας καὶ τῆς Περσίδος, παραλλάττουσα πλέον τῆς Γεδρωσίας πρὸς τὴν ἄρκτον. δημοῖ δ' ἡ εὐκαρπία· καὶ γὰρ πάμφορος καὶ μεγαλόδενδρος πλὴν ἐλαίας καὶ ποταμοῖς κατάρρυντος. ἡ δὲ Γεδρωσία διαφέρει μικρὸν τῆς τῶν Ἰχθυοφάγων, ὥστ' ἀκαρπία 20 κατέχει πολλάκις· διὸ φυλάττουσι τὸν ἐνιαύσιον καρπὸν εἰς ἔτη πλείω ταμιευόμενοι. Ὀνησίκριτος δὲ λέγει ποταμὸν ἐν τῇ Καρμανίᾳ καταφέροντα ψήγματα χρυσοῦ· καὶ ὀρυκτοῦ δὲ εἶναι μέταλλον καὶ ἀργύρου καὶ χαλκοῦ καὶ μίλτου· ὅρη τε εἶναι δύο τὸ μὲν ἀρσενικοῦ 25 τὸ δὲ ἀλός. ἔχει δὲ τινα καὶ ἔρημον συνάπτουσιν ἤδη τῇ Παρθυαίᾳ καὶ τῇ Παραιτακηνῇ. γεώργια δ' ἔχει παραπλήσια τοῖς Περσικοῖς τά τε ἄλλα καὶ ἄμπελον· ταύτης δ' ἡ Καρμανία λεγομένη παρ' ἡμῖν καὶ δίπηχυν ἔχει πολλάκις τὸν βότρυν πυκνορρῶγά τε ὄντα καὶ με- 30 C.727γαλορρῶγα, ἣν εἰκὸς ἐκεῖ εὐεργεστέραν εἶναι. χρῶνται δ' ὄνοις οἱ πολλοὶ καὶ πρὸς πόλεμον σπάνει τῶν ἵππων·



ὄνον τε θύουσι τῷ Ἄρει, ὅνπερ σέβονται θεῶν μόνον,  
καὶ εἰσὶ πολεμισταί· γάρ μεϊ δ' οὐδεὶς πρὶν ἂν πολεμίον  
κεφαλὴν ἀποτεμὼν ἀνενέγκῃ ἐπὶ τὸν βασιλέα· ὁ δὲ τὸ  
κρανίον μὲν ἐπὶ τῶν βασιλείων ἀνατίθησι, τὴν δὲ  
5 γλῶτταν λεπτοτομήσας [καὶ] καταμίξας ἀλεύρω γευσά-  
μενος αὐτὸς δίδωσι τῷ ἀνενέγκαντι καὶ τοῖς οἰκείοις  
κατασιτήσασθαι· ἐνδοξότατος δ' ἐστὶν ᾧ πλεῖσται κε-  
φαλαὶ ἀνηνέχθησαν. Νέαρχος δὲ τὰ πλεῖστα ἔθνη καὶ  
τὴν διάλεκτον τῶν Καρμανιτῶν Περσικά τε καὶ Μη-  
10 δικὰ εἶρηκε. τὸ δὲ στόμα τοῦ Περσικοῦ κόλπου [οὐ]  
μεῖζον διάρματος ἡμερησίου.

Μετὰ δὲ Καρμανίαν ἡ Περσις ἔστι, πολλὴ μὲν ἐν 3  
τῇ παραλίᾳ τοῦ ἀπ' αὐτῆς ὀνομαζομένου κόλπου, πολὺ  
δὲ μεῖζων ἐν τῇ μεσογαίᾳ, καὶ μάλιστα ἐπὶ μῆκος τὸ ἀπὸ  
15 τοῦ νότου καὶ τῆς Καρμανίας ἐπὶ τὰς ἄρκτους καὶ τὰ  
περὶ Μηδίαν ἔθνη. τρίτῃ δ' ἐστὶ καὶ τῇ φύσει καὶ τῇ  
τῶν ἀέρων κράσει. ἡ μὲν γὰρ παραλία καυματηρά τε  
καὶ ἀμμώδης καὶ σπανιστὴ καρποῖς ἐστὶ πλὴν φοινί-  
κων, ὅσον ἐν τετρακισχιλίοις καὶ τετρακοσίοις ἢ τρια-  
20 κοσίοις ἑξαεταζομένη σταδίους, καταστρέφουσα εἰς πο-  
ταμὸν μέγιστον τῶν ταύτῃ καλούμενον Ὀροάτιν· ἡ δ'  
ὑπὲρ ταύτης ἐστὶ πάμφορος καὶ πεδινὴ καὶ θρεμμάτων  
ἀρίστη τροφός, ποταμοῖς τε καὶ λίμναις πληθύνει. τρίτῃ  
δ' ἐστὶν ἡ πρὸς βορρᾶν χειμέριος καὶ ὀρεινὴ· πρὸς δὲ  
25 ταῖς ἐσχατιαῖς εἰσιν οἱ καμηλοβοσκοί. μῆκος μὲν οὖν  
ἐστὶ κατ' Ἑρατοσθένη τὸ ἐπὶ τὰς ἄρκτους καὶ \* τὰς  
Κασπίους πύλας περὶ ὀκτακισχιλίων .... κατὰ τινὰς  
προπιπτούσας ἄκρας. λοιπὴ δ' ἐστὶν ἐπὶ Κασπίους πύ-  
λας οὐ πλεον ἢ τῶν τρισχιλίων. πλάτος δὲ τὸ ἐν τῇ  
30 μεσογαίᾳ τὸ ἀπὸ Σούσων εἰς Περσέπολιν στάδιοι τε-  
τρακισχίλιοι διακόσιοι, κἀντεῦθεν ἐπὶ τοὺς τῆς Καρ-  
μανίας ὄρους ἄλλοι χίλιοι ἑξακόσιοι. φῦλα δὲ οἰκεῖ τὴν

χώραν οἳ τε Πατεισχορεῖς λεγόμενοι καὶ οἱ Ἀχαιμενίδαι καὶ [οἱ] Μάγοι· οὗτοι μὲν οὖν σεμνοῦ τινός εἰσι βίου ζηλωταί, Κύρτιοι δὲ καὶ Μάρδοι ληστρικοί, ἄλλοι δὲ γεωργικοί.

- 2 Σχεδὸν δέ τι καὶ ἡ Σουσίς μέρος γεγένηται τῆς 5  
Περσίδος μεταξὺ αὐτῆς κειμένη καὶ τῆς Βαβυλωνίας, ἔχουσα πόλιν ἀξιολογωτάτην τὰ Σοῦσα. οἱ γὰρ Πέρσαι κρατήσαντες Μῆδων καὶ ὁ Κῦρος, ὁρῶντες τὴν μὲν οἰκίαν γῆν ἐπ' ἐσχάτοις ποντατομένην, τὴν δὲ Σου-  
σίδα ἐνδοτέρω καὶ πλησιαιτέραν τῇ Βαβυλωνίᾳ καὶ τοῖς 10  
ἄλλοις ἔθνεσιν, ἐνταῦθα ἔθεντο τὸ τῆς ἡγεμονίας βα-  
σίλειον· ἅμα καὶ τὸ ὁμορον τῆς χώρας ἀποδεξάμενοι  
C.728 καὶ τὸ ἀξίωμα τῆς πόλεως καὶ \* κρεῖττον τὸ μηδέποτε  
καθ' ἑαυτὴν τὴν Σουσίδα πραγμάτων μεγάλων ἐπή-  
βολον γεγονέναι, ἀλλ' ἀεὶ ὑφ' ἑτέροις ὑπάρχει καὶ ἐν 15  
μέρει τετάχθαι συστήματος μεΐζονος, πλὴν εἰ ἄρα τὸ  
παλαιὸν τὸ κατὰ τοὺς ἥρωας. λέγεται γὰρ δὴ τίσιμα  
Τιθωνοῦ τοῦ Μέμνονος πατρός, κύκλον ἔχουσα ἑκατὸν  
καὶ εἴκοσι σταδίων, παραμήκης τῷ σχήματι· ἡ δ' ἀκρό-  
πολις ἑκαλεῖτο Μεμνόνιον· λέγονται δὲ καὶ Κίσσιοι οἱ 20  
Σούσιοι· φησὶ δὲ καὶ Αἰσχύλος τὴν μητέρα Μέμνονος  
Κισσίαν. ταφῆναι δὲ λέγεται Μέμνων περὶ Πάλτον τῆς  
Συρίας παρὰ Βαδᾶν ποταμόν, ὡς εἶρηκε Σιμωνίδης ἐν  
Μέμνονι διθυράμβῳ τῶν Ἀηλιακῶν. τὸ δὲ τεῖχος ὠκο-  
δόμητο τῆς πόλεως καὶ ἱερὰ καὶ βασιλεία παραπλησίως 25  
ὥσπερ τὰ τῶν Βαβυλωνίων ἐξ ὁπτιῆς πλίνθου καὶ  
ἀσφάλτου, καθάπερ εἰρήκασί τινες· Πολύκλειτος δὲ  
διακοσίων φησὶ τὸν κύκλον καὶ ἀτειχιστον.
- 3 Κοσμήσαντες δὲ τὰ ἐν Σούσοις βασιλεία μάλιστα  
τῶν ἄλλων οὐδὲν ἤττον καὶ τὰ ἐν Περσεπολῇ καὶ τὰ 30  
ἐν Πασαργάδαις ἐξετίμησαν· καὶ ἡ γε γάξα καὶ οἱ θη-  
σαυροὶ καὶ τὰ μνήματα ἐνταῦθα ἦν τοῖς Πέρσαις, ὡς



ἐν τόποις ἐρυμνοτέροις καὶ ἅμα προγονικοῖς. ἦν δὲ καὶ ἄλλα βασιλεία τὰ ἐν Γάβαις ἐν τοῖς ἀνωτέρω που μέρεσι τῆς Περσίδος καὶ τὰ ἐν τῇ παραλίᾳ τὰ κατὰ τὴν Ταόκην λεγομένην· ταῦτα μὲν τὰ κατὰ τὴν τῶν Περσῶν ἀρχήν, οἱ δ' ὕστερον ἄλλοις καὶ ἄλλοις ἐχρήσαντο, ὥς εἰκός, εὐτελεστέροις τισὶν, ἅτε καὶ τῆς Περσίδος ἡλαττωμένης ὑπὸ τε τῶν Μακεδόνων καὶ ἔτι μᾶλλον ὑπὸ τῶν Παρθυαίων. καὶ γὰρ εἰ βασιλεύονται μέχρι νῦν ἴδιον βασιλέα ἔχοντες οἱ Πέρσαι, τῇ γε δυνάμει πλεῖστον ἀπολείπονται καὶ τῷ Παρθυαίων προσέχουσι βασιλεῖ.

Τὰ μὲν οὖν Σοῦσα ἐν μεσογαίοις κεῖται ἐπὶ τῷ 4  
 Χοάσπῃ ποταμῷ περαιτέρω κατὰ τὸ ξεῦγμα, ἡ δὲ χώρα μέχρι τῆς θαλάττης καθήκει· καὶ ἔστιν αὐτῆς ἡ παρα-  
 15 λία μέχρι τῶν ἐκβολῶν σχεδόν τι τοῦ Τίγριος ἀπὸ τῶν ὄρων τῆς Περσικῆς παραλίας σταδίων ὥς τρισχιλίων. ῥεῖ δὲ διὰ τῆς χώρας ὁ Χοάσπης εἰς τὴν αὐτὴν τελευτῶν παραλίαν, ἀπὸ τῶν Οὐξίων τὰς ἀρχὰς ἔχων. παρεμπίπτει γὰρ τις ὀρεινὴ τραχεῖα καὶ ἀπότομος μεταξὺ τῶν  
 20 Σουσίων καὶ τῆς Περσίδος, στενὰ ἔχουσα δυσπάροδα καὶ ἀνθρώπους ληστάς, οἳ μισθοὺς ἐπράττοντο καὶ αὐτοὺς τοὺς βασιλέας κατὰ τὴν ἐκ Σούσων εἰς Πέρσας εἰσβολήν. φησὶ δὲ Πολύκλειτος εἰς λίμνην τινὰ συμβάλλειν τὸν τε Χοάσπην καὶ τὸν Εὐύλαιον καὶ ἔτι τὸν  
 25 Τίγριν, εἴτ' ἐκεῖθεν εἰς τὴν θάλατταν ἐκδιδόναι· πρὸς δὲ τῇ λίμνῃ καὶ ἐμπόριον εἶναι, τῶν ποταμῶν μὲν οὐ δεχομένων τὰ ἐκ τῆς θαλάττης, οὐδὲ καταπεμπόντων 0.729  
 διὰ τοὺς καταράκτας ἐπίτηδες γενομένους, πεξῇ δ' ἐμπορευομένων· ὀκτακοσίους γὰρ εἶναι σταδίους εἰς  
 30 Σοῦσα \* λέγουσιν ἄλλοι· ἄλλοι δέ φασι τοὺς διὰ Σούσων ποταμοὺς εἰς ἓν ῥεῦμα τὸ τοῦ Τίγριος συμπίπτειν κατὰ τὰς μεταξὺ διώρυγας τοῦ Εὐφράτου·

διὰ δὲ τοῦτο κατὰ τὰς ἐκβολὰς ὀνομάζεσθαι Πασί-  
τιγριν.

5 Νέαρχος δὲ τὸν παράπλουν τῆς Σουσίδος τενα-  
γώδη φήσας πέρας αὐτοῦ λέγει τὸν Εὐφράτην ποτα-  
μόν· πρὸς δὲ τῷ στόματι κώμην οἰκεῖσθαι τὴν ὑποδε- 5  
χομένην τὰ ἐκ τῆς Ἀραβίας φορτία· συνάπτειν γὰρ  
ἐφεξῆς τὴν τῶν Ἀράβων παραλίαν τῷ στόματι τοῦ  
Εὐφράτου καὶ τοῦ Πασιτίγριος, τὸ δὲ μεταξὺ πᾶν ἐπέ-  
χειν λίμνην τὴν ὑποδεχομένην τὸν Τίγριν. ἀναπλεύ-  
σαντι δὲ τῷ Πασιτίγρει σταδίους πεντήκοντα καὶ ἑκα- 10  
τὸν τὴν σχεδίαν εἶναι τὴν ἄγουσαν ἐπὶ Σούσων ἐκ τῆς  
Περσίδος, ἀπέχουσαν Σούσων σταδίους \* ἐξήκοντα·  
τὸν δὲ Πασίτιγριν ἀπὸ τοῦ Ὀροάτιδος διέχειν περὶ  
δισχιλίους σταδίους· διὰ δὲ τῆς λίμνης ἐπὶ τὸ στόμα  
τοῦ Τίγριος τὸν ἀνάπλουν εἶναι σταδίων ἑξακοσίων· 15  
πλησίον δὲ τοῦ στόματος κώμην οἰκεῖσθαι \* τὴν Σου-  
σιανὴν διέχουσαν τῶν Σούσων σταδίους πεντακο-  
σίους· ἀπὸ δὲ τοῦ στόματος τοῦ Εὐφράτου καὶ μέχρι  
Βαβυλῶνος τὸν ἀνάπλουν εἶναι διὰ γῆς οἰκουμένης  
καλῶς σταδίων πλειόνων ἢ τρισχιλίων. Ὀνησίκριτος 20  
δὲ πάντας φησὶν ἐκβάλλειν εἰς τὴν λίμνην τὸν τε Εὐ-  
φράτην καὶ τὸν Τίγριν, ἐκπεσόντα δὲ πάλιν τὸν Εὐ-  
φράτην ἐκ τῆς λίμνης ἰδίῳ στόματι πρὸς τὴν θάλατταν  
συνάπτειν.

6 Ἔστι δὲ καὶ ἄλλα πλείω στενὰ διεκβάλλονται τὰ ἐν 25  
τοῖς Οὐξίοις κατ' αὐτὴν τὴν Περσίδα, ἃ καὶ αὐτὰ βία  
διηλθεν Ἀλέξανδρος, κατὰ τε τὰς Περσικὰς πύλας καὶ  
κατ' ἄλλους τόπους διεξιὼν τὴν χώραν, καὶ κατοπτεῦ-  
σαι σπεύδων τὰ κυριώτατα μέρη καὶ τὰ γαξοφυλᾶκια,  
ἃ τοσούτοις χρόνοις ἐξεπεπλήρωτο, οἷς ἐδασμολόγησαν 30  
Πέρσαι τὴν Ἀσίαν· ποταμοὺς δὲ διέβη πλείους τοὺς  
διαρρέοντας τὴν χώραν καὶ καταφερομένους εἰς τὸν



Περσικὸν κόλπον. μετὰ γὰρ τὸν Χοάσπην ὁ Κοπράτας  
 ἐστὶ καὶ ὁ Πασίτιγρις, ὃς ἐκ τῆς Οὐξίας καὶ αὐτὸς ῥεῖ·  
 ἔστι δὲ καὶ Κῦρος ποταμὸς διὰ τῆς κοίλης καλουμένης  
 Περσίδος ῥέων περὶ Πασαργάδας, οὗ μετέλαβε τὸ ὄνο-  
 5 μα βασιλεὺς ἀντὶ Ἀγραδάτου μετονομασθεὶς Κῦρος.  
 πρὸς αὐτῇ δὲ τῇ Περσεπόλει τὸν Ἀράξην διέβη· ἦν δὲ  
 ἡ Περσέπολις μετὰ Σοῦσα κάλλιστα κατεσκευασμένη  
 μεγίστη πόλις, ἔχουσα βασιλεία ἐκπρεπῆ, καὶ μάλιστα  
 τῇ πολυτελείᾳ τῶν κειμένων. ῥεῖ δ' ὁ Ἀράξης ἐκ τῶν  
 10 Παραιτακῶν· συμβάλλει δ' εἰς αὐτὸν ὁ Μῆδος ἐκ Μη-  
 δίας ὀρμηθεὶς. φέρονται δὲ δι' αὐλῶνος παμφόρου  
 συνάπτοντος τῇ Καρμανίᾳ καὶ τοῖς ἐωθινοῖς μέρεσι  
 τῆς χώρας, καθάπερ καὶ αὐτῇ ἡ Περσέπολις. ἐνέπρησε  
 δὲ ὁ Ἀλέξανδρος τὰ ἐν Περσεπόλει βασιλεία τιμωρῶν C.730  
 15 τοῖς Ἑλλήσιν, ὅτι κακείνων ἱερὰ καὶ πόλεις οἱ Πέρσαι  
 πυρὶ καὶ σιδήρῳ διεπόρθησαν.

Εἶτ' εἰς Πασαργάδας ἦκε· καὶ τοῦτο δ' ἦν βασι- 7  
 λειον ἀρχαῖον. ἐνταῦθα δὲ καὶ τὸν Κύρου τάφον εἶδεν  
 ἐν παραδείσῳ, πύργον οὐ μέγαν, τῷ δάσει τῶν δένδρων  
 20 ἐναποκεκρυμμένον, κάτω μὲν στερεὸν ἄνω δὲ στέγην  
 ἔχοντα καὶ σηκὸν στενὴν τελέως ἔχοντα τὴν εἴσοδον,  
 δι' ἧς παρελθεῖν εἴσω φησὶν Ἀριστόβουλος κελεύσαν-  
 τος τοῦ βασιλέως καὶ κοσμηῆσαι τὸν τάφον· ἰδεῖν δὲ  
 κλίνην τε χρυσῇν καὶ τράπεζαν σὺν ἐκπώμασι καὶ  
 25 πύελον χρυσῇν καὶ ἐσθῆτα πολλὴν κόσμον τε λιθοκόλ-  
 λητον· κατὰ μὲν οὖν τὴν πρώτην ἐπιδημίαν ταῦτ'  
 ἰδεῖν, ὕστερον δὲ συληθῆναι, καὶ τὰ μὲν ἄλλα ἐκκομι-  
 σθῆναι τὴν δὲ κλίνην θραυσθῆναι μόνον καὶ τὴν  
 πύελον, μεταθέντων τὸν νεκρὸν, δι' οὗ δῆλον γενέσθαι  
 30 διότι προνομευτῶν ἔργον ἦν, οὐχὶ τοῦ σατράπου, κα-  
 ταλιπόντων ἃ μὴ δυνατὸν ἦν ξαδίως ἐκκομίσαι· συμ-  
 βῆναι δὲ ταῦτα, καίπερ φυλακῆς περικειμένης Μάγων,

σίτισιν λαμβανόντων καθ' ἡμέραν πρόβατον, διὰ μη-  
νὸς δ' ἵππον. ἀλλ' ὁ ἐκτοπισμὸς τῆς Ἀλεξάνδρου στρα-  
τιᾶς εἰς Βάκτρα καὶ Ἰνδοὺς πολλά τε ἄλλα νεωτερισθῆ-  
ναι παρεσκεύασε, καὶ δὴ καὶ τοῦθ' ἐν τῶν νεωτερι-  
σθέντων ὑπῆρξεν. οὕτω μὲν οὖν Ἀριστόβουλος εἶρηκε, 5  
καὶ τὸ ἐπίγραμμα δὲ ἀπομνημονεύει τοῦτο „ὦ ἄν-  
θρωπε, ἐγὼ Κῦρός εἰμι, ὁ τὴν ἀρχὴν τοῖς Πέρσαις  
„κτησάμενος καὶ τῆς Ἀσίας βασιλεύς· μὴ οὖν φθονή-  
„σῃς μοι τοῦ μνήματος.“ Ὀνησίκριτος δὲ τὸν μὲν  
πύργον δεκάστεγον εἶρηκε· καὶ ἐν μὲν τῇ ἀνωτάτῳ 10  
στέγῃ κεῖσθαι τὸν Κῦρον· ἐπίγραμμα δ' εἶναι Ἑλληνι-  
κόν, Περσικοῖς κεχαραγμένον γράμμασιν „ἐνθάδ' ἐγὼ  
„κεῖμαι Κῦρος βασιλεὺς βασιλῶν.“ καὶ ἄλλο περσίζον  
πρὸς τὸν αὐτὸν νοῦν.

8 Μέννηται δ' Ὀνησίκριτος καὶ τὸ ἐπὶ τοῦ Δαρείου 15  
τάφῳ γράμμα τόδε „φίλος ἦν τοῖς φίλοις· ἵππεὺς καὶ  
„τοξότης ἄριστος ἐγενόμην· κυνηγῶν ἐκράτουν· πάντα  
„ποιεῖν ἠδυνάμην.“ Ἀριστος δ' ὁ Σαλαμίνιος πολὺ  
μὲν ἐστὶ νεώτερος τούτων, λέγει δὲ δίστεγον τὸν πύρ-  
γον καὶ μέγαν, ἐν δὲ τῇ Περσῶν διαδοχῇ ἰδρῦσθαι, 20  
φυλάττεσθαι δὲ τὸν τάφον· ἐπίγραμμα δὲ τὸ λεχθὲν  
Ἑλληνικὸν καὶ ἄλλο Περσικὸν πρὸς τὸν αὐτὸν νοῦν.  
τοὺς δὲ Πασαργάδας ἐτίμησε Κῦρος, ὅτι τὴν ὑστάτην  
μάχην ἐνίκησεν Ἀστυάγην ἐνταῦθα τὸν Μῆδον, καὶ  
τὴν ἀρχὴν τῆς Ἀσίας μετήνεγκεν εἰς ἑαυτὸν καὶ πόλιν 25  
ἐκτίσε καὶ βασιλείον κατεσκεύασε τῆς νίκης μνημεῖον.

9  
C.731 Πάντα δὲ τὰ ἐν τῇ Περσίδι χρήματα ἐξεσκευάσατο  
εἰς τὰ Σοῦσα καὶ αὐτὰ θησαυρῶν καὶ κατασκευῆς  
μεστά· οὐδὲ τοῦθ' ἡγεῖτο τὸ βασιλείον, ἀλλὰ τὴν Βα-  
βυλῶνα, καὶ διενοεῖτο ταύτην προσκατασκευάζειν· 30  
κάνταῦθα δ' ἔκειντο θησαυροί. φασὶ δὲ χωρὶς τῶν ἐν  
Βαβυλῶνι καὶ τῶν ἐν τῷ στρατοπέδῳ τῶν παρὰ ταῦτα



μὴ ληφθέντων αὐτὰ τὰ ἐν Σούσοις καὶ τὰ ἐν Περσίδι  
τέτταρας μυριάδας ταλάντων ἔξετασθῆναι· τινὲς δὲ  
καὶ πέντε λέγουσιν· ἄλλοι δὲ πάντα πάντοθεν συνα-  
χθῆναι παραδεδώκασιν εἰς Ἑκβάτανα ὀκτωκαίδεκα  
5 μυριάδας ταλάντων· τὰ δὲ Δαρείῳ φυγόντι ἐκ τῆς  
Μηδίας συνεκκομισθέντα τάλαντα ὀκτακισχίλια διήρ-  
πασαν οἱ δολοφονήσαντες αὐτόν.

Τὴν γοῦν Βαβυλῶνα ὁ Ἀλέξανδρος προέκρινεν 10  
ὁρῶν καὶ τῷ μεγέθει πολὺ ὑπερβάλλουσαν καὶ τοῖς  
10 ἄλλοις. εὐδαίμων δ' οὕσα ἡ Σουσίς ἔκπυρον τὸν ἄερα  
ἔχει [καὶ] κανυματηρὸν καὶ μάλιστα τὸν περὶ τὴν πόλιν,  
ὥς φησιν \* ἐκεῖνος· τὰς γοῦν σαύρας καὶ τοὺς ὄφεις  
θέρους ἀκμάζοντος τοῦ ἡλίου κατὰ μεσημβρίαν δια-  
βῆναι μὴ φθάνειν τὰς ὁδοὺς τὰς ἐν τῇ πόλει, ἀλλ' ἐν  
15 μέσαις περιφλέγεσθαι, ὅπερ τῆς Περσίδος μηδαμοῦ  
συμβαίνειν καίπερ νοτιωτέρας οὔσης· λουτρὰ δὲ ψυχρὰ  
προτεθέντα ἐκθερμαίνεσθαι παραχρῆμα, τὰς δὲ κριθὰς  
διασπαρείσας εἰς τὸν ἥλιον ἄλλεσθαι καθάπερ ἐν τοῖς  
ἵπνοις τὰς κάχρους· διὸ καὶ ταῖς στέγαις ἐπὶ δύο πῆχεις  
20 γῆν ἐπιτίθεσθαι, ὑπὸ δὲ τοῦ βάρους ἀναγκάζεσθαι  
στενοὺς μὲν μακροὺς δὲ ποιεῖσθαι τοὺς οἴκους, ἀπο-  
ρουμένους μακρῶν μὲν δοκῶν δεομένους δὲ μεγάλων  
οἰκῶν διὰ τὸ πυῖγος. ἰδιον δέ τι πάσχειν τὴν φοινικί-  
νην δοκόν· στερεὰν γὰρ οὕσαν, παλαιουμένην οὐκ εἰς  
25 τὸ κάτω τὴν ἔνδοσιν λαμβάνειν, ἀλλ' εἰς τὸ ἄνω μέρος  
κυρτοῦσθαι τῷ βάρει καὶ βέλτιον ἀνέχειν τὴν ὀροφήν.  
αἴτιον δὲ τῶν κανμάτων λέγεται τὸ ὑπερκεῖσθαι πρὸς  
ἄρκτον ὄρη ὑψηλὰ τὰ προεκδεχόμενα ἅπαντας τοὺς  
βορείους ἀνέμους· ὑπερπετεῖς δὲ πνέοντες ἀπὸ τῶν  
30 ἀκρωτηρίων μετέωροί τε τῶν πεδίων οὐ προσάπτονται,  
ἀλλὰ παρελαύνουσιν εἰς τὰ νοτιώτερα τῆς Σουσίδος·  
αὕτη δὲ νηνεμίαῖς κατέχεται, καὶ μάλιστα τότε ἥνικα

ἐτησίαι τὴν ἄλλην γῆν καταψύχουσιν ἐκκαομένην ὑπὸ τῶν καυμάτων.

- 11 Πολύσιτος δ' ἄραν ἐστὶν ὥστε ἐκατοντάχουν δι' ὁμαλοῦ καὶ κριθὴν καὶ πυρὸν ἐκτρέφειν, ἔστι δ' ὅτε καὶ διακοσιοντάχουν· διόπερ οὐδὲ πυκνὰς τὰς αὖλακας 5 τέμνουσι· πυκνούμεναι γὰρ κωλύουσιν αἱ ρίζαι τὴν βλάστην. τὴν δ' ἄμπελον οὐ φρυομένην πρότερον Μακεδόνες κατεφύτευσαν ἀκκεῖ καὶ ἐν Βαβυλῶνι, οὐ ταφρεύοντες ἀλλὰ παττάλους κατασεσιδηρωμένους ἐξ C.732 ἄκρων πῆττοντες, εἴτ' ἐξαιροῦντες, ἀντὶ δ' αὐτῶν τὰ 10 κλήματα καθιέντες εὐθές. ἡ μὲν δὴ μεσόγαια τοιαύτη· ἡ δὲ παραλία τεναγώδης ἐστὶ καὶ ἀλίμενος· διὰ τοῦτο γοῦν καὶ φησὶν ὁ Νέαρχος μηδὲ καθοδηγῶν ἐπιχωρίων τυγχάνειν ἡνίκα τῷ στόλῳ παρέπλει πρὸς τὴν Βαβυλωνίαν ἐκ τῆς Ἰνδικῆς, ὅτι προσόρμους οὐκ εἶχεν, 15 οὐδ' ἀνθρώπων εὐπορεῖν οἷός τ' ἦν τῶν ἡγησομένων κατ' ἐμπειρίαν.
- 12 Γειτνιά δὲ τῇ Σουσίδι τῆς Βαβυλωνίας ἡ Σιτακηνὴ μὲν πρότερον Ἀπολλωνιάτις δὲ ὕστερον προσαγορευθεῖσα. ἀπὸ τῶν ἄρκτων δ' ὑπέρκεινται ἀμφοῖν πρὸς 20 ἕω Ἑλυμαῖοί τε καὶ Παραिताκηνοί, ληστρικοὶ ἄνδρες καὶ ὀρεινῇ τραχείᾳ πεποιθότες· μᾶλλον δ' οἱ Παραिताκηνοὶ τοῖς Ἀπολλωνιάταις ἐπὶκείνται, ὥστε καὶ χειρὸν ἐκείνους διατιθέασιν. οἱ δὲ Ἑλυμαῖοι ἀκκείνοις καὶ τοῖς Σουσίοις, τούτοις δὲ καὶ οἱ Οὔξιοι προσπολεμοῦ- 25 σιν· ἦττον δὲ νῦν, ὥς εἰκός, διὰ τὴν τῶν Παρθυαίων ἰσχύν, ὑφ' οἷς εἰσιν ἅπαντες οἱ ταύτῃ. εὖ μὲν οὖν πραττόντων ἐκείνων, εὖ πράττουσιν ἅπαντες καὶ οἱ ὑπήκοοι αὐτῶν· στασιαζόντων δέ, ὅπερ συμβαίνει πολλάκις, καὶ δὴ καὶ ἐφ' ἡμῶν, ἄλλοτ' ἄλλως συμβαίνει 30 καὶ οὐ τὰ αὐτὰ πᾶσι· τοῖς μὲν γὰρ συνήνεγκεν ἡ τα-



ραχή, τοῖς δὲ παρὰ γνώμην ἀπήντησεν. ἡ μὲν δὴ χάρα  
ἦ τε Περσὶς καὶ ἡ Σουσιανὴ τοιαύτη.

Τὰ [δ'] ἔθνη τὰ Περσικὰ καὶ τούτοις καὶ Μήδοις τὰ 13  
αὐτὰ καὶ ἄλλοις πλείοσι, περὶ ὧν εἰρήκασι μὲν πλείους,  
5 τὰ δὲ καίρια καὶ ἡμῖν λεκτέον. Πέρσαι τοίνυν ἀγάλματα  
μὲν καὶ βωμοὺς οὐχ ἰδρύονται, θύουσι δ' ἐν ὑψηλῷ  
τόπῳ τὸν οὐρανὸν ἡγούμενοι Δία· τιμῶσι δὲ καὶ  
ἥλιον, ὃν καλοῦσι Μίθρην, καὶ σελήνην καὶ Ἀφροδί-  
την καὶ πῦρ καὶ γῆν καὶ ἀνέμους καὶ ὕδωρ· θύουσι δ'  
10 ἐν καθαρῷ τόπῳ κατευξάμενοι παραστησάμενοι τὸ  
ιερεῖον ἐστεμμένον· μελίσσαντος δὲ τοῦ Μάγου τὰ κρέα  
τοῦ ὑφηγουμένου τὴν ἱερουργίαν ἀπίασι διελόμενοι,  
τοῖς θεοῖς οὐδὲν ἀπονείμαντες μέρος· τῆς γὰρ ψυχῆς  
φασὶ τοῦ ἱερέου δεῖσθαι τὸν θεόν, ἄλλου δὲ οὐδενός·  
15 ὅμως δὲ τοῦ ἐπίπλου τι μικρὸν τιθέασιν, ὥς λέγουσί  
τινες, ἐπὶ τὸ πῦρ.

Διαφερόντως δὲ τῷ πυρὶ καὶ τῷ ὕδατι θύουσι, 14  
τῷ μὲν πυρὶ, προστιθέντες ξηρὰ ξύλα τοῦ λέπους χωρὶς  
πιμελὴν ἐπιτιθέντες ἄνωθεν· εἴθ' ὑφάπτουσιν ἔλαιον  
20 καταχέοντες, οὐ φυσῶντες ἀλλὰ ῥιπίζοντες· τοὺς δὲ  
φυσήσαντας ἢ νεκρὸν ἐπὶ πῦρ θέντας ἢ βόλβιτον θα-  
νατοῦσι· τῷ δ' ὕδατι, ἐπὶ λίμνην ἢ ποταμὸν ἢ κρήνην  
ἐλθόντες, βόθρον ὀρύξαντες εἰς τοῦτον σφαγιάζονται,  
φυλαττόμενοι μὴ τι τοῦ πλησίον ὕδατος αἵμαχθεῖν, ὥςC.733  
25 μιανοῦντες· εἴτ' ἐπὶ μυρρίνην ἢ δάφνην διαθέντες τὰ  
κρέα ῥάβδοις λεπτοῖς \* ἐφάπτονται οἱ Μάγοι καὶ ἐπ' αὐ-  
δουσιν, ἀποσπένδοντες ἔλαιον ὁμοῦ γάλακτι καὶ μέλιτι  
κεκραμένον οὐκ εἰς πῦρ οὐδ' ὕδωρ, ἀλλ' εἰς τοῦδαφος·  
τὰς δ' ἐπ' αὐτὰς ποιοῦνται πολὺν χρόνον ῥάβδων μυρι-  
30 κίωνων λεπτῶν δέσμην κατέχοντες.

Ἐν δὲ τῇ Καππαδοκίᾳ (πολὺ γὰρ ἐκεῖ τὸ τῶν Μά- 15  
γων φῦλον, οἳ καὶ πύραιθοι καλοῦνται· πολλὰ δὲ καὶ

τῶν Περσικῶν θεῶν ἱερά), οὐδὲ μαχαίρα θύουσιν, ἀλλὰ κορμῷ τινι ὥς ἂν ὑπέρῳ τύπτοντες. ἔστι δὲ καὶ πυραιθεῖα, σηκοί τινες ἀξιόλογοι· ἐν δὲ τούτοις μέσοις βωμός, ἐν ᾧ πολλή τε σποδός, καὶ πῦρ ἄσβεστον φυλάττουσιν οἱ Μάγοι· καὶ καθ' ἡμέραν δὲ εἰσιόντες, 5 ἐπάδουσιν ὥραν σχεδόν τι πρὸ τοῦ πυρὸς τὴν δέσμην τῶν ῥάβδων ἔχοντες, τιάρας περικείμενοι πλωτὰς καθεικνίας ἐκατέρωθεν μέχρι τοῦ καλύπτειν τὰ χεῖλη τὰς παραγναθίδας. ταῦτά δ' ἐν τοῖς τῆς Ἀναϊτιδος καὶ τοῦ Ὠμάνου ἱεροῖς νενομίσται· τούτων δὲ καὶ σηκοί 10 εἰσι, καὶ ξόανον τοῦ Ὠμάνου πομπεύει. ταῦτα μὲν οὖν ἡμεῖς ἑώρακαμεν, ἐκεῖνα δ' ἐν ταῖς ἱστορίαις λέγεται καὶ τὰ ἐφεξῆς.

16 Εἰς γὰρ ποταμὸν οὗτ' οὐροῦσιν οὔτε νίπτονται Πέρσαι, οὐδὲ λούονται, οὐδὲ νεκρὸν ἐμβάλλουσιν οὐδ' 15 ἀλλὰ τῶν δοκούντων εἶναι μυσαρῶν· ὅτῳ δ' ἂν θύσῃσι θεῷ, πρῶτῳ τῷ πυρὶ εὐχονται.

17 Βασιλεύονται δ' ὑπὸ τῶν ἀπὸ γένους· ὁ δ' ἀπειθῶν ἀποτμηθεὶς κεφαλὴν καὶ βραχίονα ῥίπτεται. γαμοῦσι δὲ πολλὰς καὶ ἅμα παλλακὰς τρέφουσι πλείους 20 πολυτεκνίας χάριν. τιθέασι δὲ καὶ οἱ βασιλεῖς ἅθλα πολυτεκνίας κατ' ἔτος· τὰ δὲ τρεφόμενα μέχρι ἐτῶν τεττάρων οὐκ ἄγεται τοῖς γονεῦσιν εἰς ὄψιν. οἱ δὲ γάμοι κατὰ τὰς ἀρχὰς τῆς ἑαρινῆς ἰσημερίας ἐπιτελοῦνται . . . παρέρχεται δ' ἐπὶ τὸν θάλαμον προφαγὼν μῆ- 25 λον ἢ καμήλου μυελόν, ἄλλο δ' οὐδὲν τὴν ἡμέραν ἐκείνην.

18 Ἀπὸ δὲ πέντε ἐτῶν ἕως τετάρτου καὶ εἰκοστοῦ παιδεύονται τοξεύειν καὶ ἀκοντίζειν καὶ ἱππάζεσθαι καὶ ἀληθεύειν, διδασκάλοις τε λόγων τοῖς σωφρονε- 30 στάτοις χρωῶνται, οἱ καὶ τὸ μυθῶδες πρὸς τὸ συμφέρον ἀνάγοντες παραπλέκουσι, καὶ μέλους χωρὶς καὶ μετ'



- ὥδῃς ἔργα θεῶν τε καὶ ἀνδρῶν τῶν ἀρίστων ἀναδι-  
 δόντες. συνάγουσι δ' εἰς ἓνα τόπον, ψόφῳ χαλκοῦ  
 πρὸ ὄρθρου διεγείροντες ὥς ἐπὶ ἐξοπλισίαν ἢ θήραν·  
 τάξαντες δ' ἀνὰ πεντήκοντα ἡγεμόνα τῶν βασιλέως  
 5 τινὰ παίδων αὐτοῖς ἢ σατράπου τρέχοντι κελεύουσιν C.734  
 ἔπεσθαι, χωρίον ἀφορίσαντες τριάκοντα ἢ τετταρά-  
 κοντα σταδίων. ἀπαιτοῦσι δὲ καὶ λόγον ἐκάστου μα-  
 θήματος, ἅμα καὶ μεγαλοφωνίαν καὶ πνεῦμα καὶ πλεу-  
 ρὰν ἀσχοῦντες, καὶ πρὸς καῦμα δὲ καὶ πρὸς ψῦχος καὶ  
 10 ὄμβρους καὶ χειμάρρων διαβάσεις ὥστ' ἄβροχα φυ-  
 λάττειν καὶ ὄπλα καὶ ἐσθῆτα, καὶ ποιμαίνειν δὲ καὶ  
 ἀγραυλεῖν καὶ καρποῖς ἀγρίοις χρῆσθαι, τερμίνθῳ  
 δρυοβαλάνοις ἀχράδι. ἡ δὲ καθ' ἡμέραν δίαιτα ἄρτος  
 μετὰ τὸ γυμνάσιον καὶ μᾶζα καὶ κάρδαμον καὶ ἄλῶν  
 15 χόνδρος καὶ κρέα ὁπτὰ ἢ ἐφθὰ ἐξ ὕδατος, ποτὸν δ'  
 ὕδωρ. θηρεύουσι δὲ σαύνια ἀφ' ἵππων βάλλοντες καὶ  
 τοξεύματα καὶ σφενδονῶντες. δείλης δὲ φυτουργεῖν καὶ  
 ῥιζοτομεῖν ἀσχοῦσι καὶ ὀπλοποιεῖν καὶ λῖνα καὶ ἄρκυς  
 φιλοτεχνεῖν. οὐχ ἄπτονται δὲ τῶν θηρευμάτων οἱ παῖ-  
 20 δες, ἀλλὰ κομίζειν οἴκαδε ἔθος. τίθεται δ' ὑπὸ τοῦ  
 βασιλέως ἄθλα δρόμου καὶ τῶν [ἄλλων τῶν] ἐν τοῖς  
 πεντάθλοις. κοσμοῦνται δ' οἱ παῖδες χρυσῷ, τὸ πυ-  
 ρωπὸν τιθεμένων ἐν τιμῇ· διὸ οὐδὲ νεκρῷ προσφέ-  
 ρουσι καθάπερ οὐδὲ τὸ πῦρ κατὰ τιμὴν.  
 25 Στρατεύονται δὲ καὶ ἄρχουσιν ἀπὸ εἴκοσιν ἐτῶν 19  
 ἕως πεντήκοντα πεζοὶ τε καὶ ἵππεῖς· ἀγορᾶς δὲ οὐχ  
 ἄπτονται· οὔτε γὰρ πωλοῦσιν οὔτ' ὠνοῦνται. ὀπλί-  
 ζονται δὲ γέρορῳ ῥομβοειδεῖ, παρὰ δὲ τὰς φαρέτρας  
 σαγάρεις ἔχουσι καὶ κοπίδας, περὶ δὲ τῇ κεφαλῇ πί-

13. post ἀχράδι: καλοῦνται δ' οὗτοι Κάρδακες, ἀπὸ κλο-  
 πείας τρεφόμενοι· κάρδα γὰρ τὸ ἀνδρῶδες καὶ πολεμικὸν λέ-  
 γεται.

λημα πυργωτόν, θώραξ δ' ἐστὶν αὐτοῖς φοριδωτός. ἐσθῆς δὲ τοῖς ἡγεμόσι μὲν ἀναξυρὶς τριπλῇ, χιτῶν δὲ χειριδωτὸς διπλοῦς ἕως γόνατος, ὁ ὑπενδύτης μὲν λευκός, ἄνθινος δ' ὁ ἐπάνω· ἱμάτιον δὲ θέρους μὲν πορφυροῦν ἢ ἰάνθινον, χειμῶνος δ' ἄνθινον, τιᾶραι 5 παραπλήσiai ταῖς τῶν Μάγων, ὑπόδημα κοῖλον διπλοῦν, τοῖς δὲ πολλοῖς χιτῶν ἕως μεσοκνημίου διπλοῦς, ῥάκος δὲ σινδόνιον τι περὶ τῇ κεφαλῇ· ἔχει δ' ἕκαστος τόξον καὶ σφενδόνην. δειπνοῦσι [δὲ] πολυτελῶς Πέρσαι τιθέντες καὶ ὀλομελῇ καὶ πολλὰ καὶ ποι- 10 κίλα· κόσμος τε λαμπρὸς στρωμνῆς ἐκπωμάτων τε [καὶ] τῶν ἄλλων ὥστε χρυσῷ καὶ ἀργύρῳ καταλάμπεσθαι.

20 Ἐν οἴνῳ τὰ μέγιστα βουλευόμενοι, καὶ βεβαιότερα τῶν ἐν νήψει τίθενται. τῶν κατὰ τὰς ὁδοὺς συναντώντων τοὺς μὲν γνωρίμους καὶ ἰσοτίμους φιλοῦσι 15 προσιόντες, τοῖς δὲ ταπεινοτέροις παραβάλλουσι τὴν γνάθον καὶ δέχονται ταύτῃ τὸ φίλημα· οἱ δ' ἔτι τα- C.735 πεινότεροι προσκυνοῦσι μόνον. θάπτουσι δὲ κηρῷ περιπλάσαντες τὰ σώματα, τοὺς δὲ Μάγους οὐ θάπτουσιν, ἀλλ' οἰωνοβρώτους ἔωσι· τούτοις δὲ καὶ 20 μητράσι συνέρχεσθαι πάτριον νενόμισται. τοιαῦτα μὲν τὰ ἔθνη.

21 Ἔστι δ' ἴσως καὶ ταῦτα τῶν ἐθίμων, ἃ φησι Πολύκλειτος. ἐν γὰρ Σούσοις ἕκαστῳ τῶν βασιλέων ἐπὶ τῆς ἄκρας ἰδίας πεποιῆσθαι οἰκησιν καὶ θησαυροὺς καὶ 25 παραθέσεις ὧν ἐπράττοντο φόρων, ὑπομνήματα τῆς οἰκονομίας· πράττεσθαι δ' ἐκ μὲν τῆς παραλίας ἀργύριον, ἐκ δὲ τῆς μεσογαίας ἃ φέρει ἕκαστη χώρα, ὥστε καὶ χρώματα καὶ φάρμακα καὶ τρίχα [ἢ] ἐρέαν ἢ τι τοιοῦθ' ἕτερον καὶ θρέμματα ὁμοίως. τὸν δὲ δια- 30



τάξαντα τοὺς φόρους Δαρεῖον εἶναι. τὸν δὲ πλείστον  
 χρυσὸν καὶ ἄργυρον ἐν κατασκευαῖς εἶναι, νομίσματι δὲ  
 οὐ πολλῶ· πρὸς τε τὰς δωρεὰς ἐκεῖνα κεχαρισμένα  
 νομίζειν μᾶλλον καὶ πρὸς κειμηλίων ἀπόθεσιν· τὸ δὲ  
 5 νόμισμα τὸ πρὸς τὰς χρείας ἀρκοῦν ἱκανὸν εἶναι, κό-  
 πτειν δὲ πάλιν τὸ τοῖς ἀναλώμασι σύμμετρον.

Τὰ μὲν οὖν ἔθνη σωφρονικὰ τὰ πλείω, διὰ δὲ τὸν 22  
 πλουτὸν εἰς τρυφήν ἐξέπεσον οἱ βασιλεῖς, ὥστε πυρὸν  
 μὲν ἐξ Ἀσσοῦ τῆς Αἰολίδος μετήεσαν, οἶνον δ' ἐκ Συ-  
 10 ρίας τὸν Χαλυβώνιον, ὕδωρ δὲ ἐκ τοῦ Εὐλαίου πάν-  
 των ἐλαφρότατον ὥστ' ἐν Ἀττικῇ κοτύλῃ δραχμῇ ἀφολ-  
 κότερον εἶναι.

Συνέβη δὲ τοῖς Πέρσαις ἐνδοξοτάτοις γενέσθαι 23  
 τῶν βαρβάρων παρὰ τοῖς Ἕλλησιν, ὅτι τῶν μὲν ἄλλων  
 15 οὐδένες τῶν τῆς Ἀσίας ἀρξάντων Ἑλλήνων ἤρξαν,  
 οὐδ' ἥδεισαν οὔτ' ἐκεῖνοι τούτους οὔθ' οἱ Ἕλληνες  
 τοὺς βαρβάρους ἀλλ' ἐπὶ μικρὸν μόνον ἐκ τῆς πόρρω-  
 θεν ἀκοῆς. Ὅμηρος γοῦν οὔτε τὴν τῶν Σύρων οὔτε  
 τὴν τῶν Μήδων ἀρχὴν οἶδεν· οὐδὲ γὰρ ἂν Θήβας Αἰ-  
 20 γυπτίας ονομάζων καὶ τὸν ἐκεῖ καὶ τὸν ἐν Φοινίκῃ  
 πλουτὸν, τὸν ἐν Βαβυλῶνι καὶ Νίνῳ καὶ Ἐκβατάνοις  
 παρεσιώπησε. πρῶτοι δὲ Πέρσαι Ἑλλήνων ἐπῆρξαν,  
 Λυδοὶ δὲ ἐπῆρξαν μὲν, ἀλλ' οὔτε τῆς Ἀσίας ὅλης ἀλλὰ  
 μέρους τινὸς μικροῦ τοῦ ἐντὸς Ἄλυσος μόνον, καὶ ταῦτ'  
 25 ἐπ' ὀλίγον χρόνον τὸν κατὰ Κροῖσον καὶ Ἀλυάττην.  
 κρατηθέντες δ' ὑπὸ Περσῶν, εἰ καὶ τι τῆς δόξης ἦν  
 αὐτοῖς, ἀφηρέθησαν τοῦθ' ὑπ' ἐκείνων. Πέρσαι δ'  
 ἀφ' οὗ κατέλυσαν τὰ Μήδων εὐθὺς καὶ Λυδῶν ἐκρά-  
 τησαν καὶ τοὺς κατὰ τὴν Ἀσίαν Ἕλληνας ὑπηκόους

1. post εἶναι: τὸν μακρόχειρα, καὶ κάλλιστον ἀνθρώπων  
 πλὴν τοῦ μήκους τῶν βραχιόνων καὶ τῶν πήχεων· ἄπτεσθαι  
 γὰρ καὶ τῶν γονάτων. 22. καὶ ante Ἑλλήνων

ἔσχον· ὕστερον δὲ καὶ διέβησαν εἰς τὴν Ἑλλάδα, καὶ  
C.736 ἤτηθηθέντες πολλοῖς καὶ \*πολλάκις ἀγῶσιν ὁμῶς διετέ-  
λεσαν τὴν Ἀσίαν μέχρι τῶν ἐπὶ θαλάττῃ τόπων κατέ-  
χοντες ἕως ὑπὸ Μακεδόνων κατεπολεμήθησαν.

24 Ὁ μὲν οὖν εἰς τὴν ἡγεμονίαν καταστήσας αὐτοὺς 5  
Κῦρος ἦν· διαδεξάμενος δὲ τοῦτον Καμβύσης υἱὸς  
ὑπὸ τῶν Μάγων κατελύθη· τούτους δ' ἀνελόντες οἱ  
ἐπτὰ Πέρσαι Δαρεῖω τῷ Ὑστάσπεω παρέδοσαν τὴν  
ἀρχήν· εἶθ' οἱ ἀπὸ τούτου διαδεχόμενοι κατέληξαν εἰς  
Ἀρσην, ὃν ἀποκτείνας Βαγῶος ὁ εὐνοῦχος κατέστησε 10  
Δαρεῖον οὐκ ὄντα τοῦ γένους τῶν βασιλέων. τοῦτον  
δὲ καταλύσας Ἀλέξανδρος αὐτὸς ἤρξε \*δέκα ἢ ἑνδεκα  
ἔτη· εἶτ' εἰς πλείους τοὺς διαδεξαμένους καὶ τοὺς ἐπι-  
γόνους τούτων μερισθεῖσα ἡ ἡγεμονία τῆς Ἀσίας διε-  
λύθη· συνέμεινε δ' ὅσον πεντήκοντα ἐπὶ τοῖς διακο- 15  
σίοις ἔτη. νῦν δ' ἤδη καθ' αὐτοὺς συνεστῶτες οἱ Πέρ-  
σαι βασιλέας ἔχουσιν ὑπηκόους ἐτέροις βασιλεῦσι,  
πρότερον μὲν Μακεδόσι νῦν δὲ Παρθυαίοις.

1 Τῇ δὲ Περσίδι καὶ τῇ Σουσιανῇ συνάπτουσιν οἱ  
Ἀσσύριοι· καλοῦσι δ' οὕτω τὴν Βαβυλωνίαν καὶ πολ-  
λὴν τῆς κύκλῳ γῆς, ἧς ἐν μέρει καὶ ἡ Ἀτουρία ἐστίν,  
ἐν ἧ περ ἡ Νίνος καὶ ἡ Ἀπολλωνιᾶτις καὶ Ἐλυμαῖοι καὶ 25  
Παραιτάκαι καὶ ἡ περὶ τὸ Ζάγγρον ὄρος Χαλωνῖτις καὶ  
τὰ περὶ τὴν Νίνον πεδία, Δολομηνή τε καὶ Καλαχηνή  
καὶ Χαζήνη καὶ Ἀδιαβηνή, καὶ τὰ τῆς Μεσοποταμίας  
ἔθνη τὰ περὶ Γορδυαίους καὶ τοὺς περὶ Νίσιβιν Μυγ-  
δόνας μέχρι τοῦ Ζεύγματος τοῦ κατὰ τὸν Εὐφράτην 30  
καὶ τῆς πέραν τοῦ Εὐφράτου πολλή ἦν Ἀραβες κα-  
τέχουσι, καὶ οἱ ἰδίως ὑπὸ τῶν νῦν λεγόμενοι Σύροι



μέχρι Κιλίκων καὶ Φοινίκων καὶ Ἰουδαίων καὶ τῆς θα-<sup>737</sup>  
λάττης τῆς κατὰ τὸ Αἰγύπτιον πέλαγος καὶ τὸν Ἰσσι-  
κὸν κόλπον.

Δοκεῖ δὲ τὸ τῶν Σύρων ὄνομα διατεῖναι ἀπὸ μὲν 2  
5 τῆς Βαβυλωνίας μέχρι τοῦ Ἰσσιτικοῦ κόλπου, ἀπὸ δὲ  
τούτου μέχρι τοῦ Εὐξείνου τὸ παλαιόν. οἱ γοῦν Καπ-  
πάδοκες ἀμφότεροι, οἳ τε πρὸς τῷ Ταύρῳ καὶ οἱ πρὸς  
τῷ Πόντῳ, μέχρι νῦν Λευκόσυροι καλοῦνται, ὥς ἂν  
ὄντων τινῶν Σύρων καὶ μελάνων· οὗτοι δ' εἰσὶν οἱ  
10 ἐκτὸς τοῦ Ταύρου· λέγω δὲ Ταῦρον μέχρι τοῦ Ἀμα-  
νοῦ διατείνων τοῦτομα. οἱ δ' ἱστοροῦντες τὴν Σύρων  
ἀρχὴν ὅταν φῶσι Μήδους μὲν ὑπὸ Περσῶν καταλυ-  
θῆναι Σύρους δὲ ὑπὸ Μήδων, οὐκ ἄλλους τινὰς τοὺς  
Σύρους λέγουσιν ἀλλὰ τοὺς ἐν Βαβυλῶνι καὶ Νίνῳ  
15 κατεσκευασμένους τὸ βασίλειον· ὧν ὁ μὲν Νίνος ἦν ὁ  
τὴν Νίνον ἐν τῇ Ἀτουρίᾳ κτίσας, ἡ δὲ τούτου γυνή,  
ἥπερ καὶ διεδέξατο τὸν ἄνδρα, Σεμιράμις, ἧς ἐστὶ  
κτίσμα ἡ Βαβυλῶν. οὗτοι δὲ ἐκράτησαν τῆς Ἀσίας, καὶ  
τῆς Σεμιράμιδος χωρὶς τῶν ἐν Βαβυλῶνι ἔργων πολλὰ  
20 καὶ ἄλλα κατὰ πᾶσαν γῆν σχεδὸν δείκνυνται ὅση τῆς  
ἡπείρου ταύτης ἐστί, τὰ τε χώματα ἃ δὴ καλοῦσι Σε-  
μιράμιδος, καὶ τεῖχη καὶ ἐρυμάτων κατασκευαὶ καὶ  
συρίγγων τῶν ἐν αὐτοῖς καὶ ὑδρείων καὶ κλιμάκων  
καὶ διωρύγων ἐν ποταμοῖς καὶ λίμναις καὶ ὁδῶν καὶ γε-  
25 φυρῶν. ἀπέλιπον δὲ τοῖς μεθ' ἑαυτοὺς τὴν ἀρχὴν μέ-  
χρι \* τῆς Σαρδαναπάλλου καὶ Ἀρβάκου· μετέστη δ'  
εἰς Μήδους ὕστερον.

Ἡ μὲν οὖν Νίνος πόλις ἠφανίσθη παραχοῆμα μετὰ 3  
τὴν τῶν Σύρων κατάλυσιν. πολὺ δὲ μείζων ἦν τῆς Βα-  
30 βυλῶνος, ἐν πεδίῳ κειμένη τῆς Ἀτουρίας· ἡ δ' Ἀτουρία  
τοῖς περὶ Ἀρβηλα τόποις ὁμορός ἐστὶ μεταξὺ τὸν Λύκον  
ἔχουσα ποταμόν. τὰ μὲν οὖν Ἀρβηλα τῆς Βαβυλωνίας

ὑπάρχει\* ἃ κατ' αὐτήν ἐστίν· ἐν δὲ τῇ περαίᾳ τοῦ Λύ-  
κου τὰ τῆς Ἀτουρίας πεδιά τῇ Νίνῳ περὶκεῖται. ἐν δὲ  
τῇ Ἀτουρίᾳ ἐστὶ Γανγάμηλα κώμη, ἐν ᾗ συνέβη νικη-  
θῆναι καὶ ἀποβαλεῖν τὴν ἀρχὴν Δαρείου. ἐστὶ μὲν οὖν  
τόπος ἐπίσημος οὗτος καὶ τοῦνομα· μεθερμηνευθὲν ὅ-  
γάρ ἐστι καμήλου οἶκος· ὠνόμασε δ' οὕτω Δαρείος ὁ  
Ῥστιάσπεω, κτῆμα δούς εἰς διατροφὴν τῇ καμήλῳ τῇ  
συνεκπεπονηκυῖα μάλιστα τὴν ὁδὸν τὴν διὰ τῆς ἐρή-  
μου Σκυθίας μετὰ τῶν φορτίων, ἐν οἷς ἦν καὶ ἡ δια-  
τροφὴ τῷ βασιλεῖ. οἱ μὲντοι Μακεδόνες τοῦτο μὲν 10  
ὀρῶντες κώμιον εὐτελές, τὰ δὲ Ἀρβηλα κατοικίαν  
ἀξιόλογον, κτίσμα ὥς φασιν Ἀρβήλου τοῦ Ἀθμο-  
νέως, περὶ Ἀρβηλα τὴν μάχην καὶ νίκην κατεφήμισαν  
καὶ τοῖς συγγραφεῦσιν οὕτω παρέδωκαν.

4 Μετὰ δὲ Ἀρβηλα καὶ τὸ Νικατόριον ὄρος (ὃ προσ- 15  
ωνόμασεν Ἀλέξανδρος νικήσας τὴν περὶ Ἀρβηλα μά-  
χην) ὁ Κάπρος ἐστὶ ποταμὸς ἐν ἴσῳ διαστήματι ὅσῳ  
C.738 καὶ ὁ Λύκος· ἡ δὲ χώρα\* Ἀρτακηνὴ λέγεται. περὶ  
Ἀρβηλα δὲ ἐστὶ καὶ Δημητριάς πόλις· εἰδ' ἡ τοῦ νά-  
φθα πηγὴ καὶ τὰ πυρὰ καὶ τὸ τῆς\* Ἀναίας ἱερὸν καὶ 20  
Σαδράκαι, τὸ Δαρείου τοῦ Ῥστιάσπεω βασίλειον, καὶ  
ὁ Κυπαρισσῶν καὶ ἡ τοῦ Κάπρου διάβασις συνάπτουσα  
ἤδη Σελευκείᾳ καὶ Βαβυλῶνι.

5 Ἡ δὲ Βαβυλὼν καὶ αὐτὴ μὲν ἐστὶν ἐν πεδίῳ, τὸν  
δὲ κύκλον ἔχει τοῦ τείχους τριακοσίων ἐξήκοντα πέντε 25  
σταδίων, πάχος δὲ τοῦ τείχους ποδῶν δύο καὶ τριά-  
κοντα, ὕψος δὲ τῶν μὲν μεσοπυργίων πῆχεις πεντή-  
κοντα τῶν δὲ πύργων ἐξήκοντα, ἡ δὲ πάροδος τοῖς ἐπὶ  
τοῦ τείχους ὥστε τέθριππα ἐναντιοδρομεῖν ἀλλήλοις  
ῥαδίως· διόπερ τῶν ἐπτά θεαμάτων λέγεται καὶ τοῦτο 30  
καὶ ὁ κρεμαστὸς κῆπος ἔχων ἐν τετραγώνῳ σχήματι  
ἐκάστην πλευρὰν τεττάρων πλέθρων· συνέχεται δὲ



ψαλιδώμασι καμαρωτοῖς ἐπὶ πεττῶν ἰδρυμένοις κυβο-  
 ειδῶν ἄλλοις ἐπ' ἄλλοις· οἱ δὲ πεττοὶ κοῖλοι πλήρεις  
 γῆς ὥστε δέξασθαι φυτὰ δένδρων τῶν μεγίστων, ἐξ  
 ὀπτῆς πλίνθου καὶ ἀσφάλτου κατεσκευασμένοι καὶ  
 5 αὐτοὶ καὶ αἱ ψαλίδες καὶ τὰ καμαρώματα. ἡ δ' ἀνω-  
 τάτω στέγη προσβάσεις κλιμακωτὰς ἔχει, παρακειμέ-  
 νους δ' αὐταῖς καὶ κοχλίας δι' ὧν τὸ ὕδωρ ἀνῆγον  
 εἰς τὸν κῆπον ἀπὸ τοῦ Εὐφράτου συνεχῶς οἱ πρὸς  
 τοῦτο τεταγμένοι. ὁ γὰρ ποταμὸς διὰ μέσης ῥεῖ τῆς  
 10 πόλεως σταδιαῖος τὸ πλάτος, ἐπὶ δὲ τῷ ποταμῷ ὁ κῆ-  
 πος. ἔστι δὲ καὶ ὁ τοῦ Βήλου τάφος αὐτόθι, νῦν μὲν  
 κατεσκαμμένος, Ξέρξης δ' αὐτὸν κατέσπασεν, ὥς φα-  
 σιν· ἦν δὲ πυραμὶς τετράγωνος ἐξ ὀπτῆς πλίνθου καὶ  
 αὐτὴ σταδιαία τὸ ὕψος, σταδιαία δὲ καὶ ἐκάστη τῶν  
 15 πλευρῶν· ἦν Ἀλέξανδρος ἐβούλετο ἀνασκευάσαι, πο-  
 λὺ δ' ἦν ἔργον καὶ πολλοῦ χρόνου (αὐτὴ γὰρ ἡ χοῦς  
 εἰς ἀνακάθαρσιν μυρίοις ἀνδράσι δυεῖν μηνῶν ἔργον  
 ἦν), ὥστ' οὐκ ἔφθη τὸ ἐγχειρηθὲν ἐπιτελέσαι· παρα-  
 χρημα γὰρ ἡ νόσος καὶ ἡ τελευτὴ συνέπεσε τῷ βασιλεῖ,  
 20 τῶν δ' ὕστερον οὐδεὶς ἐφρόντισεν. ἀλλὰ καὶ τὰ λοιπὰ  
 ὀλιγορήθη καὶ κατήρειψαν τῆς πόλεως τὰ μὲν οἱ Πέρ-  
 σαι τὰ δ' ὁ χρόνος καὶ ἡ τῶν Μακεδόνων ὀλιγορία  
 περὶ τὰ τοιαῦτα, καὶ μάλιστα ἐπειδὴ τὴν Σελεύκειαν  
 ἐπὶ τῷ Τίγρει πλησίον τῆς Βαβυλῶνος ἐν τριακοσίοις  
 25 πού σταδίοις ἐτείχισε Σέλευκος ὁ Νικάτωρ. καὶ γὰρ  
 ἐκεῖνος καὶ οἱ μετ' αὐτὸν ἅπαντες περὶ ταύτην ἐσπού-  
 δασαν τὴν πόλιν καὶ τὸ βασίλειον ἐνταῦθα μετήνεγκαν·  
 καὶ δὴ καὶ νῦν ἡ μὲν γέγονε Βαβυλῶνος μείζων ἡ δ'  
 ἔρημος ἡ πολλή, ὥστ' ἐπ' αὐτῆς μὴ ἂν ὀκνησαί τινα  
 30 εἰπεῖν ὅπερ ἔφη τις τῶν κωμικῶν ἐπὶ τῶν Μεγαλο-  
 πολιτῶν τῶν ἐν Ἀρκαδίᾳ, „ἐρημία μεγάλη ἔστιν ἡ Με-  
 γάλη πόλις.“ διὰ δὲ τὴν τῆς ὕλης σπάνιν ἐκ φοινικί-C.739

νων ξύλων αἱ οἰκοδομαὶ συντελοῦνται καὶ δοκοῖς καὶ στύλοις· περὶ δὲ τοὺς στύλους στρέφοντες ἐκ τῆς καλᾶμης σχοινία περιτιθέασιν, εἴτ' ἐπαλείφοντες χρώμασι καταγράφουσι, τὰς δὲ θύρας ἀσφάλτῳ· ὑψηλαὶ δὲ καὶ αὐταὶ καὶ οἱ οἶκοι καμαρωτοὶ πάντες διὰ τὴν 5 ἀξυλίαν· ψιλὴ γὰρ ἡ χώρα καὶ θαμνώδης ἡ πολλὴ πλὴν φοίνικος· οὗτος δὲ πλεῖστος ἐν τῇ Βαβυλωνίᾳ, πολὺς δὲ καὶ ἐν Σούσοις καὶ ἐν τῇ παραλίᾳ [τῇ] Περσίδι καὶ ἐν τῇ Καρμανίᾳ. κεράμῳ δ' οὐ χρωῶνται· οὐδὲ γὰρ κατομβροῦνται. παραπλήσια δὲ καὶ τὰ ἐν Σού- 10 σοις καὶ τῇ Σιτακηνῇ.

6 Ἀφώριστο δ' ἐν τῇ Βαβυλῶνι κατοικία τοῖς ἐπιχωρίοις φιλοσόφοις τοῖς Χαλδαίοις προσαγορευομένοις, οἱ περὶ ἀστρονομίαν εἰσὶ τὸ πλεόν· προσποιούνται δέ τινες καὶ γενεθλιαλογεῖν, οὓς οὐκ ἀποδέχονται 15 οἱ ἕτεροι. ἔστι δὲ καὶ φυλὸν τι τὸ τῶν Χαλδαίων καὶ χώρα τῆς Βαβυλωνίας ὑπ' ἐκείνων οἰκουμένη, πλησιάζουσα καὶ τοῖς Ἀραβι καὶ τῇ κατὰ Πέρσας λεγομένῃ θαλάττῃ. ἔστι δὲ καὶ τῶν Χαλδαίων τῶν ἀστρονομικῶν γένη πλείω· καὶ γὰρ Ὀρχηνοὶ τινες προσαγορεύονται 20 καὶ Βορσιππηνοὶ καὶ ἄλλοι πλείους ὥς ἂν κατὰ αἰρέσεις ἄλλα καὶ ἄλλα νέμοντες περὶ τῶν αὐτῶν δόγματα. μέμνηνται δὲ καὶ τῶν ἀνδρῶν ἐνίων οἱ μαθηματικοί, καθάπερ Κιθηνᾶ τε καὶ Ναβουριανοῦ καὶ Σουδίνου· καὶ Σέλευκος δ' ὁ ἀπὸ τῆς Σελευκείας Χαλδαῖός ἐστι 25 καὶ ἄλλοι πλείους ἀξιόλογοι ἄνδρες.

7 Τὰ δὲ Βόρσιππα ἱερὰ πόλις ἐστὶν Ἀρτέμιδος καὶ Ἀπόλλωνος, λινουργεῖον μέγα. πληθύνουσι δὲ ἐν αὐτῇ νυκτερίδες μείζους πολὺ τῶν ἐν ἄλλοις τόποις· ἀλίσκονται δ' εἰς βρῶσιν καὶ ταριχεύονται. 30

8 Περιέχεται δ' ἡ χώρα τῶν Βαβυλωνίων ἀπὸ μὲν τῆς ἡοῦς ὑπὸ τε Σουσίων καὶ Ἐλυμαίων καὶ Παραιτα-



κηνῶν, ἀπὸ δὲ τῆς μεσημβρίας ὑπὸ τοῦ Περσικοῦ κόλ-  
 που καὶ τῶν Χαλδαίων μέχρι Ἀράβων τῶν Μεσηνῶν,  
 ἀπὸ δὲ τῆς ἐσπέρας ὑπὸ τε Ἀράβων τῶν σκηνητιῶν  
 μέχρι τῆς Ἀδιαβηνῆς καὶ τῆς Γορδυαίας, ἀπὸ δὲ τῶν  
 5 ἄρκτων ὑπὸ τε Ἀρμενίων καὶ Μήδων μέχρι τοῦ Ζάγρου  
 καὶ τῶν περὶ αὐτὸ ἔθνων.

Διαρρεῖται δ' ὑπὸ πλειόνων μὲν ποταμῶν ἡ χώρα, 9  
 μεγίστων δὲ τοῦ τε Εὐφράτου καὶ τοῦ Τίγριος· μετὰ  
 γὰρ τοὺς Ἰνδικοὺς οὗτοι λέγονται δευτερεύειν κατὰ  
 10 τὰ νότια μέρη τῆς Ἀσίας οἱ ποταμοί· ἔχουσι δ' ἀνά-  
 πλους ὁ μὲν ἐπὶ τὴν Ὠπιν καὶ τὴν νῦν Σελεύκειαν (ἡ  
 δὲ Ὠπὶς κώμη ἐμπόριον τῶν κύκλῳ τόπων) ὁ δ' ἐπὶ  
 Βαβυλῶνα πλειόνων ἢ τρισχιλίων σταδίων. οἱ μὲν οὖν 740  
 Πέρσαι τοὺς ἀνάπλους ἐπίτηδες κωλύειν θέλοντες  
 15 φόβῳ τῶν ἔξωθεν ἐφ' ὧν καταράκτας χειροποιήτους  
 κατεσκευάκεισαν· ὁ δὲ Ἀλέξανδρος ἐπιὼν ὅσους οἷός  
 τε ἦν ἀνεσκευάσσε, καὶ μάλιστα τοὺς ἐπὶ τὴν Ὠπιν.  
 ἐπεμελήθη δὲ καὶ τῶν διωρύγων· πλημμυρεῖ γὰρ ὁ  
 Εὐφράτης κατὰ τὴν ἀρχὴν τοῦ θέρους ἀπὸ τοῦ ἔαρος  
 20 ἀρξάμενος, ἥνίκα τήκονται αἱ χιόνες αἱ ἀπὸ τῆς Ἀρμε-  
 νίας, ὥστ' ἀνάγκη λιμνάζειν καὶ κατακλύζεσθαι τὰς  
 ἀρούρας, εἰ μὴ διοχετεύει τις ταφρεῖαις καὶ διώρυξι τὸ  
 ἐκπίπτου τοῦ ῥοῦ καὶ ἐπιπολάζον ὕδωρ, καθάπερ καὶ  
 ἐν Αἰγύπτῳ τὸ τοῦ Νείλου· ἐντεῦθεν μὲν οὖν αἱ διώ-  
 25 ρυγες γεγέννηται. χρεῖα δὲ ἐστὶν ὑπουργίας μεγάλας·  
 βαθεῖα γὰρ ἡ γῆ καὶ μαλακὴ καὶ εὐένδοτος ὥστε καὶ  
 ἐκσύρεται ῥαδίως ὑπὸ τῶν ρευμάτων καὶ γυμνοὶ τὰ  
 πεδία, πληροὶ δὲ τὰς διώρυγας καὶ τὰ στόματα αὐτῶν  
 ἐμφράττει ῥαδίως ἡ χοῦς· οὕτω δὲ συμβαίνει πάλιν  
 30 τὴν ὑπέρχουσιν τῶν ὑδάτων εἰς τὰ πρὸς τῇ θαλάττῃ  
 πεδία ἐκπίπτουσιν λίμνας ἀποτελεῖν καὶ ἔλη καὶ κα-  
 λαμῶνας, ἐξ ὧν καλάμινα πλέκεται παντοῖα σκεύη, τὰ

μὲν ὑγροῦ δεκτικὰ τῇ ἀσφάλτῳ περιλειφόντων, τοῖς δ' ἄλλοις ψιλῶς χρωμένων· καὶ ἰστία δὲ ποιοῦνται κα-  
λάμυνα ψιάθοις ἢ ῥιπὶ παραπλήσια.

- 10 Τὸ μὲν οὖν παντάπασι κωλύειν τὴν τοιαύτην  
πλήμμυραν οὐχ οἶόν τε ἴσως, τὸ δὲ τὴν δυνατὴν προσ- 5  
φέρειν βοήθειαν ἡγεμόνων ἀγαθῶν ἐστίν. ἡ δὲ βοή-  
θεια αὕτη, τὴν μὲν πολλὴν παρέκχυσιν ἐμφράξει κω-  
λύειν, τὴν δὲ πλήρωσιν ἣν ἡ χοῦς ἐργάζεται, τούναν-  
τίον ἀνακαθάρσει τῶν διωρύγων καὶ ἐξανοίξει τῶν  
στοματων. ἡ μὲν οὖν ἀνακάθαρσις ῥαδία ἡ δὲ ἐμφρα- 10  
ξις πολυχειρίας δεῖται· εὐένδοτος γὰρ οὕσα ἡ γῆ καὶ  
μαλακὴ τὴν ἐπιφορηθεῖσαν οὐχ ὑπομένει χοῦν, ἀλλ'  
εἰκουσα συνεφέλκεται ἀκκύνην καὶ ποιεῖ δυσέγχωστον  
τὸ στόμα. καὶ γὰρ καὶ τάχους δεῖ πρὸς τὸ ταχέως κλει-  
σθῆναι τὰς διώρυγας καὶ μὴ πᾶν ἐκπεσεῖν ἐξ αὐτῶν τὸ 15  
ὔδωρ. ξηρανθεῖσαι γὰρ τοῦ θέρους ξηραίνουσι καὶ τὸν  
ποταμόν· ταπεινωθεῖς δὲ τὰς ἐποχeteίας οὐ δύναται  
παρέχεσθαι κατὰ καιρὸν ὧν δεῖται πλεῖστον τοῦ θέ-  
ρους ἔμπυρος οὕσα ἡ χώρα καὶ καυματηρά· διαφέρει  
δ' οὐδὲν ἢ τῷ πλήθει τῶν ὑδάτων κατακλύζεσθαι τοὺς 20  
καρπούς, ἢ τῇ λειψυδρίᾳ τῷ δίψει διαφθείρεσθαι· ἅμα  
δὲ καὶ τοὺς ἀνάπλους, πολὺ τὸ χρήσιμον ἔχοντας αἰεὶ  
[δὲ] λυμαινομένους ὑπ' ἀμφοτέρων τῶν λεχθέντων  
παθῶν, οὐχ οἶόν τε ἐπανορθοῦν, εἰ μὴ ταχὺ μὲν ἐξ-  
ανοίγοιτο τὰ στόμια τῶν διωρύγων, ταχὺ δὲ κλείοιτο, 25  
καὶ αἱ διώρυγες αἰεὶ μετριάξιοιεν ὥστε μήτε πλεονάζειν  
ἐν αὐταῖς τὸ ὔδωρ μήτ' ἐλλείπειν.

C.741

11

Φησὶ δ' Ἀριστόβουλος τὸν Ἀλέξανδρον αὐτὸν  
ἀναπλέοντα καὶ κυβερνῶντα τὸ σκάφος ἐπισκοπεῖν  
καὶ ἀνακαθαίρειν τὰς διώρυγας μετὰ τοῦ πλήθους τῶν 30  
συνακολουθησάντων· ὥς δ' αὕτως καὶ τὰ στόμια ἐμ-  
φράττειν, τὰ δ' ἀνοίγειν· κατανοήσαντα δὲ μίαν τὴν



μάλιστα τείνουσαν ἐπὶ τὰ ἔλη καὶ τὰς λίμνας τὰς πρὸ  
 τῆς Ἀραβίας, δυσμεταχειρίστον ἔχουσαν τὸ στόμα καὶ  
 μὴ ῥαδίως ἐμφράττεσθαι δυναμένην διὰ τὸ εὐένδοτον  
 καὶ μαλακόγειον, ἄλλο ἀνοῖξαι καινὸν στόμα, ἀπὸ στα-  
 5 δίων τριάκοντα ὑπόπετρον λαβόντα χωρίον, καὶ κεῖ με-  
 ταγαγεῖν τὸ ῥεῖθρον· ταῦτα δὲ ποιεῖν προνοοῦντα  
 ἅμα καὶ τοῦ μὴ τὴν Ἀραβίαν δυσεἰσβολὸν τελέως ὑπὸ  
 τῶν λιμνῶν ἢ καὶ τῶν ἐλῶν ἀποτελεσθῆναι, νησίξου-  
 σαν ἤδη διὰ τὸ πληθὺς τοῦ ὕδατος· διανοεῖσθαι γὰρ  
 10 δὴ κατακτᾶσθαι τὴν χώραν ταύτην καὶ στόλους καὶ  
 ὁρμητήρια ἤδη κατεσκευάσθαι, τὰ πλοῖα τὰ μὲν ἐν  
 Φοινίκῃ τε καὶ Κύπρῳ ναυπηγησάμενον διάλυτά τε  
 καὶ γομφωτά, ἃ κομισθέντα εἰς Θάψακον σταθμοῖς  
 ἐπὶ τὰ εἶτα τῷ ποταμῷ κατακομισθῆναι μέχρι Βαβυλῶ-  
 15 νος, τὰ δ' ἐν τῇ Βαβυλωνίᾳ συμπηξάμενον τῶν ἐν τοῖς  
 ἄλσεσι καὶ τοῖς παραδείσοις κυπαρίττων· σπάνις γὰρ  
 ὕλης ἐνταῦθα, ἐν δὲ Κοσσαίοις καὶ ἄλλοις τισὶ μετρία  
 τίς ἐστὶν εὐπορία· σκήψασθαι μὲν οὖν αἰτίαν τοῦ πο-  
 λέμου φησὶν, ἐπειδὴ μόνοι τῶν ἀπάντων οὐ πρεσβεύ-  
 20 σαιτο οἱ Ἀραβες ὡς αὐτόν, τὸ δ' ἀληθὲς ὀρεγόμενον  
 πάντων εἶναι κύριον· καὶ ἐπεὶ δύο θεοὺς ἐπυνθάνετο  
 τιμᾶσθαι μόνους ὑπ' αὐτῶν, τὸν τε Δία καὶ τὸν Διό-  
 νυσον, τοὺς τὰ κυριώτατα πρὸς τὸ ζῆν παρέχοντας,  
 τρίτον ὑπολαβεῖν ἑαυτὸν τιμήσεσθαι, κρατήσαντα καὶ  
 25 ἐπιτρέψαντα τὴν πάτριον αὐτονομίαν ἔχειν ἣν εἶχον  
 πρότερον. ταῦτά τε δὴ πραγματεύεσθαι περὶ τὰς διώ-  
 ρυγας τὸν Ἀλέξανδρον, καὶ τοὺς τάφους σκευωρεῖσθαι  
 τοὺς τῶν βασιλέων καὶ δυναστῶν· τοὺς γὰρ πλείστους  
 ἐν ταῖς λίμναις εἶναι.  
 30 Ἐρατοσθένους δὲ τῶν λιμνῶν μνησθεὶς τῶν πρὸς 12  
 τῇ Ἀραβίᾳ, φησὶ τὸ ὕδωρ ἀπορούμενον διεξόδων  
 ἀνοῖξαι πόρους ὑπὸ γῆς καὶ δι' ἐκείνων ὑποφέρεσθαι

μέχρι Κοιλοσύρων· ἀναθλίβεσθαι δὲ εἰς τοὺς περὶ  
 Ῥινοκόρουρα καὶ τὸ Κάσιον ὄρος τόπους καὶ ποιεῖν τὰς  
 ἐκεῖ λίμνας καὶ τὰ βάραθρα· οὐκ οἶδα δ' εἰ πιθανῶς  
 εἴρηκεν. αἱ γὰρ τοῦ Εὐφράτου παρεκχύσεις αἱ ποιοῦ-  
 σαι τὰς πρὸς τῇ Ἀραβίᾳ λίμνας καὶ τὰ ἔλη πλησίον εἰσὶ 5  
 τῆς κατὰ Πέρσας θαλάττης, ὁ δὲ διείργων ἰσθμὸς οὔτε  
 πολὺς ἐστίν οὔτε πετρώδης, ὥστε ταύτῃ μᾶλλον εἰκὸς  
 C.742 ἦν βιάσασθαι τὸ ὕδωρ εἰς τὴν θάλατταν, εἴτ' ὑπὸ γῆς  
 εἴτ' ἐπιπολῆς, ἣ πλείους τῶν ἑξακισχιλίων σταδίων  
 διανύειν, ἄνυδρον καὶ ξηρὰν οὔτω, καὶ ταῦτα ὄρων ἐν 10  
 μέσῳ κειμένων, τοῦ τε Αἰβάνου καὶ τοῦ Ἀντιλιβάνου  
 καὶ τοῦ Κασίου· οἱ μὲν δὴ τοιαῦτα λέγουσι.

- 13 Πολύκλειτος δέ φησι μὴ πλημμυρεῖν τὸν Εὐφρά-  
 την· διὰ γὰρ πεδίων φέρεσθαι μεγάλων, τὰ δ' ὄρη τὰ  
 μὲν δισχιλίους ἀφεστάναι σταδίους τὰ δὲ Κοσσαῖα μό- 15  
 λισ χιλίους, οὐ πάνυ ὑψηλὰ οὐδὲ νιφόμενα σφοδρῶς  
 οὐδ' ἀθρόαν ἐπιφέροντα τῇ χιόνι τὴν τῆξιν· εἶναι γὰρ  
 καὶ τὰ ὕψη τῶν ὄρων ἐν τοῖς ὑπὲρ Ἑκβατάνων μέρεσι  
 τοῖς προσβορείοις· ἐν δὲ τοῖς πρὸς νότον σχιζόμενα καὶ  
 πλατυνόμενα πολὺ ταπεινοῦσθαι, ἅμα δὲ καὶ τὸ πολὺ 20  
 τοῦ ὕδατος ἐκδέχεσθαι τὸν Τίγριν καὶ οὕτως πλημμυ-  
 ρεῖν. τὸ μὲν οὖν ὕστατον ῥηθὲν φανερώς ἄτοπον· εἰς  
 γὰρ τὰ αὐτὰ κατέρχεται πεδία· τὰ δὲ λεχθέντα ὕψη  
 τῶν ὄρων ἀνωμαλίαν ἔχει, πῇ μὲν ἐξηραμένα μᾶλλον τὰ  
 βόρεια, πῇ δὲ πλατυνόμενα τὰ μεσημβρινά· ἡ δὲ χιών 25  
 οὐ τοῖς ὕψεσι κρίνεται μόνον ἀλλὰ καὶ τοῖς κλίμασι·  
 τό τε αὐτὸ ὄρος τὰ βόρεια μέρη νίφεται μᾶλλον ἢ τὰ  
 νότια, καὶ τὴν χιόνα συμμένουσαν ἔχει μᾶλλον ἐκεῖνα  
 ἢ ταῦτα. ὁ μὲν οὖν Τίγρις ἐκ τῶν νοτιωτάτων μερῶν  
 τῆς Ἀρμενίας, ἃ πλησίον ἐστὶ τῆς Βαβυλωνίας, δεχό- 30  
 μενος τὸ ἐκ τῶν χιόνων ὕδωρ οὐ πολὺ ὄν, ἅτε ἐκ τῆς  
 νοτίου πλευρᾶς, ἦττον ἂν πλημμύροι· ὁ δὲ Εὐφράτης



τὸ ἐξ ἀμφοτέρων δέχεται τῶν μερῶν, καὶ οὐκ ἐξ ἑνὸς  
 ὅρους ἀλλὰ πολλῶν, ὥς ἐδηλοῦμεν ἐν τῇ περιηγήσει  
 τῆς Ἀρμενίας, προστιθεὶς τὸ μῆκος τοῦ ποταμοῦ, ὅσον  
 μὲν τὸ ἐν τῇ μεγάλῃ Ἀρμενίᾳ διέξεισι καὶ τῇ μικρᾷ,  
 5 ὅσον δὲ τὸ ἐκ τῆς μικρᾷς Ἀρμενίας καὶ τῆς Καππαδο-  
 κίας διὰ τοῦ Ταύρου διεκβαλὼν ἕως Θαπάκου φέρεται,  
 τὴν κάτω Συρίαν καὶ τὴν Μεσοποταμίαν ἀφορίζων,  
 ὅσον δὲ τὸ λοιπὸν μέχρι Βαβυλῶνος καὶ τῆς ἐκβολῆς  
 ὁμοῦ τρισμυρίων καὶ ἑξακισχιλίων σταδίων. τὰ μὲν  
 10 οὖν περὶ τὰς διώρυγας τοιαῦτα.

Ἡ δὲ χώρα φέρει κριθὰς μὲν ὅσας οὐκ ἄλλη (καὶ 14  
 γὰρ τριακοσιοντάχουν λέγουσι), τὰ δὲ ἄλλα ἐκ τοῦ φοί-  
 νικος παρέχεται· καὶ γὰρ ἄρτον καὶ οἶνον καὶ ὄξος  
 καὶ μέλι καὶ ἄλφιστα· τὰ τε πλεοντά παντοῖα ἐκ τούτου·  
 15 τοῖς δὲ πυρῆσιν αὐτ' ἀνθρώπων οἱ χαλκεῖς χρῶνται,  
 βρεχόμενοι δὲ τοῖς σιτιζομένοις εἰσὶ τροφή βουσι καὶ  
 προβάτοις. φασὶ δ' εἶναι καὶ Περσικὴν ῥοδὴν, ἐν ᾗ τὰς  
 ὠφελείας τριακοσίας καὶ ἐξήκοντα διαριθμοῦνται·  
 ἐλαίῳ δὲ χρῶνται τῷ σησαμίνῳ τὸ πλέον· οἱ δ' ἄλλοι C.743  
 20 τόποι σπανίζονται τούτου τοῦ φυτοῦ.

Γίνεται δ' ἐν τῇ Βαβυλωνίᾳ καὶ ἄσφαλτος πολλή, 15  
 περὶ ἧς Ἐρατοσθένης μὲν οὕτως εἰρηκεν ὅτι „ἡ μὲν  
 „ὑγρὰ ἦν καλοῦσι νάφθαν, γίνεται ἐν τῇ Σουσίδι, ἡ δὲ  
 „ξηρὰ δυναμένη πῆττεσθαι ἐν τῇ Βαβυλωνίᾳ· ταύτης  
 25 „δ' ἐστὶν ἡ πηγὴ τοῦ Εὐφράτου πλησίον· πλημμύρον-  
 „τος δὲ τούτου κατὰ τὰς τῶν χιόνων τήξεις καὶ αὐτὴ  
 „πληροῦται καὶ ὑπέρχουσιν εἰς τὸν ποταμὸν λαμβάνει·  
 „ἐνταῦθα δὲ συνίστανται βῶλοι μεγάλοι πρὸς τὰς  
 „οἰκοδομὰς ἐπιτήδειαι τὰς διὰ τῆς ὀπτῆς πλίνθου.“  
 30 ἄλλοι δὲ καὶ τὴν ὑγρὰν ἐν τῇ Βαβυλωνίᾳ γίνεσθαι  
 φασι. περὶ μὲν οὖν τῆς ξηρᾷς εἰρηται πόσον τὸ χρήσι-  
 μον τὸ ἐκ τῶν οἰκοδομιῶν μάλιστα· φασὶ δὲ καὶ πλοῖα

πλένεσθαι, ἐμπλασθέντα δ' ἀσφάλτῳ πυκνοῦσθαι. τὴν δὲ ὑγρὰν ἣν νάφθα καλοῦσι, παράδοξον ἔχειν συμβαίνει τὴν φύσιν· προσαχθεὶς γὰρ ὁ νάφθας πυρὶ πλησίον ἀναρπάζει τὸ πῦρ, καὶ ἐπιχρίσας αὐτῷ σῶμα προσαγάγῃς, φλέγεται· σβέσαι δ' ὕδατι οὐχ οἷόν τε 5 (ἐκκαίεται γὰρ μᾶλλον) πλὴν εἰ πάνυ πολλῷ, ἀλλὰ πηλῷ καὶ ὄξει καὶ στυπτηρίᾳ καὶ ἰξῷ πνιγεὶς σβέννυται. πείρας δὲ χάριν φασὶν Ἀλέξανδρον ἐν λουτρῷ προσχέαι παιδὶ τοῦ νάφθα καὶ προσαγαγεῖν λύχνον· φλεγόμενον δὲ τὸν παῖδα ἐγγὺς ἔλθειν τοῦ ἀπολέσθαι, 10 πλὴν πολλῷ σφόδρα καταντλοῦντες τῷ ὕδατι ἐξίσχυσαν καὶ διέσωσαν οἱ περιεστῶτες. Ποσειδῶνιος δὲ φησι τοῦ ἐν τῇ Βαβυλωνίᾳ νάφθα τὰς πηγὰς τὰς μὲν εἶναι λευκοῦ τὰς δὲ μέλανος· τούτων δὲ τὰς μὲν εἶναι θείου ὑγροῦ (λέγω δὲ τὰς τοῦ λευκοῦ· ταύτας δ' εἶναι τὰς 15 ἐπισπώσας τὰς φλόγας), τὰς δὲ τοῦ μέλανος ἀσφάλτου ὑγρᾶς, ᾧ αὐτ' ἐλαίου τοὺς λύχνους κάουσι.

- 16 Πάλαι μὲν οὖν ἡ Βαβυλὼν ἦν μητρόπολις τῆς Ἀσσυρίας, νῦν δὲ Σελεύκεια ἡ ἐπὶ τῷ Τίγρει λεγομένη. πλησίον δ' ἐστὶ κώμη Κτησιφῶν λεγομένη, μεγάλη· 20 ταύτην δ' ἐποιοῦντο χειμᾶδιον οἱ τῶν Παρθυαίων βασιλεῖς φειδόμενοι τῶν Σελευκέων, ἵνα μὴ κατασταθμεύοιντο ὑπὸ τοῦ Σκυθικοῦ φύλου καὶ στρατιωτικοῦ· δυνάμει οὖν Παρθικῇ πόλις ἀντὶ κώμης ἐστὶ \* καὶ τὸ μέγεθος, τοσοῦτόν γε πλῆθος δεχομένη καὶ τὴν κατα- 25 σκευὴν ὑπ' ἐκείνων αὐτῶν κατεσκευασμένη καὶ τὰ ὄνια καὶ τὰς τέχνας προσφόρους ἐκείνοις πεπορισμένη. εἰώθασι γὰρ ἐνταῦθα τοῦ χειμῶνος διάγειν οἱ βασιλεῖς διὰ τὸ εὐάερον· θέρους δὲ ἐν Ἐκβατάνοις καὶ τῇ Ἰρ- 30 κανίᾳ διὰ τὴν ἐπικράτειαν τῆς παλαιᾶς δόξης. ὥσπερ δὲ Βαβυλωνίαν τὴν χώραν καλοῦμεν, οὕτω καὶ τοὺς ἀνδρας τοὺς ἐκεῖθεν Βαβυλωνίους καλοῦμεν, οὐκ ἀπὸ



τῆς πολεως, ἀλλ' ἀπὸ τῆς χώρας· ἀπὸ δὲ τῆς Σελευ-0.744  
κείας ἦττον, καὶ ἐκεῖθεν ὥσι, καθάπερ Διογένη τὸν  
στωικὸν φιλόσοφον.

Ἔστι δὲ καὶ Ἀρτεμίτα πόλις ἀξιόλογος, διέχουσα 17  
5 πεντακοσίους τῆς Σελευκείας σταδίου, πρὸς ἕω τὸ  
πλέον, καθάπερ καὶ ἡ Σιτακηνή· καὶ γὰρ αὕτη πολλή  
τε καὶ ἀγαθὴ μέση Βαβυλῶνος τέτακται καὶ τῆς Σου-  
σίδος, ὥστε τοῖς ἐκ Βαβυλῶνος εἰς Σοῦσα βαδίζουσι  
διὰ τῆς Σιτακηνῆς ἡ ὁδὸς ἅπασα πρὸς ἕω· πρὸς ἕω δ'  
10 ἔστι καὶ τοῖς ἐκ Σούσων εἰς τὴν μεσόγαιαν τῆς Περσί-  
δος διὰ τῆς Οὐξίας καὶ τοῖς ἐκ τῆς Περσίδος εἰς τὰ μέσα  
τῆς Καρμανίας. τὴν μὲν οὖν Καρμανίαν ἐγκυκλοῦται  
πρὸς [ἐσπέραν καὶ] ἄρκτον ἡ Περσίς πολλή οὔσα· ταύτῃ  
δὲ συνάπτει ἡ Παραιτακηνή καὶ ἡ Κοσσαία μέχρι  
15 Κασπίων πυλῶν, ὄρεινὰ καὶ ληστρικά ἔθνη· τῇ δὲ  
Σουσίδι ἡ Ἐλυμαῖς καὶ αὐτὴ τραχεῖα ἡ πολλὴ καὶ λη-  
στρική· τῇ δὲ Ἐλυμαῖδι τὰ περὶ τὸν Ζάγρον καὶ ἡ  
Μηδία.

Κοσσαῖοι μὲν οὖν εἰσι τοξόται τὸ πλέον, καθάπερ 18  
20 καὶ οἱ συνεχεῖς ὄρεινοί, προνομεύοντες αἰεὶ· χώραν  
γὰρ ἔχουσιν ὀλίγην τε καὶ λυπρὰν ὥστ' ἐκ τῶν ἄλλο-  
τρίων ἀνάγκη ξῆν· ἀνάγκη δὲ καὶ ἰσχύειν· ἅπαντες  
γὰρ εἰσι μάχιμοι· τοῖς γοῦν Ἐλυμαίοις συνεμάχουν  
μύριοι καὶ τρισχίλιοι πολεμοῦσι πρὸς τε Βαβυλωνίους  
25 καὶ Σουσίους. οἱ δὲ Παραιτακηνοὶ μᾶλλον μὲν τῶν  
Κοσσαίων ἐπιμελοῦνται γῆς· ὅμως δὲ καὶ αὐτοὶ ληστη-  
ρίων οὐκ ἀπέχονται. Ἐλυμαῖοι δὲ καὶ μείζω τούτων  
κέρτηνται χώραν καὶ ποικιλωτέραν. ὅση μὲν οὖν ἀγαθὴ  
γεωργοὺς ἔχει τοὺς ἐνοικοῦντας, ἡ δ' ὄρεινὴ στρατιώ-  
30 τας τρέφει τοξότας τοὺς πλείστους· πολλὴ δὲ οὔσα  
πολὺ καὶ τὸ στρατιωτικὸν παρέχεται, ὥστε καὶ ὁ βασι-  
λεὺς αὐτῶν δύναιμι κερκτικὸς μεγάλῃ οὐκ ἀξιοῖ

τῷ τῶν Παρθυαίων βασιλεῖ παραπλησίως τοῖς ἄλλοις  
 ὑπήκοος εἶναι· ὁμοίως δὲ καὶ πρὸς τοὺς Μακεδόνας  
 πρότερον τοὺς τῆς Συρίας ἄρχοντας διέκειτο. Ἀντίοχον  
 μὲν οὖν τὸν μέγαν τὸ τοῦ Βήλου συλᾶν ἱερὸν ἐπιχει-  
 ρήσαντα ἀνείλυν ἐπιθέμενοι καθ' αὐτοὺς οἱ πλησίον 5  
 βάρβαροι. ἐκ δὲ τῶν ἐκείνῳ συμβάντων παιδευθεὶς  
 ὁ Παρθυαῖος χρόνοις ὕστερον ἀκούων τὰ ἱερὰ πλούσια  
 παρ' αὐτοῖς, ὁρῶν δ' ἀπειθοῦντας, ἐμβάλλει μετὰ δυ-  
 νάμεως μεγάλης, καὶ τό τε τῆς Ἀθηνᾶς ἱερὸν εἴλε  
 καὶ τὸ τῆς Ἀρτέμιδος, τὰ Ἄζαρα, καὶ ἦρε ταλάντων 10  
 μυρίων γάξαν· ἠρέθη δὲ καὶ πρὸς τῷ Ἡδυφῶντι πο-  
 ταμῷ Σελεύκεια, μεγάλη πόλις· Σολόκη δ' ἐκαλεῖτο  
 πρότερον. τρεῖς δ' εἰσὶν εἰς τὴν χώραν εὐφυνεῖς εἰσβολαί·  
 ἐκ μὲν τῆς Μηδίας καὶ τῶν περὶ τὸν Ζάγγρον τόπων διὰ  
 τῆς Μασσαβατικῆς, ἐκ δὲ τῆς Σουσίδος διὰ τῆς Γαβια- 15  
 C.745 νῆς (ἐπαρχίαι δ' εἰσὶν αὗται τῆς Ἑλυμαίας ἢ τε Γαβιανῆ  
 καὶ ἡ Μασσαβατική), τρίτη δ' ἐστὶν ἡ ἐκ τῆς Περσίδος.  
 ἔστι δὲ καὶ Κορβιανῆ ἐπαρχία τῆς Ἑλυμαΐδος. ὁμοροί  
 δ' εἰσὶ τούτοις Σαραπηνοὶ τε καὶ Σιλακηνοὶ, δυναστεῖαι  
 μικραί. τοσαῦτα μὲν καὶ τοιαῦτα ἔθνη πρὸς ἑω τὰ 20  
 ὑπερκαίμενα τῆς Βαβυλωνίας. πρὸς ἄρκτον δὲ τὴν  
 Μηδίαν ἔφαμεν καὶ τὴν Ἀρμενίαν· ἀπὸ δὲ δύσεώς  
 ἐστὶν ἡ Ἀδιαβηνῆ καὶ ἡ Μεσοποταμία.

19 Τῆς μὲν οὖν Ἀδιαβηνῆς ἡ πλείστη πεδιάς ἐστι, καὶ  
 αὐτὴ τῆς Βαβυλωνίας μέρος οὐσα ἔχουσα δ' ὅμως ἄρ- 25  
 χοντα ἴδιον, ἐστὶν ὅπη καὶ τῇ Ἀρμενίᾳ προσχωροῦσα.  
 οἱ γὰρ Μηδοὶ καὶ οἱ Ἀρμένιοι τρίτοι δὲ Βαβυλώνιοι  
 τὰ μέγιστα τῶν ἔθνων τῶν ταύτῃ διετέλουν οὕτως ἐξ  
 ἀρχῆς συνεστῶτες ὥστ' ἀλλήλοις ἐπιτίθεσθαι κατὰ  
 καιροὺς τοὺς οἰκείους ἕκαστοι καὶ πάλιν διαλύεσθαι· 30  
 καὶ τοῦτο καὶ μέχρι τῆς τῶν Παρθυαίων ἐπικρατείας  
 διέμεινε. τῶν μὲν οὖν Μήδων καὶ τῶν Βαβυλωνίων



ἐπάρχουσι Παρθυαῖοι, τῶν δ' Ἀρμενίων οὐδ' ἅπαξ·  
 ἀλλ' ἔφοδοι μὲν γεγόνασι πολλάκις, ἀνὰ κράτος δ' οὐχ  
 ἐάλωσαν, ἀλλ' ὅ γε Τιγράνης καὶ ἐρωμένως ἀντεπε-  
 κράτησεν, ὡς ἐν τοῖς Ἀρμενιοκοῖς εἴρηται. ἡ μὲν οὖν  
 5 Ἀδιαβηνὴ τοιαύτη· περὶ δὲ τῆς Μεσοποταμίας ἐροῦ-  
 μεν ἐφεξῆς καὶ τῶν πρὸς μεσημβρίαν ἔθνων, ἐπιόντες  
 ἐπὶ μικρὸν πρότερον τὰ λεγόμενα περὶ τῶν ἔθνων τῶν  
 παρὰ τοῖς Ἀσσυρίοις.

Τάλλα μὲν οὖν ἔοικε τοῖς Περσικοῖς, ἴδιον δὲ τὸ 20  
 10 καθεστάναι τρεῖς ἄνδρας σώφρονας ἐκάστης ἄρχοντας  
 φυλῆς, οἱ τὰς ἐπιγάμους κόρας προσάγοντες εἰς τὸ  
 πλῆθος ἀποκηρύττουσι τοῖς νυμφίοις αἰεὶ τὰς ἐντιμο-  
 τέρας πρώτας. οὕτω μὲν αἱ συζυγίαι τελοῦνται· ὁσάνκις  
 δ' ἂν μιχθῶσιν ἀλλήλοις, ἐπιθυμιάσοντες ἐξανίστανται  
 15 ἐκάτερος χωρὶς· ὄρθρου δὲ λούονται πρὶν ἀγγεῖον τι-  
 νὸς ἄψασθαι· παραπλησίως γὰρ ὥσπερ ἀπὸ νεκροῦ τὸ  
 λουτρὸν ἐν ἔθει ἐστίν, οὕτω καὶ ἀπὸ συνουσίας. πά-  
 σαις δὲ ταῖς Βαβυλωνίαις ἔθος κατὰ τι λόγιον ξένῳ  
 μίγνυσθαι πρὸς τι ἀφροδίσιον ἀφικομέναις μετὰ πολ-  
 20 λῆς θεραπείας καὶ ὄχλου· θάμιγγι δ' ἔστεπται ἐκάστη·  
 ὁ δὲ προσιὼν καταθεῖς ἐπὶ τὰ γόνατα ὅσον καλῶς ἔχει  
 ἀργύριον, συγγίνεται ἅπαθεν τοῦ τεμένους ἀπαγα-  
 γών· τὸ δ' ἀργύριον ἱερὸν τῆς Ἀφροδίτης νομίζεται.  
 ἀρχεῖα δ' ἐστὶ τρία, τὸ τῶν ἀφειμένων ἤδη τῆς στρα-  
 25 τείας καὶ τὸ τῶν ἐνδοξοτάτων καὶ τὸ τῶν γερόντων,  
 χωρὶς τοῦ ὑπὸ τοῦ βασιλέως καθισταμένου. τούτου δ' C.746  
 ἐστὶ τὸ τὰς παρθένους ἐκδιδόναι καὶ τὸ τὰς περὶ τῆς  
 μοιχείας δικάζειν δίκας, ἄλλου δὲ τὸ τὰς τῆς κλοπῆς,  
 τρίτου τὸ περὶ τῶν βιαίων. τοὺς δ' ἀρρώστους εἰς τὰς  
 30 τριόδους ἐκτιθέντες πυνθάνονται τῶν παριόντων εἰ

5. post τοιαύτη· καλοῦνται δ' οἱ Ἀδιαβηνῶν καὶ Σακκόποδες·  
 STRABO III.

τίς τι ἔχοι λέγειν τοῦ πάθους ἄκος· οὐδείς τέ ἐστὶν οὕτω κακὸς τῶν παριόντων, ὃς οὐκ ἐντυχὼν εἴ τι φοροῦναι σωτήριον ὑποτίθεται. ἐσθῆς δ' αὐτοῖς ἐστὶ χιτῶν λινοῦς ποδήρης καὶ ἐπενδύτης ἑρεοῦς, ἱμάτιον λευκόν, κόμη μακρά, ὑπόδημα ἐμβάδι ὁμοιον. φοροῦσι δὲ καὶ 5 σφραγίδα καὶ σκῆπτρον οὐ λιτὸν ἀλλ' ἐπίσημον, ἔχον ἐπάνω μῆλον ἢ ῥόδον ἢ κρίνον ἢ τι τοιοῦτον· ἀλείφονται δ' ἐκ τοῦ σησάμου· θρηνοῦσι δὲ τοὺς ἀποθανόντας, ὥς Αἰγύπτιοι καὶ πολλοὶ τῶν ἄλλων· θάπτουσι δ' ἐν μέλιτι κηρῷ περιπλάσαντες. τρεῖς δ' εἰς φρατρίαί 10 τῶν ἀπόρων σίτου· ἔλειοι δ' εἰσὶν οὗτοι καὶ ἰχθυοφάγοι, διαιτώμενοι παραπλησίως τοῖς κατὰ τὴν Γεδρωσίαν.

- 21 Μεσοποταμία δ' ἀπὸ τοῦ συμβεβηκότος ὠνόμασται· εἴρηται δ' ὅτι κεῖται τοῦ Εὐφράτου μεταξὺ καὶ 15 τοῦ Τίγριος καὶ διότι ὁ μὲν Τίγρις τὸ ἐσθινὸν αὐτῆς μόνον κλύζει πλευρόν, τὸ δ' ἐσπέριον καὶ νότιον ὁ Εὐφράτης· πρὸς ἄρκτον δὲ ὁ Ταῦρος ὁ τοὺς Ἀρμενίους διορίζων ἀπὸ τῆς Μεσοποταμίας. τὸ μὲν οὖν μέγιστον ὃ ἀφίστανται διάστημα ἀπ' ἀλλήλων τὸ πρὸς 20 τοῖς ὄρεσιν ἐστὶ· τοῦτο δ' ἂν εἴη τὸ αὐτὸ ὅπερ εἴρηκεν Ἑρατοσθένης, τὸ ἀπὸ Θαψάκου, καθ' ὃ ἦν τὸ ζευγμα τοῦ Εὐφράτου τὸ παλαιόν, ἐπὶ τὴν τοῦ Τίγριος διάβασιν, καθ' ἣν διέβη Ἀλέξανδρος αὐτόν, δισχιλίων τετρακοσίων· τὸ δ' ἐλάχιστον μικρῷ πλέον τῶν διακο- 25 σίων κατὰ Σελεύκειάν πον καὶ Βαβυλῶνα. διαρρεῖ δ' ὁ Τίγρις τὴν Ὠπιτίν καλουμένην λίμνην κατὰ πλάτος μέσην· περαιωθεὶς δ' ἐπὶ θάτερον χεῖλος κατὰ γῆς δύεται μετὰ πολλοῦ ψόφου καὶ ἀναφυσημάτων, ἐπὶ πολὺ δ' ἐνεχθεὶς ἀφανὴς ἀνίσχει πάλιν οὐ πολὺ ἅπω- 30 θεν τῆς Γορδυαίας· οὕτω δὲ σφοδρῶς διεκβάλλει τὴν λίμνην, ὥς φησὶν Ἑρατοσθένης, ὥστε ἀλμυρὰν αὐτὴν



οὔσαν καὶ ἀνιχθὺν γλυκεῖαν κατὰ τοῦτ' εἶναι τὸ μέρος  
καὶ ῥοώδη καὶ ἰχθύων πλήρη.

Ἐπὶ μῆκος δὲ συχνὸν προπέπτωκεν ἡ συναγωγὴ 22  
τῆς Μεσοποταμίας καὶ πλοῖα πῶς ἔοικε· ποιεῖ δὲ τὸ  
5 πλεῖστον τῆς περιφερείας ὁ Εὐφράτης· καὶ ἔστι τὸ μὲν  
ἀπὸ τῆς Θαψάκου μέχρι Βαβυλῶνος, ὥς εἶρηκεν Ἐρα-  
τοσθένης, τετρακισχίλιοι καὶ ὀκτακόσιοι στάδιοι· τὸ δ'  
ἀπὸ τοῦ κατὰ Κομμαγηνὴν ζεύγματος, ἥπερ ἐστὶν  
ἀρχὴ τῆς Μεσοποταμίας, οὐκ ἔλαττον τῶν δισχιλίων C.747  
10 σταδίων ἕως ἐπὶ Θάψακον.

Ἔστι δ' ἡ μὲν παρόρειος εὐδαίμων ἱκανῶς· ἔχουσι 23  
δ' αὐτῆς τὰ μὲν πρὸς τῷ Εὐφράτῃ καὶ τῷ ζεύγματι,  
τῷ τε νῦν τῷ κατὰ τὴν Κομμαγηνὴν καὶ τῷ πάλαι τῷ  
κατὰ τὴν Θάψακον, οἱ Μυγδόνες κατονομασθέντες  
15 ὑπὸ τῶν Μακεδόνων· ἐν οἷς ἐστὶν ἡ Νίσιβις, ἣν καὶ  
αὐτὴν Ἀντιόχειαν τὴν ἐν τῇ Μυγδονίᾳ προσηγόρευ-  
σαν, ὑπὸ τῷ Μασίῳ ὄρει κειμένην, καὶ Τιγρανόκερτα  
καὶ τὰ περὶ Κάρρας καὶ Νικηφόριον χωρία καὶ Χορ-  
δίραξα καὶ Σίννακα, ἐν ᾗ Κράσσος διεφθάρη, δόλω  
20 ληφθεὶς ὑπὸ Σουρήνα τοῦ τῶν Παρθυαίων στρα-  
τηγοῦ.

Πρὸς δὲ τῷ Τίγρει τὰ τῶν Γορδυαίων χωρία οὗς 24  
οἱ πάλαι Καρδούχους ἔλεγον, καὶ αἱ πόλεις [αὐτῶν]  
Σάρεϊσά τε καὶ Σάταλκα καὶ Πίνακα, κράτιστον ἔρυμα,  
25 τρεῖς ἄκρας ἔχουσα, ἐκάστην ἰδίῳ τείχει τετειχισμένην,  
ὥστε οἶον τρίπολιν εἶναι. ἀλλ' ὅμως καὶ ὁ Ἀρμένιος  
εἶχεν ὑπήκοον καὶ οἱ Ῥωμαῖοι βίᾳ παρέλαβον, καίπερ  
ἔδοξαν οἱ Γορδυαῖοι διαφερόντως ἀρχιτεκτονικοὶ τινες  
εἶναι καὶ πολιορκητικῶν ὀργάνων ἔμπειροι· διόπερ  
30 αὐτοῖς εἰς ταῦτα ὁ Τιγράνης ἐχορῆτο. ἐγένετο δὲ καὶ ἡ  
λοιπὴ Μεσοποταμία ὑπὸ Ῥωμαίοις, Πομπήιος δ' αὐ-  
τῆς τὰ πολλὰ τῷ Τιγράνῃ προσένειμεν ὅσα ἦν ἀξιο-

λογα· ἔστι γὰρ εὐβοτος ἢ χώρα καὶ εὐερνῆς ὥστε καὶ τὰ ἀειθαλῇ τρέφειν καὶ ἄρωμα τὸ ἄμωμον· καὶ λεοντοβότος ἐστί· φέρει δὲ καὶ τὸν νάφθαν καὶ τὴν γαγγήτιν λίθον, ἣν φεύγει τὰ ἔρπετά.

- 25 Λέγεται δὲ Γόρδυς ὁ Τριπτολέμου τὴν Γορδυνηνὴν οἰκῆσαι, ὕστερον δὲ καὶ Ἑρετριεῖς οἱ ἀναρπασθέντες ὑπὸ Περσῶν. περὶ μὲν οὖν Τριπτολέμου δηλώσομεν  
26 ἐν τοῖς Συριακοῖς αὐτίκα. τὰ δὲ πρὸς μεσημβρίαν κεκλιμένα τῆς Μεσοποταμίας καὶ ἀπωτέρω τῶν ὁρῶν ἄνυδρα καὶ λυπρὰ ὄντα ἔχουσιν οἱ σκηνῖται Ἀραβες, 10 ληστρικοὶ τινες καὶ ποιμενικοί, μεθιστάμενοι ξαδίως εἰς ἄλλους τόπους, ὅταν ἐπιλείπωσιν αἱ νομαὶ καὶ αἱ λεηλασίαι. τοῖς οὖν παρορείοις ὑπὸ τε τούτων κακοῦσθαι συμβαίνει καὶ ὑπὸ τῶν Ἀρμενίων· ὑπέρκεινται δὲ καὶ καταδυναστεύουσι διὰ τὴν ἰσχύν· τέλος δ' ὑπ' 15 ἐκείνοις εἰσὶ τὸ πλεόν ἢ τοῖς Παρθυαίοις· ἐν πλευραῖς γὰρ εἰσι καὶ ἐκεῖνοι τὴν τε Μηδίαν ἔχοντες καὶ τὴν Βαβυλωνίαν.

- 27 Μεταξὺ δὲ τοῦ Εὐφράτου καὶ τοῦ Τίγριος ῥεῖ καὶ ἄλλος ποταμὸς Βασίλειος καλούμενος, καὶ περὶ τὴν 20 C.748 Ἀνθεμουσίαν ἄλλος Ἀβόρρας· διὰ δὲ τῶν Σκηνιτῶν, \* ὑπὸ τῶν Μαλίων νυνὶ λεγομένων, καὶ τῆς ἐκείνων ἐρημίας ἢ ὁδὸς τοῖς ἐκ τῆς Συρίας εἰς Σελεύκειαν καὶ Βαβυλῶνα ἐμπορευομένοις ἐστίν. ἢ μὲν οὖν διάβασις τοῦ Εὐφράτου κατὰ τὴν Ἀνθεμουσίαν ἐστὶν αὐτοῖς, 25 τόπον τῆς Μεσοποταμίας· ὑπέρκειται δὲ τοῦ ποταμοῦ σχοίνους τέτταρας διέχουσα ἡ Βαμβύκη, ἣν καὶ Ἑδεσαν καὶ Ἱερὰν πόλιν καλοῦσιν, ἐν ᾗ τιμῶσι τὴν Συρίαν θεὸν τὴν Ἀταργάτιν. διαβάντων δὲ ἢ ὁδὸς ἐστὶ διὰ τῆς ἐρήμου ἐπὶ τοὺς τῆς Βαβυλωνίας ὄρους μέχρι Σκη- 30 νῶν, ἀξιολόγου πόλεως ἐπὶ τινος διώρυγος ἰδρυμένης. ἐστὶ δ' ἀπὸ τῆς διαβάσεως μέχρι Σκηνῶν ἡμερῶν πέντε



καὶ εἴκοσιν ὁδός. καμηλῖται δ' εἰσὶ, καταγωγὰς ἔχοντες  
 τοτὲ μὲν ὑδρείων εὐπόρους τῶν λακκαίων τὸ πλεόν,  
 τοτὲ δ' ἐπακτοῖς χρώμενοι τοῖς ὕδασι. παρέχουσι δ'  
 αὐτοῖς οἱ Σκηνῖται τὴν τε εἰρήνην καὶ τὴν μετριότητα  
 5 τῆς τῶν τελῶν πράξεως, ἧς χάριν φεύγοντες τὴν πα-  
 ραποταμίαν διὰ τῆς ἐρήμου παραβάλλονται, καταλι-  
 πόντες ἐν δεξιᾷ τὸν ποταμὸν ἡμερῶν σχεδόν τι τριῶν  
 ὁδόν. οἱ γὰρ παροικοῦντες ἐκατέρωθεν τὸν ποταμὸν  
 φύλαρχοι, χώραν οὐκ εὐπορον ἔχοντες, ἦττον δὲ ἄπο-  
 10 ρον νεμόμενοι, δυναστείαν ἕκαστος ἰδίᾳ περιβεβλημέ-  
 νος ἰδιον καὶ τελώνιον ἔχει, καὶ τοῦτ' οὐ μέτριον.  
 χαλεπὸν γὰρ ἐν τοῖς τοσούτοις καὶ τούτοις αὐθάδεσι  
 κοινὸν ἀφορισθῆναι μέτρον τὸ τῷ ἐμπόρῳ λυσιτελές.  
 διέχουσι δὲ τῆς Σελευκείας αἱ Σκηναὶ σχοίνους ὀκτω-  
 15 καίδεκα.

“Ὅριον δ' ἐστὶ τῆς Παρθυαίων ἀρχῆς ὁ Εὐφράτης 28  
 καὶ ἡ περαία· τὰ δ' ἐντὸς ἔχουσι Ῥωμαῖοι καὶ τῶν Ἀρά-  
 βων οἱ φύλαρχοι μέχρι Βαβυλωνίας, οἱ μὲν μᾶλλον  
 ἐκείνοις οἱ δὲ τοῖς Ῥωμαίοις προσέχοντες, οἷσπερ καὶ  
 20 πλησιόχωροί εἰσιν, ἦττον μὲν Σκηνῖται οἱ νομάδες οἱ  
 τῷ ποταμῷ πλησίον, μᾶλλον δ' οἱ ἄπωθεν καὶ πρὸς τῇ  
 εὐδαίμονι Ἀραβίᾳ. οἱ δὲ Παρθυαῖοι καὶ πρότερον μὲν  
 ἐφρόντιζον τῆς πρὸς Ῥωμαίους φιλίας, τὸν δὲ ἄρξαντα  
 πολέμου Κράσσον ἡμύναντο· καὶ αὐτοὶ ἄρξαντες τῆς  
 25 μάχης τῶν Ἰσων ἔτυχον, ἥνικα ἔπεμψαν ἐπὶ τὴν Ἀσίαν  
 Πάκορον . . . . Ἀντώνιος δὲ συμβούλῳ τῷ Ἀρμενίῳ  
 χρώμενος προὔδόθη καὶ κακῶς ἐπολέμησεν· ὁ δ' ἐκεῖ-  
 νον διαδεξάμενος Φραάτης τοσοῦτον ἐσπούδασε περὶ  
 τὴν φιλίαν τὴν πρὸς Καίσαρα τὸν Σεβαστὸν ὥστε καὶ  
 30 τὰ τρόπαια ἔπεμψεν ἅ κατὰ Ῥωμαίων ἀνέστησαν Παρ-  
 θυαῖοι, καὶ καλέσας εἰς σύλλογον Τίτιον τὸν ἐπιστα-  
 τοῦντα τότε τῆς Συρίας, τέτταρας παῖδας γνησίους

ἐνεχείρισεν ὄμηρα αὐτῷ, Σερασπαδάνην καὶ Ῥωδά-  
σπην καὶ Φραάτην καὶ Βουώνην, καὶ γυναῖκας τούτων  
δύο καὶ υἱεῖς τέτταρας, δεδιῶς τὰς στάσεις καὶ τοὺς  
ἐπιτιθεμένους αὐτῷ· ἥδει γὰρ μηδένα ἰσχύσοντα καθ'  
C.749 ἑαυτόν, ἂν μὴ τινὰ ἐπιλάβῃ τοῦ Ἀρσακίου γένους διὰ 5  
τὸ εἶναι σφόδρα φιλαρσάκας τοὺς Παρθυαίους· ἐκπο-  
δῶν οὖν ἐποίησε τοὺς παῖδας, ἀφελέσθαι ζητῶν τὴν  
ἐλπίδα ταύτην τοὺς κακουργοῦντας. τῶν μὲν οὖν παί-  
δων ὅσοι περίεισιν ἐν Ῥώμῃ δημοσίᾳ βασιλικῶς τημε-  
λοῦνται· καὶ οἱ λοιποὶ δὲ βασιλεῖς πρεσβευόμενοι καὶ 10  
εἰς συλλόγους ἀφικνούμενοι διατετελέκασιν.

2 Ἡ δὲ Συρία πρὸς ἄρκτον μὲν ἀφώρισται τῇ Κιλι-  
κίᾳ καὶ τῷ Ἀμανῷ· ἀπὸ θαλάττης δ' ἐπὶ τὸ ζεύγμα τοῦ  
Εὐφράτου στάδιοι εἰσιν οἱ τὸ λεχθὲν πλευρὸν ἀφορί-  
ζοντες οὐκ ἐλάττους τῶν [χιλίων καὶ] τετρακοσίων· 15  
πρὸς ἑὼ δὲ τῷ Εὐφράτῃ καὶ τοῖς ἐντὸς τοῦ Εὐφράτου  
σκηνίταις Ἀραψι· πρὸς δὲ νότον τῇ εὐδαίμονι Ἀραβίᾳ  
καὶ τῇ Αἰγύπτῳ· πρὸς δύσιν δὲ τῷ Αἰγυπτίῳ τε καὶ  
Συριακῷ πελάγει μέχρι Ἰσσοῦ.

2 Μέρη δ' αὐτῆς τίθεμεν ἀπὸ τῆς Κιλικίας ἀρξάμε- 20  
νοι καὶ τοῦ Ἀμανοῦ τὴν τε Κομμαγηνὴν καὶ τὴν Σε-  
λευκίδα καλουμένην τῆς Συρίας, ἔπειτα τὴν κοίλην  
Συρίαν, τελευταίαν δ' ἐν μὲν τῇ παραλίᾳ τὴν Φοινί-  
κην, ἐν δὲ τῇ μεσογαίᾳ τὴν Ἰουδαίαν. ἔνιοι δὲ τὴν Συ-  
ρίαν ὅλην εἰς τε Κοιλοσύρους [καὶ Σύρους] καὶ Φοίνι- 25  
κας διελόντες τούτοις ἀναμεμῖχθαί φασι τέτταρα ἔθνη,  
Ἰουδαίους Ἰδουμαίους Γαζαίους Ἀζωτίους, γεωργικοὺς  
μὲν, ὥς τοὺς Σύρους καὶ Κοιλοσύρους, ἐμπορικοὺς δέ,  
ὥς τοὺς Φοίνικας.

14. post εἰσιν : ἀπὸ τοῦ Ἰσσοῦ κόλπου μέχρι τοῦ ζεύγματος τοῦ κατὰ Κομμαγηνὴν



- Καθόλου μὲν οὕτω, καθ' ἕκαστα δὲ ἡ Κομμαγενὴ 3  
 μικρά τις ἐστίν· ἔχει δ' ἐρυμνὴν πόλιν Σαμόσατα ἐν  
 ἣ τὸ βασίλειον ὑπῆρχε, νῦν δ' ἐπαρχία γέρονε· χώρα  
 δὲ περικείται σφόδρα εὐδαίμων, ὀλίγη [δέ]. ἐνταῦθα  
 5 δὲ νῦν ἐστὶ τὸ ξυῦγμα τοῦ Εὐφράτου· κατὰ τοῦτο δὲ  
 Σελεύκεια ἴδρυνται φρούριον τῆς Μεσοποταμίας προσ-  
 ωρισμένον ὑπὸ Πομπηίου τῷ Κομμαγενῶ, ἐν ᾧ τὴν  
 Σελήνην ἐπικληθεῖσαν Κλεοπάτραν Τιγράνης ἀνείλε,  
 καθείρξας χρόνον τινὰ ἡνίκα τῆς Συρίας ἐξέπεσεν.
- 10 Ἡ δὲ Σελευκίς ἀρίστη μὲν ἐστὶ τῶν λεχθεισῶν 4  
 μερίδων, καλεῖται δὲ τετράπολις καὶ ἐστὶ κατὰ τὰς  
 ἐξεχούσας ἐν αὐτῇ πόλεις, ἐπεὶ πλείους γέ εἰσι, μέγισται  
 δὲ τέτταρες, Ἀντιόχεια ἡ ἐπὶ Δάφνῃ καὶ Σελεύκεια ἡ  
 ἐν Πιερίᾳ καὶ Ἀπάμεια δὲ καὶ Λαοδίκεια, αἵπερ καὶ  
 15 ἐλέγοντο ἀλλήλων ἀδελφαὶ διὰ τὴν ὁμόνοιαν, Σελεύ-  
 κου τοῦ Νικάτορος κτίσματα· ἡ μὲν οὖν μεγίστη τοῦ  
 πατρὸς αὐτοῦ ἐπώνυμος, ἡ δ' ἐρυμνοτάτη αὐτοῦ, αἱ  
 δ' ἄλλαι ἡ μὲν Ἀπάμεια τῆς γυναικὸς αὐτοῦ Ἀπάμας, C.750  
 ἡ δὲ Λαοδίκεια τῆς μητρός. οἰκείως δὲ τῇ τετραπόλει  
 20 καὶ εἰς σατραπείας διήρητο τέτταρας ἡ Σελευκίς, ὥς  
 φησι Ποσειδώνιος, εἰς ὅσας καὶ ἡ κοίλῃ Συρία, \* εἰς  
 μίαν δ' ἡ Μεσοποταμία. ἐστὶ δ' ἡ μὲν Ἀντιόχεια καὶ  
 αὕτη τετράπολις, ἐκ τεττάρων συνεστῶσα μερῶν· τε-  
 τεῖχισται δὲ καὶ κοινῶ τείχει καὶ ἰδίῳ καθ' ἕκαστον τὸ  
 25 κτίσμα· τὸ μὲν οὖν πρῶτον αὐτῶν ὁ Νικάτωρ συνώ-  
 κισε μεταγαγὼν ἐκ τῆς Ἀντιγονείας τοὺς οἰκήτορας, ἣν  
 πλησίον ἐτείχισεν Ἀντίγονος ὁ Φιλίππου μικρὸν πρό-  
 τερον, τὸ δὲ δεύτερον τοῦ πλήθους τῶν οἰκητόρων ἐστὶ  
 κτίσμα, τὸ δὲ τρίτον Σελεύκου τοῦ Καλλινίκου, τὸ δὲ  
 30 τέταρτον Ἀντιόχου τοῦ Ἐπιφανοῦς.

Καὶ δὴ καὶ μητρόπολις ἐστὶν αὕτη τῆς Συρίας, καὶ 5  
 τὸ βασίλειον ἐνταῦθα ἴδρυντο τοῖς ἄρχουσι τῆς χώρας·

οὐ πολὺ τε λείπεται καὶ δυνάμει καὶ μεγέθει Σελευ-  
κείας τῆς ἐπὶ τῷ Τίγρει καὶ Ἀλεξανδρείας τῆς πρὸς  
Αἰγύπτῳ. συνώκισε δ' ὁ Νικάτωρ ἑνταῦθα καὶ τοὺς  
ἀπογόνους Τριπολέμου, περὶ οὗ μικρὸν πρόσθεν  
ἐμνήσθημεν· διόπερ' Ἀντιοχεῖς ὡς ἦρωα τιμῶσι, καὶ 5  
ἄγουσιν ἑορτὴν ἐν τῷ Κασίῳ ὅρει τῷ περὶ Σελεύκειαν.  
φασὶ δ' αὐτὸν ὑπ' Ἀργείων πεμφθέντα ἐπὶ τὴν Ἰοῦς  
ζήτησιν, ἐν Τύρῳ πρῶτον ἀφανοῦς γενηθείσης, πλα-  
νᾶσθαι κατὰ τὴν Κιλικίαν· ἑνταῦθα δὲ τῶν σὺν αὐτῷ  
τινας Ἀργείων κτίσαι τὴν Ταρσὸν ἀπελθόντας παρ' 10  
αὐτοῦ· τοὺς δ' ἄλλους συνακολουθήσαντας εἰς τὴν  
ἐξῆς παραλίαν, ἀπογνόντας τῆς ζητήσεως ἐν τῇ ποτα-  
μῷ τοῦ Ὀρόντου καταμεῖναι σὺν αὐτῷ· τὸν μὲν οὖν  
υἱὸν τοῦ Τριπολέμου Γόρδυν ἔχοντά τινας τῶν σὺν  
τῷ πατρὶ λαῶν εἰς τὴν Γορδυαίαν ἀποικῆσαι, τῶν δ' 15  
ἄλλων τοὺς ἀπογόνους συνοίκους γενέσθαι τοῖς Ἀν-  
τιοχεῦσιν.

6 Ὑπέρκειται δὲ τετταράκοντα σταδίους ἡ Δάφνη,  
κατοικία μετρία, μέγα δὲ καὶ συνηρεφὲς ἄλσος διαρ-  
ρεόμενον πηγαίοις ὕδασι, ἐν μέσῳ δὲ ἄσυχλον τέμενος 20  
καὶ νεῶς Ἀπόλλωνος καὶ Ἀρτέμιδος. ἑνταῦθα δὲ πα-  
νηγυρίζειν ἔθος τοῖς Ἀντιοχεῦσι καὶ τοῖς ἀστυγείτοσι·  
κύκλος δὲ τοῦ ἄλσους ὀγδοήκοντα στάδιοι.

7 Ρεῖ δὲ τῆς πόλεως πλησίον Ὀρόντης ποταμός·  
οὗτος δ' ἐκ τῆς κοίτης Συρίας τὰς ἀρχὰς ἔχων εἶδ' ὑπὸ 25  
γῆν ἐνεχθεὶς ἀναδίδωσι πάλιν τὸ ρεῦμα, καὶ διὰ τῆς  
Ἀπαμέων εἰς τὴν Ἀντιόχειαν προελθὼν πλησιάσας τῇ  
πόλει πρὸς τὴν θάλατταν καταφέρεται τὴν κατὰ Σε-  
λεύκειαν· τὸ δ' ὄνομα τοῦ γεφυρώσαντος αὐτὸν  
Ὀρόντου μετέλαβε, καλούμενος πρότερον Τυφῶν. μν- 30  
θεύουσι δ' ἑνταῦθά που τὰ περὶ τὴν κεραυνῶσιν τοῦ  
Τυφῶνος καὶ τοὺς Ἀρίμους, περὶ ὧν εἶπομεν καὶ πρό-



τερον· φασὶ δὲ τυπτόμενον τοῖς κεραυνοῖς (εἶναι δὲ C.751  
 δράκοντα) φεύγειν κατάδυσιν ζητοῦντα· τοῖς μὲν οὖν  
 ὄλκοις ἐντεμεῖν τὴν γῆν καὶ ποιῆσαι τὸ ῥεῖθρον τοῦ  
 ποταμοῦ, καταδύντα δ' εἰς γῆν ἀναρρῆξαι τὴν πηγὴν·  
 5 ἐκ δὲ τούτου γενέσθαι τοῦνομα τῷ ποταμῷ. πρὸς δύ-  
 σιν μὲν οὖν θάλαττα ὑπόκειται τῇ Ἀντιοχείᾳ κατὰ Σε-  
 λεύκειαν, πρὸς ἣ καὶ τὰς ἐκβολὰς ὁ Ὀρόντης ποιεῖται,  
 διεχούσῃ τῶν μὲν ἐκβολῶν σταδίους τετταράκοντα,  
 τῆς δ' Ἀντιοχείας ἑκατὸν εἴκοσιν. ἀνάπλους δ' ἐκ θα-  
 10 λάττης ἐστὶν εἰς τὴν Ἀντιόχειαν αὐθήμερόν. πρὸς ἑω  
 δ' ὁ Εὐφράτης ἐστὶ καὶ ἡ Βαμβύκη καὶ ἡ Βέροια καὶ ἡ  
 Ἡράκλεια τῇ Ἀντιοχείᾳ, πολίχνια τυραννούμενά ποτε  
 ὑπὸ Διουυσίου τοῦ Ἡρακλέωνος. διέχει δ' ἡ Ἡράκλεια  
 σταδίους εἴκοσι τοῦ τῆς Ἀθηνᾶς ἱεροῦ τῆς Κυρρη-  
 15 στίδος.

Εἴτα ἡ Κυρρηστικὴ μέχρι τῆς Ἀντιοχίδος· ἀπὸ δὲ 8  
 τῶν ἄρκτων ἐστὶ τό τε Ἀμανὸν πλησίον καὶ ἡ Κομμα-  
 γηνή· συνάπτει δὲ τούτοις ἡ Κυρρηστικὴ μέχρι δεῦρο  
 παρατείνουσα. ἐνταῦθα δ' ἐστὶ πόλις Γίνδαρος, ἀκρό-  
 20 πολις τῆς Κυρρηστικῆς καὶ ληστήριον εὐφυές, καὶ  
 Ἡρακλείον τι καλούμενον πλησίον ἱερὸν· περὶ οὗς  
 τόπους ὑπὸ Ξεντιδίου Πάκορος διεφθάρη, ὁ πρεσβύ-  
 τατος τῶν τοῦ Παρθυαίου παίδων, ἐπιστρατεύσας τῇ  
 Συρίᾳ. τῇ δὲ Γινδάρῳ συνάπτουσιν αἱ Πάγραι τῆς  
 25 Ἀντιοχίδος, χωρίον ἐρυμνὸν κατὰ τὴν ὑπέρθεσιν τοῦ  
 Ἀμανοῦ τὴν ἐκ τῶν Ἀμανίδων πυλῶν εἰς τὴν Συρίαν  
 κείμενον. ὑποπίπτει μὲν οὖν ταῖς Πάγραις τὸ τῶν  
 Ἀντιοχέων πεδίον, δι' οὗ ῥεῖ ὁ Ἄρκευθος ποταμὸς καὶ  
 ὁ Ὀρόντης καὶ ὁ Λαβῶτας. ἐν δὲ τούτῳ ἐστὶ τῷ πεδίῳ  
 30 καὶ ὁ Μελεάγρου χάραξ καὶ ὁ Οἶνοπάρας ποταμός, ἐφ'  
 ᾧ τὸν Βάλαν Ἀλέξανδρον μάχῃ νικήσας ὁ φιλομήτωρ  
 Πτολεμαῖος ἐτελεύτησεν ἐκ τραύματος. ὑπέρκειται δ'

αὐτῶν λόφος Τραπεζῶν ἀπὸ τῆς ὁμοιότητος καλούμε-  
νος, ἐφ' ᾧ Ὀδεντίδιος πρὸς Φρανικάτην τὸν Παρθυαίων  
στρατηγὸν ἔσχε τὸν ἀγῶνα. πρὸς θαλάττη δὲ τούτων  
ἐστὶν ἡ Σελεύκεια καὶ ἡ Πιερία, ὅρος συνεχὲς τῷ Ἀμα-  
νῷ, καὶ ἡ Ῥωσὸς μεταξὺ Ἰσσοῦ καὶ Σελευκείας ἰδρυ- 5  
μένη. ἐκαλεῖτο δ' ἡ Σελεύκεια πρότερον Ὑδατος πο-  
ταμοί· ἔρυμα δέ ἐστιν ἀξιόλογον καὶ κρεῖττον βίας ἡ  
πόλις. διόπερ καὶ ἐλευθέραν αὐτὴν ἔκρινε Πομπήιος  
ἀποκλείσας Τιγράνην. πρὸς νότον δ' ἐστὶ τοῖς μὲν  
Ἀντιοχεῦσιν Ἀπάμεια ἐν μεσογαίᾳ κειμένη, τοῖς δὲ Σε- 10  
λευκεῦσι τὸ Κάσιον ὅρος καὶ τὸ Ἀντικάσιον· ἔτι δὲ  
πρότερον μετὰ τὴν Σελεύκειαν αἱ ἐκβολαὶ τοῦ Ὀρόν-  
του· εἶτα τὸ νυμφαῖον, σπήλαιόν τι ἱερὸν· εἶτα τὸ  
Κάσιον· ἐφεξῆς δὲ Ποσειδίου πολίχνη καὶ Ἡράκλεια.

9 Εἶτα Λαοδικεία, ἐπὶ τῇ θαλάττῃ κάλλιστα ἐκτι- 15  
σμένη καὶ εὐλίμενος πόλις χώραν τε ἔχουσα πολυοῖνον  
C.752 πρὸς τῇ ἄλλῃ εὐκαρπία. τοῖς μὲν οὖν Ἀλεξανδρεῦσιν  
αὕτη παρέχει τὸ πλεῖστον τοῦ οἴνου, τὸ ὑπερκείμενον  
τῆς πόλεως ὅρος πᾶν κατάμπελον ἔχουσα μέχρι σχεδόν  
τι τῶν κορυφῶν· αἱ δὲ κορυφαὶ τῆς μὲν Λαοδικείας 20  
πολὺν ἄπωθεν εἰσιν, ἡρέμα ἀπ' αὐτῆς καὶ κατ' ὀλίγον  
ἀνακλινόμεναι, τῆς Ἀπαμείας δ' ὑπερκύπτουσιν ἐπ'  
ὄρθιον ὕψος ἀνατεταμέναι. ἐλύπησε δ' οὐ μετρίως  
Δολαβέλλας καταφυγῶν εἰς αὐτὴν καὶ ἐμπολιορκηθεὶς  
ὑπὸ Κασσίου μέχρι θανάτου, συνδιαφθείρας ἑαυτῷ 25  
καὶ τῆς πόλεως πολλὰ μέρη.

10 Ἡ δ' Ἀπάμεια καὶ πόλιν ἔχει τὸ πλεον εὐερκεῖ·  
λόφος γάρ ἐστιν ἐν πεδίῳ κοίλῳ τετειχισμένος καλῶς,  
ὃν ποιεῖ χερρονησίζοντα ὁ Ὀρόντης καὶ λίμνη περικει-  
μένη μεγάλη καὶ ἔλη πλατέα λειμῶνάς τε βουβότους 30  
καὶ ἱπποβότους διαχεομένους ὑπερβάλλοντας τὸ μέγε-  
θος· ἡ τε δὴ πόλις οὕτως ἀσφαλῶς κεῖται (καὶ δὴ καὶ



Χερρόνησος ἐκλήθη διὰ τὸ συμβεβηκός) καὶ χώρας  
 εὐπορεῖ παμπόλλης εὐδαίμονος, δι' ἧς ὁ Ὀρόντης ῥεῖ·  
 καὶ περιπόλια συχνὰ ἐν ταύτῃ. ἐνταῦθα δὲ καὶ ὁ Νι-  
 κάτωρ Σέλευκος τοὺς πεντακοσίους ἐλέφαντας ἔτρεφε  
 5 καὶ τὸ πλεόν τῆς στρατιᾶς καὶ οἱ ὕστερον βασιλεῖς.  
 ἐκαλεῖτο δὲ καὶ Πέλλα ποτὲ ὑπὸ τῶν πρώτων Μακεδό-  
 νων διὰ τὸ τοὺς πλείστους τῶν Μακεδόνων ἐνταῦθα  
 οἰκῆσαι τῶν στρατευομένων, τὴν δὲ Πέλλαν ὥσπερ  
 μητρόπολιν γεγυέναι τῶν Μακεδόνων τὴν Φιλίππου  
 10 καὶ Ἀλεξάνδρου πατρίδα. ἐνταῦθα δὲ καὶ τὸ λογιστή-  
 ριον τὸ στρατιωτικὸν καὶ τὸ ἵπποτροφεῖον, θήλειαι  
 μὲν ἵπποι βασιλικαὶ πλείους τῶν τρισυρῶν, ὅχεια δὲ  
 τούτων τριακόσια· ἐνταῦθα δὲ καὶ πωλοδάμναι καὶ  
 ὄπλομάχοι καὶ ὅσοι παιδευταὶ τῶν πολεμικῶν ἐμισθο-  
 15 δοτοῦντο. δημοῖ δὲ τὴν δύναμιν ταύτην ἢ τε τοῦ Τρύ-  
 φωνος ἐπικληθέντος Διοδότου παραύξησις καὶ ἐπίθε-  
 σις τῇ βασιλείᾳ τῶν Σύρων, ἐντεῦθεν ὀρμηθέντος.  
 ἐγγένητο μὲν γὰρ ἐν Κασιανοῖς, φρουρῶν τινὶ τῆς  
 Ἀπαμείων γῆς, τραφεῖς δ' ἐν τῇ Ἀπαμείᾳ καὶ συστα-  
 20 θεῖς τῷ βασιλεῖ καὶ τοῖς περὶ αὐτόν, ἐπειδὴ νεωτερίζειν  
 ὥρμησεν, ἐκ τῆς πόλεως ταύτης ἔσχε τὰς ἀφορμὰς καὶ  
 τῶν περιοικίδων, Λαρίσης τε καὶ τῶν Κασιανῶν καὶ  
 Μεγάρων καὶ Ἀπολλωνίας καὶ ἄλλων τοιούτων, αἱ  
 συνετέλουν εἰς τὴν Ἀπάμειαν ἅπασαι· ἐκεῖνός τε δὴ  
 25 βασιλεὺς τῆσδε τῆς χώρας ἀνεδείχθη καὶ ἀντέσχε πο-  
 λὺν χρόνον, Βάσσος τε Καικίλιος μετὰ δυεῖν ταγμάτων  
 ἀποστήσας τὴν Ἀπάμειαν διεκαρτέρησε τοσοῦτον χρό-  
 νον πολιορκούμενος ὑπὸ δυεῖν στρατοπέδων μεγάλων  
 Ῥωμαϊκῶν ὥστ' οὐ πρότερον εἰς τὴν ἐξουσίαν ἦκε πρὶν  
 30 ἐκὼν ἐνεχειρίσεν ἑαυτὸν ἐφ' οἷς ἐβεβούλητο· καὶ γὰρ C.753  
 τὴν στρατιὰν ἀπέτρεφεν ἡ χώρα καὶ συμμαχῶν εὐπό-  
 ρει τῶν πλησίον φυλάρχων ἐχόντων εὐερκῇ χωρίᾳ· ὧν

ἐστὶ καὶ ἡ *Λυσιᾶς*, ὑπὲρ τῆς λίμνης κειμένη τῆς πρὸς  
*Ἀπαμεία*, καὶ *Ἀρέθουσα* ἡ *Σαμψικεράμου* καὶ *Γαμβλί-*  
*χου* τοῦ ἐκείνου παιδός, φυλάρχων τοῦ *Ἐμισηνῶν*  
*ἔθνους*. οὐ πόρρω δ' οὐδ' *Ἡλιούπολις* καὶ *Χαλκίς* ἡ  
 ὑπὸ *Πτολεμαίῳ* τῷ *Μενναίῳ* τῷ τὸν *Μασσύναν* κατέ- 5  
 χοντι καὶ τὴν *Ἰτουραίων* ὀρεινήν. τῶν δὲ συμμαχοῦν-  
 των τῷ *Βάσσῳ* ἦν καὶ *Ἀλχαίδαμνος*, ὁ τῶν *Ραμβαίων*  
 βασιλεὺς τῶν ἐντὸς τοῦ *Εὐφράτου* νομάδων. ἦν δὲ  
 φίλος *Ρωμαίων*, ἀδικεῖσθαι δὲ νομίσας ὑπὸ τῶν ἡγε-  
 μόνων, ἐκπεσὼν εἰς τὴν *Μεσοποταμίαν* ἐμισθοφόρει 10  
 τότε τῷ *Βάσσῳ*. ἐντεῦθεν δ' ἐστὶ *Ποσειδώνιος* ὁ *στωι-*  
*κός*, ἀνὴρ τῶν καθ' ἡμᾶς φιλοσόφων πολυμαθέστατος.

- 11 Ὅμορος δ' ἐστὶ τῇ *Ἀπαμέῳ* πρὸς ἑὼ μὲν ἡ τῶν  
 φυλάρχων *Ἀράβων* καλουμένη *Παραποταμία* καὶ ἡ  
*Χαλκιδική* ἀπὸ τοῦ *Μασσύνου* καθήκουσα καὶ πᾶσα ἡ 15  
 πρὸς νότον τοῖς *Ἀπαμεῦσιν*, ἀνδρῶν σκηνιτῶν τὸ  
 πλεόν. παραπλήσιοι δ' εἰσὶ τοῖς ἐν τῇ *Μεσοποταμίᾳ*  
 νομάσιν. αἱ δ' οἱ πλησιαιτέροι τοῖς *Σύροις* ἡμερώτε-  
 ροι καὶ ἦττον *Ἀραβες* καὶ σκηνῆται, ἡγεμονίας ἔχοντες  
 συντεταγμένους μᾶλλον, καθάπερ ἡ *Σαμψικεράμου* καὶ 20  
 ἡ *Γαμβάρου* καὶ ἡ *Θέμελλα* καὶ ἄλλων τοιούτων.

- 12 Τοιαύτη μὲν ἡ μεσόγαια τῆς *Σελευκίδος*, ὁ δὲ πα-  
 ράπλους ὁ λοιπὸς ἀπὸ τῆς *Λαοδικείας* ἐστὶ τοιοῦτος·  
 τῇ γὰρ *Λαοδικείᾳ* πλησιάζει *πολίχνια*, τό τε *Ποσειδῖον*  
 καὶ τὸ *Ἡράκλειον* καὶ τὰ *Γάβαλα*. εἴτ' ἤδη ἡ τῶν *Ἀρα-* 25  
*δίων* *παρὰ* *λίᾳ*, *Πάλτος* καὶ *Βαλαναία* καὶ *Κάρνος*, τὸ  
 ἐπίνειον τῆς *Ἀράδου* *λιμένιον* ἔχον. εἴτ' *Ἐνυδρα* καὶ  
*Μάραθος* πόλις *Φοινίκων* ἀρχαία κατεσπασμένη. τὴν  
 δὲ χώραν *Ἀράδιοι* κατεκληροῦνχσαν καὶ τὰ *Σίμυρα* τὸ  
 ἐφεξῆς χωρίον. τούτοις δ' ἡ *Ὀρθωσία* συνεχῆς ἐστὶ 30



καὶ ὁ Ἐλεύθερος ὁ πλησίον ποταμός, ὅνπερ ὄριον  
 ποιοῦνται τινες Σελευκίδος πρὸς τὴν Φοινίκην καὶ τὴν  
 κοίλην Συρίαν.

Πρόκειται δ' ἡ Ἀραδος ῥαχιώδους τινὸς καὶ ἀλι- 13  
 5 μένου παραλίας μεταξὺ τοῦ τε ἐπινείου αὐτῆς μάλιστα  
 καὶ τῆς Μαράθου, διέχουσα τῆς γῆς σταδίους εἴκοσιν.  
 ἔστι δὲ πέτρα περίκλυστος ὅσον ἐπτά τὸν κύκλον στα-  
 δίων, πλήρης κατοικίας· τοσαύτη δ' εὐανδρία κέχρηται  
 μέχρι καὶ νῦν ὥστε πολυρόφους οἰκοῦσι τὰς οἰκίας.  
 10 ἔκτισαν δ' αὐτὴν φυγάδες, ὥς φασιν, ἐκ Σιδῶνος· τὴν  
 δ' ὕδρειαν τὴν μὲν ἐκ τῶν ὀμβρίων καὶ λακκαίων ὕδα-  
 των ἔχουσι τὴν δ' ἐκ τῆς περαιάς· ἐν δὲ τοῖς πολέμοις C.754  
 ἐκ τοῦ πόρου μικρὸν πρὸ τῆς πόλεως ὑδρεύονται πη-  
 γὴν ἔχοντος ἀφθόνου ὕδατος, εἰς ἣν περικαταστρέφε-  
 15 ται κλίβανος καθεθεὶς ἀπὸ τοῦ ὑδρευομένου σκάφους,  
 μολιβοῦς, εὐρύστομος, εἰς πυθμέναν συνηγμένος στε-  
 νὸν ἔχοντα τροῆμα μέτριον, τῷ δὲ πυθμένι περιέ-  
 σφιγκται σωλὴν σκύτινος, εἴτε ἄ σκῶμα δεῖ λέγειν, ὁ  
 δεχόμενος τὸ ἀναθλιβόμενον ἐκ τῆς πηγῆς διὰ τοῦ κλι-  
 20 βάνου ὕδωρ. τὸ μὲν οὖν πρῶτον ἀναθλιβὲν τὸ τῆς  
 θαλάττης ἐστί, περιμείναντες δὲ τὴν τοῦ καθαροῦ καὶ  
 ποτίμου ὕδατος ρύσιν, ὑπολαμβάνουσιν εἰς ἀγγεῖα  
 παρεσκευασμένα ὅσον ἂν δέη, καὶ πορθμεύουσιν εἰς  
 τὴν πόλιν.

25 Τὸ παλαιὸν μὲν οὖν οἱ Ἀράδιοι καθ' αὐτοὺς ἐβα- 14  
 σιλεύοντο παραπλησίως ὥσπερ καὶ τῶν ἄλλων ἐκάστη  
 πόλεων τῶν Φοινικίδων· ἔπειτα τὰ μὲν οἱ Πέρσαι τὰ  
 δ' οἱ Μακεδόνες τὰ δὲ νῦν Ῥωμαῖοι μετέθηκαν εἰς τὴν  
 παροῦσαν τάξιν. οἱ δ' οὖν Ἀράδιοι μετὰ τῶν ἄλλων  
 30 Φοινίκων ὑπήκουον τῶν Συριακῶν βασιλέων ἅτε φί-  
 λων· ἔπειτα στασιασάντων ἀδελφῶν δυεῖν τοῦ τε  
 Καλλινίκου Σελεύκου καὶ Ἀντιόχου τοῦ Ἰέρακος προσ-

αγορευθέντος, προσθέμενοι τῷ Καλλινίκῳ ποιοῦνται συμβάσεις ὥστ' ἐξεῖναι δέχεσθαι τοὺς καταφεύγοντας ἐκ τῆς βασιλείας παρ' αὐτούς, καὶ μὴ ἐκδιδόναι ἄκοντας· μὴ μέντοι μηδ' ἐκπλεῖν ἔαν ἄνευ τοῦ ἐπιτρέψαι βασιλέα. συνέβη δὲ ἐκ τούτου μεγάλα αὐτοῖς πλεονε- 5 κτήματα· οἱ γὰρ καταφεύγοντες ἐπ' αὐτούς οὐχ οἱ τυχόντες ἦσαν ἀλλ' οἱ τὰ μέγιστα πεπιστευμένοι καὶ περὶ τῶν μεγίστων δεδιότες· ἐπιξενούμενοι δ' αὐτοῖς εὐεργέτας ἡγοῦντο καὶ σωτήρας τοὺς ὑποδεξαμένους, ἀπεμνημόνευόν τε τὴν χάριν καὶ μάλιστα ἐπανελθόν- 10 τες εἰς τὴν οἰκίαν· ὥστ' ἐκ τούτου χώραν τε ἐκτήσαντο τῆς περαιάς πολλήν, ἧς τὴν πλείστην ἔχουσι καὶ νῦν, καὶ τὰλλα εὐθύνουν. προσέθεσαν δὲ τῇ εὐτυχίᾳ ταύτῃ καὶ πρόνοιαν καὶ φιλοπονίαν πρὸς τὴν θαλαττουργίαν· ὁρῶντές τε τοὺς γειτονεύοντας Κίλικας τὰ 15 πειρατήρια συνισταμένους οὐδ' ἅπαξ ἐκοινώνουν αὐτοῖς τῆς τοιαύτης ἐπιτηδεύσεως.

15 Μετὰ δὲ Ὀρθωσίαν ἐστὶ καὶ τὸν Ἐλεύθερον Τρίπολις ἀπὸ τοῦ συμβεβηκότος τὴν ἐπὶ κλησὶν εἰληφυῖα· τριῶν γάρ ἐστι πόλεων κτίσμα, Τύρου Σιδῶνος Ἀρά- 20 δου· τῇ δὲ Τριπόλει συνεχές ἐστὶ τὸ τοῦ Θεοῦ πρόσωπον, εἰς ὃ τελευτᾷ ὁ Αἰβανος τὸ ὄρος· μεταξὺ δὲ Τριήρης χωρίον τι.

16 Δύο δὲ ταῦτ' ἐστὶν ὄρη τὰ ποιοῦντα τὴν κοίλην καλουμένην Συρίαν ὡς ἂν παράλληλα, ὃ τε Αἰβανος 25 καὶ ὁ Ἀντιλίβανος μικρὸν ὑπερθεῖν τῆς θαλάττης ἀρχόμενα ἄμφω, ὃ μὲν Αἰβανος τῆς κατὰ Τρίπολιν, κατὰ τὸ τοῦ Θεοῦ μάλιστα πρόσωπον, ὃ δ' Ἀντιλίβανος τῆς κατὰ Σιδῶνα· τελευτᾷσι δ' ἐγγύς πως τῶν Ἀραβίων ὁρῶν τῶν ὑπὲρ τῆς Δαμασκηνῆς καὶ τῶν τραχύνων 30 ἐκεῖ λεγομένων εἰς ἄλλη ὄρη γεώλοφα καὶ καλλίκαρπα. ἀπολείπουσι δὲ μεταξὺ πεδῖον κοῖλον πλάτος μὲν τὸ



ἐπὶ τῇ θαλάττῃ διακοσίων σταδίων, μῆκος δὲ τὸ ἀπὸ  
 τῆς θαλάττης εἰς τὴν μεσόγαιαν ὁμοῦ τι διπλάσιον.  
 διαρρεῖται δὲ ποταμοῖς ἄρδουσι χώραν εὐδαίμονα καὶ  
 πάμφορον, μεγίστῳ δὲ τῷ Ἰορδάνῃ. ἔχει δὲ καὶ λίμνην,  
 5 ἣ φέρει τὴν ἁρωματῖτιν σχοῖνον καὶ κάλαμον, ὥς δ'  
 αὕτως καὶ ἑλῆ· καλεῖται δ' ἡ λίμνη Γεννησαρίτις·  
 φέρει δὲ καὶ βάλσαμον. τῶν δὲ ποταμῶν ὁ μὲν Χρυ-  
 σορρόας ἀρξάμενος ἀπὸ τῆς Δαμασκηνῶν πόλεως καὶ  
 χώρας εἰς τὰς ὀχρεΐδας ἀναλίσκεται σχεδόν τι· πολλὴν  
 10 γὰρ ἐπάρδει καὶ βαθεῖαν σφόδρα· τὸν δὲ Λύκον καὶ  
 τὸν Ἰορδάνην ἀναπλέουσι φορτίοις, Ἀράδιοι δὲ μά-  
 λιστα.

Τῶν δὲ πεδίων τὸ μὲν πρῶτον τὸ ἀπὸ τῆς θαλάτ- 17  
 τῆς Μάκρας καλεῖται καὶ Μάκρα πεδίον· ἐν τούτῳ δὲ  
 15 Ποσειδώνιος ἱστορεῖ τὸν δράκοντα πεπτωκότα ὁραθῆ-  
 ναι νεκρόν, μῆκος σχεδόν τι καὶ πλεθριαῖον, πάχος δ'  
 ὥσθ' ἱππέας ἐκατέρωθεν παραστάντας ἀλλήλους μὴ  
 καθορᾶν, χάσμα δὲ ὥστ' ἔφιππον δέξασθαι, τῆς δὲ  
 φολίδος λεπίδα ἐκάστην ὑπεραίρουσαν θυρεοῦ.

20 Μετὰ δὲ τὸν Μάκραν ἐστὶν ὁ Μασσύας ἔχων τινὰ 18  
 καὶ ὄρεινάν, ἐν οἷς ἡ Χαλκὶς ὥσπερ ἀκρόπολις τοῦ Μασ-  
 σίου· ἀρχὴ δ' αὐτοῦ Λαοδίκεια ἡ πρὸς Λιβάνῳ. τὰ  
 μὲν οὖν ὄρεινὰ ἔχουσι πάντα Ἰτουραῖοί τε καὶ Ἀραβες,  
 κακοῦργοι πάντες, οἱ δ' ἐν τοῖς πεδίοις γεωργοί· κα-  
 25 κούμενοι δ' ὑπ' ἐκείνων ἄλλοτε ἄλλης βοηθείας δεόν-  
 ται. ὁρμητηρίοις δ' ἐρμυνοῖς χρῶνται, καθάπερ οἱ τὸν  
 Λίβανον ἔχοντες ἄνω μὲν ἐν τῷ ὄρει Σινναῦ καὶ Βορ-  
 ραμὰ καὶ ἄλλα τοιαῦτα ἔχουσι τείχη, κάτω δὲ Βότρον  
 καὶ Γίγαρτον καὶ τὰ ἐπὶ τῆς θαλάττης σπήλαια καὶ τὸ  
 30 ἐπὶ τῷ Θεοῦ προσώπῳ φρούριον ἐπιτεθέν, ἃ κατέσπασε  
 Πομπήιος, ἀφ' ὧν τὴν τε Βύβλον κατέτρεχον καὶ τὴν  
 ἐφεξῆς ταύτῃ Βηρυτόν, αἱ μεταξὺ κεῖνται Σιδῶνος καὶ

τοῦ Θεοῦ προσώπου. ἡ μὲν οὖν Βύβλος, τὸ τοῦ Κινύρου βασίλειον, ἱερά ἐστι τοῦ Ἀδώνιδος, ἣν τυραννομένην ἡλευθέρωσε Πομπήιος πελεκίσας ἐκείνον· κεῖται δ' ἐφ' ὕψους τινὸς μικρὸν ἄνωθεν τῆς θαλάττης.

19 Εἶτα μετὰ ταύτην Ἀδωνις ποταμὸς καὶ ὄρος Κλί- 5  
μαξ καὶ Παλαίβυβλος· εἶθ' ὁ Λύκος ποταμὸς καὶ Βη-  
C.756 ρυτός· αὕτη δὲ κατεσπάσθη μὲν ὑπὸ Τρύφωνος, ἀνε-  
λήφθη δὲ νῦν ὑπὸ Ῥωμαίων, δεξαμένη δύο τάγματα ἃ  
ἴδρυσεν Ἀγρίππας ἐνταῦθα προσθεὶς καὶ τοῦ Μασσέου  
πολλὴν μέχρη καὶ τῶν τοῦ Ὀρόντου πηγῶν, αἱ πλησίον 10  
τοῦ τε Λιβάνου καὶ τοῦ Παραδείσου καὶ τοῦ Αἰγυπτίου  
τείχους περὶ τὴν Ἀπαμέων γῆν εἰσι. ταῦτα μὲν οὖν τὰ  
ἐπὶ θαλάττῃ.

20 Ὑπὲρ δὲ τοῦ Μασσέου ἐστὶν ὁ καλούμενος αὐλῶν  
βασιλικὸς καὶ ἡ Δαμασκηνὴ χώρα διαφερόντως ἐπαι- 15  
νουμένη· ἐστὶ δὲ καὶ ἡ Δαμασκὸς πόλις ἀξιόλογος,  
σχεδόν τι καὶ ἐπιφανεστάτη τῶν ταύτῃ κατὰ τὰ Περ-  
σικά· ὑπέρκεινται δ' αὐτῆς δύο λεγόμενοι λόφοι τρα-  
χωῆνες· ἔπειτα πρὸς τὰ Ἀράβων μέρη καὶ τῶν Ἰτου-  
ραίων ἀναμιξ ὄρη δύσβατα, ἐν οἷς καὶ σπήλαια βαθύ- 20  
στομα, ὧν ἐν καὶ τετρακισχιλίους ἀνθρώπους δέξασθαι  
δυνάμενον ἐν καταδρομαῖς, αἱ τοῖς Δαμασκηνοῖς γί-  
νονται πολλαχόθεν. τὸ μέντοι πλέον τοὺς ἀπὸ τῆς  
εὐδαίμονος Ἀραβίας ἐμπόρους λεηλατοῦσιν οἱ βάρβα-  
ροι· ἥτιον δὲ συμβαίνει καταλυθέντων νυνὶ τῶν περὶ 25  
Ζηνόδωρον ληστῶν διὰ τὴν ἐκ τῶν Ῥωμαίων εὐνομίαν  
καὶ διὰ τὴν ἐκ τῶν στρατιωτῶν ἀσφάλειαν τῶν ἐν τῇ  
Συρίᾳ τρεφομένων.

21 Ἀπασα μὲν οὖν ἡ ὑπὲρ τῆς Σελευκίδος ὥς ἐπὶ τὴν  
Αἰγυπτον καὶ τὴν Ἀραβίαν ἀνίσχουσα χώρα κοίλη Συ- 30



οῖα καλεῖται, ἰδίως δ' ἡ τῷ Αἰβάνῳ καὶ τῷ Ἀντιλιβάνῳ ἀφωρισμένη. τῆς δὲ λοιπῆς ἢ μὲν ἀπὸ Ὀρθωσίας μέχρι Πηλουσίου παραλία Φοινίκη καλεῖται, στενὴ τις καὶ ἀλιτενής· ἢ δ' ὑπὲρ ταύτης μεσόγαια μέχρι τῶν Ἀρά-  
 5 βων ἢ μεταξὺ Γάξης καὶ Ἀντιλιβάνου Ἰουδαία λέγεται.

Ἐπεὶ οὖν τὴν ἰδίως λεγομένην κοίλην Συρίαν ἔπε- 22  
 ληλύθαμεν, ἐπὶ τὴν Φοινίκην μέτιμεν. ταύτης δὲ τὰ  
 μὲν ἀπὸ Ὀρθωσίας μέχρι Βηρυτοῦ λόγου τετύχηκε.  
 μετὰ δὲ Βηρυτὸν ἔστι Σιδῶν ὅσον ἐν τετρακοσίοις στα-  
 10 δίοις· μεταξὺ δὲ ὁ Ταμύρας ποταμὸς καὶ τὸ τοῦ Ἀσκλη-  
 πιοῦ ἄλσος καὶ Λεόντων πόλις. μετὰ δὲ Σιδῶνα μεγί-  
 στη τῶν Φοινίκων καὶ ἀρχαιοτάτη [πόλις] Τύρος ἐστίν,  
 ἐνάμιλλος αὐτῇ κατὰ τε μέγεθος καὶ κατὰ τὴν ἐπιφά-  
 νειαν καὶ τὴν ἀρχαιότητα ἐκ πολλῶν μύθων πάραδε-  
 15 δομένην. οἱ μὲν οὖν ποιηταὶ τὴν Σιδῶνα τεθρυλήκασι  
 μᾶλλον (Ὅμηρος δὲ οὐδὲ μέμνηται τῆς Τύρου), αἱ δ'  
 εἰς τὴν Αἰβύην καὶ τὴν Ἰβηρίαν ἀποικίαι μέχρι καὶ ἔξω  
 στηλῶν τὴν Τύρον πλεονέξυμνοῦσιν. ἀμφοτέραι δ' οὖν  
 ἔνδοξοι καὶ λαμπραὶ καὶ πάλαι καὶ νῦν· ὁποτέραν δ'  
 20 ἄν τις εἰποι μητρόπολιν Φοινίκων ἔρις ἐν ἀμφοτέροις  
 ἐστίν. ἡ μὲν οὖν Σιδῶν ἐπὶ εὐφυνεῖ λιμένι τῆς ἡπείρου  
 τὴν ἵδρυσιν ἔχει. Τύρος δ' ἐστὶν ὅλη νῆσος σχεδόν τι 23  
 συνωκισμένη παραπλησίως ὥσπερ ἡ Ἄραδος, συνῆ-  
 πται δὲ χώματι πρὸς τὴν ἡπειρον, ὃ κατεσκεύασε πο-  
 25 λιορκῶν Ἀλέξανδρος· δύο δ' ἔχει λιμένας τὸν μὲν  
 κλειστὸν τὸν δ' ἀναιμένον, ὃν Αἰγύπτιον καλοῦσιν.  
 ἐνταῦθα δέ φασι πολυστέγους τὰς οἰκίας \* ὥστε καὶ  
 τῶν ἐν Ῥώμῃ μᾶλλον· διὸ καὶ σεισμοὺς γενομένους  
 ἀπολιπεῖν μικρὸν τοῦ ἄρδην ἀφανίσαι τὴν πόλιν. ἡτὺ-  
 30 χησε δὲ καὶ ὑπ' Ἀλεξάνδρου πολιορκία ληφθεῖσα·

18. μᾶλλον post ἔξυμνοῦσι  
 STRABO III.

ἀλλὰ τῶν τοιούτων συμφορῶν κατέστη κρείττων καὶ ἀνέλαβεν αὐτὴν τῇ τε ναυτιλίᾳ, καθ' ἣν ἀπάντων τῶν ἀεὶ κρείττους εἰσὶ κοινῇ Φοίνικες, καὶ τοῖς πορφυρεῖ-  
οις· πολὺ γὰρ ἐξήτασται πασῶν ἡ Τυρία καλλίστη πορ-  
φύρα· καὶ ἡ θήρα πλησίον καὶ τᾶλλα εὖπορα τὰ πρὸς 5  
βαφὴν ἐπιτήδεια· καὶ δυσδιάγωγον μὲν ποιεῖ τὴν πό-  
λιν ἡ πολυπληθία τῶν βαφείων, πλουσίαν δὲ διὰ τὴν  
τοιαύτην ἀνδρείαν. οὐχ ὑπὸ τῶν βασιλέων δ' ἐκρίθη-  
σαν αὐτόνομοι μόνον μικρὰ ἀναλῶσαντες, ἀλλὰ καὶ  
ὑπὸ τῶν Ῥωμαίων βεβαιωσάντων τὴν ἐκείνων γνώ- 10  
μην. τιμᾶται δὲ καθ' ὑπερβολὴν Ἡρακλῆς ὑπ' αὐτῶν.  
τῆς δὲ περὶ τὰς ναυστολίας δυνάμεως τὸ πλῆθος καὶ  
τὸ μέγεθος τῶν ἀποικίδων ἐστὶ πόλεων τεκμήριον·  
οὗτοι μὲν οὖν τοιοῦτοι.

- 24 Σιδωνῖοι δὲ πολύτεχνοί τινες παραδέδονται καὶ 15  
καλλίτεχνοι, καθάπερ καὶ ὁ ποιητὴς δηλοῖ· πρὸς δὲ καὶ  
φιλόσοφοι περὶ τε ἀστρονομίαν καὶ ἀριθμητικὴν, ἀπὸ  
τῆς λογιστικῆς ἀρξάμενοι καὶ τῆς νυκτιπλοίας· ἐμπο-  
ρικὸν γὰρ καὶ ναυκληρικὸν ἐκάτερον· καθάπερ καὶ  
τῶν Αἰγυπτίων εὗρεμα γεωμετρίαν φασὶν ἀπὸ τῆς χω- 20  
ρομετρίας, ἣν ὁ Νεῖλος ἀπεργάζεται συγγέων τοὺς  
ὄρους κατὰ τὰς ἀναβάσεις. τοῦτο μὲν οὖν παρ' Αἰ-  
γυπτίων ἤκειν εἰς τοὺς Ἕλληνας πεπιστεύκασιν, ἀστρο-  
νομίαν δὲ καὶ ἀριθμητικὴν παρὰ Φοινίκων· νυνὶ δὲ  
πάσης καὶ τῆς ἄλλης φιλοσοφίας εὖπορίαν πολὺ πλεί- 25  
στην λαβεῖν ἔστιν ἐκ τούτων τῶν πόλεων· εἰ δὲ δεῖ  
Ποσειδωνίῳ πιστεῦσαι, καὶ τὸ περὶ τῶν ἀτόμων δόγμα  
παλαιὸν ἐστὶν ἀνδρὸς Σιδωνίου Μάχου πρὸ τῶν Τρωι-  
κῶν χρόνων γεγονότος. τὰ μὲν οὖν παλαιὰ ἐάσθω·  
καθ' ἡμᾶς δὲ ἐκ Σιδωνος μὲν ἐνδοξοὶ φιλόσοφοι γεγό- 30  
νασι Βόηθός τε, ᾧ συνεφιλοσοφῆσαμεν ἡμεῖς τὰ Ἀρι-  
στοτέλεια, καὶ Διόδοτος ἀδελφὸς αὐτοῦ· ἐκ Τύρου δὲ



Ἀντίπατρος καὶ μικρὸν πρὸ ἡμῶν Ἀπολλώνιος ὁ τὸν  
 πίνακα ἐκθεὶς τῶν ἀπὸ Ζήνωνος φιλοσόφων καὶ τῶν  
 βιβλίων. διέχει δὲ τῆς Σιδῶνος ἢ Τύρου οὐ πλείους τῶν  
 διακοσίων σταδίων· ἐν δὲ τῷ μεταξὺ πολίχνην Ὀρνί-C.758  
 5 θων πόλιν λεγομένην· εἶτα πρὸς Τύρῳ ποταμὸς ἐξίησι·  
 μετὰ δὲ τὴν Τύρον ἢ Παλαίτυρος ἐν τριάκοντα στα-  
 δίοις.

Εἰθ' ἡ Πτολεμαῖς ἐστὶ μεγάλη πόλις ἣν Ἀκην ὠνό- 25  
 μαζον πρότερον, ἣ ἐχρῶντο ὀρμητηρίῳ πρὸς τὴν Αἴ-  
 10 γυπτον οἱ Πέρσαι. μεταξὺ δὲ τῆς Ἀκῆς καὶ Τύρου θι-  
 νώδης αἰγιαλὸς ἐστὶν ὁ φέρων τὴν ὑαλτίν ἄμμον· ἐν-  
 ταῦθα μὲν οὖν φασὶ μὴ χεῖσθαι, κομισθεῖσαν εἰς  
 Σιδῶνα δὲ τὴν χωνεῖαν δέχεσθαι· τινὲς δὲ καὶ τοῖς Σι-  
 δωνίοις εἶναι τὴν ὑαλτίν ψάμμον ἐπιτηδεῖαν εἰς χύσιν,  
 15 οἱ δὲ πᾶσαν πανταχοῦ χεῖσθαι φασιν. ἤκουσα δ' ἐν τῇ  
 Ἀλεξανδρείᾳ παρὰ τῶν ὑαλουργῶν εἶναι τινα καὶ κατ'  
 Αἴγυπτον ὑαλτίν γῆν, ἥς χωρὶς οὐχ οἶόν τε τὰς πολυ-  
 χροούς καὶ πολυτελεῖς κατασκευὰς ἀποτελεσθῆναι,  
 καθ' ἅπερ καὶ ἄλλοις ἄλλων μιγμάτων δεῖν· καὶ ἐν  
 20 Ῥώμῃ δὲ πολλὰ παρευρίσκεισθαι φασὶ καὶ πρὸς τὰς  
 χροάς καὶ πρὸς τὴν θαστώνην τῆς κατασκευῆς, καθ' ἅ-  
 περ ἐπὶ τῶν κρυσταλλοφανῶν· ὅπου γε καὶ τρύβλιον  
 χαλκοῦ πρίσθαι καὶ ἐκπωμάτιον ἔστιν.

Ἰστορεῖται δὲ παράδοξον πάθος τῶν πάνυ σπα- 26  
 25 νίων κατὰ τὸν αἰγιαλὸν τοῦτον τὸν μεταξὺ τῆς τε Τύ-  
 ρου καὶ τῆς Πτολεμαίδος. καθ' ὃν γὰρ καιρὸν οἱ Πτο-  
 λεμαεῖς μάχην συνάψαντες πρὸς Σαρπηδόνα τὸν στρα-  
 τηγὸν ἐλείφθησαν ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ τροπῆς γενομέ-  
 νης λαμπρᾶς, ἐπέκλυσεν ἐκ τοῦ πελάγους κύμα τοὺς  
 30 φεύγοντας ὅμοιον πλημμυρίδι, καὶ τοὺς μὲν εἰς τὸ πέ-  
 λαγος ἀπῆρπασε καὶ διέφθειρεν, οἱ δ' ἐν τοῖς κοίλοις  
 τόποις ἔμειναν νεκροί· διαδεξαμένη δὲ ἡ ἄμπωτις πά-

λιν ἀνεκάλυψε καὶ ἔδειξε τὰ σώματα τῶν κειμένων ἀναμιξὺ ἐν νεκροῖς ἰχθύσι. τοιαῦτα δὲ καὶ περὶ τὸ Κάσιον συμβαίνει τὸ πρὸς Αἰγύπτῳ, σπασμῷ τινι ὀξεῖ καὶ ἀπλῷ περιπιπτούσης τῆς γῆς καὶ εἰς ἑκάτερον μεταβαλλομένης ἅπαξ, ὥστε τὸ μὲν μετεωρισθὲν αὐτῆς 5 μέρος ἐπαγαγεῖν τὴν θάλατταν, τὸ δὲ συνιξῆσαν δέξασθαι, τραπομένης δὲ τὴν ἀρχαίαν πάλιν ἔδραν ἀπολαβεῖν τὸν τόπον, τοτὲ μὲν οὖν καὶ ἐξαλλάξεώς τινος γενομένης τοτὲ δ' οὐ, τάχα καὶ περιόδοις τισὶν ἐνδεδεμένων τῶν τοιούτων παθῶν ἀδήλοισι ἡμῖν, καθάπερ 10 τοῦτο καὶ ἐπὶ τῶν κατὰ τὸν Νεῖλον ἀναβάσεων λέγεται διαφόρων γινομένων, ἀδηλον δὲ τὴν τάξιν ἔχουσῶν.

- 27 Μετὰ δὲ τὴν Ἀκην Στράτωνος πύργος πρόσορμον ἔχων. μεταξὺ δὲ ὅ τε Κάρμηλος τὸ ὄρος καὶ πολυχνίων ὀνόματα, πλεόν δ' οὐδέν, Συκαμίνων πόλις, 15 Βουκόλων καὶ Κροκοδείλων πόλις καὶ ἄλλα τοιαῦτα· εἶτα δρυμὸς μέγας τις.

C.759  
28 Εἶτα Ἰόπη, καθ' ἣν ἡ ἀπὸ τῆς Αἰγύπτου παραλία σημειωδῶς ἐπὶ τὴν ἄρκτον κάμπτεται, πρότερον ἐπὶ τὴν ἑω τεταμένη. ἐνταῦθα δὲ μυθεύουσιν τινες τὴν Ἀνδρομέδαν ἐκτεθῆναι τῷ κήτει· ἐν ὕψει δὲ ἔστιν ἱκανῶς τὸ χωρίον ὥστ' ἀφοραῖσθαι φασιν ἀπ' αὐτοῦ τὰ Ἱεροσόλυμα τὴν τῶν Ἰουδαίων μητρόπολιν· καὶ δὴ καὶ ἐπινείῳ τούτῳ κέχρηται καταβάντες μέχρι θαλάττης οἱ Ἰουδαῖοι· τὰ δ' ἐπινεία τῶν ληστῶν ληστήρια 25 δῆλον ὅτι ἔστι. τούτων δὲ καὶ ὁ Κάρμηλος ὑπῆρξε καὶ ὁ δρυμός· καὶ δὴ καὶ εὐάνδρησεν οὗτος ὁ τόπος, ὥστ' ἐκ τῆς πλησίον κώμης Ἰαμνείας καὶ τῶν κατοικιῶν τῶν κύκλῳ τέτταρας μυριάδας ὀπλίζεσθαι. εἰσὶ δ' ἐντεῦθεν εἰς τὸ Κάσιον τὸ πρὸς Πηλουσίῳ μικρῷ πλείους 30 ἢ χίλιοι στάδιοι, τριακόσιοι δ' ἄλλοι πρὸς αὐτὸ τὸ Πηλούσιον.



Ἐν δὲ τῷ μεταξὺ καὶ ἡ Γαδαρίς ἔστιν, ἣν καὶ αὐ- 29  
 τὴν ἐξειδιάσαντο οἱ Ἰουδαῖοι· εἴτ' Ἀζωτὸς καὶ Ἀσκά-  
 λων. ἀπὸ δὲ Ἰαμνείας εἰς Ἀζωτὸν καὶ Ἀσκάλωνά εἰσιν  
 ὅσον διακόσιοι στάδιοι. κρομμυῶν τ' ἀγαθὸς ἔστιν ἡ  
 5 χώρα τῶν Ἀσκαλωνιτῶν, πόλισμα δὲ μικρόν. ἐντεῦθεν  
 ἦν Ἀντίοχος ὁ φιλόσοφος μικρὸν πρὸ ἡμῶν γεγονώς.  
 ἐκ δὲ τῶν Γαδάρων Φιλόδημος τε ὁ Ἐπικούρειος καὶ  
 Μελέαγρος καὶ Μένιππος ὁ σπουδογέλοιος καὶ Θεόδω-  
 ρος ὁ καθ' ἡμᾶς ῥήτωρ.

10 Εἰθ' ὁ τῶν Γαζαίων λιμὴν πλησίον· ὑπέρκειται 30  
 δὲ καὶ ἡ πόλις ἐν ἑπτὰ σταδίοις, ἐνδοξὸς ποτε γενο-  
 μένη, κατεσπασμένη δ' ὑπὸ Ἀλεξάνδρου καὶ μένουσα  
 ἔρημος. ἐντεῦθεν δ' ὑπέρβασις λέγεται χιλίων διακο-  
 σίων ἐξήκοντα σταδίων εἰς Αἰλανα πόλιν ἐπὶ τῷ μυχῶ  
 15 τοῦ Ἀραβίου κόλπου κειμένην· διττὸς δ' ἔστιν, ὁ μὲν  
 ἔχων εἰς τὸ πρὸς τῇ Ἀραβίᾳ καὶ τῇ Γάζῃ μέρος, ὃν Αἰ-  
 λανίτην προσαγορεύουσιν ἀπὸ τῆς ἐν αὐτῷ πόλεως, ὁ  
 δ' εἰς τὸ πρὸς Αἰγύπτῳ κατὰ τὴν Ἡρώων πόλιν, εἰς ὃν  
 ἐκ Πηλουσίου ἡ ὑπέρθεσις ἐπιτοματέρα· δι' ἔρήμων  
 20 δὲ καὶ ἀμμοδῶν χωρίων αἱ ὑπερβάσεις ἐπὶ καμήλων·  
 πολὺ δὲ καὶ τὸ τῶν ἐρπετῶν ἐν αὐταῖς πλήθος.

Μετὰ δὲ Γάζαν Ῥαφία, ἐν ἣ μάχῃ συνέβη Πτολε- 31  
 μαίῳ τε τῷ τετάρτῳ καὶ Ἀντιόχῳ τῷ Μεγάλῳ. εἴτα  
 Ῥινοκόρουρα, ἀπὸ τῶν εἰσρωκισμένων ἐκεῖ τὸ παλαιὸν  
 25 ἀνθρώπων ἡκρωτηριασμένων τὰς ῥῖνας οὕτω καλου-  
 μένη· τῶν γὰρ Αἰθιοπῶν τις ἐπελθὼν ἐπὶ τὴν Αἰγυ-  
 πτον ἀντὶ τοῦ ἀναιρεῖν τοὺς κακούργους ἀποτέμνων  
 τὰς ῥῖνας ἐνταῦθα κατῳκίζεν, ὥς οὐκ ἂν ἔτι τολμήσου-  
 ντας κακουργεῖν διὰ τὴν αἰσχύνην τῆς ὀψεως.

30 Καὶ αὐτὴ μὲν οὖν ἡ ἀπὸ Γάζης λυπρὰ πᾶσα [καὶ] 32

ἀμμώδης· ἔτι δὲ μᾶλλον τοιαύτη ἢ ἐφεξῆς ὑπερκει-  
C.760 μένη, ἔχουσα τὴν Σιρβωνίδα λίμνην παράλληλόν πως  
τῇ θαλάττῃ μικρὰν δίοδον ἀπολείπουσαν μεταξὺ μέχρι  
τοῦ ἐκρήγματος καλουμένου, μῆκος ὅσον διακοσίων  
σταδίων, πλάτος δὲ τὸ μέγιστον πεντήκοντα· τὸ δ' 5  
ἐκρηγμα συγκέχωσται. εἴτα συνεχῆς ἄλλη τοιαύτη ἢ  
ἐπὶ τὸ Κάσιον, ἀκκεῖθεν ἐπὶ τὸ Πηλούσιον.

- 33 Ἔστι δὲ τὸ Κάσιον θινώδης τις λόφος ἀκρωτηριά-  
ζων ἄνυδρος, ὅπου τὸ Πομπηίου τοῦ Μάγνου σῶμα  
κεῖται καὶ Διὸς ἔστιν ἱερὸν Κασίου· πλησίον δὲ καὶ 10  
ἐσφάγη ὁ Μάγνος δολοφονηθεὶς ὑπὸ τῶν Αἰγυπτίων.  
εἶθ' ἢ ἐπὶ Πηλούσιον ὁδός, ἐν ᾗ τὰ Γέρρα καὶ ὁ Χα-  
βρίου λεγόμενος χάραξ καὶ τὰ πρὸς τῷ Πηλουσίῳ βά-  
ραθρα ἃ ποιεῖ παρεκχέομενος ὁ Νεῖλος, φύσει κοίλων  
καὶ ἐλωδῶν ὄντων τῶν τόπων.

15

Τοιαύτη μὲν ἡ Φοινίκη. φησὶ δ' Ἀρτεμίδωρος εἰς  
τὸ Πηλούσιον ἐκ μὲν Ὀρθωσίας εἶναι σταδίους τριςχι-  
λίους ἑξακοσίους πεντήκοντα κατακολπίζοντι· ἐκ δὲ  
Μελαινῶν ἢ Μελανιῶν τῆς Κιλικίας τῶν πρὸς Κελέν-  
δεριν ἐπὶ μὲν τὰ μεθόρια τῆς Κιλικίας καὶ Συρίας χι- 20  
λίους καὶ ἑνακοσίους· ἐντεῦθεν δ' ἐπὶ τὸν Ὀρόντην  
πεντακοσίους εἴκοσιν· εἴτ' ἐπὶ Ὀρθωσίαν χιλίους ἑκα-  
τὸν τριάκοντα.

- 34 Τῆς δ' Ἰουδαίας τὰ μὲν ἐσπέρια ἄκρα τὰ πρὸς τῷ  
Κασίῳ κατέχουσιν Ἰδουμαῖοί τε καὶ ἡ λίμνη. Ναβα- 25  
ταῖοι δ' εἰσὶν οἱ Ἰδουμαῖοι, κατὰ στάσιν δ' ἐκπεσόν-  
τες ἐκεῖθεν προσεχώρησαν τοῖς Ἰουδαίοις καὶ τῶν νο-  
μίων τῶν αὐτῶν ἐκείνοις ἐκοινώνησαν· πρὸς θαλάττῃ  
δὲ ἡ Σιρβωνὶς τὰ πολλὰ κατέχει καὶ ἡ συνεχῆς μέχρι  
καὶ Ἱεροσολύμων· καὶ γὰρ ταῦτα πρὸς θαλάττῃ ἐστίν· 30  
ἀπὸ γὰρ τοῦ ἐπινείου τῆς Ἰόπης εἴρηται ὅτι ἐστὶν ἐν  
ὄψει· ταῦτα μὲν προσάρακτα· τὰ πολλὰ δ' ὥς ἕκαστα



ἐστὶν ὑπὸ φύλων οἰκούμενα μικτῶν ἐκ τε Αἰγυπτίων  
 ἐθνῶν καὶ Ἀραβίων καὶ Φοινίκων· τοιοῦτοι γὰρ οἱ  
 τὴν Γαλιλαίαν ἔχοντες καὶ τὸν Ἱερικοῦντα καὶ τὴν Φι-  
 λαδέλφειαν καὶ Σαμάρειαν, ἣν Ἡρώδης Σεβαστὴν  
 5 ἐπωνόμασεν. οὕτω δ' ὄντων μιγάδων ἡ κρατοῦσα μά-  
 λιστα φήμη τῶν περὶ τὸ ἱερὸν τὸ ἐν τοῖς Ἱεροσολύμοις  
 πιστευομένων Αἰγυπτίους ἀποφαίνει τοὺς προγόνους  
 τῶν νῦν Ἰουδαίων λεγομένων.

Μωσῆς γάρ τις τῶν Αἰγυπτίων ἱερέων ἔχων τι μέ- 35  
 10 ρος τῆς [κάτω] καλουμένης χώρας, ἀπῆρεν ἐκεῖσε ἐν-  
 θένδε δυσχεράνας τὰ καθεστῶτα, καὶ συνεξῆραν αὐ-  
 τῷ πολλοὶ τιμῶντες τὸ θεῖον. ἔφη γὰρ ἐκεῖνος καὶ ἐδί-  
 δασκεν, ὥς οὐκ ὀρθῶς φρονοῖεν οἱ Αἰγύπτιοι θηρίοις  
 εἰκάζοντες καὶ βοσκήμασι τὸ θεῖον, οὐδ' οἱ Λίβνες·  
 15 οὐκ εὖ δὲ οὐδ' οἱ Ἕλληνες ἀνθρωπομόρφους τυποῦν-  
 τες· εἴη γὰρ ἐν τοῦτο μόνον θεὸς τὸ περιέχον ἡμᾶς C.761  
 ἅπαντας καὶ γῆν καὶ θάλατταν, ὃ καλοῦμεν οὐρανὸν  
 καὶ κόσμον καὶ τὴν τῶν ὄντων φύσιν. τούτου δὴ τίς  
 ἂν εἰκόνα πλάττειν θαρρήσειε νοῦν ἔχων ὁμοίαν τινὶ  
 20 τῶν παρ' ἡμῖν; ἀλλ' ἐὰν δεῖν πᾶσαν ξοανοποιίαν, τέ-  
 μενος [δ'] ἀφορίσαντας καὶ σηκὸν ἀξιόλογον τιμᾶν  
 ἔδους χωρίς. ἐγκοιμᾶσθαι δὲ καὶ αὐτοὺς ὑπὲρ ἑαυτῶν  
 καὶ ὑπὲρ τῶν ἄλλων ἄλλους τοὺς εὐνείρους· καὶ  
 προσδοκᾶν δεῖν ἀγαθὸν παρὰ τοῦ θεοῦ καὶ δῶρον αἰεί  
 25 τι καὶ σημεῖον τοὺς σωφρόνως ζῶντας καὶ μετὰ δικαιο-  
 σύνης, τοὺς δ' ἄλλους μὴ προσδοκᾶν.

Ἐκεῖνος μὲν οὖν τοιαῦτα λέγων ἐπείσειεν εὐγνώ- 36  
 μονας ἄνδρας οὐκ ὀλίγους καὶ ἀπήγαγεν ἐπὶ τὸν τόπον  
 τοῦτον, ὅπου νῦν ἐστὶ τὸ ἐν τοῖς Ἱεροσολύμοις κτίσμα.  
 30 κατέσχε δὲ ῥαδίως οὐκ ἐπίφθονον ὃν τὸ χωρίον οὐδ'  
 ὑπὲρ οὗ ἂν τις ἐσπουδασμένως μαχέσαιο· ἐστὶ γὰρ  
 πετρῶδες, αὐτὸ μὲν εὐνδρον τὴν δὲ κύκλῳ χώραν

ἔχον λυπρὰν καὶ ἄνυδρον, τὴν δ' ἐντὸς ἐξήκοντα σταδίων καὶ ὑπόπετρον. ἅμα δ' ἀντὶ τῶν ὀπλῶν τὰ ἱερὰ προὔβάλλετο καὶ τὸ θεῖον, ἵδρυσιν τούτου ζητεῖν ἄξι-  
 ῶν, καὶ παραδῶσειν ὑπισχνούμενος τοιοῦτον σεβασ-  
 μὸν καὶ τοιαύτην ἱεροποιάν ἣτις οὔτε δαπάναις ὀχλή- 5  
 σει τοὺς χρωμένους οὔτε θεοφορίαις οὔτε ἄλλαις πραγ-  
 ματείαις ἀτόποις. οὗτος μὲν οὖν εὐδοκιμήσας τούτοις  
 συνεστήσατο ἀρχὴν οὐ τὴν τυχοῦσαν, ἀπάντων προσ-  
 χωρησάντων ῥαδίως τῶν κύκλῳ διὰ τὴν ὁμιλίαν καὶ  
 τὰ προτεινόμενα.

10

37 Οἱ δὲ διαδεξάμενοι χρόνους μὲν τινας ἐν τοῖς αὐ-  
 τοῖς διέμενον δικαιοπραγοῦντες καὶ θεοσεβεῖς ὡς ἀλη-  
 θῶς ὄντες, ἔπειτ' ἐφισταμένων ἐπὶ τὴν ἱερωσύνην τὸ  
 μὲν πρῶτον δεισιδαιμόνων, ἔπειτα τυραννικῶν ἀν-  
 θρώπων, ἐκ μὲν τῆς δεισιδαιμονίας αἱ τῶν βρωμάτων 15  
 ἀποσχέσεις, ὥνπερ καὶ νῦν ἔθος ἐστὶν αὐτοῖς ἀπέχε-  
 σθαι, καὶ [αἱ] περιτομαὶ καὶ αἱ ἐκτομαὶ καὶ εἴ τινα τοι-  
 αῦτα ἐνομίσθη, ἐκ δὲ τῶν τυραννίδων τὰ ληστήρια. οἱ  
 μὲν γὰρ ἀφιστάμενοι τὴν χώραν ἐκάκουν καὶ αὐτὴν  
 καὶ τὴν γειτνιῶσαν, οἱ δὲ συμπράττοντες τοῖς ἄρχουσι 20  
 καθήρπαζον τὰ ἀλλότρια καὶ τῆς Συρίας κατεστρέ-  
 φοντο καὶ τῆς Φοινίκης πολλήν. ἣν δ' ὅμως εὐπρέπειά  
 τις περὶ τὴν ἀκρόπολιν αὐτῶν, οὐχ ὡς τυραννεῖον βδε-  
 λυττομένων, ἀλλ' ὡς ἱερὸν σεμνυνόντων καὶ σεβο-  
 μένων.

25

38 Πέφυκε γὰρ οὕτω καὶ κοινόν ἐστι τοῦτο καὶ τοῖς  
 Ἑλλησι καὶ τοῖς βαρβάροις. πολιτικοὶ γὰρ ὄντες ἀπὸ  
 προσταγματος κοινοῦ ζῶσιν· ἄλλως γὰρ οὐχ οἷόν τε  
 τοὺς πολλοὺς ἐν τι καὶ ταὐτὸ ποιεῖν ἡρμოსμένως ἀλλή-  
 λους, ὅπερ ἦν τὸ πολιτεύεσθαι, καὶ ἄλλως πως νέμειν 30  
 βίον κοινόν. τὸ δὲ πρόσταγμα διττόν, ἢ γὰρ παρὰ  
 C.762 θεῶν ἢ παρὰ ἀνθρώπων· καὶ οἱ γε ἄρχαῖοι τὸ παρὰ



τῶν θεῶν ἐπρέσβευον μᾶλλον καὶ ἐσέμνυνον, καὶ διὰ  
 τοῦτο καὶ ὁ χρηστηριαζόμενος ἦν τότε πολὺς καὶ τρέ-  
 χων εἰς μὲν Ἀσδάνην, ὅπως „ἐκ θρονὸς ὑψικόμοιο  
 „Διὸς βουλὴν ἐπακούσῃ,“ συμβούλῳ τῷ Διὶ χρώμενος,  
 5 εἰς δὲ Ἀελφούς „τὸν ἐκτεθέντα παῖδα μαστεύων μα-  
 „θεῖν, εἰ μὴκέτ’ εἴῃ,“ αὐτὸς δ’ ὁ παῖς „ἔστειχε τοὺς  
 „τεκόντας ἐκμαθεῖν θέλων πρὸς δῶμα Φοῖβον.“ καὶ  
 ὁ Μίνως παρὰ τοῖς Κρησὶν „ἐννέωρος βασίλευε Διὸς  
 „μεγάλου ὀαριστής,“ δι’ ἐννέα ἔτων, ὥς φησι Πλά-  
 10 των, ἀναβαίνων ἐπὶ τὸ ἄντρον τοῦ Διὸς καὶ παρ’ ἐκεί-  
 νου τὰ προστάγματα λαμβάνων καὶ παρακομίζων εἰς  
 τοὺς ἀνθρώπους. τὰ δ’ ὅμοια ἐποίει καὶ Λυκοῦργος ὁ  
 ζηλωτὴς αὐτοῦ· πυκνὰ γάρ, ὥς ἔοικεν, ἀποδημῶν  
 ἐπυνθάνετο παρὰ τῆς Πυθίας ἃ προσῆκεν παραγγέλ-  
 15 λειν τοῖς Λακεδαιμονίοις. ταῦτα γὰρ ὅπως ποτὲ ἀλη- 39  
 θείας ἔχει, παρὰ γε τοῖς ἀνθρώποις ἐπεπίστευτο καὶ  
 ἐνενομίστο, καὶ διὰ τοῦτο καὶ οἱ μάντις ἐτιμῶντο  
 ὥστε καὶ βασιλείας ἀξιούσθαι, ὥς τὰ παρὰ τῶν θεῶν  
 ἡμῖν ἐκφέρουντες παραγγέλματα καὶ ἐπανορθώματα καὶ  
 20 ζῶντες καὶ ἀποθανόντες· τοιοῦτος δὲ ὁ Ἀμφιάρεως  
 καὶ ὁ Τροφώνιος καὶ [ὁ] Ὀρφεὺς καὶ ὁ Μουσαῖος καὶ ὁ  
 παρὰ τοῖς Γέταις θεός, τὸ μὲν παλαιὸν Ζάμολξις Πυ-  
 θαγόρειός τις, καθ’ ἡμᾶς δὲ ὁ τῷ Βυρεβίστῃ θεσπίζων  
 Δεκαίνεος· παρὰ δὲ τοῖς Βοσπορηνοῖς Ἀχαῖκαρος,  
 25 παρὰ δὲ τοῖς Ἰνδοῖς οἱ γυμνοσοφισταί, παρὰ δὲ τοῖς  
 Πέρσαις οἱ μάγοι καὶ νεκρομάντις καὶ ἔτι οἱ λεγόμε-  
 νοι λεκανομάντις καὶ ὑδρομάντις, παρὰ δὲ τοῖς Ἀσσυ-  
 ρίοις οἱ Χαλδαῖοι, παρὰ δὲ τοῖς Ῥωμαίοις οἱ Τυρρη-  
 κοὶ οἰωνοσκόποι. τοιοῦτος δὲ τις ἦν καὶ ὁ Μωσῆς καὶ

20. post ἀποθανόντες: καθάπερ καὶ ὁ Τειρεσίας, „τῷ καὶ  
 „τεθνηῶτι νόον πόρε Περσεφόνεια οἶον πεπνύσθαι· τοὶ δὲ  
 „σκιαὶ αἰσούσι.“

οἱ διαδεξάμενοι ἐκείνον, τὰς μὲν ἀρχὰς λαβόντες οὐ φάυλας ἐκτραπόμενοι δ' ἐπὶ τὸ χεῖρον.

40 Ἦδη δ' οὖν φανερώς τυραννουμένης τῆς Ἰουδαίας  
 πρῶτος ἀνθ' ἱερέως ἀνέδειξεν ἑαυτὸν βασιλέα Ἀλέ-  
 ξανδρος· τούτου δ' ἦσαν υἱοὶ Ὑρκανός τε καὶ Ἀριστό- 5  
 βουλος· διαφορομένων δὲ περὶ τῆς ἀρχῆς, ἐπῆλθε  
 Πομπήιος καὶ κατέλυσεν αὐτοὺς καὶ τὰ ἐρύματα αὐ-  
 τῶν κατέσπασε καὶ αὐτὰ ἐν πρώτοις τὰ Ἱεροσόλυμα  
 βία καταλαβών· ἦν γὰρ πετρῶδες καὶ εὐερκὲς ἔρυμα,  
 C.763 ἐντὸς μὲν εὐῦδρον ἐκτὸς δὲ παντελῶς διψηρόν, τά- 10  
 φρον λατομητὴν ἔχον βάθος μὲν ἐξήκοντα ποδῶν, πλά-  
 τος δὲ πεντήκοντα καὶ διακοσίων· ἐκ δὲ τοῦ λίθου τοῦ  
 λατομηθέντος ἐπεπύργωτο τὸ τεῖχος τοῦ ἱεροῦ. κατε-  
 λάβετο δ', ὥς φασι, τηρήσας τὴν τῆς νηστείας ἡμέραν,  
 ἡνίκα ἀπείχοντο οἱ Ἰουδαῖοι παντὸς ἔργου, πληρώσας 15  
 τὴν τάφρον καὶ ἐπιβαλὼν τὰς διαβάθρας· κατασπά-  
 σαι δ' οὖν ἐκέλευσε τὰ τεῖχη πάντα καὶ ἀνείλεν εἰς δύ-  
 ναμιν τὰ ληστήρια καὶ τὰ γαζοφυλάκια τῶν τυράννων.  
 ἦν δὲ δύο μὲν τὰ ταῖς εἰσβολαῖς ἐπικείμενα τοῦ Ἱερι-  
 κοῦντος Θορῆξ τε καὶ Ταῦρος, ἄλλα δὲ Ἀλεξάνδριόν 20  
 τε καὶ Ὑρκάνιον καὶ Μαχαιροῦς καὶ Ἀνσιὰς καὶ τὰ  
 περὶ τὴν Φιλαδέλφειαν καὶ ἡ περὶ Γαλιλαίαν Σκυθό-  
 πολις.

41 Ἱερικοῦς δ' ἐστὶ πεδῖον κύκλῳ περιεχόμενον ὄρεινῃ  
 τινι καὶ πον καὶ θεατροειδῶς πρὸς αὐτὸ κεκλιμένη· 25  
 ἐνταῦθα δ' ἐστὶν ὁ φοινικῶν, μεμιγμένην ἔχων καὶ  
 ἄλλην ὕλην ἡμέρον καὶ εὐκαρπον, πλεονάζων δὲ τῷ  
 φοίνικι, ἐπὶ μῆκος σταδίων ἑκατόν, διάρρυτος ἅπας  
 καὶ μεστὸς κατοικιῶν· ἔστι δ' αὐτοῦ καὶ βασίλειον καὶ  
 ὁ τοῦ βαλσάμου παράδεισος· ἔστι δὲ τὸ φυτὸν θα- 30  
 μινῶδες, κυτίσῳ ἑοικὸς καὶ τερμίνθῳ, ἀρωματίζων· οὗ  
 τὸν φλοιὸν ἐπισχίσαντες ὑπολαμβάνουσιν ἀργείοις τὸν



ὁπὸν γλίσχρῳ γάλακτι παραπλήσιον· ἀναληφθεὶς δ' εἰς κογχάρια λαμβάνει πῆξιν· λύει δὲ κεφαλαλγίας θανυμαστῶς καὶ ὑποχύσεις ἀρχομένας καὶ ἀμβλυωπίας· τίμιος οὖν ἐστὶ καὶ διότι ἐνταῦθα μόνον γεννᾶται· καὶ  
 5 ὁ φοινικῶν δὲ τοιοῦτος, ἔχων τὸν καρπωτὸν φοίνικα ἐνταῦθα μόνον, πλὴν τοῦ Βαβυλωνίου καὶ τοῦ ἐπέ-  
 κεινα πρὸς τὴν ἑω· μεγάλη οὖν ἀπ' αὐτῶν ἡ πρόσο-  
 δος· καὶ τῷ ξυλοβαλσάμῳ δὲ ὡς ἀρώματι χρῶνται.

Ἡ δὲ Σιρβωνὺς λίμνη πολλὴ μὲν ἐστὶ· καὶ γὰρ χι- 42  
 10 λίων σταδίων εἰρήκασί τινες τὸν κύκλον· τῇ μέντοι παραλίᾳ παρεκτέταται μικρῷ τι πλεόντων διακοσίων σταδίων μῆκος ἐπιλαμβάνουσα, ἀγγιβαθῆς, βαρύτε-  
 τον ἔχουσα ὕδωρ, ὥστε μὴ δεῖν κολύμβου, ἀλλὰ τὸν ἐμβάντα καὶ μέχρι ὀμφαλοῦ εὐθὺς ἐξαίρεσθαι· μεστὴ  
 15 δ' ἐστὶν ἀσφάλτου· αὕτη δὲ ἀναφυσᾶται κατὰ καιροὺς ἀτάκτους ἐκ μέσου τοῦ βάθους μετὰ πομφολύγων ὡς ἂν ζέοντος ὕδατος· κυρτουμένη δ' ἡ ἐπιφάνεια λόφου φαντασίαν παρέχει· συναναφέρεται δὲ καὶ ἄσβολος πολλή, καπνώδης μὲν πρὸς δὲ τὴν ὄψιν ἄδηλος, ὑφ'  
 20 ἧς κατιοῦται καὶ χαλκὸς καὶ ἄργυρος καὶ πᾶν τὸ στιλ-  
 πνὸν μέχρι καὶ χρυσοῦ· ἀπὸ δὲ τοῦ κατιοῦσθαι τὰ σκεύη γνωρίζουσιν οἱ περιοικοῦντες ἀρχομένην τὴν ἀναβολὴν τοῦ ἀσφάλτου, καὶ παρασκευάζονται πρὸς τὴν μεταλλεῖαν αὐτοῦ, ποιησάμενοι σχεδίας καλαμί-  
 25 νας· ἐστὶ δ' ἡ ἄσφαλτος γῆς βῶλος, ὑγραιομένη μὲν C.764  
 ὑπὸ θερμοῦ καὶ ἀναφυσωμένη καὶ διαχεομένη, πάλιν δὲ μεταβάλλουσα εἰς πάγον ἰσχυρὸν ὑπὸ τοῦ ψυχροῦ ὕδατος, οἷόν ἐστι τὸ τῆς λίμνης ὑδωρ, ὥστε τομῆς καὶ κοπῆς δεῖσθαι· εἴτ' ἐπιπολάζουσα διὰ τὴν φύσιν τοῦ  
 30 ὕδατος, καθ' ἣν ἔφαμεν μηδὲ κολύμβου δεῖσθαι, μηδὲ

βαπτίζεσθαι τὸν ἐμβάντα ἀλλ' ἐξαίρεσθαι· προσπλεύσαντες δὲ ταῖς σχεδίαις κόπτουσι καὶ φέρονται τῆς ἀσφάλτου ὅσον ἕκαστος δύναται.

- 43 Τὸ μὲν οὖν συμβαῖνον τοιοῦτον· γόητας δὲ ὄντας σκήπτεσθαι φησιν ἐπωδὰς ὁ Ποσειδάωνιος τοὺς ἀνθρώ- 5 πους καὶ οὐρα καὶ ἄλλα δυσώδη ὕγρὰ, ἃ περικαταχέαντας καὶ ἐκπιάσαντας πῆττειν τὴν ἀσφαλτον, εἶτα τέμνειν· εἰ μὴ τίς ἐστὶν ἐπιτηδειότης τῶν οὐρῶν τοιαύτη, καθάπερ καὶ ἐν ταῖς κύστεσι τῶν λιθιῶντων, καὶ ἐκ τῶν παιδικῶν οὐρῶν ἡ χρυσόκολλα συνίσταται· 10 ἐν μέσῃ δὲ τῇ λίμνῃ τὸ πάθος συμβαίνειν εὖλογον, ὅτι καὶ ἡ πηγὴ τοῦ πυρὸς καὶ τῆς ἀσφάλτου κατὰ μέσον ἐστὶ καὶ τὸ πλῆθος· ἄτακτος δὲ ἡ ἀναφύσησις, ὅτι καὶ ἡ τοῦ πυρὸς κίνησις οὐκ ἔχει τάξιν ἡμῖν φανεράν, ὥσπερ καὶ ἄλλων πνευμάτων πολλῶν. τοιαῦτα δὲ καὶ 15 τὰ ἐν Ἀπολλωνίᾳ τῇ Ἡπειρώτιδι.

- 44 Τοῦ δ' ἔμπυρον τὴν χώραν εἶναι καὶ ἄλλα τεκμήρια φέρουσι πολλά· καὶ γὰρ πέτρας τινὰς ἐπικεκανμέν- 5 νας δεικνύουσι τραχείας περὶ Μοασάδα καὶ σήραγγας πολλαχοῦ καὶ γῆν τεφρώδη, σταγόνας τε πίττης ἐκ 20 λισσάδων λειβομένας καὶ δυσώδεις πόρρωθεν ποταμοὺς ξέοντας, κατοικίας τε ἀνατετραμμένας σποράδην· ὥστε πιστεύειν τοῖς θρυλουμένοις ὑπὸ τῶν ἐγχωρίων, ὡς ἄρα ᾠκουντό ποτε τρισκαίδεκα πόλεις ἐνταῦθα, ὧν 25 τῆς μητροπόλεως Σοδόμων σῶζοιτο κύκλος ἐξήκοντά 25 που σταδίων· ὑπὸ δὲ σεισμῶν καὶ ἀναφυσχημάτων πυρὸς καὶ θερμῶν ὑδάτων ἀσφαλτωδῶν τε καὶ θειωδῶν ἡ λίμνη προπέσοι καὶ [αἱ] πέτραι πυρίληπτοι γέ- 30 νοιντο, αἳ τε πόλεις αἱ μὲν καταποθεῖν, ἃς δ' ἐκλίποιεν οἱ δυνάμενοι φυγεῖν. Ἐρατοσθένης δὲ φησι 30 τὰναντία, λιμναζούσης τῆς χώρας ἐκρήγμασιν ἀνακα- 35 λυφθῆναι τὴν πλείστην, καθάπερ τὴν Θετταλίαν.



Ἔστι δὲ καὶ ἐν τῇ Γαδαρίδι ὕδωρ μοχθηρὸν λι- 45  
μναῖον, οὗ τὰ γευσάμενα κτήνη τρίχας καὶ ὀπλὰς καὶ  
κέρατα ἀποβάλλει. ἐν δὲ ταῖς καλουμέναις ταριχεαῖς  
ἡ λίμνη μὲν ταριχείας ἰχθύων ἀστείας παρέχει, φύει δὲ  
5 δένδρα καρποφόρα μηλέαις ἐμφορῇ· χρῶνται δ' Αἰ-  
γύπτιοι τῇ ἀσφάλτῳ πρὸς τὰς ταριχείας τῶν νεκρῶν.

Πομπήιος μὲν οὖν περικόψας τινὰ τῶν ἐξιδιασθέν- 46  
των ὑπὸ τῶν Ἰουδαίων κατὰ βίαν ἀπέδειξεν Ἰρκανῶ C.765  
τὴν ἱερωσύνην· τῶν δ' ἀπὸ γένους τις ὕστερον Ἡρώ-  
10 δης, ἀνὴρ ἐπιχώριος, παραδὺς εἰς τὴν ἱερωσύνην το-  
σοῦτον διήνεγκε τῶν πρὸ αὐτοῦ καὶ μάλιστα τῇ πρὸς  
Ῥωμαίους ὁμιλίᾳ καὶ πολιτείᾳ, ὥστε καὶ βασιλεὺς ἐχρη-  
μάτισε, δόντος τὸ μὲν πρῶτον Ἀντωνίου τὴν ἐξουσίαν  
ὕστερον δὲ καὶ Καίσαρος τοῦ Σεβαστοῦ· τῶν δ' υἱῶν  
15 τοὺς μὲν αὐτὸς ἀνεῖλεν ὥς ἐπιβουλεύσαντας αὐτῷ,  
τοὺς δὲ τελευτῶν διαδόχους ἀπέλιπε μερίδας αὐτοῖς  
ἀποδούς. Καῖσαρ δὲ καὶ τοὺς υἱοὺς ἐτίμησε τοῦ Ἡρώ-  
δου καὶ τὴν ἀδελφὴν Σαλώμην καὶ τὴν ταύτης θυγα-  
τέρα Βερενίκην· οὐ μέντοι εὐτύχησαν οἱ παῖδες, ἀλλ'  
20 ἐν αἰτίαις ἐγένοντο, καὶ ὁ μὲν ἐν φυγῇ διετέλει παρὰ  
τοῖς Ἀλλόβριξι Γαλάταις λαβὼν οἴκησιν, οἱ δὲ θερα-  
πείᾳ πολλῇ μόλις εὗροντο κάθοδον, τετραρχίας ἀπο-  
δειχθείσης ἑκατέρῳ.

Ὑπέρεκειται δὲ τῆς Ἰουδαίας καὶ τῆς κοίλης Συρίας 3  
25 μέχρι Βαβυλωνίας καὶ τῆς τοῦ Εὐφράτου ποταμίας  
πρὸς νότον Ἀραβία πᾶσα χωρὶς τῶν ἐν τῇ Μεσοποτα-  
μίᾳ σκηνητῶν. περὶ μὲν οὖν τῆς Μεσοποταμίας καὶ  
τῶν νεμομένων αὐτὴν ἔθνων εἴρηται· τὰ δὲ πέραν τοῦ  
Εὐφράτου τὰ μὲν πρὸς ταῖς ἐκβολαῖς αὐτοῦ νέμονται  
30 Βαβυλώνιοι καὶ τὸ τῶν Χαλδαίων ἔθνος (εἴρηται δὲ  
περὶ τούτων), τὰ δ' ἐξῆς τῆς Μεσοποταμίας μέχρι κοί-  
λης Συρίας, τὸ μὲν πλησιάζον τῷ ποταμῷ \* καὶ τὴν

Μεσοποταμίαν σκηνῖται κατέχουσιν Ἀραβες, δυνα-  
στείας ἀποτετμημένοι μικρὰς ἐν λυπροῖς χωρίοις διὰ  
τὰς ἀννυδρίας, γεωργοῦντες μὲν ἢ οὐδὲν ἢ μικρά, νο-  
μὰς δὲ ἔχοντες παντοδαπῶν θρεμμάτων καὶ μάλιστα  
καμήλων· ὑπὲρ δὲ τούτων ἔρημός ἐστι πολλή· τὰ δὲ 5  
τούτων ἔτι νοτιώτερα ἔχουσιν οἱ τὴν εὐδαίμονα καλου-  
μένην Ἀραβίαν οἰκοῦντες. ταύτης δὲ τὸ μὲν προσάρ-  
κτιον πλευρὸν ἢ λεχθεῖσά ἐστιν ἔρημος, τὸ δ' ἑῶν ὁ  
Περσικὸς κόλπος, τὸ δὲ ἐσπέριον ὁ Ἀράβιος, τὸ δὲ  
νότιον ἢ μεγάλη θάλαττα ἢ ἕξω τῶν κόλπων ἀμφοῖν, 10  
ἦν ἅπασαν Ἐρυθρὰν καλοῦσιν.

2 Ὁ μὲν οὖν Περσικὸς κόλπος λέγεται καὶ ἡ κατὰ  
Πέρσας θάλαττα. φησὶ δὲ περὶ αὐτῆς Ἐρατοσθένης  
οὕτως, ὅτι τὸ μὲν στόμα φησὶν εἶναι στενὸν οὕτως  
ὥστ' ἕξ Ἀρμόζοντος, τῆς Καρμανίας ἀκρωτηρίου, τῆς 15  
Ἀραβίας ἀφορᾷται τὸ ἐν Μάκαις· ἀπὸ δὲ τοῦ στόμα-  
τος ἢ ἐν δεξιᾷ παραλία περιφερῆς οὔσα κατ' ἀρχὰς μὲν  
ἀπὸ τῆς Καρμανίας πρὸς ἕω μικρόν, εἶτα πρὸς ἄρκτον  
νεύει, καὶ μετὰ ταῦτα πρὸς τὴν ἐσπέραν μέχρι Τερη-  
δόνος καὶ τῆς ἐκβολῆς τοῦ Εὐφράτου· περιέχει δὲ τὴν 20  
τε Καρμανίων παραλίαν καὶ τὴν Περσῶν καὶ Σουσίων  
C.766 καὶ Βαβυλωνίων ἀπὸ μέρους, ὅσον μυριάων οὔσα στα-  
δίων· περὶ ᾧ καὶ ἡμεῖς εἰρήκαμεν· τὸ δ' ἐντεῦθεν  
ἐξῆς ἐπὶ τὸ στόμα πάλιν ἄλλοι τοσοῦτοι, καθάπερ καὶ  
Ἀνδροσθένης λέγειν φησὶ τὸν Θάσιον, τὸν καὶ Νεάρχῳ 25  
συμπλεύσαντα ..... καθ' αὐτόν· ὥστε διήλον ἐκ τού-  
των εἶναι διότι μικρὸν ἀπολείπεται τῷ μεγέθει τῆς  
κατὰ τὸν Εὐξείνιον θαλάττης αὕτη ἢ θάλαττα· λέγειν  
δὲ φησιν ἐκεῖνον περιπεπλευκότα στόλῳ τὸν κόλπον,  
ὅτι ἀπὸ Τερηδόνος ἐξῆς ἐν δεξιᾷ ἔχοντι τὴν ἡπειρον ὁ 30  
παράπλους ἔχει προκειμένην νῆσον Ἰκαρον, καὶ ἱερὸν  
Ἀπόλλωνος ἄγιον ἐν αὐτῇ καὶ μαντεῖον Ταυροπόλου.



Παραπλεύσαντι δὲ τῆς Ἀραβίας εἰς δισχιλίους καὶ 3  
 τετρακοσίους σταδίους ἐν βαθεῖ κόλπῳ κεῖται πόλις  
 Γέρρα, Χαλδαίων φυγάδων ἐκ Βαβυλῶνος οἰκούντων  
 γῆν ἁλμυρίδα καὶ ἐχόντων ἄλινας τὰς οἰκίας. ἐπεὶ δὲ  
 5 λεπίδες τῶν ἁλῶν ἀφιστάμεναι κατὰ τὴν ἐπικάυσιν τὴν  
 ἐκ τῶν ἡλίων συνεχεῖς ἀποπίπτουσι, καταρραίνοντες  
 ὕδασι πυκνὰ τοὺς τοίχους συνέχουσι. διέχει δὲ τῆς θα-  
 λάττης διακοσίους σταδίους ἢ πόλις· πεζέμποροι δ'  
 εἰσὶν οἱ Γερραῖοι τὸ πλεόν τῶν Ἀραβίων φορτίων καὶ  
 10 ἄρωμάτων. Ἀριστόβουλος δὲ τοῦναντίον φησὶ τοὺς  
 Γερραίους τὰ πολλὰ σχεδίαις εἰς τὴν Βαβυλωνίαν ἐμ-  
 πορεύεσθαι, ἐκεῖθεν δὲ τῷ Εὐφράτῃ τὰ φορτία ἀνα-  
 πλεῖν εἰς Θάψακον, εἴτα πεζῇ κομίζεσθαι πάντη.

Πλεύσαντι δ' ἐπὶ πλεόν ἄλλαι νῆσοι Τύρος καὶ 4  
 15 Ἀραδος εἰσὶν, ἱερὰ ἔχουσαι τοῖς Φοινικικοῖς ὅμοια· καὶ  
 φασὶ γε οἱ ἐν αὐταῖς οἰκοῦντες τὰς ὁμωνύμους τῶν  
 Φοινίκων νήσους καὶ πόλεις ἀποίκους ἑαυτῶν. διέ-  
 χουσι δὲ αἱ νῆσοι αὗται Τερηδόνος μὲν δεχήμερον  
 πλοῦν, τῆς δὲ κατὰ τὸ στόμα ἄκρας τῆς ἐν Μάκαις  
 20 ἡμερήσιον.

Ἀπὸ δὲ τῆς Καρμανίας εἰρήνασι καὶ Νέαρχος καὶ 5  
 Ὀρθαγόρας νῆσον Ὠγυριν κεῖσθαι πρὸς νότον πελα-  
 γίαν ἐν δισχιλίῳις σταδίοις, ἐν ᾗ τάφος Ἐρυθρὰ δεί-  
 κνυται, χῶμα μέγα ἀγροῖς φοῖνιξι κατάφυτον· τοῦ-  
 25 τον δὲ βασιλεῦσαι τῶν τέπων καὶ ἀπ' αὐτοῦ τὴν θά-  
 λατταν ἐπώνυμον καταλιπεῖν· δηλῶσαι δὲ ταῦτά φησιν  
 αὐτοῖς Μιθρωπάστην τὸν Ἀρσίτου τοῦ Φρυγίας σα-  
 τράπου, φυγόντα μὲν Δαρεῖον, διατρίψαντα δ' ἐν τῇ  
 νήσῳ, συμμίζαντα δὲ αὐτοῖς καταχθεῖσιν εἰς τὸν Περ-  
 30 σικὸν κόλπον καὶ ζητοῦντα κάθοδον δι' αὐτῶν εἰς τὴν  
 οἰκείαν.

Καθ' ὅλην δὲ τὴν τῆς Ἐρυθρᾶς παραλίαν κατὰ 6

βυθοῦ φύεται δένδρα ὅμοια δάφνη καὶ ἐλαία, ταῖς μὲν ἀμπώτεσιν ὅλα ὑπερφανῇ γινόμενα, ταῖς δὲ πλημμυρίσιν ἔσθ' ὅτε ὅλα καλυπτόμενα, καὶ ταῦτα τῆς ὑπερκειμένης γῆς ἀδένδρου οὔσης, ὥστε ἐπιτείνεσθαι τὸ C.767 παρὰδοξον. περὶ μὲν οὖν τῆς κατὰ Πέρσας θαλάττης, 5 ἦν ἐφ' ἃν πλευρὰν ἔφαμεν εἶναι τῆς εὐδαίμονος Ἀραβίας, τοιαῦτα εἶρηκεν Ἑρατοσθένης.

7 Φησὶ δ' ὁ Νέαρχος τὸν Μιθρωπάστην ἐντυχεῖν αὐτοῖς μετὰ Μαξήνου· τὸν δὲ Μαξήνην ἐπάρχειν νήσου τινὸς τῶν ἐν τῷ Περσικῷ κόλπῳ· καλεῖσθαι δὲ τὴν 10 νῆσον Ὀάρακτα· εἰς ταύτην δὲ τὸν Μιθρωπάστην καταφυρόντα ξενίας τυχεῖν κατὰ τὴν ἐξ Ὠγύριοις γενομένην ἄφοδον, καὶ δὴ καὶ συνελθεῖν τῷ Μαξήνῃ συσταθυσόμενον τοῖς ἐν τῷ στόλῳ Μακεδόσι, τὸν δὲ Μαξήνην καὶ καθηγεμόνα τοῦ πλοῦ γενέσθαι. λέγει δὲ καὶ 15 ἐν ἀρχῇ τοῦ Περσικοῦ παρὰ πλου νήσον, ἐν ᾗ μαργαρίτης πολὺς καὶ πολυτίμητός ἐστιν, ἐν ἄλλαις δὲ ψῆφοι τῶν διαυγῶν καὶ λαμπρῶν· ἐν δὲ ταῖς πρὸ τοῦ Εὐφράτου νήσοις δένδρα φύεσθαι λιβάνου πνέοντα, ὧν τὰς ρίζας κλωμένων ὁπὸν ρεῖν· παγούρων δὲ καὶ ἐχί- 20 νων μεγέθη, ὅπερ κοινὸν ἐν πάσῃ τῇ ἔξω θαλάττῃ· τοὺς μὲν γὰρ εἶναι μείζους καυσίων, τοὺς δὲ καὶ δικοτύλους· ἐποκεῖλαν δὲ κῆτος ἰδεῖν πεντήκοντα πηχῶν.

4 Ἀρχὴ δὲ τῆς Ἀραβίας ἀπὸ τῆς Βαβυλωνίας ἐστὶν ἡ Μαικήνη· πρόκειται δὲ ταύτης τῇ μὲν ἡ ἔρημος τῶν 25 Ἀράβων τῇ δὲ τὰ ἔλη τὰ κατὰ Χαλδαίους, ἃ ποιεῖ παρεκχεόμενος ὁ Εὐφράτης, τῇ δὲ ἡ κατὰ Πέρσας θάλαττα. δυσάερος [δὲ] οὔσα καὶ ὀμιχλώδης καὶ ἐπομβρος ἅμα καὶ κανυματηρά, καλλίκαρπός ἐστιν ὅμως· ἡ δ' ἄμπελος ἐν ἔλεσι φύεται, καλαμίναις ριπὴν ἐπιβαλλο- 30 μένης γῆς, ὅση δέξαιτ' ἂν τὸ φυτόν, ὥστε φορητὴν



γίνεσθαι πολλάκις, εἴτα κοντοῖς ἀπωθεῖσθαι πάλιν εἰς τὴν οἰκείαν ἔδραν.

Ἐπάνειμι δὲ ἐπὶ τὰς Ἑρατοσθένους ἀποφάσεις 2  
 ἃς ἐξῆς περὶ τῆς Ἀραβίας ἐκτίθεται. φησὶ δὲ περὶ τῆς  
 5 προσαρκτίου καὶ ἐρήμης ἣτις ἐστὶ μεταξὺ τῆς τε εὐ-  
 δαίμονος Ἀραβίας καὶ τῆς Κοιλοσύρων καὶ τῶν Ἰου-  
 δαίων μέχρι τοῦ μυχοῦ τοῦ Ἀραβίου κόλπου, διότι ἀπὸ  
 Ἡρώων πόλεως, ἣτις ἐστὶν [ἐν τῷ] πρὸς τὸν Νεῖλον μυχῶ  
 τοῦ Ἀραβίου κόλπου, πρὸς μὲν τὴν Ναβαταίων Πέτραν  
 10 εἰς Βαβυλῶνα πεντακισχίλιοι ἑξακόσιοι, πᾶσα μὲν πρὸς  
 ἀνατολὰς θερινάς, διὰ δὲ τῶν παρακειμένων Ἀραβίων  
 ἔθνων Ναβαταίων τε καὶ Χανλοταίων καὶ Ἀγραίων·  
 ὑπὲρ δὲ τούτων ἡ εὐδαίμων ἐστίν, ἐπὶ μυρίους καὶ  
 δισχιλίους ἐκκειμένη σταδίους πρὸς νότον μέχρι τοῦ  
 15 Ἀτλαντικοῦ πελάγους. ἔχουσι δ' αὐτὴν οἱ μὲν πρῶτοι  
 μετὰ τοὺς Σύρους καὶ τοὺς Ἰουδαίους ἄνθρωποι γεωρ-  
 γοί· μετὰ δὲ τούτους διάμμος ἐστὶ γῆ καὶ λυπρά, φοί-  
 νικας ἔχουσα ὀλίγους καὶ ἄκανθαν καὶ μυρίκην καὶ  
 ὀρυκτὰ ὕδατα, καθάπερ καὶ ἡ Γεδρωσία· σκηνῖται δ'  
 20 ἔχουσιν αὐτὴν Ἀραβες καὶ καμηλοβοσκοί. τὰ δ' ἔσχατα C.768  
 πρὸς νότον καὶ ἀνταίρουντα τῇ Αἰθιοπία βρέχεται τε  
 θερينوῖς ὄμβροις καὶ δισπορεῖται παραπλησίως τῇ Ἰν-  
 δικῇ, ποταμοὺς δ' ἔχει καταναλισκομένους εἰς πεδία  
 καὶ λίμνας, εὐκαρπία δ' ἐστὶν ἥ τε ἄλλη καὶ μελιτουρ-  
 25 γεῖα δαψιλῇ, βοσκημάτων τε ἀφθονία πλὴν ἵππων καὶ  
 ἡμιόνων καὶ ὄνων, ὄρνεά τε παντοῖα πλὴν χηνῶν καὶ  
 ἀλεκτορίδων. κατοικεῖ δὲ τὰ μέγιστα τέτταρα ἔθνη τὴν  
 ἐσχάτην λεχθεῖσαν χώραν, Μιναῖοι μὲν ἐν τῷ πρὸς  
 τὴν Ἐρυθρὰν μέρει, πόλις δ' αὐτῶν ἡ μεγίστη Κάρνα  
 30 ἢ Κάρνανα· ἐχόμενοι δὲ τούτων Σαβαῖοι, μητρόπολις  
 δ' αὐτῶν Μαρίαβα· τρίτοι δὲ Κατταβανεῖς καθήκον-  
 τες πρὸς τὰ στενὰ καὶ τὴν διάβασιν τοῦ Ἀραβίου κόλ-

που, τὸ δὲ βασίλειον αὐτῶν Τάμνα καλεῖται· πρὸς ἕω δὲ μάλιστα Χατραμωτῖται, πόλιν δ' ἔχουσι Σάβαταν.

- 3 Μοναρχοῦνται δὲ πᾶσαι καὶ εἰδὼν εὐδαίμονες, κα-  
τεσκευασμέναι καλῶς ἱεροῖς τε καὶ βασιλείοις, αἱ τε  
οἰκίαι ταῖς Αἰγυπτίαις εἰκόνασι κατὰ τὴν τῶν ξύλων ἐν- 5  
δεσιν· χώραν δ' ἐπέχουσιν οἱ τέτταρες νομοὶ μείζω τοῦ  
κατ' Αἴγυπτον Δέλτα· διαδέχεται δὲ τὴν βασιλείαν οὐ  
παῖς παρὰ πατρός, ἀλλ' ὃς ἂν πρωτός γεννηθῇ τινι  
τῶν ἐπιφανῶν παῖς μετὰ τὴν κατάστασιν τοῦ βασι-  
λέως· ἅμα γὰρ τῷ κατασταθῆναί τινα εἰς τὴν ἀρχὴν 10  
ἀναγράφονται τὰς ἐγκύους γυναικας τῶν ἐπιφανῶν  
ἀνδρῶν καὶ ἐφιστᾷσι φύλακας, ἥτις [δ'] ἂν πρώτη  
τέκη, τὸν ταύτης υἱὸν νόμος ἐστὶν ἀναληφθέντα τρέ-  
φεσθαι βασιλικῶς ὡς διαδεξόμενον.

- 4 Φέρει δὲ λιβανωτὸν μὲν ἡ Κατταβανία, σμύρναν 15  
δὲ ἡ Χατραμωτῖτις· καὶ ταῦτά τε καὶ τὰ ἄλλα ἀρώματα  
μεταβάλλονται τοῖς ἐμπόροις. ἔρχονται δὲ πρὸς αὐτοὺς  
ἐξ Αἰλάνων μὲν εἰς Μιναίαν ἐν ἑβδομήκοντα ἡμέραις·  
ἐστὶ δ' ἡ Αἶλανα πόλις ἐν θατέρῳ μυχῷ τοῦ Ἀραβίου  
κόλπου τῷ κατὰ Γάζαν, τῷ Αἰλανίτῃ καλουμένῳ, κα- 20  
θάπερ εἰρήκαμεν· Γερραῖοι δ' εἰς τὴν Χατραμωτῖτιν  
ἐν τετταράκοντα ἡμέραις ἀφικνοῦνται. τοῦ δ' Ἀραβίου  
κόλπου τὸ μὲν παρὰ τὴν Ἀραβίαν πλευρὸν ἀρχομένοις  
ἀπὸ τοῦ Αἰλανίτου μυχοῦ, καθάπερ οἱ περὶ Ἀλέξαν-  
δρον ἀνέγραψαν καὶ Ἀναξικράτης, μυρίων καὶ τετρα- 25  
κισχιλίων σταδίων ἐστίν· εἰρηται δὲ ἐπὶ πλεόν. τὸ δὲ  
κατὰ τὴν Τρωγλοδυτικὴν, ὅπερ ἐστὶν ἐν δεξιᾷ ἀπο-  
πλεύουσιν ἀπὸ Ἡρώων πόλεως, μέχρι μὲν Πτολεμαῖδος  
καὶ τῆς τῶν ἐλεφάντων θήρας ἐνακισχίλιοι πρὸς με-  
σημβρίαν στάδιοι καὶ μικρὸν ἐπὶ τὴν ἕω· ἐντεῦθεν δὲ 30  
μέχρι τῶν στενωῶν ὡς τετρακισχίλιοι καὶ πεντακόσιοι  
C.769 πρὸς τὴν ἕω μᾶλλον. ποιεῖ δὲ ἄκρα τὰ στενὰ πρὸς τὴν



Αἰθιοπίαν Δειρὴν καλουμένην, καὶ πολίχνιον ὁμώνυμον  
 αὐτῇ· κατοικοῦσι δὲ ἰχθυοφάγοι. καὶ φασιν ἐνταῦθα  
 στήλην εἶναι Σεσώστριος τοῦ Αἰγυπτίου μηνύουσαν  
 ἱεροῖς γράμμασι τὴν διάβασιν αὐτοῦ· φαίνεται γὰρ  
 5 τὴν Αἰθιοπίδα καὶ τὴν Τρωγλοδυτικὴν πρῶτος κατα-  
 στρεψάμενος οὗτος, εἴτα διαβὰς εἰς τὴν Ἀραβίαν κἀν-  
 τεῦθεν τὴν Ἀσίαν ἐπελθὼν τὴν σύμπασαν· διὸ δὴ  
 πολλαχοῦ Σεσώστριος χάρακες προσαγορεύονται, καὶ  
 ἀφιδρύματά ἐστιν Αἰγυπτίων θεῶν ἱερῶν. τὰ δὲ κατὰ  
 10 Δειρὴν στενὰ συνάγεται εἰς σταδίους ἐξήκοντα· οὐ  
 μὴν ταῦτά γε καλεῖται νυνὶ στενά, ἀλλὰ προσπλεύσα-  
 σιν ἀπωτέρω, καθὼς τὸ μὲν διάρμα ἐστὶ τὸ μεταξὺ τῶν  
 ἡπείρων διακοσίων πονταδίων, ἐξ δὲ νῆσοι συνεχεῖς  
 ἀλλήλαις τὸ διάρμα ἐκπληροῦσαι στενοὺς τελέως διὰ-  
 15 πλους ἀπολείπουσι, δι' ὧν σχεδίαις τὰ φορτία κομίζουσι  
 δεῦρο κἀκείσε, καὶ λέγουσι ταῦτα στενά. μετὰ δὲ τὰς  
 νήσους ὁ ἐξῆς πλοῦς ἐστὶν ἐγκολπίζουσι παρὰ τὴν  
 σμυρνοφόρον ἐπὶ τὴν μεσημβρίαν ἅμα καὶ τὴν ἑω  
 μέχρι πρὸς τὴν τὸ κιννάμωμον φέρουσαν, ὅσον πεν-  
 20 τακισχιλίων σταδίων· πέρα δὲ ταύτης οὐδένα ἀφῆχθαι  
 φησι μέχρι νῦν. πόλεις δ' ἐν μὲν τῇ παραλίᾳ μὴ πολ-  
 λὰς εἶναι, κατὰ δὲ τὴν μεσόγαιαν πολλὰς οἰκουμένας  
 καλῶς. τὰ μὲν δὴ τοῦ Ἑρατοσθένους περὶ τῆς Ἀραβίας  
 τοιαῦτα· προσθετέον δὲ καὶ τὰ παρὰ τῶν ἄλλων.  
 25 Φησὶ δ' Ἀρτεμίδωρος τὸ ἀντικείμενον ἐκ τῆς 5  
 Ἀραβίας ἀκρωτήριον τῇ Δειρῇ καλεῖσθαι \* Ἀκίλαν·  
 τοὺς δὲ περὶ τὴν Δειρὴν κολοβούς εἶναι τὰς βαλάνους.  
 ἀπὸ δὲ Ἡρώων πόλεως πλέουσι κατὰ τὴν Τρωγλοδυτι-  
 κὴν πόλιν εἶναι Φιλωτέραν ἀπὸ τῆς ἀδελφῆς τοῦ δευ-  
 30 τέρου Πτολεμαίου προσαγορευθεῖσαν, Σατύρου κτίσμα  
 τοῦ πεμφθέντος ἐπὶ τὴν διερεῦνησιν τῆς τῶν ἐλεφάν-  
 των θήρας καὶ τῆς Τρωγλοδυτικῆς· εἴτα ἄλλην πόλιν

Ἀρσινόην· εἶτα θερμοῶν ὑδάτων ἐκβολὰς πικρῶν καὶ ἄλμυρῶν, κατὰ πέτρας τινὸς ὑψηλῆς ἐκδιδόντων εἰς τὴν θάλατταν, καὶ πλησίον ὅρος ἐστὶν ἐν πεδίῳ μιλ-  
τῶδες· εἶτα Μυὸς ὄρμον ὃν καὶ Ἀφροδίτης ὄρμον καλεῖσθαι, λιμένα μέγαν, τὸν εἰσπλοῦν ἔχοντα σκο- 5  
λίον· προκεῖσθαι δὲ νήσους τρεῖς, δύο μὲν ἐλαίαις κα-  
τασκίους, μίαν δ' ἦττον κατάσκιον, μελεαργίδων με-  
στήν· εἰδ' ἐξῆς τὸν Ἀκάθαρτον κόλπον καὶ αὐτὸν  
κατὰ τὴν Θηβαΐδα κείμενον, καθάπερ τὸν Μυὸς ὄρμον,  
ὄντως δὲ ἀκάθαρτον· καὶ γὰρ ὑφάλοις χοιράσι καὶ 10  
ῥαχίαις ἐκτετράχυνται καὶ πνοιαῖς καταγιγινούσαις τὸ  
C.770 πλέον. ἐνταῦθα δὲ ἰδρῦσθαι Βερενίκην πόλιν ἐν βάθει  
τοῦ κόλπου.

6 Μετὰ δὲ τὸν κόλπον ἡ Ὀφιώδης καλουμένη νῆσος  
ἀπὸ τοῦ συμβεβηκότος, ἣν ἡλευθέρωσε τῶν ἐρπετῶν 15  
ὁ βασιλεύς, ἅμα καὶ διὰ τὰς φθοράς τῶν προσορμιζο-  
μένων ἀνθρώπων τὰς ἐκ τῶν θηρίων καὶ διὰ τὰ τοπά-  
ξια. λίθος δὲ ἐστὶ διαφανὴς χρυσοειδὲς ἀποστίλβων  
φέγγος, ὅσον μεθ' ἡμέραν μὲν οὐ ῥάδιον ἰδεῖν ἐστι  
(ὑπεραυγεῖται γάρ), νύκτωρ δ' ὁρῶσιν οἱ συλλέγον- 20  
τες· περικαθάψαντες δὲ ἀγγεῖον σημείου χάριν μεθ'  
ἡμέραν ἀνορύττουσι· καὶ ἦν σύστημα ἀνθρώπων ἀπο-  
δεδειγμένων εἰς τὴν φυλακὴν τῆς λιθείας ταύτης καὶ  
τὴν συναγωγὴν, σιταρχούμενον ὑπὸ τῶν τῆς Αἰγύπτου  
βασιλέων.

25

7 Μετὰ δὲ τὴν νῆσον ταύτην πολλὰ ἐστὶν ἰχθυοφά-  
γων γένη καὶ νομάδων· εἰδ' ὁ τῆς Σωτείρας λιμὴν, ὃν  
ἐκ κινδύνων μεγάλων τινὲς σωθέντες τῶν ἡγεμόνων  
ἀπὸ τοῦ συμβεβηκότος οὕτως ἐκάλεσαν. μετὰ δὲ ταῦτα  
ἐξάλλαξις πολλὴ τῆς παραλίας καὶ τοῦ κόλπου· τὸν 30  
γὰρ παράπλοον οὐκέτι συμβαίνει τραχὺν εἶναι, συνά-  
πτειν τέ πως τῇ Ἀραβίᾳ καὶ τὸ πέλαγος ταπεινὸν εἶναι



σχεδόν τι καὶ ἐπὶ δύο ὀργυιάς, ποάζειν τε τὴν ἐπιφά-  
 νειαν διαφαινομένου τοῦ μνίου καὶ τοῦ φύκου· ὅπερ  
 πλεονάζει κατὰ τὸν πόρον, ὅπου γε καὶ δένδρα φύεται  
 καθ' ὕδατος παρὰ τοῖς ἐνταῦθα· ἔχει δὲ καὶ κυνῶν  
 5 πληθὺς τῶν θαλαττίων ὁ πόρος· εἶθ' οἱ Ταῦροι, δύο  
 ὄρη τύποντινὰ πόρῳθεν δεικνύντα τοῖς ζώοις ὁμοιον·  
 εἴτ' ἄλλο ὄρος ἱερὸν ἔχον τῆς Ἰσιδος, Σεσώστριος ἀφί-  
 δρυμα· εἴτα νῆσος ἐλαία κατάφυτος ἐπικλυζομένη,  
 μεθ' ἣν ἡ Πτολεμαῖς πρὸς τῇ θήρᾳ τῶν ἐλεφάντων,  
 10 κτίσμα Εὐμήδους τοῦ πεμφθέντος ἐπὶ τὴν θήραν ὑπὸ  
 Φιλαδέλφου, λάθρα περιβαλομένου χερρονήσῳ τινὶ  
 τάφρῳ καὶ περίβολῳ, εἴτ' ἐκθεραπεύσαντος τοὺς κω-  
 λύνοντας καὶ κατεσκευασμένου φίλους ἀντὶ δυσμενῶν.  
 Ἐν δὲ τῷ μεταξὺ ἐκδίδωσιν ἀπόσπασμα τοῦ Ἀστα- 8  
 15 βόρα καλουμένου ποταμοῦ, ὃς ἐκ λίμνης τὴν ἀρχὴν  
 ἔχων μέρος μὲν τι ἐκδίδωσι, τὸ δὲ πλεόν συμβάλλει τῷ  
 Νείλῳ· εἴτα νῆσοι ἕξ Αἰατομίαι καλούμεναι· καὶ μετὰ  
 ταῦτα τὸ Σαβαϊτικὸν στόμα λεγόμενον καὶ ἐν τῇ μεσο-  
 γαίᾳ φρούριον, Τοσοῦχον ἵδρυμα· εἴτα λιμὴν καλού-  
 20 μενος Ἐλαία καὶ ἡ Στράτωνος νῆσος· εἴτα λιμὴν Σαβὰ  
 καὶ κυνήγιον ἐλεφάντων ὁμώνυμον αὐτῷ· ἡ δ' ἐν βά-  
 θει τούτων χώρα Τηνεσσὶς λέγεται· ἔχουσι δ' αὐτὴν  
 οἱ παρὰ Ψαμμιτίχου φυγάδες Αἰγυπτίων· ἐπονομά-  
 ζονται δὲ Σεμβρίται, ὥς ἂν ἐπήλυδες· βασιλεύονται δ' C.771  
 25 ὑπὸ γυναικός, ὑφ' ἣν ἔστι καὶ ἡ Μερόη, πλησίον τῶν  
 τόπων οὕσα τούτων ἐν τῷ Νείλῳ νῆσος, ὑπὲρ ἧς ἄλλη  
 ἔστι νῆσος οὐ πολὺ ἄπωθεν ἐν τῷ ποταμῷ, κατοικία  
 τῶν αὐτῶν τούτων φυγάδων. ἀπὸ δὲ Μερόης ἐπὶ  
 τήνδε τὴν θάλατταν εὐζώνῳ ὁδὸς ἡμερῶν πεντεκαί-  
 30 δεκα· περὶ δὲ τὴν Μερόην καὶ ἡ συμβολὴ τοῦ τε Ἀστα-  
 βόρα καὶ τοῦ Ἀστάπου καὶ ἔτι τοῦ Ἀστασόβα πρὸς τὸν  
 Νεῖλον.

9 Παροικοῦσι δὲ τούτοις οἱ ῥίζοφάγοι καὶ ἔλειοι  
 προσαγορευόμενοι διὰ τὸ ἐκ τοῦ παρακειμένου ρίζοτο-  
 μοῦντας ἔλους κόπτειν λίθοις καὶ ἀναπλάττειν μάζας,  
 ἡλιάσαντας δὲ σιτεῖσθαι· λεοντοβότα δ' ἐστὶ τὰ χωρία·  
 ταῖς δ' ὑπὸ κυνὸς ἐπιτολὴν ἡμέραις ὑπὸ κωνώπων με- 5  
 γάλων ἐξελαύνεται τὰ θηρία ἐκ τῶν τόπων· εἰσὶ δὲ καὶ  
 σπερμοφάγοι πλησίον, οἱ τῶν σπερμάτων ἐπιλιπόντων  
 ὑπὸ τῶν ἀκροδρύων τρέφονται, σκευάζοντες παραπλη-  
 σίως ὥσπερ τὰς ῥίζας οἱ ῥίζοφάγοι. μετὰ δὲ τὴν Ἐλαίαν  
 αἱ Δημητρίου σκοπιαὶ καὶ βωμοὶ Κόνωνος· ἐν δὲ τῇ 10  
 μεσογαίᾳ καλάμων Ἰνδικῶν φύεται πλῆθος· καλεῖται  
 δὲ ἡ χώρα Κορακίου· ἣν δὲ τις ἐν βάθει Ἐνδέρᾳ γυ-  
 μνητῶν ἀνθρώπων κατοικία, τόξοις χρωμένων καλα-  
 μίνοις καὶ πεπυρακτωμένοις οἰστοῖς· ἀπὸ δένδρων δὲ  
 τοξεύουσι τὰ θηρία τὸ πλέον, ἔστι δ' ὅτε καὶ ἀπὸ γῆς· 15  
 πολὺ δ' ἐστὶ παρ' αὐτοῖς πλῆθος τῶν ἀγρίων βοῶν·  
 ἀπὸ δὲ τῆς τούτων καὶ τῶν ἄλλων θηρίων κρεοφαγίας  
 ζῶσιν, ἐπ' αὐτὴν δὲ μηδὲν θηρεύσωσι, τὰ ξηρὰ δέρματα ἐπ'  
 ἀνθρακιᾷς ὁπτῶντες ἀρκοῦνται τῇ τοιαύτῃ τροφῇ.  
 ἔθος δ' ἐστὶν αὐτοῖς ἀγῶνα τοξείας προτιθέναι τοῖς 20  
 ἀνῆβοις παισί. μετὰ δὲ τοὺς Κόνωνος βωμοὺς ὁ Μήλι-  
 νος λιμὴν· ὑπέρεκειται δ' αὐτοῦ φρούριον Κοράου κα-  
 λούμενον καὶ κυνήγιον τοῦ Κοράου καὶ ἄλλο φρούριον  
 καὶ κυνήγια πλείω· εἶτα ὁ Ἀντιφίλου λιμὴν καὶ οἱ  
 ὑπὲρ τούτου κρεοφάγοι, κολοβοὶ τὰς βαλάνους καὶ αἱ 25  
 γυναῖκες Ἰουδαϊκῶς ἐκτετμημέναι.

10 Ἔτι δ' ὑπὲρ τούτων ὡς πρὸς μεσημβρίαν οἱ κυνα-  
 μολγοί, ὑπὸ δὲ τῶν ἐντοπίων ἀγριοὶ καλούμενοι, κα-  
 τάκομοι, καταπώγανες, κύνας ἐκτρέφοντες εὐμεγέθεις,  
 οἷς θηρεύουσι τοὺς ἐπερχομένους ἐκ τῆς πλησιοχώρου 30  
 βόας Ἰνδικούς, εἰθ' ὑπὸ θηρίων ἐξελαυνόμενους εἴτε  
 σπάνει νομῆς· ἡ δ' ἐφοδος αὐτῶν ἀπὸ θερινῶν τρο-



πῶν μέχρη μέσον χειμῶνος. τῷ δ' Ἀντιφίλου λιμένι  
 ἐξῆς ἔστι λιμὴν καλούμενος κολοβῶν ἄλσος καὶ Βερε-  
 νίκη πόλις ἢ κατὰ Σαβάς καὶ Σαβαί, πόλις εὐμεγέθης,  
 εἴτα τὸ τοῦ Εὐμένους ἄλσος. ὑπέρκειται δὲ πόλις Δά-  
 5 ραδα καὶ κυνήγιον ἐλεφάντων τὸ πρὸς τῷ φρέατι κα-  
 λούμενον· κατοικοῦσι δ' ἐλεφαντοφάγοι, τὴν θήραν  
 ποιούμενοι τοιαύτην· ἀπὸ τῶν δένδρων ἰδόντες ἀγέ- C.772  
 λην διὰ τοῦ δρυμοῦ φερομένην τῇ μὲν οὐκ ἐπιτίθενται,  
 τοὺς δ' ἀποπλανηθέντας ἐκ τῶν ὀπισθεν λάθρα προσ-  
 10 ιόντες νευροκοποῦσι· τινὲς δὲ καὶ τοξεύμασιν ἀναι-  
 ροῦσιν αὐτοὺς χολῇ βεβαμμένοις ὄφρων· ἡ δὲ τοξεία  
 διὰ τριῶν ἀνδρῶν συντελεῖται, τῶν μὲν κατεχόντων  
 τὸ τόξον καὶ προβεβηκότων τοῖς ποσὶ, τοῦ δ' ἔλκοντος  
 τὴν νευράν· ἄλλοι δὲ σημειωσάμενοι τὰ δένδρα οἷς  
 15 εἰώθασι προσαναπαύεσθαι, προσιόντες ἐκ θατέρου  
 μέρους τὸ στέλεχος ὑποκόπτουσιν· ἐπὰν οὖν προσιὸν  
 τὸ θηρίον ἀποκλίνῃ πρὸς αὐτό, πεσόντος τοῦ δένδρου  
 πίπτει καὶ αὐτό, ἀναστῆναι δὲ μὴ δυναμένου διὰ τὸ τὰ  
 σκέλη διηνεκὲς ὅστούν ἔχειν καὶ ἀκαμπές, καταπηδή-  
 20 σαντες ἀπὸ τῶν δένδρων ἀνατέμνουσιν αὐτό· τοὺς δὲ  
 κυνηγοὺς οἱ νομάδες ἀκαθάρτους καλοῦσιν.

Ὑπέρκειται δὲ τούτων ἔθνος οὐ μέγα στρουθο- 11  
 φάγων, παρ' οἷς ὄρνεις εἰσὶ μέγεθος ἐλάφων ἔχοντες,  
 πέτασθαι μὲν οὐ δυνάμενοι, θέοντες δὲ ὀξέως καθάπερ  
 25 οἱ στρουθοκάμηλοι· θηρεύουσι δ' αὐτοὺς οἱ μὲν τόξοις,  
 οἱ δὲ ταῖς δοραῖς τῶν στρουθῶν σκεπασθέντες τὴν μὲν  
 δεξιὰν καλύπτουσιν τῷ τραχηλιμαίῳ μέρει καὶ κινουῦσιν  
 οὕτως ὥσπερ τὰ ζῷα κινεῖται τοῖς τραχήλοις, τῇ δὲ  
 ἀριστερᾷ σπέρμα προχέουσιν ἀπὸ πήρας παρηρημέ-  
 30 νης, καὶ τούτῳ δελεάσαντες τὰ ζῷα εἰς φάραγγας συν-  
 ωθοῦσιν· ἐνταῦθα δ' ἐφεστῶτες ξυλοκόποι κατακό-  
 πτουσι· καὶ ἀμπέχονται δὲ καὶ ὑποστόρνυνται τὰ δέρ-

ματα ταῦτα· πολεμοῦσι δὲ τούτοις οἱ σιμοὶ καλούμενοι Αἰθίοπες, κέρασιν ὀρύγων ὅπλοις χρώμενοι.

- 12 Πλησιόχωροι δὲ τούτοις εἰσὶ μελανώτεροί τε τῶν ἄλλων καὶ βραχύτεροι καὶ βραχυβιώτατοι ἀκριδοφάγοι· τὰ γὰρ τετταράκοντα ἔτη σπανίως ὑπερτιθέασιν, ἀπο- 5 θηριουμένης αὐτῶν τῆς σαρκός· ζῶσι δ' ἀπὸ ἀκριδῶν, αἷς οἱ ἔαρινοὶ λίβες καὶ ζέφυροι πνέοντες μεγάλοι συνελάνθουσιν εἰς τοὺς τόπους τούτους· ἐν ταῖς χαράδραις δὲ ἐμβαλόντες ὕλην καπνώδη καὶ ὑφάψαντες μικρὸν . . . . . ὑπερπετάμεναι γὰρ τὸν καπνὸν σκο- 10 τοῦνται καὶ πίπτουσι· συγκόψαντες δ' αὐτάς μεθ' ἄλμυρίδος μάζας ποιοῦνται καὶ χρῶνται. τούτων δ' ἔρημος ὑπέρεκείται μεγάλη, νομὰς θαψιλεῖς ἔχουσα, ἐκλειφθεῖσα δ' ὑπὸ πλήθους σκορπίων καὶ φαλαγγίων τῶν τετραγνῶν καλουμένων, ἐπιπολάσαντός ποτε καὶ 15 ἀπεργασαμένου τοῖς ἀνθρώποις φυγὴν παντελῆ.

- 13 Μετὰ δὲ Εὐμένους λιμένα μέχρι Δειρῆς καὶ τῶν κατὰ τὰς ἑξ νήσους στενῶν ἰχθυοφάγοι καὶ κρεοφάγοι C.773 κατοικοῦσι καὶ κολοβοὶ μέχρι τῆς μεσογαίης. εἰσὶ δὲ καὶ θῆραι πλείους ἐλεφάντων καὶ πόλεις ἄσημοι καὶ 20 νησία πρὸ τῆς παραλίας· νομάδες δ' οἱ πλείους, ὀλίγοι δ' οἱ γεωργοῦντες· παρὰ τισὶ δὲ τούτων φύεται στύραξ οὐκ ὀλίγος. συνάγουσι δὲ ταῖς ἀμπώτεσιν οἱ ἰχθυοφάγοι τοὺς ἰχθῦς· ἐπιρρίψαντες δὲ ταῖς πέτραις κατο- 25 πτῶσι πρὸς τὸν ἥλιον, εἴτ' ἐξοπτήσαντες τὰς ἀκάνθας μὲν σωρεύουσι, τὴν δὲ σάρκα πατήσαντες μάζας ποι- οῦνται, πάλιν δὲ ταύτας ἠλιάζοντες σιτοῦνται· χειμῶ- νος δ' ἀδυνατήσαντες συνάγειν τοὺς ἰχθῦς τὰς σεσω- ρευμένας ἀκάνθας κόψαντες μάζας ἀναπλάττονται καὶ 30 χρῶνται, τὰς δὲ νεαρὰς ἐκμυζῶσιν· ἐνιοὶ δὲ τὰς κόγχας ἐχούσας τὴν σάρκα σιτεύουσι, καταβάλλοντες εἰς χα- ράδρια καὶ συστάδας θαλάττης, εἴτ' ἰχθύδια παραρ-



ριπτοῦντες τροφήν αὐταῖς χρῶνται ἐν τῇ τῶν ἰχθύων  
 σπάνει· ἔστι δ' αὐτοῖς καὶ ἰχθυοτροφεῖα παντοῖα, ἀφ'  
 ὧν ταμιεύονται. ἔνιοι δὲ τῶν τὴν ἄνυδρον παραλίαν  
 οἰκούντων διὰ πέντε ἡμερῶν ἐπὶ τὰ ὕδρεῖα ἀναβαί-  
 5 νουσι πανοίκιοι μετὰ παιανισμοῦ, ριφέντες δὲ πρηνεῖς  
 πίνουσι βοῶν δίκην ἕως ἐκτυμπανώσεως τῆς γαστροῦς,  
 εἴτ' ἀπίασιν ἐπὶ θάλατταν πάλιν· οἰκοῦσι δ' ἐν σπη-  
 λαίοις ἢ μάνδραις στεγασταῖς ἀπὸ δοκῶν μὲν καὶ στρω-  
 τήρων τῶν κητείων ὀστέων καὶ ἀκανθῶν, φυλλάδος δ'  
 10 ἐλαΐνης.

Οἱ δὲ χελωνοφάγοι τοῖς ὀστέοις αὐτῶν σκεπά- 14  
 ζονται μεγάλοις οὖσιν ὥστε καὶ πλεῖσθαι ἐν αὐτοῖς·  
 ἔνιοι δὲ τοῦ φύκους ἀποβεβλημένου πολλοῦ καὶ θῖνας  
 ὑψηλὰς καὶ λοφώδεις ποιοῦντος, ὑπορύττοντες ταύτας  
 15 ὑποικοῦσι· τοὺς δὲ νεκροὺς ῥίπτουσι τροφήν τοῖς  
 ἰχθύσιν, ἀναλαμβανομένους ὑπὸ τῶν πλημυρίδων.  
 τῶν δὲ νήσων τινὲς τρεῖς ἐφεξῆς κεῖνται, ἡ μὲν χελω-  
 νῶν ἡ δὲ φωκῶν ἡ δ' ἰεράκων λεγομένη. πᾶσα δ' ἡ  
 παραλία φοίνικας τε ἔχει καὶ ἐλαιῶνας καὶ δαφνῶνας,  
 20 οὐχ ἡ ἐντὸς τῶν στενωπῶν μόνον ἀλλὰ καὶ τῆς ἐκτὸς  
 πολλή. ἔστι δέ τις καὶ Φιλίππου νῆσος, καθ' ἣν ὑπέρ-  
 κείται τὸ Πυθαγγέλου καλούμενον τῶν ἐλεφάντων  
 κυνήγιον· εἴτ' Ἀρσινόη πόλις καὶ λιμὴν, καὶ μετὰ  
 ταῦτα ἡ Δειρή· καὶ τούτων ὑπέρκειται θήρα τῶν ἐλε-  
 25 φάντων. ἀπὸ δὲ τῆς Δειρῆς ἡ ἐφεξῆς ἔστιν ἄρωματο-  
 φόρος, πρώτη μὲν ἡ τὴν σμύρναν φέρουσα, καὶ αὕτη  
 μὲν ἰχθυοφάγων καὶ κρεοφάγων· φύει δὲ καὶ περσέαν  
 καὶ σικάμινον Αἰγύπτιον· ὑπέρκειται δ' ἡ Αἶχα θήρα  
 τῶν ἐλεφάντων· πολλαχοῦ δ' εἰσὶ συστάδες τῶν ὀμ-  
 30 βρίων ὑδάτων, ὧν ἀναξηρανθεῖσιν οἱ ἐλέφαντες ταῖς  
 προβοσκίσι καὶ τοῖς ὀδοῦσι φρεωρυχοῦσι καὶ ἀνευρί-  
 σκουσιν ὕδωρ. ἐν δὲ τῇ παραλίᾳ ταύτῃ μέχρι τοῦ Πυ- C.774

θολάου ἀκρωτηρίου δύο λίμναι εἰσὶν εὐμεγέθεις· ἡ  
 μὲν ἄλμυροῦ ὕδατος, ἣν καλοῦσι θάλατταν, ἡ δὲ γλυ-  
 κέος, ἣ τρέφει καὶ ἵππους ποταμίους καὶ κροκοδείλους,  
 περὶ τὰ χεῖλη δὲ πάπυρον· ὀρῶνται δὲ καὶ ἴβεις περὶ  
 τὸν τόπον. ἤδη δὲ καὶ οἱ πλησίον τῆς ἄκρας τῆς Πυ- 5  
 θολάου τὰ σώματα ὁλόκληροί εἰσι. μετὰ δὲ τούτους ἡ  
 λιβανωτοφόρος· ἐνταῦθα ἄκρα ἐστὶ καὶ ἱερὸν αἰγαι-  
 ρῶνα ἔχον. ἐν δὲ τῇ μεσογαίᾳ ποταμία τις Ἰσιδος λε-  
 γομένη καὶ ἄλλη τις Νεῖλος, ἅμφω καὶ σμύρναν καὶ  
 λίβανον παραπεφυκότες ἔχουσαι. ἐστὶ δὲ καὶ δεξαμενὴ 10  
 τις τοῖς ἐκ τῶν ὀρῶν ὕδασι πληρουμένη καὶ μετὰ ταῦτα  
 Λέοντος σκοπὴ καὶ Πυθαγγέλου λιμὴν· ἡ δ' ἐξῆς ἔχει  
 καὶ ψευδοκασίαν. συνεχῶς δ' εἰσὶ ποτάμια τε πλείους  
 ἔχουσαι λίβανον παραπεφυκότες καὶ ποταμοὶ μέχρι τῆς  
 κινναμωμοφόρου· ὁ δ' ὀρίζων ταύτην ποταμὸς φέρει 15  
 καὶ φλοῦν πάμπολυν· εἴτ' ἄλλος ποταμὸς καὶ Δαφνουῖς  
 λιμὴν καὶ ποταμία Ἀπόλλωνος καλουμένη, ἔχουσα  
 πρὸς τῷ λιβάνῳ καὶ σμύρναν καὶ κιννάμωμον· τοῦτο  
 δὲ πλεονάζει μᾶλλον περὶ τοὺς ἐν βάθει τόπους· εἰδ' ὁ  
 Ἑλέφας τὸ ὄρος ἐκκείμενον εἰς θάλατταν, καὶ διαῶρυξ 20  
 καὶ ἐφεξῆς Ψυγμοῦ λιμὴν μέγας καὶ ὕδρευμα τὸ κυνο-  
 κεφάλων καλούμενον, καὶ τελευταῖον ἀκρωτήριον τῆς  
 παραλίας ταύτης, τὸ Νότου κέρας. κάμψαντι δὲ τοῦτο  
 ὥς ἐπὶ μεσημβρίαν οὐκέτι, φησὶν, ἔχομεν λιμένων  
 ἀναγραφὰς οὐδὲ τόπων διὰ τὸ μηκέτι εἶναι γνώριμον 25

15 \* ἐν δὲ τῇ ἐξῆς παραλίᾳ. εἰσὶ καὶ στῆλαι καὶ βωμοὶ Πυ-  
 θολάου καὶ Αἶχα καὶ Πυθαγγέλου καὶ Λέοντος καὶ Χα-  
 ριμόρτου κατὰ τὴν γνώριμον παραλίαν τὴν ἀπὸ Δειρῆς  
 μέχρι Νότου κέρας, τὸ δὲ διάστημα οὐ γνώριμον. πλη-  
 θύνει δ' ἐλέφασιν ἡ χώρα καὶ λέουσι τοῖς καλουμένοις 30  
 μύρμηξιν· ἀπεστραμμένα δ' ἔχουσι τὰ αἰδοῖα \* καὶ χρυ-  
 σοειδεῖς τὴν χροάν, ψιλότεροι δὲ τῶν κατὰ τὴν Ἀρα-



βίαν· φέρει δὲ καὶ παρδάλεις ἀλκίμους καὶ ῥινοκέρωτας· οὗτοι δὲ μικρὸν ἀπολείπονται τῶν ἐλεφάντων οἱ ῥινοκέρωτες, [οὐχ] ὥσπερ Ἀρτεμίδωρος φησιν, ἐπὶ σειρὰν τῷ μήκει, καίπερ ἑώρακέναι φήσας ἐν Ἀλεξανδρείᾳ, 5 ἀλλὰ σχεδόν τι ὅσον . . . . . τῷ ὕψει, ἀπὸ γε τοῦ ὕφ' ἡμῶν ὁραθέντος· οὐδὲ πύξω τὸ χροῶμα ἐμφερές, ἀλλ' ἐλέφαντι μᾶλλον· μέγεθος δ' ἐστὶ ταύρου· μορφὴ δ' ἐγγυτάτω σνάγρου καὶ μάλιστα κατὰ τὴν προτομὴν πλὴν τῆς ῥινός, ὅτι ἔστι κέρας σιμὸν στερεώτερον 10 ὁστέου παντός· χρῆται δ' ὄπλῳ, καθάπερ καὶ τοῖς ὁδοῦσιν ὁ σύαγρος· ἔχει δὲ καὶ τύλους δύο ὡς ἂν σπεί-C.775 ρας δρακόντων ἀπὸ τῆς ῥάχεως μέχρι τῆς γαστρὸς περικειμένας, τὴν μὲν πρὸς τῷ λόφῳ τὴν δὲ πρὸς τῇ ὀσφύϊ. ἐκ μὲν δὴ τοῦ ὕφ' ἡμῶν ὁραθέντος ταῦτά φα- 15 μεν ἡμεῖς, ἐκεῖνος δὲ προσδιασαφεῖ διότι καὶ ἐλεφαντομάχον ἰδίως ἐστὶ τὸ ζῶον περὶ τῆς νομῆς, ὑποδύνον τῇ προτομῇ καὶ ἀνακείρον τὴν γαστέρα, ἐὰν μὴ προληφθῇ τῇ προβοσκίδι καὶ τοῖς ὁδοῦσι.

Γίνονται δ' ἐν τούτοις τοῖς τόποις καὶ αἱ καμηλο- 16 20 παρδάλεις, οὐδὲν ὅμοιον ἔχουσαι παρδάλει· τὸ γὰρ ποικίλον τῆς χροῆς νεβρίσι μᾶλλον ἔοικε ῥαβδωτοῖς σπίλοις κατεστιγμέναις· τελέως δὲ τὰ ὀπίσθια ταπεινότερα τῶν ἐμπροσθίων ἐστίν, ὥστε δοκεῖν συγκαθῆσθαι τῷ οὐραίῳ μέρει τὸ ὕψος βοδὸς ἔχοντι, τὰ δὲ ἐμ- 25 πρόσθια σκέλη τῶν καμηλείων οὐ λείπεται· τράχηλος δ' εἰς ὕψος ἐξηρμένος ὀρθός, τὴν κορυφὴν δὲ πολὺ ὑπερπετεστέραν ἔχει τῆς καμῆλου· διὰ δὲ τὴν ἀσυμμετρίαν ταύτην οὐδὲ τάχος οἶμαι τοσοῦτον εἶναι περὶ τὸ ζῶον, ὅσον εἴρηκεν Ἀρτεμίδωρος ἀνυπέροβλητον 30 φήσας· ἀλλ' οὐδὲ θηρίον ἐστίν, ἀλλὰ βόσκημα μᾶλλον· οὐδεμίαν γὰρ ἀγριότητα ἐμφαίνει· γίνονται δέ, φησί, καὶ σφίγγες καὶ κυνοκέφαλοι καὶ κῆβοι λέοντος

μὲν πρόσωπον ἔχοντες τὸ δὲ λοιπὸν σῶμα πάνθηρος, μέγεθος δὲ δορκάδος· καὶ ταῦτοι δ' εἶδιν ἄγριοι καὶ σαρκοφάγοι, μεγέθει πολὺ τοὺς παρ' ἡμῖν ὑπερβεβλημένοι καὶ τάχει, πυρροὶ τὴν χροάν· κροκούττας δ' ἐστὶ μῦγμα λύκου καὶ κυνός, ὡς φησιν οὗτος. ἃ δ' ὁ Σκήψιος 5 λέγει Μητροόδωρος ἐν τῷ περὶ συνηθείας βιβλίῳ μύθοις ἔοικε καὶ οὐ φρόντιστέον αὐτῶν. καὶ δρακόντων δ' εἰρηκε μεγέθη τριάκοντα πηχῶν ὁ Ἀρτεμίδωρος ἐλέφαντας καὶ ταύρους χειρουμένων, μετριάσας ταύτη γε· οἱ γὰρ Ἰνδοὶ μυθωδέστεροι καὶ οἱ Λιβυκοί, οἷς γε καὶ 10 πόα ἐπιπεφυκέναι λέγεται.

- 17 Νομαδικὸς μὲν οὖν ὁ βίος τῶν Τρωγλοδυτῶν, τυραννοῦνται δὲ καθ' ἕκαστα, κοιναὶ δὲ καὶ γυναῖκες καὶ τέκνα πλὴν τοῖς τυράννοις, τῷ δὲ τὴν τυράννου φθείραντι πρόβατον ἢ ζημία ἐστὶ· στιβίζονται δ' ἐπι- 15 μελῶς [ὡς] αἱ γυναῖκες, περὶκύνονται δὲ τοῖς τραχήλοις κογχία ἀντὶ βασκανίων. πολέμοισι δὲ περὶ τῆς νομῆς, κατ' ἀρχὰς μὲν διωθόμενοι ταῖς χειρσίν, εἴτα λίθοις, ὅταν δὲ τραῦμα γένηται, καὶ τοξεύμασι καὶ μαχαιρίσι· διαλύουσι δ' αἱ γυναῖκες εἰς μέσους προοῦσαι καὶ 20 δεήσεις προσενέγκασαι· τροφή δ' ἐκ τε σαρκῶν καὶ τῶν ὀστέων κοπτομένων ἀναμῖξ καὶ εἰς τὰς δορὰς ἐνείλουμένων, εἴτ' ὀπτωμένων καὶ ἄλλως πολλαχῶς σκευαζομένων ὑπὸ τῶν μαγείρων, οὓς καλοῦσιν ἀκαθάρτους·
- C.776 ὥστε μὴ κρεοφαγεῖν μόνον ἀλλὰ καὶ ὀστοφαγεῖν καὶ 25 δερματοφαγεῖν· χρωῶνται δὲ καὶ τῷ αἵματι καὶ τῷ γάλακτι καταμῖξαντες. ποτὸν δὲ τοῖς μὲν πολλοῖς ἀπόβρεγμα παλιούρου, τοῖς δὲ τυράννοις μελίκρατον, ἀπ' ἄνθους τινὸς ἐκπιεζομένου τοῦ μέλιτος. ἔστι δ' αὐτοῖς χειμῶν μὲν ἡνίκα οἱ ἐτησίαι πνέουσιν (κατομβροῦνται 30 γάρ), θέρος δ' ὁ λοιπὸς χρόνος. γυμνῆται δὲ καὶ δερματοφόροι καὶ σκυταληφόροι διατελοῦσιν· εἰσὶ δ' οὐ



- κολοβοὶ μόνον ἀλλὰ καὶ περιτετμημένοι τινὲς καθάπερ Αἰγύπτιοι. οἱ δὲ Μεγαβάροι Αἰθίοπες τοῖς ῥοπάλοις καὶ τύλους προστιθέασι σιδηροῦς, χρῶνται δὲ καὶ λόγ-  
 χαις καὶ ἄσπίσιν ὠμοβυσíνοις, οἱ δὲ λοιποὶ Αἰθίοπες  
 5 τόξοις καὶ λόγχαις. θάπτουσι δὲ τινες τῶν Τρωγλοδυ-  
 τῶν ῥάβδοις παλιουρίναις δήσαντες τὸν αὐχένα τῶν  
 νεκρῶν πρὸς τὰ σκέλη, ἔπειτα εὐθύς καταλεύουσιν  
 ἱλαροί, γελῶντες ἅμα, ἕως ἂν τοῦ τὴν ὄψιν σώματος  
 ἀποκρύψωσιν· εἴτ' ἐπιθέντες κέρας αἰγείου ἀπίασιν.  
 10 ὁδοιποροῦσι δὲ νύκτωρ ἐκ τῶν ἀρρένων θρεμμάτων  
 κώδωνας ἐξάψαντες, ὥστ' ἐξίστασθαι τὰ θηρία τῷ  
 ψόφῳ· καὶ λαμπάσι δὲ καὶ τόξοις ἐπὶ τὰ θηρία χρῶνται,  
 καὶ διαγρυπνοῦσι τῶν ποιμνίων χάριν ᾧδῇ τινι χρώ-  
 μενοι πρὸς τῷ πυρί.  
 15 Ταῦτ' εἰπὼν περὶ τῶν Τρωγλοδυτῶν καὶ τῶν 18  
 προσχώρων Αἰθιόπων ἐπάνεισιν ἐπὶ τοὺς Ἀραβας· καὶ  
 πρῶτους ἐπείσει τοὺς τὸν Ἀράβιον κόλπον ἀφορίζοντας  
 καὶ ἀντικειμένους τοῖς Τρωγλοδύταις, ἀρξάμενος ἀπὸ  
 τοῦ Ποσειδίου. φησὶ δὲ ἐνδοτέρῳ κεῖσθαι τοῦτο τοῦ  
 20 μυχοῦ· συνεχῇ δὲ τοῦ Ποσειδίου φοινικῶνα εἶναι  
 εὐύδρον, τιμᾶσθαι τε κομιδῇ διὰ τὸ πᾶσαν τὴν κύκλω  
 καυματηράν τε καὶ ἄνυδρον καὶ ἄσκιον ὑπάρχειν, ἐν-  
 ταῦθα δὲ καὶ τὴν εὐκαρπίαν τῶν φοινίκων εἶναι θαν-  
 μαστήν· προεστήκασι δὲ τοῦ ἄλσους ἀνὴρ καὶ γυνή  
 25 διὰ γένους ἀποδεδειγμένοι δερματοφόροι, τροφὴν ἀπὸ  
 τῶν φοινίκων ἔχοντες· κοιτάζονται δ' ἐπὶ δένδρων  
 καλυβοποιησάμενοι διὰ τὸ πλῆθος τῶν θηρίων. εἴθ'  
 ἐξῆς ἔστι νῆσος φωκῶν, ἀπὸ τοῦ πλῆθους τῶν θηρίων  
 τούτων ὠνομασμένη. πλησίον δ' αὐτῆς ἀκρωτήριον, ὃ  
 30 διατείνει πρὸς τὴν Πέτραν τὴν τῶν Ναβαταίων καλου-

μένων Ἀράβων καὶ τὴν Παλαιστίνην χώραν, εἰς ἣν Μιναῖοί τε καὶ Γερραῖοι καὶ πάντες οἱ πλησιόχωροι τὰ τῶν ἀρωμάτων φορτία κομίζουσιν. εἴτ' ἄλλη παραλία πρότερον μὲν Μαρανιτῶν καλουμένη, ᾧν οἱ μὲν ἦσαν γεωργοὶ τινὲς δὲ σκηνῆται, νῦν δὲ Γαρινδαίων ἀνελόν- 5  
C.777των ἐκείνους δόλω· ἐπέθεντο γὰρ αὐτοῖς πενταετηρικὴν τινα πανήγυριν ἐπιτελοῦσι, καὶ τούτους τε διέφθειραν καὶ τοὺς ἄλλους ἐπελθόντες ἄρδην διελυμῆναντο. εἴθ' ὁ Αἰλανίτης κόλπος καὶ ἡ Ναβαταίων, πολύανδρος οὕσα χώρα καὶ εὖβοτος· οἰκοῦσι δὲ καὶ νῆ- 10  
σους προκειμένας πλησίον· οἱ πρότερον μὲν καθ' ἡσυχίαν ἦσαν, ὕστερον δὲ σχεδιαῖς ἐλήζοντο τοὺς ἐκ τῆς Αἰγύπτου πλέοντας· δίκας δ' ἔτισαν ἐπελθόντος στόλου καὶ ἐκπορθήσαντος αὐτούς. ἐξῆς δ' ἐστὶ πεδίου ἐϋδενδρόν τε καὶ εὐύδρον καὶ βοσκημάτων παντοίων 15  
μεστὸν ἄλλων τε καὶ ἡμιόνων· καὶ καμήλων ἀγρίων καὶ ἐλάφων καὶ δορκάδων πληθὸς ἐν αὐτῷ, λέοντες τε καὶ παρδάλεις καὶ λύκοι συχνοί. πρόκειται δὲ νῆσος καλουμένη Δία· εἴτα κόλπος ὅσον πεντακοσίων σταδίων ὄρεσι περικλειόμενος καὶ δυσεισβόλῳ στό- 20  
ματι· περιοικοῦσι δὲ θηρευτικοὶ ἄνδρες τῶν χειρσαίων ἀγρευμάτων. εἴτ' ἔρημοι τρεῖς νῆσοι πλήρεις ἐλαιῶν, οὐ τῶν παρ' ἡμῖν ἀλλὰ τῶν ἐντοπίων, ἃς καλοῦμεν Αἰθιοπικάς, ᾧν τὸ δάκρυον καὶ ἰατρικῆς δυνάμεώς ἐστιν. ἐφεξῆς δ' ἐστὶν αἰγιαλὸς λιθώδης, καὶ μετὰ τοῦ- 25  
τον τραχεῖα καὶ δυσπαράπλευστος ὅσον χιλίων σταδίων παραλία σπάνει λιμένων καὶ ἀγκυροβολίων· ὄρος γὰρ παρατείνει τραχὺ καὶ ὑψηλόν· εἴθ' ὑπάρχειαι σπιλαδῶδεις μέχρι τῆς θαλάττης, τοῖς ἐτησίαις μάλιστα καὶ ταῖς τότε ἐπομβρίαις ἀβοήθητον παρέχουσαι τὸν 30  
κίνδυνον. ἐξῆς δ' ἐστὶ κόλπος νήσους ἔχων σποράδας, καὶ συνεχῶς θῖνες ψάμμου μελαίνης τρεῖς ἄγαν ὑψηλοί,



καὶ μετὰ τούτους Χαρμοθᾶς λιμὴν ὅσον σταδίων τὸν  
κύκλον ἑκατόν, στενὸν καὶ ἐπικίνδυνον ἔχων τὸν  
εἵσπλουν παντὶ σκάφει, ῥεῖ δὲ καὶ ποταμὸς εἰς αὐτόν·  
ἐν μέσῳ δὲ νῆσος εὐδενδρος καὶ γεωργήσιμος. εἴτ' ἐστὶ  
5 παραλία τραχεῖα καὶ μετὰ ταύτην κόλποι τινὲς καὶ  
χώρα νομάδων ἀπὸ καμήλων ἐχόντων τὸν βίον· καὶ  
γὰρ πολεμοῦσιν ἀπ' αὐτῶν καὶ ὀδεύουσι καὶ τρέφονται  
τῷ τε γάλακτι χρώμενοι καὶ ταῖς σαρκί. ῥεῖ δὲ ποταμὸς  
δι' αὐτῶν ψῆγμα χρυσοῦ καταφέρων, οὐκ ἴσασι δ'  
10 αὐτὸ κατεργάζεσθαι· καλοῦνται δὲ Λέβαι, οἱ μὲν νο-  
μάδες οἱ δὲ καὶ γεωργοί. οὐ λέγω δὲ τῶν ἔθνων τὰ  
ὀνόματα τὰ πολλὰ διὰ τὴν ἀδοξίαν καὶ ἅμα ἀτοπίαν  
τῆς ἐκφορᾶς αὐτῶν. ἐχόμενοι δ' εἰσὶν ἡμερώτεροι τού-  
των ἄνδρες εὐκρατοτέραν οἰκοῦντες γῆν· καὶ γὰρ εὐ-  
15 δρός ἐστὶ καὶ εὖομβρος· χρυσὸς τε ὀρυκτὸς γίνεταί  
παρ' αὐτοῖς οὐ ψήγματος ἀλλὰ βωλαρίων χρυσοῦ κα- C.778  
θάρσεως οὐ πολλῆς δεομένων, μέγεθος δ' ἐχόντων  
ἐλάχιστον μὲν πυρῆνος μέσον δὲ μεσπίλου μέγιστον  
δὲ καρύου· τηρήσαντες δὲ ταῦτα ἐναλλάξ λίθοις διαφα-  
20 νέσιν ὄρμους ποιοῦνται διείροντες λίνον, περιτίθενται  
δὲ περὶ τοὺς τραχήλους καὶ καρπούς· πωλοῦσι δὲ καὶ  
πρὸς τοὺς ἀστυγείτονας εὖωνον τὸν χρυσόν, τριπλά-  
σιον ἀντιδιδόντες τοῦ χαλκοῦ, διπλάσιον δὲ τοῦ \* ἄρ-  
γύρου, διὰ τε τὴν ἀπειρίαν τῆς ἐργασίας καὶ τὴν σπάνιν  
25 τῶν ἀντιλαμβανομένων, ὧν ἡ χρεία πρὸς τοὺς βίους  
ἀναγκαιοτέρα.

Συνάπτει δ' ἡ τῶν Σαβαίων εὐδαιμονεστάτη, με- 19  
γίστου ἔθνους, παρ' οἷς καὶ σμύρνα καὶ λίβανος καὶ  
κιννάμωμον· ἐν δὲ τῇ παραλίᾳ καὶ βάλσαμον καὶ ἄλλη  
30 τις πόα σφόδρα εὐώδης, ταχὺ δ' ἐξίτηλον τὴν ὀσμὴν  
ἔχουσα· εἰσὶ δὲ καὶ φοίνικες εὐώδεις καὶ κάλαμος,  
ὅφεις δὲ σπιθαμιαῖοι φοινικοῖ τὴν χροάν, προσαλλό-

μενοι καὶ μέχρι λαγόνος, τὸ δῆγμα ἔχοντες ἀνήκεστον.  
 διὰ δὲ τὴν ἀφθονίαν τῶν καρπῶν ἄργοι καὶ ῥάθυμοι  
 τοῖς βίοις εἶσιν οἱ ἄνθρωποι· κοιτάζονται δὲ ἐπὶ \* τῶν  
 ῥιζῶν τῶν δένδρων ἐκτέμνοντες οἱ πολλοὶ καὶ δημοτι-  
 κοί· διαδεχόμενοι δ' οἱ σύνεγγυς αἰεὶ τὰ φορτία, τοῖς 5  
 μετ' αὐτοὺς παραδιδόασιν μέχρι Συρίας καὶ Μεσοποτα-  
 μίας· καρούμενοι δ' ὑπὸ τῶν εὐωδίων αἴρουσι τὸν  
 κάρον ἀσφάλτου θυμιάματι καὶ τράγου πώγωνος. ἡ δὲ  
 πόλις τῶν Σαβαίων, ἡ Μαρίαβα, κεῖται μὲν ἐπ' ὄρους  
 εὐδένδρου. βασιλέα δ' ἔχει κύριον τῶν κρίσεων καὶ 10  
 τῶν ἄλλων, ἐκ δὲ τῶν βασιλείων οὐ θέμις ἐξιέναι, ἡ  
 καταλεύουσιν αὐτὸν παραχρῆμα οἱ ὄχλοι κατὰ τι λό-  
 γιον· ἐν χλιδῇ δ' ἐστὶ γυναικεία καὶ αὐτὸς καὶ οἱ περὶ  
 αὐτόν· τὰ δὲ πλήθη τὰ μὲν γεωργεῖ τὰ δ' ἐμπορεύεται  
 τὰ ἀρώματα τὰ τε ἐπιχώρια καὶ τὰ ἀπὸ τῆς Αἰθιοπίας, 15  
 πλέοντες ἐπ' αὐτὰ διὰ τῶν στενῶν δερματίνοισι πλοίοις·  
 τοσαῦτα δ' ἐστὶ τὸ πλῆθος ὥστ' ἀντὶ φρουγάνων καὶ  
 τῆς κανσίμου ὕλης χρῆσθαι κινναμώμῳ καὶ κασίᾳ καὶ  
 τοῖς ἄλλοις. γίνεται δ' ἐν τοῖς Σαβαίοις καὶ τὸ λάριμον,  
 εὐωδέστατον θυμιάμα. ἐκ δὲ τῆς ἐμπορίας οὗτοί τε καὶ 20  
 Γερραῖοι πλουσιώτατοι πάντων εἶσιν, ἔχουσί τε παμ-  
 πληθῆ κατασκευὴν χρυσομάτων τε καὶ ἀργυρομάτων,  
 κλινῶν τε καὶ τριπόδων καὶ κρατήρων σὺν ἐκπώμασι  
 καὶ τῇ τῶν οἰκῶν πολυτελείᾳ· καὶ γὰρ θυρώματα καὶ  
 τοῖχοι καὶ ὀροφαὶ δι' ἐλέφαντος καὶ χρυσοῦ καὶ ἀργύ- 25  
 ρου λιθοκολλήτου τυγχάνει διαπεποικιλμένα. ταῦτα  
 μὲν περὶ τούτων εἴρηκε, τὰλλα δὲ τὰ μὲν παραπλησίως  
 τῷ Ἑρατοσθένει λέγει, τὰ δὲ παρὰ τῶν ἄλλων ἱστορι-  
 κῶν παρατίθησιν.

C.779  
20

Ἐρυθρὰν γὰρ λέγειν τινὰς τὴν θάλατταν ἀπὸ τῆς 30



χροιάς τῆς ἐμφαινομένης κατ' ἀνάκλασιν, εἴτε ἀπὸ τοῦ  
 ἡλίου κατὰ κορυφὴν ὄντος εἴτε ἀπὸ τῶν ὀρῶν ἐρυθραι-  
 νομένων ἐκ τῆς ἀποκαύσεως· ἀμφοτέρως γὰρ εἰκάζειν·  
 Κτησίαν δὲ τὸν Κνίδιον πηγὴν ἱστορεῖν ἐκδιδοῦσαν  
 5 εἰς τὴν θάλατταν ἐρευθὲς καὶ μιλιῶδες ὕδωρ· Ἀγα-  
 θαρχίδην δὲ τὸν ἐκείνου πολίτην παρὰ τινος Βόξου,  
 [Πέρσου] τὸ γένος, ἱστορῆσαι διότι Πέρσης τις Ἐρύ-  
 θρας, ἱπποφορβίου τινὸς ὑπὸ λεαίνης οἴστρω κατα-  
 σχομένης ἐξελαθέντος μέχρι θαλάττης ἀνκεῖθεν εἰς νῆ-  
 10 σὸν τινα διάραντος, σχεδίαν πηξάμενος πρῶτος πε-  
 ραιωθεὶς πρὸς τὴν νῆσον· ἰδὼν δὲ καλῶς οἰκῆσιμον  
 τὴν μὲν ἀγέλην εἰς τὴν Περσίδα ἀπαγάγοι πάλιν, ἀποί-  
 κους δ' ἐκεῖ στείλαι τε καὶ τὰς ἄλλας νήσους καὶ τὴν  
 παραλίαν, ἐπώνυμον δὲ ποιήσειεν ἑαυτοῦ τὸ πέλαγος.  
 15 τοὺς δὲ Περσέως υἱὸν ἀποφαίνεσθαι τὸν Ἐρύθραν,  
 ἡγήσασθαί τε τῶν τόπων. λέγεται δ' ὑπὸ τινων τὰ  
 ἀπὸ τῶν στενῶν τοῦ Ἀραβίου κόλπου μέχρι τῆς κιννα-  
 μωμοφόρου τῆς ἐσχάτης πεντακισχιλίων σταδίων, οὐκ  
 εὐκρινῶς, εἴτ' ἐπὶ νότον εἴτ' ἐπὶ τὰς ἀνατολάς. λέγε-  
 20 ται δὲ καὶ διότι ὁ σμάραγδος καὶ ὁ βήρυλλος ἐν τοῖς  
 τοῦ χρυσοῦ μετάλλοις ἐγγίνεται. εἰσὶ δὲ καὶ ἄλλες εὐώ-  
 δεις ἐν Ἀραψιν, ὥς φησι Ποσειδώνιος.

Πρῶτοι δ' ὑπὲρ τῆς Συρίας Ναβαταῖοι καὶ Σα- 21  
 βαῖοι τὴν εὐδαίμονα Ἀραβίαν νέμονται, καὶ πολλάκις  
 25 κατέτρεχον αὐτῆς πρὶν ἢ Ῥωμαίων γενέσθαι· νῦν δὲ  
 ἀνέκεινοι Ῥωμαίοις εἰσὶν ὑπήκοοι καὶ Σύροι. μητρό-  
 πολις δὲ τῶν Ναβαταίων ἐστὶν ἡ Πέτρα καλουμένη·  
 κεῖται γὰρ ἐπὶ χωρίου τᾶλλα ὁμαλοῦ καὶ ἐπιπέδου, κύ-  
 κλω δὲ πέτρα φρουρουμένου τὰ μὲν ἐκτὸς ἀποκρήμνου  
 30 καὶ ἀποτόμου τὰ δ' ἐντὸς πηγὰς ἀφθόνους ἔχοντος εἰς  
 τε ὕδρειαν καὶ κηπείαν. ἔξω δὲ τοῦ περιβόλου χώρα  
 ἔρημος ἢ πλείστη καὶ μάλιστα ἢ πρὸς Ἰουδαίᾳ· ταύτη

δὲ καὶ ἐγγυτάτω ἐστὶ τριῶν ἢ τεττάρων ὁδὸς ἡμερῶν εἰς Ἱερικοῦντα, εἰς δὲ τὸν φοινικῶνα πέντε. βασιλεύεται μὲν οὖν ὑπὸ τινος αἰετῶν ἐκ τοῦ βασιλικοῦ γένους, ἔχει δ' ὁ βασιλεὺς ἐπίτροπον τῶν ἐταίρων τινὰ καλούμενον ἀδελφόν· σφόδρα δ' εὐνομεῖται· γενόμενος 5 γοῦν παρὰ τοῖς Πετραίοις Ἀθηνόδωρος, ἀνὴρ φιλόσοφος καὶ ἡμῖν ἐταῖρος, διηγείτο θαυμάζων· εὐρεῖν γὰρ ἐπιδημοῦντας ἔφη πολλοὺς μὲν Ῥωμαίων πολλοὺς δὲ καὶ τῶν ἄλλων ξένων· τοὺς μὲν οὖν ξένους ὁρᾶν κρινόμενους πολλάκις καὶ πρὸς ἀλλήλους καὶ πρὸς τοὺς 10 ἐπιχωρίους, τῶν δ' ἐπιχωρίων οὐδένας ἀλλήλοις ἐγκαλοῦντας, ἀλλὰ τὴν πᾶσαν εἰρήνην ἄγοντας πρὸς ἑαυτούς.

C.780

22

Πολλὰ δὲ καὶ ἡ τῶν Ῥωμαίων ἐπὶ τοὺς Ἀραβας στρατεία νεωστὶ γεννηθεῖσα ἐφ' ἡμῶν, ὧν ἡγεμὼν ἦν 15 Αἴλιος Γάλλος, διδάσκει τῶν τῆς χώρας ιδιωμάτων. τοῦτον δ' ἔπεμψεν ὁ Σεβαστὸς Καῖσαρ διαπειρασόμενον τῶν ἐθνῶν καὶ τῶν τόπων τούτων τε καὶ τῶν Αἰθιοπικῶν, ὁρῶν τὴν τε Τρωγλοδυτικὴν τὴν προσεχῆ τῇ Αἰγύπτῳ γειτονεύουσαν τούτοις, καὶ τὸν Ἀράβιον 20 κόλπον στενὸν ὄντα τελέως τὸν διείργοντα ἀπὸ τῶν Τρωγλοδυτῶν τοὺς Ἀραβας· προσοικειοῦσθαι δὲ διανοήθη τούτους ἢ καταστρέφεσθαι· ἦν δέ τι καὶ τὸ πολυχρημάτους ἀκούειν ἐκ παντὸς χρόνου, πρὸς ἄργυρον καὶ χρυσὸν τὰ ἀρώματα διατιθεμένους καὶ τὴν 25 πολυτελεστάτην λιθεῖαν, ἀναλίσκοντας τῶν λαμβανόμενων τοῖς ἔξω μηδέν· ἡ γὰρ φίλοις ἤλπιζε πλουσίους χρῆσεσθαι ἢ ἐχθρῶν κρατήσειν πλουσίων· ἐπῆρε δ' αὐτὸν καὶ ἡ παρὰ τῶν Ναβαταίων ἐλπίς φίλων ὄντων καὶ συμπράξειν ἅπανθ' ὑπισχνουμένων. 30

23

Ἐπὶ τούτοις μὲν οὖν ἔστειλε τὴν στρατείαν ὁ Γάλλος. ἐξηπάτησε δ' αὐτὸν ὁ τῶν Ναβαταίων ἐπίτροπος



Συλλαῖος, ὑποσχόμενος μὲν ἡγήσεσθαι τὴν ὁδὸν καὶ  
 χορηγήσειν ἅπαντα καὶ συμπράξειν, ἅπαντα δ' ἐξ ἐπι-  
 βουλῆς πράξας, καὶ οὔτε παράπλουν ἀσφαλῆ μηνύων  
 οὔθ' ὁδόν, ἀλλὰ ἀνοδίαις καὶ κυκλοπορίαις καὶ πάν-  
 5 των ἀπόροις χωρίοις ἢ ῥαχίαις ἀλιμένοις παραβάλλων  
 ἢ χοιράδων ὑφάλων μεσταῖς ἢ τεναγώδεσι· πλεῖστον  
 δὲ αἱ πλημμυρίδες ἐλύπουν ἐν τοιούτοις καὶ ταῦτα  
 χωρίοις καὶ αἱ ἀμπώτεις. πρῶτον μὲν δὴ τοῦθ' ἀμάρ-  
 τημα συνέβη τὸ μακρὰ κατασκευάσασθαι πλοῖα, μη-  
 10 δυνὸς ὄντος μηδ' ἐσομένου κατὰ θάλατταν πολέμου.  
 οὐδὲ γὰρ κατὰ γῆν σφόδρα πολεμισταὶ εἰσιν ἀλλὰ κά-  
 πηλοι μᾶλλον οἱ Ἀραβες καὶ ἐμπορικοί, μήτι γε κατὰ  
 θάλατταν· ὁ δ' οὐκ ἔλαττον ὀρδοήκοντα ἐναυπηγή-  
 σατο δίκροτα καὶ τριήρεις καὶ φασήλους κατὰ Κλεο-  
 15 πατρίδα τὴν πρὸς τῇ παλαιᾷ διώρυγι τῇ ἀπὸ τοῦ Νεί-  
 λου. γνούς δὲ διεψευσμένος ἐναυπηγήσατο σκευαγωγὰ  
 ἑκατὸν καὶ τριάκοντα, οἷς ἔπλευσεν ἔχων περὶ μυρίου  
 πεξοὺς τῶν ἐκ τῆς Αἰγύπτου Ῥωμαίων καὶ τῶν συμμά-  
 χων, ὧν ἦσαν Ἰουδαῖοι μὲν πεντακόσιοι Ναβαταῖοι δὲ  
 20 χίλιοι μετὰ τοῦ Συλλαίου. πολλὰ δὲ παθὼν καὶ ταλαι-  
 πωρηθεὶς πεντεκαιδεκαταῖος ἦκεν εἰς Λευκὴν κώμην  
 τῆς Ναβαταίων γῆς, ἐμπόριον μέγα, πολλὰ τῶν πλοίων  
 ἀποβαλὼν (ὧν ἕνι καὶ αὐτάνδρα) ὑπὸ δυσπλοίας, πο-  
 λεμίου δ' οὐδενός· τοῦτο δ' ἀπειργάσατο ἢ τοῦ Συλ-  
 25 λαίου κακία τοῦ πεξῆ φήσαντος ἀνόδευτα εἶναι στρα- C.781  
 τοπέδοις εἰς τὴν Λευκὴν κώμην, εἰς ἣν καὶ ἐξ ἧς οἱ  
 καμηλέμποροι τοσούτῳ πλήθει ἀνδρῶν καὶ καμήλων  
 ὁδεύουσιν ἀσφαλῶς καὶ εὐπόρως εἰς Πέτραν [καὶ] ἐκ  
 Πέτρας, ὥστε μὴ διαφέρειν μηδὲν στρατοπέδου.

30 Συνέβαινε δὲ τοῦτο τοῦ μὲν βασιλέως τοῦ Ὀβόδα 24  
 μὴ πολὺ φροντίζοντος τῶν κοινῶν καὶ μάλιστα τῶν  
 κατὰ πόλεμον (κοινὸν δὲ τοῦτο πᾶσι τοῖς Ἀράβων βα-

σιλεῦσιν), ἅπαντα δὲ ἐπὶ τῇ τοῦ ἐπιτρόπου ποιουμέ-  
 νου [ἐξουσίᾳ] τοῦ Συλλαίου· τούτου δ' ἅπαντα δόλω  
 στρατηγοῦντος καὶ ζητοῦντος, ὥς οἶμαι, κατοπτεῦσαι  
 μὲν τὴν χώραν καὶ συνεξελεῖν τινας αὐτῶν πόλεις καὶ  
 ἔθνη μετὰ τῶν Ῥωμαίων, αὐτὸν δὲ καταστῆναι κύριον 5  
 ἁπάντων, ἀφανισθέντων ἐκείνων ὑπὸ λιμοῦ καὶ κό-  
 που καὶ νόσων καὶ ἄλλων ὅσων δόλω παρεσκεύασεν  
 ἐκεῖνος· εἰς γοῦν τὴν Λευκὴν κόμην κατήρην, ἥδη  
 στομακάκκη τε καὶ σκελοτύρβη πειραζομένης τῆς στρα-  
 τιᾶς, ἐπιχωρίοις πάθεσι, τῶν μὲν περὶ τὸ στόμα τῶν δὲ 10  
 περὶ τὰ σκέλη παράλυσίν τινα δηλούντων ἔκ τε τῶν  
 ὑδρείων καὶ βοτανῶν. ἠναγκάσθη γοῦν τό τε θέρος  
 καὶ τὸν χειμῶνα διατελέσαι αὐτόθι τοὺς ἀσθενοῦντας  
 ἀνακτώμενος. ἐκ μὲν οὖν τῆς Λευκῆς κόμης εἰς Πέ-  
 τραν, ἐντεῦθεν δ' εἰς Ῥινοκόλουρα τῆς πρὸς Αἰγύπτῳ 15  
 Φοινίκης τὰ φορτία κομίζεται κἀντεῦθεν εἰς τοὺς ἄλ-  
 λους, νυνὶ δὲ τὸ πλεόν εἰς τὴν Ἀλεξάνδρειαν τῷ Νεί-  
 λῳ· κατὰγεται δ' ἐκ τῆς Ἀραβίας καὶ τῆς Ἰνδικῆς εἰς  
 Μυδὸς ὄρμον· εἰθ' ὑπέρθεσις εἰς Κοπτὸν τῆς Θηβαΐ-  
 δος καμήλοις ἐν διώρυγι τοῦ Νείλου κειμένην· [εἰτ'] 20  
 εἰς Ἀλεξάνδρειαν. πάλιν ἐκ τῆς Λευκῆς κόμης ὁ Γάλ-  
 λος ἀναξεύξας τὴν στρατιὰν διὰ τοιούτων ἦει χωρίων  
 ὥστε καὶ ὕδωρ καμήλοις κομίζειν μοχθηρίᾳ τῶν ἡγε-  
 μόνων τῆς ὁδοῦ· διόπερ πολλαῖς ἡμέραις ἤκεν εἰς τὴν  
 Ἀρέτα γῆν συγγενοῦς τῷ Ὀβόδα· ἐδέξατο μὲν οὖν 25  
 αὐτὸν Ἀρέτας φιλικῶς καὶ δῶρα προσήνεγκεν, ἡ δὲ  
 τοῦ Συλλαίου προδοσία κἀκείνην ἐποίησε τὴν χώραν  
 δυσπόρευτον· τριάκοντα γοῦν ἡμέραις διῆλθεν αὐ-  
 τήν, ξειᾶς καὶ φοίνικας ὀλίγους παρέχουσιν καὶ βού-  
 τυρον ἀντ' ἐλαίου, διὰ τὰς ἀνοδίας· ἡ δ' ἐξῆς ἦν ἐπ' ἡί 30  
 νομάδων ἦν καὶ ἔρημος τὰ πολλὰ ὥς ἀληθῶς, ἐκαλεῖτο  
 δὲ Ἀραρηνή· βασιλεὺς δ' ἦν Σάβως· καὶ ταύτην ἀνο-



δίαίς διῆλθε κατατρίψας ἡμέρας πεντήκοντα μέχρῃ πό-  
 λεως Νεγράνων καὶ χώρας εἰρηνικῆς τε καὶ ἀγαθῆς· ὁ  
 μὲν οὖν βασιλεὺς ἔφυνεν, ἡ δὲ πόλις ἐξ ἐφόδου κατε-  
 λήφθη· ἐκείθεν ἡμέραις ἕξ ἦκεν ἐπὶ τὸν ποταμόν...  
 5 συναψάντων δ' αὐτόθι τῶν βαρβάρων εἰς μάχην, περὶ  
 μυρίους αὐτῶν ἔπεσον τῶν δὲ Ῥωμαίων δύο· ἐχρῶντο C.782  
 γὰρ ἀπείρως τοῖς ὅπλοις ἀπόλεμοι τελέως ὄντες, τόξοις  
 τε καὶ λόγχαις [καὶ] ξίφεσι καὶ σφενδόναις, οἱ πλεῖστοι  
 δ' αὐτῶν ἀμφιστόμοις πελέκεσιν· εὐθύς δὲ καὶ τὴν  
 10 πόλιν εἴλε καλουμένην Ἀσκᾶ \* συλληφθεῖσαν ὑπὸ τοῦ  
 βασιλέως. ἐντεῦθεν εἰς Ἀθρουλα πόλιν ἦκε, [καὶ] κρα-  
 τήσας αὐτῆς ἀκονιτὶ φρουρὰν ἐμβαλὼν καὶ παρασκευ-  
 άσας . . . . σίτου καὶ φοινίκων εἰς πόλιν Μαρίαβα προ-  
 ῆλθεν ἔθνους τοῦ Ῥαμμανιτῶν, οἳ ἦσαν ὑπὸ Ἰλασάρω.  
 15 ἕξ μὲν οὖν ἡμέρας προσβαλὼν ἐπολιόρκει, λειψυδρίας  
 δ' οὔσης ἀπέστη· δύο μὲν οὖν ἡμερῶν ὁδὸν ἀπέσχε  
 τῆς ἀρωματοφόρου, καθάπερ τῶν αἰχμαλώτων ἀκού-  
 ειν ἦν. ἕξ δὲ μηνῶν χρόνον ἐν ταῖς ὁδοῖς κατέτριψε  
 φαύλως ἀρόμενος· ἔγνω δ' ἀναστρέφων, ὅψε τὴν ἐπι-  
 20 βουλὴν καταμαθὼν καὶ καθ' ἑτέρας ὁδοὺς ἐπανελθὼν·  
 ἐναταῖος μὲν γὰρ εἰς Νέγρανα ἦκεν ὅπου ἡ μάχη συμ-  
 βεβήκει, ἐνδεκαταῖος δ' ἐκείθεν εἰς Ἐπτὰ φρέατα κα-  
 λούμενα ἀπὸ τοῦ συμβεβηκότος· ἐντεῦθεν ἤδη δι' εἰ-  
 ρηνικῆς εἰς Χάαλλα κώμην καὶ πάλιν ἄλλην Μαλόθαν  
 25 πρὸς ποταμῷ κειμένην ἀφικνεῖται· εἶτα δι' ἐρήμης  
 ὀλίγα ὕδρεϊα ἐχούσης ὁδὸς μέχρῃ Ἐγρᾶς κώμης· ἔστι  
 δὲ τῆς Ὀβόδα· κεῖται δ' ἐπὶ θαλάττης· τὴν δὲ πᾶσαν  
 ὁδὸν ἐξηκοσταῖος ἐξήνυσε κατὰ τὴν ἐπάνοδον, ἀναλώ-  
 σας ἕξ μῆνας ἐν τῇ ἐξ ἀρχῆς ὁδῷ· ἐντεῦθεν δ' ἐπεραί-  
 30 ὡσε τὴν στρατιὰν ἐνδεκαταῖος εἰς Μυὸς ὄρμον, εἰθ'  
 ὑπερθεῖς εἰς Κοπτὸν μετὰ τῶν σωθῆναι δυναμένων  
 κατήρεν εἰς Ἀλεξάνδρειαν· τοὺς δ' ἄλλους ἀπέβαλεν,

οὐχ ὑπὸ πολεμίων ἀλλὰ νόσων καὶ κόπων καὶ λιμοῦ καὶ μοχθηρίας τῶν ὁδῶν· ἐπεὶ κατὰ πόλεμον ἐπτά γε μόνους διαφθαρεῖναι συνέβη, δι' ἧς αἰτίας οὐδ' ἐπὶ πολὺ πρὸς τὴν γνῶσιν τῶν τόπων ὤνησεν ἡ στρατεία αὕτη· μικρὰ δ' ὅμως συνήργησεν. ὁ δ' αἴτιος τούτων 5 ὁ Συλλαῖος ἔτισε δίκας ἐν Ῥώμῃ, προσποιούμενος μὲν φιλίαν ἐλεγχθεῖς δὲ πρὸς ταύτῃ τῇ πονηρίᾳ καὶ ἄλλα κακουργῶν καὶ ἀποτυμηθεῖς τὴν κεφαλὴν.

25 Τὴν μὲν οὖν ἀρωματοφόρον διαιροῦσιν εἰς τέτταρας μερίδας, ὥσπερ εἰρήκαμεν· τῶν ἀρωμάτων δὲ λίβανον μὲν καὶ σμύρναν ἐκ δένδρων γίνεσθαι φασί, κασίαν δὲ καὶ ἐκ θάμνων· τινὲς δὲ τὴν πλείω ἐξ Ἰνδῶν εἶναι, τοῦ δὲ λιβάνου βέλτιστον τὸν πρὸς τῇ Περσίδι. κατ' ἄλλην δὲ διαίρεσιν σύμπασαν τὴν εὐδαίμονα πενταχῇ σχίζουσιν εἰς βασιλείας, ᾧν ἡ μὲν τοὺς μαχίμους 15 ἔχει καὶ προαγωνιστὰς ἀπάντων, ἡ δὲ τοὺς γεωργοὺς παρ' ᾧν ὁ σῖτος εἰς τοὺς ἄλλους εἰσάγεται, ἡ δὲ τοὺς βανανσοτεχνούντας, καὶ ἡ μὲν σμυρνοφόρος, ἡ δὲ λι- C.783 βανωτοφόρος· αἱ δ' αὐταὶ καὶ τὴν κασίαν καὶ τὸ κιννάμωμον καὶ τὴν νάρδον φέρουσι· παρ' ἀλλήλων δ' 20 οὐ μεταφοιτᾷ τὰ ἐπιτηδεύματα, ἀλλ' ἐν τοῖς πατρίοις διαμένουσιν ἕκαστοι. οἶνος δ' ἐκ φοινίκων ὁ πλείων. ἀδελφοὶ τιμιώτεροι τῶν τέκνων· κατὰ πρεσβυγένειαν καὶ βασιλεύουσιν οἱ ἐκ τοῦ γένους καὶ ἄλλας ἀρχὰς ἄρχουσι· κοινὴ κτῆσις ἅπασι τοῖς συγγενέσι, κύριος 25 δὲ ὁ πρεσβύτατος· μία δὲ καὶ γυνὴ πᾶσιν, ὁ δὲ φθάσας εἰσιὼν μίγνυται προθεὶς τῆς θυράς τὴν θάβδον· ἐκάστῳ γὰρ δεῖν θάβδοφορεῖν ἔθος· νυκτερεύει δὲ παρὰ τῷ πρεσβυτάτῳ· διὸ καὶ πάντες ἀδελφοὶ πάντων εἰσί· μίγνυνται δὲ καὶ μητράσι· μοιχῶ δὲ ζημία 30 θάνατος· μοιχὸς δ' ἐστὶν ὁ ἐξ ἄλλου γένους. θυγάτηρ δὲ τῶν βασιλέων τινὸς θανυμαστὴ τὸ κάλλος, ἔχουσα



ἀδελφοὺς πεντεκαίδεκα ἐρωῶντας αὐτῆς πάντας, καὶ  
 διὰ τοῦτ' ἀδιαλείπτως ἄλλον ἐπ' ἄλλῳ παριόντα ὡς  
 αὐτήν, κάμνουσα ἤδη παραδέδοται νοήματι χρήσασθαι  
 τοιούτῳ· ποιησαμένη ῥάβδους ὁμοίας ταῖς ἐκείνων,  
 5 ὅτ' ἐξίλοι παρ' αὐτῆς τις, αἰετὶνα προὔτιθι τῆς θύρας  
 τὴν ὁμοίαν ἐκείνη, καὶ μικρὸν ὕστερον ἄλλην, εἴτ'  
 ἄλλην, στοχαζομένη ὅπως μὴ ἐκείνη τὴν παραπλησίαν  
 ἔχοι ὁ μέλλων προσιέναι· καὶ δὴ πάντων ποτὲ κατ'  
 ἄγορὰν ὄντων, ἓνα προσιόντα τῇ θύρᾳ καὶ ἰδόντα τὴν  
 10 ῥάβδον, ἐκ μὲν ταύτης εἰκάσαι διότι παρ' αὐτήν τις  
 εἶη· ἐκ δὲ τοῦ τοὺς ἀδελφοὺς πάντας ἐν τῇ ἀγορᾷ κα-  
 ταλιπεῖν ὑπονοῆσαι μοιχόν· δραμόντα δὲ πρὸς τὸν  
 πατέρα καὶ ἐπαγαγόντα ἐκείνον ἐλεγχθῆναι καταψευ-  
 σάμενον τῆς ἀδελφῆς.

15 Σώφρονες δ' εἰσὶν οἱ Ναβαταῖοι καὶ κτητικοί, 26  
 ὥστε καὶ δημοσίᾳ τῷ μὲν μειώσαντι τὴν οὐσίαν ζημίᾳ  
 κεῖται, τῷ δ' αὐξήσαντι τιμαί. ὀλιγόδουλοι δ' ὄντες  
 ὑπὸ τῶν συγγενῶν διακονοῦνται τὸ πλεόν ἢ ὑπ' ἄλ-  
 λήλων ἢ αὐτοδιάκονοι, ὥστε καὶ μέχρι τῶν βασιλέων  
 20 διατείνειν τὸ ἔθος. συσσίτια δὲ ποιοῦνται κατὰ τρις-  
 καίδεκα ἀνθρώπους, μουσουργοὶ δὲ δύο τῷ συμπο-  
 σίῳ ἐκάστῳ. ὁ δὲ βασιλεὺς ἐν οἴκῳ μεγάλῳ πολλὰ συν-  
 ἔχει συμπόσια· πίνει δ' οὐδεὶς πλεόν τῶν ἑνδεκα ποτη-  
 ρίων ἄλλῳ καὶ ἄλλῳ χρυσῷ ἐκπώματι. οὕτω δ' ὁ βασι-  
 25 λεὺς ἐστὶ δημοτικὸς ὥστε πρὸς τῷ αὐτοδιακόνῳ καὶ ποτ'  
 ἀντιδιάκονον τοῖς ἄλλοις καὶ αὐτὸν γίνεσθαι· πολλάκις  
 δὲ καὶ ἐν τῷ δήμῳ δίδωσιν εὐθύνας, ἕσθ' ὅτε καὶ ἐξε-  
 τάζεται τὰ περὶ τὸν βίον· οἰκήσεις δὲ διὰ λίθου πολυτε-  
 λεῖς, αἱ δὲ πόλεις ἀτειχιστοὶ δι' εἰρήνην· εὐκαρπος ἡ  
 30 πολλὴ πλὴν ἐλαίου, χρῶνται δὲ σῆσαμίνῳ. πρόβατα  
 λευκότριχα, βόες μεγάλοι, ἵππων ἄφορος ἡ χώρα· κα- C.784  
 μηλοι δὲ τὴν ὑπουργίαν ἀντ' ἐκείνων παρέχονται.

ἀχίτωνες δ' ἐν περιζώμασι καὶ βλαντίοις προΐασι καὶ οἱ βασιλεῖς, ἐν πορφύρᾳ δ' οὗτοι· εἰσαγώγιμα δ' ἐστὶ τὰ μὲν τελέως τὰ δ' οὐ παντελῶς, ἄλλως τε καὶ ἐπιχωριάζει, καθάπερ χρυσὸς καὶ ἄργυρος καὶ τὰ πολλὰ τῶν ἀρωμάτων· χαλκὸς δὲ καὶ σίδηρος καὶ ἔτι πορ- 5  
φυρᾷ ἐσθῆς στύραξ κρόκος κοστάρια τόρευμα γραφή πλάσμα οὐκ ἐπιχώρια· ἴσα κοπρίαις ἡγοῦνται τὰ νεκρὰ σώματα, καθάπερ Ἡράκλειτός φησι νέκνες κοπρίων ἐκβλητότεροι. διὸ καὶ παρὰ τοὺς κοπρῶνας κατορύττουσι καὶ τοὺς βασιλεῖς. ἥλιον τιμῶσιν ἐπὶ τοῦ 10  
δώματος ἰδρυσάμενοι βωμόν, σπένδοντες ἐν αὐτῷ καθ' ἡμέραν καὶ λιβανωτίζοντες.

- 27 Τοῦ δὲ ποιητοῦ λέγοντος „Αἰθιοπὰς θ' ἰκόμην „καὶ Σιδονίους καὶ Ἑρεμβούς,“ διαποροῦσι· καὶ περὶ τῶν Σιδονίων μὲν, εἴτε τινὰς χρὴ λέγειν τῶν ἐν τῷ 15  
Περσικῷ κόλπῳ κατοικούντων, ὧν ἄποικοι οἱ παρ' ἡμῖν Σιδῶνιοι, καθάπερ καὶ Τυρίους τινὰς ἐκεῖ νησιώτας ἱστοροῦσι καὶ Ἀραδίους, ὧν ἀποίκους τοὺς παρ' ἡμῖν φασιν, εἰτ' αὐτοὺς τοὺς Σιδωνίους· ἀλλὰ μᾶλλον περὶ τῶν Ἑρεμβῶν ἡ ζήτησις, εἴτε τοὺς Τρω- 20  
γλοδύτας ὑπονοητέον λέγεσθαι, καθάπερ οἱ τὴν ἐτυμολογίαν βιαζόμενοι ἀπὸ τοῦ εἰς τὴν ἔραν ἐμβαίνειν, ὅπερ ἐστὶν εἰς τὴν γῆν, εἴτε τοὺς Ἀραβας. ὁ μὲν οὖν Ζήνων ὁ ἡμέτερος μεταγράφει οὕτως „καὶ Σι-  
„δονίους Ἀραβάς τε.“ πιθανώτερον δὲ Ποσειδώνιος 25  
γράφει τῷ παρὰ μικρὸν ἀλλάξαι „καὶ Σιδονίους καὶ „Ἀραμβούς,“ ὥς τοῦ ποιητοῦ τοὺς νῦν Ἀραβας οὕτω καλέσαντος, καθάπερ καὶ ὑπὸ τῶν ἄλλων ὠνομάζοντο κατ' αὐτόν. φησὶ δὲ ταῦτα τρία ἔθνη συνεχῇ ἀλλήλοις ἰδρυμένα ὁμογένειάν τινα ἐμφαίνειν πρὸς 30  
ἄλληλα, καὶ διὰ [τοῦ]το παρακειμένοις ὀνόμασι κεκλη-  
σθαι, τοὺς μὲν Ἀρμενίους τοὺς δὲ Ἀραμαίους τοὺς δὲ



Ἀραμβούς· ὥσπερ δὲ ἀπὸ ἔθνους [ένος] ὑπολαμβάνειν ἐστὶν εἰς τρία διηρηθῆναι κατὰ τὰς τῶν κλιμάτων διαφορὰς αἰεὶ καὶ μᾶλλον ἐξαλλαττομένων, οὕτω καὶ τοῖς ὀνόμασι χρήσασθαι πλείοσιν ἀνθ' ἑνός. οὐδ' οἱ  
 5 Ἑρεμνοὺς γράφοντες πιθανοί· τῶν γὰρ Αἰθιοπῶν μᾶλλον ἰδιον. λέγει δὲ καὶ τοὺς Ἀρίμους ὁ ποιητής, οὓς φησι Ποσειδώνιος δέχεσθαι δεῖν μὴ τόπον τινὰ τῆς Συρίας ἢ τῆς Κιλικίας ἢ ἄλλης τινὸς γῆς, ἀλλὰ τὴν Συρίαν αὐτὴν· Ἀραμαῖοι γὰρ οἱ ἐν αὐτῇ· τάχα δ' C.785  
 10 οἱ Ἕλληνες Ἀριμαίους ἐκάλουν ἢ Ἀρίμους. αἱ δὲ τῶν ὀνομάτων μεταπτώσεις καὶ μάλιστα τῶν βαρβαρικῶν πολλαί· καθάπερ τὸν Δαριήκην Δαρεῖον ἐκάλεσαν, τὴν δὲ Φάρξιριν Παρύσατιν, Ἀταργάτιν δὲ τὴν Ἀθάραν· Δερκετὼ δ' αὐτὴν Κτησίας καλεῖ. τῆς δὲ τῶν  
 15 Ἀράβων εὐδαιμονίας καὶ Ἀλέξανδρον ἂν τις ποιήσαιτο μάρτυρα τὸν διανοηθέντα, ὥς φασι, καὶ βασιλεῖον αὐτὴν ποιήσασθαι μετὰ τὴν ἐξ Ἰνδῶν ἐπάνοδον. πᾶσαι μὲν οὖν αἱ ἐπιχειρήσεις αὐτοῦ κατελύθησαν τελευτήσαντος παραχρῆμα τὸν βίον· μία δ' οὖν καὶ  
 20 αὕτη τῶν ἐπιχειρήσεων ἦν, εἰ μὲν ἐκόντες παραδέχοντο αὐτόν, εἰ δὲ μή, ὥς πολεμήσοντος· καὶ δὴ ὁρῶν μήτε πρότερον μήθ' ὕστερον πέμψαντας ὥς αὐτὸν πρέσβεις, παρεσκευάζετο πρὸς τὸν πόλεμον, ὥσπερ εἰρήκαμεν ἐν τοῖς ἔμπροσθεν.

25

Ἐπεὶ δὲ τὴν Ἀραβίαν ἐφοδεύοντες καὶ τοὺς κόλ- 1  
 πους συμπεριελάβομεν τοὺς σφίγγοντας αὐτὴν καὶ  
 30 ποιοῦντας χειρόνησον, τὸν Περσικὸν καὶ τὸν Ἀράβιον, τούτῳ δέ τινα συμπεριωδενύθη καὶ τῆς Αἰγύπτου καὶ τῆς Αἰθιοπίας, τὰ τῶν Τρωγλοδυτῶν καὶ τῶν ἐξῆς

μέχρι τῶν ἐσχάτων τῆς κινναμωμοφόρου· τὰ λειπό-  
μενα καὶ συνεχῇ τοῖς ἔθνεσι τούτοις, ταῦτα δ' ἐστὶ τὰ  
περὶ τὸν Νεῖλον, ἐκθετέον· μετὰ δὲ ταῦτα τὴν Λιβύην  
ἐπιμεν, ἥπερ ἐστὶ λοιπὴ τῆς συμπάσης γεωγραφίας.  
κάνταυθα δ' Ἑρατοσθένους ἀποφάσεις προεκθετέον. 5

2 Φησὶ δὴ τοῦ Ἀραβίου κόλπου πρὸς τὴν ἐσπέραν  
χιλίους σταδίους διέχειν τὸν Νεῖλον, παραπλήσιον ὄντα  
C.786 τῷ γράμματι τῷ N κειμένῳ ἀνάπαλιν. ὅυεις γάρ, φη-  
σὶν, ἀπὸ Μερόης ἐπὶ τὰς ἄρκτους ὡς δισχιλίους καὶ  
ἐπτακοσίους σταδίους, πάλιν ἀναστρέφει πρὸς μεσημ- 10  
βρίαν καὶ τὴν χειμερινὴν δύσιν ὡς τρισχιλίους καὶ  
ἐπτακοσίους σταδίους, καὶ σχεδόν [τι] ἀντάρας τοῖς κατὰ  
Μερόην τόποις καὶ εἰς τὴν Λιβύην πολὺ προπεσὼν καὶ  
τὴν ἐτέραν ἐπιστροφὴν ποιησάμενος πρὸς τὰς ἄρ-  
κτους φέρεται πεντακισχιλίους μὲν καὶ τριακοσίους 15  
σταδίους ἐπὶ τὸν μέγαν καταράκτην μικρὸν παρεπι-  
στρέφων πρὸς τὴν ἕω, χιλίους δὲ καὶ διακοσίους τοὺς  
ἐπὶ τὸν ἐλάττω τὸν κατὰ Σύνην, πεντακισχιλίους δὲ  
ἄλλους καὶ τριακοσίους ἐπὶ τὴν θάλατταν. ἐμβάλλουσι  
δ' εἰς αὐτὸν δύο ποταμοί, φερόμενοι μὲν ἐκ τινων λι- 20  
μνῶν ἀπὸ τῆς ἕω, περιλαμβάνοντες δὲ νῆσον εὐμε-  
γέθη τὴν Μερόην· ὣν ὁ μὲν Ἀσταβόρας καλεῖται κατὰ  
τὸ πρὸς ἕω πλευρὸν ῥέων, ἄτερος δ' Ἀστάπους· οἱ δ'  
Ἀστασόβαν καλοῦσι, τὸν δ' Ἀστάπουν ἄλλον εἶναι,  
ῥέοντα ἐκ τινων λιμνῶν ἀπὸ μεσημβρίας καὶ σχεδόν 25  
[τι] τὸ κατ' εὐθεΐαν σῶμα τοῦ Νεῖλου τοῦτον ποιεῖν·  
τὴν δὲ πλήρωσιν αὐτοῦ τοὺς θερινοὺς ὄμβρους παρα-  
σκευάζειν. ὑπὲρ δὲ τὰς συμβολὰς τοῦ Ἀσταβόρα καὶ  
τοῦ Νεῖλου σταδίοις ἐπτακοσίοις Μερόην εἶναι πόλιν  
ὁμώνυμον τῇ νήσῳ· ἄλλην δ' εἶναι νῆσον ὑπὲρ τῆς 30

7. post ὄντα: κατὰ τὸ στόμα



Μερόης, ἣν ἔχουσιν οἱ Αἰγυπτίων φυγάδες οἱ ἀπο-  
 στάντες ἀπὸ Ψαμμίτου, καλοῦνται δὲ Σεμβρίται, ὡς  
 ἂν ἐπήλυδες· βασιλεύονται δὲ ὑπὸ γυναικός, ὑπακού-  
 ονσι δὲ τῶν ἐν Μερόῃ. τὰ δὲ κατωτέρω ἐκατέρωθεν  
 5 Μερόης παρὰ μὲν τὸν Νεῖλον πρὸς τὴν Ἐρυθρὰν Με-  
 γάβαροι καὶ Βλέμνυες, Αἰθιοπῶν ὑπακούοντες, Αἰ-  
 γυπτίοις δ' ὅμοροι· παρὰ θάλατταν δὲ Τρωγλοδύται·  
 διεστᾶσι δὲ εἰς δέκα ἢ δώδεκα ἡμερῶν ὁδὸν οἱ κατὰ  
 τὴν Μερόην Τρωγλοδύται τοῦ Νείλου. ἐξ ἀριστερῶν  
 10 δὲ τῆς ῥύσεως τοῦ Νείλου Νοῦβαι κατοικοῦσιν ἐν τῇ  
 Αἰβύῃ, μέγα ἔθνος, ἀπὸ τῆς Μερόης ἀρξάμενοι μέχρι  
 τῶν ἀγκώνων, οὐχ ὑποταττόμενοι τοῖς Αἰθίοσιν, ἀλλ'  
 ἰδίᾳ κατὰ πλείους βασιλείας διειλημμένοι. τῆς δ' Αἰ-  
 γύπτου τὸ παρὰ τὴν θάλαττάν ἐστιν ἀπὸ τοῦ Πηλου-  
 15 σιακοῦ στόματος πρὸς τὸ Κανωβικὸν στάδιοι χίλιοι  
 τριακόσιοι.

Ἐρατοσθένης μὲν οὖν οὕτως. δεῖ δὲ ἐπὶ πλεον εἰ- 3  
 πεῖν καὶ πρῶτον τὰ περὶ τὴν Αἴγυπτον, ὅπως ἀπὸ τῶν  
 γνωριμωτέρων ἐπὶ τὰ ἐξῆς προῖωμεν. κοινὰ μὲν γὰρ  
 20 τινὰ καὶ ταύτῃ τῇ χώρᾳ καὶ τῇ συνεχεῖ καὶ ὑπὲρ αὐτὴν  
 τῇ τῶν Αἰθιοπῶν ὁ Νεῖλος παρασκευάζει, ποτίζων τε  
 αὐτὰς κατὰ τὰς ἀναβάσεις καὶ τοῦτ' οἰκήσιμον αὐτῶν  
 τὸ μέρος ἀπολείπων μόνον τὸ καλυπτόμενον ἐν ταῖς  
 πλημμυρίσι, τὸ δ' ὑπερδέξιον καὶ μετεωρότερον τοῦ  
 25 ῥεύματος πᾶν ἀοίκητον διεξιὼν ἐκατέρωθεν καὶ ἔρη-  
 μον διὰ τὴν αὐτὴν ἀνυδρίαν. ἀλλὰ τὴν μὲν ΑἰθιοπίανC.787  
 οὔτε πᾶσαν διέξεισιν ὁ Νεῖλος οὔτε μόνος οὔτ' ἐπ' εὐ-  
 θείας οὔτ' οἰκουμένην καλῶς· τὴν δὲ Αἴγυπτον καὶ  
 μόνος καὶ πᾶσαν καὶ ἐπ' εὐθείας ἀπὸ τοῦ μικροῦ κα-  
 30 ταράκτου ὑπὲρ Συήνης καὶ Ἐλεφαντίνης ἀρξάμενος,  
 οἵπερ εἰδὼν ὄροι τῆς Αἰγύπτου καὶ τῆς Αἰθιοπίας, ἕως

τῶν ἐπὶ θάλατταν ἐκβολῶν. καὶ μὴν οἳ γε Αἰθίοπες τὸ  
 πλεον νομαδικῶς ζῶσι καὶ ἀπόρως διὰ τε τὴν λυπρό-  
 τητα τῆς χώρας καὶ τὴν τῶν ἀέρων ἀσυμμετρίαν καὶ  
 τὸν ἀφ' ἡμῶν ἐκτοπισμόν, τοῖς δ' Αἰγυπτίοις ἅπαντα  
 τὰναντία συμβέβηκε· καὶ γὰρ πολιτικῶς καὶ ἡμέρως 5  
 ἐξ ἀρχῆς ζῶσι καὶ ἐν γνωρίμοις ἴδρυνται τόποις, ὥστε  
 καὶ αἱ διατάξεις αὐτῶν μνημονεύονται· καὶ ἐπαινοῦν-  
 ταί γε δοκοῦντες ἀξίως χρῆσασθαι τῇ τῆς χώρας εὐ-  
 δαιμονίᾳ, μερίσαντές τε εὖ καὶ ἐπιμεληθέντες. βασι-  
 λέα γὰρ ἀποδείξαντες τριχῇ τὸ πλῆθος διεῖλον καὶ τοὺς 10  
 μὲν στρατιώτας ἐκάλεσαν τοὺς δὲ γεωργοὺς τοὺς δὲ  
 ἱερέας· καὶ τοὺς μὲν τῶν ἱερῶν ἐπιμελητὰς τοὺς δ'  
 ἄλλους τῶν περὶ τὸν ἄνθρωπον· καὶ τοὺς μὲν [τὰ] ἐν  
 τῷ πολέμῳ τοὺς δ' ὅσα ἐν εἰρήνῃ, γῆν τε καὶ τέχνας  
 ἐργαζομένων· ἀφ' ὧν περ καὶ αἱ πρόσοδοι συνήγοντο 15  
 τῷ βασιλεῖ. οἳ δ' ἱερεῖς καὶ φιλοσοφίαν ἥσκουν καὶ  
 ἀστρονομίαν, ὁμιληταί τε τῶν βασιλέων ἦσαν. ἡ δὲ  
 χώρα τὴν μὲν πρώτην διαίρεσιν εἰς νομοὺς ἔσχε, δέκα  
 μὲν ἡ Θηβαῖς, δέκα δ' ἡ ἐν τῷ Δέλτα, ἑκαταίδεκα δ' ἡ  
 μεταξύ· ὡς δὲ τινες, τοσοῦτοι ἦσαν οἱ σύμπαντες νο- 20  
 μοὶ ὅσαι αἱ ἐν τῷ λαβυρίνθῳ αὐλαί· αὗται δ' ἐλάτ-  
 τους τῶν τριάκοντα [καὶ ἑξ]· πάλιν δ' οἱ νομοὶ τομὰς  
 ἄλλας ἔσχον· εἰς γὰρ τοπαρχίας οἱ πλεῖστοι διήρηντο,  
 καὶ αὗται δ' εἰς ἄλλας τομὰς· ἐλάχισται δ' αἱ ἄρουραι  
 μερίδες. ἐδέησε δὲ τῆς ἐπ' ἀκριβὲς καὶ κατὰ λεπτόν διαι- 25  
 ρέσεως διὰ τὰς συνεχεῖς τῶν ὄρων συγχύσεις ἃς ὁ Νεῖ-  
 λος ἀπεργάζεται κατὰ τὰς αὐξήσεις, ἀφαιρῶν καὶ προσ-  
 τιθεὶς καὶ ἐναλλάττων τὰ σχήματα καὶ τὰλλα σημεῖα  
 ἀποκρύπτων οἷς διακρίνεται τό τε ἀλλότριον καὶ τὸ  
 ἴδιον· ἀνάγκη δὴ ἀναμετρεῖσθαι πάλιν καὶ πάλιν. ἐν- 30

1. post ἐκβολῶν: τοῦ Νεῖλου.



τεῦθεν δὲ καὶ τὴν γεωμετρίαν συστήναί φασιν, ὥς τὴν  
 λογιστικὴν καὶ ἀριθμητικὴν παρὰ Φοινίκων διὰ τὰς  
 ἐμπορίας. τριχῇ δὲ διήρητο ὥσπερ τὸ σύμπαν καὶ τὸ  
 ἐν ἐκάστῳ τῷ νομῷ πλήθος, εἰς τρία ἴσα μερισθείσης  
 5 τῆς χώρας. ἡ δὲ περὶ τὸν ποταμὸν πραγματεία διαφέ-  
 ρει τοσοῦτον ὅσον τῇ ἐπιμελείᾳ νικᾶν τὴν φύσιν. φύ-  
 σει γὰρ πλείονα φέρει καρπὸν καὶ ποτισθεῖσα μᾶλλον C.788  
 φύσει δὲ καὶ ἡ μείζων ἀνάβασις τοῦ ποταμοῦ πλείω  
 ποτίζει γῆν, ἀλλ' ἡ ἐπιμέλεια πολλάκις καὶ τῆς φύσεως  
 10 ἐξίσχυσεν ἐπιλιπούσης, ὥστε καὶ κατὰ τὰς ἐλάττους  
 ἀναβάσεις τοσαύτην ποτισθῆναι γῆν ὅσην ἐν ταῖς μεί-  
 ζοσι, διὰ τε τῶν διωρύγων καὶ τῶν παραχωμάτων.  
 ἐπὶ γοῦν τῶν πρὸ Πετρωνίου χρόνων ἡ μεγίστη μὲν  
 ἦν φορὰ καὶ ἀνάβασις, ἡνίκα ἐπὶ τεσσαρεσκαίδεκα πῆ-  
 15 χεις ἀνέβαινε ὁ Νεῖλος, ἡνίκα δ' ἐπ' ὀκτώ, συνέβαινε  
 λιμός. ἐπ' ἐκείνου δὲ ἄρξαντος τῆς χώρας καὶ δώδεκα  
 μόνον πληρώσαντος πῆχεις τοῦ Νείλου μέτρου, με-  
 γίστη ἦν ἡ φορὰ, καὶ ὀκτὼ ποτε μόνον πληρώσαντος  
 λιμοῦ οὐδεὶς ἦσθετο. τοιαύτη μὲν ἡ διάταξις. τὰ δ'  
 20 ἐξῆς λέγωμεν νυνί.

Ἀπὸ γὰρ τῶν Αἰθιοπικῶν τερμόνων δεῖ ἐπ' εὐ- 4  
 θείας ὁ Νεῖλος πρὸς ἄρκτους ἕως τοῦ καλουμένου χω-  
 ρίου Δέλτα· εἰτ' ἐπὶ κορυφὴν σχιζόμενος, ὥς φησιν ὁ  
 Πλάτων, ὥς ἂν τριγώνου κορυφὴν ἀποτελεῖ τὸν τό-  
 25 πον τοῦτον· πλευρὰς δὲ τοῦ τριγώνου τὰ σχιζόμενα  
 ἐφ' ἐκάτερα δεῖθρα καθήκοντα μέχρι τῆς θαλάττης,  
 τὸ μὲν ἐν δεξιᾷ τῆς κατὰ Πηλούσιον, τὸ δ' ἐν ἀρι-  
 στερᾷ τῆς κατὰ Κάνωβον καὶ τὸ πλησίον Ἡρά-  
 κλειον προσαγορευόμενον· βάσιν δὲ τὴν παραλίαν  
 30 τὴν μεταξὺ τοῦ Πηλουσίου καὶ τοῦ Ἡρακλείου. γέ-

γονε δὴ νῆσος ἐκ τε τῆς θαλάττης καὶ τῶν ῥευμά-  
 των ἀμφοῖν τοῦ ποταμοῦ, καὶ καλεῖται Δέλτα διὰ τὴν  
 ὁμοιότητα τοῦ σχήματος· τὸ δ' ἐπὶ τῇ κορυφῇ χωρίον  
 ὁμωνύμως κέκληται διὰ τὸ ἀρχὴν εἶναι τοῦ λεχθέντος  
 σχήματος, καὶ ἡ κώμη δὲ ἡ ἐπ' αὐτῷ καλεῖται Δέλτα. 5  
 δύο μὲν οὖν ταῦτα τοῦ Νείλου στόματα, ὧν τὸ μὲν Πη-  
 λουσιακὸν καλεῖται, τὸ δὲ Κανωβικὸν καὶ Ἡρακλειω-  
 τικόν· μεταξὺ δὲ τούτων ἄλλαι πέντε εἰσὶν ἐκβολαὶ  
 αἱ γε ἀξιόλογοι, λεπτότεραι δὲ πλείους· ἀπὸ γὰρ τῶν  
 πρώτων μερῶν ἀπορροῶγες πολλὰ κατ' ὅλην μερι- 10  
 σθεῖσαι τὴν νῆσον πολλὰ καὶ ρεῖθρα καὶ νήσους ἐποίη-  
 σαν, ὥσθ' ὅλην γενέσθαι πλωτὴν διωρύγων ἐπὶ διώ-  
 ρυξι τμηθεῖσων, αἱ κατὰ ῥαστώνην πλέονται το-  
 σαύτην ὥστε καὶ ὀστράκινα ἐνίοις εἶναι πορθμεῖα· τὴν  
 μὲν οὖν περιμέτρον ὅσον τρισχιλίων σταδίων ἐστὶν ἡ 15  
 σύμπασα νῆσος· καλοῦσι δ' αὐτὴν καὶ τὴν κάτω χώ-  
 ραν σὺν ταῖς ἀπαντικρὺ ποταμίαις τοῦ Δέλτα· ἐν δὲ  
 ταῖς ἀναβάσεσι τοῦ Νείλου καλύπτεται πᾶσα καὶ πε-  
 λαγίζει πλὴν τῶν οἰκήσεων· αὗται δ' ἐπὶ λόφων ἀν-  
 τοφυῶν ἢ χωμάτων ἴδρυνται, πόλεις τε ἀξιόλογοι καὶ 20  
 C.789 κῶμαι, νησίζουσαι κατὰ τὴν πόρρωθεν ὄψιν. πλείους  
 δὲ τετταράκοντα ἡμέρας τοῦ θέρους διαμεῖναι τὸ ὕδωρ  
 ἔπειθ' ὑπόβασιν λαμβάνει κατ' ὀλίγον, καθάπερ καὶ  
 τὴν αὖξησιν ἔσχεν· ἐν ἐξήκοντα δὲ ἡμέραις τελείως  
 γυμνοῦται καὶ ἀναψύχεται τὸ πεδίον· ὅσῳ δὲ θᾶττον 25  
 ἢ ἀνάψυξις, τοσῶδε θᾶττον ὁ ἄροτος καὶ ὁ σπόρος·  
 θᾶττον δέ, παρ' οἷς τὰ μείζω θάλλη. τὸν αὐτὸν τρό-  
 πον καὶ τὰ ἐπάνω τοῦ Δέλτα ποτίζεται, πλὴν ὅτι ἐπ'  
 εὐθείας ὅσον τετρακισχιλίους σταδίους δι' ἐνὸς ρεῖθρου  
 τοῦ ποταμοῦ φερομένου, πλὴν εἰ πού τις ἐντρέχει νῆ- 30  
 σος, ὧν ἀξιολογωτάτη ἡ τὸν Ἡρακλειωτικὸν νομὸν  
 περιέχουσα, ἣ εἰ πού τις ἐκτροπὴ διώρυγι ἐπὶ πλέον



εἰς λίμνην μεγάλην καὶ χώραν, ἣν ποτίζειν δύναται, καθάπερ ἐπὶ τῆς τοῦ Ἀρσινοΐτην νομὸν ποτιζούσης καὶ τὴν Μοίριδος λίμνην καὶ τῶν εἰς τὴν Μαρεῶτιν ἀναχεομένων. συλλήβδην δ' εἶπεῖν, ἡ ποταμία μόνον 5 ἔστιν Αἴγυπτος ἡ ἐκατέρωθεν \* ἐσχάτη τοῦ Νείλου, σπάνιον εἶ που τριακοσίων σταδίων ἐπέχουσα συνεχῶς πλάτος τὸ οἰκήσιμον ἀρξαμένη ἀπὸ τῶν ὄρων τῆς Αἰθιοπίας μέχρι τῆς κορυφῆς τοῦ Δέλτα. ἔοικεν οὖν κειρία \* ψυχομένη ἐπὶ μῆκος, ὑπεξαυρουμένων τῶν 10 ἐπὶ πλεόν ἐκτροπῶν. ποιεῖ δὲ τὸ σχῆμα τοῦτο τῆς ποταμίας ἥς λέγω καὶ τῆς χώρας τὰ ὄρη τὰ ἐκατέρωθεν ἀπὸ τῶν περὶ Συήνην τόπων καταγόμενα μέχρι τοῦ Αἰγυπτίου πελάγους· ἐφ' ὅσον γὰρ ταῦτα παρατείνει καὶ διέστηκεν ἀπ' ἀλλήλων, ἐπὶ τοσοῦτον καὶ ὁ πο- 15 ταμὸς συνάγεται τε καὶ διαχεῖται καὶ διασχηματίζει τὴν χώραν διαφόρως τὴν οἰκήσιμον· ἡ δὲ ὑπὲρ τῶν ὄρων ἐπὶ συχνὸν ἀοίκητός ἐστιν.

Οἱ μὲν οὖν ἀρχαῖοι στοχασμῷ τὸ πλεόν, οἱ δ' ὅστε- 5 ρον αὐτόπται γεννηθέντες ἥσθοντο ὑπὸ ὄμβρων θερῶν πλεονούμενον τὸν Νεῖλον, τῆς Αἰθιοπίας τῆς ἀνω κλυζομένης, καὶ μάλιστα ἐν τοῖς ἐσχάτοις ὄρεσι, παυσαμένων δὲ τῶν ὄμβρων παυομένην κατ' ὀλίγον τὴν πλημμυρίδα· τοῦτο δ' ὑπῆρξε μάλιστα δῆλον τοῖς 20 πλέουσι τὸν Ἀράβιον κόλπον μέχρι τῆς κινναμωμοφόρου καὶ τοῖς ἐκπεμπομένοις ἐπὶ τὴν τῶν ἐλεφάντων θήραν, καὶ εἴ τινες ἄλλαι χρεῖαι παρῶξυνον ἐκείσε ἀνδρας προχειρίζεσθαι τοὺς τῆς Αἰγύπτου βασιλέας τοὺς Πτολεμαῖκούς. οὗτοι γὰρ ἐφρόντισαν τῶν τοιούτων, διαφερόντως δ' ὁ Φιλάδελφος ἐπικληθεὶς, φι- 30 λιστορῶν καὶ διὰ τὴν ἀσθένειαν τοῦ σώματος διαγωγὰς αἰεί τινας καὶ τέρψεις ζητῶν καινοτέρας. οἱ πάλαι δὲ βασιλεῖς οὐ πάνυ ἐφρόντισαν τῶν τοιούτων· καί-

C.790 περ οἰκείοι σοφίας γεγονότες καὶ αὐτοὶ καὶ οἱ ἱερεῖς,  
 μεθ' ὧν ἦν αὐτοῖς ὁ πλείων βίος· ὥστε καὶ θαυμάξιν  
 ἄξιον καὶ διὰ τοῦτο καὶ διότι Σέσωστρις τὴν Αἰθιο-  
 πίαν ἐπῆλθεν ἅπασαν μέχρι τῆς κινναμωμοφόρου, καὶ  
 ὑπομνήματα τῆς στρατείας αὐτοῦ καὶ νῦν ἔτι δείκνυ- 5  
 ται στῆλαι καὶ ἐπιγραφαί. Καμβύσης τε τὴν Αἰγυπτου  
 κατασχὼν προῆλθε καὶ μέχρι τῆς Μερόης μετὰ τῶν  
 Αἰγυπτίων· καὶ δὴ καὶ τοῦνομα τῇ τε νήσῳ καὶ τῇ  
 πόλει τοῦτο παρ' ἐκείνου τεθῆναί φασιν, ἐκεῖ τῆς  
 ἀδελφῆς ἀποθανούσης αὐτῷ Μερόης· οἱ δὲ γυναῖκά 10  
 φασι· τὴν ἐπωνυμίαν οὖν ἔχαρίσατο αὐτῇ τιμῶν τὴν  
 ἄνθρωπον. θαυμαστὸν οὖν πῶς ἐκ τῶν τοιούτων ἀφορ-  
 μῶν οὐ τελέως ἐναργῆς ἦν ἡ περὶ τῶν ὄμβρων ἱστορία  
 τοῖς τότε, καὶ ταῦτα τῶν ἱερέων φιλοπραγμονέστερον  
 ἀναφερόντων εἰς τὰ ἱερὰ γράμματα καὶ ἀποτιθεμένων, 15  
 ὅσα μάθῃσιν περιττὴν ἐπιφαίνει. εἰ γὰρ ἄρα, τοῦτ'  
 ἐχρῆν ζητεῖν ὅπερ καὶ νῦν ἔτι ζητεῖται, τί δὴ ποτε θέ-  
 ρους, χειμῶνος δὲ οὐ, καὶ ἐν τοῖς νοτιωτάτοις, ἐν δὲ  
 τῇ Θηβαΐδι καὶ τῇ περὶ Συήνην οὐ συμπίπτουσιν ὄμ-  
 βροι· τὸ δ' ὅτι ἐξ ὄμβρων αἱ ἀναβάσεις μὴ ζητεῖν, 20  
 μηδὲ τοιούτων δεῖσθαι μαρτύρων οἷους Ποσειδώνιος  
 εἶρηκε. φησὶ γὰρ Καλλισθένης λέγειν τὴν ἐκ τῶν ὄμβρων  
 αἰτίαν τῶν θερινῶν παρὰ Ἀριστοτέλους λαβόντα,  
 ἐκεῖνον δὲ παρὰ Θρασυάλκου τοῦ Θασίου (τῶν ἀρχαίων  
 δὲ φυσικῶν εἰς οὗτος) ἐκεῖνον δὲ παρ' ἄλλου, τὸν δὲ 25  
 παρ' Ὀμήρου διυπετέα φάσκοντος τὸν Νεῖλον „ἄψ δ'  
 „εἰς Αἰγύπτιο διυπετέος ποταμοῖο.“ ἄλλ' ἐὼ ταῦτα  
 πολλῶν εἰρηκότων ὧν ἀρκέσει δύο μηνῦσαι τοὺς ποιή-  
 σαντας καθ' ἡμᾶς τὸ περὶ τοῦ Νεῖλου βιβλίον, Εὐδώ-  
 ρόν τε καὶ Ἀρίστωνα τὸν ἐκ τῶν περιπάτων· πλὴν γὰρ 30  
 τῆς τάξεως τά γε ἄλλα καὶ τῇ φράσει καὶ τῇ ἐπιχειρή-  
 σει ταῦτά ἐστι κείμενα παρ' ἀμφοτέροις. ἐγὼ γοῦν



ἀπορούμενος ἀντιγράφων εἰς τὴν ἀντιβολὴν ἐκ θατέ-  
 ρου θάτερον ἀντέβαλον· πότερος δ' ἦν ὁ τὰλλότρια  
 ὑποβαλόμενος, ἐν' Ἀμμωνος εὐροι τις ἄν. Εὐδωρος δ'  
 ἡτιᾶτο τὸν Ἀρίστωνα· ἡ μέντοι φράσις Ἀριστώνειος  
 5 μᾶλλον ἔστιν. οἱ μὲν οὖν ἀρχαῖοι τὸ οἰκούμενον αὐτὸ  
 καὶ ποτιζόμενον ὑπὸ τοῦ Νείλου μόνον Αἴγυπτον ἐκά-  
 λουν ἀπὸ τῶν περὶ Συήνην τόπων ἀρξάμενοι μέχρι τῆς  
 θαλάττης, οἱ δ' ὕστερον μέχρι νῦν προσέλαβον ἐκ μὲν  
 τῶν πρὸς ἑω μερῶν [τὰ] μεταξὺ τοῦ Ἀραβίου κόλπου  
 0 καὶ τοῦ Νείλου σχεδόν τι πάντα (οἱ δ' Αἰθίοπες οὐ C.791  
 πάνυ χρῶνται τῇ Ἐρυθρᾷ θαλάττῃ), ἐκ δὲ τῶν ἐσπε-  
 ρίων τὰ μέχρι τῶν ἀνάσεων καὶ ἐν τῇ παραλίᾳ τὰ ἀπὸ  
 τοῦ Κανωβικοῦ στόματος μέχρι Καταβαθμοῦ καὶ τῆς  
 Κυρηναίων ἐπικρατείας. οἳ τε γὰρ ἀπὸ τοῦ Πτολεμαίου  
 15 βασιλεῖς ἰσχυσαν τοσοῦτον, οἳ γε καὶ τὴν Κυρηναίαν  
 αὐτὴν κατέσχον καὶ διενείμαντο πρὸς τὴν Αἴγυπτον  
 καὶ τὴν Κύπρον, Ῥωμαῖοί τε οἱ διαδεξάμενοι τὴν ἐκεί-  
 νων ἐπαρχίαν κρίναντες τὴν Αἴγυπτον ἐν τοῖς αὐτοῖς  
 ὅροις διεφύλαξαν. ἀνάσεις δ' οἱ Αἰγύπτιοι καλοῦσι τὰς  
 20 οἰκουμένας χώρας περιεχομένας κύκλῳ μεγάλαις ἐρη-  
 μίαις ὥς ἂν νήσους πελαγίας· πολὺ δὲ τοῦτ' ἔστι κατὰ  
 τὴν Λιβύην, τρεῖς δ' εἰσὶν αἱ πρόσχωροι τῇ Αἰγύπτῳ  
 καὶ ὑπ' αὐτῇ τεταγμένοι.

Τὰ μὲν οὖν καθ' ὅλου καὶ ἀνωτάτω περὶ τῆς Αἰ-  
 25 γύπτου ταῦτα λέγομεν, τὰ καθ' ἕκαστα δὲ καὶ τὰς ἀρε- 6  
 τὰς αὐτῆς νῦν διέξιμεν. ἐπεὶ δὲ τὸ πλεῖστον τοῦ ἔργου  
 τούτου καὶ τὸ κυριώτατον ἡ Ἀλεξάνδρεια ἔστι καὶ τὰ  
 περὶ αὐτήν, ἐντεῦθεν ἀρκτέον. ἔστι τοίνυν ἡ ἀπὸ Πη-  
 λουσίῳ παραλίᾳ πρὸς τὴν ἐσπέραν πλέουσι μέχρι μὲν  
 30 τοῦ Κανωβικοῦ στόματος χιλίων πον καὶ τριακοσίων  
 σταδίων, ὃ δὴ καὶ βάσιν τοῦ Δέλτα ἔφαμεν· ἐντεῦθεν  
 δ' ἐπὶ Φάρον τὴν νῆσον ἄλλοι στάδιοι πεντήκοντα.

πρὸς τοῖς ἑκατόν. ἡ δὲ Φάρος νησίον ἐστὶ παράμηνες,  
 προσεχέστατον τῇ ἡπείρῳ, λιμένα πρὸς αὐτὴν ποιοῦν  
 ἀμφίστομον. ἡὼν γὰρ ἐστὶ κολπώδης, ἄκρας εἰς τὸ πέ-  
 λαγος προβεβλημένη δύο· τούτων δὲ μεταξὺ ἡ νῆσος  
 ἴδρυνται κλείουσα τὸν κόλπον, παραβέβληται γὰρ αὐτῷ 5  
 κατὰ μῆκος· τῶν δ' ἄκρων τῆς Φάρου τὸ μὲν ἑῶν  
 μᾶλλον ἐστὶ προσεχὲς τῇ ἡπείρῳ καὶ τῇ κατ' αὐτὴν  
 ἄκρῃ (καλεῖται δ' ἄκρα Λοχιάς), καὶ ποιεῖ τὸν λιμένα  
 ἀρτίστομον· πρὸς δὲ τῇ στενότητι τοῦ μεταξὺ πόρου  
 καὶ πέτραι εἰσὶν αἱ μὲν ὕφαλοι αἱ δὲ καὶ ἐξέχουσαι, 10  
 τραχύνουσαι πᾶσαν ὥραν τὸ προσπίπτον ἐκ τοῦ πελά-  
 γους κλυδώνιον. ἐστὶ δὲ καὶ αὐτὸ τὸ τῆς νησίδος ἄκρον  
 πέτρα περίκλυστος, ἔχουσα πύργον θαυμαστῶς κατε-  
 σκευασμένον λευκοῦ λίθου πολυώροφον, ὁμώνυμον  
 τῇ νήσῳ· τοῦτον δ' ἀνέθηκε Σώστρατος Κνίδιος, φίλος 15  
 τῶν βασιλέων, τῆς τῶν πλοιζομένων σωτηρίας χάριν,  
 ὥς φησιν ἡ ἐπιγραφὴ. ἀλιμένου γὰρ οὔσης καὶ ταπει-  
 νῆς τῆς ἐκατέρωθεν παραλίας, ἐχούσης δὲ καὶ χοιράδας  
 καὶ βράχην τινά, ἔδει σημείου τινὸς ὑψηλοῦ καὶ λαμπροῦ  
 τοῖς ἀπὸ τοῦ πελάγους προσπλέουσιν ὥστ' εὐστοχεῖν 20  
 C.792 τῆς εἰσβολῆς τοῦ λιμένος. καὶ τὸ ἐσπέριον δὲ στόμα  
 οὐκ εὐεῖςβολόν ἐστιν, οὐ μὲν τοσαύτης γε δεῖται προ-  
 νοίας· ποιεῖ δὲ καὶ τοῦτο ἄλλον λιμένα τὸν τοῦ Εὐνό-  
 στου καλούμενον· πρόκειται δ' οὗτος τοῦ ὀρυκτοῦ καὶ  
 κλειστοῦ λιμένος· ὁ μὲν γὰρ ἐκ τοῦ λεχθέντος πύργου 25  
 τῆς Φάρου τὸν εἰσπλουν ἔχων ὁ μέγας ἐστὶ λιμὴν·  
 οὗτοι δὲ συνεχεῖς ἐν βάρει ἐκείνῳ, τῷ ἑπτασταδίῳ κα-  
 λουμένῳ χώματι διειργόμενοι ἀπ' αὐτοῦ παράκεινται·  
 τὸ δὲ χῶμά ἐστιν ἀπὸ τῆς ἡπείρου γέφυρα ἐπὶ τὴν νῆ-

17. post ἐπιγραφὴ: σῶστρατος κνίδιος Δεξιφάνους θεοῖς  
 σωτήρσιν ὑπὲρ τῶν πλωϊζομένων.



σον κατὰ τὸ ἐσπέριον αὐτῆς μέρος ἐκτεταμένη, δύο  
 διάπλους ἀπολείπουσα μόνον εἰς τὸν Εὐνόστου λιμένα  
 καὶ αὐτοὺς γεγεφυρωμένους· ἦν δ' οὐ γέφυρα μόνον  
 ἐπὶ τὴν νῆσον τὸ ἔργον τοῦτο, ἀλλὰ καὶ ὑδραγωγίον,  
 5 ὅτε γε ᾠκεῖτο· νῦν δ' ἠρήμωσεν αὐτὴν ὁ θεὸς Καῖσαρ  
 ἐν τῷ πρὸς Ἀλεξανδρέας πολέμῳ τεταγμένην μετὰ τῶν  
 βασιλέων· ὀλίγοι δ' οἰκοῦσι πρὸς τῷ πύργῳ ναυτικοὶ  
 ἄνδρες. ὁ γοῦν μέγας λιμὴν πρὸς τῷ κεκλεισθαι καλῶς  
 τῷ τε χώματι καὶ τῇ φύσει ἀγκιβαθῆς τέ ἐστιν ὥστε  
 10 τὴν μερίστην ναῦν ἐπὶ κλίμακος ὀρμεῖν, καὶ εἰς πλείους  
 σχίζεται λιμένας. οἱ μὲν οὖν πρότεροι τῶν Αἰγυπτίων  
 βασιλεῖς ἀγαπῶντες οἷς εἶχον καὶ οὐ πάννυ ἐπεισάκτων  
 δεόμενοι, διαβεβλημένοι πρὸς ἅπαντας τοὺς πλείοντας  
 καὶ μάλιστα τοὺς Ἕλληνας (πορθηταὶ γὰρ ἦσαν καὶ  
 15 ἐπιθυμηταὶ τῆς ἀλλοτρίας κατὰ σπάνιν γῆς), ἐπέστη-  
 σαν φυλακὴν τῷ τόπῳ τούτῳ κελεύσαντες ἀπείργειν  
 τοὺς προσιόντας· κατοικίαν δ' αὐτοῖς ἔδοσαν τὴν  
 προσαγορευομένην Ρακῶτιν, ἣ νῦν μὲν τῆς Ἀλεξαν-  
 δρέων πόλεως ἐστὶ μέρος τὸ ὑπερκείμενον τῶν νεω-  
 20 ρίων, τότε δὲ κώμη ὑπῆρχε· τὰ δὲ κύκλῳ τῆς κώμης  
 βουκόλοις παρέδοσαν δυναμένοις καὶ αὐτοῖς κωλύειν  
 τοὺς ἔξωθεν ἐπιόντας. ἐπελθὼν δὲ Ἀλέξανδρος, ἰδὼν  
 τὴν εὐκαιρίαν ἔγνω τειχίζειν ἐπὶ τῷ λιμένι τὴν πόλιν·  
 τῆς δ' ὕστερον ἐπηκολουθηκυίας εὐδαιμονίας τῇ πόλει  
 25 μνημονεύουσί τι σημεῖον κατὰ τὴν ὑπογραφὴν τοῦ  
 κτίσματος συμβάν· τῶν γὰρ ἀρχιτεκτόνων γῇ λευκῇ  
 διασημαινομένων τὴν τοῦ περιβόλου γραμμὴν, ἐπιλι-  
 πούσης τῆς γῆς καὶ τοῦ βασιλέως ἐπιόντος, οἱ διοικηταὶ  
 τῶν ἀλφίτων μέρος τῶν παρεσκευασμένων τοῖς ἐργά-  
 30 ταις παρέσχον, δι' ὧν καὶ αἱ ὁδοὶ κατετμήθησαν εἰς  
 πλείους· τοῦτ' οὖν οἰωνίσθαι λέγονται πρὸς ἀγαθοῦ  
 γεγονός.

7 Ἡ δ' εὐκαιρία πολύτροπος· ἀμφίκλυστόν τε γάρ  
 ἐστὶ τὸ χωρίον δυσὶ πελάγεσι, τῷ μὲν ἀπὸ τῶν ἄρκτων  
 C.793 τῷ Αἰγυπτίῳ λεγομένῳ τῷ δ' ἀπὸ μεσημβρίας τῷ τῆς  
 λίμνης τῆς Μαρείας ἣ καὶ Μαρεῶτις λέγεται· πληροῖ  
 δὲ ταύτην πολλαῖς διώρυξιν ὁ Νεῖλος ἄνωθεν τε καὶ ὁ  
 ἐκ πλαγίων, δι' ὧν τὰ εἰσκομιζόμενα πολλῶ πλείω τῶν  
 ἀπὸ θαλάττης ἐστὶν ὥσθ' ὁ λιμὴν ὁ λιμναῖος ὑπῆρχε  
 πλουσιώτερος τοῦ θαλαττίου· ταύτῃ δὲ καὶ τὰ ἐκκομι-  
 ζόμενα ἐξ Ἀλεξανδρείας πλείω τῶν εἰσκομιζομένων  
 ἐστί· γνοίῃ δ' ἄν τις ἐν τε τῇ Ἀλεξανδρείᾳ καὶ τῇ Δι- 10  
 καιαρχείᾳ γενόμενος, ὄρων τὰς ὀλκάδας ἐν τε τῷ κατὰ-  
 πλῳ καὶ ἐν ταῖς ἀναγωγαῖς ὅσον βαρύτεραί τε καὶ κου-  
 φότεραι δεῦρο κἀκεῖσε πλέοιεν. πρὸς δὲ τῷ πλούτῳ  
 τῶν καταγομένων ἐκατέρωσε εἰς τε τὸν κατὰ θάλατταν  
 λιμένα καὶ εἰς τὸν λιμναῖον καὶ τὸ εὐάερον ἄξιον ση- 15  
 μειώσεώς ἐστιν, ὃ καὶ αὐτὸ συμβαίνει διὰ τὸ ἀμφίκλυ-  
 στον καὶ τὸ εὐκαιρον τῆς ἀναβάσεως τοῦ Νείλου. αἱ  
 μὲν γὰρ ἄλλαι πόλεις αἱ ἐπὶ λιμνῶν ἰδρυμέναι βαρεῖς  
 καὶ πνιγώδεις ἔχουσι τοὺς ἀέρας ἐν τοῖς καύμασι τοῦ  
 θέρους· ἐπὶ γὰρ τοῖς χείλεσιν αἱ λίμναι τελματοῦνται 20  
 διὰ τὴν ἐκ τῶν ἡλίων ἀναθυμίασιν· βορβορώδους οὖν  
 ἀναφερομένης τοσαύτης ἰκμάδος, νοσώδης ὁ ἀήρ ἔλκε-  
 ται καὶ λοιμικῶν κατάρχει παθῶν. ἐν Ἀλεξανδρείᾳ δὲ  
 τοῦ θέρους ἀρχομένου πληρούμενος ὁ Νεῖλος πληροῖ  
 καὶ τὴν λίμνην καὶ οὐδὲν ἑᾶ τελματοῶδες τὸ τὴν ἀνα- 25  
 φορὰν ποιῆσον μοχθηρὰν· τότε δὲ καὶ οἱ ἐτησίαι πνέ-  
 ουσιν ἐκ τῶν βορείων καὶ τοῦ τοσοῦτου πελάγους, ὥστε  
 κάλλιστα τοῦ θέρους Ἀλεξανδρεῖς διάγουσιν.

8 Ἔστι δὲ χλαμυδοειδὲς τὸ σχῆμα τοῦ ἐδάφους τῆς  
 πόλεως, οὗ τὰ μὲν ἐπὶ μῆκος πλευρά ἐστὶ τὰ ἀμφίκλυ- 30  
 στα ὅσον τριακοντα σταδίων ἔχοντα διάμετρον, τὰ δὲ  
 ἐπὶ πλάτος οἱ ἰσθμοί, ἑπτὰ ἢ ὀκτὼ σταδίων ἐκάτερος,



σφιγγόμενος τῇ μὲν ὑπὸ θαλάττης τῇ δ' ὑπὸ τῆς λίμνης.  
 ἅπαντα μὲν οὖν ὁδοῖς κατατέμνεται ἰππηλάτοις καὶ ἄρ-  
 ματηλάτοις, δυοὶ δὲ πλατυτάταις ἐπὶ πλεόν ἢ πλέθρον  
 ἀναπεπταμέναις, αἱ δὴ δίχα καὶ πρὸς ὀρθὰς τέμνουσιν  
 5 ἀλλήλας. ἔχει δ' ἡ πόλις τεμένη τε κοινὰ κάλλιστα καὶ  
 τὰ βασιλεία, τέταρτον ἢ καὶ τρίτον τοῦ παντὸς περι-  
 βόλου μέρος· τῶν γὰρ βασιλείων ἕκαστος ὥσπερ τοῖς  
 κοινοῖς ἀναθήμασι προσεφιλοκάλει τινὰ κόσμον, οὕτω  
 καὶ οἰκησιν ἰδίᾳ περιεβάλλετο πρὸς ταῖς ὑπαρχού-  
 10 σαις, ὥστε νῦν τὸ τοῦ ποιητοῦ ἐξ ἑτέρων ἕτερόν ἐστιν·  
 ἅπαντα μέντοι συναφῇ καὶ ἀλλήλοις καὶ τῷ λιμένι καὶ  
 ὅσα ἔξω αὐτοῦ. τῶν δὲ βασιλείων μέρος ἐστὶ καὶ τὸ  
 Μουσεῖον, ἔχον περίπατον καὶ ἐξέδραν καὶ οἶκον μέγαν. 794  
 ἐν ᾧ τὸ συσσίτιον τῶν μετεχόντων τοῦ Μουσείου φι-  
 15 λολόγων ἀνδρῶν. ἔστι δὲ τῇ συνόδῳ ταύτῃ καὶ χορήματα  
 κοινὰ καὶ ἱερεὺς ὁ ἐπὶ τῷ Μουσείῳ τεταγμένος τότε  
 μὲν ὑπὸ τῶν βασιλέων νῦν δ' ὑπὸ Καίσαρος. μέρος δὲ  
 τῶν βασιλείων ἐστὶ καὶ τὸ καλούμενον Σῆμα, ὃ περι-  
 βολος ἦν ἐν ᾧ αἱ τῶν βασιλέων ταφαὶ καὶ ἡ Ἀλεξάν-  
 20 δρου· ἐφθῆ γὰρ τὸ σῶμα ἀφελόμενος Περδίκκας ὁ τοῦ  
 Ἀάγου Πτολεμαῖος κατακομίζοντα ἐκ τῆς Βαβυλῶνος  
 καὶ ἐκτρεπόμενον ταύτῃ κατὰ πλεονεξίαν καὶ ἐξιδια-  
 σμὸν τῆς Αἰγύπτου· καὶ δὴ καὶ ἀπώλετο διαφθαρεῖς  
 ὑπὸ τῶν στρατιωτῶν, ἐπελθόντος τοῦ Πτολεμαίου καὶ  
 25 κατακλείσαντος αὐτὸν ἐν νήσῳ ἐρήμῃ· ἐκεῖνος μὲν οὖν  
 ἀπέθανεν ἐμπεριπαρεῖς ταῖς σαρίσσαις ἐπελθόντων ἐπ'  
 αὐτὸν τῶν στρατιωτῶν· σὺν αὐτῷ δὲ ... καὶ οἱ βασι-  
 λεῖς Ἀριδαῖός τε καὶ τὰ παιδιά τὰ Ἀλεξάνδρου καὶ ἡ  
 γυνὴ Ῥωξάνη ἀπῆραν εἰς Μακεδονίαν· τὸ δὲ σῶμα τοῦ  
 30 Ἀλεξάνδρου κομίσας ὁ Πτολεμαῖος ἐκήδευσεν ἐν τῇ  
 Ἀλεξανδρείᾳ ὅπου νῦν ἔτι κεῖται, οὐ μὴν ἐν τῇ αὐτῇ  
 πυέλῳ· ὑαλίνη γὰρ αὕτη, ἐκεῖνος δ' ἐν χρυσῇ κατέθη-

κεν· ἐσύλησε δ' αὐτήν ὁ Κόκκης καὶ Παρεΐσακτος ἐπι-  
κληθεὶς Πτολεμαῖος, ἐκ τῆς Συρίας ἐπελθὼν καὶ ἐκπε-  
σὼν εὐθύς, ὥστ' ἀνόνητα αὐτῷ τὰ σῦλα γενέσθαι.

- 9 Ἔστι δ' ἐν τῷ μεγάλῳ λιμένι κατὰ μὲν τὸν εἰσπλουν  
ἐν δεξιᾷ ἡ νῆσος καὶ ὁ πύργος ὁ Φάρος, κατὰ δὲ τὴν 5  
ἐτέραν χεῖρα αἱ τε χοιράδες καὶ ἡ Λοχιάς ἄκρα ἔχουσα  
βασιλῆιον. εἰσπλεύσαντι δ' ἐν ἀριστερᾷ ἐστὶ συνεχῇ  
τοῖς ἐν τῇ Λοχιάδι τὰ ἐνδοτέρῳ βασιλῆια, πολλὰς καὶ  
ποικίλας ἔχοντα διαίτας καὶ ἄλσῃ· τούτοις δ' ὑπόκειται  
ὅ τε ὀρυκτὸς λιμὴν καὶ κλειστός, ἴδιος τῶν βασιλέων, 10  
καὶ ἡ Ἀντίρροδος νησίον προκείμενον τοῦ ὀρυκτοῦ λι-  
μένος, βασιλῆιον ἅμα καὶ λιμένιον ἔχον· ἐκάλεσαν δ'  
οὕτως ὡς ἂν τῇ Ῥόδῳ ἐνάμιλλον. ὑπέρεται δὲ τού-  
του τὸ θέατρον· εἶτα τὸ Ποσειδῖον, ἀγκών τις ἀπὸ τοῦ  
ἐμπορίου καλουμένου προπεπτωκώς, ἔχων ἱερὸν Πο- 15  
σειδῶνος· ᾧ προσθεὶς χῶμα Ἀντώνιος ἔτι μᾶλλον  
προνεῦον εἰς μέσον τὸν λιμένα ἐπὶ τῷ ἄκρῳ κατεσκεύασε  
δίαιταν βασιλικὴν ἣν Τιμώνιον προσηγόρευσε. τοῦτο  
δ' ἔπραξε τὸ τελευταῖον, ἥνίκα προλειφθεὶς ὑπὸ τῶν  
φίλων ἀπῆρεν εἰς Ἀλεξάνδρειαν μετὰ τὴν ἐν Ἀκτίῳ 20  
κακοπραγίαν, Τιμώνειον αὐτῷ κρίνας τὸν λοιπὸν βίον,  
ὃν διάξειν ἔμελλεν ἔρημος τῶν τοσούτων φίλων. εἶτα  
τὸ Καισάρειον καὶ τὸ ἐμπόριον καὶ ἀποστάσεις, καὶ  
μετὰ ταῦτα τὰ νεώρια μέχρι τοῦ ἐπτασταδίου. ταῦτα  
μὲν τὰ περὶ τὸν μέγαν λιμένα.

- C.795 10 Ἐξῆς δ' Εὐνόστου λιμὴν μετὰ τὸ ἐπταστάδιον,  
καὶ ὑπὲρ τούτου ὁ ὀρυκτὸς ὃν καὶ Κιβωτὸν καλοῦσιν,  
ἔχων καὶ αὐτὸς νεώρια. ἐνδοτέρῳ δὲ τούτου διῶρυξ  
πλωτὴ μέχρι τῆς λίμνης τεταμένη τῆς Μαρεώτιδος·  
ἔξω μὲν οὖν τῆς διῶρυγος μικρὸν ἔτι λείπεται τῆς πό- 30  
λεως· εἴθ' ἡ Νεκρόπολις τὸ προάστειον, ἐν ᾧ κῆποι τε  
πολλοὶ καὶ ταφαὶ καὶ καταγωγαὶ πρὸς τὰς ταριχείας



τῶν νεκρῶν ἐπιτήδεια. ἐντὸς δὲ τῆς διώρυγος τό τε  
 Σαράπειον καὶ ἄλλα τεμένη ἀρχαῖα ἐκλελειμμένα πως  
 διὰ τὴν τῶν νέων κατασκευὴν τῶν ἐν Νικοπόλει· καὶ  
 γὰρ ἀμφιθέατρον καὶ στάδιον καὶ οἱ πεντετηρικοὶ ἀγῶ-  
 5 νες ἐκεῖ συντελοῦνται· τὰ δὲ παλαιὰ ὀλιγόωρηται.  
 συλλήβδην δ' εἰπεῖν ἡ πόλις μεστή ἐστὶν ἀναθημάτων  
 καὶ ἱερῶν· κάλλιστον δὲ τὸ γυμνάσιον μείζους ἢ στα-  
 διαίας ἔχον τὰς στοάς· ἐν μέσῳ [δὲ] τό τε δικαστήριον  
 καὶ τὰ ἄλλα. ἐστὶ δὲ καὶ Πάνειον, ὕψος τι χειροποίητον  
 10 στροβιλοειδὲς ἐμφερὲς ὅχθῳ πετρῶδει διὰ κοχλίου τὴν  
 ἀνάβασιν ἔχον· ἀπὸ δὲ τῆς κορυφῆς ἐστὶν ἀπιδεῖν ὅλην  
 τὴν πόλιν ὑποκειμένην αὐτῷ πανταχόθεν. ἀπὸ δὲ τῆς  
 Νεκροπόλεως ἡ ἐπὶ τὸ μῆκος πλατεῖα διατείνει παρὰ  
 τὸ γυμνάσιον μέχρι τῆς πύλης τῆς Κανωβικῆς· εἰδ'  
 15 ἰππόδρομος καλούμενός ἐστι καὶ αἱ παρακειμέναι ἄλ-  
 λαι μέχρι τῆς διώρυγος τῆς Κανωβικῆς. διὰ δὲ τοῦ ἰπ-  
 ποδρόμου διελθόντι ἡ Νικόπολις ἐστὶν, ἔχουσα κατοι-  
 κίαν ἐπὶ θαλάττῃ πόλεως οὐκ ἐλάττω· τριάκοντα δέ  
 εἰσιν ἀπὸ τῆς Ἀλεξανδρείας στάδιοι. τοῦτον δὲ ἐτίμη-  
 20 σεν ὁ Σεβαστὸς Καῖσαρ τὸν τόπον, ὅτι ἐνταῦθα ἐνίκα  
 τῇ μάχῃ τοὺς ἐπεξιόντας ἐπ' αὐτὸν μετὰ Ἀντωνίου, καὶ  
 λαβὼν ἐξ ἐφόδου τὴν πόλιν ἠνάγκασε τὸν μὲν Ἀντώ-  
 νιον ἑαυτὸν διαχειρίσασθαι, τὴν δὲ Κλεοπάτραν ζῶσαν  
 ἐλθεῖν εἰς τὴν ἐξουσίαν· μικρὸν δ' ὕστερον ἀνέκρινε  
 25 ἑαυτὴν ἐν τῇ φρουρᾷ διεχειρίσατο λάθρα δῆγματι  
 ἀσπίδος ἢ φαρμάκῳ ἐπιχρίστω (λέγεται γὰρ ἀμφοτέ-  
 ρως), καὶ συνέβη καταλυθῆναι τὴν τῶν Λαγιδῶν ἀρ-  
 χὴν πολλὰ συμμείναςαν ἔτη.

Πτολεμαῖος γὰρ ὁ Λάγου διεδέξατο Ἀλέξανδρον, 11  
 30 ἐκεῖνον δὲ [ὁ] Φιλάδελφος, τοῦτον δὲ ὁ Εὐεργέτης, εἰδ'  
 ὁ Φιλοπάτωρ ὁ τῆς Ἀγαθοκλείας, εἰδ' ὁ Ἐπιφανής,  
 εἰδ' ὁ Φιλομήτωρ, παῖς παρὰ πατρὸς αἰὲ διαδεχόμενος·

τοῦτον δ' ἀδελφὸς διεδέξατο ὁ δεύτερος Εὐεργέτης ὃν  
 καὶ Φύσκωνα προσαγορεύουσι, τοῦτον δ' ὁ Λάθουρος  
 ἐπικληθεὶς Πτολεμαῖος, τοῦτον δ' ὁ Αὐλητῆς ὁ κατ'  
 C.796 ἡμᾶς, ὅσπερ ἦν τῆς Κλεοπάτρας πατήρ. ἅπαντες μὲν  
 οὖν οἱ μετὰ τὸν τρίτον Πτολεμαῖον ὑπὸ τροφῆς διε- 5  
 φθαρμένοι χειρὸν ἐπολιτεύσαντο, χεῖριστα δ' ὁ τέταρ-  
 τος καὶ [ὁ] ἔβδομος καὶ ὁ ὕστατος ὁ Αὐλητῆς, ὃς χωρὶς  
 τῆς ἄλλης ἀσελγείας χοραυλεῖν ἤσκησε, καὶ ἐπ' αὐτῷ  
 γε ἐσεμνύνετο τοσοῦτον ὥστ' οὐκ ὤκνει συντελεῖν ἀγῶ-  
 νας ἐν τοῖς βασιλείοις, εἰς οὓς παρῆει διαμιλλησόμενος 10  
 τοῖς ἀνταγωνισταῖς. τοῦτον μὲν οὖν οἱ Ἀλεξανδρεῖς  
 ἐξέβαλον, τριῶν δ' αὐτῷ θυγατέρων οὐσῶν, ὧν μία  
 γνησία ἢ πρεσβυτάτη, ταύτην ἀνέδειξαν βασίλισσαν·  
 οἱ υἱοὶ δ' αὐτοῦ δύο νήπιοι τῆς τότε χρείας ἐξέπιπτον  
 τελέως. τῇ δὲ κατασταθείσῃ μετεπέμψαντο ἄνδρα ἐκ 15  
 τῆς Συρίας κυβισάκτην τινά, προσποιησάμενον τοῦ  
 γένους εἶναι τῶν Συριακῶν βασιλέων· τοῦτον μὲν  
 οὖν ὀλίγων ἡμερῶν ἀπεστραγγάλισεν ἡ βασίλισσα οὐ  
 φέρουσα τὸ βάνανσον καὶ τὸ ἀνελεύθερον. ἦκε δ' ἀντ'  
 ἐκείνου προσποιησάμενος καὶ αὐτὸς εἶναι Μιθριδάτου 20  
 υἱὸς τοῦ Εὐπάτορος Ἀρχέλαος, ὃς ἦν μὲν Ἀρχελαίου  
 υἱὸς τοῦ πρὸς Σύλλαν διαπολεμήσαντος καὶ μετὰ ταῦτα  
 τιμηθέντος ὑπὸ Ῥωμαίων, πάππος δὲ τοῦ βασιλεύσαν-  
 τος Καππαδόκων ὑστάτου κατ' ἡμᾶς, ἱερεὺς δὲ τῶν ἐν  
 Πόντῳ Κομάνων. Γαβινίῳ δὲ τότε συνδιέτριψεν ὡς 25  
 συστρατεύσων ἐπὶ Παρθυαίους, λαθὼν δὲ τοῦτον κο-  
 μίζεται διὰ τινων εἰς τὴν βασίλισσαν καὶ ἀναδείκνυται  
 βασιλεύς. ἐν τούτῳ τὸν Αὐλητὴν ἀφικόμενον εἰς Ῥώ-  
 μην δεξάμενος Πομπήιος Μάγνος συνίστησι τῇ συγ-  
 κλήτῳ καὶ διαπράττεται κάθοδον μὲν τούτῳ, τῶν δὲ 30  
 πρέσβων τῶν πλείστων, ἑκατὸν ὄντων, ὅλεθρον τῶν  
 καταπρεσβευσάντων αὐτοῦ· τούτων δ' ἦν καὶ Δίων ὁ



Ἀκαδημαῖκός ἀρχιπρεσβευτῆς γεγονώς. καταχθείς οὖν  
 ὑπὸ Γαβινίου Πτολεμαῖος τὸν τε Ἀρχέλαον ἀναιρεῖ καὶ  
 τὴν θυγατέρα, χρόνον δ' οὐ πολὺν τῇ βασιλείᾳ προσ-  
 θείς τελευτᾷ νόσῳ, καταλιπὼν δύο μὲν υἱεῖς δύο δὲ  
 5 θυγατέρας, πρεσβυτάτην δὲ Κλεοπάτραν. οἱ μὲν οὖν  
 Ἀλεξανδρεῖς ἀπέδειξαν βασιλέας τὸν τε πρεσβύτερον  
 τῶν παίδων καὶ τὴν Κλεοπάτραν, οἱ δὲ συνόντες τῷ  
 παιδί καταστασιάσαντες ἐξέβαλον τὴν Κλεοπάτραν,  
 καὶ ἀπῆρε μετὰ τῆς ἀδελφῆς εἰς τὴν Συρίαν. ἐν τούτῳ  
 10 Πομπήιος Μάγνος ἦκε φεύγων ἐκ Παλαιφαρσάλου  
 πρὸς τὸ Πηλούσιον καὶ τὸ Κάσιον ὄρος· τοῦτον μὲν  
 οὖν δολοφονοῦσιν οἱ μετὰ τοῦ βασιλέως· ἐπελθὼν δὲ  
 Καῖσαρ τὸν τε μειρακίσκον διαφθείρει καὶ καθίστησι  
 τῆς Αἰγύπτου βασιλίσσαν τὴν Κλεοπάτραν μεταπεμψά-  
 15 μενος ἐκ τῆς φυγῆς· συμβασιλεύειν δ' ἀπέδειξε τὸν  
 λοιπὸν ἀδελφὸν αὐτῇ νέον παντελῶς ὄντα. μετὰ δὲ τὴν C. 797  
 Καίσαρος τελευτὴν καὶ τὰ ἐν Φιλίπποις διαβάς Ἀντών-  
 νιος εἰς τὴν Ἀσίαν ἐξετίμησεν ἐπὶ πλεον τὴν Κλεοπά-  
 τραν ὥστε καὶ γυναικὰ ἔκρινε καὶ ἐτεκνοποίησατο ἐξ  
 20 αὐτῆς, τὸν τε Ἀκτιακὸν πόλεμον συνήρατο ἐκείνῃ καὶ  
 συνέφυγε· καὶ μετὰ ταῦτα ἐπακολουθήσας ὁ Σεβαστὸς  
 Καῖσαρ ἀμφοτέρους κατέλυσε καὶ τὴν Αἴγυπτον ἔπανσε  
 παροινουμένην. ἐπαρχία δὲ νῦν ἐστὶ, φόρους μὲν τε- 12  
 λοῦσα ἀξιολόγους, ὑπὸ σωφρόνων δὲ ἀνδρῶν διοικου-  
 25 μένη τῶν πεμπομένων ἐπάρχων ἀεί. ὁ μὲν οὖν πεμφθεὶς  
 τὴν τοῦ βασιλέως ἔχει τάξιν, ὑπ' αὐτῷ δ' ἐστὶν ὁ δικαιο-  
 δότης ὁ τῶν πολλῶν κρίσεων κύριος· ἄλλος δ' ἐστὶν ὁ  
 προσαγορευόμενος ἰδιόλογος, ὃς τῶν ἀδεσπότην καὶ  
 τῶν εἰς Καίσαρα πίπτειν ὀφειλόντων ἐξεταστὴς ἐστὶ·  
 30 παρέπονται δὲ τούτοις ἀπελεύθεροι Καίσαρος καὶ οἰκο-  
 νόμοι, μείζω καὶ ἐλάττω πεπιστευμένοι πράγματα. ἔστι  
 δὲ καὶ στρατιωτικοῦ τρία τάγματα, ὧν τὸ ἓν κατὰ τὴν

πόλιν ἴδρυνται τᾶλλα δ' ἐν τῇ χώρᾳ· χωρὶς δὲ τούτων  
 ἐννέα μὲν εἰσι σπεῖραι Ῥωμαίων, τρεῖς μὲν ἐν τῇ πόλει  
 τρεῖς δ' ἐπὶ τῶν ὄρων τῆς Αἰθιοπίας ἐν Συήνῃ, φρουρὰ  
 τοῖς τόποις, τρεῖς δὲ κατὰ τὴν ἄλλην χώραν. εἰσὶ δὲ καὶ  
 ἱππαρχίαι τρεῖς ὁμοίως διατεταγμέναι κατὰ τοὺς ἐπι- 5  
 καιρίους τόπους. τῶν δ' ἐπιχωρίων ἀρχόντων κατὰ  
 πόλιν μὲν ὅ τε ἐξηγητὴς ἐστὶ, πορφύραν ἀμπεχόμενος  
 καὶ ἔχων πατρίους τιμὰς καὶ ἐπιμέλειαν τῶν τῇ πόλει  
 χρησίμων, καὶ ὁ ὑπομνηματογράφος καὶ [ὁ] ἀρχιδικα-  
 στής, τέταρτος δὲ ὁ νυκτερινὸς στρατηγός. ἦσαν μὲν 10  
 οὖν καὶ ἐπὶ τῶν βασιλέων αὐταὶ αἱ ἀρχαί, κακῶς δὲ πο-  
 λιτευομένων τῶν βασιλέων ἠφανίζετο καὶ ἡ τῆς πόλεως  
 εὐκαιρία διὰ τὴν ἀνομίαν. ὁ γοῦν Πολύβιος γεγρονῶς  
 ἐν τῇ πόλει βδελύττεται τὴν τότε κατάστασιν καὶ φησι  
 τρία γένη τὴν πόλιν οἰκεῖν, τό τε Αἰγύπτιον καὶ ἐπι- 15  
 χώριον φύλον ὃζὺ καὶ \* πολιτικόν, καὶ τὸ μισθοφορι-  
 κὸν βαρὺ καὶ πολὺ καὶ ἀνάγωγον· ἐξ ἔθους γὰρ πα-  
 λαιοῦ ξένους ἔτρεφον τοὺς τὰ ὅπλα ἔχοντας, ἄρχειν  
 μᾶλλον ἢ ἄρχεσθαι δεδιδαγμένους διὰ τὴν τῶν βασι-  
 λέων οὐδένειαν· τρίτον δ' ἦν γένος τὸ τῶν Ἀλεξαν- 20  
 δρέων οὐδ' αὐτὸ εὐκρινῶς πολιτικὸν διὰ τὰς αὐτὰς  
 αἰτίας, κρεῖττον δ' ἐκείνων ὅμως· καὶ γὰρ εἰ μιγάδες,  
 Ἕλληνες ὅμως ἀνέκαθεν ἦσαν καὶ ἐμέμνηντο τοῦ κοι-  
 νοῦ τῶν Ἑλλήνων ἔθους· ἠφανισμένου δὲ καὶ τούτου  
 τοῦ πλήθους μάλιστα ὑπὸ τοῦ Εὐεργέτου τοῦ Φύσκω- 25  
 C.798νος, καθ' ὃν ἦκεν εἰς τὴν Ἀλεξάνδρειαν ὁ Πολύβιος  
 (καταστασιαζόμενος γὰρ ὁ Φύσκων πλεονάκεις τοῖς  
 στρατιώταις ἐφίει τὰ πλήθη καὶ διέφθειρε), τοιούτων  
 δὴ, φησὶν, ὄντων τῶν ἐν τῇ πόλει λοιπὸν ἦν τῷ ὄντι  
 τὸ τοῦ ποιητοῦ „Αἰγυπτὸνδ' ἰέναι δολιχὴν ὁδὸν ἀρ- 30  
 „γαλέην τε.“



βασιλέων. Ῥωμαῖοι δ' εἰς δύναμιν, ὥς εἰπεῖν, ἐπηνώρ-  
 θωσαν τὰ πολλά, τὴν μὲν πόλιν διατάξαντες ὥς εἶπον,  
 κατὰ δὲ τὴν χώραν ἐπιστρατήγους τινὰς καὶ νομάρχας  
 καὶ ἐθνάρχας καλουμένους ἀποδείξαντες, πραγμάτων  
 5 οὐ μεγάλων ἐπιστατεῖν ἡξιωμένους. τῆς δ' εὐκαιρίας  
 τῆς κατὰ τὴν πόλιν τὸ μέγιστόν ἐστιν ὅτι τῆς Αἰγύπτου  
 πάσης μόνος ἐστὶν οὗτος ὁ τόπος πρὸς ἄμφω πεφυκὼς  
 εὖ, τὰ τε ἐκ θαλάττης διὰ τὸ εὐλίμενον, καὶ τὰ ἐκ τῆς  
 χώρας ὅτι πάντα εὐμαρῶς ὁ ποταμὸς πορθμεύει συνά-  
 10 γει τε εἰς τοιοῦτον χωρίον ὅπερ μέγιστον ἐμπόριον τῆς  
 οἰκουμένης ἐστί. τῆς μὲν οὖν πόλεως ταύτας ἂν τις  
 λέγοι τὰς ἀρετάς· τῆς Αἰγύπτου δὲ τὰς προσόδους ἐν  
 τινι λόγῳ Κικέρων φράζει φήσας κατ' ἐνιαυτὸν τῷ τῆς  
 Κλεοπάτρας πατρὶ τῷ Αὐλήτῃ προσφέρεισθαι φόρον  
 15 ταλάντων μυρίων δισχιλίων πεντακοσίων. ὅπου οὖν  
 ὁ κάκιστα καὶ ῥαθυμότατα τὴν βασιλείαν διοικῶν το-  
 σαῦτα προσωδεύετο, τί χρὴ νομίσαι τὰ νῦν διὰ τοσαύ-  
 τῆς ἐπιμελείας οἰκονομούμενα καὶ τῶν Ἰνδικῶν ἐμπο-  
 ριῶν καὶ τῶν Τρωγλοδυτικῶν ἐπηνυξημένων ἐπὶ τοσοῦ-  
 20 του; πρότερον μὲν γε οὐδ' εἴκοσι πλοῖα ἐθάρρει τὸν  
 Ἀράβιον κόλπον διαπερᾶν ὥστε ἔξω τῶν στενῶν ὑπερ-  
 κύπτειν, νῦν δὲ καὶ στόλοι μεγάλοι στέλλονται μέχρι  
 τῆς Ἰνδικῆς καὶ τῶν ἄκρων τῶν Αἰθιοπικῶν, ἐξ ὧν ὁ  
 πολυτιμότετος κομίζεται φόρτος εἰς τὴν Αἴγυπτον,  
 25 κἀντεῦθεν πάλιν εἰς τοὺς ἄλλους ἐκπέμπεται τόπους,  
 ὥστε τὰ τέλη διπλάσια συνάγεται τὰ μὲν εἰσαγωγικὰ  
 τὰ δὲ ἐξαγωγικά· τῶν δὲ βαρυτίμων βαρέα καὶ τὰ  
 τέλη. καὶ γὰρ δὴ καὶ μονοπωλίας ἔχει· μόνη γὰρ ἡ  
 Ἀλεξάνδρεια τῶν τοιούτων ὥς ἐπὶ τὸ πολὺ καὶ ὑποδο-  
 30 χεῖόν ἐστι καὶ χορηγεῖ τοῖς ἐκτός. ἔτι δὲ μᾶλλον κατι-

δεῖν ἔστι τὴν εὐφυΐαν ταύτην περιοδεύοντι τὴν χώραν, καὶ πρῶτον τὴν παραλίαν ἀρξαμένην ἀπὸ τοῦ Καταβαθμοῦ· μέχρι δεῦρο γὰρ ἔστιν ἡ Αἴγυπτος, ἡ δ' ἐξῆς ἔστι Κυρηναία καὶ οἱ περιοικοῦντες βάρβαροι Μαρμαρίδαι.

5

14 Ἀπὸ μὲν οὖν Καταβαθμοῦ εἰς Παραιτόνιον εὐ-  
 θυπλοοῦντι σταδίων ἔστιν ἑνακοσίων ὁ δρόμος· πόλις  
 δ' ἔστι καὶ λιμὴν μέγας τετταράκοντά πον σταδίων.  
 C.799 καλοῦσι δ' οἱ μὲν Παραιτόνιον τὴν πόλιν οἱ δ' Ἀμμω-  
 νίαν. μεταξὺ δὲ ἡ τε Αἰγυπτίων κώμη καὶ ἡ Αἴνη-  
 σίσφυρα ἄκρα, καὶ Τυνδάρειοι σκοπέλοι, νησίδια τέτ-  
 ταρα ἔχοντα λιμένα· εἴθ' ἐξῆς ἄκρα Δρέπανον καὶ νῆ-  
 σος Αἰνησίππεια ἔχουσα λιμένα καὶ κώμη Ἀπιδ, ἀφ' ἧς  
 εἰς μὲν Παραιτόνιον στάδιοι ἑκατὸν εἰς δὲ Ἀμμωνος  
 ὁδὸς ἡμερῶν πέντε· ἀπὸ δὲ τοῦ Παραιτονίου [εἰς Ἀλε-  
 ξάνδρειαν] χίλιοι πον καὶ τριακόσιοι στάδιοι. μεταξὺ  
 δὲ πρῶτον μὲν ἄκρα λευκόγειος, Λευκὴ ἀκτὴ καλου-  
 μένη· ἔπειτα Φοινικουὺς λιμὴν καὶ Πνιγεὺς κώμη· εἴτα  
 νῆσος Σιδωνία λιμένα ἔχουσα· εἴτ' Ἀντίφραι μικρὸν  
 ἀπωτέρω τῆς θαλάττης· ἅπασα μὲν ἡ χώρα αὕτη οὐκ  
 εὖοιμος, πλείω δεχομένου τοῦ κεράμου θάλατταν ἢ  
 οἶνον ὃν δὴ καλοῦσι Αἰβυκόν, ᾧ δὴ καὶ τῷ ζύθῳ τὸ  
 πολὺ φῦλον χρῆται τῶν Ἀλεξανδρέων· σκώπτονται δὲ  
 μάλιστα αἱ Ἀντίφραι. εἴθ' ὁ Δέρρις λιμὴν καλούμενος  
 οὕτως διὰ τὴν πλησίον πέτραν μέλαιναν δέρρει ἐοί-  
 25 κυΐαν· ὀνομάζουσι δὲ καὶ Ζεφύριον τὸν πλησίον τό-  
 πον· εἴτ' ἄλλος λιμὴν Λεύκασπις καὶ ἄλλοι πλείους·  
 εἴτα Κυνὸς σῆμα· εἴτα Ταπόσειρις οὐκ ἐπὶ θαλάττῃ,  
 πανήγυριν δεχομένη μεγάλην· καὶ ἄλλη δ' ἔστι Ταπό-  
 σειρις ἐπέκεινα τῆς πόλεως ἱκανῶς· αὐτῆς δὲ πλησίον  
 30 πετρῶδες ἐπὶ τῇ θαλάττῃ χωρίον καὶ αὐτὸ δεχόμενον  
 πολλοὺς τοὺς κωμάζοντας ἅπασαν ὥραν ἔτους· εἴθ' ἡ



Πλινθίνῃ καὶ Νικίου κώμῃ καὶ Χερρόνησος φρούριον, πλησίον ἤδη τῆς Ἀλεξανδρείας καὶ τῆς Νεκροπόλεως ἐν ἑβδομήκοντα σταδίοις. ἡ δὲ Μάρεια λίμνη παρατείνουσα μέχρι καὶ δεῦρο πλάτος μὲν ἔχει πλειόνων ἢ 5 πεντήκοντα καὶ ἑκατὸν σταδίων, μῆκος δ' ἐλαττόνων ἢ τριακοσίων. ἔχει δ' ὅκτω νήσους καὶ τὰ κύκλω πάντ' οἰκούμενα καλῶς· εὐοινία τέ ἐστὶ περὶ τοὺς τόπους ὥστε καὶ διαχεῖσθαι πρὸς παλαιώσιν τὸν Μαρεώτην οἶνον.

- 10 Φύεται δ' ἐν τοῖς Αἰγυπτιακοῖς ἔλεσι καὶ ταῖς λί- 15  
μναις ἢ τε βύβλος καὶ ὁ Αἰγύπτιος κύαμος ἐξ οὗ τὸ κι-  
βώριον, σχεδόν τι ἰσοῦψεις ῥάβδοι ὅσον δεκάποδες.  
ἀλλ' ἡ μὲν βύβλος ψιλὴ ῥάβδος ἐστὶν ἐπ' ἄκρῳ χαίτην  
ἔχουσα, ὁ δὲ κύαμος κατὰ πολλὰ μέρη φύλλα καὶ ἄνθη  
15 ἐκφέρει καὶ καρπὸν ὅμοιον τῷ παρ' ἡμῖν κυάμῳ, μεγέ-  
θει μόνον καὶ γεύσει διαλλάττοντα. οἱ οὖν κυαμῶνες  
ἠδεῖαν ὅψιν παρέχουσι καὶ τέρψιν τοῖς ἐνευωχεῖσθαι  
βουλομένοις· εὐωχοῦνται δ' ἐν σκάφαις θαλαμηγοῖς,  
ἐνδύνοντες εἰς τὸ πύκνωμα τῶν κυάμων καὶ σκιαζόμε- C.800  
20 νοι τοῖς φύλλοις· ἐστὶ γὰρ σφόδρα μεγάλα ὥστε καὶ  
ἀντὶ ποτηρίων καὶ τρυβλίων χρῆσθαι· ἔχει γὰρ τινα  
καὶ κοιλότητα ἐπιτηδείαν πρὸς τοῦτο· καὶ δὴ καὶ ἡ  
Ἀλεξάνδρεια μεστὴ τούτων ἐστὶ κατὰ τὰ ἐργαστήρια  
ὥς σκεύεσι χρωμένων· καὶ οἱ ἄγροὶ μίαν τινὰ τῶν  
25 προσόδων καὶ ταύτην ἔχουσι τὴν ἀπὸ τῶν φύλλων. ὁ  
μὲν δὴ κύαμος τοιοῦτος, ἡ δὲ βύβλος ἐνταῦθα μὲν οὐ  
πολλὴ φύεται (οὐ γὰρ ἀσκεῖται), ἐν δὲ τοῖς κάτω μέρεσι  
τοῦ Δέλτα πολλή, ἡ μὲν χείρων, ἡ δὲ βελτίων ἢ ἱερα-  
τικῇ· κἀνταῦθα δὲ τινες τῶν τὰς προσόδους ἐπεκτεί-  
30 νειν βουλομένων μετήνεγκαν τὴν Ἰουδαϊκὴν ἐντρέ-  
χειαν, ἣν ἐκεῖνοι παρεῦρον ἐπὶ τοῦ φοίνικος καὶ μά-  
λιστα τοῦ καρυωτοῦ, καὶ τοῦ βαλσάμου· οὐ γὰρ ἑῷσι

πολλαχοῦ φύεσθαι, τῇ δὲ σπάνει τιμὴν ἐπιτιθέντες τὴν πρόσδοτον οὕτως αὖξουσιν, τὴν δὲ κοινὴν χρεῖαν διαλυμαίνονται.

16 Ἐν δεξιᾷ δὲ τῆς Κανωβικῆς πύλης ἐξιόντι ἡ διώρυξ ἔστιν ἡ ἐπὶ Κάνωβον συνάπτουσα τῇ λίμνῃ· 5 ταύτῃ δὲ καὶ ἐπὶ Σχεδίαν ὁ πλοῦς ἐπὶ τὸν μέγαν ποταμὸν καὶ ἐπὶ τὸν Κάνωβον, πρῶτον δὲ ἐπὶ τὴν Ἐλευσίνα· ἔστι δ' αὕτη κατοικία πλησίον τῆς τε Ἀλεξανδρείας καὶ τῆς Νικοπόλεως ἐπ' αὐτῇ τῇ Κανωβικῇ διώρυγι κειμένη, διαίτας ἔχουσα καὶ ἀπόψεις τοῖς κα- 10 πυρίξειν βουλομένοις καὶ ἀνδράσι καὶ γυναιξίν, ἀρχὴ τις Κανωβισμοῦ καὶ τῆς ἐκεῖ λαμυρίας. ἀπὸ δὲ τῆς Ἐλευσίνας προελθοῦσι μικρὸν ἐν δεξιᾷ ἔστιν ἡ διώρυξ ἀνάγουσα ἐπὶ τὴν Σχεδίαν· διέχει δὲ τετράσχοι- 15 νον τῆς Ἀλεξανδρείας ἡ Σχεδία, κατοικία πόλεως, ἐν ἣ τὸ ναύσταθμον τῶν θαλαμηγῶν πλοίων, ἐφ' οἷς οἱ ἡγεμόνες εἰς τὴν ἄνω χώραν ἀναπλέουσιν· ἐνταῦθα δὲ καὶ τὸ τελώνιον τῶν ἄνωθεν καταγομένων καὶ ἀναγομένων· οὗ χάριν καὶ σχεδία ἔξενυται ἐπὶ τῷ ποταμῷ, ἀφ' ἧς καὶ τοῦνομα τῷ τόπῳ. μετὰ δὲ τὴν διώρυγα 20 τὴν ἐπὶ Σχεδίαν ἄγουσαν ὁ ἐξῆς ἐπὶ τὸν Κάνωβον πλοῦς ἔστι παράλληλος τῇ παραλίᾳ τῇ ἀπὸ Φάρου μέχρι τοῦ Κανωβικοῦ στόματος· στενὴ γάρ τις ταινία μεταξὺ διήκει τοῦ τε πελάγους καὶ τῆς διώρυγος, ἐν ἣ ἔστιν ἡ τε μικρὰ Ταπόσειρις μετὰ τὴν Νικόπολιν καὶ 25 τὸ Ζεφύριον, ἄκρα ναῖσκον ἔχουσα Ἀρσινόης Ἀφροδίτης· τὸ δὲ παλαιὸν καὶ Θῶνιν τινα πόλιν ἐνταῦθα φασιν, ἐπώνυμον τοῦ βασιλέως τοῦ δεξαμένου Μενέλαόν τε καὶ Ἑλένην ξενίᾳ. περὶ οὖν τῶν τῆς Ἑλένης φαρ- 30 C.801μάκων φησὶν οὕτως ὁ ποιητής „ἔσθλά, τά οἱ Πολύ- 30 „δαμνα πόρεν Θῶνος παράκοιτις.“

17 Κάνωβος δ' ἔστι πόλις ἐν εἴκοσι καὶ ἑκατὸν στα-



δίοις ἀπὸ Ἀλεξανδρείας πεζῇ ἰοῦσιν, ἐπάνυμος Κανώ-  
 βου τοῦ Μενελάου κυβερνήτου ἀποθανόντος αὐτόθι,  
 ἔχουσα τὸ τοῦ Σαράπιδος ἱερὸν πολλῇ ἀγιστεῖα τιμώ-  
 μενον καὶ θεραπείας ἐκφέρων, ὥστε καὶ τοὺς ἐλλογιμώ-  
 5 τάτους ἄνδρας πιστεύειν καὶ ἐγκοιμᾶσθαι αὐτοὺς ὑπὲρ  
 ἑαυτῶν ἢ ἑτέρους. συγγράφουσι δὲ τινες καὶ τὰς θε-  
 ραπείας, ἄλλοι δὲ ἀρετὰς τῶν ἐνταῦθα λογίω. ἀντὶ  
 πάντων δ' ἐστὶν ὁ τῶν πανηγυριστῶν ὄχλος τῶν ἐκ  
 τῆς Ἀλεξανδρείας κατιόντων τῇ διώρυγι· πᾶσα γὰρ  
 10 ἡμέρα καὶ πᾶσα νύξ πληθύνει τῶν ἐν τοῖς πλοιαρίοις  
 καταυλουμένων καὶ κατορχουμένων ἀνέδην μετὰ τῆς  
 ἐσχάτης ἀκολασίας καὶ ἀνδρῶν καὶ γυναικῶν, τῶν δ'  
 ἐν αὐτῷ τῷ Κανώβῳ καταγωγὰς ἔχόντων ἐπικειμένους  
 τῇ διώρυγι εὐφυνεῖς πρὸς τὴν τοιαύτην ἀνεσιν καὶ  
 15 εὐωχίαν.

Μετὰ δὲ τὸν Κανώβον ἔστι τὸ Ἡράκλειον Ἡρα- 18  
 κλέους ἔχον ἱερὸν· εἴτα τὸ Κανωβικὸν στόμα καὶ ἡ  
 ἀρχὴ τοῦ Δέλτα. τὰ δ' ἐν δεξιᾷ τῆς Κανωβικῆς διώρυ-  
 γος ὁ Μενελαΐτης ἐστὶ νομὸς ἀπὸ τοῦ ἀδελφοῦ τοῦ  
 20 πρώτου Πτολεμαίου καλούμενος, οὐ μὰ Δία ἀπὸ τοῦ  
 ἥρωος, ὥς ἐνιοὶ φασιν ὦν καὶ Ἀρτεμίδωρος. μετὰ δὲ  
 τὸ Κανωβικὸν στόμα ἔστι τὸ Βολβιτικόν, εἴτα τὸ Σε-  
 βεννυτικὸν καὶ τὸ Φατυτικόν, τρίτον ὑπάρχον τῷ με-  
 γέθει παρὰ τὰ πρῶτα δύο, οἷς ὥρισται τὸ Δέλτα· καὶ  
 25 γὰρ οὐ πόρρω τῆς κορυφῆς σχίζεται εἰς τὸ ἐντὸς τοῦ  
 Δέλτα. τῷ δὲ Φατυτικῷ συνάπτει τὸ Μενδήσιον, εἴτα  
 τὸ Ταυτικὸν καὶ τελευταῖον τὸ Πηλουσιακόν. ἔστι δὲ  
 καὶ ἄλλα τούτων μεταξὺ ὥς ἂν ψευδοστόματα ἀσημό-  
 30 τερα. ἔχει μὲν οὖν εἰσαγωγὰς τὰ στόματα, ἀλλ' οὐκ  
 εὐφυνεῖς οὐδὲ μεγάλους πλοίοις ἀλλ' ὑπηρετικοῖς διὰ  
 τὸ βραχέα εἶναι καὶ ἐλώδη. μάλιστα μέντοι τῷ Κανω-  
 βικῷ στόματι ἐχρῶντο ὥς ἐμπορίῳ, τῶν κατ' Ἀλεξάν-

δρειαν λιμένων ἀποκεκλειμένων, ὥς προείπομεν. μετὰ δὲ τὸ Βολβίτινον στόμα ἐπὶ πλεον ἔκκειται ταπεινὴ καὶ ἀμυώδης ἄκρα· καλεῖται δὲ Ἀγνοῦ κέρας· εἴθ' ἡ Περσέως σκοπὴ καὶ τὸ Μιλησίων τεῖχος· πλεύσαντες γὰρ ἐπὶ Ψαμμιτίχου τριάκοντα ναυσὶ Μιλήσιοι (κατὰ 5 Κναξάρη δ' οὗτος ἦν τὸν Μῆδον) κατέσχον εἰς τὸ στόμα τὸ Βολβίτινον, εἴτ' ἐκβάντες ἐτείχισαν τὸ λεχθὲν κτίσμα· χρόνῳ δ' ἀναπλεύσαντες εἰς τὸν Σαῦτικὸν νομὸν καταναυμαχῆσαντες Ἰνάρων πόλιν ἔκτισαν Ναύ-  
C.802κρατιν οὐ πολὺ τῆς Σχεδίας ὑπερθεῖν. μετὰ δὲ τὸ τῶν 10 Μιλησίων τεῖχος ἐπὶ τὸ Σεβεννυτικὸν προϊόντι στόμα λίμναι εἰσίν, ὧν ἡ ἑτέρα Βουτικὴ καλεῖται ἀπὸ Βούτου πόλεως, καὶ ἡ Σεβεννυτικὴ δὲ πόλις καὶ ἡ Σάις, μητρόπολις τῆς κάτω χώρας, ἐν ἧ' τιμῶσι τὴν Ἀθηναίαν· ἐν δὲ τῷ ἱερῷ αὐτῆς ἡ θήκη κεῖται τοῦ Ψαμμιτίχου· περὶ 15 δὲ τὴν Βούτον καὶ Ἑρμοῦ πόλις ἐν νήσῳ κειμένη· ἐν δὲ τῇ Βούτῳ Αἰητοῦς ἐστὶ μαντεῖον.

19 Ἐν δὲ τῇ μεσογείῳ τῇ ὑπὲρ τοῦ Σεβεννυτικοῦ καὶ Φατυντικοῦ στόματος ἑοῖς ἐστὶ καὶ νῆσος καὶ πόλις ἐν τῷ Σεβεννυτικῷ νομῷ. ἐστὶ δὲ καὶ Ἑρμοῦ πόλις καὶ 20 Ἀνίκου πόλις καὶ Μένδης, ὅπου τὸν Πᾶνα τιμῶσι καὶ τῶν ζώων τράγον· ὥς δὲ Πίνδαρός φησιν, οἱ τράγοι ἐνταῦθα γυναιξὶ μίγνυνται. πλησίον δὲ Μένδητος καὶ Διὸς πόλις καὶ αἱ περὶ αὐτὴν λίμναι καὶ Λεοντόπολις· εἴτ' ἀπωτέρῳ ἡ Βούσιρις πόλις ἐν τῷ Βουσιρίτῃ νομῷ 25 καὶ Κυνὸς πόλις. φησὶ δ' Ἑρατοσθένης κοινὸν μὲν εἶναι τοῖς βαρβάροις πᾶσιν ἔθος τὴν ξενηλασίαν, τοὺς δ' Αἰγυπτίους ἐλέγχεσθαι διὰ τῶν περὶ τὸν Βούσιριν μεμυθευμένων ἐν τῷ Βουσιρίτῃ νομῷ, διαβάλλειν τὴν

23. post μίγνυνται: Μένδητα παρὰ κρημνὸν θαλάσσης ἔσχατον Νείλου κέρας, αἰγίβατοι ὅθι τράγοι γυναιξὶ μίσγονται.



ἀξενίαν βουλομένων τοῦ τόπου τούτου τῶν ὕστερον, οὐ βασιλέως μὰ Δία οὐδὲ τυράννου γενομένου τινὸς Βουσίριδος· προσεπιφημισθῆναι δὲ καὶ τὸ „Αἴγυ-  
 5 „πτόνδ' ἰέναι δολιχὴν ὁδὸν ἀργαλήν τε,“ προσλαμ-  
 βάνοντος πρὸς τοῦτο πάμπλου καὶ τοῦ ἀλιμένου καὶ  
 τοῦ μηδὲ τὸν ὄντα λιμένα ἀνεῖσθαι τὸν πρὸς τῇ Φάρῳ,  
 φρουρεῖσθαι δ' ὑπὸ βουκόλων ληστῶν ἐπιτιθεμένων  
 τοῖς προσορμιζομένοις, Καρχηδονίους δὲ καταπον-  
 10 τοῦν εἴ τις τῶν ξένων εἰς Σαρδῶ παραπλεύσειεν ἢ  
 ἐπὶ στήλας· διὰ δὲ ταῦτ' ἀπιστεῖσθαι τὰ πολλὰ τῶν  
 ἑσπερίων· καὶ τοὺς Πέρσας δὲ κακῶς ἡγεῖσθαι τοῖς  
 πρέσβεσι τὰς ὁδοὺς κύκλῳ καὶ διὰ δυσκόλων.

Συνάπτει δὲ καὶ ὁ Ἀθριβίτης νομὸς καὶ Ἀθριβις 20  
 πόλις καὶ ἔτι ὁ Προσωπίτης νομός, ἐν ᾧ Ἀφροδίτης  
 15 πόλις. ὑπὲρ δὲ τὸ Μενδήσιον στόμα καὶ τὸ Τανιτικὸν  
 λίμνη μεγάλη καὶ ὁ Μενδήσιός ἐστι νομὸς καὶ ὁ Λεον-  
 τοπολίτης καὶ πόλις Ἀφροδίτης καὶ ὁ Φαρβητίτης νο-  
 μός· εἴτα τὸ Τανιτικὸν στόμα ὃ τινες Σαῖτικὸν λέγουσι,  
 καὶ ὁ Τανίτης νομὸς καὶ πόλις ἐν αὐτῷ μεγάλη Τάνις.  
 20 Μεταξὺ δὲ τοῦ Τανιτικοῦ καὶ τοῦ Πηλουσιακοῦ 21  
 λίμναι καὶ ἔλη μεγάλα καὶ συνεχῇ κώμας πολλὰς ἔχον-  
 τα· καὶ αὐτὸ δὲ τὸ Πηλούσιον κύκλῳ περικείμενα ἔχει C.803  
 ἔλη, ἃ τινες βάραθρα καλοῦσι, καὶ τέλματα· ὥκισται  
 δ' ἀπὸ θαλάττης ἐν πλείοσιν ἢ εἴκοσι σταδίοις. τὸν δὲ  
 25 κύκλον ἔχει τοῦ τείχους σταδίων εἴκοσιν· ὠνόμασται  
 δ' ἀπὸ τοῦ πηλοῦ καὶ τῶν τελμάτων. ταύτη δὲ καὶ  
 δυσεῖσβολός ἐστιν ἢ Αἴγυπτος ἐκ τῶν ἐωθινῶν τόπων  
 τῶν κατὰ Φοινίκην καὶ τὴν Ἰουδαίαν· καὶ ἐκ τῆς  
 Ἀραβίας δὲ τῆς Ναβαταίων ἥπερ ἐστὶ προσεχής. διὰ  
 30 τούτων ἐπὶ τὴν Αἴγυπτον ἡ ὁδός. ἡ δὲ μεταξὺ τοῦ  
 Νείλου καὶ τοῦ Ἀραβίου κόλπου Ἀραβία μὲν ἐστὶ, καὶ  
 ἐπὶ γε τῶν ἄκρων αὐτῆς ἰδρυται τὸ Πηλούσιον· ἀλλ'

ἔρημος ἅπασά ἐστι καὶ ἄβατος στρατοπέδῳ. ὁ δὲ μεταξὺ ἰσθμὸς Πηλουσίου καὶ τοῦ μυχοῦ τοῦ καθ' Ἡρώων πόλιν χιλίων μὲν ἐστι σταδίων, ὥς δὲ Ποσειδώνιος φησιν ἐλαττόνων ἢ χιλίων καὶ πεντακοσίων· πρὸς δὲ τῷ ἄνυδρος εἶναι καὶ ἀμμώδης ἐρπετῶν πλήθος ἔχει 5 τῶν ἀμμοδυτῶν.

- 22 Ἀπὸ δὲ Σχεδίας ἀναπλέουσιν ἐπὶ Μέμφιν ἐν δεξιᾷ μὲν εἰσι πάμπολλαι κῶμαι μέχρι τῆς Μαρείας λίμνης, ὣν ἐστι καὶ ἡ Χαβρίου κώμη καλουμένη· ἐπὶ δὲ τῷ ποταμῷ Ἑρμοῦ πόλις ἐστίν· εἴτα Γυναικῶν πόλις 10 καὶ νομὸς Γυναικοπολίτης· ἐφεξῆς δὲ Μώμεμφις καὶ Μωμεμφίτης νομός· μεταξὺ δὲ διώρυγες πλείους εἰς τὴν Μαρεῶτιν· οἱ δὲ Μωμεμφῖται τὴν Ἀφροδίτην τιμῶσι, καὶ τρέφεται θήλεια βοῦς ἱερά, καθάπερ ἐν Μέμφει ὁ Ἄπις, ἐν Ἠλίῳ δὲ πόλει ὁ Μνεῦις· οὗτοι 15 μὲν οὖν θεοὶ νομίζονται, οἱ δὲ παρὰ τοῖς ἄλλοις, παρὰ πολλοῖς γὰρ δὴ ἐν τε τῷ Δέλτα καὶ ἔξω αὐτοῦ τοῖς μὲν ἄρσην τοῖς δὲ θήλεια τρέφεται, οὗτοι δὲ θεοὶ μὲν οὐ νομίζονται ἱεροὶ δέ.

- 23 Ὑπὲρ δὲ Μωμέμφεως εἰσι δύο νιτρίαι πλείστον 20 νίτρον ἔχουσαι καὶ νομὸς Νιτριώτης. τιμᾶται δ' ἐνταῦθα ὁ Σάραπις καὶ παρὰ μόνοις τούτοις θύεται ἐν Αἰγύπτῳ πρόβατον· πλησίον δὲ καὶ ἐνταῦθα πόλις Μενέλαος, ἐν ἀριστερᾷ δὲ ἐν τῷ Δέλτα ἐπὶ μὲν τῷ ποταμῷ Ναύκρατις, ἀπὸ δὲ τοῦ ποταμοῦ δίσχοινον διέ- 25 χουσα ἡ Σάις καὶ μικρὸν ταύτης ὑπερθε τὸ τοῦ Ὀσίριδος ἄστυλον, ἐν ᾧ κεισθαι τὸν Ὀσιρίν φασιν. ἀμφισβητοῦσι δὲ τούτου πολλοί, καὶ μάλιστα οἱ τὰς Φιλᾶς οἰκοῦντες τὰς ὑπὲρ Συήνης καὶ τῆς Ἐλεφαντίνης. μυθεύουσι γὰρ δὴ διότι ἡ Ἴσις κατὰ πολλοὺς τόπους κατὰ 30 γῆς θείῃ σοροῦς τοῦ Ὀσίριδος (μία δὲ τούτων ἦν ἔχουσα τὸν Ὀσίριν ἀφανῆς πᾶσι), τοῦτο δὲ πράξειε λαθεῖν



βουλομένη τὸν Τυφῶνα, μὴ ἐπελθὼν ἐκρίψει τὸ σῶμα τῆς θήκης.

Ἀπὸ μὲν δὲ τῆς Ἀλεξανδρείας ἐπὶ τὴν τοῦ Δέλτα 24  
κορυφὴν αὕτη ἡ περιήγησις. φησὶ δ' ὁ Ἀρτεμίδωρος  
5 σχοίνων ὀκτὼ καὶ εἴκοσι τὸν ἀνάπλου, τοῦτο δ' εἶναι C.804  
σταδίους ὀκτακοσίους τετταράκοντα, λογιζόμενος τρια-  
κονταστάδιον τὴν σχοῖνον· ἡμῖν μέντοι πλέουσιν ἄλ-  
λοτ' ἄλλῳ μέτρῳ χρῶμενοι τῶν σχοίνων ἀπεδίδοσαν  
τὰ διαστήματα, ὥστε καὶ τετταρακοντασταδίους καὶ  
10 ἔτι μείζους κατὰ τόπους ὁμολογεῖσθαι παρ' αὐτῶν. καὶ  
διότι παρὰ τοῖς Αἰγυπτίοις ἄστατόν ἐστι τὸ τῆς σχοί-  
νου μέτρον, αὐτὸς ὁ Ἀρτεμίδωρος ἐν τοῖς ἐξῆς δηλοῖ.  
ἀπὸ μὲν γὰρ Μέμφεως μέχρι Θηβαΐδος τὴν σχοῖνον  
ἐκάστην φησὶν εἶναι σταδίων ἑκατὸν εἴκοσιν, ἀπὸ δὲ  
15 τῆς Θηβαΐδος μέχρι Συήνης ἐξήκοντα, ἀπὸ δὲ Πηλου-  
σίου πρὸς τὴν αὐτὴν ἀναπλέουσι κορυφὴν σχοίνους  
μὲν πέντε καὶ εἴκοσί φησι σταδίους δὲ ἑπτακοσίους  
πεντήκοντα, τῷ αὐτῷ μέτρῳ χρησάμενος. πρώτην δ'  
ἐκ τοῦ Πηλουσίου προελθοῦσιν εἶναι διώρυγα τὴν  
20 πληροῦσαν τὰς κατὰ τὰ ἔλη καλουμένας λίμνας, αἱ δύο  
μὲν εἰσιν, ἐν ἀριστερᾷ δὲ κεῖνται τοῦ μεγάλου ποτα-  
μοῦ ὑπὲρ τὸ Πηλούσιον ἐν τῇ Ἀραβίᾳ· καὶ ἄλλας δὲ  
λέγει λίμνας καὶ διώρυγας ἐν τοῖς αὐτοῖς μέρεσιν ἔξω  
τοῦ Δέλτα. ἔστι δὲ καὶ νομὸς Σεθρωίτης παρὰ τὴν  
25 ἑτέραν λίμνην· ἓνα δὲ τῶν δέκα τῶν ἐν τῷ Δέλτα δια-  
ριθμεῖται καὶ τοῦτον· εἰς δὲ τὰς αὐτὰς λίμνας συμβά-  
λουσι καὶ ἄλλαι δύο διώρυγες.

Ἄλλη δ' ἐστὶν ἐκδιδοῦσα εἰς τὴν Ἐρυθρὰν καὶ τὸν 25  
Ἀράβιον κόλπον κατὰ πόλιν Ἀρσινόην ἣν ἔνιοι Κλεο-  
30 πατρίδα καλοῦσι. διαρρεῖ δὲ καὶ διὰ τῶν πικρῶν κα-  
λουμένων λιμνῶν, αἱ πρότερον μὲν ἦσαν πικραί, τμη-  
θείσης δὲ τῆς διώρυγος τῆς λεχθείσης μετεβάλλοντο τῇ

κράσει τοῦ ποταμοῦ, καὶ νῦν εἰσιν εὖοψοι, μεσταὶ δὲ καὶ τῶν λιμναίων ὀρνέων. ἐτμήθη δὲ ἡ διωρυξ κατ' ἀρχὰς μὲν ὑπὸ Σεσώστριος πρὸ τῶν Τρωικῶν, οἱ δὲ ὑπὸ τοῦ Φαμμιτίχου παιδός, ἀρξαμένου μόνου, εἴτ' ἐκλιπόντος τὸν βίον, ὕστερον δὲ ὑπὸ Δαρείου τοῦ 5  
πρώτου, διαδεξαμένου τὸ ἐξῆς ἔργον. καὶ οὗτος δὲ δόξῃ ψευδεῖ πεισθεὶς ἀφῆκε τὸ ἔργον περὶ συντέλειαν ἤδη· ἐπείσθη γὰρ μετεωροτέρα εἶναι τὴν Ἐρυθρὰν θάλατταν τῆς Αἰγύπτου καὶ εἰ διακοπείῃ πᾶς ὁ μεταξὺ ἰσθμός, ἐπικλυσθήσεσθαι τῇ θαλάττῃ τὴν Αἰ- 10  
γυπτον· οἱ μέντοι Πτολεμαῖκοι βασιλεῖς διακόψαντες κλειστὸν ἐποίησαν τὸν εὐριπον ὥστε ὅτε βούλονται ἐκπλεῖν ἀκωλύτως εἰς τὴν ἔξω θάλατταν καὶ εἰσπλεῖν πάλιν. εἴρηται δὲ καὶ περὶ τῆς τῶν ὑδάτων ἐπιφανείας καὶ ἐν τοῖς πρώτοις ὑπομνήμασι.

15

26 Πλησίον δὲ τῆς Ἀρσινόης καὶ ἡ τῶν Ἡρώων ἐστὶ πόλις καὶ ἡ Κλεοπατρὶς ἐν τῷ μυκῷ τοῦ Ἀραβίου κόλ-  
C.805που τῷ πρὸς Αἴγυπτον καὶ λιμένες καὶ κατοικίαι διω-  
ρυγές τε πλείους καὶ λίμναι πλησιάζουσιν αὐτοῖς· ἐν-  
ταῦθα δ' ἐστὶ καὶ ὁ Φαργωριοπολίτης νομὸς καὶ πόλις 20  
Φαργωριόπολις. ἡ δὲ ἀρχὴ τῆς διωρυγος τῆς ἐκδιδούσης εἰς τὴν Ἐρυθρὰν ἀπὸ κώμης ἄρχεται Φακούσης. ἡ συνε-  
χὴς ἐστὶ καὶ ἡ Φίλωνος κώμη· πλάτος δ' ἔχει πηχῶν ἑκα-  
τὸν ἡ διωρυξ, βάθος δ' ὅσον ἀρκεῖν μυριοφόρῳ νηί·  
οὗτοι δ' οἱ τόποι πλησιάζουσι τῇ κορυφῇ τοῦ Δέλτα.

25

27 Αὐτοῦ δὲ καὶ ἡ Βούβαστος πόλις καὶ ὁ Βουβαστί-  
της νομὸς καὶ ὑπὲρ αὐτὸν ὁ Ἡλιοπολίτης νομός. ἐν-  
ταῦθα δ' ἐστὶν ἡ τοῦ Ἥλιου πόλις ἐπὶ χώματος ἀξιο-  
λόγου κειμένη, τὸ ἱερὸν ἔχουσα τοῦ Ἥλιου καὶ τὸν  
βοῦν τὸν Μνεῦιν ἐν σηκῷ τινι τρεφόμενον, ὃς παρ' 30  
αὐτοῖς νενόμεσται θεός, ὥσπερ καὶ ἐν Μέμφει ὁ Ἄπις.  
πρόκεινται δὲ τοῦ χώματος λίμναι τὴν ἀνάχυσιν ἐκ



τῆς πλησίον διώρυγος ἔχουσαι. νυνὶ μὲν οὖν ἐστὶ παν-  
 ἔρημος ἡ πόλις, τὸ ἱερὸν ἔχουσα τῷ Αἰγυπτίῳ τρόπῳ  
 κατεσκευασμένον ἀρχαῖον, ἔχον πολλὰ τεκμήρια τῆς  
 Καμβύσου μανίας καὶ ἱεροσυλίας, ὃς τὰ μὲν πυρὶ τὰ  
 5 δὲ σιδήρῳ διελωβάτο τῶν ἱερῶν, ἀκρωτηριάζων καὶ  
 περικαίων, καθάπερ καὶ τοὺς ὀβελίσκους, ὧν δύο καὶ  
 εἰς Ρώμην ἐκομίσθησαν οἱ μὴ κεκακωμένοι τελέως, ἄλ-  
 λοι δ' εἰςὶ κακῇ καὶ ἐν Θήβαις, τῇ νῦν Διοσπόλει, οἱ  
 μὲν ἐστῶτες ἀκμὴν πυρίβρωτοι οἱ δὲ καὶ κείμενοι.

10 Τῆς δὲ κατασκευῆς τῶν ἱερῶν ἡ διάθεσις τοιαύ- 28  
 τη· κατὰ τὴν εἰσβολὴν τὴν εἰς τὸ τέμενος λιθόστρω-  
 τὸν ἐστὶν ἔδαφος, πλάτος μὲν ὅσον πλεθριαῖον ἢ καὶ  
 ἔλαττον, μῆκος δὲ καὶ τριπλάσιον καὶ τετραπλάσιον,  
 ἔστιν ὅπου καὶ μεῖζον· καλεῖται δὲ τοῦτο δρόμος, κα-  
 15 θάπερ Καλλίμαχος εἶρηκεν „ὁ δρόμος ἱερὸς οὗτος  
 „Ανούβιδος.“ διὰ δὲ τοῦ μήκους παντὸς ἐξῆς ἐφ' ἐκά-  
 τερα τοῦ πλάτους σφίγγες ἵδρυνται λίθιναι, πήχεις  
 εἴκοσιν ἢ μικρῷ πλείους ἀπ' ἀλλήλων διέχουσαι, ὥσθ'  
 ἓνα μὲν ἐκ δεξιῶν εἶναι στίχον τῶν σφιγγῶν ἓνα δ' ἐξ  
 20 εὐωνύμων· μετὰ δὲ τὰς σφίγγας πρόπυλον μέγα, εἴτ'  
 ἄλλο προελθόντι πρόπυλον, εἴτ' ἄλλο· οὐκ ἔστι δὲ  
 διωρισμένος ἀριθμὸς οὔτε τῶν προπύλων οὔτε τῶν  
 σφιγγῶν· ἄλλα δ' ἐν ἄλλοις ἱεροῖς, ὥσπερ καὶ τὰ μήκη  
 καὶ τὰ πλάτη τῶν δρόμων. μετὰ δὲ τὰ προπύλαια ὁ  
 25 νεῶς πρόναον ἔχων μέγα καὶ ἀξιόλογον, τὸν δὲ σηκὸν  
 σύμμετρον, ξόανον δ' οὐδέν, ἢ οὐκ ἀνθρωπόμορφον,  
 ἀλλὰ τῶν ἀλόγων ζῴων τινός· τοῦ δὲ προνάου παρ'  
 ἐκότερον πρόκειται τὰ λεγόμενα πτερά· ἔστι δὲ ταῦτα  
 ἰσοῦψῃ τῷ νεῷ τείχη δύο, κατ' ἀρχὰς μὲν ἀφεστῶτα C.806  
 30 ἀπ' ἀλλήλων μικρὸν πλεόν ἢ τὸ πλάτος ἐστὶ τῆς κρη-  
 πίδος τοῦ νεῶ, ἔπειτ' εἰς τὸ πρόσθεν προΐόντι κατ'  
 ἐπινευούσας γραμμὰς μέχρ' ἑκατὸν πεντήκοντα ἢ ἐξή-

κοντα· ἀναγλυφὰς δ' ἔχουσιν οἱ τοῖχοι οὗτοι μεγάλων εἰδώλων, ὁμοίων τοῖς Τυρρηνικοῖς καὶ τοῖς ἀρχαίοις σφόδρα τῶν παρὰ τοῖς Ἑλλησι δημιουργημάτων. ἔστι δέ τις καὶ πολύστυλος οἶκος, καθάπερ ἐν Μέμφει, βαρβαρικὴν ἔχων τὴν κατασκευὴν· πλὴν γὰρ τοῦ \* μεγά- 5 λων εἶναι καὶ πολλῶν καὶ πολυστίχων τῶν στύλων οὐδὲν ἔχει χαρίεν οὐδὲ γραφικόν, ἀλλὰ ματαιοπονίαν ἐμφαίνει μᾶλλον.

- 29 Ἐν δὲ τῇ Ἡλίου πόλει καὶ οἶκους εἶδομεν μεγάλους ἐν οἷς διέτριβον οἱ ἱερεῖς· μάλιστα γὰρ δὴ ταύτην 10 κατοικίαν ἱερέων γεγονέναι φασὶ τὸ παλαιὸν φιλοσόφων ἀνδρῶν καὶ ἀστρονομικῶν· ἐκλέλοιπε δὲ καὶ τοῦτο νυνὶ τὸ σύστημα καὶ ἡ ἄσκησις. ἐκεῖ μὲν οὖν οὐδεὶς ἡμῖν ἐδείκνυτο τῆς τοιαύτης ἀσκήσεως προεστώς, ἀλλ' οἱ ἱεροποιοὶ μόνον καὶ ἐξηγῆται τοῖς ξένοις τῶν 15 περὶ τὰ ἱερά. παρηκολούθει δέ τις ἐξ Ἀλεξανδρείας ἀναπλέοντι εἰς τὴν Αἴγυπτον Αἰλίῳ Γάλλῳ τῷ ἡγεμόνι Χαιρήμων τοῦνομα, προσποιούμενος τοιαύτην τινὰ ἐπιστήμην, γελῶμενος δὲ τὸ πλεον ὡς ἀλαζών καὶ ιδιώτης· ἐκεῖ δ' οὖν ἐδείκνυτο οἱ τε τῶν ἱερέων 20 οἶκοι καὶ Πλάτωνος καὶ Εὐδόξου διατριβαί. συνανέβη γὰρ δὴ τῷ Πλάτῳ ὁ Εὐδόξος δεῦρο, καὶ συνδιέτριψαν τοῖς ἱερεῦσιν ἐνταῦθα ἐκεῖνοι τρισκαίδεκα ἔτη, ὡς εἴρηται τισι· περιπτοὺς γὰρ ὄντας κατὰ τὴν ἐπιστήμην τῶν οὐρανίων, μυστικoὺς δὲ καὶ δυσμεταδό- 25 τους, τῷ χρόνῳ καὶ ταῖς θεραπαίαις ἐξελιπάρησαν ὥστε τινὰ τῶν θεωρημάτων ἱστορῆσαι· τὰ πολλὰ δὲ ἀπεκρύψαντο οἱ βάρβαροι. οὗτοι δὲ τὰ ἐπιτρέχοντα τῆς ἡμέρας καὶ τῆς νυκτὸς μόρια ταῖς τριακοσίαις ἐξή- 30 κοντα πέντε ἡμέραις εἰς τὴν ἐκπλήρωσιν τοῦ ἐνιαυ- σίου χρόνου παρέδοσαν· ἀλλ' ἡγνοεῖτο τέως ὁ ἐνιαυ- τὸς παρὰ τοῖς Ἑλλησιν ὡς καὶ ἄλλα πλείω, ἕως οἱ νεώ-



τεροι ἀστρολόγοι παρέλαβον παρὰ τῶν μεθερμηνευ-  
σάντων εἰς τὸ Ἑλληνικὸν τὰ τῶν ἱερέων ὑπομνήματα·  
καὶ ἔτι νῦν παραλαμβάνουσι τὰ ἀπ' ἐκείνων, ὁμοίως  
καὶ τὰ τῶν Χαλδαίων.

5 Ἐντεῦθεν δὴ ὁ Νεῖλός ἐστιν ὁ ὑπὲρ τοῦ Δέλτα· 30  
τούτου δὴ τὰ μὲν δεξιὰ καλοῦσι Λιβύην ἀναπλέοντι,  
ὥσπερ καὶ τὰ περὶ τὴν Ἀλεξάνδρειαν καὶ τὴν Μαρεῶ-  
τιν, τὰ δ' ἐν ἀριστερᾷ Ἀραβίαν. ἡ μὲν οὖν Ἥλιου πό-  
λις ἐν τῇ Ἀραβίᾳ ἐστίν, ἐν δὲ τῇ Λιβύῃ Κερκεσούρα  
10 πόλις κατὰ τὰς Εὐδόξου κειμένη σκοπᾶς· δέκννται C.807  
γὰρ σκοπὴ τις πρὸ τῆς Ἥλιου πόλεως, καθάπερ καὶ  
πρὸ τῆς Κνίδου, πρὸς ἣν ἐσημειοῦτο ἐκεῖνος τῶν οὐ-  
ρανίων τινὰς κινήσεις· ὁ δὲ νομὸς Αἰητοπολίτης οὐ-  
τος. ἀναπλεύσαντι δ' ἐστὶ Βαβυλῶν, φρούριον ἐρυ-  
15 μνόν, ἀποστάντων ἐνταῦθα Βαβυλωνίων τινῶν, εἴτα  
διαπραξαμένων ἐνταῦθα κατοικίαν παρὰ τῶν βασι-  
λέων· νυνὶ δ' ἐστὶ στρατόπεδον ἐνὸς τῶν τριῶν ταγ-  
μάτων τῶν φρουρούντων τὴν Αἴγυπτον· ῥάχης δ'  
ἐστὶν ἀπὸ τοῦ στρατοπέδου καὶ μέχρι Νείλου καθή-  
20 κουςα, δι' ἧς ἀπὸ τοῦ ποταμοῦ τροχοὶ καὶ κοχλῖαι τὸ  
ὔδωρ ἀνάγουσιν, ἀνδρῶν ἑκατὸν πεντήκοντα ἐργαζο-  
μένων δεσμίων· ἀφορῶνται δ' ἐνθένδε τηλαυγῶς αἱ  
πυραμίδες ἐν τῇ περαίᾳ ἐν Μέμφει καὶ εἰςὶ πλησίον.

Ἐγγὺς δὲ καὶ ἡ Μέμφις αὐτὴ τὸ βασίλειον τῶν 31  
25 Αἰγυπτίων· ἔστι γὰρ ἀπὸ τοῦ Δέλτα τρίσχοινον εἰς  
αὐτήν· ἔχει δὲ ἱερά, τό τε τοῦ Ἀπιδος ὅς ἐστιν ὁ αὐ-  
τὸς καὶ Ὅσιρις, ὅπου ὁ βοῦς ὁ Ἄπις ἐν σηκῷ τιμι τρέ-  
φεται, θεὸς ὡς ἔφην νομιζόμενος, διάλευκος τὸ μέ-  
τωπον καὶ ἄλλα τινὰ μικρὰ τοῦ σώματος, τᾶλλα δὲ  
30 μέλας· οἷς σημείοις αἱ κρίνουσι τὸν ἐπιτήδειον εἰς τὴν  
διαδοχὴν, ἀπογενομένου τοῦ τὴν τιμὴν ἔχοντος. ἔστι  
δ' αὐλὴ προκειμένη τοῦ σηκοῦ, ἐν ἣ καὶ ἄλλος σηκὸς

τῆς μητρὸς τοῦ βοός· εἰς ταύτην δὲ τὴν αὐλὴν ἔξα-  
φιαῖσι τὸν Ἄπιν καθ' ὥραν τινὰ καὶ μάλιστα πρὸς ἐπί-  
δειξιν τοῖς ξένοις· ὁρῶσι μὲν γὰρ καὶ διὰ θυρίδος ἐν  
τῷ σηκῷ, βούλονται δὲ καὶ ἔξω· ἀποσκιρτήσαντα δ'  
ἐν αὐτῇ μικρὰ ἀναλαμβάνουσι πάλιν εἰς τὴν οἰκίαν 5  
στάσιν. τό τε δὴ τοῦ Ἄπιδός ἐστιν ἱερὸν παρακείμε-  
νον τῷ Ἡφαιστεῖω καὶ αὐτὸ τὸ Ἡφαίστειον πολυτε-  
λῶς κατεσκευασμένον ναοῦ τε μεγέθει καὶ τοῖς ἄλλοις.  
πρόκειται δ' ἐν τῷ δρόμῳ καὶ μονόλιθος κολοσσός·  
ἔθος δ' ἐστὶν ἐν τῷ δρόμῳ τούτῳ ταύρων ἀγῶνας συν- 10  
τελεῖσθαι πρὸς ἀλλήλους, οὓς ἐπίτηδες τρέφουσί τι-  
νες, ὥσπερ οἱ ἵπποτρόφοι· συμβάλλουσι γὰρ εἰς μά-  
χην ἀφέντες, ὃ δὲ κρείττων νομισθεὶς ἄθλου τυγχάνει.  
ἔστι δ' ἐν Μέμφει καὶ Ἀφροδίτης ἱερὸν, θεᾶς Ἑλληνί-  
δος νομιζομένης· τινὲς δὲ Σελήνης ἱερὸν εἶναί φασιν. 15

32 Ἔστι δὲ καὶ Σαράπειον ἐν ἀμυῳδει τόπῳ σφόδρα  
ῥῶσθ' ὑπ' ἀνέμων θῖνας ἄμμων σωρεύεσθαι, ὅφ' ὧν  
αἱ σφίγγες αἱ μὲν καὶ μέχρι κεφαλῆς ἐσθρῶντο ὅφ' ἡμῶν  
κατακεχωσμένοι αἱ δ' ἡμιφανεῖς· ἔξ ὧν εἰκάζειν πα-  
ρῇν τὸν κίνδυνον, εἰ τῷ βαδίζοντι πρὸς τὸ ἱερὸν λαί- 20  
λαψ ἐπιπέσοι. πόλις δ' ἐστὶ μεγάλη τε καὶ εὐανδρος,  
δευτέρα μετὰ Ἀλεξάνδρειαν, μιγάδων ἀνδρῶν, κα-  
θάπερ καὶ τῶν ἐκεῖ συνωκισμένων· πρόκεινται δὲ καὶ  
λίμναι τῆς πόλεως καὶ τῶν βασιλείων, ἃ νῦν μὲν κα-  
C.808τέσπασται καὶ ἐστὶν ἔρημα· ἴδρυται δ' ἐφ' ὕψους κα- 25  
θήκοντα μέχρι τοῦ κάτω τῆς πόλεως ἐδάφους· συνά-  
πτει δ' ἄλσος αὐτῷ καὶ λίμνῃ.

33 Τετταράκοντα δ' ἀπὸ τῆς πόλεως σταδίου προ-  
ελθόντι ὀρεινὴ τις ὄφρὺς ἐστὶν, ἐφ' ἣ πολλὰ μὲν εἰσι  
πυραμίδες, τάφοι τῶν βασιλέων, τρεῖς δ' ἀξιόλογοι. 30  
τάς δὲ δύο τούτων καὶ ἐν τοῖς ἐπτά θεάμασι καταριθ-  
μοῦνται· εἰσὶ γὰρ σταδιαῖαι τὸ ὕψος, τετράγωνοι τῷ



σχήματι, τῆς πλευρᾶς ἐκάστης μικρῷ μείζον τὸ ὕψος  
 ἔχουσαι· μικρῷ δὲ καὶ ἡ ἑτέρα τῆς ἑτέρας ἐστὶ μείζων·  
 ἔχει δ' ἐν ὕψει μέσως πῶς [μιας] τῶν πλευρῶν λίθον  
 ἑξαίρεσιμον· ἀρθέντος δὲ σὺρίγξ ἐστὶ σκολιὰ μέχρι  
 5 τῆς θήκης· αὗται μὲν οὖν ἐγγὺς ἀλλήλων ἐπὶ τῷ αὐτῷ  
 ἐπιπέδῳ, ἀπωτέρω δ' ἐστὶν ἐν ὕψει μείζονι τῆς ὀρει-  
 νῆς ἡ τρίτη πολὺ ἐλάττω των δυεῖν, πολὺ δὲ μείζο-  
 νος δαπάνης κατασκευασμένη· ἀπὸ γὰρ θεμελίων μέ-  
 χρι μέσου σχεδόν τι μέλανος λίθου ἐστὶν, ἐξ οὗ καὶ τὰς  
 10 θυλάς κατασκευάζουσι, κομίζοντες πόρρωθεν· ἀπὸ  
 γὰρ τῶν τῆς Αἰθιοπίας ὀρῶν· καὶ τῷ σκληρὸς εἶναι καὶ  
 δυσκατέργραστος πολυτελῇ τὴν πραγματείαν παρέσχε·  
 λέγεται δὲ τῆς ἐταίρας τάφος γεγυνώς ὑπὸ τῶν ἑρα-  
 στῶν, ἣν Σαπφῶ μὲν ἡ τῶν μελῶν ποιήτρια καλεῖ Δω-  
 15 ρίχαν, ἑρωμένην τοῦ ἀδελφοῦ αὐτῆς Χαράξου γεγο-  
 νυῖαν, οἶνον κατάγοντος εἰς Νάυκρατιν Λέσβιον κατ'  
 ἔμπορίαν, ἄλλοι δ' ὀνομάζουσιν Ποδῶπιν· μυθεύουσι  
 δ' ὅτι λουομένης αὐτῆς ἐν τῶν ὑποδημάτων αὐτῆς ἄρ-  
 πάσας ἀετὸς παρὰ τῆς θεραπαίνης κομίσειεν εἰς Μέμ-  
 20 φιν καὶ τοῦ βασιλέως δικαιοδοτοῦντος ὑπαιθρίου, γε-  
 νόμενος κατὰ κορυφὴν αὐτοῦ ῥίψει τὸ ὑπόδημα εἰς τὸν  
 κόλπον· ὃ δὲ καὶ τῷ ῥυθμῷ τοῦ ὑποδήματος καὶ τῷ πα-  
 ραδόξῳ κινήθεις περιπέμψειεν εἰς τὴν χώραν κατὰ ζή-  
 τησιν τῆς φορούσης ἀνθρώπου τοῦτο, εὗρεθεῖσα δ' ἐν τῇ  
 25 πόλει τῶν Ναυκρατιτῶν ἀναχθείη καὶ γένοιτο γυνὴ τοῦ  
 βασιλέως, τελευτήσασα δὲ τοῦ λεχθέντος τύχοι τάφου.

Ἐν δέ τι τῶν ὀραθέντων ὑφ' ἡμῶν ἐν ταῖς πυρα- 34  
 μίσιν παραδόξων οὐκ ἄξιον παραλιπεῖν. ἐκ γὰρ τῆς λα-  
 τύπης σωροὶ τινες πρὸ τῶν πυραμίδων κεῖνται· ἐν  
 30 τούτοις δ' εὗρίσκεται ψήγματα καὶ τύπῳ καὶ μεγέθει  
 φακοειδῇ· ἐνίοις δὲ καὶ ὥς ἂν πτίσμα οἶον ἡμιλεπί-  
 στων ὑποτρέχει· φασὶ δ' ἀπολιθωθῆναι λείψανα τῆς

τῶν ἐργαζομένων τροφῆς· οὐκ ἀπέοικε δέ· καὶ γὰρ οἵκοι παρ' ἡμῖν λόφος ἐστὶν ἐν πεδίῳ παραμῆκης, οὗτος δ' ἐστὶ μεστὸς ψήφων φακοειδῶν λίθου πωρείας· καὶ αἱ θαλάττιαι δὲ καὶ αἱ ποτάμια ψῆφοι σχεδόν τι τὴν αὐτὴν ἀπορίαν ὑπογράφουσιν· ἀλλ' αὗται μὲν ἐν 5 τῇ κινήσει τῇ διὰ τοῦ ρεύματος εὐρεσιλογίαν τινὰ ἔχουσιν, ἐκεῖ δ' ἀπορωτέρα ἢ σκέψις. εἴρηται δ' ἐν ἄλλοις καὶ διότι περὶ τὸ μέταλλον τῶν λίθων, ἐξ ὧν αἱ πυραμίδες γεγόνασιν, ἐν ᾧ ψει ταῖς πυραμίσιν ὃν πέραν ἐν τῇ Ἀραβίᾳ, Τρωικόν τι καλεῖται πετρωῶδες ἱκανῶς ὅρος καὶ σπήλαια ὑπ' αὐτῷ καὶ κώμη πλησίον καὶ τούτοις καὶ τῷ ποταμῷ, Τροία καλουμένη, κατοικία παλαιὰ τῶν Μενελάῳ συγκατακολουθησάντων αἰχμαλώτων Τρώων, καταμεινάντων δ' αὐτόθι.

35 Μετὰ δὲ Μέμφιν Ἀκανθος πόλις ὁμοίως ἐν τῇ Λιβύῃ καὶ τὸ τοῦ Ὀσίριδος ἱερὸν καὶ τὸ τῆς ἀκάνθης ἄλσος τῆς Θηβαϊκῆς ἐξ ἧς τὸ κόμμι. εἶθ' ὁ Ἀφροδιτοπολίτης νομὸς καὶ ἡ ὁμώνυμος πόλις ἐν τῇ Ἀραβίᾳ, ἐν ἣ ἡ λευκὴ βοῦς ἱερὰ τρέφεται. εἶθ' ὁ Ἡρακλεώτης νομὸς ἐν νήσῳ μεγάλῃ, καθ' ἣν ἡ διωρὺς ἐστὶν ἐν δεξιᾷ 2 εἰς τὴν Λιβύην ἐπὶ τὸν Ἀρσινόϊτην νομόν, ὥστε καὶ δίστομον εἶναι τὴν διώρυγα, μεταξὺ μέρους τινὸς τῆς νήσου παρεμπύπτοντος. ἔστι δ' ὁ νομὸς οὗτος ἀξιολογώτατος τῶν ἀπάντων κατὰ τε τὴν ὄψιν καὶ τὴν ἀρετὴν καὶ τὴν κατασκευὴν· ἐλαιόφυτός τε γὰρ μόνος 2 ἐστὶ μεγάλους καὶ τελείους δένδρεσι καὶ καλλικάρποις, εἰ δὲ συγκομίζοι καλῶς τις, καὶ εὐέλαιος· ὀλιγοροῦντες δὲ τούτου πολὺ μὲν ποιοῦσιν ἔλαιον, μοχθηρὸν δὲ κατὰ τὴν ὁδμήν· ἢ δ' ἄλλη Αἴγυπτος ἀνέλαιός ἐστι πλὴν τῶν κατ' Ἀλεξάνδρειαν κήπων, οἳ μέχρι τοῦ 3 ἔλαιον χορηγεῖν ἱκανοὶ εἰσιν, ἔλαιον δ' οὐχ ὑπουργοῦσιν· οἶνόν τε οὐκ ὀλίγον ἐκφέρει σῖτόν τε καὶ ὄσπρια



καὶ τὰ ἄλλα σπέρματα πάμπολλα. θαυμαστὴν δὲ καὶ  
 τὴν λίμνην ἔχει τὴν Μοίριδος καλουμένην, πελαγίαν  
 τῷ μεγέθει καὶ τῇ χροῇ θαλαττοειδῇ· καὶ τοὺς αἰγια-  
 λούς δὲ ἔστιν ὁρᾶν εἰκότας τοῖς θαλαττίοις, ὥς ὑπο-  
 νοεῖν τὰ αὐτὰ περὶ τῶν κατὰ Ἀμμωνα τόπων καὶ τού-  
 των (καὶ γὰρ οὐδὲ πάμπολυ ἀφεςτάσιν ἀλλήλων καὶ  
 τοῦ Παραιτουρίου) μὴ ὥσπερ τὸ ἱερὸν ἐκείνο εἰκάξειν  
 ἔστι πρότερον ἐπὶ τῇ θαλάττῃ ἰδρῦσθαι διὰ τὸ πλῆθος  
 τῶν τεκμηρίων, καὶ ταῦθ' ὁμοίως τὰ χωρία πρότερον  
 ἐπὶ τῇ θαλάττῃ ὑπῆρχεν, ἣ δὲ κάτω Αἴγυπτος καὶ τὰ  
 μέχρι τῆς λίμνης τῆς Σιρβωνίτιδος πέλαγος ἦν, σύρ-  
 ρουν τυχὸν ἴσως τῇ Ἐρυθρᾷ τῇ κατὰ Ἡρώων πόλιν  
 καὶ τὸν Αἰλανίτην μυχόν.

Εἰρηται δὲ περὶ τούτων διὰ πλειόνων ἐν τῷ πρώ- 36  
 15 τῷ ὑπομνήματι τῆς γεωγραφίας, καὶ νῦν δ' ἐπὶ τοσοῦ-  
 του ὑπομνηστέον [τὸ] τῆς φύσεως ἅμα καὶ τὸ τῆς προ-  
 νοίας ἔργον εἰς ἓν συμφέροντας· τὸ μὲν τῆς φύσεως,  
 ὅτι τῶν πάντων ὑφ' ἓν συννεύοντων τὸ τοῦ ὅλου μέ-  
 σον καὶ σφαιρουμένων περὶ τοῦτο, τὸ μὲν πυκνότα-  
 20 τον καὶ μεσαίτατόν ἐστιν ἡ γῆ, τὸ δ' ἥττον τοιοῦτον C.810  
 καὶ ἐφεξῆς τὸ ὕδωρ, ἐκάτερον δὲ σφαῖρα, ἡ μὲν στε-  
 ρεά, ἡ δὲ κοίλῃ ἐντὸς ἔχουσα τὴν γῆν· τὸ δὲ τῆς προ-  
 νοίας, ὅτι βεβούληται καὶ αὐτὴ ποικίλτριά τις οὖσα  
 καὶ μυρίων ἔργων δημιουργὸς ἐν τοῖς πρώτοις ζῶα  
 25 γεννᾶν ὥς πολὺ διαφέρουντα τῶν ἄλλων καὶ τούτων  
 τὰ κράτιστα θεούς τε καὶ ἀνθρώπους, ὧν ἕνεκεν καὶ  
 τὰ ἄλλα συνέστηκε. τοῖς μὲν οὖν θεοῖς ἀπέδειξε τὸν  
 οὐρανὸν τοῖς δ' ἀνθρώποις τὴν γῆν, τὰ ἅκρα τῶν τοῦ  
 κόσμου μερῶν· ἅκρα δὲ τῆς σφαίρας τὸ μέσον καὶ τὸ  
 30 ἑξωτάτω. ἀλλ' ἐπειδὴ τῇ γῇ περικεῖται τὸ ὕδωρ, οὐκ  
 ἔστι δ' ἐνυδρον ζῶον ὁ ἀνθρώπος, ἀλλὰ χερσαῖον καὶ  
 ἐναέριον καὶ πολλοῦ κοινωνικὸν φωτός, ἐποίησεν

ἐξοχὰς ἐν τῇ γῇ πολλὰς καὶ εἰσοχὰς, ὥστ' ἐν αἷς μὲν ἀπολαμβάνεσθαι τὸ σύμπαν ἢ καὶ τὸ πλεον ὕδωρ ἀποκρύπτει τὴν ὑπ' αὐτῷ γῆν, ἐν αἷς δ' ἐξέχειν τὴν γῆν ἀποκρύπτουσιν ὅψ' ἑαυτῇ τὸ ὕδωρ, πλὴν ὅσον χρήσιμον τῷ ἀνθρώπῳ γένει καὶ τοῖς περὶ αὐτὸ ζώοις καὶ 5 φυτοῖς. ἐπεὶ δ' ἐν κινήσει συνεχεῖ τὰ σύμπαντα καὶ μεταβολαῖς μεγάλαις (οὐ γὰρ οἶόν τε ἄλλως τὰ τοιαῦτα καὶ τοσαῦτα καὶ τηλικάῦτα ἐν τῷ κόσμῳ διοικεῖσθαι), ὑποληπτέον μήτε τὴν γῆν ἀεὶ συμμένειν οὕτως ὥστ' ἀεὶ τηλικαύτην εἶναι μηδὲν προστιθεῖσαν 10 ἑαυτῇ μηδ' ἀφαιροῦσαν, μήτε τὸ ὕδωρ, μηδὲ τὴν ἔδραν ἔχειν τὴν αὐτὴν ἐκάτερον, καὶ ταῦτα εἰς ἄλληλα φυσικωτάτης οὔσης καὶ ἐγγυτάτῳ τῆς μεταπτώσεως, ἀλλὰ καὶ τῆς γῆς πολλὴν εἰς ὕδωρ μεταβάλλειν, καὶ τῶν ὑδάτων πολλὰ χερσοῦσθαι τὸν αὐτὸν τρόπον 15 ὅνπερ καὶ ἐν τῇ γῇ, καθ' ἣν αὐτὴν τοσαῦται διαφοραί· ἡ μὲν γὰρ εὐθροπτος ἡ δὲ στερεὰ καὶ πετρώδης καὶ σιδηρεῖτις καὶ οὕτως ἐπὶ τῶν ἄλλων. ὁμοίως δὲ καὶ ἐπὶ τῆς ὑγρᾶς οὐσίας, ἡ μὲν ἀλμυρὸς ἡ δὲ γλυκεῖα καὶ πότιμος, ἡ δὲ φαρμακώδης καὶ σωτήριος καὶ ὀλέθριος 20 καὶ ψυχρὰ καὶ θερμή. τί οὖν θαυμαστόν ἐστιν αἰνῶς μέρη τῆς γῆς ἃ νῦν οἰκεῖται θαλάττῃ πρότερον κατεῖχετο, τὰ δὲ νῦν πελάγῃ πρότερον ὤκειτο; καθάπερ καὶ πηγὰς τὰς πρότερον ἐκλιπεῖν συνέβη, τὰς δ' ἀνεῖσθαι, καὶ ποταμοὺς καὶ λίμνας, οὕτω δὲ καὶ ὄρη καὶ πεδιάς 25 εἰς ἄλληλα μεταπίπτειν· περὶ ὧν καὶ πρότερον εἰρήκαμεν πολλὰ καὶ νῦν εἰρήσθω.

37 Ἡ δ' οὖν Μοίριδος λίμνη διὰ τὸ μέγεθος καὶ τὸ βάθος ἱκανὴ ἐστὶ κατὰ τὰς ἀναβάσεις τὴν πλημμυρίδα φέρειν καὶ μὴ ὑπερπολάζειν εἰς τὰ οἰκούμενα καὶ πε- 30 φυτευμένα, εἴτα ἐν τῇ ἀποβάσει τὸ πλεονάζον ἀποδοῦσα τῇ αὐτῇ διώρυγῃ κατὰ θάτερον τῶν στομάτων



ἔχειν ὑπολειπόμενον τὸ χρήσιμον πρὸς τὰς ἐποχτεΐας C.811  
 καὶ αὐτὴ καὶ ἡ διῶρυξ. ταῦτα μὲν φυσικά, ἐπικείται  
 δὲ τοῖς στομασιν ἀμφοτέροις τῆς διῶρυγος κλεῖθρα  
 οἷς ταμιεύουσιν οἱ ἀρχιτέκτονες τό τε εἰσρέον ὕδωρ  
 5 καὶ τὸ ἐκρέον. πρὸς δὲ τούτοις ἡ τοῦ λαβυρίνθου κα-  
 τασκευὴ πᾶρισον ταῖς πυραμίσιν ἐστὶν ἔργον καὶ ὁ πα-  
 ρακειμενος τάφος τοῦ κατασκευάσαντος βασιλέως τὸν  
 λαβυρίνθον. ἔστι δὲ κατὰ τὸν πρῶτον εἰσπλουν τὸν  
 εἰς τὴν διῶρυγα προελθόντι ὅσον τριάκοντα ἢ τεττα-  
 10 ράκοντα σταδίους ἐπίπεδόν τι τραπεζῶδες χωρίον,  
 ἔχον κώμην τε καὶ βασίλειον μέγα ἐκ πολλῶν βασιλεί-  
 ων, ὅσοι πρότερον ἦσαν νομοί· τοσαῦται γάρ εἰσιν  
 αὐλαὶ περίστυλοι συνεχεῖς ἀλλήλαις ἐφ' ἓνα στίχον  
 πᾶσαι καὶ ἐφ' ἑνὸς τοίχου ὥς ἂν τείχους μακροῦ προ-  
 15 κειμένας ἔχοντος τὰς αὐλάς· αἱ δ' εἰς αὐτάς ὁδοὶ κα-  
 ταντικρὺ τοῦ τείχους εἰσὶ· προκείνται δὲ τῶν εἰσόδων  
 κρυπταί τινες μακραί καὶ πολλαί, δι' ἀλλήλων ἔχου-  
 σαι σκολιάς τὰς ὁδοὺς ὥστε χωρὶς ἡγεμόνος μηδενὶ  
 τῶν ξένων εἶναι δυνατὴν τὴν εἰς ἐκάστην αὐλὴν πᾶ-  
 20 ροδόν τε καὶ ἔξοδον. τὸ δὲ θαυμαστόν, ὅτι αἱ στέγαι  
 τῶν οἰκῶν ἐκάστου μονολίθοι, καὶ τῶν κρυπτῶν τὰ  
 πλάτη μονολίθοις ὡσαύτως ἐστέγασται πλαξὶν ὑπερ-  
 βαλλούσαις τὸ μέγεθος, ξύλων οὐδαμοῦ καταμεμιγμέ-  
 νων οὐδ' ἄλλης ὕλης οὐδεμιᾶς· ἀναβάντα τε ἐπὶ τὸ  
 25 στέγος οὐ μεγάλην ὕψει ἅτε μονοστέγῳ ἔστιν ἰδεῖν  
 πεδίον λίθινον ἐκ τηλικούτων λίθων ἐντεῦθεν δὲ πᾶ-  
 λιν εἰς τὰς αὐλάς ἐκπίπτοντα ἐξῆς ὁρᾶν κειμένας ὑπὸ  
 μονολίθων κιόνων ὑψηροῖς ἐπὶ τὰ καὶ εἴκοσι· καὶ  
 οἱ τοῖχοι δὲ οὐκ ἐξ ἐλαττόνων τῷ μεγέθει λίθων σίγ-  
 30 κεινται. ἐπὶ τέλει δὲ τῆς οἰκοδομίας ταυτῆς πλεον ἢ  
 στάδιον ἐπεχοῦσης ὁ τάφος ἐστί, πυραμὶς τετραγώνος,  
 ἐκάστην τετράπλευρον πῶς ἔχουσα τὴν πλευρὰν καὶ

τὸ ἴσον ὕψος· Ἰμάνδης δ' ὄνομα ὁ ταφεῖς. πεποιῆσθαι δέ φασι τὰς αὐλὰς τοσαύτας, ὅτι τοὺς νομοὺς ἔθος ἦν ἐκεῖσε συνέρχεσθαι πάντας ἀριστίνδην μετὰ τῶν οἰκείων ἱερέων καὶ ἱερεῶν, θυσίας τε καὶ δικαιοδοσίας περὶ τῶν μεγίστων χάριν· κατήγετο δὲ τῶν νομῶν 5 ἕκαστος εἰς τὴν ἀποδειχθεῖσαν αὐλὴν αὐτῷ.

38 Παραπλεύσαντι δὲ ταῦτα ἐφ' ἑκατὸν σταδίους πόλις ἐστὶν Ἀρσινόη· κροκοδείλων δὲ πόλις ἐκαλεῖτο πρότερον, σφόδρα γὰρ ἐν τῷ νομῷ τούτῳ τιμᾷσι τὸν κροκόδειλον, καὶ ἔστιν ἱερὸς παρ' αὐτοῖς ἐν λίμνῃ καθ' αὐτὸν τρεφόμενος, χειροήθης τοῖς ἱερεῦσι· καλεῖται δὲ Σοῦχος· τρέφεται δὲ σιτίοις καὶ κρέαςι καὶ οἴνῳ, προσφερόντων αἰὲ τῶν ξένων τῶν ἐπὶ τὴν θέαν ἀφί- C.812 κνουμένων. ὁ γοῦν ἡμέτερος ξένος, ἀνὴρ τῶν ἐντίμων, αὐτόθι μυσταγωγῶν ἡμᾶς, συνῆλθεν ἐπὶ τὴν 1 λίμνην, κομίζων ἀπὸ τοῦ δείπνου πλακουντάριον τι καὶ κρέας ὁπτόν καὶ προχοϊδίον τι μελικράτου· εὗρομεν δὲ ἐπὶ τῷ χεῖλει κείμενον τὸ θηρίον· προσιόντες δὲ οἱ ἱερεῖς οἱ μὲν διέστησαν αὐτοῦ τὸ στόμα, ὁ δὲ ἐνέ- 2 θηκε τὸ πέμμα καὶ πάλιν τὸ κρέας, εἶτα τὸ μελίκρατον κατήρασε· καθαλούμενος δὲ εἰς τὴν λίμνην διῆξεν εἰς τὸ πέραν· ἐπελθόντος δὲ καὶ ἄλλου τῶν ξένων κομίζοντος ὁμοίως ἀπαρχήν, λαβόντες περιῆλθον δρόμῳ καὶ καταλαβόντες προσήνεγκαν ὁμοίως τὰ προσενε- 2 χθέντα.

39 Μετὰ δὲ τὸν Ἀρσινοῖτην καὶ τὸν Ἡρακλεωτικὸν νομὸν Ἡρακλέους πόλις, ἐν ᾗ ὁ ἰχνεύμων τιμᾶται ὑπεναντίως τοῖς Ἀρσινοῖταις· οἱ μὲν γὰρ τοὺς κροκοδείλους τιμᾷσι, καὶ διὰ τοῦτο ἢ τε διῶρυξ αὐτῶν ἐστὶ με- 3 στή τῶν κροκοδείλων καὶ ἢ τοῦ Μοίριδος λίμνη· σέ-



βονται γὰρ καὶ ἀπέχονται αὐτῶν· οἱ δὲ τοὺς ἰχνεύμο-  
 νας τοὺς ὀλεθριωτάτους τοῖς κροκοδείλοις, καθάπερ  
 καὶ ταῖς ἀσπίσι· καὶ γὰρ τὰ ὡὰ διαφθείρουσιν αὐτῶν  
 καὶ αὐτὰ τὰ θηρία, τῷ πληθῶ θωρακισθέντες· κυλι-  
 σθέντες γὰρ ἐν αὐτῷ ξηραίνονται πρὸς τὸν ἥλιον, εἴτα  
 τὰς ἀσπίδας μὲν ἢ τῆς κεφαλῆς ἢ τῆς οὐρᾶς λαβόμε-  
 νοι κατασπῶσιν εἰς τὸν ποταμὸν καὶ διαφθείρουσι·  
 τοὺς δὲ κροκοδείλους ἐνεδρεύσαντες, ἡνίκ' ἂν ἡλιά-  
 ζονται κεχηνότες, ἐμπίπτουσιν εἰς τὰ χάσματα καὶ δια-  
 φαγόντες τὰ σπλάγχνα καὶ τὰς γαστέρας ἐκδύνουσιν  
 ἐκ νεκρῶν τῶν σωματῶν.

Ἐξῆς δ' ἐστὶν ὁ Κυνοπολίτης νομὸς καὶ Κυνῶν 40  
 πόλις, ἐν ἣ ὁ Ἄνουβις τιμᾶται καὶ τοῖς κυσὶ τιμὴ καὶ  
 σίτισις τέτακται τις ἱερά. ἐν δὲ τῇ περαιᾷ Ὀξύρυγχος  
 15 πόλις καὶ νομὸς ὁμώνυμος· τιμῶσι δὲ τὸν Ὀξύρυγχον  
 καὶ ἔστιν αὐτοῖς ἱερὸν Ὀξύρυγχου, καίτοι καὶ τῶν ἄλ-  
 λων Αἰγυπτίων κοινῇ τιμώντων τὸν Ὀξύρυγχον. τινὰ  
 μὲν γὰρ τῶν ζώων ἅπαντες κοινῇ τιμῶσιν Αἰγύπτιοι,  
 καθάπερ τῶν μὲν πεζῶν τρία, βοῦν κύνα αἰλουρον,  
 20 τῶν δὲ πτηνῶν δύο, ἱέρακα καὶ ἴβιν, τῶν δ' ἐνύδρων  
 δύο, λεπιδωτὸν ἰχθὺν καὶ Ὀξύρυγχον· ἄλλα δ' ἐστὶν  
 ἃ τιμῶσι καθ' ἑαυτοὺς ἕκαστοι, καθάπερ Σαῖται πρό-  
 βατον καὶ Θηβαῖται, λάτον δὲ τῶν ἐν τῷ Νείλῳ τινὰ  
 ἰχθὺν Λατοπολῖται, λύκον τε Λυκοπολῖται, κυνοκέ-  
 25 φαλον δὲ Ἐρμοπολῖται, κῆβον δὲ Βαβυλώνιοι οἱ κατὰ  
 Μέμφιν· ἔστι δ' ὁ κῆβος τὸ μὲν πρόσωπον εἰκὼς σα-  
 τύρῳ, τᾶλλα δὲ κυνὸς καὶ ἄρκτου μεταξύ, γεννᾶται  
 δ' ἐν Αἰθιοπία· ἀετὸν δὲ Θηβαῖοι, λέοντα δὲ Λεοντο-  
 πολῖται, αἶγα δὲ καὶ τράγον Μενδήσιοι, μυγαλὴν δὲ 0.813  
 30 Ἀθριβῖται, ἄλλοι δ' ἄλλο τι· τὰς δ' αἰτίας οὐχ ὁμολο-  
 γουμένας λέγουσιν.

Ἐξῆς δ' ἐστὶν Ἐρμοπολιτικὴ φυλακὴ, τελώνιον τι 41

τῶν ἐκ τῆς Θηβαΐδος καταφερομένων· ἐντεῦθεν ἀρχὴ τῶν ἐξηκοντασταδίων σχοίνων ἕως Συήνης καὶ Ἐλεφαντίνης· εἶτα ἡ Θηβαϊκὴ φυλακὴ καὶ διῶρυξ φέρουσα ἐπὶ Τάνιν· εἶτα Λύκων πόλις καὶ Ἀφροδίτης καὶ Πανῶν πόλις, λινουργῶν καὶ λιθουργῶν κατοικία παλαιά. 5

- 42 Ἐπειτα Πτολεμαϊκὴ πόλις, μερίστη τῶν ἐν τῇ Θηβαΐδι καὶ οὐκ ἐλάττων Μέμφεως, ἔχουσα καὶ σύστημα πολιτικὸν ἐν τῷ ἐλληνικῷ τρόπῳ. ὑπὲρ δὲ ταύτης ἡ Ἄβυδος, ἐν ἣ τὸ Μεμνόνιον βασίλειον θαυμαστῶς κατασκευασμένον ὁλόλιθον τῇ αὐτῇ κατασκευῇ ἥπερ τὸν 10 λαβύρινθον ἔφαμεν, οὐ πολλαπλοῦν δέ· καὶ κρήνη ἐν βάθει κειμένη ὥστε καταβαίνειν εἰς αὐτὴν \* κατακαμφθεισῶν ψαλίδων διὰ μονολίθων ὑπερβαλλόντων τῷ μεγέθει καὶ τῇ κατασκευῇ. ἔστι δὲ διῶρυξ ἄγουσα ἐπὶ τὸν τόπον ἀπὸ τοῦ μεγάλου ποταμοῦ. περὶ δὲ τὴν 15 διῶρυγα ἀκανθῶν τῶν Αἰγυπτίων ἄλσος ἐστὶν ἱερὸν τοῦ Ἀπόλλωνος. ἔοικε δὲ ὑπάρξαι ποτὲ ἡ Ἄβυδος πόλις μεγάλη, δευτερεύουσα μετὰ τὰς Θήβας, νυνὶ δ' ἐστὶ κατοικία μικρά· εἰ δ' ὥς φασιν ὁ Μέμνων ὑπὸ τῶν Αἰγυπτίων Ἰσμάνδης λέγεται, καὶ ὁ λαβύρινθος Με- 20 μνόνιον ἂν εἴη καὶ τοῦ αὐτοῦ ἔργον οὐπερ καὶ τὰ ἐν Ἀβύδῳ καὶ τὰ ἐν Θήβαις· καὶ γὰρ ἐκεῖ λέγεται τινα Μεμνόνια. κατὰ δὲ τὴν Ἄβυδον ἐστὶν ἡ πρώτη αὔασις ἐκ τῶν λεχθεισῶν τριῶν ἐν τῇ Αἰβύῃ, διέχουσα ὁδὸν ἡμερῶν ἑπτὰ ἐνθένδε δι' ἐρημίας, εὐδρός τε κατοικία καὶ εὖοινος καὶ τοῖς ἄλλοις ἱκανή, δευτέρα δ' ἡ 25 κατὰ τὴν Μοίριδος λίμνην, τρίτη δὲ ἡ κατὰ τὸ μαντεῖον τὸ ἐν Ἀμμωνι· καὶ αὗται δὲ κατοικίαι εἰσὶν ἀξιόλογοι.

- 43 Πολλὰ δ' εἰρηκότες περὶ τοῦ Ἀμμωνος τοσοῦτον 30 εἶπειν βουλόμεθα ὅτι τοῖς ἀρχαίοις μᾶλλον ἦν ἐν τιμῇ καὶ ἡ μαντικὴ καθόλου καὶ τὰ χρηστήρια, νυνὶ δ' ὀλι-



γωρία κατέχει πολλή, τῶν Ῥωμαίων ἀρκουμένων τοῖς  
 Σιβύλλης χρησμοῖς καὶ τοῖς Τυρρηνικοῖς θεοπροπίοις  
 διὰ τε σπλάγχνων καὶ ὀρνιθείας καὶ διοσημιῶν. διόπερ  
 καὶ τὸ ἐν Ἀμμωνι σχεδόν τι ἐκλείπεται χρηστήριον,  
 πρότερον δὲ ἐτετίμητο. δηλοῦσι δὲ μάλιστα τοῦτο οἱ  
 τὰς Ἀλεξάνδρου πράξεις ἀναγράψαντες, προστιθέντες  
 μὲν πολὺ καὶ τὸ τῆς κολακείας εἶδος ἐμφαίνοντες δέ τι  
 καὶ πίστεως ἄξιον. ὁ γοῦν Καλλισθένης φησὶ τὸν Ἀλέ- C.814  
 ξάνδρον φιλοδοξῆσαι μάλιστα ἀνελθεῖν ἐπὶ τὸ χρηστή-  
 ριον, ἐπειδὴ καὶ Περσέα ἤκουσε πρότερον ἀναβῆναι  
 καὶ Ἡρακλέα· ὁρμήσαντα δ' ἐκ Παραιτονίου καίπερ  
 νότων ἐπιπεσόντων βιάσασθαι, πλανώμενον δ' ὑπὸ  
 τοῦ κονιορτοῦ σωθῆναι γενομένων ὄμβρων καὶ δυεῖν  
 κοράκων ἡγησαμένων τὴν ὁδόν, ἥδη τούτων κολακευ-  
 τικῶς λεγομένων· τοιαῦτα δὲ καὶ τὰ ἐξῆς· μόνῳ γὰρ  
 δὴ τῷ βασιλεῖ τὸν ἱερέα ἐπιτρέψαι παρελθεῖν εἰς τὸν  
 νεῶ μετὰ τῆς συνήθους στολῆς, τοὺς δ' ἄλλους μετεν-  
 δύναι τὴν ἐσθῆτα, ἐξωθέν τε τῆς θεμιστείας ἀκροάσα-  
 σθαι πάντας πλὴν Ἀλεξάνδρου, τοῦτον δ' ἔνδοθεν.  
 εἶναι δ' οὐχ ὥσπερ ἐν Δελφοῖς καὶ Βραγχίδαῖς τὰς  
 ἀποθεσπίσεις διὰ λόγων, ἀλλὰ νεύμασι καὶ συμβόλοις  
 τὸ πλεόν, ὥς καὶ παρ' Ὀμήρῳ „ἦ καὶ κυανέησιν ἐπ'  
 „ὄφρ' ὅσι νεῦσε Κρονίων,“ τοῦ προφήτου τὸν Δία  
 ὑποκριναμένου· τοῦτο μέντοι ῥητῶς εἰπεῖν τὸν ἄν-  
 25 θρωπον πρὸς τὸν βασιλέα ὅτι εἶη Διὸς υἱός. προστρα-  
 γωδεῖ δὲ τούτοις ὁ Καλλισθένης, ὅτι τοῦ Ἀπόλλωνος  
 τὸ ἐν Βραγχίδαῖς μαντεῖον ἐκλελοιπότες, ἐξ ὅτου τὸ  
 ἱερὸν ὑπὸ τῶν Βραγχιδῶν σεσύλητο ἐπὶ Ξέρξου περσι-  
 σάντων, ἐκλελοιπυίας δὲ καὶ τῆς κρήνης, τότε ἦ τε  
 30 κρήνη ἀνάσχοι καὶ μαντεῖα πολλὰ οἱ Μιλησίῳν πρόσβεις  
 κομίσαιεν εἰς Μέμφιν περὶ τῆς ἐκ Διὸς γενέσεως τοῦ  
 Ἀλεξάνδρου καὶ τῆς ἐσομένης περὶ Ἀρβηλα νίκης καὶ

τοῦ Δαρείου θανάτου καὶ τῶν ἐν Λακεδαιμόνι νεω-  
 τερισμῶν· περὶ δὲ τῆς εὐγενείας καὶ τὴν Ἑρυθραίαν  
 Ἀθηναῖδα φησὶν ἀνειπεῖν· καὶ γὰρ ταύτην ὁμοίαν γε-  
 νέσθαι τῇ παλαιᾷ Σιβύλλῃ τῇ Ἑρυθραίᾳ· τὰ μὲν δὴ  
 τῶν συγγραφέων τοιαῦτα.

- 44 Ἐν δὲ τῇ Ἀβύδῳ τιμῶσι τὸν Ὅσιριν· ἐν δὲ τῷ  
 ἱερῷ τοῦ Ὀσίριδος οὐκ ἔξεστιν οὔτε ᾠδὸν οὔτε αὐλη-  
 τὴν οὔτε ψάλτην ἀπάρχεσθαι τῷ θεῷ, καθάπερ τοῖς  
 ἄλλοις θεοῖς ἔθος. μετὰ δὲ τὴν Ἀβυδὸν Διὸς πόλις ἡ  
 μικρά, εἴτα Τέντυρα πόλις· ἐνταῦθα δὲ διαφερόντως  
 παρὰ τοὺς ἄλλους Αἰγυπτίους ὁ κροκόδειλος ἡτίμωται  
 καὶ ἔχθιστος τῶν ἀπάντων θηρίων νενόμισται. οἱ μὲν  
 γὰρ ἄλλοι καίπερ εἰδότες τὴν κακίαν τοῦ ζώου καὶ ὡς  
 ὀλέθριον τῷ ἀνθρωπίνῳ γένει, σέβονται ὅμως καὶ ἀπέ-  
 χονται· οὔτοι δὲ πάντα τρόπον ἀνιχνεύουσι καὶ ἐκ-  
 φθείρουσιν αὐτούς· ἐνιοὶ δ' ὥσπερ τοὺς Φύλλους  
 φασὶ τοὺς πρὸς τῇ Κυρηναίᾳ φυσικὴν τινα ἀντιπάθειαν  
 ἔχειν πρὸς τὰ ἐρπετά, οὕτω καὶ τοὺς Τεντυρίτας πρὸς  
 τοὺς κροκοδείλους, ὥστε μηδὲν ὑπ' αὐτῶν πάσχειν  
 ἀλλὰ καὶ κολυμβᾶν ἄδεῶς καὶ διαπερᾶν, μηθενὸς ἄλλου  
 θαρροῦντος· εἰς τε τὴν Πρώμην κομισθεῖσι τοῖς κροκο-  
 C.815 δείλοισι ἐπιδείξεως χάριν συνηκολούθουν οἱ Τεντυρί-  
 ται· γενομένης τε δεξαμενῆς καὶ πηγματοῦ τινος ὑπὲρ  
 μιᾶς τῶν πλευρῶν, ὥστε τοῖς θηρίοις ἐκβᾶσι τοῦ ὕδα-  
 τος ἡλιαστήριον εἶναι, ἐκεῖνοι ἦσαν οἱ τότε μὲν ἐξέλ-  
 κοντες δικτύῳ πρὸς τὸ ἡλιαστήριον, ὡς καὶ ὑπὸ τῶν  
 θεατῶν ὁραθῆναι, ἐμβαίνοντες ἅμα εἰς τὸ ὕδωρ, τότε  
 δὲ πάλιν εἰς τὴν δεξαμενὴν κατασπῶντες. τιμῶσι δὲ  
 Ἀφροδίτην· ὅπισθεν δὲ τοῦ νεῶ τῆς Ἀφροδίτης Ἴσιδος  
 ἔστιν ἱερόν· εἴτα τὰ Τυφώνια καλούμενα καὶ ἡ εἰς  
 Κοπτὸν διαῶρυξ, πόλιν κοινὴν Αἰγυπτίων τε καὶ  
 Ἀράβων.



Ἐντεῦθεν ἐστὶν ἰσθμὸς εἰς τὴν Ἑρυνθράν κατὰ 45  
 πόλιν Βερενίκην, ἀλίμενον μὲν τῇ δ' εὐκαιρίᾳ τοῦ  
 ἰσθμοῦ καταγωγὰς ἐπιτηδείους ἔχουσιν. λέγεται δ' ὁ  
 Φιλάδελφος πρῶτος στρατοπέδῳ τεμῆναι τὴν ὁδὸν ταύ-  
 την ἄνυδρον οὖσαν, καὶ κατασκευάσαι σταθμούς, τοῦτο  
 δὲ πράξαι διὰ τὸ τὴν Ἑρυνθράν δύσπλουν εἶναι καὶ μά-  
 λιστα τοῖς ἐκ τοῦ μυχοῦ πλοῖζομένοις. ἐφάνη δὲ τῇ  
 πείρᾳ πολὺν τὸ χρήσιμον, καὶ νῦν ὁ Ἰνδικὸς φόρτος  
 ἅπας καὶ ὁ Ἀράβιος καὶ τοῦ Αἰθιοπικοῦ ὁ τῷ Ἀραβίῳ  
 κόλπῳ κατακοιμίζομενος εἰς Κοπτὸν φέρεται, καὶ τοῦτ'  
 ἐστὶν ἐμπόριον τῶν τοιούτων φορτίων. οὐκ ἄπωθεν  
 δὲ τῆς Βερενίκης ἐστὶ Μυὸς ὄρμος, πόλις ἔχουσα τὸ  
 ναύσταθμον τῶν πλοῖζομένων, καὶ τῆς Κοπτοῦ οὐ πολὺν  
 ἀφέστηκεν ἢ καλουμένην Ἀπόλλωνος πόλιν, ὥστε καὶ αἱ  
 5 διορίζουσαι τὸν ἰσθμὸν δύο πόλεις ἐκατέρωθεν εἰσιν.  
 ἀλλὰ νῦν ἡ Κοπτὸς καὶ ὁ Μυὸς ὄρμος εὐδοκιμεῖ, καὶ  
 χρῶνται τοῖς τόποις τούτοις. πρότερον μὲν οὖν ἐνυ-  
 κτοπόρουσαν πρὸς τὰ ἄστρα βλέποντες οἱ καμηλέμποροι  
 καὶ καθάπερ οἱ πλείοντες ὥδεον κομίζοντες καὶ ὕδωρ,  
 10 νυνὶ δὲ καὶ ὑδρεῖα κατεσκευάκασιν, ὁρῶντες πολὺν  
 βάθος, καὶ ἐκ τῶν οὐρανίων καίπερ ὄντων σπανίων  
 ὅμως δεξαμενὰς πεποιήνται· ἡ δ' ὁδὸς ἐστὶν ἕξ ἢ ἑπτὰ  
 ἡμερῶν. ἐπὶ δὲ τῷ ἰσθμῷ τούτῳ καὶ τὰ τῆς σμαράγδου  
 μεταλλά ἐστὶ, τῶν Ἀράβων ὀρυττόντων βαθεῖς τινὰς  
 15 ὑπονόμους, καὶ ἄλλων λίθων πολυτελεῶν.

Μετὰ δὲ τὴν Ἀπόλλωνος πόλιν αἱ Θῆβαι (καλεῖται 46  
 δὲ νῦν Διὸς πόλις), αἱ δ' ἐκατόμπυλοι εἰσι, διηκόσιοι  
 „δ' ἂν' ἐκάστην ἀνέρες ἑξοιχνεῦσι σὺν ἵπποισιν καὶ  
 „ὄχεσφιν.“ Ὅμηρος μὲν οὕτω· λέγει δὲ καὶ τὸν πλου-

5. post σταθμούς: ὥσπερ τοῖς ἐμπορίοις ὁδεύμασι καὶ διὰ  
 τῶν καμήλων

τον „οὐδ' ὅσα Θήβας Αἰγυπτίας, ὅθι πλεῖστα δόμοις  
 C.816, „ἐνὶ κτήματα κεῖται.“ καὶ ἄλλοι δὲ τοιαῦτα λέγουσι, καὶ  
 μητροπόλιν τιθέντες τῆς Αἰγύπτου ταύτην· καὶ νῦν δ' ὁ  
 ἴχνη δείκνυνται τοῦ μεγέθους αὐτῆς ἐπὶ ὀγδοήκοντα  
 σταδίοις τὸ μῆκος· ἔστι δ' ἱερὰ [τὰ] πλείω. καὶ τούτων  
 δὲ τὰ πολλὰ ἠκρωτηρίασε Καμβύσης· νυνὶ δὲ κωμη-  
 δὸν συνοικεῖται, μέρος μὲν τι ἐν τῇ Ἀραβίᾳ ἐν ἧπερ ἡ  
 πόλις, μέρος δέ τι καὶ ἐν τῇ περαίᾳ ὅπου τὸ Μεμνόνιον  
 ἐνταῦθα δὲ δυνεὺν κολοσσῶν ὄντων μονολίθων ἀλλήλων  
 πλησίον, ὁ μὲν σώζεται, τοῦ δ' ἑτέρου τὰ ἄνω μέρη τὰ  
 ἀπὸ τῆς καθέδρας πέπτωκε σεισμοῦ γενηθέντος, ὥς  
 φασι. πεπίστευται δ' ὅτι ἅπαξ καθ' ἡμέραν ἐκάστην  
 ψόφος ὥς ἂν πληγῆς οὐ μεγάλης ἀποτελεῖται ἀπὸ τοῦ  
 μένοντος ἐν τῷ θρόνῳ καὶ τῇ βάσει μέρους· κἀγὼ δὲ  
 παρὼν ἐπὶ τῶν τόπων μετὰ Γάλλου Αἰλίου καὶ τοῖς  
 πλήθους τῶν συνόντων αὐτῷ φίλων τε καὶ στρατιω-  
 τῶν περὶ ὧραν πρώτην ἤκουσα τοῦ ψόφου· εἴτε δὲ  
 ἀπὸ τῆς βάσεως εἴτε ἀπὸ τοῦ κολοσσοῦ εἴτ' ἐπίτηδες  
 τῶν κύκλῳ καὶ περὶ τὴν βάσιν ἰδρυμένων τινὸς ποιή-  
 σαντος τὸν ψόφον, οὐκ ἔχω δισχυρίσασθαι· διὰ γὰρ  
 τὸ ἄδηλον τῆς αἰτίας πᾶν μᾶλλον ἐπέρχεται πιστεύειν  
 ἢ τὸ ἐκ τῶν λίθων οὕτω τεταγμένων ἐκπέμπεσθαι τὸν  
 ἥχον. ὑπὲρ δὲ τοῦ Μεμνονίου θῆκαι βασιλέων ἐν σπη-  
 λαίοις λατομηταὶ περὶ τετταράκοντα, θαυμαστῶς κα-  
 τεσκευασμένοι καὶ θέας ἄξιοι· ἐν δὲ ταῖς Θήβαις ἐπι-  
 τινων ὀβελίσκων ἀναγραφὰ δηλοῦσαι τὸν πλοῦτον  
 τῶν τότε βασιλέων καὶ τὴν ἐπικράτειαν, ὥς μέχρι Σκυ-  
 θῶν καὶ Βακτριῶν καὶ Ἰνδῶν καὶ τῆς νῦν Ἰωνίας δια-  
 τεύνασαν, καὶ φόρων πλῆθος καὶ στρατιᾶς περὶ ἑκατὸν  
 μυριάδας. λέγονται δὲ καὶ ἀστρονόμοι καὶ φιλόσοφοι  
 μάλιστα οἱ ἐνταῦθα ἱερεῖς· τούτων δ' ἔστι καὶ τὸ τὰ  
 ἡμέρας μὴ κατὰ σελήνην ἄγειν ἀλλὰ κατὰ ἥλιον, τοῖς



τριακονθήμεροις δώδεκα μηνὶν ἐπαγόντων πέντε ἡμέρας κατ' ἐνιαυτὸν ἕκαστον· εἰς δὲ τὴν ἐκπλήρωσιν τοῦ ὅλου ἐνιαυτοῦ, ἐπιτρέχοντος μορίου τινὸς τῆς ἡμέρας, περίοδόν τινα συντιθέασιν ἐξ ὅλων ἡμερῶν καὶ ὅλων ἐνιαυτῶν τοσούτων ὅσα μόρια τὰ ἐπιτρέχοντα συνελθόντα ποιεῖ ἡμέραν. ἀνατιθέασι δὲ τῷ Ἑρμῇ πᾶσαν τὴν τοιαύτην μάλιστα σοφίαν· τῷ δὲ Διὶ ὃν μάλιστα τιμῶσιν, εὐειδεστάτῃ καὶ γένους λαμπροτάτου παρθένος ἱερᾶται, ἃς καλοῦσιν οἱ Ἕλληνες παλλάδας· αὕτη δὲ καὶ παλλακεύει καὶ σύνεστιν οἷς βούλεται μέχρι ἂν ἡ φυσικὴ γένηται κάθαρσις τοῦ σώματος· μετὰ δὲ τὴν κάθαρσιν δίδοται πρὸς ἄνδρα, πρὶν δὲ δοθῆναι πένθος αὐτῆς ἄγεται μετὰ τὸν τῆς παλλακείας καιρὸν.

C.817  
47

Μετὰ δὲ Θήβας Ἑρμωνθὺς πόλις, ἐν ἣ ὁ τε Ἀπόλλων 5 τιμᾶται καὶ ὁ Ζεὺς· τρέφεται δὲ καὶ ἐνταῦθα βοῦς· ἔπειτα Κροκοδείλων πόλις τιμᾶσα τὸ θηρίον· εἶτα Ἀφροδίτης πόλις καὶ μετὰ ταῦτα Λατόπολις τιμᾶσα Ἀθηνᾶν καὶ τὸν λάτον· εἶτα Εἰλειθυίας πόλις καὶ ἱερὸν· ἐν δὲ τῇ περαίᾳ Ἱεράκων πόλις τὸν Ἱέρακα τιμᾶσα· εἰτ' Ἀπόλλωνος πόλις καὶ αὕτη πολεμοῦσα τοῖς 20 κροκοδείλοις.

Ἡ δὲ Συήνη καὶ [ἡ] Ἑλεφαντίνη ἡ μὲν ἐπὶ τῶν 48 ὄρων τῆς Αἰθιοπίας καὶ τῆς Αἰγύπτου πόλις, ἡ δ' ἐν τῷ Νείλῳ προκειμένη τῆς Συήνης νῆσος ἐν ἡμισταδίῳ 25 καὶ ἐν ταύτῃ πόλις ἔχουσα ἱερὸν Κνούφιδος καὶ νελομέτριον, καθάπερ Μέμφις. ἔστι δὲ τὸ νελομέτριον συννόμῳ λίθῳ κατεσκευασμένον ἐπὶ τῇ ὄχθῃ τοῦ Νείλου φρέαρ, ἐν ᾧ τὰς ἀναβάσεις τοῦ Νείλου σημειοῦνται τὰς μεγίστας τε καὶ ἐλαχίστας καὶ τὰς μέσας· συν- 30 αναβαίνει γὰρ καὶ συνταπεινοῦται τῷ ποταμῷ τὸ ἐν τῷ φρέατι ὕδωρ. εἰσὶν οὖν ἐν τῷ τοίχῳ τοῦ φρέατος παραγραφαί, μέτρα τῶν τελείων καὶ τῶν ἄλλων ἀνα-

βάσεων· ἐπισκοποῦντες οὖν ταύτας διασημαίνουσι τοῖς ἄλλοις, ὅπως εἶδειεν· πρὸ πολλοῦ γὰρ ἴσασιν ἐκ τῶν τοιούτων σημείων \* καὶ τῶν ἡμερῶν τὴν ἐσομένην ἀνάβασιν καὶ προδηλοῦσι. τοῦτο δὲ καὶ τοῖς γεωργοῖς χρήσιμον τῆς τῶν ὑδάτων ταμιείας χάριν καὶ παραχω- μάτων καὶ διωρύγων καὶ ἄλλων τοιούτων, καὶ τοῖς ἡγεμόσι τῶν προσόδων χάριν· αἱ γὰρ μεΐζους ἀναβάσεις μεΐζους καὶ τὰς προσόδους ὑπαγορεύουσιν. ἐν δὲ τῇ Συήνῃ καὶ τὸ φρέαρ ἐστὶ τὸ διασημαῖνον τὰς θερινὰς τροπὰς, διότι τῷ τροπικῷ κύκλῳ ὑπόκεινται οἱ τόποι οὗτοι· ἀπὸ γὰρ τῶν ἡμετέρων τόπων, λέγω δὲ τῶν Ἑλλαδικῶν, προῖουσιν ἐπὶ τὴν μεσημβρίαν ἐνταῦθα πρῶτον ὁ ἥλιος κατὰ κορυφὴν ἡμῖν γίνεται καὶ ποιεῖ τοὺς γνώμονας ἀσκίους κατὰ μεσημβρίαν· ἀνάγκη δὲ κατὰ κορυφὴν ἡμῖν γινομένου καὶ εἰς τὰ φρέατα βάλλειν μέχρι τοῦ ὕδατος τὰς ἀνγὰς, κὰν βαθύτατα ἦ· κατὰ κάθετον γὰρ ἡμεῖς τε ἔσταμεν καὶ τὰ ὀρύγματα τῶν φρεάτων κατεσκεύασται. εἰσὶ δ' ἐνταῦθα τρεῖς σπείραι Ῥωμαίων ἰδρυνέται φρουρᾶς χάριν.

- 49 Μικρὸν δ' ὑπὲρ τῆς Ἐλεφαντίνης ἐστὶν ὁ μικρὸς 20  
καταράκτης, ἐφ' ᾧ καὶ θεᾶν τινὰ οἱ σκαφῖται τοῖς ἡγε-  
μόσιν ἐπιδείκνυνται· ὁ μὲν γὰρ καταράκτης ἐστὶ κατὰ  
μέσον τὸν ποταμόν, πετρώδης τις ὀφρύς, ἐπίπεδος μὲν  
ἄνωθεν ὥστε δέχεσθαι τὸν ποταμόν, τελευτῶσα δ' εἰς  
κρημνόν, καθ' οὗ καταρρήγνυται τὸ ὕδωρ, ἐκατέρω- 25  
θεν δὲ πρὸς τῇ γῇ ρεῖθρον, ὃ μάλιστα καὶ ἀνάπλουν  
C.818 ἔχει· ἀναπλεύσαντες οὖν ταύτῃ καταρρέουσιν ἐπὶ τὸν  
καταράκτην καὶ ὠθοῦνται μετὰ τῆς σκάφης ἐπὶ τὸν  
κρημνὸν καὶ σῶζονται σὺν αὐτῇ ἀπαθείς. τοῦ δὲ κα-

10. καὶ ante διότι 11. post οὗτοι: καὶ ποιοῦσιν ἀσκίους  
τοὺς γνώμονας κατὰ μεσημβρίαν



ταράκτου μικρὸν ἐπάνω τὰς Φιλᾶς εἶναι συμβαίνει, κοινὴν κατοικίαν Αἰθιοπῶν τε καὶ Αἰγυπτίων, κατεσκευασμένην ὥσπερ καὶ τὴν Ἐλεφαντίνην καὶ τὸ μέγεθος ἴσην, ἱερὰ ἔχουσαν Αἰγύπτια· ὅπου καὶ ὄρνεον τιμᾶται ὃ καλοῦσι μὲν ἱέρακα, οὐδὲν δὲ ὁμοιον ἔμοιγε ἐφαίνετο ἔχειν τοῖς παρ' ἡμῖν καὶ ἐν Αἰγύπτῳ ἱέραξιν, ἀλλὰ καὶ τῷ μεγέθει μείζον ἦν καὶ τῇ ποιικιλίᾳ πολὺ ἐξηλλαγμένον· Αἰθιοπικὸν δ' ἔφασαν εἶναι, κἀκεῖθεν κομίζεσθαι, ὅταν ἐκλείπῃ [ἡ] καὶ πρότερον· καὶ δὴ καὶ 10 τότε ἐδείχθη ἡμῖν πρὸς ἐκλείψει ὃν διὰ νόσον.

Ἦλθομεν δ' εἰς Φιλᾶς ἐκ Συήνης ἀπήνῃ δι' ὅμα- 50  
λοῦ σφόδρα πεδίου σταδίους ὁμοῦ τι ἑκατόν. παρ' ὅλην δὲ τὴν ὁδὸν ἦν ἰδεῖν ἑκατέρωθεν πολλαχοῦ ὥσπερ ἑρμαῖα πέτρων ἡλίβατον στρογγύλου, λεῖον ἱκανῶς, ἐγγὺς 15 σφαιροειδοῦς, τοῦ μέλανος καὶ σκληροῦ λίθου, ἐξ οὗ αἱ θυγαῖ γίνονται, ἐπὶ πέτρῳ κείμενον μείζονι καὶ ἐπ' ἐκείνῳ πάλιν ἄλλον· ἔστι δ' ὅτε αὐτοὶ καθ' αὐτοὺς ἐκκιντο οἱ πέτροι· ἦν δ' ὁ μὲν μέγιστος τὴν διάμετρον ποδῶν οὐκ ἐλαττόνων ἢ δώδεκα, ἅπαντες δὲ μείζους ἢ 20 ἡμίσεις τούτων. διέβημεν δὲ εἰς τὴν νῆσον ἐπὶ πάκτωνος· ὁ δὲ πάκτων διὰ σκυταλίδων πεπηγός ἐστι σκάφιον ὥστ' εἰκέναι διαπλοκίνῳ· ἐστῶτες δ' ἐν ὕδατι ἢ καὶ σανιδίοις τισὶ προσκαθήμενοι ῥαδίως ἐπεραιώθημεν δεδιότες μάτην· ἀκίνδυνα γὰρ ἐστίν, ἂν μὴ τις 25 ὑπέργομον ποιήσῃ τὸ πορθμεῖον.

Καθ' ὅλην δὲ τὴν Αἰγύπτου τοῦ φοίνικος ἀγεν- 51  
νοῦς ὄντος καὶ ἐκφέροντος καρπὸν οὐκ εὖβρωτον ἐν τοῖς περὶ τὸ Δέλτα τόποις καὶ περὶ τὴν Ἀλεξάνδρειαν, ὃ ἐν τῇ Θηβαΐδι φοῖνιξ ἄριστος τῶν ἄλλων φύεται. 30 θαυμάζειν οὖν ἄξιον πῶς ταῦτ' οὐκ οἰκοῦντες τῇ Ἰουδαίᾳ καὶ ὁμοροὶ οἱ περὶ τὸ Δέλτα καὶ τὴν Ἀλεξάνδρειαν τοσοῦτον διαλλάττουσιν, ἐκείνης πρὸς ἄλλῳ

φοίνικι καὶ τὸν καρπωτὸν γεννώσης, \* οὐ πολὺ κρείτ-  
 τουα τοῦ Βαβυλωνίου. διττὸς δ' ἐστὶν ὁ τε ἐν τῇ Θη-  
 βαΐδι καὶ ὁ ἐν τῇ Ἰουδαίᾳ, ὃς τε ἄλλος καὶ ὁ καρπωτός·  
 σκληρότερος δ' ὁ Θηβαϊκός, ἀλλὰ τῇ γένει εὐστομώ-  
 τερος. ἔστι δὲ καὶ νῆσος ἡ μάλιστα ἐκφέρουσα τὸν ἄρι- 5  
 στον, μεγίστην τελοῦσα πρόσοδον τοῖς ἡγεμόσι· βασι-  
 λικὴ γὰρ ἦν, ἰδιώτῃ δ' οὐ μετῆν, καὶ νῦν τῶν ἡγεμό-  
 νων ἐστὶ.

52 Πολλὰ δ' Ἡρόδοτός τε καὶ ἄλλοι φλυαροῦσιν,  
 ὥσπερ μέλος ἢ ῥυθμὸν ἢ ἡδυσμά τι τῷ λόγῳ τὴν τετρα- 10  
 C.819 τείαν προσφέροντες· οἶον καὶ τὸ φάσκειν περὶ τὰς νή-  
 σους τὰς πρὸς τῇ Συήνῃ καὶ τῇ Ἐλεφαντίνῃ (πλείους  
 δ' εἰσὶ) τὰς πηγὰς τοῦ Νείλου εἶναι, καὶ βάθος ἄβυσ-  
 σον ἔχειν τὸν πόρον κατὰ τοῦτον τὸν τόπον. νήσους δ'  
 ὁ Νεῖλος κατεσπαρμένας ἔχει παμπόλλας, τὰς μὲν κα- 15  
 λυπτομένας ὅλας ἐν ταῖς ἀναβάσεσι, τὰς δ' ἐκ μέρους,  
 ἐποχετεύεται δὲ τοῖς κοχλῖαις τὰ λίαν ἔξαλα.

53 Ἦν μὲν οὖν ἡ Αἴγυπτος εἰρηλικὴ τὸ πλέον ἐξ ἀρ-  
 χῆς διὰ τὸ αὐταρκες τῆς χώρας καὶ τὸ δυσεῖσβολον τοῖς  
 ἔξωθεν, ἀπὸ μὲν τῶν ἀρκτων ἀλιμένῳ παραλίᾳ καὶ 20  
 πελάγει τῷ Αἰγυπτίῳ φρουρουμένη, ἀπὸ δὲ τῆς ἑω καὶ  
 τῆς ἐσπέρας ἐρήμοις ὄρεσι, τοῖς τε Λιβυκοῖς καὶ τοῖς  
 Ἀραβίοις, ὥσπερ ἔφαμεν· λοιπὰ δὲ τὰ πρὸς νότον  
 Τρωγλοδύται [καὶ] Βλέμυες καὶ Νοῦβαι καὶ Μεγάβα-  
 ροὶ οἱ ὑπὲρ Συήνης Αἰθίοπες· εἰσὶ δ' οὗτοι νομάδες 25  
 καὶ οὐ πολλοὶ οὐδὲ μάχιμοι, δοκοῦντες δὲ τοῖς πάλαι  
 διὰ τὸ ληστρικῶς ἀφυλάκτοις ἐπιτίθεσθαι πολλάκις·  
 οἱ δὲ πρὸς μεσημβρίαν καὶ Μερόην ἀνήκοντες Αἰθίο-  
 πες, οὐδ' οὗτοι πολλοὶ οὔτε ἐν συστροφῇ, ἅτε ποταμίαν  
 μακρὰν καὶ στενὴν καὶ σκολιὰν οἰκοῦντες, οἷαν προεί- 30  
 πομεν· οὐδὲ παρεσκευασμένοι καλῶς οὔτε πρὸς πό-  
 λεμον οὔτε πρὸς τὸν ἄλλον βίον. καὶ νῦν δὲ διάκειται



παραπλησίως ἡ χώρα πᾶσα· σημεῖον δέ· τρισὶ γοῦν  
 σπείραις οὐδὲ ταύταις ἐντελέσιν ἱκανῶς ὑπὸ τῶν Ῥω-  
 μαίων ἡ χώρα φρουρεῖται· τολμήσασι δὲ τοῖς Αἰθίοψιν  
 ἐπιθέσθαι κινδυνεῦσαι τῇ χώρᾳ συνέπεσε τῇ σφετέρᾳ.  
 5 καὶ αἱ λοιπαὶ δὲ δυνάμεις αἱ ἐν Αἰγύπτῳ οὔτε τοσαῦται  
 τινές εἰσιν οὔτε ἀθρόαις ἐχρήσαντο οὐδ' ἅπαξ Ῥωμαῖοι·  
 οὐ γὰρ εἰσιν οὔτ' αὐτοὶ Αἰγύπτιοι πολεμισταί, καίπερ  
 ὄντες παμπληθεῖς, οὔτε τὰ πέριξ ἔθνη. Γάλλος μὲν γε  
 Κορνήλιος, ὁ πρῶτος κατασταθεὶς ἑπαρχος τῆς χώρας  
 10 ὑπὸ Καίσαρος, τὴν τε Ἡρώων πόλιν ἀποστᾶσαν ἐπελ-  
 θὼν δι' ὀλίγων εἴλε, στάσιν τε γενηθεῖσαν ἐν τῇ Θη-  
 βαΐδι διὰ τοὺς φόρους ἐν βραχεὶ κατέλυσε. Πετρώνιος  
 τε ὕστερον τοῦ Ἀλεξανδρέων πλήθους τοσοῦτων μυ-  
 ριάδων ὀρμήσαντος ἐπ' αὐτὸν μετὰ λίθων βολῆς, αὐ-  
 15 τοῖς τοῖς περὶ ἑαυτὸν στρατιώταις ἀντέσχε, καὶ δια-  
 φθείρας τινὰς αὐτῶν τοὺς λοιποὺς ἔπαυσε. Γάλλος τε  
 Αἴλιος μέρει τῆς ἐν Αἰγύπτῳ φρουρᾶς εἰς τὴν Ἀραβίαν  
 ἐμβαλὼν εἴρηται τίνα τρόπον ἐξήλεγκε τοὺς ἀνθρώπους  
 ἀπολέμους ὄντας· εἰ δὴ μὴ ὁ Συλλαῖος αὐτὸν προὔδι-  
 20 δου, καὶν κατεστρέψατο τὴν εὐδαίμονα πᾶσαν.

C.820

Ἐπειδὴ δὲ οἱ Αἰθίοπες καταφρονήσαντες τῷ μέρος 54  
 τι τῆς ἐν Αἰγύπτῳ δυνάμεως ἀπεσπᾶσθαι μετὰ Γάλλου  
 Αἰλίου πολεμοῦντος πρὸς τοὺς Ἀραβας, ἐπῆλθον τῇ  
 Θηβαΐδι καὶ τῇ φρουρᾷ τῶν τριῶν σπειρῶν τῶν κατὰ  
 25 Συήνην καὶ ἐλόντες ἐφθασαν τὴν τε Συήνην καὶ τὴν  
 Ἐλεφαντίνην καὶ Φιλὰς ἐξ ἐφόδου διὰ τὸ αἰφνίδιον καὶ  
 ἐξηνδραποδίσαντο, ἀνέσπασαν δὲ καὶ τοὺς Καίσαρος  
 ἀνδριάντας, ἐπελθὼν ἐλάττοσιν ἢ μυρίοις πεζοῖς Πε-  
 τρώνιος, ἱππεῦσι δὲ ὀκτακοσίοις πρὸς ἄνδρας τρισμυ-  
 30 ρίους, πρῶτον μὲν ἠνάγκασεν ἀναφυγεῖν αὐτοὺς εἰς  
 Ψέλχιν πόλιν Αἰθιοπικὴν, καὶ πρεσβεύεται τὰ τε λη-  
 φθέντα ἀπαιτῶν καὶ τὰς αἰτίας δι' ἃς ἤρξαν πολέμου·

λεγόντων δ' ὥς ἀδικοῦντο ὑπὸ τῶν νομάρχων, ἀλλ' οὐκ  
 ἔφη τούτους ἡγεμόνας εἶναι τῆς χώρας ἀλλὰ Καίσαρα·  
 αἰτήσαμένων δ' ἡμέρας τρεῖς εἰς βουλήν καὶ μηδὲν ὧν  
 ἐχορῆν ποιούντων, προσβαλὼν ἠνάγκασε προελθεῖν εἰς  
 μάχην, ταχὺ δὲ τροπὴν ἐποίησε συντεταγμένων τε κα- 5  
 κῶς καὶ ὠπλισμένων· μεγάλους γὰρ εἶχον θυρεοὺς,  
 καὶ τούτους ὠμοβοῖνους, ἀμυντήρια δὲ πελέκεις, οἱ δὲ  
 κοντούς, οἱ δὲ καὶ ξίφη. τινὲς μὲν οὖν εἰς τὴν πόλιν  
 συνηλάθησαν, οἱ δ' εἰς τὴν ἐρημίαν ἔφυγον, τινὰς δὲ  
 νῆσος πλησίον ὑπεδέξατο ἐμβάντας εἰς τὸν πόρον· οὐ 10  
 γὰρ πολλοὶ ἦσαν ἐνταῦθα οἱ κροκόδειλοι διὰ τὸν ῥοῦν.  
 τούτων δ' ἦσαν καὶ οἱ τῆς βασιλίσσης στρατηγοὶ τῆς  
 Κανδάκης, ἣ καθ' ἡμᾶς ἦρξε τῶν Αἰθιοπῶν, ἀνδρική  
 τις γυνὴ πεπηρωμένη τὸν ἕτερον τῶν ὀφθαλμῶν· τού-  
 τους τε δὴ ξωγρία λαμβάνει ἅπαντας ἐπιπλεύσας σχε- 15  
 δίαῖς τε καὶ ναυσί, καὶ καταπέμπει παραχορῆμα εἰς Ἀλε-  
 ξάνδρειαν, ἐπελθὼν τε τὴν Ψέλχιν αἰρεῖ· προσαριθ-  
 μουμένου δὲ τοῖς ἐαλωκόσι τοῦ πλήθους τῶν πεσόν-  
 των ἐν τῇ μάχῃ, τοὺς σωθέντας ὀλίγους παντάπασι  
 γενέσθαι συνέβη. ἐκ δὲ Ψέλχιος ἦκεν εἰς Προῆμνιν 20  
 ἐρυμνὴν πόλιν διελθὼν τοὺς θῖνας, ἐν οἷς ὁ Καμβύσου  
 κατεχώσθη στρατὸς ἐμπεσόντος ἀνέμου· προσβαλὼν  
 δὲ ἐξ ἐφόδου τὸ φρούριον αἰρεῖ, καὶ μετὰ ταῦτα ὥρμη-  
 σεν ἐπὶ Ναπάτων· τοῦτο δ' ἦν τὸ βασίλειον τῆς Καν-  
 δάκης, καὶ ἦν ἐνταῦθα υἱὸς αὐτῆς· καὶ αὐτὴ δ' ἔν τι 25  
 πλησίον ἴδρυτο χωρίῳ. πρεσβευσαμένης δὲ περὶ φιλίας  
 καὶ ἀποδόσης τοὺς ἐκ Συήνης αἰχμαλώτους καὶ τοὺς  
 ἀνδριάντας, ἐπελθὼν λαμβάνει καὶ τὰ Νάπατα φυγόν-  
 τος τοῦ παιδὸς καὶ κατασκάπτει· ἑξανδραποδισάμενος  
 δ' ἀναστρέφει πάλιν εἰς τοῦπίσω μετὰ τῶν λαφύρων, 30  
 δύσσοδα κρίνας τὰ προσωτέρω· τὴν δὲ Προῆμνιν τει-  
 χίσας βέλτιον, φρουρὰν ἐμβαλὼν καὶ τροφὴν δυεῖν



ἐνιαυτῶν τετρακοσίοις ἀνδράσιν, ἀπῆρεν εἰς Ἀλεξάν-  
 δρειαν· καὶ τῶν αἰχμαλώτων τοὺς μὲν ἐλαφυροπό- C.821  
 λησε, χιλίους δὲ Καίσαρι ἔπεμψε νεωστὶ ἐκ Καντάβρων  
 ἦκοντι, τοὺς δὲ νόσοι διεχρήσαντο. ἐν τούτῳ μυριάσι  
 5 Κανδάκη πολλαῖς ἐπὶ τὴν φρουρὰν ἐπῆλθε· Πετρώνιος  
 δ' ἐξεβοήθησε καὶ φθάνει προσελθὼν εἰς τὸ φρούριον,  
 καὶ πλείοσι παρασκευαῖς ἐξασφαλίσάμενος τὸν τόπον,  
 πρεσβευσαμένων, ἐκέλευσεν ὡς Καίσαρα πρεσβεύε-  
 σθαι· οὐκ εἰδέναι δὲ φασκόντων ὅστις εἴη Καῖσαρ καὶ  
 10 ὅπῃ βαδιστέον εἴη παρ' αὐτόν, ἔδωκε τοὺς παραπέμ-  
 ψοντας· καὶ ἦκον εἰς Σάμον, ἐνταῦθα τοῦ Καίσαρος  
 ὄντος καὶ μέλλοντος εἰς Συρίαν ἐντεῦθεν προΐεναι,  
 Τιβέριον εἰς Ἀρμενίαν στέλλοντος. πάντων δὲ τυχόν-  
 των ὧν ἐδέοντο, ἀφῆκεν αὐτοῖς καὶ τοὺς φόρους οὓς  
 15 ἐπέστησε.

Πολλὰ δ' εἴρηται περὶ τῶν Αἰθιοπικῶν ἐν τοῖς 2  
 πρότερον, ὥστε συμπεριωδευμένα ἂν εἴη τῇ Αἰγύπτῳ  
 καὶ τὰ τούτων. ὥς δ' εἰπεῖν, τὰ ἄκρα τῆς οἰκουμένης  
 τὰ παρακείμενα τῇ δυσκρατῇ καὶ ἀοικίῳ διὰ καῦμα  
 20 ἢ ψυχὸς ἀνάγκη ἀποτεύγματα εἶναι τῆς εὐκρατου καὶ  
 ἐλαττώματα· ταῦτα δ' ἐκ τῶν βίων δῆλα καὶ τῆς πρὸς  
 τὰς χρείας τὰς ἀνθρωπικὰς ἀπορίας. κακόβιοί τε δὴ  
 καὶ γυμνήτες εἰσι τὰ πολλὰ καὶ νομάδες· τὰ τε βοσκή-  
 ματα αὐτοῖς ἐστὶ μικρά, πρόβατα καὶ αἶγες καὶ βόες·  
 25 καὶ κύνες μικροί, τραχεῖς δὲ καὶ μάχιμοι. τάχα δὲ καὶ  
 τοὺς Πυγμαίους ἀπὸ τῆς τούτων μικροφυΐας ὑπενόη-  
 σαν καὶ ἀνέπλασαν· ἑώρακὼς μὲν γὰρ οὐδεὶς ἐξηγεῖται  
 τῶν πίστεως ἀξίων ἀνδρῶν. ζῶσί τ' ἀπὸ κέρχρου καὶ 2  
 κριθῆς, ἀφ' ὧν καὶ ποτὸν ποιοῦσιν \* αὐτοῖς ἔστιν·  
 30 ἔλαιον δὲ βούτυρον καὶ στέαρ· οὐδ' ἀκρόδρυα ἔχουσι  
 πλὴν φοινίκων ὀλίγων ἐν κήποις βασιλικοῖς· ἐνιοὶ δὲ  
 καὶ πόαν σιτοῦνται καὶ κλωνας ἀπαλοὺς καὶ λωτὸν καὶ

καλάμου ῥίζαν· κρέασι δὲ χρῶνται καὶ αἵματι καὶ γά-  
λακτι καὶ τυρῷ. σέβονται δ' ὡς θεοὺς τοὺς βασιλέας  
κατακλείστους ὄντας καὶ οἰκουροὺς τὸ πλεόν. ἔστι δὲ  
τὸ μέγιστον αὐτοῖς βασιλείον ἡ Μερόη, πόλις ὁμώνυ-  
μος τῇ νήσῳ· τὴν δὲ νῆσον θυρεοειδῇ φάσι τὸ σχῆμα, 5  
τό τε μέγεθος τάχα πρὸς ὑπερβολὴν εἴρηται μῆκος μὲν  
ὅσον τρισχιλίων σταδίων εὖρος δὲ χιλίων. ἔχει δ' ἡ  
νῆσος συχνὰ καὶ ὄρη καὶ δάση μεγάλα· οἰκοῦσι δ' οἱ  
μὲν νομάδες οἱ δὲ θηρευτικοὶ οἱ δὲ γεωργοί· ἔστι δὲ  
καὶ χαλκωρυχεῖα καὶ σιδηρουργεῖα καὶ χρυσεῖα καὶ 10  
λίθων γένη πολυτελῶν· περιέχεται δ' ἀπὸ μὲν τῆς  
Αιβύης θισὶ μεγάλοις, ἀπὸ δὲ τῆς Ἀραβίας κρημνοῖς  
συνεχέσιν, ἄνωθεν δ' ἐκ νότου ταῖς \* συμβολαῖς τῶν  
ποταμῶν, τοῦ τε Ἀσταβόρα καὶ τοῦ Ἀστάποδος καὶ τοῦ  
C.822 Ἀστασόβα· πρὸς ἄρκτον δ' ἡ ἐφεξῆς ὁῦσις τοῦ Νείλου 15  
καὶ μέχρι Αἰγύπτου κατὰ τὴν λεχθεῖσαν πρότερον σκο-  
λιότητα τοῦ ποταμοῦ. ἐν δὲ ταῖς πόλεσιν αἱ οἰκῆσεις ἐκ  
φοινικίνων σχιζῶν \* διαπλεκόμεναι τοίχων ἢ πλίνθων·  
ὀρυκτοὶ δὲ ἅλεις καθάπερ ἐν τοῖς Ἀραβί· πλεονάζει δὲ  
τῶν φυτῶν ὅ τε φοῖνιξ καὶ ἡ περσέα καὶ ὁ ἔβενος καὶ 20  
ἡ κερατία· θήρα δὲ καὶ ἐλεφάντων ἔστι καὶ λεόντων  
καὶ παρδάλεων· εἰσὶ δὲ καὶ δράκοντες οἱ ἐλεφαντομά-  
χοι καὶ ἄλλα θηρία πλείω· καταφεύγει γὰρ ἀπὸ τῶν  
ἐμπυρωτέρων καὶ ἀνχμηροτέρων ἐπὶ τὰ ὑδρηλὰ καὶ  
ἐλώδη.

25

3 Ὑπέρκειται δὲ τῆς Μερόης ἡ Ψεβὼ λίμνη μεγάλη  
νῆσον ἔχουσα οἰκουμένην ἱκανῶς. συμβαίνει δὲ τοῦ  
Νείλου τὴν μὲν δυσμικὴν παραποταμίαν ἐχόντων τῶν  
Αιβύων, τὴν δὲ πέραν Αἰθιοπῶν, παρὰ μέρος αὐτῶν  
τὴν ἐπικράτειαν εἶναι τῶν νήσων καὶ τῆς ποταμίας, 30



ἐξελαυνομένων τῶν ἐτέρων καὶ παραχωρούντων τοῖς  
 κρείττοσι γενομένοις. χρῶνται δὲ καὶ τόξοις Αἰθίοπες  
 τετραπήχεσι ξυλίνοις πεπυρακτωμένοις· ὀπλίζουσι δὲ  
 καὶ τὰς γυναῖκας, ὧν αἱ πλείους κεκρίκωνται τὸ χεῖ-  
 5 λος τοῦ στόματος χαλκῷ κρίκῳ· κωδιοφόροι δ' εἰσὶν,  
 ἐρέαν οὐκ ἔχοντες, τῶν προβάτων αἰγοτριχούντων· οἱ  
 δὲ γυμνῆτές εἰσιν, οἱ καὶ περιέζωνται μικρὰ κώδια ἢ  
 τρίχινὰ πλέγματα εὐυφῇ. θεὸν δὲ νομίζουσι τὸν μὲν  
 ἀθάνατον (τοῦτον δ' εἶναι τὸν αἷτιον τῶν πάντων)  
 10 τὸν δὲ θνητὸν ἀνώνυμόν τινα καὶ οὐ σαφεῖ· ὥς δ' ἐπὶ  
 τὸ πολὺ τοὺς εὐεργέτας καὶ βασιλικούς θεοὺς νομί-  
 ζουσι, καὶ τούτων τοὺς μὲν βασιλέας κοινοὺς ἀπάν-  
 των σωτῆρας καὶ φύλακας, τοὺς δ' ἰδιώτας ἰδίως τοῖς  
 εὖ παθοῦσιν ὑπ' αὐτῶν. τῶν δὲ πρὸς τῇ διακεκαυ-  
 15 μένῃ τινὲς καὶ ἄθεοι νομίζονται, οὓς γε καὶ τὸν ἥλιόν  
 φασιν ἐχθαίρειν καὶ κακῶς λέγειν ἐπειδὰν προσίδωσιν  
 ἀνίσχοντα, ὥς καίοντα καὶ πολεμοῦντα αὐτοῖς, κατα-  
 φεύγειν τε εἰς τὰ ἔλη. οἱ δ' ἐν Μερόῃ καὶ Ἡρακλέα  
 καὶ Πᾶνα καὶ Ἰσὶν σέβονται πρὸς ἄλλῳ τινὶ βαρβα-  
 20 ρικῷ θεῷ. τοὺς δὲ νεκροὺς οἱ μὲν εἰς τὸν ποταμὸν  
 ἐκρίπτουσιν, οἱ δ' οἴκοι κατέχουσι περιχέαντες ὕαλον·  
 τινὲς δὲ ἐν κεραμέαις σοροῖς κατορύττουσι κύκλῳ τῶν  
 ἱερῶν, ὅρκον τε τὸν ὑπὲρ αὐτῶν ἀπαιτοῦσι καὶ πάν-  
 των ἀγιστεύουσι μάλιστα. βασιλέας τε καθιστᾷσι τοὺς  
 25 κάλλει διαφέροντας ἢ ἀρετῇ κτηνοτροφίας ἢ ἀνδρείᾳ  
 ἢ πλούτῳ. ἐν δὲ τῇ Μερόῃ κυριωτάτην τάξιν ἐπεῖχον  
 οἱ ἱερεῖς τὸ παλαιόν, οἱ γε καὶ τῷ βασιλεῖ προσέταττον  
 ἔσθ' ὅτε ἀποθνήσκειν πέμψαντες ἄγγελον καὶ καθί-  
 στασαν αὐτ' αὐτοῦ ἕτερον· ὕστερον δὲ κατέλυσέ τις<sup>C.823</sup>  
 30 τῶν βασιλέων τὸ ἔθος, ἐπιὼν μεθ' ὀπλων ἐπὶ τὸ ἱε-

ρόν, ὅπου ὁ χροσοῦς νεὼς ἐστὶ, καὶ τοὺς ἱερέας ἀποσφάξας πάντας. ἔστι δὲ καὶ τοῦτο ἔθος Αἰθιοπικόν· ὅς γὰρ ἂν τῶν βασιλέων πηρωθῇ μέρος τι τοῦ σώματος ὅπως οὖν, τὸ αὐτὸ πάσχουσιν οἱ συνόντες αὐτῷ μάλιστα, οἱ δ' αὐτοὶ καὶ συναποθνήσκουσιν· ἐκ δὲ 5 τούτου φυλακὴ τοῦ βασιλέως ἐστὶ πλείστη παρ' αὐτῶν. περὶ μὲν Αἰθιόπων ἀρκέσει ταῦτα.

- 4 Τοῖς δ' Αἰγυπτιακοῖς καὶ ταῦτα προσθετέον ὅσα ἰδιάζοντα, οἷον ὁ Αἰγύπτιος λεγόμενος κύαμος ἐξ οὗ τὸ κιβώριον, καὶ ἡ βύβλος· ἐνταῦθα γὰρ καὶ παρ' Ἰν- 10 δοῖς μόνον· ἡ δὲ περσέα ἐνταῦθα μόνον καὶ παρ' Αἰθίοψι, δένδρον μέγα, καρπὸν ἔχον γλυκὺν καὶ μέγαν, καὶ ἡ συκάμινος ἡ ἐκφέρουσα τὸν λεγόμενον καρπὸν σνκόμορον· σὺκω γὰρ ἔοικεν· ἄτιμον δ' ἐστὶ κατὰ τὴν γεῦσιν· γίνεται δὲ καὶ τὸ κόρσιον καὶ ὁμοίον τι 15 πεπέρει τράγῃμα, μικρῷ αὐτοῦ μεῖζον. ἰχθύες δ' ἐν τῷ Νεῖλῳ πολλοὶ μὲν καὶ ἄλλοι χαρακτῆρα ἔχοντες ἰδίου καὶ ἐπιχώριον, γνωριμώτατοι δὲ ὅ τε ὀξύρυγχος καὶ ὁ λεπιδωτὸς καὶ λάτος καὶ ἀλάβης καὶ κορακῖνος καὶ χοῖρος καὶ φαργώριος ὃν καὶ φάγγρον καλοῦσιν, ἔτι σί- 20 λουρος κιθαρὸς θρίσσα κεστρεὺς λύχνος φῦσα βοῦς· ὀστρακίων δὲ κοχλῖαι μεγάλοι φωνὴν ὁλολυγόσιν ὁμοίαν φθεγγόμενοι· ξῶα [δ'] ἐπιχώρια καὶ ὁ ἰχνεύμων καὶ ἡ ἀσπὶς ἡ Αἰγυπτία ἰδιόν τι ἔχουσα παρὰ τὰς ἐν 25 ἄλλοις· διττὴ δ' ἐστίν, ἡ μὲν σπιθαμιαία ἥπερ καὶ ὀξυθανατωτέρα, ἡ δ' ἑγγὺς ὀργυιᾶς, ὥς καὶ Νίκανδρος ὁ τὰ θηριακὰ γράψας εἰρηκε· καὶ τῶν ὀρνέων ἴβις καὶ ἰέραξ ὁ Αἰγύπτιος, ἡμερος παρὰ τοὺς ἄλλοις, ὥς καὶ ἡ αἰλουρος· καὶ ὁ νυκτικόραξ ἰδιότροπος ἐν- 30 θάδε· παρ' ἡμῖν μὲν γὰρ ἀετοῦ μέγεθος ἴσχει καὶ φθέγγεται βαρὺ, ἐν Αἰγύπτῳ δὲ κολοιοῦ μέγεθος καὶ φθογγὴ διάφορος· ἡμερώτατον δ' ἡ ἴβις, πελαργώ-



δης μὲν κατὰ σχῆμα καὶ μέγεθος, διττὴ δὲ τὴν χρόαν,  
 ἢ μὲν πελαργώδης ἢ δὲ ὅλη μέλαινα· μεστὴ δ' αὐτῶν  
 ἅπαντα τρίοδος ἐν Ἀλεξανδρείᾳ, πῇ μὲν χρησίμως πῇ  
 δ' οὐ χρησίμως· χρησίμως μὲν ὅτι πᾶν θηρίον ἐκλέ-  
 5 γει καὶ τὰ ἐν τοῖς κρεωπωλίοις καὶ τοῖς ὀψοπωλίοις  
 ἀποκαθάρματα, δυσχρήστως δὲ ὅτι παμφάγον καὶ  
 ἀκάθαρτον καὶ δυσκόλως ἀπειργόμενον ἀπὸ τῶν κα-  
 θαρείων καὶ τῶν ἄλλοτρίων μολυσμοῦ παντός.

Ἀληθὲς δὲ καὶ τὸ Ἡροδότου καὶ ἔστιν Αἴγυπτια· 5  
 10 κὼν τὸ τὸν μὲν πηλὸν ταῖς χερσὶ φρυγᾶν, τὸ δὲ στέαρ  
 τὸ εἰς τὴν ἀρτοποιίαν τοῖς ποσί. καὶ οἱ \* κᾶκεις δὲ C.824  
 ἰδιὸν τι ἄρτου γένος, στατικὸν κοιλίας, καὶ τὸ κῆκι  
 καρπὸς τις σπειρόμενος ἐν ἀρούραις, ἐξ οὗ ἔλαιον  
 ἀποθλίβεται εἰς μὲν λύχνον τοῖς ἀπὸ τῆς χώρας σχε-  
 15 δόν τι πᾶσιν, εἰς ἄλειμμα δὲ τοῖς πενεστέροις καὶ ἐρ-  
 γατικωτέροις καὶ ἀνδράσι καὶ γυναιξί· καὶ τὰ κοῖκινα  
 δὲ πλέγματα Αἴγυπτιακά ἐστι φυτοῦ τινος, ὅμοια τοῖς  
 σχοινίοις ἢ φοινικίοις. τὸ δὲ ζύθος ἰδίως μὲν σκευ-  
 ᾶζεται παρ' ἐκείνοις, κοινὸν δ' ἐστὶ πολλοῖς, καὶ παρ'  
 20 ἐκάστοις δὲ αἱ σκευασίαι διάφοροι. καὶ τοῦτο δὲ τῶν  
 μάλιστα ζηλουμένων παρ' αὐτοῖς τὸ πάντα τρέφειν τὰ  
 γεννώμενα παιδιά καὶ τὸ περιτέμνειν καὶ τὰ θήλεα  
 ἐκτέμνειν, ὅπερ καὶ τοῖς Ἰουδαίοις νόμιμον· καὶ οὗτοι  
 δ' εἰδὼν Αἰγύπτιοι τὸ ἀνέκαθεν, καθάπερ εἰρήκαμεν  
 25 ἐν τῷ περὶ ἐκείνων λόγῳ. φησὶ δ' Ἀριστόβουλος ἐκ  
 τῆς θαλάττης μηδὲν ἀνατρέχειν ὄψον εἰς τὸν Νεῖλον  
 πλὴν κεστρέως καὶ θρίσσης καὶ δελφῖνος διὰ τοὺς κρο-  
 κοδείλους, τοὺς μὲν δελφῖνας διὰ τὸ κρεῖττους εἶναι,  
 τοὺς δὲ κεστρέας τῷ παραπέμπεσθαι ὑπὸ τῶν χοίρων  
 30 παρὰ γῆν κατὰ τινα οἰκείωσιν φυσικὴν· τῶν δὲ χοί-  
 ρων ἀπέχεσθαι τοὺς κροκοδείλους στρογγύλων ὄντων  
 καὶ ἐχόντων ἀκάνθας ἐπὶ τῇ κεφαλῇ φερούσας κίν-

δυνον τοῖς θηρίοις· ἀναθεῖν μὲν οὖν ἕαρος τοὺς κε-  
στρέας γόνον ἔχοντας, μικρὸν δὲ πρὸ δύσεως πλεία-  
δος καταβαίνειν τεξομένους ἀθρόους, ὅτε καὶ ἡ ἄλω-  
σις αὐτῶν γίνεται περιπιπτόντων τοῖς φράγμασιν  
ἀθρόων· τοιαύτην δὲ τινα εἰκάζειν ἔστι καὶ περὶ τῆς 5  
θρίδσης αἰτίαν. ταῦτα καὶ περὶ Αἰγύπτου.

- 3** Περὶ δὲ Λιβύης ἐφεξῆς λέγωμεν, ὅπερ λείπεται  
μέρος τῆς συμπάσης γεωγραφίας. εἴρηται μὲν οὖν καὶ  
πρότερον πολλὰ περὶ αὐτῆς, ἀλλὰ καὶ νῦν ὅσα καίρια  
προσυπομνηστέον, προστιθέντας καὶ τὰ μὴ λεχθέντα 10  
πρότερον. οἱ μὲν οὖν πρὸς τὰς ἡπείρους τὴν οἰκουμέ-  
νην διελόντες ἀνίσως διεῖλον· ἐμφαίνει γὰρ τὸ τριχῇ  
τὸ εἰς τρία ἴσα· τοσοῦτο δ' ἀπολείπεται τοῦ τρίτου  
εἶναι μέρος τῆς οἰκουμένης ἡ Λιβύη ὥστε καὶ συντε-  
θεῖσα μετὰ τῆς Εὐρώπης οὐκ ἂν ἐξισάζειν δόξειε τῇ 15  
Ἀσίᾳ· τάχα δὲ καὶ τῆς Εὐρώπης ἐλάττω ἐστί, κατὰ δὲ  
τὴν δύναμιν καὶ πολλῷ τι· ἔρημος γὰρ ἔστιν ἡ  
πολλὴ τῆς μεσογαίας καὶ τῆς παρωκεανίτιδος, κατοι-  
κίαις δὲ κατάστικτός ἐστι μικραῖς καὶ σποράσι καὶ νο-  
μαδικαῖς ταῖς πλείσταις· πρὸς δὲ τῇ ἐρημίᾳ καὶ τὸ θη- 20  
ριοτρόφον ἐξελαύνει καὶ ἐκ τῆς δυναμένης οἰκεῖσθαι.
- C.825 πολὺ δὲ καὶ τῆς διακεκαυμένης ἐπιλαμβάνει ζώνης. ἡ  
μέντοι καθ' ἡμᾶς εὐδαιμόνως οἰκεῖται πᾶσα παραλία  
ἡ μεταξὺ Νείλου καὶ στηλῶν, καὶ μάλιστα ἡ ὑπὸ Καρ-  
χηδονίοις γενομένη· ἀνδρῖαι δὲ τινες ἀνταῦθα πα- 25  
ρεμπίπτουσιν, οἵαι περὶ τε τὰς Σύρτις καὶ τοὺς Μαρ-  
μαρίδας καὶ τὸν Καταβαθμόν. ἔστι δὲ ὀρθογωνίου  
τριγώνου τὸ σχῆμα, ὥς ἂν τις ἐν ἐπιπέδῳ νοήσῃ, βά-  
σιν μὲν ἔχον τὴν καθ' ἡμᾶς παραλίαν τὴν ἀπὸ τῆς Αἰ-  
γύπτου καὶ Νείλου μέχρι Μαυρουσίας καὶ στηλῶν, 30  
πρὸς ὀρθὰς δὲ ταύτῃ πλευρὰν ἣν ὁ Νεῖλος ποιεῖ μέχρι  
Αἰθιοπίας, προσεκβαλλόντων ἡμῶν ἕως Ὠκεανοῦ,



τὴν δ' ὑποτείνουσιν τῇ ὀρθῇ τὴν παρωκεανῆτιν ἅπα-  
σαν τὴν μεταξὺ Αἰθιοπῶν καὶ Μαυρουσίων. τὸ μὲν  
οὖν κατ' αὐτὴν τὴν κορυφὴν τοῦ λεχθέντος σχήματος  
ἤδη πῶς ὑποπίπτει τῇ διακεκαυμένῃ λέγομεν ἕξ εἰκα-  
5 σμοῦ διὰ τὸ ἀπρόσιτον, ὥστ' οὐδὲ τὸ μέγιστον πλά-  
τος τῆς χώρας ἔχοιμεν ἂν λέγειν· τὸ μέντοι τοσοῦτον  
ἐν τοῖς πρόσθεν λόγοις ἔφραμεν ὅτι ἕξ Ἀλεξανδρείας  
εἰς Μερόην τὸ βασίλειον τῶν Αἰθιοπῶν πρὸς νότον  
ἰόντι σταδίοι εἰσι περὶ μυρίου, ἐκεῖθεν δ' ἐπ' εὐθείας  
10 ἐπὶ τοὺς ὄρους τῆς διακεκαυμένης καὶ τῆς οἰκουμένης  
ἄλλοι τρισχίλιοι· τὸ γοῦν αὐτὸ θετέον τὸ μέγιστον  
πλάτος τῆς Αἰβύης, μυρίου καὶ τρισχιλίους ἢ τετρα-  
κισχιλίους σταδίους, μῆκος δὲ μικρῷ ἔλαττον ἢ δι-  
πλάσιον. τὰ καθ' ὅλου μὲν ταῦτα περὶ Αἰβύης· τὰ  
15 καθ' ἕκαστα δὲ λεκτέον ἀρξαμένοις ἀπὸ τῶν ἐσπερίων  
μερῶν καὶ τῶν ἐπιφανεστέρων.

Οἰκοῦσι δ' ἐνταῦθα Μαυρούσιοι μὲν ὑπὸ τῶν 2  
Ἑλλήνων λεγόμενοι, Μαῦροι δ' ὑπὸ τῶν Ῥωμαίων καὶ  
τῶν ἐπιχωρίων, Αἰβυκὸν ἔθνος μέγα καὶ εὐδαιμον,  
20 ἀντίπορθμον τῇ Ἰβηρίᾳ. κατὰ τοῦτο δὲ καὶ ὁ κατὰ τὰς  
στήλας τὰς Ἡρακλείους πορθμὸς ἐστίν, περὶ οὗ πολλὰ  
εἴρηται. ἔξω δὲ προελθόντι τοῦ κατὰ τὰς στήλας πορθ-  
μοῦ, τὴν Αἰβύην ἐν ἀριστερᾷ ἔχοντι ὄρος ἐστίν, ὅπερ  
οἱ μὲν Ἕλληνες Ἀτλαντα καλοῦσιν οἱ βάρβαροι δὲ Ἀύ-  
25 ριν. ἐντεῦθεν δὲ πρόπους ἐκκείται τις ὕψιστος πρὸς  
δύσιν τῆς Μαυρουσίας αἱ Κώτεις λεγόμεναι· πλησίον  
δὲ καὶ πολίχνιον μικρὸν ὑπὲρ τῆς θαλάττης, ὅπερ  
Τρίγγα καλοῦσιν οἱ βάρβαροι, Ἀύγγα δ' ὁ Ἀρτεμίδω-  
ρος προσηγόρευκε, Ἐρατοσθένους δὲ Λίξον· κεῖται δ'  
30 ἀντίπορθμον τοῖς Γαδείροις ἐν διάρματι σταδίων  
ὀκτακοσίων, ὅσον ἑκάτερα διέχει τοῦ κατὰ τὰς στήλας  
πορθμοῦ· πρὸς νότον δὲ τῇ Λίξῳ καὶ ταῖς Κώτεσι

παράκειται κόλπος Ἐμπορικὸς καλούμενος, ἔχων Φοι-  
 C.826 νικικὰς ἔμπορικὰς κατοικίας. ἔστι μὲν οὖν πᾶσα ἡ συν-  
 εχὴς τῷ κόλπῳ τούτῳ παραλία κολπώδης, ὑπεξαιρου-  
 μένῳ δὲ τοὺς κόλπους καὶ τὰς ἐξοχὰς κατὰ τὸ σχῆμα  
 τὸ τριγωνοειδὲς ὃ ὑπέγραψα, νοεῖσθω μᾶλλον ἐπὶ τὴν 5  
 μεσημβρίαν ἅμα καὶ τὴν ἑω λαμβάνουσα τὴν αὕξησιν  
 ἢ ἡπειρος. τὸ δ' ὅρος διὰ μέσης ἐκτεινόμενον τῆς  
 Μαυρουσίας τὸ ἀπὸ τῶν Κώτεων μέχρι καὶ Σύρτεων  
 οἰκεῖται καὶ αὐτὸ καὶ ἄλλα παράλληλα αὐτῷ κατ' ἀρ-  
 χὰς μὲν ὑπὸ τῶν Μαυρουσίων, ἐν βάθει δὲ τῆς χώρας 10  
 ὑπὸ τοῦ μεγίστου τῶν Λιβυκῶν ἐθνῶν, οἱ Γαίτουλοι  
 λέγονται.

3 Πλεῖστα δὲ πλάσματα τῇ Λιβυκῇ παραλίᾳ τῇ ἐκτὸς  
 προσεφεύσαντο οἱ συγγραφεῖς ἀρξάμενοι ἀπὸ τοῦ  
 Ὀφέλα περίπλου, περὶ ὧν ἐμνήσθημιν πού καὶ πρό- 15  
 τερον, καὶ νῦν δὲ λέγομεν, συγγνώμην αἰτούμενοι τῆς  
 τερατολογίας, εἴαν πού βιασθῶμεν ἐκπεσεῖν εἰς τι τοι-  
 οῦτο, φεύγοντες τὸ πάντα σιγῇ παραπέμπειν καὶ τρό-  
 πον τινὰ πηροῦν τὴν ἱστορίαν. φασὶ δ' οὖν τὸν Ἐμπο-  
 ρικὸν κόλπον ἄντρον ἔχειν εἰς δεχόμενον τὴν θά- 20  
 λατταν ἐν ταῖς πλημμυρίσι μέχρι καὶ ἐπὶ σταδίων,  
 προκείμενον δὲ τούτου ταπεινὸν καὶ ὀμαλὸν χωρίον  
 ἔχον Ἡρακλέους βωμόν, ὃν οὐκ ἐπικλύζεσθαί φασιν  
 ὑπὸ τῆς πλημμυρίδος. ἐν δὲ δὴ τι τῶν πλασμάτων νο-  
 μίζω τοῦτο, ἐγγὺς δὲ τούτῳ τὸ ἐν τοῖς ἐξῆς κόλποις 25  
 κατοικίας λέγεσθαι παλαιὰς Τυρίων, ἃς ἐρήμους εἶναι  
 νῦν, οὐκ ἐλαττόνων ἢ τριακοσίων πόλεων, ἃς οἱ Φα-  
 ρούσιοι καὶ οἱ Νιγριταὶ ἐξεπόρθησαν· διέχειν δὲ τού-  
 τος τῆς Λυγγός φασιν ἡμερῶν τριακόντα ὁδόν.

4 Τὸ μέντοι τὴν Μαυρουσίαν εὐδαίμονα εἶναι χώ- 30  
 ραν πλὴν ὀλίγης ἐρήμου, καὶ ποταμοῖς τε καὶ λίμναις  
 κεχορηγῆσθαι παρὰ πάντων ὁμολογεῖται. μεγαλόδεν-



δρός τε καὶ πολὺδενδρος ὑπερβαλλόντως ἐστὶ καὶ πάμ-  
 φρος· τὰς γοῦν μονοξύλους τραπέζας ποικιλωτάτας  
 καὶ μεγίστας ἐκείνη τοῖς Ῥωμαίοις χορηγεῖ. τοὺς δὲ  
 ποταμοὺς ἔχειν φασὶ καὶ κροκοδείλους καὶ ἄλλα γένη  
 ζῶων ἐμφερῇ τοῖς ἐν τῷ Νείλῳ· τινὲς δὲ καὶ τὰς τοῦ  
 Νείλου πηγὰς πλησιάζειν οἴονται τοῖς ἄκροις τῆς Μαν-  
 ρουσίας. ἐν ποταμῷ δὲ τινι γεννᾶσθαι βδέλλας ἑπτα-  
 πῆχεις, κατατετρημένα ἐχούσας τὰ βραγχία δι' ὧν  
 ἀναπνέουσι. καὶ ταῦτα δὲ λέγουσι περὶ τῆς χώρας ὅτι  
 ἄμπελος φύεται δυσὶν ἀνδράσι τὸ πάχος δυσπερίλη-  
 πτος, βότρυν πηχναῖόν πως ἀποδιδοῦσα· βοτάνη τε  
 ὑψηλὴ πᾶσα καὶ λάχανον \* νεαρὸν καὶ δρακόντιον, οἱ  
 δὲ τῶν σταφυλίνων κανυλοὶ καὶ ἱππομαράθου καὶ σκο-  
 λύμων δωδεκαπῆχεις, τὸ δὲ πάχος παλαιστῶν τεττά-  
 15 ρων· καὶ δρακόντων δὲ καὶ ἐλεφάντων καὶ δορκάδων C.827  
 καὶ βουβάλων καὶ τῶν παραπλησίων ζῶων, λεόντων  
 τε καὶ παρδάλεων, παντοδαπὴ τροφὸς ἢ χώρα ἐστὶ.  
 φέρει δὲ καὶ γαλαῖς αἰλούροις ἴσας καὶ ὁμοίας πλὴν ὅτι  
 τὰ ῥύγχη προπέπτωκε μᾶλλον, πιθήκων τε πάμπλου  
 20 πλῆθος, περὶ ὧν καὶ Ποσειδώνιος εἰρηκεν ὅτι πλέων  
 ἐκ Γαδείρων εἰς τὴν Ἰταλίαν προσενεχθεῖν τῇ Αἰβυκῇ  
 παραλίᾳ καὶ ἴδοι τῶν θηρίων μεστόν τινα τούτων ἀλι-  
 τευῇ θρυμόν, τῶν μὲν ἐπὶ τοῖς δένδροις τῶν δ' ἐπὶ  
 γῆς, ἐχόντων ἐνίων καὶ σκύμνους καὶ ἐπεχόντων μα-  
 25 στόν· γελᾶν οὖν ὄρων βαρυμάστους, ἐνίους δὲ φαλα-  
 κρούς, τοὺς δὲ κηλήτας καὶ ἄλλα τοιαῦτα ἐπιφαίνον-  
 τας σίνη.

Ὑπὲρ ταύτης δ' ἐστὶν ἐπὶ τῇ ἔξω θαλάττῃ ἢ τῶν 5  
 ἐσπερίων καλουμένων Αἰθιοπῶν χώρα κακῶς οἰκου-  
 30 μένη τὸ πλεόν. ἐνταῦθα δὲ καὶ καμηλοπαρδάλεις φη-  
 σὶν \* Ἰφικράτης γεννᾶσθαι καὶ ἐλέφαντας καὶ τοὺς κα-  
 λουμένους ῥίξεις, οἱ ταυροειδεῖς μὲν εἰσι τὴν μορφήν,

κατὰ δὲ τὴν δίαιταν καὶ τὸ μέγεθος καὶ τὴν ἀλκὴν τὴν  
 πρὸς μάχην ἐλέφασιν εἰκόασι· δράκοντάς τε λέγει με-  
 γάλους ὥστε καὶ πόαν ἐπιπεφυκέναι· τοὺς δὲ λέοντας  
 τοῖς πώλοις τῶν ἐλεφάντων ἐπιτίθεσθαι, αἰμάξαντας  
 δὲ φεύγειν ἐπιουσῶν τῶν μητέρων· τὰς δ' ἐπειδὰν 5  
 ἴδωσιν ἡμαγμένους, κτείνουσιν. ἐπανιόντας δὲ τοὺς λέ-  
 οντας ἐπὶ τὰ πτώματα νεκροφαγεῖν. Βόγον δὲ τὸν βα-  
 σιλέα τῶν Μαυρουσίων ἀναβάντα ἐπὶ τοὺς ἐσπερίους  
 Αἰθίοπας καταπέμψαι τῇ γυναικὶ δῶρα καλάμους τοῖς  
 Ἰνδικοῖς ὁμοίους, ὧν ἕκαστον γόνυ χοίνικας χωροῦν 1  
 ὀκτώ· καὶ ἀσπαράγων δ' ἐμφερῇ μεγέθει.

6 Εἰς δὲ τὴν ἐντὸς θάλατταν πλέουσιν ἀπὸ Λυγγὸς  
 πόλις ἐστὶ Ζῆλις καὶ \* Τίγα, εἴτα τῶν ἐπὶ τὰ ἀδελφῶν  
 μνήματα καὶ τὸ ὑπερκείμενον ὄρος ὄνομα Ἀβίλη πο-  
 λύθηρον καὶ μεγαλόδενδρον. τοῦ δὲ κατὰ τὰς στήλας 1  
 πορθμοῦ τὸ μὲν μῆκος λέγεται σταδίων ἑκατὸν εἴκοσι,  
 τὸ δ' ἐλάχιστον πλάτος κατὰ τὸν Ἐλέφαντα ἐξήκοντα.  
 εἰσπλεύσαντι δ' ἐξῆς πόλεις τε καὶ ποταμοὶ πλείους  
 μέχρι Μολοχὰθ ποταμοῦ, ὃς ὀρίζει τὴν Μαυρουσίων  
 καὶ τὴν Μασαισυλίων γῆν. καλεῖται δὲ καὶ ἄκρα με- 20  
 γάλῃ πλησίον τοῦ ποταμοῦ καὶ Μεταγώνιον τόπος  
 ἄνυδρος καὶ λυπρός, σχεδὸν δέ τι καὶ τὸ ὄρος τὸ ἀπὸ  
 τῶν Κώτεων μέχρι δεῦρο παρατείνει· μῆκος δὲ τὸ  
 ἀπὸ τῶν Κώτεων ἐπὶ τοὺς ὄρους τοὺς τῶν Μασαισυ-  
 λίων στάδιοι πεντακισχίλιοι· ἔστι δὲ τὸ Μεταγώνιον 25  
 κατὰ νέαν που Καρχηδόνα ἐν τῇ περαίᾳ· Τιμοσθένης  
 δ' οὐκ εὖ κατὰ Μασσαλίαν φησὶν· ἔστι δ' ἐκ Καρχη-  
 0.828δόνος νέας διάγραμμα εἰς Μεταγώνιον στάδιοι τρισχίλιοι,  
 παράπλους δὲ εἰς Μασσαλίαν ὑπὲρ ἑξακισχιλίων.

7 Οὕτω δ' εὐδαίμονα χώραν οἰκοῦντες τὴν πλείστην 30  
 οἱ Μαυρούσιοι διατελοῦσιν ὅμως καὶ μέχρι δεῦρο τοῦ  
 χρόνου νομαδικῶς ζῶντες οἱ πολλοί. καλλωπίζονται



δ' ὁμῶς κόμης ἐμκλοκῇ καὶ πώγωνι καὶ χρυσοφορίᾳ  
 σμήξει τε ὀδόντων καὶ ὀνυχισμῷ· σπάνιον τε ἂν ἰδοῖς  
 ἀπομένους ἀλλήλων ἐν τοῖς περιπάτοις τοῦ παραμέ-  
 νειν αὐτοῖς ἄθικτον τὸν κόσμον τῶν τριχῶν. μάχονται  
 5 δ' ἱππότες τὸ πλεόν ἀπὸ ἄκοντος, σχοινοχαλίνους χρώ-  
 μενοι τοῖς ἵπποις καὶ γυμνοῖς· ἔχουσι δὲ καὶ μαχαί-  
 ρας· οἱ δὲ πεζοὶ τὰς τῶν ἐλεφάντων δορὰς ὥς ἀσπίδας  
 προβάλλονται· τὰς δὲ τῶν λεόντων καὶ παρδάλεων  
 καὶ ἄρκτων ἀμπεχόνται καὶ ἐγκοιμῶνται. σχεδὸν δέ τι  
 10 καὶ οὗτοι καὶ οἱ ἐφεξῆς Μασαῖσύλιοι καὶ κοινῶς Αἰ-  
 βνες κατὰ τὸ πλεόν ὁμοιόσκενοί εἰσι καὶ τὰ ἄλλα ἐμ-  
 φερεῖς, μικροῖς ἵπποις χρώμενοι, ὀξέσι δὲ καὶ εὐπει-  
 θέσιν ὥστ' ἀπὸ θάβδιου οἰακίζεσθαι· περιτραχήλια  
 δὲ ξύλινα ἢ τρίχινα, ἀφ' ὧν ὁ ῥυτὴρ ἀπήρτηται· ἐνιοὶ  
 15 δὲ καὶ χωρὶς ὀλκῆς ἔπονται ὥς κύνες· πέλτη μικρὰ βυρ-  
 σίνη, πλατύλογχα μικρά, ἄζωστοι πλατύσημοι χιτῶ-  
 νες, ἐπιπόρπημα, ὥς ἔφην, δορὰ καὶ προθωράκιον.  
 Φαρούσιοι δὲ καὶ Νίγρητες οἱ ὑπὲρ τούτων οἰκοῦντες  
 πρὸς τοῖς ἐσπερίοις Αἰθίοψι καὶ τοξεύουσι, καθάπερ  
 20 καὶ οἱ Αἰθίοπες· χρωῶνται δὲ καὶ δρεπανηφόροις ἄρ-  
 μασι· μίσγονται δὲ καὶ τοῖς Μαυρουσίοις οἱ Φαρούσιοι  
 διὰ τῆς ἐρήμου σπανίως, ὑπὸ ταῖς κοιλίαις τῶν ἵππων  
 ὑπαρτῶντες τοὺς ἀσκούς τοῦ ὕδατος· ἔστι δ' ὅτε καὶ  
 εἰς Κίρταν ἀφικνουῦνται διὰ τινων τόπων ἐλωδῶν καὶ  
 25 λιμνῶν. τινὰς δ' αὐτῶν καὶ τρωγλοδυτικῶς οἰκεῖν  
 φασιν ὀρύττοντας τὴν γῆν. λέγεται δὲ κἀνταῦθα τοὺς  
 θερινοὺς ὄμβρους ἐπιπολάζειν, χειμῶνος δὲ εἶναι ἀνυ-  
 δρίαν. ἐνίοις δὲ τῶν ταύτῃ βαρβάρων καὶ ὄφρων καὶ  
 ἰχθύων δοραῖς ἀμπεχόναίς τε καὶ στρώμασι χρῆσθαι.  
 30 τοὺς δὲ Φαρουσίους ἐνιοὶ φασιν Ἰνδοὺς εἶναι τοὺς συγ-  
 κατελθόντας Ἡρακλεῖ δεῦρο. μικρὸν μὲν οὖν πρὸ  
 ἡμῶν οἱ περὶ Βόγον βασιλεῖς καὶ Βόκχον κατεῖχον αὐ-

τήν, φίλοι Ῥωμαίων ὄντες· ἐκλιπόντων δὲ τούτων,  
 Ἰούβας παρέλαβε τὴν ἀρχήν, δόντος τοῦ Σεβαστοῦ  
 Καίσαρος καὶ ταύτην αὐτῷ τὴν ἀρχὴν πρὸς τῇ πατρῷᾳ·  
 υἱὸς δ' ἦν Ἰούβα τοῦ πρὸς Καίσαρα τὸν θεὸν πολεμή- 5  
 σαντος μετὰ Σκιπίωνος. Ἰούβας μὲν οὖν νεωστὶ ἐτε-  
 λεύτα τὸν βίον, διαδέδεκται δὲ τὴν ἀρχὴν υἱὸς Πτολε-  
 μαῖος γεγονὼς ἐξ Ἀντωνίου θυγατρὸς καὶ Κλεοπάτρας.  
 C.829 8 Ἀρτεμίδωρος δ' Ἐρατοσθένει μὲν ἀντιλέγει, διότι  
 Αἷξον τινὰ φησι πόλιν περὶ τὰ ἄκρα τῆς Μαυρουσίας  
 τὰ ἐσπέρια ἀντὶ Λυγγός· Φοινικικὰς δὲ πόλεις κατε- 10  
 σπασμέναις παμπόλλας τινάς, ὧν οὐδὲν ἰδεῖν ἔστιν  
 ἔχνος· ἐν δὲ τοῖς ἐσπερίοις Αἰθίοψι ταῖς τε ὀρθριναῖς  
 ὥραις καὶ ταῖς δειλιναῖς παχεῖς καὶ ἀχλυώδεις εἶναι  
 τοὺς ἀέρας· πῶς γὰρ ἐν ἀνχμώδεσι καὶ καυματηροῖς  
 τόποις ταῦτ' εἶναι; αὐτὸς δὲ τούτων πολὺ χεῖρω λέγει 15  
 περὶ τοὺς αὐτοὺς τόπους· μετανάστας γὰρ τινὰς ἱστο-  
 ρεῖ Λωτοφάγους, οἱ τὴν ἄνυδρον νέμονται, σιτοῖντο  
 δὲ λωτόν, πόαν τινὰ καὶ ῥίζαν, ἀφ' ἧς οὐδὲν δέονται  
 ποτοῦ. παρήκειν δ' αὐτοὺς μέχρι τῶν ὑπὲρ Κυρήνης  
 τόπων· τοὺς δ' ἐκεῖ καὶ γαλακτοποτεῖν καὶ κρεωφα- 20  
 γεῖν, καίπερ ταυτοκλινεῖς ὄντας. καὶ Γαβίνιος δὲ ὁ  
 τῶν Ῥωμαίων συγγραφεὺς οὐκ ἀπέχεται τῆς τερατολο-  
 γίας τῆς περὶ τὴν Μαυρουσίαν· πρὸς γὰρ τῇ Λυγγί  
 Ἀνταίου μνημα ἱστορεῖ καὶ σκελετὸν πηχῶν ἐξήκοντα,  
 ὃν Σερωῶριον γυμνῶσαι καὶ πάλιν ἐπιβαλεῖν γῆν. καὶ 25  
 τὰ περὶ τῶν ἐλεφάντων μυθώδη· φησὶ γὰρ τᾶλλα μὲν  
 θηρία φεύγειν τὸ πῦρ, τοὺς δ' ἐλέφαντας πολεμεῖν  
 καὶ ἀμύνεσθαι, διότι τὴν ὕλην φθείρει· πρὸς δὲ τοὺς  
 ἀνθρώπους διαμάχεσθαι, κατασκόπους προπέμπον-  
 τας, καὶ ὅταν ἴδωσιν ἐκείνους [φεύγοντας], φεύγειν 30

12. post Αἰθίοψι: τοὺς ἀέρας πλατεῖς φήσας



καὶ αὐτοὺς, ἐπειδὴν δὲ τραύματα λάβωσιν, ἱκετηρίαν  
προτείνειν κλάδους ἢ βοτάνην ἢ κόνιν.

Μετὰ δὲ τὴν τῶν Μανρουσίων γῆν ἢ τῶν Μασαι- 9  
συλίων ἐστίν, ἀπὸ τοῦ Μολοχὰθ ποταμοῦ τὴν ἀρχὴν  
5 λαμβάνουσα, τελευτῶσα δὲ ἐπὶ τὴν ἄκραν, ἣ καλεῖται  
[Τρητόν], ὄριον τῆς τε Μασαισύλων καὶ τῆς Μασυλι-  
έων γῆς· στάδιοι δ' εἰσὶν ἀπὸ τοῦ Μεταγωνίου μέχρι  
τοῦ Τρητοῦ ἑξακισχίλιοι· οἱ δ' ἐλάττους φασίν. ἔχει  
δ' ἡ παραλία πόλεις τε πλείους καὶ ποταμοὺς καὶ χώ-  
10 ραν εὐφυῇ, τῶν δ' ἐν ὀνόματι ἀρκεῖ μνησθῆναι. ἔστι  
δὲ πόλις Σίγα ἐν χιλίοις σταδίοις ἀπὸ τῶν λεχθέντων  
ὄρων, βασίλειον Σόφακος· κατέσπασται δὲ νῦν· τὴν  
δὲ χώραν μετὰ Σόφακα κατέσχε Μασανάσσης, εἴτα Μι-  
κίψας, εἴτα καὶ οἱ ἐκεῖνον διαδεξάμενοι, καθ' ἡμᾶς δὲ  
15 Ἰούβας ὁ πατὴρ τοῦ νεωστὶ τελευτήσαντος Ἰούβα· κα-  
τέσπασται δὲ καὶ Ζάμα τὸ τούτου βασίλειον ὑπὸ Ῥω-  
μαίων· μετὰ δὲ τὴν Σίγαν Θεῶν λιμὴν ἐν ἑξακοσίοις  
σταδίοις· εἴτ' ἄλλοι ἄσημοι τόποι. τὰ μὲν οὖν ἐν βά-  
θει τῆς χώρας ὀρεῖνὰ καὶ ἔρημα . . . ἔσθ' ὅτε παρέ-  
20 σπαρται, ἃ κατέχουσιν οἱ Γαίτουλοι μέχρι καὶ Σύρ-  
τεων· τὰ δ' ἐκεῖ πρὸς θαλάττῃ καὶ πεδία εὐδαίμονα  
ἐστὶ καὶ πόλεις πολλὰ καὶ ποταμοὶ καὶ λίμναι.

Ποσειδώνιος δ' οὐκ οἶδ' εἰ ἀληθεύει φήσας ὁλί- C.830  
γοις καὶ μικροῖς διαρρεῖσθαι ποταμοῖς τὴν Λιβύην. 10  
25 αὐτοὺς γάρ, οὓς Ἀρτεμίδωρος εἶρηκε, τοὺς μεταξὺ  
τῆς Λυγγὸς καὶ Καρχηδόνος καὶ πολλοὺς εἶρηκε καὶ  
μεγάλους. ἐν δὲ τῇ μεσογαίᾳ ταῦτ' ἀληθέστερον εἴ-  
πεῖν· εἶρηκε δὲ τούτου τὴν αἰτίαν αὐτός· μὴ γὰρ κα-  
τομβρεῖσθαι τοῖς ἀρκτικοῖς μέρεσι, καθάπερ οὐδὲ τὴν  
30 Αἰθιοπίαν φασί· διὸ πολλάκις λοιμικὰ ἐμπίπτειν ὑπὸ  
αὐχμῶν καὶ τὰς λίμνας τελμάτων πίμπλασθαι καὶ τὴν  
ἀκρίδα ἐπιπολάζειν. ἔτι φησὶ τὰ μὲν ἀνατολικά ὑγρά

εἶναι, τὸν γὰρ ἥλιον ἀνίσχοντα ταχὺ παραλλάττειν, τὰ δ' ἐσπέρια ξηρά, ἐκεῖ γὰρ καταστρέφειν . . . ὑγρὰ γὰρ καὶ ξηρά, τὰ μὲν παρ' ὑδάτων ἀφθονίαν ἢ σπάνιν λέγεται, τὰ δὲ παρὰ τὴν τῶν ἡλίων· βούλεται δὲ λέγειν τὰ παρὰ τοὺς ἡλίους· ταῦτα δὲ πάντες ἀρκητικοῖς 5 καὶ μεσημβρινοῖς κλίμασιν ἀφορίζουσι· καὶ μὴν ἀνατολικά τε καὶ δυσμικά, τὰ μὲν πρὸς τὰς οἰκήσεις λεγόμενα, καθ' ἐκάστην τὴν οἰκῆσιν καὶ τὴν μετὰ πτωσιν τῶν ὀριζόντων ἄλλα καὶ ἄλλα ἐστίν, ὥστ' οὐδ' ἔνεστι καθολικῶς εἰπεῖν ἐπὶ τῶν ἀπεριλήπτων τὸ πλῆθος, ὅτι 10 τὰ μὲν ἀνατολικά ὑγρὰ, τὰ δὲ δυσμικά ξηρά. ὥς δὲ λέγεται πρὸς τὴν οἰκουμένην ὅλην καὶ τὰς ἐσχατίας τὰς τοιαύτας, οἷα καὶ ἡ Ἰνδικὴ καὶ ἡ Ἰβηρία, λέγοι ἂν εἰ ἄρα τὴν τοιαύτην ἀπόφασιν. τίς οὖν ἡ πιθανότης τῆς αἰτιολογίας; ἐν γὰρ περιφορᾷ συνεχεῖ τε καὶ ἀδια- 15 λείπτῳ τοῦ ἡλίου τίς ἂν εἴη καταστροφὴ; τό τε τάχος τῆς παραλλαγῆς πανταχοῦ ἴσον. ἄλλως τε παρὰ τὴν ἐνάργειάν ἐστι, τὰ ἐσχατα τῆς Ἰβηρίας ἢ τῆς Μαυρουσίας τὰ πρὸς δύσιν ξηρὰ λέγειν ἀπάντων μάλιστα· καὶ γὰρ τὸ περιέχον εὐκρατον ἔχει καὶ πλείστων ὑδάτων 20 εὐπορεῖ. εἰ δὲ τὸ καταστρέφειν τοιοῦτον εἴληπται, ὅτι ἐνταῦθα \* τὰ ὕστατα τῆς οἰκουμένης ὑπὲρ γῆς γίνεται, τί τοῦτο συντείνει πρὸς ξηρασίαν; καὶ γὰρ ἐνταῦθα καὶ ἐν τοῖς ἄλλοις τόποις τῆς οἰκουμένης τοῖς ταυτοκλινέσι τὸν ἴσον διαλιπὼν χρόνον τὸν τῆς νυ- 25 κτὸς ἐπάνεισι πάλιν καὶ θερμαίνει τὴν γῆν.

- 11 Ἔστι δὲ που αὐτόθι καὶ ἀσφάλτου πηγὴ καὶ χαλκωρυχεῖα· καὶ σκορπίων δὲ καὶ πτηνῶν καὶ ἀπτέρων λέγεται πλῆθος, μεγέθει δὲ . . . ἐπτασπονδύλων, ὁμοίως δὲ καὶ φαλάγγια καὶ μεγέθει καὶ πλήθει διαφέροντα· 30 σαύρας δὲ διπήχεις φασίν. ἐν μὲν οὖν τῇ παρορείῳ λίθους εὐρίσκεσθαι φασὶ τοὺς λυχνίτας καὶ καρχηδο-



νίους λεγομένους· ἐν δὲ τοῖς πεδίοις ὄστρακίων καὶ  
 χηραμύδων πλήθος, οἷον ἐν τοῖς περὶ τοῦ Ἄμμωνος  
 λόγοις εἰρήκαμεν· καὶ δένδρον δέ ἐστι μελίλωτον κα- C.831  
 λούμενον, ἐξ οὗ σκευάζουσιν οἶνον· τινὲς δ' αὐτῶν  
 5 καὶ δίκαρπον ἔχουσι τὴν γῆν, καὶ δύο θεριστικὰ καρ-  
 ποῦνται, τὰ μὲν θερινὰ τὰ δ' ἔαρινά· ἔστι δὲ ἡ καλάμη  
 πεντάπηχυς τὸ ὕψος, πάχος δὲ τοῦ μικροῦ δακτύλου,  
 τὸν δὲ καρπὸν διακοσιοκαίτετρακοντάχουν ἀποδί-  
 δωσι· τοῦ δὲ ἔαρος οὐδὲ σπείρουσιν, ἀλλὰ παλιούροις  
 0 συνδεδεμέναις ἐπικαταψήσαντες τὴν χώραν τῷ ἔκπε-  
 σόντι στάχυι κατὰ τὸν θερισμὸν ἀρκοῦνται· τελεσι-  
 καρπεῖ γὰρ τὸν θερινὸν καρπὸν. διὰ δὲ το πλῆθος τῶν  
 θηρίων κνημῖδας ἔχοντες ἐργάζονται καὶ τᾶλλα δὲ μέρη  
 διφθεροῦνται· καθεύδοντες δὲ περιχρῶνται τοὺς κλι-  
 15 νόποδας σκοροδοῖς τῶν σκορπίων χάριν καὶ παλιού-  
 ροις περιδοῦσιν.

Ἐν δὲ τῇ παραλία ταύτῃ πόλις Ἰῶλ ὄνομα, ἣν ἐπι- 12  
 κτίσας Ἰούβας ὁ τοῦ Πτολεμαίου πατὴρ μετωνόμασε  
 Καισάρειαν, ἔχουσα καὶ λιμένα καὶ πρὸ τοῦ λιμένος  
 20 νησίον. μεταξὺ δὲ τῆς Καισαρείας καὶ τοῦ Τρητοῦ μέ-  
 γας ἐστὶ λιμὴν, ὃν Σάλδαν καλοῦσι· τοῦτο δ' ἐστὶν  
 ὄριον τῆς ὑπὸ τῷ Ἰούβᾳ καὶ τῆς ὑπὸ τοῖς Ῥωμαίοις·  
 πολυτρόπως γὰρ οἱ μερισμοὶ γεγέννηται τῆς χώρας,  
 ἅτε τῶν νεμομένων αὐτὴν πλειόνων γενομένων καὶ  
 25 τῶν Ῥωμαίων ἄλλοτ' ἄλλως τούτων τοῖς μὲν φίλοις  
 χρωμένων, τοῖς δὲ καὶ πολεμίοις, ὥστε καὶ ἀφαιρεῖσθαι  
 καὶ χαρίζεσθαι συνέβαινεν ἄλλοις ἄλλα καὶ οὐ τὸν αὐ-  
 τὸν τρόπον. ἦν δὲ ἡ μὲν πρὸς τῇ Μαυρουσίᾳ προσοδι-  
 κωτέρα τε καὶ δυναμικωτέρα, ἡ δὲ πρὸς τῇ Καρχηδονίᾳ  
 30 καὶ τῇ Μασυλιέων ἀνθηροτέρα τε καὶ κατεσκευασμένη  
 βέλτιον, καίπερ κεκακωμένη διὰ τὰ Καρχηδόνια τὸ  
 πρῶτον, ἔπειτα διὰ τὸν πρὸς Ἰουγούρθην πόλεμον·

τοῦτον τὸν πόλεμον, πόλεις μὲν εἶχον τριακοσίας ἐν τῇ  
 Λιβύῃ, ἀνθρώπων δ' ἐν τῇ πόλει μυριάδας ἑβδομή-  
 κοντα· πολιορκούμενοι δὲ καὶ ἀναγκασθέντες τραπέ-  
 σθαι πρὸς ἔνδοσιν πανοπλιῶν μὲν ἔδοσαν μυριάδας  
 εἴκοσι καταπελτικά δὲ ὄργανα τρισχίλια, ὥς οὐ πολε- 5  
 μηθησόμενοι. κριθέντος δὲ πάλιν τοῦ ἀναπολεμεῖν,  
 ἐξαίφνης ὀπλοποιῶν συνεστήσαντο, καὶ ἐκάστης ἡμέ-  
 ρας ἀνεφέροντο θυρεοὶ μὲν ἑκατὸν καὶ τετταράκοντα  
 πεπηγότες, μάχαιραι δὲ τριακόσiai καὶ λόγχαι πεντα-  
 κόσiai, χίλια δὲ βέλη καταπελτικά, τρίχα δὲ τοῖς κατα- 1  
 πέλταις αἰθεράπαιλαι παρεῖχον· ἔτι τοίνυν ναῦς ἔχον-  
 τες δώδεκα ἐξ ἑτῶν πεντήκοντα κατὰ τὰς ἐν τῷ δευτέρῳ  
 πολέμῳ συνθήκας, τότε καίπερ ἤδη συμπεφευγότες εἰς  
 τὴν Βύρσαν ἐν διμήνῳ κατεσκευάσαντο ναῦς ἑκατὸν  
 εἴκοσι καταφράκτους, καὶ τοῦ στόματος τοῦ Κώθωνος 1  
 φρουρουμένου διώρουξαν ἄλλο στόμα, καὶ προήλθεν  
 αἰφνιδίως ὁ στόλος· ὕλη γὰρ ἦν ἀποκειμένη παλαιὰ  
 καὶ τεχνιτῶν πλήθος προσεδρεῦον καὶ σιταρχούμενον  
 δημοσίᾳ. τοιαύτη δ' οὕσα Καρχηδὼν ὅμως ἐάλω καὶ  
 κατεσκάφη. τὴν δὲ χώραν τὴν μὲν ἐπαρχίαν ἀπέδειξαν 2  
 Ῥωμαῖοι τὴν ὑπὸ τοῖς Καρχηδονίοις, τῆς δὲ Μασσανάσ-  
 σην ἀπέδειξαν κύριον καὶ τοὺς ἀπογόνους τοὺς περὶ  
 Μικίψαν. μάλιστα γὰρ ἐσπουδάσθη παρὰ τοῖς Ῥω-  
 μαίοις ὁ Μασσανάσσης δι' ἀρετὴν καὶ φιλίαν· καὶ γὰρ  
 δὴ καὶ οὗτός ἐστιν ὁ τοὺς νομάδας πολιτικούς κατα- 25  
 σκευάσας καὶ γεωργούς, ἔτι δ' ἀντὶ τοῦ ληστεύειν δι-  
 δάξας στρατεύειν. ἰδίον γὰρ τι τοῖς ἀνθρώποις συνέβη  
 τούτοις· χώραν γὰρ οἰκοῦντες εὐδαίμονα πλὴν τοῦ  
 θηρίοις πλεονάζειν, ἐάσαντες ἐκφέρειν ταῦτα καὶ τὴν  
 γῆν ἐργάζεσθαι μετὰ ἀδείας ἐπ' ἀλλήλοις ἐτρέποντο, 30  
 τὴν δὲ γῆν τοῖς θηρίοις ἀφείσαν. οὕτω δ' αὐτοῖς συνέ-  
 βαινε πλάνητα καὶ μετανάστην βίον ζῆν μηδὲν ἥττον



τῶν ὑπὸ ἀπορίας καὶ λυπρότητος τόπων ἢ ἀέρων εἰς τοῦτο περισταμένων τῶν βίων, ὥστε καὶ ἴδιον τοῦθ' εὐρίσκεσθαι τοῦνομα τοὺς Μασαισυλίους· καλοῦνται γὰρ Νομάδες. ἀνάγκη δὲ τοὺς τοιούτους εὐτελεῖς εἶναι  
 5 τοῖς βίοις καὶ τὸ πλέον ῥιζοφάγους ἢ κρεοφάγους, γάλακτι δὲ καὶ τυρῷ τρεφομένους. ἡρημωμένης δ' οὖν ἐπὶ πολὺν χρόνον τῆς Καρχηδόνος, καὶ σχεδόν τι τὸν αὐτὸν χρόνον ὥνπερ καὶ Κόρινθος, ἀνελήφθη πάλιν περὶ τοὺς αὐτοὺς πῶς χρόνους ὑπὸ Καίσαρος τοῦ θεοῦ  
 10 πέμψαντος ἐποίκους Ῥωμαίων τοὺς προαιρουμένους καὶ τῶν στρατιωτῶν τινας, καὶ νῦν εἴ τις ἄλλη καλῶς οἰκεῖται τῶν ἐν Λιβύῃ πόλεων.

Διάπλους δ' ἐστὶν ἐκ Καρχηδόνος ἐξήκοντα στα-  
 δίων εἰς τὴν προσεχῆ περαίαν, ὅθεν εἰς Νέφεριν ἀνά-  
 15 βασίς σταδίων ἑκατὸν εἴκοσι, πόλιν ἐρυνμὴν ἐπὶ πέτρᾳ ὠκισμένην. ἐν αὐτῷ δὲ τῷ κόλπῳ ἐν ᾧ περ καὶ ἡ Καρχηδὼν, Τύνις ἐστὶ πόλις καὶ θερμὰ καὶ λατομίαι τινές· εἶθ' ἡ Ἐρμαία ἄκρα τραχεῖα καὶ ἐπ' αὐτῇ πόλις ὁμώνυμος· εἶτα Νεάπολις· εἶτ' ἄκρα Ταφίτις, καὶ ἐπ'  
 20 αὐτῇ λόφος Ἀσπὶς καλούμενος ἀπὸ τῆς ὁμοιότητος, ὥνπερ συνῴκισεν ὁ τῆς Σικελίας τύραννος Ἀγαθοκλῆς καθ' ὃν καιρὸν ἐπέπλευσε τοῖς Καρχηδονίοις· συγκατεσπάσθησαν δὲ τῇ Καρχηδονίᾳ ὑπὸ Ῥωμαίων αἱ πόλεις αὗται. ἀπὸ δὲ τῆς Ταφίτιδος ἐν τετρακοσίοις στα-  
 25 δίοις νῆσός ἐστι Κόρσουρος κατὰ Σελινούντα τῆς Σικελίας ποταμόν, καὶ πόλιν ἔχουσα ὁμώνυμον, ἑκατὸν

12. post πόλεων: Κατὰ μέσον δὲ τὸ στόμα τοῦ Καρχηδονίου κόλπου νῆσός ἐστι Κόρσουρα. ἀντίπορθμος δ' ἐστὶν ἡ Σικελία τοῖς τόποις τούτοις ἢ κατὰ Λιλύβαιον, ὅσον ἐν διαστήματι χιλίων καὶ πεντακοσίων σταδίων· τοσοῦτον γὰρ φασὶ τὸ ἐκ Λιλυβαίου μέχρι Καρχηδονος· οὐ πολὺ δὲ τῆς Κόρσουρας διέχουσιν οὐδὲ τῆς Σικελίας ἄλλαι τε νῆσοι καὶ Αἰγίμουρος.

καὶ πεντήκοντα σταδίων οὕσα τὴν περίμετρον, διέ-  
χουσα τῆς Σικελίας περὶ ἑξακοσίους σταδίους· ἔστι δὲ  
καὶ Μελίτη νῆσος ἐν πεντακοσίοις σταδίοις ἀπὸ τῆς  
Κοσσοῦρου. εἶτα Ἀδρύμης πόλις, ἐν ᾗ καὶ νεώρια ἦν·  
εἶθ' αἱ Ταριχεῖαι λεγόμεναι, νησία πολλὰ καὶ πυκνά· 5  
εἶτα Θάψος πόλις, καὶ μετὰ ταύτην νῆσος πελαγία Λο-  
παδοῦσσα· εἶτα ἄκρα Ἀμμωνος .... Βαλίθωνος, πρὸς  
ἣ Ὀυννοσκοπεῖον· εἶτα Θένα πόλις παρὰ τὴν ἀρχὴν  
κειμένη τῆς μικρᾶς σύρτεως· πολλαὶ δ' εἰσὶ καὶ ἄλλαι  
μεταξὺ πολίχναι οὐκ ἄξιαι μνήμης· παράκειται δὲ τῇ 10  
ἀρχῇ τῆς σύρτεως νῆσος παραμήκης ἡ Κέρκιννα εὐ-  
μεγέθης ἔχουσα ὁμώνυμον πόλιν, καὶ ἄλλη ἐλάττων  
Κερκιννίτις.

- 17 Συνεχῆς δ' ἔστιν ἡ μικρὰ σύρτις, ἣν καὶ Λωτοφα-  
γίτιν σύρτιν λέγουσιν. ἔστι δ' ὁ μὲν κύκλος τοῦ κόλ- 15  
που τούτου σταδίων χιλίων ἑξακοσίων, τὸ δὲ πλάτος  
τοῦ στόματος ἑξακοσίων· καθ' ἑκατέραν [δὲ] τὴν ἄκραν  
τὴν ποιοῦσαν τὸ στόμα προσεχεῖς εἰσὶ τῇ ἡπείρῳ νῆσοι,  
ἣ τε λεχθεῖσα Κέρκιννα καὶ ἡ Μῆνιγξ, πάρισοι τοῖς  
μεγέθεσι. τὴν δὲ Μῆνιγγα νομίζουσιν εἶναι τὴν τῶν 20  
Λωτοφάγων γῆν τὴν ὑφ' Ὀμήρου λεγομένην, καὶ δει-  
κνυταί τινα σύμβολα, καὶ βωμὸς Ὀδυσσεύως καὶ αὐτὸς  
ὁ καρπός· πολὺ γάρ ἐστι τὸ δένδρον ἐν αὐτῇ τὸ κα-  
λούμενον λωτόν, ἔχον ἥδιστον καρπόν· πλείους δ'  
εἰσὶν ἐν αὐτῇ πολίχναι, μία δ' ὁμώνυμος τῇ νήσῳ· καὶ 25  
C.835 ἐν αὐτῇ δὲ τῇ σύρτει πολίχναι τινές εἰσι. κατὰ δὲ τὸν  
μυχὸν ἔστι παμμέγεθες ἐμπόριον, ποταμὸν ἔχον ἐμ-  
βάλλοντα εἰς τὸν κόλπον. διατείνει δὲ μέχρι δεῦρο τὰ  
τῶν ἀμπώτεων πάθη καὶ τῶν πλημμυρίδων, καθ' ὃν  
καιρὸν ἐπὶ τὴν θήραν τῶν ἰχθύων ἐπιπηδῶσιν οἱ 30  
πρόσχωροι κατὰ σπουδὴν θέοντες.

- 18 Μετὰ δὲ τὴν σύρτιν Ζοῦχίς ἔστι λίμνη σταδίων



τετρακοσίῳ στενὸν ἔχουσα εἴσπλουν καὶ παρ' αὐτὴν  
 πόλις ὁμώνυμος πορφυροβαφεῖα ἔχουσα καὶ ταριχείας  
 παντοδαπὰς· εἴτ' ἄλλη λίμνη πολὺ ἐλάττων· καὶ μετὰ  
 ταύτην Ἀβρότονον πόλις καὶ ἄλλαι τινές, συνεχῶς δὲ  
 5 Νεάπολις, ἣν καὶ Λέπτιν καλοῦσιν· ἐντεῦθεν δ' ἐστὶ  
 διάγραμμα τὸ Λοκρῶν τῶν Ἐπιζεφυρίων τρισχίλιοι ἑξα-  
 κόσιοι στάδιοι. ἑξῆς δ' ἐστὶ [Κίνυψ] ποταμός· καὶ  
 μετὰ ταῦτα διατείχισμά τι, ὃ ἐποίησαν Καρχηδόνιοι  
 γεφυροῦντες βάραθρά τινα εἰς τὴν χώραν ἀνέχοντα·  
 10 εἰσὶ δὲ καὶ ἀλίμενοί τινες ἐνταῦθα τόποι, τῆς ἄλλης  
 παραλίας ἐχούσης λιμένας· εἴτ' ἄκρα ὑψηλὴ καὶ ὑλώ-  
 δης, ἀρχὴ τῆς μεγάλης σύρτεως, καλοῦσι δὲ Κεφαλὰς·  
 εἰς ταύτην δὲ τὴν ἄκραν ἐκ Καρχηδόνης στάδιοι εἰσι  
 μικρῷ πλείους τῶν πεντακισχιλίων.  
 15 Ὑπέρκειται δὲ τῆς ἀπὸ Καρχηδόνης παραλίας 19  
 μέχρι Κεφαλῶν καὶ μέχρι τῆς Μασαισυλίων ἢ τῶν Λι-  
 βοφουνίκων γῆς μέχρι τῆς τῶν Γαιτούλων ὀρεινῆς ἤδη  
 Λιβυκῆς οὔσης. ἢ δ' ὑπὲρ τῶν Γαιτούλων ἐστὶν ἢ τῶν  
 Γαραμάντων γῆς παράλληλος ἐκείνη, ὅθεν οἱ καρχη-  
 20 δόνιοι κομίζονται λίθοι· τοὺς δὲ Γαράμαντας ἀπὸ τῶν  
 Αἰθιοπῶν τῶν παρωκεανιτῶν ἀφεστάναι φασὶν ἡμε-  
 ρῶν ἑννέα ἢ καὶ δέκα ὁδόν, τοῦ δὲ Ἀμμωνος καὶ πεν-  
 τεκαίδεκα. μετὰξὺ δὲ τῆς Γαιτούλων καὶ τῆς ἡμετέρας  
 παραλίας πολλὰ μὲν πεδία, πολλὰ δὲ ὄρη καὶ λίμναι  
 25 μεγάλαι καὶ ποταμοί, ὧν τινες καὶ καταδύντες ὑπὸ γῆς  
 ἀφανεῖς γίνονται· λιτοὶ δὲ σφόδρα τοῖς βίοις εἰσὶ καὶ  
 τῷ κόσμῳ, πολυγύναικες δὲ καὶ πολὺπαιδες, τᾶλλα δὲ  
 ἐμφερεῖς τοῖς νομάσι τῶν Ἀράβων· καὶ ἵπποι δὲ καὶ  
 βόες μακροτραχηλότεροι τῶν παρ' ἄλλοις· ἵπποφορ-  
 30 βια δ' ἐστὶν ἐσπουδασμένα διαφερόντως τοῖς βασιλεῦ-

σιν, ὥστε καὶ ἀριθμὸν ἐξετάζεσθαι πῶλων κατ' ἔτος εἰς μυριάδας δέκα. τὰ δὲ πρόβατα γάλακτι καὶ κρέασιν ἐκτρέφεται, καὶ μάλιστα πρὸς τοῖς Αἰθίοψι. τοιαῦτα μὲν τὰ ἐν τῇ μεσογαίᾳ.

- 20 Ἡ δὲ μεγάλη σύρτις τὸν μὲν κύκλον ἔχει σταδίων 5 [τρισχιλίων] ἑνακοσίῳν τριάκοντά που, τὴν δ' ἐπὶ τὸν μυχὸν διάμετρον χιλίων πεντακοσίῳν, τοσοῦτον δέ που καὶ τὸ τοῦ στόματος πλάτος. ἡ χαλεπότης δὲ καὶ ταύτης τῆς σύρτεως καὶ τῆς μικρᾶς ..... ὅτι πολλαχοῦ τενα-  
C.836 γῶδης ἐστὶν ὁ βυθὸς καὶ κατὰ τὰς ἀμπώτεις καὶ τὰς 10 πλημμυρίδας συμβαίνει τισὶν ἐμπίπτειν εἰς τὰ βράχη καὶ καθίξειν, σπάνιον δ' εἶναι τὸ σωζόμενον σκάφος. διόπερ πόρρωθεν τὸν παράπλουν ποιοῦνται φυλαττόμενοι μὴ ἐμπέσοιεν εἰς τοὺς κόλπους ὑπ' ἀνέμων ἀφύλακτοι ληφθέντες· τὸ μέντοι παρακίνδυνον τῶν ἀν- 15 θρώπων ἀπάντων διαπειρᾶσθαι ποιεῖ, καὶ μάλιστα τῶν παρὰ γῆν παράπλων. εἰσπλέοντι δὴ τὴν μεγάλην σύρτιν ἐν δεξιᾷ μετὰ τὰς Κεφαλὰς ἔστι λίμνη τριακοσίῳν που σταδίων τὸ μῆκος ἐβδομήκοντα δὲ τὸ πλάτος, ἐκδιδοῦσα εἰς τὸν κόλπον, ἔχουσα καὶ νησία καὶ 20 ὕφορμον πρὸ τοῦ στόματος. μετὰ δὲ τὴν λίμνην τόπος ἐστὶν Ἀσπὶς καὶ λιμὴν κάλλιστος τῶν ἐν τῇ σύρτει. συνεχῆς δὲ ὁ Εὐφράντας πύργος ἐστίν, ὄριον τῆς πρό- τερον Καρχηδονίας γῆς καὶ τῆς Κυρηναίας τῆς ὑπὸ Πτολεμαίῳ· εἴτ' ἄλλος τόπος Χάραξ καλούμενος, ᾧ 25 ἐμπορίῳ ἐχρῶντο Καρχηδόνιοι κομίζοντες οἶνον, ἀντιφορτιζόμενοι δὲ ὀπὸν καὶ σίλφιον παρὰ τῶν ἐκ Κυρήνης λάθρα παρακομιζόντων· εἴθ' οἱ Φιλαίνων βωμοί· καὶ μετὰ δὲ τούτους Αὐτόμαλα φρούριον φυλακὴν ἔχον, ἰδρυμένον κατὰ τὸν μυχὸν τοῦ κόλπου παντός. 30 ἔστι δ' ὁ διὰ τοῦ μυχοῦ τούτου παράλληλος τοῦ μὲν δι' Ἀλεξανδρείας μικρῷ νοτιώτερος χιλίοις σταδίοις, τοῦ



δὲ διὰ Καρχηδόνης ἐλάττοσιν ἢ δισχιλίους· πίπτοι δ' ἂν τῇ μὲν καθ' Ἡρώων πόλιν τὴν ἐν τῷ μυχῶ τοῦ Ἀραβίου κόλπου, τῇ δὲ κατὰ τὴν μεσόγαιαν τῶν Μασισυλίων καὶ τῶν Μαυρουσίων· ὅπου τὸ λειπόμενον 5 ἤδη τῆς παραλίας ἐστὶν εἰς πόλιν Βερενίκην στάδιοι χίλιοι πεντακόσιοι. ὑπέρκεινται δὲ τοῦ μήκους τοῦδε παρήκοντες καὶ μέχρι τῶν Φιλαίνου βωμῶν οἱ προσαγορευόμενοι Νασαμῶνες, Λιβυκὸν ἔθνος· ἔχει δὲ το μεταξὺ διάστημα καὶ λιμένας οὐ πολλοὺς ὑδρεῖά τε 10 σπάνια. ἔστι δὲ ἄκρα λεγομένη Ψευδοπενιάς, ἐφ' ἧς ἡ Βερενίκη τὴν θέσιν ἔχει παρὰ λίμνην τινὰ Τριτωνίδα, ἐν ἣ ῥά μάλιστα νησίον ἐστὶ καὶ ἱερὸν τῆς Ἀφροδίτης ἐν αὐτῷ· ἔστι δὲ καὶ λίμνη Ἑσπερίδων, καὶ ποταμὸς ἐμβάλλει Λάθων. ἐνδοτέρω δὲ τῆς Βερενίκης ἐστὶ τὸ 15 μικρὸν ἀκρωτήριον λεγόμενον Βόρειον ὃ ποιεῖ τὸ στόμα τῆς σύρτεως πρὸς τὰς Κεφαλὰς· κεῖται δὲ ἡ Βερενίκη κατὰ τὰ ἄκρα τῆς Πελοποννήσου, κατὰ τὸν καλούμενον Ἰχθύνη [καὶ τὸν Χελωνάταν,] καὶ ἐτι κατὰ τὴν Ζάκυνθον, ἐν διάρματι σταδίων τρισχιλίων ἑξακοσίων. ἐκ ταύτης 20 τῆς πόλεως τριακοσταῖος πεζῇ περιώδευσε τὴν σύρτιν Μάρκος Κάτων, κατὰ γων στρατιὰν πλειόνων ἢ μυρίων ἀνδρῶν, εἰς μέρη διελὼν τῶν ὑδρείων χάριν· ὥδευσε δὲ πεζὸς ἐν ἄμμῳ βαθείᾳ καὶ καύμασι. μετὰ δὲ Βερενίκην πόλις ἐστὶ Τάυχειρα ἣν καὶ Ἀρσινόην καλοῦσιν· 25 εἴθ' ἡ Βάρκη πρότερον, νῦν δὲ Πτολεμαῖς· εἴτα Φυ-C.837 κοῦς ἄκρα, ταπεινὴ μὲν πλεῖστον δ' ἐκκειμένη πρὸς ἄρκτον παρὰ τὴν ἄλλην τὴν Λιβυκὴν παραλίαν· κεῖται δὲ κατὰ Ταίναρον τῆς Λακωνικῆς ἐν διάρματι δισχιλίων ὀκτακοσίων σταδίων· ἔστι δὲ καὶ πολίχνην ὁμώνυμον

5. post στάδιοι : ἑννακισ 6. post τοῦδε : πλάτους 22. ante εἰς : ὃ

τῇ ἄκρᾳ. οὐ πολὺ δὲ τοῦ Φυκοῦντος ἀπέχει τὸ τῶν  
 Κυρηναίων ἐπίνειον ἢ Ἀπολλωνία, ὅσον ἑκατὸν καὶ  
 ἑβδομήκοντα σταδίοις, τῆς δὲ Βερενίκης χιλίοις, τῆς δὲ  
 Κυρήνης ὀγδοήκοντα, πόλεως μεγάλης ἐν τραπεζοειδεῖ  
 πεδίῳ κειμένης, ὥς ἐκ τοῦ πελάγους ἑωρῶμεν αὐτήν. 5

21 ἔστι δὲ Θηραίων κτίσμα, Λακωνικῆς νήσου, ἣν καὶ  
 Καλλίστην ὠνόμαζον τὸ παλαιόν, ὥς φησι καὶ Καλλί-  
 μαχος „Καλλίστη τὸ πάροιθε, τὸ δ' ὕστερον οὖνομα  
 „Θήρη, μήτηρ εὐίππου πατρίδος ἡμετέρης.“ κεῖται δὲ  
 τὸ τῶν Κυρηναίων ἐπίνειον κατὰ τὸ ἐσπέριον τῆς 10  
 Κρήτης ἄκρον, τὸ τοῦ Κριοῦ μέτωπον, ἐν διάρματι  
 [δισ]χιλίων σταδίων· ὁ δὲ πλοῦς λευκονότῳ. λέγεται  
 δὲ ἡ Κυρήνη κτίσμα Βάττου· πρόγονον δὲ τοῦτον  
 ἑαυτοῦ φάσκει Καλλίμαχος· ἠϋξήθη δὲ διὰ τὴν ἀρετὴν  
 τῆς χώρας· καὶ γὰρ ἵπποτρόφος ἐστὶν ἀρίστη καὶ καλ- 15  
 λίκαρπος, καὶ πολλοὺς ἄνδρας ἀξιολόγους ἔσχε καὶ δυ-  
 ναμένους ἐλευθερίας ἀξιολόγως προϊδασθαι καὶ πρὸς  
 τοὺς ὑπερκειμένους βαρβάρους ἰσχυρῶς ἀντέχειν. τὸ  
 μὲν οὖν παλαιὸν αὐτόνομος ἦν ἡ πόλις· εἴτα οἱ τὴν  
 Αἴγυπτον κατασχόντες Μακεδόνες αὐξηθέντες ἐπέ- 20  
 θευτο αὐτοῖς, ἀρξάντων τῶν περὶ Θίβρωνα τῶν ἀνε-  
 λόντων τὸν Ἄρπαλον. βασιλευθέντες δὲ χρόνους τινὰς  
 εἰς τὴν Ῥωμαίων ἐξουσίαν ἦλθον, καὶ νῦν ἐστὶν ἐπαρ-  
 χία τῇ Κρήτῃ συνεξευγμένη· τῆς δὲ Κυρήνης ἐστὶ πε-  
 ριπόλια ἢ τε Ἀπολλωνία καὶ ἡ Βάρκη καὶ ἡ Ταύχειρα 25

22 καὶ Βερενίκη καὶ τὰ ἄλλα πολίχνια τὰ πλησίον. ὁμορεῖ  
 δὲ τῇ Κυρηναίᾳ ἢ τὸ σίλφιον φέρουσα καὶ τὸν ὀπὸν  
 τὸν Κυρηναῖον, ὃν ἐκφέρει τὸ σίλφιον ὀπισθεν· ἐγγὺς  
 δ' ἦλθε τοῦ ἐκλιπεῖν ἐπελθόντων τῶν βαρβάρων κατὰ  
 ἑχθραν τινὰ καὶ φθειράντων τὰς ῥίζας τοῦ φυτοῦ· 30  
 εἰσὶ δὲ νομάδες.

Ἄνδρες δ' ἐγένοντο γνώριμοι Κυρηναῖοι Ἀρίστιπ-



πός τε ὁ Σωκρατικός, ὅστις καὶ τὴν Κυρηναϊκὴν κατε-  
 βάλετο φιλοσοφίαν, καὶ θυγάτηρ Ἀρήτη τοῦνομα, ἣπερ  
 διεδέξατο τὴν σχολήν, καὶ ὁ ταύτην πάλιν διαδεξάμε-  
 νος υἱὸς Ἀρίστιππος ὁ κληθεὶς Μητροδίδακτος, καὶ  
 5 Ἀννίκερις ὁ δοκῶν ἐπανορθῶσαι τὴν Κυρηναϊκὴν αἵ-  
 ρεσιν καὶ παραγαγεῖν αὐτ' αὐτῆς τὴν Ἀννικερίαν.  
 Κυρηναῖος δ' ἐστὶ καὶ Καλλίμαχος καὶ Ἐρατοσθένης, C.838  
 ἀμφότεροι τετιμημένοι παρὰ τοῖς Αἰγυπτίω βασιλεῦ-  
 σιν, ὁ μὲν ποιητὴς ἅμα καὶ περὶ γραμματικὴν ἐσπου-  
 10 δακῶς, ὁ δὲ καὶ ταῦτα καὶ περὶ φιλοσοφίαν καὶ τὰ μα-  
 θήματα εἴ τις ἄλλος διαφέρων. ἀλλὰ μὴν καὶ Καρνεά-  
 δης (οὗτος δὲ τῶν ἐξ Ἀκαδημίας ἄριστος φιλοσόφων  
 ὁμολογεῖται) καὶ ὁ Κρόνος δὲ Ἀπολλώνιος ἐκεῖθεν  
 ἐστίν, ὁ τοῦ διαλεκτικοῦ Διοδώρου διδάσκαλος τοῦ καὶ  
 15 αὐτοῦ Κρόνου προσαγορευθέντος, μετενεγκάντων τι-  
 νῶν τὸ τοῦ διδασκάλου ἐπίθετον ἐπὶ τὸν μαθητὴν.

Μετὰ δὲ τὴν Ἀπολλωνίαν ἐστὶν ἡ λοιπὴ τῶν Κυρη-  
 ναίων παραλία μέχρι Καταβαθμοῦ σταδίων δισχιλίων  
 διακοσίων, οὐ πάνυ εὐπαράπλους· καὶ γὰρ λιμένες  
 20 ὀλίγοι καὶ ὕφορμοι καὶ κατοικίαι καὶ ὕδρεϊα. τῶν δὲ μά-  
 λιστα ὀνομαζομένων κατὰ τὸν παράπλου τόπων τό τε  
 Ναύσταθμόν ἐστι καὶ τὸ Ζεφύριον πρόσορμον ἔχον καὶ  
 ἄλλο Ζεφύριον καὶ ἄκρα Χερρόνησος λιμένα ἔχουσα·  
 κεῖται δὲ κατὰ \* Κύκλον τῆς Κρήτης ἐν διάρματι χιλίων  
 25 καὶ πεντακοσίων σταδίων νότῳ· εἴτα Ἡράκλειόν τι  
 ἱερὸν καὶ ὑπὲρ αὐτοῦ κώμη Παλίουρος· εἴτα λιμὴν Με-  
 νέλαος καὶ Ἀρδανὶς ἄκρα ταπεινὴ ὕφορμον ἔχουσα·  
 εἴτα μέγας λιμὴν καθ' ὃν ἡ ἐν τῇ Κρήτῃ Χερρόνησος  
 ἵδρυνται, δισχιλίων πού σταδίων διάρμα ἀπολείπουσα  
 30 μεταξὺ· ὅλη γὰρ σχεδὸν τι τῇ παραλίᾳ ταύτῃ ἀντίκει-  
 ται παράλληλος ἡ Κρήτη στενὴ καὶ μακρά. μετὰ δὲ τὸν  
 μέγαν λιμένα ἄλλος λιμὴν Πλυνός, καὶ ὑπὲρ αὐτοῖ

Τετραπυργία. καλεῖται δὲ ὁ τόπος Κατάβαθμος· μέ-  
 χροι δεῦρο ἢ Κυρηναία. τὸ δὲ λοιπὸν ἤδη μέχροι Παραι-  
 τονίου κάκειθεν εἰς Ἀλεξάνδρειαν εἴρηται ἡμῖν ἐν  
 τοῖς Αἰγυπτιακοῖς.

- 23 Τὴν δ' ὑπερκειμένην ἐν βάθει χώραν τῆς σύρτεως 5  
 καὶ τῆς Κυρηναίας κατέχουσιν οἱ Αἴβυες, παράλυπρον  
 καὶ ἀνύμηρὰν· πρῶτοι μὲν οἱ Νασαμῶνες, ἔπειτα  
 Ψύλλοι καὶ τινες Γαίτουλοι, ἔπειτα Γαράμαντες· πρὸς  
 ἕω δ' ἔτι μᾶλλον οἱ Μαρμαρίδαι, προσχωροῦντες ἐπὶ  
 πλέον τῇ Κυρηναίᾳ καὶ παρατείνοντες μέχροι Ἀμμωνος. 10  
 τεταρταίους μὲν οὖν φασιν ἀπὸ τοῦ μυχοῦ τῆς μεγάλης  
 σύρτεως τοῦ κατ' Αὐτόμαλά πως βαδίζοντας ὥς ἐπὶ  
 χιμερινὰς ἀνατολὰς [εἰς Αὔγίλα] ἀφικνεῖσθαι. ἔστι  
 δὲ ὁ τόπος οὗτος ἐμφερὴς τῷ Ἀμμωνι, φοινικοτρόφος  
 τε καὶ εὐνδρος, ὑπέρεκειται δὲ τῆς Κυρηναίας πρὸς 15  
 μεσημβρίαν· μέχροι μὲν σταδίων ἑκατὸν καὶ δενδρο-  
 φόρος ἔστιν ἡ γῆ, μέχροι δ' ἄλλων ἑκατὸν σπείρεται  
 μόνον, [οὐκ] ὀρυζοτροφεῖ δ' ἡ γῆ διὰ τὸν ἀνύχμον. ὑπὲρ  
 δὲ τούτων ἡ τὸ σίλφιον [φέρουσα] ἔστιν· εἰδ' ἡ αἰοίκη-  
 C.839τος καὶ ἡ τῶν Γαραμάντων· ἔστι δ' ἡ τὸ σίλφιον φέ- 20  
 ρουσα στενὴ καὶ παραμήκης καὶ παράξηρος, μῆκος μὲν  
 ὥς ἐπὶ τὰς ἀνατολὰς ἰόντι ὅσον σταδίων χιλίων, πλά-  
 τος δὲ τριακοσίων ἢ μικρῶ πλειόνων τό γε γνώριμον.  
 εἰκάζειν μὲν γὰρ ἅπασαν πάρεστι διηνεκῶς τὴν ἐπὶ  
 τοῦ αὐτοῦ παραλλήλου κειμένην τοιαύτην εἶναι κατὰ 25  
 τε τοὺς ἀέρας καὶ τὴν τοῦ φυτοῦ φοράν· ἐπεὶ δ' ἐμπί-  
 πτουσιν ἐρημίαι πλείους, [οὐ] τοὺς πάντας τόπους  
 ἴσμεν· παραπλησίως δ' ἀγνοεῖται καὶ τὰ ὑπὲρ τοῦ  
 Ἀμμωνος καὶ τῶν ἀνάσεων μέχροι τῆς Αἰθιοπίας. οὐδ'  
 ἂν ἔχοιμεν λέγειν τοὺς ὄρους οὔτε τῆς Αἰθιοπίας οὔτε 30



τῆς Λιβύης, ἀλλ' οὐδὲ τῆς πρὸς Αἰγύπτῳ τραυνῶς, μή  
τί γε τῆς πρὸς τῷ ὠκεανῷ.

Τὰ μὲν οὖν μέρη τῆς καθ' ἡμᾶς οἰκουμένης οὕτω 24  
διάκειται· ἐπεὶ δ' οἱ Ῥωμαῖοι τὴν ἀρίστην αὐτῆς καὶ  
5 γνωριμωτάτην κατέχουσιν, ἅπαντας ὑπερβεβλημένοι  
τοὺς πρότερον ἡγεμόνας ὧν μνήμην ἴσμεν, ἄξιον διὰ  
βραχέων καὶ τὰ τούτων εἰπεῖν. ὅτι μὲν οὖν ἐκ μιᾶς  
ὁρμηθέντες πόλεως τῆς Ῥώμης ἅπασαν τὴν Ἰταλίαν  
ἔσχον διὰ τὸ πολεμεῖν καὶ πολιτικῶς ἄρχειν εἴρηται,  
10 καὶ διότι μετὰ τὴν Ἰταλίαν τὰ κύκλῳ προσεκλήσαντο  
τῇ αὐτῇ ἀρετῇ χρώμενοι. τριῶν δὲ ἡπείρων οὐσῶν τὴν  
μὲν Εὐρώπην σχεδόν τι πᾶσαν ἔχουσι πλὴν τῆς ἔξω  
τοῦ Ἰστροῦ καὶ τῶν μεταξὺ τοῦ Ῥήνου καὶ τοῦ Τανάι-  
δος παρωκεανιτῶν, τῆς δὲ Λιβύης ἡ καθ' ἡμᾶς παραλία  
15 πᾶσα ὑπ' αὐτοῖς ἐστίν, ἡ δὲ ἄλλη ἀοίκητός ἐστιν ἢ λυ-  
πρῶς καὶ νομαδικῶς οἰκεῖται. ὁμοίως δὲ καὶ τῆς Ἀσίας  
ἡ καθ' ἡμᾶς παραλία πᾶσα ὑποχειριός ἐστιν, εἰ μὴ τις  
τὰ τῶν Ἀχαιῶν καὶ Ζυγῶν καὶ Ἡνιόχων ἐν λόγῳ τίθε-  
ται, ληστρικῶς καὶ νομαδικῶς ζώντων ἐν στενοῖς καὶ  
20 λυπροῖς χωρίοις. τῆς δὲ μεσογαίας καὶ τῆς ἐν βάθει  
τὴν μὲν ἔχουσιν αὐτοί, τὴν δὲ Παρθυαῖοι καὶ οἱ ὑπὲρ  
τούτων βάρβαροι, πρὸς τε ταῖς ἀνατολαῖς καὶ ταῖς ἄρ-  
κτοῖς Ἰνδοὶ καὶ Βάκτριοι καὶ Σκύθαι, εἴτ' Ἀραβες καὶ  
Αἰθίοπες· προστίθεται δὲ αἰεὶ τι παρ' ἐκείνων αὐτοῖς.  
25 ταύτης δὲ τῆς συμπάσης χώρας τῆς ὑπὸ Ῥωμαίοις ἡ  
μὲν βασιλεύεται, ἣν δ' ἔχουσιν αὐτοὶ καλέσαντες ἐπαρ-  
χίαν, καὶ πέμπουσιν ἡγεμόνας καὶ φορολόγους. εἰσὶ δὲ  
τινες καὶ ἐλεύθεραι πόλεις, αἱ μὲν ἐξ ἀρχῆς κατὰ φιλίαν  
προσελθοῦσαι, τὰς δ' ἡλευθέρωσαν αὐτοὶ κατὰ τιμὴν.  
30 εἰσὶ δὲ καὶ δυνάσται τινὲς καὶ φύλαρχοι καὶ ἱερεῖς

ὕπ' αὐτοῖς· οὗτοι μὲν δὴ ζῶσι κατὰ τινας πατρίους νόμους.

C.840

25

Αἱ δ' ἐπαρχίαι διήρηνται ἄλλοτε μὲν ἄλλως, ἐν δὲ τῷ παρόντι ὡς Καῖσαρ ὁ Σεβαστὸς διέταξεν. ἐπειδὴ γὰρ ἡ πατρίς ἐπέτρεψεν αὐτῷ τὴν προστασίαν τῆς ἡγε- 5 μονίας, καὶ πολέμου καὶ εἰρήνης κατέστη κύριος διὰ βίου, δίχα διεῖλε πᾶσαν τὴν χώραν καὶ τὴν μὲν ἀπέδειξεν ἑαυτῷ τὴν δὲ τῷ δήμῳ, ἑαυτῷ μὲν ὅση στρατιωτικῆς φρουρᾶς ἔχει χρεῖαν· αὕτη δ' ἐστὶν ἡ βάρβαρος καὶ πλησιόχωρος τοῖς μήπω κεχειρωμένοις ἔθνεσιν ἣ 10 λυπρὰ καὶ δυσγεώργητος, ὥσθ' ὑπὸ ἀπορίας τῶν ἄλλων ἐρυμάτων δ' εὐπορίας ἀφηνιάζειν καὶ ἀπειθεῖν, τῷ δήμῳ δὲ τὴν ἄλλην ὅση εἰρηνικὴ καὶ χωρὶς ὀπλων ἄρχεσθαι ῥαδία· ἑκατέραν δὲ τὴν μερίδα εἰς ἐπαρχίας διένειμε πλείους, ὧν αἱ μὲν καλοῦνται Καῖσαρος αἱ δὲ 15 τοῦ δήμου. καὶ εἰς μὲν τὰς Καῖσαρος ἡγεμόνας καὶ διοικητὰς Καῖσαρ πέμπει, διαιρῶν ἄλλοτε ἄλλως τὰς χώρας καὶ πρὸς τοὺς καιροὺς πολιτευόμενος, εἰς δὲ τὰς δημοσίας ὁ δῆμος στρατηγούς ἢ ὑπάτους· καὶ αὗται δ' εἰς μερισμοὺς ἄγονται διαφόρους, ἐπειδὴν κελεύῃ τὸ 20 συμφέρον. ἀλλ' ἐν ἀρχαῖς γε διέθηκε ποιήσας ὑπατικές μὲν δύο, Αἰβύην τε ὅση ὑπὸ Ῥωμαίοις ἔξω τῆς ὑπὸ Ἰούβᾶ μὲν πρότερον νῦν δὲ Πτολεμαίῳ τῷ ἐκείνου παιδί, καὶ Ἀσίαν τὴν ἐντὸς Ἄλφους καὶ τοῦ Ταύρου πλὴν 25 Γαλατῶν καὶ τῶν ὑπὸ Ἀμύντα γενομένων ἐθνῶν, ἔτι δὲ Βιθυνίας καὶ τῆς Προποντίδος· δέκα δὲ στρατηγικάς, κατὰ μὲν τὴν Εὐρώπην καὶ τὰς πρὸς αὐτῇ νήσους τὴν τε ἐκτὸς Ἰβηρίαν λεγομένην, ὅση περὶ τὸν Βαῖτιν ποταμόν, καὶ τῆς Κελτικῆς τὴν Ναρβωνίτιν, τρίτην δὲ Σαρδῶ μετὰ Κύρουν, καὶ Σικελίαν τετάρτην, πέμπτην 30



δὲ καὶ ἕκτην τῆς Ἰλλυρίδος τὴν πρὸς τῇ Ἠπείρῳ καὶ  
 Μακεδονίαν, ἑβδόμην δ' Ἀχαΐαν μέχρι Θετταλίας καὶ  
 Αἰτωλῶν καὶ Ἀκαρνανῶν καὶ τινῶν Ἠπειρωτικῶν  
 ἐθνῶν ὅσα τῇ Μακεδονίᾳ προσώριστο, ὀγδόην δὲ  
 Κρήτην μετὰ τῆς Κυρηναιίας, ἐνάτην δὲ Κύπρον, δε-  
 κάτην δὲ Βιθυνίαν μετὰ τῆς Προποντίδος καὶ τοῦ  
 Πόντου τινῶν μερῶν· τὰς δὲ ἄλλας ἐπαρχίας ἔχει  
 Καῖσαρ, ὧν εἰς ἃς μὲν πέμπει τοὺς ἐπιμελησομένους  
 ὑπατικούς ἄνδρας, εἰς ἃς δὲ στρατηγικούς, εἰς ἃς δὲ καὶ  
 οἰππικούς· καὶ βασιλεῖς δὲ καὶ δυνάσται καὶ δεκαρχίαι  
 τῆς ἐκείνου μερίδος καὶ εἰσὶ καὶ ὑπῆρξαν αἰεὶ.

---

# INDEX NOMINUM.

## A.

- Aarassus opp. Pisidiae 570.  
 Aba filia Zenophanis 672.  
 Aba vel Abae opp. Phocidis 423, 445.  
 Abaitae et Abaitis in Phrygia 576, 625.  
 Abantes in Euboea 445.  
 Abaris Scythia 301.  
 Abas Argivus 431; Euboicus 445.  
 Abdera opp. Thraciae 331, frg. 44, 45, 47, 531, 549, 644. opp. Hispaniae 156, 158.  
 Abderus heros 331 frg. 44, 47.  
 Abeacus Siracum rex 506.  
 Abella opp. Campaniae 249.  
 Abii 296, 298, 300, 303, 311, 553.  
 Abile s. Abilyx Mauritaniae mons 170, 827.  
 Abisarus rex Indiae 698.  
 Ἀβρώνιον τεῖχος opp. Paphlagoniae 545.  
 Aborace opp. Sindorum 495.  
 Aborigines 228, 229, 231.  
 Aborrhias fl. Mesopotamiae 747.  
 Abus Armeniae mons 527, 531.  
 Abrettene regio Mysiae 574, 576.  
 Abrotonum opp. Africae 835.  
 Abydon castellum Paeonum 330 frg. 20.  
 Abydos opp. Mysiae 108, 124, 331, frg. 52, 583, 585—587, 589—591, 595, 600, 635, 680. opp. Aegypti 813, 814.  
 Acacesium 299.  
 Academia 396, 614, 838.  
 Acalandrus fl. prope Thurios, 280.  
 Acamas Atheniensis 683. prom. Cypri 681—683.  
 Acanthius sinus 330. frg. 31.  
 Acanthus opp. Macedoniae 330. frg. 31, 331. frg. 33, 35. opp. Aegypti 809.  
 Acarnan Alcmaeonis f. 462, 465.  
 Acarnanes et Acarnania 321, 325, 417, 427, 429, 449—452, 460—463, 465.  
 Acatharti venatores Troglodyticae 772.  
 Acathartus sinus Troglodyticae 769.  
 Acesines fl. Indiae 692, 694, 696, 699, 707.  
 Ace cf. Ptolemais.  
 Achaeae (fort. Chaeae) rupes in Elide 347.  
 Achaei 35, 61, 262, 385—387. Bosporani 129, 492, 495—497. Phthiotae 365, 383, 429, 433, 495. Pontici 416. Achaeorum littus in insula Cypro 682. murus 102. oppida 262, 341, 387. portus in Troade 595, 596, 598, in Aeolide 622.  
 Achaeium opp. Troadis 596, 603, 604.  
 Achaemenidae 727.  
 Achaia 329, 365, 383—388, 840. oppid. Bospori Cimmerii 495. opp. Asiae 510.  
 Achaeus Xuthi f. 383. Antiochidis pater 624.  
 Achaicus Bosporanorum vates 762.  
 Acharaca opp. Lydiae 579, 649, 650.  
 Achardeus fl. Caucasi 506.  
 Achelous fl. Acarnaniae 28, 59, 271, 327, 335, 336, 349, 351, 450, 458—461, 465 fl. Achaiae 342, 450. fl. Thessaliae 434, 450.  
 Acheron fl. Triphyliae 344. Italiae 256. Epiri 324.  
 Acherusia palus in Campania 26, 243—246. in Epiro 324.  
 Acherrae opp. Galliae cisalpinae 247. opp. Campaniae 247, 249.  
 Achilles 830—433. Ἀχιλλεύς δρόμος peninsula 307. χάραξ in Mysia 613.  
 Achilleum vicus Troadis 600, 604. vicus ad Bosporum Cimmerium 310, 494.  
 Acholla opp. Carthaginiensium 831.  
 Acidon fl. Triphyliae 348, 351.  
 Acila prom. Arabiae 769.  
 Acilisene regio Armeniae 503, 521, 527, 528, 530, 532, 555.  
 Aciris fl. Lucaniae 264.  
 Aconites pop. Sardiniae 225.  
 Acontia vel Acutia opp. Hispaniae 152.  
 Acontium mons Boeotiae 416.  
 Acra vicus Panticapaeorum 494.  
 Acraea Venus 682.  
 Acraeae opp. Laconicae 343, 363.  
 Acraephiae s. Acraephium opp. Boeotiae 410, 413.  
 Acrathos prom. 330 frg. 32.  
 Acridophagi pop. Troglodyticae 772.  
 Acrisius 420, 487.  
 Acritas prom. Messeniae 359.  
 Acrocorinthus 361, 377, 379, 385.  
 Acrolissus sinus Lissi 316.  
 Acrothoi opp. in monte Atho 331, frg. 33, 35.  
 Actaeon rex Atticae 397.  
 Acte i. q. Attica 391. 397. i. q. Acarnania 451, 461. ora Argolicae pars 389, 390.  
 Actia ludi Apollinis 325.  
 Actiacum bellum 359. 387. 485.  
 Actiacus Apollo 450.



- m prom. et opp. Acarnaniae 325,  
 , 450, 451, 459, 794.  
 laus Argivus 472.  
 as opp. Thessaliae 434.  
 Hecatombi filia 656, 657. Pixodari  
 357.  
 a opp. Pisidiae 570.  
 opp. Aeolidis 622.  
 a fluvius 192, 204, 209, 213.  
 rbal 831.  
 antus Lampsacenus 589.  
 bene regio Assyriae 503, 530, 736,  
 9, 745.  
 torix Domneclai f. 542, 543. Dyteuti  
 ter 558.  
 etus rex Pherarum 447.  
 bogionis Mithridatae Pergameni mater  
 5.  
 nis Bybli colitur 755. fl. Phoenices  
 id.  
 n Armenius 529.  
 myttene regio Mysiae, Adramyttium  
 Adramytteni 472, 581, 583, 603, 611,  
 2, 613, 614. Adramyttenus sinus 584,  
 5, 606, 615, 624.  
 astea s. Adrasteae campus opp. My-  
 ae 586, 588, mons prope Cyzicum  
 5. Adrastea i. q. Nemesis 588.  
 astus rex Argorum 404, 462. rex  
 drasteae 588.  
 a opp. Piceni 241.  
 a, mare Adriaticum, sinus Adriaticus  
 21, 46, 57, 92, 93, 105, 108, 123, 195,  
 10—214, 219, 228, 240, 289, 316, 317,  
 19, 322, 339, 421, 507.  
 umetum opp. Africae 834.  
 ala mons 192, 204, 213.  
 urbs Colchorum 21, 45, 46. fons Ma-  
 edoniae 330, frg. 16, 21, 23.  
 ea ins. Circae 21, 46.  
 acidae reges Molossorum 324, 375, 394,  
 394.  
 acus Aeginae rex 375.  
 anes 425.  
 lepsus opp. Euboeae 60, 425, 445.  
 di pop. Galliae 186, 192, 193.  
 etes rex Colchidis 45, 46.  
 ga prom. Aeolidis 615. opp. Achaiae  
 385—387, opp. Euboeae 385, 386, 405.  
 gae opp. Mysiae 621. Aegaeae s. Aegae  
 opp. Ciliciae 676. opp. Laconicae 364,  
 426.  
 gaeum mare 124—126, 128, 317, 323,  
 330, frg. 32, 386.  
 galeus Messeniae mons 359.  
 gesta opp. Siciliae 254, 266, 272, 275,  
 308.  
 gestes Troianus 254, 272.  
 geus Pandionis f. 392.  
 Aegialea s. Aegialus 333, 349, 383, 386.  
 Aegialenses 372, 383.  
 Aegiali (?) i. q. Sicyon 382.  
 Aegialus ora et vicus Paphlagoniae 543,  
 545.  
 Aegilienses pagus Atticae 398.  
 Aegilips locus insulae Leucadis 452, 453.  
 Aegimius Dorum rex 427.  
 Aegimurus insula 123, 277, 834.  
 Aegina opp. Argolidis 375. insula et op-  
 pidum 54, 124, 369, 374, 375, 376, 394, 433.  
 Aeginium opp. Thessaliae 327.  
 Aegira opp. Achaiae 385, 386.  
 Aegirus opp. Lesbi 617.  
 Aegisthus 16.  
 Aegium opp. Achaiae et Aegienses 335,  
 337, 385, 386, 387, 389, 449.  
 Aegletes cognomen Apollinis 46, 484.  
 Aegos potami opp. et fl. 287, 331. frg. 56.  
 Aegua (?) opp. Hispaniae 141.  
 Aegyptium mare 30, 35, 58, 121, 125, 400,  
 474, 681, 749.  
 Αἰγύπτιος λιμήν Tyrionum portus 757.  
 Αἰγυπτίων κόμη prope Catabathmum  
 799.  
 Aegyptus et Aegyptii 785—821.... Ae-  
 gyptus i. q. Nilus 29, 36, 69.  
 Aegys opp. et regio Laconicae 446.  
 Aelana s. Aela opp. Arabiae Petraeae  
 759, 768. Αἰλανίτης μυχός 759, 768,  
 776, 777, 809.  
 Aelius Gallus praefectus Aegypti 118,  
 780, 782, 806, 816, 819, 820.  
 Aelius Catus 303.  
 Aemilia via 217.  
 Aemilianus Q. Fabius Maximus 185. Scipio  
 669, 832.  
 Aemilius Paulus 322.  
 Aenea opp. Troadis 603. opp. Macedoniae  
 330, frg. 21, 24.  
 Aeneas et errores eius 48, 150, 608. in  
 Latium adventus 229, 232, 233, 608.  
 Aenesippea insula 799.  
 Aenesisphyræ prom. Aegypti 799.  
 Aenianes Thessaliae populus 61, 427, 429,  
 442, 450. in Vitia 508, 531. ultra Ar-  
 meniam habitantes 531.  
 Aeniates 553.  
 Aenius fl. Troadis 603.  
 Aenobarbus Gn. 185. Domitius 191, 649.  
 Aenus opp. Thraciae 319, 331, frg. 52,  
 58. (Cephalenniae mons 456.)  
 Aeoles 61, 220, 333, 423, 581, 582. Aeol-  
 icae coloniae 10, 402, 582, 584, 621,  
 632. urbes 610, 622. Aeolica dialectus  
 333. expeditio 401, 402, 582. Aeolicum  
 littus 623. Aeolis 124, 446, 550, 582,  
 583, 586, 600, 735.

- Aeolia insula Aeoli 40.  
 Aeolus 20, 23, 24, 26, 57, 276, 438. Euripidis fabula 356. Aeoli insulae 54, 57, 123, 129, 256, 267, 275.  
 Aepasius campus regio Triphyliae 348.  
 Aepea opp. Messeniae 360.  
 Aepy opp. Triphyliae 349.  
 Aepytyus Nelei f. 633.  
 Aequi pop. Italiae 228, 231, 237.  
 Aequum Faliscum opp. Etruriae 226.  
 Aeria opp. Cavarorum 185.  
 Aesar fl. Etruriae 222.  
 Aesarus fl. prope Crotonem 262.  
 Aesepus fl. Mysiae 552, 564, 565, 576, 583, 586, 595, 602, 603.  
 Aesernia opp. Samnitium 238, 250.  
 Aesis fl. Umbriae 217, 227, 241, 285.  
 Aesium opp. Umbriae 227.  
 Aesyti sepulchrum 597, 599.  
 Aeschines Atheniensis 471. Milesius 635.  
 Aeschylus poeta 33, 43, 183, 189, 221, 258, 299, 300, 341, 387, 393, 447, 470, 580, 616, 728.  
 Aesculapius 337, 647, templum eius Triccae 360, 374, 437. Panticapaei 74. Gereniae 360. Oleni 386. Epidauri 374, 567. Celaenis in Troade 603. in insula Co 657. Carthagine 832. nemus eius inter Berytum et Sidonem 756.  
 Aethalia insula 123, 223—225.  
 Αἰθάλως fl. Scepsiae 473.  
 Aethices pop. Epiri et Thessaliae 326, 327, 430, 434.  
 Aethicia 327, 430.  
 Aethiopes, Aethiopia 2, 3, 7, 9, 16, 30—35, 38—40, 97, 98, 769—779, 784—790, 808, 815, 818—823. Aethiopes occidentales 99, 101, 120, 157, 827—829.  
 Aetna 20, 23, 54, 247, 248, 258, 267—269, 272—274, 626, opp. Siciliae 268, 273.  
 Aetolia et Aetoli 321, 434, 449—452, 460—466.  
 Aetolica Diana 215. promontoria 59. Aetolici montes 417, 429.  
 Aetolus f. Endymionis 357, 423, 463, 464.  
 Aex prom. Troadis 615.  
 Aexonenses pagus Atticae 398.  
 Afranius legatus Pompeii 161.  
 Agamedes templi Delphici conditor 421.  
 Agamemno 10, 40....  
 Agapenor Paphi conditor 683.  
 Agatha opp. Galliae 180, 182.  
 Agatharchides Cnidius 656, 779.  
 Agathoclea Ptolemaei Philopatoris concubina 795.  
 Agathocles Lysimachi pater 623. Lysimachi f. ibid. Siciliae tyrannus 256, 280, 834.  
 Agathyrnum opp. Siciliae 266.  
 Agdistis vel Aggdistis deorum mater 469, 567.  
 Agesilaus Archidami pater 280.  
 Agidae 366.  
 Agis Eurysthenis f. 365, 366.  
 Ἀγνοῦ κέρας prom. Aegypti 801.  
 Agoracritus Parius sculptor 396.  
 Agra vicus Atticae 400.  
 Agradates Cyri nomen 729.  
 Agraecia regio Aetoliae 338.  
 Agraeci pop. Aetoliae 449, 451, 461, 466, pop. Arabiae 767.  
 Agraecus Temeni f. 389.  
 Agri pop. Maeoticus 495.  
 Agrianes pop. Thraciae 317, 318, 331, fig. 36, 37, 41.  
 Agrigentorum portus 266, 272.  
 Agrigentum opp. Siciliae 272, 275.  
 Agrii pop. Aethiopiae 771.  
 Agrippa 194, 205, 208, 245, 359, 590, 756.  
 Agrius princeps Aetoliae 43, 465.  
 Agylla opp. Etruriae 220, 226.  
 Aiax fl. Illyriae 271, 316. f. Telamonius 394, 408, 595, 596, 600, 672. Locrum 423, 600, 601.  
 Aiclus Eretriae conditor 321, 445, 447.  
 Alabanda opp. Cariae 587, 658—660, 663, Alabandenses 655, 660, 661.  
 Alaesa opp. Siciliae 266, 272.  
 Alalcomenae opp. Boeotiae 410, 411, 413, opp. Asteriae insulae 457.  
 Alalcomenium templum Minervae 410, 413.  
 Alazia opp. Mysiae 550, 551.  
 Alazones 550, 551, 603.  
 Alazonia s. Alazonium opp. Troadis 552, 603.  
 Alazonius fl. Albaniae 500, 502.  
 Alba 229, 231. Alba Fuentia 235, 238, 240.  
 Albania 491, 497, 500—503, 509, 528. Albani pop. Caucasum accolens 118, 129, 288, 501—503, opp. Latii 230, 231. Albanus mons 229, 234, 237, 239, 240.  
 Albia i. q. Alpia 202. Albium Alpium pars in Iapodum terra 202, 314.  
 Albienses (Ἀλβειῖς) gens Alpina 203.  
 Albingaunum opp. Ingaunorum 202.  
 Albioeci gens Alpina 203.  
 Albis 14, 290—292, 294.  
 Albium Intemelium opp. Ligurum 202.  
 Albulia 238.  
 Alcaeus poeta 37, 411, 412, 600, 606, 617, 618, 661.  
 Alcestis Peliae filia 45.  
 Alchaedamnus rex Rhambaeorum 753.  
 Alcmaeon Amphiarai f. 325, 326, 423, 462.  
 Alcmaeonis poema 452.



- Ieman poeta 43, 299, 340, 360, 446, 482, 580.  
 Iemena 355.  
 Icomenae opp. Epiri 327.  
 Ιωνονίς θαλάττα pars sinus Cris-  
 saei 336, 393, 400.  
 Ιέα Ἀθηνά 388.  
 Ieus campus in Cilicia 555, 676.  
 Iesia opp. Mandubiorum 191.  
 Iesiaum opp. Elidis 341.  
 Ietes Corinthi conditor 389.  
 Ietia opp. Calabriae 282.  
 Ietrium opp. Latii 237.  
 Ieus rex Arcadiae 615.  
 Iexander f. Priami 41, 183, 399, 596, 606. Aetolus poeta 566, 648, 681.  
 ὁ Ἀνύκτος Ephesius 642. ὁ Φιλαλήθης 580. Antiochi f. 624. Bala 751. rex Iuda-  
 daeae 762. rex Molossorum 256, 280, 281. Phippi f. 14, 48, 66, 70, 79, 90, 232, 331.  
 Iexandria ludi 644.  
 Iexandria opp. Aegypti et Alexandrini 7, 25, 58, 62, 558, 655, 673, 675, 752, 791—799, 819. Al. Troas 134, 472, 473, 581, 593, 594, 597, 599, 604, 607, 613. opp. Ariae 514, 516, 723. opp. Syriae 676. mons Mysiae 606.  
 Iexandrium castellum Iudaeae 763. Iucus Alexandri Teo vicinus 644.  
 Ilexarchus Antipatri f. 331. frg. 35.  
 Ilgidum opp. Latii 237, 239.  
 I Linda opp. Cariae 657.  
 I Allitrochades Sandrocotti f. 70.  
 I Alisium (Ἀλεισίον κολώνη) opp. Elidis 341.  
 I Alisius fl. Elidis 342.  
 I Allifae opp. Samnii 238.  
 I Allobroges 185, 186, 193, 203, 765.  
 I Allotriges pop. Hispaniae 155.  
 I Aloba vel Alopa i. q. Alyba 550—552, 603.  
 I Alopa opp. Locrorum Opuntiorum 60, 426, 427, 432. opp. Locrorum Ozolarum 427. opp. Phthiotidis 427, 432.  
 I Alopecia insula 493.  
 I Alopeconnesus opp. Thraciae 331, frg. 52.  
 I Alorium opp. Triphyliae 350.  
 I Alorus opp. Bottiaeae 330, frg. 20, 22.  
 I Alpes 71, 128, 176—179, 185—187, 201—204, 206, 207.  
 I Alpheus fl. Elidis 267, 270, 271, 275, 336, 339, 343, 344, 347, 350, 353, 356, 357, 389.  
 I Alponus opp. prope Thermopylas 60.  
 I Alsium opp. Etruriae 225, 226.  
 I Altus rex Lelegum 584, 585, 605, 619.  
 I Althaea Thestii filia 466.  
 I Althaemenes Cissi f. Argivus 479, 481, 653.  
 I Altinum opp. Galliae cisalpinae 214.  
 I Alyattes rex Lydorum 420, 627, 680, 735.  
 I Alyba et Alybum 549, 550, 552, 603.  
 I Alybes 550.  
 I Alyzeus Icarii f. 452.  
 I Alyzia opp. Acarnaniae 450, 459.  
 I Amadocus rex Odrysarum 331, frg. 48.  
 I Amaltheae cornu 151, 458, 459.  
 I Amanides portae 676, 751.  
 I Amanus 521, 535, 676, 678, 737, 749, 751.  
 I Amardi pop. Asiae 507, 508, 510, 514, 523, 524.  
 I Amarynthus opp. Euboeae 448.  
 I Amasia opp. Ponti 547, 556, 560, 561, 614. Amasenses 560, 561.  
 I Amasias fl. Germaniae 290, 291.  
 I Amastriana regio 544.  
 I Amastris uxor Dionysii Heracleotae 544. urbs Paphlagoniae 309, 540, 543, 553.  
 I Amathus fl. Elidis 336, 339, 344, 361. opp. Laconicae 363. opp. Cypri 683. Amathusii 340.  
 I Amazones 52, 57, 126, 503—505, 544, 547, 550—552, 554, 573, 623.  
 I Ambarvalia 230.  
 I Ambiani pop. Galliae 194, 208.  
 I Amblada opp. Pisidiae 570.  
 I Ambracia opp. Thesprotiae 325, 450, 452. Ambracicus sinus, Ambracicum mare 123, 324, 325, 329, frg. 6, 331, frg. 58, 428, 450—452.  
 I Ambrones victi a Mario 183.  
 I Ambrysus opp. Phocidis 423. sq.  
 I Amenanus fl. Siciliae 240.  
 I America opp. Umbriae 227. opp. Ponti 557.  
 I Amisus opp. Ponti et Amisena regio 68—71, 73, 74, 126, 498, 519, 543—548, 560.  
 I Amiternum opp. Sabinorum 228. Amiter-  
 nina regio 241.  
 I Ammo prom. littoris Carthaginiensis 834, 835, 838. sedes oraculi 55, 56, 329, 790 813, 814, 825, 838, 839. Ammonis sa-  
 crum 49, 50, 329, frg. 1, 799, 873.  
 I Ammonia opp. Aegypti 799.  
 I Amnias fl. Paphlagoniae 562.  
 I Amnisus portus Cnossi 476.  
 I Amorgus insula m. Aegaei 487.  
 I Amorium opp. Phrygiae maioris 576.  
 I Ampelus prom. Sami 488, 637.  
 I Amphaxitis regio Macedoniae 349, frg 11, 330, frg. 23.  
 I Amphiala prom. Atticae 395.  
 I Amphiarus Argivus 399, 404, 462, 762.  
 I Amphictyones 419, 420, 421, 427, 429.  
 I Amphictyonia 374.  
 I Amphictyonium concilium 412, 420.  
 I Amphigenia opp. Triphyliae 349.

- Amphidolia vel Amphidolis opp. Elidis 341, 349.  
 Amphilochoi incolae Argorum Amphilochiorum 271, 321, 326, 429, 449, 450, 462, opp. Hispaniae 157.  
 Amphilochium Argos cf. Argos.  
 Amphilochus f. Amphiarai 157, 271, 326, 362, 462, 642, 668, 675, 676.  
 Amphimalla opp. Cretae 475.  
 Amphinomus Penelopae proci 328. Catinensis 269.  
 Amphio rex Thebarum 360, 411.  
 Amphipolis opp. Thraciae 134, 331, frg. 35, 36, 48.  
 Amphissa opp. Locrorum Ozolarum 419, 426, 427. Amphissenses 419.  
 Amphistratus Castoris et Pollucis auriga 496.  
 Amphitruo 456, 459, 461.  
 Amphrysus fl. Thessaliae 433, 435.  
 Amulius rex Albae 229.  
 Amyclae opp. Laconicae 363—365. Amyclaeum 278.  
 Amydo opp. Macedoniae 330, frg. 20, 23.  
 Amymona Nauplii mater 368, fons 371.  
 Amynandrus rex Athamanum 427.  
 Amyntas Philippi pater 307, 330, frg. 21, 22, 24. Deiotari regis successor 567—569, 571, 577, 671, 840.  
 Amyntor Phoenicis pater 438, 439.  
 Amythaonidae Argorum reges 372.  
 Amyzo opp. Cariae 658.  
 Anabura opp. Pisidiae 570.  
 Anarcharsis Scytha 301, 303, 694.  
 Anacreon 151, 633, 638, 644, 661.  
 Anactorium opp. Acarnaniae 450—452.  
 Anacyndaraxes Sardanapalli pater 672.  
 Anadatus deus Persarum 512.  
 Anaea, Anaitis dea Persarum et Armeniorum 512, 532, 559, 733, 738.  
 Anagnia opp. Hernicorum 238.  
 Anagyrasii pagus Atticae 398.  
 Anapha insula 46, 484.  
 Anaphlystus, Anaphlystii, pagus Atticae 398.  
 Anapias Catinensis 269.  
 Anariaca 508.  
 Anariacae pop. mare Caspium accolens 507, 508, 514.  
 Anas fl. Hispaniae 139, 140, 142, 148, 153, 162, 840.  
 Anaurus fl. Magnesiae 436.  
 Anaxagoras Clazomenius physicus 645.  
 Anaxarchus 594.  
 Anaxenor Magnesius citharoedus 648.  
 Anaxicrates Alexandri comes 768.  
 Anaxilas rex Rhegii 257.  
 Anaximander Milesius I, 7, 635.  
 Anaximenes Milesius 645. Lampsacenus 589, 635.  
 Ancara opp. Umbriae 216.  
 Anchiala opp. Ponti 349, opp. Ciliciae 671, 672.  
 Anchises 229, 608.  
 Anchoa locus Boeotiae et lacus 407.  
 Ancona opp. Piceni 211, 227, 240, 241, 311.  
 Ancyra opp. Galatiae 187, 567, opp. Phrygiae 567, 576.  
 Andania opp. Arcadiae 339, 350, 360, 431, 448.  
 Andetrium opp. Dalmatiae 315.  
 Andira opp. Mysiae 610, 614.  
 Andirus fl. Troadis 602.  
 Andizetii gens Pannoniae 814.  
 Andraemon Pylius Colophonis conditor 633.  
 Andriaca opp. Thraciae 319.  
 Andriclus mons Ciliciae 669.  
 Androclus f. Codri 632, 633, 640.  
 Andromacha 585, 594.  
 Andromeda 43, 759.  
 Andron rerum scriptor 392, 456, 475, 476.  
 Andronicus Rhodius 655.  
 Andropompus Lebedi conditor 633.  
 Androsphenes Thasius 766.  
 Andrus insula et Andrii 330, fr. 31, 448, 485, 487.  
 Anemorea vel Anemolea opp. Phocidis 423, 424.  
 Anemurium prom. Ciliciae 669, 670, 682.  
 Anias fl. Arcadiae 389.  
 Anigrus fl. Triphyliae 344, 346, 347. Anigradum nymphaeum antrum 346.  
 Anio fl. Latii 235, 238.  
 Anniceris Cyrenaeus 837.  
 Antaei monumentum in Libya apud Linthum 829.  
 Antalcidas Spartanus 287.  
 Antandrus opp. Troadis 470, 606, 612, 613.  
 Antemnae opp. Latii 230.  
 Antenor Troianus 48, 150, 157, 212, 544, 607, 608. Antenoridae 596, 607.  
 Anthedon opp. Boeotiae 16, 400, 404, 405, 408, 410.  
 Anthemis et Anthemus i. q. Samus 457, 637.  
 Anthemusia regio Mesopotamiae 747, 748.  
 Anthes rex Troezenis Halicarnassi conditor 374, 576.  
 Anthia opp. Messeniae 360.  
 Antigonía opp. Bithyniae 565, opp. Troadis 593, 597, 604, opp. Syriae 750.  
 Antigonus Philippi f. 565, 593, 597, 604, 607, 646, 657, 672, 750, rex Macedoniae 385.  
 Anticasius mons Syriae 751.  
 Anticimolis opp. Paphlagoniae 545.  
 Anticirra s. Anticyra opp. Phocidis 416, 418, opp. Locridis 434, opp. ad sinum Maliacum 428, 434.



- ticitus fl. Maeotarus 494, 495.  
 tictides rerum scriptor 221.  
 tictagus mons Lyciae 665.  
 tilibanus mons Syriae 755, 756.  
 tilochus Nestoris f. 596.  
 timachus poeta 345, 364, 387, 409, 588.  
 timenidas Alcaei frater 617.  
 timonestus Chalcidensis 257.  
 tiochia opp. Cariae 630, 647, 648, 663.  
 opp. Phrygiae 557, 569, 577. opp.  
 Syriae 275, 719, 749, 750. opp. Margia-  
 nae 516. opp. Mygdoniae 747. Antiochen-  
 ses Syriae 751. ad Macandrum 630.  
 tiochicum bellum 665.  
 tiochis regio Syriae 731. Achaei filia,  
 mater Attali 624.  
 tiochus Syriacus rerum scriptor  
 242, 252, 254, 255, 257, 262, 264, 265,  
 278. Ant. Magnus 287, 528, 531, 540,  
 563, 594, 624, 744, 759. Ant. Soter  
 Seleuci f. 516, 578, 624. Demetrii f.  
 rex Syriae 668. Ant. Epiphanes 750.  
 Ant. Hierax 754. philosophus Ascalonita  
 759.  
 tiopa Nyctei filia 404.  
 tipater Macedo 331. frg. 35, 374, 433,  
 565. Derbetes 535, 569, 679. Sisidis f.  
 555. Tarsensis 674. Tyrius 757.  
 tiphanes Bergaeus 47, 102, 104. cf. 100.  
 tiphellus opp. Lyciae 666.  
 tiphilli portus in Troglodytica 771.  
 tiphrae opp. Marmaricae 799.  
 tiphris Thessali f. 444.  
 tipropolis opp. Galliae 178, 180, 184, 185.  
 tirrhum prom. Aetoliae 335, 336, 387,  
 390, 427, 460.  
 tirrhodus insula 794.  
 tissa opp. Lesbi 60, 618.  
 titaurus 521, 527, 528, 535.  
 tium opp. Volscorum 231, 232, 239.  
 tonius triumphvir 141, 325, 359, 455.  
 Gaius 455.  
 tro opp. Thessaliae 432, 435. Ἀντροῦ-  
 νος ὄνος scopulus 435.  
 nubis 805, 812.  
 ones pop. Boeotiae 321, 397, 401.  
 onius campus in Boeotia 412.  
 ornus castellum Indiae 688.  
 orsi pop. Asiae 492, 506.  
 ous fl. Illyrici 316. cf. Ajax.  
 apaes opp. Troadis 589. cf. Paesus.  
 apama Seleuci Nicatoris coniux 578, 749.  
 Prusiae coniux 563.  
 apamea opp. Syriae ad Orontem, 275,  
 749, 751—753. ἡ Κιβωτός opp. Phry-  
 giae 569, 576—580, 629, 663. opp.  
 Mediae 514, 524. Bithyniae 563.  
 apamenses 564, 579, 631, 653, 655, 750,  
 752, 753, 756.  
 aparni gens Daarum. cf. Parni.  
 apasiacae gens Scythica 513.  
 apaturum templum Veneris 495.  
 ἀπηνιωτῆς ἄνεμος 29, 34.  
 apelles philosophus 15. pictor Ephesus  
 642, 657.  
 apellio Teius 609, 644.  
 apenninus mons. 128, 201, 211, 212, 216,  
 219, 227, 228, 631, 240, 259, 283, 286.  
 aphamiotae Cretensium servi 701. cf. 542.  
 aphetae opp. Thessaliae 436, 439.  
 aphidna et Aphidnae pagus Atticae 396,  
 397.  
 apneis Pixodari uxor 657.  
 apnii 586, 587.  
 apnitis palus i. q. Dascylitis in Mysia  
 59, 587.  
 aphrodisias opp. Phrygiae 576, 60.  
 aphrodisium opp. Cypri 682. Veneris  
 templum cf. Venus.  
 Ἀφροδίτης ὄρμος i. q. Μυρὸς ὄρμος  
 769. πόλις opp. Aegypti 802, 809, 813,  
 817.  
 aphytis opp. Pallenae 330. frg. 27.  
 apia Peloponnesus 371.  
 apiae campus in Mysia 616.  
 apidanus fl. Thessaliae 356, 432.  
 apidones Peloponnesii 371.  
 apiolae opp. Volscorum 231.  
 apis opp. Marmaricae 799. deus Aegyptio-  
 rum 803, 805, 807.  
 apobathra locus prope Sestum 591.  
 apoecus Atheniensis lei conditor 633.  
 apollo 257, 260, 320, 374. Μουσηγέτης  
 468. Κιλλαῖος 612, 618. Πορροπίων  
 613. Σμινθεύς 605, 613, 618. Σμίν-  
 θιος 486. Γρονεύς 618. Οὐλῖος 635.  
 Κλάριος 632. Ἑκατος 618. Φυλ-  
 λιος 435. Λαφραῖος 459 Αἰγλήτης  
 484. Ἀνταῖος 588. Appollinis sacra,  
 oracula, nemora: Apolloniae 319, in in-  
 sula Chio 645. Amyclis 363. in Argolide  
 et Boeotia 368, 403. in insula apud Les-  
 bum 619. in insula Anapha 484. Deli  
 485. apud Branchidas 518, 614, 814.  
 apud Rhodios 613. Orobis 445. apud  
 Calydonem 459. Chrysae 604, 611, 612.  
 Cei 487. Teneae 380. Gryni 622. apud  
 Adrasteam 588. apud Clarum 642. inter  
 Smyrnam et Clazomenas 645. apud  
 Actium 325. apud Abydum Aegypti 813.  
 in Cypro 683. Ἀκτίου 325, 450, 451.  
 Λευκάτα 452. Δελφινίου 179, 188.

- 257, 275, 418, 420, 464, 482. *Θυμ-  
βραίων* 598. *Κατάονος* 537. *Κιλ-  
λαίων* 612. *Λαρισσηνοῦ* 620. *Μαρ-  
μαρίνων* 446. *Πυθίου* 417. *Τιλφω-  
σίου* 411.
- Apollocrates* Dionysii f. 259.
- Apollodorus grammaticus* 31, 43—45, 61,  
208, 254, 298—301, 303, 328, 339, 368,  
370, 405, 451, 453, 454, 457, 460, 464,  
514, 552, 553, 555, 661, 677—681. *Ar-  
temitenus historicus* 118, 509, 514, 516,  
519, 525, 686. *rhetor* 625.
- Ἀπολλωνόνησοι* i. q. *Ἐκατόνησοι*  
618.
- Ἀπολλωνόπολις* opp. Aegypti 815, 817.
- Apollonia* opp. Moesiae 319. opp. Mace-  
doniae ad lacum Bolben 330, frg. 21,  
331, frg. 33, 35, 57. opp. Epiri 134, 272,  
316, 322, 326, 357, 424, 763. opp. Ly-  
diae 625. opp. Cyrenaicae 838. opp.  
Syriae 752. opp. Mysiae 575. opp.  
Phrygiae apud Apameam 569, 576.
- Apolloniatis regio* Babyloniae 524, 732,  
736. lacus Mysiae 575.
- Apollonides scriptor* 309, 523, 528.
- Apollionis Attali uxor* 624, 625. opp. Ly-  
diae 625, 646.
- Apollonium prom. sinus Carthaginiensis*  
832.
- Apollonius ὁ Μῦς Erythraeus* 645. *me-  
dicus Citiensis* 683. *stoicus* 650. *ὁ Κρό-  
νος Cyrenaeus* 658, 838. *ὁ μαλακός*  
*Alabandensis* 655, 660, 661. *Tyrius* 757.  
*Rhodium* 655.
- Appaitae gens Pontica* 548.
- Appia via* 233, 234, 237, 239, 249, 283.
- Apsus fl. Illyrici* 316.
- Apsynthis regio Thraciae* 331, frg. 58.
- Apsyrtidos insulae* 124, 315.
- Apsyrtus* 315.
- Aptera opp. Cretae* 479.
- Apulia et Apuli* 242, 272, 277, 283, 285.
- Aquae Statiellae opp. Galliae cisalpiniae* 217.
- Aquileia* 123, 206—208, 214.
- Aquinum opp. Latii* 237.
- Aquitania et Aquitani* 161, 165, 176, 177,  
189, 190, 191, 199, 208.
- Arabes et Arabia* 39, 41, 42, 130, 299,  
695, 696, 729, 741, 767—785. *Arabia*  
*felix* 39, 42, 84, 85, 118, 130, 726, 748,  
756, 765, 767, 779, 782, 819. *deserta*  
767. in Aegypto 42, 130, 784, 815, 816,  
839. in Syria 288, 736, 748, 749, 755,  
756. Mesent 739. *Scenitae* 729, 739, 747  
755. 765—767, 815, 819.
- Arabicus sinus* 30, 35, 38, 42, 47, 85, 101,  
768, 778. *Ἀραβίου κόλπον μυχα-*  
85, 98, 767, 804, 836.
- Arachosia regio Arianae* 516.
- Arachoti opp. Arachosiae* 514. *pop. Ari-*  
*nae* 513, 524, 721, 723, 725.
- Aracynthus mons Aetoliae* 450, 460.
- Aradus ins. sinus Persici* 766, 784. *opp.*  
*Phoenices* 753, 754, 756, 766, 784. *Arad-*  
753—755.
- Araethyrea regio Argolidis* 382.
- Aragus fl. Iberiae* 500.
- Aramaei* 42, 627, 784, 785.
- Arambi* 784.
- Arar fl. Galliae* 186, 191—193.
- Ararene regio Arabiae* 781.
- Aratthus vel Arachthus vel Araethus* 1  
Epiri 325.
- Aratus poeta Solensis* 103, 364, 387, 479,  
484, 486, 671. *Sicyonius dux Achaes-*  
rum 382, 385.
- Arausio opp. Cavarorum in Gallia* 185.
- Araxene regio Armeniae* 73, 509.
- Araxenus campus in Armenia iuxta A-*  
*baniam* 527—539, 531.
- Araxes fl. Armeniae* 61, 491, 501, 523,  
527, 528, 531. *fl. Scythiae* 512. *fl. Per-*  
*sidis* 729.
- Araxus prom. Elidis* 335—337, 388, 458, 466.
- Arbaces* 737.
- Arbela opp. Assyriae* 79, 532, 737, 738, 814.
- Arbelus conditor Arbelorum* 737.
- Arbies pop. Gedrosiae* 720.
- Arbis fl. Gedrosiae* 720.
- Arcades et Arcadia* 60, 221, 230, 283, 333,  
335—337, 345, 348, 350, 355, 357, 362,  
388, 389, 438, 572, 582, 608.
- Arcaeus* 557, 577, cf. *Μην.*
- Arcesilaus Atheniensis* 15. 614.
- Arceuthus fl. Syriae* 751.
- Archaeanax Mytilenaeus* 599.
- Archelaus Cappadociae rex* 533—535, 540,  
555, 556, 671, 796. *sacerdos* 558, 796.  
*pater saterdotis ibid. Penthili f.* 582.  
*physicus* 645. *drama Euripidis* 221.
- Archedemus Tarsensis* 674.
- Archemachus rerum Euboicarum script.* 465.
- Archias Corinthius, Syracusarum conditor*  
262, 269, 270, 380, dux Antipatri 374.
- Archidamus Agesilai f.* 280.
- Archilochus poeta Parus* 370, 457, 487,  
549, 647.
- Archimedes* 54, 55, 703.
- Archytas Tarentinus* 280.
- Arconnesus ins. vicina Halicarnasso* 656.  
*ead. q. Ἀσπίς* 643.
- Ἀρχτων ὄρος prope Cyzicum* 575.



- sturus 133, 691, 692.  
 stus sidus 3, 4, 13, 76, 77, 132, 133.  
 danis s. Ἀρδανίξιν (lgd. Ἀρδανίξιν)  
 prom. Marmaricae 49, 838.  
 lea opp. Rutulorum 228, 231, 232, 249.  
 lia regio Dalmatiae 313.  
 liaei gens Dalmatica 314—318, 329,  
 frg. 4.  
 lium mons Dalmatiae 315.  
 luenna silva in Gallia 194.  
 lomici cf. Volcae.  
 legon pictor 343.  
 elate opp. Galliae 181.  
 ena opp. Triphyliae 346—348, 352, 361.  
 eopagus 260.  
 eta Aristippi filia 781.  
 etas Arabiae princeps 781.  
 ethusa castellum Syriae 753, fons Chal-  
 cidis 58, 449, fons Ortygiae insulae  
 270, 271, opp. Macedoniae 331, frg. 36.  
 evaci pop. Celtiberorum 162.  
 gaeus mons Cappadociae 73, 538.  
 ganthonius rex Tartessi 151, mons Bi-  
 thyniae 564.  
 gea (Ἀργεῖα) et Argivi 35, 65, 124, 215,  
 275, 326, 335, 537, 362, 368, 369, 371—  
 377, 382, 389, 404, 426.  
 geadae in Macedonia 329, frg. 11, 20.  
 gennum prom. Ioniae 644.  
 gestus ventus 28, 29, 391.  
 gilus opp. Macedoniae 331, frg. 33.  
 ginussae insulae 615, 617.  
 gissa postea Argura opp. Pelasgiotidis  
 439, 440.  
 go 45, 46, 224, 436, 564.  
 golicus sinus 335, 368, Argolici equi 388.  
 Ἀργολικὴ ἡπειρος 376.  
 gonautae 21, 45, 46, 215, 224, 252, 347,  
 414, 436, 443, 575.  
 γῶος λιμὴν portus Aethaliae 224.  
 gos castellum Cappadociae 357, Achai-  
 cum i. q. Peloponnesus 365, 369, Am-  
 philochicum opp. Acarnaniae 271, 316,  
 325, 326, 450, 462, Hippium i. q. Arpi  
 215, 283, Iasum i. q. Peloponnesus 369,  
 371, Oresticum opp. Epiri vel Mace-  
 doniae 326, Pelasgicum pars Thessaliae  
 vel Thessalia ipsa 221, 369, 431, regio  
 Peloponnesi 369—372, 374, 424, opp.  
 Argolidis 23, 326, 368—371, 376, 377,  
 385, 387, 389, 404, 440, 481, 653, 676.  
 gura opp. Pelasgiotidis 440.  
 gyria opp. Troadis 553, 603.  
 gyrippa i. q. Argos Hippium et Argy-  
 rippini 283.  
 gyrus mons Baeticae 148, 161.  
 gyrusci 231.  
 Aria regio Persidis 72—74, 511, 515, 516,  
 522, 723.  
 Ariamazi rupes 517.  
 Ariana et Ariani 42, 78, 81, 83, 84, 130,  
 492, 516, 523, 688, 690, 696, 720—725.  
 Ariarathes rex Cappadociae 534, 538, 539,  
 624.  
 Aricia opp. Latii 231, 239.  
 Aridaeus Alexandri frater 794.  
 Arii incolae Aeriae 511, 514, 518, 723, 724.  
 Arima montes Ciliciae 627.  
 Arimaes i. q. Aramaei 42, 785.  
 Arimaspi gens Scythica 506, Ἀριμά-  
 σπεια ἔπη 21.  
 Arimi 555, 579, 616, 627, 750, 784, 785.  
 Arimus rex Catacecaumenes 628.  
 Ariminum opp. Umbriae 210, 217, 219,  
 226, 227, 240.  
 Ariminus fl. Umbriae 217.  
 Arion citharoedus 618, Adrastris equus 404.  
 Ariobarzanes rex Cappadociae 540.  
 Arisba opp. Troadis 585, 590, 635.  
 Aristarcha sacerdos Massiliensis 179.  
 Aristarchus grammaticus 30—33, 36, 103,  
 609, 650.  
 Aristaeas Proconnesius 21, 589, 639.  
 Aristides pictor 381.  
 Aristio tyrannus Atheniensis 398.  
 Aristippus philosophus 837.  
 Aristo Atheniensis 15, Ceus 486, 688, 790.  
 Ceus 658, citharoedus Rheginus 260.  
 Aristobulus rerum scriptor 509, 518, 672,  
 691—693, 695, 701, 706, 707, 714, 730,  
 741, 766, 824, rex Iudaeae 762.  
 Aristocles Rhodius 655.  
 Aristocrates rex Orchomeni 362.  
 Aristodemus rhetor et grammaticus 650.  
 Aristicus grammaticus 38, Pergamenus  
 646.  
 Aristopatra Crateri mater 702.  
 Aristoteles Stagiritae 29, 94, 95, 102, 143,  
 153, 182, 299, 321, 331, 345, 373, 374,  
 380, 445, 447, 448, 608—610, 618, 695,  
 703, 757, 790.  
 Aristoxenus musicus 16.  
 Aristus Cyprius historicus 682, 730.  
 Arius fl. Aeriae 514, 518, Augusti amicus  
 670.  
 Ariusius ager in Chio insula 645.  
 Armena opp. Paphlagoniae 545.  
 Armenia et Armenii 41, 42, 45, 43, 49,  
 61, 73, 79, 80, 117, 129, 130, 288, 399,  
 492, 498, 500, 501, 503, 506, 509, 511,  
 520—524, 528, 556, 747, maior 521, 555,  
 742, minor 521, 527, 528, 541, 547, 548,  
 555, 560, 678.  
 Armeniaca vestis 500, 525, 530.  
 Armenici montes 74, 77, 78, 80, 82, 83,

- 497, 508, 527, 530. Armenicae portae 80, 82.  
 Armenium opp. Thessaliae 503, 530.  
 Armenus Thessalus 503, 530, 531.  
 Arminius dux Cheruscorum 291, 292.  
 Arnaei Thessaliae incolae 401, 411.  
 Arnaeus 551.  
 Arna opp. Thessaliae 401, 411, 435, 439.  
 Arnus fl. Etruriae 222.  
 Aroma opp. Lyciae 650.  
 Arotrebae i. q. Artabri.  
 Arotria i. q. Eretria.  
 Arpi opp. Dauniorum v. Argos Hippium et Argyrippa.  
 Arretium opp. Etruriae 222, 226.  
 Arrhabaeus princeps Lyncestarum 326.  
 Arrhechi natio Maotica 495.  
 Arsacae reges Parthorum 702, 749.  
 Arsaces Scythia 513, 515. Pharnacis f. 560.  
 Arsacia opp. Mediae eadem q. *Πάγα* 524.  
 Arsene lacus Armeniae 529.  
 Arses rex Persarum 736.  
 Arsinoe opp. Ciliciae 670. duo oppida Cypri 682, 683. opp. Aethiopiae 769, 773. opp. Cyrenaicae 836, 837. opp. Aegypti ad sinum Arabicum 804. in pago Arsinoitico dicta antea *Κροκοδείλων πόλις* 811, 812. opp. Aetoliae 460. i. q. Ephesus 640. i. q. Patara 666. prom. Cypri 683.  
 Arsinoites pagus 789, 809—812.  
 Arsinus 371, cf. Erasinus.  
 Arsites satrapa Phrygiae 766.  
 Artabazus Apamae pater 578.  
 Artabri s. Arotrebae pop. Lusitaniae 120, 137, 147, 153, 154, 175.  
 Artaca mons 576. insula 576. opp. ibi situm 582, 635.  
 Artacena opp. Ariae 516.  
 Artacene 738.  
 Artagerae castellum Armeniae 529.  
 Artanes Sophenus 532.  
 Artavasdes rex Armeniae 524, 529, 530, 532.  
 Artaxata opp. Armeniae 527—529.  
 Artaxerxes 49, 656.  
 Artaxias rex Armeniae 528, 531, 532.  
 Artaxiasata i. q. Artaxata.  
 Artemidorus Ephesius geographus 137, 138, 148, 157, 159, 164, 167, 170, 172, 183, 185, 198, 224, 245, 261, 267, 285, 335, 368, 389, 433, 436, 459, 460, 475, 485, 496, 570, 571, 622, 632, 640, 641, 642, 663, 665, 670, 677, 719, 760, 769—779, 801, 804, 825, 829, 830. Cnidius 656. Tarsensis 675.  
 Artemisia Mausoli soror et uxor 656.  
 Artemisium opp. Iberiae 159, 161. prom. Cariae cum Dianae templo 651.  
 Artemita opp. Assyriae 519, 744.  
 Echinadum 59.  
 Artis locus quo Lebedus condita est  
 Arupinum opp. Iapodum 207, 314.  
 Arverni pop. Galliae 189—191, 193, 196.  
 Arxata opp. Armeniae 529.  
 Asander rex. Bosporanorum 311, 495, 564.  
 Asca opp. Arabiae 782.  
 Ascalon opp. Iudaeae 759.  
 Ascania regio Phrygiae 551, 564, 681. regio Mysiae aut Bithyniae 565, 680. lacus Bithyniae 563—566, vicus Mysiae 681.  
 Ascianus fl. Bithyniae 566, 681. Aem. f. 229, 607, 608. dux Phrygum et sorum 565.  
 Asclepiadae in Thessalia 434, 438.  
 Asclepiades Myrleanus 157. Prusen. 566.  
 Ascra opp. Boeotiae 409, 413, 423, 622.  
 Asculum Picenum 241.  
 Asea vicus Arcadiae 275, 343.  
 Asia 14, 32, 35... Romanorum p. vincia 624.  
 Asiarchae magistratus provinciae Asiae 649.  
 Asias heros 650.  
 Asii gens Scythica 511.  
 Asinaeus sinus i. q. Messeniacus sinus 359, 360.  
 Asina opp. Messeniae 359, 360, 373. opp. Laconicae 363. opp. Argolidis 360, 373.  
 Asinius (Pollio) 193.  
 Asionenses et Esionenses 627.  
 Asium pratum 650.  
 Asius Dymantis f. 590. Hyrtacides Tro. nus 583, 590. Asius poeta 265.  
 Asopia pagus Sicyoniae 382, 408.  
 Asopides Thebae 387.  
 Asopus fl. Sicyoniae 271, 382, 408. Boeotiae 382, 408, 409, 411. fl. Phth. tidis 382, 408, 428, fl. Pari insulae 382. opp. Laconicae 364.  
 Aspaneus locus prope Idam 606.  
 Aspendus opp. Pamphyliae 570, 667.  
 Asphalius cognomen Neptuni 57.  
 Aspionis satrapia 517.  
 Aspis opp. ad Syrtim maiorem 836. opp. Carthaginiensium 277, 834. (v. Clypea) insula 643.  
 Aspledon opp. Boeotiae 415.  
 Aspordenus s. Asporenus mons 619.  
 Asporene cognomen matris deum i. q. Aspordene 619.  
 Aspurgiani Maotica gens 495, 556.  
 Assacani terra in India 691, 698.  
 Assus opp. Mysiae 581, 606, 610, 616, 735.



- Assyria 532, 736, 743.  
 Assyrii 42, 672, 736, 745, 746.  
 Asta opp. Iberiae 140, 141, 143.  
 Astaboras fl. Athiopiae 770, 771, 786, 821.  
 Astaceni gens Indica 698.  
 Astacenus sinus 459, 563.  
 Astacus opp. Bithyniae 459, 463. opp.  
   Acarnaniae 459.  
 Astae pop. Thraciae 319, 320, 331, frg. 48.  
 Astapus fl. Aethiopiae 771, 786, 821.  
 Astasobas fl. Aethiopiae 771, 786, 821.  
 Asteria et Asteris insula 59, 456, 457.  
 Asteron opp. Thessaliae 438, 439.  
 Asteropaues Pelegonis f. 331, frg. 38, 39.  
 Astigis opp. Hispaniae 141.  
 Astures s. Astyres 152, 155, 160, 162, 167.  
 Astyages rex Medorum 524, 730.  
 Astypalaea prom. Atticae 398. prom. Ca-  
   riae 658. vetus Coorum oppidum 457.  
   Sporadum una 488.  
 Astypalaeenses Rhoetei incolae 601.  
 Astyra opp. Mysiae 606, 613. opp. Troa-  
   dis 591.  
 Atabyris mons Rhodi 454, 655.  
 Atagis fl. Raetiae 207.  
 Atalanta ins. Atticae vicina 395, 425. ins.  
   Euboeae vicina 61, 395, 425.  
 Atargatis dea Syria 748, 785.  
 Atarnitae 611.  
 Atarneus opp. Mysiae s. Troadis 581, 607.  
   610, 614, 615, 622, 680.  
 Atax fl. Galliae 181, 189, 840.  
 Ateas rex Bosporanorum 307.  
 Ategua opp. Hispaniae 141.  
 Atella opp. Campaniae 249.  
 Ateporix tetrarcha Galatarum 560.  
 Aternum opp. Vestinorum 241, 242.  
 Aternus fl. Italiae 241, 242.  
 Atesinus fl. Raetiae 207.  
 Athamanes et Athamania 321, 326, 427.  
   429, 430, 434, 435, 440, 442, 449, 540.  
 Athamantis Tei cognomen 633.  
 Athamas Hali conditor 433. Tei conditor  
   633.  
 Athenae Atticae 15, 79, 396—398. opp.  
   Boeotiae 407. Athenae Diades opp.  
   Euboeae 446.  
 Athenaeum Minervae aedes in Campania  
   22, 247. Ephesi 634, 640. prom. Cam-  
   paniae 22, 60, 242, 247.  
 Athenaeus Attali f. 624. peripateticus 670.  
 Athenais vates Erythraea 645, 814.  
 Athenocles Amisum coloniam Athenien-  
   sium deducit 547.  
 Athenodorus physicus 6, 55, 173. ὁ Κορ-  
   δύλων Tarso oriundus 674, 675. ὁ  
   Κανανίτης Sandonis f. 674, 675, 779.  
 Athos 6, 330, frg. 31, 32, 331, frg. 33—  
   35, 447, 641.  
 Athribis opp. Aegypti 802.  
 Athribitae 813.  
 Athribites pagus 802.  
 Athrulla opp. Arabiae 782.  
 Athymbradus Lacedaemonius 650.  
 Athymbrus Lacedaemonius 650.  
 Athyras fl. Thraciae 331, frg. 56.  
 Atintanes gens Epirotica 326.  
 Atlanticum mare 5, 12, 26, 767.  
 Atlantides Atlantis filiae 346.  
 Atlantis insula 102.  
 Atlas Calypsus pater 26. mons Maurita-  
   niae 825—827.  
 Atmoni tribus Bastarnarum 306.  
 Atrax opp. Pelasgiotidis 438, 440, 441.  
 Atrebatii pop. Galliae 194.  
 Atreus 23, 372.  
 Atria opp. Galliae cisalpiniae 214.  
 Atridae 39, 372.  
 Atropatene s. Atropatia s. Media Atro-  
   patica 506, 522—524, 526, 527, 529, 532.  
 Atropates satrapa Mediae 523.  
 Attalia opp. Pamphyliae 667.  
 Attalici reges 228, 543, 563, 566, 567,  
   588, 609, 623, 624, 642, 647.  
 Attalus primus rex Pergami 603, 616, 624,  
   Philadelphus Eumenis frater 624, 641,  
   643, 667. Philometor Eumenis f. 624,  
   646. Philetaeri frater 624.  
 Attasii tribus Massagetarum 513.  
 Attea opp. Troadis 607.  
 Atthis i. q. Attica 395, 397. dialectus  
   Attica 333. historia Atticae 221, 392.  
 Attica et Attici 26, 28, 147, 221, 304, 333,  
   390, 397, 400, 405, 600, 604.  
 Atticae fodinae 147, 399. Atticum mel  
   399, 489. Attica cotula 735.  
 Aturia pars Assyriae 736, 737.  
 Atys Tyrrheni pater 219, 221.  
 Avenio opp. Cavarorum 185.  
 Aventinus 180, 234.  
 Avernus Campaniae sinus 26, 244—246.  
 Aufidus fl. Apuliae 283.  
 Auga Alei filia Telephi mater 615.  
 Augeas Epeorum rex 338, 341, 354—356,  
   359.  
 Augiae opp. Laconicae 364. opp. Locridis  
   364, 426.  
 Augila regio supra Cyrenaicam sita 838.  
 Augusta opp. Salassorum 206. Emerita  
   opp. Turdulorum in Hispania 151, 166.  
 Aulis opp. Boeotiae 298, 400, 401, 403,  
   404, 408, 444.  
 Aulon Messeniae 350. Aulon regius in  
   Syria 356.  
 Aulonia (cf. Caulonia) 261.  
 Ausci pop. Aquitaniae 190, 191.

- Ausones pop. Campaniae 232, 233, 242, 243, 255.  
 Ausionum mare 123, 128, 233, 324.  
 Autariatae gens Illyrica 313, 315—318, 329, frg. 4.  
 Autasio pater Therae 347.  
 Autolycus Sinopes conditor 439, 546.  
 Automala opp. Cyrenaicae 123, 836.  
 Auximum opp. Piceni 241.  
 Ἀξένος πόντος 298, 300.  
 Axius fl. Macedoniae 6, 327, 329, frg. 4, 12, 330, frg. 20, 21, 23, 24, 36.  
 Azamora opp. Cataoniae 537.  
 Azanes pop. Arcadiae 336, 388.  
 Azani et Azanitis opp. et regio Phrygiae 576.  
 Azara (alii Zara) opp. Armeniae 527. opp. Elymaidis 744.  
 Azaritus fons 563.  
 Azenienses pagus Atticae 398.  
 Azorus opp. Pelagoniae 327.  
 Azotii Iudaeae pop. 749.  
 Azotus opp. Iudaeae 759.
- B.**
- Babanum opp. Ponti 561.  
 Babylon Babylonia et Babylonii 7, 77, 78, 80, 81—91, 103, 741—743, 746. opp. Aegypti 807, 812.  
 Babyrsa castellum Armeniae 529.  
 Babys pater Pherecydis Syrii 487.  
 Bacchae 466, 468.  
 Bacchiadae gens Corinthiorum 326, 378.  
 Bacchides dux Sinopensium 546.  
 Bacchus 27, 48, 171, 198, 468—471, templum eius in Limnis 363. Rhodi 652. *πυργιγενής* 628. *μηροστραφής* 687. *Διονυσιακαὶ τέχνη* 474. *ὄργια* 470.  
 Bacchylides Ceus 486, 688.  
 Bactra Bactriana et Bactrii 14, 35, 68, 69, 70, 71, 72, 74, 75, 118, 129, 134, 472, 511, 513, 514, 516, 517, 518, 531, 686, 692, 697, 723, 724, 730, 816, 839.  
 Badas fl. Syriae 728.  
 Baenis fl. Lusitaniae 153.  
 Baetera opp. Galliae Narbonensis 182.  
 Baetica 139, 160, 162, 166.  
 Baetis fl. Hispaniae 139, 140, 142, 148, 162, 174, 840. opp. Hispaniae 141.  
 Baetrix pater Deudorigis 292.  
 Baeturia regio Hispaniae ad Anam sita 142.  
 Baetylus i. q. Oetylus opp. Laconicae 360.  
 Bagadaonia regio Cappadociae 73, 539.  
 Bagas nomen Paphlagonium 553.  
 Bagous eunuchus 736.  
 Bagradas fl. Africae 832.  
 Baiae opp. Campaniae 227, 243—246, 248.  
 Bajus comes Ulixis 26, 245.  
 Balanaca opp. Syriae 753.  
 Balari pop. Sardiniae 225.  
 Balbus Gaditanus 169.  
 Balbura opp. Lyciae 631.  
 Balearides s. Baliarides insulae 167. (cf. Gymnesiae)  
 Baliaricus Metellus 167.  
 Balithonis promontorium 834.  
 Bambyca opp. Syriae 748, 751.  
 Bandobene regio Indiae 697.  
 Barathra s. Berethra paludes circa Caesum montem 50, 741, 760, 803.  
 Barbarium prom. Lusitaniae 151.  
 Barca opp. Cyrenaicae 837.  
 Barcas Hannibalis pater 151, 158.  
 Bardi poetae Celtarum 197.  
 Bardyli, Bardyetae, Bardytiae pop. Hispaniae 155, 162.  
 Bargasa opp. Cariae 656.  
 Bargaosa opp. Indiae 720.  
 Bargus fl. Illyriae (cf. Margus) 318.  
 Barylia opp. Cariae 611, 658.  
 Baridis (?) templum 531.  
 Baris opp. Messapiae 281, 282. cf. Veturum.  
 Barium opp. Peucetiae 283.  
 Barnichius fl. Elidis 356.  
 Barnus opp. Macedoniae 323.  
 Basgoedariza castellum Armeniae 555.  
 Basilius fl. Mesopotamiae 747.  
 Basoropeda regio Armeniae 528.  
 Bassus Caecilius 752, 753.  
 Bastarnae 93, 118, 128, 289, 294, 296, 305, 306.  
 Bastetania et Bastetani s. Bastuli pop. Hispaniae 139, 141, 155, 156, 162, 163.  
 Bata opp. Ponti 496, 497.  
 Βαθύς λιμὴν apud Aulidem 403.  
 Batiae opp. Cassopaeorum 324.  
 Batiae collis in agro Troiano 573, 597, 623.  
 Bato dux Pannoniorum 314. Sinopensis Persicarum rerum scriptor 546.  
 Battus Cyrenae conditor 837.  
 Bebyrces 295, 541, 542, 554, 586, 678.  
 Belbina insula 375, 398.  
 Belgae 176, 177, 191, 194, 196.  
 Beli sepulcrum 738. sacrum apud Elymaeos 744.  
 Belio fl. Lusitaniae 153.  
 Bellerophontes 379, 573, 630, 667.  
 Belo opp. et fl. Baeticae 140.  
 Bellovacii pop. Galliae 194, 196, 208.  
 Bembina opp. Argolidis 377.  
 Βέναις lacus Italiae 209.



- Bendidea sacra* apud Athenienses 470, 471.  
*Beneventum* opp. Samnii 249, 250, 282, 283.  
*Berecynthes* et *Berecynthia* regio 469, 471, 472, 580, 680, 681.  
*Berenica* filia Salomae 765. opp. *Cyrenai- cae* 836, 837. opp. *Troglodytarum* 771, 815. opp. *Aegypti* 133, 769, 770, 815.  
*Berenicae* coma 3.  
*Berga vicus* *Macedoniae* 331, frg. 36, cf. in *Antiphanes*.  
*Berisades* rex *Odrysarum* 331, frg. 48.  
*Bermius mons* *Macedoniae* 330, frg. 25, 26, 680.  
*Beroea* opp. *Macedoniae* 330, frg. 26. opp. *Syriae* 751.  
*Berones* pop. *Hispaniae* 158, 162.  
*Bertiscus mons* *Macedoniae* 329, frg. 10.  
*Berytus* opp. *Phoenices* 683, 755, 756.  
*Besa* et *Besaecenses* pagus *Atticus* 426.  
*Besbicus* insula 572.  
*Bessa locus* *silvestris* *Locridis* 426.  
*Bessi* gens *Thraciae* 318, 331, frg. 48.  
*Bessus* 513, 518, 697, 724.  
*Betera* ( *Vetera* ? ) opp. *Hispaniae* 160.  
*Bias* *Prienensis* 636.  
*Biasas* nomen *Paphlagonium* 553.  
*Bibracte castellum* *Aeduorum* 192.  
*Bilbilis* opp. *Celtiberorum* 162.  
*Billarus* *Sinopensis* *sphaerae* artifex 546.  
*Bio astrologus* 29, *Borysthenita* 15, 486.  
*Bisa fons* *Elidis* 356 (cf. *Pisa*).  
*Bisaltae* pop. *Macedoniae* 329, frg. 11, 331, frg. 36.  
*Bistones* gens *Thraciae* 331, frg. 44.  
*Bistonis lacus* *Thraciae* 59, 331, frg. 44, 47.  
*Bithyni* et *Bithynia* 129, 295, 534, 541, 543, 544, 562—566, 574, 594, 625, 840.  
*Bituriges* *Cubi* 191.  
*Bituytus* *Arvernus* 191.  
*Bizona* opp. *Moesiae* 54, 319.  
*Bizya* opp. *Thraciae* 331, frg. 48.  
*Blaene regio* *Paphlagoniae* 562.  
*Blasco insula* 181.  
*Blaudus* opp. *Phrygiae* 567.  
*Bleminatis, ager* *Bleminae* in *Laconica* 343.  
*Blemmyes* pop. *Aethiopiae* 786, 819.  
*Blera* opp. *Etruriae* 226.  
*Blersino* opp. *Corsicae* 224.  
*Blucium* ( *Luceium* ? ) castellum *Tolistobogiorum* 567.  
*Boagrius fl.* *Locridis* 60, 426.  
*Bocalia s.* *Bocarus fl.* *Salaminis* 394.  
*Bocchus* rex *Mauritaniae* 828.  
*Boea* opp. *Laconicae* 364.  
*Boeba* opp. *Magnesiae* 436, 438, 530.  
*Boebeis lacus* *Thessaliae* 430, 436, 438, 441—443, 503, 530.  
*Boenoa* opp. *Elidis* 338.  
*Boeoti* opp. *Laconicae* 360.  
*Boeotia* et *Boeoti* 10, 65, 321, 332, 336, 397, 400—416.  
*Boeotus f.* *Melanippae* 265.  
*Boerebistas* ( *Byrebistas* ) rex *Getarum* 298, 303, 304, 762.  
*Boethus Sidonius* 757. *Tarsensis* 674.  
*Boeum urbs* *Dorica* 427, 475.  
*Bogus rex* *Mauritaniae* 100—102, 359, 827, 828.  
*Boianum* opp. *Samnitum* 250.  
*Boii* pop. *Galliae* 195, 206, 212, 213, 216, 293, 296, 304, 313, 315. *Botorum desertum* 292.  
*Boius mons* *Oristidis* 329, frg. 6.  
*Bolbe lacus* *Macedoniae* 331, frg. 36.  
*Bolbitinum ostium* *Nili* 801.  
*Bomienses* gens *Aetoliae* 451.  
*Bonones f.* *Phraatis* 748.  
*Bononia* opp. *Italiae* 216.  
*Βοὸς ἀνλή* antrum *Euboeae* 445.  
*Boosura* opp. *Cypri* 683.  
*Borium prom.* *Cyrenaicae* 836.  
*Borrhama* arx montis *Libani* 755.  
*Borsippa* opp. *Babyloniae* 739.  
*Borysthenes* 62, 71, 73—75, 107, 114, 116, 125, 126, 135, 298, 306.  
*Bosporani s.* *Bosporiani* 307, 309—312, 492, 495, 762.  
*Bosporii i. q.* *Bosporiani* 310.  
*Bosporus Cimmericus* 6, 20, 73, 109, 125, 293, 307, 310, 312, 492, 494, 495, 506, 547, 553, 625. *Thracius* 125, 319, 566.  
*Botrys castellum* *Syriae* 755.  
*Bottiaea* et *Bottiaei* pop. *Macedoniae* 279, 282, 329, frg. 11, 330, frg. 20.  
*Botto dux* *Bottiaeorum* 329, frg. 11.  
*Boxus s.* *Boxes Persa* 779.  
*Brachmanes philosophi* *Indorum* 712—719.  
*Branchidae sacerdotes* *Apollinis* 421, 518, 634, 814. eorum oppidum in *Sogdiana* 518.  
*Branchus antistes* templi *Apollinis* 421, 634.  
*Brauro* opp. *Atticae* 371, 397, 399.  
*Brenae* pop. *Thraciae* 331, frg. 48.  
*Brennus dux* *Gallorum* 187.  
*Breuci* pop. *Pannoniae* 314.  
*Breuni* gens *Illyrica* 206.  
*Brigantii* pop. *Vindelicorum* 206.  
*Brigantium* opp. *Brigantium* 179, 206.  
*Briges* pop. *Thraciae* 295, 330, frg. 25.  
*Brilessus mons* *Atticae* 399.  
*Briseis* 584.  
*Britannia* et *Britanni* 63, 75, 114—116, 118, 199—201.  
*Britannicae insulae* 93, 114, 129, 147.

- Britomartis nympha 479.  
 Brixia opp. Insubrium 213.  
 Bructeri pop. Germaniae 291, 292.  
 Brundisium opp. Iapygiae 233, 249, 277,  
 281—283, 285, 324.  
 Bruttii regio et populus Italiae 211, 228,  
 251, 253—256, 261, 283.  
 Brutus Callaicus, 152, 153, 155. Decimus  
 205. victus ad Philippos 331, frg. 41.  
 Bryanium opp. Macedoniae 327.  
 Bryges s. Brygi i. q. Phryges 550.  
 Brygi pop. Epiri 326, 327.  
 Bubastus opp. Aegypti 805.  
 Bubo opp. Lyciae 631.  
 Buca opp. Frentanorum 242, 285.  
 Bucephalus Alexandri equus 698.  
 Bucephalia opp. Indiae 698.  
 Buchetium opp. Cassopaeorum 324.  
 Bucoli in Aegypto 792, 802. *Βουκόλων*  
*πόλις* in Iudaea 758.  
 Budorus fl. Euboeae 446. mons Salaminis  
 ibid.  
 Buiaemum Marobodi sedes 290.  
 Buprasium opp. Elidis 340, 341, 345,  
 349, 352, 357, 387, 453.  
 Bura opp. Achaiae 54, 59, 371, 385, 386.  
 Burdigala opp. Galliae 190.  
 Busiris rex Aegyptiorum 802. opp. Ae-  
 gypti ibid.  
 Buthrotum opp. Epiri 324.  
 Butica palus in Aegypto 802.  
 Butones pop. Germaniae 290.  
 Butrium opp. Umbrorum 214.  
 Butus opp. Aegypti 802.  
 Byblus opp. Phoenices 755.  
 Bylliae regio Illyrici 316.  
 Bylliones pop. Illyrici 326.  
 Byrchanis insula 291.  
 Byrebistas v. in Boerebistas.  
 Byrsa arx Carthagini 832, 833.  
 Byzacii pop. Libyae 131.  
 Byzantiacum ostium 21, 49, 71, 125, 318,  
 563.  
 Byzantium et Byzantii 51, 63, 74, 76, 106,  
 115, 125, 134, 135, 318—320, 541, 545,  
 576, 584, 656, 677.  
 Byzeres gens Pontica 549.
- C.**
- Cabaeum prom. Ostimiorum 64.  
 Cabalenses i. q. Solymi 630.  
 Cabalis opp. et regio Phrygiae et Lyciae  
 629—631.  
 Caballa opp. Armeniae 529.  
 Caballio opp. Galliae 179, 185.  
 Cabira opp. Ponti 556, 557.  
 Cabira et Cabirides nymphae 472.  
 Cabiri 331, frg. 51, 466, 470, 472, 473.  
 Cabirus mons Berecynthiae 472.  
 Cabyllinum opp. Galliae 192.  
 Cadena opp. Cappadociae 537.  
 Cadi opp. Phrygiae 576.  
 Cadma i. q. Priene 636.  
 Cadmea arx Thebarum 321, 401, 412.  
 Cadmus Cadmeae conditor 321, 326, 401,  
 447, 680. Milesius rerum scriptor 18,  
 635. fl. et mons Phrygiae 578.  
 Cadurci pop. Galliae 190, 191.  
 Cadusii pop. Asiae 507, 508, 510, 514,  
 523, 524.  
 Caecias ventus 29.  
 Caecubum ager Latii 231, 233, 234.  
 Caelia opp. Apuliae 282.  
 Caelius mons 234.  
 Caeni pop. Thraciae 624.  
*Καινὸν χωρίον* castellum Ponti 557.  
 Caenys prom. Italiae 257, 265.  
 Caepio dux Romanus 180, 188, 260.  
 Caepionis turris 140.  
 Caeratus i. q. Cnossus 476.  
 Caere opp. Etruriae 220, 226.  
 Caesaraugusta opp. Celtiberorum 151,  
 161, 162.  
 Caesarea opp. Numidia 831.  
 Caesarium templum Alexandriae 794.  
 Caesena opp. Italiae 217.  
 Caicus fl. Mysiae 571, 581, 582, 607, 611,  
 615. Caici fontes 572, 616. Caici cam-  
 pus 576, 615, 616, 624, 691.  
 Caieta prom. Latii 233.  
 Calabria et Calabri 277, 282.  
 Calachene regio Assyriae 530, 736.  
 Calaguris opp. Hispaniae 161.  
 Calamis statuarius 319.  
 Calanus Indus 686, 715—718.  
 Calasarna opp. Lucaniae 254.  
 Calatia opp. Campaniae 248, 249, 283.  
 Calauria insula 124, 369, 373, 374.  
 Calbis fl. Cariae 651.  
 Calchas vates 284, 570, 642, 643, 668,  
 675.  
 Cales et Caleni in Campania 237, 243, 249.  
 Caleti pop. Galliae 189, 194, 199.  
 Callaici pop. Hispaniae 147, 152, 155,  
 157, 162, 164, 166.  
 Callas fl. Euboeae 445.  
 Callatianus v. Demetrius.  
 Callatis opp. Moesiae 318, 319, 542.  
 Calliarus opp. Locridis 426.  
 Callias Lesbius 618.  
 Callicolona collis Troadis 597, 598.  
 Callidromus pars Oetae 428.  
 Callimachus poeta Cyrenaeus 44, 46, 216,  
 299, 347, 353, 397, 438, 484, 479, 638,  
 656, 805, 837, 838.



- Callinicus cf. Seleucus.  
 Callinus poeta 604 627, 633, 647, 648, 668.  
 Calliopa Corybantum mater 472.  
 Callipidae gens Seythica 550.  
 Callipolis opp. Siciliae 272. opp. Chersonesi Thraciae 331, frg. 56, 589. opp. Macedoniae 331, frg. 36.  
 Callista i. q. Thera 347, 837.  
 Callisthenes historicus 362, 517, 531, 542, 588, 594, 611, 627, 635, 667, 680, 719, 790, 814.  
 Callydium castellum Mysiae 574.  
 Calpa opp. Hispaniae 51, 140, 141. mons Hispaniae 108, 139, 148, 156, 168—170.  
 Calpas fl. Bithyniae 543.  
 Calyba opp. Astarum 320.  
 Calycadnus fl. Ciliciae 627, 670.  
 Calydna i. q. Tenedus 604.  
 Calydnae insulae 488, 489, 604.  
 Calydon opp. Aetoliae 427, 450, 451, 459, 460, 463, 465. Calydonius aper 380, 466.  
 Calymna s. Calymnae insula 489.  
 Calynda opp. Cariae 651.  
 Calypsus insula 44, 299.  
 Camarina opp. Siciliae 266, 272.  
 Cambysene regio Armeniae 501, 502, 528.  
 Cambyses 473, 736, 790, 805, 816, 820.  
 Camerinum opp. Umbriae 227.  
 Camici opp. Siciliae 273, 279.  
 Camillus Vulcani f. 472.  
 Camirenses 655.  
 Camirus opp. Rhodi 653—655.  
 Camisa castellum Ponti 560.  
 Camisene regio Cappadociae 546, 560.  
 Campani et Campania 219, 231—233, 237, 240, 242—249.  
 Campodunum opp. Vindelicorum 206.  
 Campsiani pop. Germaniae 291.  
 Camuni pop. Raetorum 206.  
 Canae opp. Aeolidis 446, 615. s. Cana mons et prom. Aeolidis 581, 606, 607, 615—617.  
 Canaea ager Canarum 615.  
 Cananita v. Apollodorus.  
 Canastrum prom. Macedoniae 330, frg. 25.  
 Canastrum prom. Pallenes 330, frg. 32.  
 Candaca regina Aethiopum 820, 821.  
 Candavia montes Illyrici 323, 327.  
 Canethus collis Euboeae 447.  
 Canidius dux Romanorum 501.  
 Cannae opp. Apuliae 285.  
 Canobus stella 3, 119. opp. Aegypti 85, 666, 800, 801. Menelai gubernator 801.  
 Canobicum Nili ostium 64, 85, 91, 786, 788, 791, 800, 801. Canobica porta Alexandriae 795, 800. Canobica fossa 795, 800, 801.  
 Cantabri 153. Cantabri Conisci 162.  
 Cantabria 153, 157, 165, 821.  
 Cantharium prom. Sami 639.  
 Cantharolethrum locus prope Olynthum 330, frg. 30.  
 Cantium regio Britanniae 63, 193, 199.  
 Canusinus portus ad Aufidum 283.  
 Canusium opp. Apuliae 282, 283.  
 Capedunum opp. Scordischorum 318.  
 Caphereus prom. Euboeae 368.  
 Caphyenses opp. Arcadiae 388.  
 Capitulum opp. Latii 238.  
 Capitolium 200, 230, 234, 236, 278, 319, 557, 637.  
 Capnobatae epitheton Mysorum 296, 297.  
 Cappadoces et Cappadocia 73, 288, 533—540. ad Pontum 532, 534, 678.  
 Capreae insula 22, 60, 123, 247, 248, 258, 268.  
 Capria lacus Paphlagoniae 667.  
 Caprus portus Chalcidicae 331, frg. 33, 35. insula 331, frg. 33, 35. fl. Phrygiae 578. fl. Assyriae 738.  
 Capsa opp. Numidia 831.  
 Capua opp. Campaniae 237, 242, 248, 249, 283.  
 Cappyae opp. Arcadiae 608.  
 Capys Troianus 608.  
 Caralis opp. Sardiniae 224.  
 Carambis prom. Paphlagoniae 125, 309, 496, 545, 546.  
 Carana opp. Ponti 560.  
 Caranitis 560.  
 Carcathiocerta opp. Armeniae 527.  
 Carcinites sinus 307, 308, 311.  
 Carcoras fl. Norici 207, 314.  
 Cardaces 734.  
 Cardamyla opp. Messeniae 360, 361.  
 Cardia opp. Chersonesi Thraciae 331, frg. 52, 54.  
 Carduchi pop. Asiae 747.  
 Carenitis regio Armeniae 528.  
 Cares 6, 651—664.  
 Caresene regio Troadis 602, 603.  
 Caresus opp. Troadis 554, 602, 603. fl. Troadis 602, 603.  
 Caria 65, 651—664. Cariae fines 563. montes 632. litus 383, 665. Carica 65.  
 Caricus Iuppiter 659. Caricus imperator (Hybreas) 660. Carica arma 661.  
 Carmalas fl. Cataoniae 537.  
 Carmania 78—80, 723—727.  
 Carmani 720, 726.  
 Carmelus mons Iudaeae 758, 759.  
 Carmentis Euandri mater 230.  
 Carmon opp. Hispaniae 141.  
 Carmylessus opp. Lyciae 665.  
 Carna s. Carnana opp. Arabiae 768.  
 Carneades Academicus 838.

- Carneates mons Sicyoniae 382.  
 Carni gens Alpina 206, 207, 216, 292, 314.  
 Carnus opp. Syriae 753.  
 Carnuti pop. Galliae 191, 193.  
 Carpasia opp. Cypri 682.  
 Carpsiae insulae ibid.  
 Carpathium mare 124, 488, 489.  
 Carpathus insula 124, 489.  
 Carpetani 139, 141, 152, 162.  
 Carpetania regio Hispaniae 142.  
 Carthae opp. Mesopotamiae 747.  
 Carseoli opp. Latii 238.  
 Carsulae opp. Umbriae 227.  
 Carta opp. Hyrcaniae 508.  
 Cartailas opp. Hispaniae 159.  
 Carteia opp. Hispaniae 141, 145, 148, 151.  
 Cartera vicus Thraciae 331, frg. 44.  
 Carthaea opp. Cei insulae 486.  
 Carthaginienses 66, 832—836.  
 Carthaginensis sinus 832, 834, lapis 830, 835, ager in Africa 131, 267, 831, 832, in Hispania 161.  
 Carthago 64, 832—834. Carthago nova opp. Hispaniae 147, 148, 156, 158, 159, 161, 163, 167, 175, 827, 828.  
 Carura opp. Phrygiae 557, 578, 580, 630, 663.  
 Caryanda opp. et insula Cariae 658.  
 Caryandenses ibid.  
 Carystius lapis 437, 446.  
 Carystus opp. Euboeae 416, 446, locus Laconicae 446.  
 Casander rex Macedoniae 330, frg. 21, 24, 25.  
 Casandra 264, 600.  
 Casandrea opp. Macedoniae 330, frg. 25, 27, 31.  
 Casiana castellum Syriae 752.  
 Casilinum opp. Campaniae 237, 238, 249, 283.  
 Casinum opp. Latii 237.  
 Casium mons Aegypti 38, 50, 55, 58, 741, 758—760, 796, mons Syriae 742, 750, 751.  
 Caspiae portae 60, 64, 78—81.  
 Caspianae regio Albaniae 502, 528.  
 Caspii 497, 502, 506, 514, 517, 520.  
 Caspium mare 35, 491—531.  
 Caspius mons Caucasus 91, 92, 497, 514.  
 Cassiepea stella 134, 135.  
 Cassiopa portus Epiri 324.  
 Cassius Caesaris percussor 331, frg. 41, 752.  
 Cassopaei pop. Epiri 321, 324, 325.  
 Castabala opp. Ciliciae 535, 537.  
 Castalia fons 418.  
 Castellum portus Firmi Piceni 241.  
 Casthanaea opp. Magnesiae 438, 443.  
 Castor pater Deiotari 562. Sacondari f Deiotari gener 568.  
 Castrum s. Castrum novum opp. Piceni 241.  
 Castulo opp. Hispaniae 142, 148, 152, 160, 166.  
 Casus insula 489.  
 Casystes portus Erythraeorum 644.  
 Catabathmus mons et opp. Aegypti 791, 798, 825, 838.  
 Catacecaumene regio Mysiae vel Lydiae 576, 579, 626, 628. Catacecaumenes vinum 628, 637.  
 Catanaea 269, 272, 274, 628.  
 Catana opp. Siciliae 240, 247, 266—268, 272. Catinenses 268, 269, 272.  
 Catao Apollo 537.  
 Cataones pop. Taurum accolens 130, 528, 533, 535, 537, 678.  
 Cataonia pars Cappadociae 53, 134, 521, 533—536, 675, 680.  
 Cataracta fl. Pamphyliae 667. Anienis 238. Euphratis 740. Nili 786, 787, 817, 818.  
 Catennenses gens Pisidiae 570.  
 Cathaea regio Indiae 599.  
 Cathaei ibid.  
 Cathylci pop. Germaniae 292. cf. Caulci.  
 Cato Uticensis 515, 674, 684, 685, 836.  
 Κατοπτήριος χώρος in Parnasso 423.  
 Catoriges gens Alpina 204.  
 Cattabanenses pop. Arabiae 768.  
 Cattabania ibid.  
 Cattiterides insulae 120, 129, 147, 175.  
 Cavares pop. Galliae 185, 186.  
 Caucasus isthmus 129, 491, 499.  
 Caucasus 68, 497—499, 504—506, 688—690.  
 Cauci pop. Germaniae 291.  
 Caucon fl. Achaiae 342, 387.  
 Caucones in Elide 321, 322, 337, 342, 345, 346, 353, 355, 387, 554, 572.  
 Cauconia vetus Elidis nomen 345.  
 Cauconiatae s. Cauconitae in Paphlogonia 345, 541, 542, 678, 680.  
 Cauconis monumentum in Elide 345.  
 Caudium opp. Samnitium 249, 283.  
 Caulci pop. Germaniae 291.  
 Caulonia opp. in Bruttis 261. (v. Aulonia) opp. Siciliae ibid.  
 Caunii 651, 652.  
 Caunus opp. Cariae.  
 Caystriani Larisaei 621.  
 Caystrus heros 650.  
 Caystrus fl. Ioniae 621, 641, 642, 650, 691. Caystri campus 440, 620, 626, 627, 629, 691.  
 Cebren s. Cebrene opp. Troadis 596, 604, 607.



- Cebreni in Troade 590, 597, 606. in Thracia 590.  
 Cebrenia pars Troadis 596, 597.  
 Cebriones 596.  
 Cecropia arx Athenarum 397.  
 Cecrops 321, 397, 407.  
 Celadon fl. Elidis 343, 348.  
 Celaenae collis Troadis 577. opp. Phrygiae 577—579, 616, 629.  
 Celaeno una e Danaidibus 579.  
 Celaenus f. Neptuni 579.  
 Celenderis opp. Ciliciae 670, 760.  
 Celmis unus e Dactylis 473.  
 Celossa mons Sicyoniae 382.  
 Celsa opp. Hispaniae 161.  
 Celtae 10, 176—178, 195—201.  
 Celtiberi 33, 161—164.  
 Celtiberia 142, 148, 162, 163, 165.  
 Celtibericum bellum 162.  
 Celtica 7, 176—199. cisalpina 195, 211, 212, 217, 218, 227, 240, 287, 292. Celtici populi 128, 165, 212, 289, 296, 313. sinus 137. Celtica armatura 315.  
 Celtici pop. Hispaniae 139, 141, 151, 153.  
 Celtoligyes 203.  
 Celtoscythae 33, 507.  
 Cemeni montes in Gallia 128, 146, 177, 178, 182, 185, 187, 180—191, 208.  
 Cenaenum prom. Euboeae 60, 426, 429, 435, 444, 446.  
 Cenchreae portus Corinthiorum 54, 56, 369, 380. opp. Argolidis 376.  
 Cenchrius fl. prope Ephesum 639.  
 Cenomani pop. Galliae cisalpiniae 216.  
 Centauri 346, 427, 434, 439.  
 Centrones gens Alpina 204, 205, 208.  
 Centuripae opp. Siciliae 272, 273.  
 Ceos insula 448, 485, 486.  
 Cephalae prom. in Syrti maiori 835, 836.  
 Cephalles s. Cephalles 452, 456, 461.  
 Cephalenia 124, 335, 338, 451—458, 637.  
 Cephaleniacum fretum 351, 455.  
 Cephaloedium opp. Siciliae 266, 267.  
 Cephalon Gergithius 589.  
 Cephalus f. Deionei 452, 456, 459, 461.  
 Cepheneas 42.  
 Cephisia opp. Atticae 397.  
 Cephisia lacus Boeotiae 407, 411.  
 Cephisus. fl. Phocidis et Boeotiae 16, 405—407, 424, 427. fl. Atticae 400, 424. fl. Salaminis 424. Sicyoniae, Scyri, Argolidis ibid. fons Apolloniae ibid.  
 Cephis opp. Bospori Cimmerii 495.  
 Ceramietae pop. Cariae 660.  
 Ceramus opp. Cariae 656.  
 Cerasus opp. Ponti 548.  
 Cerata montes Atticae 395.  
 Ceraunia in ora Illyrica 21, 105, 281, 283, 285, 316—318, 324, 326, 390. pars Caucasi 501, 504.  
 Cerberus 363.  
 Cerbesii pop. Phrygiae 380. Cerbesium carmen ibid.  
 Cercaphus Ormeni pater 438.  
 Cercesura opp. Aegypti 806.  
 Cercetae pop. Asiae 492, 496, 497.  
 Cerceteus mons Icariae 488.  
 Cercinna insula et opp. 123, 831, 834.  
 Cercinnitis insula 834.  
 Cercetae pop. Ponti 548.  
 Cereate opp. Latii 238.  
 Ceres 331, frg. 50, 393, 468. colitur in insula Britanniae vicina 198. Ennae 272. Pyli 435. Romae 381. Pyrsi 435. Pylis 420, 429. Eleusine 495. Ephesi 633.  
 Cereus fl. Euboeae 449.  
 Cerilli opp. Bruttiorum 255.  
 Cerinthus opp. Euboeae 445, 446.  
 Cerna insula 47.  
 Cerrhetani pop. Hispaniae 162.  
 Cersobleptes rex Odrysarum 331, frg. 48.  
 Cerynea opp. Achaiae 387.  
 Cestrus fl. Pamphyliae 571, 667.  
 Cetei 616, 620, 678, 680.  
 Ceteum fl. Mysiae 616.  
 Chaa opp. Triphyliae 348.  
 Chaalla opp. Arabiae 782.  
 Chaarene regio Arianae 725.  
 Chabaca opp. Ponti 548.  
 Χαβρόλιον χάραξ vicus Aegypti 760.  
 ζώνη in Delta Aegypti 803.  
 Chabum opp. Chersonesi Tauricae 312.  
 Chaeanoctae pop. Caucasi 506.  
 Chaeremon Alexandrinus 806.  
 Chaeronea opp. Boeotiae 407, 413, 414.  
 Chaeronenses 424.  
 Chalastra opp. Macedoniae 330, frg. 201, 21, 23, 24.  
 Chaldaei sapientes Babylonii 23, 739, 762, 806. pop. Babyloniae 687, 739, 765—767. pop. Ponti 548, 549, 551, 555.  
 Chalcedon opp. Bithyniae 320, 541, 543, 563, 566, 609.  
 Chalcedonii 319, 320, 543, 546, 548, 563.  
 Chalcedonicum littus 320, 563. sacrum 319, 543, 563.  
 Chalcretors (non Chalcetor) opp. Cariae 636, 658.  
 Chalcia s. Chalcis mons Aetoliae 451, 459, 460.  
 Chalcia una Sporadum 488, 655.  
 Chalcidenses in Euboea 243, 246, 247, 257, 260, 447, 449, 472. in Ionia 644. in Thracia 329, frg. 11.

- Chalcidica terra 575.  
 Chalcidice regio Syriae 753.  
 Chalcidici 331, frg. 35.  
 Chalcidicum fretum (Euripus) 36, 55, 400, 403, 447.  
 Chalcis opp. Euboeae 403, 445—448, 451, 463. opp. Aetoliae 427, 447, 451, 460. opp. Triphyliae 343, 350, 351. opp. Syriae 753, 755. fl. Triphyliae 343, 351. mons Aetoliae cf. Chalcia.  
 Chalonitis regio Assyriae 529, 736.  
 Chalyba opp. Ponti 549, 551.  
 Chalybae pop. Ponti 528, 549—551, 678.  
 Chalybonium vinum 735.  
 Chamanene praefectura Cappadociae 534, 540.  
 Chanes fl. Albaniae 500.  
 Chaones gens Epirotica 323, 324.  
 Characoma castellum frg. 48.  
 Charadra opp. Messeniae 360.  
 Charadrus castellum Ciliciae 669.  
 Charax opp. Corsicae 224. locus ad Syrtim maiorem situs 836. Chabriae cf. Chabrias. Patrocli cf. Patroclus. Meleagri cf. Meleager. Sesostri 769, 790.  
 Charaxus frater Sapphus 808.  
 Chares Lindius 652.  
 Chares fl. Colchidis 499.  
 Charilaus rex Spartae 482.  
 Χαριμότου βωμός in ora Aethiopica 774.  
 Charmides pater Phidiae 353.  
 Charmolaus Massiliensis 165.  
 Carmothas opp. et portus Arabiae 777.  
 Charon Lampsaenus 583, 589.  
 Charondas legum lator 539.  
 Charonium 579, 636, 649. cf. Plutonium.  
 Charybdis in freto Siculo 5, 20, 21, 23, 25, 26, 43, 268. terrae hiatus in Syria 275.  
 Chatramotitae pop. Arabiae felices 768.  
 Chatramotitis ibid.  
 Chatti pop. Germaniae 291, 292.  
 Chattuarii pop. Germaniae 291, 292.  
 Chaubi pop. Germaniae 291.  
 Chaulotaci pop. Arabiae 767.  
 Chazene regio Assyriae 736.  
 Chelidoniae insulae prope oram Pamphyliae 520, 651, 663, 666, 677, 682.  
 Chelonatas prom. Elidis 335, 338, 342, 343, 348, 456 (836).  
 Chelonophagi 773.  
 Χελωνῶν νῆσος ins. Aethiopiae 773.  
 Chersonesitae incolae Chersonesi Tauricae 308—312.  
 Chersonesus opp. Chersonesi Tauricae 308, 309, 312, 542. i. q. Apamea in Syria 752. portus Lycti in insula Creta 479, 838. castellum Aegypti 799. prom. et portus Cyrenaicae 338. opp. Hispaniae 159.  
 Chersonesus Thracica ad Hellespontum 92, 108, 124, 129, 331, frg. 52—54, 455, 589, 591, 595. Taurica vel Scythica a Maecotim paludem 308—312, 545. maior 307. minor 308.  
 Chersicrates Heraclides Corcyrae conditor 269.  
 Chersiphron architectus 640.  
 Cherusci pop. Germaniae 291, 292.  
 Chilicomum ager Amasenorum 561.  
 Chimaera monstrum 665. vallis Lyciae 665, 666.  
 Chimerium prom. Epiri 324.  
 Chirocrates (Igd. Dinocrates) architectus 641.  
 Chium vinum 637, 657. figlinum 317.  
 Chius insula 124, 482, 488, 589, 619, 621, 632, 633, 645. opp. insulae 601, 645.  
 Chloris mater Nestoris 347.  
 Choaspes fl. Indiae 697. fl. Persidis 47, 728, 729.  
 Choenices in ora Sinopensium 545.  
 Choerilus poeta 303, 672.  
 Chona opp. Lucaniae 254, 255.  
 Chones incolae Lucaniae 253—255, 264.  
 Chonia 654.  
 Chorasmi pop. Sacarum vel Massagetarum 513.  
 Chordiraza opp. Mygdonum in Mesopotamia 747.  
 Chorzene regio Armeniae 528.  
 Chrysa, opp. Troadis, vetus 605, 611—613. nova 604, 612, 613, 662.  
 Χρυσαιορέως Ζεύς 660.  
 Χρυσαιορέων s. Χρυσαιορικὸν σύστημα in Caria 660.  
 Chryseis 583, 611—613.  
 Chrysippus Solensis stoicus 301, 610, 671.  
 Chrysopolis vicus Bithyniae 563.  
 Chrysorrhoeas fl. Syriae 755.  
 Chytrium locus Clazomenis vicinus 645.  
 Cibotus portus Alexandriae 792, 795.  
 Cibyra maior opp. Phrygiae 630, 631, 665.  
 Cibratae 631. minores in Pamphylia 667.  
 Cibratis s. Cibratica 629, 631, 651.  
 Cicero 455, 660, 798.  
 Cichyrus i. q. Ephyras Thesprotorum 324.  
 Cicones pop. Thraciae 330, frg. 18, 331, frg. 58.  
 Cicynethus insula in sinu Pagasaeo 436.  
 Cidenas Chaldaeus 739.  
 Cierus opp. Thessaliae 435.  
 Cilbianus campus in Lydia 629.



- Cilices in Troade 221, 586, 603, 606, 611, 612. in Cilicia 125, 668—676.  
 Cilicia 48, 668—676. ἡ Τραχεῖα s. Τραχειώτις 533—535, 537, 540, 569, 571, 667—669, 671, 672, 681, 682.  
 Ciliciae portae 537, 539, 670. Cilicius Taurus 533, 535, 566. Cilicium mare 84, 492. litus 683.  
 Cilla opp. Troadis 612, 613.  
 Cillaeus mons Troadis 612. mons Lesbi 612.  
 Cillaeus Apollo 612, 613, 618.  
 Cillanius campus in Phrygia 629.  
 Cillus fl. prope Cillam 612. Pelopis auriga 613.  
 Cimaros prom. Cretae 474, 475.  
 Cimbri gens Germaniae 102, 193, 196, 214, 291—294.  
 Cimiata castellum Paphlagoniae 562.  
 Cimiataene regio Paphlagoniae 562.  
 Ciminia palus in Etruria 226.  
 Cimmericus vicus in Bosporo Cimmerico 494.  
 Cimmericum opp. Bospori Cimmerii ibid.  
 Cimmericus Bosporus cf. Bosporus. sinus 309.  
 Cimmerii 6, 20, 61, 149, 244, 293, 309, 494, 511, 543, 552, 553, 573, 627, 647, 648.  
 Cimmeris urbs apud Hecataeum 299.  
 Cimmerius mons in Chersoneso Taurica 309.  
 Cimolus insula 484, 485.  
 Cinaethium opp. Laconiae 360.  
 Cindya vicus Cariae 668.  
 Cindyas Diana 658.  
 Cineas historicus 329.  
 Cinnamomophorus 63, 72, 74, 119, 133, 769, 774, 778, 782, 789, 790.  
 Cinolis opp. Paphlagoniae 545.  
 Cinyras Bybli tyrannus 755.  
 Circe 21, 43, 44, 46, 224, 232, 395.  
 Circaceum prom. Latii 23, 231, 232.  
 Cirphis opp. Phocidis 416. mons Phocidis 418.  
 Cirrha opp. Phocidis 416, 418.  
 Cirta opp. Numidiae 828, 832.  
 Cissamus opp. Cretae 479.  
 Cisses rex Thraciae 330, frg. 21.  
 Cisseus Iphidamantis avus 330, frg. 24.  
 Cissia Memnonis mater 728.  
 Cissii i. q. Susii 728.  
 Cissus Althaemenis pater 389, 481.  
 Cissus opp. Macedoniae 330, frg. 21, 24.  
 Cisthena opp. Mysiae 606.  
 Cisthena insula prope Lyciam 666.  
 Cithaeron 26, 380, 393, 404, 405, 408, 409, 411.  
 Citium opp. Cypri 682, 683.  
 Citius Zeno 610.  
 Citrum opp. Macedoniae 330, frg. 22.  
 Cius Herculis comes 564.  
 Cius opp. Bithyniae 562, 563.  
 Cizari arx Phazemonitidis 560.  
 Clanis fl. in Alpibus Noricis 207. fl. Latii 233, 235.  
 Clarus opp. Ioniae 642, 643, 668.  
 Clastidium opp. Galliae cisalpiniae 217.  
 Clautinatii pop. Vindelicorum 206.  
 Clazomenae opp. Ioniae 58, 633, 645.  
 Clezomenii 331, frg. 52, 494, 644, 645.  
 Cleanactidae tyranni Mytitenae 617.  
 Cleandria opp. Troadis 603.  
 Cleandridas dux Thuriorum 264.  
 Cleantes Stoicus 610. pictor 343.  
 Cleo sacerdos Iovis Abretteni 574.  
 Cleobulus Lindius 655.  
 Cleomachus Magnes 648.  
 Cleobrotus Heraeae conditor 337.  
 Cleonae opp. in monte Atho 331, frg. 33, 35. opp. Argolidis 377, 382.  
 Cleonaci Mycenae evertunt 377.  
 Cleonymus Heraeae conditor 280, 337.  
 Cleopatra Auletiae filia 288, 325, 558, 595, 669, 671, 672, 684, 685, 795—797, 823.  
 Euergetis coniux 99. ἡ Σελήνη 793.  
 Cleopatris opp. Aegypti 780, 804.  
 Cleochares Myrleanus rhetor 566.  
 Cleues dux Aeolium 582.  
 Clides insulae 682, 684.  
 Climax mons Lyciae 666. mons Coelesyriae 755.  
 Clitarchus historicus 224, 293, 491, 505, 718.  
 Cliterna opp. Aequeorum 216.  
 Clitor opp. Arcadiae 388.  
 Clusini 220.  
 Clusinus ager 235.  
 Clusium opp. Etruriae 226.  
 Clymena 33.  
 Clypea opp. Carthaginiensium cf. Aspis.  
 Cnemides opp. Locrorum 426.  
 Cnemis mons in Locris 416, 425.  
 Cnidia ager Cnidiorum 488.  
 Cnidii 275, 315, 653, 656. Cnidium vinum 637.  
 Cnidus opp. Cariae 119, 653, 656, 807.  
 Cnopia Thebaica vicus Boeotiae 404.  
 Cnopus Codri f. 633.  
 Cnossii 477, 478.  
 Cnossus opp. Cretae 476, 477, 479, 481.  
 Cnuphis Aegyptiorum deus 817.  
 Cobialus vicus Paphlagoniae 545.  
 Cobus rex Trerum 61.  
 Cocalus rex 273, 279.  
 Cocceius architectus 245.

- Coccoes cf. Ptolemaeus.  
 Codridae 383.  
 Codrus 321, 393, 603, 632, 633, 653.  
 Coelesyri 741, 749, 767.  
 Coelesyria 756.  
 Cogaeonius mons et fl. in Getis 298.  
 Colapis fl. in Iapodibus 207, 314.  
 Colchi 14, 497—499.  
 Colchici populi 527. montes 491. Colchicum mare 492. litus 52, 448, 497. Colchicus isthmus 491.  
 Colchis 6, 497—499.  
 Collatia opp. Latii 230.  
 Collina porta Romae 228, 234, 272.  
 Coloa lacus Lydiae 626, 627.  
 Colobi pop. Troglodyticae 771, 773.  
 Coloniae opp. prope Lampsacum, in Thesalia, Phocide, Erythraea 589. in Troade 589, 604, 612.  
 Colophon opp. Ioniae 633, 634, 643.  
 Colophonii 634, 643.  
 Colossae opp. Phrygiae 576. Colossena lana 578.  
 Colotes sculptor 337.  
 Colyttus pagus Atticae 65, 66.  
 Comana opp. Cataoniae 521, 535, 536, 557. opp. Ponti 535, 547, 557—560, 574, 796.  
 Comarus portus Epiri 324.  
 Comisene regio Parthienae 514. regio Armeniae 528.  
 Commagene regio Syriae 521, 522, 527, 533, 535, 664, 678, 746, 747, 749, 750.  
 Commageni 521, 527.  
 Comum opp. Galliae cisalpinae 192, 204, 206, 213.  
 Concordia opp. Galliae cisalpinae 214.  
 Coniaci pop. Hispaniae 156. pop. Indiae 689, 690.  
 Conisalus deus Atticorum 588.  
 Conisci cf. Cantabri.  
 Conistorgis opp. Hispaniae 141.  
 Κόνωνος βουνοί in Troglodytica 771.  
 Conopa opp. Aetoliae 460. cf. Arsinoa.  
 Consentia opp. Bruttiorum 256.  
 Convenae pop. Galliae 190, 191.  
 Copae opp. Boeotiae 406, 407, 410, 411.  
 Copais palus 59, 406—408, 410, 411, 413, 415, 424.  
 Cophes fl. Indiae 697, 698.  
 Cophus portus Pallenes 330, frg. 32.  
 Copiae i. q. Thorii 263.  
 Cupratas fl. Susianae 729.  
 Copria litus Tauromeniae 268.  
 Coptus opp. Aegypti 781, 782, 815.  
 Cora opp. Latii 237.  
 Coracesium opp. Ciliciae 667, 668, 670.  
 Coralis palus in Lycaonia 568.  
 Coralius fl. Boeotiae 411.  
 Κορανίου χώρα in Aethiopia 771.  
 Coracius mons Ioniae 643.  
 Coralli pop. Thraciae 318.  
 Corassiae insulae 488, 636.  
 Κοράδου κρηνηιον 771. φρονήιον ibid.  
 Corax mons Aetoliae 329, frg. 6, 417, 450.  
 Corbiana Elymaeorum provincia 745.  
 Corbilo opp. Galliae 190.  
 Coreyra 44, 105, 106, 124, 269, 299, 324, 326, 329, frg. 6, 7, 8, 449. Nigra 124, 315.  
 Corduba opp. Baeticae 141, 142, 160.  
 Coresia opp. Cei 486.  
 Coresus mons prope Ephesum 634, 640.  
 Corfinium opp. Marrucinatorum 238, 241, 242.  
 Corinthia ager Corinthiorum 379—381, 640.  
 Chorinthiacus isthmus, 171, 334, 335, 378, 380, 381, 392. sinus 54, 123, 124, 323, 324, 332, 334—336.  
 Corinthii 59, 98, 316, 330, frg. 25, 378, 380, 381, 393, 414, 452.  
 Corinthus 219, 269, 277, 335, 338, 347, 361, 372, 378—382.  
 Coriscus philosophus 608.  
 Cornelius Gallus praefectus Aegypti 819.  
 Corocondama opp. Bospori Cimmerii 494, 496.  
 Corocondamitis palus 494.  
 Coroebus Eleus 355.  
 Corona opp. Messeniae 360, 361.  
 Coronea opp. Boeotiae 410, 411, 414, 434. opp. Thessaliae 411, 434.  
 Coroniaci ager Coroneae 407, 411.  
 Coronii incolae Coroneae 411.  
 Coropassus opp. Lycaoniae 568, 663.  
 Corpili pop. Thraciae 331, frg. 48.  
 Corpilica in Hellesponto 331, frg. 58.  
 Corsica (Cyrnus) 123, 223—226, 252, 654, 840.  
 Corsura insula 834.  
 Corus i. q. Cyrus fl. Iberiae 500.  
 Corybantes 331, frg. 51, 466—473.  
 Corybantium prope Hamaxitum 473.  
 Corybissa prope Scepsin 473.  
 Corycaei piratae Ioniae 644.  
 Corycium antrum 417, 627, 671, 683. iugum 683.  
 Corycus mons et prom. Ioniae 644, prom. Cretae 363, 738. prom. Ciliciae 670, 683. litus Lyciae 666. opp. Lyciae 667, 671.  
 Corydalenses pagus Atticae 395.  
 Corydalus mons Atticae 395, 399.



- Coryphantis opp. Mytilenaeorum 607.  
 Coryphasium mons et prom. Messeniae 339, 348, 351, 353, 359. opp. Messeniae 348.  
 Cos insula 124, 331, frg. 58, 488, 489, 573, 637, 653, 657, 686, 701. — oppidum 374, 573, 653, 657, 686, 701.  
 Cosa fl. Latii 237.  
 Coscinia opp. Cariae 587, 650.  
 Cosmi magistratus Cretensium 482, 484.  
 Cossa s. Cossae opp. Etruriae 222, 225.  
 Cossaea regio Asiae 744.  
 Cossaei 522, 524, 741, 744. Cossaei montes 524, 742.  
 Cossura insula et opp. 123, 277, 834.  
 Cotes prom. Mauritaniae 825—827.  
 Cothon insula et portus Carthaginiensium 832, 833.  
 Cothus frater Aecli et Ellopiis 321, 445, 447.  
 Cotiaium opp. Phrygiae 576.  
 Cotinae opp. Baeticae 142.  
 Cottii ager in Alpius 178, 179, 204, 217.  
 Cotuantii pop. Baetorum 206.  
 Cotylus cacumen Idae montis 602.  
 Cotys princeps Sapaeorum 556. rex Odrysarum 331, frg. 48. dea Edonorum 470.  
 Cotytto 470.  
 Cragus opp. Lyciae 665. mons et prom. Lyciae 665. rupes Ciliciae 669.  
 Crambusa opp. Lyciae 666. insula Ciliciae 670.  
 Cranaa insula 399.  
 Cranaï Athenienses 397.  
 Cranaus rex Atheniensium 397.  
 Craniï opp. Cephaleniae 455, 456.  
 Crannon opp. Thessaliae 329, frg. 14, 330, frg. 16, 441, 442.  
 Crannonii 329, frg. 14, 330, frg. 16, 18, 331, frag. 58, 441, 442.  
 Crassus triumvir 747, 748. consul 176, 646.  
 Crater sinus Campaniae 242, 243, 247.  
 Craterus dux Alexandri 702, 721, 725. es  
 Crates ὁ μεταλλευτής 407. Mallot 3—5, 40—32.  
 Crathis fl. Achaiae 386. fl. Italiae 263, 386, 449.  
 Cratippus Trallianus 649.  
 Cremasta opp. Thessaliae 440.  
 Cremna opp. Pisidiae 569, 570.  
 Cremona opp. Italiae 216, 247.  
 Crenides opp. Macedoniae 331, frg. 34, 41, 43.  
 Creontiades Eleae conditor 252.  
 Creophagi gens Aethiopica 771, 772.  
 Creophylus Samius 638, 639.  
 Creopolium mons Argolidis 376.  
 Cresphontes 361, 389.  
 Crestonia opp. Thraciae 331, frg. 41.  
 Creta 46, 474—484.  
 Cretenses 279, 480—484.  
 Creusa s. Creusia opp. Boeotiae 400, 405, 409.  
 Crimisa castellum Lucaniae 254.  
 Crinacus nomen barbarum 321.  
 Crinagoras Mytilenaeus 617.  
 Crisa opp. Phocidis 265, 390, 416, 418, 419.  
 Crisaei 418, 419.  
 Crisaeum mare 390, 400, 405. bellum 418, 421. Crisaeus sinus 259, 323, 329, frg. 13, 334, 336, 379, 390. campus 418, 419, 427.  
 Critasirus rex Boiorum 304, 313.  
 Crithota prom. Acarnaniae 459. opp. Chersonesi Thraciae 331, frg. 56, 459.  
 Κριουῦ μέτωπον prom. Cretae 106, 474, 837. prom. Chersonesi Tauricae 125, 309, 496, 545.  
 Crobyzi gens Thraciae 318.  
 Crocius campus in Thessalia 433, 435.  
 Crocodilorum urbs in Aegypto 811, 817. in Iudaea 758.  
 Crocylea locus Acarnaniae 376, 452, 453.  
 Croesus 420, 421, 534, 564, 601, 626, 627, 640, 680, 735.  
 Crommyon opp. Megaridis 380, 390, 391.  
 Crommyonius ager 380, 392. Crommyonia sus 380.  
 Κρομμύου ἄκρα prom. Cypri 669, 682, 683.  
 Cronium Saturni aedes Gadibus 169, 175.  
 Cromna opp. Paphlagoniae 544.  
 Croton 259, 261, 262, 269, 387.  
 Crotoniatae 261—263, 269.  
 Crotoniatis 254, 261, 272.  
 Cruni opp. Moesiae 319. fons Triphyliae 343, 350, 351.  
 Crusis regio Macedoniae 330, frg. 21.  
 Ctenus (Κτενοῦς) portus Chersonesi Tauricae 308, 312.  
 Ctesias Cnidius 43, 508, 656, 689, 779, 785.  
 Ctesipho opp. Assyriae 743.  
 Ctimena 453.  
 Ctistae Thraces 296.  
 Cuarius fl. Thessaliae et Boeotiae 411, 412, 435.  
 Cubi cf. Bituriges.  
 Cuculum opp. Latii 238.  
 Culupene regio Ponti 560.  
 Cuneus prom. Lusitaniae 137.  
 Curalius fl. Thessaliae 438.  
 Cures opp. Sabinorum 228.  
 Curetes pop. Aetoliae 321, 423, 429, 451,

- 462—469., 472, 473. sacerdotes 331, frg. 51, 466—474, 480, 640.  
 Curetis i. q. Pleuronius ager 451, 465.  
 Curias prom. Cypri 683. littus ibid.  
 Curium opp. Cypri 683. mons Aetoliae 451, 465.  
 Cutillae opp. Sabinorum 228.  
*Κυάνειαι πέτραι* s. *Συνπληγάδες* 21, 91, 92, 125, 149, 319, 320, 331, frg. 56, 57, 445.  
*Κυανή λίμνη* in Armeniae 529. cf. Mantiane.  
 Cyaxares rex Medorum 801.  
 Cybela (Cybeba) dea 469, 470, 567.  
 Cybela mons Phrygiae 567.  
 Cybelia opp. Ioniae 645.  
 Cybiosactes rex Aegyptiorum 796.  
 Cybistra opp. Cataoniae 535, 537.  
 Cycesium opp. Pisatidis 356, 357.  
 Cychrea i. q. Salamis 393.  
*Κυχρεΐδης ὄφις* ibid.  
 Cychreus heros 393.  
 Cyclades insulae 58, 124, 368, 474, 485, 488, 538, 636.  
 Cyclopes 20—22, 40, 373, 502, 592.  
 Cyclopia opera 369, 373.  
 Cynus rex Colonarum 380, 589, 604.  
 Cydippa Cercaphi uxor 654.  
 Cydnus fl. Ciliciae 47, 672, 673, 675.  
 Cydones et Cydonia opp. Cretae 376, 475, 476, 478, 479.  
 Cydrae opp. Epiri 327.  
 Cydrelus Codri f. 633.  
 Cyinda castellum Ciliciae 672.  
 Cyllene opp. Elidis 337, 338, 341, 456. mons Arcadiae 388.  
 Cyma Phriconis opp. Aeolidis 242, 243, 245, 331, frg. 52. 409, 440, 505, 550, 582, 589, 600, 621—623, 646, 667. opp. Campaniae 26, 243—246, 248, 274, 626.  
 Cynaetha opp. Arcadiae 388.  
 Cynamolgi pop. Aethiopiae 771.  
 Cynia palus in Aetolia 459.  
 Cynocephali pop. Aethiopiae 43, 299, 774.  
 Cynopolites pagus 812.  
*Κυνός κεφαλαί* locus Thessaliae 441.  
*πόλις* opp. Aegypti 802. *σῆμα* prom. Cariae 656. locus in ora Aegypti 799. i. q. *Ἐνάβης σῆμα* q. v.  
*Κυνῶν πόλις* opp. Aegypti 812.  
 Cynthus mons Deli 485.  
 Cynuria regio Argolidis 65, 370, 376.  
 Cynus opp. et prom. Locridis 60, 425, 426, 446, 615.  
 Cyparisseis fl. Messeniae 349. fl. Triphyliae 348, 349.  
 Cyparissia opp. Triphyliae 348, 349. opp. Messeniae 345, 349, 359, 361. opp. Laconicae 363.  
 Cyparissienses 345, 348, 359.  
 Cyparissus opp. Phocidis 423.  
 Cyphus mons Thessaliae 442. opp. Thessaliae 441, 442.  
 Cypsela opp. Thraciae 322, 329, frg. 9, 10, 331, frg. 48, 57.  
 Cypselus tyrannus Corinthi 325, 353, 378, 452.  
 Cypra i. q. Iuno 241.  
 Cypria i. q. Cyprus 669.  
 Cyprii, Cypri incolae 341, 682, 684.  
 Cyprus 6, 681—685.....  
 Cyra opp. Bactrianae 517.  
 Cyrbantes i. q. Corybantes.  
 Cyrbas conditor Hierapytnae 472.  
 Cyrene et Cyrenaica 56, 57, 123, 131, 133, 347, 474, 475, 484, 791, 798, 814, 829, 836, 837, 838, 840.  
 Cyri campus in Lydia 626, 629.  
 Cyrrestica pars Syriae 751.  
 Cyrsilus Pharsalius historicus 530.  
 Cyrtii pop. Mediae 523, 527.  
 Cyrus Persarum rex 61, 252, 507, 512.....  
 fl. Persidis 729. fl. Iberiae et Albaniae 61, 491, 498, 500, 501, 509, 514, 528.  
 Cythera insula et opp. 124, 363, 368, 475.  
 Cytherius fl. Pisatidis 356.  
 Cytherus opp. Atticae 397.  
 Cythnus insula 485.  
 Cytinium opp. Locridis 427, 475.  
 Cytorum opp. Paphlagoniae 542, 544, 545.  
 Cytorus opp. Ponti 548. Phruxi f. 544.  
 Cyzicus et Cyziceni 35, 125, 331, frg. 58, 564, 565, 575, 576, 581—583, 585—589, 635, 655, 681.

## D.

- Dae i. q. Daci 304. gens Scythica 304, 508, 511, 515.  
 Daci 207, 212, 213, 304, 305, 313.  
 Dactyli Idaei 331, frg. 51, 355, 466, 473.  
 Daedala opp. Cariae 651, 664. mons Lycaiae 664.  
 Daedalus pater Iapygis 279, 447.  
 Daes Colonaeus 612.  
 Daesitiatae gens Pannoniae 314.  
 Dalion fl. Triphyliae 344.  
 Dalmatae 315, 317.  
 Dalmatia s. Dalmatica 314, 315.  
 Dalmium vel Delmum opp. Dalmatarum 315.  
 Damasceni 755, 756.



- Damascus opp. Syriae 755, 756.  
 Damasia opp. Licattiorum 206.  
 Damastes rerum scriptor 47, 583, 684.  
 Damastium in Epiro 326.  
 Damasus Atheniensis 633. Scombrus Tralianus 649.  
 Damnameneus unus Dactylorum Idaeorum 473.  
 Danae Persei mater 487.  
 Danai 369, 371, 574.  
 Danaides 371, 579, 654, 655. Aeschyli drama 221.  
 Danala (?) castellum Galatarum 567.  
 Danaus 23, 321, 370—372.  
 Dandarii gens Maetotica 495.  
 Danthelethae pop. Thraciae 318.  
 Danubius 289, 304, 314.  
 Daorizi gens Dalmatica 315.  
 Daphitas grammaticus 647.  
 Daphne opp. Syriae 719, 749, 750.  
 Daphnia cognomen Dianae 343.  
 Daphnus opp. Phocidis s. Locridis 416, 424—426, portus Aethiopiae 774.  
 Darada opp. Troglodyticae 771.  
 Darapsa opp. Bactrianae 516, 725.  
 Dardania s. Dardanica regio Troadis 330, frg. 50, 565, 592, 593, 596, 602, 606.  
 Dardaniatae s. Dardanii pop. Illyrici 313, 315, 316, 318, 329, frg. 4, 389.  
 Dardanii s. Dardani Troiani 453, 585, 592, 606, 662.  
*Δαρδανίς* s. *Δαρδάνιος ἄνρα* prom. Troadis 587, 595.  
 Dardanus opp. Troadis 587, 590, 595, 600.  
 Iasionis frater 331, frg. 50, 346, 592.  
 Daries Darii nomen 785.  
 Darius Hystaspis f. 98, 100, 301, 303, 305, 591, 635, 638, 735, 736, 738, 804. ab Alexandro victus 79, 544, 591, 676, 697. .... Longimanus 735.  
 Dascylitis lacus Mysiae 550, 575, 576. cf. Aphnitis.  
 Dascylium opp. Mysiae 575, 582.  
 Dasmenda castellum Cappadociae 540.  
 Dassareti pop. Illyrici 316, 318.  
 Dastarcum castellum Cataoniae 537.  
 Dastira opp. Armeniae 555.  
 Datis Persa 399.  
 Datum opp. Thraciae 331, frg. 33, 36.  
 Daulia s. Daulis opp. Phocidis 321, 323, 416, 423, 424.  
 Daulius rex Crisae 265.  
 Daunia i. q. Apulia 279, 283, 284.  
 Daunii 215, 242, 277, 281—285, 654.  
 Dazimonitis regio Ponti 547.  
 Debae pop. Arabiae 777.  
 Decaeneus vates Getarum 298, 304, 762.  
 Decelea opp. Atticae 396, 397.  
 Decietae pop. Ligurum 202.  
 Decimus Brutus 205.  
 Degmenus Epēus 357.  
 Deianira Oenei filia 381, 451, 458.  
 Deimachus scriptor 68—70, 72—77, 690.  
 Deioneus Cephalii pater 452, 456, 459.  
 Deiotarus princeps Galatarum 547, 567, 568, Paphlagoniae rex 562.  
 Deiphontes Actes Argolicae rex 389.  
 Delium opp. Boeotiae 368, 403. sacrum Apollinis in Argolide 368.  
 Dellius historicus 523.  
 Delphi opp. Phocidis 118, 417—419. .... incolae Delphorum 418, 421—423, 647.  
 Delphicum sacrum 179, 419—421, 482. oraculum 417—422.  
 Delphinium opp. et portus Boeotiae 403.  
 Delta Nili 30, 66, 701, 786—788, 801, 803, 805, 818. Indi (Patalene) 701. vicus Aegypti 788.  
 Delus insula 374, 485—487, 668.  
 Demaratus pater Lucumonis 219, 378.  
 Demetrius opp. Assyriae 738. opp. Thessaliae 428, 436, 438, 441, 443.  
 Demetrium Cereris templum 381, 435.  
*Δημητρίον σινοπαί* ad sinum Arab. 771.  
 Demetrius Poliorceta 54, 232, 382, 436. nepos Poliorcetae 361, 563. Callatianus 60. Pharius 315, 361. Phalerensis 147, 398. Aetolicus 451. Laco 658. Euthydemi f. 551. Ratheni f. 548. Seleuci f. 624. Scepsius 45, 46, 58, 59, 328, 339, 344, 375, 438, 439, 456, 472, 473, 489, 550—552, 594—600, 602—611, 626, 627, 680.  
 Democles historicus 58.  
 Democoon f. Priami 585.  
 Democritus 1, 61, 65, 703.  
 Demosthenes orator 121, 374, 424, 445, 471.  
 Demus Ithacae 299.  
 Derba opp. Lycaoniae 535, 569.  
 Derbices pop. Margianae 514, 520.  
 Derceto cf. Atargatis.  
 Derdae pop. Indiae 706.  
 Deris portus Marmaricae 799.  
 Derrhis prom. Macedoniae 330, frg. 31, 32.  
 Dertona opp. Italiae 217.  
 Dertosa opp. Hispaniae 159, 160.  
 Deucalio rex Thessaliae 383, 425, 432, 443, 444. insula 435.  
 Deudorix Sigamber 292.  
 Deuriopes pop. Macedoniae 327.  
 Deuriopis regio Macedoniae 326.  
 Dia insula prope Cretam 484. in sinu Arabico 777. i. q. Hebe 382.  
 Diacopene regio Ponti 561.  
 Diades cf. Athenae Diades.  
 Diagesbenses pop. Sardiniae 225.

- Diana 180, 257, 343, 387, 485, 635, 643, 739. Amarynthia 448. Daphnia 343. Elaphia ibid. Tauropolis 239, 240, 535, 537. Dianae sacrum 639, 744. Ephesiae 159, 179, 180, 184, 387, 639, 647. Nemydiae 342. Heliae 350. τὸ ἐν Αἰναιῶν 362. Αἰναιῶν τὸ ἐν Σπάρτῃ 362. Astyrenae 613. Brauroniae 399. Cindyaadis 658. Colaenae 626. Leucophryenae 647. Munichiae 639. Perasiae 537. Pergaeae 667. Sarpedoniae 676. nemus Dianae Aetolidis 215. Alpheoniae s. Alpheusae 343. Astyrenae 606. Dianae signum 180. Artemisium 159, 239, 240, 343, 651. Danium opp. Hispaniae 159. Dicaea opp. Thraciae 331, frg. 44, 47. Dicaearchia opp. Campaniae 26, 99, 145, 245, 248, 285, 793. Dicaearchus geographus 2, 104—106, 170. Dicta mons Cretae 472, 478, 479. locus prope Scepsin in Troade 472. Dictaeum templum Iovis Praesi 479. Dictynna cf. Britomartis. Dictynnaeum sac. 479. promontorium 484. Dictys Seriphus 487. Dido Cbarthaginem condit 832. Didyma montes Thessaliae 647, 847. opp. Branchidarum 421, 634. Didyma insula prope Siciliam 276, 277. opp. Hispaniae 169. cf. Gades. Diegylis rex Caenorum 624. Dindymena mater Deorum 45, 469, 470, 567, 575, 626, 647. Dindymum mons prope Pessinuntem 567. prope Cyzicum 45, 575. Dinocrates scriptor 641. Dio Syracusanus 255. academicus 796. Διοχάρους πόλις Athenis 397. Diodorus grammaticus Tarsensis 675. dux Adramytenorum 614. Zonas orator 627. minor Strabonis amicus 628. Cronus 658, 838. Diodotus Sidonius 757. sculptor 396. Trypho 515, 668, 752, 756. Diogenes cynicus Sinopensis 546, 716. Tarsensis 675. Babylonius stoicus 744. Diomedae insulae 124, 215, 284. Diomedes rex Argorum 17, 150, 214, 215, 283, 284, 325, 423, 462. Bistonum rex 331, frg. 44. Diomedis campus in Apulia 284. Diona colitur Dodonae 329. Dionysides Tarsensis poeta tragicus 675. Dionysius maior Siciliae tyrannus 161, 212, 226, 241, 258. minor 255, 258, 259. tyrannus Heracleae 544. Bithynus 566. Atticus 625. Thrax 655. Halicarnassensis 656. Syrius 751. Dionysocles Trallianus orator 649. Dionysodorus mathematicus 548. Diophanes Mytilenaeus 617. Diophantus dux Mithridatis 306, 312. Dioscuri 48, 232, 261, 364, 396, 496, 797. Dioscurias opp. Colchidis 47, 125, 126, 497—499, 505, 506. Diopolis opp. Ponti (cf. Cabira) 557. opp. Aegypti 802. i. q. Thebae 802, 815. minor 814. Diotimus f. Stombichi 47. Diotrophes sophista Antiochenus 630, 659. Diphilus poeta comicus 546. Dira opp. Aethiopiae 769, 773. promontorium Aethiopiae 769, 772—774. Dirca fons prope Thebas 388, 408. prope Pharam 388. Dircaeae Thebae 387. Ditiones gens Pannonica 314. Dium opp. Macedoniae prope Olympum 330 frg. 17, 18, 20, 22. ad Athones 331, frg. 33, 35. opp. Euboeae 446. Dius 265. pater Hesiodi 409, 662. Doberus mons Macedoniae 331, frg. 36. Docimia opp. Phrygiae 437, 477, 577. Dodona opp. Epiri 28, 256, 327—328, frg. 1, 3, 420, 762. Dodonaus Iuppiter 221. Dodonaea quercus 329, frg. 2. Doedalsus conditor Astaci 563. Dolabella 646, 752. Dolicha 458. cf. Dulichium. Doliones pop. Mysiae 564, 575, 678, 681. Dolionis regio Mysiae 576, 681. Dolomene regio Assyriae 736. Dolopes 28, 431, 433, 434, 437, 440, 450. Dolopia 430, 432, 437. Domanitis regio Paphlagoniae 562. Domitius Ahenobarbus 185, 191, 649. Domneclius tetrarcha Galatarum 543. Doracta insula sinus Persici 767. Dores 61. Dorica tetrapolis 417, 425, 427, 476. dialectus 333. Doricha meretrix 808. Doris ad Parnassum 373, 434. i. q. Histiae otis Thessaliae 437, 475, 476. Doriscus opp. Thraciae 331, frg. 48. Dorium in Messenia 350. Dorus f. Hellenis 382, 383. Dorylaeum opp. Phrygiae 576. Dorylaus tacticus, abavus Strabonis 477, 478, 577. Philetaeri f. 478, 557. Dosci gens Maeotica 495. Dotium campus Thessaliae 61, 442. Drabescus opp. Macedoniae 331, frg. 33. Drabus opp. Thraciae 331, frg. 51. Norici et Pannoniae 314. Dracanium opp. Icaria 639.



- Draco comes Ulixis 253. Pytho 421, 422.  
 Typho 751.  
 Dranga regio Arianae 514.  
 Drangae pop. Arianae 721, 723, 724.  
 Drangiana 516, 723.  
 Drecanum in Co insula 657.  
 Drepanum prom. Achaiae 335. Icaria 637,  
 639. Marmaricae 799.  
 Drilo fl. Dalmatiae 316.  
 Drium collis in Daunia 284.  
 Dromichaetes rex Getarum 301, 305.  
 Druentia fl. Galliae 179, 185, 203, 217.  
 Druidae philosophi Celtarum 197, 198.  
 Drusus Germanicus Tiberii frater 206,  
 290, 291. Tiberii f. 288.  
 Drymas nomen barbaricum 321.  
 Drymus in Euboea 445.  
 Drynemetus in Galatia 567.  
 Dryopes pop. Graeciae 321, 373, 434, 586.  
 Dryopis 433, 434.  
 Dryops Arcas 373.  
 Dubis fl. Galliae 186, 189, 192.  
 Dulichium insula 335, 340, 453, 455, 456,  
 458.  
 Dunax mons Thraciae 208.  
 Duras fl. Norici 207.  
 Durias fl. Italiae 203, 205, 217.  
 Duris historicus 60.  
 Durius fl. Hispaniae 152—154, 162.  
 Durocortorum opp. Galliae 194.  
 Dyma opp. Achaiae 337.....  
 Dymaea ager Dymae 357, 388.  
 Dymaei 341, 388.  
 Ἄνθ' ἀγοράων λιμὴν 198.  
 Dyrras fl. Thessaliae 428.  
 Dyris i. q. Atlas 825.  
 Dyrrhachium opp. Illyrici 316, 329. frg.  
 10. cf. Epidamnus.  
 Dyspontium opp. Pisatidis 357.  
 Dyteutus Adiatorigis f. 558, 560.
- E.**
- Ebrodunum vicus Galliae 179.  
 Eburna opp. Hispaniae 140.  
 Eburones pop. Galliae 194.  
 Ebysus insula et opp. 123, 159, 167.  
 Ecbatana caput Mediae 79, 473, 522, 524,  
 525, 531, 724, 731, 742, 743.  
 Echedorus fl. Macedoniae 330, frg. 21.  
 Echiae opp. Laconicae 360.  
 Echinades insulae 59, 124, 335, 340, 351,  
 453, 456, 458, 459.  
 Echinus opp. Phthiotidis 60, 433, 435,  
 442.  
 Ἐκρηγμα τὸ κατὰ τὰς στήλας 38, 57.  
 τὸ κατὰ Σιοβωνίδα λίμνην 65, 760.
- Edessa opp. Macedoniae 323, 449. opp.  
 Syriae 748. cf. Bambyta.  
 Edetani pop. Hispaniae 156, 162. cf. Si-  
 detani.  
 Edones Edonorum pars 329, frg. 11.  
 Edoni pop. Thraciae 329, frg. 11, 331,  
 frg. 36, 470, 471, 687.  
 Eetio rex Thebae 585, 611, 612, 619.  
 Egelasta opp. Hispaniae 160.  
 Egeria fons 240.  
 Egertius Chii conditor 633.  
 Egnatia opp. et portus Apuliae 282, 283.  
 via 322, 323, 327, 329. frg. 10, 13, 330,  
 frg. 21.  
 Egra opp. Arabiae 782.  
 Eiones vicus Argolidis 373.  
 Ela i. q. Velia 252.  
 Elaea opp. Mysiae 607, 615, 622. portus  
 sinus Arabici 770, 771.  
 Elaeus v. Eleus.  
 Elaeussa ins. et opp. Ciliciae 535, 537,  
 671. cf. Eleussa.  
 Elaiticus sinus 581.....  
 Elaitis ager Elaeae 571, 615, 616.  
 Elara Tityi mater 423.  
 Elarium antrum Euboeae 423.  
 Elatea opp. Phocidis 60, 407, 418, 424,  
 426, 434.  
 Elatria opp. Cassopaeorum 324.  
 Elea 336—358.....  
 Electrides insulae 215.  
 Elees fl. Lucaniae 252.  
 Elephantine insula 787, 803, 817, 819,  
 820.  
 Elephantophagi 772.  
 Elephas mons Mauritaniae 827. Aethio-  
 piae 774.  
 Eleus opp. Thraciae 331, frg. 52, 55, 56,  
 595.  
 Eleusis opp. et pagus Atticae 380, 392,  
 393, 395—397. opp. Boeotiae 407. Ae-  
 gypti 800.  
 Eleussa ins. prope Atticam 398. prope  
 Rhodum 651, 652, 655. prope Atarneae  
 645. cf. Elaeussa.  
 Eleutheriae opp. Boeotiae 375, 412.  
 Eleutheria 411.  
 Eleutherolacones 366.  
 Eleutherus fl. Syriae 753.  
 Elimia regio Macedoniae 326.  
 Elimiotae 434.  
 Elipeus i. q. Enipeus fl. Thessaliae 356.  
 Elis opp. Eleorum 336..... κοίλη  
 336—341.....  
 Elisa s. Eliso fl. Elidis 338.  
 Elixus fl. Cei 487.  
 Elona opp. Thessaliae 440.  
 Elpiae opp. Dauniorum 654.

- Elymaei et Elymaea 522, 524, 732, 736,  
 739, 744, 745.  
 Elymus Troianus 608.  
 Elysium campus 3, 150.  
 Emathia i. q. Macedonia 329, frg. 11.  
 opp. Macedoniae ibid.  
 Emeseni pop. Syriae 753.  
 Emodi montes pars Tauri 511, 689, 698,  
 719.  
 Empedocles philosophus 274, 276, 364.  
 Emporicus sinus in Mauritania 825, 826,  
 829.  
 Emporitae in Hispania 160.  
 Emporium opp. Hispaniae 159. Alexan-  
 driae 794. Medmae 256. ad Syrtin maio-  
 rem 835. Segestanorum 266, 267  
 Encheli pop. Epiri 326.  
 Endera opp. Aethiopiae 771.  
 Endymion Aetoli pater 357, 463, 636.  
 Enea (?) opp. Troadis 552.  
 Eneta opp. Paphlagoniae 543, 553.  
 Eneti pop. Paphlagoniae 48, 61, 150, 212,  
 214, 542—544, 552, 608.  
 Eniconiae opp. Corsicae 224.  
 Enipeus fl. Pisatidis 356. Thessaliae 356,  
 432.  
 Enispa opp. Arcadiae 388.  
 Enna opp. Siciliae 272, 273.  
 Ἐννέα ὁδοί opp. Macedoniae 331,  
 frg. 35.  
 Ennius poeta 282.  
 Enopa opp. Messeniae 360.  
 Enotocoetae 70, 711.  
 Enydra opp. Syriae 735.  
 Ἐννοῦς ἱερὸν 535.  
 Eordi pop. Macedoniae 323, 326.  
 Epacria opp. Atticae 397.  
 Epaminondas 388, 401, 402, 414.  
 Epaphus 445.  
 Epei pop. Elidis 336, 340—342....  
 Epeus Lagariae conditor 263.  
 Ephesii 540, 620, 633, 634, 639—642, 646,  
 647. Ephesium vinum 637.  
 Ephesus opp. Ioniae 179, 639—642....  
 Ephialtes Graecorum proditor 10. terri-  
 culum 19.  
 Ephorus Cymaeus 1, 2, 33, 34, 138, 199,  
 221, 259, 260, 262, 265, 267, 270, 279,  
 293, 302, 303, 305, 325, 328, 332, 334,  
 357, 358, 361, 364, 365, 366, 374, 375,  
 389, 400, 401, 402, 408, 422, 423, 427,  
 452, 462, 464, 465, 476, 477, 479, 480,  
 544, 550, 583, 600, 622, 623, 634, 635,  
 677—680.  
 Ephyra opp. Elidis 328, 333, 338, opp.  
 Epiri 324, 328, 338, 444. i. q. Corinthus  
 338. i. q. Cranno 338, 442. opp. Thes-  
 saliae 338. opp. Perrhaebiae ibid. vicus  
 Aetoliae ibid.  
 Ephyri 329, frg. 14, 330, frg. 16, 338, 342.  
 Epicharmus poeta 364.  
 Ἐπίκτητος Αἰτωλία 450, 460. Φρυγία  
 130, 534, 563, 564, 576.  
 Epicurus philosophus 589, 638.  
 Epidamnus opp. Illyriae 93, 106, 283,  
 322—324, 327, 357.  
 Epidaurus opp. Argolidis 368, 369, 374,  
 375. Limera opp. Laconicae 368.  
 Epigonorum bellum 325, 401, 412, 413,  
 462.  
 Epimenides Cretensis 479.  
 Epirus 123, 323—330....  
 Epirotae et Epirotis 124, 129, 325, 326,  
 329, frg. 11, 12, 427, 430, 434, 453.  
 Epirotici populi 221....  
 Epistrophus dux Halizonum 551, 584, 612.  
 Epitalium opp. Triphylliae 343, 349.  
 Epopeus coelis Pithecusarum 248.  
 Epopis mons Locricus in Italia 259.  
 Eporedia opp. Salassorum 205.  
 Erae opp. Ioniae 644.  
 Eranna opp. Messeniae 348, 361.  
 Erasinus fl. Argolidis 275, 371, 589.  
 Erasistratus medicus Ceus 486. Erasi-  
 stratii medici 580.  
 Erastus Scepheus Socraticus 608.  
 Eratosthenes Cyrenaeus 1, 7, 14, 15, 16,  
 17, 18, 22, 23, 26, 28, 30, 38, 47, 48,  
 49, 54, 55, 62—69, 70, 76, 77, 78, 80,  
 87, 88, 89, 91, 92, 93, 94, 104, 106, 107,  
 108, 126, 148, 159, 170, 224, 298, 299,  
 317, 389, 465, 475, 490, 497, 507, 510,  
 513, 514, 522, 529, 684, 687, 688, 689,  
 690, 698, 693, 723, 724, 727, 741, 743,  
 746, 764, 765, 766, 767—769, 786, 802,  
 810, 825, 829, 837, 838.  
 Eratyrta opp. Macedoniae 326.  
 Erechtheus 383.  
 Erempi 2, 30, 38, 41, 42, 784.  
 Eresus opp. Lesbii 618.  
 Eretria opp. Euboeae 403, 445—448, 453.  
 Eretrienses 247, 747. opp. Thessaliae  
 434, 447. pagus Atticae 445, 447.  
 Eretricus Eretria conditor 447.  
 Eretum opp. Sabinorum 228, 238.  
 Erginus rex Orchomeniorum 414.  
 Erichthonius 604.  
 Ericussa s. Ericodes insula 276, 277.  
 Eridanus fl. Atticae 397. fl. Italiae 215.  
 Erigon fl. Macedoniae 327, 329, frg. 12,  
 330. fr. 20, 22, 23. fl. Thraciae 331, frg. 49.  
 Erineus opp. Doridis 362, 427, 476.  
 Phthiotidis 434.  
 Eros Praxitelis opus 410.  
 Erymanthus fl. Arcadiae 343, 357.



Erymnae opp. Magnesiae 443.  
 Erysichaei pop. Aetoliae 460.  
 Erythea insula 148, 169, 269.  
 Erythini s. Erythrini scopuli 545.  
 Erythrae opp. Boeotiae 404, 409. Ioniae  
 404, 618, 633, 644, 645, 814.  
 Erythraea ager Erythraeorum 589, 644.  
 Erythraei 588, 613, 644.  
 Erythras Persa 766, 779, 799.  
 Erythras portus in Ionia 644.  
 Eryx mons Siciliae 254, 272, 273, 608.  
 opp. Siciliae 272, 608.  
 Esionenses s. Asionenses 627.  
 Esquilinus mons 234. campus 237.  
 Estiones pop. Vindelicorum 206.  
 Eteocles rex Orchomeni 414, 415.  
 Eteocretes pop. Cretae 221, 475, 478.  
 Eteonop opp. Boeotiae 298, 408, 409.  
 etesiae 97, 144, 690—692.  
 Etrusci 219, cf. Tyrrheni.  
 Euaemon Ormeni f. 438.  
 Euander Arcas 230.  
 Euanthes coloniam Locros deducit 259.  
 Euaocha insula 58, 444—449..... opp.  
 Euboeae 447. opp. Siciliae 272, 449.  
 opp. Macedoniae 449. locus in ins.  
 Corcyra, Lemno, collis in Argolide ibid.  
 Euboenses 445, 448, 449, 504.  
 Euboeiae fluvii Cereus et Neleus 449.  
 Eucarpia opp. Phrygiae 576.  
 Euclides Socraticus 393.  
 Eucratidas rex Bactrianorum 515, 517,  
 686.  
 Eucratidia opp. Bactrianorum 516.  
 Eudemus Rhodius 655.  
 Εὐδελείος i. q. Aspledon 415.  
 Eudoxus Cyzicenus 98—101 (103). Cni-  
 dius mathematicus 1, 119, 378, 379, 390,  
 413, 465, 474, 510, 550, 562, 582, 656,  
 806, 807.  
 Euenus fl. Aetoliae 327, 335, 451, 459,  
 460, fl. Mysiae 614.  
 Euergetae pop. Arianae 724.  
 Euhemerus Messenius 47, 102, 104, 299.  
 Eulaeus fl. Susianae 728, 735.  
 Eumedes Ptolemaidis conditor 770.  
 Eumenes Philetaeri frater 624. Eumenis  
 f. 623. Attali f. 537, 577, 624, 665, 672.  
 Eumenia opp. Phrygiae 576.  
 Eumenis lucus in Troglodytica 771, 772.  
 Eumelus Admeti f. 45, 436, 439, 442,  
 443.  
 Eumolpus Thrax 321, 383, 471.  
 Euneus Iasonis f. 41, 45, 46.  
 Eunomia elegia Tyrtaei 362.  
 Eunomus citharoedus 260.  
 Eunosti portus prope Alexandriam 792,  
 795.

STRABO III.

Eunous servorum dux 272, 273.  
 Euonymus ins. Liparaeorum 276.  
 Eupalium opp. Locrorum Ozolarum 427,  
 450.  
 Eupatoria opp. Ponti 556. cf. Magnopolis.  
 Eupatorium opp. Chersonesi Tauricae 312.  
 Euphorio poeta Chalcidensis 364, 566,  
 681. poeta Orneata 382.  
 Euphrantae turris in Syrti maiori 836.  
 Euphrates 47, 739—742, 746—749...  
 Eureis fl. Mysiae 473.  
 Euripides poeta 27, 33, 221, 356, 366,  
 367, 371, 377, 379, 415, 469, 498, 520,  
 615, 616, 645, 670, 687.  
 Euripus Chalcidicus 10, 36, 55, 400, 403,  
 429, 443, 445—447. Pyrrhaeorum 617.  
 in Aegypto 804. prope Carthaginem 832.  
 Euromus opp. Cariae 636, 658.  
 Europa 14...  
 Europus opp. Mediae 524. cf. Rhagae.  
 Macedoniae 327. fl. Thessaliae 329, frg.  
 14, 15, 441.  
 Eurotas fl. Laconiae 275, 343, 363, 389.  
 eurus 29, 102, 456.  
 Euryclea statua Thrasonis 641.  
 Eurycles dux Lacedaemoniorum 363, 366.  
 Eurycydus lucus in Elide 346.  
 Eurydica Philippi mater 326.  
 Eurylochus 393. Thessalus 418, 421.  
 Eurymedon Atheniensis 359. fl. Pamphy-  
 liae 571, 667.  
 Eurypon Proclis f. 366.  
 Eurypylus f. Euaemonis 432. f. Telephi  
 584.  
 Eurysthenes Proclis frater 364, 366, 389.  
 Eurystheus rex Mycenarum 377.  
 Eurytanes pop. Aetoliae 448, 451, 465.  
 Eurytus Oechaliensis 339, 550, 438.  
 Eusebia ad Taurum i. q. Tyana 537. ad  
 Argaeum i. q. Mazaca ibid.  
 Euthydemus rex Bactrianorum 515, 516.  
 orator Mylasensis 659.  
 Euthymus pugil 255.  
 Eutresis vicus Thespiorum 411.  
 Euxinus pontus 48... Euxini ponti littus  
 et ostium 491, 677...  
 Euxynthetus Cretensis 478.  
 Exitanorum urbs in Baetica 156, 170.

## F.

Fabius historicus 228.  
 Fabius Maximus 278.  
 Fabrateria opp. Latii 237.  
 Falerii opp. Etruriae 226.  
 Falisci pop. et opp. Etruriae 226.  
 Faventia opp. Galliae cisalpiniae 217.

Faustulus subulcus 229.  
 Feronia opp. Etruriae 226.  
 Festi opp. Latii 230.  
 Fidenae opp. Latii 226. 230.  
 Fimbria Valerii Flacci quaestor 594.  
 Firmum Picenum 241.  
 Flaminia via 217.  
 Flaminius Gaius consul 217, 227. Titus, propraetor Siciliae 277.  
 Formiae opp. Latii 233.  
 Fortuna 227, 238. duae Fortunae in via Latina 249.  
 Foruli opp. Sabinorum 228.  
 Forum Iulium opp. Galliae 184, 185. Corneli opp. Galliae cisalpiniae 216. Flaminii opp. Umbriae 227. Sempronii opp. Umbriae ibid.  
 Fregellae opp. Latii 233, 237, 238.  
 Fregena opp. Etruriae 225, 226.  
 Frentani pop. Italiae 241, 242, 251, 283 285.  
 Frusino opp. Latii 227.  
 Fucinus lacus 240.  
 Fundanum vinum 234.  
 Fundi opp. Latii 233.

## G.

Gabae opp. Persidis 728.  
 Gabala opp. Syriae 753.  
 Gabalenses pop. Aquitaniae 191.  
 Gabiana provincia Elymaedis 745.  
 Gabii opp. Latii 237, 238.  
 Gabinus historicus 829. consul 558, 796.  
 Gabreta silva Germaniae 292.  
 Gadara opp. Iudaeae 759.  
 Gadaris ager Gadarorum 759, 764.  
 Gades insula 129, 140, 148, 168, 169, 175. opp. 38, 167—169...  
 Gadilon opp. Ponti 547.  
 Gadilonitis ager Gadilonis 546.  
 Gaditani 99, 141, 157, 169, 173, 174. portae Gaditanae 170, 172.  
 Gaesatae pop. Galliae cisalpiniae 212, 216.  
 Gaetuli pop. Libyae 131, 826, 829, 838.  
 Gaius Antonius 445. Flaminius 217. Scipio 213.  
 Galabrii pop. Illyrici 316.  
 Galactophagi v. Abii.  
 Galatae. cf. Celtae. in Europa 61, 107, 176, 181, 192, 210, 220, 290, 293, 296, 313, 315, 385. in Phrygia 87, 539—541....  
 Galatia Phrygiae pars 130, 567.  
 Galaticus s. Celticus sinus 106, 115, 122, 128, 137, 166, 181, 190.

Galepsus opp. Macedoniae 331, frg. 3 35, 41.  
 Galilaea regio Iudaeae 760, 763.  
 Gallesium mons Ioniae 642.  
 Gallinaria silva in Campania 243.  
 Gallograeci 130.  
 Gallograecia i. q. Galatia 566.  
 γάλλοι ἀπόκοποι 630.  
 Gallus fl. Phrygiae 543. cf. Aelius Cornelius.  
 Gamabrivii pop. Germaniae 291.  
 Gambarus princeps Syriae 753.  
 Gandaris regio Indiae 699.  
 Gandaritis regio Indiae 697.  
 Ganga opp. Indiae 719.  
 Ganges fl. Indiae 686, 689, 690, 698, 707 718, 719.  
 Gangra opp. Paphlagoniae 562.  
 Ganymedes 587.  
 Garamantes pop. Libyae 131, 830, 838 838.  
 Garescus opp. Macedoniae 330, frg. 21, 30.  
 Garganus mons 284, 285.  
 Gargara opp. Troadis 512, 583, 606, 610.  
 Gargarenses Gargarorum incolae 606, 610 610.  
 pop. Caucasi 504.  
 Gargaris ager Gargarorum 610.  
 Gargarum pars montis Idae 583.  
 Gargettus pagus Atticae 377.  
 Garindaei pop. Arabiae 776.  
 Garmanes philosophi Indorum 712, 713.  
 Garsauria vicus Cappadociae 537, 539 568, 663.  
 Garsauritis prov. Cappadociae 534.  
 Garumna fl. Galliae 177, 189, 190, 193 199.  
 Gasy's nomen Paphlagonium 553.  
 Gaudus insula 44, 277, 299.  
 Gaugamela vicus Aturiae 79, 737.  
 Gaza opp. Iudaeae 756, 759, 760, 768.  
 Gazaca opp. Mediae 523.  
 Gazacene regio Ponti 553.  
 Gazaei 749. Gazaeorum portus 759.  
 Gazalonitis regio Ponti 553.  
 Gazelotis regio Ponti 560.  
 Gaziura opp. Ponti 547.  
 Gedrosia 130, 131, 133, 134, 686, 721 722, 726, 746.  
 Gedrosii s. Gedroseni pop. Arianae 723, 724.  
 Gela opp. Siciliae 272.  
 Gelae gens Scythica 503, 508, 510.  
 Gelo tyrannus 98, 449.  
 Genauni pop. Illyrici 206.  
 Genetes prom. et fl. Ponti 548.  
 Genesaritis lacus et pagus Iudaeae 755, 764.  
 Genua 201—203, 211, 216, 217.



Georgi Scytharum pars 311.  
 Gephyra et Gephyrismi in Attica 400.  
 Gephyraei i. q. Tanagraei 404.  
 Geraestus opp. et prom. Euboeae 444, 446.  
 Geranius fl. Elidis 340.  
 Gerena s. Gerenia opp. Messeniae 299,  
 339, 340, 353, 360.  
 Gerenus locus in Elide 340.  
 Geres Boeotus 663.  
 Gergitha opp. Troadis 589, 616. vicus ad  
 fontes Caici 616.  
 Gergithes opp. Cymaeae 589.  
 Gergithium locus prope Lampsacum 589.  
 in Cymaea ibid.  
 Gergithius (Cephalo) 589.  
 Gergovia opp. Arvernorum 191.  
 Germani 10.....  
 Germania 14, 289—292.....  
 Germanici populi 93, 193, 194, 196, 289—  
 291. montes 71.  
 Germanicus Tiberii f. 288, 292.  
 Geron fl. Elidis 340.  
 Gerrha opp. Aegypti 50, 56, 760. Ara-  
 biae 766.  
 Gerrhaei 766, 778.  
 Gerraecidae portus Teiorum 644.  
 Geryones 22, 148, 150, 169, 230, 245.  
 Getae 93, 118, 128, 290, 294—298, 304,  
 313, 762.  
 Getarum desertum 305, 306.  
 Gezatorix Paphlagoniae princeps 562.  
 Gigantes 243, 245, 281, 330, frg. 25, 27,  
 489, 495.  
 Gigartum castellum Syriae 755.  
 Gindarus opp. Syriae 751.  
 Ginguum mons Umbriae 227.  
 Glaucias tyrannus 601.  
 Glaucopi sacrum 600.  
 Glaucopium arx Athenarum 299.  
 Glaucus Anthedonius 405. Pontius Aeschyl  
 drama 447. Potniensis 409. fl. Colchidis  
 498, 500. sinus Cariae 651.  
 Glisas opp. Boeotiae 412.  
 Glycera meretrix 410.  
 Glycys sinus et portus Epiri 324.  
 Gnaeus Piso praefectus Libyae 130. Carbō  
 214. Ahenobarbus 185. Pompei f. 141.  
 Gogarene regio Armeniae 528.  
 Gomphi opp. Thessaliae 437.  
 Gonnus opp. Thessaliae 440.  
 Gorbheus opp. Phrygiae 568.  
 Gordium opp. Phrygiae 568, 574.  
 Gordius rex Phrygiae 568.  
 Gordus locus Troadis 603.  
 Gordyaea vel Gordyene prov. Armeniae  
 527, 739, 746, 747, 750.  
 Gordyaei pop. Mesopotamiae 80, 522,  
 529, 736, 747.  
 Gordyaeus Gordyaeorum princeps 532.

Gordys Tryptolemi f. 747, 750.  
 Gorgipia opp. Sindorum 495.  
 Gorgones 19, 22, 299, Gorgonis caput  
 379, 487.  
 Gorgus Cypseli f. 325. metalleutes 700.  
 Gortyna s. Gortyn opp. Cretae 476, 478,  
 479, 647.  
 Gortynii 477—479.  
 Gortynii urbs in Macedonia 329, frg. 4.  
 Gorys opp. Indiae 697.  
 Graea opp. Boeotiae 404, 410.  
 Graeci 9.... Γραικοί 46, 216.  
 Graecia 10.... Magna 253.  
 Granicus fl. Mysiae 581, 582, 587, 593,  
 602.  
 Gras Penthili f. 582.  
 Gratiae 41, 414.  
 Gravisci opp. Etruriae 225, 226.  
 Grium mons Cariae 636.  
 Grumentum opp. Lucaniae 254.  
 Gryneus cognomen Apollinis 618.  
 Grynium opp. Aeolidis 622.  
 Guranii pop. Armeniae 531.  
 Gyarus insula 485.  
 Gygaea lacus Lydiae postea Coloa 626.  
 Gygas prom. Troadis 590.  
 Gyges rex Lydorum 421, 590, 680.  
 Gymnesiae insulae s. Balearides 123, 129,  
 144, 159, 167, 168, 654.  
 Γυναικῶν πόλις in Aegypto 803.  
 Gyrtōn s. Gyrtone opp. Thessaliae 329,  
 frg. 14, 16, 439, 441—443.  
 Gyrtōnii 329, frg. 14, 330, frg. 16, 442.  
 Gythium opp. Laconicae 343, 363.

## H.

Hades 48....  
 Haemon Thessali pater 443, 444. Oxyli  
 pater 463, 464.  
 Haemonia i. q. Thessalia 443, 444.  
 Haemus s. Haemum mons 208, 301, 313,  
 318, 319, 323, 329, frg. 10, 331, frg. 36,  
 440.  
 Halae opp. Boeotiae 405, 425. pagus At-  
 ticae 405. Araphenides 399, 446. Aeo-  
 nides 398.  
 Halaesenses Aeonici pagus Atticae 398.  
 Halesius campus in Troade 605.  
 Halax fl. Bruttii 260.  
 Haliacmon fl. Macedoniae 329, frg. 5, 12,  
 14, 330, frg. 20, 22.  
 Haliartia ager Haliarti 407, 410—412.  
 Haliartus opp. Boeotiae 16, 298, 407, 410,  
 411. Haliartis i. q. Copais 411.  
 Halicarnassenses 653.  
 Halicarnassus 374, 611, 635, 656, 657.  
 Halicyrna pagus Aetoliae 459.

- Halienses opp. et regio Argolidis 373.  
 Halimussii pagus Atticus 398.  
 Halisarna in Co insula 657.  
 Halius opp. Locridis 432.  
 Halizoni 549, 550, 552, 677—680.  
 Halonnesus insula vicina Magnesiae 436.  
     vicina Ioniae 644.  
 Halus opp. Phthiotidis 432, 433, 435. opp.  
     Locridis 432.  
 Halys 126...  
 Hamarium lucus Iovis in Achaia 385, 387.  
 Hamaxia opp. Ciliciae 669.  
 Hamaxitia 473.  
 Hamaxitenses 606.  
 Hamaxitus opp. Troadis 440, 473, 604—  
     606, 612, 620.  
 Hamaxeoci gens Scythica 126, 294, 296,  
     300, 307, 492.  
 Hannibal 158, 159, 209, 216, 217, 226,  
     245, 249—251, 255, 256, 285, 287, 528,  
     563.  
 Harma vicus Boeotiae 404, 405. opp. At-  
     ticae 404.  
 Harmatus prom. Aeolidis 622.  
 Harmonia Cadmi coniux 326.  
 Harmozon prom. Carmaniae 726, 765.  
 Harpagia opp. Mysiae 587.  
 Harpagus dux Cyri 252.  
 Harpalus Macedo 837.  
 Harpina opp. Pisatidis 356.  
 Harpyiae 302.  
 Hasdrubal Carthaginis novae conditor  
     158, 831, 832.  
 Heba i. q. Dia 382.  
 Hebrus fl. Thraciae 322, 329, frg. 9, 10,  
     331, frg. 48, 51, 57, 590.  
 Hecataeus Milesius 1, 7, 18, 271, 299,  
     316, 321, 341, 550, 552, 553, 635. Teius  
     s. Abderita 644.  
 Hecate 468, 472, 641, 660.  
 Hecateros (?) 471.  
 Hecatomnos rex Cariae 656, 659.  
 Hecatompylus opp. Parthorum 514.  
 Hecatonnesi s. Apolononnesi 618.  
 Hecatus cognomen Apollinis 618.  
 Hector 585, 594—596...  
 Hecuba 477, 595. Ἑκάβης σῆμα castel-  
     lum Thraciae 331, frg. 56.  
 Hedylium mons Boeotiae 424.  
 Hedyllus poeta 683.  
 Hedypho fl. Babyloniae 744.  
 Hegesianax historicus 594.  
 Hegesias orator 396, 648.  
 Helei Heli incolae 365.  
 Helena insula. cf. Cranaa 399, 485. Tyn-  
     darei filia 41, 183, 396, 399, 596, 800. Ἑλέ-  
     νης ἀπαίτησις Sophoclis drama  
     643.  
 Heleon pagus Tanagraeus 404—406, 439.  
 Heliadae filii Solis 654.  
 Heliades filiae Solis ad Padum 215.  
 Helica opp. Achaiae 59, 384, 385, 387.  
     opp. Thessaliae 385.  
 Helicenses 385.  
 Helicon mons Boeotiae 261...  
 Heliopolitae milites Aristonici 646.  
 Heliopolites pagus 805.  
 Heliupolis opp. Syriae 753. opp. Aegypti  
     803, 805—807.  
 Helius Persei f. 363.  
 Hellanicus historicus Lesbicus 43, 366,  
     426, 451, 456, 508, 550, 602, 610, 618.  
 Hellas opp. Phthiotidis 431, 432. i. q.  
     Thessalia meridionalis 444. quid si-  
     apud Homerum 431, 531, 532.  
 Ἑλλης πορθμός Hellespontus 331  
     frg. 58.  
 Hellen Deucalionis f. 383, 432, 444.  
 Hellenes opp. Hispaniae 157.  
 Hellespontia i. q. Phrygia ad Hellespon-  
     tum 129, 534.  
 Hellespontii 566.  
 Hellespontus 46... Hellesponti ostium  
     591.  
 Helli accolae Dodonae 328.  
 Hellopia regio Dodonam adiacens 328.  
     i. q. Euboea 445, 446. opp. Euboeae  
     445.  
 Helotes servi Spartanorum 278, 280, 365,  
     366, 542, 701.  
 Helvetii 183, 191—193, 196, 206, 208,  
     292—294, 313.  
 Helvii pop. Galliae 190.  
 Helus opp. Laconicae 343, 349, 350, 363,  
     365, 406. in Triphylia s. Messenia 350.  
 Hemeroscopium opp. Hispaniae 159, 161.  
 Hemicynnes 43, 299.  
 Heneti pop. Italiae 61, 210—216, 543, 608.  
 Henetica Henetorum terra 314, 543, 608.  
 Heniochi pop. Asiae 129, 492, 495—497,  
     506, 839.  
 Heniochia Heniochorum terra 496.  
 Heorta opp. Scordischorum 318.  
 Heptacometae pop. Ponti 548, 549.  
 Heptaporus fl. Mysiae 554, 602.  
 Heptastadium Hellesponti 591. agger inter  
     Alexandriam et Pharum 792, 794.  
 Heraclea opp. Magnae Graeciae 264, 280,  
     281. Elidis 356. Mediae 514, 524. Ponti  
     541—543, 553. Mytilenaeorum in Troade  
     607. Ioniae 635. Cariae 658. Syriae 751.  
 Trachin opp. Thessaliae 60, 382, 389,  
     408, 428, 429, 434, 442. opp. Hispaniae  
     i. q. Calpa 140. Pisandri poema 655,  
     688.  
 Heracleo Dionysii pater 751.



- Heracleotae in Italia 264, in Chersoneso Taurica 308, 542, in Paphlagonia 543, in Aegypto 812.  
 Heracleotes s. Heracleoticus pagus 789, 809, 812.  
 Heracleotis regio Ioniae 642.  
 Heracleum opp. Siciliae 266. ad Maeotim 494. Syriae 751. Cyrenaicae 838. Cretae 476, 484. Aegypti 85, 788, 801. Hercules templum Gadibus 169, 170, 172, 174. 175. prom. Italiae 259. prom. Ponti 548.  
 Heraclidae 269.... Heraclidarum reditus 354, 359, 365, 372, 383, 389, 392, 451, 582, 653.  
 Heraclides Ponticus philosophus 98, 100, 384, 541, 604. medicus 645.  
 Heraclitus philosophus Ephesius 3, 642, 784. poeta Halicarnassensis 656.  
 Heraea opp. Arcadiae 337, 388.  
 Heraeum Iunonis templum ad Mycenae 368, 372. Sami 637 in prom. Lacinio 261. Prosymnae 373. Pharygis 426.  
 Herculeanum opp. Campaniae 246, 247.  
 Hercules 9.... Cornopio ibid. Ipoctonus 613. Macistius 348. opus Lysippi 278. Myronis 637. tabula Aristidis 381. Hercules bella 2, 149, 169, 170, 338, 505, 686. labores 19, 26, 459. liberi 225, 377. progenies 219. socii 564. altare 826. columnae 21, 47—49, 105—108 etc. insula 159, 170. portus 225, 256, 459. sacrum 138, 202, 801. templum 185. thermae 425. urbs 812.  
 Hercynia silva 207, 290, 292, 293, 295.  
 Herdonia opp. Apuliae 282.  
 Hermaea opp. in ora Carthaginensium 834. prom. 832, 834.  
 Hermagoras Temnius rhetor 621.  
 Hermas Indus 719.  
 Hermi campus 625, 626, 691.  
 Hermias tyrannus Atarnitarum 610, 614.  
 Hermiona opp. Argolidis 369, 373, 374, 385.  
 Hermionenses 373.  
 Hermionicus sinus 59, 335, 368, 369, 380, 390. Hermionicum promontorium 368, 373, 484.  
 Hermocreo architectus 588.  
 Hermodorus Ephesius 642.  
 Hermonactis vicus 306.  
 Hermonassa opp. Ponti 548. ad lacum Corocondamitum 495.  
 Hermonthis opp. Aegypti 817.  
 Hermopolitae in Aegypto 812.  
 Ερμοπολιτική φυλακή 813.  
 Ερμού πόλις opp. Aegypti 802, 803.  
 Hermunduri pop. Germaniae 290.  
 Hermus fl. Lydiae 554. ....  
 Hernici pop. Latii 22, 231, 237.  
 Herodes rex Iudaeae 760, 765.  
 Herodotus Halicarnassensis 30, 36, 43, 61, 98, 100, 151, 282, 301, 428, 448, 473, 508, 531, 532, 534, 536, 544, 550, 573, 611, 618, 626, 627, 656, 668, 691, 823, 829.  
 Herophilii medici 580, 645.  
 Herostratus Ephesius 640.  
 Ηρώων πόλις in Aegypto 85, 759, 767....  
 Herpa s. Herphae opp. Cappadociae 537, 539, 663.  
 Herus turris prope Abydum 591.  
 Hesiodus poeta 23, 29, 42, 43, 59, 221, 299, 300, 302, 322, 327, 328, 342, 364, 370, 385, 393, 409, 413, 424, 442, 458, 471, 507, 588, 622, 642, 674, 676.  
 Hesiona filia Laomedontis 596.  
 Hesperides opp. Cyrenaicae 123, 458, 647, 836. Nymphae 150, 183, 299.  
 Hesperitae Libyes 647.  
 Hestiaea Alexandrina 559.  
 Hestiaotis pars Thessaliae 430, 434, 437, 438, 446, 475.  
 Hibernia insula 63, 72, 73, 75, 115, 119, 201.  
 Hicesius medicus Smyrnaeus 580.  
 Hicetaon Troianus 586.  
 Ίερά ἄκρα prom. Lyciae 666.  
 Ίεράκων νῆσος in sinu Arabico 773.  
 πόλις opp. Aegypti 817.  
 Hiera insula i. q. Thermessa 275, 277.  
 Hierapolis opp. Syriae 748. Phrygiae 437, 579, 629, 630.  
 Hierapytna opp. Cretae 440, 472, 475.  
 Hierapytnii 479.  
 Hiericho opp. Iudaeae 760, 763, 779.  
 Hiero rex Syracusarum 247, 268. Laodicensis 578.  
 Hierocepia s. Hierocepis opp. Cypri 683, 684.  
 Hierocles orator Alabandensis 661.  
 Ίερόν ἀκρωτήριον in Hispania 106, 108, 119, 137—140, 143, 148, 151.  
 Ίερόν ὄρος in Thracia 331, frg. 56.  
 Ίερόν στόμα Ἰστρου 305, 312, 319.  
 Hieronymus Rhodius 378, 443, 475, 655.  
 Hierosolyma 759—762.  
 Hilesium opp. Boeotiae 406.  
 Himera opp. Siciliae 272, 275. fl. Siciliae 266.  
 Hipparchus astronomus 2, 5, 7, 14—16, 27, 54, 57, 62, 63, 68—72, 74—77, 79—94, 106, 113—115, 131, 132, 135, 328, 332, 529, 566.

- Hippemolgi cf. Abii.  
 Hippi insula prope Erythras 644.  
*Ἰππόβοτος λειμών* in Armenia 525.  
*Ἰπποβοτῶν πολιτεία* Chalcide 447.  
 Hippocles conditor Cumarum 243.  
 Hippocoon rex Spartae 461.  
 Hippocorona opp. Troadis 472.  
 Hippocoronium opp. Cretae 472.  
 Hippocrates medicus 657.  
 Hippon opp. Carthaginiensium 832. Numidiae ibid.  
 Hipponax poeta 340, 633, 636, 642.  
 Hipponiates sinus 254, 255, 261.  
 Hipponium opp. Bruttiorum 256.  
*Ἴππον κρήνη* 379, 410.  
 Hippus fl. Colchidis 498, 500.  
 Hirpini pop. Samnii 250.  
 Hispalis opp. Hispaniae 141, 242.  
 Hispania i. q. Iberia 166.  
 Hissellum opp. Umbriae 227.  
 Histi prom. Icariae insulae 639.  
 Histiaea opp. Euboeae 445, 446. cf. Oreus.  
 Histiaeenses 437, 445. pagus Atticae 445.  
 Histiaeotis s. Hestiaeotis in Thessalia 430, 434, 437, 438, 441, 446, 475. in Euboea 437, 445.  
 Holmi opp. Phrygiae 663, Ciliciae 670.  
 Homerium porticus Smyrnae 646. numus Smyrnaeorum ibid.  
 Homeridae in insula Chio 645.  
 Homerus 1, 2, 3, 4, 6, 7, 15, 16, 17, 18, 20, 21, 25, 27, 28, 30, 35, 36, 37, 40, 41, 43—46, 59, 103, 133—146, 149, 150, 157, 224, 255, 256, 276, 295, 298, 299, 303, 328, 330, 332, 336, 338, 340, 341, 351, 352, 354, 355, 356, 357, 360, 364, 368, 369, 370, 375, 376, 386, 387, 392, 401, 405, 408, 414, 420, 423, 425, 426, 429, 430, 431, 435, 441, 442, 445, 451, 452, 453, 454, 455, 463, 465, 476, 479, 482, 484, 503, 536, 549, 551, 552, 553, 554, 555, 565, 572, 573, 580, 581, 582, 584, 586, 598, 599, 600, 601, 611, 612, 616, 622, 625, 638, 639, 643, 645, 646, 650, 653, 661, 662, 667, 674, 678, 680, 687, 735, 757, 834.  
 Homola s. Homolium opp. Magnesiae 443.  
 Homonadenses pop. Pisidiae 569, 570, 668, 679.  
 Hormiae i. q. Formiae 233.  
 Hormina s. Hyrmina prom. Elidis 341.  
 Hortensius orator 515.  
 Hya i. q. Hyampolis 424.  
 Hyacinthia dies festi apud Lacedaemonios 278.  
 Hyamitis (Hyamia) regio s. opp. Laconicae 361.  
 Hyampolis opp. Boeotiae 416, 424. Phocidis 401, 424.  
 Hyantes 321, 401, 424, 464.  
 Hyarotis fl. Indiae 694, 697, 699.  
 Hybla maior opp. Siciliae 268. minor s. Megara 267, 387.  
 Hyblaei 387.  
 Hyblaeum mel 267.  
 Hybreas Mylasensis 630, 659, 660.  
 Hybrianes gens Illyrica 318.  
 Hyda opp. Lydiae 407, 408, 626.  
 Hydara castellum Armeniae 555.  
 Hydarnes Persa 531.  
 Hydaspes fl. Indiae 686, 691, 696.  
 Hydra prom. Aeolidis 622. lacus Aetoliae postea Lysimachia 460.  
 Hydracae pop. Indiae 687. cf. Sydracae.  
 Hydrelus opp. Cariae 650. Lacedaemonius ibid.  
 Hydruntum opp. Calabriae 281.  
 Hydrussa insula Atticae vicina 398.  
 Hyla opp. Boeotiae 407, 408, 626.  
 Hylae opp. Boeotiae 407.  
 Hylas comes Hercules 564.  
 Hylica palus in Boeotia 407, 708.  
 Hylobii philosophi Indorum 713.  
 Hyllus f. Hercules 427. fl. Lydiae 554, 626.  
 Hymettus mons Atticae 399, 401.  
 Hypaepa opp. Lydiae 627.  
 Hypaesia regio Triphyliae 347.  
 Hypanthium (?) mons prope Orchomenum 424.  
 Hypana opp. Triphyliae 344.  
 Hypanis fl. Sarmatiae 107, 298, 306, 494.  
 Indiae 516, 686, 691, 697, 698, 700—703, i. q. Anticites 494, 495.  
 Hypasii pop. Indiae 691, 698.  
 Hypatus mons Boeotiae 412.  
 Hypelaeus fons prope Ephesum 634, 640.  
 Hyperborei 61, 62, 295, 507, 711.  
 Hyperesia opp. Achaiae 383.  
 Hyperia fons in agro Pharsaliorum 432. in urbe Pheraeorum 439.  
 Hypernotii 61, 62.  
 Hypochalcis opp. Aetoliae 451.  
 Hypocremnus vicus Ioniae 644, 645.  
 Hypothebae pars Thebarum 412.  
 Hypsicrates historicus 311, 504, fortasse etiam 827, ubi libri *Ἰπικράτης*.  
 Hypsoes opp. Elidis 349.  
 Hyrcani 129, 507, 509, 510, 514, 515, 520.  
 Hyrcania 14, 508—511.....  
 Hyrcanium castellum Iudaeae 763.  
 Hyrcanium mare 68, 73, 74, 94, 119, 121, 129, 492, 507—513, 516, 523, 524.  
 Hyrcanius campus in Lydia 629.  
 Hyrcanus rex Iudaeae 762.  
 Hyria opp. Iapygiae 282. Boeotiae 404, 408.



Hyrienses 404.  
 Hyrieus pater Orionis 404.  
 Hyrmina s. Hormina prom. Elidis 341.  
 Hyrmina opp. Elidis 341.  
 Hysiae opp. Boeotiae 404. Argolidis 376, 404.  
 Hysiatæ 404.  
 Hyspiratis regio Armeniæ 529.  
 Hystaspes pater Darii 305, 638, 736, 737.

## I.

Iaccetania et Iaccetani in Hisp. 161.  
 Iacchus i. q. Bacchus 468.  
 Ialmenus dux Orchomeniorum 416.  
 Ialysii 655.  
 Ialysus s. Ielysus opp. Rhodi 654, 655.  
 tabula Protogenis 652.  
 Iamblichus princeps Emisenorum 753.  
 Iamnia opp. Iudææ 759.  
 Iaones 392, 467.  
 Iapodes 202, 207, 313—315.  
 Iapygium promontorium 109.....  
 Iapyges 109, 254, 261, 262, 270.  
 Iapygia 105, 254, 265, 277, 281, 282, 285, 405.  
 Iapyx Daedali f. 279, 282.  
 Iardanes fl. Pisatidis 342, 343, 347.  
 Iardani sepulcrum 347, 348.  
 Ias i. q. Attica 392. dialectus Attica 333.  
 Iasidae 371.  
 Iasio Dardani frater. 331, frg. 50.  
 Iason 2...  
 Iasonia heroa 45, 503, 526, 531, 546.  
 Iasionum mons Mediæ 526. prom. Ponti 548.  
 Iasum Argos 369, 371.  
 Iasus opp. et insula Cariæ 658.  
 Iaxartes fl. Sogdianæ 507, 510, 514, 517, 518.  
 Iazyges 294, 306.  
 Iberes pop. Hispaniæ 5..... pop. Caucasum accolens 118.....  
 Iberia i. q. Hispania 3, 136—176..... ad Caucasum 44, 499—501.....  
 Ibericum littus 122, 164, mare 122. promontorium 106, 116, 161. Ibericus isthmus 137. Iberici populi 152, 164.  
 Iberus fl. Hispaniæ 156, 158—162, 167, 175.  
 Ibycus poeta 58, 271.  
 Icarii s. Icarus insula 488, 635, 637, 639.  
 Icarium mare 124, 488, 639.  
 Icarus pater Penelopæ 452, 461.  
 Icarus Daedali f. 639. insulæ 766.  
 Ichnae opp. Thessaliotidis 435.  
 Ichthyophagi 96. in Gedrosia 131, 133. in

Carmania 720, 726. ad sinum Arabicum 769, 770, 772, 773.  
 Ichthys prom. Elidis 343, 836.  
 Iconii gens Alpina 185, 203.  
 Iconium opp. Lycaoniæ 568.  
 Ictinus architectus 395, 396.  
 Ictumuli vicus Galliæ cisalpinæ 218.  
 Icus insula Thessaliæ vicina 436.  
 Ida mons Troadis 22, 321, 331, frg. 50, 466, 469, 470.... mons Cretæ 472, 604.  
 Idaea mater 45, 469, 575.  
 Idæi Dactyli 331, frg. 51. 355, 466, 473.  
 Idæus sinus 584, 605.  
 Idanthysus Scythæ 687.  
 Ideessa opp. Hispaniæ 45, 499.  
 Ideonni ager in Taurinis 204.  
 Idomena opp. Macedoniæ 331, frg. 36, 389.  
 Idomeneus Cretensis 479, 480. Lampsacenus 589.  
 Idrienses pop. Cariæ 678.  
 Idrieus Hecatombi f. 656.  
 Idubeda mons Hispaniæ 161, 162.  
 Idumæi pop. Iudææ 749, 760.  
 Igletes incolæ Hispaniæ cis Iberum 166.  
 Iguvium opp. Umbriæ 227.  
 Ilasarus rex Arabum Rhamanitarum 782.  
 Ilerda opp. Hispaniæ 161.  
 Ilergetæ gens Hispaniæ 160.  
 Iliacum bellum 20, 24, 39, 584. Iliaca classis 262. Iliacus campus 573, 596—598.  
 Ilienses 584, 593, 594, 596, 597, 600—602.  
 Iliocolona in agro Pariano 589.  
 Ilipe opp. Turditanæ 141, 142, 174, 175.  
 Iliissus fl. Atticæ 397, 400.  
 Ilithyæ urbs in Aegypto 817. sacrum 226, 476, 817.  
 Ilium vetus 17, 592—601... novum 593—596, 598, 599, 601, 602.  
 Illiberis opp. et fl. Galliæ 182.  
 Illyrici populi 214, 283, 289, 313, 318, 326, 332. montes 71, 313..... Illyricum littus 105, 128, 285, 314—318.  
 Illyrii 206, 313—318...  
 Illyris 108...  
 Ilus Ilii conditor 593, 597.  
 Imandes 811. cf. Ismandes.  
 Imaus s. Imaius mons 129, 511, 519, 689, cf. Isamus.  
 Imbrasides dux Thracum 331, frg. 58.  
 Imbrasus fl. Sami 457, 637.  
 Imbrus insula 28, 124, 221, 331, frg. 48, 457, 473. castellum Cariæ 651.  
 Inachus fl. Argolidis 271, 326, 370, 371, 387. fl. Acarnaniæ 271, 316, 326, 327, 370.  
 Inaros rex Aegypti 801.

- Indi 7, 685—720. ....  
 India 7, 685—720. .... Indiae fines 514, 517.  
 Indicetæ gens Hispaniæ 156, 160.  
 Indici philosophi 686, 711—720.  
 Indicum mare 118, 129, 514, 519, Indici fluvii 690—692, 696, 697, 700, 711, 718, 739, montes 68, 505, 506, 510, 689.  
 Indus 64, 688—690. ....  
 Ingauni pop. Ligurum 202.  
 Innesa opp. Siciliæ 268.  
 Inopus fl. Deli 271, 485.  
 Insubres 212, 213, 216, 218, 292.  
 Intemelii pop. Liguriæ 202.  
 Intemelium 202. cf. Albium.  
 Interamna opp. Umbriæ 227. Interamnium Latii 237.  
 Intercatia opp. Celtiberorum 162.  
 Interocrea opp. Sabinorum 228.  
 Io mater Epaphi 445, 673, 750.  
 Iol opp. Masaesyliorum 831.  
 Iolaenses pop. Sardiniae 225.  
 Iolaus 225, 377.  
 Iolcius i. q. Iason 45.  
 Iolcus opp. Magnesiæ 331, frg. 44, 414, 436, 438.  
 Ion Xuthi f. 321, 383, 397. poeta 60, 364, 645. fl. Thessaliæ 356.  
 Iones 60. ....  
 Ionia in Asia 6, 632—650. .... i. q. Achaia 383. i. q. Attica 392, 397.  
 Ionium mare 123, 259, 281, 316, 317, 322, 326, 329, frg. 6, 332, frg. 57.  
 Iopa opp. Iudaeæ 43, 758, 759.  
 Ioras s. Iurasius mons 193, 208.  
 Iordanes fl. Iudaeæ 755.  
 Iozæ cf. Iulia.  
 Iphicrates dux Atheniensium 389. Iphicrates (?) scriptor 827.  
 Iphidamas f. Antenoris 330, frg. 21, 24.  
 Iphigenia 535. drama Euripidis 377.  
 Iphitus Eleus 358.  
 Ipnus opp. Magnesiæ 443.  
 Ira opp. Messeniæ.  
 Iris fl. Ponti 52, 547, 556, 561.  
 Irrha filia Arrhabæi 326.  
 Is Sybaris conditor 263.  
 Isadici pop. Caucasi 506.  
 Isamus fl. Indiæ 516.  
 Isar, fl. Galliæ 185, 191, 204.  
 Isaras fl. Vindeliciæ 207.  
 Isaura opp. Isauriæ 568, 569, 665, 668.  
 Isaurica pars Lycaoniæ 568, 569.  
 Iochopolis opp. Ponti 548.  
 Isinda opp. Psidiæ 631.  
 Isis 803, 822.  
 Ismandes Labyrinthi conditor 813.  
 Ismaris lacus Thraciæ 331, frg. 44.  
 Ismarus s. Ismara opp. Ciconum 331, frg. 44.  
 Ismenus fl. apud Thebas 408.  
 Isocrates orator 622.  
 Ἰσοδρόμη μήτηρ dea 440.  
 Issa Liburnorum insula 124, 315, 3 i. q. Lesbos 60.  
 Issenses 315.  
 Issicum mare 47. ....  
 Issus opp. Ciliciæ 125. ....  
 Ister fluvius 6, 289. .... Istri fontes 20289, 292, 304. ostia 289, 312, 318, 319.  
 Istri 57, 215, 216, 314.  
 Istria Italiæ regio 209, 215, 314.  
 Istrus opp. Moesiæ 318, 319.  
 Isus regio Boeotiæ 405.  
 Itali 169, 208—210. ....  
 Italia 6, 21—23, 209—288.  
 Italica opp. Hispaniæ 141. Pelignorum 24.  
 Ithaca 22, 454, 455. ....  
 Ithacesii 22, 461.  
 Ithoma mons et opp. Messeniæ 358, 361437. opp. Thessaliæ 437, 438.  
 Itium opp. et portus Galliæ 199.  
 Itonus opp. Thessaliæ 433, 435.  
 Ituraei pop. Syriæ 753, 755, 756.  
 Itymoneus 352.  
 Iuba rex Numidiæ 288, 828, 829, 831840.  
 Iudaea 749, 760—765.  
 Iudaei 736, 760—765.  
 Iugurtha 831.  
 Iulia Iozæ opp. Baeticæ 140.  
 Iuliopolis opp. Phrygiæ 574.  
 Iulis opp. Cei 486.  
 Iulius 595.  
 Iulus f. Aeneæ 595.  
 Iuncarius campus in Hispania 160.  
 Iuno 354, 413, 583, 640. a Tyrrhenis Cypra appellata 241. Iunonis sacrum 261373. Argoniæ 252. Pharygaeæ 426.  
 insula 168, 170. Argivæ lucus 215.  
 Acrææ oraculum 380.  
 Iuppiter 183. .... Abrettenus 574. Dodo-naeus 221. Larisius 440, 649. Olympius 333. Ombrius 718. Pelasgicus 221, 329.  
 Sosipolis 648. Iovis sacrum in Larisa Argiva 370. Olbae 672. Venasæ 537.  
 Aenesii 456. Atabyrii 655. Carii 659.  
 Casii 760. Ἰουσαορέως 660. Di-ctæi 475, 478. Eleutherii 412. Labran-deni 659. Lycali 388. Osogo 659. Sote-ris 396. Iovis antrum 476, 482, 762.  
 Iulus 382, 683. oraculum Olympii 353.  
 Trophonii 414. colossus 278, 567, 673.  
 Astrapæi altare 404.  
 Iurasius cf. Ioras.  
 Ius insula 484.  
 Ixia opp. Rhodi 655.  
 Ixion Lapitharum rex 329, frg. 14, 16.



## L.

- abanae aquae in Italia 238.  
 abicana via 237.  
 abicum opp. Latii 230, 237.  
 abienus praefectus Asiae 574, 660.  
 abotas fl. Syriae 751.  
 abraunda opp. Cariae 659.  
 abyrinthus in insula Creta 477. prope  
 Naupliam 369. in Aegypto 787, 811.  
 accedaemon 264, 345—347, 367, 368...  
 accedaemonii 65, 364—367...  
 aceter prom. Co insulae 657.  
 acinium prom. Bruttiorum 261, 262, 281.  
 acmus mons Aetoliae 271, 316.  
 acones 157...  
 aconica instituta 154, 260, 481, 482.  
 convivium 480, 482, 701. Laconicus sinus  
 335, 362, 368. Laconica insula i. q.  
 Thera 837.  
 aconica 92, 362—368...  
 ada insula prope Miletum 635.  
 adon fl. Arcadiae 60, 389.  
 aertes 59, 451—453, 456, 460.  
 astrygones pop. Siciliae 20, 22, 40.  
 agaria castellum prope Thurios 263.  
 agaritanum vinum ibid.  
 agetas Strabonis avus 477, 478.  
 agidae reges Aegypti 795.  
 agina opp. Cariae 660, 663.  
 agobardi gens Germaniae 290, 292.  
 agus Ptolemaei pater 301.  
 agusa insula Cretae vicina 484.  
 lamia opp. Thessaliae 60, 433—435, 450.  
 terriculum 19.  
 lamifacum bellum 433, 446.  
 lampenses opp. Cretae 475.  
 lampia mons Arcadiae 341.  
 lamponia opp. Troadis 610.  
 lampsacene 587, 589.  
 lampsaceni 589.  
 lampsacus opp. Mysiae 331, frg. 56, 58.  
 587, 589—591, 636.  
 lamptrenses pagus Atticae 398.  
 lamus fl. et opp. Ciliciae 671.  
 landi pop. Germaniae 290, 292.  
 laodicea (ἡ λαοδικαία) opp. Ly-  
 caoniae 663. Coelesyriae 755. Mediae  
 524. Phrygiae 576, 578, 580, 629, 630,  
 663. Syriae 749, 751, 752.  
 lapa opp. Lesbi 426.  
 lapathus opp. Cypri 682.  
 lapersae cognomen Dioscurorum 364.  
 lapithae pop. Thessaliae 8, 329, frg. 14,  
 15, 439—443.  
 lapithes i. e. Mopsus 443.  
 laranda opp. Lycaoniae 569.  
 larisa Piasi filia 621. opp. Pelasgiotidis  
 389, 430, 431, 438, 440, 441, 443, 503,  
 530. Phthiotidis (Cremaste et Pelasgia)  
 60, 435, 440. Thessaliae ad Ossam 440.  
 Atticae ibid. Cretae ibid. in confiniis  
 Elidis et Achaiae ibid. Syriae, Ponti  
 ibid. Troadis 440, 604, 620. Ephesia  
 vicus in Caystri campo 440, 620. Phri-  
 conis opp. Aeolidis 440, 620—622. arx  
 Argorum 370, 371, 440.  
 larisa 605.  
 larisaeae rupes Lesbi 440.  
 larisaei 60, 440, 621, 691.  
 larisus campus 440.  
 larissus fl. Achaiae 387, 440.  
 larius lacus 192, 204, 209, 213.  
 lartolacetae pop. Hispaniae 159.  
 larymna opp. Boeotiae 105, 405, 406.  
 Locridis 406.  
 las opp. Laconicae 364.  
 lathon s. Lethaeus fl. Cyrenaicae 647,  
 836.  
 latina lingua 137, 160, 258. via 236—238.  
 latini 218, 229, 231—233, 235, 237, 238,  
 240, 287.  
 latinus rex Aboriginum 229.  
 latium 145, 228—240...  
 latmicus sinus in Ionia 635.  
 latmus mons Cariae 635, 636. opp. Cariae  
 635.  
 latona 374, 485, 639, 640. eius templa  
 349, 651, 652, 665, 802.  
 latopolis opp. Aegypti 812, 817.  
 latopolitae ibid.  
 laviansene prov. Cappadociae 534, 540,  
 560.  
 lavinia latini filia 229.  
 lavinium opp. Latii 230—232, 264, 608.  
 laurentum opp. Latii 229, 232.  
 laus opp. Lucaniae 253. fl. Lucaniae  
 253—255. sinus Lucaniae 253.  
 lautumiae insulae sinus Arabici 770.  
 lebadea opp. Boeotiae 414, 423.  
 lebedii 643.  
 lebedus opp. Ioniae 633, 643.  
 leben opp. et portus Cretae 478.  
 lebinthus insula 487.  
 lechaem portus Corinthi 56, 378, 380.  
 lectum prom. Troadis 581, 583, 584, 586,  
 592, 604, 606, 615, 616.  
 leda Tyndarei coniux 461.  
 leetani pop. Hispaniae 159.  
 lelantum planities Euboeae 58, 447, 448, 465.  
 leleges 321...  
 lelegia tumuli et arces Lelegum 321, 611.  
 lelex Leucadius 322.  
 lemannus lacus 186, 204, 208, 271.  
 lemnus 28, 45, 46, 124, 221, 330, frg. 32,  
 331, frg. 35, 44, 46...  
 lemvoices pop. Galliae 190.  
 lenae i. q. Bacchi 468.

- Leocorium Athenis 396.  
 Leonidas Spartanus 10, 429, 467.  
 Leonides Rhodius stoicus 655.  
 Leonnatus Alexandri amicus 433.  
 Leonnori dux Galatarum 566.  
 Leonteus Lampsacenus 589.  
 Leontine ager Leontinorum 20, 272, 273.  
 Leontini opp. Siciliae 272, 273.  
 Leontopolis opp. Aegypti 802.  
 Leontopolitae 812.  
 Leontopolites pagus 802.  
*Λέοντος σκοπή, Λέοντος βομολ* in Aethiopia 774.  
*Λεόντων πόλις* in Phoenicia 756.  
 Leosthenes Atheniensis 433.  
 Lepontii gens Alpina 204, 206.  
 Lepreatae Leprei incolae 345, 355.  
 Lepreatis ager Leprei 3.  
 Lepreum opp. Triphyliae 342, 344—346, 355.  
 Leptis opp. Africae 835.  
 Leria i. q. Lerus 487.  
 Lerna fl. Argolidis 368. lacus Argolidis 368, 371.  
 Leron insula maris Tyrrheni 185.  
 Lesbia i. q. Lesbos 331, frg. 58.  
 Lesbii 581, 599, 617, 621.  
 Lesbocles Mytilenaeus 617.  
 Lesbos 45, 617—619.....  
 Letha fl. Lusitaniae 153.  
 Lethaeus fl. Cretae 478. Magnesiae 554, 647. Thessaliae 647. Libyae 836.  
 Letopolites pagus 807.  
 Leuca opp. Calabriae 281. mons Cretae 475. insula 123, 306. *Λευκή κόμη* opp. Nabataeorum 780, 781. *ἀκτή* prom. Euboeae 399. Libyae 489, 799. in Thracia 331, frg. 56. planities Laconicae 363.  
 Leucadii 322, 452.  
 Leucadius frater Penelopae 452.  
 Leucae opp. Ioniae 646.  
 Leucas insula et opp. 59, 103, 322, 329, frg. 6, 450—453, 459, 461.  
 Leucaspis portus Marmaricae 799.  
 Leucatas prom. Leucadis 452, 456, 461.  
 Leuci pop. Galliae 193.  
 Leucimma prom. Coreyrae 324.  
 Leucippus Achaeorum dux 265.  
 Leuco rex Bosphori 301, 310, 311.  
 Leucocomas Lebenius 478.  
 Leucolla portus Cypri 682.  
 Leuconotus ventus 29, 837.  
 Leucopetra prom. Italiae 211, 259.  
 Leucophrys i. q. Tenedus 604.  
 Leucotheae sacrum apud Moschos 498.  
 Leucosia insula 123, 252, 258.  
 Leucosyri 542, 544, 546, 552—554, 737.  
 Leuctra opp. Boeotiae 360, 384, 414, 511.  
 Leuctrum opp. Laconicae 360, 361, v. Achaiae 387.  
 Leuternia littus Calabriae 281.  
 Leuternii gigantes Phlegrae 281.  
 Lexovii pop. Galliae 189, 194.  
 Libanus mons 742, 754—756.  
 Libes Chatterorum sacerdos 292.  
 Libethra s. Libethrum opp. Pieriae frg. 18, 410, 471.  
 Libethriades s. Libethrides nymphae 471.  
 Libophoenices pop. Libyae 835.  
 Liburna urbs i. q. Scardon 315.  
 Liburni Corcyra expulsi 269, 317.  
 Liburnicae insulae 124, 315, 317.  
 Libya 2, 824—839....  
 Libycum mare 122.... vinum 799, byci montes 789, 819.  
 Libyes 10, 170, 737, 760, 822, 828, 838. Hesperitae 647.  
 Licatii pop. Vindelicorum 206.  
 Lichades insulae 60, 426.  
 Lichas Herculis comes 426, 773, 774.  
 Licymna arx Tirynthis 373.  
 Licymnius Tlepolemi avunculus 373, 617.  
 Liger fl. Galliae 177, 189, 190, 191, 195, 196, 198.  
 Ligures 128, 202—204....  
 Liguria 128, 165, 177, 203....  
 Ligurisci i. q. Taurisci 296.  
 Ligusticum littus 122, 184, 187, 202, 201. mare 106, 122, 123, 128. Ligustici populi 204, 212, 216.  
 Lilaea opp. Phocidis 16, 407, 424.  
 Lilybaeum prom. Siciliae 122, 265—268, 334. opp. Siciliae 267, 272, 608.  
 Limaeas fl. Lusitaniae 153.  
 Limenta opp. Cypri 683.  
 Limnae opp. Messeniae 257, 279, 363. Chersonesi Thraciae 331, frg. 5635. suburbium Spartae 363, 364.  
 Limon prope Nysam Ioniae 650.  
 Limona i. q. Elona 440.  
 Limyra opp. Lyciae 666.  
 Limyrus fl. Lyciae 666.  
 Lindii 655, 671.  
 Lindus opp. Rhodi 605, 655.  
 Lingones s. Lincasii pop. Galliae 189, 208.  
 Linx opp. Mauritaniae 825—827, 829.  
 Linum opp. Mysiae 588.  
 Linsusiae cochleae 588.  
 Lipara insula 20, 258, 275—277.  
 Liparaeorum insulae 54, 57, 123, 248, 252, 274—276.  
 Lips ventus 29, 246, 259, 375, 554.



s fl. Latii 233, 237, 238.  
 us opp. Dalmatiae 316.  
 rnum opp. Campaniae 243.  
 rns fl. Campaniae 243.  
 odes campus prope Massiliam 182.  
 us mons Ponti 556.  
 us opp. Mauritaniae 825, 829. fl. Mau-  
 ritaniae 99.  
 bias prom. Aegypti 791, 794.  
 ri pop. Graeciae 321. .... Epizephy-  
 i s. Hesperii 255, 256, 259—261, 427.  
 pp. Locrorum Epizephyriorum 123,  
 59, 260, 835. Epicnemidii 334, 390,  
 16, 418, 425—427, 430. Ozolae 259,  
 32, 416—418, 425—427, 450. Opuntii  
 59, 322, 416, 424—426.  
 ericus mons i. q. Phricium 582.  
 ridēs virgines 600, 601.  
 ris 406, 425—429. in Italia 259, 260,  
 170.  
 erius fons 259.  
 padussa insula 834.  
 ryma mons et littus Cariae 652, 655,  
 656.  
 tophagi 25, 157, 829, 834.  
 tophagitis nomen Syrtis minoris 834.  
 ca opp. Lipurum 217, 218.  
 cani 211, 228, 252—255, 261, 263, 280,  
 283.  
 cania 252—255.  
 ceria opp. Dauniorum 264, 284.  
 cius Tarquinius Priscus 220. Mummius  
 381.  
 cotocia opp. Parisiorum 194.  
 erinus sinus 244, 245.  
 eullus Lucius 532, 535, 546, 547, 557,  
 558, 567, 576. Marcus 319, 381.  
 cumo f. Demarati 219.  
 dias fl. et lacus Macedoniae 330, frg.  
 20, 22, 23.  
 erius Arvernus 191.  
 gdunum opp. Aquitaniae 190. Segusia-  
 norum 177, 186, 191—193, 208.  
 geum palus in Alpibus 314.  
 ii pop. Germaniae 290.  
 ana opp. et portus Ligurum 217, 218,  
 222.  
 apia fl. Germaniae 291.  
 apiae opp. Calabriae 282.  
 usitani 139, 147, 152, 154, 155, 163, 166.  
 usitania 120, 147, 151—156, 166.  
 usones pop. Hispaniae 162.  
 ycabettus mons Atticae 399, 454.  
 ycaum mons Arcadiae 208, 348, 388.  
 ycaon 41. Priami f. 585, 620.  
 ycaones 130, 533, 534, 554, 568, 678, 680.  
 ycaonia 130, 568—570. ....  
 ycastus opp. Cretae 479.  
 yceum Athenis 396, 397, 400.

Lychnidus opp. Epiri 323, 327.  
 Lycia 21, 664, 667. .... in Troade 565,  
 585.  
 Λυκιακὸν σύστημα 664, 665, 667.  
 Lyciarches 665.  
 Lycii 6, 664—667. .... in Troade 453,  
 565, 572, 585, 587, 596, 598, 662.  
 Lycomedes sacerdos Comanorum 558 rex  
 Scyri 436. Pharnacis f. 560.  
 Λύκων πόλις in Aegypto 813.  
 Lycopolitae 812.  
 Lycorea opp. Phocidis 418, 423.  
 Lycormas i. q. Euenus 327.  
 Lyctii 475, 476, 479, 481.  
 Lyctus opp. Cretae 476, 479.  
 Λύκων πόλις opp. Aegypti 802.  
 Lycurgium vicus Argolidis 376.  
 Lycurgus Lacedaemonius 365, 366, 481,  
 482, 762. Edonorum rex 471, 687. Atti-  
 cus orator 601.  
 Lycus Pandionis f. 392, 573, 667. fl. As-  
 syriae 79, 737. Syriae 755. Phrygiae  
 578. Armeniae et Ponti 529, 547, 556.  
 Lydi 130, 572—574. ....  
 Lydia 58, 61, 130, 219, 383, 407, 408,  
 626—628.  
 Lydia sacra 469. Lydiae portae Adra-  
 myttii 613.  
 Lydus f. Atys 219. nomen Phrygium 304.  
 Lygaeus avus Penelopae 461.  
 Lygdamis dux Cimmericorum 61, 627.  
 Lyncestae pop. Macedoniae 323, 326, 327.  
 Lyrceum mons Argolidis 370, 376, 424.  
 vicus Argolidis 271.  
 Lyrnessis in Troade 586.  
 Lyrnessus opp. Troadis 584, 585, 607,  
 612. Pamphyliæ 667, 676.  
 Lysias castellum Iudaeae 763. opp. Sy-  
 riae 752. Phrygiae 576.  
 Lysimachia opp. Chersonesi Thraciae 134,  
 331, frg. 52, 54. opp. et lacus Aetoliae  
 460.  
 Lysimachus Agathoclis f. 302, 305, 319,  
 563, 565, 593, 597, 604, 607, 623, 640,  
 646.  
 Lysiodi 648.  
 Lysippus sculptor 278, 459, 590.  
 Lysis poeta 648.

## M.

Ma i. q. Bellona 535.  
 Macae opp. Arabiae felicis 765.  
 Macaria pars Messeniae 361. fons Atticae  
 377.  
 Macaris urbs i. q. Lesbus 356, 586.  
 μακάρων νῆσοι 3, 150.

- Macedones 127, 329, frg. 9—42. . . .  
 Macedonia 28, 329, frg. 9—331, frg. 42. . .  
 Macedonici reges 436, 837. populi 417.  
   sinus 92, 124. Macedonia urbs 474.  
   Macedonicum littus 329, frg. 13.  
 Macetis femina i. q. Macedonia 477.  
 Machaereus Delphus 421.  
 Machaerus castellum Iudaeae 763.  
 Macistia 343, 348, 349.  
 Macistii 343, 344.  
 Macistum s. Macistus opp. Triphyliae  
   257, 345, 346, 349, 447.  
 Macras s. Macra campus Syriae 755.  
 Macres fl. Etruriae 222.  
 Macris i. q. Euboea 444.  
 Macri campi in Gallia cisalpina 216.  
 Macrocephali 43, 520.  
*Μακρόν τεῖχος* in Thracia 331, frg. 56.  
 Macrones pop. Ponti 548.  
 Macropogones pop. supra Pontum 492.  
 Macynia opp. Aetoliae 451, 360.  
 Madys Scythia 61.  
 Madytus opp. Chersonesi Thraciae 331,  
   frg. 56.  
 Maeander fl. Phrygiae et Cariae 554,  
   577—580, 629, 630, 636, 650, 651, 663.  
 Maecandri campus 577, 648, 691.  
 Maecandrius rerum scriptor 552.  
 Maecene regio Arabiae 767.  
 Maedi pop. Thraciae 316, 318, 331, frg. 36.  
 Maedobithyni gens Thracia 295.  
 Maenaca opp. Baeticae 156.  
 Maenalus mons et opp. Arcadiae 388,  
   389.  
 Maenoba opp. Baeticae 143.  
 Maenones antiqui Lydiae incolae 550, 572,  
   576, 586, 620, 625, 678—680.  
 Maenonia 576.  
 Maetotae 14, 114, 129, 492—495.  
 Maetotis palus 52, 307—312. . .  
 Magarsa opp. Ciliciae 676.  
 Magi sacerdotes Persarum 98, 100, 515,  
   717, 727, 730, 733, 735, 736, 762.  
 Magnesia s. Magnetis regio Thessaliae  
   329, frg. 12, 14, 16, 330, frg. 25, 432,  
   436, 437, 441, 443.  
 Magnesia opp. Cariae 551, 554, 579, 636,  
   647, 648, 663. Lydiae ad Sipylum 571,  
   579, 622.  
 Magnetes Thessaliae 28, 429, 436, 441,  
   442, 636. Cariae 577, 647, 648.  
 Magneticum littus 430, 437, 443. mare  
   432.  
 Magnetis urbs i. q. Gyrtion 329, frg. 14, 16.  
 Magnopolis opp. Ponti 556.  
 Magodi i. q. Lysiodi 648.  
 Malaca opp. Baetic e 156, 158, 161, 163.  
 Malaus conditor Cymae 582.  
 Maleae prom. Laconicae 25, 92, 105, 301,  
   335, 362—364, 368, 369, 378, 389, 392.  
 Maleos Pelasgus 225.  
 Malia prom. Lesbi 616, 617.  
 Maliacus sinus 330, frg. 32. . . . .  
 Malienses 10, 28, 333, 416, 429, 433, 444.  
 Malli pop. Mesopotamiae 748.  
 Malli pop. Indiae 701.  
 Mallotis ager Malli urbis 676.  
 Mallus opp. Ciliciae 539, 675, 676.  
 Malotha opp. Arabiae 782.  
 Malus in Troade 603.  
 Mamaus fl. Triphyliae 344.  
 Mamertini 268. Mamertinum vinum  
 Mamertium opp. Bruttiorum 261.  
 Mandanes unus e Brachmanis 715, 718.  
 Mandubii pop. Galliae 191.  
 Manes nomen Phrygium 304. Paphlagonium  
   553. fl. Locridis 426, cf. Boagium.  
 Manius Aquillius 646.  
 Mantiana lacus Armeniae 49, 529.  
 Mantinea opp. Arcadiae 337, 388, 608.  
 Manto filia Tiresiae 443, 642, 675.  
 Mantua 213.  
 Maranitae pop. Arabiae 776.  
 Marathesium opp. Ioniae 639.  
 Marathon pagus Atticae 375, 377,  
   396, 399, 446. campus Hispaniae 1.  
 Marathus opp. Phocidis 423. Phoenice  
   753.  
 Marcellus conditor Cordubae 141. C  
   bericus 162. Octaviae f. 675.  
 Marcia uxor Catonis 515.  
 Marcia aqua Romae 240.  
 Marcina opp. Campaniae 251.  
 Marcomani pop. Germaniae 290.  
 Mardi pop. Persidis et Armeniae  
   524, 727.  
 Mardonius 412.  
 Mareoticum vinum 799.  
 Mareotis s. Maria lacus Aegypti 789,  
   793, 795, 799, 803, 806.  
 Margala s. Margalae opp. Triphyliae  
 Margiana regio Asiae 72, 73, 515, 516.  
 Margiani 510.  
 Margus fl. Margianae 516. Illyriae 31.  
 Mariaba opp. Sabaeorum 768, 778.  
 Mariandyni pop. Paphlagoniae 295,  
   541, 542, 544, 554, 563, 678.  
 Mariandynus Paphlago 542.  
 Marisus fl. Daciae 304.  
 Marius Ambrorum victor 183, 239.  
 Marmaridae pop. Africae 131, 798, 838.  
 Marmarium opp. Euboeae 446.  
 Marmolititis regio Paphlagoniae 562.



- arobaudi imperium 290.  
 aronea opp. Thraciae 331, frg. 44, 45, 47, 48.  
 arrubium opp. Italiae 241.  
 arrucina 241.  
 arrucini pop. Italiae 241, 242.  
 ars 155, 185, 229, 240, 250, 573, 597, 598, 727.  
 arsi pop. Italiae 219, 235, 237, 238, 240, 241. Germaniae 290.  
 arsiaba opp. Arabiae 782.  
 arsicum bellum 238, 241, 238.  
 arsyas tibicen 470, 578, 616. fl. Phrygiae 554, 577, 578.  
 artius campus 236, 249.  
 asaesylli s. Masaesylli pop. Numidiae 131, 827—829, 831, 833, 835, 836.  
 ases opp. Argolidis 376.  
 asiani pop. Indiae 698.  
 asinissa 829, 832, 833.  
 asium mons Armeniae 506, 522, 527, 547.  
 assabatica regio Mediae 524, 744.  
 assaga opp. Indiae 698.  
 assagetae pop. Scythiae 507, 511—513.  
 assilia 63, 179—181...  
 assilienses 129, 179—181...  
 assilioticus sinus 181. Massilioticum litus 187, 208. *Μασσαλιωτινὸς παράπλους* 202.  
 assyas regio Syriae 753, 755, 756.  
 astaura opp. Lydiae 650.  
 asylienses pop. Numidiae 131, 829—832.  
 atalum portus Gortynae 478, 479.  
 ataurus opp. Siciliae 275.  
 atiana regio Mediae 73, 509, 523, 525.  
 atiani s. Matieni 49, 514, 523, 531.  
 atrinum portus Adriae 241.  
 atrinus fl. Piceni 241.  
 auri i. q. Maurusii 825.  
 aursia 3, 99, 100, 131, 133, 139, 140, 143, 150, 153, 157, 288, 825.  
 aursii 5, 131, 137, 825, 827, 828.  
 Mausoleum Halicarnassi 656. Romae 236.  
 Mausolus rex Cariae 611, 656.  
 Maximus Aemilianus 191.  
 Mazaca opp. Cappadociae 537—539, 663. cf. Eusebia.  
 Mazaceni 538, 539.  
 Mazaei pop. Pannoniae 314.  
 Mazenes rex insulae Doractae 767.  
 Mazusia prom. Chersonesi Thraciae 331, frg. 52.  
 Mecestus fl. Phrygiae 576.  
 Mecona i. q. Sicyon 382.  
 Mecyberna portus Olynthi 330, frg. 29.  
 Medea 21, 45, 46, 215, 224, 315, 526, 531.  
 Medeon opp. Phocidis 410, 423. Boeotiae 410, 423.  
 Medi 506, 507, 509, 514, 522, 524—526, 528—532, 724, 732, 735, 737, 739, 745, 801.  
 Media 45, 522—526, 530—532, ....  
 Medici populi 130. montes 74. Medica herba 525. porta 525. Medicus sucus 525.  
 Mediolanum opp. Galliae transalpinae 190. cisalpinae 213.  
 Mediomatrici pop. Galliae 193.  
 Medma opp. Magnae Graeciae 256, 257.  
 Medoaci pop. Italiae 216.  
 Medoacus fl. Italiae 213. portus Patavii 213.  
 Medon comes Philoctetae 432.  
 Medus f. Medaeae 526.  
 Medylli gens Alpina 185, 203, 204.  
 Megabari pop. Aethiopiae 786, 819.  
 Megabathes dux Persarum 403.  
 Megabyzi sacerdotes Ephesiorum 641.  
 Megalocephali 299.  
 Megalopolis opp. Arcadiae 360, 385, 388, 738. Ponti 560.  
 Megalopolitae 738.  
 Megalopolitis Arcadiae regio 335, 343, 386. Ponti 557, 559.  
 Megara opp. Graeciae 331, 391—393, 395, 411, 423, 653. Siciliae 267, 269, 270, 387. Syriae 753.  
 Megarenses in Graecia 267, 319, 320, 322, 333, 380, 385, 392, 394, 395, 563. in Sicilia 267, 272, 387.  
 Megarici montes 405. vici 394.  
 Megarici philosophi 393.  
 Megaris s. Megarica 171, 329, frg. 3, 379, 380, 390—393, 395, 400, 405.  
 Megasthenes Chalcidensis conditor Cumarum 243. rerum scriptor 68—70, 76, 77, 686, 687, 689, 690, 693, 702—707, 709—713.  
 Meges f. Phylei 338, 439, 456, 459.  
 Megillus rerum scriptor 692.  
 Megista insula 666.  
 Melaena prom. Ioniae 645. Chii 645.  
 Melaenae vicus Troadis 603.  
 Melaenae s. Melania opp. Ciliciae 670, 760.  
 Melampus 346.  
 Melamphyllus i. q. Samus 457, 637.  
 Melanchrus tyrannus Lesbi 617.  
 Melaneis i. q. Eretria 448.  
 Melania i. q. Melaenae.  
 Melanippa Boeoti mater 265.  
 Melantii scopuli in mari Aegaeo 636.  
 Melanthus pater Codri 359, 393, 633.  
 Melanus prom. Mysiae 576.  
 Melas sinus 28, 92, 124, 323, 331, frg. 52, 54, 58.

- Melas fl. Achaiae 386. Boeotiae 407, 415.  
 Cappadociae 538. Pamphyliæ 667.  
 Thessaliae 428. Thraciae 331, frg. 52, 53.  
 Meldi pop. Galliae 194.  
 Meleager Althaeae f. 466. Gadarensis  
 759.  
*Μελέαγρον χάραξ* prope Antiochiam  
 751.  
 Meles fl. prope Smyrnam 554, 646.  
 Melia Teneri mater 413.  
 Meliboea opp. Thessaliae 254, 436, 443.  
 Meligunis i. q. Lipara 275.  
 Melii 484.  
 Melinus portus sinus Arabici 771.  
 Melita pagus Atticae 65, 66. lacus prope  
 Oeniadas 459. insula 277, 834. i. q.  
 Samothrace 472.  
 Melitaea opp. Phthiotidis 432, 434.  
 Melitaei catuli 277.  
 Melitenses 432.  
 Melitena regio Cappadociae 521, 528,  
 533—537.  
 Meliteni 527.  
 Mellaria opp. Hispaniae 140.  
 Melon dux Sicamborum 291, 292.  
 Melpis fl. Latii 237.  
 Melsus fl. Asturiae 167.  
 Melus insula 484, 485.  
 Memnon Tithoni f. 728, 813. Rhodius  
 610. dithyrambus Simonidis 728.  
 Memnonis vicus in Mysia 587.  
 Memnonium Thebis Aegyptiacis 813, 816.  
 Abydi 813. arx Susorum 718.  
 Memphis opp. Aegypti 473, 803—808,  
 812, 814, 817.  
 Men Ascaeus, eius templum Antiochiae  
 ad Pisidiam 557, 577. Men Carus, eius  
 templum in Caria 579. Men Pharnacis,  
 eius templum in Ponto 557.  
 Menander poeta 297, 452, 486, 637, 638.  
 rex Bactrianorum 516.  
 Menapii pop. Germaniae 194, 199.  
 Menas conditor Mesembriae 319.  
 Menda opp. Macedoniae 330, frg. 27.  
 Mendes opp. Aegypti 802, 812.  
 Mendesii 813.  
 Mendesium ostium Nili 801, 802.  
 Mendesium pagus in Aegypto 802.  
 Menebria i. q. Mesembria 319.  
 Meneclæ Alabandensis 655, 661.  
 Menecrates Elaita 550—552, 572, 621.  
 Nysaeus 650.  
 Menedemus Eretrius philosophus 393,  
 448.  
 Menelaites pagus in Aegypto 801.  
 Menelaus Atræi f. 37—42..... frater  
 Ptolemaei primi 801. opp. Aegypti 803.  
 opp. et portus Cyrenaicae 40, 801, 838.  
 Menesthei portus in Baetica 140.  
 Menestheus Scylletii et Elaeae contra  
 140, 150, 261, 622.  
 Menesthius Sperchei f. 433.  
 Meninx insula 25, 123, 157, 834.  
 Menippus Gadarensis 759. Stratonice  
 660.  
 Mennaeus pater Ptolemaei reguli 711.  
 Meno Alexandri comes 529.  
 Menodorus Trallianus 649.  
 Menodotus Pergamenus 625.  
 Menoetius Patrocli pater 425.  
 Mentès Taphiorum rex 456, 459.  
 Meones cf. Maeones.  
 Meonia (cf. Maeonia) 627, 628.  
 Mercurius 104, 816.  
 Mermadalis fl. in terra Amazonum 300.  
 Mermodas fl. in terra Amazonum 511.  
 Meroa soror Campysis 790. insula 267,  
 771, 786, 821, 822. caput Aethiopiae  
 62, 786, 821, 822...  
 Merones i. q. Mysi 550.  
 Meropidae 586.  
 Meropis i. q. Cos 686, 701.  
 Meropis terra 299.  
 Merops Clymenae coniux 33. Perdas  
 586.  
 Merus mons Indiae 687.  
 Mesembria opp. Thraciae 319, 440. 104  
 Mesembriani 319.  
 Mesena regio Babyloniae 84.  
 Meseni Arabes 739.  
 Mesogis mons Lydiae 440, 629, 838,  
 648—650.  
 Mesogites vinum 637, 650.  
 Mesopotamia 41, 746—748...  
 Messa opp. Laconicae 364.  
 Messaei in Laconica 367.  
 Messala 206.  
 Messana opp. Siciliae 253, 266, 268, 102  
 Messanii 268.  
 Messapia i. q. Iapygia 277, 282, 406  
 Messapii 277, 280, 282.  
 Messapum mons prope Anthedonem  
 405.  
 Messapus Boeotus 405.  
 Messeis fons Thessaliae 432.  
 Messena opp. Messeniae 157, 257, 101  
 279, 358, 361, 389.  
 Messenia s. Messena 123, 359—362, 363,  
 368....  
 Messeniacus sinus 335, 339, 360, 2  
*παράπλους* 362. Messeniaca planities  
 361. Messeniacum bellum 257, 8  
 279, 362.  
 Messenii 257, 359—362.....  
 Messoia pars Spartae 364.  
 Messola opp. Messeniae 360.



- etabi heroum 265.  
 etabum i. q. Metapontium 265.  
 etagonium prom. Mauritaniae 170, 827—829.  
 etapontina ager Metapontii 255, 265.  
 etapontium 222, 254, 255, 264, 265, 278.  
 etapontus heros 265.  
 etaurus fl. Umbriae 227, fl. Bruttiorum 256.  
 etellus Q. (Metellus) Pius 162. Balea-ricus 167, 168.  
 ethana s. Methona opp. et peninsula prope Troezenem 59, 374, 375.  
 ethona opp. Messeniae 350, 360, 436.  
 Macedoniae 330, frg. 20, 21, 374, 376, 436. Magnesiae 436. Thraciae 436.  
 ethydrium opp. Arcadiae 388.  
 ethymna opp. Lesbi 426, 440, 616, 618.  
 ethymnaea ager Methymnae 617.  
 ethymnaei 590, 610.  
 etrodorus Sceptius 504, 609, 775.  
 Lampsacenus Epicuri discipulus 589.  
 etropolis opp. Thessaliae 437, 438.  
 Magnae Phrygiae 576, 663. Lydiae 632.  
 etropolitae 437.  
 etropolitae vinum 637.  
 etroum aedes matris Deorum 646.  
 etulum opp. Iapodum 207, 314.  
 evania opp. Umbriae 227.  
 eicepsa Masinissae f. 829, 832, 833.  
 ecythus tyrannus Siculus 253.  
 eidaum opp. Phrygiae Epicteti 576.  
 eidas rex Phrygiae Magnae 61, 568, 571.  
 680. nomen Phrygium 304.  
 eidea opp. Argolidis 373. Boeotiae ibid.  
 eidea opp. Boeotiae 59, 413.  
 elesia ager Mileti 321, 636.  
 elesii 331, frg. 52, 634—636.  
 etetopolites palus in Mysia 575.  
 etetropolis opp. Mysiae 575, 611, 681.  
 etetus opp. Ioniae 141, 554, 573, 577, 611, 632—636. Cretae 479, 573, 634.  
 ilo Crotoniates 263.  
 altiades Atheniensis 399.  
 ilya s. Milyas regio Pisidiae vicina 570, 631, 666.  
 ilyae 554, 573, 667, 678.  
 imallones Bacchi famulae 468.  
 imas mons Ioniae 613, 645.  
 immermus Colophonius 46, 633, 634, 643.  
 inaea regio Arabiae felicitis 768.  
 inaei pop. Arabiae 768, 776.  
 incius fl. Galliae transpadanae 209.  
 inerva 264. .... Alalcomeneis 413.  
 Alea 388. Cyrrhesis 751. Ilias 264, 601. Itonia 411, 437. Lindia 635. Ne-  
 dusia 360, 487. Polias 394, 396. Scil-luntia 344. Sciras 393. Eius templa: Alalcomeneis 413. in Athenaeo 22, 147. Athenis 395, 396. in insula Ceo 360, 487. in monte Circae 232. Coroneae 411. apud Cossaeos 744. Ephesi 634. in vico Ilio 593. in Laconica 360. Lindi 655. Luceriae 284. Odysseae in Iberia 157. Sai 802. in Salentinis 281. Scil-lunte 344. Sidae 667. in Syria 751. Troiae 600, 601.  
 Minius fl. Hispaniae 153. cf. Baenis.  
 Minoa opp. Argolidis 367. Cretae 475. prom. Megaridis 391, 392.  
 Minos rex Cretae 3, 48, 150, 273, 279, 282, 373, 476, 477, 479, 482, 573, 661, 762.  
 Minotaurus 477.  
 Mintha mons prope Pylum 344. pellex Plutonis ibid.  
 Minturnae opp. Latii 233, 237, 238.  
 Minyae in Triphylia 337, 338, 347, 374, 401, 414.  
 Minyeus s. Minyeius fl. Triphyliae 346, 347, 352.  
 Misenum prom. et portus Campaniae 60, 234, 242—245, 247.  
 Misenus comes Ulixis 26, 245.  
 Mithracina dies festus apud Persas 530.  
 Mithres deus Persarum 732.  
 Mithridates Pergamenus 625. Ctistes rex Ponti 562. Euergetes rex Ponti 477.  
 Eupator rex Ponti 14, 306—312 . . . . .  
 Mithridaticum bellum 398, 497, 544, 561, 575, 594, 614, 649.  
 Mithridatium arx Galatarum 567.  
 Mithropastes Persa 766.  
 Mnasalces poeta 412.  
 Mnasyrium opp. Rhodi 655.  
 Mneuis deus Aegyptorum 803, 805.  
 Mnoa servi publici Cretensium 542.  
 Moagetes tyrannus Cibyrae 631.  
 Moaphernes patruus matris Strabonis 499, 557.  
 Moasada castellum Iudaeae 764.  
 Mochus Sidonius philosophus 757.  
 Modra opp. Phrygiae 543.  
 Moeris lacus Aegypti 50, 789, 810—812.  
 Moesi pop. Thraciae 295, 296, 303, 542.  
 Molo Alabandensis 652, 655.  
 Molochath fl. Mauritaniae 827, 829.  
 Molotti gens Epirotica 321—324, 326, 328, 329. frg. 1, 2, 430, 594.  
 Molycria opp. Aetoliae 427, 451, 460.  
 Μολύκριον ὄριον i. q. Ἀντίρριον 336.  
 Momemphis opp. Aegypti 803.  
 Momemphitae 803.  
 Momemphites pagus in Aegypto 803.

Monarites vinum 535.  
 Monetium opp. Iapodum 207, 314.  
 Monoeci Hercules sacrum 202.  
 Monoeci portus et opp. Liguria 201, 202.  
 Mopsium opp. Thessaliae 441, 443.  
 Mopsopia i. q. Attica 397, 443.  
 Mopsopus Atticae rex 397, 443.  
 Μόψου ἑστία opp. Ciliciae 676.  
 Mopsus Lapitha 443. Mantus f. 443, 642, 668, 675, 676.  
 Morena regio Mysiae 574.  
 Morgantium opp. Siciliae 257, 270.  
 Morgetes ex Italia in Siciliam migrant 257, 270.  
 Morimena regio Cappadociae 534, 537, 539.  
 Morimeni 568.  
 Morini pop. Galliae 194, 199, 200.  
 Moron opp. Lusitaniae 152.  
 Morzeus rex Paphlagoniae 562.  
 Moschi 497.  
 Moschica regio Colchidis 498, 499. Moschici montes 61, 492, 497, 521, 527, 548.  
 Moses 760 — 762.  
 Mosynoeci pop. Ponti 528, 549.  
 Mugilones pop. Germaniae 290.  
 Munda caput Turdetaniae 141, 160. fl. Lusitaniae 153.  
 Munychia portus Atheniensium 395.  
 Murena 631, 670.  
 Musae 41, 339, 350, 410, 468, 471.  
 Musaeus Thrax 471, 762.  
 Museum Alexandriae 793, 794.  
 Musicani terra 694, 701, 710.  
 Mutina opp. Italiae 205, 216, 218.  
 Mycala prom. Ioniae 6, 621, 629, 632, 636, 637, 639.  
 Mycalessus vicus Boeotiae 404, 405, 410.  
 Mycenae opp. Argolidis 221, 368, 372, 377.  
 Mycenaea 371, 372.  
 Mycenaei 372, 273.  
 Mychus portus Phocidis 409, 423.  
 Myconus insula 485, 487.  
 Mygdones e Thracia in Asiam profecti 295, 329. frg. 11, 331, frg. 36, 564, 575. pop. Mesopotamiae 527, 736, 747.  
 Mygdonia et Mygdonis pars Mysiae 331. frg. 41, 550, 576, 588. pars Mesopotamiae 747.  
 Mylae opp. Siciliae 266, 272.  
 Mylasa opp. Cariae 658 — 660.  
 Mylasenses 659, 660.  
 Myndia ager Myndiorum 658.  
 Myndii 657.  
 Myndus opp. Cariae 611, 658.  
 Mynes rex Lyrnessi 584, 585, 612, 619.  
 Myonnesus insula 435, 618. opp. Ioniae 643.

Μυὸς ὄρμος portus Aegypti ad 815.  
 Arabicum 118, 769, 781, 782, 815.  
 Myra opp. Lyciae 666.  
 Myrcinus opp. Macedoniae 331. frg. 41.  
 Myriandrus opp. Syriae 676.  
 Myrina Amazon 573, 623. opp. Aegaei 505, 550, 573, 623.  
 Myrinaei 622.  
 Myrlea opp. Bithyniae 551, 563.  
 Myrleani 575.  
 Myrleatis 551.  
 Myrmecium opp. Taurorum 310, 494.  
 Myrmidones 375, 433. tragoedia Aeschylus 616.  
 Myrrhinus pagus Atticae 399.  
 Myrsilus historicus 60, 610. tyrannus Mytilenae 617.  
 Myro statuarius 637.  
 Myrsinus opp. Elidis 341.  
 Myrtoum mare 124, 323, 331. frg. 58, 369, 375.  
 Myrtuntium opp. Elidis 341. aestuarius prope Leucada 459.  
 Myscellus Achaeus 262, 269, 287.  
 Mysi pop. Thraciae 6, 295, 296, 298, 303, 305, 317, 318... in Asia 295, 303, 541, 542, 550, 564 — 566. οἱ περὶ Ὀλυμπον 566, 571, 574. tragoedia Sophoclis 356.  
 Mysia 10, 563 — 565... Abrettena 574.  
 Mysius fl. Mysiae 616. Mysius deus Abrettenus Iuppiter 574. Bosphorus Olympus 574.  
 Mytilena opp. Lesbi insulae 440, 617.  
 Mytilenaei 331. frg. 52, 600, 605, 607, 618.  
 Myus opp. Cariae 579, 632, 633, 634.  
 Myusii 648, 651.

## N.

Nabataea regio Arabiae 777, 783, 784.  
 Nabataei pop. Arabiae 760, 767, 777, 780, 783, 803.  
 Nabiani pop. Caucasum accolens 506.  
 Nabocodrosorus Chaldaeus 687.  
 Nabrissa opp. Baeticae 140, 143.  
 Naburianus Chaldaeus mathematicus.  
 Nacolea opp. Phrygiae Epicteti 576.  
 Nagidus opp. Ciliciae 670, 682.  
 Naides Bacchi famulae 468.  
 Namnitae pop. Aquitaniae 190.  
 Nanno Mimnermi poema 633, 634.  
 Nantuatae gens Alpina 204.  
 Napa opp. prope Methymnam 426.  
 Napata opp. Aethiopiae 820.  
 Napetinus sinus 255.  
 Nar fl. Umbriae 227, 235.



Narbo opp. Galliae 105. . . .  
 Narbonensis Gallia 177 — 189. . . . . palus  
 181. Narbonense littus 190.  
 Narcissi monumentum 404.  
 Narnia opp. Umbriae 227.  
 Naron fl. Dalmatiae 315, 317.  
 Narthacium opp. Thessaliae 434.  
 Narthecis insula 637.  
 Narycus opp. Locrorum Opuntiorum 425.  
 Nasamones gens Africae 131, 836, 838.  
 Nasica Cornelius Scipio 315.  
 Natison fl. prope Aquileiam 214.  
 Nautilus Codri f. 633.  
 Naucratis opp. Aegypti 801, 803, 808.  
 Naucratis 808.  
 Naulochus opp. Moesiae 319, 440.  
 Naupactus opp. Locrorum Ozolarum 426,  
 427, 450.  
 Nauplia opp. Argolidis 368, 369, 373.  
 Nauplienses 373, 374.  
 Nauplius Neptuni f. 368.  
 Nauportus opp. Tauriscorum 314.  
*Ναυσταθμον Ἰλίων* 595, 598, 599.  
*Ναυσταθμον* portus Cyrenicae 838.  
 Naxii in Sicilia 268, 272, 273.  
 Naxus insula 485, 487. opp. Siciliae 267,  
 269.  
*Νέα κώμη* (cf. Enea et Aenea) in agro  
 Troiano 603.  
 Neaethus fl. Magnae Graeciae 262.  
 Neandria opp. Troadis 604.  
 Neandrienses 606.  
 Neandris 472.  
 Neanthes Cyzicenus 45.  
 Neapolis opp. Chersonesi Tauricae 312.  
 Macedoniae 330. frg. 32. Samiorum in  
 ora Ephesiaca 639. Ponti 560. Cartha-  
 ginienisium 834. ad Syrtim minorem i.  
 q. Leptis 835. Campaniae 23, 26, 134,  
 245, 246, 248, 253.  
 Neapolitae in Italia 23, 26, 246, 248.  
 Nearchus praefectus classis Alexandri M.  
 70, 691 — 693. . .  
 Necropolis suburbium Alexandriae 795,  
 799.  
 Neda fl. Peloponnesi 344, 348, 349, 351,  
 360.  
 Nedon fl. Laconicae 353, 360. vicus Mes-  
 seniae 360.  
 Negrana opp. Arabiae 781, 782.  
 Nelum in insula Ithaca 454.  
 Neleus pater Nestoris 351, 352, 355. Py-  
 lius Mileti conditor 633, 635. Corisci f.  
 608. fl. Euboeae 449.  
 Nelia opp. Magnesiae 436.  
 Nelidae 264, 359.  
 Nemausus opp. Galliae 178, 179, 186, 187,  
 203.

Nemea fl. prope Corinthum 382. opp. Ar-  
 golidis 377. Iudi 377.  
 Nemeaeus leo 377.  
 Nemesis Rhamnusia 396, 399. Adrastea 588.  
 Nemossus caput Avernorum 191.  
 Nemus aedes Dianae prope Arliciam 239.  
 Neocles Epicuri pater 438.  
*Νέον τεῖχος* prope Cymam 621.  
 Neon opp. Parnasso vicinum 439.  
 Nepheris castellum Carthaginiensium 834.  
 Neoptolemus f. Achillis 326, 421, 436,  
 584. imperator Mithridatis 73, 306, 307.  
 Parianus glossarum scriptor 589.  
 Nepete opp. Etruriae 226.  
 Neptunus 343, 374, 384 — 386, 489, 579,  
 601, 639. Aegaeus 405. Asphalius 57.  
 Heliconius 384, 639. Isthmius 369, 380.  
 Samius 343 — 345. Neptuni sacra et dies  
 festi 230, 336, 343, 344, 346, 347, 351,  
 363, 369, 373, 374, 380, 384, 385, 405,  
 412, 446, 487, 488, 637, 639, 794.  
 Neritum mons Ithacae 453, 454.  
 Neritus opp. Leucadis 59, 452, 454.  
 Nerium prom. Hispaniae 137, 153.  
 Neroassus castellum Cappadociae 537.  
 Nervii pop. Germaniae 194.  
 Nesaea regio Hyrcaniae 509, 511.  
 Nesaei equi 525, 530.  
 Nesso Thessalus 444.  
 Nessonis palus in Thessalia 430, 440, 441,  
 444.  
 Nessus Centaurus 427, 451.  
 Nestor Nelei f. 8. . . . Tarsensis Stoicus  
 674. Academicus 675.  
 Nestus fl. Thraciae 323, 331, frg. 33, 35,  
 41, 44, 47.  
*Νευρώδη ὄρη* in Sicilia 274.  
 Nibarus mons Armeniae 527, 531.  
 Nicaea caput Bithyniae 134, 564, 565, 587.  
 opp. Massiliensium 180, 184. Locridis  
 426, 428. Indiae ad Hydaspem 698. filia  
 Antipatri uxor Lysimachi 565.  
 Nicander poeta 823.  
 Nicatorium mons Assyriae 737.  
 Nicephorium lucus Pergami 624. opp.  
 Mygdonum Mesopotamiae 747.  
 Nicias tyrannus Coorum 658.  
*Νικίον κώμη* in Aegypto 799.  
 Nicolaus Damascenus 719, 720.  
 Nicomedes rex Bithyniae 562, 563, 646.  
 f. Prusiae 624.  
 Nicomedia opp. Bithyniae 459, 543, 563,  
 587.  
 Niconia opp. Tyregetarum 306.  
 Nicopolis opp. Epiri 324, 325, 450. Ar-  
 meniae minoris 555. Ciliciae 676. Ae-  
 gypti 795, 800.  
 Nicostrata mater Euandri 230.

- Nigretes s. Nigritae pop. Africae 131, 826, 828.  
 Nilus regio Aethiopiae 774. fl. Aegypti 29, 786—790. .... Nili canales 38, 780, 788, 804, 805. fontes 696, 786, 819, 826. insulae 817, 819. ostia 1, 2, 29, 30, 85, 126, 688, 786, 788, 801, 802.  
 Ninia opp. Dalmatiae 315.  
 Ninus rex Assyriae 84, 737. opp. Assyriae 84, 532, 735—737.  
 Nioba 363, 571, 580. tragoedia Aeschylus 580. [529.  
 Niphates mons Armeniae 522, 523, 527, Nisa opp. Boeotiae 405. Megaridis ibid.  
 Nisaea portus Megarae 334, 373, 391—393.  
 Nisibis opp. Mygdonum Mesopotamiae 522, 527, 736, 747.  
 Nisus pater Scyllae 373, 392.  
 Nisyriorum insulae 488, 489.  
 Nisyru insula 488, 489, 656, 657. opp. Nisyri insulae 488, 657. Carpathi 489.  
 Nitiobriges pop. Aquitaniae 190.  
 Nitriotes pagus in Aegypto 803.  
 Noarus fl. Illyriae 314, 318.  
 Noega opp. Asturum 167.  
 Nomades 4, 300—303. ....  
 Notium ora et prom. Chii 645.  
*Νότου κέρας* prom. Aethiopiae 774.  
 notus ventus 29, 62.  
 Novocomenses 213. [213.  
 Novum Comum opp. Galliae cisalpiniae  
 Nubae pop. Africae 786, 819.  
 Nuceria opp. Umbriae 227. Campaniae 247, 249, 251.  
 Numa Pompilius 228, 230.  
 Numantia opp. Hispaniae 153, 162, 287.  
 Numantini 162, 287.  
 Numidae 131, 833.  
 Numitor rex Albae Longae 229.  
 Nycteus pater Antiopae Hysiarum conditor 404.  
 Nymphae 468, 587. Cabirides 472, 473. Ioniades 356. Libethriades 410, 471.  
 Nympharum templa et antra 59, 316, 330, 343, 356, 410, 471—473, 751.  
 Nymphaeum opp. Chersonesi Tauricae 309. prom. Athonis 330, frg. 32. rupes et vicus apud Apolloniam 316.  
 Nysa vicus Boeotiae 405. opp. Cariae 648—650. opp. et mons Indiae 687.  
 Nysaei pop. Indiae 687, 698.  
 Nysaenses in Caria 649, 650.  
 Nysais regio Lydiae 579, 629.  
 Nyseium mons Thraciae 687.  
 Obidiaceni Maeotica gens 495.  
 Obotas rex Nabataeorum 781.  
 Ocalae opp. Boeotiae 410.  
 Oceanus 21, 31—35. ....  
 Ocelum opp. Galliae cisalpiniae 179, 21.  
 Ocha nomen Euboeae 445. mons Euboeae 445, 446.  
 Ochus fl. Bactrianae et Hyrcanae 509—511, 515, 518.  
 Ochyroma arx Ialysi 655.  
 Odra mons 202, 207, 211, 314.  
 Oricoli opp. Umbriae 226, 227.  
 Octavia soror Augusti 675.  
 Odessus opp. Moesiae 319, 331, frg. 48.  
 Odeum Athenis 396.  
 Odus Halizonum dux 550, 551.  
 Odomantes pop. Macedoniae 331, frg. 3.  
 Odomantis regio Armeniae 528.  
 Odrysae pop. Thraciae 331, frg. 48.  
 Odryses fl. Mysiae 550, 551.  
 Odyssea poema 149, 256, 328, 461, 380.  
 opp. Turdetaniae 149, 157.  
 Oeanthea opp. Locrorum Ozolarum 427.  
 Oeason opp. Vasconum Hispaniae 161.  
 Oechalia opp. Euboeae 448. Aetoliae ibid.  
 Arcadiae postea Andania 339, 350, 360, 448. Thessaliae, Trachinia 339, 438, 440.  
*ἡ περὶ Τρίκλην* 448.  
*Οἰχάλιας ἄλωσις* poema 438, 638.  
 Oedanes fl. Indiae 719.  
 Oedipus 380.  
 Oenaea (Igd. Oeneadae) 450.  
 Oeneadae opp. Thessaliae 434.  
 Oeneus pater Deianirae 458, 459, 460, 465, 466.  
 Oeniadae opp. Aetoliae 458, 459.  
 Oeniadarum palus in Aetolia 459.  
 Oenoa opp. Atticae 383. Elidis 338. castellum Corinthiorum 380, 409. opp. insulae Icariae 639.  
 Oenoanda opp. Lyciae 631.  
 Oenomaus rex Elidis 356.  
 Oenonauxor Paridis 596. i. q. Aegina 375.  
 duo pagi Atticae ibid.  
 Oenoparas fl. Syriae 751.  
 Oenotri antiqui Lucaniae incolae 253—255, 257, 265.  
 Oenotria 209, 254, 265, 277.  
 Oenotrici reges 256. Oenotricus populus 255.  
 Oenotrides insulae 252, 258.  
 Oeta mons 329, frg. 6, 334, 417, 418, 420—430, 442, 450. [450.  
 Oetaea regis Thessaliae 417, 430, 432, 434.  
 Oetaei pop. Graeciae, 416, 449, 450, 613.  
 Oetaeus helleborus 418.  
 Oetylus opp. Laconicae 360.  
 Ogyges ultimus Achaeorum rex 384.



- Ogygia i. q. Boeotia 407.  
 Ogyium mons fabulosus 299.  
 Ogyris insula maris rubri 766, 767.  
 Olana arx Armeniae 529.  
 Olba opp. Ciliciae 672.  
 Olbia opp. Massiliensium 180, 184. Pam-  
 phyliae 666, 667. ad Borysthenem 306.  
 Oleastrum opp. Hispaniae 159.  
 Ὀλεῦνι πέτρῃ in Elide 341, 382, 387.  
 αἶξ 387.  
 Olenus opp. Achaiae 384, 386—388. Ae-  
 toliae 386, 451, 460.  
 Olgassys mons Paphlagoniae 562.  
 Oliarus una Cycladum 485.  
 Oligassys nomen Paphlagonium 553.  
 Olizon opp. Magnesia 436.  
 Olmiae prom. sinus Corinthii 380, 409.  
 Olmius fl. Boeotiae 407, 411.  
 Oloosson opp. Thessaliae 440.  
 Olophysis opp. Macedoniae 331, frg. 33, 35.  
 Oluris s. Olura opp. Messeniae 350.  
 Olympea regio Mysiae 576.  
 Olympeni 566, 574.  
 Olympia 270, 335, 337, 341, 343, 344, 353  
 —357, 367, 378, 389.  
 Olympici ludii 261, 262, 353—355, 364.  
 Olympicum s. Olympium Athenis 396, 404.  
 Olympionicae 262.  
 Olympus inventor tibiae 470, 578. opp.  
 Lyciae 666. mons et castellum Ciliciae  
 671. mons Cypri 682, 683. Pisatidis 356.  
 Thessaliae 60, 208, 329, frg. 11, 14—16,  
 330, frg. 17, 18, 356, 430, 440—442,  
 471, 531. Mysiae 470, 554, 565, 571,  
 572, 574, 575.  
 Olynthus opp. Macedoniae 121, 329, frg.  
 11, 330, frg. 28—30, 408, 447.  
 Olysipo opp. Lusitaniae 152.  
 Olyssen opp. Cretae 479.  
 Omanus deus Persarum 512, 733.  
 Omphala Herculis coniux 219. tragoedia  
 Ionis 60.  
 Omphalio Pisaeus 362.  
 Onchesmus portus Epiri 324.  
 Onchestus opp. Boeotiae 410, 412.  
 \*Ὀνεῖα ὄρη in Megaride 380, 393.  
 Onesicritus rerum scriptor 70, 517, 689—  
 696, 698, 699, 701, 705, 707, 715.  
 Onesiorum aquae in Aquitania 190.  
 Onoba opp. Baeticae 143, 170.  
 Onomarchus Phocensium dux 421.  
 \*Ὀνον γνάθος peninsula Laconicae 363,  
 364.  
 Onthyrium opp. Thessaliae 438.  
 Ophelae περίπλους 826.  
 Ophienses pop. Aetoliae 451, 465.  
 \*Οφιογενεῖς 588.  
 Ophiodes insula sinus Arabici 770.  
 Ophiussa i. q. Rhodus 653. opp. Tyrege-  
 tarum 306. ins. prope Hispaniam 167.  
 Ophlimus mons Ponti 556.  
 Ophrynum opp. Troadis 595.  
 Opici pop. Campaniae 242, 250, 654.  
 Opis opp. Assyriae 80, 529, 739, 740.  
 Opistholepria pars Ephesi 633.  
 Opistomarathus opp. Phocidos 423.  
 Opitergium opp. Galliae cisalpinae 214.  
 Opsicella opp. Cantabriae 157.  
 Opuntii in Elide 425.  
 Opuntius sinus 416, 425, 426.  
 Opus opp. Locrorum 60, 416, 425.  
 Orbelus mons Macedoniae 329, frg. 10.  
 Orbis fl. Galliae 182.  
 Orcaorici vicus Phrygiae 567, 568, 576.  
 Orcheni astronomi Chaldaici 739.  
 Orchistena regio Armeniae 528.  
 Orchomena ager Orchomeniorum 401, 407,  
 414, 416.  
 Orchomenii 401, 414—416.  
 Orchomenus opp. Boeotiae 338, 347, 374,  
 407, 411, 414—416, 424. Arcadiae 338,  
 388. Euboeae 416.  
 Orestae pop. Epiri 236, 434. in Macedo-  
 nia 329, frg. 6, 330, frg. 20.  
 Orestes 326, 383, 401, 535, 537, 582. tra-  
 goedia Euripidis 377.  
 Orestia pars Macedoniae 331, frg. 38.  
 Orestias regio Epiri 326.  
 Orestis regio Macedoniae 329, frg. 6.  
 Oretani pop. Hispaniae 139, 152, 156, 162,  
 163.  
 Oretania 139, 141, 156, 162.  
 Oreus opp. Euboeae 60, 445, 446.  
 Oria opp. Hispaniae 152. pagus Euboeae  
 445.  
 Oricum opp. Illyriae 316.  
 Orio 404, 446. sidus 4.  
 Oritae Orei incolae 445. pop. Gedrosiae  
 720, 723.  
 Orithyia 295.  
 Ormenium s. Orminium opp. Thessaliae  
 432, 436, 438, 442, 530.  
 Ormenus s. Ormenides 438, 439.  
 Orneae opp. prope Corinthum 376, 382,  
 587. vicus Argolidis 376.  
 Orneates Priapus 382.  
 \*Ὀρνίδων πόλις in Phoenicia 758.  
 Oroatis fl. Persidis 727, 729.  
 Orobii opp. Euboeae 405, 445.  
 Orodus rex Parthorum 702.  
 Orontes fl. Syriae 250, 275, 670, 676, 750  
 —752, 756, 760. vir, a quo flumen no-  
 men traxit 750. rex Armeniae 531.  
 Oropia ager Oropiorum 391.  
 Oropii 399.

- Oropus opp. Boeotiae 65, 66, 391, 399, 400, 403, 404.  
 Orspeda mons Hispaniae 161 — 163.  
 Orpheus Thrax 330, frg. 17, 18, 331, frg. 35, 471.  
 Orphica sacra 470. Orphicae artes 474.  
 Ortha arx Thessaliae 440.  
 Orthagoras rerum scriptor 766.  
 Orthagoria opp. Thraciae 331, frg. 48.  
 Orthanes deus Atticorum 588.  
 Orthopolis opp. Macedoniae 331, frg. 36.  
 Orthosia opp. Syriae 670, 753, 756, 760. Cariae 650.  
 Ortilochus pater Dioclis 367.  
 Orton portus Frentanorum 242.  
 Ortonium in Frentanis 242.  
 Ortospa opp. Paropamisadarum 514, 723.  
 Ortigia nutrix Latonae 639, 640. lucus prope Ephesum 639, 640. i. q. Delus 486. insula et pars Syracusarum 23, 59, 270, 271.  
 Osca opp. Hispaniae 161.  
 Osci pop. Campaniae 232, 233, 237, 242, 247.  
 Osiris 803, 807, 809, 814.  
 Ossa mons Thessaliae 60, 61, 208, 329, frg. 14, 15, 429, 430, 436, 440—443, 531. mons Pisatidis 356.  
 Ossonoba opp. Hispaniae 143.  
 Ostia opp. Latii 145, 219, 222, 225, 226, 229, 231, 232, 234.  
 Ostimii pop. Galliae 63, 64, 195.  
 Othryadas Lacedaemonius 376.  
 Othrys mons Thessaliae 356, 432, 433, 435.  
 Otreus 566.  
 Otroea opp. Bithyniae 566.  
 Otus Cyllenius 456.  
 Ὀξείαι νῆσοι ad Acheloi ostia sitae 351, 458, 459.  
 Oxi rupes in Sogdiana 517.  
 Oxus fl. Bactrianae 73, 507, 509, 510, 513, 514, 516 — 518.  
 Oxyartes pater Roxanae 517.  
 Oxyathres Darii Codomanni frater 544.  
 Oxybii pop. Liguriae 185, 202.  
 Oxybius portus in Liguria 185.  
 Oxylus Aetolorum rex 333, 354, 355, 357, 358, 389, 463.  
 Oxynea opp. Thessaliae 327.  
 Oxyrynchus opp. et pagus Aegypti 812.
- P.**
- Pachetium bellum 600.  
 Pachynus prom. Siciliae 106, 123, 124, 265 — 267, 272, 277, 363.  
 Pacorus Parthorum dux 748, 751.  
 Pactolus fl. Lydiae 554, 591, 625, 626, 629.  
 Pactya opp. Chersonesi Thraciae 331, frg. 52, 54, 56.  
 Pactyes mons agri Ephesti 636, 647.  
 Padus fl. Italiae 192, 203, 204, 209, 212, 217, 242, 287.  
 Paeones pop. Macedoniae 6, 28, 316, 323, 329, frg. 11, 12, 330, frg. 20, 331, frg. 36, 38.  
 Paeonia 313, 318, 329, frg. 4, 331, frg. 34, 36, 38, 39, 429.  
 Paenionici montes 28, 313, 318, 323. pop. 316, 323.  
 Paeseni 589.  
 Paesus opp. Troadis 589, 635. fl. Troas 589.  
 Paestanus sinus 251.  
 Paestum opp. Lucaniae 251.  
 Pagae s. Pegae opp. Megaridis, 334, 391, 400, 409.  
 Pagasae opp. Magnesiae 436.  
 Pagasiticus sinus 330, frg. 32, 436, 438.  
 Pagrae castellum Syriae 751.  
 Palacium opp. Chersonesi Tauricae 312.  
 Palacus Scytha 306, 309.  
 Palaea opp. Mysiae 614. opp. Cypri 614.  
 Παλαιὰ πόλις prior urbs Emporitae 160.  
 Palaebylus opp. Phoeniciae 755.  
 Palaepaphus opp. Cypri 683.  
 Palaepharsalus opp. Thessaliae 431, 701.  
 Palaephatus rerum scriptor 550 — 552.  
 Palaerus opp. Acarnaniae 450, 459.  
 Palaescepsis opp. Troadis 603, 606, 607.  
 Palaestina 776.  
 Palaetyrus opp. Phoeniciae 758.  
 Palamedes Nauplii f. 368. tragoedia Euripidis 470.  
 Palatium collis urbis Romae 234, 236, 238.  
 Palenses opp. Cephalleniae 436, 455, 456.  
 Palibothra s. Palimbothra opp. Indiae 689, 690, 698, 702. [701]  
 Palibothrus cognomen regum Prasiorensium 371.  
 Palinurus prom. Lucaniae 252, 253.  
 Paliurus opp. Cyrenaicae 838.  
 Pallantia opp. Hispaniae 162.  
 Pallas f. Pandionis 392.  
 Pallena peninsula Macedoniae 330, frg. 25, 27, 447, 550.  
 Palma opp. Balearium 167.  
 Paltus opp. Syriae 728, 735.  
 Pambaeotia 411.  
 Pamisus fl. Messeniae 267, 353, 361, 367. fl. Laconicae 361. Elidis 336, 361.



- Pamphyli 130, 520, 554, 570, 632, 664, 667, 668, 678, 685.  
 Pamphylia 125, 667, 668. ...  
 Pamphylicae urbes 570.  
 Pamphylicum mare 121, 125, 126, 571, 666, 681. Pamphylicus *παράπλους* 667. *τρόπος* 670.  
 Pan 802, 822.  
 Panchaia in mari Erythraeo 104, 299.  
 Pandarus Lyciorum rex 565, 585. colitur Pinarae 665.  
 Pandateria insula 123, 233.  
 Pandion Lyci pater 573, rex Indiae 686.  
 Pandionidae 392.  
 Pandora mater Deucalionis 443. nomen Thessaliae meridionalis ibid.  
 Pandosia opp. Bruttiorum 256. Thesprotiae 256, 324.  
 Panaenus pictor 354.  
 Panaetius Rhodius stoicus 650, 655, 676.  
 Panhellenes 370.  
 Panes Bacchi comites 70, 470.  
 Paneum Anaphlysti 398. Alexandriae 795.  
 Pangaeum mons Macedoniae 331, frg. 34, 41, 680.  
 Panionia 384, 639.  
 Panionicum sacrum 384.  
 Panionium 639.  
 Panna opp. Samnii 250.  
 Pannonii 207, 292, 313, 314, 317.  
*Πανῶν πόλις* opp. Aegypti 813.  
 Panopenses 422, 424.  
 Panopeus opp. Phocidis 416, 422, 423.  
 Panormus opp. Siciliae 266, 272. Epiri 316, 324. portus Ephesi 639.  
 Pantaleon Omphalionis f. 362.  
 Panticapaeenses 74, 494.  
 Panticapaeum opp. Chersonesi Tauricae 307, 309 — 311, 494, 495.  
 Panxani pop. Caucasum accolens 506.  
 Paphlagonēs 129. ...  
 Paphlagonia 61, 134, 212, 298, 309, 345, 541 — 544, 552, 553, 562, 563, 566, 574.  
 Paphus opp. Cypri 681, 683. Palaepaphus 683, 684.  
 Paracheloitae in Thessalia 434. in Aetolia ibid.  
 Paracheloitis regio Aetoliae 458, 459.  
 Parachsathras mons Mediae 511, 514, 521, 522, 527.  
 Paradisus opp. Coelesyriae 756.  
 Paraetacae s. Paraetaceni pop. Mediae 522, 524, 729, 732, 736, 739, 744.  
 Paraetacena 80, 522, 723, 726, 744.  
 Paraetonium portus Marmaricae 40, 798, 799, 809, 814, 838.  
 Paralus Clazomenarum conditor 633.  
 Parapotamia s. Paropotamii opp. Phocidis 407, 416, 424.  
 Parapotamia regio Syriae 753.  
 Parasopia regio Boeotiae 404, 408.  
 Parasopias in Thessalia 434.  
 Parasopii Asopi accolae 408, 409. vicus Thessaliae 352.  
 Parati pop. Sardiniae 225.  
 Pariana ager Parianorum 588—590, 605.  
 Pariani Parii incolae 587, 588.  
 Parii pop. Daarum 515. incolae Pari insulae 217, 315, 487, 588.  
 Parisades nomen complurium dynastarum Chersonesi Tauricae 309, 310.  
 Parisii pop. Galliae 194.  
 Parisus fl. Pannoniae 313.  
 Parium opp. Mysiae 331, frg. 57, 58, 487, 583, 588—590.  
 Parma opp. Galliae cisalpiniae 216.  
 Parmenides Eleates 94, 95, 252.  
 Parmenio 531, 724.  
 Parnassii Parnassi incolae 422, 508.  
 Parnassus 26, 208, 329, frg. 6, 373, 379, 383, 401, 409, 410, 416—418, 422—425, 428, 429, 439, 450, 475.  
 Parnes mons Atticae 399.  
 Parni et Aparni pop. Daarum 508, 511, 515.  
 Paropamisadae Paropamisi accolae 130, 688, 691, 697, 723—725.  
 Paropamisus mons Asiae 511, 514, 689, 697, 723—725.  
 Paroraea regio Epiri 325.  
 Paroraei pop. Epiri 326.  
 Parorbelia regio Macedoniae 331, frg. 36.  
 Paroreatae pop. Triphyliae 346.  
 Parrhasii pop. Arcadiae 336, 388, 508.  
 Parrhasius pictor Ephesius 642.  
 Parsii i. q. Parrhasii 508.  
 Parthenia i. q. Samus 457, 637.  
 Partheniae 278—280.  
 Parthenius fl. Elidis 357.  
 Parthenium mons Arcadiae 376, 389. prom. Chersonesi Tauricae 308. vicus ad Bosporum Cimmerium 308, 310, 494. templum Dianae in Chersoneso Taurica 308.  
 Parthenius fl. Sami 457. cf. Imbrosus.  
 Parthenon templum Minervae 395, 396.  
 Parthenopa opp. Campaniae 654. una Sirenum 23, 26, 246.  
*Πάρθενος* i. q. Diana 308.  
 Parthica instituta 515. urbs (Ctesipho) 743. Parthici 525. Parthicum foedus 660. bellum contra Romanos 10, 523, 558, 748. Parthicus imperator (Labienus) 660. Parthici rerum scriptores 118, 685.

- Parthi 10, 514, 515...  
 Parthia 491, 514, 515, 524, 723, 724, 726.  
 Parthini pop. Illyriae 326.  
 Parthaeus rex Parthorum 744, 751.  
 Parus Cycladum una 224, 485, 487, ins.  
   Liburnica 124, 315, cf. Pharos.  
 Paryadres mons Armeniae 497, 505, 521,  
   527, 528, 547, 548, 555, 556.  
 Parysatis 785.  
 Pasargadae opp. Persidis 717, 728—730.  
 Pasiani gens Scythica 511.  
 Pasitigris 729.  
 Patala opp. Indiae 701.  
 Patalena regio Indiae 516, 690, 692, 693,  
   700, 701, 720.  
 Patara opp. Lyciae 665, 666.  
 Patarus conditor Patarorum 666.  
 Patavini equites 169, 213.  
 Patavium opp. Galliae cisalpiniae 213.  
   218.  
 Patishorenses gens Persica 727.  
 Patmus Sporadum una 488.  
 Patraeus opp. Bospori 494.  
 Patrae opp. Achaiae 335, 337, 384—388,  
   460.  
 Patrocles rerum scriptor 68—70, 74, 508,  
   509, 518, 689.  
 Patroclus dux Myrmidonum 351, 425, 433,  
   584, 596, 620.  
*Πατρόκλου χάραξ* insula 398.  
 Paulus Aemilius Persei victor 322, 331,  
   frg. 48.  
 Pausanias rex Spartanorum 366.  
 Pax Augusta opp. Hispaniae 151.  
 Pedalium prom. Cypri 682.  
 Pedasa opp. Cariae 611.  
 Pedasis ibid.  
 Pedasum opp. Cariae ibid.  
 Pegasus opp. Lelegum in Troade 321,  
   584, 605, 611. Messeniae 359, 360.  
 Pegasus 379.  
 Pelum arx Tolistobogiorum 567.  
 Pelagones pop. Macedoniae 327, 331, frg.  
   38, 39, 48, 434. Titanes 331, frg. 40.  
 Pelagonia pars Macedoniae 326, 327, 331,  
   frg. 38.  
 Pelana opp. Messeniae 360.  
 Pelargi i. q. Pelasgi 221, 397.  
 Pelasgi 219—221, 226, 247, 321, 327, 328,  
   331, frg. 35, 345, 397, 401, 402, 410,  
   443, 542, 572, 620, 621, 661.  
 Pelasgi Peloponnesus 221. regio Thessa-  
   liae 329.  
 Pelasgicum pars Athenarum 401.  
 Pelasgicus Iuppiter 327. Pelasgici campi  
   436, 443. Argi 221, 369, 431. Pelas-  
   gicum sacrum 402.  
 Pelasgiotae i. q. Graeci 371. incolae  
   Pelasgiotidis 430, 441.  
 Pelasgiotis pars Thessaliae 430, 436, 441.  
 Pelagon Asteropaei pater 331, frg. 38, 39.  
 Pelethronium in monte Pelio 299.  
 Peleus 425, 432—434.  
 Peliades filiae Peliae 45.  
 Pelias Iolci rex 45, 46, 436.  
 Peligni pop. Italiae 219, 231, 238, 241,  
   242.  
 Pelinnaeum opp. Histiaeotidis 437.  
 Pelinnaeus mons Chii 645.  
 Pelium mons Thessaliae 22, 26, 208, 299,  
   329, frg. 15, 428—430, 436, 438, 439,  
   441—443.  
 Pella opp. Macedoniae 320, 323, 330, frg.  
   22, 23, 48, 752. Syriae 752.  
 Pellaea regio Macedoniae 330, frg. 20.  
 Pellana opp. Laconicae 386.  
 Pellena opp. Achaiae 385, 386. vicus  
   Achaiae 386.  
 Pellenica pallia 386.  
*Πηλώδης λιμὴν* in Epiro 324.  
 Pelopidae 356, 372, 377, 680.  
 Peloponnesiacum bellum 600, 654.  
 Peloponnesi 54, 171, 333, 369, 392, 393,  
   396, 463.  
 Peloponnesus 27, 335—389... Pelopon-  
   nesii figura 83, 92, 335. sinus 836. in-  
   sulae 474. populi 335. situs 336. pro-  
   montoria 836.  
 Pelops 321, 356, 360, 365, 371, 613.  
 Pelori sepulcrum 10. turris 171.  
 Pelorias prom. Siciliae 22, 23, 257, 265—  
   268.  
 Peltae opp. Phrygiae 576.  
 Peltenus campus in Phrygia 629.  
 Pelusiacum ostium Nili 64, 670, 760, 786,  
   788, 791, 801, 802.  
 Pelusium opp. Aegypti 35, 38, 50, 58, 85,  
   88, 89, 491, 741, 756, 759, 760, 788,  
   791, 796, 802—804.  
 Penestae servi Thessalorum 542.  
 Penelopa 221, 369, 452, 461, 551, 641.  
 Peneus fl. Peloponnesi 337, 338. Thessa-  
   liae 6, 221, 327, 329, frg. 4, 12, 14—16,  
   331, frg. 36, 334, 383, 389, 429, 430,  
   432, 433, 438—443, 531, 621, 691.  
 Penticlicum marmor 399.  
 Pentheus filius Agauae 408.  
 Penthilus Orestis f. 402, 447, 582.  
 Perearethus insula 124, 436.  
 Percota opp. Mysiae 585, 586, 590.  
 Perdiccas 619, 794.  
 Pergamena ager Pergami 571, 576, 624.  
 Perga opp. Pamphyliae 667.  
 Pergameni 615, 625.  
 Pergamum opp. Mysiae 603, 609, 619.



- 623—625, 680. bibliotheca Pergami 609, 624.  
 Periander Corinthiorum tyrannus 600.  
 Pericles Atheniensis 395, 445, 638.  
 Perinthus opp. Thraciae 331, frg. 41, 56—58.  
 Perisadyes pop. Epiri 326.  
 Permessus fl. Boeotiae 407, 411.  
 Perperena opp. Mysiae 607.  
 Perperna Aristonici victor 646.  
 Perrhaebi pop. Thraciae 61, 329, frg. 14, 15, 338, 434, 437, 439—442, 446, 450.  
 Perrhaebia Thessaliae pars 440—442.  
 Perrhaebicae urbes 329, frg. 14, 16, 440, 441.  
 Persae 10, 727—736...  
 Persepolis 78, 80, 727—730.  
 Perses rex Macedonum 330, frg. 22, 331, frg. 48, stella 134.  
 Persica s. Persicum bellum 331, frg. 56, 336, 375, 377, 396, 398, 402, 546. Persica regna 223, 728. Persica gaza 594, vestis 525, cantilena 742, classis 443.  
 Persicae litterae 301, portae 729. Persici mores 525, 732. dei 512, 559, 732, 733. Persicum littus 728, 739, 765.  
 Persicus parasanga 518, sinus s. Persicum mare 42, 765—767, .....  
 Persis s. Persica 79—81.  
 Perusia opp. Etruriae 226.  
 Pessinuntis cognomen Rheae 469.  
 Pessinus opp. Phrygiae 543, 567.  
 Petalia insula 444.  
 Petelia opp. Lucanorum 254.  
 Petion vicus Boeotiae 410.  
 Petnelissus opp. Pisidiæ 570, 667.  
*Πέτρα Ναβαταίων* opp. Arabiae 767, 776, 779, 781.  
 Petraei incolae Petrae 779.  
 Petreius legatus Pompeii 161.  
 Petrocorii pop. Aquitaniae 190, 191.  
 Petronius praefectus Aegypti 788, 819—821.  
 Peuca insula Istri 301, 305, 306.  
 Peucetii pop. Italiae 211, 277, 281—283, 285.  
 Peucini pop. Bastarnarum 305, 306.  
 Peucolaitis opp. Indiae 698.  
 Phabda opp. Ponti 548.  
 Phabra insula Atticae vicina 398.  
 Phacusa opp. Aegypti 805.  
 Phaeaces 26, 423.  
 Phaedo Eleus Socraticus 393.  
 Phaedrus dux Atheniensium 446. dialogus Platonis 295, 400.  
 Phaestus opp. Cretae 476, 479.  
 Phaëtholis f. 215. tragoedia Euripidis 33.  
 Phagres opp. Macedoniae 331, frg. 33.  
 Phagroriopolis opp. Aegypti 805.  
 Phagroriopolites pagus in Aegypto ibid.  
 Phalacrum prom. Corcyrae 324.  
 Phalanna opp. Thessaliae 440.  
 Phalanthus Partheniorum dux 278, 279, 282.  
 Phalara opp. Thessaliae 60, 435.  
 Phalasarna opp. Cretae 474, 479.  
 Phalces Sicyonis conditor 389.  
 Phalerenses pagus Atticae 398.  
 Phalerus Atheniensis 683.  
 Phanae portus Chii insulae 645.  
 Phanagoria opp. Bosporanorum 307, 310, 494, 495.  
 Phanaroëa regio Ponti 73, 547, 556, 557, 559, 560.  
 Phanius Eressius peripateticus 618.  
 Phanotenses 407, 423.  
 Phanoteus opp. Phocidis 407, 423, 424.  
 Phara opp. Achaiae 388. Messeniae, ibid. cf. Pherae. Charthaginienisium 831.  
 Pharae vicus agri Tanagraei 405. opp. Thessaliae 503. cf. Pherae.  
 Pharatae in Messenia 388.  
 Pharbetites pagus in Aegypto 802.  
 Pharcadon opp. Thessaliae 438.  
 Pharenses s. Pharienses in Achaia 386—388.  
 Pharia insula i. q. Pharus 30.  
 Pharis opp. Laconicae 363.  
 Pharmacussae insulae prope Salamina 395.  
 Pharnaces rex Bosporanorum 495, 498, 506, 545—547, 560, 577, 625.  
 Pharnacia opp. Ponti 126, 320, 499, 547—549, 551, 555, 556, 677.  
 Pharsalia ager Pharsaliorum 430.  
 Pharsalii 431, 433.  
 Pharsalus opp. Thessaliae, vetus Palae pharsalus 431, 796. nova 356, 431—434, 447.  
 Pharus insula Liburnica 124, 315. vicina Alexandriae 30, 37, 57, 58, 140, 536, 791, 792, 794, 800, 802. turris in hac insula 140, 791, 792, 794.  
 Pharusii pop. Libyae 131, 826, 828.  
 Pharygae opp. Locridis 426. Argolidis ibid.  
 Pharygium prom. Phocidis 324.  
 Pharziris i. q. Parysatis 785.  
 Phaselis opp. Lyciae 666, 667, 671.  
 Phasis opp. Colchidis 497, 498, 500. fl. Colchidis 45, 52, 91, 92, 288, 298, 497, 498, 500, 529.  
 Phatniticum ostium Nili 801, 802.  
 Phauena regio Armeniae 528.  
 Phaunitis regio Armeniae 528.  
 Phazemon opp. Ponti 560.  
 Phazemonitae 560

- Phazemonitis regio Ponti 553, 560, 561.  
Phea s. Pheae opp. Pisatidis 350, 351.  
Phea opp. Pisatidis 342, 343, 348. prom.  
Pisatidis 342, 343.  
Phellus opp. Lyciae 666.  
Phemonoa prima Apollinis Delphici sacerdos 419.  
Pheneus opp. Arcadiae 388, 389.  
Pherae opp. Thessaliae 403, 436, 439, 443, 503, 530. Messeniae 359—361, 367.  
cf. Phara.  
Pheraea opp. Arcadiae 357.  
Pheraei 439.  
Pherecydes Syrius 18, 169, 456, 472, 487, 632, 633, 643. Atheniensis 487.  
Phidias statuarius 353, 354, 372, 396.  
Phidippus Thessali f. 444, 653.  
Phido Argivus 358, 376.  
Phigalia opp. Arcadiae 348.  
Philadelphia opp. Lydiae 579, 628. Iudaeae 760, 763.  
Philae ins. et opp. Aegypti 40, 803, 818, 820.  
Philaenorum altaria in Libya 171, 836.  
Philaethes pater Alexandri medici 580.  
Philemon Solensis poeta comicus 671.  
Philetaerus frater Dorylai 478, 557. Trianus 543, 623. Attali f. 624.  
Philetas Cous poeta 168, 364, 657.  
Philippi opp. Macedoniae 331, frg. 34, 41, 43, 674, 797.  
Philippus Amyntae f. 307. .... Persei pater 287, 328, 361, 441, 563. Caricorum auctor 662.  
Φιλίππου νῆσος in sinu Arabico 773.  
Philippupolis opp. Macedoniae 331, frg. 36.  
Philistides tyrannus Euboeae 445.  
Philo historicus 77. architectus 395.  
Philochorus rerum scriptor 328, 362, 392, 397 404.  
Philocteta 254, 272, 432, 436, 443.  
Philodemus Gadarensis Epicureus 759.  
Philogenes Atheniensis Phocaeae conditor 633.  
Philomela Procnæ soror 423.  
Philomelum opp. Phrygiae 577, 663.  
Philonomus prodit Laconicam Heraclidis 364, 365.  
Φίλωνος κόμη in Aegypto 805.  
Philopoemen dux Achaeorum 385.  
Philotas Prienae conditor 633, 636. f. Parmenionis 676, 724.  
Philotera opp. Aegypti 769. soror Ptolemaei secundi 769.  
Phineus raptus ab Harpyis 302.  
Phinopolis opp. Thraciae 319.  
Phlegra i. q. Pallena 330, frg. 25, 27.  
Phlegra et Phlegraeus campus prop. Cumas 243, 245, 281.  
Phlegryae pop. Thessaliae 330, frg. 16, 442.  
Phlegyas frater Ixionis 442.  
Phliasia ager Phliasiorum 382.  
Phligadia mons Norici 207.  
Phlius opp. Argolidis 377, 382, 385.  
Phocaea opp. Ioniae 252, 582, 601, 621, 626, 632, 633, 647, 663.  
Phocaeenses 179, 252, 621.  
Phocaicae urbes 156.  
Phocenses incolae Phocidis 188, 263, 332, 336, 402, 403, 407, 416—425.  
Phocici montes 407, 418. Phocicum bellum 420. lauretum 60.  
Phocis 321, 334, 379, 390, 401, 409, 416—425, 589.  
Φωκῶν νῆσοι in sinu Arabico 773, 776.  
Phoebia i. q. Rhegium 258.  
Phoenica opp. Epiri 324.  
Phoenices 2, 756—760. ....  
Phoenicia 6, 756—760. ....  
Phoenicicum mendacium 170.  
Phoenicides urbes 754.  
Phoenicis opp. Boeotiae i. q. Medeon 410.  
Phoenicius mons Boeotiae 410.  
Phoenicus mons Lyciae 666. opp. et portus Marmaricae 799.  
Phoenicussa Liparaeorum insula 276.  
Phoenix rex Dolopum 431, 434, 438, 439. mons Cariae 651, 652. castellum Cariae 652. opp. Cretae 475. fl. Phthiotidis 428.  
Pholegandrus una Cycladum 484, 486.  
Pholoea mons Arcadiae 336, 338, 357, 388, 587.  
Φώρων λιμὴν in Attica 395.  
Phoroneus 471.  
Phoronis carmen 472.  
Phraates nomen regum Parthorum 288, 702, 748, 749.  
Phranicates dux Parthorum 751.  
Phricium mons Locridis 582, 621.  
Phriconis i. q. Cuma 582. Larisa 621.  
Phrixa opp. Triphyliae 343.  
Phrixium templum Phrxi 45.  
Phrixus 45, 46, 498, 499, 544.  
Phryges 61, 568—572. ....  
Phrygia magna 49, 58, 130, 187, 271, 321, 473, 533, 539, 557, 564, 566—568, 571, 576, 577, 580, 628—630, 663, 675, 680, 766. minor s. Hellespontica 129, 543, 563, 566, 571. s. Epictetus 130, 534, 543, 563, 564, 566, 567, 571, 576, 625.  
παρωρείος 569, 576, 577, 663.



- rygia dea magna Rhea 469. sacra 469—  
 471. Phrygiae tibiae 471. Phrygius campus 629.  
 rygia i. q. res Phrygiae 466.  
 rygius fl. Lydiae et Ioniae 676.  
 rynaë pop. Indiae 516.  
 rynchus poeta tragicus 635.  
 ryno victor Olympicus 599, 600.  
 ρεικῶν ὄρος apud Homerum 635.  
 athia Thessaliae pars 383, 431, 432, 434, 438.  
 athii incolae Phthiae 432.  
 athiotae 365, 383, 429, 433, 434, 495.  
 athiotides Thebae 431, 433.  
 athiotis pars Thessaliae 430, 432, 433, 437.  
 athiotis Achais 45.  
 athirophagi pop. Caucasum accolens 492, 497, 499.  
 ayeus prom. Cyrenaicae 363, 837. opp. Cyrenaicae 837.  
 ayla pagus Atticae 396, 404.  
 aylaca opp. Phthiotidis 433, 435. Her-mopolitica in Aegypto 813. Thebaica ibid.  
 aylarchi principes Arabum 130, 748, 753, 839.  
 ayleus Augeae f. 459.  
 aylus opp. Thessaliae 435.  
 ὕσαυ terrae hiatus in Catacecaumena 628.  
 ayscus opp. Cariae 652, 659, 663, 667.  
 asus Pelasgorum rex 621.  
 centes pop. Campaniae vicinus 251.  
 centia opp. Picentium 251.  
 centina ager Picenus 227, 240—242.  
 centini 251.  
 λικρὸν ὕδωρ fl. Ciliciae 671.  
 ctiae diversorium in via Latina 237.  
 ctiones pop. Galliae 190.  
 eres et Pieriotae pop. Macedoniae 329, frg. 11, 410, 443, 471.  
 eria s. Pieris regio Macedoniae 329, frg. 11, 14, 330. frg. 38, 410.  
 eria mons Thraciae 471. regio Syriae 316, 676, 749. mons Syriae 751. Pierium littus 330, frg. 22.  
 erica urbs (Pydna), 330, frg. 20, 22.  
 molisena et Pimolisitis regio Ponti 553, 561, 562.  
 mpla s. Pimplea opp. Macedoniae 330, frg. 17, 18, 410, 471.  
 naca opp. Mesopotamiae 747.  
 nara opp. Lyciae 665.  
 narus fl. Ciliciae 676.  
 ndarus poeta 155, 170, 172, 248, 268, 279, 321, 328, 404, 411, 412, 419, 431, 469, 485, 544, 626, 627, 643, 645, 655, 711, 802.  
 Pindus mons Thessaliae 221, 327, 329, frg. 6, 14, 15, 428, 430, 434, 437, 438, 440, 442, 449, 450. opp. Locridis 427, 434. fl. Locridis 427.  
 Pionia opp. Lelegum in Mysia 610.  
 Piraeus portus Athenarum 58, 391, 395, 396, 398, 400, 654. i. q. Amisus 547.  
 Pirena fons Acrocorinthis 379.  
 Pirithous Ixionis f. 48, 329, frg. 14, 16, 434, 439.  
 Pirossus opp. Mysiae 589.  
 Pirus fl. Achaiae 342, 386.  
 Pirustae gens Pannoniae 314.  
 Pisa opp. Elidis 356. fons ibid. et Pisae opp. Etruriae 217, 222, 225.  
 Pisander poeta Rhodius 655, 688. Belle-rophontis f. 573, 630, 631.  
 Pisatae in Elide 222, 338, 342, 343, 353, 355, 362. in Etruria 223, 225.  
 Pisatis regio Elidis 337, 339, 341—343. 353—358, 367, 372, 374, 377. regio Etru-riae 211, 222.  
 Pisidae 130, 491, 554, 569, 570, 631, 678, 679.  
 Pisidia terra Asiae 21, 34, 557, 569—571, 576, 577, 611, 631, 666, 668, 671.  
 Pisidici 34. montes 666. Pisidicus Taurus 566. Pisidica lingua 631. Pisidicae urbes 570, 571, 631.  
 Pisilis opp. Cariae 651.  
 Pisistratus Nestoris f. 350, 367. tyrannus Atheniensium 394, 397.  
 Pissuri pop. Daarum 511.  
 Pitana opp. Mysiae 581, 607, 614, 622.  
 Pitanaei incolae Pitanae 611.  
 Pitanatae in Samnio 250.  
 Pithecussa s. Pithecussae insulae 54, 57, 60, 123, 247, 248, 258, 626.  
 Pithecussaei 246.  
 Pitnisus opp. Lycaoniae 568.  
 Pittacus Mytilenaeus 600, 617.  
 Pittheus f. Pelopis 374.  
 Pitya s. Pityea opp. Mysiae 565, 587, 588, 602.  
 Pityassus opp. Pisidiae 570.  
 Pityocampes 391.  
 Pityus pagus Troadis 588. magnus, orae Colchicae pars 496, 497.  
 Pityussa i. q. Lampsacus, Salamis, Chius q. v.  
 Pityussae insulae 167.  
 Pixodarus rex Cariae 656, 657.  
 Placentia opp. Galliae cisalpiniae 216—218.  
 Placus mons 614.  
 Planasia insula 123, 185.  
 Planctae rupes freti Siculi 11, 149, 170.  
 Planesia ins. Hispaniae 159.  
 Plataeae opp. Boeotiae 382, 402, 406.

- 409, 411, 412, 414. pagus Sicyoniae 412.  
 Platamodes prom. Messeniae 348.  
 Platanistis littus Ciliciae 669. i. q. Macistus 345.  
 Plato philosophus 102, 260, 300, 301, 400, 468, 471, 476, 592, 610, 656, 713, 762, 788, 806.  
 Pleias, Pleiades sidus 691, 692, 724, 824.  
 Pleias poetarum 675.  
 Plemyrum opp. Indiae 697.  
 Plentuisi pop. Hispaniae 156.  
 Plerael pop. Dalmatiae 315, 316.  
 Pleuron opp. Aetoliae, vetus et nova 450, 451, 459, 460, 463, 465.  
 Pleuronia Pleuronius ager 451, 465, 466.  
 Pleutauri pop. Hispaniae 155.  
 Plinthina opp. Aegypti 799.  
 Plistus fl. Phocidis 418.  
 Plumbaria insula 159.  
 Plutades philosophus Tarsensis 675.  
 Pluto 147, 649..  
 Plutonia 244, 579, 629, 636, 649.  
 Plynus portus Marmaricae 838.  
 Pneuentia opp. Piceni 241.  
 Pnigeus opp. Marmaricae 799.  
 Podalirii heroum 24.  
 Poaessa opp. Laconicae 360.  
*Ποικίλη πέτρα* in Cilicia 670.  
 Poedicii i. q. Peucetii 277, 282.  
 Poessa opp. Cei insulae 486, 487.  
 Poemandris i. q. Tanagrica 404.  
*Ποιναι αἱ τραγικαί* 175.  
 Poeninum Alpium pars 205, 207, 208.  
 Poeum mons Graeciae 327.  
 Pegon portus Troezenis 373.  
 Pola opp. Istriae 209, 215, 216, 314.  
 Polemo Pharnacis f. rex. Ponti 493, 495, 499, 556, 560, 568. Laodicensis Zenonis f. 578. philosophus 614. periegetes 15, 396.  
 Polichna opp. Troadis 603, 607.  
 Polieum opp. Lucaniae 264.  
 Polisma s. Polium opp. Troadis 601.  
 Polites Ulixis comes 255. Priami f. 599.  
 Pollentia opp. in Balearium insularum maiore 167.  
 Poltyobria opp. Thraciae 319.  
 Polyanus mons Epiri 327.  
 Polybius historicus 2, 20, 23, 24, 25, 26, 36, 97, 98, 104—109, 139, 145, 162, 163, 172, 183, 190, 202, 208, 209, 211, 214, 222, 242, 261, 276, 285, 287, 313, 317, 322, 332, 335, 381, 385, 389, 422, 465, 797, 798.  
 Polybotes gigas 489.  
 Polybus Teneae Oedipum educat 380.  
 Polycasta mater Penelopae 461.  
 Polyclitus historicus 510, 728, 735, 737. statuarius 372.  
 Polycrates Sami tyrannus 637, 638.  
 Polydamas Troianus 599.  
 Polydectes Lycurgi frater 482. rex Samiorum 487.  
 Polymedium opp. Troadis 606, 616.  
 Polymnastus musicus Colophonius 643.  
 Polyphagi 201, 506.  
 Polypoetes Lapitharum rex 439, 441.  
 Polyporus fl. Troadis 602. cf. Heptaporus.  
 Polyrrenii in ins. Creta 479.  
 Polystephanus i. q. Praenestus 238.  
 Polytimetus fl. Sogdianae 518.  
 Polyxena tragoedia Sophoclis 470.  
 Pomentinus campus in Latio 231, 232.  
 Pompeadius dux Marsorum 241.  
 Pompeii opp. Campaniae 247.  
 Pompeiopolis i. q. Pompelona. i. q. S. 664, 665, 671.  
 Pompeius Magnus 161, 555—560...  
 Pompeii filii 141, 161, 650. monumentum 156, 159, 160, 178.  
 Pompeius Strabo pater Pompeii Magni 213. f. Theophanis 618.  
 Pompelona s. Pompeiopolis opp. Hispaniae 161.  
 Pompeiupolis opp. Paphlagoniae 562.  
 Pontia insula 123, 233.  
 Pontica i. q. Pontus 546.  
 Pontica provincia 541, 543, 544, 561. Ponticum littus 318, 533.  
 Pontici 511, 538, 539. reges 547.  
 Ponticum castoreum 163.  
 Pontus s. Cappadocia ad Pontum 539—566, 574, 609, 614, 649, 678, 688.  
 Pontus Euxinus 21, 124—126.... Pontus Eux. ostium 319, 323, 563. pars dextra 61, 494, 497. sinistra 320, 440, 540, 688. orientalis 548. septentrionalis 294.  
 Populonia opp. Etruriae 222, 223, 225.  
 Pordoselena s. Poroselena insula 618, 619.  
 Pornopion cognomen Apollinis 613. mensis ibid.  
 Porsena rex Clusinarum 220.  
 Porthaonidae Aetolorum reges 463, 465.  
 Porticanus rex Indiae 701.  
 Porus rex Indiae 686, 691, 698, 719, regis Gandaridis 699. fl. Achaiae 342.  
 Posidium prom. et opp. Epiri 324. prom. Thessaliae 330. frg. 32. Chii 644, 645. Milesiorum 633, 634, 651, 658. Lucaniae 252. Sami cum templo Neptuni 633. Arabiae 776. opp. Syriae 751, 753.  
 Posidonia in insula Teno 487. opp. Lucaniae 251, 252, 373, 397.  
 Posidoniates sinus i. q. Paestanus sinus 21, 22, 209, 211, 251, 252.



Posidonium prope Rhegium 257.  
 Posidonius stoicus 2, 4, 6, 41, 54, 55, 60,  
 94—98, 100, 102, 103, 135, 138, 144,  
 147, 153, 157, 163, 165, 170, 172, 173,  
 174, 175, 182, 183, 188, 198, 215, 266,  
 269, 273, 277, 293—296, 316, 332, 491,  
 492, 514, 615, 653, 655, 743, 750, 753,  
 755, 757, 764, 784, 789, 790, 803, 827, 830.  
 Potamia regio Paphlagoniae 562.  
 Potamon Mytilenaeus 617.  
 Potamus pagus Atticae 398.  
 Potentia opp. Piceni 241.  
 Potidaea opp. Macedoniae 330, frg. 25,  
 27, 28.  
 Ποτνιαδες ἵπποι 409.  
 Potniae opp. Boeotiae 409, 412.  
 Practius fl. Mysiae 583, 586, 590.  
 Praeneste 235, 239.  
 Praenestina via 237, 238.  
 Praenestini 239, 249.  
 Pramae sapientes Indi 718, 719.  
 Prasia pagus Atticae 399.  
 Prasiae opp. Argolidis 368, 374.  
 Prasii pop. Indiae 702, 703. incolae Prasi  
 urbis 472, 478.  
 Prusus opp. Cretae 475, 478, 479.  
 Prausi pop. Galliae 187.  
 Praxander conditor Lapathi in Cypro 682.  
 Praxiteles statuarius 410, 641.  
 Praxiphanes Rhodius 655.  
 Premnis opp. Athiopiae 820.  
 Prepesinthus una Cycladum 485.  
 Prianon opp. Dalmatarum 315.  
 Priamus 552, 573, 584—586, 596, 607, 680.  
 Priapena regio Mysiae 587, 588. [681.  
 Priapus Bacchi f. 382, 587. opp. Mysiae  
 331, frg. 58, 565, 576, 582, 587.  
 Priena opp. Ioniae 551, 577, 579, 633, 636.  
 Prionenses 384, 639.  
 Prion mons prope Ephesum 633.  
 Privernum opp. Latii 237.  
 Probalinthus opp. Atticae 383, 399.  
 Prochyta insula 60, 123, 247, 258.  
 Procles Eurysthenis frater 364, 366, 389,  
 481. conditor Sami 633.  
 Proclidae 366.  
 Proena soror Philomelae 423.  
 Proconnesus ins. Propontidis 331, frg. 56,  
 587, 588, 618.  
 Proerna opp. Phthiotidis 434.  
 Proetides 346, 370.  
 Proetus rex Tirynthis 372.  
 Prometheus 183, 505, 688.  
 Pronesus opp. Cephalleniae 455.  
 Prophthasia opp. Drangianae 514, 723.  
 Propontis 6, 331, 581—584....  
 Proschium opp. Aetoliae 541.  
 Proserpina 198, 256, 344.

Prosopites pagus in Aegypto 802.  
 Prosymna opp. Argolidis 373.  
 Protarchus Epicureus 658.  
 Protosilaum in Chersoneso Thracia 331,  
 frg. 52, 595.  
 Protesilaus rex Thessalorum 296, 394,  
 432—435.  
 Proteus pater Cabirae 37, 39, 150, 472.  
 Protogenes pictor 652.  
 Prusa opp. Mysiae 563, 564.  
 Prusias opp. Bithyniae 563, 564. rex Bi-  
 thyniae 563, 564, 624.  
 Prusienses incolae Prusiadis 564, 566.  
 Psammitichus rex Aegypti 61, 118, 119,  
 770, 786, 801, 802, 804, 820.  
 Psaphis vicus Oropiorum 339.  
 Psebo lacus Aethiopiae 822.  
 Pselchis opp. Aethiopiae 820.  
 Ψευδοπενιάς ἄκρα in Syrti maiore  
 836.  
 Pseudophilippus 331, frg. 48, 624.  
 Psillis fl. Bithyniae 543.  
 Ψυγμοῦ λιμὴν portus orae Aethiopi-  
 cae 774.  
 Psylli pop. Libyae 131, 588, 814, 838.  
 Psyra insula prope Chium 645.  
 Psytalia ins. prope Salamina 395.  
 Pteleasium regio Triphyliae 350.  
 Pteleos lacus agri Troiani 590, 595.  
 Pteleum mons Epiri 329, frg. 6. opp. Tri-  
 phyliae 349. Thessaliae 349, 433, 435.  
 Pterelas a Cephalo amatus 452.  
 Ptolemaenses in Phoenicia 758.  
 Ptolemaeus Lagi 301, 723, 791, 794, 795,  
 801, 836. Philadelphus 421, 460, 666,  
 769, 770, 789, 795, 804, 815. Euergetes  
 795, 836. Philopator 478, 759, 795. Epi-  
 phanes 795. Philometor 751, 795. Euer-  
 getes secundus s. Physcon 98, 99, 101,  
 103, 795, 797, 798. Lathurus 795. Au-  
 letes 558, 795, 796, 798. Auletae f.  
 796. rex Cypri 584. Coccus Parisactus  
 794. Ceraunus 623. Mennaei f. Ituraeo-  
 rum rex 753. Iubae f. rex Numidiae et  
 Mauritaniae 838, 831, 840.  
 Πτολεμαϊκή πόλις in Aegypto 813.  
 Ptolemaici reges 118, 563, 684, 789, 791,  
 795—797.  
 Ptolemais opp. Phoeniciae 134, 758. Pam-  
 phyliae 667. Cyrenaicae 837. Troglody-  
 ticae 133, 768, 770, 776.  
 Ptoum mons Boeotiae 413.  
 Publius Crassus 176, 646. Claudius Pul-  
 cher 684. Servilius Isauricus 568.  
 Puteoli opp. Campaniae 245. cf. Dicae-  
 archia.  
 Pycata 588.

- Pydna opp. Macedoniae 330, frg. 20, 22, 331, frg. 36.  
 Pygela opp. Ioniae 551, 639.  
 Pygmaei 35, 37, 42, 70, 299, 711, 821.  
 Pylagorae s. Pylagori 420.  
 Pylae s. Thermopylae 10, 420, 428, 429, 435.  
 Pylaea conventus Amphictyonum 420, 429.  
 Pylaemenes Enetorum dux 541, 543.  
 Pylaeum mons Lesbi 621.  
 Pylaeus rex Pelasgorum 621.  
 Pylaica concio 436.  
 Pylaicus sinus 430.  
 Pylena opp. Aetoliae 451, 460.  
 Pylia ager Pyliorum 351. Pylium mare 348.  
 Pylii Pyli incolae 222, 264, 344, 348, 350—354, 359, 633.  
 Pylon opp. Illyriae 323.  
 Pylus pars Elidis Nestoris regnum 336, 337. Nestoris urbs 336, 337, 339, 344, 350—353, 355, 368, 393, 633. Eliaca 339, 351, 352. Triphylia s. Lepreatica s. Arcadica 337, 339, 343—345, 348, 350—353, 355. Messeniaca 339, 346, 348, 351—353, 359, 361, 633.  
 Pyraechmes Aetolus 357.  
 Pyraetha templa in Cappadocia 733.  
 Pyraethi in Cappadocia ibid.  
 Pyramides in Aegypto 807—809, 811.  
 Pyramus fl. Ciliciae 52, 53, 536, 675, 676, 682.  
 Pyrasus opp. Phthiotidis 435.  
 Pyrena s. Pyrenaei montes 71, 127—129, 160—162...  
 Pyrgi opp. Triphyliae 348. Etruriae 226.  
 Pyrgitae in Triphylia 348.  
 Pyriphlegethon fl. prope Dicaearchiam 26, 244.  
 Pyrrha uxor Deucalionis 425, 432, 443. opp. Thessaliae 432. Ioniae 636. Lesbi 617, 618. insula 435. prom. Thessaliae 435. Mysiae 606.  
 Pyrrhaea i. q. Thessalia 443.  
 Pyrrhaeorum euripus in Lesbo insula 617.  
 Pyrrhichus inventor pyrrhichae 467, 480.  
 Pyrrho philosophus 393.  
 Pyrrhus Achillis f. 326. rex Epiri 258, 280, 287, 326, 376, 384. Neoptolemi fil. 326.  
*Πυθαγγέλου λιμήν, βομοί, ἐλεφάντων κυνήγιον* 773, 774.  
 Pythagoras philosophus 263, 297, 638, 716.  
 Pythagorei 16, 252, 263, 297, 384, 468, 762.  
 Pythagorea philosophia 280, 298, 716.  
 Pythaistae 404.  
 Pytheas rerum scriptor 63, 64, 71, 75, 102, 104, 114, 115, 136, 148, 158, 190, 201, 295.  
 Pythia 419, 762.  
 Pythia s. Pythium certamen 260, 419, 421.  
 Pythias pompa Athenis Delphos ducta 422.  
 Pythicus modus 421.  
 Pythium templum Apollinis 404. vicus Atticae 392.  
 Pytho opp. Phocidis 220, 374.  
 Pythodorus uxor Polemonis regina Ponticae 499, 555, 557, 559, 560, 649.  
 Pythodorus pater Pythodoridae 555, 649.  
 Pytholai promontorium in Aethiopia 774. altaria ibid.  
 Python draco 422, 423.  
 Pytna pars montis Idae 472.  
 Pyxus prom. fl. opp. Lucaniae 253.

## Q.

- Quadi pop. Germaniae 290.  
 Quintus Fabius Maximus Aemilianus 185.  
 Quirinalis mons Romae 234.  
 Quirinius 569.  
 Quirites 228, 230, 231.

## R.

- Raeci (?) pop. Latii 231.  
 Raeti 193, 204, 206, 209, 213, 292, 313.  
 Raetia 314.  
 Raeticum vinum 206.  
 Ravenna 210, 213, 214, 217, 219, 227.  
 Rea Silvia Numitoris filia 229.  
 Reate opp. Sabinorum 228. Reatini muli ibid.  
 Regisvilla opp. Etruriae 225.  
 Remi pop. Galliae 194.  
 Remus Romuli frater 229, 230.  
 Rhacotis pars Alexandriae 792, 802.  
 Rhadamanthys legumlator 476, 482. frater Minois 3, 150, 423, 476, 573. tragoedia Euripidis 356.  
 Rhadina carmen Stesichori 347.  
 Rhaga s. Rhagae opp. Mediae 60, 514, 524, 525.  
 Rhamanitae pop. Arabiae 782.  
 Rhambaei pop. Syriae 753.  
 Rhamis Uromiri filia 292.  
 Rhamnus opp. Atticae 396, 399.  
 Rhaphia opp. Iudaeae 759.  
 Rhathenus pater Demetrii 548.  
 Rhatotes nomen Paphlagonium 553.  
 Rhauraris (Auraris) fl. Galliae 182.  
 Rhea mater Deorum 348, 468—470, 472.



(cf. Agdistis, Cybeba, Cybela, Dindymena, Idaea, Pessinuntis, Phrygia magna Dea. Sipylena 469, 470).  
 thecas (Crecas) Dioscurorum auriga 496.  
 thegina ager Rheginus 60, 123, 211, 258, 260.  
 Rhegini 171, 257, 260, 261, 265, 268.  
 Rhegium opp. Bruttiorum 253, 257, 258, 260, 268, 283, Galliae transpadanae 213.  
 Lepidum opp. Galliae cispadanae 216.  
 Rhegma ad ostia Cydni 672.  
 Rhenea ins. Delo vicina 486.  
 Rhenus 128, 191—196, 199, 204, 206—208, 213, 289—291, 294, 312, 313, 839. Rheni fontes 177, 192, 204, 213, 292. ostia 63, 177, 193, 194, 199, 294.  
 Rhesus rex Thraciae 331, frg. 36, 590. fl. Troadis 554, 583, 590, 602.  
 Rhiginia fl. Thraciae 331, frg. 49.  
 Rhinocolura s. Rhinocorura opp. Phoeniciae 741, 759, 781.  
 Rhipa opp. Arcadiae 388.  
 Rhipaei montes 295, 299.  
 Rhium prom. Achaiae 335, 336, 387, 390. opp. Messeniae 360, 361.  
 Rhizaeorum sinus in ora Illyrica 316.  
 Rhizon opp. orae Illyricae 316.  
 Rhizonicus sinus in ora Illyrica 314, 316.  
 Rhizophagi pop. Aethiopiae 771.  
 Rhizus opp. Thessaliae 436, 443.  
 Rhoea opp. Galliae 180.  
 Rhodanus fl. Galliae 166, 177, 180, 181, 183—186, 189, 191—193, 203, 204, 208, 271.  
 Rhodaspes f. Phraatis 748.  
 Rhodia ins. Rhodiorum 67, 106, 115, 116, 118, 119, 125, 134, 624, 673. Rhodiorum ager in Caria 651, 673, 681.  
 Ῥοδιακὸν κλίμα 119.  
 Rhodii 57, 652—655.... Ῥοδίων πε-  
 ραία 490, 631, 651, 663, 664, 666, 673, 677, 581.  
 Rhodius fl. Troadis 554, 595, 603.  
 Rhodopa opp. Hispaniae 160. mons Thraciae 208, 313, 329, frg. 10, 331, frg. 36, 37.  
 Rhodus insula 25, 70, 79, 86, 87, 93, 106, 114, 652—655. opp. 278, 395, 575, 605, 652—654, opp. Hispaniae 654.  
 Rhodopis meretrix 808.  
 Rhoduntia arx vicina Thermopylis 428.  
 Rhoetaces fl. Albaniae 500.  
 Rhoeteenses 595.  
 Rhoeteum opp. Troadis 595, 597, 601, 602.  
 Rhoites fl. Troadis 602.  
 Rhombites maior sinus Maeotidis 493. minor ibid.  
 Rhosus fl. Syriae 676, 751.

Rhoxana coniux Alexandri 517, 744.  
 Rhoxolani gens Scythica 114, 294, 306, 307, 309.  
 Rhucantii pop. Raetorum 206.  
 Rhyndacus fl. Mysiae 550, 575, 576.  
 Rhypes opp. Achaiae 385, 387.  
 Rhytis ager Rhypensium 385, 387.  
 Rhytia mater Corybantum 472.  
 Rhytium opp. Cretae 479.  
 Roma 134, 234—236....  
 Romani 2, 229, 230.....  
 Romulus. 229—431.  
 Rubico fl. Italiae 217, 227.  
 Rubrum mare 32.... Rubri maris sinus 50, 56.  
 Rudiae opp. Calabriae 281, 282.  
 Ruscino opp. Galliae 182. fl. Galliae ibid.  
 Ruspium opp. Numidiae 831.  
 Ruteni pop. Aquitaniae 191.  
 Rutuli pop. Latii 228, 229, 231, 232.

## S.

Saba portus sinus Arabici 770.  
 Sabae opp. Troglodyticae 771.  
 Sabaei pop. Arabiae felicis 768, 778, 780.  
 Sabata palus in Etruria 226. opp. Arabiae 768.  
 Sabata s. Sabaton Vada opp. Liguriae 201, 202, 216, 217.  
 Sabazia sacra 471.  
 Sabazius deus Phrygum 470.  
 Sabelli Samnites 250.  
 Sabini pop. Italiae 218—220, 228, 230, 250, 287.  
 Sabinus ager 219, 228, 237, 240.  
 Sabus rex Arabiae 781. rex Indiae 701.  
 Sacae gens Scythica 503, 507, 511—514.  
 Sacaea dies festus apud Persas 512.  
 Sacarauli gens Scythica 511.  
 Sacasena regio Armeniae 73, 509, 511, 529.  
 Saccopodes i. q. Adiabeni 745.  
 Sacrum (Ἱερὸν) Byzantium, Chalcedonium 319, 546, 548.  
 Sadacora opp. Cappadociae 663.  
 Sadrae regis Darii prope Arbela 738.  
 Saetabis opp. Hispaniae 160.  
 Sagalassenses 570.  
 Sagalassus opp. Pisidiae 569, 570, 631.  
 Sagapeni pop. Assyriae 745.  
 Sagra fl. Bruttiorum 261, 262.  
 Sagra fl. Italiae 242.  
 Saguntum opp. Hispaniae 159, 160, 167.  
 Sagyllum arx Ponti 560, 561.  
 Saii pop. Thraciae 457, 549.  
 Sais opp. Aegypti 802, 803.  
 Saitae 812.

- Saiticum ostium Nili* 802.  
*Saiticus pagus in Aegypto* 801.  
*Salaminicus sinus* 335.  
*Salaminii* 394.  
*Salaminus caseus* 395.  
*Salamis opp. Cypri* 682. *insula (antea Cy-  
 chrea, Sciras, Pityussa)* 124, 375, 377,  
 393—395, 398, 424. *opp. insulae* 393.  
*Salapia opp. Apuliae* 283, 284.  
*Salaria via* 228.  
*Salas fl. Germaniae* 291.  
*Salassi pop. Galliae cisalpinæ* 203—205.  
 208—210.  
*Saldas portus Mauritaniae* 831.  
*Salentini pop. Iapygiae* 277, 281.  
*Salentinus ager* 277, 281, 282.  
*Salernum opp. Campaniae* 251.  
*Salganeus Boeotus* 10, 403. *opp. Boeotiae*  
 400, 403.  
*Salmacis fons prope Halicarnassum* 636.  
*Salmona opp. Pisatidis* 356. *fons Enipei*  
*ibid.*  
*Salmones rex Elidis* 356, 357.  
*Salmonium s. Samonium prom. Cretae*  
 106, 472, 474, 475, 478, 489.  
*Salmydessus opp. et ora Thraciae* 50, 52,  
 319, 541.  
*Saloma soror Herodis* 765.  
*Salon opp. Dalmatarum* 315. *Bithyniae* 565.  
*Salonensis caseus* 565.  
*Salutiae pop. Lusitaniae* 144.  
*Salyes pop. Galliae transalpinæ* 178, 180,  
 181, 184—186, 203.  
*Sama opp. Cephaleniae* 453, 455, 456.  
*Samaei in Cephalenia* 455.  
*Samaria opp. Iudaeae* 760.  
*Samaritana opp. Hyrcaniae* 508.  
*Samia i. q. Samus* 636. [639.  
*Samicae induciae* 343. *Samicum fretum*  
*Samicum arx Triphyliae* 343, 344, 346, 347,  
 349, 351. *planities Triphyliae* 347.  
*Samii incolae Sami* 457, 488, 637—639.  
*Samnites* 219, 249—251. . . . . *Samnitium*  
*feminae in insula Galliae* 198.  
*Samnitici montes* 219.  
*Samnium* 242, 249, 251, 283.  
*Samonium campus Troadis* 472. *prom.*  
*Cretae cf. Salmonium.*  
*Samosata opp. Syriae* 664, 749.  
*Samothraca insula* 28, 124, 198, 331, *frg.*  
 48, 50, 51, 338, 457, 472.  
*Samothraces* 331, *frg.* 48, 466.  
*Sampsiceramus princeps Emisenorum* 753.  
*Samus ins. maris Icarii* 124, 339, 347, 457,  
 488, 554, 636—639, 821. *opp. insulae*  
*Sami* 488, 633, 637. *opp. Triphyliae* 346,  
 347. *et Sama i. q. Cephalenia et opp.*  
*huius insulae* 453, 455—457. *Thracia i.*  
*q. Samothraca* 457.  
*Sana opp. Pallenae* 330, *frg.* 27.  
*Sanaus opp. Phrygiae* 576.  
*Sandalium arx Pisidiae* 569.  
*Sandobanes fl. Albaniae* 500.  
*Sandon pater Athenodori* 674.  
*Sandrocottus rex Prasiorum* 70, 702, 7  
 724, 752.  
*Sangarius fl. Bithyniae* 543, 563, 567.  
*Sangia vicus Phrygiae* 543.  
*Sanisena regio Paphlagoniae* 562.  
*Sanni pop. Ponti* 548.  
*Santonos pop. Galliae* 190, 208.  
*Saocondarius, pater Castoris, princeps C*  
*latarum* 568.  
*Sapae s. Sapaei pop. Thraciae* 331, *fr*  
 44, 48, 457, 549, 556.  
*Sapis fl. Galliae cisalpinæ* 217.  
*Sappho* 40, 452, 615, 617, 618, 808.  
*Σαπρὰ λίμνη* *ad Chersonesum Taum*  
*cum* 308. *in Troade* 614.  
*Saramena regio Ponti* 547.  
*Saraostus rex Indiae* 516.  
*Sarapana castellum Colchidis* 498, 500.  
*Saraparae pop. ultra Armeniam habitant*  
 531.  
*Sarapis deus Aegyptiorum* 801, 803.  
*Sarapium templum Sarapidis* 795, 807.  
*Saravena praefectura Cappadociae* 534.  
*Sardanapallus rex Assyriae* 671, 672, 737.  
*Sardes opp. Lydiae* 61, 579, 624—627, 648.  
*Sardiana ager Sardinianus* 626.  
*Sardinianus campus* 626.  
*Sardinia insula* 106, 117, 123, 145, 222—  
 225, 802, 840.  
*Sardoum s. Sardonium mare* 50, 54, 106  
 106, 122, 218.  
*Sardous sinus* 144.  
*Sargarausena praefectura Cappadociae* 534  
 537.  
*Sarisa opp. Gordyena* 747.  
*Sarmatae* 114, 128, 129, 294, 296, 302  
 305, 306, 312, 492, 497, 498, 500, 507  
 508.  
*Sarnius fl. Hyrcaniae* 511. [553  
*Sarnus fl. Campaniae* 247.  
*Saronicum mare* 124, 335, 369.  
*Saronicus sinus* 335, 369, 374, 380.  
*Sarpedon prom. Ciliciae* 627, 670, 682  
*Thraciae* 331, *frg.* 52. *frater Minois* *M*  
*leti conditor* 573, 634, 667. *Syrorum dux*  
 758.  
*Sarsina opp. Umbriae* 227.  
*Sarus fl. Cappadociae et Ciliciae* 535.  
*Sason insula* 281.  
*Satalca opp. Mesopotamiae* 747.  
*Satnioes fl. Troadis* 321, 605, 606.  
*Saturnus* 468, 472, 654.  
*Satyri* 466, 468—470.  
*Satyrium prope Tarentum* 279.



- tyrus a Protogene pictus 652. rex Bospori 301, 310, 494. urbis Philoteræ conditor 769.  
 us s. Savus fl. Norici et Pannoniæ 207, 314.  
 eaeae portae in urbe Troia 590.  
 eai Thraces quidam 590.  
 καιὸν τεῖχος et Σκαῖος ποταμός in Troade 590.  
 amander fl. Troadis 58, 595, 597 — 599, 602. Siciliae 608.  
 amandrius Hectoris f. 607, 608, 680, 681.  
 amandrius campus 597, 598.  
 andarium prom. insulae Co 657.  
 cardi opp. orae Illyricae 315.  
 cardus mons Macedoniæ 329, frg. 10.  
 carpha opp. Boeotiae 408. s. Scarphea opp. Locrorum Epinemidiorum 60, 426.  
 carphienses 426.  
 cartho fl. (?) 587.  
 caurus viam Aemiliam sternit 217.  
 enae opp. Mesopotamiae 748.  
 enitae in Arabia, Mesopotamia, Syria, alibi 39, 130, 288, 492, 515, 735, 739, 747 — 749, 753, 765, 767, 776.  
 epsia ager Scepsiorum, 472, 473, 597, 606.  
 epsii 504, 597, 607, 608.  
 epsis opp. Troadis 552, 607 — 609, 635.  
 eptuchiae s. Sceptuchi apud Maeotas 496, 498.  
 chedia opp. Aegypti 800, 801, 803.  
 chedicum sepulcrum Schedii 424.  
 cheria i. q. Corcyra 44, 269, 299.  
 choenus opp. Boeotiae 408. fl. Boeotiae ibid. portus Corinthi 369, 380, 391. planities Hispaniae 160.  
 ciathus ins. Magnesiae vicina 436.  
 cillus opp. Triphyliae, 343.  
 cilurus rex Scytharum 306, 309, 312.  
 ciona opp. Pallenae 330, frg. 27.  
 scipio contra Caesarem pugnat 828, 831. Aemilianus 669, 832. Africanus 190, 243. Gaius Comum colonos deducit 213.  
 Scira vicus Atticae 393.  
 Sciras i. q. Salamis 393.  
 Sciron a Theseo interfectus 391.  
 Scirones i. q. Zephyri, Argestae 28, 391.  
 Scironides rupes in Megaride 28, 380, 391, 393.  
 Scirophorion mensis 393.  
 Scollis mons Elidis 340, 341, 387.  
 Scollum in Elide 339.  
 Scolus opp. Boeotiae 408, 409.  
 Scombraria ins. Hispaniae vicina 159.  
 Scopas statuarius 604, 640, 656.  
 Scordisci s. Scordisci Galatae pop. Istrum accolens 293, 296, 313 — 315, 317, 318.  
 Scordistae i. q. Scordisci 296.  
 Scotussa opp. Pelasgiotidis 329, frg. 1, 331, frg. 36, 441.  
 Scultanna fl. Galliae cisalpinæ 218.  
 Scydises mons Armeniae 497, 527, 548.  
 Scylacium opp. Bruttiorum 261.  
 Scylax Caryandensis 566, 583, 658. fl. Ponti 547.  
 Scylla monstrum 21, 22, 24 — 26. filia Nisi 373.  
 Scyllaeum prom. et portus Italiae 20, 21, 23 — 25, 256, 257. prom. Argolidis 368, 373, 484.  
 Scylleticus sinus 254, 255, 261.  
 Scylletium i. q. Scyllacium 261.  
 Scyrius lapis 437. Scyriae caprae ibid.  
 Scyrus insula 124, 424, 436, 437.  
 Scythae 4, 300 — 305...  
 Scythia 7, 34. extrema 7, 119, 490. deserta 737. minor s. Taurica 311, 318, 535.  
 Scythici populi 165, 313, 511, 518, 743...  
 Scythicus exercitus 743. arcus 125.  
 Scythica consuetudo 239, 500, 515, 517.  
 Scythopolis opp. Galilaeae 763.  
 Sebastia opp. Ponti 557. i. q. Samaria 760.  
 Sebennytica urbs in Aegypto 802.  
 Sebennyticum ostium Nili 801, 802.  
 Sebennyticus pagus in Aegypto 802.  
 Segesama opp. Vaccaeorum 162.  
 Segestes pater Segimunti 291, 292.  
 Segestica opp. Pannoniae 207, 313, 314, 318.  
 Segida opp. Arevacorum 162.  
 Segimerus Cheruscorum princeps 292.  
 Segimuntus princeps Cheruscorum 291.  
 Segobriga opp. Celtiberorum 162.  
 Segusiani pop. Galliae 186, 192.  
 Selena cognomen Cleopatrae 749.  
 Seleucenses Ciliciae 670. Assyriae 743, 744. Syriae 751.  
 Seleucia opp. Susianae 744. Assyriae 521, 522, 529, 738, 739, 743, 746, 748, 750. Syriae 316, 676, 750, 751. castellum Mesopotamiae 749. opp. Ciliciae 670.  
 Seleucis pars Syriae 749, 750, 753, 756.  
 Seleucus Babylonius 6, 174, 739. Nicator rex Syriae 524, 578, 623, 624, 669, 686, 724, 738, 749, 750, 772. Callinicus rex Syriae 513, 750, 754.  
 Selga opp. Pisidiae 570, 571.  
 Selgenses 569 — 571.  
 Selgici montes 571. Selgica iris ibid.  
 Selinuntiae aquae in Sicilia 275.  
 Selinuntius Apollo colitur Orobis 445.  
 Selinus opp. Siciliae 272. Ciliciae 669, 682. fl. Siciliae 387, 834. prope Ephesum 387. fl. Elidis Achaiae ibid.  
 Selinus lacus prope Ephesum 642.

- Selleis fl. prope Sicyonem 338. fl. Elidis 328, 338, 339. Troadis 590.  
 Selli pop. Epiri 28, 328.  
 Selurus latro 273.  
 Selybria opp. Thraciae, 319, 331, frg. 56.  
 Sembridae Aegyptii a Psammiticho in exsilium acti 770, 786.  
 Semiramis Nini coniux 80, 84, 529, 537, 559, 686, 687, 722, 737.  
 Semnones pop. Germaniae 290.  
 Sena opp. Umbriae 227.  
 Senones pop. Galliae 194. pop. Italiae 195, 212, 216.  
 Sentinum opp. Umbriae 227.  
 Sepias prom. et ora Thessaliae 330, frg. 32, 443. opp. Magnesia 436.  
 Septem fratrum monumenta in Mauritania 827, miracula 652, 656, 738. putei in Arabia 782.  
 Septempera opp. Piceni 241.  
 Sequana fl. Galliae 189, 192—195, 199.  
 Sequani pop. Galliae 186, 192, 193, 195, 206, 208.  
 Seraspadanes f. Phraatis 748.  
 Seres pop. Indiae 701, 702.  
 Serica tela 693.  
 Serguntia opp. Celtiberiae 162.  
 Seriphii 487.  
 Seriphus una Cycladum 485, 487.  
 Serrhium prom. Thraciae 331, frg. 48.  
 Sertorius 158, 159, 161, 162, 287, 829.  
 Servilius Isauricus 568, 665, 671.  
 Servius rex Romanorum 234.  
 Sesamus opp. Paphlagoniae 544.  
 Sesarethii pop. Epiri 326.  
 Sesithacus dux Cherscorum 292.  
 Sesostrius rex Aegypti 38, 61, 686, 769, 770, 790, 804.  
*Σησιτιάς* ἀκρόα prom. Chersonesi Thraciae 331. frg. 56.  
 Sestus opp. Chersonesi Thraciae 108, 124, 331, frg. 52, 56, 581, 584, 590, 591.  
 Sethroites pagus in Aegypto 804.  
 Setia opp. Latii 231, 237.  
 Setinus ager 231. sinus 234. Setinum vinum 234, 237.  
 Setium prom. Galliae Narbonensis 181.  
 Seuthes rex Odrysarum 331, frg. 48.  
 Seusamora opp. Iberiae Caucasiae 501.  
 Sextiae aquae prope Massiliam 178, 180.  
 Sextius victor Salyum 180.  
 Sextus Pompeius 141, 161, 243, 258, 259, 268, 270.  
 Sibae pop. Indiae 688, 701.  
 Sibini pop. Germaniae 290.  
 Sibylla Erythraea 567, 645, 813, 814.  
 Sicani pop. Siciliae 270.  
 Siceliotae 6, 257, 270, 420.  
 Sicilia 21—26, 265—275....  
 Sicinus ins. apud Cretam 484.  
 Siculae urbes 243. Siculum bellum 243. fretum 25, 43, 54, 55, 67, 93, 118, 122, 128, 149, 209—211, 242, 254, 378, littus 255. mare 23, 50, 55, 124, 211, 233, 255, 257, 267, 323, 334, 383.  
 Siculi 6, 257, 270, 420.  
 Sicyon opp. Peloponnesi 271, 335, 372, 376, 382, 385, 389, 411, 418.  
 Sicyonia 271, 335, 379, 382, 408, 412.  
 Sicyonii 381, 382.  
 Sida opp. Ponti 548. Pamphyliae 664, 667, 682.  
 Sidena regio Ponti 52, 126, 547, 548, opp. et regio Mysiae 587, 601.  
 Sidetani in Hispania 162, 163.  
 Sidicini pop. Italiae 237.  
 Sidicinum cf. Teanum.  
 Sidon opp. Phoeniciae 40, 58, 134, 753—80.  
 Sidones pop. Bastarnarum 306.  
 Sidonia ins. ad oram Aegypti 799.  
 Sidonii incolae Sidonis urbis 2, 30, 40—42, 757, 758, 784.  
 Siga opp. Masaesylorum 829.  
 Sigeum promontorium Troadis 595, opp. Troadis 331. frg. 52, 58, 595.  
*Σιγήλου μνημα* tumulus Narcissi 487.  
 Sigertis rex Indiae 516.  
 Sigia locus in quo Alexandria Troas dita est 604.  
 Siginni pop. mare Caspium accolens 100.  
 Signia opp. Latii 237.  
 Signinum vinum 237.  
 Sigriana regio Mediae 525.  
 Sigrium prom. Lesbi 331, frg. 58, 616—63.  
 Silaceni pop. Assyriae 745.  
 Silanus rerum scriptor 172.  
 Silaris fl. Campaniae 251, 252, 255.  
 Silas silva Bruttiorum 261. fl. Indiae 60.  
 Sileni famuli Bacchi 466, 468.  
 Silenus 470.  
 Silli pop. Aethiopiae 772.  
 Silphiophorus regio vicina Cyrenae 133, 837, 839.  
 Silta in Thracia 331, frg. 56.  
 Silvium opp. Peucetiorum 283.  
 Simmias Rhodius grammaticus 364, 6.  
 Simoes fl. Troadis 595, 597—599, 601. ciliae 608.  
 Simoisius campus in Troade 597.  
 Simonides Ceus 441, 486, 711. Amorae 487, 728.  
 Simuntis cognomen Troiae 387.  
 Simus Cous medicus 657. poeta lyricus 6.  
 Simyra opp. Syriae 753.  
 Sinda opp. Pisidiae 570, 630.  
 Sindi gens Maeotica 495.



- Sindica regio ad Bosporum Cimmerium sita 311, 492, 495, 556.  
 Indicum mare 492. Indicus portus 496.  
 Sindomana opp. Indiae 701.  
 Singiticus sinus in Macedonia 330, frg. 31, 32, 331, frg. 33.  
 Singus opp. Macedoniae 330, frg. 31.  
 Sinnaca opp. Mygdonum in Babylonia 747.  
 Sinnas arx Libano adiacens 755.  
 Sinope opp. Ponti 46, 68, 73, 74, 134, 320, 477, 496, 498, 534, 545, 547, 553, 664, 677, 678.  
 Sinopenses 544, 545.  
 Sinopica terra 144, 546, 562. rubrica 540.  
 Sinopis et Sinopitis ager Sinopensis 546.  
 Sinoria castellum Armeniae 555. [561.  
 Sinotium opp. Dalmatarum 315.  
 Sintae pop. Libyae 131.  
 Sinti (Sinties) pop. Thraciae 331, frg. 36, 46, 457, 549.  
 Sinuessa opp. Latii 219, 231, 233, 234, 237, 242, 243, 283.  
 Siphnius astragalus 484.  
 Siphnus insula 484.  
 Sipus opp. Apuliae 284.  
 Sipylena cognomen Rheae 469.  
 Sipylus mons Lydiae 58, 571, 579, 621, 680. opp. Lydiae 58, 571.  
 Siracena Siracum terra 504.  
 Siraces et Siraci pop. Caucasum accolens 492, 506.  
 Sirbis fl. Lyciae (Xanthus) 665.  
 Sirbonis s. Sirbonitis palus in Aegypto 50, 760, 763, 809.  
 Sirenes 22, 23, 26, 246, 252.  
 Sirenussae s. Sirenuassarum promontorium in Campania 22, 23, 26, 247, 251, 252, 258.  
 Siris fl. Lucaniae 264.  
 Siritis regio et opp. Lucaniae 255, 264, 265.  
 Sirmium opp. Pannoniae 134.  
 Sisapo opp. Hispaniae 142.  
 Siscia opp. Pannoniae 314.  
 Sisimithris rupes in Bactriana 517.  
 Sisines Cappadocum princeps 537.  
 Sisis pater Antipatri 555.  
 Sisyphus in Acrocorintho 379.  
 Sisyrra Amazon 633.  
 Sisyrritae Ephesiorum pars 633.  
 Sitacena regio Babyloniae 524, 732, 739, 744, cf. Apolloniatis.  
 Sitaceni gens Maecotica 495.  
 Sithones pop. Macedoniae 329, frg. 11.  
 Sminthia prope Hamaxitum in agro Pariano, Rhodi, Lindi alibi 605.  
 Sminthium templum Apollinis prope Hamaxitum 473, 605.  
 Smyrna opp. Ioniae 505, 550, 554, 580, 632—634, 646, 663, pars Ephesi 633, Amazon 633.  
 Smyrnaei 621, 633, 634, 646.  
 Smyrnaeorum sinus 645, 646.  
 Smyrnaeum vinum 637.  
 Soandus opp. Cappadociae 663.  
 Soanes pop. Caucaso vicinus 497, 499.  
 Soatra opp. Lycaoniae 568.  
 Socrates Atheniensis 295, 403, 716.  
 Socratici philosophi 393, 608.  
 Sodoma opp. Iudaeae 764.  
 Sogdiana 73, 511, 517, 518.  
 Sogdiani s. Sogdii 72, 129, 511, 513, 514, 517, 724.  
 Sol deus 22, 472, 652, 805.  
 Soli opp. Ciliciae 388, 587, 610, 663—665, 668, 669, 671, 675, 676. opp. Cypri 683.  
 Solmissus mons prope Ephesum 639.  
 Soloca opp. Elymaeorum 744.  
 Solon Atheniensis 102, 394.  
 Solyma montes Lyciae 666.  
 Solymi pop. Lyciae 6 21 34 554 573, 630, 631, 667, 678, 680.  
 Solymus mons Pisidiae 630.  
 Sophena regio Armeniae 521, 522, 527, 528, 535, 555, 663.  
 Sopheni 530, 532, 535.  
 Sophenus rex Sophenorum 535 (cf. 532).  
 Sophocles poeta 27, 271, 295, 356, 364, 370, 392, 399, 433, 458, 470, 473, 608, 638, 643, 675, 687.  
 Sopithes rex Indorum 699, 709.  
 Sora opp. Latii 238.  
 Soracte mons Latii 226.  
 Sosicrates scriptor 474.  
 Sosinati pop. Sardiniae 225.  
 Sostratus architectus Cnidius 791. grammaticus Nysaeus 650.  
 Sotades 345. poeta 648.  
 Σωτεῖρας λιμὴν in sinu Arabico 770.  
 Σωτηρὲς cognomen Dioscurorum 232.  
 Spadines rex Aorsorum 506.  
 Sparta 183, 343, 350, 359, 362—366, 368, 376, 377, 446, 481. cf. Lacedaemon.  
 Spartiatae 257, 365, 366, 481, 482.  
 Spauta palus in Media 523.  
 Sperchius fl. Thessaliae 60, 373, 428, 429, 433, 435.  
 Spermophagi pop. Aethiopiae 771.  
 Sphagia s. Sphacteria insula 348, 359.  
 Sphettus opp. Atticae 397.  
 Spina opp. Galliae cisalpiniae 214.  
 Spinitae 214, 421.  
 Spitamenes Persa 513, 518.  
 Spoletium opp. Umbriae 227.  
 Sporades insulae 124, 474, 483, 487—489, 655.  
 Stadia (?) i. q. Rhodus 653.  
 Stagirus s. Stagira opp. Macedoniae 331, frg. 33, 35.

- Staphylus historicus 475.  
 Stasanor Cyprius 683.  
 Statanum vinum 234, 243.  
 Statonia opp. Etruriae 226.  
 Stenyclarus opp. Messeniae 361.  
 Steropa uxor Dorylai tactici 477.  
 Stesichorus Himeraeus 42, 148, 347, 356.  
 Stesimbrotus Thasius 472.  
 Sthenelus rex Mycenarum 377.  
 Sthenis statuarius 546.  
 Stiphana lacus Ponti 560.  
 Stiria pagus Atticae 399.  
 Stirienses 446.  
 Stobi opp. Macedoniae 329, frg. 4, 389.  
 Stoechades insulae Massiliensium 184.  
 Stomalimna vicus insulae Co 657.  
 Stoni pop. Alpinus 204.  
 Strabo geographus: eius patria 547, 561.  
     genus 477, 557. magistri 650, 670, 757.  
     amici 118, 130, 779, 816. aetas 288. itinera  
     58, 101, 113, 117, 118, 224, 377, 379, 485,  
     518, 535, 706, 806, 816, 818. commenta-  
     ria historica 13, 70, 515.  
 Strabo Pompeius 213.  
 Stratarchas frater avi Strabonis 477.  
 Stratia opp. Arcadiae 388.  
 Stratius sacerdos Panticapaei 74.  
 Strato tyrannus 547. physicus 49—52.  
 Stratocles Atheniensis 359. Rhodius 655.  
 Stratonica uxor Eumenis 624.  
 Stratonicea opp. Cariae 658, 660. ad Tau-  
     rum montem 660.  
 Stratonicensis 611, 660.  
 Stratonicus citharista 610, 651.  
 Stratonis insula in sinu Arabico 770. tur-  
     ris in Iudaea 758.  
 στρατοφύλαξ apud Galatas 567. apud  
     Indos 707.  
 Stratus opp. Acarnaniae 450. Achaiae  
     (postea Dyma) 387.  
 Strongyla una ex insulis Liparaeorum  
     276, 277.  
 Strophades insulae 359.  
 Struthophagi in Aethiopia 772.  
 Strymon fl. Thraciae 323, 329, frg. 4,  
     331, frg. 33—37.  
 Strymonicus sinus 330, frg. 32, 331, frg.  
     33, 35, 41.  
 Stura fl. Latii 232.  
 Stygia aqua ad lacum Avernum 244. prope  
     Pheneum 389. ea utuntur Telchines 654.  
 Stymbara opp. Deuriopum 327.  
 Stymphalii Stymphali incolae 389.  
 Stymphalis palus 371, 389.  
 Stymphalides aves 371.  
 Stymphalus opp. Arcadiae 275, 371, 382,  
     388, 389.  
 Styra opp. Euboeae 446.  
 Σούχον ἰδρυμα in ora Troglodytica 763.  
 Suchus crocodilus sacer 811.  
 Sucro fl. Hispaniae 158, 159, 163. opp.  
     Hispaniae 158, 167.  
 Sudinus Chaldaeus mathematicus 739.  
 Suessa opp. Volscorum 231.  
 Suessiones pop. Galliae 194, 196.  
 Suessula opp. Campaniae 249.  
 Suevi pop. Germaniae 194, 207, 290, 292, 293.  
 Sugambri pop. Germaniae 194, 290, 292, 293.  
 Suidas rerum scriptor 329.  
 Sulchi opp. Sardiniae 224.  
 Sulgas fl. Galliae 185, 191.  
 Sulla (L. Cornelius) 223, 249, 396, 397,  
     447, 558, 594, 595, 609, 654, 796.  
 Sulmo opp. Pelignorum 241.  
 Sunium prom. Atticae 92, 108, 124, 323,  
     329, frg. 13, 390, 391, 398—401, 403, 446,  
     446, 474, 485, 636. pagus Atticae 398.  
 Surena dux Parthorum 747.  
 Surrentinum vinum 243.  
 Surrentum opp. Campaniae 22, 247.  
 Susa opp. Susianae 47, 78, 80, 86, 87,  
     727—731, 735, 739, 744.  
 Susiana regio 732, 736. vicus Aginis 72.  
 Susii 130, 524, 526, 728, 732, 739, 744, 763.  
 Susis s. Susias i. q. Susiana 134, 690,  
     727—729, 731, 732, 743, 744.  
 Sutrium opp. Etruriae 226.  
 Syangela opp. Cariae 611.  
 Sybaris opp. Lucaniae 262, 263, 386. Bru-  
     tiorum 264, 654. fl. Lucaniae 262, 263,  
     386. fons Achaiae 386.  
 Sybaritae 251—253, 264, 421.  
 Sybota insulae 124, 324.  
 Συβαμίνων πόλις in Iudaea 758.  
 Sydracae pop. Indiae 687, 701.  
 Syedra opp. Ciliciae 669.  
 Syena opp. Aegypti 32, 817—820....  
 Syltaeus Nabataeorum praefectus 780—  
     782, 819.  
 Syllium opp. Pamphyliæ 667.  
 Syloso tyrannus Samiorum 638.  
 Syma insula Cariae 656.  
 Symaethus fl. Siciliae 272.  
 Symbaca opp. Armeniae vel Mediae 523.  
 Συμβόλων λιμήν in Chersoneso Ta-  
     rica 308, 309.  
 Symplegades ad Bosporum Thracium 21,  
     149, 170.  
 Synnada opp. Phrygiae 576, 577.  
 Synnadicus lapis 437, 577.  
 Synoria cf. Sinoria.  
 Syphax rex Masaesylorum 829.  
 Syracusae 23, 59, 123, 134, 259, 262, 269—  
     272, 380.  
 Syracusani 134, 241, 247, 259, 268—270,  
     272, 273, 449.



Syri 36, 735—737....  
 Syria 40, 749—765..... superior 134.  
     inferior 692, 742. cava 133, 749, 750,  
     753—756, 765, 767.  
 Syria i. q. Syrus insula 487.  
 Syriacum mare 84, 535, 749.  
 Syrmus rex Triballorum 301.  
 Syrtis in ora Africae 123, 130, 131, 171, 267,  
     825, 826, 829, 832, 835, 836. maior 123, 126,  
     835, 836, 838. minor 123, 157, 834, 835.  
 Syrus nomen servorum 304.  
 Syrus una Cycladum 485, 487.  
 Syspiritis regio Armeniae 503, 530.

## T.

Tabae opp. Phrygiae 570, 576.  
 Tabenus campus 629.  
 Taenarius lapis 367.  
 Taenarum prom. Laconicae 124, 267, 335,  
     360, 362, 363, 367, 374, 618, 837. opp.  
     Laconicae 360.  
 Talabroca opp. Hyrcaniae 508.  
 Talares pop. Epiri 434.  
 Tamarus prom. Indiae 519.  
 Tamasus opp. Cypri 255, 256, 684.  
 Tamna opp. Arabiae felicitis 768.  
 Tamynae opp. Euboeae 447.  
 Tamyraea prom. 308.  
 Tamyraeces s. Carcinites sinus in Cherso-  
     neso Taurica 307, 308.  
 Tamyras fl. Phoeniciae 756.  
 Tanagra opp. Boeotiae 403—405, 409, 310.  
 Tanagraea s. Tanagrica, ager Tanagraeus  
     400, 404.  
 Tanagraei 403, 404.  
 Tanais opp. ad Tanaim fl. sita 310, 493,  
     495. flumen 63, 490—495.....  
 Tanis opp. Aegypti in Delta sita 802.  
     Thebaidis 813.  
 Tanites pagus in Aegypto 802.  
 Taniticum ostium Nili 801, 802.  
 Tantalus Phryx 58, 571, 580, 680.  
 Taoca opp. Persarum 728.  
 Tapa opp. Hyrcaniae 508.  
 Taphias i. q. Taphus 456.  
 Taphiassus mons Aetoliae 427, 451, 460.  
 Taphii incolae Taphi insulae 456, 459, 461.  
 Taphitis prom. orae Carthaginiensis 834.  
 Taphrii in Chersoneso Taurica 308.  
 Taphus ins. Acarnaniae vicina 456, 459, 461.  
 Taposiris opp. Aegypti 799, minor opp.  
     Aegypti 799, 800.  
 Taprobana insula 63, 72, 74, 119, 130,  
     133, 690, 691.  
 Tapyri pop. Asiae 514, 515, 520, 523.  
 Tapyria Tapyrorum terra 517.  
 Taras heros Tarentinorum 279.  
 Tarbassus opp. Pisidiae 570.  
 Tarbelli pop. Galliae 190.  
 Tarco Tarquiniorum conditor 219.  
 Tarcondimotus rex Ciliciae 676.  
 Tarentini 250, 254, 259, 262—265, 280,  
     281, 287.  
 Tarentinus ager 254, 280, 282. sinus 209,  
     211, 253, 261, 262, 278, 281, 282.  
 Tarentum opp. Iapygiae 233, 253, 254,  
     264, 265, 277—283, 324.  
 Taricheae opp. Iudaeae 764. insulae prope  
     Carthaginem 834.  
 Tarna opp. Boeotiae 413. Lydiae ibid.  
 Tarpetes gens Maeotica 495.  
 Tarpha opp. Locrorum 60, 426.  
 Tarquinienses 219.  
 Tarquinii opp. Etruriae 219, 220.  
 Tarquinius Priscus 219, 220, 231. Super-  
     bus 220, 231, 286.  
 Tarracina opp. Latii 231, 233.  
 Tarraco opp. Hispaniae 159, 160, 161, 167.  
 Tarsenses Tarsi incolae 673—675.  
 Tarsius fl. Mysiae 587.  
 Tarsus opp. Ciliciae 126, 664, 668, 672—  
     674, 677, 750.  
 Tartarus 149.  
 Tartessii 33.  
 Tartessus Tartessorum ager 148, 149.  
 Tartessus opp. Hispaniae 148, 151. fl.  
     Hispaniae 148, 149.  
 Tarusco opp. Galliae 178, 179, 187.  
 Tasius dux Roxolanorum 306.  
 Tatta palus in Phrygia 568.  
 Tauchira opp. Cyrenaicae 836, 837.  
 Tavium castellum Galatiae 567.  
 Taulantii pop. Epiri 326.  
 Tauri gens Scythica 308, 309, 311. mon-  
     tes Troglodyticae 770.  
 Tauriana regio Bruttiorum 254.  
 Taurica chersonnesus 308, 309.  
 Taurini pop. Liguria 204, 209.  
 Taurisci s. Tauristae pop. Galliae 206—  
     208, 213, 293, 296, 304, 313, 314.  
 Tauroentium opp. Galliae 180, 184.  
 Tauromenitae 272.  
 Tauromenium opp. Siciliae 266—268.  
 Tauromenius ager 268.  
 Tauropolium templum Dianae 639, 766.  
 Taurus castellum Iudaeae 763. mons Asiae  
     21, 519—522.... Cilicius 533, 535,  
     566. Pisidicus 566. terrae intra Taurum  
     129... extra Taurum 129...  
 Taxila opp. Indiae 691, 698, 714.  
 Taxiles rex Taxilorum 698, 699, 716.  
 Taygetus mons Laconicae 208, 360, 363,  
     367, 454, 475.  
 Teanum Sidicinum opp. Campaniae 237,  
     248, 249, 285. Apulum 242, 285.  
 Tearcon s. Tearcos Aethiops 61, 686, 687.  
 Teatea opp. Marrucinorum 641.

- Tectosages pop. Galliae Narbonensis 187, 188, 190. pop. Galatiae 566, 567.  
 Tegea opp. Arcadiae 337, 373, 376, 388.  
 Tegeatae 377, 380.  
 Tegeatis 389.  
 Teii 643, 644.  
 Telamo Teucrum pellit 682.  
 Telchines Rhodi incolae 466, 472, 653, 654.  
 Telchinis i. q. Rhodus 653.  
 Teleboae filii Teleboae 322, 323, 456, 459.  
 Teleboas rex Leucadis 322. [461.  
 Teleclus rex Lacedaemoniorum 279, 360.  
 Telemachus 37, 344—346. . .  
 Telephus Eurypyli pater 571, 572, 584.  
 Telesia opp. Samnitium 250. [586, 615.  
 Telethrium mons Euboeae 445.  
 Tellenae opp. Latii 231.  
*Τελμησσίδς ἄνκρ*a in Lycia 665.  
 Telmessus opp. Lyciae 665.  
 Telus una Sporadum 488.  
 Tembrio conditor Sami 457, 633.  
 Temenium opp. Argolidis 368.  
 Temenus dux Heraclidarum 357, 358, 368, 389.  
 Temesa opp. Magnae Graeciae postea Tempsa dicta 6, 255, 256, 551.  
 Temmices Boeotiam occupant 321, 401.  
 Temnus mons in Mysia 616. opp. Mysiae 621.  
 Tempe vallis Thessaliae 329, frg. 14, 15, 389, 428, 430, 436, 438, 441—443, 531.  
 Tempsa cf. Temesa.  
 Tempyra opp. Thraciae 331, frg. 48.  
 Tenea opp. Corinthiorum 380.  
 Teneas fl. Umbriae 227, 235.  
 Teneates 380.  
 Tenedii 271, 380, 596, 603, 604.  
 Tenedus ins. et opp. 124, 271, 488, 554, 581, 604, 618, 619.  
 Tenericus campus in Boeotia 412, 413.  
 Tenerus f. Apollinis vates 413.  
 Tenessis regio Aethiopiae 770, 771.  
 Tennes Cycni f. 380, 604.  
 Tentyra opp. Aegypti 814.  
 Tentyritae 814, 815.  
 Tenus una Cycladum 485, 487.  
 Teos opp. Ioniae 633, 638, 643, 644. [589.  
 Terea opp. Mysiae 565, 589. Tereae mons Tereodon opp. Babyloniae 80, 765.  
 Terentius Varro Salassorum victor 206.  
 Tereus Thrax rex Daulidis 321, 423.  
 Tergeste opp. Istriae 215, 314.  
 Terina opp. Bruttiorum 256.  
 Termerium prom. Cariae 657.  
 Termerum opp. Cariae ibid.  
 Termessenses 630.  
 Termessus opp. Psidiae 570, 630, 631, 666.  
 Termitae Lyciam incolunt 573, 667, 678.  
 Terpander Lesbii 618.  
 Tetrapyrgia in Cyrenaica 838.  
 Tetrarchae et Tetrarchiae apud Galatias 541, 560, 567.  
 Teucer f. Telamonis 157, 672, 682. Attica 604. Teucri gens et sacrum in urbe Olba 672.  
 Teucroi Troadis incolae 61, 604, 613.  
 Teumessus opp. Boeotiae 409, 412.  
 Teuthea opp. Achaiae 342.  
 Teutheas fl. Achaiae ibid.  
 Teuthrania regio Mysiae 551, 571, 618.  
 Teuthras fl. Bruttiorum 264. rex Teuthraniae 571, 572, 586, 615.  
 Teutones Belgas aggrediuntur 196.  
 Thala opp. Numidiae 831.  
 Thalamae opp. Laconicae 360.  
 Thales Milesius 7, 635. Cretensis poeta 480, 482.  
 Thalestria regina Amazonum 505.  
 Thamyris Thrax 331, frg. 35, 339, 350, 479.  
 Thapsacus opp. Babyloniae 77. . . . . pontus ad Thapsacum 746, 747. cf. 79, 80.  
 Thapsus opp. Africae 831, 834.  
 Thasus insula 28, 124, 317, 331, frg. 4, 48, 370, 487, 647.  
 Thaumaci opp. Phthiotidis 389, 434.  
 Thaumacia opp. Magnesia 436.  
 Theba opp. Pamphyliae 667, 676. vel Thebae opp. Troadis 584, 585, 588, 611, 612, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000.  
 Thebae opp. Boeotiae 41, 382, 401, 404, 408, 409, 411, 412, 633. Aegypti 9, 29, 35, 40, 551, 735, 805, 812, 813, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000.  
 Thebae campus in Troade 586. . . . .  
 Thebaea, Thebaica, Thebais pars Boeotiae 404, 405, 408—410, 412.  
 Thebaica regio Troadis 586. custodia in Aegypto 813.  
 Thebais Aegypti pars 42, 693, 781, 787, 790, 804, 813, 818—820.  
 Themellas princeps Arabum 753.  
 Themis 422, 423. Ichnaea 435.  
 Themiscyra regio Ponti 52, 126, 497, 504, 505, 544, 547, 548, 556.  
 Themisonium opp. Phrygiae 576.  
 Themistocles 586, 636, 647.  
 Thena opp. Africae 831, 834.  
 Theocles Atheniensis 267.  
 Theocritus Chius 645.  
 Theodectes poeta 695.  
 Theodorus Gadareus 759. eius schola 625.  
 Theodosia opp. Chersonesi 309—311.  
 Theodosius mathematicus 566.  
 Theomnestus Cous musicus 658.  
*Θεῶν λιμήν* opp. Numidiae 829.  
 Theophanes Mytilenaeus 493, 503, 528, 530, 555.  
 Theophilus propinquus Strabonis 557.



- heophrastus peripateticus 398, 478, 608, 609, 618.  
 heopompus Cnidius 656. Chius historicus 43, 299, 317, 323, 324, 373, 375, 424, 440, 445, 542, 547, 591, 629, 645.  
 hera insula 46, 57, 347, 484, 837.  
 heraei 837.  
 herapnae opp. Thebanorum 409.  
 heras Therae conditor 347.  
 herasia insula 57, 484.  
 herma opp. Macedoniae 330, frg. 20, 21, 23, hermaeus sinus 92... [24].  
 hermassa insula 275, 276.  
 hermodon fl. Ponti 52, 298, 505, 529, 547.  
 thermopylae 10...  
 thermum s. Therma opp. Aetoliae 463.  
 theseum Athenis 396. [399, 477].  
 theseus 19, 26, 48, 282, 380, 396, 397.  
 thespiae opp. Boeotiae 400, 403, 405, 409, thespienses 409, 410. [410, 414].  
 thesproti 6...  
 thesprotia 256.  
 thessali 45...  
 thessalia 220, 429—444,.... Thessalici caeum 430, 431, 440, 441. montes 28, Thessalica equitatio 449, 531. vestis 530.  
 thessaliothae et thessaliothi pars thessaliae 430, 435, 438.  
 thessalonia uxor Cassandri 330, frg. 21. opp. Macedoniae 106, 124, 323, 329, frg. 10, 13, 330, frg. 20, 21, 24, 25, 331, frg. 48, 391, 400.  
 thessalus Haemonis f. 443, 444.  
 thestidae fratres Althaeae 466.  
 thestius pater Ledae 461. pater Althaeae Thetidium templum Thetidis 431. [466].  
 Θεοῦ πρόσωπον prom. Syriae 754, 755.  
 thimbro rex Cyrenae 837.  
 thisba v. thisbae opp. Boeotiae 16, 298, 411.  
 Θοαί insulae 351, 458.  
 thoantium orae Rhodiae pars 655.  
 thoas i. q. Achelous 450. rex Aetolorum 255.  
 thonis rex Aegypti 800. opp. Aegypti ibid.  
 thopitis lacus Armeniae 529, 746.  
 thorax mons Lydiae 647.  
 thoreses pagus Atticus 398.  
 thoricus opp. Atticae 397—399, 485.  
 thornax mons Laconicae 364.  
 thraces 28,....  
 thracia 108, 331, frg. 48—58,.... Thraciae chersonesus 92, 108, 109, 124, 129, 329, frg. 13, 331, frg. 52, 53. Thracius Bosphorus 125, 325, 566. Thracii populi 289, 295, 304, 313, 315, 316, 331, frg. 46, 541, 549, 564. montes 71, 208, 313, 317, 318, 320, 329, frg. 4, 471. Thracium littus 6, 223. mare 28. Thracia musica 471. insula 457. Thraciae fodinae 680.  
 thraso sculptor 641.  
 thrasyalces Thasius 29, 790.  
 thrasybulus Atheniensis 396.  
 threx castellum Iudaeae 763.  
 thriasius campus in Attica 392, 395.  
 thrinacis i. q. Sicilia 265.  
 thronii, thronii incolae 60.  
 thronium opp. Locridis 60, 426.  
 throni prom. et opp. Cypri 683.  
 thryoessa s. thryum opp. triphyliae 349, Thucydides. [352, 353].  
 thula 63, 64, 104, 114, 201.  
 thumelicus Arminii f. 292.  
 thunatae gens Illyrica 316.  
 thuria opp. Messeniae 360, 361. fons 263. Thuriurum ager 280.  
 thurii opp. Lucaniae 254, 255, 260, 263, 264, 656. Thurinum vinum 264.  
 thusnelda filia Segestis 291.  
 thyamis fl. Eptiri 324.  
 thymbra campus prope Ilium 598.  
 thymbria pagus Cariae 636.  
 thymbrius fl. prope Ilium 598.  
 thyni pop. Bithyniae 295, 541, 554.  
 thynia insula 543.  
 thynias prom. et regio Thraciae 319, 541.  
 thyrae opp. Cynuriae 65, 376.  
 thyrides insula et prom. Laconicae 335, 360, 362.  
 thyssus opp. Macedoniae 331. frg. 33, 35.  
 tianus Tio oriundus (Philetaerus) 623.  
 tibarani s. tibareni 527, 534, 540, 548, 555.  
 tibarania regio Ponti 309.  
 tibaranci populi 129. [234, 235].  
 tiberis 216, 218, 219, 222, 226—229, 231, Tiberius imperator 156, 206, 208, 292, 534, 579, 819, 627, 821. cf. Gracchus.  
 tibius propinquus Strabonis 557. nomen Paphlagonium 304, 553.  
 tibur opp. Latii 238.  
 tiburtinus lapis 238. [428].  
 Τειχιοῦς castellum prope Thermopylas  
 ticinum opp. Galliae cisalpiniae 217.  
 tacinus fl. Galliae cisalpiniae 209, 217.  
 tieum opp. Bithyniae 542, 543, 565.  
 tiga opp. Mauritaniae 827.  
 tigranes rex Armeniae 529, 530, 532, 539, 610, 745, 747, 749, 751. [747].  
 tigranocerta opp. Armeniae 522, 532, 539.  
 tigris 47,.... eius fontes 521, 522. ostia 521, 527, 529, 728, 729.  
 tigrini victi a Mario 293.  
 tilphossa fons Boeotiae 410, 411, 413.  
 tilphossium mons Boeotiae 411, 413. opp. Boeotiae 410, 413.  
 timaeus historicus 183, 248, 260, 271, 600.  
 timagenes historicus 188, 711. [640, 654].  
 timavum templum Diomedis 214, 215.

- Timavus fl. Istriae 214, 215, 275.  
 Timonitis regio Paphlagoniae 562.  
 Timonium Alexandriae 794.  
 Timosthenes praefectus classis Ptolemaei  
 secundi 29, 92—94, 140, 421, 618, 827.  
 Timotheus Patrio Sinopensis 546.  
 Tingis opp. Mauritaniae 140.  
 Tiresias 411, 413, 443, 642, 762.  
 Tirizis prom. Haemi cum arce 319.  
 Tiryus opp. Argolidis 372, 373, 653.  
 Tisamenus f. Orestis 383, 384, 389.  
 Tisiaus opp. Numidia 831.  
 Titanus 331, frg. 40, 472.  
 Titanus opp. Thessaliae 439.  
 Titaresius fl. Thessaliae 329, frg. 14, 15, 441.  
 Titarius mons Thessaliae 329, frg. 14, 15,  
 Tithonus pater Memnonis 587, 728. [441.  
 Titius procurator Syriae 748.  
 Titus Tattius 228, 230, 234.  
 Titus Quinctius victor Philippi 441. Fla-  
 minius propractor Siciliae 277.  
 Tityri famuli Bacchi 466, 468, 470.  
 Tityrus mons Cretae 479.  
 Tityus rex Penopei 422, 423.  
 Tlepolemus Hercules f. 338, 653, 654.  
 Tlos opp. Lyciae 665.  
 Tmolus mons Lydiae 554, 591, 610, 620,  
 625, 627, 629, 637, 650.  
 Tochari Scythae trans Iaxartem 511.  
 Togati in Hispania 151, 167.  
 Tolistobogii pop. Galatiae 187, 547, 556, 567.  
 Tolosa opp. Galliae 188.  
 Tomarus s. Tmarus mons prope Dodonam  
 327, 328, 434.  
 Tomis opp. Moesiae 318, 319.  
 Tomisa s. Tomisae castellum Cappadociae  
 535, 663, 664.  
 Tomuri a monte Tomaro nominati 328, 329.  
 Topira opp. Thraciae 331, frg. 45.  
 Toreatae Maeotica gens 495.  
 Toronaeus s. Toronicus sinus in Macedo-  
 nia 330, frg. 29, 31, 32.  
 Toygeni victi a Mario 183, 293.  
 Trachia regio ad Coressum montem in  
 qua Ephesus 634.  
 Trachin opp. Phocidis 423. opp. Thessa-  
 liae 60, 423, 428, 432.  
 Trachina v. Tarracina.  
 Trachinia regio Thessaliae 334, 432, 433,  
 Trachinii 423. [448.  
 Trachiotae incolae Ciliciae asperae 130,  
 563, 664, 668, 676.  
 Trachiotis s. Trachia v. Cilicia.  
 Trachones montes prope Damascus 755,  
 Tragaetae insulae prope Miletum 635. [756.  
 Τραγασαῖον ἀλοπήγιον salinae apud  
 Hamaxitum 605.  
 Tragium opp. Laconicae 360.  
 Tragurium insula 124, 315.  
 Tralles opp. Lydiae 440, 648, 649, 663, 669.  
 Tralliani 579, 648, 649.  
 Trapezon collis Syriae 751.  
 Trapezus opp. ponti 309, 320, 331, frg.  
 55, 497, 499, 548, 555. mons Chersonesus  
 Tauricae 309.  
 Trapezusia ager Trapezuntiorum 547.  
 Trarium opp. Mysiae 607.  
 Trasimenus lacus 226.  
 Trebia fl. Galliae cisalpiniae 217.  
 Trebonius percussor Caesaris 646.  
 Trebula opp. Sabinorum 228.  
 Trepbia lacus Boeotiae 407.  
 Trepontium opp. Latii 237.  
 Treres pop. Thracius 59, 61, 511, 552, 573.  
 Treus fl. Latii 237. [586, 627, 647.  
 Treta opp. Cypri 683.  
 Tretum prom. Numidia 829, 831, 832.  
 Treviri pop. Galliae 194.  
 Triballi gens Thraciae 301, 305, 315, 317, 319.  
 Tribocchi pop. Galliae 193, 194.  
 Tricca opp. Thessaliae 327, 360, 374, 437,  
 438, 448, 647.  
 Trichaices cognomen Dorum 476.  
 Trichonium opp. Aetoliae 450.  
 Triclari in Thessalia 330, frg. 20.  
 Tricorii pop. Galliae 185. 203.  
 Tricorynthus opp. Atticae 377, 383, 399.  
 Tridintini 204.  
 Trieres opp. Syriae 754.  
 Trinacria i. q. Sicilia 265.  
 Trinemensis pagus Atticae 400.  
 Trinx opp. Mauritaniae 825.  
 Triphylia pars Elidis 337, 339, 342—348,  
 355, 357—359, 367, 372, 447.  
 Triphylia Pylus 337.  
 Triphylia mare 348, 353.  
 Triphylia 337, 343, 353, 355, 367.  
 Tripodes s. Tripodiscium opp. Megaridis  
 394.  
 Tripolis opp. Phoeniciae 754, 755.  
 Tripolitis cf. Pelagonia.  
 Triptolemus pater Gordyis 27, 673, 747,  
 750. tragoedia Sophoclis 27.  
 Tritaea opp. Achaiae 341, 342.  
 Tritaenses 341, 386.  
 Triton opp. Boeotiae 407.  
 Tritonis lacus Cyrenaicae 836.  
 Troades Troianae 262, 264, 330, frg. 25.  
 Troas regio 6, 581—616. ....  
 Trocmi pop. Galatiae 187, 561, 566, 567.  
 Troezen Pelopis f. 374. opp. Argolidis  
 Troezenii 565. [369, 373—375.  
 Trogilius prom. et ins. Ioniae 636.  
 Trogitis palus in Lycaonia 568.  
 Troglodytae ad sinum Arabicum 2, 42, 318,  
 774—776, 784—786, 819, in Caucaso 506,  
 769—776.



roglodytica 131, 133, 696, 768, 780, 798.  
roica opp. Troadis 58, 149, 321, 326, 330,  
frg. 20, 23, 25, 331, frg. 58, 343, 354, 416,  
449, 487, 543, 565, 572, 573, 590, 601, 602,  
679, i. q. Troas 473, 574, 583, 584, 590,  
600, 608, 655, 668, 676. vicus Aegypti 809.  
roiani 40... bellum Troianum 48...  
roica belli Troiani tempora 38...  
roici populi 679. Troicum littus 623.  
Troicus ager 582. campus 592, 595—599,  
623. mons in Aegypto 809. Troica urbs  
264. Τρωικός διάκσμος 609.

rophonius frater Agamedis 421, 762.  
ruentinus fl. et opp. Piceni 241.  
rypho cf. Diodotus.  
rubattii pop. Germaniae 292.  
ruccis opp. Baeticae 141.  
ruder opp. Umbriae 227.  
ruisi opp. Cantabriae 156.  
rullum mons Norici 207.  
runis opp. Carthaginiensium 834.  
rurdetani pop. Hispaniae 139, 141, 147, 151,  
rurdetania 139—147, 149, 151, 157. [167].  
rarduli s. Turdetani 139, 141, 148, 151, 153.  
rusci i. q. Tyrrheni 219.  
rusculanus mons 237, 239.  
rusculum opp. Latii 237—239.  
ryana opp. Cappadociae 537, 539, 587.  
ryanitis praefectura Cappadociae 534, 537.  
rychius coriarius 408, 626.  
rycho deus Atticorum 588.  
rymbrias opp. Pisidiae 570.  
rympa mons Epiri 325.  
rympphaei Epirotae 326, 327, 329, frg. 6.  
ryndareus Ledae coniux 461.  
ryndarii scopuli quattuor insulae ad oram  
Marmaricae 790.

tyndaris opp. Siciliae 266, 272.  
typaneae opp. Triphylliae 344.  
typhon gigas 248, 579, 626, 628, 750, 751.  
Osiridis osor 803.  
typhonia Abydi in Aegypto 815.  
typhrestus mons Thessaliae 433.  
tyramba opp. ad Bosporum Cimmerium 494.  
tyrannio grammaticus 548, 609. [308, 311].  
tyras fl. Sarmatiae 14, 107, 289, 305, 306.  
tyregetae Istri accolae 118, 128, 289, 295,  
Tyria purpura 757. [306].  
tyriaeum opp. Phrygiae 663.  
tyrii Tyri incolae 158, 169, 170, 757, 784,  
Tyro Salmonei filia 356. [826, 829].  
tyrrheni 23, 219—227...  
tyrrhenia 21, 23, 117, 202, 211, 217—228,  
235, 378, 614.  
tyrrhenicae urbes 220, 223. sortes 813.  
tyrrhenici fines 209, 216. haruspices  
762. tyrrhenicum littus 253, 255, 274.  
mare 55... Tyrrhenicus sinus 92, 108.

tyrrhenus Atyis f. 219, 221.  
tyrtaeus poeta 279, 362, 366.  
tyrtamus i. q. Theophrastus 618.  
tyrus opp. Phoeniciae 58, 134, 750, 754,  
756—58, 766, 832. ins. in sinu Persico 766.

## U. V.

vaccae pop. Hispaniae 152, 153, 162.  
vacua fl. Lusitaniae 153.  
vaga opp. Numidia 831.  
valeria via 237, 238, 266.  
valerius flaccus consul 594.  
vapanes opp. Corsicae 224.  
vardaei i. q. Ardiaei 315.  
vari pop. Galliae 185.  
varia opp. Celtiberiae 162. Latii 238.  
varus fl. Galliae 177, 178, 184, 203, 209.  
varus Quinctilius 291.  
vascones pop. Hispaniae 155, 161.  
ubi pop. Germaniae 194.  
ucromirus dux Chattorum 292.  
veii opp. Etruriae 226.  
velia opp. Lucaniae 252, 253.  
velitrae opp. Latii 237.  
vellaci pop. Galliae 190.  
venafrum opp. Campaniae 238, 242, 250.  
venasa opp. Cappadociae 537.  
vendon opp. Iapodum 207, 314.  
veneti pop. Galliae 194, 195, 212.  
vennones pop. Vindelicorum 204, 206.  
ventidius Pacori victor 751.  
venus 657, 732, 745, 803, 815. templum in  
monte Pyrenaeo 178, 181. Lavinii 232. in  
monte Eryce 272. in Elide 343. Corinthi  
378. Acrocorinthi 379. in prom. Pedalio  
Cypri 682. in prom. Pyrrha 606. Mem-  
phide 807. in insula Tritonidis paludis  
836. Coliadis 398. Castnietidis 438. Apa-  
turi 495. Acratae 682. Paphiae 683. Arsi-  
noae 800. Anadyomena Apellis tabula 657.  
venusia opp. Samniti 250, 254, 283.  
vera castellum Mediae 523.  
veragri pop. Alpini 204.  
verbanus lacus 209.  
vorcelli vicus Galliae cisalpiniae 218.  
vercingetorix Arvernus 191.  
verestis fl. Latii 239.  
veretum opp. Salentinorum 281, 282.  
verona opp. Galliae cisalpiniae 206, 213.  
vertinae opp. Lucaniae 254.  
vesta dea 220, 229.  
vestina regio Italiae 233, 241.  
vestini 219, 228, 241.  
vesuvius mons 26, 247.  
vetera opp. Hisp. 160.  
vettones pop. Hispaniae 139, 152, 162, 164.  
ugernum opp. Galliae 178.  
vibisci Bituriges 190.

Vibona Valentia opp. Bruttiorum 256.  
 Vicetia opp. Galliae cisalpinae 214.  
 Vienna caput Allobrogum 185, 186.  
 Viminalis collis 234. porta 234.  
 Vindelici 193, 206, 207, 292, 313.  
 Visurgis fl. Germaniae 291.  
 Vitia opp. Hyrcaniae 508.  
 Vitii pop. Hyrcaniae 508, 514.  
 Ulixes 11, 20—27, 38, 40, 43—45...  
 Umbria et Umbri pop. Italiae 214, 216,  
 217, 219, 227, 235, 240, 250, 376.  
 Undalus opp. Galliae 185.  
 Vocontii pop. Galliae 178, 179, 185, 187, 203.  
 Volaterrae opp. Etruriae 222.  
 Volaterrani 223. [203. Tectosages 187.  
 Volcae Arecomisci pop. Galliae 186, 187,  
 Volsi pop. Italiae 228, 231, 237.  
 Volsinii opp. Tyrrhenorum 226.  
 Uranopolis opp. Macedoniae 231, frg. 35.  
 Urgi (?) pop. Sarmatarum 306.  
 Uria opp. Calabriae 282, 283. lacus Aetoliae  
 Uriathus latro 158, 287. [459.  
 Urium opp. Apuliae 284.  
 Urso opp. Baeticae 141.  
 Usipii pop. Germaniae 292.  
 Utica opp. Carthaginiensium 831, 832.  
 Vulcanus 41, 472, 473. *Ἡφαίστων ἀγορά*  
 246. Hiera i. q. Thermessa insula 275.  
*Ἡφαίστειον* 807.  
 Vulturinus et Vulturum opp. et fl. Campa-  
 niae 238, 243, 249.  
 Uxia regio Persidis 729, 744.  
 Uxii pop. Persidis 524, 728, 729, 732.  
 Uxisama insula 64.  
 Uzita opp. Numidiae 831.

## X.

Xanthia opp. Ciconum 331, frg. 44.  
 Xanthii in Lycia 666. Thraces 590. s. Parii  
 pop. Daorum 511, 515.  
 Xanthus opp. Lyciae 134, 666. fl. Lyciae 665.  
 Troadis 590. rex Boeotorum 393. Lydus  
 historicus 49, 50, 572, 579, 627, 628, 680, 681.  
 Xenarchus Seleucensis peripateticus 670.  
 Xenocles custos thesauri Alexandri 69.  
 orator Adramyttenus 614, 660.  
 Xenocrates Bithynus 550, 566, 610.  
 Xenophanes physicus et poeta 643.  
 Xenophon 387, 403.  
 Xerxena regio Armeniae minoris 528.

Xerxes Darii f. 10. ....  
 Ximena regio Ponti 561.  
 Xiphoniae prom. in Sicilia 367.  
 Xoïs ins. et opp. Aegypti 802.  
 Xuthus Ionis pater 383.  
 Xypeteon tribus Attica 604.

## Z

Zacynthii 159.  
 Zacynthus insula 124, 335, 458, 836.  
 Zagrium s. Zagrus mons Asiae 522—25, 7  
 Zaleucus legum lator 260. [739, 74  
 Zama opp. Numidiae 829, 831.  
 Zamolxis Geta 297, 298, 304, 792.  
 Zancle opp. Siciliae 268.  
 Zancleai 257, 268, 272.  
 Zardoces nomen Paphlagonium 553.  
 Zariadris dux Armeniorum 528, 531.  
 Zariaspa i. q. Bactra 514, 516.  
 Zarmanochegas sapiens Indus 720.  
 Zela opp. Ponti 512, 557, 559—561.  
 Zelas Prusiae pater 563.  
 Zelea opp. Troadis 551, 552, 565, 576, 58  
 587—589, 596, 603.  
 Zelis opp. Mauritaniae 140, 827.  
 Zelitis ager Zelae 557, 559, 561.  
 Zella opp. Numidiae 831.  
 Zenicetes Cilix 671.  
 Zeno Eleata 252. orator Laodicensis 57  
 660. Citiensis Stoicus 15, 41, 299, 610, 61  
 Zenodorus latro 756. [683, 757, 78  
 Zenodotus grammaticus 413, 543, 553.  
 Zenophanes tyrannus Ciliciae 672.  
 Zephyria i. q. Halicarnassus 656.  
 Zephyria prom. Cypri 683.  
 Zephyrium prom. Italiae 259, 270. Caria  
 658. Ciliciae 670, 671. Aegypti 80  
 locus in littore Marmaricae 799. [5  
 Zephyrus ventus. 2, 28, 29, 39, 150, 331, fr  
 Zeugma ad Thapsum 79, 80, 524, 532, 73  
 746, 747. ad Samosata 532, 664, 746, 74  
 Zeuxis medicus 580. [74  
 Zincha opp. Numidiae 831.  
 Zodiacus 13, 31, 110, 136.  
 Zoilus orator 271.  
 Zonas cf. Diodorus.  
 Zoster prom. Atticae 398.  
 Zuchis lacus et opp. Libyae 835.  
 Zumi pop. Germaniae 290.  
 Zygi pop. Caucasum accolens 129, 49  
 Zygopolis opp. Ponti 548. [495—49



